असतो मा सद्गमय।
तमसो मा ज्योतिर्गमय।

- बृहदारण्यक उपनिषद्

ICSSR

भारतीय सामाजिक विज्ञान अनुसंधान परिषद्

अरुणा आसफ अली मार्ग, ज. ने. वि. संस्थान क्षेत्र, नई दिल्ली - 110067
दूरभाष : 26741849/50/51 | ई-मेल : info@icssr.org वेबसाइट : www.icssr.org

ICSSR

भा. सा. वि. अ. प. वार्षिक रिपोर्ट 2020 -21

ICSSR

वार्षिक रिपोर्ट
2020 -21

भारतीय सामाजिक विज्ञान अनुसंधान परिषद्

शिक्षा मंत्रालय
भारत सरकार

वार्षिक रिपोर्ट
2020–21

भारतीय सामाजिक विज्ञान अनुसंधान परिषद्

अरुणा आसफ अली मार्ग,

जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय संस्थान क्षेत्र,

नई दिल्ली–110067

विषय सूची

कार्यक्रम **1—53**

1. सिंहावलोकन 3—7
2. अनुसंधान प्रोत्साहन 8—23
   - अनुसंधान परियोजनाएं 8
   - अनुसंधान अध्येतावृत्तियाँ 11
   - राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय सेमिनार/सम्मेलन 16
   - प्रशिक्षण एवं क्षमता निर्माण कार्यक्रम 17
   - अनुसंधान सर्वेक्षण एवं प्रकाशन 18
   - राष्ट्रीय सामाजिक विज्ञान प्रलेखन केंद्र (नेसडॉक) (एनएएसएसडीओसी) 20
   - भा.सा.वि.अ.प. गतिविधियों के आउटरीच पर मात्रात्मक जानकारी 23
3. अंतर्राष्ट्रीय सहयोग 24—32
4. इंपेक्टफुल पॉलिसी रिसर्च इन सोशल साइंसेज (इम्प्रेस) योजना 33—39
5. भा.सा.वि.अ.प. के क्षेत्रीय केंद्र 40—45
6. भा.सा.वि.अ.प. अनुसन्धान संस्थान 46—53

परिशिष्ट **55—308**

1. परिषद् के सदस्यों की सूची 57—59
2. भा.सा.वि.अ.प. के वरिष्ठ अधिकारीगण 60—61
3. अनुसंधान कार्यक्रम/परियोजनाएं 62—98
   - अनुसंधान कार्यक्रम 62—64
   - कोविड—19 पर विशेष कॉल के तहत स्वीकृत परियोजनाएं 64—68
   - वृहद अनुसंधान परियोजनाएं 68—75

	लघु अनुसंधान परियोजना	75—83
	अंतिम रिपोर्ट प्राप्त	83—94
	रिसर्च जर्नल्स में प्रकाशित पेपर्स (UGC Care List, Scopus)	94—98
4.	अनुसंधान अध्येतावृत्तियाँ	99—169
	प्राप्त अंतिम रिपोर्ट	113—122
	वरिष्ठ / पोस्ट डॉक्टोरल अध्येताओं द्वारा रिसर्च जर्नल्स में प्रकाशित पेपर्स	122—127
	डॉक्टोरल अध्येताओं द्वारा प्रकाशित पेपर्स	161—169
5.	भारत में राष्ट्रीय एवं अन्तर्राष्ट्रीय सम्मेलनों / संगोष्ठियों के आयोजन के लिए प्रदत्त वित्तीय सहायता	170—172
6.	प्रशिक्षण एवं क्षमता निर्माण कार्यक्रम	173—174
7.	प्रकाशन अनुदान	175—178
8.	राष्ट्रीय सामाजिक विज्ञान प्रलेखन केंद्र (नैसडॉक) द्वारा संकलित ग्रंथसूचियाँ (बिबलियोग्राफी)	179
9.	भा.सा.वि.अ.प. के क्षेत्रीय केंद्रों की प्रमुख गतिविधियाँ	180—187
10.	भा.सा.वि.अ.प. (आई.सी.एस.एस.आर.) अनुसंधान संस्थानों की प्रमुख गतिविधियां / कार्यकलाप	188—263
11.	इम्प्रेस योजना के अंतर्गत स्वीकृत अनुसंधान परियोजनाएं	264—308
	रिसर्च जर्नल्स में प्रकाशित पेपर्स	269—273
लघुरूप		**309—313**
वार्षिक लेखे		**315—367**

"प्रस्तुत प्रतिवेदन मूल रूप से अंग्रेजी में लिखित वार्षिक रिपोर्ट जिसमें पृथक लेखापरीक्षा प्रतिवेदन भी शामिल है का हिंदी अनुवाद है। यदि इसमें कोई विसंगति परिलक्षित होती है तो अंग्रेजी में लिखित प्रतिवेदन मान्य होगा।"

कार्यक्रम

1

सिंहावलोकन

ऐसा व्यापक रूप से माना जाता है कि समाज और उसकी कार्य–प्रणाली को अच्छे से समझने में सामाजिक विज्ञान में हुए अनुसंधान बहुत सहायक है, यह सामाजिक–आर्थिक विकास के लिए नीतिगत सहायता प्रदान करता है जिसका उपयोग शिक्षण और अनुसंधान में किया जा सकता है। इस प्रकार, सामाजिक विज्ञान अनुसंधान समाज और देश को महत्वपूर्ण सेवाएं प्रदान करता है।

भारत में सामाजिक विज्ञान के क्षेत्र में शिक्षण और अनुसंधान की एक लंबी और समृद्ध परंपरा रही है। भारत के विभिन्न हिस्सों में शिक्षा के वैश्विक केंद्रो के रूप में तक्षशिला, नालंदा, विक्रमशिला, वल्लभी, पुष्पगिरी और सोमपुरा जैसे विश्वविद्यालय विकसित हुए। इन विश्वविद्यालयों में पढ़ाए जाने वाले प्रमुख विषयों में वेद, वेदांत, आयुर्वेद, चिकित्सा और शल्य चिकित्सा, न्यायशास्त्र, गणित, खगोल विज्ञान, भौतिकी, धातुविज्ञान, सिविल इंजीनियरिंग, वास्तुकला, दर्शन, व्याकरण, कृषि, अर्थशास्त्र, वाणिज्य, राजनीति, राज्य शिल्प, सैन्य शिक्षा, साहित्य, शिल्प आदि सम्मिलित थे और इन विश्वविद्यालयों द्वारा शिक्षण और अनुसंधान के क्षेत्र में दुनिया भर के विद्वानों के लिए बहुत उच्च मानक स्थापित किये गये थे। भारतीय शिक्षा की इसी शिक्षा–प्रणाली ने आर्यभट्ट, भास्कराचार्य, जीवक कोमारभक्का, महावीराचार्य, चरक, सुश्रुत, बौधायन, चाणक्य, ब्रह्मगुप्त, पाणिनी, पतंजलि, नागार्जुन, पिंगला, गार्गी, कणाद, वराहमिहिर, तिरुवल्लुवर आदि जैसे महान एवं उच्च–कोटि के विद्वानों को पैदा किया है।

हालांकि, हमारे देश में सामाजिक विज्ञान में शिक्षण और अनुसंधान की औपचारिक शुरूआत 19वीं शताब्दी के उत्तरार्द्ध में आधुनिक विश्वविद्यालय प्रणाली के अंतर्गत हुई। इसके साथ हीं मुंबई विश्वविद्यालय (1857), मद्रास विश्वविद्यालय (1857), कलकत्ता (1857) और इलाहाबाद विश्वविद्यालय (1875) अस्तित्व में आए। आजादी के बाद सामाजिक–आर्थिक विकास को बढ़ाने के लिए उच्च शिक्षा प्रणाली में तेजी से विस्तार हुआ और उसी के साथ सामाजिक विज्ञान अनुसंधान की वास्तविक जरूरत महसूस होने लगी। चूंकि देश की विकास प्रक्रिया ने कई और विविध समस्याओं को जन्म दिया, जिनके लिए व्यापक शोध और विश्लेषण की आवश्यकता पड़ी। इसी को ध्यान में रखते हुए भारत सरकार के द्वारा सामाजिक विज्ञान अनुसंधान की परिस्थिति का अवलोकन करने के लिए प्रोफेसर वी.के.आर.वी. राव की अध्यक्षता में 1965 में एक समिति गठित की गयी। इसके साथ हीं देश में सामाजिक विज्ञान अनुसंधान परिदृश्य की समीक्षा करने और इसकी प्रगति में तेजी लाने की बात कही गयी। इस प्रकार भारतीय सामाजिक विज्ञान अनुसंधान परिषद् (इंडियन काउंसिल ऑफ सोशल साईंस रिसर्च) (ICSSR) की स्थापना 1969 में भारत सरकार द्वारा देश में सामाजिक विज्ञान में अनुसंधान को प्रोत्साहित करने, बढ़ावा देने एवं वित्तीय सहायता के लिए की गयी।

शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार के तहत यह एक स्वायत्त संस्था है जो देश के विभिन्न हिस्सों में स्थित प्रमुख 24 अनुसंधान संस्थानों (अनुदान सहायता), पाँच मान्यता प्राप्त अनुसंधान संस्थानों और छः क्षेत्रीय केंद्रों के साथ एक प्रमुख संगठन के रूप में काम कर रहा हैं।

भारतीय सामाजिक विज्ञान अनुसंधान परिषद् के मेमोरेंडम ऑफ एसोसीएशन (MoA) में निर्धारित लक्ष्य और उद्देश्य निम्नलिखित हैंः

- सामाजिक विज्ञान अनुसंधान की प्रगति की समीक्षा एवं सर्वेक्षण करने के साथ नीतिगत मुद्दों पर सरकार को सलाह देना,
- विश्वविद्यालयों/महाविद्यालयों/अनुसंधान संस्थानों में सामाजिक विज्ञान में अनुसंधान को बढ़ावा देना और अनुदान की सहायता करना,
- सामाजिक विज्ञान में अनुसंधान को बढ़ावा देने के लिए शोधकर्ताओं और संकायों को डॉक्टोरल, पोस्ट–डॉक्टोरल, वरिष्ठ और राष्ट्रीय अध्येतावृतियाँ प्रदान करना,
- शोधकर्त्ताओं और संस्थाओं को लघु, वृहद और समन्वित अनुसंधान परियोजनाओं को प्रदत्त करना,

- सामाजिक विज्ञान में अनुसंधान के प्रचार–प्रसार के लिए राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठियों और सम्मेलनों को वित्तीय सहायता प्रदान करना,
- युवा शोधार्थियों एवं संस्थाओं के लिए प्रशिक्षण और क्षमता निर्माण जैसे कार्यक्रमों का प्रायोजित करना एवं सहयोग देना,
- अंतर्राष्ट्रीय यात्रा और आँकड़ा संग्रह के लिए शोधार्थियों और संस्थाओं को अनुदान प्रदान करना,
- मान्यता प्राप्त विदेशी अनुसंधान वित्त पोषण संस्था के साथ सामाजिक विज्ञान में अनुसंधान के लिए अंतर्राष्ट्रीय सहयोग को प्रोत्साहित करना,
- सामाजिक विज्ञान अनुसंधान से सम्बंधित पत्रिकाओं और पुस्तकों के प्रकाशन के लिए अनुदान देना और सामाजिक विज्ञान अनुसंधान में कार्य कर रहे संघो/संगठनों को भी सशक्त करना,
- सामाजिक विज्ञान अनुसंधान के लिए पुस्तकालय, प्रलेखन, आँकड़े और ऑनलाइन सेवाएं प्रदान करना तथा
- सामाजिक विज्ञान अनुसंधान के क्षेत्र में ऐसे विषयों की ओर ध्यान देना जो उपेक्षित और नए है।

भारतीय सामाजिक विज्ञान अनुसंधान परिषद पिछले 52 वर्षों से देश में सामाजिक विज्ञान में हो रहे अनुसंधान को सक्रिय रूप से बढ़ावा और वित्तीय सहायता प्रदान कर रहा है। यह राष्ट्रीय और क्षेत्रीय स्तर पर अनुसंधान के विषयों का अध्ययन करने के लिए अपने संस्थानों (अनुदान सहायता) को नियमित रूप से रखरखाव और विकास के लिए अनुदान प्रदान करता है। यह अपने छह क्षेत्रीय केंद्रों का भी पूरी तरह से सहयोग करता है, जो इसके कार्यक्रमों और योजनाओं को प्रोत्साहित करने के लिए अपने क्षेत्रों में इसका प्रतिनिधित्व करते हैं। भारतीय सामाजिक विज्ञान अनुसंधान परिषद्, अंतर्राष्ट्रीय सहयोग परियोजना के तहत यूनाइटेड किंगडम, जापान, दक्षिण अफ्रीका, जर्मनी, दक्षिण कोरिया, स्विट्जरलैंड, श्रीलंका, वियतनाम, फिलीपींस, नीदरलैंड, स्वीडन, ताइवान, बोस्निया और हर्जेगोविना सहित 14 देशों के साथ द्विपक्षीय सहयोगात्मक समझौतों पर काम कर रहा हैं और 'सांस्कृतिक आदान–प्रदान' जैसी गतिविधियों के लिए तीन देशों फ्रांस, चीन और थाईलैंड के साथ मिल कर कार्य कर रहा है जिससे विद्वानों का आदान–प्रदान, संयुक्त सेमिनार, शोध परियोजनाओं, प्रकाशनों, पुस्तकों और पत्रिकाओं का आदान–प्रदान किया जा सके। इतना ही नहीं, भारतीय सामाजिक विज्ञान अनुसंधान परिषद् अंतर्राष्ट्रीय सामाजिक विज्ञान जैसे संगठनों के द्वारा प्रायोजित गतिविधियों में भी भाग लेता है जिसमें अंतर्राष्ट्रीय विज्ञान परिषद (आईएससी), एशिया विज्ञान परिषद (एससीए) और यूनेस्को जैसे संगठन शामिल हैं। यूनेस्को द्वारा आयोजित कार्यक्रम मोस्ट (सामाजिक परिवर्तन का प्रबंधन) में भाग लेने के साथ गतिविधियों और उसके कार्यान्वयन के प्रति इसकी प्रतिबद्धता को देखते हुए परिषद् ने इसे नोडल एजेंसी के रूप में पहचाना है।

भारतीय सामाजिक विज्ञान अनुसंधान परिषद् द्वारा अभी तक 6793 लघु, वृहद् और सहयोगात्मक अनुसंधान परियोजनाओं पर काम किया जा चुका है। इसने 8,658 डॉक्टोरल अध्येतावृत्तियाँ (6515 पूर्णकालिक और 2143 अल्पकालिक) 2574 पोस्ट–डॉक्टोरल अध्येतावृत्ति, 795 वरिष्ठ अध्येतावृत्ति और 174 राष्ट्रीय अध्येतावृत्ति प्रदान की हैं। इसके द्वारा 4162 राष्ट्रीय और 1132 अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठियों/सम्मेलनों को प्रायोजित किया जा चुका है। इसके साथ हीं परिषद ने विदेशों में आयोजित संगोष्ठियों में भाग लेने के लिए 2144 विद्वानों और विदेशों में आँकड़े संग्रह के लिए 458 विद्वानों को वित्तीय सहायता प्रदान की है। भारतीय सामाजिक विज्ञान अनुसंधान परिषद् के द्वारा युवा शोधकर्ताओं और संकायों के विकास के लिए 1044 प्रशिक्षण और क्षमता निर्माण कार्यक्रमों को प्रायोजित किया जा चुका है। इतना हीं नहीं, इसने 1853 विद्वानों को उनके डॉक्टोरल थीसिस/परियोजनाओं/फैलोशिप रिपोर्ट/सम्मेलन आदि को बढ़ावा देने के लिए वित्तीय सहायता प्रदान की है।

भारतीय सामाजिक विज्ञान अनुसंधान परिषद् के द्वारा 1008 सामाजिक विज्ञान पत्रिकाओं और सामाजिक विज्ञान अनुसंधान से सम्बंधित गतिविधियों में शामिल 374 पेशेवर संघों को आर्थिक रूप से सहायता प्रदान की गयी है। इसने देश में सामाजिक विज्ञान के कुछ विषयों जैसे अर्थशास्त्र, राजनीति विज्ञान, समाजशास्त्र और सामाजिक नृविज्ञान, भूगोल और मनोविज्ञान में अनुसंधान की वर्तमान स्थिति को समझने के लिए छह बार सर्वेक्षण भी किए हैं। इसके द्वारा किए गये सर्वेक्षणों को सेज, पियर्सन और ऑक्सफोर्ड यूनिवर्सिटी प्रेस (ओयूपी) आदि जैसे प्रतिष्ठित प्रकाशकों के सहयोग से प्रकाशित भी किया गया है। भारतीय सामाजिक विज्ञान अनुसंधान परिषद के द्वारा 'द इंडियन सोशल साइंस रिव्यू' नामक प्रतिष्ठित पत्रिका प्रकाशित किया जाता था। हालाँकि इसे 2011 में बंद कर दिया गया था। अब, इसे फिर से आरंभ करने की पूरी योजना बन चुकी है जिसके लिए शोध पत्र और लेख आमंत्रित किए गए हैं, और इसकी समीक्षा प्रतिष्ठित विशेषज्ञों द्वारा की जा रही है। इसके अलावा, भारतीय सामाजिक विज्ञान अनुसंधान परिषद अपने राष्ट्रीय सोशल साइंस डाक्यूमेंट सेंटर (एनएएसएसडीओसी) के माध्यम से

देश भर में कई हजार सामाजिक विज्ञान के विद्वानों और संकायों को अनुसंधान के लिए पुस्तकालय, प्रलेखन, आँकड़े और ई–संसाधन जैसी सेवाएँ प्रदान करता है।

भारतीय सामाजिक विज्ञान अनुसंधान परिषद्, भारत सरकार की आवश्यकतानुसार नीतिगत प्रासंगिक मुद्दों पर अपनी शोध–आधारित सलाह देता रहा है और इसकी यू.के. के साथ न्यूटन और विवेकानंद पर आयोजित कार्यक्रम में महत्वपूर्ण भागीदारी रही। इसने भारत सरकार के विभिन्न मंत्रालयों जैसे सामाजिक न्याय और अधिकारिता मंत्रालय, अल्पसंख्यक मामलों के मंत्रालय, गृह मंत्रालय और विज्ञान और प्रौद्योगिकी मंत्रालय सहित अनेक अन्य मंत्रालयों के लिए अध्ययन भी किया है और इसके द्वारा किए गए अध्ययनों का उल्लेख मंत्रालयों एवं योजना आयोग के विभिन्न नीति कार्यपत्रों में हुआ है। इसके अलावा, इसके सदस्य सचिव और परिषद् के अन्य सदस्यों ने नियमित रूप से अन्य सरकारी संगठनों जैसे विश्वविद्यालय अनुदान आयोग, भारतीय सांख्यिकी संस्थान, वैज्ञानिक और औद्योगिक अनुसंधान परिषद् (सीएसआईआर), भारतीय वैश्विक परिषद्, भारतीय उच्च शिक्षा संस्थान आदि के साथ मिलकर नीति निर्माण या कार्यान्वयन के विचार–विमर्श में उपस्थित हीं नहीं रहें बल्कि अपना योगदान भी दिया। भारतीय सामाजिक विज्ञान अनुसंधान परिषद् के कई अधिकारियों ने भी परिषद् की विभिन्न योजनाओं पर अपनी प्रस्तुतियाँ दी हैं।

भारतीय सामाजिक विज्ञान अनुसंधान परिषद् ने अपने 52 वर्ष पूरे कर लिए हैं, यह भारत में सामाजिक विज्ञान के क्षेत्र में अनुसंधान को दिशा–निर्देश देने और वैश्विक स्तर पर सामाजिक विज्ञान अनुसंधान में सक्रिय रूप से काम करता है जिसके दौरान इसे अनेकों अवसरों के साथ–साथ महत्वपूर्ण चुनौतियों का सामना करना पड़ता हैं। विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (UGC) की रिपोर्ट के अनुसार, देश में 1014 विश्वविद्यालय हैं जिसमें केंद्रीय विश्वविद्यालयों की संख्या 54, राज्य स्तर के विश्वविद्यालयों की संख्या 439, निजी विश्वविद्यालयों की संख्या 395 और डीम्ड विश्वविद्यालयों की संख्या 126 हैं। इसी प्रकार, अंतर्राष्ट्रीय मानक शृंखला संख्या (आईएसएसएन) और उलरिच अंतर्राष्ट्रीय आवधिक निर्देशिका डेटा पुस्तकों से प्राप्त आंकड़ों के अनुसार, 2000–2015 की अवधि के दौरान भारत में सामाजिक विज्ञान के क्षेत्र में प्रकाशित पत्रिकाओं की संख्या 2131 थी।

भारतीय सामाजिक विज्ञान अनुसंधान परिषद् के समीक्षा रिपोर्ट (2007) में ऐसा उल्लेख किया गया है कि देश में सामाजिक विज्ञान के क्षेत्र में हो रहे अनुसंधान के पैमाने और सीमा का विस्तार हुआ है, इसके साथ ही अधिकांश संस्थानों में हो रहे शोध की गुणवत्ता के साथ–साथ सामाजिक–आर्थिक प्रक्रियाओं को बेहतर तरीके से समझने और सार्वजनिक नीतिओं को आकार देने में इसका महत्वपूर्ण योगदान है जो कि अपेक्षाओं से कम है। देश का कीमती संसाधन अनुसंधान करने में खर्च होता है ऐसे में शोध की गुणवत्ता में सुधार की आवश्यकता है। आज हमारे सामने शोध में गुणवत्ता का प्रश्न सामाजिक विज्ञान सहित देश में अनुसंधान के सभी क्षेत्रों के लिए एक बड़ी चुनौती है। इसको ध्यान में रखते हुए, 'नेशनल इंस्टीट्यूशनल रैंकिंग फ्रेमवर्क (NIRF)' की शुरुआत 2015 में की गयी, जिससे अनुसंधान के क्षेत्र में हो रहें कार्य पर अधिक ध्यान दिया गया है। क्योंकि किसी भी संस्थान या विश्वविद्यालयों के द्वारा किए गये शोध एवं उससे हुए विकास के आधार पर ही रैंकिंग निर्भर करती है। भारतीय संस्थानों और विश्वविद्यालयों की वैश्विक रैंकिंग में सुधार के लिए अनुसंधान में गुणवत्ता की संस्कृति को बढ़ाने की आवश्यकता हैं। जिसके लिए नीति निर्माताओं को नई रणनीतियों और सर्वोत्तम वैश्विक प्रथाओं को अपनाना जरूरी हो गया है। इस प्रकार, भारतीय सामाजिक विज्ञान अनुसंधान परिषद् अपने से संबद्ध सभी संस्थानों और विश्वविद्यालयों को राष्ट्रीय और वैश्विक रैंकिंग में सुधार करने में सहायता करने के साथ शोध में गुणवत्ता की संस्कृति को बढ़ावा देने के लिए उन्नत, और अत्याधुनिक शोध को बढ़ावा दे रहा है, जिससे उसे कई स्तरों पर चुनौती का सामना करना पड़ रहा है। भारतीय सामाजिक विज्ञान अनुसंधान परिषद् द्वारा गुणवत्तापूर्ण शोध की मजबूत संस्कृति को प्रोत्साहित किया जाता रहा है। इसी कारण, भारतीय सामाजिक विज्ञान अनुसंधान परिषद् राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर सामाजिक विज्ञान अनुसंधान के क्षेत्र में अग्रणी भूमिका निभाता हैं। यह हमारे देश के लिए एक लाभप्रद स्थिति कही जा सकती है।

व्यापक रूप से ऐसा कहा जाता है कि 21वीं सदी एशिया के नाम है, जहां भारत, जापान और चीन प्रमुखता से अग्रणी भूमिका में है। पिछले तीन दशकों से भारत और चीन तीव्र गति से उभर रहे हैं। शीत युद्ध की समाप्ति और वैश्वीकरण के बढ़ते प्रभाव को देखते हुए भारत को क्षेत्रीय और वैश्विक स्तरों पर अपनी स्थिति और भूमिका को फिर से परिभाषित करने की आवश्यकता है। 1990 के दशक के आर्थिक उदारीकरण के बाद से, भारत की वैश्विक स्थिति में लगातार सुधार हो रहा है। लगभग ढाई दशकों से अधिक समय से भारत सबसे तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्थाओं में से अब एक माना जाने लगा है। और यह संयुक्त राज्य अमेरिका, चीन, जापान और जर्मनी के बाद (जीडीपी के संदर्भ में) दुनिया की पांचवीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था है। इतना हीं नहीं

आज भारत के क्रय–शक्ति के संदर्भ में बात की जाए तो यह तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था है। ऐसा अनुमान लगाया जा रहा है कि आने वाले कुछ वर्षों में यह विश्व की तीन सबसे बड़ी अर्थव्यवस्थाओं में से हो सकता है। विश्व आज सामान्य अनुसंधान के क्षेत्र में बहुत सारी चिंताओं को लेकर संगठित हैं। ऐसे में कुछ राष्ट्र इन मौजूदा समस्याओं को समझने और उनका संभावित समाधान खोजने की दृष्टि से जागरूक हैं और वे चाहते है कि उनकी समस्याओं को समझा जाए और उनका समाधान निकाला जाए, जैसे कि बढ़ती जनसंख्या, राष्ट्रीय सुरक्षा, विकास पैटर्न, जल संसाधन, जलवायु परिवर्तन, स्थिरता, प्रवास, शहरी आधारभूत संरचना, समावेशिता आदि। जैसे कि ये भारत की कुछ विशिष्ट चिंताएं हो सकती हैं। इसलिए कई बार राष्ट्र आपस में मिलकर अपनी एक जैसी समस्याओं के लिए संगठित हो जाते है। और इसी तरह अनुसंधान संबंधी चिंताओं के संदर्भ में अभिसरण करते हैं।

ज्ञान निर्माण (शिक्षा निर्माण) में वैश्विक स्तर पर अग्रणी भूमिका निभाने की भारत की आकांक्षा अनुसंधान की क्षमताओं और बुनियादी ढांचे पर टिकी हुई है। अंततः किसी भी शोध का उद्देश्य समाज की सेवा के साथ नीति–निर्माण और उसके उद्देश्य के मूल्यांकन में योगदान देना होना चाहिए। साथ ही, इसका उद्देश्य अनुसंधान कार्य को आधुनिक शोध विषयों के सीमित क्षेत्र को पार कर अंतर और बहु–विषयकता की ओर अग्रसर होना चाहिए। ऐसे में कई विषय अपने संसाधनों के माध्यम से बड़े सामान्य कल्याण के उद्देश्य को प्राप्त करते हैं। इस संबंध में, भारतीय सामाजिक विज्ञान अनुसंधान परिषद की भूमिका और अधिक महत्वपूर्ण हो जाती है क्योंकि यह इस तरह के अंतर या बहु–विषयक शोधों को बढ़ावा देते रहा है। यहां तक कि विज्ञान और प्रौद्योगिकी के विकास के लिए नए विषयों की अधिक स्वीकार्यता हो और समाज को उन विकासों को स्वीकार करने और अनुकूलित करने के लिए तैयार करने के लिए एक सामाजिक विज्ञान परिप्रेक्ष्य की आवश्यकता होती है। सौभाग्य से, मजबूत अनुसंधान और नवाचार के आधार के इन सभी पहलुओं को राष्ट्रीय शिक्षा नीति, 2020 के मसौदे में अच्छी तरह से शामिल कर लिया गया है, जिसमें इन विषयों को रेखांकित किया गया है–''समाज के उत्थान के लिए केंद्रीय रूप से बड़ी और जीवंत अर्थव्यवस्था के निर्माण एवं इसे विकसित करने और बनाए रखने में ज्ञान और अनुसंधान की एक महत्वपूर्ण भूमिका हैं।

ज्ञान और अनुसंधान लगातार राष्ट्र को और अधिक ऊंचाइयों को प्राप्त करने के लिए प्रेरित करते रहता है। ''आज दुनिया में तेजी से हो रहे परिवर्तनों के साथ अनुसंधान एक मजबूत पारिस्थितिकी तंत्र के लिए शायद पहले से कहीं अधिक महत्वपूर्ण हो गया है...........।''

वैश्विक राजनीतिक, आर्थिक और तकनीकी वातावरण में भारत की दावेदारी को प्रमुखता से देखा जाता है, और इसलिए ऐसी उम्मीद की जाती है कि भारत का वैश्विक गुणवत्ता अनुसंधान में एक बड़ा हिस्सा होगा। शोध के क्षेत्र में हो रहें नए शोध कार्य कई प्रतिमान बदलाव की ओर ले जा सकते हैं और औपनिवेशिक अवधारणाओं और सिद्धांतों को चुनौती भी दे रहें हैं। देश में हमारी समस्याओं को पश्चिमी देशों के मापदंडो के माध्यम से देखने के बजाय अपनी सामाजिक–राजनीतिक और आर्थिक परिस्थितियों के आधार पर विश्लेषण करने पर अधिक जोर दिया जाने लगा है। इस तरह आज हम शोध के विभिन्न विषयों के माध्यम से स्थानीय, सामुदायिक और देश की विशिष्ट समस्याओं को हल करने और नवीन समाधान और विकल्प सुझाने के लिए बेहतर स्थिति में हैं।

सरकार और अन्य शोध संगठनों के समर्थन से भारतीय सामाजिक विज्ञान अनुसंधान परिषद भारत में सामाजिक विज्ञान अनुसंधान के क्षेत्र में बड़ा योगदान देने में समर्थ है। अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर सामाजिक विज्ञान के क्षेत्र में हो रहें प्रकाशनों (स्कोपस सांख्यिकी) से ऐसा अनुमान लगाया जा सकता है कि जिस प्रकार भारत की विकास दर बढ़ी है आने वाले वर्षों के लिए एक मजबूत संकेतक है। भारतीय सामाजिक विज्ञान अनुसंधान परिषद अपनी नई भूमिकाओं के प्रति अत्यधिक जागरूक है, और उसके द्वारा इस संबंध में कुछ महत्वपूर्ण कदम उठाए गये हैं। अब यह अपने कार्यक्रमों और योजनाओं के मात्रात्मक विस्तार और गुणवत्तापूर्ण अनुसंधान के विस्तार पर ध्यान केंद्रित कर रहा है। वर्ष 2020–21 के दौरान, परिषद ने देश में गुणवत्तापूर्ण सामाजिक विज्ञान अनुसंधान को प्रोत्साहित करने और बढ़ावा देने के लिए कई सौ अध्येताओं, संकायों और अनुसंधान संगठनों को वित्तीय सहायता प्रदान की है जैसा कि तालिका संख्या 1.1 में दिया गया है।

तालिका 1.1
वार्षिक गतिविधियों पर एक नजर (2020–21)

क्र. सं.	कार्यक्रम/परियोजना/सेवा का नाम	लाभार्थियों की संख्या
1.	अनुसंधान परियोजनाएं (प्रदत्त) (लघु, वृहद एवं इम्प्रेस (IMPRESS) योजना)	74
2.	अनुसंधान परियोजनाओं की प्राप्त अंतिम रिपोर्ट (गत वर्षों की)	345
3.	राष्ट्रीय अध्येतावृत्तियाँ (प्रगति में)	04
4.	वरिष्ठ अध्येतावृत्तियाँ (प्रगति में)	44
5.	पोस्ट–डॉक्टोरल अध्येतावृत्तियाँ (प्रगति में)	256
6.	डॉक्टोरल अध्येतावृत्तियाँ (प्रगति में)	465
7.	प्राप्त अध्येतावृत्ति रिपोर्ट (राष्ट्रीय, वरिष्ठ, पोस्ट–डॉक्टोरल एवं डॉक्टोरल) (पिछले वर्षों से संबंधित)	488
8.	रिसर्च पेपर प्रकाशित (रिसर्च प्रोग्राम/प्रोजेक्ट/इंप्रेस एवं फैलोशिप रिपोर्ट के आधार पर)	414
9.	अनुसंधान रिपोर्ट/डॉक्टोरल थीसिस आदि के लिए प्रकाशन अनुदान	15
10.	सामाजिक विज्ञान अनुसंधान पत्रिकाओं के प्रकाशन के लिए तदर्थ अनुदान	33
11.	रख–रखाव और व्यावसायिक विकास के लिए सामाजिक वैज्ञानिकों के संघों/ संगठनों को तदर्थ अनुदान	07
12.	पुस्तकालय और प्रलेखन सेवाओं के लाभार्थी	3975
13.	अनुसंधान पद्धति और क्षमता निर्माण कार्यक्रम में प्रशिक्षण पाठ्यक्रम	15
14.	अंतर्राष्ट्रीय/राष्ट्रीय संगोष्ठियों के आयोजन के लिए स्वीकृत प्रस्ताव (इंप्रेस योजना सहित)	57
15.	भा.सा.वि.अ.प. अनुसंधान संस्थानों से प्राप्त अनुसंधान आउटपुट (प्रकाशन)	
	क) पुस्तकें/रिपोर्ट	157
	ख) वर्किंग पेपर्स/मोनोग्राफ	335
	ग) अनुसंधान लेख	673

भारतीय सामाजिक विज्ञान अनुसंधान परिषद की **'संगठनात्मक संरचना'** इस प्रकार है– भारतीय सामाजिक विज्ञान अनुसंधान परिषद की सर्वोच्च निर्णय लेने वाली संस्था, जिसे परिषद् के रूप में जाना जाता है, 27 सदस्य हैं, जिसमें 'परिषद्' के अध्यक्ष और सदस्य–सचिव भी शामिल है। यह 18 समाजिक वैज्ञानिकों, एक सह–चयनित सदस्य और सरकार का प्रतिनिधित्व करने वाले 6 पदेन सदस्यों के साथ अपनी महत्वपूर्ण सेवाएँ दे रहा हैं। परिषद के सदस्यों की सूची परिशिष्ट–1 में दी गई है।

भारतीय सामाजिक विज्ञान अनुसंधान परिषद् का 'सदस्य सचिव' सचिवालय के प्रमुख एवं मुख्य कार्यकारी अधिकारी होते हैं, जिसके अंतर्गत निदेशक, उप निदेशक, सहायक निदेशक और अन्य अधिकारी आते हैं। भारतीय सामाजिक विज्ञान अनुसंधान परिषद् के अधिकारी, अपने सामान्य आधिकारिक कर्तव्यों के अलावा, शोध पत्रों, संपादित पुस्तकों, पत्रिकाओं आदि में लेखों के माध्यम से योगदान देते रहते हैं और रिपोर्टिंग वर्ष के दौरान समय समय पर व्याख्यान भी देते रहे हैं।

अनुसंधान समिति (आर.सी.), अनुसंधान संस्थान समिति (आर.आई.सी.), और योजना और प्रशासन समिति (पी.ए.सी.) परिषद की तीन स्थायी समितियां हैं। भारतीय सामाजिक विज्ञान अनुसंधान परिषद् ने, अनुसंधान समिति (आर.सी.), अनुसंधान संस्थान समिति (आर.आई.सी.) तथा योजना और प्रशासन समिति (पी.ए.सी.) की कई बैठकें वित्तीय वर्ष 2020–21 के दौरान आयोजित की हैं।

भारतीय सामाजिक विज्ञान अनुसंधान परिषद् की यह 52वीं वार्षिक रिपोर्ट है, जिसमें 1 अप्रैल, 2020 से 31 मार्च, 2021 तक परिषद् द्वारा की गयी गतिविधियों का विस्तृत विवरण प्रस्तुत किया गया है।

2
अनुसंधान प्रोत्साहन

भारतीय सामाजिक विज्ञान अनुसंधान परिषद् (भा.सा.वि.अ.प.) का सबसे महत्वपूर्ण कार्य सामाजिक विज्ञान के क्षेत्र में अनुसंधान को बढ़ावा देना है। भारतीय सामाजिक विज्ञान अनुसंधान परिषद् लघु, वृहद् और सहयोगात्मक अनुसंधान परियोजनाओं को वित्तीय सहायता प्रदान करने के साथ शोधकर्ताओं और संकायों को डॉक्टरेट, पोस्ट–डॉक्टरल, वरिष्ठ और राष्ट्रीय अध्येतावृति प्रदान करता है। यह सामाजिक विज्ञान के क्षेत्र में हो रहें अनुसंधान के प्रचार–प्रसार के लिए संगोष्ठी और सम्मेलन के आयोजन के लिए अनुदान प्रदान करता है। युवा शोधकर्ताओं और संकायों के लिए प्रशिक्षण और क्षमता निर्माण कार्यक्रमों को प्रायोजित करने के साथ विद्वानों और संकायों को अंतर्राष्ट्रीय यात्रा और आँकड़े के संग्रह के लिए अनुदान प्रदान करता है। विदेशों में राष्ट्रीय स्तरीय वित्त पोषण एजेंसियों के साथ अनुसंधान में अंतर्राष्ट्रीय सहयोग को प्रोत्साहित करने के आलावा पत्रिकाओं और पुस्तकों के प्रकाशन के लिए वित्तीय सहायता प्रदान करता है और पेशेवर सामाजिक विज्ञान संघों/संगठनों को अनुदान देकर सशक्त करने का काम करता है। भारतीय सामाजिक विज्ञान अनुसंधान परिषद् शोधकर्ताओं को पुस्तकालय, प्रलेखन, आँकड़े और ऑनलाइन साहित्य सेवाएं प्रदान कर अपने विभिन्न कार्यक्रमों और योजनाओं के माध्यम से सामाजिक विज्ञान में अनुसंधान कार्य को बढ़ावा देने का काम करता है।

भारतीय सामाजिक विज्ञान अनुसंधान परिषद् ने सामाजिक विज्ञान के क्षेत्र में अंतर–अनुशासनात्मक और बहु–विषयक अनुसंधान को बढ़ावा देने के लिए व्यापक विषयों की पहचान की है जो निम्नलिखित है–

1) अर्थशास्त्र
2) समाजशास्त्र, और सामाजिक मानव विज्ञान
3) राजनीति विज्ञान/लोक प्रशासन
4) अंतर्राष्ट्रीय अध्ययन
5) सामाजिक भूगोल, और जनसंख्या अध्ययन
6) वाणिज्य और प्रबंधन
7) सामाजिक मनोविज्ञान
8) शिक्षा
9) सामाजिक भाषाविज्ञान/सामाजिक–सांस्कृतिक अध्ययन
10) कानून/अंतर्राष्ट्रीय कानून
11) राष्ट्रीय सुरक्षा और सामरिक अध्ययन
12) अंतर–विषयक और बहु–विषयक अनुसंधान को बढ़ावा देने के लिए सामाजिक विज्ञान से सम्बंधित अन्य विषय जैसे पुस्तकालय विज्ञान, सामाजिक कार्य, मीडिया अध्ययन, आधुनिक सामाजिक इतिहास, स्वास्थ्य अध्ययन, जेंडर का अध्ययन, पर्यावरण का अध्ययन, प्रवासी अध्ययन, क्षेत्र अध्ययन, संस्कृत–समाज और सांस्कृतिक अध्ययन आदि।

अनुसंधान परियोजनाएँ

व्यक्तिगत और संस्थागत दोनों तरह की शोध परियोजनाएँ देश में सामाजिक विज्ञान अनुसंधान को बढ़ावा देने के लिए महत्वपूर्ण है। अनुसंधान परियोजनाएँ किसी भी सामाजिक विज्ञान के विषय से संबंधित हो सकती हैं या प्रकृति में अंतः विषयक या बहु–विषयक हो सकती हैं। इस तरह के कार्यक्रम के विशिष्ट उद्देश्य निम्न हैः

1) उच्च गुणवत्ता वाले स्वतंत्र अनुसंधान से सम्बंधित कार्यक्रम का समर्थन करना;
2) नए शोधकर्ताओं को प्रशिक्षण के अवसर प्रदान करना;
3) अनुसंधान के लिए नए सैद्धांतिक या पद्धतिगत दृष्टिकोण के विकास में योगदान करना;
4) विभिन्न अनुशासनात्मक शोध–परक गतिविधियों को बनाए रखना;
5) सामाजिक विज्ञान के क्षेत्र में शोधकर्ताओं के बीच

तालिका 2.1
वृहद् एवं लघु अनुसंधान परियोजनाओं की स्थिति (उत्तरदायी)

वर्ष	प्रदत्त परियोजनाएँ	रद्द/बंद/वापस लिया गया	परियोजनाएँ शामिल हुईं	प्राप्त अंतिम रिपोर्ट	लम्बित/जारी रिपोर्ट
अप्रैल 1969 से मार्च 1990	2023	225	1798	1798	–
1990–2010	1426	98	1328	1328	–
2010–2011	185	07	178	178	–
2011–2012	365	10	355	350	–
2012–2013	289	03	286	283	–
2013–2014	187	05	182	182	–
2014–2015	333	21	312	312	–
2015–2016	326	22	304	267	–
2016–2017	470	17	453	314	108
2017–2018	356	02	354	117	112
2018–2019*	253*	–	253*	217*	–
2019–2020	320	41	279	236	320 (जारी)
2020–2021	74	–	74	187	74 (जारी)
कुल	**6354**	**451**	**5903**	**5552**	**604**

* इंप्रैस परियोजना और उसकी अंतिम प्राप्त रिपोर्टों के आँकड़े सम्मिलित है एवं ये कुल योग में शामिल नहीं है।

सहयोगात्मक, अंतःविषय और बहुविषयक अनुसंधान की गतिविधियों को बढ़ावा देना; और

6) अनुसंधान के परिणामों को अकादमिक समुदाय के बीच संचार सुविधाजनक बनाना और साथ ही नीति निर्माताओं को महत्वपूर्ण सहायता प्रदान करना।

भारतीय सामाजिक विज्ञान अनुसंधान परिषद् भारतीय विद्वानों को दो प्रकार की अनुसंधान परियोजनाएं प्रदान करता हैः

क) वृहद और लघु अनुसंधान परियोजनाएं जिन्हें पहले अनुसंधान परियोजनाएं (उत्तरदायी) के रूप में जाना जाता था।

ख) अनुसंधान कार्यक्रम जिन्हें पहले अनुसंधान परियोजनाएं (प्रायोजित) के रूप में जाना जाता था।

वृहद् और लघु अनुसंधान परियोजनाएँ

वृहद् और लघु परियोजनाएं मूल रूप से मांग आधारित होती हैं। इस योजना के तहत, भारतीय सामाजिक विज्ञान अनुसंधान परिषद् शोधार्थियों को उनकी पसंद के विषयों पर शोध करने के लिए वित्तीय सहायता प्रदान करता है। अपनी स्थापना के बाद से 31 मार्च, 2021 तक स्वीकृत एवं प्राप्त अनुसंधान परियोजनाओं की स्थिति का विवरण तालिका 2.1 में प्रस्तुत किया गया है।

अनुसंधान कार्यक्रम (रिसर्च प्रोग्राम)

'अनुसंधान कार्यक्रम' नीति और सामाजिक विज्ञान अनुसंधान में महत्व के विषयों पर क्रमिक रूप से किए गए शोध अध्ययनों की एक श्रृंखला है। भारतीय सामाजिक विज्ञान अनुसंधान परिषद् के द्वारा समय–समय पर पहचाने गए इन महत्वपूर्ण और नए विषयों से ऐसी उम्मीद की जाती है कि अंतर–विषयक या बहु–विषयक या अंतर–संस्थागत सामाजिक विज्ञान अनुसंधान से सम्बंधित मुद्दों जैसे सिद्धांत, कार्यप्रणाली, नए निष्कर्षों और नीतियों को अच्छे से समझने में यह सहायक होंगे। हालांकि, सामाजिक विज्ञान अनुसंधान के क्षेत्र में अच्छे प्रभाव वाले अध्ययन जो संरचना में व्यापक हैं लेकिन एक ही विषय के दायरे में आते हैं, उन पर भी विचार किया जाता है।

विभिन्न राज्यों के लिए अनुसूचित जातियों और अनुसूचित जनजातियों और गैर–अधिसूचित जनजातियों (डी.एन.टी.)

तालिका 2.2

वृहद् एवं लघु अनुसंधान परियोजनाओं का विवरण (प्रायोजित)

वर्ष	प्रदत्त परियोजनाएँ	रद्द/बंद/वापस लिया गया	परियोजनाएँ शामिल हुईं	प्राप्त अंतिम रिपोर्ट	लम्बित/जारी रिपोर्ट
2011–2012	27	–	27	27	–
डीएनटी अध्ययन	04	–	04	04	–
2012–2013	43	01	42	41	–
2013–2014	75	10	65	65	–
2014–2015	61	03	58	29	–
2015–2016	73	–	73	29	–
2016–2017	32	–	32	33	–
2017–2018	73	03	70	30	02
2018–2019*	20*	–	20*	29	07
2019–2020	47	01	46	20	09 (जारी है)
2020–2021	46 (जारी)**	–	–	46	46 (जारी है)
कुल	**435**	**18**	**417**	**353**	**64**

* इम्प्रेस अनुसंधान कार्यक्रम शामिल हैं जोकि कुल योग में शामिल नहीं हैं।

** चूंकि कोरोना महामारी द्वारा उत्पन्न हुई बाधाओं के कारण कोई नया पुरस्कार नहीं दिया जा सका, पिछले वर्ष (वर्षों) में प्रदान की गई परियोजनाओं की बेहतर निगरानी, निरंतरता और समय पर पूर्णता सुनिश्चित करने के लिए सभी संभव प्रयास किए गए।

की शैक्षिक स्थिति पर अखिल भारतीय रिपोर्ट के साथ 2011–12 में अनुसंधान परियोजनाओं (प्रायोजित) या अनुसंधान कार्यक्रमों की योजना शुरू की गई थी। वर्ष 2011–12 से स्वीकृत अनुसंधान कार्यक्रमों, रद्द/बंद/वापस लिए गए प्रोजेक्ट्स और 31st मार्च 2021 तक प्राप्त अंतिम रिपोर्ट का वर्ष–वार विवरण तालिका 2.2 में दिया गया है।

नयी योजना (न्यू अवॉर्ड्स)

भारतीय सामाजिक विज्ञान अनुसंधान परिषद् ने (कोविड–19) कोरोना वायरस महामारी के दौरान सामाजिक विज्ञान के विभिन्न आयामों पर ध्यान केंद्रित करने हेतु अध्ययन के लिए विशेष प्रयास शुरू किए हैं। सामाजिक विज्ञान अध्ययनों के माध्यम से वैश्विक, राष्ट्रीय और उप–राष्ट्रीय स्तरों पर कोरोना वायरस के प्रकोप और प्रतिक्रिया की हमारी समझ में सुधार किया जा सकता है क्योंकि सामाजिक विज्ञान के माध्यम से इसके प्रसार और संचरण की गतिशीलता, सार्वजनिक स्वास्थ्य प्रतिक्रिया, संचार और समस्या, आवश्यक स्वास्थ्य और स्वच्छता की संस्कृति, संगरोध के लिए सामाजिक और सामुदायिक प्रतिक्रिया, स्क्रीनिंग और परीक्षण, बीमारी से संबंधित जोखिमों की सामाजिक समझ, सामाजिक विश्वसनीयता, स्वास्थ्य व्यवहार, स्वास्थ्य संबंधी बुनियादी ढाँचा, तैयारी और हस्तक्षेप, राजनीतिक तैयारी, इस तरह की महामारी के आर्थिक और आजीविका निहितार्थ, वैश्विक मंदी, विकास और विकास दर में गिरावट, औद्योगिक पुनरुद्धार, बाहरी और आंतरिक व्यापार मोर्चों पर सुधार, रोजगार के निहितार्थ, प्रवासी मजदूरों से संबंधित मुद्दे, वैश्विक आर्थिक और राजनीतिक व्यवस्था में बदलाव, व्यवहार और सोच में बदलाव, लोगों के अनुभव खास कर जैसे पीड़ितों, पर्यावरण संबंधी चिंताओं पर हमारी समझ को बढ़ाता है।

इसके लिए ऑनलाइन आवेदन जमा करने के लिए अप्रैल 2020 में विशेष कॉल किया गया था। भारतीय सामाजिक विज्ञान अनुसंधान परिषद् को कुल मिलाकर 1180 आवेदन प्राप्त हुए। जिसमें से 74 को नियत प्रक्रियाओं को पूरा करने के बाद प्रदत किया गया। प्रतिवेदन वर्ष के दौरान स्वीकृत अनुसंधान परियोजनाओं का विवरण परिशिष्ट–3 में दिया गया है।

इस वर्ष के दौरान, 187 वृहद् और लघु अनुसंधान परियोजनाओं और पूर्व के वर्षों में स्वीकृत 41 अनुसंधान

कार्यक्रमों की अंतिम रिपोर्ट प्राप्त हुई। वृहद / लघु परियोजनाओं के अन्तर्गत प्राप्त अंतिम प्रतिवेदनों का विवरण परिशिष्ट–3 में दिया गया है। अनुसंधान परियोजनाओं के लिए 2020–21 के लिए कुल व्यय राशि ₹ 891.92 लाख (सामान्य श्रेणी के तहत ₹ 756.89 लाख, अनुसूचित जाति के तहत ₹ 102.31 लाख और अनुसूचित जनजाति श्रेणियों के तहत ₹ 32.72 लाख) था। इसमें वृहद / लघु अनुसंधान परियोजनाओं और अनुसंधान कार्यक्रम के दौरान व्यय राशि शामिल है।

महामारी और सीमित संसाधन के कारण, किसी भी नई अनुसंधान परियोजना को प्रदान नहीं किया गया। तथापि, पिछले वर्ष, अर्थात 2019–20 के दौरान प्रदान किए गए अध्ययन प्रगति पर हैं और परिशिष्ट–3 में जारी परियोजनाओं का विवरण दिया गया हैं। हालांकि, सूची में वे शोधकर्ता शामिल नहीं हैं जिनकी अंतिम रिपोर्ट प्राप्त हो गई है या विभिन्न कारणों से वह शामिल नहीं हुए या वापस हो गए।

अनुसंधान अध्येतावृतियां

सामाजिक विज्ञान के क्षेत्र में युवा, वरिष्ठ और स्थापित सामाजिक वैज्ञानिकों को अनुसंधान के अवसर प्रदान करने और उन्हें अपनी पसंद के महत्वपूर्ण विषयों पर पूर्णकालिक शोध करने के लिए परिषद् द्वारा अध्येतावृति प्रदान की जाती हैं जो चार श्रेणियों में विभक्त है– राष्ट्रीय अध्येतावृति, वरिष्ठ अध्येतावृति, पोस्ट–डॉक्टोरल अध्येतावृति और डॉक्टोरल अध्येतावृत्ति। यह उन विद्वानों को प्रदान की जाती है जो अपने क्षेत्र में विभिन्न स्तरों पर कार्य कर रहें हैं।

राष्ट्रीय अध्येतावृतियां

'राष्ट्रीय अध्येतावृति' का उद्देश्य प्रसिद्ध भारतीय सामाजिक वैज्ञानिकों को पूर्णकालिक अनुसंधान में खुद को शामिल करने का अवसर देना है, जिसमें उनकी पसंद के महत्वपूर्ण विषयों पर सामाजिक विज्ञान में ज्ञान की उन्नति में योगदान

तालिका 2.3

भारतीय सामाजिक विज्ञान अनुसंधान परिषद राष्ट्रीय अध्येतावृत्ति का वर्ष–वार विवरण (31.03.2021 तक)

वर्ष	राष्ट्रीय अध्येतावृत्ति सम्मान	शामिल नहीं हुआ / रद्द / बंद	अंतिम रिपोर्ट प्राप्त हुई	लम्बित / जारी रिपोर्ट
1969–1990	41	07	34	–
1991–2010	60	06	54	–
2010–2011	06	–	05	–
2011–2012	04	–	04	–
2012–2013	13	02	06	–
2013–2014	17	01	07	–
2014–2015	12	02	08	–
2015–2016	10	–	05	–
2016–2017	–	–	04	–
2017–2018	–	–	03	–
2018–2019	07	01	06	03
2019–2020	04	–	04	02
2020–2021	04*	–	05	04 (जारी है)
कुल	**174**	**19**	**146**	**09**

* चूंकि कोरोना महामारी द्वारा उत्पन्न हुई बाधाओं के कारण कोई नया पुरस्कार नहीं दिया जा सका, पिछले वर्ष (वर्षों) में प्रदान की गई अध्येतावृत्तियों की बेहतर निगरानी, निरंतरता और समय पर पूर्णता सुनिश्चित करने के लिए सभी संभव प्रयास किए गए।

तालिका 2.4

भारतीय सामाजिक विज्ञान अनुसंधान परिषद वरिष्ठ अध्येतावृति का वर्ष–वार विवरण (31.03.2021 तक)

वर्ष	वरिष्ठ अध्येतावृत्ति सम्मान	शामिल नहीं हुआ/रद्द/बंद	अंतिम रिपोर्ट प्राप्त हुई	लम्बित/जारी रिपोर्ट
1969–1990	256	30	226	–
1991–2010	187	33	153	–
2010–2011	18	02	15	–
2011–2012	14	01	13	–
2012–2013	40	07	30	–
2013–2014	34	03	25	–
2014–2015	35	06	21	–
2015–2016	47	10	29	–
2016–2017	34	02	24	–
2017–2018	36	–	23	–
2018–2019	49	–	24	05
2019–2020	45	01	28	08
2020–2021	44*	–	32	44 (जारी है)
कुल	**795**	**95**	**643**	**57**

* चूंकि कोरोना महामारी द्वारा उत्पन्न हुई बाधाओं के कारण कोई नया पुरस्कार नहीं दिया जा सका, पिछले वर्ष (वर्षों) में प्रदान की गई अध्येतावृत्तियों की बेहतर निगरानी, निरंतरता और समय पर पूर्णता सुनिश्चित करने के लिए सभी संभव प्रयास किए गए।

करने या अपने शोध के आधार पर किताबें लिखने की क्षमता विकसित करने से है। भारतीय सामाजिक विज्ञान अनुसंधान परिषद् अब तक 174 राष्ट्रीय अध्येतावृति प्रदान कर चुका है। इस वर्ष के दौरान, चार राष्ट्रीय अध्येतावृति प्रगति में थी, और पिछले वर्षों से संबंधित पांच अंतिम रिपोर्ट प्राप्त हुई थीं। इसका प्रासंगिक विवरण तालिका 2.3 में दर्शाया गया हैं।

वरिष्ठ अध्येतावृत्तियां

आवेदकों द्वारा प्रस्तावित राष्ट्रीय और सामाजिक हित के विषयों और मुद्दों पर पूर्णकालिक शोध करने के लिए उत्कृष्ट भारतीय सामाजिक वैज्ञानिकों को वरिष्ठ अध्येतावृत्ति प्रदान की जाती है। इन अध्ययनों से विभिन्न विषयों में सैद्धांतिक और वैचारिक उन्नति में योगदान करने, क्षेत्र कार्य आधारित डेटा उत्पन्न करने और नीति निर्माण में योगदान करने की अपेक्षा रहती है। भारतीय सामाजिक विज्ञान अनुसंधान परिषद् ने अब तक 795 वरिष्ठ शोधकर्ताओं को अध्येतावृत्ति से सम्मानित किया है। वर्ष 2020–21 के दौरान, 44 वरिष्ठ अध्येतावृति की घोषणा की गयी थी, जिन्हें पिछले वर्ष प्रदान किया गया था और पिछले वर्षों से संबंधित 32 अंतिम रिपोर्ट प्राप्त हुई थीं। जिसका प्रासंगिक विवरण तालिका 2.4 में दिया गया है।

पोस्ट–डॉक्टोरल अध्येतावृत्तियां

पोस्ट–डॉक्टोरल अध्येतावृत्ति भारतीय सामाजिक युवा वैज्ञानिकों को उच्च क्षमता वाले और आवेदकों द्वारा प्रस्तावित विशिष्ट विषयों और मुद्दों पर पूर्णकालिक शोध करने के लिए प्रदान की जाती है। इन अध्ययनों से विभिन्न विषयों में सैद्धांतिक और वैचारिक उन्नति में योगदान करने, क्षेत्र कार्य आधारित डेटा उत्पन्न करने और नीति निर्माण में योगदान करने की अपेक्षा की जाती है। भारतीय सामाजिक विज्ञान अनुसंधान परिषद् ने अब तक 2574 पोस्ट–डॉक्टोरल अध्येतावृत्ति से शोधकर्ताओं को सम्मानित किया है। इस वर्ष की रिपोर्ट के अनुसार, 256 पोस्ट–डॉक्टोरल अध्येतावृत्ति प्रगति में थी, और पिछले वर्षों से संबंधित 169 अंतिम रिपोर्ट प्राप्त हुई थी। इसका प्रासंगिक विवरण तालिका 2.5 में दर्शाया गया है। महामारी और उससे उत्पन्न बाधाओं के कारण, 2020–21 के दौरान नए पुरस्कार नहीं दिए जा सके,

तालिका 2.5

भारतीय सामाजिक विज्ञान अनुसंधान परिषद पोस्ट–डॉक्टोरल अध्येतावृत्ति का वर्ष–वार विवरण (31.03.2021 तक)

वर्ष	प्रदत्त पोस्ट डॉक्टोरल अध्येतावृत्ति	शामिल नहीं हुआ/ रद्द/बंद	अंतिम रिपोर्ट प्राप्त हुई	लम्बित/जारी रिपोर्ट
1969–1990	117	38	79	–
1991–2010	212	69	137	–
2010–2011	38	06	30	–
2011–2012	55	05	44	–
2012–2013	200	31	164	–
2013–2014	404	51	298	–
2014–2015	252	62	157	–
2015–2016	321	83	155	–
2016–2017	256	39	80	–
2017–2018	226	27	76	41
2018–2019	224	11	93	80
2019–2020	269	13	148	132
2020–2021	256*	–	169	256 (जारी है)
कुल	**2574**	**435**	**1630**	**509**

* चूंकि कोरोना महामारी द्वारा उत्पन्न हुई बाधाओं के कारण कोई नया पुरस्कार नहीं दिया जा सका, पिछले वर्ष (वर्षों) में प्रदान की गई अध्येतावृत्तियों की बेहतर निगरानी, निरंतरता और समय पर पूर्णता सुनिश्चित करने के लिए सभी संभव प्रयास किए गए।

हालांकि, पिछले वर्ष यानी 2019–20 के दौरान दिए गये अध्ययन प्रगति पर हैं जो परिशिष्ट–4 में उल्लिखित है।

भारतीय सामाजिक विज्ञान अनुसंधान परिषद् द्वारा अधिक शोध भागीदारी को प्रेरित करने के लिए, शोधकर्ताओं को अपने शोध के दौरान प्रतिष्ठित पत्रिकाओं में अपने शोध के विषय से संबंधित कम से कम दो प्रकाशित शोध पत्र/लेख प्रस्तुत करने होंगे। 2017–18 से, इस नियम को शुरू किया गया था, 2020–21 तक, विभिन्न शोध पत्रिकाओं में शोधकर्ताओं द्वारा 439 शोध पत्र प्रकाशित किए जा चुकें हैं। इनमें से स्कोपस इंडेक्स्ड पत्रिका में 50, यूजीसी लिस्टेड शोध पत्रिका में 66, अंतर्राष्ट्रीय पत्रिकाओं में 215 और राष्ट्रीय पत्रिकाओं में 94 शोध पत्र प्रकाशित हो चुके हैं। साथ ही प्रकाशित पुस्तकों में 14 शोध पत्र प्रकाशित हो चुके हैं। प्रकाशनों से संबंधित सूची परिशिष्ट 4 में दी गई है।

वर्ष 2020–21 के दौरान, राष्ट्रीय/वरिष्ठ/पोस्ट–डॉक्टोरल अध्येतावृत्ति योजनाओं के लिए कुल बजट आवंटन/व्यय राशि ₹ 1097.33 लाख (सामान्य– ₹ 902.49 लाख, अनुसूचित जाति– ₹ 143.04 लाख, अनुसूचित जनजाति– ₹ 51.80 लाख) रुपये था।

भविष्य का दृष्टिकोण

एक विशेषज्ञ समिति के समक्ष व्यक्तिगत बातचीत एवं प्रस्तुतिकरण को शामिल करके शोधकर्ताओं की चयन प्रक्रिया को मजबूत किया गया है। जिसका उद्देश्य अच्छे शोधकर्ताओं का चयन करना है जो उच्च स्तर वाले गुणवत्तापूर्ण शोध कार्य का उत्पादन कर सकें। भा.सा.वि.अ.प द्वारा समय–समय पर अनुसंधान के विषयों को बढ़ावा देकर अपने अध्येतावृति कार्यक्रम को और मजबूत करने का प्रयास किया जाता है, जो विभिन्न विषयों में सैद्धांतिक और वैचारिक उन्नति में योगदान देता है, क्षेत्र कार्य आधारित अनुदान के आँकड़े देने में मदद करता है और नीति निर्माण में योगदान देता है और सामाजिक विज्ञान में ज्ञान की वृद्धि में योगदान करने की क्षमता रखता है। इसके अलावा, विद्वानों को अपने शोध विषय से संबंधित अनुसंधान के दौरान प्रतिष्ठित पत्रिकाओं में

कम से कम दो शोध पत्र/लेख प्रस्तुत करने होते हैं। अध्येताओं को भारत या भारत के बाहर सम्मेलनों और सेमिनार में शोध के संबंधित क्षेत्रों में अधिक से अधिक प्रस्तुति करने के लिए प्रेरित करने के साथ वित्तीय सहायता प्रदान करता है और सामाजिक विज्ञान अनुसंधान में भारतीय सामाजिक वैज्ञानिकों के योगदान को और अधिक सशक्त करने के लिए कार्य–पत्र प्रस्तुत करने के लिए भी कहा जाता है। भारतीय सामाजिक विज्ञान अनुसंधान परिषद्, शोध अध्येताओं द्वारा शोध निष्कर्षों के व्यापक प्रसार के लिए फैलोशिप रिपोर्टों के प्रकाशन पर निगरानी रख रहा है, जिनको विषय विशेषज्ञों द्वारा जाँच के बाद उत्कृष्ट माना जाता है।

डॉक्टोरल अध्येतावृत्तियां

भारतीय सामाजिक विज्ञान अनुसंधान परिषद् द्वारा डॉक्टोरल फैलोशिप चयनित पंजीकृत पीएच.डी. शोधार्थियों को प्रदान की जाती है। यह अध्येताओं को सामाजिक विज्ञान के विषयों में अपने डॉक्टोरल शोध प्रबंध (थीसिस) को आगे बढ़ाने और पूरा करने के मुख्य उद्देश्य से वित्तीय सहायता प्रदान करता है ताकि वे अपने शोध कार्य पर पूर्णकालिक ध्यान केंद्रित कर सकें और अपने पीएच.डी. के रूप में गुणवत्तापूर्ण शोध एवं प्रकाशन का उत्पादन कर सके। भारतीय सामाजिक विज्ञान अनुसंधान परिषद् अपनी 'केंद्र प्रशासित डॉक्टोरल फैलोशिप योजनाओं' और 'संस्थागत डॉक्टोरल फैलोशिप योजना' के तहत निर्धारित दिशानिर्देशों के अनुसार डॉक्टोरल फैलोशिप प्रदान कर रहा है। 'केंद्र प्रशासित योजना' के मामले में, फैलोशिप सीधे भारतीय सामाजिक विज्ञान अनुसंधान परिषद् द्वारा दी जाती है और उसकी निगरानी भी की जाती है और संबंधित डॉक्टोरल अध्येता किसी विश्वविद्यालय या कॉलेज से संबद्ध होते हैं। 'संस्थागत फैलोशिप योजना' के तहत, डॉक्टोरल अध्येता भारतीय सामाजिक विज्ञान अनुसंधान परिषद् द्वारा प्रायोजित/मान्यता प्राप्त अनुसंधान संस्थान से संबद्ध होते है और उन्हीं के द्वारा मोनिटर किए जाते हैं। केंद्र–प्रशासित डॉक्टोरल फैलोशिप भारतीय सामाजिक विज्ञान अनुसंधान परिषद् द्वारा आमंत्रित की जाती है और अध्येतावृत्ति विशेषज्ञ समितियों द्वारा स्क्रीनिंग और मूल्यांकन के बाद प्रदान की जाती है। संस्थागत डॉक्टोरल फैलोशिप के लिए आमंत्रण संबंधित शोध संस्थानों द्वारा दिए जाते हैं और प्रारंभिक जांच के बाद, चुने हुए आवेदन भारतीय सामाजिक विज्ञान अनुसंधान परिषद् को इसके विशेषज्ञों द्वारा मूल्यांकन और अंतिम चरण के लिए भेजे जाते हैं। 'संस्थागत डॉक्टोरल फैलोशिप' अनिवार्य रूप से दो साल के कार्यकाल के लिए या विश्वविद्यालय में थीसिस जमा करने तक, जो भी पहले हो, के लिए दिया जाता है।

भारतीय सामाजिक विज्ञान अनुसंधान परिषद् के 'केंद्र–प्रशासित डॉक्टोरल फैलोशिप कार्यक्रम' के अंतर्गत तीन प्रकार की योजनाएं निम्नलिखित हैं:

1. 'पूर्णकालिक डॉक्टोरल फैलोशिप' दो वर्ष की अवधि के लिए या विश्वविद्यालय में थीसिस जमा करने तक (जो भी पहले हो) प्रदान की जाती है।
2. 'अल्पकालिक डॉक्टोरल फैलोशिप' छह महीने की अवधि के लिए, उन अध्येताओं को अनुदान देने के लिए प्रदान की जाती है जो अपने डॉक्टोरल कार्य के अंतिम चरण में हैं।
3. 'आकस्मिक अनुदान' थीसिस कार्य पर खर्च को पूरा करने के लिए एक समेकित अनुदान है और उन अध्येताओं को प्रदान किया जाता है जिन्हें कोई अनुदान नहीं मिला है।

डॉक्टोरल अध्येतावृत्तियां, 2020–21

भारतीय सामाजिक विज्ञान अनुसंधान परिषद् ने वर्ष 2020–21 के लिए डॉक्टोरल फैलोशिप प्रदान करने की प्रक्रिया शुरू की थी। कोविड महामारी से पैदा हुई स्थिति के बावजूद आवेदनों का आमंत्रण वेबसाइट पर 29 मई 2020 को लगाया गया था। लॉकडाउन की स्थिति को देखते हुए, संभावित उम्मीदवारों को ऑनलाइन माध्यम से पूरी तरह से आवेदन करने में सक्षम बनाने के लिए दिशानिर्देशों और आवेदन प्रक्रिया को संशोधित भी किया गया। इसके बाद 'रिसर्च फैलोशिप डिवीजन' को सामाजिक विज्ञान के 25 व्यापक विषयों के तहत अपनी तीन केंद्र–प्रशासित योजनाओं के लिए कुल 1,902 ऑनलाइन आवेदन प्राप्त हुए। जिनमें 1,816 आवेदकों ने 'पूर्णकालिक फैलोशिप' के लिए, 73 'लघुकालिक फैलोशिप' के लिए और 13 ने 'आकस्मिक अनुदान' के लिए आवेदन किया। इनके अलावा, अपने–अपने संस्थानों में संस्थागत डॉक्टोरल फैलोशिप के पुरस्कार पर विचार करने के लिए 13 शोध संस्थानों से 75 चुने गए आवेदन प्राप्त हुए थे। हालाँकि, महामारी जनित बाधाओं के कारण, वर्ष 2020–21 के लिए विधिवत चयनित आवेदकों को फैलोशिप देने की प्रक्रिया पूर्ण नहीं हो पाई। इसे बेहतर करने के लिए लगातार काम किया जाता रहा है। जिसके बाद 465 फैलोशिप को पूरा करने के लिए हर संभव प्रयास किए गए। वर्ष 2019–20 में गई 465 फैलोशिप की सूची परिशिष्ट–4 में देखी जा सकती है। वित्तीय संसाधनों की कमी के बावजूद, 776 अध्येताओं एवं संस्थानों को 10.2 करोड़ रुपये की डॉक्टोरल फैलोशिप राशि का वितरण किया गया था। इसके अंतर्गत, भारतीय सामाजिक विज्ञान अनुसंधान परिषद्

के द्वारा नियमो को ध्यान में रखते हुए अपनी थीसिस जमा करने के दौरान किसी प्रकार की चूक करने वालो को अनुस्मारक सहित 3,600 से अधिक पत्र और लगभग 4,200 ईमेल भेजे गए थे। इसका परिणाम यह हुआ कि वर्ष 2012–13 से 2015–16 के पुराने बैचों के शोधकर्ताओं की थीसिस देर से जमा करने में 27% की कमी हो गई, यानी 2018 में 65% की और मार्च 2021 में 38% हो गई।

2020–21 के दौरान प्राप्त पीएच.डी. थीसिस एवं प्रकाशन

भारतीय सामाजिक विज्ञान अनुसंधान परिषद् के डॉक्टोरल अध्येताओं के द्वारा वर्ष 2020–21 के दौरान 282 पीएच.डी. थीसिस प्रस्तुत किए गए थे, जिनमें से बारह संस्थागत अध्येतावृत्ति से सम्मानित थे। (इसकी सूची परिशिष्ट–4 में देखी जा सकती है) भारतीय सामाजिक विज्ञान अनुसंधान परिषद् ने 2017–18, 2018–19 और 2019–20 बैचों के अध्येताओं के द्वारा किए जा रहे शोध कार्यों के प्रकाशनों के बारे में सक्रिय रूप से जानकारी मांगी और इसके जवाब में लगभग 555 शोध पत्रों की प्रतियां प्राप्त हुई, जिसे पत्र–पत्रिकाओं और पुस्तकों में प्रकाशित कराया गया। 505 लेखों को पत्र–पत्रिकाओं में और 50 लेखों को पुस्तकों में प्रकाशित कराया गया है। पत्रिकाओं में प्रकाशित 505 पत्रों में से 70 पत्र स्कोपस–अनुक्रमित पत्रिकाओं में प्रकाशित हुए हैं, 96 पत्र यूजीसी केयर लिस्टेड पत्रिकाओं में प्रकाशित हुए हैं, 327 पत्र अंतर्राष्ट्रीय और 178 राष्ट्रीय पत्रिकाओं में प्रकाशित हुए हैं। 505 पत्रिकाओं में से 327 प्रकाशन या तो बहुत महत्वपूर्ण (135), महत्वपूर्ण (29) या अच्छे (163) स्तर के

तालिका 2.6

भा.सा.वि.अ.प. द्वारा प्रदान की जाने वाली डॉक्टोरल अध्येतावृत्ति का विवरण

पुरस्कार का वर्ष	पूर्णकालिक डॉक्टोरल अध्येतावृत्ति सम्मान	रद्द/बंद/ वापस ली गई	शामिल हुए अध्येता	प्राप्त डॉक्टोरल थीसिस
1971–2003	1357	434	923	405
2003–2004	89	08	81	नहीं
2004–2005	94	02	92	नहीं
2005–2006	28	03	25	नहीं
2006–2007	80	11	69	नहीं
2007–2008	102	08	94	नहीं
2008–2009	96	07	89	15
2009–2010	77	12	65	61
2010–2011	99	08	91	38
2011–2012	131	16	115	28
2012–2013	498	43	455	नहीं
2013–2014	545	40	505	56
2014–2015	765	92	673	85
2015–2016	574	63	511	86
2016–2017	496	51	445	171
2017–2018	484	27	457	246
2018–2019	505	19	486	319
2019–2020	495	11	484	333
2020–2021*	465 (जारी)*	–	–	282
कुल	**6515**	**855**	**5660**	**2125**

* चूंकि कोरोना महामारी द्वारा उत्पन्न हुई बाधाओं के कारण कोई नया पुरस्कार नहीं दिया जा सका, पिछले वर्ष (वर्षों) में प्रदान की गई अध्येतावृत्तियों की बेहतर निगरानी, निरंतरता और समय पर पूर्णता सुनिश्चित करने के लिए सभी संभव प्रयास किए गए।

पाए गए हैं। इसके अलावा, पुस्तकों में प्रकाशित 50 पत्रों में से 9 अंतर्राष्ट्रीय प्रकाशकों द्वारा और 41 राष्ट्रीय प्रकाशकों द्वारा प्रकाशित किए गए थे। प्रकाशन से संबंधित सूचियाँ परिशिष्ट 4 में दी गई हैं।

भारतीय सामाजिक विज्ञान अनुसंधान परिषद् द्वारा प्रदान की जाने वाली डॉक्टोरल अध्येतावृत्ति

भारतीय सामाजिक विज्ञान अनुसंधान परिषद् ने 1969 में अपनी स्थापना के बाद से अब तक पूर्ण–कालिक और अल्पकालिक कार्यकाल की 8,658 डॉक्टोरल फैलोशिप से अध्येताओं को सम्मानित किया है। इसमें से, 6,515 पूर्णकालिक थीं जिन्हें भारतीय सामाजिक विज्ञान अनुसंधान परिषद् और उसके अनुसंधान संस्थानों द्वारा दिया गया था और बाद में 5,660 अध्येताओं ने इसका लाभ उठाया। 2020–21 तक भारतीय सामाजिक विज्ञान अनुसंधान परिषद् द्वारा दी गयी पूर्णकालिक डॉक्टोरल फैलोशिप की वर्ष–वार जानकारी, अध्येतावृति प्राप्त शोधकर्ताओं द्वारा वापस ली गई और भारतीय सामाजिक विज्ञान अनुसंधान परिषद् द्वारा अपने पुरस्कार विजेताओं से पिछले वर्षों से प्राप्त थीसिस आदि की सूची तालिका 2.6 में देखी जा सकती है।

भविष्य का दृष्टिकोण

भारतीय सामाजिक विज्ञान अनुसंधान परिषद् द्वारा मेधावी पीएच.डी. अध्येताओं को सामाजिक विज्ञान के विभिन्न विषयों में अपने अनुसंधान को आगे बढ़ाने और उन्हें अपने शोध और प्रकाशनों के रूप में गुणवत्तापूर्ण शोध उत्पादन लाने में सक्षम बनाने के लिए निरंतर प्रयास किया जाएगा।

भारतीय सामाजिक विज्ञान अनुसंधान परिषद् समकालीन महत्व के गुणवत्तापूर्ण अनुसंधान का समर्थन करने की खोज में, विशेष रूप से अध्येतावृत्तियों के चयन में प्रस्तावित अनुसंधान की वर्तमान प्रासंगिकता और नवीनता पर ध्यान केंद्रित करता है। यह अध्येताओं की अनुसंधानात्मक क्षमता और शोध प्रकाशन के क्षेत्र में महत्व, नीतिगत योजना और इस क्षेत्र में अनुसंधान की मौजूदा स्थिति के लिए पथ–प्रदर्शक अनुसंधान या ज्ञान के संदर्भ में प्रस्तावित योगदान के लिए तय किए मानक को ध्यान में रखता है। ऐसे में इसके द्वारा प्रदान की गई वित्तीय राशि अध्येता–केंद्रित होगी और युवा अध्येताओं की शोध क्षमताओं के बेहतर निर्माण, अनुसंधान गतिविधियों में भागीदारी, प्रकाशन और डॉक्टोरलथीसिस को समय पर प्रस्तुत करने के लिए सुविधा प्रदान करने पर केंद्रित होगी।

राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय सेमिनार/सम्मेलन

सामाजिक विज्ञान अनुसंधान में उच्च महत्व के विषयों पर विचार–विमर्श को बढ़ावा देने के लिए भारत में सम्मेलनों का प्रायोजन भारतीय सामाजिक विज्ञान अनुसंधान परिषद् की प्रमुख गतिविधियों में से एक है। यह शोधकर्ताओं के विचारों और शोध निष्कर्षों का आदान–प्रदान करने, नीति से संबंधित मुद्दों पर महत्वपूर्ण शोध प्रश्नों पर चर्चा करने और महत्वपूर्ण सामाजिक समस्याओं पर अकादमिक शोध रिपोर्ट तैयार करने के अवसर प्रदान करता हैं। यद्यपि, परिषद् स्वयं कुछ सेमिनारों का आयोजन करती है, साथ हीं यह राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय सेमिनारों के आयोजन के लिए शैक्षणिक संस्थानों को वित्तीय सहायता प्रदान करती है।

2020–21 के दौरान, भा.सा.वि.अ.पा. को पूरे देश से राष्ट्रीय/अंतर्राष्ट्रीय वेबिनार आयोजित करने के लिए 35 प्रस्ताव प्राप्त हुए, जिनमें से 20 प्रस्तावों को विशेषज्ञ समितियों द्वारा वित्त पोषण के लिए चुना गया था। इसमें दो अंतर्राष्ट्रीय और 18 राष्ट्रीय वेबिनार प्रस्ताव शामिल थे, जिसमें कुल 241.02 लाख का व्यय शामिल था। अनुमोदित संगोष्ठियों की सूची परिशिष्ट 5 में देखी जा सकती है। इसके अलावा, भा.सा.वि.अ.पा. द्वारा इसकी स्थापना के बाद से वित्त पोषित

तालिका 2.7

राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय सेमिनार/सम्मेलन (वित्तपोषित/अनुदानित)

वर्ष	राष्ट्रीय सेमिनार/सम्मेलन	अंतर्राष्ट्रीय सेमिनार/सम्मेलन
1971–1990	297	24
1990–2010	1400	161
2010–2011	81	15
2011–2012	82	59
2012–2013	249	108
2013–2014	270	130
2014–2015	347	133
2015–2016	462	149
2016–2017	277	79
2017–2018	217	87
2018–2019	235	91
2019–2020	227	94
2020–2021	18	02
कुल	**4162**	**1132**

संगोष्ठियां जिसका विस्तृत विवरण सूची तालिका संख्या 2.7 में प्रस्तुत किया गया है।

विदेश में लेख (पेपर) प्रस्तुति और आँकड़ा संग्रहण के लिए अंतर्राष्ट्रीय यात्रा अनुदान

इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य महत्वपूर्ण अंतर्राष्ट्रीय सेमिनार में पर्याप्त योगदान करने के लिए सामाजिक विज्ञान के अध्येताओं की सहायता करना है। इस प्रकार यह कार्यक्रम भारत और विदेशों में सामाजिक वैज्ञानिकों के बीच अकादमिक संबंधों को बढ़ावा देता है, नई अंतर्दृष्टि विकसित करने का अवसर प्रदान करता है, उनके शोध दृष्टिकोण को बढ़ाता है और सामाजिक विज्ञान के विषयों के प्रसार में योगदान करता है।

भारतीय सामाजिक विज्ञान अनुसंधान परिषद् ने भारत और विदेशी सामाजिक वैज्ञानिकों के बीच संपर्क को बढ़ावा देने की अपनी नीति के अंतर्गत दो कार्यक्रम विकसित किए हैं। पहले कार्यक्रम के तहत, उन भारतीय अध्येताओं को वित्तीय सहायता प्रदान की जाती है, जिन्हें विदेशों में अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलनों में योगदान देने और पेपर प्रस्तुत करने के लिए आमंत्रित किया गया है। अपने दूसरे कार्यक्रम के अंतर्गत, भारतीय सामाजिक विज्ञान अनुसंधान परिषद् उन अध्येताओं को वित्तीय सहायता प्रदान करता है जो अपने शोध कार्य के संबंध में आँकड़ा का संग्रहण करते है या अभिलेखीय सामग्री के संदर्भ में कोई सलाह देते हैं। और जो इन प्रयोजनों के लिए विदेश जाने का इरादा रखते हैं।

तालिका 2.8

यात्रा अनुदान वितरण का वर्ष–वार विवरण

वर्ष	सेमिनार/सम्मेलन सम्मेलन के लिए दिया गया अनुदान	विदेश में आँकड़ा संग्रहण
1971–1990 (19)	342	116
1990–2010 (20)	547	64
2010–2011	35	06
2011–2012	50	03
2012–2013	101	06
2013–2014	120	32
2014–2015	146	48
2015–2016	202	57
2016–2017	197	59
2017–2018	54	23
2018–2019	178	22
2019–2020	172	22
2020–2021*	–	–
कुल	**2144**	**458**

*कोविड–19 महामारी से जुड़ी बाधाओं के कारण 2020–2021 के दौरान यात्रा और विदेश में आँकड़े (डाटा) संग्रहण अनुदान प्रदान नहीं किया जा सका।

महामारी के कारण, इस कार्यक्रम के तहत वर्ष 2020–21 के दौरान कोई आवेदन प्राप्त नहीं हुआ था, क्योंकि विदेश यात्रा के लिए सरकार द्वारा निर्धारित यात्रा प्रतिबंध और विशिष्ट दिशानिर्देश थे। अंतर्राष्ट्रीय सहयोग कार्यक्रम के तहत परिषद् ने वर्ष 2020–21 के दौरान अपनी सभी गतिविधियों के लिए कुल ₹ 148.53 लाख खर्च किए हैं। भारतीय सामाजिक विज्ञान अनुसंधान परिषद् द्वारा इसकी स्थापना के बाद से अब तक के वित्त अनुदान के बारे में वर्ष–वार विवरण तालिका संख्या 2.8 में देखा जा सकता है।

प्रशिक्षण एवं क्षमता निर्माण कार्यक्रम

शोध करने की कला एवं विज्ञान में प्रशिक्षित होना सामाजिक विज्ञान में उच्च गुणवत्ता वाले शोध के लिए बुनियादी आवश्यकता है क्योंकि शोध कार्य कला भी है और विज्ञान भी। ऐसे में सामाजिक विज्ञान अनुसंधान का दार्शनिक आधार सामाजिक विज्ञान के सभी विषयों के लिए एक समान है, विभिन्न विषयों ने शोध के लिए अपने स्वयं के सैद्धांतिक ढांचे और अनुसंधान की विशिष्ट तकनीकों का विकास किया है। हालांकि, अंतःविषय या बहु–अनुशासनात्मक अनुसंधान में खुद को जोड़ने के लिए अध्येताओं को स्वयं को प्रशिक्षित करने के अलावा अन्य विषयों में लागू अनुसंधान पद्धतियों से खुद को परिचित करने की आवश्यकता है। इतना हीं नहीं, अनुसंधान समस्या की पहचान से लेकर कार्यप्रणाली तक और अंत में, शोध के निष्कर्षों की रिपोर्टिंग और विश्लेषण और इन निष्कर्षों का प्रकाशन भी, ऐसे कई पहलू हैं जिनमें एक अच्छे शोधकर्ता को अपने कौशल को बेहतर करना होता है। इसलिए, भारतीय सामाजिक विज्ञान अनुसंधान परिषद् विश्वविद्यालयों और अनुसंधान संस्थानों में 'अनुसंधान पद्धति और क्षमता निर्माण कार्यक्रमों' का समर्थन और प्रायोजन करता है।

भारतीय सामाजिक विज्ञान अनुसंधान परिषद्, विभिन्न सामाजिक विज्ञान के विषयों में युवा शोधकर्ताओं और संकायों के लिए अनुसंधान पद्धति और क्षमता निर्माण कार्यक्रम आयोजित करने के लिए सामाजिक विज्ञान संकायों को अनुदान प्रदान करता है, जिसमें बहु–विषयक क्षेत्रों और अनुसंधान उपकरणों

में प्रशिक्षण शामिल हो सकता है। कार्यक्रम को निम्नलिखित दो श्रेणियों में विभाजित किया गया है:

(क) अनुसंधान पद्धति पाठ्यक्रम (आर.एम.सी.)

इस पाठ्यक्रम का उद्देश्य पीडीएफ/पीएच.डी./एम. फिल शोधार्थियों की कार्यप्रणाली और लेखन कौशल को बढ़ाना है। अध्येताओं और आने वाले समय में संकाय या सामाजिक विज्ञान शोधकर्ताओं के रूप में उनकी क्षमता विकसित करना है।

(ख) क्षमता निर्माण कार्यक्रम (सी.बी.पी.)

इस कार्यक्रम का उद्देश्य सामाजिक विज्ञान के विषयों में युवा, संकाय, मुख्य रूप से सहायक प्रोफेसरों को उनके विषयों में नवीनतम प्रगति के साथ–साथ कार्यप्रणाली और लेखन कौशल को समझने की उनकी क्षमता में सुधार करना है।

1971 में, जब इस कार्यक्रम की पहली अवधारणा बनाई गई थी तब से लेकर अब तक (2020–21), 1044 अनुसंधान पद्धति और क्षमता निर्माण कार्यक्रमों को भारतीय सामाजिक विज्ञान अनुसंधान परिषद् द्वारा वित्तीय सहायता प्रदान की जा चुकी है। इन वर्षों के दौरान, अनुसंधान पद्धति पाठ्यक्रम और क्षमता निर्माण कार्यक्रम (आर.एम.सी.–19 और सी.बी.पी.–15) दोनों के लिए कुल 34 प्रस्ताव प्राप्त हुए और मूल्यांकन के लिए विशेषज्ञ समितियों के समक्ष रखे गए। समितियों ने कुल ₹ 106.09 लाख की व्यय राशि के साथ 15 प्रस्तावों, 'अनुसंधान पद्धति कार्यक्रम' के तहत नौ और 'क्षमता निर्माण कार्यक्रम' के तहत छह प्रस्तावों को मंजूरी दी थी। वर्ष 2020–21 के लिए स्वीकृत अनुसंधान पद्धति पाठ्यक्रम और क्षमता निर्माण पाठ्यक्रमों की सूची परिशिष्ट–6 में देखी जा सकती है। भारतीय सामाजिक विज्ञान अनुसंधान परिषद् द्वारा अनुसंधान पद्धति पाठ्यक्रम और क्षमता निर्माण कार्यक्रम (आरएमसी और सीबीपी) पाठ्यक्रम के लिए बनाई योजनाओं और दी गयी वित्तीय सहायता का विस्तृत विवरण तालिका 2.9 में दिया गया है।

तालिका 2.9

अनुसंधान पद्धति पाठ्यक्रम और क्षमता निर्माण कार्यक्रम की स्थिति का विवरण (31.03.2021 तक)

वर्ष	अनुसंधान पद्धति पाठ्यक्रम	क्षमता निर्माण कार्यक्रम	कुल
1971–1990	119	–	119
1990–2010	235	–	235
2010–2011	10	–	10
2011–2012	17	–	17
2012–2013	108	38	146
2013–2014	53	18	71
2014–2015	55	24	79
2015–2016	79	23	102
2016–2017	36	23	59
2017–2018	29	23	52
2018–2019	47	25	72
2019–2020	47	20	67
2020–2021	09	06	15
कुल	**844**	**200**	**1044**

भविष्य का दृष्टिकोण

दस–दिवसीय 'अनुसंधान पद्धति कार्यक्रम' और दो सप्ताह के 'क्षमता निर्माण कार्यक्रम' के अलावा भारतीय सामाजिक विज्ञान अनुसंधान परिषद् द्वारा कम वित्तीय सहायता वाले कार्यक्रम जैसे शोध लेखन, डेटा प्रोसेसिंग और कंप्यूटर आवेदन में युवा शोधार्थिओं को प्रशिक्षण प्रदान करने के लिए अल्पकालिक प्रशिक्षण पाठ्यक्रम शुरू किया जा रहा है।

अनुसंधान सर्वेक्षण और प्रकाशन

भारतीय सामाजिक विज्ञान अनुसंधान परिषद् द्वारा गुणवत्तापूर्ण शोध के विस्तार के लिए शुरू किया गया अनुसंधान सर्वेक्षण और प्रकाशन कार्यक्रम एक अन्य प्रमुख गतिविधि है जिसके माध्यम से यह परिषद् के भीतर और बाहर दोनों जगह महत्वपूर्ण अनुसंधान उत्पादन (आउटपुट) का प्रसार करता है। अपने प्रकाशन कार्यक्रम के तहत, परिषद् (1) भारतीय नागरिकों को सामाजिक विज्ञान के क्षेत्रों में उनके डॉक्टोरल थीसिस, परियोजना/फैलोशिप रिपोर्ट, मोनोग्राफ और सेमिनार पत्रों के प्रकाशन के लिए अनुदान देता है और (2) सामाजिक वैज्ञानिकों के पेशेवर संगठनों विश्वविद्यालयों, कॉलेजों और अनुसंधान संस्थानों सहित उनके शोध पत्रिकाओं के प्रकाशन या जारी रखने के लिए और उनके रखरखाव तथा विकासात्मक गतिविधियों के लिए सामाजिक वैज्ञानिकों के पेशेवर संगठनों को तदर्थ अनुदान भी प्रदान करता है।

भारतीय सामाजिक विज्ञान अनुसंधान परिषद् ने अब तक 1868 पुस्तकें प्रकाशित की हैं, 1040 संगठनों को उनकी शोध पत्रिकाओं के प्रकाशन के लिए वित्तीय सहायता प्रदान

किया है और रखरखाव और विकासात्मक गतिविधियों के लिए 381 संघों/संगठनों को तदर्थ अनुदान दिया है। वर्ष 2020—21 के दौरान भारतीय सामाजिक विज्ञान अनुसंधान परिषद् के द्वारा अनुदान देने के साथ 15 डॉक्टोरल शोध रिपोर्ट प्रकाशित की गई है। इसी प्रकार, भारतीय सामाजिक विज्ञान अनुसंधान परिषद् के द्वारा सामाजिक वैज्ञानिकों के 33 पेशेवर संगठनों/संघों ने अपनी शोध पत्रिकाओं के प्रकाशन के लिए ₹ 30.25 लाख का अनुदान प्राप्त किया और सात संगठनों को उनके रखरखाव और ढांचागत विकास के लिए ₹ 13 लाख का अनुदान प्राप्त हुआ।

अनुसंधान के विकास के लिए शोध पत्रिकाओं के हुए प्रकाशन और प्रकाशित पुस्तकों के विवरण के साथ व्यावसायिक संगठनों को दिए गए अनुदान का विवरण भी तालिका 2.10 में दिया गया है।

इसके अलावा, स्थापना के बाद से परिषद् ने 'अनुसंधान सर्वेक्षण' के अपने कार्यक्रम के माध्यम से सामाजिक विज्ञान के चुने हुए विषयों में अनुसंधान के विकास के लिए सर्वेक्षण का कार्य किया है। सर्वेक्षण का मुख्य उद्देश्य दिय हुए अवधि के दौरान किए गए अनुसंधान का व्यापक अवलोकन करना है, जिसमें अनुसंधान के सिद्धांत, कार्यप्रणाली, अनुभवजन्य साक्ष्य और अंतराल के संदर्भ में एक विशेष सामाजिक विज्ञान के विषय या क्षेत्र में क्या हासिल किया गया है, उसका जायजा लेना शामिल है। जो आने वाले समय में शोध के लिए प्राथमिक रूप से जरूरी होगी। अब तक, भारतीय सामाजिक विज्ञान अनुसंधान परिषद् द्वारा अनुसंधान सर्वेक्षणों के लगभग 70 खंड और अन्य 60 प्रकाशन प्रकाशित किए गये है। भारतीय सामाजिक विज्ञान अनुसंधान परिषद् ने 2003—2009 की अवधि को शामिल करते हुए, मनोविज्ञान, राजनीति, विज्ञान, भूगोल, समाजशास्त्र, सामाजिक नृविज्ञान और अर्थशास्त्र के विषयों में शोध सर्वेक्षण का छठा दौर पूर्ण किया है और इन शोध सर्वेक्षणों की रिपोर्ट को मैसर्स आक्सफोर्ड यूनिवर्सिटी प्रेस (ओयूपी) नई दिल्ली, के माध्यम से प्रकाशित किया।

तालिका 2.10

वर्ष—वार प्रकाशन एवं रखरखाव अनुदान लाभार्थी

वर्ष	डॉक्टोरल थीसिस/अनुसंधान परियोजनाओं/अध्येतावृत्ति रिपोर्ट/सम्मेलन पत्रों आदि के प्रकाशन हेतू दिया गया वित्तीय अनुदान	शोध पत्रिकाओं के प्रकाशन के लिए दिया गया तदर्थ अनुदान	सामाजिक वैज्ञानिकों के व्यावसायिक संगठनों का विकास हेतू दिया गया तदर्थ अनुदान
1969 से 31 मार्च 1990 तक	1025	92	229
1990—2010	591	430	70
2010—2011	22	45	5
2011—2012	33	47	7
2012—2013	20	61	13
2013—2014	23	66	11
2014—2015	30	64	8
2015—2016	23	51	8
2016—2017	21	47	8
2017—2018	28	40	3
2018—2019	12	32	5
2019—2020	25	32	7
2020—2021	15	33	7
कुल	**1868**	**1040**	**381**

राष्ट्रीय सामाजिक विज्ञान प्रलेखन केंद्र (नैसडॉक) (एन.ए.एस.एस.डी.ओ.सी.)

1970 में स्थापित, राष्ट्रीय सामाजिक विज्ञान प्रलेखन केंद्र (एन.ए.एस.एस.डी.ओ.सी.) भारतीय सामाजिक विज्ञान अनुसंधान परिषद् का एक महत्वपूर्ण अंग है। यह शैक्षणिक संस्थानों, स्वायत्त अनुसंधान संगठनों, नीति निर्माण विभागों, सरकारी विभागों की योजना और अनुसंधान इकाइयों आदि सहित सामाजिक विज्ञान अनुसंधान समुदाय को पुस्तकालय और सूचना सेवाएं देता है। प्रौद्योगिकी संचालित विश्व चुनौतियों का सामना एवं निवारण वेब आधारित डिजिटल वातावरण में अपने स्वचालित पुस्तकालय संग्रह, वेब–ओपीएसी, ऑनलाइन डेटाबेस/ई–संसाधन इत्यादि के साथ सूचना को लागू और उपयोग करता है। राष्ट्रीय सामाजिक विज्ञान प्रलेखन केंद्र की प्रमुख गतिविधियों और सेवाओं में पुस्तकालय, संदर्भ और सूचना सेवाएं शामिल हैं; भारतीय सामाजिक विज्ञान अनुसंधान परिषद् से सम्बंधित अनुसंधान संस्थानों और क्षेत्रीय केंद्रों के लिए ई–संसाधनय लघु ग्रंथ सूची/साहित्य खोज सेवाओं का संकलनय माइक्रोफिल्म और माइक्रोफिश सेवाएं; सतत शिक्षा कार्यक्र मूल्य वर्धित सेवाएं जैसे वर्तमान जागरूकता सेवा (सी.ए.एस.); अत्याधुनिक 'डिजिटल रिसोर्सेज लर्निंग सेंटर' (डीआरएलसी) के साथ सामाजिक विज्ञान में ई–संसाधनों तक पहुंचने के लिए राष्ट्रीय ज्ञान नेटवर्क इंटरनेट की सुविधा देता है। इसके अलावा, (एन.ए.एस.एस.डी.ओ.सी.) के पास भारतीय सामाजिक विज्ञान अनुसंधान परिषद् के प्रकाशनों की आपूर्ति करने के लिए एक 'बिक्री और वितरण इकाई' का समायोजन भी है।

पुस्तकालय, संदर्भ और सूचना सेवाएंः राष्ट्रीय सामाजिक विज्ञान प्रलेखन केंद्र में दस्तावेज संग्रह की एक विस्तृत श्रृंखला है जिसकी संख्या (27474) में हैंः संदर्भ स्रोत संग्रह जैसे ग्रंथ सूची, विश्वकोष, निर्देशिका आदि। इसके पास डॉक्टोरलथीसिस, अनुसंधान परियोजना रिपोर्ट से युक्त एक ग्रे संग्रह है। इसके अलावा, पुस्तकालय और सूचना विज्ञान, और कंप्यूटर और सूचना प्रौद्योगिकी सहित सभी सामाजिक विज्ञान विषयों के विभिन्न संकायों की अनुसंधान पद्धति, अनुसंधान सर्वेक्षण और एक रणनीतिक संग्रह और पत्रिकाओं के 13,342 संस्करणों का एक अनूठा संग्रह है। पुस्तकालय सोमवार से शनिवार तक सुबह 9:30 बजे से शाम 6:00 बजे तक खुला रहता है और रविवार और सभी राजपत्रित अवकाशों पर बंद रहता है।

वर्ष 2020–21 के दौरान कुल 3975 शोधार्थियों ने राष्ट्रीय सामाजिक विज्ञान प्रलेखन केंद्र का दौरा किया। बड़ी संख्या में संदर्भ, प्रश्नों को पत्राचार/ई–मेल आदि के माध्यम से संबोधित किया गया था। राष्ट्रीय सामाजिक विज्ञान प्रलेखन केंद्र के संग्रह, इसके इन–हाउस डेटाबेस और इलेक्ट्रॉनिक स्रोतों, और कई अन्य इंटरनेट–आधारित संसाधनों की खोज द्वारा अध्येताओं को शोध सम्बंधित जानकारी प्रदान की गई थी।

भारतीय सामाजिक विज्ञान अनुसंधान परिषद्–राष्ट्रीय सामाजिक विज्ञान प्रलेखन केंद्र पुस्तकालय की सदस्यता पाठकों की निम्नलिखित श्रेणियों के लिए खुली हैः

आधिकारिक सदस्यः इनमें भारतीय सामाजिक विज्ञान अनुसंधान परिषद् के सदस्य/भारतीय सामाजिक विज्ञान अनुसंधान सचिवालय के वरिष्ठ अधिकारी और इसके नियमित व्यावसायी कर्मचारी (अर्थात अनुसंधान सहायक/प्रलेखन सहायक और अन्य) शामिल हैं। वे पुस्तकालय से पुस्तकें उधार लेने के हकदार हैं।

परामर्श सदस्यः शिक्षाविदों, शोधार्थियों, छात्रों और सेवानिवृत्त व्यक्तियों और पाठकों की अन्य श्रेणियों सहित आम जनता के सदस्यों के लिए भी परामर्श सुविधा प्रदान की जाती है।

भारतीय सामाजिक विज्ञान अनुसंधान परिषद् लाभार्थी सदस्यः भारतीय सामाजिक विज्ञान अनुसंधान परिषद् के कार्यक्रमों और योजनाओं से लाभान्वित सभी विद्वानों और शोधकर्ताओं को यह सदस्यता दी जाती है।

उधार लेने वाले सदस्यः पुस्तकालय के सदस्यों के रूप में पंजीकृत सामाजिक वैज्ञानिकों, शिक्षाविदों, छात्रों और सामान्य पाठकों के लिए पुस्तक उधार लेने की सुविधा प्रदान की जाती है। 1000/– प्रति पुस्तक की जमा राशि पर पुस्तकें जारी की जाती हैं। एक सदस्य को एक बार में दो पुस्तकें जारी की जा सकती हैं।

संस्थागत सदस्यः संस्थागत सदस्यता उपलब्ध है। एक संस्थागत सदस्य द्वारा एक माह की अवधि के लिए पांच पुस्तकें जारी की जा सकती हैं।

अतिथि पाठकः जो अतिथि पाठक एक या दो दिन के लिए पुस्तकालय से परामर्श करना चाहते हैं, उनके लिए कोई शुल्क नहीं है। उन्हें एक दिन के लिए एक अतिथि कार्ड जारी किया जाता है। पुस्तकालय सदस्यता फॉर्म पुस्तकालय काउंटर पर उपलब्ध है और हमारी वेबसाइट **www.icssr.org** पर ऑनलाइन उपलब्ध है। वर्ष के दौरान अतिथि सदस्यों सहित कुल 170 अध्येताओं ने सदस्यता ली है और एक संस्था ने अपनी सदस्यता का नवीनीकरण किया है।

दस्तावेजों का वितरण (निर्गम/वापसी): राष्ट्रीय सामाजिक विज्ञान प्रलेखन केंद्र की सेवाओं का उपयोग करने वाला पाठक आमतौर पर एक शोधकर्ता होता है जो

अपने डॉक्टोरल/पोस्ट डॉक्टोरल के लिए काम कर रहा होता है या कोई सम्मेलन पत्र लिख रहा होता है या किसी शोध परियोजना पर काम कर रहा होता है। इस प्रयोजन के लिए, उसे पत्र–पत्रिका के लेख, संस्थागत पत्रों सहित ग्रे साहित्य की आवश्यकता होती है, जैसे, वर्किंग पेपर्स/डिस्कशन पेपर्स/सामयिक पेपर्स आदि। यह एक परामर्श संग्रह है जिसका उपयोग शोधकर्ताओं द्वारा केवल रिडिंग कक्ष में किया जाना होता है। हालाँकि, ग्रे लिटरेचर के अलावा, कुल 172 दस्तावेज, उधार लेने वाले सदस्यों के बीच परिचालित किए गए थे।

लाइब्रेरी से उधारः शोधकर्ता/पुस्तकालयों को किताबें/पत्रिकाएं उपलब्ध कराने के लिए, जो राष्ट्रीय सामाजिक विज्ञान प्रलेखन केंद्र में उपलब्ध नहीं हैं, उन्हें अन्य पुस्तकालयों से उधार पर प्राप्त करता है। इसी तरह, इसके द्वारा बाहरी पुस्तकालयों को किताबें और पत्रिकाएं जारी की जाती हैं। वर्ष के दौरान बाहरी पुस्तकालयों को 50 पुस्तकें जारी की गईं। राष्ट्रीय सामाजिक विज्ञान प्रलेखन केंद्र डेलनेट (डेवलपिंग लाइब्रेरी नेटवर्क) का सदस्य है और इसकी सेवाओं का उपयोग लाइब्रेरी से उधार लेने के लिए भी किया जाता है।

ई–संसाधनः रीडिंग हॉल में तीन कंप्यूटर टर्मिनल विशेष रूप से ई–संसाधनों के उपयोग के लिए हैं। इसके सदस्य पुस्तकालय में ऑनलाइन पत्रिकाओं को भी देख सकते हैं। ग्यारह ऑनलाइन ई–संसाधन (सभी सब्सक्राइब्ड) और अन्य डिजिटल संसाधन पुस्तकालय में उपलब्ध हैं, जिसका लाभ शोधकर्ता उठाते है। इन ई–संसाधनों का उपयोग राष्ट्रीय सामाजिक विज्ञान प्रलेखन केंद्र परिसर में 165 शोधार्थिओं द्वारा किया गया था। इनके अलावा, शोधार्थिओं द्वारा संदर्भ प्रश्नों के उत्तर देने के लिए, ग्रंथ सूची के संकलन के लिए और राष्ट्रीय सामाजिक विज्ञान प्रलेखन केंद्र की अन्य सेवाएं लेने के लिए ई–संसाधनों का भारी उपयोग किया गया था।

अनुसंधान सामग्री का अधिग्रहण – पुस्तकें/थीसिस/पत्रिकाएं/ई–संसाधनः 2020–21 के दौरान, राष्ट्रीय सामाजिक विज्ञान प्रलेखन केंद्र के संग्रह में 725 दस्तावेज जोड़े गए हैं। इसमें 579 किताबें खरीद कर, 107 शोध रिपोर्ट और 39 किताबें प्रिंट प्रारूप में उपहार के रूप में प्राप्त हुईं। कुल 44 भारतीय पत्रिकाओं को उपलब्ध कराया गया, 137 पत्रिकाओं को मुफ्त में प्राप्त किया गया, 14 दैनिक समाचार पत्रों और 11 लोकप्रिय पत्रिकाओं को भी पाठकों के लिए उपलब्ध कराया गया। भारत सरकार के मंत्रालयों और विभागों की वार्षिक रिपोर्ट के साथ अन्य विभिन्न संस्थानों को भी राष्ट्रीय सामाजिक विज्ञान प्रलेखन केंद्र के संग्रह में जोड़ा गया। राष्ट्रीय सामाजिक विज्ञान प्रलेखन केंद्र के लिए निम्नलिखित ई–संसाधनों की सदस्यता ली गईः 1. इकानलिट के पूर्ण पाठ (ई.बी.एस.सी.ओ.), 2. एजुकेशन सोर्स (ई.बी.एस.सी.ओ.), 3. इंडियास्टेट (डेटानेट इंडिया), 4. जे–गेट सामाजिक और प्रबंधन विज्ञान, कला और मानविकी (सूचना विज्ञान), 5. जे.एस.टी.ओ.आर. (यू.एस.ए., इथाका), 6. पूर्ण पाठ के साथ लिस्टा (पुस्तकालय, सूचना विज्ञान और प्रौद्योगिकी सार) (ई.बी.एस.सी.ओ.), 7. राजनीति विज्ञान पूर्ण (ई.बी.एस.सी.ओ.), 8. प्रूस आईक्यू (भारतीय अर्थव्यवस्था की निगरानी के लिए केंद्र), 9. साईक आर्टीकल्स (ई.बी.एस.सी.ओ.), 10. सेकइंडेक्स का पूर्ण पाठ (ई.बी.एस.सी.ओ.) (समाजशास्त्र) और 11. डेलनेट (विकासशील पुस्तकालय नेटवर्क), इस तरह यह 11 डेटाबेस तक पहुँच प्रदान करता है।

भारतीय सामाजिक विज्ञान अनुसंधान परिषद् के अनुसंधान संस्थानों (आर.आई.) और क्षेत्रीय केंद्रों (आर.सी.) के लिए ई–संसाधनः सामाजिक विज्ञान के क्षेत्र में ज्ञान को आगे बढ़ाने के साथ भारतीय सामाजिक विज्ञान अनुसंधान परिषद् के अनुसंधान संस्थानों और क्षेत्रीय केंद्रों की अनुसंधान क्षमताओं को बढ़ाने के लिए, राष्ट्रीय सामाजिक विज्ञान प्रलेखन केंद्र ने 2020 में 4 ई–संसाधनों की सदस्यता ली। इन संस्थानों की संख्या के बारे में विवरण तालिका 2.11 में दिया गया है।

लघु ग्रंथ सूची / साहित्य खोज सेवा का संकलनः 2020–21 के दौरान, राष्ट्रीय सामाजिक विज्ञान

तालिका 2.11

क्रम संख्या	ई–संसाधनों के नाम	साइटों की संख्या (अनुसंधान संस्थान और क्षेत्रीय केंद्र)
1	इकोनलिट पूर्ण पथ के साथ (यूएसए, ईबीएससीओ)	10
2	इंडियास्टेट और इसकी अन्य सभी सहयोगी साईटे (डेटानेट इंडिया)	6
3	जेएसटीओआर (यूएसए, इथाका)	10
4	प्रोवेश आईक्यू (इंडिया, सेंटर फॉर मॉनिटरिंग इंडीयन इकोनोमी)	5

प्रलेखन केंद्र के परिशिष्ट में 11 लघु और सारगर्भित ग्रंथ सूची संकलित किया गया और शोधार्थियों के मांग के आधार पर इसकी पूर्ति की गई।

ग्रंथ सूची सम्बंधी विषय : 2020–21 के दौरान, विभिन्न विषयों के 19 ग्रंथ सूची तैयार की गई हैं जो राष्ट्रीय सामाजिक विज्ञान प्रलेखन केंद्र के परिशिष्ट में सूचीबद्ध हैं। अब तक 581 अध्येताओं ने इन ग्रंथ सूचियों का अध्ययन किया है।

डेटा सेवाएँ: 2020–21 के दौरान, विभिन्न प्रतिष्ठित संस्थानों जैसे एम्स, केंद्रीय विश्वविद्यालयों, डीम्ड विश्वविद्यालयों और राज्य विश्वविद्यालयों, सरकारी संस्थाओं, आई.आई.टी., आई.सी.ए.आई., एन.आई.टी. और अन्य शोध संस्थानों को 2587 डेटासेट प्रदान किए गए हैं। प्रत्येक डेटासेट की संख्या (1) ऋण और निवेश (117), (2) घरेलू पर्यटन (49), (3) आर्थिक जनगणना (58), (4) शिक्षा (122), (5) रोजगार और बेरोजगारी (556), (6) उद्यम (563), (7) स्वास्थ्य देखभाल (69), (8) घरेलू उपभोक्ता व्यय (840) और (9) आवास की स्थिति (213) है।

माइक्रोफिल्म और माइक्रोफिश सेवाएं: राष्ट्रीय सामाजिक विज्ञान प्रलेखन केंद्र के परिशिष्ट में माइक्रोफिल्म रीडर सुविधा के साथ–साथ माइक्रोफिल्म और माइक्रोफिश का अच्छा संग्रह (लगभग 3500) है।

सतत शिक्षा कार्यक्रमः नवीनतम घटनाओं से रूबरू रहने और सामाजिक विज्ञान की जानकारी प्राप्त करने में विशेष कौशल विकसित करने के लिए, राष्ट्रीय सामाजिक विज्ञान प्रलेखन केंद्र के द्वारा नियमित आधार पर सतत शिक्षा कार्यक्रम के तहत अल्पकालिक प्रशिक्षण कार्यशालाओं/सेमिनार/संवादात्मक सत्रों और व्याख्यानों का आयोजन किया जाता है। इस अवधि के दौरान, ऑनलाइन संसाधनों के उपयोग और पहुँच के आधार पर शैक्षणिक समुदाय के लिए आठ (8) प्रशिक्षण/अभिविन्यास सत्र आयोजित किए गए जैसेः (1) जे–गेट; (2) कौशलबुद्धि; (3) इंडियास्टेट; (4) जे.एस.टी.ओ.आर.; (5) ई.बी.एस.सी.ओ. होस्ट इकानलिट के साथ, पूर्ण राजनीति विज्ञान, सामाजिक–सूचकांक, शिक्षा स्रोत और मानसिक लेख आदि शामिल हैं। (6) राष्ट्रीय सामाजिक विज्ञान प्रलेखन केंद्र के रिमोटएक्सः एक ऑनलाइन डिजिटल संसाधन एक्सेस पोर्टल है। ऐसे में इन प्रशिक्षण कार्यक्रमों से पुस्तकालय द्वारा 300 से अधिक शोधार्थीओं को लाभान्वित किया गया।

मूल्य संवर्धित सेवाएंः "राष्ट्रीय सामाजिक विज्ञान प्रलेखन केंद्र के अनुसंधान सूचना शृंखला" के तहत नियमित आवधिक अंतराल पर विभिन्न प्रकाशनों को प्रकाशित करके वर्तमान जागरूकता की सेवाएँ (सी.ए.एस.) प्रदान की जाती है। 2020–21 के दौरान, नए नौ (9) अंक सारांश के साथ 'नए परिवर्धन' की सूची में और 'वर्तमान सामग्री' के नौ (9) विषयों को सामने लाया गया। (4) समाचार–पत्र क्लिपिंग सेवाओं के चार अंक विषयवार सूचकांक के साथ प्रकाशित किए गए।

2020–21 के लिए व्यावसायिक निकायों की सदस्यताः व्यावसायिक कौशल के विकास और नेटवर्किंग के तहत, राष्ट्रीय सामाजिक विज्ञान प्रलेखन केंद्र पेशेवर निकायों और नेटवर्क के लिए नियमित रूप से वार्षिक सदस्यता प्राप्त कर रहा है और 2020–21 में, डेलनेट की सदस्यता का नवीनीकरण किया गया था। इस प्रकार की सदस्यता राष्ट्रीय सामाजिक विज्ञान प्रलेखन केंद्र को उनकी विभिन्न सेवाओं जैसे इंटर लाइब्रेरी ऋण सुविधा और ऑनलाइन डेटाबेस तक पहुंच आदि के लिए आवश्यक है। वर्ष 2020–21 के दौरान राष्ट्रीय सामाजिक विज्ञान प्रलेखन केंद्र के द्वारा किया गया कुल व्यय ₹ 90.93 लाख था। राष्ट्रीय सामाजिक विज्ञान प्रलेखन केंद्र की गतिविधियों (सदस्यों, सेवाओं आदि) के बारे में विस्तृत जानकारी तालिका 2.12 में दी गई हैः

तालिका 2.12

राष्ट्रीय सामाजिक विज्ञान प्रलेखन केंद्र की गतिविधियों, सदस्यों, सेवाओं आदि की सूचना (शुरूआती दौर से)

विवरण	कुल
सदस्यों की संख्या	3245
ई–संसाधनों की सदस्यता	232
शोध सामग्री का अधिग्रहणः पुस्तकें/थीसिस/पत्रिकाएँ	1,23,718
लघु ग्रंथ सूची/साहित्य खोज सेवाओं का संकलन आदि	7,538
आगंतुकों की संख्या	2,19,444
कार्यशाला/प्रशिक्षण कार्यक्रम (राष्ट्रीय सामाजिक विज्ञान प्रलेखन केंद्र द्वारा संचालित/वित्त पोषित)	129
कोई अन्य सूचना (शिक्षा यात्रा आगंतुक)	572

तालिका 2.13

भा.सा.वि.अ.प गतिविधियों के आउटरीच पर मात्रात्मक जानकारी (2020–21)

क्र. सं.	कार्यक्रम/योजना का नाम	लाभार्थियों की संख्या	
		प्रत्यक्ष	अप्रत्यक्ष
1.	अनुसंधान कार्यक्रम/परियोजनाएं	376	1880
2.	इंपैक्टफुल पोलिसी रिसर्च इन सोशल साइंसेज (इम्प्रेस) (जारी)	740	3675
3.	अनुसंधान अध्येतावृत्तियां (राष्ट्रीय) (जारी)	04	–
4.	अनुसंधान अध्येतावृत्तियां (वरिष्ठ) (जारी)	44	–
5.	अनुसंधान अध्येतावृत्तियां (पोस्ट–डॉक्टोरल) (जारी)	256	512
6.	अनुसंधान अध्येतावृत्तियां (डॉक्टोरल) (जारी)	776	1552
7.	प्रशिक्षण और क्षमता निर्माण कार्यक्रम	15	745
8.	राष्ट्रीय संगोष्ठी/सम्मेलन	1803	–
9.	अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी/सम्मेलन	177	–
10.	अंतर्राष्ट्रीय सहयोग कार्यक्रम	28	95
11.	क) प्रकाशन अनुदान	150	4500
	ख) रिसर्च जर्नल अनुदान (ग्रांट)	660	1,32,000
	ग) अनुरक्षण एवं विकास अनुदान	07	2100
12.	अनुसंधान संस्थान (24)	55,187	44,923
13.	क्षेत्रीय केंद्र (छह)	10,380	15,000
14.	राष्ट्रीय सामाजिक विज्ञान प्रलेखन केंद्र (नेस्डॉक)	9807	–
	कुल	**80,410**	**2,06,982**

3

अंतर्राष्ट्रीय सहयोग

'अंतर्राष्ट्रीय सहयोग कार्यक्रम' के माध्यम से सामाजिक विज्ञान अनुसंधान को बढ़ावा देना भा.सा.वि.अ.प. द्वारा किए जाने वाले प्रमुख कार्यों में से एक है। इस कार्यक्रम के तहत, परिषद् भारतीय और विदेशी शोधार्थिओं को भारत और विदेशों में सामाजिक विज्ञान के क्षेत्र में संवाद करने, सीखने, शोध करने और उसमें योगदान करने का अवसर प्रदान करती है। परिषद् इस कार्यक्रम के तहत कई महत्वपूर्ण गतिविधियां करती है, जिसमें, विदेशी वित्त पोषण परिषदों और सामाजिक विज्ञान के संगठनों के साथ द्विपक्षीय और बहुपक्षीय सहयोगात्मक सम्बंध स्थापित करने, भारतीय अध्येताओं को अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलनों में शोध पेपर प्रस्तुत करने और विदेशों में आँकडा संग्रह के लिए वित्तीय सहायता प्रदान करना आदि शामिल हैं।

भारतीय सामाजिक विज्ञान अनुसंधान परिषद् ने सामाजिक विज्ञान के क्षेत्र में अनुसंधान को बढ़ावा देने के लिए विदेशों में अपने समकक्ष संस्थाओं के साथ मजबूत द्विपक्षीय सामाजिक विज्ञान सहयोगात्मक सम्बंध स्थापित किए हैं। इसके साथ–साथ, परिषद् अन्य देशों के साथ भारत सरकार के 'सांस्कृतिक विनिमय कार्यक्रम' और 'शैक्षिक आदान–प्रदान कार्यक्रम' की प्रमुख कार्यान्वयन संस्थाओं में से एक है।

भारतीय सामाजिक विज्ञान अनुसंधान परिषद् का अति महत्वपूर्ण कार्य देश में अंतर– विषयक/बहुविषयक और नीति सम्यक सामाजिक विज्ञान अनुसंधान को बढ़ावा देना और वित्तीय सहायता देना है और इस तरह, भारत में सामाजिक विज्ञान अनुसंधान को आकार देने और मजबूत करने में अग्रणी भूमिका का निर्वहन करना है जिसमें समकक्ष विदेशी परिषदों व अनुसंधान संस्थानों के साथ सहयोगात्मक अनुसंधान भी शामिल है। इसका उदेश्य अनुसंधान के क्षेत्र में व्यापक, चुनौतीपूर्ण और नवोन्मुख प्रशिक्षण के माध्यम से सामाजिक वैज्ञानिकों की क्षमता का निर्माण करना है।

सामाजिक विज्ञान से जुड़े महत्वपूर्ण मुद्दों पर संवाद और चर्चा को प्रोत्साहित करने के लिए भारतीय सामाजिक विज्ञान अनुसंधान परिषद्, भारत में राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलनों/संगोष्ठियों को आयोजित करने के लिए वित्तीय सहायता प्रदान करती है। भारतीय सामाजिक विज्ञान अनुसंधान परिषद् द्वारा शुरू की गयी 'सेमिनार अनुदान योजना' का मुख्य उद्देश्य सामाजिक विज्ञान के विशिष्ठ क्षेत्रों के साथ–साथ अंतर–अनुशासनात्मक क्षेत्रों में अनुसंधान को प्रायोजित करना है।

भारतीय सामाजिक विज्ञान अनुसंधान परिषद् 'अंतर्राष्ट्रीय सहयोग कार्यक्रम' के द्वारा सामाजिक विज्ञान के क्षेत्र में भारतीय और विदेशी सामाजिक वैज्ञानिकों के बीच अकादमिक विमर्श और शोध करने का अवसर प्रदान करती है। साथ ही, भारतीय सामाजिक वैज्ञानिकों को भी वित्तीय सहायता प्रदान की जाती है, जिन्हें विदेशों में सेमिनारों/सम्मेलनों में पेपर प्रस्तुत करने लिए आमंत्रित किया गया है और जो सामाजिक विज्ञान के क्षेत्र में महत्वपूर्ण योगदान दे रहे है। इसके साथ, भारतीय सामाजिक विज्ञान अनुसंधान परिषद् उन सामाजिक वैज्ञानिकों को वित्तीय सहायता भी प्रदान करती है, जो अपने शोध कार्य के संबंध में डेटा संग्रहण या अभिलेखीय सामग्री एकत्रित करने के उद्देश्य से विदेश जाते है।

भारतीय सामाजिक विज्ञान अनुसंधान परिषद् पिछले कुछ वर्षों में भारत में एक प्रमुख सामाजिक विज्ञान अनुसंधान संगठन के रूप में उभरा है, जिसकी उपस्थिति अन्तर्राष्ट्रीय स्तर पर साफ देखी जा सकती है। भारत और दुनिया के अन्य देशों के सामाजिक वैज्ञानिकों के बीच अकादमिक संबंधों को बढ़ावा देने से संबंधित गतिविधियां अंतर्राष्ट्रीय सहयोग विभाग का एक प्रमुख कार्य रहा है। ऐसे में परिषद् की ओर से यह विभाग अनेक देशों और संगठनों के साथ आपसी सहयोग और संयुक्त अनुसंधान के कार्यक्रमों का नेतृत्व करता है।

अंतर्राष्ट्रीय सहयोग कार्यक्रम

भारतीय सामाजिक विज्ञान अनुसंधान परिषद् द्वारा सामाजिक विज्ञान के क्षेत्र में वैश्विक स्तर पर महत्वपूर्ण कार्य किया जा रहा है। ऐसे में परिषद् विभिन्न देशों के मौजूदा कार्यक्रमों के साथ अपना सहयोग जारी रखे हुए है जैसे–वियतनाम सामाजिक विज्ञान अकादमी (वी.ए.एस.एस.), नेशनल साइंस फाउंडेशन (एन.एस.एफ.), श्रीलंका, आर्थिक

और सामाजिक अनुसंधान परिषद् (ई.एस.आर.सी.), यूके, नीदरलैंड वैज्ञानिक संगठन (एन.ओ.डब्ल्यू.), नीदरलैंड, जर्मन रिसर्च फाउंडेशन (डी.एफ.जी.), जर्मनी, कोरियाई सामाजिक विज्ञान अनुसंधान परिषद् (के.ओ.एस.एस.आर.ई.सी.), कोरिया गणराज्य, ज्यूरिख यूनिवर्सिटी ऑफ एप्लाइड साइंसेज (जेड. एच.ए.डब्ल्यू.), स्विट्जरलैंड, स्विस नेशनल साइंस फाउंडेशन (एस.एन.एस.एफ.), स्विट्जरलैंड, विज्ञान और प्रौद्योगिकी मंत्रालय (मोस्ट), ताइपे, ताइवान, जापान सोसाइटी फॉर प्रमोशन ऑफ साइंस (जे.एस.पी.एस.), जापान, मानविकी और सामाजिक विज्ञान के लिए राष्ट्रीय संस्थान (एन.आई. एच.एस.एस.), दक्षिण अफ्रीका, फिलीपीन सामाजिक विज्ञान परिषद् (पी.एस.एस.सी.), फिलीपींस, ब्रिटिश काउंसिल (बी.सी.), यू.के., यूरोपीय आयोग (ई.सी.), स्वीडिश रिसर्च काउंसिल फॉर हेल्थ, वर्किंग लाइफ एंड वेलफेयर (एफ.ओ.आर.टी.ई.), स्वीडन, एकेडमी ऑफ साइंसेज एंड आर्ट्स ऑफ बोस्निया और हर्जेगोविना (ए.एन.यू.बी.आई.एच.), साराजेवो, बोस्निया और हर्जेगोविना। भारतीय सामाजिक विज्ञान अनुसंधान परिषद् के थाईलैंड, फ्रांस और चीन के साथ सांस्कृतिक आदान–प्रदान कार्यक्रम भी चल रहे हैं। भारतीय सामाजिक विज्ञान अनुसंधान परिषद् का सामाजिक विज्ञान और मानविकी (ई.क्यू.यूआई.पी.) विषय पर ईयू–इंडिया प्लेटफॉर्म के साथ बहुपक्षीय सहयोगात्मक सम्बंध है।

इसके अतिरिक्त, भारतीय सामाजिक विज्ञान अनुसंधान परिषद् यूनेस्को के 'मोस्ट' कार्यक्रम और लैटिन अमेरिकन सामाजिक विज्ञान परिषद् (सी.एल.ए.सी.एस.ओ.) इत्यादि के द्वारा अंतर्राष्ट्रीय सामाजिक विज्ञान संगठनों जैसे इंटरनेशनल फेडरेशन ऑफ सोशल साइंस ऑर्गेनाइजेशन (आई.एफ.एस.एस.ओ.), इंटरनेशनल साइंस काउंसिल (आई. एस.सी.), साइंस काउंसिल ऑफ एशिया (एस.सी.ए.), संयुक्त राष्ट्र शैक्षिक, वैज्ञानिक और सांस्कृतिक संगठन (यूनेस्को) की गतिविधियों में भाग लेता रहा है। भारतीय सामाजिक विज्ञान अनुसंधान परिषद् शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा यूनेस्को (आई.एन.सी.सी.यू) के साथ सामाजिक विज्ञान पर गठित उप–समिति की प्रमुख संस्था भी है।

भारतीय सामाजिक विज्ञान अनुसंधान परिषद् को अंतर–विषयक और बहु–विषयक सहयोग के माध्यम से विस्तृत आधार देना

भारत में वैज्ञानिक, चिकित्सा और कृषि परिषदों के भी अपने अंतर्राष्ट्रीय सहयोग कार्यक्रम हैं। भारतीय सामाजिक विज्ञान अनुसंधान परिषद् के द्वारा विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग, भारतीय चिकित्सा अनुसंधान परिषद् ,जैव प्रौद्योगिकी विभाग, भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद् जैसे अनुसंधान संगठनों के साथ ऐसे कार्यक्रम विकसित किये जा रहे है, जिनका समाज और विज्ञान के बीच द्विपक्षीय या बहुपक्षीय समझौतों के माध्यम से एक मजबूत और गहरा संबंध बनेगा। इसके साथ साथ भा.सा.वि.अ.प. संयुक्त कार्यशालाओं और सेमिनारों के लिए देश के आई.आई.एम., आई.आई.टी. और एन.आई.टी. के साथ सहयोग करने की योजना बना रहा है। इसी तरह, भा.सा.वि.अ.प. की भारत के राष्ट्रीय विधि विश्वविद्यालयों (एन.एल.यू.) के साथ सहयोगात्मक व्यवस्था करने की योजना है। भा.सा.वि.अ.प. नए कार्यक्रमों और गतिविधियों के माध्यम से एक मजबूत अग्रणी भूमिका निभाने के लिए लगातार कदम बढ़ाए जा रहा है।

द्विपक्षीय सहयोगात्मक कार्यक्रम

भारतीय सामाजिक विज्ञान अनुसंधान परिषद् ने सामाजिक वैज्ञानिकों के बीच आदान–प्रदान, संयुक्त कार्यक्रम, संयुक्त परियोजनाओं, संयुक्त प्रकाशनों, पुस्तकों और पत्रिकाओं के आदान–प्रदान आदि जैसी गतिविधियों को लागू करने के लिए कई देशों के समानांतर संगठनों के साथ 'द्विपक्षीय सहयोगात्मक कार्यक्रमों' पर हस्ताक्षर किए हैं। परिषद् ने अपनी "विजिट ऑफ डिस्टिंगविश्ड स्कॉलर" योजना के अंतर्गत प्रतिष्ठित विदेशी अध्येताओं को व्याख्यान देने के लिए आमंत्रित करने की भी योजना बनाई है। भारतीय सामाजिक विज्ञान अनुसंधान परिषद् का निम्नलिखित संगठनों या देशों के साथ द्विपक्षीय सहयोग हैः

आर्थिक और सामाजिक अनुसंधान परिषद् (ई.एस.आर.सी.), यू.के.

भारतीय सामाजिक विज्ञान अनुसंधान परिषद् और आर्थिक और सामाजिक अनुसंधान परिषद्, यू.के. का 1 अप्रैल, 2008 से द्विपक्षीय सहयोग कार्यक्रम चल रहा है। 14 सितंबर, 2018 को तीन साल की अवधि के लिए नवीनीकृत समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए हैं।

मानविकी और सामाजिक विज्ञान राष्ट्रीय संस्थान (एन.आई.एच.एस.एस.), दक्षिण अफ्रीका

भारतीय सामाजिक विज्ञान अनुसंधान परिषद् और मानविकी और सामाजिक विज्ञान राष्ट्रीय संस्थान (एन.आई. एच.एस.एस.), दक्षिण अफ्रीका ने 4 अगस्त, 2020 को तीन साल की अवधि के लिए समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए है, जो अगले तीन वर्षों के लिए नवीकरणीय है, जब तक कोई भी पक्ष इस समझौते की समाप्ति की सूचना नहीं देता।

जापान सोसायटी फॉर द प्रमोशन ऑफ साइंस (जे.एस.पी.एस.), टोक्यो, जापान

भारतीय सामाजिक विज्ञान अनुसंधान परिषद् और जेएसपीएस ने तीन साल की अवधि के लिए एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किया है जिसकी शुरूवात 26 फरवरी, 2015 से हुई थी और उसके बाद यह अपने आप आगे के तीन साल की अवधि के लिए बढ़ जाएगा, जब तक कि कोई भी पक्ष इसे समाप्त करने की इच्छा व्यक्त नहीं करता।

ज्यूरिख यूनिवर्सिटी ऑफ एप्लाइड साइंसेज (जेड.एच.ए.डब्ल्यू.), स्विट्जरलैंड

भारतीय सामाजिक विज्ञान अनुसंधान परिषद् और ज्यूरिख यूनिवर्सिटी ऑफ एप्लाइड साइंसेज (जेड.एच.ए.डब्ल्यू.), को स्विट्जरलैंड स्विस स्टेट सेक्रेटेरिएट फॉर एजुकेशन, अनुसंधान एवं नवाचार (एस.ई.आर.आई.) के द्वारा अपनी क्षमता में 'प्रधान सदन' के रूप में मान्यता प्राप्त है, जो अंतर्राष्ट्रीय वैज्ञानिक और शोधार्थिओं के सहयोग और विनिमय के महत्व को समझते हुए इनके द्वारा 10 अप्रैल 2019 को एक समझौता ज्ञापन (एम.ओ.यू.) पर हस्ताक्षर किया गया और यह 31 दिसंबर 2020 तक लागू रहा। इसके बाद, अग्रणी सदन से आगे के विस्तार का कोई प्रस्ताव प्राप्त नहीं हुआ है।

फिलीपींस सोशल साइंस काउंसिल (पी.एस.एस.सी.), फिलीपींस

भारतीय सामाजिक विज्ञान अनुसंधान परिषद् और फिलीपींस सोशल साइंस काउंसिल, फिलीपींस के द्वारा 27 मई 2020 को तीन साल की अवधि के लिए एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किया गया, जो कि अगले तीन वर्षों के लिए नवीकरणीय होगा, जब तक कोई भी पक्ष समाप्त करने की सूचना नहीं देता।

ब्रिटिश काउंसिल (बी.सी.), यू.के.

भारतीय सामाजिक विज्ञान अनुसंधान परिषद् और ब्रिटिश काउंसिल, यू.के. के द्वारा 22 सितंबर 2020 को एक ऑपरेशनल एलायंस एग्रीमेंट (ओ.ए.ए.) पर हस्ताक्षर किया गया। ब्रिटिश काउंसिल के साथ इस सहयोग से यू.के. और भारतीय दोनों के उच्च शिक्षा संस्थानों के सामाजिक विज्ञान के अध्येताओं को अपनी शोध क्षमताओं को विकसित करने का अवसर मिलेगा । 'न्यूटन भाभा फंड पीएच.डी. प्लेसमेंट प्रोग्राम' की शुरूआत करना इस समझौते के अंतर्गत यह महत्वपूर्ण गतिविधियों में से एक है।

यूरोपियन आयोग (ई.सी.), यूरोप

भारतीय सामाजिक विज्ञान अनुसंधान परिषद् और यूरोपियन आयोग के द्वारा वैज्ञानिक सहयोग बढ़ाने के लिए 28 अक्टूबर 2020 को एक नई कार्यान्वयन व्यवस्था पर हस्ताक्षर किया गया है। यह उत्कृष्ट भारतीय सामाजिक वैज्ञानिकों को यूरोप में छोटी अवधि के लिए अनुसंधान टीमों में शामिल होने के लिए प्रोत्साहित करता है और इसके लिए यूरोपीय अनुसंधान परिषद् (ई.आर.सी.) द्वारा वित्तीय सहायता प्रदान की जाती है। भारत में, यूरोपीय संघ के राजदूत और आई.सी.एस.एस.आर. के सदस्य सचिव, ने 28 अक्टूबर 2020 को आभासी माध्यम से कार्यान्वयन व्यवस्था पर हस्ताक्षर किए। यूरोपीय संघ और भारत ने पहले भी अनुसंधान और नवाचार के क्षेत्र में सहयोग किया है, लेकिन यह सामाजिक विज्ञान और मानविकी में अनुसंधान की सीमा को बढ़ावा देने वाली पहली योजना है। इस तरह, इस व्यवस्था पर हस्ताक्षर के साथ ही बहुपक्षीय सहयोग के लिए एक महत्वपूर्ण कदम उठाया गया है।

भा.सा.वि.अ.प. का 'इंडिया–ईयू स्ट्रेटेजिक पार्टनरशिपः ए रोडमैप टू 2025' की अनुसंधान एवं नवाचार के क्षेत्र में महत्वपूर्ण भूमिका है, जो 15 जुलाई 2020 को आयोजित भारत और यूरोपीय संघ (ई.यू.) के बीच 15वें शिखर सम्मेलन का परिणाम है। इसमें सामाजिक विज्ञान और मानविकी के क्षेत्र में सहयोग को बढ़ावा देने का उल्लेख है।

स्विस नेशनल साइंस फाउंडेशन (एस.एन.एस.एफ.), स्विट्जरलैंड

भारतीय सामाजिक विज्ञान अनुसंधान परिषद् ने संयुक्त अनुसंधान परियोजनाओं (जे.आर.पी.एस.) के लिए संयुक्त रूप से एक द्विपक्षीय आमंत्रण शुरू किया है जिसके लिए 27 नवंबर 2020 को स्विस नेशनल साइंस फाउंडेशन (एस.एन.एस.एफ.), स्विट्जरलैंड के साथ एक आशय पत्र पर हस्ताक्षर किया हैं। संयुक्त अनुसंधान परियोजनाओं का उद्देश्य संयुक्त आमंत्रण के द्वारा वैज्ञानिक उत्कृष्टता को बढ़ावा देने, आपसी हित को सुनिश्चित करने और दोनों पक्षों की निधियों को समायोजित करने के सिद्धांतों पर आधारित होगा और आठ परियोजनाओं को वित्तीय सहायता देने के लिए सहमती हुई, बशर्ते कि पर्याप्त संख्या में उत्कृष्ट प्रस्ताव प्राप्त हों। रिपोर्टिंग वर्ष के दौरान, 'आई.सी.एस.एस.आर. के द्विपक्षीय सहयोग कार्यक्रम' के तहत निम्नलिखित गतिविधियों का आयोजन किया गयाः

भा.सा.वि.अ.प.–जे.एस.पी.एस. (जापान) द्विपक्षीय कार्यक्रम

भा.सा.वि.अ.प और जे.एस.पी.एस., ने जापानी और भारतीय शोधकर्ताओं के बीच मानविकी और सामाजिक विज्ञान के क्षेत्र में अकादमिक सहयोग के आधार को विकसित करने के महत्व को स्वीकार किया हैं। इस कार्यक्रम के अंतर्गत की जाने वाली प्रमुख गतिविधियां हैं– (1) संयुक्त अनुसंधान परियोजनाएं, (2) संयुक्त सेमिनार और (3) अन्य सहयोगी गतिविधियाँ। भा.सा.वि.अ.प. और जे.एस.पी.एस. ने संयुक्त रूप से सामाजिक विज्ञान अनुसंधान के क्षेत्र में भारत–जापान सहयोग के तहत अनुसंधान करने के लिए भारतीय और जापानी शोधार्थिओं को संयुक्त अनुसंधान परियोजनाओं और संयुक्त संगोष्ठी के लिए आमंत्रित किया है और संयुक्त आमंत्रण के परिणाम स्वरूप दोनों पक्षों को अच्छी संख्या में आवेदन प्राप्त हुए। समीक्षा प्रक्रिया से गुजरने के बाद, निम्नलिखित तीन संयुक्त अनुसंधान परियोजनाओं और दो संयुक्त सेमिनारों को मंजूरी दी गई (तालिका 3.1 और तालिका 3.2)

भा.सा.वि.अ.प.–जेड.एच.ए.डब्ल्यू (ZHAW), संयुक्त वेबिनार

भारतीय सामाजिक विज्ञान अनुसंधान परिषद् (भा.सा.वि.अ.प.), सामाजिक विज्ञान अनुसंधान के क्षेत्र में ज्यूरिख यूनिवर्सिटी ऑफ एप्लाइड साइंसेज (जेड.एच.ए. डब्ल्यू.), स्विट्जरलैंड के साथ द्विपक्षीय सहयोग कर रही है। इस दिशा में, भा.सा.वि.अ.प.–जेड.एच.ए.डब्ल्यू. के द्वारा 24 नवंबर, 2020 को भा.सा.वि.अ.प., नई दिल्ली में आयोजित 'स्वास्थ्य और पर्यावरण' पर एक संयुक्त ऑनलाइन वेब अनुभव आदान–प्रदान सत्र का आयोजन किया गया। इस ऑनलाइन अनुभव आदान–प्रदान सत्र का मुख्य उद्देश्य यह था कि भारत और स्विटजरलैंड के बीच सामाजिक विज्ञान सहित वैज्ञानिक अनुसंधान के क्षेत्र में सहयोग को बढ़ावा मिले। हालाँकि, महामारी के कारण भारत और स्विट्जरलैंड में सामाजिक विज्ञान के शोधकर्ताओं के बीच चल रहे या नियोजित सहयोग को स्थगित करना पड़ा। यह संक्षिप्त ऑनलाइन अनुभव का आदान–प्रदान दोनों देशों के सहकर्मियों

तालिका 3.1

भारत – जापान संयुक्त अनुसंधान परियोजनाएँ

क्र.सं.	भारतीय मुख्य सहयोगकर्ता	जापानी मुख्य सहयोगकर्ता	परियोजना का नाम
1.	गौरव द्विवेदी असिस्टेंट प्रोफेसर प्रबंधन अध्ययन विभाग, भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, दिल्ली।	केण्टरों तमुरा प्रोग्राम डायरेक्टर ऑफ क्लामेट एंड एनर्जी एरिया, इन्स्टिट्यूट फॉर ग्लोबल इनवायरमेंटल स्ट्रैटेजीज (आईजीईएस), 2108–11, कमियानमगूची, हायमा, कानागवाँ, जापान	को– इनोवेशन इन इलेक्ट्रिक वेहिकल (इवी) सेक्टोरल एंड कोलैबोरेटिव रिसर्च बिटवीन इंडिया एंड जापान फॉर लो–कार्बन ट्रैंजिशन
2.	सुबीर सेन असिस्टेंट प्रोफेसर मानविकी और सामाजिक विज्ञान विभाग, सेंटर ऑफ एक्सलेन्स इन डिजास्टर मिटिगेशन एंड मैनजमेंट (सीओइडीएमएम) भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, रुड़की, उत्तराखंड।	बिजयोन कुमार मित्रा सीनियर वॉटर रिसोर्स स्पेशलिस्ट इंस्टिट्यूट फॉर ग्लोबल इनवायरमेंटल स्ट्रैटेजीज, 2108–11, कमियानमगूची, हायमा, कानागवाँ, जापान	इकोसिस्टम सेंट्रिक रुरल रिवाइटलाईजेशन : ब्रिजिंग द अर्बन–रुरल डाइकाटमी टूवॉर्ड्स पोस्ट–कोविड रेजिल्यंट रिकवरी
3.	एस. इरुदया रजनी प्रोफेसर सेंटर फॉर डेवलपमेंट स्टडीज, प्रशांत नगर, मेडिकल कॉलेज, पी ओ उल्लूर, तिरूवनंतपुरम।	यूको टीसूजिता सीनियर रीसर्च फैलो इंस्टिट्यूट ऑफ डवेलोपिंग इकॉनमीज, जापान एक्सटर्नल ट्रेड ऑर्गनायजेशन (आईडीइ–जेईटीआरओ),3–2–2,वकबा मिहमा–कू चिबा, जापान	द इम्पैक्ट ऑफ द कोविड–19 पैंडेमिक ऑन इंटरनैशनल नर्स माइग्रेशन फ्रोम इंडिया

तालिका 3.2
भारत–जापान संयुक्त संगोष्ठी

क्र.सं.	भारतीय प्रमुख सहयोगकर्ता	जापानी प्रमुख सहयोगकर्ता	संगोष्ठी का शीर्षक
1	मनीष कुमार असिस्टेंट प्रोफेसर, भूगोल विभाग, स्कूल ऑफ बेसिक साइंसेस, हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय जंत–पाली, महेंद्रगढ़ हरियाणा।	कोइची किमोतो क्वानसी गाकुइन विश्वविद्यालय 1–155, यूगाहारा इचिबन–चो, निशिनोमिया, ह्योगो, 662–8501, जापान	ट्रडिशन एंड सक्सेशन ऑफ रीजिनल जियोग्राफी इन इंडिया
2.	चंद्रशेखर बहिनीपति असिस्टेंट प्रोफेसर (अर्थशास्त्र) मानविकी और सामाजिक विज्ञान विभाग भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, तिरुपति, आंध्र प्रदेश।	कृष्ण प्रभाकर शिवपुरम वेंकट अनुसंधान प्रबंधक और वरिष्ठ नीति शोधकर्ता इंस्टिट्यूट फॉर ग्लोबल एनवायरमेंटल स्ट्रेटेजीज 2108–11, कामियामागुची, हयामा, कनागावा।	अंडरस्टैंडिंग एंड अड्रेसिंग सिस्टेमिक रिस्क्स बिहाइंड द सोसियो–इकनामिक इम्पैक्ट ऑफ कोविड–19 इन इंडिया एंड जापानः डेवेलोपिंग ए रोडमैप फोर रेजिलेंट एंड सस्टेनेबल फ्यूचर।

को 'स्वास्थ्य और पर्यावरण' के क्षेत्र में वैज्ञानिक अनुसंधान के लिए अनुभवों और विचारों का आदान–प्रदान करने का एक सुगम मार्ग है। इस ऑनलाइन सत्र में भाग लेने के लिए विश्वविद्यालयों, प्रयुक्त विज्ञान के विश्वविद्यालयों या विश्वविद्यालय के शिक्षकों, शिक्षा और संबंधित शोधकर्ता संगठनों के लगभग 350 संकायों और शोधकर्ताओं ने पंजीकरण कराया। भाग लेने वाले देशों में से प्रत्येक के तीन वक्ताओं ने व्यापक विषयों पर संबोधन किया और दोनों पक्षों ने दिए गए विषयों पर अपनी प्रस्तुति दी।

भा.सा.वि.अ.प.–पी.एस.एस.सी. संयुक्त वेबिनार

आई.सी.एस.एस.आर.–फिलीपींस सोशल साइंस काउंसिल (पी.एस.एस.सी.) ने कोविड–19 महामारी के दौरान सामाजिक वैज्ञानिकों के काम और अनुभवों पर ध्यान केंद्रित करते हुए वेबिनार की एक श्रृंखला का आयोजन किया। इस वेबिनार श्रृंखला का नाम 'स्टोरीज फ्रॉम सोशल साइंस कम्युनिटीज इन इंडिया एंड द फिलीपींस एंड द कोविड –19' रखा गया, जिसका उद्देश्य विशेष रूप से अकादमिक आदान–प्रदान को प्रोत्साहित करना है और भारत और फिलीपींस में सरकारों और सामाजिक वैज्ञानिकों के दृष्टिकोण और कोविड –19 प्रतिक्रियाओं की जांच करना है।

'भारत और फिलीपींस में कोविड –19 प्रतिक्रिया की जांच' विषय पर पहला वेबिनार 15 अक्टूबर 2020 को आयोजित किया गया था।

दूसरा वेबिनार 'कोविड–19 महामारी के दौरान भारत और फिलीपींस में सामाजिक सुरक्षा नीतियां और तंत्र' विषय पर 18 नवंबर 2020 को आयोजित किया गया था।

तीसरा वेबिनार 28 जनवरी 2021 को 'कोविड–19 के दौरान आर्थिक प्रोत्साहन' विषय पर आयोजित किया गया था।

भा.सा.वि.अ.प.–आर.ए.एस. संयुक्त वेबिनार

31 मार्च और 1 अप्रैल 2021 को भा.सा.वि.अ.प., अंतर्राष्ट्रीय सहयोग विभाग, रूसी विज्ञान अकादमी (आर.ए.एस.) और मॉस्को, रूस में भारतीय दूतावास के सहयोग से संयुक्त रूप से 'सांस्कृतिक विरासत संरक्षण' विषय पर एक वैज्ञानिक वेबिनार आयोजित किया गया था। वेबिनार का विषय इतिहास और दर्शन शास्त्र के क्षेत्र में रूसी–भारतीय सहयोग पर केंद्रित था। पारस्परिक विमर्श न केवल नेटवर्क बनाती है बल्कि दोनों पक्षों के सहयोगी अनुसंधान हितों को भी ध्यान में रखती है। विरासत विज्ञान के अंतर–विषयक कार्य क्षेत्र के पहलुओं से संबंधित विषयगत क्षेत्र विरासत विज्ञान की समझ और सतत उपयोग को बढ़ाने पर ध्यान केंद्रित करते हैं। वेबिनार में प्रस्तुतीकारण के द्वारा संग्रहालयों, दीर्घाओं, पुस्तकालयों, अभिलेखागार के संरक्षण का विश्लेषण किया गया और उपकरणों और ज्ञान के विकास से संबंधित कार्यों को समझा गया, ताकि पुरातत्व और अन्य अनुप्रयोगों के माध्यम से वर्तमान और दीर्घकालिक लाभों के लिए विरासत का निरंतर विश्लेषण एवं व्याख्या की जा सके।

कोविड–19 सुधार के लिए संयुक्त राष्ट्र का अनुसंधान रोडमैप

भा.सा.वि.अ.प. ने संयुक्त राष्ट्र के उप महासचिव द्वारा अधिकृत किए गए 'कोविड–19 रिकवरी के लिए संयुक्त राष्ट्र अनुसंधान रोडमैप' के विकास पर सलाह देने के लिए बनाए गए 'सोशल प्रोटेक्शन स्टीयरिंग ग्रुप' की सह–अध्यक्षता की। संयुक्त राष्ट्र महासभा के समक्ष प्रस्तुत किए जाने के बाद **कोविड –19 रिकवरी के लिए संयुक्त राष्ट्र अनुसंधान रोडमैप** पर अंतिम सिफारिशें जारी की गई हैं। इस रोडमैप में कोविड–19 से सामाजिक–आर्थिक सुधार के लिए 25 अनुसंधान प्राथमिकताओं की रूपरेखा तैयार की गयी है जो एक महत्वपूर्ण प्रश्न का उत्तर देने में मददगार सिद्ध होगाः कोविड–19 सामाजिक–आर्थिक सुधार के प्रयासों को उद्देश्यपूर्ण रूप से एसडीजी की दिशा में हिस्सेदारी, लचीलापन, स्थिरता और प्रगति को प्रोत्साहित करने के लिए कैसी संरचना बनायी जा सकती है? यह रोडमैप बेहतर सुधार के लिए विज्ञान की रणनीतियों का एक सारांश भी प्रदान करता है और साथ ही उन कार्यों को भी करता है जो शोधकर्ता, वित्त पोषित अनुसंधान एजेंसियां, सरकारें, नागरिक समाज संगठन और संयुक्त राष्ट्र जैसी संस्थाएं कर सकती हैं।

अभिविन्यास कार्यक्रम

भारत सरकार द्वारा श्री विशाल वी. शर्मा को यूनेस्को में भारत के राजदूत/स्थायी प्रतिनिधि के रूप में चुने जाने पर, विदेश मंत्रालय के द्वारा राजदूत शर्मा के लिए एक अल्पकालिक अभिविन्यास कार्यक्रम आयोजित करने के लिए आई.सी.एस.एस.आर. को सूचित किया गया। अभिविन्यास कार्यक्रम 7 अक्टूबर 2020 को आई.सी.एस.एस.आर. में आयोजित किया गया था। सदस्य सचिव ने विशेष रूप से सामाजिक विज्ञान पर उप–आयोग के संबंध में यूनेस्को में आई.सी.एस.एस.आर. की भूमिका के बारे में जानकारी दी। अधिकारियों ने आई.सी.एस.एस.आर. की गतिविधियों और कार्यक्रमों के बारे में एक पावर–पॉइंट प्रेजेंटेशन प्रस्तुत किया, जिसमें बीते वर्षों में आई.सी.एस.एस.आर. द्वारा लाए गए कुछ बेहतरीन प्रकाशनों पर प्रकाश डाला गया। सम्मान के प्रतीक के रूप में उन्हें कुछ बेहतरीन पुस्तकें दी गयी।

भा.सा.वि.अ.प.–आर्थिक और सामाजिक अनुसंधान परिषद् (ई.एस.आर.सी.) – यू.के. अनुसंधान एवं नवाचार (यू.के.आर.ई.) संयुक्त अनुसंधान परियोजना

भा.सा.वि.अ.प और आर्थिक और सामाजिक अनुसंधान परिषद् – यू.के. अनुसंधान एवं नवाचार के द्वारा एक सहयोगी द्विपक्षीय अनुसंधान कार्यक्रम 'द फ्यूचर ऑफ यूके–इंडियन ट्रेड एंड क्रॉस बॉर्डर इनवेस्टमेंट इन चेंजिंग ग्लोबल एनवायरनमेंट' के तहत चार संयुक्त परियोजनाओं की घोषणा की गयी है। यह संयुक्त शोध द्विपक्षीय व्यापार और निवेश सम्बन्धों की चुनौतियों और अवसरों का पता लगाएगा और दोनों देशों में नीति और कार्यान्वयन विकास को सीधे सूचित करने के लिए एक मूल्यवान साक्ष्य आधार प्रदान करेगा। प्रत्येक परियोजना टीम में यूके और भारतीय दोनों देशों के शोधकर्ताओं को शामिल किया गया है और सामूहिक रूप से ये परियोजनाएं इस बदलते अंतर्राष्ट्रीय परिवेश के अनुसार यूके–भारत के द्विपक्षीय व्यापार और निवेश संबंधों को मजबूत करने से जुड़ी चुनौतियों और अवसरों की पहचान करेंगी, साथ ही दोनों देशों के सामने नीति संबंधित विकल्प भी प्रस्तुत करेगी। 36 महीने की परियोजनाएं जो 2021 की शुरुआत में यू.के.आर.आई. से 1.3 मिलियन यूरो के निवेश के साथ शुरू हुई और वे भा.सा.वि.अ.प. के प्रयासों से मेल खाती थीं। समीक्षा प्रक्रिया खत्म होने के बाद चार संयुक्त अनुसंधान परियोजनाओं को मंजूरी दी गई, जिसका विवरण तालिका 3.3 में दिया गया है।

भा.सा.वि.अ.प.–ब्रिटिश परिषद् (यू.के.)

भारतीय सामाजिक विज्ञान अनुसंधान परिषद् (आई.सी.एस.एस.आर.) और ब्रिटिश परिषद्, लंदन, यू.के. के सहयोग से 'न्यूटन भाभा फंड पीएच.डी. प्लेसमेंट कार्यक्रम' के माध्यम से भारत और यू.के. में सामाजिक विज्ञान अनुसंधान के क्षेत्र में एक ऑपरेशनल एलायंस एग्रीमेंट (ओ.ए.ए.) शुरू किया गया है। समझौते की संरचना के भीतर, ब्रिटिश काउंसिल और आई.सी.एस.एस.आर. के द्वारा संयुक्त रूप से 'पीएच.डी. प्लेसमेंट प्रोग्राम 2020–21' के लिए आवेदन आमंत्रित किया गया था। भारतीय आवेदकों के लिए भा.सा.वि.आ.प. द्वारा और यू.के. के आवेदकों के लिए ब्रिटिश काउंसिल द्वारा अलग–अलग आवेदनों की समीक्षा के बाद 'न्यूटन भाभा पीएच.डी. प्लेसमेंट प्रोग्राम' के शोधार्थियों का अंतिम चयन ब्रिटिश काउंसिल के साथ वर्चुअल ज्वाइंट पैनल मीटिंग के जरिए किया गया था। इस कार्यक्रम के तहत पैनल ने अंततः

तालिका 3.3

क्र.सं.	प्रधान–अन्वेषक (पी.आई.) भारतीय पक्ष	प्रधान–अन्वेषक (पी.आई.) यूके पक्ष	परियोजनाओं का शीर्षक
1.	प्रतीक राजी सहायक प्रोफेसर–रणनीति भारतीय प्रबंधन संस्थान, बेंगलुरु, कर्नाटक	सुनील मित्र अर्थशास्त्र व्याख्यता किंग्स इंडिया इंस्टीट्यूट, किंग्स कॉलेज लंदन स्ट्रैंड, लंदन डब्लूसी2आर2एलएस	एनेबलर्स एंड ऑब्सटेकलस फॉर यूके–इंडिया ट्रेडः बैंक्स एंड डाइऐस्पोराज
2.	वसीम अहमद सहायक प्रोफेसर आर्थिक विज्ञान विभाग, भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, कानपुर (यूपी)	रूथ कट्टुमुरीक सह–निदेशक, भारत वेधशाला लंदन स्कूल ऑफ एकनॉमिक्स एंड पॉलिटिकल साइंस, ह्यूटन स्ट्रीट, लंदन	फ्यूचरिस्टिक इकोसिस्टम फॉर डिजिटल इंटरप्रेन्योरशिपः यूके–इंडिया क्रॉस बॉर्डर कोलैबोरेशन फॉर इन्हैन्सिंग नॉलेज इकॉनमी
3.	मनोज पंत निदेशक और प्रोफेसर अर्थशास्त्र भारतीय विदेश व्यापार संस्थान, नई दिल्ली	इंगो बॉर्चर्ट वरिष्ठ व्याख्याता, ससेक्स विश्वविद्यालय, यू.के.	अन्लॉकिंग द पटेंशियल फॉर फ्यूचर इंडिया–यूके ट्रेड एंड डेवेलपमेंट
4.	सचिन चतुर्वेदी महानिदेशक विकासशील देशों के लिए अनुसंधान और सूचना प्रणाली (आरआईएस) नई दिल्ली	थैंकोम अरुण प्रोफेसर, वैश्विक विकास और जवाबदेही, एसेक्स बिजनेस स्कूल, एसेक्स यूनिवर्सिटी	यूके–इंडिया बाइलैटरल ट्रेड इन फिंटेक एंड फिंटेक–इनैबलड सर्विसेसः ईमर्जिग ट्रेड्स एंड पोटेंशियल फॉर ग्रोथ

तालिका 3.4
भारतीय पीएच.डी. चयनित शोधार्थियों की सूची

क्र.सं.	शोधार्थियों के नाम	गृह संस्था	आतिथेय (Host) संस्था
1.	आर्य प्रियदर्शिनी	भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, मंडी, हिमाचल प्रदेश	नॉर्थम्प्टन विश्वविद्यालय, यू.के.
2.	आशुतोष समाध्या	भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, रुड़की, उत्तराखंड	डर्बी विश्वविद्यालय, यू.के.
3.	अश्विन त्रिपाठी	भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, गांधीनगर, गुजरात	वारविक विश्वविद्यालय, यू.के.
4.	भव्य जैनी	टाटा सामाजिक विज्ञान संस्थान, मुंबई	स्वानसी विश्वविद्यालय, स्वानसी, यू.के.
5.	मनीष मनोहरे	भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, रुड़की, उत्तराखंड	यूनिवर्सिटी कॉलेज लंदन
6.	पिनोश कुमार हजारी	भारतीय विज्ञान संस्थान, बैंगलोर	डर्बी विश्वविद्यालय
7.	संगीता भट्ट	महाराजा सयाजीराव विश्वविद्यालय बड़ौदा, वडोदरा	ओपन यूनिवर्सिटी, यूके
8.	शिवानी घरगे	जनसंख्या विज्ञान अंतर्राष्ट्रीय संस्थान	एक्सेटर विश्वविद्यालय

तालिका 3.5
यूके पीएच.डी. चयनित शोधार्थियों की सूची

क्र.सं.	शोधार्थियों के नाम	गृह संस्था	आतिथेय (Host) संस्था
1.	एमिली वारिलो	लिवरपूल विश्वविद्यालय	दिल्ली विश्वविद्यालय
2.	नयनतारा प्रकाश	यूनिवर्सिटी ऑफ ऑक्सफोर्ड	सेंटर फॉर द स्टडीज ऑफ डेवलपिंग सोसायटीज, दिल्ली

आठ भारतीय पीएच.डी. शोधार्थियों और दो यूके के शोधार्थियों का चयन किया गया जिनकी सूची तालिका 3.4 में दी गई है।

सांस्कृतिक विनिमय कार्यक्रम (सी.ई.पी.)

आई.सी.एस.एस.आर. न केवल भारतीय सामाजिक वैज्ञानिकों को अन्य देशों का दौरा करने के लिए अनुदान प्रदान करता है बल्कि सांस्कृतिक विनिमय कार्यक्रमों के तहत विदेशी अध्येताओं का ध्यान भी आकर्षित करता है। इस तरह की यात्राओं का उद्देश्य भारतीय सामाजिक वैज्ञानिकों को शोध सामग्री एकत्र करने, व्याख्यान देने, संगोष्ठियों में भाग लेने, पुस्तकालयों का उपयोग करने और सामाजिक वैज्ञानिकों के साथ बातचीत करने में सक्षम बनाना है। भा.सा.वि.आ.प. का वर्तमान में 'सांस्कृतिक विनिमय कार्यक्रम' निम्नलिखित संगठनों के साथ चल रहा है:

राष्ट्रीय अनुसंधान परिषद् थाईलैंड (एन.आर.सी.टी.)

भारतीय सामाजिक विज्ञान अनुसंधान परिषद् के 'भा.सा.वि.आ.प.–एन.आर.सी.टी. द्विपक्षीय कार्यक्रम' की संरचना के अंतर्गत सामाजिक विज्ञान के क्षेत्र में राष्ट्रीय अनुसंधान परिषद् थाईलैंड (एन.आर.सी.टी.), बैंकॉक के साथ सहयोगात्मक संबंध हैं, जिसमें अध्येताओं का आदान–प्रदान और संयुक्त सेमिनार/प्रकाशन शामिल हैं। 11 सितंबर, 2006 को भारत और थाईलैंड के बीच हस्ताक्षरित समझौता ज्ञापन 'सांस्कृतिक आदान–प्रदान कार्यक्रम' की नियमित संरचना पर आधारित है। एन.आर.सी.टी. के साथ वर्तमान समझौता ज्ञापन अगस्त, 2013 में तीन साल की अवधि के लिए हस्ताक्षरित किया गया था और अन्य तीन सालों के लिए स्वतः नवीकरणीय है, जब तक कि कोई भी पक्ष इसे समाप्त करने की सूचना नहीं देता। 'स्कॉलर एक्सचेंज प्रोग्राम' की संरचना के भीतर, भा.सा.वि.अ.प. ने वित्तीय वर्ष 2020–21 के लिए इस कार्यक्रम के तहत भारतीय अध्येताओं से उनके शोध कार्य के लिए थाईलैंड जाने के लिए आवेदन आमंत्रित किए थे और इसी तरह एन.आर.सी.टी. ने आवेदनों को आमंत्रित कर उसी प्रक्रिया का पालन किया है। आई.सी.एस.एस.आर. को 20 आवेदन प्राप्त हुए हैं, लेकिन कोविड–19 महामारी के कारण, दोनों पक्षों ने चयन प्रक्रिया को तब तक रोके रखने का फैसला किया है जब तक कि स्थिति सामान्य नहीं हो जाती और यात्रा प्रतिबंध हटा नहीं दिए जाते।

तालिका 3.6

अध्येताओं के बीच विनिमय का वर्ष–वार वितरण

वर्ष	अध्येताओं का विनिमय
1971–1990	197
1990–2010	553
2010–2011	33
2011–2012	45
2012–2013	33
2013–2014	27
2014–2015	27
2015–2016	11
2016–2017	20
2017–2018	12
2018–2019	12
2019–2020	12
कुल	**982**

अंतर्राष्ट्रीय संगठनों की सदस्यता

भारतीय सामाजिक विज्ञान अनुसंधान परिषद्, अंतर्राष्ट्रीय विज्ञान परिषद् (आई.एस.सी.), एशिया विज्ञान परिषद् (एस.सी.ए.), संयुक्त राष्ट्र शैक्षिक, वैज्ञानिक और सांस्कृतिक संगठन (यूनेस्को), एशियाई सामाजिक विज्ञान अनुसंधान परिषदों के संघ (ए.एस.एस.आर.ई.सी.) , लैटिन अमेरिकन काउंसिल ऑफ सोशल साइंसेज (सी.एल.सी.एस.ओ.) जैसे अंतर्राष्ट्रीय प्रतिष्ठित शोध संस्थाओं का एक संगठनात्मक सदस्य है। परिषद् को यूनेस्को द्वारा आयोजित 'MOST' नामक (सामाजिक परिवर्तन प्रबंधन) नामक कार्यक्रम और इसके कार्यान्वयन की गतिविधियों में भाग लेने के लिए प्रमुख संगठन के रूप में पहचाना गया है। भारतीय सामाजिक विज्ञान अनुसंधान परिषद्, यूनेस्को (आई.एन.सी.सी.यू.) के सहयोग के लिए भारतीय राष्ट्रीय आयोग के तहत शिक्षा मंत्रालय द्वारा गठित सामाजिक विज्ञान की उप–समिति का एक बुनियादी संगठन भी है। आयोग का मुख्य कार्य यूनेस्को से संबंधित सभी मामलों पर सरकार को सलाह देना है।

अंतर्राष्ट्रीय विज्ञान परिषद् (आई.एस.सी.) एक सदस्यता–आधारित संगठन है जो एक महासभा और एक निर्वाचित कार्यकारी समिति द्वारा चलाया जाता है। अंतर्राष्ट्रीय विज्ञान

परिषद् के मुख्य सदस्यों में अंतर्राष्ट्रीय व्यवसायिक संगठन और संघ, क्षेत्रीय और राष्ट्रीय सामाजिक विज्ञान अनुसंधान परिषद् और अकादमी, विश्वविद्यालय और सामाजिक विज्ञान के क्षेत्र में प्रमुख रुचि रखने वाले संस्थान शामिल हैं। अंतर्राष्ट्रीय विज्ञान परिषद् का सचिवालय पेरिस में है और इसके द्वारा वैश्विक स्तर पर प्राथमिकता वाली समस्याओं को हल करने के साथ सभी के लिए एक सतत भविष्य को सुनिश्चित करने के लिए सामाजिक विज्ञान को मजबूत करने के उद्देश्य से कार्यक्रमों और गतिविधियों के एक गतिशील संविभाग का प्रबंधन किया जाता है।

एशिया विज्ञान परिषद् (एस.सी.ए.) मई 2000 में स्थापित एशिया का एक क्षेत्रीय संगठन है। एस.सी.ए. अध्येताओं के बीच सहयोग को मजबूत करने और नीति निर्माताओं के साथ संवाद को सुविधाजनक बनाने के लिए एशिया के देशों के बीच प्रभावी भागीदारी हो इसके लिए एक बहु–कार्यात्मक नेटवर्किंग मंच प्रदान करने की अपनी भूमिका को ध्यान में रखते हुए काम कर रहा है। एशिया विज्ञान परिषद् ने अपने वैज्ञानिक और सामाजिक प्रभाव को अधिकतम करने के लिए अपने प्रबंधन और गतिविधियों की लगातार समीक्षा की है। आई.सी.एस.एस.आर. सक्रिय रूप से और नियमित रूप से विभिन्न एससीए की वार्षिक बैठकों और वार्षिक सम्मेलनों में भाग लेता है जो परिषद् को अन्य सदस्य देशों के साथ अपनी प्राथमिकताओं को रेखांकित करने में मदद करता है। भा.सा.वि.आ.प. 21वें एससीए सम्मेलन की मेजबानी करने जा रहा है जो अगले साल अप्रैल 2022 में नई दिल्ली में आयोजित होने वाला है।

एसोसिएशन ऑफ एशियन सोशल साइंस रिसर्च काउंसिल्स (ए.ए.एस.एस.आर.ई.सी.) राष्ट्रीय सामाजिक विज्ञान अनुसंधान परिषदों, अकादमियों और संस्थानों का एक संगठन है जो एशिया–प्रशांत देशों के बीच सामाजिक विज्ञान के क्षेत्र में क्षेत्रीय सहयोग को बढ़ावा देने के लिए प्रतिबद्ध है। यह 1973 में इस क्षेत्र में सामाजिक विज्ञान को बढ़ावा देने और सामाजिक विज्ञान के लिए एक एशियाई पहचान बनाने में मदद करने के लिए स्थापित किया गया था। यह क्षेत्र में अध्येताओं के बीच सहयोगात्मक अनुसंधान को बढ़ावा देना चाहता है। एसोसिएशन ऑफ एशियन सोशल साइंस रिसर्च काउंसिल्स अध्येताओं के प्रकाशनों और एशियाई सामाजिक विज्ञान संस्थानों और शोधार्थियों के बीच सूचनाओं का आदान–प्रदान करना चाहता है।

भारतीय सामाजिक विज्ञान अनुसंधान परिषद् ,लैटिन अमेरिकन सामाजिक विज्ञान परिषद् (सी.एल.ए.सी.एस.ओ.) का एक संस्थागत सदस्य है। सामाजिक विज्ञान के क्षेत्र में लैटिन अमेरिकन सामाजिक विज्ञान परिषद् सबसे बड़ा सामाजिक विज्ञान का शैक्षणिक नेटवर्क है, साथ ही साउथ एंड साउथ लिंकिजेज से वित्तपोषित है। लैटिन अमेरिका और कैरिबियन में 51 देशों के साथ–साथ संयुक्त राज्य अमेरिका, अफ्रीका और यूरोप में इसकी सदस्यता है। लैटिन अमेरिकी सामाजिक विज्ञान परिषद् के कार्यकारी सचिव ने भारतीय सामाजिक विज्ञान अनुसंधान परिषद् की प्रतिष्ठा को महत्व देते हुए विशेष उल्लेख किया है कि वह एक संस्थागत सदस्य के रूप में इसके नेटवर्क का हिस्सा बनकर सम्मानित और प्रसन्न महसूस कर रहे है।

4

इंपेक्टफुल पॉलिसी रिसर्च इन सोशल साइंसेज (इम्प्रेस) योजना

प्रत्येक राष्ट्र, हर काल में अपने देश के सभी क्षेत्रों में गुणात्मक विकास के लिए प्रयासरत होता है जिसमें आर्थिक, सामाजिक, राजनीतिक, सांस्कृतिक, शैक्षिक आदि सभी आयाम समावेशित है। ये आकांक्षाएँ मानव जाति को हमेशा से समाज की जरूरतों का आकलन करने और उसके अनुसार कुछ नवीन विचारों को विकसित करने के लिए प्रेरित करती है। क्रमिक विकास की प्रक्रिया बताती है कि कैसे मानव जाति ने विकास के हर स्तर पर समस्याओं और चुनौतियों का सामना किया है और रचनात्मकता, नवाचार और नई तकनीकों और उपकरणों की उन्नति के माध्यम से इन कठिनाइयों और प्रतिकूलताओं को दूर करने का प्रयास किया है। अतः राष्ट्र निर्माण और समाज का विकास एक अनवरत प्रक्रिया है। कई वैज्ञानिक और शोधकर्ताओं का मानना हैं कि राष्ट्र निर्माण विज्ञान एवं तकनीक या पूंजी निर्माण के विकास का परिणाम है। दुनिया के लगभग सभी प्रमुख देशों में इस विचार को प्रमुखता मिली है, जिसके कारण उनके समाज का बड़ा तबका विज्ञान एवं तकनीकी के विकास की गति में समानता लाने में असफल रहा हैं। इसलिए उन देशों में असंतुलन, गरीबी, कुपोषण, विभिन्न प्रकार के शोषण, असमानता, तनाव, हिंसा, भेदभाव, सुरक्षा आदि से संबंधित कई समस्याएँ पैदा हो गई हैं। इन समस्याओं ने संभावित विकास और कल्याण की प्रक्रिया में बाधाएं उत्पन्न की हैं। इसलिए, प्रत्येक समाज को ऐसी समस्याओं के पूर्ण रूपेण अध्ययन, इनके कारकों, परस्पर संबंधित समस्याओं, अनुकूल व्याख्याओं और कठिन परिस्थितियों में सम्भावित मार्ग खोजने की आवश्यकता है।

सामाजिक विज्ञान अनुसंधान (एस.एस.आर) का परिदृश्य

सरकार के कई आयोगों और समितियों के साथ–साथ कई विद्वानों ने माना है कि विज्ञान एवं तकनीक की उन्नति पर जोर एवं सामाजिक विकास के बीच एक स्पष्ट असमानता है। कई समितियों ने सामाजिक विज्ञान अनुसंधान (एस.एस. आर.) को प्रोत्साहित करने एवं सार्वजनिक नीति में इसकी महत्वपूर्ण भागीदारी बढ़ाने का पुरजोर समर्थन किया है। भारत के 'प्रथम उच्च शिक्षा आयोग', 1950 (राधाकृष्णन आयोग) के द्वारा प्राकृतिक और सामाजिक विज्ञान के बीच असमानता पर प्रकाश डालने एवं सामाजिक विज्ञान अनुसंधान को अधिक महत्व और स्थान देने के पक्ष में तर्क दिया गया। 'भारतीय शिक्षा आयोग' (1964–66), जिसे 'कोठारी आयोग' के नाम से जाना जाता है, इस आयोग ने सामाजिक विज्ञान अनुसंधान में वैज्ञानिक दृष्टिकोण के विकास की आवश्यकता पर बल दिया, साथ ही इन क्षेत्रों में प्रशिक्षण व क्षमता निर्माण कार्यक्रमों के माध्यम से ज्ञान के सृजन के लिए प्रयास करने का आग्रह किया। आयोग के द्वारा सामाजिक विज्ञान अनुसंधान के लिए अधिक संसाधनों के आवंटन का सुझाव दिया गया है। हालांकि, भारत की प्रथम शिक्षा नीति यानी 'राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एन.पी.ई.), 1968', द्वारा निसंदेह सामाजिक विज्ञान को नीति विज्ञान के रूप में रखा गया, फिर भी इसमें राष्ट्र के विकास के लिए विज्ञान शिक्षा और अनुसंधान पर जोर दिया गया। इस नीति ने सामाजिक वैज्ञानिक अनुसंधान के उत्थान के लिए 'उच्च अध्ययन केंद्र' स्थापित या मजबूत किए जाने का भी प्रस्ताव दिया। 'राष्ट्रीय शिक्षा नीति, 1986' और 'प्रोग्राम ऑफ एक्शन, 1992' द्वारा शोधकर्ताओं और नीति निर्माताओं के बीच अंतर को कम करने और नीतिपरक अनुसंधान पर, विशेष रूप से एसएसआर पर ध्यान रखने पर जोर दिया। आयोग ने इस विचार का भी समर्थन किया कि अंतर–विषयक और बहु–विषयक शोध की एक विषयी शोधों की तुलना में अधिक उपयोगिता होती हैं। इसमें कोई संदेह नहीं है कि सामाजिक विज्ञान अनुसंधान के साथ–साथ विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में अनुसंधानों का विस्तार हुआ है। दोनों हीं क्षेत्रों में शोध के परस्पर पूरक होने की सराहना बढ़ रही है क्योंकि इस तरह के अन्वेषणों से मिलने वाले अधिकतम लाभों के लिए आवश्यक है कि दोनों परस्पर सम्बंधित होने चाहिए।

विज्ञान और तकनीकी अनुसंधान, जो जीवन की गुणवत्ता में सुधार की पुष्टि करते है, उन्हें समाज के साथ पूरी तरह से जोड़ने की आवश्यकता है क्योंकि समाज के साथ इसके

जुड़ाव में किसी भी प्रकार की कमी के परिणामस्वरूप मिलने वाले लाभ बहुत कम लोगों के बीच सीमित होकर रह जाएँगे। इसके अतिरिक्त, इस बात को भी काफी हद तक समझा जा रहा है कि सामाजिक विज्ञान अनुसंधान एवं सामाजिक वैज्ञानिकों को विज्ञान और प्रौद्योगिकी सहित सभी स्तरों पर नीति निर्माण से जुड़े रहने की आवश्यकता है क्योंकि ऐसा विचार है कि अनुसंधानों को प्रभावी नीति लेखों और उसके परिणामों से जीवन की गुणवत्ता सुधारने में और भी अधिक उपयोगी बनाया जाए। यह तभी हो सकता है जब अनुसंधान समस्याएँ, समाज और उसकी समस्याओं के बीच से हों और शोधकर्ता उन समस्याओं के व्यावहारिक समाधान हेतु प्रयासरत हों। सामाजिक विज्ञान अनुसंधान को विज्ञान और तकनीकी अनुसंधानों के साथ जोड़ने से वैज्ञानिकों को भी एक बहुत गहन अंतर्दृष्टि मिलेगी, जो उन्हें अपने अनुसंधानों और नवाचारों को अधिक आसानी से समाज द्वारा स्वीकारे जाने में सहायता प्रदान करेगी। साथ ही ये संभावित नए सामाजिक वैज्ञानिकों को प्रबलता एवं उत्साह से नीति निर्माण में अपना योगदान करने के लिए भी प्रेरित करेगी। इसमें कोई संदेह नहीं है कि नीति निर्धारण, कार्यान्वयन और अंतिम परिणाम के लिए सामाजिक विज्ञान अनुसंधान अत्यंत महत्वपूर्ण हैं क्योंकि अंततः हर उस नीति को समाज द्वारा सराहना और स्वीकार किया जाना चाहिए जो उसकी बेहतरी के लिए काम करेगी। अति महत्वपूर्ण समस्याओं की पहचान भी नीति निर्माताओं को बेहतर और अधिक स्वीकार्य नीतियां, योजनाएं और कार्यक्रम बनाने में सहायक होती है। इस तथ्य को नकारा नहीं जा सकता कि किसी भी सार्वजनिक नीति को समाज के साथ चर्चा किए बिना, समाज की आकांक्षाओं को जाने बिना और नए और प्रमुख बदलावों के साथ समाज को अवगत कराए बिना बहुत सफलतापूर्वक लागू नहीं किया जा सकता है।

'स्कोपस डेटाबेस' में, सामाजिक विज्ञान प्रकाशन में भारत का सातवाँ स्थान है और विश्व प्रकाशनों में इसकी भागीदारी लगभग 4.25% है जबकि विज्ञान और तकनीकी प्रकाशनों में, भारत तीसरे स्थान पर है और इसकी भागीदारी लगभग 7% है। केंद्र सरकार के कुल बजट का 0.025 प्रतिशत हिस्सा सामाजिक विज्ञान अनुसंधान पर खर्च किया जाता है जबकि विज्ञान में अनुसंधान के लिए यह 0.7 प्रतिशत है। अतः सामाजिक विज्ञान अनुसंधान पर होने वाला खर्च विज्ञान अनुसंधान पर होने वाले खर्च के तुलना में 3 प्रतिशत से भी कम है। अपनी सम्भावनाओं को बेहतर तरीके से इस्तेमाल करने के लिए, सामाजिक विज्ञान अनुसंधान पर अधिक जोर देने की आवश्यकता है, जिसके लिए 'इम्प्रेस' सही दिशा में कदम उठाने के लिए प्रयासरत है।

इंपेक्टफुल पॉलिसी रिसर्च इन सोशल साइंसेज (इम्प्रेस) योजना

'इंपैक्टफुल पॉलिसी रिसर्च इन सोशल साइंसेज (इम्प्रेस)' एक अलग ही तरह का विचार है जिसका उद्देश्य समाज से संबंधित चुनौतियों का समाधान करने के लिए बनाई जाने वाली नीतियों के लिए एक शोध–आधारित रोडमैप तैयार करना है, जिसके माध्यम से सामाजिक विज्ञान का विस्तार हो सके। नीति निर्माण की प्रक्रिया में अनुसंधान–आधारित सुझावों का बहुत महत्व होता हैं क्योंकि नीतियां समाज और उसकी समस्याओं के निवारण के लिए होती है और उनसे समाज की आकांक्षाओं पर खरा उतरने की उम्मीद रखी जाती है। हमेशा से नीति निर्माताओं और समाज के बीच की खाई को कम करने की जरूरत महसूस की जाती रही है। ऐसे में सामाजिक विज्ञान के अनुसंधानकर्ता समाज और नीति निर्धारकों के बीच के इस अंतराल की पहचान करने में बहुत सहायक हो सकते हैं। साथ ही वह जन साधारण के दृष्टिकोण, मूल्याँकन व नीतियों की उन तक पहुँच के विषय में महत्वपूर्ण साक्ष्य या सुझाव भी देने का प्रयास कर सकते हैं। इसके अलावा, ऐसे महत्वपूर्ण क्षेत्र भी हो सकते हैं जहां नीति निर्माताओं को नीतियों को अधिक प्रभावी बनाने के लिए समय पर सुझाव, साक्ष्य, प्रतिक्रिया एवं सहभागिता की आवश्यकता होती है। इसलिए, 'इम्प्रेस' सामाजिक विज्ञान के विभिन्न महत्वपूर्ण क्षेत्रों में किए जाने वालें अनुसंधानों से महत्वपूर्ण सुझाव लेकर या उन्हें प्रोत्साहित करके नीति निर्माण और क्रियान्वयन तथा समाज के बीच इस अंतर को कम करने लिए अनवरत प्रयासरत है, जिससे समाज एवं शासन को उनका पूर्ण लाभ मिल सके।

'ज्ञान क्षेत्र' (डॉमेन) और 'उप– ज्ञान क्षेत्र' (सब –डॉमेन) की पहचान इस प्रकार की जाने की आवश्यकता है कि वह उन विषयों को समाहित कर ले जो नए परिवर्तन, गंभीर चिंताओं, उभरती समस्याओं और महत्वपूर्ण कठिनाइयों व कमियों के कारण सार्वजनिक नीति विचार विमर्श का हिस्सा रही हो। विचार–विमर्श के पश्चात, इन पहलुओं के आधार पर, निम्नलिखित ग्यारह (11) महत्वपूर्ण व्यापक ज्ञान क्षेत्रों (डॉमेन) की पहचान की गई हैः

1. राज्य एवं लोकतंत्र
2. शहरी रूपांतरण
3. मीडिया संस्कृति एवं समाज
4. रोजगार कौशल एवं ग्रामीण रूपांतरण
5. शासन, नवाचार एवं जन– नीति
6. वृद्धि, लघु–व्यापार एवं आर्थिक नीति

7. कृषि एवं ग्रामीण विकास
8. स्वास्थ्य एवं पर्यावरण
9. विज्ञान एवं शिक्षा
10. सोशल मीडिया एवं तकनीकी
11. राजनीति, विधि एवं अर्थशास्त्र

चूंकि 'इम्प्रेस' का उद्देश्य अनुसंधान और नीति के विशेष प्रभाव के लिए सामाजिक विज्ञान के शोधार्थियों, शिक्षाविदों और नीति निर्माताओं का सहयोग करना है और इसलिए इस योजना के तहत सामाजिक विज्ञान अनुसंधानकर्ताओं को जारी नीतियों के मूल्यांकन व विश्लेषण और नीति निर्माताओं के साथ सुझावों को जोड़ने का प्रयास किया जाता है। इस योजना के अंतर्गत उपरोक्त उल्लेखित 11 विस्तृत ज्ञान क्षेत्रों के अंतर्गत 100 से भी अधिक उप–ज्ञान क्षेत्र हैं। इनमें से कुछ ज्ञान क्षेत्र इस प्रकार हैः भारत एक कल्याणकारी राज्य के रूप में, भारत में संघवाद का स्वभाव, सुरक्षा और रक्षा नीति, भारत की सुलभ नीति, प्रवासी, भारतीय चित्रण, क्षेत्रीय सहभागिता, शहरीकरण, शहर और धारणीयता, शहरी/शहर प्रशासन, शहरी परिवहन, महिला सशक्तिकरण एवं उसकी स्थिति, अनुसूचित जातियों एवं जनजातियों का समावेश और विकास, कौशल और रोजगार, ग्रामीण परिवर्तन, आधारभूत संरचना एवं परिवहन, ग्रामीण विकास के लिए तकनीक, ई–शासन और स्मार्ट शासन, नवोत्पाद, ज्ञान एवं शासन, तकनीक और शासन, विकास, समावेशिता, गरीबी और असमानता, व्यापार करने में आसानी, मेक इन इंडिया उपक्रम, वित्तीय समावेशिता, निर्माण का पुनरुत्थान, अनौपचारिक क्षेत्र की समस्याएँ, कृषि संकट और संबंधित समस्याएँ, खाद्य और पोषण सुरक्षा, प्रदेश स्तरीय विकास, पर्यावरण समस्याएं एवं जलवायु परिवर्तन, जल संकट, स्वच्छ भारत अभियान, सार्वभौमिक स्वास्थ्य, आपदा एवं उसका प्रबंधन, विज्ञान और समाज, अधिगम, उच्च शिक्षा में निष्पक्षता एवं गुणवत्ता, डिजिटल अधिगम, तकनीक एवं सोशल मीडिया, सोशल मीडिया–नेटवर्क, नैतिकता, उतरदायित्व एवं बड़ी डेटा (Big Data) समस्याएँ, नौकरशाही एवं प्रशासनिक सुधार, विधीय सक्रियता, बलात्कार पीड़ित एवं न्याय प्रणाली आदि।

'इम्प्रेस' के नाम से 'इम्पेक्टफुल पॉलिसी रिसर्च इन सोशल साइंसेज' नामक योजना का प्रस्ताव भारत सरकार द्वारा अगस्त 2018 को स्वीकृत किया गया था, जिसका कुल बजट ₹ 414 करोड़ रुपए था और इसे अक्टूबर 2018 से शुरू करके तीन वित्तीय वर्षों के लिए स्वीकृति दी गयी है। भा.सा.वि.अ.प., मानव संसाधन विकास मंत्रालय, उच्च शिक्षा विभाग, भारत सरकार, नई दिल्ली के अंतर्गत आने वाली एक विशिष्ठ सामाजिक विज्ञान अनुसंधान परिषद है। अतः इसे इस योजना को लागू करने की जिम्मेदारी सौंपी गई। भा.सा.वि.अ.प. द्वारा भी अपनी परियोजनाओं के लिए प्राप्त वित्तीय सहायता का एक छोटा सा भाग इस योजना के लिए दिया जाएगा।

इस योजना का लक्ष्य न्यूनतम 1500 अनुसंधान परियोजनाओं तथा 200 संगोष्ठियों/सम्मेलनों/कार्यशालाओं को पुरस्कृत करना है। 'इम्प्रेस' योजना के अंतर्गत, राष्ट्रीय महत्व के संस्थानों, केंद्रीय एवं राज्य विश्वविद्यालयों, यू.जी.सी. 12 (बी) मान्यता प्राप्त निजी विश्वविद्यालयों/संस्थानों के नियमित प्राध्यापकों द्वारा अनुसंधान कार्यक्रम या परियोजनाओं और संगोष्ठियों के लिए आवेदन किया जा सकता हैं। इसके अंतर्गत पांच से छः महीने के अंतराल से प्रतिस्पर्धा रूप में चार मुक्त निमंत्रणों के माध्यम से प्रस्ताव आमंत्रित किया जाना है और पहला चरण अक्टूबर 2018 में शुरू किया गया। मूल्यांकन प्रक्रिया काफी पारदर्शी है क्योंकि प्रत्येक प्रस्ताव कंप्यूटर संचालित प्रणाली के माध्यम से 'ब्लाइंड पीयर समीक्षा' के लिए तीन विशेषज्ञों के पास भेजा जाता है। विशेषज्ञों के अनुमोदन और योग्यता के आधार पर, प्रस्तावों को एक अन्य विशेषज्ञ समिति के समक्ष प्रस्तुतीकरण और विमर्श के लिए रखा जाता है जो 'निर्वाचन समिति' के समक्ष अपना निरीक्षण/अनुशंसा रखती है। इसके बाद 'निर्वाचन समिति' योग्यता तथा विशेषज्ञों के अवलोकन व अनुशंसा के आधार पर एवं बजट के मुताबिक अंतिम निर्णय लेती है।

इम्प्रेस का पहला निमंत्रण (कॉल)

इस वित्तीय वर्ष में 'इम्प्रेस' के प्रथम निमंत्रण के तहत स्वीकृत 175 परियोजनाओं को पूरा किया गया, जिनमें से 115 की अंतिम रिपोर्ट प्राप्त हुई थीं। प्रथम निमंत्रण को मुख्य रूप से चरण–1 और चरण–2 में विभाजित किया गया था, जहां, प्रथम निमंत्रण के पहले चरण के तहत क्रमशः 67 अंतिम रिपोर्ट और दूसरे चरण के तहत 48 अंतिम रिपोर्ट प्राप्त हुई हैं। प्राप्त अंतिम रिपोर्ट का विवरण परिशिष्ट 11 में देखा जा सकता है। प्राप्त अंतिम रिपोर्टों की जाँच की जाती है और उचित संशोधन के बाद संबंधित क्षेत्र के विशेषज्ञ द्वारा रिपोर्ट की वस्तुनिष्ठ समीक्षा की जाती है। ऐसी चार रिपोर्टों को 'उत्कृष्ट' श्रेणी में रखा गया जबकि 28 रिपोर्टों को उसी के तहत 'अच्छे' की श्रेणी में क्रमबद्ध किया गया। परियोजना निदेशकों ने शिक्षा मंत्रालय और भा.सा.वि.अ.प. को उनके शोध के लिए विधिवत रूप से स्वीकार करते हुए, अंतर्राष्ट्रीय और राष्ट्रीय दोनों, समकक्ष–समीक्षित (पियर रिव्यूड) पत्रिकाओं में अपने शोध परिणामों को प्रकाशित किया है। अब तक 69 ऐसे शोध पत्र प्रकाशित हो चुके हैं, जिनमें 11 अंतर्राष्ट्रीय और

58 राष्ट्रीय प्रतिष्ठित पत्रिकाएं शामिल हैं। प्रकाशनों का विवरण परिशिष्ट–11 में देखा जा सकता है।

इम्प्रेस का दूसरा निमंत्रण (कॉल)

'इम्प्रेस' योजना के द्वितीय निमंत्रण की घोषणा 28 सितंबर, 2019 को की गई थी, जिसे बहुत अच्छी प्रतिक्रिया मिली और देश भर से बड़े पैमाने पर 3565 आवेदन प्राप्त हुए। पैनल के विशेषज्ञों द्वारा सभी शॉर्टलिस्ट किए गए अनुशंसित प्रस्तावों के परियोजना निदेशकों के साथ बातचीत पूरी हो गई है और अंतिम लिस्ट को मंत्रालय की स्टीयरिंग कमेटी के पास अनुमोदन के लिए भेज दिया गया है। परंतु चयन प्रक्रिया कोविड–19 महामारी के प्रकोप के कारण प्रभावित हुई है।

तालिका 4.1

स्वीकृत अनुसंधान परियोजनाओं और सेमिनारों की डोमेन–वार स्थिति
प्रथम कॉल के द्वितीय चरण के तहत

क्र. सं.	डोमेन	अनुसंधान परियोजना स्वीकृत	संगोष्ठी स्वीकृत
1.	कृषि और ग्रामीण विकास	77	03
2.	रोजगार कौशल और ग्रामीण परिवर्तन	41	03
3.	शासन, नवाचार और सार्वजनिक नीति	48	01
4.	विकास, समष्टि व्यापार और आर्थिक नीति	18	02
5.	स्वास्थ्य और पर्यावरण	94	06
6.	मीडिया, संस्कृति और समाज	66	07
7.	राजनीति, कानून और अर्थशास्त्र	25	01
8.	विज्ञान और शिक्षा	28	04
9.	सोशल मीडिया और प्रौद्योगिकी	30	05
10.	राज्य और लोकतंत्र	11	03
11.	शहरी परिवर्तन	32	02
कुल		**470**	**37**

तालिका 4.2
प्रथम कॉल के द्वितीय चरण के अंतर्गत स्वीकृत अनुसंधान परियोजनाओं का राज्यवार विवरण

क्र. सं.	राज्य	स्वीकृत संख्या	क्र. सं.	राज्य	स्वीकृत संख्या
1.	आंध्र प्रदेश	10	17	महाराष्ट्र	56
2.	अरुणाचल प्रदेश	07	18	मणिपुर	01
3.	असम	13	19	मेघालय	01
4.	बिहार	07	20	मिजोरम	04
5.	चंडीगढ़	12	21	नागालैंड	01
6.	छत्तीसगढ़	04	22	ओडिशा	26
7.	दिल्ली (एनसीटी)	51	23	पुडुचेरी (यूटी)	07
8.	गोवा	03	24	पंजाब	12
9.	गुजरात	13	25	राजस्थान	10
10.	हरियाणा	11	26	तमिलनाडु	59
11.	हिमाचल प्रदेश	05	27	तेलंगाना	16
12.	जम्मू और कश्मीर	14	28	त्रिपुरा	03
13.	झारखंड	03	29	उत्तर प्रदेश	34
14.	कर्नाटक	22	30	उत्तराखंड	09
15.	केरल	25	31	पश्चिम बंगाल	24
16.	मध्य प्रदेश	07			
कुल			**470**		

तालिका 4.3

इम्प्रेस की पहली कॉल के तहत चयनित अनुसंधान परियोजनाओं की राज्यवार सूची

क्र. सं.	राज्य	स्वीकृत संख्या	क्र. सं.	राज्य	स्वीकृत संख्या
1.	आंध्र प्रदेश	15	17.	महाराष्ट्र	72
2.	अरुणाचल प्रदेश	07	18.	मणिपुर	01
3.	असम	18	19.	मेघालय	03
4.	बिहार	09	20.	मिजोरम	06
5.	चंडीगढ़	16	21.	नागालैंड	02
6.	छत्तीसगढ़	07	22.	ओडिशा	37
7.	दिल्ली (एनसीटी)	78	23.	पुडुचेरी (यूटी)	08
8.	गोवा	04	24.	पंजाब	18
9.	गुजरात	24	25.	राजस्थान	21
10.	हरियाणा	14	26.	सिक्किम	01
11.	हिमाचल प्रदेश	07	27.	तमिलनाडु	99
12.	जम्मू और कश्मीर	27	28.	तेलंगाना	32
13.	झारखंड	05	29.	त्रिपुरा	04
14.	कर्नाटक	42	30.	उत्तर प्रदेश	53
15.	केरल	37	31.	उत्तराखंड	11
16.	मध्य प्रदेश	17	32.	पश्चिम बंगाल	44
कुल		**739 (269 + 470)**			

तालिका 4.4

इम्प्रेस की दूसरी कॉल के तहत प्राप्त प्रस्तावों का डोमेन–वार विवरण

क्र. सं.	डोमेन	प्रस्ताव प्राप्त हुए
1.	कृषि और ग्रामीण विकास	424
2.	रोजगार कौशल और ग्रामीण परिवर्तन	485
3.	शासन, नवाचार और सार्वजनिक नीति	292
4.	ग्रोथ, मैक्रो ट्रेड एंड इकोनॉमिक पॉलिसी	180
5.	स्वास्थ्य और पर्यावरण	746
6.	मीडिया, संस्कृति और समाज	471
7.	राजनीति, कानून और अर्थशास्त्र	109
8.	विज्ञान और शिक्षा	448
9.	सोशल मीडिया और प्रौद्योगिकी	197
10.	राज्य और लोकतंत्र	92
11.	शहरी परिवर्तन	182
कुल		**3626**

तालिका 4.5

इम्प्रेस की दूसरी कॉल के तहत प्राप्त आवेदनों का विवरण

क्र. सं.	राज्य	प्रस्ताव प्राप्त	क्र. सं.	राज्य	प्रस्ताव प्राप्त
1.	आंध्र प्रदेश	88	17.	महाराष्ट्र	444
2.	अरुणाचल प्रदेश	15	18.	मणिपुर	24
3.	असम	58	19.	मेघालय	08
4.	बिहार	79	20.	मिजोरम	86
5.	चंडीगढ़	38	21.	नागालैंड	08
6.	छत्तीसगढ़	30	22.	ओडिशा	84
7.	दिल्ली (एनसीटी)	221	23.	पुडुचेरी (यूटी)	59
8.	गोवा	13	24.	पंजाब	138
9.	गुजरात	115	25.	राजस्थान	118
10.	हरियाणा	64	26.	सिक्किम	01
11.	हिमाचल प्रदेश	27	27.	तमिलनाडु	677
12.	जम्मू और कश्मीर	37	28.	तेलंगाना	112
13.	झारखंड	34	29.	त्रिपुरा	06
14.	कर्नाटक	254	30.	उत्तर प्रदेश	241
15.	केरल	252	31.	उत्तराखंड	48
16.	मध्य प्रदेश	110	32.	पश्चिम बंगाल	137
	कुल		**3626**		

5

भा.सा.वि.अ.प. के क्षेत्रीय केंद्र

भा.सा.वि.अ.प के क्षेत्रीय केंद्रों की स्थापना प्रशासनिक विकेन्द्रीकरण, सामाजिक विज्ञान के क्षेत्र में व्यापक अनुसंधान और क्षेत्रीय स्तर पर सामाजिक विज्ञान संस्थानों की सहभागिता के साथ सामाजिक विज्ञान के क्षेत्र में अनुसंधान को प्रोत्साहित करने के लिए की गयी थी। इनकी मुख्य भूमिका इस प्रकार हैं–

- क्षेत्रीय स्तर पर भा.सा.वि.अ.प का प्रतिनिधित्व करते हुए इसकी सूचनाओं और योजनाओं से क्षेत्र के समाज–वैज्ञानिकों को अवगत कराना।
- क्षेत्रीय स्तर पर समाज–वैज्ञानिकों के विचारों और समस्याओं को संभावित समाधान हेतु भा.सा.वि.अ.प. के ध्यान में लाना।
- क्षेत्र के समाज–वैज्ञानिकों को क्षेत्र में सामाजिक विज्ञान अनुसंधान प्रोत्साहन के लिए परस्पर नजदीक लाना।
- इन क्षेत्रीय केंद्रों के द्वारा क्षेत्र के समाज–वैज्ञानिकों को क्षेत्रीय स्तर पर सामाजिक विज्ञान अनुसंधान की दिशा में जोड़ते हुए उन्हें राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय स्तर के सामाजिक वैज्ञानिकों के साथ जोड़ने में एक कड़ी के रूप में कार्य करना।

गतिविधियां

- क्षेत्रीय भाषाओं में प्रलेखन और ग्रंथ सूची संबंधी कार्यों को प्रोत्साहन देना;
- क्षेत्र में संगोष्ठियों/कार्यशालाओं/सम्मेलनों का आयोजन करना;
- प्रतिष्ठित अध्येताओं द्वारा व्याख्यान आयोजित करना;
- क्षेत्रीय भाषाओं में सामाजिक वैज्ञानिकों और सामाजिक विज्ञान पत्रिकाओं से जुड़े प्रांतीय संगठनों को सहयोग देना;
- शोधार्थियों/छात्रों को पुस्तकालय या शोध सम्बंधी क्षेत्र के काम के लिए कम लागत वाले आवास (जहां संभव हो) प्रदान करना;
- अकादमिक कार्यों के लिए पुस्तकालयों और संस्थानों में अध्ययन हेतु अध्येताओं को अनुदान प्रदान करना;
- शोधार्थियों को विशेष रूप से पत्रिकाओं आदि से चयनित लेखों की फोटोकॉपी की सुविधा प्रदान करना; तथा
- भा.सा.वि.अ.प द्वारा कोई अन्य गतिविधि जो सामाजिक विज्ञान के क्षेत्र में अनुसंधान को बढ़ावा दे सकती है और/या ऐसी कोई गतिविधि जिसे प्रत्यायोजित किया जा सकता है।

क्षेत्रीय केंद्रों ने भा.सा.वि.अ.प और मेजबान संस्थान के तत्वाधान में सहायता पाकर वर्षों से आधारभूत संरचना और अनुसंधान के लिए सुविधाओं का विकास किया है। इनमें छात्रावास/अतिथि गृह सुविधाएं, पुस्तकालय स्थान, सम्मेलन कक्ष, संगोष्ठी कक्ष, रिप्रोग्राफिक सुविधाएं आदि शामिल हैं।

भा.सा.वि.अ.प के क्षेत्रीय केंद्र

भा.सा.वि.अ.प के छह क्षेत्रीय केंद्र हैं। उनका स्थान एवं व्याप्ति इस प्रकार हैः–

- **पूर्वी क्षेत्रीय केंद्र (ईआरसी), कोलकाता**–बिहार, ओडिशा, पश्चिम बंगाल, झारखंड और केंद्र शासित प्रदेश अंडमान और निकोबार द्वीप समूह तक व्याप्त हैं। पूर्वी क्षेत्रीय केंद्र की स्थापना 1972 में हुई थी।

  ईआरसी, कोलकाता 1/आर–1, वैष्णबघट्टा पटुली टाउनशिप, पटुली, कोलकाता, पश्चिम बंगाल में स्थित राष्ट्रीय केंद्र है। जो बंगाली और उड़िया भाषा में शोधार्थियों को सामाजिक विज्ञान से सम्बंधित सामग्री प्रदान करती है। इस केंद्र द्वारा 15 संगोष्ठियों/सम्मेलनों/कार्यशालाओं को वित्तीय सहायता प्रदान की गयी है। इसके द्वारा तीन अनुसंधान परियोजनाएं पूरी हो चुकी हैं और चार अनुसंधान परियोजनाएं अभी जारी हैं। वर्ष के दौरान, केंद्र ने दो प्रकाशन अनुदान के लिए वित्तीय सहायता प्रदान की है। केंद्र की वेबसाइट http://www.ercicssr.org है।

- **उत्तरी क्षेत्रीय केंद्र (एनआरसी), नई दिल्ली** के अंतर्गत मध्य प्रदेश, राजस्थान, उत्तर प्रदेश, उत्तराखंड, छत्तीसगढ़ और दिल्ली के क्षेत्र शामिल हैं। उत्तरी क्षेत्रीय केंद्र की स्थापना 1975 में हुई थी।

  एनआरसी, नई दिल्ली, जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय, सीआरएस बिल्डिंग, अरुणा आसफ अली मार्ग, नई दिल्ली में स्थित है, जो हिंदी और अंग्रेजी में शोधार्थियों को सामाजिक विज्ञान से सम्बंधित सामग्री प्रदान करने के लिए एक राष्ट्रीय केंद्र के रूप में कार्य करता है। केंद्र ने 20 सेमिनारों/सम्मेलनों/कार्यशालाओं को वित्तीय सहायता प्रदान की है। केंद्र ने इस वर्ष के दौरान दो अनुसंधान परियोजनाएं पूरी की जबकि पांच अनुसंधान परियोजनाएं अभी जारी हैं।

- **उत्तर–पूर्वी क्षेत्रीय केंद्र (एनईआरसी), शिलांग** के अंतर्गत अरुणाचल प्रदेश, असम, मणिपुर, मेघालय, मिजोरम, नागालैंड, त्रिपुरा और सिक्किम के क्षेत्र शामिल हैं। उत्तर–पूर्वी क्षेत्रीय केंद्र की स्थापना 1977 में हुई थी।

  एनईआरसी, शिलांग नॉर्थ–ईस्टर्न हिल यूनिवर्सिटी (एनईएचयू) कैंपस, उमशिंग, शिलांग, मेघालय में स्थित है। केंद्र द्वारा 16 संगोष्ठियों/कार्यशालाओं/सम्मेलनों को वित्तीय सहायता प्रदान की गयी। केंद्र द्वारा छः शोधार्थियों का डॉक्टरेट अनुदान भी स्वीकृत किया गया है। केंद्र में सात शोध परियोजनाएं जारी हैं। केंद्र द्वारा रिपोर्टाधीन अवधि के दौरान दो वेबिनार भी आयोजित किए गए। केंद्र की वेबसाइट http://www.icssrnerc.org है।

- **उत्तर–पश्चिमी क्षेत्रीय केंद्र (एनडब्लूआरसी), चंडीगढ़** क्षेत्र के अंतर्गत हरियाणा, हिमाचल प्रदेश, जम्मू और कश्मीर, पंजाब और केंद्र शासित प्रदेश चंडीगढ़ शामिल हैं। उत्तर–पश्चिमी क्षेत्रीय केंद्र की स्थापना 1977 में हुई थी।

  पंजाब यूनिवर्सिटी लाइब्रेरी बिल्डिंग, चंडीगढ़ में स्थित है। एन.डब्ल्यू.आर.सी, चंडीगढ़ केंद्र द्वारा दो शोध पद्धति प्रशिक्षण कार्यक्रम और दो व्याख्यान आयोजित किए गये। इसके द्वारा एक शोध परियोजना भी जारी है। केंद्र की वेबसाइट http://www.icssrnwrc.org.in/ है।

- **दक्षिणी क्षेत्रीय केंद्र (एसआरसी), हैदराबाद** के अंतर्गत आंध्र प्रदेश, तेलंगाना, कर्नाटक, केरल, तमिलनाडु और केंद्र शासित प्रदेश लक्षद्वीप और पुडुचेरी शामिल हैं। दक्षिणी क्षेत्रीय केंद्र की स्थापना 1972 में की गयी थी।

  एसआरसी हैदराबाद उस्मानिया विश्वविद्यालय पुस्तकालय, हैदराबाद में स्थित है। इसके द्वारा 12 संगोष्ठियों/कार्यशालाओं/सम्मेलनों और चार शोध पद्धति कार्यशालाओं को वित्तीय सहायता प्रदान की गयी है। इस वर्ष के दौरान केंद्र ने पांच कार्यशालाओं/प्रशिक्षण कार्यक्रमों को स्वीकृति दी है। केंद्र ने अंग्रेजी से तमिल भाषा में संपादित पुस्तक के अनुवाद कार्य के लिए अनुदान भी स्वीकृत किया है। केंद्र की वेबसाइट http://icssr-src.org/ है।

  पश्चिमी क्षेत्रीय केंद्र (डब्ल्यूआरसी), मुंबई क्षेत्र के अंतर्गत गुजरात, महाराष्ट्र, गोवा और केंद्र शासित प्रदेश दमन और दीव, दादरा और नगर हवेली शामिल हैं। पश्चिमी क्षेत्रीय केंद्र की स्थापना 1972 में हुई थी।

  डब्ल्यूआरसी, मुंबई, जे.पी. नायक भवन, मुंबई विश्वविद्यालय परिसर, विद्यानगरी, विद्यानगरी मार्ग, मुंबई में स्थित है। इसने पांच सेमिनारों/कार्यशालाओं/सम्मेलनों को वित्तीय सहायता प्रदान की है। केंद्र ने दो शोध परियोजनाओं को वित्तीय सहायता प्रदान की। इसने तीन पुस्तकों और दो पत्रिकाओं के प्रकाशन के लिए अनुदान भी प्रदान किया है। इसके द्वारा एक शोधार्थी को अध्ययन हेतु अनुदान प्रदान किया गया है।

2020–21 के दौरान उपर्युक्त छः क्षेत्रीय केंद्रों की प्रमुख गतिविधियों का विवरण परिशिष्ट 9 में दिया जा रहा हैं।

तालिका 5.1

वर्ष 2020–21 के दौरान भा.सा.वि.अ.प क्षेत्रीय केंद्रों की प्रमुख गतिविधियां

क्र. सं.	क्षेत्रीय केंद्रों के नाम	कार्यक्रमों / सेमिनारों / कार्यशालाओं / सम्मेलनों / व्याख्यानों / प्रशिक्षण कार्यक्रमो / प्रकाशनों / अनुसंधान परियोजनाओं तथा अध्ययन के लिए अनुदान	विद्वानों / शोधकर्ताओं द्वारा प्राप्त छात्रावास और अतिथि गृह सुविधा	कर्मचारियों की संख्या
1.	प.क्षे. केंद्र, मुंबई	13	60	1*+6
2.	पू.क्षे.केंद्र, कोलकाता	24	गेस्ट हाउस निर्माणाधीन	1*+8
3.	द.क्षे. केंद, हैदराबाद	11	16	1*+8
4.	उ.प.क्षे. केंद्र, चंडीगढ़	04	–	1*+19
5.	उ.क्षे. केंद्र, नई दिल्ली	05	–	1*+2
6.	उ.पू.क्षे. केंद्र, शिलांग	22	476	1*+10
	कुल	**79**	**552**	**6*+53**

* मानद निदेशक

तालिका 5.2

निधि विवरण (अपरीक्षित लेखा परीक्षण) 2020–21

1. पूर्वी क्षेत्रीय केंद्र (ईआरसी), कोलकाता

आय	राशि (₹ लाख में)	व्यय	राशि (₹ लाख में)
अथ शेष		स्थापना व्यय	35.70
क) नगद	0.23	अन्य प्रशासनिक व्यय	3.14
ख) बैंक	27.46	मरम्मत एवं अनुरक्षण	4.27
ग) रिलीज इन ट्रांजिट	9.85	कार्यक्रम व्यय	12.87
भा.सा.वि.अ.प से प्राप्त अनुदान		निर्धारित / अक्षय निधि	7.85
क) ओएच–31	10.00	अचल परिसंपत्ति	0.40
ख) ओएच–35	–	भा.सा.वि.अ.प को वापस मिला ब्याज	3.91
ग) ओएच–36	30.65	अंत शेष	
निर्धारित / अक्षय निधि		क) नगद	0.04
क) बचत बैंक खाता	20.13	ख) बैंक बैलेंस	–
ख) प्राप्तियाँ	2.56	ग) सरकारी अनुदान	20.09
प्राप्त ब्याज	0.88	घ) निर्धारित / अक्षय निधि	14.85
अन्य स्रोत	1.36		
कुल	**103.12**	**कुल**	**103.12**

तालिका 5.3

2. उत्तरी क्षेत्रीय केंद्र (एन.आर.सी) नई दिल्ली

आय	राशि (₹ लाख में)	व्यय	राशि (₹ लाख में)
अथ शेष नगद		स्थापना व्यय	9.72
कैनरा बैंक खाता	15.95	अन्य प्रशासनिक व्यय	1.76
एफ.डी.आर इन बैंक	–	मरम्मत एवं अनुरक्षण	0.10
भा.सा.वि.अ.प से प्राप्त अनुदान योजना (ओएच–31)	10.00	कार्यक्रम व्यय	2.84
भा.सा.वि.अ.प से प्राप्त अनुदान योजना (ओएच–35)	–	व्यय	13.77
		निर्धारित / अक्षय निधि	–
भा.सा.वि.अ.प से प्राप्त अनुदान योजना (ओएच–36)	10.00	भा.सा.वि.अ.प को वापस मिला ब्याज	4.46
अन्य योजना		अंत शेष नगद	–
क) अथ शेष	1.95		
ख) प्राप्त अनुदान	15.12		
प्राप्त ब्याज	0.87	कैनरा बैंक में अंत शेष	
अन्य स्त्रोत	0.15	सरकारी अनुदान	18.10
		निर्धारित/अक्षय निधि	3.29
कुल	**54.04**	**कुल**	**54.04**

तालिका 5.4

3. उतर–पश्चिमी क्षेत्रीय केंद्र (एन.डब्लू.आर.सी) चंडीगढ़

आय	राशि (₹ लाख में)	व्यय	राशि (₹ लाख में)
अथ शेष	105.65		–
भा.सा.वि.अ.प अनुदान (ओ.एच–31)	10.00	वेतन	59.91
भा.सा.वि.अ.प अनुदान (ओ.एच–36)	49.17	प्रशासनिक व्यय	18.16
भा.सा.वि.अ.प अनुदान (ओ.एच–35)	–	अन्य स्थापना व्यय	10.14
प्राप्त ब्याज	1.95	मेस व्यय राशि	0.53
अतिथि गृह आय	1.60	बैंक बैलेंस	80.99
अन्य आय के स्त्रोत (ओ एच –36)	1.36		
कुल	**169.73**	**कुल**	**169.73**

तालिका 5.5
4. उत्तर–पूर्वी क्षेत्रीय केंद्र (एन.ई.आर.सी), शिलांग

आय	राशि (₹ लाख में)	व्यय	राशि (₹ लाख में)
अथ शेष	28.39		
भा.सा.वि.अ.प अनुदान		वेतन	40.77
योजना (ओ.एच–31)	30.00	प्रशासनिक व्यय	23.84
गैर–योजना (ओ.एच–36)	49.12	योजना व्यय	11.76
पूँजीगत परिसंपत्तियाँ (ओ.एच–35)	11.25	अन्य स्थापना व्यय	11.98
प्राप्त ब्याज	0.76		
अतिथि गृह आय	–	अंत शेष	32.10
अन्य आय के स्त्रोत	0.93		
कुल	**120.45**	**कुल**	**120.45**

तालिका 5.6
5. दक्षिणी क्षेत्रीय केंद्र (एसआरसी), हैदराबाद

आय	राशि (₹ लाख में)	व्यय	राशि (₹ लाख में)
अथ शेष		स्थापना व्यय	53.01
क) नगद	0.01	अन्य प्रशासनिक व्यय	20.39
ख) बैंक	67.17	मरम्मत एवं अनुरक्षण	0.76
ग) रिलीज इन ट्रैंजिट	–	कार्यक्रम व्यय	13.09
भा.सा.वि.अ.प से प्राप्त अनुदान		निर्धारित / अक्षय निधि	7.16
क) ओ.एच–31	20.00	अचल परिसंपत्तियाँ	0.22
ख) ओ.एच–35	–	भा.सा.वि.अ.प को वापस मिला ब्याज	–
ग) ओ.एच–36	20.00	अंत शेष	
निर्धारित / अक्षय निधि		क) नगद	–
क) औपनिंग बैंक बैलेंस	44.18	ख) बैंक बैलेंस	21.96
ख) प्राप्ति	7.14	i) सरकारी अनुदान	44.15
प्राप्त ब्याज	0.48	ii) निर्धारित / अक्षय निधि	–
अन्य प्राप्ति	1.76		
कुल	**160.74**	**कुल**	**160.74**

तालिका 5.7

6. पश्चिमी क्षेत्रीय केंद्र (डब्लू.आर.सी) मुंबई

आय	राशि (₹ लाख में)	व्यय	राशि (₹ लाख में)
अथ शेष		स्थापना व्यय	46.29
नगद	–	प्रशासनिक व्यय	3.55
बैंक	22.73	यातायात व्यय	1.08
निर्धारित / अक्षय निधि	344.47	मरम्मत एवं अनुरक्षण	0.69
भा.सा.वि.अ.प से प्राप्त अनुदान		निर्धारित / अक्षय निधि व्यय	20.02
ओ.एच–31	10.00	अनुदान/ब्याज वापस	2.02
ओ.एच–35	9.77	कार्यक्रम व्यय	10.27
ओ.एच–36	35.48	अचल परिसंपत्तियाँ	7.85
निर्धारित / अक्षय निधि की प्राप्तियाँ	17.43	अंत शेष	
प्राप्त ब्याज	0.72	सरकारी अनुदान	12.00
अन्य ब्याज	5.05	निर्धारित / अक्षय निधि	341.88
कुल	**445.65**	**कुल**	**445.65**

तालिका 5.8

क्षेत्रीय केंद्रो को अनुदान का आवंटन और अंतिम भुगतान रिलीज वित्तीय वर्ष 2020–2021 (31.03.2021 तक)

क्र. सं.	क्षेत्रीय केंद्रों का नाम	आवंटन (ओ.एच–31)	जारी अनुदान (ओ.एच–31)	आवंटन (ओ.एच–36)	जारी अनुदान (ओ.एच–36)	आवंटन (ओ.एच–35)	जारी अनुदान (ओ.एच–35)	कुल जारी अनुदान
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)	(7)	(8)	(9)
1.	प.क्षे. केंद्र, मुंबई	19.20	10.00	45.00	35.48	10.00	9.77	55.25
2.	पू.क्षे. केंद्र, कोलकाता	21.90	10.00	44.05	30.65	10.00	–	40.65
3.	द.क्षे. केंद्र, हैदराबाद	36.00	20.00	63.45	20.00	10.00	–	40.00
4.	उ.प.क्षे. केंद्र, चंडीगढ़	21.00	10.00	72.00	49.17	10.00	–	59.17
5.	उ.क्षे. केंद्र, नई दिल्ली	17.00	10.00	14.25	10.00	5.00	–	20.00
6.	उ.पू.क्षे. केंद्र, शिलांग	54.00	30.00	54.50	49.12	12.00	11.25	90.37
	कुल	**169.10**	**90.00**	**293.25**	**194.42**	**57.00**	**21.02**	**305.44**

*वित्तीय वर्ष 2020–21 में 519.35 लाख रुपए अनुदान आवंटन के आलोक में 305.44 लाख रुपये का अनुदान जारी किया गया। क्षेत्रीय केंद्रों द्वारा 2019–20 के दौरान अव्ययित शेष राशि का उपयोग किया गया।

6

भा.सा.वि.अ.प. अनुसंधान संस्थान

भारतीय सामाजिक विज्ञान अनुसंधान परिषद् (भा.सा.वि.अ.प.), चौबीस (24) अनुसंधान संस्थानों को रखरखाव और विकास हेतु अनुदान प्रदान करता है। विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यूजीसी) के दायरे से बाहर परिषद् के प्रमुख कार्यक्रमों में शोध–संस्थानों में सामाजिक विज्ञान के क्षेत्र में ज्ञान के आधार को बढ़ाने, अनुसंधान की गुणवत्ता में सुधार करने और एक अंतर–विषयक दृष्टि को बढ़ावा देना है। ये संस्थान देश के विभिन्न क्षेत्रों में, विशेष रूप से, उन क्षेत्रों में जहां सामाजिक विज्ञान अनुसंधान अभी तक अच्छी तरह से विकसित नहीं हुआ है, वहाँ अनुसंधान प्रतिभाओं के विस्तार और अनुसंधान क्षमताओं के निर्माण के लिए परिषद् की नीति को लागू करने के लिए एक महत्वपूर्ण तंत्र का गठन करते हैं।

अनुसंधान संस्थानों ने संगोष्ठियों, कार्यशालाओं, प्रशिक्षण और परामर्श कार्यक्रमों जैसी विभिन्न गतिविधियों के माध्यम से सम्बंधित क्षेत्र के साथ–साथ अन्य जगहों के शोधार्थियों के साथ घनिष्ठ संबंध स्थापित किए हैं। कुछ संस्थान राष्ट्रीय और राज्य स्तर की योजना और विकास एजेंसियों के साथ घनिष्ठ रूप से जुड़े हुए हैं और इस तरह अनुसंधान और नीति निर्माण के बीच संबंधों को मजबूत किया है।

प्रत्येक संस्थान अनुसंधान हेतु अपनी दिशा स्वयं निर्धारित करता है, जिसमें कृषि और ग्रामीण विकास, औद्योगिक संरचना और विकास, आय वितरण और गरीबी, रोजगार और मजदूरी, अंतर–क्षेत्रीय विकास के विभिन्न स्तर, शिक्षा, स्वास्थ्य, पोषण, महिलाओं सहित समाज के कमजोर वर्गों की समस्याएं, ऊर्जा, प्रौद्योगिकी, पारिस्थितिकी और पर्यावरण, और विकास के सामाजिक, सांस्कृतिक और संस्थागत पहलू अन्तर्निहित हैं। इस प्रकार, अनुसंधान से सम्बंधित अध्ययनों ने राष्ट्रीय और क्षेत्रीय दोनों स्तरों पर भारतीय अर्थव्यवस्था, राजनीति और समाज की संरचना और उनकी गतिशीलता का पर्याप्त अनुभवजन्य ज्ञान उत्पन्न किया है।

पिछले पांच वर्षों के दौरान, सम्बंधित संस्थानों ने 1343 अनुसंधान परियोजनाएं पूर्ण की हैं, जबकि वर्तमान में 1639 परियोजनाएं चल रही हैं। इनमें उन क्षेत्रों से संबंधित विषयों की एक विस्तृत श्रृंखला शामिल है जिनका पहले ही ऊपर उल्लेख किया जा चुका है। इन प्रयासों में जो अधिक महत्वपूर्ण है, वह यह है कि वे न केवल कार्य–चरित्र में अंतःविषय हैं, बल्कि क्षेत्रीय और स्थानीय समस्याओं पर भी केंद्रित हैं। इस प्रक्रिया में, वे क्षेत्र के विशिष्ट मुद्दों के लिए अनुसंधान के केंद्र बन गए हैं और विकास की समस्याओं की प्रकृति और समग्र रूप से देश की क्षमता के बारे में जन–जागरूकता फैलाने में उत्कृष्ट योगदान कर रहे हैं। प्रकाशनों के संदर्भ में संस्थानों ने पिछले पांच वर्षों के दौरान 729 किताबें और प्रतिवेदन तथा 928 वर्किंग–पेपर प्रकाशित किये हैं।

एक अन्य महत्वपूर्ण गतिविधि, जिसके तहत परिषद् के अनुसंधान संस्थानों के द्वारा युवा सामाजिक वैज्ञानिकों एम. फिल और पीएच.डी. कार्यक्रम, कार्यशालाएं और सेमिनार के माध्यम से प्रशिक्षण दिया जाता है। पिछले पांच वर्षों के दौरान, 217 पीएच.डी. शोध–छात्रों को सम्मानित किया गया है और वर्तमान में 2330 शोध–छात्र अपने पीएच.डी. पर काम कर रहे हैं। अनुसंधान परिषद् वैध रूप से अनुसंधान संस्थानों द्वारा किए गए अनुसंधान और प्रशिक्षण प्रयासों को बढ़ावा देने में अपनी भूमिका का सर्वांग निर्वहन कर रहा है। इन संस्थानों में 2020–21 (रिपोर्ट के तहत वर्ष) के दौरान कुल 244 परियोजनाएं पूर्ण की गईं। वर्ष के अंत में चल रहे शोध अध्ययनों की कुल संख्या 294 थी।

शोध संस्थान अपने शोध अध्ययनों के परिणामों को प्रकाशित पुस्तकों, मिमियोग्राफ, कार्य/सामयिक पत्रों आदि के रूप में प्रसारित करते हैं। रिपोर्टाधीन वर्ष के दौरान, प्रकाशित पुस्तकों/रिपोर्टों की संख्या 157 थी, मोनोग्राफ/माइमोग्राफ 67 थे और वर्किंग/ओकेजनल पेपर 268 थे। प्रकाशित शोध पत्रों की संख्या 673 थी।

संस्थान युवा सामाजिक वैज्ञानिकों को प्रशिक्षण भी देते हैं और नए शोधकर्ताओं को उनके शोध के प्रारूप को तैयार करने और संचालित करने में सहायता प्रदान करते हैं।

इसके लिए इन संस्थानों को डॉक्टरेट अध्येतावृति प्रदान की गई है। कुछ संस्थान एम.फिल और पीएच.डी. शोधार्थियों के लिए शिक्षण और प्रशिक्षण कार्यक्रमों में सहायता कर रहे हैं। इसके अलावा, अनुसंधान परिषद् की नीति के अनुसार, वे विश्वविद्यालयों में स्नातकोत्तर शिक्षण, अनुसंधान मार्गदर्शन में भाग लेते हैं और अपने शोध कार्यक्रमों में विश्वविद्यालय के शिक्षकों को भी शामिल करते हैं। वर्ष के दौरान शोध संस्थानों के संकायों के मार्गदर्शन में 451 शोधार्थी कार्य कर रहे थे, 53 शोध–अध्येताओं ने पीएच.डी. डिग्री और 52 शोधार्थियों ने अपने डॉक्टरेट से सम्बंधित शोध प्रबंध प्रस्तुत किए। 2020–21 के दौरान कुल 466 सेमिनार और कार्यशालाएं आयोजित की गईं।

शोध संस्थानों का कार्य–विवरण :

प्रतिवेदन वर्ष के दौरान अनुसंधान संस्थानों के उद्देश्य, ध्येय और गतिविधियों को नीचे प्रस्तुत किया गया हैः

ए.एन. सिन्हा इंस्टीट्यूट ऑफ सोशल स्टडीज (एएनएसआईएसएस), पटना, का मुख्य ध्येय बिहार के चुनिंदा जिलों में सड़कों, पुलों और अन्य बुनियादी ढांचा परियोजनाओं का सामाजिक–आर्थिक प्रभाव का अवलोकन तथा उसका अध्ययन, शराबबंदी और टोडी टैपर्स पर इसका प्रभाव, लोहिया स्वच्छ बिहार अभियान (एलएसबीए) की समवर्ती निगरानीकरना रहा है। साथ ही इस संस्थान का ध्येय बिहार, संथाल, मुंडा और उरांव के विशेष संदर्भ में पारंपरिक औषधीय प्रथाओं का संग्रह, 'एनएफएसए खाद्य सुरक्षा अधिनियम 2013' की समवर्ती निगरानी और बिहार में नवजातों की देखभाल में आने वाली चुनौतियों आदि पर केन्द्रित रहा है। 2020–21 के दौरान, 23 परियोजनाएं/अध्ययन पूर्ण किए गए और 11 संचालित थे। संकाय द्वारा 15 शोध–आलेख प्रकाशित करने के अलावा संस्थान ने चार संगोष्ठियों/कार्यशालाओं/सम्मेलनों का भी आयोजन किया।

वर्ष के दौरान **सेंटर फॉर डेवलपमेंट स्टडीज (सीडीएस), तिरुवनंतपुरम** की प्रमुख अनुसंधानात्मक गतिविधियों में, आयुर्वेद, कृषि जैव विविधता एवं कृषि और संबद्ध क्षेत्रों पर वर्तमान प्रथाओं के प्रभाव, केरल प्रवास सर्वेक्षण, कानून प्रवर्तन के अध्ययन में स्वास्थ्य सेवाओं से सम्बंधित अंतर्राष्ट्रीय व्यापार प्रमुखता से रहा है। महिलाओं के खिलाफ ऑनलाइन हिंसा, केरल में प्रवास और बाढ़, अस्थायी श्रम प्रवास के स्वास्थ्य और सामाजिक–आर्थिक प्रभाव, और आगामी भविष्य में प्रवास का पता लगाना आदि अन्य गतिविधियाँ अनुसंधानात्मक क्षेत्र के केंद्र में रही हैं। इस दौरान नौ(9) शोध–अध्ययन पूर्ण किए गए जबकि सात शोध–विषयों पर काम प्रगति पर था। एक छात्र को पीएच.डी. डिग्री से सम्मानित किया गया, तीन शोध–प्रबंध प्रस्तुत किए गए और 39 शोध–अध्येता अपने पीएच.डी. शोध–कार्य में शोधरत हैं। 21 किताबें/प्रतिवेदन और 97 शोध–लेख प्रकाशित किए गए, जबकि 44 मोनोग्राफ और 17 वर्किंग पेपर फैकल्टी द्वारा प्रकाशित किये गए। साथ ही, केंद्र द्वारा 53 सेमिनार/सम्मेलन/व्याख्यान/कार्यशालाएं आयोजित की गईं।

सेंटर फॉर इकोनॉमिक एंड सोशल स्टडीज (सीईएसएस), हैदराबाद की अनुसंधानात्मक गतिविधियां कोविड–19 के प्रभाव को सर्वोत्तम रूप से सूचित करने के लिए विशिष्ट अल्पकालिक उपायों के वितरण पर केंद्रित रहीं। कोविड–19 के प्रभाव, जनजातीय क्षेत्रों में कृषि कि स्थिति, आंध्र प्रदेश में वनवासियों के लिए बनाये गए नियमों के कार्यान्वयन जैसे विषय भी संस्थान की निगरानी में पूर्ण किये गए हैं। अनुसूचित जनजातियों के विकास में अंतर, अनुसूचित जनजातियों की साक्षरता और शिक्षा का स्तर, जनजातीय उप–योजना निधियों का बजटीय विश्लेषण, जनजातियों का नृवंशविज्ञान, शिक्षा पर व्यय, विशेष उपचारात्मक शिक्षण या विकासात्मक शिक्षण, स्कूली शिक्षा पर कोविड–19 का प्रभाव, अनुसूचित जाति के छात्रों पर ध्यान केंद्रित करना, तेलंगाना राज्य में अनौपचारिक श्रमिकों पर कोविड–19 के कारण लगाये गए लॉकडाउन का प्रभाव, जलवायु परिवर्तन और किरायेदारी की संविदात्मक शर्तें, सामाजिक और राजनीतिक बहिष्कार और राजनीतिक संस्थानों में हाशिए के समुदायों को शामिल करना, और तेलंगाना आदि में किसान उत्पादक कंपनियों के प्रभाव का मूल्यांकन भी संस्थान की देखरेख में किया गया है।

वर्ष के दौरान केंद्र ने 20 शोध परियोजनाएं पूर्ण कीं और 23 शोध–अध्ययन/परियोजनाएं प्रगति पर थीं। संकाय ने संपादित पुस्तकों की श्रेणी में आठ पुस्तकें, 16 शोध लेख/अध्याय प्रकाशित किए। इसके अलावा, केंद्र के शोधार्थियों के द्वारा चार वर्किंग पेपर भी प्रकाशित किये गए। तीन शोध–छात्रों को पीएच.डी. की उपाधि से सम्मानित किया गया और 25 शोध–अध्येता शोधरत थे। संस्थान द्वारा वर्ष के दौरान कुल 27 सेमिनार/सम्मेलन/कार्यशालाओं का आयोजन किया गया।

सेंटर फॉर मल्टी–डिसिप्लिनरी डेवलपमेंट रिसर्च (सीएमडीआर), धारवाड़ की मुख्य गतिविधियों में, कर्नाटक में भूख और कुपोषण का अध्ययन, कर्नाटक में निर्माण क्षेत्र के श्रमिकों, दलितों और जनजातियों के एचडीआई, कर्नाटक

में 'सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम' क्षेत्र में क्षेत्रीय असंतुलन, और कर्नाटक आदि में *सांसद आदर्श ग्राम योजना (एसएजीवाई)* का स्थिति विश्लेषण आदि शामिल हैं। समीक्षाधीन अवधि के दौरान, संस्थान ने पांच शोध परियोजनाएं पूर्ण कीं और 10 परियोजनाएं पूर्णता के विभिन्न चरणों में थीं। तैंतीस शोध–अध्येताओं ने अपनी पीएच.डी. का काम पूर्ण किया। केंद्र ने चार(4) सेमिनार/सम्मेलन/व्याख्यान आयोजित किए। फैकल्टी ने 10 पुस्तकें/प्रतिवेदन, तीन मोनोग्राफ और 10 शोध पत्र/लेख प्रकाशित किए।

सेंटर फॉर पॉलिसी रिसर्च (सीपीआर), नई दिल्ली की अनुसंधानात्मक गतिविधि का मुख्य केंद्र भारत में अनुसंधान नेटवर्क के अध्ययन पर था ताकि अनौपचारिक रूप से शहर से जुड़े ज्ञान को सामने लाया जा सके, साथ ही भारत की वायु गुणवत्ता के लिए रणनीतिक दृष्टिकोण, ओडिशा में कोविड–19 के मद्देनजर शहर में बसी अनौपचारिक बस्तियों की स्थिति,भारत के लिए स्केलिंग सिटी संस्थान का भविष्य, महामारी और शहरी नियोजन आदि पर भी संस्थान में अनुसंधानात्मक गतिविधियाँ चल रही हैं।

सेंटर फॉर रिसर्च इन रूरल एंड इंडस्ट्रियल डेवलपमेंट (सीआरआरआईडी), चंडीगढ़ ने पंजाब में मध्यम आयु वर्ग के लोगों में उच्च रक्तचाप और मधुमेह की व्यापकता का अध्ययन किया, साथ ही पंजाब में हिस्टेरेक्टॉमी का प्रचलन, केंद्र शासित प्रदेश चंडीगढ़ में नागरिकों के ज्ञान, दृष्टिकोण और व्यवहार (केएपी) का अंतरिम सर्वेक्षण, पंजाब में किसानों की आत्महत्या, बुजुर्ग विधवाओं के मुद्दे और समस्याएँ, वाघा सीमा के माध्यम से भारत और पाकिस्तान के बीच व्यापार प्रतिबंधों के आर्थिक प्रभाव, लाभकारी फसल संयोजन, पंजाब में घर आधारित नवजात देखभाल और युवा देखभाल योजनाओं का समवर्ती मूल्यांकन, हरियाणा में स्वास्थ्य और कल्याण केंद्र, पंजाब में कृषि गतिविधियों के लिए अक्षय ऊर्जा का उपयोग, भारत के प्रजनन स्वास्थ्य कार्यक्रम में महिला बांझपन की स्थिति, भारत के लाखों शहरों के लिए जनसंख्या अनुमान, औद्योगिक विकास की बाधाएं और संभावनाएं, पंजाब में प्रमुख औद्योगिक समूहों का अध्ययन, हरियाणा में सक्षम योजना में अच्छी प्रथाओं का दस्तावेजीकरण, खराब होने वाली कृषि उपज से उत्पादकों को होने वाली हानि, ग्रामीण विकास योजनाओं और कार्यक्रमों की एनएलएम निगरानी, लिंग और समानता की स्थिति पर पशुधन के हस्तक्षेप का प्रभाव, पंजाब राज्य में ठोस अपशिष्ट प्रबंधन समस्याएं, और हरियाणा में ग्रामीण ऋण और वित्तीय पोषण की स्थिति आदि पर भी संस्थानों द्वारा शोध कार्य किया गया है। वर्ष के दौरान, केंद्र ने 22 परियोजनाएं पूर्ण कीं और नौ परियोजनाएं पूर्णता के विभिन्न चरणों में थीं। इसके अलावा, केंद्र ने तीन संगोष्ठियों/सम्मेलनों/कार्यशालाओं का आयोजन किया। संकाय द्वारा विभिन्न पत्रिकाओं और संपादित पुस्तकों की श्रेणी में में तीन पुस्तकें और 19 शोध पत्र/लेख प्रकाशित किए गए। 30 शोधार्थी पीएच.डी शोध कार्य कर रहे थे।

सेंटर फॉर सोशल स्टडीज (सीएसएस), सूरत की प्रमुख अनुसंधानात्मक गतिविधियों में, भारत में बीड़ी बनाने वाली महिलाओं और उनकी वैकल्पिक आजीविका, तथा उनके सामाजिक परिवर्तन और विकास आदि पर शोध अध्ययन शामिल रहे हैं। इस अवधि के दौरान, दो परियोजनाएं पूर्ण की गईं और दो परियोजनाएं प्रगति पर थीं। संकाय सदस्यों ने विभिन्न पत्रिकाओं में आठ(8) शोध पत्र प्रकाशित किए और छह सेमिनार/सम्मेलन/प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किए।

सेंटर फॉर स्टडीज इन सोशल साइंसेज (सीएसएसएस), कोलकाता ने उपनिवेशीकरण के विषयों और विश्वविद्यालय स्तर पर इसकी उपयोगिता, हितरंजन सान्याल की तस्वीरों, बंगाल में मंदिर की वास्तुकला, जदुनाथ भवन संग्रहालय और संसाधन केंद्र, दक्षिणी पश्चिम बंगाल में पांडुलिपियों, पुस्तकों और समाचार पत्रों का डिजिटलीकरण, बर्धमान और नादिया जिलों में पांडुलिपियों और पुस्तकों का डिजिटलीकरण और संरक्षण आदि पर अपना अध्ययन केंद्रित किया। वर्ष के दौरान, तीन परियोजनाएं प्रगति पर थीं। केंद्र ने 16 शोध लेख प्रकाशित किए और 18 कार्यशालाएं/व्याख्यान/सेमिनार आयोजित किए। छह शोध अध्येताओं को पीएच.डी. उपाधि से सम्मानित किया गया, चार शोध–छात्रों ने अपनी थीसिस जमा की और 60 शोध–अध्येता पीएच.डी. कार्य को पूर्ण कर रहे थे।

सेंटर फॉर द स्टडी ऑफ डेवलपिंग सोसाइटीज (सीएसडीएस), दिल्ली में अनुसंधान का मुख्य केंद्र बिंदु भारतीय लोकतंत्र पर साहचर्य रहा हैः विश्वास, नाजुकता और दुविधा, भारत में अंग्रेजीः शक्ति, संस्कृति और ज्ञान का अध्ययन, राष्ट्रीय युद्ध स्मारक पर स्थलों और अनुष्ठानों की राजनीति, आजीविका के अवसर, भविष्य की आकांक्षा और दृष्टि, दक्षिण एशिया में लोकतंत्र की स्थिति, ग्रामीण क्षेत्रों में कोविड की स्थिति, बिहार विधानसभा चुनाव 2020– चुनाव पूर्व और बाद का अध्ययन, और अल्पसंख्यक और लोक–लुभावन वादे आदि पर संस्थान द्वारा अनुसंधान किये गए। वर्ष के दौरान, 12 परियोजनाएं पूर्ण की गईं और 16 अध्ययन अभी प्रगति पर थे। केंद्र ने विभिन्न पत्रिकाओं में 10 पुस्तकें/अनुसंधान रिपोर्ट और 34 शोध पत्र/लेख प्रकाशित किए। केंद्र ने 20 सेमिनार/सम्मेलन/व्याख्यान भी आयोजित किए।

सेंटर फॉर वुमन्स डेवलपमेंट स्टडीज (सीडब्ल्यूडीएस), दिल्ली ने भारत में मातृत्व देखभाल प्रावधान, भारत में चिकित्सा प्रभुत्व और स्वास्थ्य सेवा बाजार, स्वास्थ्य सेवा प्रदाता और कोविड–19 संकट, प्रारंभिक और बाल विवाह पर ऐतिहासिक अवलोकन, सामाजिक प्रजनन के नियम, लोकतंत्र का स्वरूपः दक्षिण एशिया का तुलनात्मक अध्ययन, अनुसूचित जाति की लड़कियाँ और उच्च शिक्षा तक उनकी पहुंच, कामकाजी माताओं के बच्चों के लिए राजीव गांधी राष्ट्रीय शिशु गृह योजना के कार्यान्वयन पर अध्ययन और भारत में श्रम बाजार का महिलाओं पर प्रभाव, स्कूल प्रबंधन समितियाँ और दिल्ली में शिक्षा नीति बनाना,एवं महिलाओं के अधिकार, सुविधा व कार्य आदि का अध्ययन केंद्र द्वारा किया गया है। इस अवधि के दौरान, नौ परियोजनाएं पूर्ण की गईं और 13 प्रगति पर थीं। संस्थान के संकाय द्वारा सात पुस्तकें/रिपोर्ट और 22 शोध पत्र/अध्याय प्रतिष्ठित पत्रिकाओं और संपादित पुस्तकों में प्रकाशित किए गए। वर्ष के दौरान 11 शोध– अध्येताओं को पीएच.डी. की उपाधि से सम्मानित किया गया और 38 शोधार्थी अपनी पीएच.डी. कार्य में शोधरत थे। केंद्र ने विभिन्न विषयों पर 14 संगोष्ठियों/सम्मेलनों/ कार्यशालाओं का भी आयोजन किया।

कॉउसिल ऑफ सोशल डेवलपमेंट (सीएसडी), हैदराबाद की अनुसंधानात्मक गतिविधियों का ध्येय तेलंगाना में आकांक्षी जिलों के लिए कार्य योजना बनाना, आदिवासी कल्याण के लिए गहन प्रशिक्षण कार्यक्रम, ग्रामीण रोजगार और प्रवास पर मनरेगा का प्रभाव, और सतत विकास लक्ष्यों की प्राप्ति आदि के लिए भारत में बहुआयामी गरीबी का आकलन करना रहा है। वर्ष के दौरान परिषद् ने पांच पुस्तकें/रिपोर्ट प्रकाशित की। परिषद् ने चार परियोजनाओं को पूरा किया और छह प्रगति पर थीं। वर्ष के दौरान कुल 15 सेमिनार/सम्मेलन/कार्यशाला/व्याख्यान आयोजित किए गए।

गिरि इंस्टीट्यूट ऑफ डेवलपमेंट स्टडीज (जीआईडीएस), लखनऊ द्वारा किए गए शोध कार्य, राजमार्ग परियोजनाओं के लिए सामाजिक प्रभाव मूल्यांकन, सार्वजनिक/औद्योगिक विकास/आवासीय परियोजनाओं के सामाजिक प्रभाव मूल्यांकन, उत्तर प्रदेश में किसान उत्पादक संगठनों (एफपीओ) के मूल्यांकन अध्ययन पर केंद्रित थे। विभिन्न श्रेणियों के घरों में खपत, शैक्षिक और आर्थिक उपलब्धियों में अंतर, घरेलू बदलाव, यूपी के लिए इनपुट–आउटपुट ट्रांजेक्शन टेबल तैयार करना, ग्रामीण और शहरी उत्तर प्रदेश में आवासों का किराया अनुमान, उत्तर प्रदेश के सामाजिक–आर्थिक संकेतक, क्षेत्र के लिए बेंचमार्क सर्वेक्षण और बागवानी फसलों के उत्पादन अनुमान, अंतरराज्यीय व्यापार की पहचान करना, और उत्तर प्रदेश सेध्को आयात/निर्यात की जा रही वस्तुओं के मूल्य का अनुमान, किशोर लड़कियों के लिए योजना (एसएजी), उत्तर प्रदेश में शहरी असंगठित श्रम बाजार में महिलाओं द्वारा सामना की जाने वाली रोजगार सम्बन्धी समस्याएँ, औद्योगिक रक्षा गलियारा परियोजना के लिए सामाजिक प्रभाव मूल्यांकन, पूर्वी उत्तर प्रदेश में कृषि की स्थिति, उत्तर प्रदेश में अनुसूचित जनजातियों का हाशिए पर रहना और उनके बहिष्करण आदि का अध्ययन भी संस्थान द्वारा किया गया है। वर्ष के दौरान, संस्थान ने 16 परियोजनाओं को पूरा किया जबकि अन्य 7 प्रगति पर थी। संस्थान के संकाय द्वारा विभिन्न पत्रिकाओं में 18 पुस्तकें / रिपोर्ट, 20 शोध लेख / पत्र प्रकाशित किए और पुस्तक संस्करणों का संपादन किया गया। इसके अतिरिक्त, संस्थान ने 45 सेमिनार/कार्यशाला/सम्मेलन/प्रशिक्षण कार्यक्रम भी आयोजित किए।

गुजरात इंस्टीट्यूट ऑफ डेवलपमेंट रिसर्च (जीआईडीआर), अहमदाबाद में अनुसंधान का केंद्र बिंदु कच्छ जिले के तीन चिन्हित क्षेत्रों के आधारभूत सर्वेक्षण और भेद्यता मूल्यांकन अध्ययन पर रहा है। जेनेरिक एंटीरेट्रोवाइरल दवाओं (एआरवी) की आपूर्ति और पहुंच के मामले, ग्रामीण स्वच्छता, उत्तरी गुजरात में कृषि में बटाईदारी व्यवस्था, मनरेगा के अंतर्गत जल संरक्षण हेतु पहल, प्रकृति कार्यशाला के माध्यम से प्राकृतिक संसाधनों और सामान्य प्रबंधन की प्रभावशीलता का मूल्यांकन, गुजरात में विधवाओं का अध्ययन, सांख्यिकीय जीवन का मूल्य और गुजरात में विनिर्माण क्षेत्र में मजदूरी के अंतर की भरपाई आदि विषयों पर भी केंद्र द्वारा शोध–कार्य किया गया है। वर्ष के दौरान, संस्थान ने 10 अनुसंधान परियोजनाओं को पूरा किया और 10 अध्ययन प्रगति पर थे। संस्थान के फैकल्टी ने विभिन्न जर्नलों में 24 शोध पत्र/लेख प्रकाशित किए, इसके अलावा तीन वर्किंग पेपर/ सामयिक पत्र भी प्रकाशित किए। संस्थान ने 45 संगोष्ठी/सम्मेलन/कार्यशालाएं आयोजित कीं और दो शोधार्थी पीएच.डी. कार्य कर रहे थे।

इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ एजुकेशन (आईआईई), पुणे का शोध कार्यक्रम, महाराष्ट्र में अम्बेडकरवादी आंदोलन में कर्मकांड और तर्कसंगतता, भारत में स्कूली शिक्षा पर कोविड–19 का प्रभाव और मध्य प्रदेश में शिक्षा के अधिकार अधिनियम के उल्लंघन, आदि पर केंद्रित था। वर्ष के दौरान, तीन परियोजनाएं पूरी की गईं और तीन प्रगति पर थीं। चार शोध–अध्यताओं को पीएच.डी. की उपाधि से सम्मानित किया गया। संकाय ने विभिन्न पत्रिकाओं में दो पुस्तकें और 29 शोध पत्र/लेख प्रकाशित किए और पुस्तक खंडों का संपादन किया।

इंस्टीट्यूट ऑफ डेवलपमेंट स्टडीज (आईडीएस), जयपुर द्वारा किए गए शोध कार्य, कोविड–19 महामारी के बाद राजस्थान में लड़कियों की माध्यमिक शिक्षा के लिए उत्पन्न बाधाओं, स्थानीय सरकारों में क्रोनिज्म के सन्दर्भ में केरल में ग्राम पंचायत के मामलों का अध्ययन और ग्रामीण आजीविका परियोजनाओं के प्रभाव मूल्यांकन से संबंधित थे। वर्ष के दौरान, तीन परियोजनाएं पूर्ण की गईं, जबकि दो अन्य प्रगति पर थीं। संस्थान ने 14 सेमिनार/कार्यशाला/व्याख्यान आयोजित किए। संस्थान के संकाय ने सात शोध पत्र प्रकाशित किए। एक शोधार्थी को पीएच.डी. की उपाधि प्रदान की गयी और दो शोध–अध्येता अपने पीएच.डी. कार्य में शोधरत थे।

इंस्टिट्यूट ऑफ इकॉनोमिक ग्रोथ (आईईजी), दिल्ली की अनुसंधान गतिविधियां कृषि वस्तुओं के लिए भविष्य के बाजार, सामाजिक–आर्थिक और भौगोलिक कारक, और कोविड–19 से संबंधित स्वास्थ्य परिणाम, बाजार की खामियां और कृषि लाभप्रदता, जलवायु परिवर्तन अनुकूलन परियोजनाओं के प्रभाव का मूल्यांकन, कोविड लॉकडाउन और अनौपचारिक क्षेत्र के श्रमिक, देश में फलों और सब्जियों के लिए कोल्ड चेन की आवश्यकता और उपलब्धता, अंतरिक्ष का उपयोग करके कृषि उत्पादन का पूर्वानुमान, कृषि–मौसम विज्ञान और भूमि आधारित अवलोकन, भू–सूचना विज्ञान का उपयोग कर बागवानी मूल्यांकन और प्रबंधन, उपग्रह रिमोट सेंसिंग के साथ फसल उपज मॉडलिंग, सार्वजनिक स्वास्थ्य सुविधाओं में मातृ और नवजात देखभाल सेवाओं की गुणवत्ता, प्रसव देखभाल और बाल मृत्यु दर, आशा कार्यकर्ताओं की गतिविधियाँ, प्रोत्साहन और समय आवंटन स्वरुप, राष्ट्रीय पोषण सर्वेक्षण, लघु उद्योग और उसके समूहों पर नरेगा का प्रभाव, राष्ट्रीय परिवार स्वास्थ्य सर्वेक्षण, माध्यमिक शिक्षा के लिए लड़कियों को प्रोत्साहन, गैर–संक्रामक रोगों के बोझ को कम करने में स्वास्थ्य और कल्याण केंद्रों की भूमिका, भारत में स्कूल न जाने वाली किशोरियों में पोषण की स्थिति और एनीमिया की व्यापकता, महिलाओं में एनीमिया के निर्धारक और स्वरुप, भारत में आत्महत्या की दर और 'राष्ट्रीय मानसिक स्वास्थ्य कार्यक्रम (एनएमएचपी)' के लिए इसके निहितार्थ, और स्वास्थ्य प्रबंधन सूचना प्रणाली का मूल्यांकन, और विकास की अवधारणा से परे सामाजिक नीति विश्लेषण आदि से संबंधित थीं। संस्थान ने 39 शोध परियोजनाएं पूरी कीं और 32 शोध परियोजनाएं प्रगति पर थीं। संस्थान ने 49 कार्यशालाओं/सेमिनारों/प्रशिक्षण कार्यक्रमों आदि का आयोजन किया। एक शोध–अध्येता को पीएच.डी. की उपाधि प्रदान की गयी और 17 शोधार्थी पीएच.डी. कर रहे थे। संस्थान ने विभिन्न पत्रिकाओं और संपादित पुस्तकों की श्रेणी में दो पुस्तकें, 37 वर्किंग पेपर और 88 शोध पत्र/अध्याय प्रकाशित किए।

इंस्टिटच्यूट ऑफ पब्लिक एंटरप्राइज (आईपीई), हैदराबाद ने शेयर बाजारों में मूल्य सृजन, बैंक ऋण, सूक्ष्म और वित्तीय समावेशन पर कॉर्पोरेट प्रशासन का प्रभाव, और भारतीय सूचीबद्ध फर्मों आदि में कॉर्पोरेट प्रशासन तंत्र के रूप में नीतिगत प्रकटीकरण पर अपना काम केंद्रित किया। संस्थान एमबीए (पीई) और पीजीडीसीएस जैसे पाठ्यक्रम प्रदान करता है। संस्थान ने तीन शोध परियोजनाएं पूरी कीं और सात प्रगति पर थीं। वर्ष के दौरान, विभिन्न पत्रिकाओं और संपादित पुस्तकों में आठ पुस्तकें/रिपोर्ट और 35 शोध पत्र/ अध्याय प्रकाशित किए गए। इसके अतिरिक्त, संस्थान ने 40 सेमिनार/सम्मेलन/प्रशिक्षण कार्यक्रम और कार्यशालाओं का आयोजन किया। वर्ष के दौरान 22 शोधार्थी पीएच.डी. शोध कार्य कर रहे थे। दो शोध–अध्येताओं ने अपनी थीसिस जमा की और पांच शोधार्थी को डिग्री प्रदान की गई।

द इंस्टिटच्यूट ऑफ सोशल एंड इकनोमिक चेंज (आईएसईसी), बेंगलुरु ने कृषि आधारित दृष्टिकोण, वैश्विक खाद्य श्रृंखलाओं के मूल्यांकन, कर्नाटक में स्वच्छ भारत मिशन, फसलों और सीमान्त क्षेत्र के वनस्पति की संरचनात्मक और कार्यात्मक विशेषताओं का आकलन करने के लिए वायु और अंतरिक्ष–जनित स्पेक्ट्रोस्कोपी और लेजर स्कैनिंग को एकीकृत करना, कर्नाटक में स्केलिंग–अप अप्रेंटिसशिप कार्यक्रम, भारत के बदलते शहर और उनमें हो रहे कार्य, प्रवास और आजीविका, मसाला विपणन, पारिस्थितिकी तंत्र सेवाएं और मानव कल्याण, भारतीय शहरी श्रम बाजार में जातिगत भेदभाव को समझना, सरकारी स्कूलों में बच्चों के बीच नेतृत्व कौशल, शहरी विकास का संसाधन क्षरण पर प्रभाव और पर्यावरण पर इसका प्रभाव, भारत में किशोर/बाल विवाह, लॉकडाउन संकट और सरकार की प्रतिक्रिया, कृषि ऋण में ब्याज सबवेंशन, नागरिक समाज आंदोलनों का मानचित्रण, तपेदिक की व्यापकता, बच्चों का प्रवास और भारत में उनके बूढ़े माता–पिता का स्वास्थ्य, भारत में युवा महिलाओं के बीच गर्भनिरोधक का उपयोग, और भारत में महिलाओं में उच्च रक्तचाप और मधुमेह आदि विषयों पर अपने शोध गतिविधियों को केंद्रित किया। वर्ष के दौरान, 25 अनुसंधान परियोजनाएं पूरी की गईं और 60 पूर्णता के विभिन्न चरणों में थीं। संस्थान ने विभिन्न पत्रिकाओं में 38 पुस्तकें/रिपोर्ट, 69 शोध पत्र/लेख प्रकाशित किए और 42 आधार/सामयिक पत्र प्रकाशित किए। संस्थान के सदस्यों ने 17 संगोष्ठियों/कार्यशालाओं का आयोजन किया। इसके अलावा, 10 शोधार्थियों को पीएच.डी. की उपाधि से सम्मानित

किया गया, 15 शोध–छात्रों ने अपने शोध प्रस्तुत किए और 94 शोधार्थी अपने शोध कार्य में लगे हुए थे।

इंस्टिट्यूट फॉर स्टडीज इन इंडस्ट्रीयल डेवलपमेंट (आईएसआईडी), नई दिल्ली में शोध का प्रमुख क्षेत्र भारत में एमएसएमई के मजबूत विकास के लिए धन के प्रवाह की गंभीरता की आवश्यकता, औद्योगिक व्यापार और निवेश नीतियों, परिवर्तित व्यापार समूह रणनीतियों को समझने का रहा है। इसके अलावा विलय और अधिग्रहण को समझना, और वैश्विक मूल्य श्रृंखला जुड़ाव और औद्योगिक पुनर्गठन के अलावा भारतीय इलेक्ट्रॉनिक्स उद्योग आदि के अध्ययन भी शोध के प्रमुख क्षेत्र हैं। इस अवधि के दौरान, चार शोध परियोजनाएं पूरी की गईं और चार का कार्य प्रगति पर है। संस्थान ने एक रिपोर्ट और 33 शोध पत्र/लेख विभिन्न पत्रिकाओं एवं संपादित पुस्तकों में प्रकाशित किए, इसके अलावा 63 कार्य/सामयिक पत्र भी प्रकाशित किए गए। संस्थान ने पांच संगोष्ठियों/कार्यशालाओं का आयोजन किया।

एम.पी. इंस्टिट्यूट ऑफ सोशल साइंस रिसर्च (एम.पी.आई.एस.एस.आर.), उज्जैन (म.प्र.) ने मध्य प्रदेश राज्य में वंचितों की खाद्य सुरक्षा और राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा अधिनियम के कार्यान्वयन पर विशेष जोर देते हुए सामाजिक विज्ञान में अंतःविषय अध्ययन, सार्वजनिक वितरण प्रणाली और चाइल्ड लाइन परियोजना आदि के कार्यान्वयन से सम्बंधित अनुसंधान कार्य किया। वर्ष के दौरान, संस्थान ने तीन परियोजनाओं को पूरा किया और अन्य छह पूर्णता के विभिन्न चरणों में थी। संकाय ने विभिन्न पत्रिकाओं में पांच शोध पत्र/लेख प्रकाशित किए। संस्थान ने आठ सेमिनार/व्याख्यान आयोजित किए। पांच शोध–अध्येता को पीएच.डी. उपाधि से सम्मानित किया गया, और एक शोध–छात्र ने अपनी थीसिस जमा की है।

मद्रास इंस्टीटच्यूट ऑफ डेवलपमेंट स्टडीज (एमआईडीएस), चेन्नई ने ग्रामीण आजीविका कार्यक्रमों, संरचनात्मक परिवर्तन, क्षेत्रीय असमानता और कृषि में संस्थागत सुधारों पर अपने शोध अध्ययन को केंद्रित किया। तमिलनाडु कोविड–19 पल्स सर्वे 1, 2 और 3, किफायती आवास नीतियां, तमिलनाडु में भेद्यता और सामाजिक सुरक्षा का मानचित्रण, गरीबी की वास्तविक (अंदर और बाह्य) स्थितियों की जानकारी हेतु एजेंसी के सन्दर्भ में संबंधपरक दृष्टिकोण और शहरी उत्थान के लिए सीमा विस्तार और मध्यस्थता आदि पर भी संस्थान में अनुसंधानात्मक गतिविधियाँ चल रही हैं। वर्ष के दौरान, सात शोध परियोजनाएं पूरी की गईं और 13 प्रगति पर थीं। संस्थान ने चार पुस्तकें/ रिपोर्ट, 36 शोध पत्र / लेख प्रकाशित किए और 21 वर्किंग पेपर प्रकाशित किए। संस्थान ने वर्ष के दौरान चार सेमिनार/ सम्मेलन/ कार्यशालाएं भी आयोजित कीं। दो शोध–अध्येताओं को पीएच.डी. डिग्री प्रदान की गयी, तीन शोधार्थियों ने अपनी पीएच.डी. थीसिस जमा की और 33 शोध–छात्र पीएच.डी. के तहत अपना शोध कार्य कर रहे थे।

नबकृष्ण चौधरी सेंटर फॉर डेवलपमेंट स्टडीज (एनकेसीसीडीएस), भुवनेश्वर के अनुसंधान गतिविधियों का प्रमुख केंद्र, ओडिशा के सूखा प्रभावित जिलों में आजीविका सुरक्षा प्रदान करने और प्रवास के संकट को रोकने के लिए मनरेगा के कार्यान्वयन पर रहा है। साथ ही तकनीकी गुणवत्ता और ओडिशा में मनरेगा के तहत जल संरक्षण और जल निकायों के कायाकल्प को लेकर अध्ययन, ओडिशा राज्य में बीजू कंधमाल ओ 'गजपति योजना (बीकेजीवाई) के मूल्यांकन सम्बन्धी अध्ययन, उच्च शिक्षा पर अखिल भारतीय सर्वेक्षण, ओडिशा के आदिवासी क्षेत्रों में एकीकृत खेती को बढ़ावा देने के लिए विशेष कार्यक्रम और ओडिशा के आदिवासी क्षेत्रों में बाजरा को बढ़ावा देने के लिए विशेष कार्यक्रम आदिको लेकर भी संस्थान द्वारा अनुसंधान किये गए हैं। समीक्षाधीन अवधि के दौरान, केंद्र ने आठ अनुसंधान परियोजनाएं पूरी कीं, जबकि अन्य 15 प्रगति पर थीं। संकाय ने विभिन्न पत्रिकाओं में 10 लेख/शोध पत्र, 13 मोनोग्राफ भी प्रकाशित किए और दो सम्मेलनों/सेमिनार/कार्यशालाओं का आयोजन किया। रिपोर्टाधीन वर्ष के दौरान, 17 पीएच.डी. शोध–छात्र अपना शोध कार्य कर रहे थे।

ओमियो कुमार दास इंस्टीटच्यूट ऑफ सोशल चेंज एंड डेवलपमेंट (ओ.के.डी.आई.एस.सी.डी), गुवाहाटी ने कोविड–19 महामारी की पृष्ठभूमि में असम की अर्थव्यवस्था पर पड़े प्रभाव, असम के ग्रामीण क्षेत्रों में विकास कार्य और संभावनाएं, भारत के उत्तर पूर्व में जातीय पहचान, क्षेत्रवाद और गठबंधन की राजनीति, पूर्वोत्तर भारत में आजीविका के सन्दर्भ में संसाधनों और विनियम, भारत के पूर्वोत्तर क्षेत्र में प्रवास के कारण और परिणाम, तथा सीएसआर द्वारा किये गए प्रयासों का मूल्यांकन आदि पर अपने अनुसंधान कार्य को केंद्रित किया। इस समयावधि में संस्थान ने छह शोध परियोजनाएं पूरी कीं और 19 परियोजनाएं प्रगति पर थीं। संकाय ने दस शोध पत्र और तीन पुस्तकें/रिपोर्ट प्रकाशित की। साथ ही, संस्थान ने पांच सेमिनार/ कार्यशालाएं/प्रशिक्षण कार्यक्रम भी आयोजित किए। रिपोर्टाधीन वर्ष के दौरान, दस पीएच.डी. शोध–अध्येता अपना शोध कार्य कर रहे थे।

वर्ष के दौरान **सरदार पटेल इंस्टिट्यूट ऑफ इकनोमिक एंड सोशल रिसर्च (एस.पी.आई.ई.एस. आर), अहमदाबाद** द्वारा समायोजित किए गए प्रमुख अनुसंधान क्षेत्र रहे हैंः डिजिटल कनेक्टिविटी और ग्रामीण विकास, ग्रामीण विकास कार्यक्रमों की राष्ट्रीय स्तर की निगरानी, ग्रामीण सशक्तिकरण पर स्वयं सहायता समूहों की प्रभावशीलता और भारत के महानगरों में यात्री परिवहन आदि। प्रतिवेदनाधीन अवधि के दौरान, चार शोध परियोजनाएं पूरी की गईं। संस्थान ने विभिन्न पत्रिकाओं/संपादित पुस्तकों में 13 शोध लेख प्रकाशित किए और एक संगोष्ठी का आयोजन किया। वर्ष के दौरान एक शोध–छात्र को पीएच.डी. डिग्री प्रदान की गयी और दो शोध–छात्र पीएच.डी कर रहे थे।

2020–21 के दौरान उपर्युक्त अनुसंधान संस्थानों की प्रमुख गतिविधियों का विवरण परिशिष्ट–10 में दिया गया है।

तालिका 6.1
भा.सा.वि.अ.प. के अनुसंधान संस्थानों का अनुसंधान आउटपुट
वर्ष 2020–2021 के दौरान

क्र. सं.	शोध संस्थान का नाम	परियोजनाएं पूर्ण	परियोजनाएं जारी	पीएच.डी. डिग्री से सम्मानित	शोध पत्र प्रस्तुत किए	पीएच.डी. शोध पत्र जारी	प्रकाशित पुस्तक/रिपोर्ट	प्रकाशित शोध पत्र/लेख	मोनोग्राफ्स/मीमियोग्राफ्स	वर्किंग/समसामयिक पेपर्स/रिपोर्ट	संगोष्ठी/सम्मेलन/कार्यशालाएँ	कर्मचारियों की संख्या	कर्मचारियों की संख्या (गैर संकाय)
1	**2**	**3**	**4**	**5**	**6**	**7**	**8**	**9**	**10**	**11**	**12**	**13**	**14**
1.	आई.एस.ई.सी, बेंगलुरु	25	60	10	15	94	38	69	–	42	17	17	50
2.	सी.डी.एस, तिरुवनतपुरम	9	7	1	3	39	21	97	44	17	53	20	29
3.	सी.एस.एस.एस, कोलकाता	–	3	6	4	60	1	16	1	–	18	23	28
4.	ए.एन.एस.आई.एस.एस, पटना	25	11	2	2	2	1	15	1	1	4	16	14
5.	आई.पी.ई, हैदराबाद	3	7	5	2	22	8	35	–	1	40	57	50
6.	आई.ई.जी, दिल्ली	39	32	1	–	17	2	88	–	37	49	50	87
7.	सी.एस.डी.एस, दिल्ली	12	16	–	–	–	10	34	–	4	20	17	21
8.	सी.एस.एस, सूरत	2	2	–	–	3	2	8	–	4	2	5	13
9.	एम.आई. डी.एस, चेन्नई	7	13	2	3	33	4	36	–	21	4	15	22
10.	आई.आई.ई, पुणे	3	3	4	6	12	2	29	–	1	1	6	10
11.	जी.आई.डी.एस, लखनऊ	16	7	–	–	3	18	20	–	3	45	11	25
12.	सी.पी.आर, नई दिल्ली	5	16	–	–	–	2	36	–	54	70	30	85
13.	एस.पी.आई.ई.एस.आर., अहमदाबाद	4	–	1	1	2	–	13	–	1	1	8	14
14.	सी.एस.डी, हैदराबाद	4	6	–	–	–	5	21	–	–	15	7	8
15.	आई.डी.एस. जयपुर	3	2	1	1	2	2	7	1	7	14	5	16
16.	सी.आर.आर.आई.डी, चंडीगढ़	22	9	–	–	30	3	19	–	–	3	17	33
17.	सी.डब्लू.डी.एस, नई दिल्ली	9	13	11	8	38	7	22	2	1	14	8	32
18.	सी.ई.एस.एस, हैदराबाद	20	23	3	4	25	8	16		4	27	16	23
19.	एन.के.सी.सीडी.एस, भुवनेश्वर	08	15	–	–	17	1	10	13	03	2	3	22
20.	जी.आई. डी.आर, अहमदाबाद	10	10	–	–	2	13	24	1	3	45	10	12
21.	आई.एस.आई.डी, नई दिल्ली	4	4	–	–	7	1	33	–	63	5	19	38
22.	ओ.के. डी.आई. एस.सी. डी, गुवाहाटी	6	19	1	1	10	3	10	–	1	5	6	11
23.	सी.एम.डी.आर., धारवाड़	5	10	–	1	33	–	10	3	–	4	6	19
24.	एम.पी.आई.एस.एस.आर, उज्जैन	3	6	5	1	–	5	5	1	–	8	5	10
	कुल	**244**	**294**	**53**	**52**	**451**	**157**	**673**	**67**	**268**	**466**	**377**	**672**

परिशिष्ट

परिशिष्ट–1

परिषद् के सदस्यों की सूची

(31 मार्च 2021 को)

1. प्रोफेसर भूषण पटवर्धन
अध्यक्ष (अतिरिक्त प्रभार)
भारतीय सामाजिक विज्ञान अनुसंधान परिषद्,
नई दिल्ली–110067
011–26741679, 011–26742516
chairman@icssr.org

2. प्रोफेसर वी. के. मल्होत्रा
सदस्य सचिव
भारतीय सामाजिक विज्ञान अनुसंधान परिषद्
नई दिल्ली–110067
011–26741833, 26742059
ms@icssr.org

गैर–पदेन सदस्यों की सूची

3. प्रोफेसर दीन बंधु पांडेय
मकान नंबर ई–1, गुरू जम्भेश्वर विज्ञान एवम्
तकनीकी विश्वविद्यालय,
हिसार–125001, हरियाणा
sanskritishodh@gmail.com

4. प्रोफेसर पी. कनगासभापति
403, सूर्या अपार्टमेंट्स,
भारती कॉलोनी, पीलामेडु,
कोयम्बटूर–641004
pkspathi@gmail.com

5. प्रोफेसर संजय कुमार (सत्यार्थी)
एफ–203, ड्यून्स रेसीडेंसी,
नानी दमन,
दमन–396210
satyarthisanjay@gmail.com

6. प्रोफेसर एच. एस. बेदी
125, कबीर पॉर्क, पोस्ट आफिस,
खालसा कॉलेज, अमृतसर–143002
0183–2258774
harmohinderbedi@gmail.com

7. प्रोफेसर हरीश चंद्र सिंह राठौर
कुलपति,
दक्षिण बिहार केंद्रीय विश्वविद्यालय, गया,
बी.आई.टी. परिसर,
पोस्ट ऑफिस : बी.वी. कॉलेज, पटना–800014
hcsrathore@gmail.com

8. प्रोफेसर पंचानन मोहन्ती
अनुप्रयुक्त विज्ञान एवम् मानविकी संस्थान,
जीएलए विश्वविद्यालय,
मथुरा–दिल्ली रोड,
पोस्ट ऑफिस चौमुंहान, मथुरा–281406 (उ.प्र.)
040–23133300, 23012068
panchananmohanty@gmail.com
panchanan.mohanty@gla.ac.in

9. प्रोफेसर अमिता सिंह
अध्यक्ष, विधि एवम् शासन अध्ययन केंद्र
(सीएसएलजी),
जे.एन.यू., नेल्सन मंडेला मार्ग,
नई दिल्ली–110067
011–26704021, 26704761,
Amita@mail.jnu.ac.in
Amita.singh3@gmail.com

10. प्रोफेसर क्षमादेवी शंकरराव खोबरागडे
उप–प्राचार्य एवम् विभागाध्यक्ष,
पारिस्थितिकी विज्ञान विभाग,
एसबीईएस विज्ञान महाविद्यालय,
औरंगाबाद (महाराष्ट्र)–431001
Kshama.earth@gmail.com

11. प्रोफेसर टी. सुब्रमण्यम नायडू
नंबर 316, थर्ड मेन रोड,
महावीर नगर, लॉसपेट,
पुडूचेरी–605008
0413–2255767, 0413–2654760
Tsnaidu1952@gmail.com

12. डॉक्टर राकेश सिन्हा
एसोसियेट प्रोफेसर,
मोतीलाल नेहरू महाविद्यालय,
दिल्ली विश्वविद्यालय,
889, बेनिटो जुआरेज मार्ग,
वेस्टएंड कॉलोनी, ब्लॉक डी,
नई दिल्ली–110021
Rakeshsinha46@gmail.com

13. प्रोफेसर अश्विनी के. मोहापात्रा
अध्यक्ष,
पश्चिम एशिया अध्ययन केंद्र,
अंतर्राष्ट्रीय अध्ययन विद्यालय,
जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय,
नई दिल्ली–110067
011–26741293, 26704602
aswinijnu@gmail.com

14. प्रोफेसर पी. वी. कृष्णा भट्ट
969, एस.वी. रेजीडेंसी,
8वीं मुख्य सडक, श्रीविद्यानगर,
बीएसके थर्ड स्टेज,
बैंगलुरु–560085
pvkbhatta@gmail.com

15. प्रोफेसर शांतिश्री धुलिपुडी पंडित
ए3/13 एवम् 14, मीनल गॉर्डन,
पटवर्धन बॉग, एरंडवन,
पुणे–411004
santishreepandit@gmail.com
santishreepandit@hotmail.com

16. प्रोफेसर जे. के. बजाज
निदेशक, नीति अध्ययन केंद्र,
(क) 11–12, अशोक नंदावनम, कुंड्राथूर,
चेन्नई–600 069.
(ख) 83, डीडीए साईट 1, शंकर रोड,
न्यू राजेंद्र नगर, नई दिल्ली–110060.
011–28744344
jatinderkbajaj@gmail.com
policy.cpsindia@gmail.com

17. प्रोफेसर एम. पी. बेजबरूआ
10, श्रीराम पथ, नदंनपुर, जपोरीगोग,
गुवाहाटी–781005
bezbaruah.mp@gmail.com

18. प्रोफेसर डी. डी. पटनायक
मोदी पारा (तोशाली इंटरप्रायजेज के सामने),
संबलपुर,
ओडीशा–768002
ddpatnaik1952@gmail.com

19. प्रोफेसर मधु पूर्णिमा किश्वर
'मुंशी सदन',
3ए पॉकेट–बी, सरिता विहार,
नई दिल्ली–110076
madhukishwar@manushi-india.org

परिषद् के पदेन सदस्य

20. सचिव
उच्च शिक्षा विभाग,
मानव संसाधन विकास मंत्रालय,
भारत सरकार, शास्त्री भवन,
नई दिल्ली–110115
011–23386451 (कार्या.)
011–23385807 (फैक्स)
secy.dhe@nic.in

21. सचिव
व्यय विभाग, वित्त मंत्रालय,
भारत सरकार, नॉर्थ ब्लॉक,
नई दिल्ली–110001
011–23092929, 23092663 (का.)
23092546 (फैक्स)
secyexp@nic.in

22. अध्यक्ष
भारतीय इतिहास अनुसंधान परिषद्,
35, फिरोजशाह रोड,
नई दिल्ली–110001
011–23384869
ichr.chairman@gmail.com

23. अध्यक्ष
भारतीय दार्शनिक अनुसंधान परिषद्,
दर्शन भवन,
36, तुगलकाबाद संस्थागत क्षेत्र,
(बत्रा अस्पताल के निकट)
महरौली बदरपुर मार्ग,
नई दिल्ली–110062
011–29901503
फैक्स.: 91–11–29964755
chairman@icpr.in

24. अध्यक्ष
साहित्य अकादमी,
रबीन्द्र भवन
35, फिरोजशाह रोड,
नई दिल्ली–110001
president@sahitya-akademi.gov.in

25. अध्यक्ष
विश्वविद्यालय अनुदान आयोग,
बहादुर शाह जफर मार्ग,
नई दिल्ली–110002
011–23234019, 23236350
cm.ugc@nic.in

सहयोजित सदस्य

26. प्रोफेसर एन. के. तनेजा
कुलपति,
चौधरी चरण सिंह विश्वविद्यालय,
सीसीएस विश्वविद्यालय मुख्य मार्ग,
मेरठ, उत्तर प्रदेश–200005
vc@ccsuniversity.ac.in

परिशिष्ट–2

भा.सा.वि.अ.प. के वरिष्ठ अधिकारीगण

(31 मार्च 2021 को)

अध्यक्ष (अतिरिक्त प्रभार)
प्रोफेसर भूषण पटवर्धन

सदस्य सचिव
प्रोफेसर वी. के. मल्होत्रा

निदेशक
श्री अजय कुमार गुप्ता
डॉ. जी. एस. सोन
(पुनर्नियुक्ति के आधार पर)
श्री रमेश येरनागुला

प्रशासनिक अधिकारी
डॉ. आशीष देवलिया

उप निदेशक
श्रीमति अलका श्रीवास्तव
श्रीमति रेवती विश्वनाथ
डॉ. एस. एम. वर्मा
(पुनर्नियुक्ति के आधार पर)
डॉ. एस. एन. चारी
श्री महेश पी. मधुकर
(पुनर्नियुक्ति के आधार पर)
डॉ. अभिषेक टंडन
(23.11.2020 तक प्रतिनियुक्ति पर)
डॉ. अभय जैन
(11.08.2020 तक प्रतिनियुक्ति पर)
डॉ. विजय इंतोदिया
(लघु अवधि संविदा आधार पर)

उप मुख्य वित्त अधिकारी
श्री नरेश सैनी

सहायक निदेशक (प्रकाशन)
श्री अभिनव पालीवाल

प्रलेखन अधिकारी
श्रीमति रीता राजशेखर
(लघु अवधि संविदा आधार पर)

अनुभाग अधिकारी
श्री शंभू नाथ महतो
श्री अनुपम गर्ग
श्री सुभाष चंद (31.05.2020 तक)
श्री सतीश कुमार
(01.06.2020 तक प्रतिनियुक्ति पर)
श्रीमति सुचित्रा भटनागर
(01.06.2020 तक प्रतिनियुक्ति पर)

प्रणाली विश्लेषक–सह–वरिष्ठ प्रोग्रामर
श्री राजीव खेरा
श्री पुष्कर पाठक

वर्ष के दौरान निम्नलिखित अधिकारी/कर्मचारी सेवानिवृत्त/स्वेच्छा से सेवानिवृत्त हुए:

1. श्री सुभाष चंद
   अनुभाग अधिकारी
   (31.05.2020 को सेवानिवृत्त)

2. श्री सतीश कुमार
   अनुभाग अधिकारी (प्रतिनियुक्ति पर)
   01.06.2020 को कार्य मुक्त

3. श्रीमती सुचित्रा भटनागर
   अनुभाग अधिकारी (प्रतिनियुक्ति पर)
   01.06.2020 को कार्य मुक्त

4. डॉ. अभय जैन
   उप निदेशक (प्रतिनियुक्ति पर)
   11.08.2020 को कार्य मुक्त

5. श्रीमती जसपाल कौर
   खाता सहायक
   (31.10.2020 को सेवानिवृत्त)

6. डॉ. अभिषेक टण्डन
   उप निदेशक (प्रतिनियुक्ति पर)
   23.11.2020 को कार्य मुक्त

7. श्रीमति दुर्गा मिश्रा
   पुस्तकालय सहायक
   (01.12.2020 को स्वैच्छिक सेवानिवृत्त)

8. श्रीमति बिमला रानी
   खाता सहायक
   (31.12.2020 को सेवानिवृत्त)

9. श्री राजेन्द्र कुमार
   एम.टी.एस.
   (31.01.2021 को सेवानिवृत्त)

10. डॉ. एस. एम. वर्मा
    उप निदेशक
    (31.01.2021 को सेवानिवृत्त)

11. श्री चित्रा प्रसाद
    स्टाफ कार चालक
    (28.02.2021 को स्वैच्छिक सेवानिवृत्त)

12. श्री विकास
    अवर श्रेणी लिपिक
    (22.03.2021 को त्यागपत्र दिया)

परिशिष्ट–3

अनुसंधान कार्यक्रम/परियोजनाएं

अनुसंधान कार्यक्रम (जारी) (सामान्य श्रेणी)

1. रुचिरा दास, इंस्टीट्यूट ऑफ होम इकोनॉमिक्स, डीयू, दिल्ली, "एक्ज़ामिनिंग एक्सक्लूजन ऑन कम्यूनिटी स्कूल एक्सिसः एन एथ्नोग्राफिक स्टडी ऑफ लोअर क्लास सेटलमेंट इन साउथ दिल्ली"। (₹ 9,16,000)

2. गणपत इन्दिरा सिंह राठौड़, स्वामी रामानन्द तीर्थ महाविद्यालय, अंबाजोगई, महाराष्ट्र, "स्वीकारण के परिप्रेक्ष्य में घुमंतुओं की सामाजिक एवं सांस्कृतिक स्थितियों में परिवर्तन के संकेत (विशेष संदर्भ–महाराष्ट्र, तेलंगाना, एवं कर्नाटक की धाँगर, गौंधली एवं वंजारा जनजातियाँ)"। (₹ 10,00,000)

3. संजीव शर्मा, यूनिवर्सिटी इंस्टीट्यूट ऑफ एप्लाइड मैनेजमेंट साइंसेज, पंजाब विश्वविद्यालय, चंडीगढ़, "ग्रीन बिज़नेस स्ट्रेटेजीज़ फॉर गेनिंग एंड रिटेनिंग कॉर्पोरेट लीडरशिपः मॉडलिंग द मेडिएटिंग इन्फ़्लुएन्स ऑफ मैनेजेरिअल ओरिएंटेशन एंड क़ंज्यूमर परसेप्शन"। (₹ 23,80,000)

4. एस. थंगाराजथी, भरतियार विश्वविद्यालय, कोयंबटूर, "इफेक्ट ऑफ स्कूल बेस्ड एजुकेशनल इंटरवेन्शन ऑन नॉलेज एंड प्रैक्टिसेज़ रिगार्डिंग मेन्स्ट्रुअल हाइजीन एमंग ट्राइबल एडोलसेंट गर्ल्स"। (₹ 8,00,000)

5. करेती श्रीनिवास राव, आईजीएनटीयू, अमरकंटक, मध्यप्रदेश, "डेवलपमेंट ऑफ एन ई–मॉड्यूल फॉर कंजर्वेशन, ट्रेनिंग एंड प्रिप्रेशन ऑफ वैल्यू एडेड ट्राइबल मेडिसिनल प्लांट्स – ए सस्टेनेबल लाइवलिहुड प्रैक्टिस फॉर ट्राइबल इकोनोमी"। (₹ 20,00,000)

6. पल्लवी सजनपवार, एससीईएस इन्दिरा इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट, पुणे, महाराष्ट्र, "डेवलपमेंट ऑफ डिजिटल मार्केटिंग प्लेस फॉर द वुमेन सेल्फ–हेल्प ग्रुप्स लोकेटेड इन रुरल वेस्टर्न महाराष्ट्र"। (₹ 9,70,000)

7. शेख मोहम्मद फिरोज़, सेंट्रल एग्रीकल्चरल यूनिवर्सिटी, इम्फ़ाल पश्चिम, मणिपुर, "स्पाइस बेस्ड रुरल इकोनोमी एंड लाइवलिहुड अंडर क्लाइमेट चेंज इन हिमालयन रीजन ऑफ इंडिया": इकोनॉमिक्स ऑफ एडैप्टेशन मेज़र्स"। (₹ 20,00,000)

8. एस आनंद लेनिन, पॉन्डिचेरी यूनिवर्सिटी, पुडुचेरी, "इफेक्टिवनेस ऑफ मीडिया इन ट्रांसमिटिंग वेदर फोरकास्टिंग इनफॉरमेशन अमंग द कोस्टल इन्हैबिटेंट्सः ए स्टडी इन सेलेक्टेड स्टेट्स ऑफ इंडिया"। (₹ 15,00,000)

9. विवेक कुमार जायसवाल, डॉ. हरिसिंह गौर विश्वविद्यालय, सागर, मध्य प्रदेश, "मीडिया एंड आइडेंटिटी पॉलिटिक्सः री–विज़िटिंग द इश्यूज़ इन द कांटेक्स्ट ऑफ नेशनल इन्टरेस्ट"। (₹ 5,00,000)

10. विपिन कुमार मिश्रा, जीआईडीएस, लखनऊ, "कन्वेश्नल एंड क्रॉस–बार्डर ह्यूमन ट्रैफिकिंग इन द एडजॉइनिंग डिस्ट्रिक्ट ऑफ इंडो–नेपाल बार्डर एंड इम्प्लिकेशन ऑफ स्टेकहोल्डर्स रिस्पांस"। (₹ 20,00,000)

11. पायल मागो, शहीद राजगुरु कॉलेज ऑफ अप्लाइड साइंसेज़ फॉर वुमेन, डीयू, दिल्ली, "इकोलोजिकल फेमिनिज़्म ऑफ इंडियन वुमेन– ए कम्प्रिहेन्सिव स्टडी ऑफ इंडिजिनस प्रैक्टिसेज़ फॉर सस्टेनेबल डेवलपमेंट"। (₹ 25,00,000)

12. सुनीता सिंह सेनगुप्ता, डीयू, दिल्ली, "वेदिक फाउंडेशन ऑफ इंडियन मैनेजमेंट"। (₹ 22,00,000)

13. लक्ष्मण जी., सेंट्रल यूनिवर्सिटी ऑफ कर्नाटक, बंगलोर, "कम्युनिटी बेस्ड इंटीग्रेटेड इंटरवेनशन अमंग फैमिलीज़ एंड पर्सन्स विद एल्कोहल एब्यूज़, हू आर इकोनोमिकली, सोशली वलनरेबलः डेवलपमेंट ऑफ ए मॉड्यूल थ्रू एक्शन रिसर्च"। (₹ 13,50,000)

14. महुआ बंद्योपाध्याय, आईआईटी, दिल्ली, "सेक्यूरिटी वर्क, यूनियनाइज़ेशन एंड एग्रीडे वायलेन्सः वर्क्स एंड लाइव्ज़ ऑफ सेक्यूरिटी गार्ड्स इन मुंबई एंड दिल्ली"। (₹ 10,40,000)

15. एच. पी. सिंह, कृषि विज्ञान संस्थान, काशी हिंदू विश्वविद्यालय, वाराणसी, "इकोनॉमिक्स एंड एन्वायरन्मेटल इम्पैक्ट ऑफ सरफेस सीडिंग टेक्नॉलॉजी (एसएसटी) इन व्हीट इन ईस्टर्न उत्तर प्रदेश, इंडिया"। (₹ 18,80,000)

16. आर. सी. पटेल, द महाराजा सायाजी राव यूनिवर्सिटी ऑफ बड़ौदा, गुजरात, "कंस्ट्रक्शन एंड स्टैंडरडाइज़ेशन ऑफ वर्क–प्लेस हैपीनेस स्केल फॉर टीचर्स"। (₹ 7,75,000)

17. राकेश मोहन जोशी, भारतीय विदेश व्यापार संस्थान, नई दिल्ली, "इम्प्लीकेशन्स ऑफ भागवद गीता इन कंटेम्परेरी मैनेजमेंटः एन एम्पिरिकल स्टडी"। (₹ 15,00,000)

18. वैदेही श्रीराम दप्तरदार, मुंबई विश्वविद्यालय, मुंबई, "एन इंवेस्टिगेशन इंटू द ट्रेंड्स, पैटर्न एंड इम्पैक्ट ऑफ हेल्थ एक्सपेन्डिचर इन इंडियाः इश्यूज़ एंड चैलेंजेज"। (₹ 15,00,000)

19. टी. एस. देवराजा, मैसूर विश्वविद्यालय, कर्नाटक, "एन इवैलुएशन ऑफ इकोनॉमिक कॉस्ट ऑफ प्रॉडक्शन एंड मार्केटिंग ऑफ बायो–फ्यूएल्स इन इंडिया"। (₹ 18,00,000)

20. विक्टर पाल, क्राइस्ट यूनिवर्सिटी (मानद विश्वविद्यालय), कर्नाटक, "वेल्फेयर नीड्स ऑफ सरवाइवर्स ऑफ ह्यूमन ट्रैफिकिंगः ए मल्टी–स्टेकहोल्डर एप्रोच"। (₹ 10,00,000)

21. मीनाक्षी शर्मा, बिरला इंस्टीट्यूट ऑफ़ टेक्नोलॉजी, रांची, "इंपैक्ट ऑफ़ ग्रीन ब्रांड इमेज ऑन ग्रीन ब्रांड इक्विटी एंड ग्रीन परचेज इंटेंशन इन इंडियन बैंकिंग सेक्टर"। (₹ 16,00,000)

22. शोभ नाथ पाठक, डीएवी स्नातकोत्तर महाविद्यालय, बीएचयू, वाराणसी, "आधुनिक भारत में मोक्ष–कामी प्रवासी विद्वानों की परिस्थिति एवं भूमिका (काशी में प्रवासी विद्वानों पर आधारित एक अध्ययन)"। (₹ 6,00,000)

23. पी. एन. उदय चंद्र, एसडीएम कॉलेज, कर्नाटक, "एम्पिरिकल स्टडी ऑन गवर्नेंस रैंकिंग फ्रेमवर्क फॉर माइक्रोफाइनेंस इंस्टीट्यूशंस (एमएफ़आईएस) इन थ्री साउथ इंडियन स्टेट्स ऑफ कर्नाटक, केरल एंड तमिलनाडु"। (₹ 4,00,000)

24. मंजुला एम., एम. एस. स्वामीनाथन रिसर्च फाऊंडेशन, चेन्नई, तमिलनाडु, "इंक्लूसिव एप्रोच टू सस्टेनेबिलिटी इन ए सबसिस्टेन्स इकॉनमीः ए कंपैरेटिव स्टडी ऑफ टू शेड्यूल्ड ट्राइब डोमिनेंट डिस्ट्रिक्ट ऑफ ओडिशा एंड केरल"। (₹ 19,25,000)

25. गुलशन कुमार, यूआईएलएस, पंजाब विश्वविद्यालय, चंडीगढ़, "असेसिंग क्वालिटी आफ लाइफ ऑफ ट्रांसजेंडर इन इंडियाः केस स्टडी ऑफ़ ट्राइ–सिटी (चंडीगढ़, मोहाली एंड पंचकूला)"। (₹ 9,00,000)

26. जावेद इकबाल, एएमयू, अलीगढ़, यूपी, "पॉलीटिकल एंड इकोनामिक रिलेशंस बिटवीन इंडिया एंड कंट्रीज ऑफ लेवांट"। (₹ 7,00,000)

27. के. वेंकटेशन, जवाहरलाल नेहरू राजकीय महाविद्यालय, पोर्ट ब्लेयर, "हेल्थ, सैनिटेशन एंड हाइजीन प्रैक्टिसेज आफ विमेन इन ट्राईबल हाउसहोल्ड्स ऑफ निकोबार डिस्ट्रिक्ट ऑफ अंडमान एंड निकोबार आईलैंड्स"। (₹ 14,00,000)

28. सरबजीत सिंह कुलर, गुरु गोविंद सिंह कॉलेज, संघेरा, पंजाब, "इवैल्यूएशन ऑफ इंटीग्रेटेड चाइल्ड डेवलपमेंट सर्विसेज (आईसीडीएस) स्कीमः ए कंपैरेटिव स्टडी ऑफ पंजाब एंड राजस्थान स्टेट्स ऑफ इंडिया"। (₹ 25,00,000)

29. रोमेट जॉन, सेंट्रल यूनिवर्सिटी ऑफ कर्नाटक, "प्रीवैलेंस, एसोसिएटेड रिस्क फैक्टर्स, बिलीव्स एंड नॉलेज अबाउट हाइपरटेंशनः ए स्टडी अमंग ट्राईबल पापुलेशन ऑफ हैदराबाद, कर्नाटक रीजन"। (₹ 18,00,000)

30. चंद्रिमा सिकदर, नरसी मोनजी इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट स्टडीज यूनिवर्सिटी, मुंबई, "प्रोडक्टिव ग्रोथ फ्रॉम टेक्नोलॉजी ट्रांसफर इन इंडियन मैन्युफैक्चरिंग सेक्टरः ए फर्म लेवल स्टडी"। (₹ 13,20,000)

31. विकास कुमार, ईश्वर शरण डिग्री कॉलेज, प्रयागराज, यूपी "जनजातीय संस्कृति में परंपरा एवं प्रगतिशीलता के तत्त्वः उराव जनजाति के विशेष सन्दर्भ में (झारखण्ड और छत्तीसगढ़ राज्य की उराव जनजातियों का एक तुलनात्मक विश्लेषण)"। (₹ 14,60,000)

32. एल. गणेशन, भारतिदासन विश्वविद्यालय, तमिलनाडु, "इम्पैक्ट ऑफ स्वच्छ भारत मिशन ऑन इंप्रूविंग सैनिटेशन फैसिलिटीज़ इन तमिलनाडु"। (₹ 9,00,000)

33. अंकिताबेन धीरू भाई कठेरिया, गुजरात विश्वविद्यालय, अहमदाबाद, "ए स्टडी ऑफ डबलिंग फारमर्स इन्कम एंड एग्रेरियन डिस्ट्रेस रिलेटेड इश्यूज एंड चैलेंजेज़ विद रेफरेंस टू गुजरात"। (₹ 2,40,000)
34. हेमा श्रीकुमार, प्रोविडेंस कॉलेज फॉर वूमेन, कुन्नूर, तमिलनाडु, "रोल ऑफ ट्राईबल्स इन फॉरेस्ट कंजर्वेशन एंड एनवायरमेंटल सस्टेनेबिलिटी विद स्पेशल रेफरेंस टू नीलगिरी डिस्ट्रिक्ट–इश्यूज एंड चैलेंजेज"। (₹ 7,80,000)
35. परीक्षित सिंह, जम्मू विश्वविद्यालय, जम्मू, "रोल ऑफ सोशल एंटरप्रेन्योरशिप इन बिल्डिंग क्राफ्ट्समैनशिप एट कनफ्लिक्ट्स रिडेन टूरिस्ट डेस्टिनेशंस"। (₹ 8,60,000)
36. मनीषा लक्ष्मण वाघमारे, भारती विद्यापीठ इंस्टीट्यूट आफ मैनेजमेंट स्टडीज एंड रिसर्च, नवी मुंबई, "इंपैक्ट ऑफ़ ई–रिसोर्सेस ऑन द रीडिंग हैबिट्स ऑफ़ ग्रैजुएट स्टूडेंट्स"। (₹ 8,40,000)
37. पिंटू कुमार, मोतीलाल नेहरू महाविद्यालय (सांध्य), डीयू, दिल्ली, "री–डिफाइनिंग द फंडामेंटल्स ऑफ इंडियाज़ फॉरेन पॉलिसीः द पैराडाइम शिफ्ट इन नरेंद्र मोदीज़ रिजीम"। (₹ 5,00,000)

अनुसंधान कार्यक्रम (जारी) (अ.जा. श्रेणी)

38. अरूप रतन, कोलकाता विश्वविद्यालय, कोलकाता, "क्रॉनिक नॉन–कम्युनिकेबल डिजीज इन ईस्टर्न एंड नॉर्थ ईस्टर्न इंडियाः स्टडी ऑन एवरेज/डिप्राइवेशन/इनेक्वलिटी (एडीआई) एनालिसिस"। (₹ 24,00,000)
39. बी. श्रीनागेश, उस्मानिया विश्वविद्यालय, हैदराबाद, तेलंगाना "स्टेटस ऑफ ड्रिंकिंग वाटर रिसोर्सेज सस्टेनेबिलिटी यूजिंग जी आई एस एंड डिजिटल डेटा बेस एनालिसिस एंड थीमेटिक मैपिंग ऑफ रंगारेड्डी डिस्ट्रिक्ट ऑफ तेलंगाना स्टेट"। (₹ 10,70,000)
40. शैलेश कुमार दिवाकर, रामजस कॉलेज, डीयू, दिल्ली "अंडरस्टैंडिंग स्पेशल स्टेटस ऑफ जम्मू एंड कश्मीरः ए स्टडी ऑफ इट्स इंपैक्ट ऑन द अपवर्ड मोबिलिटी ऑफ एससी, एसटी, ओबीसी एंड माइनॉरिटी हिंदूज़ सिंस इंडिपेंडेंस"। (₹ 19,60,000)
41. सुंदर राज टी., पेरियार विश्वविद्यालय, सालेम, तमिलनाडु "हेल्थ सीकिंग बिहेवियर ऑफ मलयाली ट्राईबल वूमेन इन सेलम डिस्ट्रिक्ट ऑफ तमिलनाडु"। (₹ 10,00,000)

अनुसंधान कार्यक्रम (जारी) (अनुसूचित जनजाति श्रेणी)

42. रामदास रूपावत, सेंटर फॉर ह्यूमन राइट्स, एस एस एस, यूनिवर्सिटी ऑफ हैदराबाद, तेलंगाना, "एजुकेशनल स्टेटस ऑफ वूमेन एंड गर्ल चाइल्ड ऑफ शेड्यूल्ड ट्राइब इन तेलंगाना एंड आंध्र प्रदेशः एन एक्सपीरियंस ऑफ बेटी बचाओ एंड बेटी पढ़ाओ"। (₹ 5,00,000)
43. सॉईहियामलॉग डांगमेई, आईजीएनटीयू, रीजनल कैंपस, मणिपुर, "पॉलिटिक्स ऑफ एथनिक प्ल्युरेलिटी एंड टेरीटोरियलिटी इन मणिपुरः क्लेम्स एंड काउंटरक्लेम्स"। (₹ 20,20,000)
44. एन. जी. नगलेंग्म, आईजीएनटीयू, अमरकंटक, एमपी, "गो टू विलेज मिशन ऑफ बीजेपी गवर्नमेंट इन मणिपुर सिंस 2017ः ए स्टडी ऑफ सोशियो– पोलिटिकल एंड इकोनोमिक चेंजेज़ इन ट्राइबल एरियाज़ ऑफ मणिपुर"। (₹ 5,00,000)
45. यारुइंगम अवुंग्शि डीयू, दिल्ली "द इम्पॉर्टेंस ऑफ अफ्रीका इन इंडियाज़ क्वेस्ट फॉर एनर्जी रिसोर्सेस एंड इमरजिंग एनर्जी चैलेंजेज़ः इग्ज़ामिनिंग चाइना फैक्टर"। (₹ 16,00,000)
46. जॉर्ज टी हाओकिप, आईजीएनटीयू, रीजनल कैंपस, मणिपुर, "प्रॉब्लम्स प्रोस्पेक्टस एंड कंपैरेटिव स्टडी ऑफ एडमिनिस्ट्रेटिव स्ट्रक्चर्स एंड गवर्नमेंट ऑफ सिक्स्थ शेड्यूल इन नॉर्थ ईस्ट ऑफ द कॉन्स्टिट्यूशन"। (₹ 10,00,000)

"कोविड–19 कोरोना वायरस महामारी के समाज विज्ञानी आयामों पर शोध अध्ययन" पर विशेष कॉल के तहत स्वीकृत परियोजनाएं

1. स्मिता मिश्र पांडा, सेंचुरियन यूनिवर्सिटी ऑफ टेक्नोलॉजी एंड मैनेजमेंट, भुवनेश्वर, ओडीशा, "विमेन एंड डॉमेस्टिक वायलेंस ड्यूरिंग टाइम्स ऑफ कोविड–19 इनसाइट्स फ्रॉम ओडीशा"। (₹ 2,80,000)
2. संगीता शर्मा, बिट्स, पिलानी, "ए स्टडी ऑन इम्पैक्ट एसेसमेंट टूल्स टू रेगुलेट पॉजिटिव थिंकिंग इन द सोसाइटी ड्यूरिंग कोविड–19"। (₹ 7,80,000)
3. रामानंद, आईसीएसएसआर–एनआरसी, नई दिल्ली, "गांधियन ग्राम स्वराज – कम्बैटिंग मेकैनिज्म टू इकोनॉमिक चैलेंजेज़ ऑफ कोविड–19"। (₹ 7,00,000)

4. सतीश कुमार, मालवीय राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान, जयपुर, "एग्जामिनिंग इफेक्टिवेनेस ऑफ ऑनलाइन टीचिंग इन रिस्पांस टू कोविड–19 पैनडेमिकः एन इंडियन कॉन्टेक्स्ट"। (₹ 4,80,000)

5. अभिनव कुमार, आईसीएसएसआर–एनआरसी, नई दिल्ली, "एम्पिरिकल स्टडी ऑफ़ इम्पैक्ट ऑफ़ कोविड–19 ऑन एजुकेशन सेक्टर इन इंडियाः एग्जामिनिंग द रोल ऑफ टेक्नोलॉजिकल इंटरवेंशन्स"। (₹ 5,70,000)

6. जयश्री कृष्णन, सेंट जोसेफ कॉलेज ऑफ इंजीनियरिंग चेन्नई, "मैनेजिंग द साइकोलोजिकल वेल बीइंग ऑफ रिमोट वर्किंग एम्प्लाइज ड्यूरिंग कोविड–19 पैनडेमिक"। (₹ 3,25,000)

7. वरुण दत्त, आईआईटी, मंडी, "इवेलुएशन ऑफ रिस्क परसेप्शन, फीयर, सोशल डिस्टेंसिंग, मास्क एंड ट्रीटमेंट्स रिगार्डिंग कोविड–19 इन इंडिया एंड यूएसए"। (₹ 3,25,000)

8. आर. रेवती, इरोड आर्ट्स एंड साइंस कॉलेज, इरोड, "रोल ऑफ जन धन योजना फाइनेंसियल इन्क्लुजन इन रेजिस्टेंस ऑफ कोविड –19"। (₹ 2,47,000)

9. अभिजीत सिन्हा, विद्यासागर विश्वविद्यालय,पश्चिम बंगाल, "विल द एक्सपीरियंस ऑफ कोविड–19 लॉकडाउन पीरियड ब्रिंग अबाउट ए पैराडाइम शिफ्ट इन द टीचिंग लर्निंग प्रोसेस इन हायर एजुकेशन इन इंडिया? ए स्टडी बेस्ड ऑन वेस्ट बंगाल"। (₹ 2,00,000)

10. श्रीजीत ए., एनआईटी, मंगलुरु, "पॉलिसीज फॉर कोंपिटेंसी–बेस्ड इ–पार्टिसिपेशन एंड कॉन्शसनेस मेटाफर्स ऑफ कोविड–19"। (₹ 1,90,000) (अ.जा.)

11. वी. रमा देवी, एनआईटी, वारंगल, "ट्रांज़ीशन टू रिमोट लर्निंग ड्यू टू कोविड–19 – द एक्सपीरियंसेज़ ऑफ फैकल्टी ऑफ हायर एजुकेशन इंस्टीट्यूशंस इन इंडिया"। (₹ 1,90,000)

12. सीमा कुमारी लाडसरिया केआईआईटी, भुवनेश्वर, "मेकैनिज्म आफ ओरिजिन एंड प्रोपैगेशन ऑफ कॉग्निटिव डिस्टॉर्शन इन चेंजिंग फॉर्म ऑफ पब्लिक स्फीयर ड्यूरिंग कोविड एंड पोस्ट कोविड स्टेट"। (₹ 3,00,000)

13. कौस्तुभ कांति रे, केआईआईटी, भुवनेश्वर, "कोविड–19 पैनडेमिक एंड डिटर्मिनंट्स ऑफ डिप्रेसिव सिम्प्टम्स अमंग ओल्डर पीपल"। (₹ 2,60,000)

14. प्रसनजीत चाणक, भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, काशी हिंदू विश्वविद्यालय, वाराणसी, "इन्वेस्टिगेटिंग रिस्क फैक्टर्स एंड प्रिडिक्टिंग कॉम्प्लिकेशंस इन कोविड–19 पेशेंट्स विद मशीन लर्निंग एल्गोरिथम्स"। (₹ 4,50,000)

15. शोभना एच, लोकप्रिय गोपीनाथ बरदलई रीजनल इंस्टीट्यूट ऑफ मेंटल हेल्थ (एलजीबीआरआईएमएच), तेजपुर, "साइकोलोजिकल कॉन्सेक्वेंसेज़ ऑफ कोविड–19 रिलेटेड लॉकडाउन ऑन पर्सन्स विद डिसेबिलिटीज़ एंड देयर केयर–गिवर्स"। (₹ 3,10,000)

16. राजेंद्र कुमार पांडेय, सीसीएस यूनिवर्सिटी, मेरठ, "सोशल वॉलिंटियरिज़्म एंड पॉलीटिकल रिजीम्स ड्यूरिंग कोविड–19 पैनडेमिक : ए कंपैरेटिव स्टडी ऑफ़ सेवा भारती इनडेवर्स इन हरिद्वार (उत्तराखंड) एंड हावड़ा (वेस्ट बंगाल) डिस्ट्रिक्ट्स"। (₹ 8,00,000)

17. डी. पी. सकलानी, एचएनबी गढ़वाल विश्वविद्यालय, श्रीनगर, उत्तराखंड, "एन एम्पीरिकल स्टडी ऑफ सोशियो–इकोनामिक कंडीशन्स ऑफ रिवर्स माइग्रेंट्स इन उत्तराखंड पोस्ट कोविड–19"। (₹ 8,00,000)

18. एन. ललिता, जीआईडीआर, अहमदाबाद, "कोविड–19 इण्ड्यूस्ड वल्नरेबिलिटीज एंड कॉपिंग स्ट्रैटेजीज़ ऑफ स्मॉल प्रोड्यूसर्सः टू केस स्टडीज फ्रॉम गुजरात एंड तेलंगाना"। (₹ 740,000)

19. ए.के. रविशंकर, अन्नामलाई विश्वविद्यालय, अन्नामलाई, "इम्पैक्ट ऑफ़ कोविड–19 ऑन रीडिफाइनिंग द फैमिली सिस्टम इन तमिलनाडु, इंडिया"। (₹ 7,00,000)

20. संजय कुमार, डॉ. हरि सिंह गौर विश्वविद्यालय, सागर, मध्यप्रदेश, "नर्चरिंग रिजिलिएंस टू कोप विद एक्जिस्टेंशियल एंग्ज़ायटी स्टीरियोटाइप एंड थ्रेट्स अमंग हाई–रिस्क पापुलेशनः साइकोथैरेप्यूटिक इंटरवेंशन्स ड्यूरिंग कोविड–19 पैनडेमिक"। (₹ 6,00,000) (अ.जा.)

21. वी. भारती हरिशंकर, मद्रास विश्वविद्यालय, चेन्नई, "कॉपिंग स्ट्रैटेजीज़ अडॉप्टेड बाय वल्नरेबल ग्रुप्स टू निगोशिएट प्री–कैरिटी ड्यूरिंग कोविड–19 (लॉकडाउन) इन तमिलनाडु – एन एक्सप्लोरेट्री स्टडी ऑफ इंटरसेक्शनल फ़ैक्टर्स"। (₹ 6,00,000)

22. प्रकाश चंद्र कांडपाल, दयाल सिंह सांध्य महाविद्यालय, दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली, "कोविड–19 क्राइसिस एंड द चैलेंजेज़ एंड 'अपॉर्चुनिटीज़' ऑफ 'रिवर्स माइग्रेशन': ए केस स्टडी ऑफ स्याल्दे ब्लॉक, अल्मोड़ा डिस्ट्रिक्ट, उत्तराखंड"। (₹ 8,00,000)

23. सारथी आचार्य, आईएचडी, दिल्ली, "इम्पैक्ट ऑफ़ कोविड–19 ऑन वॉटर, सैनिटेशन एंड हाइजीन (WASH) इन अर्बन एरियाज़: ए स्टडी ऑफ दिल्ली स्लम्स"। (₹ 12,00,000)

24. अवीना मेंडोसा, आईआईएम, नागपुर, "फ्लेक्सिबल अरेंजमेंट्स एंड जेंडर्ड आउटकम्सः इम्पैक्ट ऑफ कोविड–19"। (₹ 5,40,000)

25. रविंद्र कुमार गुप्ता, पीजी डीएवी कॉलेज (सांध्य), नई दिल्ली, "इमरजेंस ऑफ न्यू सेल्फ–रिलाएंट इंडिया–ट्रांसफॉर्मिंग चैलेंजेज़ इंटू अपॉर्चुनिटीज़ इन कॉन्टेक्स्ट ऑफ कोविड–19"। (₹ 13,13,550)

26. अशोक एच. एस., शैक्षणिक एवं समाजशास्त्रीय अध्ययन केंद्र, प्रजाननम, बेंगलुरु, "पॉलिसी फ्रेमवर्क फॉर पोस्ट पैनडेमिक डेवलपमेंट नीड्स ऑफ इंडिया – अंडरपिनिंग द नीड ऑफ सेल्फ– रिलायंस"। (₹ 6,50,000)

27. गजेंद्र के. विश्वकर्मा, इंडियन स्कूल ऑफ माइन्स, आईआईटी (आईएसएम), धनबाद, "नार्मल एक्टिविटी इनीशिएशन बाइ यूजिंग आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस बेस्ट टेक्नोलॉजी टू फाइट अगेंस्ट कोविड–19 इन डिफरेंट हॉट–स्पाट्स ऑफ इंडिया"। (₹ 4,90,000)

28. पुरुषोत्तम बंग, आरवीआईएम, बंगलुरु, "फोस्टरिंग हेल्थ सेफ्टी मेजर्स अमंग वल्नरेबल ग्रुप ड्यूरिंग पैनडेमिक आउटब्रेकः ए स्टडी विद स्पेशल रेफरेंस टू स्ट्रीट वेंडर्स इन बंगलुरु"। (₹ 4,80,000)

29. प्रियंका त्रिपाठी, भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (IIT), पटना, "मैपिंग डॉमेस्टिक एब्यूज एंड वायलेंस इन द टाइम ऑफ कोविड–19ः ए स्टडी फ्रॉम बिहार"। (₹ 500000)

30. अभिलाष बाबू, महात्मा गांधी विश्वविद्यालय, कोट्टायम, केरल, "इम्पैक्ट ऑफ रिस्क कम्युनिकेशन ऑन पीपल्स परसेपशंस ऑफ कोविड–19ः इम्प्लीकेशंस ऑन द स्टेट ऑफ केरला"। (₹ 4,70,000) (अ.जा.)

31. जागृति रोहित, आईसीएआर–सेंट्रल रिसर्च इंस्टीट्यूट ऑफ ड्राइलैंड एग्रीकल्चर, न्यू दिल्ली, "बिहेवियरल सर्विलेंस ऑफ फारमर्स इन द वेक ऑफ कोविड–19ः ए साइको–सोशल स्टडी"। (₹ 4,50,000)

32. प्रदीप देशमुख, अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (AIIMS), नागपुर, "सोशल कनेक्टेडनेस एंड मेंटल हेल्थ स्टेटस अमंग एल्डरली ड्यूरिंग कोविड–19 पैनडेमिक"। (₹ 4,50,000)

33. वीना ए. सत्यनारायण, निमहंस (NIMHANS), बंगलुरु, "परसीव्ड स्टिग्मा एंड डिस्क्रिमिनेशन इन कोविड–19 पेशेंट्स एंड फ्रंटलाइन हेल्थ केयर प्रोवाइडर्सः ए मिक्स्ड मेथड्स स्टडी"। (₹ 4,40,000)

34. के. उन्नीकृष्णन, सीयूके, तिरुअनंतपुरम, "डेवलपिंग पोर्टफोलियो एसेसमेंट इन स्कूल्स इन द पोस्ट कोविड सिनेरिओ"। (₹ 5,00,000)

35. रमेश सालियान, तुमकूर विश्वविद्यालय, कर्नाटक, "यूज़ ऑफ इनफॉरमेशन एंड कम्युनिकेशन टेक्नोलॉजी इन कंटेनिंग कोविड–19 इंपैक्ट ऑन इंडियन एग्रीकल्चर–ए स्टडी"। (₹ 4,50,000)

36. एन. मणि, इरोड आर्ट्स एंड साइंस कॉलेज, इरोड, "ए स्टडी ऑन रेनफेड एग्रीकल्चरः एन इन्स्ट्रूमेंट फॉर क्रिएशन ऑफ गेनफुल एंप्लॉयमेंट एंड कॉर्नरस्टोन फॉर काउंटर माइग्रेशन"। (₹ 4,30,000) (अ.जा.)

37. राजीव कुमार पांडा, एनआईटी, राउरकेला, "इम्पैक्ट ऑफ कोविड–19 क्राइसिस ऑन स्टार्ट–अप फंडिंग इकोसिस्टम इन इंडिया सोशियो–इकोनामिक एंड पॉलिसी रिकमेंडेशंस"। (₹ 4,30,000)

38. राहुल, टी. एम., आईआईटी, रोपड़, "इम्पैक्ट ऑफ कोविड–19 पैन्डेमिक ऑन ट्रेवल बिहेवियर ऑफ पीपल"। (₹ 4,20,000)

39. महाती चित्तम, आईआईटी, हैदराबाद, "'होम वर्क' इन द टाइम ऑफ कोविड–19ः ए लोंगिट्यूडनल क्वालिटेटिव स्टडी ऑफ लॉक डाउन ऑन मदर्स इन हैदराबाद, तेलंगाना"। (₹ 4,00,000)

40. सुमा सिंह, माउंट कार्मेल कॉलेज, बंगलुरु, "प्रीज्यूडिस एंड प्रो–ज्यूडिस : 'विच–हंटिंग' ड्यूरिंग कोविड–19 पैनडेमिक"। (₹ 4,00,000)

41. दीपाली हलोई, पांडू महाविद्यालय, गुवाहाटी, "इम्पैक्ट ऑफ कोविड–19 पैनडेमिक ऑन एक्सेस ऑफ मैटरनल हेल्थ केयर बाइ अंडरप्रिविलेज्ड विमेन इन असम"। (₹ 4,00,000) (अ.जा.)

42. तरुण कुमार गर्ग, सत्यवती महाविद्यालय, दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली, "द आइडिया ऑफ सेल्फ–रिलायंस एंड अंडरस्टैंडिंग इट्स इम्पैक्ट इन इम्प्रूविंग सोशियो–इकोनामिक कंडीशन्स आफ माइग्रेंट लेबरर्स"। (₹ 5,00,000)

43. अनिर्बन सरकार, पश्चिम बंगाल राज्य विश्वविद्यालय, बेरुनानपुकुरिया, "ए स्टडी ऑन स्ट्रेस लेवल ऑफ

फ्रंटलाइन हेल्थ वर्कर्स ड्यूरिंग कोविड–19 इन इंडियन पर्सपेक्टिव"। (₹ 4,00,000)

44. जे. एम. असगरली पटेल, अन्नामलाई विश्वविद्यालय, अन्नामलाई, "द साइकोलॉजिकल कॉन्सेक्वेंसेज ऑफ कोरोनावायरस पैनडेमिक अमंग मेडिकल एंड पैरामेडिकल प्रोफेशनल्स"। (₹ 3,90,000)

45. सत्यप्रिय राउत, हैदराबाद विश्वविद्यालय, हैदराबाद, "कोविड–19 रिस्क एंड एडेप्टेशन स्ट्रैटेजीज़ : मैनेजिंग द कोरोना क्राइसिस थ्रू डिसेंट्रलाइज्ड लोकल गवर्नमेंट्स"। (₹ 3,90,000)

46. कविता इंदापुरकर, एमिटी विश्वविद्यालय, नोएडा, "एनालाइजिंग द फैक्टर्स डिटरमिनिंग हेल्थ सीकिंग बिहेवियर ऑफ स्ट्रीट वेंडर्स एंड इनफ्लुएंस ऑफ नज (Nudge) ड्यूरिंग प्रेजेंट पैनडेमिक"। (₹ 3,75,000)

47. बृजबल्लभ कार, केआईआईटी विश्वविद्यालय, भुवनेश्वर, "सोशल ट्रस्ट सर्वकवाल (SERVQUAL) मॉडल एंड सर्विस कन्ज़म्पशनः ए कोविड–19 स्टडी"। (₹ 3,50,000)

48. आदित्य केसरी मिश्रा, ओडीशा केंद्रीय विश्वविद्यालय, कोरापुट, ओडीशा, "कोविड–19 लॉकडाउन एंड स्ट्रेनडेड माइग्रेशनः एन स्टडी ऑन स्ट्रैंडेड माइग्रेंट वर्कर्स ऑफ ओडीशा"। (₹ 3,50,000)

49. बी.पी. निर्मला, निमहंस (NIMHANS), बंगलुरु, "स्टिग्मा एक्सपीरियंस्ड बाइ पर्सन्स विद कोविड–19 एंड देअर फैमिली मेंबर्सः एंड एक्सप्लोरेट्री स्टडी"। (₹ 3,40,000)

50. गीता जोशी, तिलक महाराष्ट्र विद्यापीठ, पुणे, "ए स्टडी ऑफ वल्नरेबिलिटी, चैलेंजेज़ फेस्ड बाइ सर्विस प्रोवाइडर्स एंड पर्सपेक्टिव्ज़ ऑफ कम्युनिटी टुवड्र्स डाइमेंशंस ऑफ़ कोरोना वायरस पैनडेमिक विद स्पेशल रेफरेंस टू महाराष्ट्र"। (₹ 3,35,000)

51. माधवी एस. कुलकर्णी, एसएनडीटी आट्र्स एंड कॉमर्स कॉलेज फॉर विमेन, मुंबई, "ए स्टडी ऑफ इम्पैक्ट ऑफ कोविड–19 सीएसआर फंडिंग ऑन ऑनगोइंग सीएसआर (कॉरपोरेट सोशल रिस्पांसिबिलिटी) प्रोजेक्ट्स ऑफ कंपनीज़ इन इंडिया विद स्पेशल रेफरेंस टू सीएसआर प्रोजेक्ट्स ऑफ़ कंपनीज इन पुणे"। (₹ 3,20,000)

52. स्मिता पिल्लई, द भोपाल स्कूल ऑफ सोशल साइंसेज, हबीबगंज, भोपाल, "ए कंप्रिहेंसिव स्टडी ऑफ़ स्टार्टअप्स री–ड्राफ्टिंग देअर बिजनेस ट्रैक्स अमिड कोविड–2019 पैनडेमिक लिंक्ड विद भोपाल स्कूल ऑफ सोशल साइंसेज इनक्यूबेशन सेंटर एंड इट्स इनक्यूबेशन पार्टनर्स"। (₹ 3,00,000)

53. महालक्ष्मी टी. जिपममेर, पांडिचेरी, "एसरटेनिंग द पॉजिटिव ट्रांसफॉरमेशन इन द हेल्थ सिस्टम एंड कम्युनिटी ड्यू टू कोविड–19 पैनडेमिक : ए फेनोमेनोलॉजिकल अप्रोच"। (₹ 2,90,000)

54. शिवानी बसु दुबे, द भोपाल स्कूल आफ सोशल साइंसेज, भोपाल, "इम्पैक्ट एसेसमेंट ऑफ डिजिटल टीचिंग इन हायर एजुकेशन ऑन द स्टेकहोल्डर्स ड्यूरिंग कोविड–19 पैनडेमिक इन सेंट्रल इंडियाः ए पेडगॉजिकल पर्सपेक्टिव"। (₹ 3,00,000)

55. मनीष कुमार मिश्रा, हैदराबाद विश्वविद्यालय, हैदराबाद, "इन्वेस्टिगेटिंग द इम्पॉर्टेंस ऑफ पोस्ट–लॉकडाउन मेजर्स ऑन लैंग्वेज एडेप्टेशन"। (₹ 2,60,000)

56. धनंजय त्रिपाठी, एनआईटी, सिक्किम, "कोविड–19 एंड इट्स इम्पैक्ट ऑन सिक्किम ए स्टडी ऑफ हाउ एंड व्हाइ सिक्किम बिकम एन एक्सेप्शन"। (₹ 2,50,000)

57. सुरिंदर जसवल, टीआईएसएस (TISS), मुंबई, "मेकिंग द 'इनविजिबल' 'विजिबल' : एन एक्सप्लोरेशन इन टू द जेंडर इम्पैक्ट्स ऑफ़ लॉकडाउन एंड सोशल डिस्टेंसिंग इन लो इनकम अर्बन सेटलमेंट्स ऑफ मुंबई"। (₹ 3,00,000)

58. आरिफ बिल्ला डार, श्री माता वैष्णो देवी विश्वविद्यालय, कटरा, "डिड पीएम गरीब कल्याण योजना 2020 एंड कम्युनिटी पार्टिसिपेशन वर्क ड्यूरिंग कोविड–19? इम्पैक्ट एसेसमेंट ऑफ कोविड–19 रेड ज़ोन्स ऑफ जम्मू एंड कश्मीर"। (₹ 2,27,000)

59. रेनू जताना, एम एल सुखाड़िया विश्वविद्यालय, जयपुर, "ए स्टडी ऑन कंसीक्वेंसेस ऑफ कोविड–19 ऑन इंडियन प्रोफेशनल्स इमीग्रेशन टू यूएसए"। (₹ 3,00,000)

60. पी.बी. देसाई, शिवाजी विश्वविद्यालय, कोल्हापुर, "द लाइफ एंड कंट्रीब्यूशन आफ एक्रीडिटेड सोशल हेल्थ सर्विसेज एक्टिविस्ट्स इन द टाइम ऑफ कोविड–19 विद स्पेशल रेफरेंस टू वेस्टर्न महाराष्ट्र"। (₹ 2,00,000)

61. मानवी मजूमदार, सीएसएसएस, कोलकाता, "कम्युनिटी बेस्ड हेल्थ केयर कैपेसिटी बिल्डिंगः ए कन्वर्सेशन बिटवीन बायो–मेडिकल एंड सोशियो– डेमोग्राफिक, पर्सपेक्टिव्स"। (₹ 6,00,000)

62. मंजुला बत्रा, नॉर्थकैप यूनिवर्सिटी, गुरुग्राम, "द प्लाइट ऑफ माइग्रेट लेबरर्स ड्यूरिंग द कोविड–19 पैनडेमिक इन दिल्ली – ए सोशियो–लीगल स्टडी"। (₹ 3,00,000)

63. हुमायूं अख्तर नज़्मी, जेएमआई, दिल्ली, "सोशल मॉडल ऑफ कम्बैटिंग कोविड–19 एंड सेल्फ डिपेंडेंट इंडिया मिशन"। (₹ 4,00,000)

64. मंजूषा पांडे, केआईआईटी, भुवनेश्वर, "रोल्स एंड इम्पैक्ट ऑफ आशा (एक्रेडिटेड सोशल हेल्थ एक्टिविस्ट) वर्कर इन कम्बैटिंग कोविड–19: केस स्टडी भुवनेश्वर"। (₹ 3,00,000)

65. टेरेसा एल खावज़ाल, कॉटन विश्वविद्यालय, गुवाहाटी, "एन एनालिटिकल स्टडी ऑफ सोशल एंड कम्युनिटी ड्रिवन प्रिपेरेडनेस, चैलेंजेज़ एंड रिस्पांसेस टू कोविड–19"। (₹ 3,00,000) (अ.ज.जा.)

66. सरोज शर्मा, जीजीएसआईपी, विश्वविद्यालय, दिल्ली, "ए स्टडी ऑफ वर्चुअल स्पेस, पेडागोजिक कल्चर एंड एजेंसी ऑफ टीचर्स: एन इंडियन नरेटीव्ज़ एंड फ्रेमवर्क ऑफ पोस्ट–कोविड–19"। (₹ 9,97,000)

67. डी. पार्थसार्थी, आईआईटी, मुंबई, "परफॉरमिंग आर्ट्स इंडस्ट्री: द इकोनोमिक एंड लाइवलिहुड इम्प्लिकेशंस ऑन आर्टिस्ट्स एंड कल्चरल इम्पैक्ट ऑन सोसाइटी ड्यू टू कोविड–19"। (₹ 7,50,000)

68. शुभा रंगनाथन, आईआईटी, हैदराबाद, "डिसेबिलिटी, फैमिली, एंड केयर इन द टाइम ऑफ कोविड–19"। (₹ 6,60,000)

69. संजय जैन, आईएलएस लॉ कॉलेज, पुणे, "सोशियो–लीगल इकोनोमिक एंड साइकोलॉजिकल इम्प्लीकेशंस ऑफ कोरोना ऑन द लाइव्स ऑफ पर्सन विद डिसेबिलिटी इन जनरल एंड विजुअली चैलेंज्ड पर्सन्स इन पार्टिकुलर इन पुणे डिस्ट्रिक्ट: एन एथिकल एंड सिचुएशनल एनालिसिस"। (₹ 6,00,000)

70. ए. रंगारेड्डी, एसवी विश्वविद्यालय, तिरुपति, "कोविड–19 बाई डेमोक्रेटिक वे चेक इट परमानेंटली एंड मेक अर्थ ऐज़ हेवन"। (₹ 5,00,000)

71. मर्ज़बान जल, आईआईई, पुणे, "एथिकल कम्युनिटेरियनिज़्म: टैकलिंग कोविड–19 इन महाराष्ट्र"। (₹ 5,30,000)

72. सुदेशना लाहिड़ी, कोलकाता विश्वविद्यालय, कोलकाता, "असेसमेंट ऑफ़ ऑनलाइन टीचिंग ऐज़ ए चेंज इन पेडागॉजी"। (₹ 4,00,000)

73. ई. अरविंद राज, निमहंस, बंगलुरु, "साइको–सोशल इम्पैक्ट ऑफ़ कोविड–19 ऑन रूरल चिल्ड्रन"। (₹ 4,00,000)

74. गुड्डी लैशराम, जवाहरलाल नेहरू चिकित्सा महाविद्यालय, दत्ता मेघे इंस्टीट्यूट ऑफ़ मेडिकल साइंसेज़, वर्धा, "मेंटल हेल्थ एंड साइको–सोशल एसेसमेंट अमंग कोविड–19 वारियर्स यूजिंग द जनरलाइज्ड एंग्ज़ायटी डिसऑर्डर–7 आइटम (जीएडी–7) स्केल एंड ग्लोबल मेंटल हेल्थ एसेसमेंट टूल (जीएमएचएटी) इन वर्धा डिस्ट्रिक्ट ऑफ सेंट्रल इंडिया"। (₹ 3,20,000)

वृहद् अनुसंधान परियोजनाएं (जारी) (सामान्य श्रेणी)

वाणिज्य

1. दीपिका गौतम, हिमाचल प्रदेश राष्ट्रीय विधि विश्वविद्यालय, शिमला, "इम्पैक्ट ऑफ एमजीएनआरईजीए (MGNREGA) on सोशियो–इकोनामिक स्टेटस ऑफ ट्राईबल पीपल इन हिमाचल प्रदेश"। (₹ 7,30,000)

2. एस. जयशंकर, कुमारागुरु कॉलेज आफ टेक्नोलॉजी, सर्वनामापत्ति, तमिलनाडु, "इन्वेस्टिगेशन ऑन द परफारमेंस इंडिकेटर्स (के पी आई) ऑफ लो परफॉर्मिंग खादी इंस्टीट्यूशंस एंड डेवलपमेंट ऑफ़ ग्रोथ स्ट्रेटजीज़ फॉर देअर बिजनेस एडवांसमेंट"। (₹ 5,55,000)

3. मोहम्मद शाहिद, एएमयू, अलीगढ़, "डिज़ाइन एंड एनालिसिस आफ नोवेल पोर्टफोलियो सिलेक्शन मॉडल टू ऑप्टिमाइज रिटर्न ऑन रिस्क यूजिंग इवोल्यूशनरी ऑप्टिमाइजेशन मेथड्स"। (₹ 6,00,000)

4. एस पार्थसारथी, उस्मानिया विश्वविद्यालय, हैदराबाद, "कॉरपोरेट सिकनेस सोशियो–इकोनामिक पॉलीटिकल एंड लीगल इश्यूज एंड इम्प्लीकेशंस"। (₹ 14,50,000)

5. पुगाजेन्थि वी., राजा सेरफोजि गवर्नमेंट कॉलेज, तमिलनाडु, "इफेक्टिवनेस ऑफ आयुष्मान भारत हेल्थ इंश्योरेंस स्कीम इन एंसुइंग यूनिवर्सल हेल्थ कवरेज: एन इम्पेरिकल स्टडी इन तंजावुर डिस्ट्रिक्ट, तमिलनाडु"। (₹ 9,90,000)

6. विक्रम संधू, यूनिवर्सिटी बिजनेस स्कूल, गुरुनानक देव विश्वविद्यालय, अमृतसर, पंजाब, "ग्रीन बैंकिंग फॉर सस्टेनेबल डेवलपमेंट फॉर स्टडी ऑफ बैंकिंग सेक्टर इन पंजाब"। (₹ 5,00,000)

7. रतुल दत्ता, शिबसागर कॉमर्स कॉलेज, असम, "ए स्टडी ऑन चेंजिंग रोल ऑफ सेल्फ–सेविंग ग्रुप्स इन फाइनेंसियल इंक्लूजन ऑफ वुमन एंड इट्स इंपैक्ट ऑन फॉर्मल फाइनेंशियल सिस्टम विद स्पेशल रेफरेंस टू डिब्रूगढ़ डिस्ट्रिक्ट आफ असम"। (₹ 6,30,000)

8. पी. विद्याप्रिया, कोंगू इंजीनियरिंग कॉलेज, तमिलनाडु, "ए स्टडी ऑन एंटरप्रेन्योरल एटीट्यूड्स एंड स्टार्टअप अटेम्प्ट्स इन रूरल तमिलनाडु"। (₹ 7,30,000)

9. डी. जोएल जेबादुरई, आचार्य इंस्टीट्यूट आफ ग्रेजुएट स्टडीज़ सोलवनहल्ली, बेंगलुरु, "क्लाइमेट चेंज एंड इट्स इफेक्ट ऑन एग्रीकल्चरल पैटर्न एंड लाइफस्टाइल ऑफ फारमर्स इन द सिलेक्टेड एग्रो–क्लाइमेटिक जोन्स ऑफ कर्नाटक – सजेस्ट मेज़र फॉर ए पॉलिसी फ्रेमवर्क"। (₹ 6,60,000)

सांस्कृतिक अध्ययन

10. करण सिंह, गवर्नमेंट कॉलेज फॉर विमेन, महेंद्रगढ़, हरियाणा, "सिंक्रेटिक स्पेसेज़ एंड पिल्ग्रिमेजः मेकिंग ऑफ ए नेशन"। (₹ 9,50,000)

11. नासिर रज़ा खान, जेएमआई, दिल्ली "सूफ़ीज्म एंड मल्टी–कल्चरलिज्म इन इंडियाः इट्स इम्पैक्ट ऑन कंटेंपरेरी सोसायटी"। (₹ 7,10,000)

12. जोया चक्रवर्ती, तेजपुर विश्वविद्यालय, तेजपुर, "हिस्टोरिकल कंटिन्यूटी एंड कल्चरल कोनोटेशंस ऑफ द मास्क ट्रेडिशन ऑफ नॉर्थ ईस्ट इंडिया"। (₹ 9,70,000)

13. एस. उमा मंगेश्वरी, अविनाशिलिंगम इंस्टीट्यूट फॉर होम साइंस एंड हायर एजुकेशन फॉर विमेन, कोयंबटूर, "सोशियो–कल्चरल एक्सप्लोरेटिव स्टडी ऑन एथनिक फूड्स ऑफ तमिलनाडु"। (₹ 7,75,000)

अर्थशास्त्र

14. सूर्या तिवारी, आई एस आई डी, नई दिल्ली, "स्पैशियल डायनामिक्स ऑफ मैन्युफैक्चरिंग लैंडस्केप इन इंडियाः डिस्ट्रिक्ट लेवल कम्पैरेटिव एनालिसिस ऑफ प्री एंड पोस्ट रिफॉर्म कांटेक्स्ट"। (₹ 5,00,000)

15. एन. राजशेखर, श्री सरस्वती त्यागराज कॉलेज, तमिलनाडु "इम्पैक्ट ऑफ एग्रीकल्चर वैल्यू चैन एंड फूड वैल्यू चेन ऑन स्माल फॉर्म एग्रीकल्चर ट्रांसफॉरमेशन एंड सस्टेनेबिलिटी"। (₹ 5,00,000)

16. सुधीर कुमार सेन, त्रिपुरा यूनिवर्सिटी, त्रिपुरा "स्टडी ऑन इंटर–रिलेशनशिप बिटवीन सरफेस ट्रांसपोर्टेशन नेटवर्क एंड पैटर्न ऑफ कमोडिटी फ्लोज़ इन नॉर्थ ईस्टर्न रीजन ऑफ़ इंडिया"। (₹ 12,00,000)

17. दीपाली हांडा, डीएवी कॉलेज, जालंधर, पंजाब, "डिजिटल वे टू फाइनेंसियल इंक्लूजनः इकोनॉमिक्स ऑफ न्यू ग्रोथ एजेंडा"। (₹ 10,00,000)

18. एम. वसीम खान, देवी अहिल्या विश्वविद्यालय, मध्य प्रदेश, "मॉडर्नाइजेशन ऑफ एग्रीकल्चर एंड लेबर फैक्टर प्रोडक्टिविटीः ए कम्पैरेटिव स्टडी ऑफ लार्ज एंड मार्जिनल फार्मर्स इन मध्य प्रदेश"। (₹ 10,20,000)

19. मनी दीप रॉय, त्रिपुरा विश्वविद्यालय, त्रिपुरा, "एन इवैल्यूएशन ऑफ हेल्थ केयर सर्विसेज अंडर नेशनल रूरल हेल्थ मिशन (एनआरएचएम) इन त्रिपुरा"। (₹ 13,30,000)

20. एस लिंगामूर्ति, कर्नाटक केंद्रीय विश्वविद्यालय, "एन इम्पीरिकल एनालिसिस ऑन एंप्लॉयमेंट एंड प्रोडक्टिविटी ऑफ माइक्रो एंड स्मॉल स्केल इंटरप्राइजेज विद रेफरेंस टू सेलेक्टेड क्लस्टर्स इन तेलंगाना"। (₹ 11,50,000)

21. एस तीनाथलयन, द मदुरा कॉलेज, मदुरई, "एन इकोनॉमिक्स स्टडी ऑफ अर्बन सॉलिड वेस्ट मैनेजमेंट विद रेफरेंस टू मदुरई स्मार्ट सिटी तमिलनाडु"। (₹ 9,90,000)

22. अरुण कुमार आर. कुलकर्णी, सीएमडीआर, धारवाड़, कर्नाटक, "स्टेटस एंड मैनेजमेंट ऑफ ग्रेजिंग लैण्ड्स इन कर्नाटक"। (₹ 8,40,000)

23. नीलाद्रि शेखर धर, एशियन डेवलपमेंट रिसर्च इंस्टीट्यूट, बिहार, "फार्मर्स इन्कमः इश्यूज़ डिटर्मिननेंट्स एंड स्ट्रैटेजीज़"। (₹ 7,75,000)

24. राजेश भाऊसाहेब लहाने, डॉक्टर बाबासाहेब अंबेडकर मराठवाड़ा विश्वविद्यालय, महाराष्ट्र, "सोशियो इकोनामिक स्टडी आफ बैकवर्ड क्लासेज़ एंटरप्रेन्योर्स इन मराठवाड़ा रीजन"। (₹ 10,00,000)

25. तूलिका भट्टाचार्य, सेंट जोसेफ कॉलेज (स्वायत्त), बेंगलुरु, "डिस्क्रिमिनेशन इन मैटरनल हेल्थ केयर एंड इट्स इम्पैक्ट ऑन फीमेल लेबर फोर्स पार्टिसिपेशनः ए स्टडी ऑफ इंडियन इकोनामी"। (₹ 5,00,000)

26. डेज़ी दास, कॉटन विश्वविद्यालय, असम, "क्रॉप लॉस एंड फार्मर्स वल्नरेबिलिटी टू पॉवर्टी इन असमः द रोल ऑफ इंस्टीट्यूशंस एंड सेफ्टी नेट्स"। (₹ 11,00,000)

27. शाईजुमोन सी. एस., इंडियन इंस्टीट्यूट आफ स्पेस साइंस एंड टेक्नोलॉजी, केरल, "लाइफ–लाइन फॉर

रिमोट इंडियाः ए स्टडी ऑन टेलीमेडिसिन यूनिट्स इन इंडिया"। (₹ 13,00,000)

28. संहिता अठवले, श्री सिद्धिविनायक महिला महाविद्यालय, पुणे, "वेलफेयर री–सेटेलमेंट एंड इम्पावरमेंट पॉलिसीज फॉर वार विडोज़ इन महाराष्ट्रः एन इम्पीरिकल स्टडी (1999–2019)"। (₹14,75,000)

29. सुरोजीत साइकिया, गरगांव कॉलेज, असम, "सस्टेनेबल एग्रीकल्चर प्रैक्टिसेज अमंग द ट्राइब्स ऑफ नॉर्थ ईस्ट इंडिया"। (₹ 10,00,000)

30. छत्रपाल, आर. जे. महाविद्यालय, रायपुर, यूपी, "एनालिसिस ऑफ सप्लाई चेन ऑफ मेजर फ्रूट्स एंड वेजिटेबल्स एंड पॉसिबिलिटी इन वैल्यू एडिशन ऑफ यूपी"। (₹ 7,90,000)

31. रीता चौहान, सेंट एलोसियस कॉलेज, जबलपुर, "रोल ऑफ रुरल लाइवलिहुड डाइवर्सिफिकेशन टू रिड्यूस एग्रीकल्चरल डिस्ट्रेसः ए केस स्टडी ऑफ मध्यप्रदेश"। (₹ 6,90,000)

32. कृतिका वी. खंडारे, डॉ. बाबासाहेब अंबेडकर मराठवाड़ा विश्वविद्यालय, औरंगाबाद, "निगोशियेटिंग स्कार्सिटीः ए स्टडी ऑफ़ मैनेजमेंट स्ट्रेटजीज़ ऑफ सक्सेसफुल फारमर्स इन ड्राउट अफेक्टेड मराठवाडा रीज़न"। (₹ 6,90,000)

33. कुमार बिजोय, शहीद सुखदेव कॉलेज ऑफ बिजनेस स्टडीज़, डीयू, नई दिल्ली, "इंक्रीजिंग इम्पैक्ट ऑफ गवर्नमेंट वेल्फेयर पॉलिसीज़ फॉर सोशल एंड फाइनेंशियल इंक्लूजन थ्रू टेक्नोलोजिकल इंटीग्रेशन इन इंडिया"। (₹ 6,40,000)

शिक्षा

34. मोहम्मद आसिफ शाह, राजकीय महाविद्यालय, बांदीपोरा, "हायर एजुकेशन एफिशिएंसी इन जे एंड के (J&K): एन इंपीरिकल स्टडी"। (₹ 15,00,000)

35. विशाल समर्थ, सहयाद्री कॉलेज ऑफ इंजीनियरिंग एंड मैनेजमेंट, मंगलुरु, "स्किल एसेसमेंट एंड ट्रेंनिंग टू इम्पावर फीमेल स्टूडेंट्स ऑफ गवर्नमेंट अंडरग्रेजुएट कॉलेजेज़ ऑन एम्प्लायबिलिटी – ए स्टडी इन दक्षिण कन्नड़ डिस्ट्रिक्ट कर्नाटक"। (₹ 3,10,000)

36. टी. जी. अमुथावल्ली, एसपीएमवी, तिरुपति, "प्रिडिक्टिव पावर ऑफ कॉग्निटिव स्किल्स ट्रेंनिंग इन इन्हांसिंग रीडिंग कंप्रीहेंशन एंड इमोशनल इंटेलिजेंस ऑफ हियरिंग– इंपेयर्ड स्टूडेंट्स"। (₹ 11,00,000)

37. आर. बाग्धा वाचला पेरूमल, गांधी–ग्राम रूरल इंस्टीट्यूट, गांधीग्राम "सोशियो इकोनामिक स्टेटस एंड एजुकेशनल अटेनमेंट आफ फीमेल चिल्ड्रन ऑफ टी गार्डन वर्कर्स इन सदर्न डिस्ट्रिक्ट ऑफ तमिलनाडु"। (₹ 4,75,000)

38. ओम मिश्रा, डॉ. भीमराव अंबेडकर महाविद्यालय कॉलेज, यमुना विहार, दिल्ली, "राजधानी दिल्ली के उच्च शिक्षा संस्थानों में दिव्यांग विद्यार्थियों की शिक्षा के प्रति अध्यापकों की अभिवृत्ति का अध्ययन"। (₹ 8,00,000)

39. मीनाक्षी इंगोले, डीयू, दिल्ली, "साइबर बुलीइंग ऑफ फीमेल्स एट इंडियन हायर एजुकेशन इंस्टीट्यूशंसः एक्सप्लोरेशन ऑफ स्टैटसः इश्यूज, चैलेंजेज़ एंड इम्प्लीमेंटेशन आफ इनीशिएटिव्स"। (₹ 8,90,000)

40. टी. सुमालिनी, यूनिवर्सिटी ऑफ हैदराबाद, तेलंगाना, "नई तालीम और लाइवलिहुड एजुकेशन"। (₹ 4,00,000)

41. शीला शर्मा, कालिंदी कॉलेज ऑफ एजुकेशन, रायपुर, "इम्पैक्ट ऑफ डिफरेंट योगिक प्रैक्टिसेस ऑन लाइफ सेटिस्फेक्शन, फ्रस्ट्रेशन, टॉलरेंस, स्ट्रेस, एंड एंग्ज़ाइटी इन रिलेशन टू जेंडर"। (₹ 9,00,000)

42. ए.वी. भारती, तोलानी कॉमर्स कॉलेज, आदीपुर– कच्छ (गुजरात), "ए स्टडी ऑफ द इम्पैक्ट ऑफ सोशल मीडिया ऑन स्टूडेंट्स राइटिंग स्किल इन इंग्लिश लैंग्वेज एट द अंडर ग्रैजुएट लेवल"। (₹ 5,00,000)

43. तारिका सिकरवार, प्रेस्टीज इंस्टिट्यूट ऑफ़ मैनेजमेंट, ग्वालियर, "री–इमेजिनिंग द रोल ऑफ टेक्नोलॉजी इन एजुकेशनः स्टूडेंट एंड टीचर परसेप्शन एंड यूसेज ऑफ स्वयम प्लेटफार्म फॉर लर्निंग"। (₹ 9,00,000)

44. अमित गंगोटिया, सेंट्रल यूनिवर्सिटी ऑफ़ जम्मू, जम्मू, "क्रिएटिंग स्किल्ड लैंडस्केप ऑफ ह्यूमन कैपिटल थ्रू वोकेशनल एजुकेशन इन टूरिज्म एट स्कूल एंड अंडर ग्रेजुएट लेवलः चैलेंजेज़ एंड अपॉर्चुनिटीज़ इन द कांटेक्स्ट ऑफ हिमाचल प्रदेश, भारत"। (₹ 8,50,000)

45. एम. वेंकटेशन, भारतीय विदेश व्यापार संस्थान, नई दिल्ली "माइंडफुलनेस, लर्नेड ओप्टिमिज़्म, हैप्पीनेस एंड अचीवमेंट अमंग गवर्नमेंट स्कूल चिल्ड्रन ऑफ दिल्ली"। (₹ 8,45,000)

पर्यावरण अध्ययन

46. मधुसूदन बांदी, जी आई डी आर, अहमदाबाद, "ट्राईबल्स, फॉरेस्ट राइट्स एंड हेरिटेज कंजर्वेशनः ए स्टडी ऑफ वेस्टर्न घाट्स इन कर्नाटक"। (₹ 8,35,000)

47. जयंत गोगोई, जोगानंदा देव सत्रधाकर गोस्वामी कॉलेज, असम, "बायोडायवर्सिटी कंजर्वेशन रिजर्व विज़ा–वी सस्टेनेबल डेवलपमेंटः ए केस स्टडी इन बायोडायवर्सिटी हॉटस्पॉट वर्ल्ड हेरिटेज साइट, काजीरंगा नेशनल पार्क टू असम"। (₹ 5,00,000)

लैंगिक (Gender) अध्ययन

48. झरना पाठक, जी आई डी आर (GIDR), अहमदाबाद "सोशियो–लीगल सपोर्ट सिस्टम इन प्रोटेक्टिंग द वीमेन विक्टिम्स ऑफ डोमेस्टिक वायलेंसः ए क्रिटिकल स्टडी ऑफ लॉ विद स्पेशल रेफरेंस टू अहमदाबाद, गुजरात"। (₹ 5,00,000)

49. रितु त्यागी, पांडिचेरी विश्वविद्यालय, पांडिचेरी, "ए स्टडी ऑफ रिलेशनशिप बिटवीन विमेन एंड हिंदुइज्म विद इन द शिफ्टिंग सोशियो–पॉलिटिक्स ऑफ पोस्ट–इंडेंचर्ड इंडियन डायसपोरा"। (₹ 4,80,000)

50. कुशाग्र जोशी, आईसीएआर–वीपीकेएएस, अल्मोड़ा, उत्तराखंड, "जेंडर डायनॉमिक्स इन एग्रीकल्चरल इन्फार्मेशन नेटवर्क यूसेज अमंग हिल फ़ार्मर्स ऑफ़ नॉर्थ वेस्टर्न एंड नॉर्थ ईस्टर्न हिमालयन रीजन्स ऑफ इंडिया"। (₹ 10,75,000)

51. मालिनी एल तान्त्री, आई एस ई सी (ISEC), बेंगलुरु, "जेंडर एंड आईडेंटिटी विद रेफरेंस टू नॉर्थ ईस्टर्न माइग्रेंट्स इन बेंगलुरु"। (₹ 7,00,000)

52. सुजा रॉय अब्राहम, ठाणे महाविद्यालय, महाराष्ट्र, "स्टडी ऑफ इको–फेमिनिज्म इन द एग्रीकल्चरल फोक सॉन्ग्स ऑफ केरल"। (₹ 6,75,000)

53. सुरैया तबस्सुम, जेएमआई, दिल्ली, "अंडरस्टैंडिंग द रोल एंड रिलीवेंस ऑफ कम्युनिटी पुलिसिंग इन क्राईम प्रिवेंशन अगेंस्ट चिल्ड्रन, विमेन एंड सीनियर सिटीजंसः ए केस स्टडी ऑफ दिल्ली एनसीआर"। (₹ 4,00,000)

54. नामीराकपम सुरजीत कुमार, इंदिरा गांधी राष्ट्रीय आदिवासी विश्वविद्यालय, मणिपुर, "यूथ एंड स्किल डेवलपमेंट इन मणिपुरः ए क्रिटिकल अप्रेजल विद स्पेशल फोकस ऑन यंग विमेन"। (₹ 7,00,000)

55. अलिवा मोहंती, रामादेवी विमेंस यूनिवर्सिटी, ओडीशा, "एग्रोफॉरेस्ट्री मैनेजमेंट फॉर सस्टेनेबल लाइवलिहुड एंड एम्पावरमेंट ऑफ रूरल विमेन आफ ओडीशा विद स्पेशल रेफरेंस टू नुआपाड़ा डिस्ट्रिक्ट आफ ओडीशा"। (₹ 9,00,000)

भूगोल

56. शीतल एच शुक्ला, गुजरात विश्वविद्यालय, अहमदाबाद, "असेसमेंट ऑफ सोशियो–इकोनामिक वल्नरेबिलिटी आफ एग्रीकल्चरल सेक्टर टुवर्ड्स वोलेटाइल क्लाइमेट ऑफ गुजरात बाइ यूजिंग जी आई एस एंड रिमोट सेंसिंग टेक्नीक्स"। (₹ 11,00,000)

57. महावीर सिंह जगलान, कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय, कुरुक्षेत्र, हरियाणा, "स्पैशियलिटी एंड डायनामिक्स ऑफ सोशियो–इकोनामिक डेवलपमेंट इन हरियाणाः एनालिसिस एंड कंसीक्वेंसेज़"। (₹ 10,10,000)

58. स्वाति राजपूत, डीयू, दिल्ली, "मैपिंग एंड एनालाइजिंग द लैंड यूज, लैंड कवर एंड फूड इनसिक्योरिटी इन राजस्थान"। (₹ 5,75,000)

59. सप्तर्षि मित्रा, त्रिपुरा विश्वविद्यालय, त्रिपुरा, "ट्राईबल कल्चर एंड प्रॉब्लम्स प्रोस्पेक्टस एंड स्ट्रैटेजीज़ फॉर डेवलपमेंट आफ टूरिज्म इकोनामी इन त्रिपुरा : अ ज्योग्राफिकल अप्रेजल"। (₹ 7,45,000)

60. कुणाल केसरी, जी बी पंत सामाजिक विज्ञान संस्थान, इलाहाबाद, "अंडरस्टैंडिंग द पैटर्न एंड प्रोसेसेस ऑफ टेंपरेरी एंड परमानेंट लेबर माइग्रेशन फ्रॉम रूरल झारखंडः एन एक्सप्लोरेट्री स्टडी"। (₹ 9,00,000)

61. राम नागेश प्रसाद, बाबासाहेब भीमराव अंबेडकर बिहार विश्वविद्यालय, लखनऊ, यूपी, "ऐड्रेसिंग स्पैशियो–टेंपोरल पैटर्न्स ऑफ़ ह्यूमन वाइल्डलाइफ कॉन्फलिक्ट इन इको– सेंसेटिव जोन ऑफ वाल्मीकि टाइगर रिजर्व, बिहार"। (₹ 4,80,000)

स्वास्थ्य अध्ययन

62. गीतांजलि नारायणन, नेशनल इंस्टीट्यूट आफ मेंटल हेल्थ एंड न्यूरोसाइंसेज (निमहंस) बेंगलुरू, "कैनाबिस इनीशिएशन, नॉर्मेटिव बिलीव्स, एक्सपेक्टेंसीज़ एंड आईडेंटिटी डेवलपमेंट अमंग यंग एडल्ट्स स्टडीइंग इन कॉलेजः ए नेशनल स्टडी"। (₹ 5,90,000)

63. अजय मुरलीधर भामरे, रामानंद आर्य डीएवी कॉलेज, मुंबई, "अ स्टडी ऑन असेसमेंट ऑफ रोल ऑफ प्राइमरी हेल्थ केयर सेंटर्स इन सोशल हेल्थ केयर डेवलपमेंट ऑफ विलेजेज़ इन महाराष्ट्र"। (₹ 8,00,000)

इतिहास

64. भूपेंद्र सिंह, गुरु गोविंद सिंह कॉलेज, पंजाब, "ब्रिटिश इंडिया इन द फर्स्ट वर्ल्ड वॉर रोल ऑफ पंजाब इन मेसोपोटामिया"। (₹ 4,90,000)

65. जॉन एस.पी., यूनिवर्सिटी कॉलेज, तिरुअनंतपुरमः "ए स्टडी ऑन इम्पैक्ट ऑफ रिवर्स इन द सोशियो–कल्चरल लाइफ ऑफ रूरल एंड अर्बन पॉपुलेशन इन केरल"। (₹ 7,00,000)

अंतर्राष्ट्रीय अध्ययन

66. मनन द्विवेदी, भारतीय लोक प्रशासन संस्थान (आईआईपीए), नई दिल्ली, "ए स्टडी ऑफ इंडियाज़ फॉरेन पॉलिसीः फ्रॉम नेहरूवियन पीरियड टिल डेट"। (₹ 9,00,000)

विधि

67. मुरारी प्रसाद वर्मा, मेरठ कॉलेज, मेरठ "ए सोशियो–लीगल एंड मेडिकल एनालिसिस ऑफ सरोगेसी एंड ऑफ प्रपोज्ड लॉ इन इंडिया"। (₹ 5,00,000)

प्रबंधन

68. उदय शंकर, कोनेरू लक्ष्मैया एजुकेशनल फाउंडेशन, ए. पी., "रूरल वुमेन एम्पावरमेंट इन सोलर पावर सेक्टर ऑफ़ ईस्ट एंड वेस्ट गोदावरी डिस्ट्रिक्ट्स आफ आंध्र प्रदेश"। (₹ 7,00,000)

69. सोनल ठुकराल, दिल्ली टेक्नोलॉजिकल यूनिवर्सिटी, नई दिल्ली,: "ए स्टडी ऑफ कंज्यूमर्स एंड प्रोड्यूसर्स पार्टिसिपेशन एंड बिहेवियर टुवर्ड्स ई–वेस्ट मैनेजमेंट इन दिल्ली एनसीआर"। (₹ 8,75,000)

70. शिव कुमार गुप्ता, एचएनबी गढ़वाल विश्वविद्यालय, श्रीनगर गढ़वाल, उत्तराखंड, "बिहेवियरल इंटेंशंस टूवर्ड्स द यूज़ ऑफ सेलेक्टेड मोबाइल वॉलेट्स फॉर डिजिटल पेमेंट्स"। (₹ 7,00,000)

71. मनोज कुमार दास, खल्लीकोट विश्वविद्यालय, ओडीशा, "इन्वेस्टिगेटिंग द रोल ऑफ सोशल मीडिया इन ऐड्रेसिंग पब्लिक हेल्थ डेवलपमेंट इश्यूज इन इंडियाः ए मल्टी क्राइटेरिया डिसीजन मेकिंग अप्रोच"। (₹ 8,00,000)

72. सी. विश्वनाथ रेड्डी, रायलसीमा विश्वविद्यालय, करनूल, "इम्पैक्ट ऑफ़ डेयरी फार्मिंग ऑन सोशियो– इकोनामिक एम्पावरमेंट ऑफ विमेन इन ड्राउट प्रोन बैकवर्ड विलेजेज़ –ए स्टडी विद रेफरेंस टू रायलसीमा रीजन ऑफ आंध्र प्रदेश"। (₹ 5,50,000)

73. अंजू बाला, देव समाज कॉलेज फॉर विमेन, फिरोजपुर, पंजाब, "सोशल ट्रांसफॉरमेशन एंड स्वच्छ भारत अभियानः अ स्टडी ऑन द पंजाब स्टेट ऑफ इंडिया"। (₹ 5,00,000)

74. मो. कैसर आलम, डीएस कॉलेज, निकट अचल ताल, जीटी रोड, अलीगढ़, यूपी, "मैनेजमेंट, चैलेंजेज़ एंड प्रोस्पेक्ट्स ऑफ वॉटर रिसोर्सेस इन वेस्टर्न उत्तर प्रदेशः ए केस स्टडी ऑफ़ डिस्ट्रिक्ट अलीगढ़ एंड बुलंदशहर"। (₹ 5,25,000)

75. आर. सुब्रमण्यम भारती, पेरियार विश्वविद्यालय, तमिलनाडु, "एन अप्रेजल ऑफ अवेयरनेस परसेप्शन एंड डिजिटल कॉम्पिटेन्सी ऑफ टीचर्स ऑफ एफ़िलिएटेड कॉलेजेज़ ऑफ़ पेरियार यूनिवर्सिटी टुवर्ड्स ई–लर्निंग रिसोर्सेस एंड मेथाडोलॉजीज़ इन हायर एजुकेशन"। (₹ 9,80,000)

76. परवेज अब्दुल्ला, बाबा गुलाम शाह बादशाह विश्वविद्यालय, जम्मू एवं कश्मीर, "रोल स्ट्रेस एंड कोपिंग स्ट्रैटेजीजः इट्स इंप्लीकेशन ऑन जेंडर वर्कफोर्स डिसपैरिटी इन द हेल्थ एंड हायर एजुकेशन सेक्टर्स"। (₹ 4,40,000)

मीडिया अध्ययन

77. वी. सुंदररामन मनोमनियम, सुंदरनगर विश्वविद्यालय, तिरुनेलवेली, "ए स्टडी ऑन मीडिया अक्सेसिंग पैटर्न एंड एंटरप्रेन्योरशिप अवेयरनेस अमंग रूरल यूथ इन सदर्न डिस्ट्रिक्ट्स ऑफ तमिलनाडु"। (₹ 5,00,000)

78. अलंकार कौशिक, ईएफएल विश्वविद्यालय, शिलांग कैंपस, मेघालय, "मीडिया सिस्टम्स इन ट्रांजिशन–लोकेटिंग द रीजनल लैंग्वेज मीडिया इन नॉर्थ ईस्ट इंडिया"। (₹ 8,00,000)

राजनीति विज्ञान

79. आशिमा साहू, रावेनशा विश्वविद्यालय, कटक, ओडीशा, "वल्नरेबलटी, डिप्राइवेशन एंड वेल–बीइंग ऑफ द जेरियार्टिक पर्सन्स इन ओडीशाः चैलेंजेस एंड अपोर्चुनिटीज"। (₹ 10,00,000)

80. मनीषा माधव, एसएनडीटी महिला विश्वविद्यालय, मुंबई, "विमेन ऐज़ 'डिजिटल सब्जेक्ट्स' इन इंडियाः निगोशिएटिंग वल्नरेबिलिटीज़ एंड बिल्डिंग एम्पावरमेंट"। (₹ 9,25,000)

81. निशांत कुमार, डीयू, दिल्ली, "एनालाइजिंग द इंप्लीमेंटेशन ऑफ स्वच्छ भारत अभियान : ए स्टडी ऑफ वेस्ट चंपारण डिस्ट्रिक्ट ऑफ बिहार"। (₹ 3,80,000)

82. रितु गोयल, एनआरसी– आईसीएसएसआर, नई दिल्ली, "पॉलीटिकल इथोज़ ऑफ़ दिल्ली – मेकिंग ए केस फॉर जेंडर इंक्लूसिव गवर्नेंस"। (₹ 8,00,000)

83. जीवन एच. पवार, श्री शिवाजी कॉलेज ऑफ़ आर्ट्स, कामर्स एंड साइंस, अकोला, महाराष्ट्र, "एन एनालिटिकल स्टडी ऑफ़ बैकवर्ड क्लास विमेन्स पार्टिसिपेशन इन पंचायती राज सिस्टम इन अकोला डिस्ट्रिक्ट"। (₹ 6,00,000)

मनोविज्ञान

84. श्रुति नारायण, पटना विमेंस कॉलेज, पटना, "इम्पैक्ट ऑफ़ एरोडिंग कल्चर, फ्रैक्चरर्ड फैमिली एंड इनक्रोचिंग इंडिविजुअलिज्म ऑन ऐडोल्सेन्टप्प्ज़ लोनलीनेस एंड सुसाइडल आईडिएशन"। (₹ 9,50,000)

85. लक्ष्मी, सेंट्रल यूनिवर्सिटी आफ केरल, तिरुअनंतपुरम, "साइकोलॉजिकल केयर फॉर एजिंग एक्टिविटी एंड इंस्टीट्यूशनल केयर"। (₹ 7,95,000)

86. एन. धान्या, महात्मा गांधी विश्वविद्यालय, कोट्टायम, केरल, "असेसमेंट ऑफ़ जनरल वेल–बीइंग एंड प्रीवैलेंस ऑफ मेंटल हेल्थ इश्यूज इन अर्ली एडोलिसेंट्स"। (₹ 9,00,000)

87. आनंद प्रताप सिंह, गौतम बुद्ध विश्वविद्यालय, गौतम बुद्ध नगर, ग्रेटर नोएडा, यूपी, "पोस्ट इम्प्रिजनमेंट साइको–सोशल रिहैबिलिटेशन ऑफ जुवेनाइल डेलिक्वेंट्स"। (₹ 12,00,000)

88. प्रियंका कक्कड़, व्यवहार विज्ञान संस्थान, गुजरात फॉरेंसिक साइंसेज यूनिवर्सिटी, गांधीनगर, गुजरात, "डेवलपिंग न्यूरो सिग्नेचर सिस्टम बेस्ड प्रोफाइल ऑफ विक्टिम्स ऑफ डॉमेस्टिक वायलेंस"। (₹ 15,00,000)

89. लेखा डी. भट्ट, सेंट्रल यूनिवर्सिटी ऑफ तमिलनाडु, तिरुवरूर, तमिलनाडु, "डिप्रेशन अमंग एडोलसेंट्सः डेवलपमेंट ऑफ रिस्क एसेसमेंट टूल यूजिंग मल्टी–डिसीप्लिनरी, क्रॉस–कल्चरल अप्रोच"। (₹ 5,10,000)

90. वंश गोपाल सिंह, पंडित सुंदरलाल शर्मा (मुक्त) विश्वविद्यालय, छत्तीसगढ़, "इफेक्ट आफ साइको–सोशल इंटरवेंशन ऑन डिप्रेशन अमंग पीपल लिविंग विद एचआईवी/एड्सः ए स्टडी इन द कॉन्टेक्स्ट ऑफ सम साइको–डेमोग्राफिक वैरियेबल्स"। (₹ 8,90,000)

लोक प्रशासन

91. वी. एस. प्रसाद कांडी, कोनेरू लक्ष्मैया एजुकेशन फाऊंडेशन, ए.पी., "कॉरपोरेट सोशल रिस्पांसिबिलिटी फॉर रूरल डेवलपमेंटः एन एम्पेरिकल एनालिसिस ऑफ फर्म्स एंड बेनिफिशियरीज़ इन आंध्र प्रदेश"। (₹ 9,40,000)

संस्कृत

92. संजय कुमार, डॉ हरिसिंह गौर विश्वविद्यालय, सागर, मध्य प्रदेश, "कथासरित सागर में कथानक अभिप्राय एवं प्रतीकः एक समालोचनात्मक अध्ययन"। (₹ 2,62,000)

सामाजिक कार्य

93. वाई. विजिला, भारतिदासन विश्वविद्यालय, तिरुचिरापल्ली, तमिलनाडु, "एलाइड ऑक्यूपेशन स्ट्रैटेजीज़ टू फेस लाइवलीहुड चैलेंजेज़ अमंग द फ़ार्मर्स ऑफ कोस्टल डिस्ट्रिक्ट्स इन तमिलनाडु"। (₹ 7,00,000)

समाजशास्त्र

94. पी. सी. जोशी, डीयू, दिल्ली, "एन एसेस्मेंट ऑफ सोशल एंड मेंटल हेल्थ ऑफ कम्युनिटीज लिविंग ऑन द इंडिया–पाकिस्तान बॉर्डर इन जम्मू एंड कश्मीर"। (₹ 14,50,000)

95. आकाश पटेल, पीडीपी विश्वविद्यालय, गुजरात, "ए स्टडी ऑन सोशियो–इकोनामिक इम्पैक्ट ऑफ़ प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना"। (₹ 4,60,000)

96. गीता धर्मपाल, गुजरात विद्यापीठ, गुजरात, "रिड्रेसिंग द बैलेंसः महात्मा गांधी'ज़ एक्सपेरिमेंट्स विद कंस्ट्रक्टिंग एन अल्टरनेटिव सोसायटी"। (₹ 15,00,000)

वृहद् अनुसंधान परियोजनाएं (जारी) (अनुसूचित जाति)

वाणिज्य

97. के कृष्ण कुमार, पेरियार विश्वविद्यालय, तमिलनाडु, "प्रॉब्लम्स एंड प्रॉस्पेक्ट्स आफ रूरल विमेन एंटरप्रेन्योर्स इन इनफॉरमल सेक्टर विद रेफरेंस टू तमिलनाडु"। (₹ 11,00,000)

98. अरिंदम दास, बर्दवान विश्वविद्यालय, पश्चिम बंगाल, "इवैल्यूएशन ऑफ सर्विस क्वालिटी इन डिजिटल बैंकिंग सर्विसेजः ए स्टडी इन वेस्टर्न पार्ट ऑफ़ वेस्ट बंगाल"। (₹ 7,35,000)

अर्थशास्त्र

99. प्रताप चंद्र मोहंती, आईआईटी, रुड़की, उत्तराखंड, "एन इन्वेस्टिगेशन ऑफ प्ल्यूरलिस्टिक हेल्थ प्रैक्टिसेज एंड एडवर्स सेलेक्शन इन हेल्थकेयर अमंग ट्राईबल कम्युनिटीज इन मयूरभंज डिस्ट्रिक्ट ऑफ ओडीशा"। (₹ 10,00,000)

100. सुनील शेषराव नरवडे, डॉ बाबासाहेब आंबेडकर मराठवाड़ा विश्वविद्यालय, महाराष्ट्र, "पैटर्न्स ऑफ़ रूरल एम्प्लॉयमेट अमंग शेड्यूल्ड कास्ट्स इन इंडिया"। (₹ 6,30,000)

शिक्षा

101. बी. स्पोरथी, नेशनल इंस्टिट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी, वारंगल, "बिल्डिंग एन आर्टिफिशियली इंटेलिजेंट वर्चुअल लैबोरेट्री टू डेवलप एम्प्लॉयबिलिटी स्किल्स ऑफ इंजीनियरिंग स्टूडेंट्स 'AIVLES' एस टू ब्रिज द गैप बिटवीन कॉलेज एंड द कॉरपोरेट"। (₹ 2,00,000)

स्वास्थ्य अध्ययन

102. कहलेकर चांदोबा मारिबा, स्वामी रामानंद तीर्थ मराठवाड़ा विश्वविद्यालय, महाराष्ट्र, "चंद्रपूर जिल्हानिहाय कुष्ठरोग संबंधी समस्यांए: एक अध्ययन (महाराष्ट्र राज्य)"। (₹ 9,50,000)

103. एस. तिलंगावती, पेरियार विश्वविद्यालय, सेलम, तमिलनाडु, "स्टडी ऑन क्वालिटी ऑफ लाइफ ऑफ इंस्टिट्यूशनलाइज्ड सीनियर सिटीजंस इन सेलम तमिलनाडु"। (₹ 7,80,000)

इतिहास

104. नाना चंद ताराचंद वानखेड़े, श्री शिवाजी कॉलेज ऑफ़ आर्ट्स, कॉमर्स एंड साइंस महाराष्ट्र, "हिस्टोरिकल स्टडी ऑफ टूरिस्ट प्लेसेज़ इन विदर्भ"। (₹ 3,00,000)

105. रूप कुमार बर्मन, जादवपुर विश्वविद्यालय, कोलकाता, "हिस्टोरिकल लीगेसी एंड रीजनलिज्म इन इंडिया: ए स्टडी ऑन द रीजनलिज्म ऑफ पोस्ट– कॉलोनियल नॉर्थ बंगाल"। (₹ 9,00,000)

भाषा विज्ञान

106. टी. गीतेश, मदुरई कामराज विश्वविद्यालय, तमिलनाडु, "सोशल लिंग्विस्टिक आस्पेक्ट्स ऑफ मूवीज: ए स्टडी बेस्ड आन कंटेंपरेरी मलयालम मूवीज़"। (₹ 3,00,000)

प्रबंधन

107. लांडा रमेश, कोनेरू लक्ष्मैया एजुकेशनल फाउंडेशन, एपी, "फाइनेन्शियल इंक्लूजन स्ट्रैटेजीज़ एंड इट्स इम्प्लिमेंटेशन बाइ कमर्शियल बैंक्स: एन इम्पीरिकल स्टडी ऑफ रूरल हाउसहोल्ड्स इन आंध्र प्रदेश"। (₹ 7,00,000)

108. चमन लाल, हिमाचल प्रदेश केंद्रीय विश्वविद्यालय, धर्मशाला, एच.पी., "मार्केटिंग स्ट्रैटेजीज़ ऑफ ऑर्गेनिक प्रोडक्ट्स: एन इम्पीरिकल स्टडी ऑफ प्रोड्यूसर्स एंड कंज्यूमर्स"। (₹ 10,90,000)

मीडिया अध्ययन

109. लोकेश कुमार चंदेल, राजस्थान विश्वविद्यालय, जयपुर, "सांस्कृतिक रूपांतरण में मीडिया की भूमिका"। (₹ 4,00,000)

110. सी. सुरेश कुमार, पांडिचेरी विश्वविद्यालय, पुडुचेरी, "डिजिटल इंडिया रूरल यूथ: स्टडीइंग डिजिटल पेनेट्रेशन, रीच एंड यूसेज अमंग कॉलेज स्टूडेंट्स आफ तमिलनाडु एंड पांडिचेरी"। (₹ 5,00,000)

राजनीति विज्ञान

111. राखी पंचोला, शहीद दुर्गा मल्ल राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय, उत्तराखंड "सीमान्त जनपद उत्तरकाशी में कौशल विकास नित्येआम – रोजगार सृजन की संभावनाए"। (₹ 3,00,000)

मनोविज्ञान

112. यशपाल अशोकराव जोगदंड, आईआईटी, दिल्ली, "ग्रुप बेस्ड हयूमीलिएशन, सोशल आईडेंटिफिकेशन एंड जस्टिस प्रोसेसेज़: मल्टी–मेथड इन्वेस्टिगेशन"। (₹ 4,30,000)

लोक प्रशासन

113. प्रवेश कुमार, जेएनयू, नई दिल्ली, "पब्लिक पॉलिसी एंड गवर्नेंस इन इंडिया: स्ट्रेन्थेनिंग जस्टिस एंड इक्वलिटी अंडर मोदी गवर्नमेंट 2014–2019"। (₹ 11,30,000)

सामाजिक कार्य

114. ए मुथुलक्ष्मी, मिजोरम विश्वविद्यालय, आइजोल, "ए स्टडी ऑन इंटीग्रेटेड चाइल्ड डेवलपमेंट सर्विसेज

(आईसीडीएस) इन रूरल एरियाज ऑफ़ मिजोरम"। (₹ 8,00,000)

समाजशास्त्र

115. जितेंद्र कुमार प्रेमी, पंडित रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय, छत्तीसगढ़, "इंवॉल्वमेंट ऑफ मेन इन रिप्रोडक्टिव हेल्थः ए क्रॉस–कल्चरल कम्परेटिव इन्वेस्टिगेशन अमंग द ट्राईबल एंड रूरल मेल्स ऑफ छत्तीसगढ़"। (₹ 7,00,000)

वृहद अनुसंधान परियोजनाएं (जारी) (अ.ज.जा. श्रेणी)

सांस्कृतिक अध्ययन

116. अंगा पांडू, राजीव गांधी विश्वविद्यालय, अरुणाचल प्रदेश, "स्टेटस ऑफ वायलेंस अगेंस्ट चिल्ड्रन इन अरुणाचल प्रदेश"। (₹ 7,50,000)

शिक्षा

117. योदिदा भूटिया, सिक्किम विश्वविद्यालय, गंगटोक, "डेवलपमेंट ऑफ विमेंस एजुकेशन एंड प्रॉब्लम्स ऑफ विमेन स्टूडेंट्स इन हायर एजुकेशन इन सिक्किम"। (₹ 8,00,000)

भूगोल

118. चांगदेव किसान कुडनार, सावित्रीबाई फुले पुणे विश्वविद्यालय, पुणे, "ह्यूमन डेवलपमेंट इंडिकेटर्स अमंग प्रीमिटिव ट्राईबल ग्रुप्स (पीटीजी) इन नासिक, महाराष्ट्र"। (₹ 5,00,000)

प्रबंधन

119. सुमन शर्मा, हिमाचल प्रदेश केंद्रीय विश्वविद्यालय, धर्मशाला, "हैंडीक्राफ्ट टूरिज्मः ए सोर्स ऑफ कम्युनिटी डेवलपमेंट"। (₹ 12,00,000)

लोक प्रशासन

120. गुगुलोतु श्रीनू, केरल केंद्रीय विश्वविद्यालय, तिरुअनंतपुरम, "कंपैरेटिव स्टडी ऑन सोशियो– कल्चरल सबजुगेशन एंड स्ट्रक्चरल ट्रांसफॉरमेशन ऑफ नोमेडिक ट्राइब्स इन तेलंगाना स्टेट इन पोस्ट ग्लोबलाइज्ड एरा विद स्पेशल रेफरेंस टू बंजारा कम्युनिटी"। (₹ 7,00,000)

समाजशास्त्र

121. टी लोंगकई खामीनुंगन, हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय, हरियाणा, "रिजर्वेशन फॉर विमेन कस्टमरी लॉज़ एंड आर्टिकल 371एः ए नागा विमेन स्ट्रगल फॉर पावर शेयरिंग इन नागालैंड"। (₹ 12,90,000)

लघु अनुसंधान परियोजनाएं (जारी) (सामान्य श्रेणी)

वाणिज्य

1. मौशुमी चौधरी, यूनिवर्सिटी ऑफ साइंस एंड टेक्नोलॉजी, मेघालय, "असेसमेंट ऑफ बैंक एश्योरेंस बिजनेस फ्रॉम द पर्सपेक्टिव ऑफ कस्टमर्सः ए स्टडी इन असम"। (₹ 4,00,000)
2. सी. विजय बानु, (SASTRA) मानद विश्वविद्यालय, तंजावुर, तमिलनाडु, "टेक्नो–इकोनोमिक क्वालिटी ऑफ लाइफ (टीईक्यूओएल) फॉर सस्टेनेबल ग्रोथ ऑफ स्ट्रीट वेंडर्स इन द डिजिटल एरा – एन इंपीरिकल स्टडी विद स्पेशल रेफरेंस टू तमिलनाडु"। (₹ 4,00,000)
3. आई. सिद्दीक, श्री सरस्वती त्यागराज कॉलेज, पोलाची, तमिलनाडु, "इंटर–स्टेट माइग्रेंट वर्कमेन–ए पैराडाइम शिफ्ट इन लेबर एम्प्लॉयमेंट पैटर्न इन टेक्सटाइल सेक्टर इन तिरूपुर डिस्ट्रिक्ट"। (₹ 4,00,000)
4. सैयद आतिफ जिलानी, एएमयू, अहीरोन, पश्चिम बंगाल, "एन एम्पेरिकल स्टडी ऑन रूरल फाइनेंशियल इंक्लूजन इन मुर्शिदाबाद डिस्ट्रिक्ट ऑफ वेस्ट बंगाल"। (₹ 3,50,000)
5. के कुमुदा देवी, भरतियार विश्वविद्यालय, कोयंबटूर "सर्विस क्वालिटी एंड कस्टमर सैटिस्फैक्शन टुवर्ड्स डिजिटल बैंकिंग इन पोस्ट डिमॉनेटाइजेशन–रेफरेंस टू कोयंबटूर डिस्ट्रिक्ट"। (₹ 3,50,000)
6. पोपी देवी नाथ, सेंट एनेस कॉलेज फॉर विमेन, मेहदीपटनम, हैदराबाद, "ए कंपैरेटिव स्टडी ऑन सोशियो–इकोनामिक स्टेटस ऑफ विमेन टी– प्लांटेशन वर्कर्स इन असम एंड केरल"। (₹ 4,00,000)
7. रूही बखारे, डॉ. अंबेडकर इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट स्टडीज़ एंड रिसर्च, दीक्षाभूमि, नागपुर, "ह्यूमन रिसोर्सेज़ मैनेजमेंट इन हॉस्पिटल्स (एच आर एम) स्किल गैप अमंग हेल्थ केयर वर्कर्स–ए केस ऑफ़ कैंसर हॉस्पिटल्स इन विदर्भ"। (₹ 4,00,000)
8. टी. एस. कविता, श्री सरस्वती त्यागराज कॉलेज, पोलाची, "स्टडी ऑन मार्केट पोटेंशियल ऑफ एमएसएमई (माइक्रो, स्मॉल, मीडियम एंटरप्राइजेज़) कयर इंडस्ट्री इन कोयंबटूर डिस्ट्रिक्ट ऑफ तमिलनाडु"। (₹ 2,50,000)

9. आर. उमामाहेश्वरी, पीएसजी कॉलेज ऑफ़ आर्ट्स एंड साइंस, कोयंबटूर, "रूरल एंटरप्रेन्योरशिप एंड बिजनेस प्रोस्पेक्टसः एन इनसाइट स्टडी इन रूरल एरियाज़ ऑफ़ कोयंबटूर डिस्ट्रिक्ट"। (₹ 2,50,000)

10. अर्चना दुबे, सेज (SAGE) विश्वविद्यालय, इंदौर, मध्य प्रदेश, "एन एक्सप्लोरेशन इनटू एंटरप्रेन्योरशिप अपॉर्चुनिटीज़ इन टूरिज्म डेवलपमेंट ऑफ मध्य प्रदेश"। (₹ 4,00,000)

11. जी वेंकटासलापति, मनोमनियम सुंदरानार विश्वविद्यालय, तिरुनेलवेली, तमिलनाडु "ए स्टडी ऑन इंपैक्ट ऑफ़ अपैरल इंडस्ट्रीज़ इन विमेन एम्पावरमेंट इन तमिलनाडु विद स्पेशल रेफरेंस टू तूतूकुड़ी डिस्ट्रिक्ट"। (₹ 1,50,000)

12. एम. एस. रंजीत कुमार, डॉ. एन.जी.पी. आर्ट्स एंड साइंस कॉलेज, कोयंबटूर, "ए स्टडी ऑन फार्मर्स परसेप्शन ऑन डिफरेंट मार्केटिंग चैनल्स फॉर मेजर वेजिटेबल्स इन ऊटी एंड कोयंबटूर डिस्ट्रिक्ट्स ऑफ तमिलनाडु"। (₹ 3,00,000)

13. एन. भाग्यलक्ष्मी, नल्लामुथु गाउंडर महालिंगम महाविद्यालय, तमिलनाडु, "इन्वेस्टिगेशन एंड इम्प्लीमेंटेशन स्ट्रेटजी ऑफ जीएसटी ऑन स्मॉल एंड मीडियम ट्रेडर्स इन कोयंबटूर डिस्ट्रिक्ट, तमिलनाडु"। (₹ 2,50,000)

14. एस. उमंगमंगेश्वरी, एपीसी महालक्ष्मी कॉलेज फॉर विमेन, तमिलनाडु, "ए स्टडी ऑन माइक्रो–फाइनेंस बाइ नाबार्ड – इट्स इम्पैक्ट ऑन एसएचजी इन तूतुकुड़ी डिस्ट्रिक्ट"। (₹ 3,00,000)

15. एस. एन. वेंकटेश, शेषाद्रिपुरम फर्स्ट ग्रेड कॉलेज, बंगलुरु, "ऑर्गेनाइजेशनल क्लाइमेट, ऑर्गेनाइजेशनल कमिटमेंट एंड प्रोफेशनल डेवलपमेंट ऑफ टीचर्स वर्किंग इन फर्स्ट ग्रेड कॉलेजेज़ इन कर्नाटक"। (₹ 2,25,000)

16. आर. ए. लामेलु, शास्त्र विश्वविद्यालय, तंजावुर, तमिलनाडु, "एक्सेसेबल, एडोप्टेबल एंड सस्टेनेबल प्रैक्टिसेज ऑफ एनी टाइम लर्निंग थ्रू स्वयं– ए डिजिटल ट्रांसफॉरमेशन ऑफ हायर एजुकेशन इकोसिस्टम इन तमिलनाडु"। (₹ 2,00,000)

17. वंदना माधव कुमार, पीएसजीआर कृष्णम्मल कॉलेज फॉर विमेन, कोयंबटूर, "इम्पैक्ट ऑफ़ ह्यूमन रिसोर्स मैनेजमेंट प्रैक्टिसेज़ ऑन परफॉर्मेंस ऑफ एसएमई इन कोयंबटूर"। (₹ 3,00,000)

18. प्रियांशी गुप्ता, क्राइस्ट विश्वविद्यालय, बंगलुरु, "प्रेडिक्शन ऑफ़ कॉरपोरेट बैंकरप्सी यूजिंग ए न्यू इंटीग्रेटेड मॉडल फॉर इमर्जिंग इकोनामीज़ः एविडेंस फ्रॉम इंडिया"। (₹ 1,75,000)

19. भारती आर. हीरेमत, ए. एस. पाटिल वाणिज्य महविद्यालय (स्वायत्त) न्यू कैंपस, विजयपुर, "एन इवैल्यूएशन स्टडी ऑफ फंक्शनिंग ऑफ़ कोऑपरेटिव बैंक्स विद स्पेशल रेफरेंस टू कर्नाटक स्टेट"। (₹ 4,00,000)

20. जे. लिली, भरतियार विश्वविद्यालय, तमिलनाडु, "फार्मर्स परसेप्शन टुवर्ड्स ऑर्गेनिक फार्मिंग फॉर सस्टेनेबल लाइवलिहुड इन कोयंबटूर डिस्ट्रिक्ट"। (₹ 3,50,000)

21. दिलीप कुमार शर्मा, श्री वार्ष्णेय महाविद्यालय, अलीगढ़, "वैश्विक कारकों का उपभोक्ता व्यवहार पर प्रभाव : एक विश्लेषणात्मक अध्ययन (जनपद अलीगढ़ के विशेष सन्दर्भ में)"। (₹ 4,90,000)

22. वी. संगीता, श्री शारदा महिला महाविद्यालय, तिरुनेलवेली, "बेनिफिशियरीज़ ओपिनियन ऑन सर्विस सेक्टरः प्राइमरी हेल्थ सेंटर्स तूतुकुड़ी डिस्ट्रिक्ट"। (₹ 5,00,000)

23. एन. एस. शांति, के.एस.आर. कॉलेज ऑफ़ इंजीनियरिंग, तिरुचेंगोड़े, "इफेक्टिवनेस ऑफ इंफॉर्मेशन कम्युनिकेशन टेक्नोलॉजी फॉर अपलिफ्टमेंट ऑफ ट्राइब्स इन यरकाड हिल, सालेम"। (₹ 2,68,500)

सांस्कृतिक अध्ययन

24. भावेश एम. जेठावा, केएसकेवी, कच्छ विश्वविद्यालय, गुजरात, "कच्छी लोक संस्कृति का अध्ययनः वाओलॉंग भूभाग के संदर्भ में"। (₹ 4,00,000)

25. गीतार्थ गोस्वामी, जोरहाट महाविद्यालय, असम, "रोल ऑफ द सत्राज़ इन असमीज़ नेशन बिल्डिंग प्रोसेसः प्रॉब्लम्स एंड प्रोस्पेक्ट्स"। (₹ 4,00,000)

डायस्पोरा अध्ययन

26. जगजीत कौर, राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय, चंडीगढ़, "पंजाबी डायस्पोरा मैरेजेज़ लीडिंग टू स्ट्रेस अमंग द हस्बैंडलेस वाइव्स एंड फादरलेस चिल्ड्रन इन पंजाब"। (₹ 5,00,000)

अर्थशास्त्र

27. अर्चना श्रीवास्तव, बिरला इंस्टिट्यूट ऑफ़ टेक्नोलॉजी एंड साइंस, पिलानी, हैदराबाद, "इम्पैक्ट ऑफ मॉडर्न ऑर्गेनाइज्ड मल्टी ब्रांड रिटेल ट्रेड (एमओएमबीआरटी) ऑन स्ट्रीट वेंडर्सः केस स्टडी ऑफ़ टू कैपिटल सिटीज़ (हैदराबाद एंड भुवनेश्वर)"। (₹ 4,50,000)

28. मायला लामा, राजीव गांधी विश्वविद्यालय, अरुणाचल प्रदेश, "वैल्यूइंग इको–टूरिज्म इन सैक्रेड लेक ऑफ ईस्टर्न हिमालयाज़ः ए केस स्टडी ऑफ़ सांगेतसर (माधुरी) लेक इन तवांग डिस्ट्रिक्ट ऑफ अरुणाचल प्रदेश"। (₹ 3,00,000)

29. ध्यानेश्वर विष्णु गोरे, श्री व्यंकटेश आर्ट्स, कॉमर्स एंड साइंस कॉलेज, महाराष्ट्र, "एग्रेरियन क्राइसिस एंड फार्मर्स सुसाइड्स इन महाराष्ट्र स्टेटः ए कंपैरेटिव स्टडी ऑफ़ मराठवाडा एंड विदर्भ रीजन्स"। (₹ 3,00,000)

30. के.एस. हरि, गोखले इंस्टीट्यूट आफ पॉलिटिक्स एंड इकोनॉमिक्स, महाराष्ट्र, "इम्प्लॉयमेंट जेनरेशन थ्रू एफर्मेटिव एक्शनः ए केस स्टडी ऑफ़ प्रधानमंत्री मुद्रा योजना (पीएमएमवाई) इन पुणे डिस्ट्रिक्ट ऑफ महाराष्ट्र"। (₹ 4,00,000)

31. सुमित महाजन, कॉलेज ऑफ डेयरी साइंस एंड टेक्नोलॉजी, एल.यू.वी.एस., हरियाणा, "ए स्टडी ऑन चॉयस ऑफ अवेलिंग वेटरनरी सर्विसेज इन इंडिया"। (₹ 1,80,000)

32. श्रीराम एम., क्राइस्ट यूनिवर्सिटी (मानद विश्वविद्यालय) बंगलुरु, "इकोनामिक एंड ऑपरेशनल चैलेंजेज़ ऑफ रोडसाइड वेंडर्स इन बेंगलुरु"। (₹ 2,00,000)

33. सी. एथेना, पीएसजीआर कृष्णम्मल महिला महाविद्यालय, तमिलनाडु "एक्सेस टू वॉटर सैनिटेशन एंड मैनेजमेंट प्रैक्टिसेज एमंग सेलेक्टेड रूरल हाउसहोल्ड्स इन कोयंबटूर डिस्ट्रिक्टः ए कंटेंप्लेटिव एनालिसिस"। (₹ 3,00,000)

34. सैयद नोमान अहमद, एएमयू, अलीगढ़, "फॉर्म मैकेनाइजेशन एंड फीमेल लेबर पार्टिसिपेशन इन एग्रीकल्चर : ए स्टडी ऑफ इंडियन डिस्ट्रिक्ट्स"। (₹ 3,00,000)

35. राजेश गंगाखेड़कर, आई.पी.ई., हैदराबाद, "इवैल्यूएशन ऑफ उजाला प्रोग्राम – ए फोकस ऑन रेजिडेंशियल इलेक्ट्रिसिटी कंज्यूमर्स ऑफ सेलेक्टेड रीजन्स ऑफ़ हैदराबाद एंड रंगारेड्डी डिस्ट्रिक्ट"। (₹ 3,50,000)

36. दीपिका जोशी, सेंट जोसेफ कॉलेज ऑफ कॉमर्स (स्वायत्त), बंगलुरु, "गार्बेज कलेक्टर्स वेल बीइंग फॉर सस्टेनेबल कम्युनिटीजः ए स्टडी ऑफ बेंगलुरु मेट्रोपॉलिटन एरिया"। (₹ 2,50,000)

37. सगाया दोस, गवर्नमेंट आर्ट्स कॉलेज फॉर मेन, नंदनम, चेन्नई, "डिमांड फॉर एंड सप्लाई ऑफ हेल्थ इंश्योरेंस इन तमिलनाडु"। (₹ 3,00,000)

38. विनोद रतिराम बंसीले, श्री व्यंकटेश आर्ट्स, कॉमर्स एंड साइंस कॉलेज, महाराष्ट्र, "महाराष्ट्र के बुलढाना जिले के किसानों की आर्थिक एवं सामाजिक स्थिति पर संशोधित राष्ट्रीय कृषि बीमा योजना का होने वाला परिणाम–एक अध्ययन"। (₹ 3,00,000)

39. संगीता अरोड़ा, देव समाज महिला महाविद्यालय, फिरोजपुर सिटी, पंजाब, "सोशियो–इकोनामिक इम्पैक्ट ऑफ़ स्टबल बर्निंग इन पंजाब– ए स्टडी ऑफ डिस्ट्रिक्ट फिरोजपुर"। (₹ 3,00,000)

40. जयंत साउद, डिब्रूगढ़ विश्वविद्यालय, असम, "ए स्टडी ऑफ इम्पैक्ट ऑफ क्रॉपिंग इंटेंसिटी इन फार्मर्स इनकम जेनरेशन इन द ब्रह्मपुत्र वैली ऑफ असम"। (₹ 3,50,000)

41. राजेश आचार्य एच., राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान, कर्नाटक, "ऐसेसिंग द इम्पैक्ट आफ क्लाइमेट चेंज ऑन एग्रीकल्चर एंड एक्सप्लोरिंग द रोल ऑफ टेक्नोलॉजी इन एडेप्टेशन"। (₹ 4,05,000)

शिक्षा

42. अनीता नांगिया, देव समाज कॉलेज ऑफ एजुकेशन, चंडीगढ़, "पुअर चिल्ड्रन इन एफ्लूएंट स्कूल्सः ए स्टडी ऑफ इम्प्लीमेंटेशन ऑफ 25% फ्री एजुकेशन टू चिल्ड्रन बिलॉन्गिग टू इकोनॉमिकली वीकर सेक्शंस ऑफ सोसायटी अंडर सेक्शन 12(1)सी आरटीई 2009 इन प्राइवेट स्कूल्स ऑफ चंडीगढ़"। (₹ 4,00,000)

43. एम. पार्वती, भारतिदासन विश्वविद्यालय, तिरुचिरापल्ली, "डेवलपिंग मेटा–कॉग्निटिव स्ट्रेटेजी इनेबल्ड मॉड्यूल फॉर फोरकास्टिंग एम्पलायबिलिटी स्किल्स अमंग द पर्सन विद विज़न इंपेयरमेंट"। (₹ 4,50,000)

44. जादब दत्ता, हिमालयन विश्वविद्यालय, ईटानगर, अरुणाचल प्रदेश, "प्रॉब्लम्स एंड प्रोस्पेक्ट्स ऑफ विमेन एजुकेशन इन ईस्ट कामेंग (Kameng) डिस्ट्रिक्ट ऑफ अरुणाचल प्रदेश"। (₹ 4,50,000)

45. कीर्ति प्रजापति, एमजेपी रूहेलखण्ड विश्वविद्यालय, बरेली, उत्तर प्रदेश, "डेवलपिंग ए प्रोफेशनल एथिक्स प्रोग्राम फॉर टीचर एजुकेशन"। (₹ 4,50,000)

46. पाओनाम सुदीप मगांग, नेशनल इंस्टिट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी, मेघालय, "द यूज़ ऑफ ई–राइटर्स इन टीचिंग राइटिंग स्किल टू स्पेशल स्टूडेंट्स ऑफ द्वार जिन्नाकिरमेन"। (₹ 4,00,000)

47. निर्भय सिंह, भदावर विद्या मंदिर स्नातकोत्तर महाविद्यालय, आगरा, "मुस्लिम महिलाओं का शैक्षिक विकास और सांस्कृतिक बढ़ाई"। (₹ 3,00,000)

48. गौरी कुमार नंदा, आचार्य प्रफुल्ल चंद्र महाविद्यालय, कोलकाता, "एटीट्यूड ऑफ पेरेंट्स एंड टीचर्स टुवर्ड्स प्राइवेट एंड पब्लिक स्कूल एट एलिमेंट्री लेवल इन रूरल एरियाज ऑफ़ वेस्ट बंगाल"। (₹ 3,50,000)

49. गीता राय, डीयू, दिल्ली, "एजुकेशन एंड सोशल चेंजः ए स्टडी ऑफ गोरखा कम्यूनिटीज़ इन इंडिया"। (₹ 4,00,000)

50. निरंजन केपी नंदनम, कालीकट विश्वविद्यालय, केरल, "ऑक्यूपेशनल एस्पिरेशंस इन रिलेशन टु एकेडमिक अचीवमेंट ऑफ फिशरीज सेकेंडरी स्कूल स्टूडेंट्स ऑफ केरल"। (₹ 3,00,000)

51. सुनीता सिंह, डीयू, दिल्ली, "रोल ऑफ पंडित मदन मोहन मालवीय नेशनल मिशन ऑन टीचर्स एंड टीचिंग (पीएमएमएमएनएमटीटी) फॉर क्वालिटी एनहैंसमेंट इन हायर एजुकेशनः फॉर्मेटिव एसेसमेंट ऑफ फैकल्टी डेवलपमेंट सेंटर्स इन इंडिया"। (₹ 4,00,000)

52. विवेक सिंह, राजीव गांधी विश्वविद्यालय, अरुणाचल प्रदेश, "मोनास्ट्री सिस्टम ऑफ़ एजुकेशन इन अरुणाचल प्रदेश"। (₹ 4,00,000)

53. शबाना अशरफ, मौलाना आजाद राष्ट्रीय उर्दू विश्वविद्यालय, हैदराबाद, "इफ़ेक्ट ऑफ़ टेक्नो–पेडोगोजी ऑन कोपिंग स्ट्रैटेजीज़, स्टडी हैबिट्स एंड एकेडमिक परफॉर्मेंस ऑफ मदरसा स्टूडेंट्स ऐट सेकेंडरी लेवल"। (₹ 2,50,000)

54. सुनील कुमार पाहवा, जीएस कॉलेज ऑफ कॉमर्स एंड इकोनॉमिक्स, जबलपुर, "ह्यूमन रिसोर्स मैनेजमेंट प्रैक्टिसेज़ इन इंस्टीट्यूट्स ऑफ हायर एजुकेशन– स्टडी ऑफ कॉलेजेज़ एफिलिएटिड टू आरडीवीवी जबलपुर"। (₹ 2,50,000)

55. शिवा कृष्णन, एनएसएस प्रशिक्षण महाविद्यालय, केरल, "डेवलपमेंट ऑफ राइटिंग स्किल एनहैंसमेंट पैकेज फॉर डिस्ट्रोफिक चिल्ड्रन ऐट प्रायमरी लेवल विद स्पेशल रेफरेंस टू स्पेसिफिक लर्निंग डिसेबिलिटीज़"। (₹ 3,00,000)

56. नौशाद हुसैन, मौलाना आजाद राष्ट्रीय उर्दू विश्वविद्यालय, हैदराबाद, "इम्पैक्ट ऑफ पर्सनल वैल्यूज़ एंड पर्सनैलिटी ट्रेट्स ऑन एकेडमिक अचीवमेंटः ए कंपैरेटिव स्टडी ऑफ मदरसाज़ एंड गवर्नमेंट एलिमेंट्री स्कूल स्टूडेंट्स"। (₹ 3,00,000)

57. जी कलविकरासी, राव बहादुर कलावाला कन्नन चेट्टी हिंदू कॉलेज, चेन्नई, "इफेक्टिवनेस ऑफ एमओओसी (MOOCs) इन हायर एजुकेशनल इंस्टीट्यूशंस इन द रूरल तिरुवलूर डिस्ट्रिक्ट ऑफ तमिलनाडु"। (₹ 3,00,000)

58. हातिम फखरुद्दीन कयूमी, इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट स्टडीज़ करियर डेवलपमेंट एंड रिसर्च, महाराष्ट्र, "एन एनालिटिकल स्टडी ऑन इंक्रीजिंग स्ट्रेस अमंग एकेडेमीशियन्स ऑफ प्राइवेट अनऐडेड इंस्टिट्यूशन्स ऑफरिंग डिग्री प्रोग्राम्स रिकॉग्नाइज्ड बाइ यूजीसी इन महाराष्ट्र स्टेट"। (₹ 3,00,000)

59. कल्पना साहू, जेवियर स्कूल ऑफ ह्यूमन रिसोर्स मैनेजमेंट, ओडीशा, "योगाज़ इनफ्लुएंस ऑन टीचर्स प्रोफेशनल वेल बीइंग इन एकेडमिक ऑर्गेनाइजेशन्स इन हायर एजुकेशन सेक्टर इन इंडियाः एन एम्पेरिकल वैलिडेशन"। (₹ 3,50,000)

60. नील रतन रॉय, डिपार्टमेंट ऑफ एजुकेशन, तेजपुर विश्वविद्यालय, असम, "प्रॉब्लम्स फेसड बाइ चिल्ड्रन ऑफ़ टी गार्डन वर्कर्स ऐट सेकेंडरी लेवल एजुकेशन इन असमः एन एनालिटिकल स्टडी"। (₹ 3,50,000)

61. सीमा मेनन के. पी., एनएसएस प्रशिक्षण महाविद्यालय, केरल, "एजुकेशन ऑफ ट्राइबल स्टूडेंट्स ऑफ अटप्पडी एरिया – ए स्टडी विद स्पेशल रेफरेंस टू स्कूल फैसिलिटीज़ एंड इट्स यूटिलाइजेशन"। (₹ 3,00,000)

पर्यावरण अध्ययन

62. लीना बोरा, कॉटन विश्वविद्यालय, पान बाज़ार, गुवाहाटी, असम, "इन्वेस्टिगेशन ऑफ द इम्पैक्ट ऑफ क्लाइमेट चेंज ऑन फूड एंड लाइवलिहुड सिक्योरिटी ऑफ असमीज़ एंड एडाप्टिव रिस्पांससेज़– ए स्टडी फ्रॉम नॉर्थईस्ट इंडिया"। (₹ 4,00,000)

63. प्रभाकर त्यागी, राजकीय महाविद्यालय, चौखुटिया, उत्तराखंड, "हिस्टॉरिकल एंड ईकोटूरिज्म अट्रैक्शन फॉर टूरिस्ट्स ऐट लेसर नोन साइट्स ऑन द वे टू चार धाम यात्राः ए केस स्टडी ऑफ चौखुटिया इन डिस्ट्रिक्ट अल्मोड़ा (उत्तराखंड)"। (₹ 3,50,000)

64. शीना राजन फिलिप, भारत माता कॉलेज, एर्नाकुलम, "बीट प्लास्टिक पॉल्यूशन स्टडीः ऑन द इम्पैक्ट ऑफ

फूड चेन डिलीवरी ऑन प्लास्टिक वेस्ट जेनरेशन इन एर्नाकुलम डिस्ट्रिक्ट ऑफ केरल"। (₹ 3,00,000)

65. बी. जीवा रेखा, श्री वसाई महाविद्यालय, इरोड (डीटी), तमिलनाडु, "ट्रांसफॉर्मिंग हायर एजुकेशन इंस्टीट्यूशंस इन टू ग्रीन एंड सस्टेनेबल कैम्पपसेसः ए टूल किट फॉर इम्प्लीमेंटर्स इन इरोड डिस्ट्रिक्ट"। (₹ 3,00,000)

66. सतेंद्र कुमार, राजकीय महाविद्यालय, डाकपत्थर, देहरादून, उत्तराखंड, "पर्वतीय राज्यों के प्राकृतिक स्वरूप को बनाए रखने की चुनौतियां"। (₹ 3,00,000)

67. वेद प्रकाश जोशी, एमपीजी महाविद्यालय, मसूरी, उत्तराखंड, "उत्तराखंड में पर्यावरण पर्यटन की संभावना और चुनौतियाँ"। (₹ 3,00,000)

68. अनुपम कुमार सिंह, जयप्रकाश विश्वविद्यालय, छपरा, बिहार, "इम्पैक्ट ऑफ सॉलिड वेस्ट ऑन द एनवायरनमेंटः ए केस स्टडी ऑन छपरा"। (₹ 3,00,000)

69. निवेदिता मुखर्जी, बांकुरा विश्वविद्यालय, पश्चिम बंगाल, "फोक लोर्ज़ एंड फोक वॉयसेज़ः कंजर्विंग एनवायर्नमेंटल एथ्नो–स्पेस"। (₹ 4,50,000)

लैंगिक अध्ययन

70. हिमा गुप्ता, इंदिरा इंस्टीट्यूट आफ मैनेजमेंट, पुणे, "स्टडी ऑफ़ वीमेन डोमेस्टिक वर्कर्स इन पुणे रीजन फ्रॉम द पर्सपेक्टिव आफ डिजाइनिंग ए लीगल फ्रेमवर्क फॉर देम"। (₹ 4,00,000)

71. अर्चना भट्टाचार्य, बरपेटा रोड, हाउली कॉलेज, हाउली, असम, "एफिशिएंसी ऑफ माइक्रो–फाइनेंस प्रोग्राम टुवर्ड्स विमेन एंपावरमेंट– ए कंपैरेटिव स्टडी आफ सदर्न एंड नॉर्थ ईस्टर्न पार्ट ऑफ़ इंडिया"। (₹ 4,00,000)

भूगोल

72. नजरुल इस्लाम, सीतलकुची कॉलेज, पश्चिम बंगाल, "स्टेटस आफ विमेन वर्कर्स इन ब्रिक क्लिन इंडस्ट्री इन तूफानगंज ब्लॉक–1, कूचबिहार वेस्ट बंगाल"। (₹ 4,50,000)

73. के. बालसुब्रह्मणि, तमिलनाडु केन्द्रीय विश्वविद्यालय, तिरुवरूर, "मेज़रिंग वल्नरेबिलिटी टू कोस्टल हेजड्र्स इन तमिलनाडुः इम्प्लीकेशंस फॉर पॉलिसी फॉर्मूलेशन टुवर्ड्स ए रिजिलिएंट कोस्टल सोसायटी"। (₹ 4,00,000)

74. मो. सलीम रेजा, यूनिवर्सिटी बी.टी. एंड इवनिंग कॉलेज, पश्चिम बंगाल, "आउट–माइग्रेशन ऑफ मुस्लिम यूथ बियोंड स्टेट बाऊंडरी फ्रॉम रूरल बंगालः ए स्टडी ऑफ मुर्शिदाबाद डिस्ट्रिक्ट"। (₹ 4,00,000)

75. योगेश कुमार गर्ग, मौलाना आजाद नेशनल इंस्टिट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी (एमएएनआईटी) भोपाल, "एक्सप्लोरिंग सोशल इक्विटी इश्यूज़ ऑफ प्रेजेंट अर्बन ट्रांसपोर्ट सिनेरियो इन इंडियन कॉन्टेक्स्ट"। (₹ 4,00,000)

76. रितेश वेंकटेश वांगवाड, सावित्रीबाई फुले पुणे विश्वविद्यालय, महाराष्ट्र, "डिफरेंस इन फिजिकल एक्टिविटीज लेवल इन डिफरेंट टाउंस साइज फ्रॉम द कांटेक्स्ट ऑफ सोशल, एनवायरमेंटल एंड इंफ्रास्ट्रक्चरल बैरियर्स"।

77. मुकुंद मिश्रा, डॉ. मेघनाद साहा महाविद्यालय, पश्चिम बंगाल, "आईडेंटिफाइंग वल्नरेबल इकोनामीज़ एंड लाइवलिहुड्स ड्यू टू क्लाइमेट चेंज टुवर्ड्स फ्रेमिंग द रिजिलिएन्स पॉलिसीजः ए स्टडी इन वेस्ट बंगाल, इंडिया"। (₹ 4,50,000)

78. नित्यानंद डेका, गुवाहाटी विश्वविद्यालय, असम, "चेंजेज़ इन एग्रो–इकोसिस्टम्स एंड देअर इम्प्लीकेशंस ऑन द पीजेंट सोसाइटीज़ ऑफ ब्रह्मपुत्र वैली, असम, इंडिया"। (₹ 4,50,000)

79. ध्रुबज्योति राजबंशी, गुवाहाटी विश्वविद्यालय, असम, "सोशियो–इकोनामिक कंडीशन्स ऑफ मूगा फॉर्मर्स ऑफ लखीमपुर डिस्ट्रिक्ट ऑफ असम – ए ज्योग्राफिकल स्टडी"। (₹ 3,50,000)

स्वास्थ्य अध्ययन

80. रवि के. धर, गुरु गोविंद सिंह इंद्रप्रस्थ विश्वविद्यालय, नई दिल्ली, "नॉलेज एटीट्यूड एंड प्रैक्टिस ऑफ़ वॉश (WASH) (वॉटर, सैनिटेशन एंड हाइजीन) इन द स्लम्स ऑफ एनसीटी ऑफ दिल्ली"। (₹ 4,00,000)

81. सारिका दीक्षित, स्कूल ऑफ सोशल साइन्सेज, देवी अहिल्या विश्वविद्यालय, इंदौर, "एन एनालिटिकल स्टडी ऑन मेन्सट्रूअल हेल्थ एंड हाइजीन अमंग ट्राइबल विमेन ऑफ मध्य प्रदेश"। (₹ 3,50,000)

82. विभा शर्मा, इंस्टीट्यूट ऑफ़ ह्यूमन बिहेवियर एंड एलाइड साइंसेज (आईएचबीएएस), दिल्ली, "रिलेशनशिप ऑफ डोमेस्टिक वायलेंस एंड मेंटल हेल्थ अमंग विमेन सफरिंग विद कॉमन मेंटल हेल्थ डिसऑर्डर्स"। (₹ 4,00,000)

83. मीरा कुलकर्णी, इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट स्टडीज, अहमदनगर, महाराष्ट्र, "असेसमेंट ऑफ हेल्थ केयर सर्विसेज फॉर क्रॉनिक डिजीजेज़ अमंग द रूरल कम्युनिटी थ्रू गवर्नमेंट हॉस्पिटल्स एंड पब्लिक हेल्थ सेंटर्स इन अहमदनगर डिस्ट्रिक्ट"। (₹ 3,00,000)

84. श्रीधर एल.एस., सेंट जोसेफ कॉलेज ऑफ कॉमर्स, ब्रिगेड रोड, कर्नाटक, "ए स्टडी ऑन यूटिलाइजेशन ऑफ हेल्थ केयर सर्विसेज इन इंडिया – ए स्पेशल रेफरेंस टू चाइल्ड केयर"। (₹ 4,00,000)

इतिहास

85. सुरंजना बरुआ, इंडियन इंस्टिट्यूट ऑफ़ इनफार्मेशन टेक्नोलॉजी, गुवाहाटी, "मेकर्स ऑफ मॉडर्न असमः ए केस स्टडी ऑफ लोकप्रिय गोपीनाथ बरदलोई, कालगुरु बिष्णु प्रसाद राभा, चंद्रानी साईकियानी"। (₹ 4,00,000)

86. पूजा पराशर, देव समाज कॉलेज फॉर विमेन, फिरोजपुर सिटी, पंजाब, "सोशियो इकोनामिक चेंजेज़ इन एंशिएंट कश्मीरः ए हिस्टॉरिकल पर्सपेक्टिव"। (₹ 4,00,000)

87. हरनीत कौर, गुरु नानक देव विश्वविद्यालय, अमृतसर पंजाब, "द इश्यू ऑफ फीमेल इन्फैंटिसाइड/फिटीसाइड अमंग द रिलीजियस ग्रुप्स ऑफ पंजाब"। (₹ 3,00,000)

88. प्रिसिला, होली क्रॉस कॉलेज, तमिलनाडु, "ए क्रिटिकल स्टडी ऑन विमेन पेवमेंट ड्वेलर्स इन तिरूचिरापल्ली कॉरपोरेशनः ए स्टडी"। (₹ 2,50,000)

89. दिव्या सेठी, जेएनयू, नई दिल्ली, "माइग्रेशन, मोबिलिटी एंड क्रॉसरोड्स इन प्री–मॉडर्न इंडियाः एथनोग्राफी ऑफ महाजन्स ऑफ नॉर्थ–वेस्टर्न राजस्थान"। (₹ 4,00,000)

अंतर्राष्ट्रीय अध्ययन

90. मनीष, गुजरात केंद्रीय विश्वविद्यालय, गुजरात, "जियो–पोलिटिकल इम्प्लीकेशन्स ऑफ सीपीईसी एक्सटेंशन इन टू अफगानिस्तान"। (₹ 4,00,000)

विधि

91. सुरेश कुमार भैरा, महर्षि अरविंद विश्वविद्यालय, मुंडिया रामसर, राजस्थान, "क्रिमिनल जस्टिस सिस्टम एंड विमेन इन इंडिया"। (₹ 1,00,000)

92. शौकत अहमद भट, कश्मीर विश्वविद्यालय, श्रीनगर, "आइडेंटिफिकेशन ऑफ इफेक्टिवनेस ऑफ मेडिएशन एंड आर्बिट्रेशन इन डॉमेस्टिक केसेज़ः ए स्टडी ऑफ जम्मू एंड कश्मीर"। (₹ 5,00,000)

93. रश्मि बरुआ, यूनिवर्सिटी ऑफ साइंस एंड टेक्नोलॉजी, मेघालय, "इम्पैक्ट ऑफ गवर्नमेंट रिस्ट्रिक्शंस ऑन द सेल ऑफ एल्कोहल इन द शॉप्स लोकेटेड ऑन द हाई–वे मेघालयः स्पेशल रिफरेंस टू रिभोई डिस्ट्रिक्ट"। (₹ 4,55,000)

भाषा विज्ञान

94. रजनी सिंह, आईआईटी (आईएसएम), धनबाद, झारखंड, "डिजाइनिंग ट्राइ–लिंगुअल डिक्शनरी ऑफ लेसर नोअन मुंडा लैंग्वेजेज़ इन झारखंडः टुवर्ड्स प्रमोशन एंड डिसेमिनेशन आफ इंडीजिनस नॉलेज एंड हेरीटेज"। (₹ 4,50,000)

95. तिलोत्तमा बरुआ, कॉटन विश्वविद्यालय, गुवाहाटी, असम, "एनडैन्जर्ड डायलेक्ट्स एंड कल्चर विद स्पेशल रिफरेंस टू द ताई फेक ऑफ असम"। (₹ 4,00,000)

प्रबंधन

96. मो. जमशेद, जेएमआई, नई दिल्ली, "आईडेंटिफाइंग द एक्सपोर्ट पोटेंशियल ऑफ स्मॉल–स्केल इंटरप्राइज़ेज़ः ए स्टडी ऑफ हैंडीक्राफ्ट इंडस्ट्री इन उत्तर प्रदेश"। (₹ 4,00,000)

97. आशुतोष मुदुलिल, पंडित दीनदयाल पेट्रोलियम विश्वविद्यालय, गुजरात, "ऑक्यूपेशनल हेल्थ एंड सेफ्टी इन द हेल्थ–केयर इंडस्ट्री ऑफ गुजरात"। (₹ 4,00,000)

98. रविंद्र सिंह, डीयू, दिल्ली, "एसेसिंग लिविंग एंड वर्किंग कंडीशन्स ऑफ चाइल्ड वेस्ट–पिकर्स ऐट भलस्वा लैंडफिल साइट दिल्ली"। (₹ 3,00,000)

मीडिया अध्ययन

99. लीना रत्नाकर कुलकर्णी, आईसीएसएसआर वेस्टर्न रीजनल सेंटर, मुंबई, "कुंभ मेला के परिवर्तनशील स्वरूपः एक मर्मग्राही अध्ययन"। (₹ 4,00,000)

100. रूबल कनोजिया, पंजाब केंद्रीय विश्वविद्यालय, पंजाब, "अंडरस्टैंडिंग द सोशियोलोजी ऑफ फेक न्यूज़ इन इंडिया हाउ टू ट्रैक एंड डीबंक सोशल मीडिया होक्स यूजिंग डिजिटल टूल्स"। (₹ 3,00,000)

101. जी. सत्यवती, श्री रामकृष्ण कॉलेज ऑफ़ आर्ट्स एंड साइंस फॉर विमेन, कोयंबटूर, "एनालाइजिंग द इम्पैक्ट

ऑफ मीडिया यूसेज ऑन द डिफरेंट काइंड्स ऑफ एब्यूज़ ओवर गर्ल चिल्ड्रेन इन इंडिया"। (₹ 3,00,000)

राष्ट्रीय सुरक्षा

102. इमरान खान, म्युनिसिपल पोस्ट ग्रेजुएट कॉलेज, मसूरी, देहरादून, (उत्तराखंड), "आतंकवाद और ड्रग्स पर काले धन का प्रभाव"। (₹ 3,00,000)

राजनीति विज्ञान

103. सूरजीत चक्रबर्ती, आईआईएम, कोलकाता, "प्लानिंग स्मार्ट सिटीज़ टू प्रोमोट सिविक एंगेजमेंट एंड स्टेक–होल्डर पार्टिसिपेशन"। (₹ 4,50,000)

104. सुंकरी सत्यम, सदर्न रीजनल सेंटर, राजेंद्र नगर, हैदराबाद, "डायनामिक्स ऑफ पेरेंटल चॉइस ऑफ स्कूलिंग इन रूरल एरियाजः ए स्टडी इन तेलंगाना"। (₹ 4,00,000)

105. आर. शिवकुमार, तिरुवल्लूवर गवर्नमेंट आर्ट्स कॉलेज, तमिलनाडु, "द परफॉर्मेंस ऑफ ई–गवर्नेंस प्रोग्राम इन डिलीवरी ऑफ पब्लिक सर्विसेस इन तमिलनाडु एन इवैलुएटिव स्टडी"। (₹ 4,00,000)

106. संगीता भगवती, गुवाहाटी महाविद्यालय, कामरूप, असम, "रोल ऑफ विमेन इन इंश्योरिंग फूड सिक्योरिटीः ए केस स्टडी ऑफ असम"। (₹ 3,50,000)

मनोविज्ञान

107. सुधीर कपूर, डीयू, नई दिल्ली, "जेंडर डिफरेंसेस इन सिगरेट स्मोकिंग ट्रेंड्स एंड स्मोकिंग आउटकम–एक्सपेक्टेंसीज़ इन यूनिवर्सिटी स्टूडेंट्स इन इंडिया"। (₹ 4,25,000)

लोक प्रशासन

108. रंजीत पाटिल, डॉ. डी. वाइ. पाटिल एसीएस कॉलेज, पिंपरी, पुणे, "आधार कार्ड (यूआइडीएआइ नंबर) फॉर सस्टेनेबल डेवलपमेंट ऑफ लोकल गवर्नमेंट फॉर द स्टेट ऑफ महाराष्ट्र। (₹ 4,00,000)

समाजशास्त्र

109. सुधीरन टी.एस, महात्मा गांधी विश्वविद्यालय, केरल, "प्रीवैलेंस एंड डेमोग्राफिक कोरिलेट्स ऑफ टाइप–डी पर्सनैलिटी अमंग स्ट्रोक सरवाइवर्सः स्कोप फॉर साइको–सोशल रिहैबिलिटेशन"। (₹ 1,00,000)

110. अश्वनी कुमार, हिमाचल प्रदेश विश्वविद्यालय, शिमला, हिमाचल प्रदेश, "डेमोक्रेटिक डिसेंट्रलाइजेशन एंड विमेन एम्पावरमेंटः ए कंपैरेटिव स्टडी ऑफ पंचायती राज इंस्टीट्यूशंस इन जम्मू एंड कश्मीर एंड हिमाचल प्रदेश"। (₹ 3,00,000)

111. मनोज जोजेफ, टीआईएसएस (TISS), मुंबई, "लॉन्ग टर्म केयर ऑफ एडल्ट्स विद डेवलपमेंटल डिसेबिलिटीः ए स्टडी ऑफ पेरेंट्स हैविंग एडल्ट्स विद डेवलपमेंटल डिसेबिलिटी इन रूरल एरियाज"। (₹ 3,00,000)

112. योगेश देविकानंदन महाजन, इंदिरा स्कूल ऑफ बिजनेस स्टडीज, पुणे, महाराष्ट्र, "असेसिंग द इम्पैक्ट ऑफ मुद्रा लोन्स ऑन स्मॉल / माइक्रो एंटरप्राइजेज इन पुणे सिटी ऑफ महाराष्ट्र"। (₹ 4,00,000)

113. गिरीश गौरव, पटना विश्वविद्यालय, बिहार, "संक्रमण में लोक सांस्कृतिक परंपरा – बिहार की लोक–संस्कृति का एक समाजशास्त्रीय अध्ययन"। (₹ 4,00,000)

114. निवेदिता सोम, विवेकानंद महिला महाविद्यालय, कोलकाता, "नॉलेज एंड एटीट्यूड टुवर्ड्स सैनिटेशन एंड हाइजीन प्रैक्टिसेजः स्टडी फ्रॉम रूरल वेस्ट बंगाल"। (₹ 3,50,000)

115. अर्चना पटनायक, आईआईटी, खड़गपुर, "जेंडरिंग द स्मार्ट सिटीः माइग्रेन्ट विमेन एक्सपीरियंसेज़"। (₹ 3,00,000)

116. अंबादास नवनाथ कार्दिले, दिल्ली जवाहरलाल नेहरू कॉलेज ऑफ सोशल वर्क, (सीआईडीसीओ) न्यू नांदेड़, महाराष्ट्र, "जनजातीय महिलाओं को प्रसवपूर्व और प्रसवोत्तर मिलने वाली स्वास्थ्य सेवाओं का अध्ययन, संदर्भ नांदेड़ जिला, महाराष्ट्र"। (₹ 3,00,000)

लघु अनुसंधान परियोजनाएं (जारी) (अनुसूचित जाति)

वाणिज्य

117. पुष्पेंद्र कुमार, डीयू, दिल्ली, "द सोशियो–इकोनामिक इम्पैक्ट ऑफ़ प्रधानमंत्री मुद्रा योजना (पीएम एमवाई) (क्रेडिट फॉर माइक्रो इंटरप्राइजेज) ऑन विमेन एम्पावरमेंट इन इंडिया"। (₹ 4,00,000)

118. के. गणेश मूर्ति, अलगप्पा विश्वविद्यालय, तमिलनाडु, "एनर्जी कन्ज़ंप्शन एंड यूटिलिटी प्रैक्टिसेज ऑफ फारमर्स इन सदर्न डिस्ट्रिक्ट्स ऑफ तमिलनाडु"। (₹ 3,00,000)

119. बी चिन्नामुत्तु, मद्रास क्रिश्चियन कॉलेज, तम्बरम, तमिलनाडु, "प्रॉब्लम्स एंड प्रोस्पेक्ट्स ऑफ रूरल विमेन एंटरप्रेन्योर्स इन तमिलनाडु एन इम्पीरिकल स्टडी"। (₹ 3,00,000)

सांस्कृतिक अध्ययन

120. शीतल प्रसाद महेंद्रा, एस आर पी राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय, राजस्थान, "राजस्थान के नाथ संतो के साहित्य का सामाजिक–सांस्कृतिक अध्ययन (जयपुर, अलवर एंड दौसा के सन्दर्भ में)"। (₹ 4,00,000)

अर्थशास्त्र

121. केएस कुमारवेलु, पंडित जवाहरलाल नेहरू कॉलेज ऑफ एग्रीकल्चर एंड रिसर्च इंस्टीट्यूट, पुडुचेरी, "सोशियो– इकोनामिक इम्पैक्ट ऑफ़ फार्मर्स प्रोड्यूसर्स ऑर्गेनाइजेशन्स इन यूनियन टेरिटरी ऑफ पुडुचेरी"। (₹ 4,00,000)

भूगोल

122. मोहन बेरा, बिरला इंस्टीट्यूट ऑफ़ टेक्नोलॉजी एंड साइंस, गोवा, "कॉपिंग विद डिस्प्लेसमेंट ड्यू टू रिवर इरोज़न इन द इंडियन सुंदरबन एंड लोअर असम"। (₹ 4,50,000)

123. बरनाली दास, कल्याणी महाविद्यालय, कल्याणी विश्वविद्यालय, पश्चिम बंगाल, "पापुलेशन ग्रोथ एंड इंटर–वर्ड डिसपैरिटीज़ इन अर्बन फैसिलिटीज़ः ए केस स्टडी इन कल्याणी – ए प्लांड टाउन, नादिया, वेस्ट बंगाल"। (₹ 3,50,000)

स्वास्थ्य अध्ययन

124. विनी शिवनंदन, गोखले इंस्टीट्यूट ऑफ पॉलिटिक्स एंड इकोनॉमिक्स, महाराष्ट्र, "एसेसमेंट ऑफ ऑक्यूपेशनल हेल्थ हजार्ड ऑफ म्युनिसिपल सैनिटरी वर्कर्स ऑफ पुणे, महाराष्ट्र"। (₹ 2,70,000)

विधि

125. ज़फर महफूज़ नोमानी, एएमयू, अलीगढ़, "रोल ऑफ इंटरनेशनल बायोडायवर्सिटी लॉ इन डेवलपिंग लीगल फ्रेमवर्क फॉर एक्सेस एंड बेनिफिट शेयरिंग (एबीएस) रिजीम इन इंडिया"। (₹ 5,00,000)

पुस्तकालय विज्ञान

126. लवजीभाई एन ज़ाला, पीजी डिपार्टमेंट ऑफ लाइब्रेरी एंड इनफॉरमेशन साइंस, सरदार पटेल विश्वविद्यालय, गुजरात, "डिजिटल लाइब्रेरी ऑफ गुजरात इन वर्नाकुलर लैंग्वेजः ए मॉडल फॉर गवर्नमेंट ऑफ़ गुजरात"। (₹ 4,50,000)

राजनीति विज्ञान

127. रेशम लाल, महात्मा गांधी काशी विद्यापीठ, वाराणसी, "चेंजिंग स्टेटस ऑफ विमेन इन इंडियन सोसायटीः कास्ट–वाइज सोशियो–पोलिटिकल स्टडी ऑफ़ सोनभद्र डिस्ट्रिक्ट ऑफ उत्तर प्रदेश"। (₹ 4,00,000)

128. बी. ई. जार्ज दमित्रोव, बंगलुरु विश्वविद्यालय, बंगलुरु "ए स्टडी ऑन द स्टेटस ऑफ मैन्युअल स्कैवेंजर्स– लिबरेशन एंड रिहैबिलिटेशन विद स्पेशल रेफरेंस टू मैन्युअल स्कैवेंजिंग एक्ट 2013 इन बेंगलुरु, कर्नाटक"। (₹ 2,00,000)

समाजशास्त्र

129. मोरोमी तालुकदार, डिब्रूगढ़ हनुमानबख्श सूरजमल कनोई कॉलेज, असम, "ए स्टडी ऑन ट्रेडिशनल नॉलेज सिस्टम अमंग द मेयर्स ऑफ अरुणाचल प्रदेश"। (₹ 2,50,000)

130. उत्तम जाकोजी सोनकाम्बले, भगिनी मंडल चोपड़ा कॉलेज ऑफ सोशल वर्क, महाराष्ट्र, "ए स्टडी ऑन इश्यूज एंड चैलेंजेज़ ऑफ ट्राईबल विमेन एम्पावरमेंट इन नंदुरबार डिस्ट्रिक्ट ऑफ महाराष्ट्र"। (₹ 3,00,000)

पर्यटन

131. जी. तिरुमाला वासुदेवा राव, गवर्नमेंट डिग्री एंड पीजी कॉलेज, एपी, "एनालाइजिंग टूरिज्म पोटेंशियल इन चित्तूर डिस्ट्रिक्ट विद पार्टिकुलर रेफरेंस टू नेचर टूरिज्म"। (₹ 2,20,000)

लघु अनुसंधान परियोजनाएं (अ.ज.जा. श्रेणी)

पर्यावरण अध्ययन

132. के. वुंगजाम्वि, मणिपुर विश्वविद्यालय, मणिपुर, "कंजर्वेशन स्ट्रेटजी इन ट्राईबल एरियाज़ः ए स्टडी ऑफ कैलम वाइल्डलाइफ सैंक्चुअरी इन चूड़ाचाँदपुर डिस्ट्रिक्ट, मणिपुर"। (₹ 4,00,000)

स्वास्थ्य अध्ययन

133. सरस्वती करकेटा, रबींद्र भारती विश्वविद्यालय, कोलकाता, "नॉलेज, एटीट्यूड एंड प्रैक्टिसेज़ ऑफ मेंस्ट्रूअल हाइजीन इन कॉन्टेक्स्ट ऑफ रूरल एडोलसेंट गर्ल्स इन बांकुरा डिस्ट्रिक्ट"। (₹ 4,90,000)

प्रबंधन

134. वीना यानसे एम. मोमिन, विज्ञान एव प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, मेघालय, "ह्यूमन कैपिटल डेवलपमेंट इन मेघालय थ्रू स्किल बेस्ड एजुकेशन फॉर ट्रांसफॉर्मिंग यूथ्स इनटू रेलेवेन्ट वर्कफोर्स"। (₹ 5,00,000)

राजनीति विज्ञान

135. सखावलियाना, गवर्नमेंट कमला नगर कॉलेज, कमला नगर, मिजोरम, "वर्किंग ऑफ सिक्स्थ शेड्यूल ऑफ द कॉन्स्टिट्यूशन ऑफ़ इंडियाः ए स्टडी ऑफ़ द थ्री ऑटोनॉमस डिस्ट्रिक्ट काउंसिल्स इन मिजोरमः प्रॉब्लम्स एंड प्रोस्पेक्ट्स"। (₹ 3,00,000)

अंतिम रिपोर्ट (प्राप्त)/Final Reports Received

"रिसर्च स्टडीज ऑन स्पेसिफिक इश्यूज इन स्पेशल रीजंस" पर 'विशेष अनुसंधान कार्यक्रम'।

1. सुषमा यादव, पब्लिक पॉलिसी एंड गवर्नेंस, आईआईपीए, नई दिल्ली, "द स्टेट ऑफ गवर्नेन्स इन जम्मू एंड कश्मीरः ए स्टडी ऑफ़ इंस्टिट्यूशन्स प्रोसेसेस एंड पीपल पार्टिसिपेशन"।
2. प्रकाश चंद, अर्थशास्त्र विभाग, जम्मू विश्वविद्यालय, "एन इंस्टिट्यूशनल–इकोनामिक एनालिसिस ऑफ वॉटर गवर्नेन्स एंड कोऑपरेशन इन इंडस (Indus) सब–बेसिन ऑफ जम्मू एंड कश्मीर"।
3. रजनीश के. मिश्रा, स्पेशल सेंटर फॉर संस्कृत स्टडीज, जेएनयू, नई दिल्ली, "ए कंप्रिहेंसिव स्टडी ऑफ कल्चर फिलॉसफी, लिटरेचर एंड लैंग्वेजेज़ इन जम्मू एंड कश्मीर"।
4. आलोक बंसल, बीपीएसएमवी, खानपुर कलां, सोनीपत, हरियाणा, "द जियोपोलिटिकल इम्पैक्ट ऑफ़ जम्मू एंड कश्मीर रीज़न ए स्टडी ऑफ मल्टीलेयर कंपलेक्सिटीज़"।
5. गोविंद सिंह, जनसंचार एवं न्यू मीडिया विभाग, जम्मू केंद्रीय विश्वविद्यालय, जम्मू, "कन्वेंशनल एंड न्यू मीडिया इन जम्मू एंड कश्मीरः एन एनालिसिस ऑफ हैपनिंग्स एंड कंटेंट्स"।

अनुसंधान कार्यक्रम

1. सुल्तान भट एवं सहयोगी, भूगोल एवं क्षेत्रीय विकास विभाग, कश्मीर विश्वविद्यालय, श्रीनगर, "डायनामिक्स ऑफ क्रॉपिंग पैटर्न एंड इट्स इम्प्लीकेशंस ऑन फूड सिक्योरिटी ऑफ जम्मू एंड कश्मीरः ए स्पैशियो टेंपोरल एनालिसिस"।
2. लिंकन रिआंग, सहायक प्रोफेसर, इतिहास विभाग, त्रिपुरा विश्वविद्यालय, सूर्यमणि नगर, "एन एनालिसिस ऑफ सोशियो–इकोनामिक कंडीशन्स ऑफ़ द रिआंग कम्युनिटी– ए प्रिमिटिव ट्राईबल ग्रुप ऑफ त्रिपुरा"।
3. उमेश अशोक कदम, सेंटर फॉर हिस्टॉरिकल स्टडीज, जेएनयू, नई दिल्ली, "डेक्कन इन ट्रांजिशनः पॉलिटिक्स एंड इंटर–डिपेंडेंसी यूरोपियन पावर्स इन रिलेशन टू मराठाज़"।
4. एम. गोपीनाथ रेड्डी, सीईएसएस, हैदराबाद, "एक्सप्लोरिंग सोशल एंड पॉलीटिकल एक्सक्लूजन एंड इंक्लूजन आफ मार्जिनलाइज्ड कम्युनिटीज इन द ग्रासरूट्स पॉलिटिकल इंस्टीट्यूशन्सः ए स्टडी ऑफ टू डिकेड्स आफ डिसेंट्रलाइजेशन इन थ्री इंडियन स्टेट्स (आंध्र प्रदेश, तेलंगाना, ओडीशा)"।
5. के. बी. सक्सेना, सीएसडी, नई दिल्ली, "शेड्यूल्ड कास्ट एंटरप्रेनयोरशिपः स्टेटस, कंस्ट्रेंट्स एंड चैलेंजेज़ – ए स्टडी ऑफ पंजाब, उत्तर प्रदेश"।
6. अनिर्बन दासगुप्ता, अर्थशास्त्र संकाय, दक्षिण एशिया विश्वविद्यालय, नई दिल्ली, "सॉलिड वेस्ट मैनेजमेंट अंडर स्वच्छ भारत अभियानः द चेंजिंग रोल ऑफ द इनफॉरमल सेक्टर"।
7. मानवी मजूमदार, सीएसएसएस, कोलकाता, "कैंटरिंग चिल्ड्रन इन द डेवलपमेंट डिबेट इन इंडिया पब्लिक एक्शन फॉर अर्ली स्टार्ट, फेयर स्टार्ट एंड फिटिंग स्टार्ट"।
8. पीसी हलदर एवं सहयोगी, नोएडा अंतरराष्ट्रीय विश्वविद्यालय, नोएडा, "मुस्लिम्स इन कंटेंपरेरी इंडिया एन एग्जामिनेशन ऑफ डिस्कोर्स ऑफ एक्सक्लूजन"।
9. गीता बामज़ई, जनसंचार अनुसंधान विभाग, भारतीय जनसंचार संस्थान, नई दिल्ली, "बेसलाइन स्टडी ऑफ विमेन इन न्यूज़ एंड एंटरटेनमेंट मीडिया इन इंडिया"।

10. एस गलब, सीईएसएस, हैदराबाद, "एग्रीकल्चर इन ट्राईबल एरियाज़ः ए स्टडी ऑफ सेवन स्टेट्स इन इंडिया (ओडिशा, झारखंड, छत्तीसगढ़, मध्यप्रदेश, आंध्र प्रदेश, महाराष्ट्र एंड गुजरात)"।
11. सीमिता मोहंती, मानविकी एवं सामाजिक विज्ञान विभाग, एनआईटी, राउरकेला, "बैरियर्स टू पार्टिसिपेशन इन एजुकेशनः ए केस स्टडी ऑन गर्ल्स फ्रॉम पार्टिकुलरली वल्नरेबल ट्राईबल ग्रुप्स इन ओडिशा"।
12. संतोष रंगनेकर, प्रबंध अध्ययन विभाग, आईआईटी, रुड़की, रुड़की, उत्तराखंड, "द मैनेजमेंट एजुकेशन इन टेक्निकल इंस्टीट्यूटः एकेडमिक एंड इंडस्ट्री पर्सपेक्टिव"।
13. रख्शंदा एफ़. फ़ाज़िल, पश्चिम एशिया एवं उत्तर अफ्रीका अध्ययन विभाग, अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय, अलीगढ़, "डायनमिक्स ऑफ रिटर्न माइग्रेशनः ए केस स्टडी ऑफ़ इंडिया–गल्फ कोऑपरेशन काउंसिल (जीसीसी) कंट्रीज"।
14. नीरज पांडेय, नेशनल इंस्टीट्यूट आफ इंडस्ट्रियल इंजीनियरिंग (एनआईटीआईई), लेक रोड, मुंबई, "इम्प्लीमेंटिंग यूनिवर्सल हेल्थ सर्विसेज (यूएचएस) इन इंडियाः इश्यूज़, एप्रोचेज़ एंड चैलेंजेज़"।
15. विजय खरे, रक्षा एवं रणनीति अध्ययन विभाग, सावित्रीबाई फुले विश्वविद्यालय, पुणे "इन्फ़्लुएन्स एंड इम्पैक्ट ऑफ सोशल मीडिया ऑन इंडियन फॉरेन पॉलिसी मेकिंग"।
16. हसन इमाम, एएमयू, अलीगढ़, "थॉट ऑफ वी.डी. सावरकर ऑन द ग्लोरी ऑफ हिंदुस्तानः ए स्टडी इन मॉडर्न इंडियन पर्सपेक्टिव्ज़"।
17. संदीप सरकार, आईएचडी, नई दिल्ली, "पॉलीटिकल इकॉनमी ऑफ़ डेवलपमेंट, पोवर्टी एंड चेंज इन बिहार"।
18. प्रीत रुस्तगी एवं सहयोगी, आईएचडी, नई दिल्ली, "मल्टीप्लायर इफेक्ट ऑफ इंक्रीज़िंग फीमेल एंप्लॉयमेंटः असेसिंग इम्पैक्ट इन अर्बन सेंटर्स"।
19. अरविंद जसरोटिया, विधि विभाग, जम्मू विश्वविद्यालय, जम्मू, "इम्पैक्ट ऑफ़ कश्मीर कॉन्फ्लिक्ट्स ऑन रिफ्यूजीज़, फोर्स्ड माइग्रेंट्स एंड डिस्पलेस्ड पापुलेशनः ए स्टडी ऑफ डेमोग्राफिक एंड सोशियो–इकोनामिक कॉन्सिक्वेंसेज़, कोपिंग मेकैनिज्म एंड सर्वाइवल स्ट्रैटेजीज़ अडॉप्टेड बाइ विमेन, चिल्ड्रन एंड एल्डरली"।
20. पारोमिता चट्टोराज, केआईआईटी, भुवनेश्वर, "रिस्पांस टू द ऑफेंस ऑफ रेप बाइ द क्रिमिनल जस्टिस सिस्टम– एन इम्पीरिकल स्टडी इन द स्टेट्स ऑफ ओडिशा, झारखंड एंड वेस्ट बंगाल"।
21. सुबीर बिस्वास, मानविकी विभाग, पश्चिम बंगाल राज्य विश्वविद्यालय, कोलकाता, "जेंडर रोल एंड एटीट्यूड टुवर्ड्स चाइल्ड हेल्थ केयर प्रैक्टिसेज बाइ एथेनिक ग्रुप्स एंड सेटेलमेंट्सः ए सोशियो– कल्चरल स्टडी इन नॉर्थ 24 परगना डिस्ट्रिक्ट ऑफ वेस्ट बंगाल"।
22. त्यागु रंगनाथन, आईईजी, दिल्ली, "नॉलेज, परसेप्शन एंड यूसेज ऑफ पेस्टिसाइड्सः स्टडी अमंग कॉटन फार्मर्स इन आंध्र प्रदेश एंड महाराष्ट्र"।
23. वीरेंद्र रामचंद्र नागराले, भूगोल विभाग, एसएनडीटी महिला विश्वविद्यालय, पुणे, "सोशल सस्टेनेबिलिटी ऑफ स्मार्ट सिटीः ज्योग्राफिकल असेस्मेंट ऑफ यूटिलिटी सर्विसेज (सिविक एमेनिटीज इन द पीएमसी – पुणे म्युनिसिपल कॉरपोरेशन), पुणे, महाराष्ट्र बाइ स्टडीइंग पापुलेशन चेंजेज़"।
24. नानी बाथ, राजनीति विज्ञान विभाग, राजीव गांधी विश्वविद्यालय, ईटानगर, अरुणाचल प्रदेश, "रिफ्यूजी प्रॉब्लम्स इन अरुणाचल प्रदेशः ए स्टडी ऑफ कंटेस्टिंग राइट्स, क्लेम्स, एंड डिसकोर्सेज"।
25. नारायण सेठ, मानविकी एवं सामाजिक विज्ञान विभाग, एनआईटी, राउरकेला, "इज माइक्रो–फाइनेंस ए सोशल वेहिकल टू रिड्यूस डोमेस्टिक वायलेंस? ए स्टडी इन ओडीशा"।
26. सौमित्र भादुड़ी, मद्रास स्कूल ऑफ़ इकोनॉमिक्स, चेन्नई, "मेलेडीज़ इन इंडियन बैंकिंग सेक्टर– इन्वेस्टिगेटिंग ए पर्सपेक्टिव बियोंड एनपीए"।
27. निरंजन रॉय, अर्थशास्त्र विभाग, असम विश्वविद्यालय, सिलचर, "क्लाइमेट चेंज, डायनामिक्स ऑफ शिफ्टिंग एग्रीकल्चर एंड लाइवलिहुड वल्नरेबिलिटी इन द नॉर्थ ईस्टर्न रीजन ऑफ़ इंडिया"।
28. आरपी प्रधान, मानविकी एवं सामाजिक विज्ञान विभाग, बीआईटीएस, गोवा, "एजेंडा 2020ः इंडियाज़ मेरीटाइम इंफ्रास्ट्रक्चर, गवर्नेन्स एंड नेवल डिप्लोमेसी"।
29. विमल किशोर साहू, आईआईटी, खड़गपुर, "नॉन–एग्रीकल्चरल एंप्लॉयमेंट इन ओडीशाः ट्रेंड्स, पैटर्न्स एंड डिटर्मिननेंट्स"।
30. विनोद सी खन्ना, एमेरिटस फेलो, इंस्टीट्यूट ऑफ चाइनीज़ स्टडीज़, दिल्ली, "डीलिमिटिंग द नॉर्दर्न फ्रंटियर्स ऑफ ब्रिटिश इंडियाः ए स्टडी आफ कॉलोनियल इंडियाज़

बॉर्डर मेकिंग प्रोजेक्ट विज–ए–विज चाइना (1890–1947)"।

31. के वाई रत्नम, समन्वयक, अंबेडकर अध्ययन केंद्र, हैदराबाद विश्वविद्यालय, हैदराबाद, "रिकवरिंग मल्टीपल आर्काइव्स ऑफ रेजिस्टेंस इन आंध्र प्रदेशः एंटी कास्ट, इंटेलेक्चुअल, ट्रेडिशंस, आदिवासी ओरल ट्रेडिशन एंड दक्खनी इंटेलेक्चुअल ट्रेडिशन्स"।

32. मंजू सिंह, समाज विज्ञान विभाग, वनस्थली विद्यापीठ, टोंक राजस्थान, "मैरिज, माइग्रेशन ऑर ट्रैफिकिंग? एग्जामिनिंग डेमोग्राफिक इम्बैलेंस एंड क्रॉस–कल्चर यूनियंस इन धौलपुर डिस्ट्रिक्ट ऑफ राजस्थान"।

33. सोमबाला निंगथोजम, प्रबंधन संस्थान, नई दिल्ली, "कैरियर एस्पिरेशन, सेल्फ–कॉन्सेप्ट क्लेरिटी अमंग इन्सर्जेंसी अफेक्टेड यूथः "ए केस स्टडी ऑफ मणिपुर इन द कॉन्टेक्स्ट आफ इमर्जिंग इंडियन जॉब मार्केट"।

34. सचिन चतुर्वेदी, आरआईएस, नई दिल्ली, "साउथ–साउथ कोऑपरेशनः क्वेस्ट टूवड्र्स थियोरेटिकल फ्रेमवर्क"।

35. एन समुयेलु, आचार्य नागार्जुन विश्वविद्यालय, गुंटूर, आंध्र प्रदेश, "एजुकेशनल प्रैक्टिसेज ऑफ गवर्नमेंट एंड प्राइवेट स्कूल्स इन इम्पार्टिंग क्वालिटी एजुकेशन टू चिल्ड्रन – ए स्टडी ऑफ आंध्र प्रदेश"।

36. अभय कुमार दुबे, सीएसडीएस, दिल्ली, "इंग्लिश इन इंडियाः ए स्टडी ऑफ पॉवर, कल्चर एंड नॉलेज"।

37. मारकस बार्ला, अर्थशास्त्र विभाग, रांची विश्वविद्यालय, रांची, झारखंड, "डायनामिक्स ऑफ डेवलपमेंट लाइवलिहुड एंड पॉवर्टी इन रूरल झारखंड"।

38. वी. श्रीकांत, आईपीई, हैदराबाद, "विसल–ब्लोइंग पॉलिसी डिस्क्लोजर्स ऐज़ः ए कॉरपोरेट मेकैनिज्म इन इंडियन लिस्टेड फर्म्स"।

39. विनय शर्मा, प्रबंध अध्ययन विभाग, आईआईटी, रुड़की, उत्तराखंड, "असेस्मेंट ऑफ डोमेस्टिक वायलेंस एंड फोर्मुलेशन ऑफ इट्स प्रिवेंटिव मेज़र्स इन द रीजन्स ऑफ उत्तराखंड"।

40. हेमी ज्योति मेधी, अंग्रेजी एवं विदेशी भाषा विभाग, तेजपुर विश्वविद्यालय, असम, "विमेन एंड मेकिंग ऑफ द पब्लिक स्फीयर इन कंटेंपरेरी असमः ऐन ओरल हिस्ट्री डिजिटल आर्काइव"।

41. विजयलक्ष्मी नंदा, राजनीति विज्ञान विभाग, मिरांडा हाउस, दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली, "डिक्लाइनिंग चाइल्ड सेक्स रेशियो एंड वायलेंस अगेंस्ट विमेनः एग्जामिनिंग गर्ल–चाइल्ड डिस्क्रिमिनेशन"।

वृहद् एवं लघु परियोजनाएं

1. ममता शर्मा, मनोविज्ञान विभाग, पंजाबी विश्वविद्यालय, पटियाला, "एफिकेसी ऑफ कॉग्निटिव रिस्ट्रक्चरिंग टेक्निक इन कमबैटिंग डार्क साइड ऑफ़ एफ्लुएंस"।

2. संगीता मोहन, दीनदयाल उपाध्याय महाविद्यालय, दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली, "मर्डर ऑफ हाईवे ऐज़ ए रिजल्ट ऑफ रैश ड्राइविंग एन अनरावेल्ड स्टोरी ऑफ अर्बन एंड रूरल इंडिया"।

3. मनीषा राव, समाज विज्ञान विभाग, मुंबई विश्वविद्यालय, मुंबई, "डेवलपमेंट रिलिजन एंड सस्टेनेबल एन्वायरमेंट, कलेक्टिव एन्वायरमेंटल मोबिलाइजेशन इन वेस्टर्न घाट्स, कर्नाटक"।

4. पलाश बंद्योपाध्याय, वाणिज्य विभाग, ए.एच.एफ.एस., डोमजुर, हावड़ा, "इम्पैक्ट ऑफ ज़री, जेम्स एंड ज्यूलरी इंडस्ट्री ऑन एम्पलायबिलिटी इन इंडिया – ए स्पेशल रेफरेंस टू हावड़ा डिस्ट्रिक्ट वेस्ट बंगाल"।

5. ब्रोतती बिश्वास, भूगोल विभाग, सेंट जॉन्स कॉलेज, आगरा, "एप्लीकेशन ऑफ जियो–इन्फॉर्मेटिक्स फॉर सस्टेनेबल डेवलपमेंट ऑफ एन्वायरनमेंटल रिसोर्सेस इन ए सेमी–एरिड रीजन ऑफ़ इंडिया"।

6. सतीश कुमार, आईसीएसएसआर–एनआरसी, नई दिल्ली, "स्वच्छ एंड सुरक्षित कुंभ 2019 प्रयागराज"।

7. सौरभ माहेश्वरी, मनोविज्ञान विभाग, सिक्किम विश्वविद्यालय, गंगटोक, "द मेजर डिसीजंस हाउ डू वी टेक एंड हाउ डू वी रिफ्लेक्ट बैक ऑन देम"।

8. के. एम. सीदी, स्कूल ऑफ़ इंटरनेशनल रिलेशंस एंड पॉलिटिक्स, एमजी यूनिवर्सिटी, कोट्टायम, "स्टेटलेस सिटीजनशिप एंड ह्यूमन सिक्योरिटी – ए स्टडी ऑन रिपेट्रिएटिड तमिल्स इन केरल"।

9. एस. के. शर्मा, प्रबंधन संस्थान, बीआईटीएस, पिलानी, "मेज़रिंग द इम्पैक्ट ऑफ सोशली रिस्पोंसिबल चेन्स एंड डेवलपमेंट ऑफ फ्रेमवर्क फॉर इम्प्लीमेंटिंग सोशली रिस्पांसिबल सप्लाई चेन्स"।

10. वी. पी. जोशिथ, शिक्षा विभाग, सीयूके, तिरुअनंतपुरम, "ओपन एजुकेशनल रिसोर्सेस एंड मैसिव ओपन ऑनलाइन कोर्स फॉर प्रोफेशनल डेवलपमेंट ऑफ सेकेंडरी टीचर्स डिजाइन एंड डेवलपमेंट ऑफ ऐन ई–लर्निंग कोर्सवेयर"।

11. वी. के. लाहिड़ी, समाज विज्ञान विभाग, सामाजिक विज्ञान संकाय, काशी हिंदू विश्वविद्यालय, वाराणसी, "दलित रिलीजियस कल्चर, स्ट्रक्चर एंड फंक्शन बेस्ड ऑन यू.पी"।
12. स. तनिगाइवेलन, दर्शनशास्त्र विभाग, अन्नामलाई विश्वविद्यालय, अन्नामलाई, "द सोशल एंड फिलोसॉफिकल अप्रोच टू ट्रांसजेंडर इश्यूज इन कंटेंपरेरी इंडिया"।
13. प्रकाश चंद, राजनीति विज्ञान विभाग, दयाल सिंह कॉलेज, दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली, "एनवायरमेंटल पॉलिसी एंड पॉलिटिक्स इन इंडिया : ए केस स्टडी ऑफ़ एयर पॉल्यूशन मैनेजमेंट इन दिल्ली"।
14. एम. असलम भट, राजकीय महाविद्यालय, बडगाम, जम्मू एवं कश्मीर, "ग्लोबलाइजेशन एंड ग्लोबल बर्डन ऑफ डिजास्टर्स इन यंग पीपल इन एशिया : लिंकिंग द पॉलिसीज़ एंड प्रोसेसेस ऑफ लेबर मार्केट ट्रांसफॉरमेशन एंड एजुकेशनल रिस्ट्रक्चरिंग विद साइकियाट्रिक डिसऑर्डर्स ऑफ यंग पीपल इन इंडिया एंड चाइना"।
15. एस. के सरमा, राजनीति विज्ञान विभाग, सीसीएस विश्वविद्यालय, मेरठ, "अंडरस्टैंडिंग राजधर्म इन द कांटेक्स्ट ऑफ गुड गवर्नेंस – ए स्टडी ऑफ एंशिएंट संस्कृत लिटरेचर विद कंटेंपरेरी पर्सपेक्टिव"।
16. जे. के. शर्मा., राजनीति विज्ञान विभाग, गुवाहाटी विश्वविद्यालय, गुवाहाटी, "एडमिनिस्ट्रेटिव स्ट्रक्चर एंड गवर्नेंस ऑफ द नॉन–पार्ट IX एरियाज़ ऑफ द कॉन्स्टिट्यूशन : ए कंपैरेटिव स्टडी इन नॉर्थ ईस्ट इंडिया"।
17. सचिन सेवियो मोरेज़, समाज विज्ञान विभाग, पार्वतीबाई चौगुले कॉलेज ऑफ आर्ट एंड साइंस, गोवा, "मेल इंटरनेशनल माइग्रेशन एंड एक्सपीरियंस इन रूरल गोवा"।
18. फरज़ाना गुलजार, प्रबंध अध्ययन विभाग, कश्मीर विश्वविद्यालय, हजरत बल, जम्मू व कश्मीर, "यूथ एंटरप्रेन्योरशिप एंड एजुकेशन इन कनफ्लिक्ट एरियाज : ए स्टडी ऑफ हायर एजुकेशन इन जे एंड के"।
19. प्रदीप ब्रह्मचारी, मानविकी एवं समाज विज्ञान विभाग, सीआईटी, असम, "विमेन एंपावरमेंट डेवलपमेंट : ए स्टडी ऑन सेलेक्टेड अर्बन पार्ट्स ऑफ कोकराझार डिस्ट्रिक्ट ऑफ असम"।
20. बीजू विंसेंट, समाज विज्ञान विभाग, एस.एस. संस्कृत विश्वविद्यालय, कलाड़ी, केरल, "ब्रेकिंग स्ट्रक्चरल बैरियर्स इन ईटिंग आउट प्रैक्टिसेज– चेंजिंग ट्रेंड्स इन फूड सिस्टम"।
21. अमित कौट्स, शिक्षा विभाग, जीएनडीयू, अमृतसर, पंजाब, "गैप एनालिसिस ऑफ एकेडमिक अचीवमेंट, लाइफ स्किल्स एंड एस्पिरेशंस ऑफ सेकेंडरी स्कूल स्टूडेंट्स ऑफ बॉर्डर डिस्ट्रिक्ट्स ऑफ पंजाब स्टेट–पॉलिसी पर्सपेक्टिव फॉर डेवलपिंग लर्निंग आउटकम्स"।
22. बबन श्रीराम ज़ारे, एस.एस.एस.ई. महाविद्यालय, मोर्शी रोड, अमरावती, महाराष्ट्र, "आईसीटी बेस्ड सेलिंग डिसीज़न सपोर्ट ऑन एग्रीकल्चर कमोडिटीज़ फॉर फार्मर्स इन विदर्भ रीजन ऑफ महाराष्ट"।
23. नोमिता पी. कुमार, जी आई डी एस, लखनऊ, "एम्प्लॉयमेंट वल्नरेबिलिटी फेस्ड बाइ विमेन इन अर्बन अन–ऑर्गेनाइज्ड सेक्टर इन यू.पी"।
24. प्रिया टेरेसा थॉमस, मनोचिकित्सा समाज–कार्य विभाग, निमहंस, बंगलुरु, "एडोल्सेन्स विद एपिलेप्सी फीजिबिलिटीज़ ऑफ ए फैमिली इंटरवेंशन प्रोग्राम"।
25. रविंद्र त्रिपाठी, मानविकी एवं समाज विज्ञान विभाग, एमएनएनआईटी, इलाहाबाद, "स्ट्रैटेजीज़ फॉर डेवलपमेंट ऑफ़ हैंडीक्राफ्ट्स सेक्टर इन इंडिया– ऐन इम्पेरिकल स्टडी ऑफ हैंडीक्राफ्ट्स"।
26. सुलग्ना सरकार, आईपीई, हैदराबाद, "इफेक्टिव कॉरपोरेट गवर्नेंस एंड सोशल रिस्पांसिबिलिटी फॉर सस्टेनेबल बिजनेस"।
27. पद्मावती सी, वीआईटी विश्वविद्यालय, वेल्लोर, "गुड्स एंड सर्विस टैक्स (जीएसटी): ए स्टडी ऑन अवेयरनेस नॉलेज, सोशियो इकोनामिक स्टेटस एंड विलिंग्नेस टू परचेज कंज्यूमर गुड्स इन वेल्लोर सिटी"।
28. रीनहार्ट फिलिप, अंतरराष्ट्रीय संबंध विभाग, सीयूके, तिरुअनंतपुरम, "पॉलिटिकल मेटामोरफ़ोसिस ऑफ योगाः द कंटेंपरेरी रिलेवेंस ऑफ द सोशियों– पोलिटिकल फिलोसोफी ऑफ स्वामी विवेकानंद"।
29. एम. शेख बाशा साहेब, केकेसी, इंस्टीट्यूट ऑफ (पीजी) स्टडीज, चित्तूर, "इम्पैक्ट ऑफ ट्राइबल सब–प्लान स्कीम्स ऑन द सोशियो–इकोनामिक कंडीशन्स आफ शेड्यूल्ड ट्राइब्स इन आंध्र प्रदेश"।

30. सी. भास्करन, अलगप्पा विश्वविद्यालय, कराइकुडी, "यूज़ ऑफ सोशल नेटवर्क्स (एसएनएस) मीडिया ऑन डिसेमिनेटिंग रिसर्च स्कॉलर्स इनइंफॉर्मेशन अमंग सोशल साइंस रिसर्च स्कॉलर्स इन सेलेक्टेड स्टेट यूनिवर्सिटीज़ ऑफ तमिलनाडु"।

31. डी. श्री राम, जन–नीति एवं प्रशासन विभाग, पीडीपीयू, गांधीनगर, "एचआईवी/एड्स कंट्रोल स्ट्रैटेजीज़ एन एसेस्मेंट ऑफ सेल्फ कॉन्सेप्ट जेंडर इश्यूज, रोल ऑफ गवर्नमेंट एंड वॉलंटरी सेक्टर– इन गुजरात स्टेट"।

32. आएकपम इबेम्चा चानू, वाणिज्य विभाग, असम विश्वविद्यालय, डिफू कैंपस, "डिफू, शिफ्टिंग ऑक्यूपेशन एंड सोशियो–इकोनामिक कंडीशन ऑफ एसटी (ST) हाउसहोल्ड्स इन द हिल डिस्ट्रिक्ट्स ऑफ असम इन द पोस्ट– लिबरलाइजेशन पीरियड"।

33. डी. के. मदान, स्कूल ऑफ सोशल साइंसेज, पंजाबी विश्वविद्यालय, पटियाला, "ट्रेड रिलेशंस अमंग बिम्स्टेक (द बे ऑफ बंगाल इनीशिएटिव फॉर मल्टी–सेक्टोरल टेक्निकल एंड इकोनामिक कोऑपरेशन) कंट्रीज"।

34. अंशुमान बेहरा, एनआईएएस, बेंगलुरु, "नेचुरल रिसोर्सेज, कनफ्लिक्ट एंड कॉन्शसनेस, डिसेक्टिंग पीपुल्स मूवमेंट इन ओडीशा"।

35. रामचंद्र, पुस्तकालय एवं सूचना विज्ञान विभाग, अग्रवाल कॉलेज, वल्लभगढ़, फरीदाबाद, हरियाणा, "इन्फॉरमेशन सीकिंग बिहेवियर ऑफ फैकल्टी मेंबर्स एंड डेवलपमेंट ऑफ लाइब्रेरीज़ इन गवर्नमेंट कॉलेजेज़ ऑफ हरियाणा"।

36. दिव्या वर्मा, स्कूल ऑफ मैनेजमेंट स्टडीज, जीजीएसआईपी यूनिवर्सिटी, नई दिल्ली, "सेविंग्स एंड इन्वेस्टमेंट बिहेवियर ऑफ वर्किंग प्रोफेशनल्स इन इंडिया"।

37. एम. श्रीहरि, जनसंचार एवं मीडिया अध्ययन विभाग, भरतियार विश्वविद्यालय, कोयंबटूर, "एडोलसेंस एंड मेंस्ट्रुएशन – एन इंटरवेंशन स्टडी ऑफ नॉलेज, एटीट्यूड एंड प्रैक्टिसेज़ अमंग गवर्नमेंट एंड प्राइवेट"।

38. रमेश एम. एन., राजनीति विज्ञान विभाग, रानी चन्नम्मा विश्वविद्यालय, बेलागावी, कर्नाटक, "एम्पावरमेंट ऑफ दलित विमेन थ्रू पॉलीटिकल पार्टिसिपेशन एंड एजुकेशन – ए स्टडी ऑन कर्नाटक स्टेट रूरल डिस्ट्रिक्ट्स"।

39. हनुमंता राव, अर्थशास्त्र विभाग, जीबीआर डिग्री कॉलेज, ईस्ट गोदावरी डिस्ट्रिक्ट्स, आंध्र प्रदेश, "इम्पैक्ट ऑफ फूड सिक्योरिटी स्कीम ऑन दलित्स इन रूरल एरियाज ऑफ़ आंध्र प्रदेश"।

40. एस. एम. परिहार, भूगोल विभाग, किरोड़ीमल कॉलेज, दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली, "मैपिंग जिओ– स्पैशिअल डायमेंशन ऑफ हाइड्रो पॉलिटिक्स इन जे एंड के"।

41. एम. बालासुब्रह्मण्यन, आईएसईसी, बेंगलुरु, "इकोनामिक वैल्यू ऑफ फारेस्ट रिसोर्सेज – ए केस स्टडी ऑफ नाइन (9) डिस्ट्रिक्ट्स इन कर्नाटक"।

42. सुधाकर शंकरराव थूल, पुस्तकालयाध्यक्ष, यशोदा गर्ल्स आर्ट्स एंड कॉमर्स कॉलेज, नागपुर, "रिसर्च प्रोडक्टिविटी ऑफ इंफॉर्मेशन साइंटिस्ट्स इन राष्ट्रसंत तुकादाजी महाराज नागपुर यूनिवर्सिटी, नागपुर एंड इट्स एफिलिएटिड कॉलेजेज़ इन नागपुर डिस्ट्रिक्ट – ए बिबलिओमीट्रिक स्टडी"।

43. सोना मंडल, अर्थशास्त्र विभाग, कमला नेहरू कॉलेज, नई दिल्ली, "इफिकेसी ऑफ गवर्नमेंट इंटरवेंशन इन द इकोनॉमिक्स ऑफ वल्नरेबल लेबर – ए स्टडी ऑफ आर्टिजन क्लस्टर स्कीम"।

44. आर. आर. सोम कुमार, सामाजिक कार्य महाविद्यालय, कांपती, नागपुर, "कॉज़ेज़ ऑफ़ एब्सेंटीज्म एंड इट्स इम्पैक्ट ऑन स्कॉलास्टिक बैकवार्डनेस अमंग शेड्यूल्ड कास्ट हाई स्कूल स्टूडेंट्स"।

45. समीर घोष, वाणिज्य विभाग, विद्यासागर विश्वविद्यालय, मिदनापुर, "मेज़रमेंट ऑफ इम्पैक्ट ऑफ डिफरेंट प्रोग्राम्स ऑफ बोथ गवर्नमेंट एंड नॉन–गवर्नमेंट ऑर्गेनाइजेशंस ऑन द सोशियो– इकोनामिक स्टेटस ऑफ द शेड्यूल्ड ट्राइब पीपल इन जंगल महल एरियाज़ ऑफ वेस्ट बंगाल – ए केस स्टडी"।

46. एस. के. डोगरा, पंजाब विश्वविद्यालय रीजनल सेंटर एंड एक्सटेंशन लाइब्रेरी, लुधियाना, पंजाब, "ड्रग एब्यूज एंड यंग ऑफेंडर्स इन पंजाब साइको–लीगल प्रॉब्लम"।

47. सी. गिरि बाबू, शिक्षा विभाग, केकेसी इंस्टीट्यूट ऑफ ग्रेजुएट स्टडीज़, चित्तौड़, "स्टडी ऑफ इम्पैक्ट ऑफ फॉरेस्ट राइट्स एक्ट 2006 इन आंध्र प्रदेश"।

48. आशीष अरोरा, गुरु नानक देव विश्वविद्यालय, महाविद्यालय, जालंधर, पंजाब, "इनोवेशन इंटेंसिटी रेडिनेस एडॉप्शन एंड मैनेजमेंट अमंग एमएसएमई– ए केस ऑफ़ स्पोर्ट्स गुड्स एंड हैंड टूल्स क्लस्टर्स इन पंजाब"।

49. फाल्गुनी पटनायक, मानविकी एवं समाज विज्ञान सामाजिक विज्ञान विभाग, आईआईटी, रुड़की, उत्तराखंड, "पीपल पार्टिसिपेशन एंड पब्लिक वेलफेयर प्रोग्राम्स इन रूरल ओडीशा"।

50. के. सी. थवारे, अर्थशास्त्र विभाग, जीआईपीइ, पुणे, "इल्लीगल मिनरल सोर्सेस एक्सट्रैक्शन एंड इम्पैक्ट ऑन बायोडायवर्सिटी इन इंडियन स्टेटस"।

51. सलीमा जान, शैक्षिक मल्टीमीडिया अनुसंधान केंद्र, कश्मीर विश्वविद्यालय, हजरत बल, श्रीनगर, जम्मू एवं कश्मीर, "आईसीटी एंड डिजिटल डिवाइड, सोशल इंक्लूजन एंड सोशल एक्सक्लूजन – ए स्टडी ऑफ नॉर्थ इंडियन यूनिवर्सिटीज एंड कॉलेजेज़"।

52. स्वाति दत्ता, आई.एच.डी, दिल्ली, "इम्पैक्ट ऑफ प्रधानमंत्री जन–धन योजना स्कीम ऑन पुअर हाउसहोल्ड्स"।

53. शाह आलम, मनोविज्ञान विभाग, महिला महाविद्यालय, अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय, अलीगढ़, "इम्पैक्ट ऑफ़ इमोशनल एब्यूज़ ऑन सेल्फ कॉन्सेप्ट साइकोलॉजिकल वेल–बीइंग एंड एडजस्टमेंट ऑफ एडोल्सेंट्स – ए कंपैरेटिव स्टडी ऑफ़ पब्लिक एंड प्राइवेट स्कूल्स"।

54. दिलीप दिवाकर, सामाजिक कार्य विभाग, सीयूके, तिरुअनंतपुरम, "इम्पैक्ट ऑफ़ डायरेक्ट कैश ट्रांसफर इन पीओएस इन पुडुचेरी इन ब्रिंगिंग सोशल एंड फाइनेंशियल इंक्लूजन"।

55. सत्यकाम जोशी, सीएसएस, सूरत, "इंटेरोगेटिंग सोशल चेंज एंड डेवलपमेंट"।

56. शाजिया मंजूर, सामाजिक कार्य विभाग, कश्मीर विश्वविद्यालय, श्रीनगर, जम्मू व कश्मीर, "एम्प्लॉयमेंट थ्रू एंटरप्रेन्योरशिप – स्टडी ऑफ एम्पावरमेंट ऑफ एजुकेटेड विमेन इन कश्मीर"।

57. अर्पिता छतराज, अंग्रेजी एवं संस्कृति अध्ययन विभाग, बर्दवान विश्वविद्यालय, पश्चिम बंगाल, "द रिवर ऐज़ टेक्स्ट्सः ए स्टडी ऑफ द रिप्रेजेंटेशन ऑफ रिवर्स ऑफ़ बंगाल ऐज़ साइट्स फॉर मल्टीपल डिसकोर्सेज"।

58. संगीता साहनी, विनोद गुप्ता स्कूल ऑफ मैनेजमेंट, आईआईटी, खड़गपुर, "एन एक्सप्लोरेट्री स्टडी ऑन द बेरियर्स ड्राइवर्स ऑफ एडोप्शन ऑफ मोबाइल हेल्थ सर्विस इन रूरल एंड सेमी–अर्बन इंडिया"।

59. बिंदु दुग्गल, सीआरआरआईडी, चंडीगढ़, "इश्यूज एंड प्रॉब्लम्स ऑफ एल्डरली – ए स्टडी ऑफ़ चंडीगढ़"।

60. अरविंदर ए अंसारी, समाज विज्ञान विभाग, जेएमआई, नई दिल्ली, "हाफ विडोज़ः परमानेंट विक्टिम्स ऑफ वायलेंस जेंडर्ड़ इम्प्लीकेशन्स ऑफ कनफ्लिक्ट इन कश्मीर"।

61. नलिनी पाटिल, एसएनडीटी विमेन यूनिवर्सिटी, एसएनडीटी कॉलेज ऑफ एजुकेशन, विद्या विहार, पुणे, "द डायरेक्ट टीचिंग ऑफ थिंकिंग इन एजुकेशन फॉर लाइफ स्किल डेवलपमेंट"।

62. शेख मोइनुद्दीन, सीएसडीएस, दिल्ली, "मैपिंग द पोलिटिकल इकॉनमी ऑफ़ सोशल मीडिया स्पेस इन इंडिया"।

63. साहनी अतुल रेनाविकर, एसआईएम, पुणे, "बिजनेस मॉडल फॉर डेवलपमेंट कस्टमाइजे़शन एंड डेप्लॉयमेंट ऑफ एफ़ओएसएस (फ्री एंड ओपन सोर्स सॉफ्टवेयर) इन एसएमई (स्मॉल एंड मीडियम एंटरप्राइजेज़) इन एंड अराउंड पुणे"।

64. के रविशंकर, स्कूल ऑफ मैनेजमेंट, वेल्टेक डॉ. आर. आर.एंड डॉ.एस.आर. टेक्निकल यूनिवर्सिटी, चेन्नई, "इम्पैक्ट ऑफ़ डिजिटल मीडिया एंड ई–लर्निंग सॉल्यूशंस ऑन कंटेंपरेरी मैनेजमेंट एजुकेशन"।

65. चन्नावीर आर. एम., सामाजिक कार्य विभाग, सीयूके, गुलबर्गा, "नीड एसेसमेंट एंड कैपेसिटी बिल्डिंग ऑफ विलेज रिहैबिलिटेशन वर्कर्स टू इम्पावर कम्युनिटी बेस्ड रिहैबिलिटेशन (सीबीआर) ऑफ पर्सन्स विद डिसेबिलिटी (पीडब्ल्यूडी) इन कलबुर्गी डिस्ट्रिक्ट ऑफ कर्नाटक"।

66. अरुणिमा डेका, ओकेडीआईएससीडी, गुवाहाटी, "एथेनिक आइडेंटिटी, रीजनलिज्म एंड कोएलिशन पॉलिटिक्स इन इंडियाज़ नॉर्थ ईस्ट"।

67. संतोष कुमार एस, स्कूल ऑफ मैनेजमेंट स्टडीज, कोचीन यूनिवर्सिटी आफ साइंस एंड टेक्नोलॉजी, कोचीन, "एंटीसिडेंट्स एंड मेग्नीट्यूड ऑफ एनफ्लुएंस ऑफ इन्फ़ारमल सोर्सेस ऑफ फाइनेंस अमंग रूरल हाउसहोल्ड्स इन केरल"।

68. बलराज के सिद्धू, राजीव गांधी स्कूल ऑफ आईपी लॉ, आईआईटी, खड़गपुर, "क्राइम्स अगेंस्ट द एनवायरनमेंट – ए लीगल स्टडी"।

69. अरविंदर सिंह, गुजरांवाला गुरुनानक खालसा महाविद्यालय, लुधियाना, "गुरु नानकोप्स मॉडल ऑफ मल्टीकल्चरल सोसाइटी एंड पीसफुल को–एक्जिस्टेंसः इट्स रेलीवेंस इन ट्वेंटी फर्स्ट सेंचुरी"।

70. धर्मेश जी धावनकर, जनसंचार विभाग, राष्ट्रसंत तुकादोजी महाराज नागपुर विश्वविद्यालय, नागपुर, "ए स्टडी ऑन द इम्पैक्ट ऑफ मीडिया–मिक्स फॉर रीचिंग आउट द रूरल पुअर विद स्पेशल रेफरेंस टू विदर्भ"।

71. सर्वेश कुमार, देव संजय महिला महाविद्यालय, फिरोजपुर सिटी, पंजाब, "इम्पैक्ट ऑफ डी–मोनेटाइजेशन ऑन रूरल मास इन डिस्ट्रिक्ट फिरोजपुर"।

72. नचिकेत गोसावी, एसपीआईईएसआर, अहमदाबाद, "रिविजिटिंग पैसेंजर ट्रांसपोर्ट इन मेट्रोपॉलिटन सिटीज इन इंडिया – हाउ फार डू पीपुल कम्यूट"।

73. जतिंदर सिंह, सीआरआरआईडी, चंडीगढ़, "व्हाट एल्स इंडस्ट्रियल डेवलपमेंट – ए स्टडी ऑफ मेजर इंडस्ट्रियल क्लस्टर इन पंजाब"।

74. विलियम जो, आईईजी दिल्ली, "नेशनल फूड सिक्योरिटी एक्ट अमंग रूरल हाउसहोल्ड्स इन कर्नाटक"।

75. पराग अरुण खड़के, स्कूल आफ अर्थ साइंसेज, एसआरटीएम यूनिवर्सिटी, नांदेड़, महाराष्ट्र, "रीजनल इम्बैलेंस एंड सस्टेनेबल अर्बन डेवलपमेंट विद स्पेशल रेफरेंस टू स्मार्ट सिटीज इन महाराष्ट्र"।

76. प्रोवाशीष मंडल, स्वामी निस्वम बालानंद कन्या महाविद्यालय, हुगली, "प्रेजेंट कंडीशन ऑफ द ड्रॉपआउट गर्ल्स स्टूडेंट इन नॉर्थ 24 परगना डिस्ट्रिक्ट ऑर प्रेजेंट कंडीशन ऑफ द ड्रॉपआउट गर्ल्स स्टूडेंट इन द इंडो–बांग्लादेश बॉर्डर रीजन ऑफ नॉर्थ 24 परगना डिस्ट्रिक्ट"।

77. बी कृष्णइया, अंग्रेजी विभाग, यूनिवर्सिटी पीजी कॉलेज, उस्मानिया विश्वविद्यालय, सिकंदराबाद, आंध्र प्रदेश, "सोशल मूवमेंट्स एंड दलित लिटरेचर इन इंडिया"।

78. तूहीना मुखर्जी, विनोद गुप्ता स्कूल आफ मैनेजमेंट, आईआईटी खड़गपुर, "वेन मोरलटी इज़ बाउनडेड बाइ इकोनॉमिक रैशनेलिटी – अंडरस्टैंडिंग मोरल जजमेंट्स फ्रॉम सोशल इंस्टीट्यूशंनिस्ट मॉडल"।

79. ऋषभ राय, मानविकी एवं सामाजिक विज्ञान विभाग, आईआईटी, खड़कपुर, "इफेक्ट एंड रिलायबिलिटी एंड कम्पोजीशन ऑन रिस्क टेकिंग – एन इवोल्यूशनरी पर्सपेक्टिव"।

80. हेमंत कुमार, सेंटर फॉर स्टडीज़ एंड रिसर्च इन साइंस, टेक्नोलॉजी एंड इन्नोवेशन पॉलिसी, सीयूजी, गांधीनगर, "ए स्टडी इन एग्रो–बेस्ड ग्रासरूट्स इन्नोवेशन इन इंडिया"।

81. डी. चेनप्पा, वाणिज्य विभाग, यूनिवर्सिटी कॉलेज ऑफ कॉमर्स एंड बिजनेस मैनेजमेंट, उस्मानिया विश्वविद्यालय, हैदराबाद, "एनालाइजिंग द पब्लिक हेल्थ पॉलिसी ऑफ इंडिया एंड अडॉप्टेबिलिटी ऑफ ओबामा हेल्थ केयर पॉलिसी इन इंडिया"।

82. शैलजा नंदीगामा, मानविकी एवं सामाजिक विज्ञान विभाग, बिट्स, पिलानी, "पार्टीसिपेटरी एक्सक्लूजन्स ऑफ़ विमेन एंड द पुअर इन कम्युनिटी फॉरेस्ट्री – ए कंपैरेटिव स्टडी ऑफ इम्प्लिमेंटेशन ऑफ द आरओएफआर (रिकॉग्निशन ऑफ फॉरेस्ट राइट्स एक्ट) एक्रॉस 3 स्टेट्स ऑफ इंडिया"।

83. श्रद्धा शिवानी, प्रबंधन विभाग, बिट्स, मेसरा, रांची, "एटीट्यूड टुवर्ड्स फीमेल रोल पोर्ट्रेयल इन एडवरटाइजिंग एंड इट्स इम्पैक्ट ऑन ब्रांड इमेज एंड परचेज इंटेंशन – ए स्टडी ऑफ लिंकेजेस विद फेमिनिन रोल ओरियंटेशन"।

84. माधवी पिंपल, राजकुमार केवलरामानी कन्या महाविद्यालय, नागपुर, "एक्सप्लोरिंग फेमिनिज्म इन इंडो–अमेरिकन डायस्पोरा इन द राइटिंग्स ऑफ किरण देसाई एंड झूंपा लाहिरी"।

85. सत्येंद्र पांडा, मनोविज्ञान विभाग, सिक्किम विश्वविद्यालय, गंगटोक, "एन इंक्वायरी इन टू द नेचर एंड काजेज़ ऑफ सुसाइड इन सिक्किम एंड इट्स प्रिवेंटिव एप्रोचेज"।

86. नीतू गौड़, सीआरआरआईडी, चंडीगढ़, "सर्वाइवर ऑफ द सर्वाइविंग : ए स्टडी ऑफ विडोज़ ऑफ फार्मर सुसाइड विक्टिम्स इन पंजाब"।

87. लालियनजुयाली फनाई, आईएएसइ, आइजोल, "ए स्टडी ऑफ द एटीट्यूड ऑफ सेकेंडरी स्कूल हेडमास्टर्स एंड टीचर्स टुवर्ड्स इंक्लूसिव एजुकेशन इन मिजोरम"।

88. सुनीता सुखीजा, प्रबंधन एवं वाणिज्य विभाग, गुरुकाशी विश्वविद्यालय, भटिंडा, "ए स्टडी ऑन प्रोग्रेस एंड पर्सपेक्टिव्स ऑफ एंटरप्रेन्योरशिप इन नॉर्दर्न इंडियाः विद स्पेशल रेफरेंस टू सिग्निफिकेंट रोल ऑफ विमेन एंटरप्रेन्योर्स"।

89. नूपुर चौधरी, सेंटर फॉर द स्टडी आफ लॉ एंड गवर्नेंस, जेएनयू, नई दिल्ली, "लॉ, टेक्नोलॉजी एंड डेवलपमेंट थ्योरेटिकल एक्सप्लोरेशंस एंड केस स्टडीज़"।

90. नमिता भंडारी, स्नातकोत्तर वाणिज्य विभाग, एमसीएम डीएवी महिला महाविद्यालय, चंडीगढ़, "ए स्टडी ऑफ अवेयरनेस लेवल एंड डिटर्मिननेंट्स ऑफ परचेज डिसीज़न ऑफ हेल्थ इंश्योरेंस इन पंजाबः ए विमेन पर्सपेक्टिव"।

91. अर्चना उपाध्याय, रूसी एवं मध्य–एशिया अध्ययन केंद्र, जेएनयू, नई दिल्ली, "रिलीजन, पॉलिटिक्स, एंड पॉलिसी

मेकिंग इन रशिया – इंटरनल एंड एक्सटर्नल डाइमेंशन्स"।

92. एम. जे. सेंथिल कुमार, वाणिज्य विभाग, श्री कालीश्री महाविद्यालय, शिवकाषी, "ए स्टडी ऑफ अवेयरनेस ऑफ सोशल सिक्योरिटी स्कीम्स इम्प्लिमेंटेड बाइ गवर्नमेंट विद स्पेशल रेफरेंस टू सोशल साइंस इन विरुधुनगर"।

93. आई. एस. सोढ़ी, स्थानीय प्रशासन विभाग, राजीव गांधी राष्ट्रीय युवा विकास संस्थान, श्रीपेरंबदूर, तमिलनाडु, "इंक्लूसिव डेवलपमेंट थ्रू म्युनिसिपल गवर्नेन्स – ए कंपैरेटिव स्टडी इन राजस्थान एंड पंजाब"।

94. नीलांजना चक्रवर्ती, व्यवसाय प्रशासन विभाग, असम विश्वविद्यालय, सिलचर, "रोल ऑफ इंटीग्रेटेड मार्केटिंग कम्युनिकेशन ऑन विजिटर्स सिलेक्शन ऑफ हेरिटेज डेस्टिनेशनः ए स्टडी ऑफ सेलेक्ट नॉर्थ ईस्टर्न स्टेट ऑफ इंडिया"।

95. पंकज अरोरा, सीआई, दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली, "ए स्टडी ऑफ द कंसेप्ट ऑफ सिटीजनशिप एंड डेमोक्रेसी अमंग द स्टूडेंट्स एंड टीचर्स ऑफ जम्मू एंड कश्मीर"।

96. विद्या सी.टी., सीएएसएस, हैदराबाद, "पैटर्न्स ऑफ ट्रेड, स्पेशलाइजेशन एंड ट्रेड वैल्यू फॉरमेशन इन सर्विस – ए कंपैरेटिव स्टडी ऑफ इंडिया एंड चाइना"।

97. पी. आर. जेना, स्कूल ऑफ मैनेजमेंट, एनआईटी कर्नाटक, मेंगलुरू, "ए स्टडी ऑफ एडेप्टेशन टू टेक्नोलॉजिकल इन्नोवेशन इन एग्रीकल्चर टू मिटिगेट क्लाइमेट चेंज इफेक्ट्स एंड इट्स इम्पैक्ट ऑन रुरल फॉर्मर्स"।

98. टी. के. मनोमनि, भूगोल विभाग, एमकेयू, मदुरई, "ए ज्योग्राफिकल स्टडी ऑफ सॉलिड डिस्पोजल एंड मैनेजमेंट इन मदुरई सिटी, तमिलनाडु"।

99. एस. आर. विक्टर, शिक्षा विभाग, आई.जी.एन.टी. विश्वविद्यालय, अमरकंटक, मध्य प्रदेश, "डेवलपमेंट ऑफ ए मोबाइल ऐप फॉर 10th स्टैंडर्ड साइंस सिलेबस ऑफ कर्नाटक स्टेट बोर्ड"।

100. विष्णुकांत चटपल्लि, रानी चन्नम्मा विश्वविद्यालय, बेलगाम, "द स्टडी ऑन करंट सिनेरियो ऑफ हायर एजुकेशन सिस्टम इन नॉर्थ कर्नाटक"।

101. बाबू पी रमेश, स्कूल ऑफ डेवलपमेंट स्टडीज़, अंबेडकर विश्वविद्यालय, दिल्ली, "चेंजिंग डाइमेंशंस ऑफ़ लेबर एंड अनइंप्लॉयमेंट इन मीडिया – ए स्टडी ऑफ प्रिंट जर्नलिस्ट्स"।

102. ज्योत्सना साहू, पीजी डिपार्टमेंट ऑफ लाइब्रेरी एंड इन्फॉर्मेशन साइंस, संबलपुर विश्वविद्यालय, संबलपुर, "मेथेडोलॉजिकल डेवलपमेंट एंड इन्नोवेशंस इन सोशल साइंस रिसर्च – एन एसेसमेंट ऑफ द रिसर्च मेथड्स एम्प्लॉयड इन द डिसिप्लिन्स ऑफ पॉलिटिकल साइंस एंड सोशियोलॉजी"।

103. नागालिंगम एम, सामाजिक कार्य विभाग, अमृत विश्वविद्यापीठम, कोयंबटूर, "ए स्टडी ऑन द यूटिलाइजेशन ऑफ स्टूडेंटस वेलफेयर स्कीम्स ऑफ़र्ड बाइ गवर्नमेंट ऑफ़ तमिलनाडु इन कोयंबटूर डिस्ट्रिक्ट"।

104. मुसव्विर अहमद, भाषा विज्ञान विभाग, कश्मीर विश्वविद्यालय, हजरत बल, श्रीनगर, कश्मीर, "एथनो–लिंग्विस्टिक वाइटल्टी एंड लैंग्वेज मेंटेनेंस एंड शिफ्ट अमंग वेरियस माइनॉरिटी लिंग्विस्टिक ग्रुप इन कश्मीर एंड लद्दाख"।

105. ललनीलावामा, विस्तार शिक्षा एवं ग्रामीण विकास विभाग, मिजोरम विश्वविद्यालय, आइजोल, "जेंडर रोल्स इन लाइवलिहुड एक्टिविटीज अंडर शिफ्टिंग कल्टीवेशन सिस्टम इन मिजोरम"।

106. झीलम रे, अर्थशास्त्र विभाग, बर्दवान विश्वविद्यालय, बर्दवान, "इंटरनल माइग्रेशन एंड इंक्लूसिव डेवलपमेंटः माइक्रो इश्यूज़ एंड मैक्रो डाइमेंशन्स"।

107. मनोज कुमार दास, सहायक प्रोफेसर, जनसंचार विभाग, सिक्किम विश्वविद्यालय, गंगटोक, सिक्किम, "रिलीजन इन द डिजिटल एज– ए स्टडी ऑन ऑनलाइन रिलीजस मीनिंग मेकिंग इन एवरी–डे लाइफ ऑफ यूथ्स इन सिक्किम"।

108. मोयना चक्रवर्ती, स्कूल ऑफ स्टडीज इन एंथ्रोपोलॉजी, पंडित रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय, रायपुर, "न्यूट्रीशनल स्टेटस एंड यूटिलाइजेशन ऑफ एंटीनेटल हेल्थ केयर सर्विसेज़ अमंग द बैगा विमेन ऑफ छत्तीसगढ़"।

109. स्मिता मीना, सहायक प्रोफेसर, वाणिज्य विभाग, कमला नेहरू कॉलेज, अगस्त क्रांति मार्ग, नई दिल्ली, "ए स्टडी ऑफ अन–इंटेंडेड बेनिफिट्स ऑफ पीएमजेडीवाई इन ट्रांसफॉरमेशन ऑफ पीपल्स लाइफ इन इंडिया"।

110. राजकुमारी लीलापति देवी, जनसंचार विभाग, मणिपुर विश्वविद्यालय, इंफाल, "मीडिया कंजंम्प्शन एंड सोशल इंगेजमेंट – ए स्टडी ऑन मणिपुरी यूथ"।

111. सुधीर कुमार सुथर, सेंटर फॉर पॉलीटिकल साइंस, जेएनयू, नई दिल्ली, "पॉलिटिकल इंगेजमेंट, सोशल

कैपिटल एंड एलिनेशनः ए कंपैरेटिव स्टडी ऑफ फार्मर्स सुसाइड इन महाराष्ट्र, पंजाब एंड यू.पी"।

112. पूर्णिमा एम, सीएसडी, नई दिल्ली, "रिवाइविंग गवर्नमेंट स्कूल्स – केस स्टडीज़ ऑफ बेस्ट प्रैक्टिसेज़ ऑफ गवर्नमेंट स्कूल इन इम्प्रूविंग पब्लिक एजुकेशन"।

113. सुनीता कुमारी, प्रबंधन विभाग, दयालबाग शैक्षणिक संस्थान, आगरा, "अनालिसिस ऑफ एकम्पलिशमेंट ऑफ यूनिवर्सल एलिमेंट्री एजुकेशन – विद स्पेशल रेफरेंस टू यू.पी."।

114. के. शणमुगावादिवू, शिक्षा विभाग, श्री शारदा कॉलेज ऑफ एजुकेशन, सेलम, "क्राफ्टिंग एंड डेप्लोयिंग मॉड्यूल फॉर इन्वोकिंग ट्रांजैक्शनल स्टाइल्स अमंग स्टूडेंट्स–टीचर्स"।

115. ए. के. तोमर, पोस्टग्रेजुएट डिपार्टमेंट ऑफ़ इकोनॉमिक्स, डीएस कॉलेज, अलीगढ़, "इकोनॉमिक्स ऑफ स्माल–स्केल इंडस्ट्रीज़ इन वेस्टर्न उत्तर प्रदेश – एन इम्पेरिकल स्टडी"।

116. एल्बिन जोसेफ, समाज कार्य विभाग, असम विश्वविद्यालय, सिलचर, "इंक्लूजन ऑफ पर्सन्स विद डिसेबिलिटी इन द मेनस्ट्रीम–रियलिटी, चैलेंजेज़ एंड रिहैबिलिटेशन इन बराक वैली ऑफ असम स्टेट"।

117. प्रदीप चौहान, भूगोल विभाग, गौर बंग विश्वविद्यालय, पश्चिम बंगाल, "एन इम्पेरिकल स्टडी ऑफ फर्टिलिटी बिहेवियर एंड एनालिसिस आफ मल्टीपल बर्थ्स इंड्यूस्ड मेटीरियल एंड न्यूबॉर्न हेल्थ वलनरेबिलिटी ऑफ मुस्लिम माइनॉरिटीज़ – ए केस स्टडी ऑफ मालदा डिस्ट्रिक्ट ऑफ वेस्ट बंगाल"।

118. सुमन शर्मा, लेडी श्रीराम कॉलेज फॉर विमेन, दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली, "कोलैबोरेशन बिटवीन स्कूल्स (पब्लिक एंड प्राइवेट) – बेनिफिट्स एंड चैलेंजेज़"।

119. संजय कुमार, आर.के. कॉलेज, मेरठ, "क्राईम अगेंस्ट विमेन एंड रोल ऑफ विमेन पुलिसः ए स्टडी ऑफ वेस्टर्न उत्तर प्रदेश विद स्पेशल रेफरेंस टू बागपत, बुलंदशहर, हापुड़, गाजियाबाद, मुजफ्फरनगर एंड मेरठ डिस्ट्रिक्ट"।

120. एस. पुनरासु, अर्थशास्त्र विभाग, गोबी आर्ट्स एंड साइंस कॉलेज, गोबीचेट्टीपलयम, इरोड, तमिलनाडु, "एन असेसमेंट ऑफ जेंडर वेज डिस्क्रिमिनेशन अमंग दी एग्रीकल्चर लेबर इन तमिलनाडु"।

121. सुरेश बाबू जी.एस., जाकिर हुसैन कॉलेज फॉर एजुकेशनल स्टडीज, जेएनयू, नई दिल्ली, "कंटेस्टेड स्पेसेज़ ऑफ इंडियन हायर एजुकेशन अंडरस्टैंडिंग पॉलीटिकल कल्चर एंड क्रिटिकल पेडेगॉजी इन द यूनिवर्सिटी कैम्पस"।

122. स्वाति धीर, आईएमआई, नई दिल्ली, "इम्पैक्ट ऑफ वर्कप्लेस स्पिरिचुअलिटी ऑन एम्पलाइज़ एंड ऑर्गेनाइजेशन ऑफ इंडियन सर्विस सेक्टरः मॉडरेटिंग रोल ऑफ ऑर्गेनाइजेशनल कल्चर एंड ऑर्गेनाइजेशनल पॉलिटिक्स"।

123. मोहम्मद शफी, व्यापार एवं वित्त अध्ययन विभाग, कश्मीर विश्वविद्यालय, श्रीनगर, "टैक्स इंसेंटिव्स एंड इन्वेस्टमेंट बिहेवियरः ए परफेक्ट टू स्टडी द बिहेवियर ऑफ टैक्स पेअर्स"।

124. आशीष पांडेय, शैलेश जे. मेहता स्कूल ऑफ मैनेजमेंट, आईआईटी, मुंबई, "ए स्टडी ऑफ इम्पैक्ट ऑफ योगा बेस्ड प्रैक्टिसेज़ ऑन पॉजिटिव साइकोलॉजिकल आउटकम्स इन यंग हेल्थी पापुलेशन"।

125. नम्रता, मनोविज्ञान विभाग, सिक्किम विश्वविद्यालय, टाडोंग, गंगटोक, "एक्सप्लोरिंग स्कूल लीडरशिप प्रैक्टिसेज़ इन चैलेंजिंग कॉन्टेक्स्ट"।

126. बबीता पांडेय, एलपीयू, जालंधर, पंजाब, "डिज़ाइन एंड डेवलपमेंट ऑफ एडेप्टेबल ई–लर्निंग सिस्टम फॉर इम्प्रूविंग एजुकेशन इन न्यूरोमस्कुलर डिजीज़ अफेक्टेड चिल्ड्रन"।

127. सरिता गोयल, सेंट अलोयसियस कॉलेज, जबलपुर, मध्य प्रदेश, "मध्य प्रदेश के क्षेत्र में कार्यरत महिलाओं की सामाजिक–आर्थिक स्थिति का विश्लेषणात्मक अध्ययन"।

128. कार्तिक दवे, स्कूल ऑफ बिजनेस, पब्लिक पॉलिसी एंड एंटरप्रेन्योरशिप, अंबेडकर विश्वविद्यालय, दिल्ली, "एम्पलायबिलिटी ऑफ ग्रेजुएट एंड पोस्टग्रेजुएट इन रिस्पेक्ट टू रिटेल इंडस्ट्री – ए स्टडी ऑफ सेलेक्टेड स्टेट्स ऑफ नॉर्थ इंडिया"।

129. के. एम. ज्योति, तेलुगु अध्ययन विभाग, एसपीएमवीवी, तिरुपति, "ई–लिटरेचर इन तेलुगू – ए स्टडी ऑन कल्चर डाइवर्सिटी"।

130. अनिल चंद्रन एस. जनसांख्यिकी विभाग, सीयूके, तिरुअनंतपुरम, "मल्टी–डाइमेंशनल रिसर्च ऑन पापुलेशन एजिंग इन केरल (मुद्रा), केरल"।

131. राजकुमार, सेंट स्टीफेंस कॉलेज, दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली, "ए स्टडी ऑफ द इंफॉर्मेशन एक्सेस मेकैनिज्म फॉर विजुअली इम्पेयर्ड स्टूडेंट्स इन हायर एजुकेशन इंस्टीट्यूशंस इन दिल्ली"।

132. मून कलिता, शिक्षा विभाग, डिब्रूगढ़ विश्वविद्यालय, डिब्रूगढ़, असम, "इफ़ेक्ट ऑफ़ इंटरवेंशन स्ट्रैटेजीज़ ऑन लेवल ऑफ अवेयरनेस ऑफ एलिमेंट्री स्कूल टीचर्स टुवर्ड्स इंक्लूसिव एजुकेशन"।

133. निधि खुराना, सैंट अलोयसियस कॉलेज, जबलपुर, मध्य प्रदेश, "ए स्टडी ऑन विमेन बाइंग बिहेवियर– ऑनलाइन वर्सेस (Vs) इन–स्टोर"।

134. रोवेना रॉबिंसन, मानविकी एवं सामाजिक विज्ञान विभाग, आईआईटी, मुंबई, "क्रिस्चियन कास्ट एंड सिटीजनशिप– इंगेजमेंट्स एंड कंटेस्टेशन इन सिविल सोसायटी"।

135. ए. के. भगत, एमसीएनयूजेसी, नोएडा, "हिंदी पत्रकारिता में बढ़ती नकारात्मक प्रवृति और उसके प्रभाव का अध्ययन (दिल्ली से प्रकाशित तीन तश्तरिया समाचार पत्र के विशेष सन्दर्भ में)"।

136. ए. के. मचेरला, स्कूल आफ ह्यूमैनिटीज एंड सोशल साइंसेज, आईआईटी, इंदौर, "डेमोक्रेटाइजेशन ऑफ इंडियन क्रिश्चियनिटी – दलित क्रिश्चियन लिबरेशन मूवमेंट इन कंटेंपरेरी इंडिया"।

137. विपुल चंद्र सरकार, भूगोल विभाग, आनंद चंद्र महाविद्यालय, जलपाईगुड़ी, पश्चिम बंगाल, "स्ट्रैटेजीज़ फॉर इकोनामिक एंड सोशल सस्टेनेबिलिटी ऑफ टी गार्डन वर्कर्स ऑफ माल ब्लॉक इन जलपाईगुड़ी डिस्ट्रिक्ट, वेस्ट बंगाल"।

138. पी. एम. तायडे, बी.एल.डी आर्ट्स कॉलेज, पिंजर, महाराष्ट्र, "एन इवैल्यूएशन ऑफ फूड सिक्योरिटी– ए केस स्टडी ऑफ अकोला डिस्ट्रिक्ट"।

139. तेनोमोजी, ऑटोमोबाइल इंजीनियरिंग विभाग, कामरागुरु कॉलेज ऑफ टेक्नोलॉजी, कोयंबटूर, "इम्पैक्ट एनालिसिस ऑन क्लाइमेट कंडीशन्स ड्यू टू द डेवलपमेंट ऑफ हाईवे रोड्स एंड अदर इंफ्रास्ट्रक्चर्स"।

140. डी. सी. तालुले, अर्थशास्त्र विभाग, शिवाजी विश्वविद्यालय, कोल्हापुर, "फार्मर्स सुसाइड इन महाराष्ट्र – ए सेंसस स्टडी ऑफ द टू मोस्ट अफेक्टेड डिस्ट्रिक्ट्स फ्रॉम विदर्भ एंड मराठवाडा रीजन्स ऑफ द स्टेट"।

141. सुजीत मंडल, भूगोल विभाग, गौर बंग विश्वविद्यालय, मालदा, "एन एसेसमेंट ऑफ चेंजिंग कोर्स ऑफ रिवर गंगा एंड बैंक इरोजन इंड्यूस्ड सोशियो– इकोनामिक इम्पैक्ट ऑन ह्यूमन फैब्रिक इन मानिकचक दियारा ऑफ मालदा डिस्ट्रिक्ट वेस्ट बंगाल – ए स्पैशियल–टेंपोरल स्टडी फॉर एक्स– पोस्ट असिस्टेंस टू इरोज़नः विक्टिम्स"।

142. एस. सी. शेट्टर, समाज विज्ञान विभाग, कर्नाटक विश्वविद्यालय, धारवाड़, "रोल ऑफ रूरल विमेन इन वॉटर मैनेजमेंट अचीविंग टुवर्ड्स जेंडर इक्वलिटी विद स्पेशल रेफरेंस टू धारवाड़ डिस्ट्रिक्ट कर्नाटक"।

143. एम. पद्मावती, एसपीएमवी, तिरुपति, "इम्पैक्ट ऑफ विमेन एंपावरमेंट ऑन ट्राईबल डेवलपमेंट इन आंध्र प्रदेश"।

144. शिप्रा रे, संस्कृत विभाग, त्रिपुरा विश्वविद्यालय, त्रिपुरा, "इम्पैक्ट ऑफ वेदाज़ एंड स्मृतिशास्त्र ऑन राइट्स एंड रिचुअल्स ऑफ 9 ट्राइब्स ऑफ त्रिपुरा स्टेट – एन एक्सप्लोरेटिव स्टडी"।

145. देबायन पकराशि, मानविकी एवं सामाजिक विज्ञान विभाग, आईआईटी कानपुर, कानपुर, "स्किल फॉरमेशन एंड सेल्फ एंप्लॉयमेंट जेनरेशन थ्रू वोकेशनल ट्रेनिंग"।

146. रोहित जोशी, डिपार्टमेंट ऑफ ऑपरेशंस एंड सप्लाई चेन मैनेजमेंट, आरजीआईआईएम, शिलांग, "डेवलपमेंट ऑफ परफॉर्मेंस मेजरमेंट सिस्टम टू आईडेंटिफाई स्ट्रैटेजिक फिट बिटवीन फॉर्मर्स डिमांड एंड एक्स– सर्विस सप्लाईः एन एक्सप्लोरेट्री स्टडी इन इंडियन कॉन्टेक्स्ट"।

147. प्रवीणा झा, सेंटर फॉर इकोनामिक स्टडीज एंड प्लैनिंग, जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय, नई दिल्ली, "मैन्युअल स्कैवेंजर्स इन कंटेंपरेरी इंडियाः फील्ड स्टडीज फ्रॉम पंजाब एंड एम.पी."।

148. मंजूर हुसैन, समाजशास्त्र विभाग, कश्मीर विश्वविद्यालय, हजरत बल, श्रीनगर, "पुअर लाइफ कंडीशन्स ऑफ ट्राइबल पीपल इन लद्दाखः ए स्टडी ऑफ दर्द (Dard) ट्राइब"।

149. वी. कन्नन, सेंट जोसेफ इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट, सेंट जोसेफ महाविद्यालय, तिरुचिरापल्ली, "ए स्टडी ऑन द स्टार्टअप इकोसिस्टम विद स्पेशल रेफरेंस टू तमिलनाडु स्टेट"।

150. मालविका देव, वाणिज्य विभाग, पांडिचेरी विश्वविद्यालय, आर.वी. नगर, काला पेट, पुडुचेरी, "कार्बन डाइऑक्साइड (CO_2), एनर्जी कंजम्प्शन एंड इकोनामिक ग्रोथ ऑफ साउथ एशियन कंट्रीज़ (सार्क) (SAARC)"।

151. विजय रे, सीडब्ल्यूडीएस, नई दिल्ली, "मैटरनिटी केयर प्रोविजन, मेडिकल डोमिनेंस एंड हेल्थ केयर मार्केट इन इंडिया"।

152. के. के. सिंह, आर.जे. महाविद्यालय, रायपुर, अलीगढ़, "कश्मीर में इको–टूरिज्म की सम्भावनायें एवं चुनौतियाँ"।

153. अंबा पांडे, जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय, नई दिल्ली, "इंडिया–म्याँमार रिलेशंस एंड डायस्पोरा– एसेट ऑर लायबिलिटी"।

154. बी. राधा, जनसंचार विभाग, मनोमनियम सुंदरर विश्वविद्यालय, तिरुनेलवेली, "विमेन एंड मीडिया– एन एक्सपेरिमेंटल स्टडी टूवर्ड्स डी–कंस्ट्रक्शन ऑफ मास मीडियेटेड जेंडर एटीट्यूड्स अमंग कॉलेज स्टूडेंट्स इन तिरुनेलवेली"।

155. एम. विद्या, तमिलनाडु डॉ. अंबेडकर विधि विश्वविद्यालय, चेन्नई, "ए स्टडी ऑफ इम्प्लीमेंटेशन ऑफ ग्रीन सप्लाई चेन मैनेजमेंट प्रैक्टिसेज़ विद रेफरेंस टू एग्रीकल्चरल प्रोडक्ट्स"।

156. जसप्रीत कौर, प्रबंधन विभाग, दयालबाग शिक्षा संस्थान, आगरा, "ए स्टडी ऑफ वैल्यू एडिशन इन पोटैटो प्रोड्यूस बाइ एक्सप्लोरिंग प्रोसेसिंग यूनिट्स ऑफ आगरा रीजन"।

157. एस. के. मिश्रा, अर्थशास्त्र विभाग, विक्रम विश्वविद्यालय, उज्जैन, "ट्राईबल इंडेटनेस इन एम.पी. : ए स्टडी ऑफ इट्स प्रॉब्लम्स एंड इम्प्लीकेशंस"।

158. अरिंदम लाहा, वाणिज्य विभाग, बर्दवान विश्वविद्यालय, बर्दवान, "द स्टेट ऑफ डिजिटल इकोनामी इन वेस्ट बंगाल – इज़ देअर एनी रोल ऑफ डिजिटल एंड फाइनेंशियल लिटरेसी?"।

159. पीकू चौधरी, सत्यप्रिय रॉय शिक्षा महाविद्यालय, कोलकाता, "ए स्टडी ऑन द कंपिटेसी ऑफ टीचर एजुकेटर्स ऑफ वेस्ट बंगाल फॉर प्रिपेयरिंग टीचर्स फॉर इन्क्लूसिव एजुकेशन"।

160. रेनू चौधरी, एएनएसआईएसएस, पटना, "लिकर प्रोहिबिशन एंड इम्पैक्ट ऑन टुडे ट्रैपर्स : एन एथनो–ग्राफिक स्टडी ऑफ पासी कम्युनिटी इन बिहार"।

161. उपासना शर्मा, अर्थशास्त्र विभाग, स्नातकोत्तर महाविद्यालय, द्वारहाट, अल्मोड़ा, "उत्तराखंड के पहाड़ी क्षेत्रों से पलायन करने एवं उनके आर्थिक विकास पर पड़ने वाले प्रभावों का अध्ययन"।

162. संजीत मैती, डेअरी एक्सटेंशन डिवीजन, आईसीएआर, एनडीआरआई, करनाल, "लाइवलिहुड वलनरेबिलिटी टू क्लाइमेट चेंज अमंग चांगपा पेस्टोरल नोमेड्स ऑफ लेह–लद्दाख"।

163. बीना सरस्वती, आईएसआईडी, नई दिल्ली, "चेंजिंग बिजनेस ग्रुप स्ट्रैटेजीज़ इन इंडियाः एन इंक्वायरी फ्रॉम द लेंस ऑफ मर्जर्स एंड एक्विजिशन्स इन इंडिया"।

164. ए. एस. तेजावत, भारतीय भाषा विभाग, सीयूएच, महेंद्रगढ़, "द स्टडी ऑफ लैंग्वेज चेंज एंड डेवलपमेंट ऐट द बैकड्राप ऑफ कल्चरल, सोशल, पॉलीटिकल एंड इकोनामिक चेंज इन द कांटेक्स्ट ऑफ सदर्न एंड वेस्टर्न राजस्थानी सोसायटी बेस्ड ऑन रिटन एंड ओरल ट्रेडीशन"।

165. अरविंद कुमार, डॉ. के.आर. नारायणन सेंटर फॉर दलित एंड माइनॉरिटी स्टडीज, जेएमआई, नई दिल्ली, "कैटेगरी ऑर आईडेंटिटी अंडरस्टैंडिंग द सेमेंटिक्स एंड रेलीवेंस ऑफ अदर बैकवर्ड क्लासेज़"।

166. एन. आर. मिश्रा, मानविकी एवं सामाजिक विज्ञान विभाग, एनआईटी, राउरकेला, "नेचुरल डिजास्टर एंड सस्टेनेबल लाइवलिहुड्स – ए स्टडी ऑन फिशिंग कम्युनिटी ऑफ कोस्टल ओडीशा"।

167. प्रवालिका अकुला, प्रबंध अध्ययन विभाग, यूनिवर्सिटी कॉलेज ऑफ कॉमर्स एंड बिजनेस मैनेजमेंट, एमजी यूनिवर्सिटी, नलगाना, "एनआरएचएम रोल ऑफ आशा वर्कर्स विद रेफरेंस टू तेलंगाना स्टेट"।

168. इंद्राणी मंडल, भूगोल विभाग, हीरालाल भक्त कॉलेज, नलहटी, पश्चिम बंगाल, "सस्टेनेबिलिटी ऑफ रूरल रिसोर्स प्रोसेसः स्टडी फ्रॉम लबपुर सीडी ब्लॉक, बीरभूम डिस्ट्रिक्ट, वेस्ट बंगाल, इंडिया"।

169. नम्रता कांबले, एमआईटी आर्ट डिजाइन टेक्नोलॉजी यूनिवर्सिटी, पुणे, "सक्षमः इनीशिएटिव फॉर एम्पावरमेंट एंड सोशल प्रोटेक्शन ऑफ रूरल विमेन ऑफ पुणे डिस्ट्रिक्ट"।

170. हंसा जैन, एसपीआईईएसआर, अहमदाबाद, "डिजिटल कनेक्टिविटी एंड रूरल डेवलपमेंट इम्प्लीकेशंस फॉर सोशियो–इकोनामिक डिस्पैरिटीज"।

171. पी.सी. देवघरिया, अर्थशास्त्र विभाग, वीबी यूनिवर्सिटी, हजारीबाग, झारखंड, "डायनॉमिक्स डायवर्सिफिकेशन ऑफ एग्रीकल्चर इकोनामी इन झारखंड – एक्सटेंट एंड इम्पैक्ट"।

172. सी. लालेंग्ज्मा, सामाजिक कार्य विभाग, मिजोरम विश्वविद्यालय, आइजोल, मिजोरम, "एग्रेरियन ट्रांसफॉरमेशन एंड डेवलपमेंट इन लुंगेई डिस्ट्रिक्ट मिजोरम"।

173. पोडापाल शिवा रेड्डी, प्रबंध अध्ययन विभाग, डॉ. लकीरेड्डी बालिरेड्डी कॉलेज ऑफ़ इंजीनियरिंग, कृष्णा ज़िला, आंध्र प्रदेश, "फाइनेंसिंग इश्यूज़ ऑफ एमएसएमई इन कृष्णा डिस्ट्रिक्ट ऑफ आंध्र प्रदेश"।

174. रचना चतुर्वेदी, मानविकी एवं सामाजिक विज्ञान विभाग, जेपी यूनिवर्सिटी ऑफ़ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी, गुना, मध्य प्रदेश, "एन इवेलुएटिव स्टडी ऑफ़ डिजिटली एम्पावरिंग अर्बन एंड रूरल विमेन इन डिस्ट्रिक्ट ऑफ गुना, मध्य प्रदेश"।

175. एन. सी. माली, यशवंतराव चव्हाण स्कूल ऑफ रूरल डेवलपमेंट, शिवाजी विश्वविद्यालय, कोल्हापुर, "ए स्टडी ऑफ इम्पैक्ट ऑफ फार्मर प्रोड्यूसर ऑर्गेनाइजेशन ऑन स्मॉल एंड मार्जिनल फार्मर्स इन वेस्टर्न महाराष्ट्र"।

176. रमेश कुमार, वाणिज्य विभाग, तिनागराजार महाविद्यालय, मदुरई, "फाइनेंशियल लिटरेसी अमंग द बेनिफिशियरीज ऑफ प्रधानमंत्री जन धन योजना– द केस ऑफ रूरल एंड अर्बन एरियाज़ इन मदुरई डिस्ट्रिक्ट ऑफ तमिलनाडु"।

177. वनश्री मेहता, सेंट एलोयसियस कॉलेज, जबलपुर, मध्य प्रदेश, "प्रधानमंत्री कौशल विकास योजना के सामाजिक–आर्थिक प्रभाव का मूल्यांकन : महाकौशल क्षेत्रों के विशेष सन्दर्भ में"।

178. जी. एस. मल्ही, राजनीति विज्ञान स्नातकोत्तर विभाग, खालसा कॉलेज, अमृतसर, पंजाब, "चाइना इन वॉर्म वाटर्स ऑफ बलूचिस्तान – इम्प्लीकेशंस फॉर बलोच एथनीसिटी इन पाकिस्तान"।

179. गयातिर ओ, राजकीय महाविद्यालय, मदापल्ली, कोझीकोड, केरल, "पॉलिटिक्स ऑफ द फैमिली विमेन एंड पब्लिक हेल्थ लाइफ इन केरल"।

180. ओमप्रकाश कुशवाहा, आईएसएस, नई दिल्ली, "स्ट्रक्चर ऑफ पॉवर इन नॉन–वर्बल कम्युनिकेशन"।

181. प्रियंकू शर्मा, मानविकी एवं सामाजिक विज्ञान विभाग, आईआईटी गुवाहाटी, गुवाहाटी, "सोशियो–लिंग्विस्टिक्स स्टडी ऑफ फोनेटिक वेरिएशन्स ऑफ क्लेन्स एंड खेल्स ऑफ टू सदर्न अल्नगामी विलेजेस"।

182. ए. के. साहू, अर्थशास्त्र विभाग, सीयूएच, महेंद्रगढ़, हरियाणा, "इफिशियेंसी ऑफ प्रधानमंत्री मुद्रा योजना इन अचीविंग इकोनॉमिक सक्सेस – ए ग्राउंड जीरो रियलिटी टेस्ट इन हरियाणा"।

183. विकास डेका, समाज विज्ञान विभाग, डिब्रूगढ़ विश्वविद्यालय, डिब्रूगढ़, असम, "ए सोशियोलॉजिकल स्टडी ऑन द एल्डरली लिविंग इन ओल्ड एज होम्स इन असम"।

184. तनु डांग, पत्रकारिता एवं जनसंचार संस्थान, अरबी–फारसी विश्वविद्यालय, लखनऊ, "एनालिसिस ऑफ एक्सेस, एक्स्पोज़र एंड कम्युनिकेशन गैप्स ऑफ दीनदयाल उपाध्याय ग्रामीण कौशल्य योजना (डीडीयू–जीकेवाई) इन द रूरल पेरीफेरी ऑफ लखनऊ डिस्ट्रिक्ट"।

185. निमिशा कुमार, जेएमआई, नई दिल्ली, "द रोल ऑफ फादर्स इन अर्ली चाइल्डहुड डेवलपमेंट : ए स्टडी ऑफ मिडिल क्लास इनकम हाउसहोल्ड्स इन साउथ दिल्ली इंडिया"।

186. आतिशी नंदा गोस्वामी, आईसीएसएसआर–ईआरसी, कोलकाता, "ओरली परफॉर्म्ड लिटरेचर ऑफ द फोक आर्टिस्ट्स ऑफ साउथ बंगालः ऑडियो– विजुअल डॉक्यूमेंटेशन, लिंग्विस्टिक डेटा एनालिसिस एंड डिजिटल आर्काइविंग"।

187. शंकर कुमार भौमिक, कोलकाता विश्वविद्यालय, कोलकाता, "ग्लोबलाइजेशन, इकोनामिक ग्रोथ एंड एम्प्लॉयमेंट इन इंडियाः एन एग्जामिनेशन ऑफ पॉसिबल लिंकेजेस"।

स्कोपस–इंडेक्सड (Scopus Indexed) जर्नल्स में प्रकाशित पेपर्स

1. अरिंदम लाहा, ''स्टेट ऑफ डिजिटल इकॉनमी इन एशिया–पसिफिक रीजनः डिलिनीएटिंग द रोल ऑफ डिजिटल स्किल'', *इंटरनेशनल जर्नल ऑफ पब्लिक एडमिनिस्ट्रेशन इन द डिजिटल ऐज*, वॉल्यूम. 7, इशू–2 (अप्रैल–जून 2020)।
2. आदित्य खम्परिआ,''ए नावेल डीप लर्निंग–बेस्ड मल्टी–मॉडल एन्सेम्बल मेथड फॉर द प्रेडिक्शन ऑफ न्यूरोमस्कुलर डिसऑर्डर'', *न्यूरल कम्प्युटींग एंड एप्लीकेशन*, स्प्रिंगर (नवंबर 2018)।

3. आदित्य खम्परिआ, ''इफेक्ट्स ऑफ माइक्रो–वर्ल्ड गेम–बेस्ड एप्रोच ऑन न्यूरोमस्कुलर डिसेबल्ड स्टूडेंट्स लर्निंग परफॉरमेंस इन एलीमेंट्री बेसिक साइंस कोर्सेज'', *एजुकेशन एंड इनफार्मेशन टेक्नोलॉजीज़*, स्प्रिंगर (मार्च 2020)।

4. अभिषेक पारीक, ''मोटिवेशन एंड चैलेंजेज ऑफ वीमेन एंट्रेप्रेन्योर्सः एक्सपीरियंस ऑफ स्माल बिजनेस इन जयपुर सिटी ऑफ राजस्थान'', *इंटरनेशनल जर्नल ऑफ सोशियोलॉजी एंड सोशल पालिसी*, वॉल्यूम. 39, नं. 5–6 (मई 2019)।

5. अभिषेक टंडन, ''स्टडींग द मोडरेटिंग इफेक्ट ऑफ रेस्पोंडेंटज लोकैलिटी इन एम–कॉमर्स अडॉप्टेशन इंटेंशन'', *इनटरनेशनल जर्नल ऑफ इनफार्मेशन सिस्टम मॉडलिंग एंड डिजाइन*, वॉल्यूम. 15, नं. 3 (सितम्बर 2019)।

6. अलका सिंह भट्ट, '' इम्पैक्ट ऑफ एंट्रेप्रेन्योरशिप ट्रेनिंग ऑन इंटेंशन टू स्टार्ट ए बिजनेसः ए मेटा–एनालिसिस'', *द इंटरनेशनल जर्नल ऑफ एन्त्रेप्रेंयूर्शिप एंड इनोवेशन*, वॉल्यूम. 24, इशू 4 (2021)।

7. अरविन्द जसरोटिआ, ''सिटीजन आउटसाइडरः रेक्टिफायिंग द फाल्ट लाइन्स इन द केस ऑफ वेस्ट पाकिस्तान रेफूजीस इन जम्मू एंड कश्मीर'', *जर्नल ऑफ जी'आन यूनिवर्सिटी ऑफ आर्किटेक्चर एंड टेक्नोलॉजी*, वॉल्यूम. 11, इशू 12 (2019)।

8. बिजयलक्ष्मी नंदा, ''जेंडर डिस्क्रिमिनेशन एंड सेक्स–रेश्यो इम्बैलेंसः ए क्वालिटेटिव एनालिसिस'', *इंडियन जर्नल ऑफ कम्युनिटी हेल्थ*, वॉल्यूम. 32, इशू 4 (2020)।

9. डी.सी. तालुले, ''फार्मर्स सुसाइड्स इन महाराष्ट्र, 2001–2018ः ट्रेंड्स अक्रॉस मराठवाड़ा एंड विदर्भा'', *इकनोमिक पोलिटिकल वीकली*, वॉल्यूम. 55, नं. 25 (जून 2020)।

10. दिवेश कुमार, ''आइडेंटिफिकेशन ऑफ फेसिलिटेटर्स ऑफ सस्टेनेबिलिटी इनोवेशन एडॉप्शन बाय होटेलियर्स ऑफ इंडिया'', *इंटरनेशनल जर्नल ऑफ टूरिज्म सिटीज*, वॉल्यूम. 7, इशू 1 (अगस्त 2020)।

11. जी. थेनमोजहि, ''इम्पैक्ट एनालिसिस ऑन चेंज इन कलाइमेटिक कंडीशंस ड्यू टू डेवलपमेंट ऑफ हाईवे रोड्स एंड अदर इंफ्रास्ट्रक्चर एट कोइम्बटोर – एन एविडेंस'', *IOP कांफ्रेंस सीरीजः मटेरियल साइंस एंड इंजीनियरिंग*, वॉल्यूम. 573, इशू 1 (जनवरी 2020)।

12. जी. थेनमोजहि, ''इफेक्ट ऑफ डिस्ट्रक्शन ऑफ ट्रीज ऑन हाईवे रोड्स एंड इट्स इम्पैक्ट ऑन क्लाइमेट चेंज एट कोइम्बटोर – ए केस स्टडी'', *IOP कांफ्रेंस सीरीजः मटेरियल साइंस एंड इंजीनियरिंग*, वॉल्यूम. 1070, इशू 1 (जनवरी 2021)।

13. जी. थेनमोजहि, ''एन इंटेंसिव ऑनलाइन सर्वे ऑफ क्लाइमेट चेंज ड्यू टू डेवलपमेंट ऑफ रोड्स एंड ब्रिड्जस ऑन द हाईवे रोड एट कोइम्बटोर – एन एविडेंस'', *IOP कांफ्रेंस सीरीजः मटेरियल साइंस एंड इंजीनियरिंग*, वॉल्यूम. 1070, इशू 1 (जनवरी 2021)।

14. जय कुमार, ''मल्टी– टेम्पोरल LULC क्लासिफिकेशन यूजिंग हाइब्रिड एप्रोच एंड मॉनिटरिंग बिल्ट अप ग्रोथ विद शन्नों'ज एन्ट्रापी फॉर ए सेमि–एरिड रीजन ऑफ राजस्थान, इंडिया'', *जर्नल ऑफ जियोलाजिकल सोसाइटी ऑफ इंडिया*, वॉल्यूम. (2020)।

15. जय कुमार, ''असेसमेंट ऑफ ग्राउंड वाटर क्वालिटी फॉर ड्रिंकिंग एंड इरीगेशन पर्पस यूजिंग जोसपेशिअल एंड स्टैटिस्टिकल टेक्निक्स इन ए सेमि–एरिड रीजन ऑफ राजस्थान, इंडिया'', *जर्नल ऑफ जियोलाजिकल सोसाइटी ऑफ इंडिया*, वॉल्यूम. 97 (अप्रैल 2021)।

16. जसप्रीत कौर, ''इंटरप्रेटिव स्ट्रक्चरल मॉडल फॉर फसिलिटेटर्स एंड बैरियर्स टू स्माल स्केल पोटैटो प्रोसेसिंग इंडस्ट्री अमंग सेल्फ–एम्प्लॉयड फार्मर्स'', *इंटरनेशनल जर्नल ऑफ एंट्रेप्रेन्योरशिप एंड स्माल बिजनेस*, वॉल्यूम. 10।

17. जोगेंद्र कुमार नायक, '' एन एक्सहिबीटर्स पर्सपेक्टिवः फैक्टर्स अफ्फेक्टिंग सिलेक्शन ऑफ इंडस्ट्रियल ट्रेड शोज इन इंडिया एंड द इम्पोर्टेंस ऑफ स्पॉट सेल्स'', *जर्नल ऑफ बिजनेस टू बिजनेस मार्केटिंग*, वॉल्यूम. 26, नं. 2 (अप्रैल 2019)।

18. के. कृष्णा कुमार, ''वीमेन एंट्रेप्रेन्योर्स इन रूरल सेक्टर–इश्यूज एंड चैलेंजेज'', *जर्नल ऑफ क्रिटिकल रिव्यूस*, वॉल्यूम. 7, इशू 16 (2020)।

19. ललिथा नारायणन, ''जी. आई. इस. फॉर प्रोटेक्टिंग एग्रो बायोडायवर्सिटी एंड प्रमोटिंग लाइवलीहुड्सः स्टेटस, चैलेंजेज एंड वे फॉरवर्ड'', *जर्नल ऑफ रूरल डेवलपमेंट*, वॉल्यूम. 37, नं. 3 (2018)

20. एम. बालासुब्रमण्यन, ''इकनोमिक वैल्यू ऑफ रेगुलेटिंग इकोसिस्टम सर्विसेज'', *एनवायर्नमेंटल मॉनिटरिंग एंड असेसमेंट*, वॉल्यूम. 191, इशू 616 (सितम्बर 2016)।

21. मधुसूदन बंदी, ''ट्राइबल राइट्स एंड हेरिटेज कंजर्वेशन इन द वेस्टर्न घाट्स ऑफ कर्नाटक'', *इकनोमिक पोलिटिकल वीकली*, वॉल्यूम. 55, नं. 41 (अक्टूबर 2020)।

22. नमिता चकमा, ''असेसमेंट ऑफ डेवलपमेंट ऑफ युकसोम ग्राम पंचायत यूनिट इन सिक्किम यूसिंग SWOT मॉडल'', *स्पेस एंड कल्चर, इंडिया*, वॉल्यूम. 7, नं. 4 (मार्च 2020)।

23. नमिता चकमा, ''पर्सपेक्टिव ऑन लार्ज कार्डामम कल्टीवेशन एंड इट्स चैलेंजेज इन वेस्ट सिक्किम, इंडिया'', *चिल्ड्रन एंड युथ सर्विसेज रिव्यु*, वॉल्यूम. 6, इशू 5 (मार्च 2019)।

24. नसरीन बानु, ''लिंकेजीज बिटवीन लाइवलीहुड एसेट्स, हैल्थकेयर फैसिलिटीज, हेल्थ एंड वेल–बीइंगः ए स्टडी ऑफ इंडो–बांग्लादेश बॉर्डर'', *जीओ* (Geo) *जर्नल* (अप्रैल 2021)।

25. नीतू यादव, ''ड्राइवर्स ऑफ सस्टेनेबिलिटी प्रैक्टिसेज एंड SMEs: ए सिस्टेमेटिक लिटरेचर रिव्यु'', *यूरोपियन जर्नल ऑफ सस्टेनेबल डेवलपमेंट*, वॉल्यूम. 7, नं. 4 (2018)।

26. नीलाद्रि सेखर धार, ''क्रेडिट कन्सट्रैन्ट एंड इंट्रा–कंट्री प्रोडक्शन रीओर्गनाइजेशन–एविडेंस फ्रॉम द अनओर्गनाइजड टेक्सटाइल इंडस्ट्री इन महाराष्ट्र'', *जर्नल ऑफ इकनोमिक स्टडीज*, वॉल्यूम. 47, नं. 2 (2020)।

27. नीलाद्रि सेखर धार, ''ऑन डायवर्सिफिकेशन ऑफ रूरल इन्कम्सः ए व्यू फ्रॉम थ्री विलेजीज ऑफ आंध्र प्रदेश'', *इंडियन जर्नल ऑफ लेबर इकोनॉमिक्स*, वॉल्यूम. 51, नं. 2 (दिसंबर 2018)।

28. निरंजन रॉय, ''अंडरस्टैंडिंग क्लाइमेट चेंज इन टर्म्स ऑफ रेनफॉल फ्लक्चुएशन एंड स्टेटस ऑफ एग्रीकल्चरल प्रोडक्टिविटी इन नार्थ ईस्ट इंडिया'', *इकोलॉजी, एनवायरनमेंट एंड कंजर्वेशन*, वॉल्यूम. 26, नं. 3 (फरवरी 2020)।

29. प्रद्योत रंजन जेना, ''इम्पैक्ट ऑफ क्लाइमेट चेंज ओन क्रॉप यील्ड्सः एविडेंस फ्रॉम इर्रिगेटेड एंड ड्राई लैंड कल्टीवेशन इन सेमि–एरिड रीजंस ऑफ इंडिया'', *जर्नल ऑफ एनवायर्नमेंटल एकाउंटिंग एंड मैनेजमेंट* (2020)।

30. रोली मिश्रा, "फ्रॉम फार्मलैंड टू वेस्टलैंडः ए स्टडी ऑफ आउट–माइग्रेशन", *इंडियन जर्नल ऑफ लेबर इकोनॉमिक्स*, वॉल्यूम. 62, नं. 4 (नवंबर 2019)।

31. इस. गोपालकृष्णन, ''ए स्टडी ऑन द फैक्टर्स इन्फ्लुएंसिंग सेग्रीगेशन ऑफ हाउसहोल्ड वेस्ट बाय द रेसिडेंट्स ऑफ बेंगलुरु सिटी'', *इंडियन जर्नल ऑफ एनवायर्नमेंटल प्रोटेक्शन*, वॉल्यूम. 41, इशू 4 (अप्रैल 2021)।

32. साक्षी वॉकर, ''असेसमेंट ऑफ डिफरेंट इंडिसेस (वेजटेशन, सैलिनिटी) एंड साल्ट एफ्फेक्टेड एरिया ट्रेंड एनालिसिस यूजिंग शन्नों एन्ट्रापी एप्रोच– ए केस स्टडी ऑफ ए सेमि–एरिड रीजन ऑफ इंडिया यूजिंग RS/GIS'', *प्लांट आर्काइव्ज*, वॉल्यूम. 19, इशू 2 (2019)।

33. सीमिता मोहंती, ''बैरियर्स, ओप्पोर्तुनिटीज एंड इनब्लेर्स टू एजुकेट गर्ल्स फ्रॉम पर्टिक्यूलरली वल्नरेबल ट्राइबल ग्रुप्सः ए सिस्टेमेटिक रिव्यु ऑफ लिटरेचर'', *चिल्ड्रन एंड युथ सर्विसेज रिव्यु*, वॉल्यूम. 118 (नवंबर 2020)।

34. सीमिता मोहंती, ''डेवलपिंग क्वालिटी एजुकेशन टू गर्ल्स फ्रॉम पर्टिक्यूलरली वल्नरेबल ट्राइबल ग्रुप्स इन इंडिया'', *ह्यूमैनिटिज़ एंड सोशल साइंसेज रिव्यूवज़*, वॉल्यूम. 7, नं. 1 (जनवरी 2019)।

35. स्मिता सिरोही, ''इफेक्ट ऑफ डराउट ऑन लाइवस्टॉक एंटरप्राइजः एविडेंस फ्रॉम राजस्थान'', *इंडियन जर्नल ऑफ एनिमल साइंसेज़*, वॉल्यूम. 90, इशू 1 (जनवरी 2020)।

36. स्मृतिरेखा मोहंती, ''ए डिस्टीब्यूशनल एनालिसिस ऑफ द जेंडर वेज गैप अमंग टेक्निकल डिग्री एंड डिप्लोमा होल्डर्स इन अर्बन इंडिया'', *इंटरनेशनल जर्नल ऑफ एजुकेशनल डेवलपमेंट*, वॉल. 80 (जनवरी 2021)।

37. एस. निंगथौजम, ''कॅरियर एस्पिरेशंस अमंग युथ इन मणिपुरः स्टडिंग द बैरियर्स टू एस्पिरेशन इन ए कनफ्लिक्ट रीजन'', *ऑस्ट्रेलियन जर्नल ऑफ कॅरियर डेवलपमेंट*, सेज पब्लिकेशन (2020)।

38. सुनिलद्रो एल. एस. आकोजम, ''सोसिओ–इकनोमिक इम्पैक्ट ऑफ वीकली मार्केट्सः एन असेसमेंट ऑफ फार्मर्स इन गारो हिल्स ऑफ मेघालय'', *इंटरनेशनल जर्नल ऑफ रीसेंट टेक्नोलॉजी एंड इंजीनियरिंग*, वॉल्यूम. 8, इशू 3 (सितम्बर 2019)।

39. सुजित मंडल, ''अस्सेस्सिन्ग द इनस्टैबिलिटी एंड शिफ्टिंग करैक्टर ऑफ द रिवर बैंक गंगा इन मानिकचक दियरा

ऑफ मालदा डिस्ट्रिक्ट, वेस्ट बंगाल यूसिंग बैंक इरोजन हैजर्ड इंडेक्स'', *यूरोपियन एसोसिएशन ऑफ जिओग्राफर्स*, वॉल्यूम. 8, नं. 4 (अक्टूबर 2017)।

40. टी. इस. देवराज, ''इम्पैक्ट ऑफ सब्सीडीस ऑन इथेनॉल प्रोडक्शन इन इंडिया'', *जर्नल ऑफ इमर्जिंग टेक्नोलोजीज एंड इनोवेटिव रिसर्च*, वॉल्यूम. 8, इशू 8 (अगस्त 2021)।

41. उदयन चंदा, '' ए बैसिअन नेटवर्क मॉडल ऑन द इंटरलिंकेज बिटवीन सोशली रेस्पोंसिबल HRM, एम्पलॉईस सटिस्फैक्शन, एम्प्लोयी कमिटमेंट एंड ओर्गनाइजेशनल परफॉरमेंस'', *जर्नल ऑफ मैनेजमेंट एनालिटिक्स*, वॉल्यूम. 7, इशू 1 (अगस्त 2019)।

42. उदयन चंदा, ''ऑप्टीमल इन्वेस्टमेंट ऑफ रिसोर्सेज इन क्रिएशन ऑफ ह्यूमन कैपिटलः ए कण्ट्रोल थ्योरेटिकल एप्रोच'', *इंटरनेशनल जर्नल ऑफ एडवांस्ड ऑपरेशन्स मैनेजमेंट*, वॉल्यूम. 25, इशू 4 (दिसंबर 2019)।

43. वी. संगीथा, ''ऐटिटूड ऑफ स्टाफ वर्किंग इन प्राइमरी हेल्थ सेंटर्स विथ स्पेशल रिफरेन्स टू थूथुकुड़ी डिस्ट्रिक्ट, इंटरनेशनल जर्नल ऑफ रीसेंट टेक्नोलॉजी एंड इंजीनियरिंग, वॉल्यूम. 8, इशू 4 (दिसंबर, 2019)।

यूजीसी केयर लिस्टेड (CARE Listed) जर्नल्स में प्रकाशित पेपर्स

1. अभिषेक पारीक, ''मोटिवेशन एंड चैलेंजेज ऑफ वीमेन एंट्रेप्रेन्योर्सः एक्सपीरियंस ऑफ स्माल बिजनेस इन जयपुर सिटी ऑफ राजस्थान'', *इंटरनेशनल जर्नल ऑफ सोशियोलॉजी एंड सोशल पोलिसी*, वॉल्यूम 39, नं. 5–6, (2019)।

2. अजय कुमार सिंह, ''एन एनालिसिस ऑफ पीयर ग्रुप एंड सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स इन्फ्लुएंस डिफर अक्रॉस डिफरेंट सोशल ग्रुप्स'', *एडुटेक*, (2021)।

3. अमित कौत्स, ''लाइफ स्किल्स ऑफ एडोलसेंट स्टूडेंट्स इन रिलेशन टू ऑक्यूपेशनल एंड एजुकेशनल एस्पिरेशंस'', *स्टडीज इन इंडियन प्लेस नेम्स*, वॉल्यूम. 40, इशू 1 (1 जनवरी 2020)।

4. अमूल्य एम, ''इम्पैक्ट ऑफ टूरिज्म ऑन लोकल कम्युनिटी डेवलपमेंट ऑफ चामराजनगर डिस्ट्रिक्ट'', *SELP जर्नल ऑफ सोशल साइंस*, वॉल्यूम. 10, इशू 42 (जुलाई – सितम्बर 2019)।

5. अयेक्पम बेमचा चानू, ''ऑक्यूपेशनल शिफ्टिंग एंड सोशिओ–इकनोमिक कंडीशन ऑफ शेड्यूल्ड ट्राइब्स ऑफ असम इन द पोस्ट–लिब्रलाइजेशन पीरियड'', *थिंक इंडिया जर्नल*, वॉल्यूम. 22, इशू 35 (दिसंबर 2019)।

6. भावेश जेठवा, ''कच्छ की संस्कृति की विरासत'', *साहित्यसेतु*, इशू 4 (जुलाई – अगस्त 2020)।

7. भावेश जेठवा, ''कच्छी लोकसंस्कृति का अध्ययन'', *साहित्यसेतु*, इशू 2।

8. बिंदु दुग्गल, ''एल्डर्ली एब्यूज एंड इट्स नुएन्सेसः ए केस स्टडी ऑफ चंडीगढ़'', *मैन एंड डेवलपमेंट,* CRRID चंडीगढ़, पंजाब।

9. भूपिंदर सिंह टग्गर, ''ब्रिटिश रूल इन पंजाबः ए स्टडी ऑफ कन्टोन्मेंटस, ट्रेड एंड अर्बनाईज़ेशन'', *शोध सरिता*, वॉल्यूम. 7, इशू 28।

10. कोमल सिन्हा, ''अंडरस्टैंडिंग ग्रोथ एंड डेवलपमेंट ऑफ प्राइमरी एजुकेशन इन नार्थ–ईस्ट इंडिया'', *जर्नल ऑफ एजुकेशनल प्लानिंग एंड एडमिनिस्ट्रेशन*, वॉल्यूम. 33, नं. 4 (2019)।

11. के. गुलाम दस्थगीर, ''अमलगैमेशन ऑफ कुड़ीमारामाथु विथ फ्रेंच एंड नव लिबरल इरीगेशन इंस्टीटूशन्स इन पुडुचेरीः अप्प्रोचेस एंड आउटकम्स'', *स्टडीज इन इंडियन प्लेस नेम्स*, वॉल्यूम. 40 (मार्च 2020)।

12. एम. जे. सेंथिल कुमार, ''ए स्टडी ऑन अवेयरनेस ऑफ सोशल सिक्योरिटी स्कीम्स इम्प्लीमेंटेड बाय द गवर्नमेंट विद स्पेशल रिफरेन्स टू सोशल इन्शुरेन्स इन विरुधुनगर डिस्ट्रिक्ट'', *इंटरनेशनल जर्नल ऑफ क्रिएटिव रिसर्च थॉट्स*, वॉल्यूम. 8, इशू: 9 (सितम्बर 2020)।

13. एम. कार्थी, "एन अप्रेजल ऑफ रिस्टोरेशन ऑफ रूरल टैंक्स विद ट्रेडिशनल पार्टिसिपेशन (कुडीमारामाथु) इन कुडालोर डिस्ट्रिक्ट, तमिलनाडु", इंटरनेशनल जर्नल ऑफ क्रिएटिव रिसर्च थॉट, वॉल्यूम. 5 इशू 4, (नवंबर 2017)।

14. एम. कार्थी, ''ए स्टडी ऑन रेस्टोरेशन ऑफ रूरल टैंक्स फॉर सस्टेनेबल रूरल डेवलपमेंट इन कुड्डालोर डिस्ट्रिक्ट'', *जर्नल ऑफ एनवायर्नमेंटल साइंस, कंप्यूटर साइंस एंड इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी*, वॉल्यूम. 7, इशू 1, (फरवरी 2018)।

15. एम. टी. वि. नागराजू, ''हेल्थ एंड हाइजीनिक प्रैक्टिसेज ऑफ स्कूल चिल्ड्रन एस हेल्थी लाइफ स्किल्स टू बी इम्पार्टेड – ए स्टडी इन अनूपपुर डिस्ट्रिक्ट ऑफ मध्य प्रदेश स्टेट'', *रिसर्च एंड रेफ्लेक्शंस ऑन एजुकेशन*, वॉल्यूम. 18, इशू: 3–ए, (सितम्बर 2020)।

16. एम. टी. वि. नागराजू, ''असेसिंग द लेवल्स ऑफ अवेयरनेस ऑफ हेल्थ एंड हाइजीन कॉन्सेप्ट्स अमंग एलीमेंट्री स्कूल स्टूडेंट्स'', *जर्नल ऑफ कम्युनिटी गाइडेंस एंड रिसर्च*, वॉल्यूम. 35, नंः 3, (2018)।

17. निलंजना चक्रबर्ती, ''इंटीग्रेटेड मार्केटिंग कम्युनिकेशन एज एन एलिमेंट ऑफ विसिटरज सेलेक्शन ऑफ हेरिटेज डेस्टिनेशनः ए थ्योरेटिकल फ्रेमवर्क'', *इंटरनेशनल जर्नल फॉर रिसर्च इन इंजीनियरिंग एंड मैनेजमेंट*, वॉल. 5, इशू : 10 (जनवरी 2020)।

18. पी. ए. खड़के, ''को–रिलेशन बिटवीन अर्बन लिटरेसी रेट एंड अर्बन सेक्स रेश्यो इन महाराष्ट्र'', *रिसर्च गुरुः ऑनलाइन जर्नल ऑफ मल्टीडिसिप्लिनरी सब्जेक्ट्स*, वॉल्यूम. 12, इशू 4 (मार्च 2019)।

20. पूजा, ''फ्यूचर प्रॉस्पेक्ट्स ऑफ एंट्रेप्रेन्योरशिप एज वेल एज वीमेन एंट्रेप्रेन्योर्स इन नॉर्थेर्न इंडिया'', *दोगो रंगसँग रिसर्च जर्नल*, वॉल्यूम. 10, नं. 24 (जुलाई 2020)।

21. पी. श्रीनिवास, ''स्किल डेवलपमेंट फॉर इंक्लूसिव एंड सस्टेनेबल ग्रोथ इन इंडिया'', *द इंडियन इकनोमिक जर्नल*।

22. रोली मिश्रा, ''आइडेंटिटी क्राइसिस एंड नेशनल रजिस्टर फॉर सिटीजन्स इन असम'', *UPUAE इकनोमिक जर्नल*, वॉल्यूम. 11, नं. 1।

23. आर. आर. सोमकुवर, ''फॅमिली बैकग्राउंड एंड एजुकेशनल स्टेटस ऑफ द पेरेंट्स एंड अब्सेंटीइज्म अमंग मिडिल स्कूल स्टूडेंट्स'', *शोध समीक्षा और मूल्याङ्कन*, (मई 2020)।

24. आर. आर. सोमकुवर, ''सोसिओ–इकनोमिक स्टेटस ऑफ स्टूडेंट्स अब्सेंटीज एंड इट्स इम्पैक्ट ऑन देयर परफोर्मेंसेस'', *शोध समीक्षा और मूल्याङ्कन* (Research Analysis and Evaluation), (मई 2020)।

25. शंकरनारायणन पालीरी, ''डायलेक्टिकल एंड कल्चरल इम्पीडिमेंट्स इन लर्निंग अमंग सेकेंडरी लेवल तमिल लिंगुइस्टिक माइनॉरिटी स्टूडेंट्स ऑफ केरला'', *जर्नल ऑफ कम्युनिटी गाइडेंस एंड रिसर्च*, वॉल्यूम. 36 , इशू : 3 (नवंबर 2019)।

26. संजीव शर्मा, ''प्राचीन भारत में राजधर्म की अवधारणाः महाभारत में राजत्व के परिप्रेक्ष्य में कतिपाया संकेत'', *भारतीय राजनीति विज्ञान शोध पत्रिका*, वॉल्यूम. 10, नं. 01 (2020)।

27. शैलेन्द्र कुमार सिंह, ''विजिबिलिटी लैंग्वेजेज इन द अर्बन इको–स्फीयरः ए केस स्टडी ऑफ लखनऊ'', *इंटरनेशनल जर्नल ऑफ द्रविड़ियन लिंग्विस्टिक्स*'', वॉल्यूम. 50, नं. 2 (जून 2021)।

28. स्मिता मीणा, ''रोल ऑफ पी. एम. जे. डी. वाय. इन चेंजिंग लाइव्स ऑफ पीपल इन इंडिया'', *इंटरनेशनल पीयर रिव्युवड एंड रेफरीड जर्नल्स*, वॉल. 6, इशू 2 (मई 2018)।

27. विवेक कुमार मिश्रा, ''द अबरोगेशन ऑफ आर्टिकल 370: इंटरनेशनल रिएक्शंस'', *इंडियन जर्नल ऑफ एशियाई अफेयर्स*, वॉल. 33, नं. 1 (दिसंबर 2020)।

परिशिष्ट–4

अनुसंधान अध्येतावृत्तियाँ

राष्ट्रीय अध्येतावृत्तियाँ (जारी)

1. श्रीकुमार चट्टोपाध्याय, नेशनल सेंटर फॉर अर्थ (EARTH) साईंस स्टडीज़ (एनसीईएसएस), तिरुवनंतपुरम, "रिवर रेस्टोरेशन एंड वाटर गवर्नेंस इन अरबनाइजिंग लैंडस्कैप ऑफ इंडिया : ए को–इवोल्यूशनरी फ्रेमवर्क फॉर सस्टेनेबल वाटर मैनेजमेंट"।
2. एस आर भट्ट, श्री लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रीय संस्कृत विद्यापीठ, नई दिल्ली "तंत्रयुक्ति – मैथडोलॉजिकल डिवासेस फॉर कम्पोजीशन ऑफ साइंटिफिक ट्रीटेस"।
3. एस एन चौधरी, नेहरु मेमोरियल म्यूजियम एंड लाइब्रेरी (एनएमएमएल), नई दिल्ली, "कल्चरल हेरिटेज – इंम्लीकेशंस फॉर डेवलपमेंट (विद पार्टिकूलर रेफरेंस टू भील एंड गोंड ट्राइब्स ऑफ एम.पी.)"।
4. रामेश्वर प्रसाद मिश्र, अटल बिहारी बाजपेयी हिन्दी विश्वविद्यालय, भोपाल, "धर्म शास्त्रों में प्रतिपादित समाजशास्त्र – आधार , सिद्धांत , व्यवहार एवं परम्पराएं तथा नियमावली"।

वरिष्ठ अध्येतावृत्तियाँ (जारी)

सामान्य श्रेणी

1. प्रेम लाल जोशी, आईसीएसएसआर–डब्ल्यूआरसी, मुंबई, "क्रिटिकल डिटरमिनेंटस ऑफ इंटरनल ऑडिट इफेक्टिवनेस इन इंडियन लिस्टेड कंपनीज"।
2. एस. उपेंद्र, सीईएसएस (CESS), हैदराबाद, तेलंगाना, "इंपैक्ट ऑफ इंफार्मेशन टेक्नोलॉजी ऑन सर्विस क्वालिटी एंड कस्टमर सेटिसफेक्शन इन बैंकिंग सेक्टर – अ कम्परेटिव स्टडी ऑफ एसबीआई एंड आईसीआईसीआई बैंक"।
3. चंदा चटर्जी, एनएमएमएल, नई दिल्ली, "फ्रीडम्स क्वेस्टः टैगोर थॉट्स ऑन इंडियन हेरिटेज एंड हिस्ट्री"।
4. अनीता पांडा, नार्थ ईस्टर्न हिल यूनिवर्सिटी (एनईएचयू), शिलांग, मेघालय, "मूल विशिष्ट संस्कृति और मानव मूल्य"।
5. एस एम सिराजुद्दीन, एनएमएमएल, नई दिल्ली, "इंपैक्ट ऑफ लेजिस्लेटिव मेजर्स ऑन एट्रोसिटीस अगेंस्ट एससी (SC) एंड एसटी (विद पार्टिकूलर रेफरेंस टू आंध्र प्रदेश, हिमाचल प्रदेश एंड गुजरात स्टेट)"।
6. वी. सूर्यनारायण, मद्रास इंस्टीट्यूट ऑफ डेवलपमेंट स्टडीज, "द अदर तमिल्स ऑफ श्रीलंका : पीपुल्स ऑफ इंडियन ओरिजिनः न्यू अपारचुनिटीज न्यू चैलेंजेस"।
7. ए पद्मावती, एसवीयू, तिरुपति, आंध्र प्रदेश, "डेवलपमेंट ऑफ कल्टीवेवल वेस्ट लैंड थ्रू फार्म एंड नॉन–फॉर्म एक्टिविटीज इन रायलसीमा रीजन ऑफ आंध्र प्रदेश"।
8. एम. इंदिरा, मैसूर यूनिवर्सिटी, मैसूर, कर्नाटक, "क्रॉस–सेक्टर पाट्नरशिपस फॉर डेवलपमेंटः एन एंपीरिकल स्टडी ऑफ क्रास–सेक्टर पार्टनरशिप अंडर मैंडेटरी सीएसआर (CSR) इन कर्नाटक"।
9. उत्तम कुमार भट्टाचार्य, आईडीएस, कोलकाता, प. बंगाल, "मशीन टूल इंडस्ट्री इन द कांटेक्स्ट ऑफ मेक इन इंडिया : एन एसेसमेंट ऑफ इट्स पोटेंशियल टुवर्डस मैन्यूफैक्चरिंग आउटपुट एंड एम्प्लायमेंट"।
10. कप्पगंतुला वीवीएपीटी सूर्य राव, आंध्र यूनिवर्सिआी (ए.यू.), विशाखापत्तनम, आंध्र प्रदेश (ए.पी.), "एन इकोनॉमिक एनालिसिस ऑफ डिटरमिनेंटस ऑफ हैप्पीनेस – ए केस स्टडी ऑफ आंध्र प्रदेश"।
11. कोंडापल्ली परमेश्वर राव, एयू, विशाखापत्तनम, एपी, "एग्रीकल्चरल डिस्ट्रेस इन आंध्र प्रदेश : अ केस स्टडी इन नार्थ कोस्टल डिस्ट्रिक्स ऑफ आंध्र प्रदेश"।

12. नेत्रानंद जयदेव प्रधान, महाराजा सयाजीराव विश्वविद्यालय बड़ौदा, वडोदरा, गुजरात, "ए केस स्टडी ऑफ इन्क्लूसिव एजूकेशन एट एलिमेंटरी स्कूल्स इन इंडिया"।
13. पडाला प्रसाद, ओयू, हैदराबाद, "इनोवेशन एंड इंटरवेनशन फॉर सीनियर सिटीजंस – अ केस स्टडी ऑफ तेलंगाना"।
14. निरंजन कुमार किचा, राजस्थान यूनिवर्सिटी (यूओआर), जयपुर, राजस्थान, "पर्यावरण चेतना एवं संरक्षण : जैन संस्कृति के परिप्रेक्ष्य में मूल्यांकन"।
15. रामिरेड्डी मल्लिकार्जुन रेड्डी, सीईएसएस, हैदराबाद, तेलंगाना, "लाइवलीहुडस ऑफ रुरल हाउसहोल्डस इन डिफरेंट क्लाइमेटिक कंडीशंस विद स्पेशल फोकस ऑन डेयरी फॉर्मिंग – एन एसेसमेंट"।
16. राम बिलास, बीएचयू, वाराणसी, उप्र, "इलेक्ट्रो– मैग्नेटिक रेडिएशन एंड इट्स इफेक्ट ऑन ह्यूमन हेल्थ"।
17. अलका सिंह, जीआईडीएस , लखनऊ, उत्तर प्रदेश, "भारत में कार्य–स्थल पर यौन उत्पीड़न शिकायत निवारण समितियों की भूमिका और प्रभाव का आंकलन"।
18. हरि एस बिष्ट, उत्तराखंड मुक्त विश्वविद्यालय, हल्द्वानी, उत्तराखंड, "ए स्टडी ऑफ सोशल डिटरमेंटस ऑफ हेल्थ एंड हेल्थ सीकिंग विहेवियर अमंग एल्डरली पीपुल इन माउंटेन रीजन ऑफ उत्तराखंड"।
19. अनीता सेनगुप्ता, नेताजी इंस्टीट्यूट फॉर एशियन स्टडीज, कोलकाता, वेस्ट बंगाल (डब्ल्यू.बी.), "हिस्टोरिक कनेक्ट्स एंड न्यू कॉरिडोर्सः इंडियाज एशियन अल्टरनेटिव इन एन एरा ऑफ कनेक्टिविटी"।
20. अलका जैन, यूओआर, जयपुर, राजस्थान, "प्राचीन जैन समाज की प्रबंधन तकनीकों की आधुनिक युग में प्रासंगिकता"।
21. गुडीवाड़ा वेंकट राव, एयू, विशाखापत्तनम, आंध्र प्रदेश, "स्किल डेवलपमेंट इनीशिएटिव बाय बिजनेस एंटरप्राइजेज : ए कम्परेटिव स्टडी ऑफ पब्लिक एंड प्राइवेट सेक्टर"।
22. जयश्री जेठवानी, आईएसआईडी, नई दिल्ली, "वेजेस एंड रिलेटिड इश्यूज – ए क्रिटिकल एप्रजेल ऑफ द न्यूज मीडिया इंडस्ट्री इन इंडिया"।
23. संतोष कुमार दवे, जय नारायण व्यास यूनिवर्सिटी (जेएनवीयू), जोधपुर, राजस्थान, "ग्रामीण विकास में मीडिया की भूमिका (राजस्थान प्रदेश के ग्रामीण विकास के विशेष सन्दर्भ में)"।
24. तपन बिस्वाल, डीयू, दिल्ली, "अफ्रीकाज इकोनॉमिक ग्रोथः फैक्टरिंग इंडिया–चाइना एंगेजमेंट"।
25. कमल कांत मिश्रा, एनसीसीडीएस, भुवनेश्वर, उड़ीसा, "सोशल एंथ्रोपॉलिजीकल स्टडी इन इंडियाः कोलोनियल लीगेसी एंड पोस्ट इंडिपेंडेंस चैलेंजेस।"
26. भगवतुला वेंकट रविप्रसाद, मैसूर यूनिवर्सिटी (यूओएम), मैसूर, कर्नाटक, "द एंथ्रोपोलॉजीकल स्टडी ऑफ पोर्ट ब्लेयर सिटी इन अंडमान एंड निकोबार आइलैंड"।
27. वेंकटेश्वर सुब्रमण्यम, आंध्र यूनिवर्सिटी (एयू), विशाखापत्तनम, आंध्र प्रदेश, "सोशल एक्सक्लूजन, इन्क्लूजन एंड इंटीग्रेशन ऑफ शेडयूल्ड ट्राइब्स (STs) इन आंध्र प्रदेश।"
28. कुमारस्वामी के, भारतीदासन विश्वविद्यालय, तिरुचिरापल्ली, टीएन, "इवोल्यूशन ऑफ ड्रिंकिंग वाटर क्वालिटी एंड ह्यूमन हेल्थ स्टेटस टुवर्डस अचीविंग सस्टेनेबल डेवलपमेंट गोल्स–अ केस स्टडी ऑफ नोयल रिवर बेसिन, तमिलनाडू (टीएन)"।
29. निरंजन दास, तेजपुर विश्वविद्यालय, तेजपुर, असम, "सोशियो–इकोनॉमिक इंपैक्ट ऑफ मूंगा सिल्क (एंथेरिया एसेमेंसिस) प्रोडक्शन ऑन लाइवलीहुड इन द अपर ब्रह्मपुत्र वैली ऑफ असम –अ पोस्ट जीआई (जिओग्राफिकल इंडिकेशन) आकलन"।
30. टी. मुथुकृष्णन, मदूरै कामराज यूनिवर्सिटी (एमकेयू), मदुरै, टीएन, "अ सोशिओ लिंग्विटिक स्टडी ऑन तेलुगु माइनॉरिटीज ऑफ सदर्न रीजन ऑफ तमिलनाडु"।
31. मधुबाला जैन, मोहनलाल सुखाड़ीया यूनिवर्सिटी (एमएलएसयू), उदयपुर, राजस्थान, "मेवाड़ के संस्कृत संस्कृति का सामाजिक एवं सांस्कृतिक अध्ययन"।
32. आराधना शुक्ला, कुमांउ यूनिवर्सिटी (केयू), नैनीताल, उत्तराखंड, "मेंटल हेल्थ ऑफ वूमेनः एन इंटरवेंशन बेस्ड स्टडी इन कल्चरल पर्सपेक्टिव"।
33. ए गायत्री, श्री वेंकटेश्वर यूनिवर्सिटी (एसवीयू), तिरुपति, आंध्र प्रदेश, "साइको सोशल कॉन्स्टिट्यूएंट्स ऑफ वेल बीइंग ऑफ ऑक्टोजेरियन, नॉनजेनेरियन एंड सेंटेनेरियन"।
34. मो. इलियास खान, अलीगढ़ मुस्लिम यूनिवर्सिटी (एएमयू), अलीगढ़, उ. प्र., "इफेक्ट ऑफ एकल्चरेटिव स्ट्रेस एंड एलिनेशन ऑन सोशल वैलबीइंग एंड एकेडेमिक परफार्मेंस अमंग स्टूडेंट्स ऑफ डिफरेंट स्टेट्स ऑफ इंडिया"।

35. आशा सीएम, महात्मा गांधी विश्वविद्यालय, कोट्टायम, केरल, "ए रिप्रोडक्टिव हेल्थ एंड रिप्रोडक्टिव एम्पावरमेंट ऑफ ट्राइब्ल वूमेन इन केरल"।
36. वी. रेड्डीप्पा नायडू, एसवीयू, तिरुपति, आंध्र प्रदेश, "इंपैक्ट ऑफ डिस्प्लेसमेंट एंड रिहैबिलिटिशन ऑन ट्राइब्ल लाइव्स – अ केस स्टडी ऑफ पोलावरम डेवलपमेंट प्रोजेक्ट इन आंध्र प्रदेश"।
37. गुरुमूर्ति वी, रानी अन्ना गवर्नमेंट कॉलेज फॉर विमेन, तिरुनेलवेली, "सोशियोलॉजिकल पर्सपेक्टिव ऑफ एग्रीकल्चर इन तमिलनाडुः अ कंम्परेटिव स्टडी बिटवीन आर्गेनिक एंड केमिकल फर्टीलाइजर यूजड फार्मिंग"।
38. बीना अग्रवाल, राजस्थान विश्वविद्यालय, जयपुर, राजस्थान, "कश्मीरी भक्ति साहित्य और समकालीन सामाजिक सन्दर्भ"।

अनुसूचित जाति श्रेणी

39. रामकृष्णैया के, एसवीयू, तिरुपति, आंध्र प्रदेश, "रोल ऑफ एसएचजीएस (SHGs) इन द इम्पावरमेंट ऑफ शेडयूल्ड कास्टस (SCs) एसएचजी वूमेन एंड नॉन शेडयूल्ड कास्टस एसएचजी वूमेन इन रुरल एरियाज ऑफ रायलसीमा एंड कोस्टल रीजंस इन आंध्रप्रदेश : अ कम्प्रेटिव स्टडी"।
40. डी रत्नराज, केरल विश्वविद्यालय, तिरुवनंतपुरम, केरल, "इमर्जेंस ऑफ सेन्सस टीओईएनएस / मेगा– सिटीज एंड एसोसिएटिड प्राब्ल्मस – द केरल एक्सपीरियंस"।
41. टी एम महेश, मैसूर यूनिवर्सिटी (यूओएम), मैसूर, कर्नाटक, "इंडस्ट्रीलाइजेशन एंड इट्स इम्पैक्ट ऑन अर्बन फार्म एंड एनवायरनमेंट क्वालिटी इन मैसूरु सिटी"!
42. दुर्गा राव सोडेम, एसवीयू, तिरुपति, आंध्र प्रदेश, "प्राब्ल्म्स एंड प्रोस्पेक्टस ऑफ पीयर टू पीयर लैंडिग इन इंडिया"।
43. महादेवी, कर्नाटक राज्य मुक्त विश्वविद्यालय, मैसूर, कर्नाटक, "डॉ. बी. आर. आम्बेडकर एंड वूमेन राइटसः ए हिस्टोरिकल स्टडी ऑफ मैसूर तालुक"।

अनुसूचित जनजाति श्रेणी

44. इग्नाटियस टोपनो, आर्यभट्ट नॉलेज यूनिवर्सिटी, पटना, बिहार, "डिजीटल अवेयरनेस सेल्फ स्टीम एंड सॉफ्ट स्किल्स ऑफ सेकेंडरी स्कूल थारु स्टूडेंटस ऑफ वेस्ट चंपारण"।

पोस्ट–डॉक्टोरल अध्येतावृत्तियाँ (जारी)

सामान्य श्रेणी

1. वरुण शर्मा, राजस्थान यूनिवर्सिटी (यूओआर), जयपुर, राजस्थान, "एन एम्पीरिकल स्टडी ऑन द इंपैक्ट ऑफ गवर्नमेंट स्कीम्स एंड पॉलिसीज इन प्रोमोटिंग इन्टरप्रोन्योरशिप एंड इकोनॉमिक डेवलपमेंट (ट्रेंडस आफ्टर 2014)"।
2. शिवम जिंदल, एएमयू, अलीगढ़, उप्र, "आईटी इन्फेरेंस इन न्यू एज इंडियन बैंकिंग रिस्ट्रचकरिंग सोशियो–कस्टमर सर्विसेज विद स्पेशल रेफरेंस टू एसबीआई (SBI)"।
3. रवींद्र पाठक, जीवाजी विश्वविद्यालय, ग्वालियर, म. प्र., "द रोल ऑफ एस्ट्रोलॉजी इन बिजनेसः ए स्टडी ऑन इफेक्ट ऑफ मूवमेंट ऑफ मून ऑन सेल्स"।
4. हृदय राज भारती, एमएलएसयू, उदयपुर, राजस्थान, "अ स्टडी ऑन ट्रेड वार बिटवीन यूएसए एंड चायना एंड इट्स इंपैक्ट ऑन इंडियन इकोनॉमी"।
5. स्मृति तिवारी, यूओआर, जयपुर, राजस्थान, "अ स्टडी ऑफ आब्सट्रक्शन बिफोर वूमैन इन डायवर्ट प्रोफेशन : अ केस स्टडी ऑफ पॉलिटिक्स, ब्यूरोक्रेसी एंड बैंकिंग इन अजमेर एंड जयपुर"।
6. अब्दुल वाजिद, जेएनवीयू, जोधपुर, राजस्थान, "एन एनालिटिकल स्टडी ऑन इंडिया'ज ट्रेड रिलेशन विद जीसीसी कंट्रीजः 2010–2020"।
7. प्रशांत उपाध्याय, जेएनयू, नई दिल्ली, "चार धामः एन एसेंस ऑफ कल्चरल इंटीग्रेशन एंड कनेक्टिंग जिओग्राफीज"।
8. एम श्रीकांत कुमार, ओयू, हैदराबाद, तेलंगाना, "सिग्नीफिकेंस एंड सोशियो–कल्वरल स्टडी ऑफ गोलकोंडा तेलुगु लिटरेचर"।
9. सौमिक डे, जेएनयू, नई दिल्ली, "लिमिट्स ऑफ द इम्पोलिटिकलः स्टडींग द कॉन्सेप्ट ऑफ पावर थ्रू एस्थेटिक्स, थियोलॉजी एंड फिलॉसफी"।
10. राजकुमारी शर्मा, डीयू, नई दिल्ली, "लोक साहित्य में हिंदी लोकगीतों की भूमिका"।
11. मोहम्मद सलीम, जेएनयू, नई दिल्ली, "इंडियन कल्चर एंड सोसाइटी इन द राइटिंग्स ऑफ अरब स्कॉलर्स इन द 20th सेंचुरी"।

12. सल्तनत फारूक, कश्मीर यूनिवर्सिटी (यूओके), श्रीनगर, जम्मू और कश्मीर, "कल्चरल प्लूयरलिटी एंड साइको–सोशल मेकअप ऑफ कश्मीर पर्सनॉलिटी : रोल ऑफ लाल देद एंड शेख–उल–आलम"।
13. यशस्वनि, इंदिरा गांधी नेशनल सेंटर फॉर आर्ट्स, दिल्ली, "वर्त्तमान शिक्षा में वैदिक कालीन शिक्षा की प्रासंगिकता : महिलाओं के विशेष संदर्भ में"।
14. के थॉमस फेलिक्स, टीएन कृषि विश्वविद्यालय, चेन्नई, तमिलनाडु, "स्ट्रेटीजीस टू एचीव एन एफिशिएंट ऑयल सीड मार्केटिंग सिस्टमः एन इकोनॉमिक एनालिसिस ऑफ ऑयल सीड प्रोडक्शन, टेड एंड डिमांड फॉर एडिबिल ऑयल इन इंडिया"।
15. कमरुल हसन, गिरि इंस्टीट्यूट ऑफ डेवलपमेंट स्टडीज (जीआईडीएस), लखनऊ, उप्र, "एजुकेशनल मेनस्ट्रीमिंग एंड एम्प्लॉयबिलिटी ऑफ मदरसा स्टूडेंट्स इन उत्तर प्रदेश"।
16. टी. टोपीसाब, एसकेयू, अनंतपुर, आंध्र प्रदेश, "टैक्स रेवेन्यू ऑफ ग्राम पंचायतज एंड टैक्स अवेयरनेस अमंग टैक्स पेयर्स : अ स्टडी इन रायलसीमा रीजन ऑफ आंध्र प्रदेश"।
17. ए. चैत्र, बैंगलोर विश्वविद्यालय, बेंगलुरु, कर्नाटक, "इम्पैक्ट ऑफ एफडीआई ऑन द टेलीकम्युनिकेशन सेक्टर – अ कम्परीजन बिटवीन इंडिया एंड नीदरलैंड्स"।
18. गीतांजलि सिंह, कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय, हरियाणा, "इंपैक्ट ऑफ रुरल इलेक्ट्रीफिकेशन ऑन द ग्रोथ ऑफ एमएसएमई : अ केस स्टडी ऑफ हरियाणा स्टेट"।
19. शिप्रा पंवार, लखनऊ यूनिवर्सिटी (यूओएल), लखनऊ, उप्र, "क्लाइमेट चेंज एंड अर्बन रिजिलिएंस : अ स्टडी ऑफ सेलेक्टिड सिटीज इन उत्तर प्रदेश "।
20. अकोइजम अमितकुमार सिंह, आईएसआईडी, नई दिल्ली, "एक्सप्लोरेशन ऑफ इनोवेशन एंड टेक्नोलॉजिकल चेंजेजः ए स्टडी ऑफ सेलेक्ट रिन्यूएबल एनर्जी टेक्नोलॉजीज इन इंडिया"।
21. मोहम्मद इकबाल राथर, अलीगढ़ मुस्लिम यूनिवर्सिटी (एएमयू), अलीगढ़ उप्र, "इंसरजेंसी इन कश्मीर एंड इट्स इंपैक्ट ऑन हार्टिकल्चर सेक्टर– अ केस स्टडी ऑफ बारामूला डिस्ट्रिक (1989–2018)"।
22. एंटनी जे कुटनचेरी, कोचीन विज्ञान और प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, कोच्चि, केरल, "इंपैक्ट ऑफ ट्राइब्ल वेलफेयर स्कीम्स इन द डेवलपमेंट ऑफ ट्राइब्ल कम्युनिटीज इन केरल"।
23. बेचन यादव, इलाहाबाद विश्वविद्यालय, इलाहाबाद, उप्र, "इंपैक्ट ऑफ फूड प्रोसेसिंग इंडस्ट्रीज ऑन फॉमर्स– अ केस स्टडी ऑफ सोरों तहसील ऑफ प्रयागराज डिस्ट्रिक, उप्र"।
24. पवन कुमार गजुला, आंध्र यूनिवर्सिटी (एयू), विशाखापत्तनम, आंध्र प्रदेश, "इंपैक्ट ऑफ यूनियन फाइनैंस कमीशन ग्रांट्स –इन–एड ऑन रुरल अमेनिटीज इन इंडिया (अ स्टडी इन विशाखापत्तनम डिस्ट्रिक ऑफ आंध्र प्रदेश)"।
25. अंतरजीता नायक, राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान, राउरकेला, ओडिशा, "इम्पावरमेंट थ्रू स्किल इंडिया प्रोजेक्ट : स्टेटस एंड पॉसिबिलिटी (विद पार्टीकुलर रेफरेंस टू रुरल एंड ट्राइब्ल वूमैन ऑफ ओडिसा)"।
26. पर्णसुधा कर्मोदक, बर्दवान विश्वविद्यालय, बर्धमान, पश्चिम बंगाल, "वाटर एंड डेवलपमेंट : ए डिस्ट्रिक लेवल एनालिसिस ऑफ पश्चिम बंगाल"।
27. तारिक अहमद भट, यूओके, श्रीनगर, जम्मू और कश्मीर, "इकोनॉमिक इफीशिएंसी ऑफ एप्पल प्रोडक्शन इन कश्मीर वैली"।
28. साधना भाऊसाहेब पाटिल, डॉ. बाबासाहेब अम्बेडकर मराठवाड़ा विश्वविद्यालय, औरंगाबाद, महाराष्ट्र, "इकोनॉमिक एनालिसिस ऑफ वेस्ट रिसाइक्लिंग इन औरंगाबाद"।
29. चिलपिम्परे अनिल बालाजीराव, स्वामी रामानंद तीर्थ मराठवाड़ा विश्वविद्यालय, नांदेड़, महाराष्ट्र, " वित्तीय समावेशन के कार्य और मूल्यांकन : नांदेड़ जिले के सन्दर्भ में"।
30. विद्या.के, कुवेम्पु विश्वविद्यालय, कर्नाटक, "परफार्मेंस एपरेजल ऑफ प्राइवेट बैंक्स इन कर्नाटक : ए स्टडी ऑफ शिवमोग्गा डिस्ट्रिक"।
31. हेमेंद्र एस मिस्त्री, एम एस यूनिवर्सिटी ऑफ बड़ौदा, गुजरात, "टीचर्स ट्रेनिंग ऑन इन्क्लूसिव एजूकेशन इन इंडिया : ए स्टडी ऑफ गुजरात रीजन"।
32. गरिमा सिंह, सीसीएस विश्वविद्यालय, मेरठ, उप्र, "क्रिटिकल एक्जामिनेशन ऑफ फेक इंफार्मेशन इन सोशल मीडिया : टेंडेंसीज एंड एप्रोचेज ऑफ हायर एजूकेशन"।

33. चंद्रशेखर पांडे, बीएचयू, वाराणसी, उप्र, "एजूकेशन साइकोलॉजी ऑफ श्रीमद् भगवद गीता"।

34. अनन्या सिंह, बीएचयू, वाराणसी, उप्र, "इंपैक्ट ऑफ मॉस मीडिया ऑन द मेंटल हेल्थ एंड सोशलाइजेशन अमंग अंडरग्रेजुएट्स लीडिंग टुवर्डस डिप्रेशन, एंक्जाइटी एंड आइसोलेशन : अ सर्वे स्टडी इन वाराणसी डिस्ट्रिक"।

35. एसडी सुभद्रा, भारतीदासन विश्वविद्यालय, थिरुचिरापल्ली, तमिलनाडु (टीएन), "डेवलपिंग एजूकेशनल प्रैक्टिसेज इंटीग्रेटिंग स्टेम स्किल्स फॉर करीकुलम ट्रांजैक्शन इन बायोलॉजिकल साइंस एजूकेशन"।

36. रजनी सिंह, बिड़ला प्रौद्योगिकी और विज्ञान संस्थान, पिलानी, राजस्थान, "असेसमेंट ऑफ प्राब्लम्स साल्विंग एंड सोशल स्किल्स इन इंजीनियरिंग एजुकेशन : ब्रिजिंग द गैप विटबीन एकेडेमिया एंड इंडस्ट्री"।

37. चंद्रकांत तिवारी, डीयू, दिल्ली, "आईसीटी एप्लीकेशंस इन हिंदी लैंग्वेज टीचिंग एट स्कूल लेवलः रिर्सोसेज एंड चैलेंजिस"।

38. नित्या प्रेम एसआर, केरल विश्वविद्यालय, तिरुवनंतपुरम, केरल, "नर्चरिंग इंटीग्रेटिड प्रोसेसस स्किल्स थ्रू प्राब्लम साल्विंग मॉडल ऑफ टीचिंग फिजिक्स अमंग हायर सेकेंडरी स्कूल स्टूडेंटस"।

39. दिव्या शर्मा, पं. रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय, रायपुर, छत्तीसगढ़, "इफेक्ट ऑफ स्पेसिफिक योगिक प्रैक्टिसेस ऑन फिजियोलॉजिकल एंड साइकोसमेटिक वैरिएबल्स ऑफ टीचर ट्रेनीज एंड हायर सेकेंडरी स्कूल स्टूडेंटस ऑफ छत्तीसगढ़ स्टेट"।

40. पी भवानी, श्री पद्मावती महिला विश्वविद्यालय, तिरुपति, आंध्र प्रदेश, "इफेक्ट ऑफ पेरेंटिंग स्टाइल्स स्ट्रैटेजीज ऑन इमोशनल इंटेलिजेंस एंड एकेडमिक अचीवमेंट ऑफ एडोलसेंट्स"।

41. पूनम तिवारी, बनारस हिंदू यूनिवर्सिटी (बीएचयू), वाराणसी, उप्र, "एम्पावरिंग वूमैन थ्रू लाइफ स्किल्स इंटरवेंशन इन एजुकेशन : डेवलपमेंट ऑफ मॉडयूल फॉर सेलेक्टिड लाइफ स्किल्स एंड एसेसमेंट ऑफ इट्स इफेक्टिवनेस"।

42. लावण्या, पांडिचेरी विश्वविद्यालय, पुडुचेरी, "एम्बिट एंड जेनेसिस ऑफ स्कूल ड्रापआउटस इन एजूकेशनली बैकवर्ड डिस्ट्रिक ऑफ तमिलनाडु"।

43. इंदु आर, अमृता स्कूल ऑफ आर्ट्स एंड साइंसेज, कोच्चि, केरल, "एन एम्पीरिकल रिसर्च ऑन द इफीसिंएसी ऑफ ट्रांसफारमेटिव पेडागोजिक एप्रोच टू एजुकेशन फॉर सस्टेनेबल डेवलपमेंट–इन रिसर्च एंड हायर एजूकेशन सेक्टर इन केरल एंड डेवलपमेंट ऑफ अ होलिस्टिक फ्रेमवर्क्र फॉर इंडियन हायर एजूकेशन सेक्टर"।

44. फातिमा इस्लाही, एएमयू, अलीगढ़, उप्र, "अंडरस्टैंडिग द इंफ्ल्यूऐंस ऑफ नॉन–फार्मल एजूकेशन ऑन जॉब प्रास्पेक्ट्स, सोशल एक्सेप्टबिलिटी एंड एम्पावरमेंट ऑफ वूमेन"।

45. सोनिका कौशिक, जेएमआई, नई दिल्ली, "एन एक्सप्लोरेटरी स्टडी ऑफ आउट ऑफ स्कूल लिटरेसी एक्सपीरियंस ऑफ प्राइमरी स्कूल चिल्ड्रेन"।

46. प्रतिष्ठा, यूओआर, जयपुर, राजस्थान, "बाल श्रमिकों का शैक्षिक विकास – समस्याएँ, प्रयास और उपचारात्मक संभावनाएं"।

47. ज्योति अवती, केएसएडब्ल्यू विश्वविद्यालय, विजयपुर, कर्नाटक, "इफेक्ट्स ऑफ सेलेक्टिड एक्सरसाइजेज इन योगा ऑन मोटर फिटनेसज एंड फुटबाल स्किलज ऑफ बॉयज एजेस 14 टू 16 ईयर्स कन्नड़"।

48. श्रीनिवास नल्लेला, ओयू, हैदराबाद, तेलंगाना, "इफेक्ट्स ऑफ यौगिक एक्सरसाइजेज ऑन सेलेक्टिड फिजिकल फिटनेस कम्पोनेंट्स एंड फिजियोलॉजिकल वैरीएबल्स एट सेकेंडरी एजूकेशनल स्कूल इन तेलंगाना स्टेट"।

49. पकाला नागसुरेश कुमार, आचार्य नागार्जुन विश्वविद्यालय, गुंटूर, आंध्र प्रदेश, "मेंटल स्ट्रेस एंड सुसाइडल आइडियेशन अमंग एडलोसेंट स्टूडेंट्स"।

50. तांबरे सचिन हरि उषा, बीपीसी कॉलेज ऑफ फिजिकल एजुकेशन, मुंबई, महाराष्ट्र, "अ स्टडी ऑफ इफेक्ट ऑफ सेल्फ डिफेंसिव ट्रेनिंग मॉडयूल ऑन सेलेक्टिड साइको–फिजियोलॉजिकल वेरिएबल्स एंड हेल्थ रिलेटिड फिजिकल फिटनेस ऑफ कॉलेज गर्ल्स"।

51. मांडवा नीलिमा, विकास कॉलेज ऑफ एजुकेशन, आंध्र प्रदेश, "ए स्टडी ऑफ इमोशनल मेच्योरिटी एंड सेल्फ–एफिशिएंसी ऑफ गर्ल्स स्टडीज इन गुरुकुलस इन रिलेशन टू देयर एडजस्टमेंट प्रॉब्लम्स"।

52. आत्मान देसाई, एम एस यूनिवर्सिटी ऑफ बड़ौदा, वडोदरा, गुजरात, "इफेक्टिवनेस ऑफ वर्चअुल रियल्टी इंटरेक्टिव लर्निंग प्रोग्राम फॉर अंडरस्टैंडिंग सस्टेनेबिल डेवलपमेंट गोल्स"।

53. सैयद नूर उल अमीन, यूओके, श्रीनगर, जम्मू और कश्मीर, "आईसीटी–बेसड एजूकेशन विद स्पेशल रेफरेंस टू इनीशिएटिव, इम्पलीमेंटेशन एंड चैलेंजिस इन कान्फिलिक्टिड एरियाज ऑफ जम्मू एंड कश्मीर"।

54. तबस्सुम फातिमा, एएमयू, अलीगढ़, उत्तर प्रदेश, "इंफ्ल्यूऐंस ऑफ पीयर प्रेशर, सोशल मीडिया यूसेज एंड मेंटल हेल्थ ऑन द एकेडमिक अचीवमेंट ऑफ सीनियर सेकेंडरी स्कूल एडोलेसेंट"।

55. सुमन पंवार, जैन विश्व भारती संस्थान, लाडनूं राजस्थान, "इन्वायरनमेंटल स्टडीज़ ऑफ हर्बल मेडिसिनल प्लांट्स एंड देयर यूसेज"।

56. अर्शी इरम, यूओआर, जयपुर, राजस्थान, "फ्लोराइड टॉक्सिसिटी इन थार डेजर्ट एरिया एंड मिटिगेशन थ्रू हाउसहोल्ड टेक्नोलॉजी एडवांसमेंट"।

57. पूजा, पंजाब कृषि विश्वविद्यालय, लुधियाना, पंजाब, "एनालिसिस एंड रिस्क एसेसमेंट ऑफ टेक्सटाइल एफलुएटंस काजड बाय टेक्सटाइल इंडस्ट्रीज इन लुधियाना"।

58. व्यंकटेश बालाजीराव यन्नावर, स्वामी रामानंद तीर्थ मराठवाड़ा विश्वविद्यालय, नांदेड़, महाराष्ट्र, "सस्टेनेबल अर्बन डेवलपमेंट विद स्पेशल रेफरेंस टू मैनेजमेंट ऑफ इन्वायरमेंटल पाल्यूशन इन नांदेड़ सिटी ऑफ महाराष्ट्र"।

59. अब्बास अहमद मीर, यूओके, श्रीनगर, जम्मू और कश्मीर, "हाइड्रोलॉजिकल इंफॉर्मेशन, लैंड यूज/लैंड कवर प्रोडक्शन एंड स्वाट (SWAT) एनालिसिस फॉर अफेक्टिव वाटरशेड मैनेजमेंट इन पोहरू वाटरशेड ऑफ कश्मीर वैली, (जम्मू–कश्मीर)"।

60. श्वेता गुप्ता, एएमयू, अलीगढ़, उप्र, "वूमैन इंपारमेंट थ्रू लाइवस्टॉक सेक्टर : ए कम्परेटिव एनालिसिस ऑफ बेनेफिशएियरीज वर्सेज नॉन बेनेफिशरीज ऑफ वैरियस गवर्नमेंट स्कीम्स"।

61. सस्मिता जेना, आईडीएसके, कोलकाता, पश्चिम बंगाल, "ब्रेस्टफीडिंग प्रैक्टिसेस अमंग अर्बन पुअर वूमैनः ए कम्परेटिव स्टडी ऑफ वर्किंग एंड नॉन वर्किंग वूमैन इन मैट्रोपोलिटन सिटी ऑफ कोलकाता"।

62. अभिलाषा कपूर, डीयू, नई दिल्ली, "सोशियो–इकोनॉमिक, साइकोलॉजिकल एंड इमोशनल नीड्स ऑफ पीपुल विद टाइप 2 डायबिटीज मेलिटस एंड देअर हेल्थ इंपलिकेशंस"।

63. मुख्तार अहमद भट, जामिया, नई दिल्ली, "सिग्नीफिकेंस ऑफ इंडिया, ईरान एंड सेंट्रल एशिया कोऑपरेशन इन चेजिंग रीजनल सिनारियो"।

64. सुमित कुमार, पांडिचेरी विश्वविद्यालय, पुडुचेरी, "द यूएस, इंडिया एंड द फ्री एंड ओपन इंडो–पैसिफिक स्ट्रैटेजीः इम्पैरेटीव्स, चैलेंजेस एंड प्रॉस्पेक्ट्स"।

65. प्रशांत, जेएनयू, नई दिल्ली, "इंडिया एंड रशिया इन ए चेजिंग वर्ल्ड आर्डर : कान्सीक्वेंस एंड प्रोस्पेक्ट्स (विद स्पेशल रेफरेंस टू 2014–2019 टाइम पीरियड)"।

66. निशु शर्मा, जेएनयू, नई दिल्ली, "इंडियाज फॉरेन पॉलिसी डयूरिंग मोदी रिजीम, 2014–2020।"

67. अतीक उर रहमान, जामिया मिल्लिया इस्लामिया (जेएमआई), नई दिल्ली, "चेंजिग कॉन्टूर्स ऑफ इंडियन फॉरेन पॉलिसी टुवर्ड्स द जीसीसी कंट्रीज"।

68. चंद्रशेखर राय, बीएचयू, वाराणसी, उप्र, "21वीं सेंचुरी एंड ड्रिकिंग वाटर फॉर ऑल इन इंडिया : इश्यूज एंड चैलेंजिस"।

69. नेहा, एमएलएसयू, उदयपुर, राजस्थान, "राइट टू लाइफ एंड आउटरीचिंग मेडिकल फैसेलिटीं"।

70. अनुश्री मनोहर करणी, जी एच पटेल पोस्टग्रेजुएट इंस्टीट्यूट ऑफ बिजनेस मैनेजमेंट, आनंद, गुजरात, "इफेक्ट्स ऑफ साइकोलॉजीकल कांट्रैक्ट ऑन वैल बीइंग एंड इनोवेटिव बिहैवियरः मीडिएटिंग रोल ऑफ साइकोलॉजीकल इंपेयरमेंट एंड ऑक्यूपेशनल स्ट्रेस"।

71. शाजिया परवेज, एएमयू, अलीगढ़, उप्र, "सोशली रिस्पांसेबल इंवेस्टमेंट : रिस्क एंड रिटर्न इन इंडियन मार्केट"।

72. सारिका अग्रवाल, गुरु घासीदास विश्वविद्यालय, बिलासपुर, छत्तीसगढ़, "स्वॉक (SWOC) एनालिसिस ऑफ इंटरप्रेन्योर अवेलेबिलिटी ऑफ ट्राइब्ल वूमैनस इन बिलासपुर (डिस्ट्रिक)"।

73. शिवेश, बीएचयू, वाराणसी, उप्र, "चेंजस एंड चैलेंजेस इन हेल्थ केयर मैनेजमेंट इन ईस्टर्न उत्तर प्रदेश।"

74. सफिका प्रवीण शेख, जेएमआई, नई दिल्ली, "मेजरिंग द परफार्मेंस एंड मोर्टालिटी ऑफ फिक्स्ड इनकम इंस्ट्रूमेंट्सः अ कम्परेटिव स्टडी ऑफ बांड मार्केट ऑफ सलेक्ट इकोनॉमिज वर्सेज इंडिया"।

75. तविती नायडू गोंगडा, आंध्र विश्वविद्यालय, विशाखापत्तनम, आंध्र प्रदेश, "स्ट्रेस मैनेजमेंट एंड

इम्पलॉयिज परफार्मेंस – ए स्टडी आफ सेलेक्टिड आईटी एंड आईटीईएस कंपनीज इन विशाखापत्तनम"।

76. तरन्नुम हुसैन, एमएलएसयू, उदयपुर, राजस्थान, "टूरिज्म एंड सस्टेनेबल लाइवलीहुड ऑफ ट्राइब्ल कम्युनिटीज : कम्पेरेटिव स्टडी ऑफ उदयपुर एंड डूंगरपुर"।

77. सुमना चौधरी, केआईआईटी, ओडिशा, "मेजरिंग द एनटीसीडेंट्स एंड कॉन्सीक्वेंस ऑफ इम्पल्स बायिंग बिहैवियर इन द आर्गेनाइज्ड ग्रोसरी स्टोर्स इन ओडिशा"।

78. अवधेष कुमार भट्ट, बीएचयू, वाराणसी, उप्र, "पोट्रेयल ऑफ मीडिया इन ओगमेंटेशन ऑफ इंडियन क्लासिकल म्यूजिक"।

79. निर्मला राजपूत, एसएनडीटी महिला विश्वविद्यालय, मुंबई, महाराष्ट्र, "गीतों में मानवीय मूल्य (1950 से 1980 तक के विशेष सन्दर्भ में)"।

80. शिखा शुक्ला, बीएचयू, वाराणसी, उत्तर प्रदेश, "सोशल मीडिया में छद्दम समाचारो की समस्या एवं उसके निराकरण में आर्टिफीसियल इंटेलिजेंस तकनीक की भूमिका : एक अध्ययन"।

81. मिली सिंह, मिजोरम यूनिवर्सिटी (एमयू), आइजोल, मिजोरम, "जॉब सेटिसफेकशन ऑफ ट्राइब्ल जर्नलिस्टस (अ कम्परेटिव एनालिसिस ऑफ मेल एंड फीमेल ट्राइब्ल जर्नलिस्टस ऑफ मिजोरम)"।

82. मनराज सिंह, पंजाब विश्वविद्यालय, चंडीगढ़, "रोल ऑफ प्रिंट मीडिया फ्रॉम 1947–1966 (फ्रॉम पार्टीशन टू पंजाबी सूबा)"।

83. गरिमा त्यागी, बीएसएम पीजी कॉलेज, रुड़की, उत्तराखंड, "दैनिक समाचार–पत्रों में जन सरोकार के मुद्दों की उपस्थिति का अध्ययन–उत्तर प्रदेश के संदर्भ में"।

84. प्रवीण कुमार झा, आत्मा राम सनातन धर्म कॉलेज, नई दिल्ली, "गरीबी, ग्रामीण विकास व स्थानीय कृषि आधारित उद्योगों की उपेक्षा और मीडिया (बिहार के चम्पारण जिले के विशेष सन्दर्भ में)"।

85. संजय कुमार, पं. रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय, रायपुर, छत्तीसगढ़, "समाचारों में नक्सल प्रभावित अबूझमाड़ः जनआकांक्षाएं, चुनौतियां एवं विकास की संभावनाएं (रायपुर से प्रकाशित समाचार पत्रों के विशेष संदर्भ में)"।

86. विकास बोकडिया, एमएलएसयू, उदयपुर, राजस्थान, "राजस्थान के चयनित समाचार पत्रों में समाचार अभियानों की सामाजिक भूमिका का अध्ययन (2009 से वर्तमान तक)"।

87. सपना, कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय, कुरुक्षेत्र, हरियाणा, "फ्रेम एनालिसिस ऑफ इंडियन पॉलिटी इन यूएसए एंड उत्तराखंड न्यूजपेपर्स : अ कम्परेटिव स्टडी इन पोस्ट 2019 पार्लियामेंट्री इलेक्शन सिनारियो"।

88. प्रियंका श्रीवास्तव, सीएस आजाद कृषि और प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, कानपुर, उप्र, "इंपैक्ट ऑफ टीवी न्यूज डिबेटस ऑन सोशल इश्यूज आर्गेनाइज्ड बाय डिफरेंट न्यूज चैनल्स"।

89. निवेदिता शर्मा, गवर्नमेंट कॉलेज, मालपुरा (टोंक), राजस्थान, "21 वीं सदी के सिनेमा में धर्म व समाज चित्रण : प्रक्रिया और स्वरूप"।

90. पेनुकोंडा ज्योति, श्री कृष्णदेवराय विश्वविद्यालय (एस. के.वी.यू.), अनंतपुर, आंध्र प्रदेश, "सोशियो–इकोनॉमिक कंडीशनंस ऑफ ट्राइब्ल वूमैन बिफोर एंड ऑफ्टर इंडिपेंडेंसः अ हिस्टोरिकल स्टडी ऑफ रायलसीमा रीजन ऑफ आंध्र प्रदेश"।

91. जाधवर शांताबाई नानासाहेब, डॉ. बाबासाहेब अम्बेडकर मराठवाड़ा विश्वविद्यालय, औरंगाबाद, महाराष्ट्र, "अ क्रिटिकल स्टडी ऑफ इंक्रीजिंग ट्रेंड्स ऑफ हिस्टेरेक्टॉमी इन शुगरकेन वर्कर्स इन बीड डिस्ट्रिक इन मराठवाड़ा"।

92. प्रवीण जगदीशराव नाद्रे, स्वामी रामानंद तीर्थ मराठवाड़ा विश्वविद्यालय, नांदेड़, महाराष्ट्र, "एन्शिएंट हिस्टोरिकल प्लेसिस एंड टूरिज्म इन मराठवाड़ा : ए स्टडी इन द सोशियो–इकोनॉमिक डेवलपमेंट कांटेक्सट"।

93. कमलेश चंद्र पांडे, हेमवती नंदन बहुगुणा गढ़वाल विश्वविद्यालय (केंद्रीय विश्वविद्यालय) श्रीनगर, (गढ़वाल), उत्तराखंड, "प्रोलिफरेशन ऑफ स्मॉल आर्म्स इन इंडिया–एन एक्सप्लोरेटरी स्टडी"।

94. चेतन, जेएनयू, दिल्ली, "नेशनल सिक्योरिटी एंड डायस्पोरा : अ कम्परेटिव स्टडी ऑफ इंडिया एंड इथियोपिया"।

95. एजाज अहमद खान, यूओके, श्रीनगर, जम्मू और कश्मीर, "म्युचुअल एश्योर्ड सिक्योरिटी : इंडिया– नेपाल सिक्योरिटी कोऑपरेशन टू मिटीगेट कॉमन थ्रेट्स"।

96. कोन्सम शकीला देवी, मणिपुर विश्वविद्यालय, इंफाल, मणिपुर, "इंडियाज पॉलिसी टुवर्डस म्यांमार : 2014–2019"।

97. रिमकी पैट, जीआईडीएस, एनईएचयू, शिलांग, मेघालय, "लोकलाइजिंग सस्टेनेबल डेवलपमेंट गोल्स (एसडीजी) थ्रू पंचायतसः ए स्टडी ऑन पीआरआई ऑफ असम"।

98. चंचल, महात्मा गांधी केंद्रीय विश्वविद्यालय, मोतिहारी, बिहार, "प्राचीन भारत में लोक–कल्याणकारी राज्य की अवधारणा की समकालीन प्रासंगिकता"।

99. आरती शर्मा, राजस्थान विश्वविद्यालय, जयपुर, राजस्थान, "भारत अमेरिका सम्बन्ध : चुनौतियाँ और संभावनाएँ– मोदी एवम् ट्रम्प प्रशासन के सन्दर्भ में एक अध्ययन"।

100. रमेश चंद्र यादव, जेएनयू, नई दिल्ली, "एजुकेशन एंड नेशन बिल्डिंगः ए स्टडी ऑन मदन मोहन मालवीयज कांट्रीब्यूशन टू एजूकेशन एंड इट्स ग्लोबल एप्लीकेशन"।

101. आशीष कुमार यादव, रानी दुर्गावती विश्वविद्यालय, जबलपुर, मध्य प्रदेश, "राष्ट्रवाद और लोकसभा चुनावों में अंतर संबंधों का विश्लेषणात्मक अध्ययन"।

102. अत्तिकुप्पम उमापति, यूओएच, हैदराबाद, तेलंगाना, "प्रॉस्पेक्टस एंड प्राब्लम्स ऑफ डायरेक्ट डेमोक्रेटिक डिलीबिरेशन बाय स्टॉकहोल्डर्सः अ स्टडी ऑफ द रोल ऑफ एक्जीक्यूटिव कमिटीज ऑफ कम्युनिटी बेस्ड आर्गेनाइजेशनस इन पीएमकेएसवाई–डब्ल्यूडी, कर्नाटक"।

103. संजय कुमार मौर्य, महात्मा गांधी काशी विद्यापीठ (एमजीकेवी), वाराणसी, उत्तर प्रदेश, "सोशियो–इकोनॉमिक एंड पॉलिटिकल पर्सेप्शन ऑफ लद्दाखी पीपुल्सः पोस्ट एब्रोगेशन ऑफ आर्टिकल 370"।

104. मोहन लाल जाखड़, राजस्थान विश्वविद्यालय, जयपुर, राजस्थान, "अमेरिका की वापसी की घोषणा के बाद अफगानिस्तान के पुनर्निर्माण में भारत का समावेशी योगदान"।

105. सुनीता चौधरी, राजस्थान विश्वविद्यालय, जयपुर, राजस्थान, "नागरिक सेवा वितरण में सामान्य सेवा केंद्र की भूमिकाः डिजिटल इंडिया कार्यक्रम के विशेष संदर्भ में (जयपुर जिले का अनुभवमूलक प्रायोगिक अध्ययन)"।

106. संजय कुमार शर्मा, नवत, जयपुर, राजस्थान, "21वीं सदी की रणनीतिक चुनौतियों के बदलते परिदृश्य में भारत की समुद्री कूटनीति (चीन के विशेष सन्दर्भ में)"।

107. टिकेंद्र कुमार छेत्री, सिक्किम विश्वविद्यालय, गंगटोक, सिक्किम, "शेडल्यूड ट्राइब्स (एसटी) स्टेटस एंड सीट्स रिजर्वेशन अमंग डिफरेंट कम्युनिटीज इन सिक्किम – एन इंक्ल्यूसिव एप्रोच।"

108. शैलजा संदू, एमएलएसयू, उदयपुर, राजस्थान, "पॉलिटिकल इंस्टीट्यूशन ऑफ लोकल लेवल एंड पार्टीसिपेशन ऑफ वूमैन इन राजस्थान : विद स्पेशल रेफरेंस टू उदयपुर डिविजन (1998–2018)"।

109. दुर्गेश शर्मा, सीसीएस यूनीवर्सिटी, मेरठ, उप्र, "लीगलाईजेशन ऑफ सरोगेसी मदरहुड – केस स्टडी ऑफ आनंद (गुजरात)"।

110. संतोष कुमार, एमकेयू, मदुरै, तमिलनाडु, "स्किल डेवलपमेंट ऑफ चाइल्ड लेबरः अ केस स्टडी इन हिमाचल प्रदेश"।

111. पूनम तिवारी, राजस्थान विश्वविद्यालय, जयपुर, राजस्थान, "रिजेनरेशन ऑफ ट्रेडिशिनल इंडस्ट्रीज थ्रू मेक इन इंडिया प्रोग्राम–केस स्टडी ऑफ राजस्थान"।

112. सलिल कुमार पांडे, के एस साकेत पीजी कॉलेज, अयोध्या, उप्र, "दक्षिण पूर्व एशिया में भारतीय लोकतंत्र मूल राजतंत्र का इन देशो में प्रभाव एवं सभ्यता"।

113. लिंगस्वामी बैकानी, हैदराबाद यूनिवर्सिटी (यूओएच), हैदराबाद, तेलंगाना, "डेपलपमेंट, वाटर एंड सस्टेनेबल स्मार्ट सिटीजः अ केस स्टडी ऑफ विशाखापत्तनम"।

114. सादिया निजामी, जामिया मिल्लिया इस्लामिया, नई दिल्ली, "सिग्निफिकेंस ऑफ इंडियन सूफी सेंट्स एंड देअर टीचिंग्स इन नेशन बिल्डिंग – अ क्रिटिकल एनालिसिस"।

115. विश्वप्रिया जेना, केआईआईटी, भुवनेश्वर, ओडिशा, "अ स्टडी ऑन बायो–मेडीकल वेस्ट डिस्पोजल इन हॉस्पिटल्स लोकेटिड इन भुवनेश्वर एंड कटक : मैथडोलॉजी नीड्स थोरो रिवीजन"।

116. अनु जसरोटिया, पंजाब विश्वविद्यालय, चंडीगढ़, "वूमैन एम्पावरमेंट इनिशिएटिव इन हरियाणाः अ स्टडी ऑफ वन स्टॉप सेंटर (ओएससी) स्कीम्स विद स्पेशल रेफरेंस टू करनाल डिस्ट्रिक"।

117. पद्मश्री टी, यूओएम, मैसूर कर्नाटक, "अ कम्परेटिव स्टडी ऑन द लिविंग कंडीशन ऑफ द सफाई कर्मचारी इन मैसूर एंड मैंगलोर सिटी"।

118. पी वसंत गौरी, उस्मानिया यूनिवर्सिटी (ओयू), हैदराबाद, तेलंगाना, "कन्वरजेंस ऑफ एसएचजीएस (SHGs) विद पीआरआईएस (PRIs) इन इंडियाः अ स्टडी इन तेलंगाना स्टेट"।

119. शीतल द्विवेदी, रांची विश्वविद्यालय, झारखंड, "सुशासन की प्राप्ति हेतु 'झारखंड लोक सेवा देने की गारंटी

अधिनियम, 2011' और 'मप्र लोक सेवाओं के प्रदान की गारंटी अधिनियम, 2010' के क्रियान्वयन का तुलनात्मक अध्ययन, (रांची और भोपाल जिलें के विशेष सन्दर्भ में)"।

120. निदा फातिमा, एएमयू, अलीगढ़, उप्र, "परफार्मेंस इवेल्यूएशन ऑफ द पॉलिसी ऑन स्किल डेवलपमेंट इन इंडिया विद स्पेशल रेफरेंस टू वूमैन एंटरप्रेन्योरशिप इन उत्तर प्रदेश"।

121. भारती देवी, गवर्नमेंट डिग्री कॉलेज, जबेरा, नई दिल्ली, "महिला उत्थान एवं प्रशासन (विशेष सन्दर्भ– बुंदेलखंड क्षेत्र के ललितपुर जिले की पाली तहसील के कुछ गाँवों की महिलाओं का अध्ययन)"।

122. शिव शंकर, बीएचयू, वाराणसी, उप्र, "बस्तर के प्रमुख आदिवासी देव संप्रदायः एक सामाजिक, सांस्कृतिक और ऐतिहासिक अध्ययन"।

123. अर्पिता घोष, विश्व भारती विश्वविद्यालय, शांतिनिकेतन, पश्चिम बंगाल, "स्टेटस ऑफ ट्राइब्ल वूमैन इन इंटरनेशनल बार्डर्स–अ स्टडी ऑफ मालदा एंड साउथ दिनाजपुर डिस्ट्रिक ऑफ वेस्ट बंगाल बार्डरलैंड्स"।

124. गंगोत्री भुइयां, एनईएचयू, शिलांग, मेघालय, "सोशल सिग्निफिकेंस ऑफ द लिथिक टेरिटोरियल लैंडमार्क्स अमंग गारोज ऑफ नोकरेक हिल्स इन मेघालय"।

125. अप्पालानायडू पप्पाला, एयू, विशाखापत्तनम, आंध्र प्रदेश, "इंपैक्ट ऑफ गवर्नमेंट स्कीम्स (पीएमएमवीवाई एंड जेएसवाई) ऑन द मेडिकल मार्बिडिटी अमंग द ट्राइब्ल वूमैन इन विशाखापत्तनम, आंध्र प्रदेश"।

126. रमनदीप बावा, पंजाब यूनिवर्सिटी, चंडीगढ़, "होम हेल्थ केयर सर्विसेजः ए सोशियो–मेडिकल पर्सपेक्टिव ऑफ पेशेंट्स रिसीविंग केयर एट होम"।

127. प्रीति पद्माकर प्रभुने, सावित्रीबाई फुले पुणे विश्वविद्यालय, पुणे, महाराष्ट्र, "सेटिंग अप एन इंटरनेशनल मॉडल टू काम्बैट न्यूट्रिशनल चैलेंजस ऑफ स्ट्रीट चिल्ड्रेन इन पुणे सिटी"।

128. अशोक पांडे, इलाहाबाद यूनिवर्सिटी (यूओए), इलाहाबाद, उप्र, "इंटरफेस ऑफ इंडिजिनस एंड मॉडर्न मेडिसिन्स ऑन द हेल्थ स्टेटस ऑफ द ट्राइबल पीपलः ए स्टडी ऑफ दुधी रीजन इन उत्तर प्रदेश"।

129. थोकचोम उर्सा, मणिपुर विश्वविद्यालय, इंफाल, मणिपुर, "एन एंथ्रोपॉलोजिकल पर्सपेक्टिव ऑफ टूरिज्म इन मणिपुर।"

130. गुंजन अरोड़ा, जेएनयू, नई दिल्ली, "इंट्रोगेटिंग मदरहुड एंड द फीमेल बॉडीः डिज़ायर, रिलक्टेंस एंड टेक्नोलॉजिकल इंटरवेंशन"।

131. सलमा सुल्ताना, एएमयू, अलीगढ़, उप्र, "द चैलेंजस ऑफ ट्रांसफार्मिंग ट्रेडिशनल सिटी इन टू स्मार्ट सिटी"।

132. इंदिरा दोनाकांति, ओयू, हैदराबाद, तेलंगाना, "अर्बन प्लानिंग कैरेक्टरस्टिक्सज टू मिटीगेट क्लाइमेट चेंज इन कांटेक्स्ट ऑफ अर्बन हीट आइलैंड इफैक्टः अ केस स्टडी ऑफ ग्रेटर हैदराबाद"।

133. विशा शर्मा, जेएमआई, नई दिल्ली, "स्पेशियो–टेम्पोरल एनालिसिस ऑफ क्राइम्स अगेंस्ट वीमेन इन वेस्टर्न उत्तर प्रदेश : ए केस स्टडी ऑफ गाजियाबाद डिस्ट्रिक्ट बाय यूजिंग जीआईएस टेक्निक्स"।

134. श्रीकांत कट्टा, उस्मानिया यूनिवर्सिटी (ओयू), हैदराबाद, तेलंगाना, "अर्बन हेल्थकेयर एंड पेशेंट एक्सेस – ए केस स्टडी ऑफ हैदराबाद, तेलंगाना"।

135. राकेश कुमार, डीडीयू गोरखपुर विश्वविद्यालय, गोरखपुर, उत्तर प्रदेश, "जनपद आजमगढ़ में अनुसूचित जातियों का व्यावसायिक प्रतिरूप एवं सामाजिक आर्थिक विकास : दक्षिणी भाग के विशेष सन्दर्भ में"।

136. सुमित्रा, शिवाजी कॉलेज, डीयू, नई दिल्ली, "स्टेटस एंड इंम्पलीकेशन ऑफ लीगली इम्प्रीजन्ड वूमैनः एम्पीरिकल स्टडी ऑफ रिहैबीलिटेशन प्राब्लमज ऑफ वूमैन इन सोसाइटी ऑफ्टर द जेल (अ केस स्टडी ऑफ तिहाड़ जेल, दिल्ली)"।

137. प्रदीप कुमार उपाध्याय, यूओए, इलाहाबाद, उत्तर प्रदेश, "कुम्भ मेले का सामाजिक एवं सांस्कृतिक अध्ययन : प्रयागराज के विशेष सन्दर्भ में"।

138. पी स्वर्ण लता, जेएमआई, नई दिल्ली, "एसेसमेंट ऑफ नेचुरल रिर्सोसेज एंड देयर इंपैक्ट ऑन सोशियो–इकोनॉमिक डेवलपमेंट ऑफ पार्टिकूलर वल्नरेबल ट्राइब्ल ग्रुप्स ऑफ ईस्टर्न घाट, आंध्र प्रदेश यूजिंग जियोस्पाटियल मैथड्स"।

139. अवध नारायण चौबे, जेएनयू, नई दिल्ली, "अ वे फारवर्ड – माइग्रेटिंग फ्रॉम ट्रेडिशनल सिटी मैनेजमेंट टू द स्मार्ट सिटीः अ केस ऑफ दिल्ली।"

140. मोहम्मद जाहिदुल दीवान, आत्मा राम सनातन धर्म कॉलेज, नई दिल्ली, "अ सोशियो–लिंग्विस्टिक स्टडी ऑफ हिंदी स्पीकिंग पीपुल ऑफ असम इन द कांटेक्स्ट ऑफ सिख, मारवाड़ी एंड बिहारी कम्युनिटी"।

141. पूनम व्यास, बिड़ला प्रौद्योगिकी और विज्ञान संस्थान, पिलानी, राजस्थान, "फैक्टर्स कॉजिंग कम्युनिकेशन बैरियर्स अमंग ट्राइब्ल सेकेंडरी स्कूल स्टूडेंट्स इन राजस्थान"।

142. अदिति स्वामी, एलएनएम सूचना प्रौद्योगिकी संस्थान, जयपुर, राजस्थान, "कंपलीट इंग्लिश ट्रांसलेशन ऑफ दादू दयालस दादू अनुभव वाणीः इंपैक्ट ऑफ सोशियो–लिंगवल एंड सोशियो–कल्चरल मिलेयू इन कंटम्पेरेरी इंडिया"।

143. दीपा चेरुकुनाथ, गवर्नमेंट एमएलबी गर्ल्स पीजी कॉलेज, भोपाल, मप्र, "डेवलपिंग एजुकेशनल रिर्सोसिज फॉर ट्रेनिंग स्कूल स्टूडेंटस ऑन मेंटल हेल्थ हाइजीन प्रैक्टिसेस।"

144. मुबाशिर गुल, एएमयू, अलीगढ़, उप्र, "पर्सीवड सोशल सपोर्ट एंड इमोशनल स्टेट एज प्रिडेक्टर्स ऑफ सोशल वैल बीइंग अमंग बार्डरलाइन पर्सनेलिटी डिसआर्डर इन पेशेंट्स"।

145. रुकैया जावेद, एएमयू, अलीगढ़, उप्र, "इफेक्टिवनेस ऑफ मोटिवेशनल काउंसिलिंग इन कैरियर डिसीजन मेकिंग प्रोफिसिएंसी अमंग स्कूल एंड कॉलेज ड्रापआउट्स"।

146. अनी बाजपेयी, सीएस आजाद कृषि और प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, कानपुर, उप्र, "रोल ऑफ वूमैन इन डेयरी इंटरप्राइजेज"।

147. लालजी यादव, यूओएल, लखनऊ, उत्तर प्रदेश, "पंचायती राज व्यवस्था में शिक्षित – अशिक्षित चुनी गयी महिला ग्राम प्रधानों का तुलनात्मक अध्ययन (लखनऊ , बाराबंकी एवं सीतापुर जनपद की पंचायती राज व्यवस्था में निर्वाचित महिला ग्राम प्रधान के विशेष संदर्भ में)"।

148. अमीषा ओबेरॉय, जेएमआई, नई दिल्ली, "अ स्टडी ऑफ अल्टरनेटिव चाइल्ड केयर सर्विसेज फॉर चिल्ड्रेन इन दिल्ली"।

149. अजय प्रताप सिंह, यूओएल, लखनऊ, उत्तर प्रदेश, "अर्बन सस्टेनेबल सैनिटेशन एंड सेप्टेजः ए स्टडी ऑफ द गंगा सिटीज इन उत्तर प्रदेश"।

150. दिव्या बाला पाठक, डीएवी पीजी कॉलेज बुलंदशहर, उप्र, "पोट्रेयल ऑफ स्ट्रीट चिल्ड्रेन इन कंटम्पोरेरी इंडियन इंग्लिश नॉवेल्स"।

151. मोहम्मद आसिफ इकबाल, एएमयू, अलीगढ़, उप्र, "सोशल एंड इकोनॉमिक कान्सीक्वेंस ऑफ गल्फ माइग्रेशन ऑन फैमिलिज ऑफ द माइग्रेंट्स इन वेस्ट बंगाल"।

152. शबनम बानो, जनार्दन राय नागर राजस्थान विद्यापीठ, उदयपुर, राजस्थान, "शासन द्वारा महिलाओं की सामाजिक – आर्थिक स्थिति में सुधार के लिए संचालित योजनाओं का अध्ययन (उदयपुर जिला में मुस्लिम महिलाओ के विशेष सन्दर्भ में)"।

153. रितु मिश्रा, यूओएल, लखनऊ, उत्तर प्रदेश, "अ स्टडी ऑफ द अवेयरनेस लेवल ऑफ ह्यूमन राइट्स अमंग वर्किंग वूमैन इन सेलेक्टिड डिस्ट्रिक्टस ऑफ उत्तर प्रदेश"।

154. यामिनी पडियार, एमएलएसयू, उदयपुर, राजस्थान, "वेश्यावृत्ति का समाजीकरण और प्रस्थिति (मध्यप्रदेश के बाँछड़ा समुदाय का एक अध्ययन)"।

155. रेवा यूनुस, टीआईएसएस (टीआईएसएस), मुंबई, महाराष्ट्र, "हाउ चिल्ड्रन कॉम्बिनेशन वर्क एंड स्कूलिंगः एन इन्वेस्टिगेशन ऑफ चाइल्डहुड, मार्जिनलिटी एंड मोबिलिटी इन अर्बन इंडिया।

156. समीना, गुलबर्गा विश्वविद्यालय, कलबुर्गी, कर्नाटक, "इम्पावरमेंट ऑफ मुस्लिम वूमैन थ्रू सेल्फ इम्प्लायमेंटः अ सोशियोलॉजिकल स्टडी ऑन हैदराबाद कर्नाटक रीजन"।

157. संतोष कुमार सिंह, लखनऊ यूनिवर्सिटी (यूओएल), लखनऊ, उप्र, "अ सोशियोलॉजिकल स्टडी ऑफ अर्बन सेनेटाइजेशन इन लखनऊ सिटी"।

158. अर्चना, जेएनयू, नई दिल्ली, "ट्रांसफार्मेशन इन सोशल मूवमेंट, कॉनफ्लिक्ट एंड कोऑपरेशन ऑफ स्टेट्सः अ स्टडी ऑफ दलित मूवमेंट इन बिहार"।

159. प्रीति सिन्हा, यूओएल, लखनऊ, उप्र, "अ क्रॉस सेक्शनल स्टडी ऑफ सोशियो–डेमोग्रॉफिक एंड कल्चरल क्रॉस फैक्टर्स अफैक्टिंग प्रीवेलैंस ऑफ जैपनीज एंसेफिलाइटिस अमंग चिल्ड्रेन इन ईस्टर्न उत्तर प्रदेश"।

160. शैलेंद्र कुमार, यूओएल, लखनऊ, उप्र, "सोशल सिक्यूरिटी एंड हेल्थ राइट्स ऑफ माइग्रेंट वर्कर्सः अ सोशियोलॉजिकल स्टडी ऑफ लखनऊ"।

161. सौम्यता पांडे, जीआईडीएस, लखनऊ, उप्र, "इंपैक्ट ऑफ सेक्सुअल हैरसमेंट एक्ट इन इम्पावरिंग द वूमैन"।

162. अंसारी, जेएमआई, नई दिल्ली, "एक्सप्लोरिंग द सोशियो–इकोनॉमिक लिंक्स, इश्यूज एंड चैलेंजस इन गल्फ माइग्रेशन : अ स्टडी ऑफ केरल, इंडिया"।

163. श्वेता झांब, एमएलएसयू, उदयपुर, राजस्थान, "वनवासी भील महिलाओं में यौन समस्याएं और स्वास्थ्य चेतना (उदयपुर जिले के विशेष सन्दर्भ में)"।

164. साधना श्रीवास्तव, बीएचयू, वाराणसी, उप्र, "सोशियो–इकोनॉमिक स्टेटस एंड लाइवलीहुड सिक्योरिटी ऑफ वूमैन–विद स्पेशल रेफरेंस टू लखनऊ डिस्ट्रिक"।

165. शुभरिया शर्मा, जीआईडीएस, लखनऊ, उप्र, "रेस्पारेटरी हेल्थ सिम्पटमस ऑफ स्कूल गोइंग चिल्ड्रेन नियर ट्रैफिक पॉल्यूशन एरिया इन लखनऊ सिटी"।

166. कौशल कुमारी, एमसी, मेरठ, उप्र, "अ स्टडी ऑफ सोशियो–इकोनॉमिक फैक्टर्स इन प्रोमोटिंग कम्युनल हारमनी इन वेस्टर्न उत्तर प्रदेश (मेरठ एंड अलीगढ़ सिटीज)"।

167. मीनाक्षी माहेश्वरी, राजस्थान यूनिवर्सिटी (यूओआर), जयपुर, राजस्थान, "राज्य में महिला मानवाधिकार की परिस्थिति के सन्दर्भ में राष्ट्रीय महिला नीति (जयपुर एवं अजमेर जिले का तुलनात्मक अध्ययन)"।

168. पिंकी शर्मा, एमएलएसयू, राजस्थान, "स्टडी ऑफ सैनिटेशन एंड हेल्थ इन ट्राइबल वीमेन (स्पेशल रेफरेंस टू ट्राइबल वुमेन ऑफ उदयपुर राजस्थान ऑफ सब–प्लान (टाडा–माडा) एरिया)।"

169. मानस उपाध्याय, बाबासाहेब भीमराव अम्बेडकर केंद्रीय विश्वविद्यालय, लखनऊ, उप्र, "एजूकेशनल डेप्रीवेशन एंड लर्निंग एचीवमेंट ऑफ चिल्ड्रेन : अ सोशियोलॉजिकल स्टडी ऑफ लखनऊ स्लम्स"।

170. नंदिनी मिश्रा, यूओआर, जयपुर, राजस्थान, "ऑनर किलिंग : प्रतिरूप एवं कारक विश्लेषण (पश्चिमी उत्तर प्रदेश के विशेष सन्दर्भ में)"।

171. जयन, एमकेयू, मदुरै, टीएन, "टैक्स फ्री लैंड्स टू टैंपल्स इन तमिलनाडु 8th815th सेंचुरी A.D.: अ सोशियो – फिलोसोफिकल स्टडी"।

172. जान मोहम्मद लोन, जेएनयू, नई दिल्ली, "इस्लामिक रिसेंटमेंट टू सेक्युलरिज्मः ए सोशियो–पॉलिटिकल एंड फिलॉसॉफिकल क्रिटिक"।

173. उमेश सराफ, डॉ एच एस गौर विश्वविद्यालय, सागर, मध्य प्रदेश, "धर्म की अवधारणा का मूल्यांकन एवं स्वामी विवेकानंद प्रणीत सार्वभौम धर्म की उपादेयता"।

174. मैसर हुसैन उन्टू, यूओके, श्रीनगर, जम्मू और कश्मीर, "रिलेवेंस ऑफ सूफीज्म एंड सोशल हारमनी इन प्रेजेंट सिनेरियो इन जम्मू और कश्मीर विद स्पेशल रेफरेंस टू कश्मीर सोसायटी"।

175. सुधांशु चौबे, बीएचयू, वाराणसी, उत्तर प्रदेश, "ऋग्वेद में निर्दिष्ट लोक – संस्कृति : स्वरूप एवं वैशिष्ट्य"।

176. इशरत सुल्ताना, जेएमआई, नई दिल्ली, "मानवाधिकारों के सुदृढ़ीकरण हेतु प्रमुख स्मृति शास्त्रों का समीक्षात्मक अध्ययन"।

177. सपना यादव, जेएनयू, नई दिल्ली, "उपनिषदों में वर्णित विश्व शांति स्थापन में प्रणव ध्वनि का अवदान (शारीरिक एवं मानसिक विकारों के सन्दर्भ में)"।

178. महेंद्र यादव, जेएनयू, नई दिल्ली, "आचार्य शंकर और स्वामी नित्यानंद के अद्वैत दर्शन का सामाजिक समरसता पर प्रभाव"।

179. संयोगिता, यूओएल, लखनऊ, उत्तर प्रदेश, "महाभारतकालीन नारियों की सामाजिक स्थिति एवं चुनौतियाँ : एक अनुशीलन"।

180. प्रगति सिंघल, यूओआर, राजस्थान, "भारतीय प्राचीन ग्रंथों में विज्ञान और प्रौद्योगिकी"।

अनुसूचित जाति श्रेणी

181. आशीष कुमार, मोतीलाल नेहरू राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान इलाहाबाद, उप्र, "एन एंपीरिकल स्टडी ऑफ प्रॉब्लम्स एंड प्रोस्पेक्टस ऑफ ट्राइब्ल इंटरप्रेन्योर्स इन गुजरात"।

182. अंदुगुला श्रीनिवास राव, यूओएच, हैदराबाद, तेलंगाना, "ऑक्युपेशनल डाइवर्सिफिकेशन इन रुरल एरियाजः अ केस स्टडी ऑफ गोल्लकदेरु विलेज इन वेस्ट गोदावरी डिस्ट्रिक ऑफ आंध्र प्रदेश"।

183. साल्वे संदीप गोरख, आरजी बागड़िया आर्ट्स, एस.बी. लखोटिया कॉमर्स एंड आर बेजोंजी साइंस कॉलेज, जालना, महाराष्ट्र, "मराठवाडा विभाग के अंतर्गत अनुसूचित जाति के छात्रों को उच्च शिक्षा लेते समय आने वाली आर्थिक और सामाजिक समस्याओं का अध्ययन"।

184. नक्कला सुरेश, आचार्य नागार्जुन विश्वविद्यालय, आंध्र प्रदेश, "सोशियो–इकोनॉमिक स्टेटस ऑफ मार्जिनालाइज्ड कंस्ट्रक्शन वर्कर्स इन अर्बन इनफार्मल सेक्टर ऑफ आंध्र प्रदेश"।

185. योगेश एचएस, यूओएम, कर्नाटक, "इश्यू एंड चैलेंजेस ऑफ फाइनेंसियल इंक्लूजन ऑफ मार्जिनालाइज्ड सेक्शंस इन कर्नाटक – अ केस स्टडी ऑफ मैसूर डिस्ट्रिक"।

186. थापई आनंद, एसवीयू, आंध्र प्रदेश, "अ स्टडी ऑन ड्रूजरी इन फार्मिंग अमंग वूमैन फार्मर्स इन रायलसीमा रीजन ऑफ आंध्र प्रदेश"।

187. सोरिया, पेरियार विश्वविद्यालय, सेलम, तमिलनाडु, "इंपाट्रिंग कल्चरल इंटेलीजेंस अमंग एडोलेसेंट्स– विद स्पेशल रेफरेंस टू पर्सनालिटी ट्रेट्स, कम्युनिकेशन स्टाइल्स एंड वैल्यू ओरियंटेशन"।

188. संजय कुमार, हिमाचल प्रदेश केंद्रीय विश्वविद्यालय, धर्मशाला, हिमाचल प्रदेश, "इंपैक्ट ऑफ एजूकेशन ऑन एथनो–मेडिसिन प्रैक्टिस : अ स्टडी अमंग गद्दी ट्राइब्स इन भरमौर रीजन ऑफ हिमाचल प्रदेश"।

189. विजयलक्ष्मी पवार, कर्नाटक राज्य अक्कमहादेवी महिला विश्वविद्यालय, विजयपुर, कर्नाटक, "अ स्टडी ऑन ड्रापआउट अमंग शेडयूल्ड कास्ट एंड शेडयूल्ड ट्राइब्स इन प्राइमरी स्कूल्स एट हैदराबाद कर्नाटक डिस्ट्रिक"।

190. आर बालमुरुगन, तमिल विश्वविद्यालय, तमिलनाडु, "डिजिटल लिटरेसी इन पेडेगोजी एंड इट्स प्रैक्टिसेस इन टीचर एजुकेशन इंस्टिट्यूशंस ऑफ तमिलनाडु"।

191. एंड्री शास्त्री, यूओएल, लखनऊ, उप्र, "जेंडर इनइक्वालिटी इन प्राइमरी एजूकेशन : अ स्टडी ऑफ उत्तर प्रदेश (1900–2011)"।

192. सुजना काठी, पांडिचेरी विश्वविद्यालय, पुडुचेरी, "बिहैविरल इफैक्ट्स ऑफ ट्रैफिक रिलेटिड एयर पॉल्यूशन एंड ट्रांसपोर्टेशन नोइस ऑन प्राइमरी स्कूल चिल्ड्रेन"।

193. सुधाकर गुम्मड़ी, आचार्य नागार्जुन विश्वविद्यालय, गुंटूर, आंध्र प्रदेश, "अ स्टडी आन एंवायरनमेंटल अवेयेरनेस एंड कंजरवेशन ऑफ नेचुरल रिर्सोसेस प्रैक्टिसेस अमंग द हाईस्कूल स्टूडेंट्स इन गुंटूर डिस्ट्रिक, आंध्र प्रदेश"।

194. अपर्णा ईश्वरन, जेएनयू, नई दिल्ली, "फोर्जिंग ए जेंडर आइडेंटिटी ऑफ प्लेसः अपकंट्री तमिल्स इन श्रीलंका"।

195. रॉबिन कुमार, पंजाब विश्वविद्यालय, चंडीगढ़, "द फूड सिक्योरिटी एक्ट एंड अवेलेबिलिटी ऑफ फूड–ए कम्परेटिव स्टडी ऑफ दोआबा एंड मालवा इन पंजाब"।

196. एस मर्सी सुहासिनी, ओयू, तेलंगाना, "इफैक्ट्स ऑफ सोशल मीडिया ऑन वर्कप्लेस प्रोडक्टिविटी इन आईटी सेक्टर, हैदराबाद"।

197. अयप्पन अरुमुगम, अलगप्पा विश्वविद्यालय, तमिलनाडु, "लीवरेजिंग सस्टेनेबल मैनेजमेंट टेक्नीक्स फॉर इफैक्टिव इम्प्लीमेंटेशन ऑफ एग्रीप्रेन्योरशिप"।

198. विजया वर्धन मंचला, ओयू, तेलंगाना, "रोल ऑफ कम्युनिटीज ऑफ प्रैक्टिस, नेटवर्क ऑफ प्रैक्टिसेस एंड फार्मर्स इनोवेशनः अ मिक्स्ड मॉडल एप्रोच"।

199. नागराजू मुन्नांगी, आंध्र विश्वविद्यालय, आंध्र प्रदेश, "रोल ऑफ मीडिया इन सेंसेटाइजिंग ट्राइब्स टुवर्ड्स वेलफेयर स्कीम्स (ए पार्टिसिपेटरी स्टडी विद रेफरेंस टू अराकू एजेंसी)"।

200. अल्लादी महालक्ष्मी, आचार्य नागार्जुना विश्वविद्यालय, गुंटूर, आंध्र प्रदेश, "देवदासी एंड मठम्मा कल्ट आंध्र प्रदेशः अ सोशियो–हिस्टोरिकल स्टडी"।

201. राम दयाल, जेएनवीयू, जोधपुर, राजस्थान, "भारतीय इतिहास लेखन का मूल्यांकन – राजस्थान के विशेष सन्दर्भ में"।

202. जसवीर सिंह, पंजाब विश्वविद्यालय, चंडीगढ़, "रोल एंड स्टेटस ऑफ हिंदू टेम्पल्स इन द सोसायटी– केस स्टडी ऑफ कोलोनियल पंजाब"।

203. अनीता कौल, बीएचयू, वाराणसी, उत्तर प्रदेश, "महिलाओं के प्रति घरेलू हिंसा : वाराणसी जनपद के अराजीलाइन ब्लाक के दलित और स्वर्ण महिलाओं का तुलनात्मक अध्ययन"।

204. नरेश कुमार सागर, राजस्थान विश्वविद्यालय, जयपुर, राजस्थान, "राजस्थान में अनुसूचित जाति महिला सरपंचो की प्रशासनिक भूमिका : जयपुर, भरतपुर और टोंक जिलों का तुलनात्मक अध्ययन"।

205. पीपली राम, यूओआर, राजस्थान, "ग्रामीण विकास मे पंचायती राज संस्थाओं की भूमिका : ग्रामीण विकास योजनाओ के विशेष सन्दर्भ में अध्ययन"।

206. ज्योति, इग्नू (IGNOU), नई दिल्ली, "पलायन, महिला–सशक्तिकरण एवं राजनीति : दिल्ली का एक अध्ययन"।

207. रमैया जी, ककतिया यूनिवर्सिटी (केयू), वारंगल, तेलंगाना, "रोल ऑफ कॉरपोरेशन सोशल रिस्पांसीबिलिटी इन द रुरल डेवलपमेंट ऑफ तेलंगाना स्टेट।"

208. पित्ता नरसिंगम, केयू, वारंगल, तेलंगाना, "इंपैक्ट ऑफ वाटरशेड डेवलपमेंट प्रोग्राम इन तेलंगाना स्टेट – अ स्टडी इन करीमनगर डिस्ट्रिक"।

209. मीणा सुहेल, एमएलएसयू, उदयपुर, राजस्थान, "दक्षिणी राजस्थान के आदिवासियों में 'मौताणा प्रथा' की प्रासंगिकता (एक अनुभाविक अध्ययन)"।

210. सोनकेनापल्ली स्पंदना, केयू, वारंगल, तेलंगाना, "इंपैक्ट ऑफ डिजीटल इंडिया प्रोग्राम ऑन सोशियो इकोनॉमिक स्टेट्स इन रुरल एरियाज–ए स्टडी इन तेलंगाना स्टेट"।

211. बसिंगला राधादेवी, केयू, वारंगल, तेलंगाना, "ह्यूमन राइट्स ऑफ द चिल्ड्रेन ऑफ वूमेन प्रिजनर इन तेलंगाना स्टेट : अ स्टडी"।

212. कुरुवा विजयकुमार, ओयू, हैदराबाद, तेलंगाना, "वर्क एटीट्यूडस, एथिक्स एंड वर्क कल्चर ऑफ पब्लिक सर्वेंट्स फॉर गुड गवर्नेंसः अ कम्परेटिव स्टडी ऑफ केरल एंड तेलंगाना स्टेट्स"।

213. के. तिरुपति, ओयू, हैदराबाद, तेलंगाना, "अ स्टडी ऑफ इन्फारमेशन एंड कम्युनिकेशन टेक्नोलॉजी इन डिस्ट्रिक एडमिनिस्ट्रेशनः अ कम्परेटिव स्टडी ऑफ सेलेक्टिड स्टेटस"।

214. जंगैया बोया, यूनिवर्सिटी कॉलेज ऑफ आर्ट्स एंड सोक, तेलंगाना, "पीपुल्स पार्टिसिपेशन इन डेवलपमेंट प्रोग्राम्सः ए कम्पेरेटिव स्टडी ऑफ कोलम्स एंड लाम्बाडा ट्राइब्स इन आदिलाबाद डिस्ट्रिक्ट ऑफ तेलंगाना"।

215. अरुण कुमार, महात्मा गांधी अन्तर्राष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय, महाराष्ट्र, "सोशियो–कल्चरल एंड मेडिसिनल इंपोर्टेंस ऑफ ट्रेडिशनल फूड एंड देयर प्रोडक्ट्स ऑफ कोरकू ट्राइब ऑफ मेलघाट टाइगर रिजर्व एरिया ऑफ अमरावती, महाराष्ट्र"।

216. मल्लारापु गंगाराजू, एयू, विशाखापत्तनम, आंध्र प्रदेश, "एसेसमेंट ऑफ ट्रेंड्स इन मलेरिया इंसीडेंस : अ केस स्टडी ऑफ विशाखापत्तनम डिस्ट्रिक, आंध्र प्रदेश, इंडिया"।

217. रूही रावत, यूओए, इलाहाबाद, उप्र, "स्टेट्स ऑफ हेल्थ एंड सेनीटेशन अमंग द वूमेन इन अर्बन स्लम्स : अंडरस्टैंडिंग द चैलेंजस ऑफ फीमेल हेल्थकेयर प्रैक्टिसेस इन द इकोनॉमिकली वीकर सेक्शंस ऑफ प्रयागराज सिटी"।

218. अनिल कुमार अकेला, एमडीयू, रोहतक, हरियाणा, "एन एनालिसिस ऑफ मैग्नीट्यूड, स्पैटियल पैटर्न एंड ट्रेंड्स ऑफ फार्मर्स सुसाइड इन इंडियाः ए केस स्टडी ऑफ मालवा रीजन इन द पंजाब स्टेट"।

219. पांडुला नागेश, ओयू, हैदराबाद, तेलंगाना, "इम्पावरमेंट एंड सोशल रिफ़्यूज ऑफ रुरल वूमैन इन रिलेशंस ऑफ एजूकेशन, हेल्थ एंड इम्प्लायमेंट विद स्पेशल अलाइनमेंट टू रंगारेड्डी डिस्ट्रिक ऑफ तेलंगाना"।

220. प्रियरंजन मराल, यूओए, इलाहाबाद, उप्र, "ट्रॉमा, कॉग्निटिव एबिलिटीज एंड रेजिलिएशनः स्ट्रीट चिल्ड्रेन"।

221. जोगदंड आम्रपाली महादेव, डॉ. बाबासाहेब अम्बेडकर मराठवाड़ा विश्वविद्यालय, औरंगाबाद, महाराष्ट्र, "प्रॉब्लम्स एंड इफैक्टिवनेस ऑफ होम बेस्ड एंड स्कूल एजूकेशन फॉर चिल्ड्रेन विद स्पेशल नीड्सः विद स्पेशल रेफरेंस टू समग्र शिक्षा"।

222. शिव पूजन प्रेमी, महात्मा गांधी काशी विद्यापीठ, वाराणसी, उत्तर प्रदेश, "भगोड़े विद्यार्थियों के कक्षा पुनर्समायोजन में समाज कार्य हस्तक्षेप एवं सामाजिक कार्यकर्ता की भूमिका (वाराणसी जनपद के माध्यमिक विद्यालय के विद्यार्थियों पर आधारित)"।

223. लक्ष्मी मेहरा, एमएलएसयू, उदयपुर, राजस्थान, "ग्रामीण एवं शहरी महिलाओं में रक्ताल्पता के सामाजिक – सांस्कृतिक कारक एवं परिणाम का तुलनात्मक अध्ययन"।

224. दीगी हर्षवर्धन, ओयू, हैदराबाद, तेलंगाना, "डिकोडिंग साइंस पॉलिसी रिजोल्यूशन ऑफ द गवर्नमेंट सिंस इंडिपेंडेंसः एन एक्सप्लोरेटिव पॉलिसी।"

225. नीलिमा आर्य, एमएलएसयू, राजस्थान, "विधवा एवं परित्यक्ता महिलाओं का पुनर्वसन (उदयपुर जिले का एक समाजशास्त्रीय अध्ययन)"।

226. राजू गढ़ेपाका, ओयू, हैदराबाद, तेलंगाना, "आइडियोलॉजी एंड पॉलिटिकल एक्टिविटीज ऑफ दलित आर्गेनाइजेशन इन तेलंगाना स्टेट"।

227. जी. सांबा शिव राव, आचार्य नागार्जुन विश्वविद्यालय, गुंटूर, आंध्र प्रदेश, "अ स्टडी ऑन डिस्प्लेसमेंट एंड रिहैबिलिटेशन एट पोलावरम प्रोजेक्ट एरिया इन आंध्र प्रदेशः इश्यू एंड कांस्ट्रेंटस"।

228. प्रवीणलता मार्कंडेय, गवर्नमेंट सीएलसी आर्ट्स एंड साइंस कॉलेज, पाटन दुर्ग, छत्तीसगढ़, "पार्थी जनजाति पर शासकीय योजनाओ के प्रभावों का समाजशास्त्रीय अध्ययन–छत्तीसगढ़ के बलेड जिले के विशेष सन्दर्भ में"।

229. ए वेलमुरुगन, गांधीग्राम ग्रामीण संस्थान, डिंडीगुल, तमिलनाडु, "सोशल एक्सक्लूजन एंड लाइवलीहुड चैलेंजस अमंग क्रिमेशन वर्कर्स (वेटियन–ग्रेव– डिगरस) इन डिंडिगुल एंड थेनी डिस्ट्रिकस ऑफ तमिलनाडु"।

230. संतोष कुमार, बीएचयू, उप्र, "भिक्षावृत्ति का व्यावसायिक इतिहास और वर्तमान प्रभाव (वाराणसी जनपद पर आधारित एक समाज वैज्ञानिक अध्ययन)"।

231. मनोज कुमार, बीएचयू, उत्तर प्रदेश, "चेरो जनजाति की लोक –संस्कृति का समाजशास्त्रीय अध्ययन (सोनभद्र जनपद के विशेष सन्दर्भ में)"।

232. शालीग्राम अहिरवार, डॉ. एच. एस. गौर केन्द्रीय विश्वविद्यालय सागर, मध्य प्रदेश, "आधुनिक भारतीय चिन्तन में नव्यवेदान्त : एक समालोचनात्मक अध्ययन (विवेकानंद एवं रामतीर्थ के विशेष संदर्भ में)"।

233. अजय कुमार सिंह, यूओएल, उप्र, "सोशल एस्पैक्ट्स एंड पर्सपेक्टीव्स ऑफ रामायण एंड गीता इन उर्दू लिटरेचर"।

234. मनोज दहिया, दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली, "रविदासिया धर्म का सामाजिक और दार्शनिक अध्ययन"।

235. सुशमा देवी, जेएनयू, नई दिल्ली, "नेचर एंड स्ट्रक्चर ऑफ सोशल डिस्कोर्स इन संस्कृत एपिक्स : ए स्टडी ऑफ बृहत्र्यी महाकाव्य"।

अनुसूचित जनजाति श्रेणी

236. ए एस रफीलेंग, मणिपुर विश्वविद्यालय, इंफाल, मणिपुर, "एंटरप्रेन्योरशिप एंड सेल्फ एम्प्लायमेंट एज ए साल्यूशन टू यूथ अनइम्प्लायमेंट इन मणिपुर"।

237. नमिता पेगु, जेएमआई, नई दिल्ली, "इंडिजिनियस कल्चरल कम्युनिकेशंस अमंग द मिसिंग ट्राइब्स ऑफ असम"।

238. सुमन कुमारी, हिमाचल प्रदेश विश्वविद्यालय, धर्मशाला, हिमाचल प्रदेश, "अ स्टडी ऑफ लाइफ स्किल अमंग ट्राइब्ल स्टूडेंट्स ऑफ किन्नौर एंड लाहौल स्पीति : प्रिवेलिंग स्टेटस, इन्फुलेंसिंग फैक्टर्स एंड इंटरवेंशन स्ट्रेटजी"।

239. पी. लक्ष्मण नाइक, पांडिचेरी विश्वविद्यालय, पुडुचेरी, "एनालिसिस ऑफ हेल्थ–रिलेटिड फिजिकल फिटनेस एकेडेमिक अचीवमेंट मेंटल हेल्थ एंड साइकोमीटर एबिलिटी अमंग अर्बन रूरल एंड ट्राइब्ल स्कूल ब्वायज"।

240. चीपुरू ईश्वर राव, आंध्र यूनिवर्सिटी (एयू), विशाखापत्तनम, आंध्र प्रदेश, "कम्युनिटी इंपैक्ट ऑन इनरोलमेंट एंड ड्रॉपआउट रेट्स इन ट्राइब्ल एंड नॉन ट्राइब्ल प्राइमरी स्कूल इन विजयनगरम डिस्ट्रिक"।

241. कविता गुगुलोथ, द इंग्लिश एंड फॉरेन लैंग्वेजेज यूनिवर्सिटी, तेलंगाना, "मल्टीलिंगुअल एबिलिटीज ऑफ ट्राइबल चिल्ड्रेनः ए स्टडी इन भद्राद्री– कोठागुडेम डिस्ट्रिक्ट ऑफ तेलंगाना स्टेट"।

242. सावित्री देवी मीणा, एमएलएसयू, उदयपुर, राजस्थान, "दक्षिणी राजस्थान के जनजाति विद्यार्थियों की शैक्षिक उपलब्धियों एवं पर्यावरणीय जागरूकता पर परिवार की प्रकृति के प्रभाव का अध्ययन"।

243. मनीष मीणा, एमएलएसयू, उदयपुर, राजस्थान, "फूड एंड न्यूट्रिशनल सिक्योरिटी : एन एनालिसिस ऑफ ट्राइब्ल वूमैन इन सदर्न राजस्थान"।

244. भुवना, वीईएलएस इंस्टीट्यूट ऑफ साइंस, टेक्नोलॉजी एंड एडवांस्ड स्टडीज (विस्टा), चेन्नई, तमिलनाडु, "रूरल डेवलपमेंट थ्रू ई–गवर्नेंस इनिशिएटिव विद स्पेशल रेफरेंस टू तमिलनाडु"।

245. कृष्णा नायक भुक्य, तेलंगाना विश्वविद्यालय, निजामाबाद, तेलंगाना, "एजुकेशनल स्टेटस एंड चैलेंजिस अमंग ट्राइब्ल वूमैन इन तेलंगानाः अ स्टडी"।

246. बसवराज एमटी, तुमकुर विश्वविद्यालय, तुमकुरु, कर्नाटक, "रिसर्च प्रोडक्टिविटी ऑफ साउथ इंडियन यूनीवर्सिटिज यूजिंग वेब ऑफ साइंस डेटा"।

247. चुंगखोसी बाईटे, मणिपुर विश्वविद्यालय, इंफाल, मणिपुर, "इंडियाज लुक ईस्ट पॉलिसी : चैलेंजस एंड अपारचुनिटीज फॉर ट्राइब्ल ऑफ चंदेल डिस्ट्रिक इन मणिपुर"।

248. नितेश कांत, एमएलएसयू, उदयपुर, राजस्थान, "इंपैक्ट एंड इम्पलीमेंटेशन ऑफ पंचायत एक्सटेंशन एक्ट, 1999 ऑन द ट्राइब्लस एरियाज़ इन साउथ राजस्थान"।

249. के. रवि, ओयू, हैदराबाद, तेलंगाना, "अ स्टडी ऑन द परफार्मेंस ऑफ इंटीग्रेटिड ट्राइब्ल डेवलपमेंट एजेंसीज़ (आईटीडीए)"।

250. बी श्रीनिवास नायक, केयू, वारंगल, तेलंगाना, "एजूकेशन फॉर इम्प्लायबिलिटी ऑफ लम्बाडा ट्राइब इन वारंगल डिस्ट्रिक, तेलंगाना फोकस ऑन केस स्टडीज रादर देन सर्वे।"

251. वेंकट प्रसाद राव श्रीराम, एयू, विशाखापत्तनम, आंध्र प्रदेश, "स्टेट इनिशिएटिव टू क्रियेट लाइवलीहुडसः अ स्टडी ऑफ मनरेगाज इम्प्लीमेंटशन अमंग ट्राइब्स ऑफ नार्थ कोस्टल आंध्र प्रदेश"।

252. रेबेका देबबर्मा, त्रिपुरा विश्वविद्यालय, अगरतला, त्रिपुरा, "साइकोसोशल इंटरवेंशन फॉर डिप्रेशन एंड एंक्जायटी अमंग ब्रू कम्युनिटी : अ स्टडी आन इंटरनली डिस्प्लेस्ड पर्सन्स रिसैटल्ड इन द स्टेट ऑफ द त्रिपुरा"।

253. कमल कांत पटेल, एमएलएसयू, उदयपुर, राजस्थान, "इंपैक्ट ऑफ ग्लोबलाइजेशन ऑन ट्राइब्ल सोसायटीः स्टडी ऑफ सदर्न राजस्थान"।

254. नागेश एम, कन्नड़ विश्वविद्यालय, हम्पी, कर्नाटक, "इंडीजीनियस नॉलेज ऑफ पास्टोरल कम्युनिटी (विद रेफरेंस टू मैसाबेड़ा कम्युनिटी इन चित्रदुर्ग कम्युनिटी)"।

255. कांता मीणा, नवत, जयपुर, राजस्थान, "मध्यप्रदेश एवं राजस्थान की जनजाति महिला श्रमिकों मे शिक्षा एवं स्वास्थ्य सम्बन्धी समस्याओं का एक समाजशास्त्रीय अध्ययन"।

256. अरविंद कुमार, बीएचयू, वाराणसी, उत्तर प्रदेश, "हिंदी उपन्यास साहित्य में आदिवासी जीवन का समाजशास्त्रीय विश्लेषण"।

प्राप्त अंतिम रिपोर्ट

राष्ट्रीय अध्येतावृत्तियाँ

1. आर. गोविंदा, सीएसडी, नई दिल्ली, "मेकिंग ऑफ एजूकेशन अ फंडामेंटल राइटः इंटेरोगेटिंग द प्रीमाइस, प्रिंसिपल्स, प्रॉमिसेस एंड प्रास्पेक्टस"।
2. एन. नागराज, आईएसईसी, बेंगलुरु, "इवैल्यूटिंग डिफरेंट अप्रोचस फॉर सस्टेनेबल यूज ऑफ ग्राउंडवाटर फॉर इनहांसिंग एग्रीकल्चरल प्रोडक्टीविटी एंड इंकम ऑफ द फार्मर्स इन सेमी–एरिड रीजंस ऑफ इंडिया"।
3. कल्पना मार्कंडेय, उस्मानिया विश्वविद्यालय, हैदराबाद, "अर्बन जिओ–पोर्टल एज ए डिसीजन– मेकिंग टूल इन अर्बन प्लानिंग : अ केस ऑफ हैदराबाद"।
4. के पी कन्नन, लॉरी बेकर सेंटर फॉर हैबिटेट स्टडीज, केरल, "एसेसिंग एंड इंटेरोगेटिंग द डेवलपमेंट एक्सपीरियंस ऑफ द स्टेट ऑफ केरल"।
5. आर एस देशपांडे, आईएसईसी, बैंगलोर, "एग्रीकल्चर, कल्चर एंड सोसाइटी"।

वरिष्ठ अध्येतावृत्तियाँ

1. टी. जी. रमैया, सीईएसएस, हैदराबाद, "एम्पावरिंग पूअर एंड मार्जिनालाइज्ड रुरल वूमैन थ्रू सोशल मोबलाइजेशन : अ स्टडी ऑफ नेशनल रुरल लाइवलिहुड मिशन (एनआरएलएम) इन आंध्रप्रदेश एंड तेलंगाना स्टेट्स"।
2. नानुमासा स्वामी, उस्मानिया विश्वविद्यालय, "कोया लाइफ स्टाइल – ट्राइब्ल कल्चर लिटरेचर इन तेलुगू"।
3. एस. सुंदरी, मदर टेरेसा महिला विश्वविद्यालय, "स्ट्रक्चरल चेंजस इन द लेबर मार्केट एंड फीमेल लेबर फोर्स पार्टिसिपेशन इन इंडियाः थियोरेटिकल मॉडल्स, एम्पीरिकल एविडेंस एंड पॉलिसी इम्प्लीकेशंस"।
4. के. वी. अय्यान्ना, मैसूर विश्वविद्यालय, मैसूर, "डॉ. बी. आर. अम्बेडकरः कांसेप्ट ऑफ लैंड रिफार्मस एंड इट्स रेलेवेंस टू इंडियन कांटैक्स्ट – अ स्टडी ऑफ मैसूर डिस्ट्रिक"।
5. मायेंगबम बिद्यरानी देवी, मणिपुर विश्वविद्यालय, कांचीपुर, "लेक्सिकल डेवलपमेंट इन मणिपुरी"।
6. दुववुरु जमुना, एस वी विश्वविद्यालय, तिरुपति, "लाइफ एक्सपीरियंस ऑफ रेजीडेंट्स ऑफ फ्री एंड पे एंड स्टे होम्स फॉर द एज्ड – अ साइकोलॉजिकल स्टडी"।
7. एन. उषा रानी, मैसूर विश्वविद्यालय, कर्नाटक, "डेवलपमेंट ऑफ मीडिया इंडीकेटर्स–अ क्रिटिकल एनालिसिस ऑफ वायाबिलिटी ऑफ मीडिया डायमेंशन इन मीजरिंग डेवलपमेंट"।
8. एम. सुंदर राव, सीईएसएस, हैदराबाद, "इंपैक्ट ऑफ इंकम एंड इम्प्लायमेंट जेनरेशन प्रोग्राम्स ऑन द लाइवलीहुड पैटर्न ऑफ ट्राइब्ल वूमैन (अ कम्परेटिव स्टडी ऑफ सक्सेसफुल एरियाज एंड नॉट सो–सक्सेसफुल एरियाज)"।
9. ए. वी. शशिकला, उस्मानिया विश्वविद्यालय (ओ.यू.), हैदराबाद, "ड्राइलैंड फार्मिंग प्रैक्टिसेस इन सेलेक्टिड एरिड एंड सेमी एरिड मंडल्स इन महबूबनगर एंड नालगोंडा डिस्ट्रिक्स ऑफ तेलंगाना"।
10. विनोद कुमार, बनारस हिंदू विश्वविद्यालय, वाराणसी, "पूर्वांचल में अनुसूचित जाति के बालश्रमिकों की सामाजिक–आर्थिक पृष्ठभूमि एवं कार्य–दशाओं का समाज–वैज्ञानिक अध्ययन।"
11. पी बी गंभीर, सावित्रीबाई फुले पुणे विश्वविद्यालय, पुणे, "द प्रोग्रेस एंड इम्पैक्ट ऑफ डिजिटल इंडिया प्रोग्राम ऑन डिजीटल इम्पावरमेंट ऑफ सिटीजंस ऑफ महाराष्ट्र स्टेट्स"।
12. राज्यलक्ष्मी नित्तला, आंध्र विश्वविद्यालय, विशाखापत्तनम, "इंफ्लुऐंस ऑफ एनवायरनमेंटल कंसर्न ऑन कन्ज्यूमर बिहैवियर : अ स्टडी ऑफ विशाखापत्तनम सिटी, आंध्र प्रदेश"।

13. वी. शोभा, काकतीय विश्वविद्यालय, तेलंगाना राज्य, "वूमैन एंड क्राइम – अ स्टडी ऑफ वूमैन प्रिजनर्स ऑफ सेंट्रल जेल्स इन तेलंगाना"।
14. के. चोकैया, काकतीय विश्वविद्यालय, तेलंगाना, "ट्राइब्स एंड फॉरेस्ट एडमिनिस्ट्रेशन इन शेडयूल्ड एरियाज –अ स्टडी ऑफ तेलंगाना स्टेट"।
15. एम के श्रीधर, आईएसईसी, बैंगलोर, "मैनेजमेंट बाय एंड फॉर कॉमन मैनः एन एक्सप्लोरेशन ऑफ द कॉन्सेप्ट एंड डायरेक्शन फॉर द फ्यूचर"।
16. ए. रेड्डीप्पा रेड्डी, श्री वेंकटेश्वर विश्वविद्यालय, तिरुपति, "हेल्थ फॉर ऑल– अ स्टडी ऑफ आंध्र प्रदेश स्टेट हेल्थ इंश्योरेंस स्कीम"।
17. एम सारंगधरन, केरल विश्वविद्यालय, "इंडियन ई–कामर्स इंडस्ट्री इन द पोस्ट–मोनेटाइजेशन एंड जीएसटी एरा"।
18. नीलिमा देशमुख, एनएमएमएल, नई दिल्ली, "ई–गवर्नेंस फॉर लोकल डेवलपमेंट : प्राब्लम्स एंड इश्यूज इन लोकल सेल्फ गवर्नमेंट एडमिनिस्ट्रेशन ऑफ नागपुर डिस्ट्रिक एज अपकमिंग मेट्रो ऑफ विदर्भ रीजन"।
19. ए एस बालसुब्रमण्य, बैंगलोर विश्वविद्यालय, बैंगलोर, "कन्नड़ प्रेस इन न्यू मिलेनियम"।
20. बी. लक्ष्मैया, उस्मानिया विश्वविद्यालय, हैदराबाद, "अर्बन सोशल स्पेसेसः ए स्टडी ऑफ शेड्यूल्ड कास्ट पॉपुलेशन इन तेलंगाना"।
21. एम नागराजन, अन्नामलाई विश्वविद्यालय, तमिलनाडु, "रिसर्च प्रोडक्टिविटी ऑफ सोशल साइंटिस्ट्स इन द यूनीवर्सिटीज़ ऑफ तमिलनाडु : एन एनालिटिकल स्टडी"।
22. देवेश विजय, सीएसडीएस, नई दिल्ली, "कॉमनर्स एंड द स्टेटः इंटरफेस बिटवीन गवर्नमेंट दफ्तर्स एंड अनआर्गेनाइज्ड वर्कर्स इन ए स्लम एंड ए विलेज ऑन दिल्ली मार्जिंस"।
23. मैत्रेयी बर्धन रॉय, आईडीएस, कोलकाता, "एसेसमेंट ऑफ हेल्थ एंड द न्यूट्रीशिनल स्टेट्स ऑफ एजूकेटिड रिजर्व केटेगरी वूमैन ऑफ द कोस्टल रीजन इन साउथ 24 परगना, पश्चिम बंगाल, इंडिया"।
24. सरबनी गांगुली, विद्यासागर विश्वविद्यालय, पश्चिम बंगाल, "फिलास्फर्स एंड सोसायटी : एक्शंस एंड रिएक्शंस इन द कांटेक्सट ऑफ क्लासिकल इंडियन फिलासफी"।
25. ए के सेनगुप्ता, लखनऊ विश्वविद्यालय, "एन इवोल्यूशन ऑफ द मैकेनिज्म ऑफ फेडरल फिस्कल ट्रांसफर्स इन इंडिया विद स्पेशल रेफरेंस टू बैकवर्ड स्टेट्स"।
26. दीपक दासगुप्ता, सीएसडी, नई दिल्ली, "इंम्प्रूविंग स्मॉल होल्डर एग्रीकल्चरल सप्लाई रेस्पांस टू मैनेज फूड इनफ्लेशन, मीट राइजिंग अर्बन फूड डिमांड एंड एडाप्ट टू क्लाइमेट चेंज"।
27. सुरिंदर के शुक्ला, पंजाब विश्वविद्यालय, चंडीगढ़, "जेंडर एंड पब्लिक पॉलिसी इन इंडिया"।
28. के आनंदन, पोट्टी श्रीरामुलु तेलुगु विश्वविद्यालय, "क्रॉस कल्चरल स्टडी ऑफ ट्राइब्स इन तमिल तेलुगु फोक आर्ट फॉर्म"।
29. कंवर दास कपूर, आईडीएसए, नई दिल्ली, "ट्रेड एंड इन्वेस्टमेंट रिलेशंस ऑफ इंडिया एंड चायना विद लैटिन अमेरिका एंड द कैरिबियन (एलएसी)ः चैलेंजेस, अपार्चुनिटीज एंड प्रोस्पेक्ट्स फॉर इंडिया"।
30. श्याम नाथ, अमृता विश्व विद्यापीठ, केरल, "ग्लोबलाइजेशन, क्लाइमेट चेंज एंड अर्बन पब्लिक फाइनेंस : एन एम्पीरिकल स्टडी ऑफ बॉम्बे एंड दिल्ली म्युनिसिपल कारपोरेशंस"।
31. मुनीश अलघ, सरदार पटेल आर्थिक और सामाजिक अनुसंधान संस्थान, अहमदाबाद, "आर्गेनाइजेशनल थियोरी रिलेटिड टू ए कम्युनिटी ओरियंटिड सोशल इंटरप्राइजः अ केस ऑफ अ सुपर मार्केट इन जुहापुरा एंड इट्स फ्रेंचाइजिंग फ्रेमवर्क अक्रास गुजरातः अ डिटेल्ड स्टडी ऑफ आर्गेनाइजेशल इकोनॉमिक थियोरी रिलेटिड टू थीम विद इम्पीरिकल आब्जरवेशंस"।
32. वाणी अर्चना, आईआईटी, मद्रास, चेन्नई, "एनालाईजिंग द इश्यू ऑफ इंडियाज फ्री ट्रेड एग्रीमेंट्स फ्रॉम ए माइक्रो पर्सपेक्टिव"।

पोस्ट डॉक्टोरल अध्येतावृत्तियाँ

1. सस्मिता त्रिपाठी, एएमयू, अलीगढ़, "'इंडियाज क्वेस्ट फॉर स्ट्रेटेजिक ऑटोनॉमी इन अ मल्टीपोलर वर्ल्डः चैलेंज, रिस्क एंड अपार्चुनिटीज"।
2. नेहा आर जैन, राजस्थान केंद्रीय विश्वविद्यालय, राजस्थान, "द सोशियो–साइकोलॉजिकल स्टडी ऑफ वूमैन लेजिस्लेटर्स इन इंडियाः कम्परेटिव एनालिसिस ऑफ दिल्ली एंड राजस्थान"।

3. श्रद्धा श्रीवास्तव, आईईजी, दिल्ली, ''डायटरी अकल्चरेशन एंड इट्स कान्सीक्वेंस : विद स्पेशल रेफरेंस टू माइग्रेंटस स्टूडेंट्स इन दिल्ली यूनिवर्सिटी''।

4. निधि जैन, एमएलएसयू, उदयपुर, ''नेचर एंड इम्पैक्ट ऑफ इनफार्मल ट्रेडिशनल लोकल गवर्नेंस इंस्टीट्यूशंस इन शेड्यूल्ड ट्राइब एरियाः अ कम्परेटिव स्टडी ऑफ बांसवाड़ा एंड झाबुआ डिस्ट्रिक''।

5. सी तिरुपालु, श्री कृष्ण देवराय विश्वविद्यालय, अनंतपुरमू, ''एससी कॉर्पोरेशन एंड इट्स इम्पैक्ट ऑन द सोशियो–इकोनॉमिक एम्पावरमेंट ऑफ सैड्यूल्ड कास्ट्स इन आंध्र प्रदेशः ए स्टडी ऑफ एससी असेंबली कॉन्स्टीट्यूएंसीज इन आंध्र प्रदेश''।

6. मनजिंदर कौर, गुरु नानक देव विश्वविद्यालय, पंजाब, ''इवैल्यूशन ऑफ द क्वालिटी ऑफ इंटीग्रेटिड चाइल्ड डेवलपमेंट सर्विस इन पंजाब विद रेस्पेक्ट टू क्वालिटी स्टैंडर्डस स्पेसीफाइड इन नेशनल पॉलिसी फॉर अर्ली चाइल्डहुड केयर एंड एजूकेशन 2013''।

7. ऋषिकांत मित्तल, राजस्थान यूनिवर्सिटी (यूओआर), जयपुर, राजस्थान, ''एन एम्पीरिकल स्टडी ऑन इंपैक्ट ऑफ डिमोनीटाइजेशन एंड कैशलैस ट्रांजेक्शन ऑन इंडियन इकोनॉमी''।

8. स्वाति जैन, राजस्थान यूनिवर्सिटी (यूओआर), जयपुर, राजस्थान, ''एन इंपीरिकल स्टडी ऑन इंपैक्ट ऑफ गुड्स एंड सर्विसेज टैक्स (जीएसटी) ऑन इंडियन इकोनमी''।

9. महादेव सिंह, राजस्थान यूनिवर्सिटी (यूओआर), जयपुर, राजस्थान, ''इंडिया–पाकिस्तान रिलेशंस : पॉलिसीज एंड स्ट्रेटजीस (अ कम्परेटिव स्टडी ऑफ यूपीए एंड एनडीए गवर्नमेंट्स)''।

10. एम डी आदिल गजनवी, एएमयू, अलीगढ़, ''रोल ऑफ नॉन–गवर्नमेंट एंड सोशियो–रिलीजियस आर्गेनाइजेशंस इन द क्लीन गंगा मिशन एट वाराणसी : अ ह्यूमन राइट्स पर्सपेक्टिव''।

11. जीवन ज्योति, हिमाचल प्रदेश विश्वविद्यालय, शिमला, ''लो न्यूमेरिसी इन डिस्कैल्कुलियाः आइडेंटीफिकेशन एंड इंटरवेंशन''।

12. एम कृष्णा नायडू, महात्मा गांधी काशी विद्यापीठ, वाराणसी, ''एग्रीकल्चरल मार्केटिंग एंड परफार्मेंस ऑफ रेग्युलेटिड मार्केट्स इन थ्री रीजंस ऑफ आंध्र प्रदेश''।

13. सुधीर कुमार, सीसीएस विश्वविद्यालय, मेरठ, उत्तर प्रदेश, ''आधुनिक परिप्रेक्ष्य में आदिवासी समाज में महिलाओं की राजनैतिक, सामाजिक, आर्थिक व शैक्षिक स्थिति का एक विश्लेषणात्मक अध्ययन''।

14. प्रेरणा चतुर्वेदी, महात्मा गांधी काशी विद्यापीठ, वाराणसी, ''सोशल सपोट्र एंड कोपिंग स्ट्रटेजीस, सब्जेक्टिव वैल बीइंग, डिप्रैशन एंड क्वालिटी ऑफ लाइफ ऑफ जुवेनाइल एड्स पेशेंट्स''।

15. मोनिका शर्मा, हिमाचल प्रदेश विश्वविद्यालय, शिमला, ''इवैल्यूशन ऑफ द इम्पलीमेंटेशन ऑफ द स्कीम आईईडीएसएस इन हिमाचल प्रदेश''।

16. बोलम तिरुपाही, उस्मानिया विश्वविद्यालय, हैदराबाद, ''न्यूज चैनल्स रेटिंग एंड क्रेटिबिलिटी (अ केस स्टडी ऑफ आंध्र प्रदेश एंड तेलंगाना स्टेट्स)''।

17. भूपेंद्र औलख, जी बी पंत कृषि और प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, पंत नगर, उत्तराखंड, ''जेंडर डायमेंशंस इन एडाप्शन ऑफ क्लाइमेट स्मार्ट एग्रीकल्चर फॉर वूमैन फार्मर्स ऑफ उत्तराखंड''।

18. प्रतिमा, डीयू, दिल्ली, ''सेल्फ रेग्यूलेशन रिजीलियंस इन स्टूडेंट्स विद लर्निंग डिफिकल्टी''।

19. महेश कुमार तिवारी, राजस्थान विश्वविद्यालय, जयपुर, राजस्थान, ''अलवर ज़िले में कृषि का आधुनिकीकरण''।

20. सी येलैय्या, एसवी विश्वविद्यालय, तिरुपति, आंध्र प्रदेश, ''अ परफार्मेंस इवैल्यूशन ऑफ रिजनल रुरल बैंक्स (आरआरबी) इन इंडिया – विद स्पेशल रेफरेंस टू सप्तगिरी ग्रामीण बैंकः आंध्र प्रदेश''।

21. संदीप कुमार रंजन, जेएनयू, नई दिल्ली, ''सोशल एंड कल्चरल डायमेंशंस ऑफ 19th सेंचुरी हिंदी नॉवेल्स''।

22. किरण शेखावत, जय नारायण व्यास विश्वविद्यालय, जोधपुर, ''भारतीय इतिहास में पश्चिमी राजस्थान के परम्परागत वस्त्र एवं आभूषण का वर्तमान में महत्व एवं उपयोगिता का विश्लेषणात्मक अध्ययन''।

23. हेमलता, बाबासाहेब भीमराव अम्बेडकर विश्वविद्यालय, लखनऊ, ''प्रोडक्टिविटी परफार्मेंस ऑफ एग्रो बेस्ड इंडस्ट्रीज इन वेस्टर्न उत्तर प्रदेश – एन एनालिटिकल स्टडी''।

24. प्रशांत कुमार दुबे, बीएचयू, वाराणसी, उत्तर प्रदेश, ''रोल ऑफ ईवीएफ इन एजूकेशन एंड सोशल इम्पावरमेंट ऑफ ट्राइब्स इन झारखंड''।

25. सत्यवीर, बीएचयू, वाराणसी, उत्तर प्रदेश, "नृजातीय अस्मिता की खोज एवं भाषाई उपयोजन (भोजपुरी लोक संस्कृति के वैश्विक विषरण के विशेष सन्दर्भ में)"।

26. कमलेश पाल, बीएचयू, वाराणसी, उत्तर प्रदेश, "जनजातियों में संस्कृति, शिक्षा एवं स्वास्थ्य के बदलते प्रतिमान (मध्य प्रदेश के छिंदवाड़ा एवं बैतूल ज़िले के गौड़ जनजातियों का एक समाज शास्त्रीय अध्ययन)"।

27. सैयद मजहरुद्दीन, ओयू, हैदराबाद, "परफार्मेंस ऑफ चिल्ड्रेन विद हियरिंग इम्पेयरमेंट ऑन अर्थमेटिक वर्ड प्राब्लम्स"।

28. सुनीता खंडेलवाल, मोहनलाल सुखाड़िया विश्वविद्यालय (एम.एल.एस.यू.), उदयपुर, "महिलाओं में मद्यपान की प्रवृत्ति (एक समाजशास्त्रीय अध्ययन)"।

29. फरजाना शेहला, उस्मानिया यूनिवर्सिटी, हैदराबाद, "अंडरस्टैंडिंग मेटाकॉग्निशन इन चिल्ड्रेन–ए स्टडी ऑफ हैदराबाद एंड रंगारेड्डी"।

30. मंजू प्रसाद सी, मैसूर विश्वविद्यालय, मैसूर, "एन इम्पीरिकल एनालिसिस ऑफ प्राइमरी एग्रीकल्चरल क्रेडिट कोआपरेटिव इन कर्नाटक"।

31. रामचंद्र मूर्ति के, मैसूर विश्वविद्यालय, मैसूर, "अ कम्परेटिव एनालिसिस ऑफ ह्यूमन डेवलपमेंट स्टेट्स ऑफ ट्राइब्ल कम्युनिटीज इन कर्नाटक : अ केस स्टडी ऑफ मैसूर एंड चामराजनगर डिस्ट्रिक"।

32. अंजना कुमारी, हिमाचल प्रदेश विश्वविद्यालय, शिमला, "रिर्सोस यूज इफीशिएंसी एंड मार्केटिंग मैनेजमेंट ऑफ ऑफ–सीजन वेजेटेबल कल्टीवेशन अंडर प्लेहाउसेज इन हिमाचल प्रदेश"।

33. पी. चिन्नूरप्पा, एसवी विश्वविद्यालय, अनंतपुरमू, "इकोनॉमिक सिक्योरिटी एंड इम्प्लायमेंट गारंटी अमंग रुरल हाउस होल्डस इन इंडिया विद स्पेशल फोकस ऑन मनरेगा इन ड्राउट (Drought) प्रोन रायलसीमा रीजन ऑफ आंध्र प्रदेश"।

34. एस श्रीनिवास राव, आंध्र विश्वविद्यालय, विशाखापत्तनम, "ह्यूमन रिर्सोसेस डेवलपमेंट प्रैक्टिसेस इन बैंकिंग सेक्टर एंड देअर इम्पलीकेशन ऑन एम्प्लोई इफैक्टीवनेस"।

35. बी विनीता, उस्मानिया विश्वविद्यालय, "एन एम्पीरिकल एविडेंस ऑफ द स्टेटस ऑफ नेसेसरी एंड सफीशिएंट कंडीशंस ऑफ फाइनेंसियल इंक्लूजन विद रेफरेंस टू द शेडयूल्ड कास्ट वूमेन इंटरप्रेन्योर्स इन तेलंगाना स्टेट, हैदराबाद"।

36. विजेंद्र सिंह, सीसीएस यूनिवर्सिटी, मेरठ, "कंटेस्टिड स्पेससः एक्सक्लूजन एंड डिसक्रिमिनेशन इन इंस्टीट्यूशंस ऑफ हायर लर्निंग इन इंडिया"।

37. अजय राज मृदुल, बीएचयू, वाराणसी, "पावर्टी अमंग शेडयूल्ड कास्टस (एससी) एंड शेडयूल्ड ट्राइब्स (एसटी) इन डिस्ट्रिक चंदौली, उ प्रः अ मल्टी–डायमेंशनल एप्रोच"।

38. श्रद्धा नंद राय, इग्नू (IGNOU), नई दिल्ली, "यूएस सेंट्रल एशिया स्ट्रेटिजिक रिलेशंस एंड इट्स इंपीलिकेशंस ऑन इंडियाज सिक्योरिटी"।

39. श्वेता मित्तल, आईआइटी , नई दिल्ली, "एक्जामिनिंग द इंपैक्ट ऑफ पे–फॉर–परफॉर्मेंस एचआर प्रैक्टिस ऑन इम्प्लाइयी वर्क एटिट्यूड, बिहैवियर्स, एंड वैल बीइंग : अ स्टडी ऑफ इंडियन प्रोफेशनल्स"।

40. इंदु छाबड़ा, पंजाब विश्वविद्यालय, चंडीगढ़, "परफार्मेंस एनालिसिस ऑफ कस्टमर बायिंग बिहैवियर थ्रू द डिजाइन एंड इम्प्लीमेंटेशन ऑफ जेनेटिक एल्गोरिथम एंड न्यूरल नेटवर्कस डेटा माइनिंग पैराडाइम"।

41. अर्पिता घटक, काजी नजरूल विश्वविद्यालय, पश्चिम बंगाल, "परफार्मेंस इन कल्चर, कल्चर इन परफार्मेंसः अ क्रिटिकल स्टडी ऑफ जात्रा इन पोस्ट–इंडिपेंडेंस बंगाल"।

42. अब्राहम मुटलुरी, आंध्र विश्वविद्यालय, विशाखापत्तनम, "ट्राइब्ल यूथ एंड लाइवलीहुड अपार्चुनिटीजः अ स्टडी ऑन द पार्टिकुलरली वल्नेरेबल ट्राइब्ल ग्रुप्स (पीवीटीजी) लिविंग इन विशाखापत्तनम एंड विजयनगरम डिस्ट्रिक ऑफ आंध्र प्रदेश"।

43. दीपिका, जेएस हिंदू (पीजी) कॉलेज, अमरोहा, "इमर्जिंग इश्यूज इन डेयरी प्रोडक्शन एंड मैनेजमेंट इन हिमाचल प्रदेश"।

44. जे राजा मीनाक्षी, तमिलनाडु केंद्रीय विश्वविद्यालय, तिरुवरूर, "आक्युपेशनल हेल्थ एंड वैल बीइंग ऑफ वूमैन वर्कर्स इन एग्रीकल्चर– अ विलेज स्टडी इन तिरुवरूर डिस्ट्रिक, तमिलनाडु"।

45. विनय कुमार सिंह, काशी हिन्दू विश्वविद्यालय, वाराणसी, "पर्यटन के विविध सामाजिक, धार्मिक एवं सांस्कृतिक आयाम : (वाराणसी जनपद पर आधारित एक समाज–शास्त्रीय अध्ययन)"।

46. पूजा अरोड़ा, पंजाब विश्वविद्यालय, चंडीगढ़, "मेकिंग डिजिटल पेमेंट्स सिटीजन सेंट्रिकः ए स्ट्रेटेजिक अप्रोच"।

47. एस वी अकीलंदेश्वरी, गांधीग्राम ग्रामीण संस्थान, डिंडीगुल, तमिलनाडु, "अ स्टडी ऑन इम्पावरमेंट ऑफ वूमैन आर्टीजंस इन द हैंडीक्राफ्ट इंडस्ट्री एंड देयर सस्टेनेबल लाइवलीहुड"।

48. के सुरेश, तमिलनाडु केंद्रीय विश्वविद्यालय, तिरुवरूर, "डिजाइनिंग अ स्किल –बेस्ड करिकुलम फ्रेमवर्क फॉर नोमेडस इन तमिलनाडु"।

49. पूनम तलरेजा नासा, एमएलएसयू, उदयपुर, "अ स्टडी ऑफ हाउसहोल्ड एक्सपंडीचर पैटर्न अमंग ट्राइब्ल एंड नॉन ट्राइब्ल एरियाज विद रेफरेंस ऑफ एंगेल कर्व"।

50. नल्ला श्रीधर, ओयू, हैदराबाद, "सोशियो–इकोनॉमिक वल्नेरेबिलिटी ऑफ अर्बन पुअर टू क्लाइमेट चेंज – अ केस स्टडी ऑफ ग्रेटर हैदराबाद, तेलंगाना"।

51. एमडी (Md.) नैयर जैदी, एएमयू, अलीगढ़, "अ स्पाटियल डाइमेंशन ऑफ फूड इनसिक्योरिटी अमंग शेडयूल्ड कास्ट पापुलेशन इन चित्रकूट डिस्ट्रिक ऑफ उत्तर प्रदेश : एन एम्पिरिकल एप्रोच"।

52. नेहा तोमर, जामिया हमदर्द, नई दिल्ली, "वूमैन एम्पावरमेंट थ्रू स्किल डेवलपमेंट इन इंडिया"।

53. मुद्रा शर्मा,. लखनऊ यूनिवर्सिटी (यूओएल), लखनऊ, "इंक्लूसिव एजूकेशन एंड पैरेंटल इनवॉल्वमेंट : इंटीग्रेशन ऑफ चिल्ड्रेन विद फिजिकल डिसएबिलिटीज इन मेनस्ट्रीम स्कूल"।

54. पी अनंत, मदुरै कामराज विश्वविद्यालय, मदुरै, "अर्बन स्ट्रक्चर एंड गवर्नेंस कम्पोनेंट ऑफ जवाहर लाल नेहरू नेशनल अर्बन रिन्यूवल मिशन (जेएनएनयूआरएम) इन तमिलनाडु"।

55. सी मुथ्यालप्पा, एसके विश्वविद्यालय, अनंतपुरम, "द तेलुगु डायलेक्ट इन अनंतपुरम डिस्ट्रिक ऑफ आंध्र प्रदेश"।

56. सात्वना तिवारी, इग्नू, नई दिल्ली, "कोलोनियल एक्सप्लायटेशन एंड इनडेनचर्ड सिस्टमः अ सोशियोलॉजिकल एनालिसिस (विद स्पेशल रेफरेंस टू लिटरेचर एंड फोकलोर)"।

57. बिमला, कॉटन यूनिवर्सिटी, असम, "द अंगामी नागा वूमेन इन फैमिली रिसोर्स मैनेजमेंटः एन एंथ्रोपोलॉजिकल स्टडी इन कोहिमा, नागालैंड"।

58. जयप्रकाश सिंह, बीएचयू, वाराणसी, "अप्रवासी विद्यार्थियों द्वारा सात्मीकृत अंतर–सांस्कृतिक व्यवस्थापन का समाजशास्त्रीय अध्ययन (वाराणसी में शिक्षारत विदेशी क्षेत्रों पर आधारित)"।

59. योगेश नारायण सिंह, बीएचयू, वाराणसी, "अ स्टडी ऑफ सोशल–इकोनामिक स्टेटस ऑफ स्वीपर्स इन वाराणसी (बेस्ड ऑन अर्बन एरियाज)"।

60. मनीष ज्ञानी, म.प्र. सामाजिक विज्ञान अनुसंधान संस्थान, उज्जैन, "पंचायती–राज व्यवस्था एवं दलितों का सामाजिक–राजनीतिक समावेशीकरण"।

61. अनीता मंगलानी, एमएलएसयू, "इंटरनेट एडिक्शन : एन एनालिसिस ऑफ कांटेक्सचुअल रिस्क फैक्टर्स एंड सिग्नीफिकेंस ऑफ अवेयरनेस एंड सेंसेटाइजेशन एज ए प्रीवेंटिव मीजर्स फॉर कॉम्पीटेंसी एंड हेल्थ रिस्क अमंग एडलोसेंट्स"।

62. मोहित वाधवानी, एमएलएसयू, उदयपुर, "इंपैक्ट ऑफ सर्विस क्वालिटी ऑन कस्टमर रिटेंशनः अ कम्परेटिव स्टडी इन इंडियन बैंकिंग इंडस्ट्री"।

63. गौरव शाह, बीएचयू, वाराणसी, "अ स्टडी ऑन 'पॉलिटिकल कम्युनिकेशन' डन ऑन ट्विटर डयूरिंग इंटर–रिलीजियस कॉन्फिलिक्ट"।

64. संत प्रकाश सिंह, जेएनयू, नई दिल्ली, "इंडिया– रशिया सिविल न्यूक्लियर ट्रेड पोस्ट इंडो–यूएस सिविल न्यूक्लियर डील"।

65. वंदना सिंह, महात्मा गांधी काशी विद्यापीठ, वाराणसी, "ग्रामीण स्वास्थ्य संरक्षण एवं कल्याणकारी योजनाओं का प्रभाव (वाराणसी जनपद के काशी विद्यापीठ ब्लॉक पर आधारित एक समाजशास्त्रीय अधययन)"।

66. पलक कपूर, एनआरईसी कॉलेज, खुर्जा, उप्र, "इमर्जिंग इश्यूज ऑफ सोशल सिक्योरिटी एंड फाइनेंशियल लिटरेसी इन इंडियाः अ स्टडी ऑफ वर्किंग वूमैन इन बैंकिग सेक्टर"।

67. अपाला साहा, बीएचयू, वाराणसी, "सिचुएटिंग सोशियो–कल्चरल रियलिटिज एंड हेरिटेज स्केप एट द हार्ट ऑफ स्मार्ट सिटी इनिशिएटिव इन द वर्ल्डस ओल्डेस्ट लिविंग सिटी–वाराणसी"।

68. सौभाग्यवती शुक्ला, यूओआर, जयपुर, "दक्षिण एशिया में चीन का बढ़ता प्रभाव : भारत के लिए निहितार्थ"।

69. सुजीत कुमार छटिया, नवकृष्ण चौधरी सेंटर फॉर डेवलपमेंट स्टडीज, ओडिशा, भुवनेश्वर, "डायलेक्टिक्स ऑफ डेवलपमेंटः ए केस स्टडी ऑफ ट्राइबल्स ऑफ मयूरभंज (20वीं सेंचुरी)।"

70. मारूफ मकबूल, कश्मीर यूनिवर्सिटी (यूओके), कश्मीर, "एन इवेल्यूएटीव स्टडी ऑफ स्किल डेवलपमेंट प्रोसेस इन कजाखिस्तानः अ स्टडी ऑफ द रोल ऑफ लैंग्वेज"।

71. कम्मुआनमुंग थंगनियांग, जेएनयू, नई दिल्ली, "नेशन बिल्डिंग प्रोसेस इन कजाकिस्तानः अ स्टडी ऑफ द रोल ऑफ लैंग्वेज"।

72. केतकी द्विवेदी, जेएनयू, नई दिल्ली, "कंटेंशन एंड रिटोरिक ऑफ रिस्पॉन्सिबिलिटीः ए सोशल मूवमेंट अप्रोच टू कॉरपोरेट सोशल रिस्पॉन्सिबिलिटी"।

73. एस ज्ञानसरण्य, गांधीग्राम ग्रामीण संस्थान, तमिलनाडु, "इंटरप्रेन्योरल कॉम्पीटेंसी ऑफ वूमेन माइक्रो इंटरप्रेन्योर्स इन सर्विस सेक्टरः अ स्टडी इन रूरल तमिलनाडु"।

74. के वी एल मनासा, काकतीय विश्वविद्यालय, वारंगल, "वर्क लाइफ बैलेंस एंड जॉब सेटिस्फेकशन अमंग वूमैन इम्पलाइजः अ स्टडी ऑफ सेलेक्ट आर्गेनाइजेशन"।

75. जी राम मोहना, एसके विश्वविद्यालय, अनंतपुरमू, "रोल ऑफ नॉन–गवर्नमेंटल आर्गेनाइजेशंस इन एम्पावरिंग रुरल मासेस इन ग्लोबलाइज्ड एराः अ स्टडी ऑफ रायलसीमा रीजन ऑफ आंध्र प्रदेश"।

76. संजुक्ता सरकार, आईआईएम, बैंगलोर, "द बैंक लेंडिंग चैनल एंड इट्स इंप्लीकेशंस फॉर पॉलिसी मेकिंग इन इंडिया"।

77. पी सत्या, मदुरै कामराज विश्वविद्यालय, मदुरै, तमिलनाडु, "अ स्टडी ऑन सोशल इंक्लूजन ऑफ दलित वूमैन थ्रू मनरेगा इन मदुरै डिस्ट्रिक, तमिलनाडु"।

78. गुज्जुला सुधा, एसवी विश्वविद्यालय, तिरुपति, इंपैक्ट ऑफ एसएचजीएस (SHGs) ऑन सोशियो–इकोनॉमिक डेवलपमेंट ऑफ सुगली ट्राइब्ल वूमैन इन चित्तूर डिस्ट्रिक, आंध्र प्रदेश"।

79. ओम प्रकाश, मध्य प्रदेश सामाजिक विज्ञान अनुसंधान संस्थान, उज्जैन (म. प्र.), "लोकतांत्रिक विकेन्द्रीकरण, स्वशासन एवं अनुसूचित जनजातियों के राजनीतिक समाजीकरण का बदलता परिदृश्य"।

80. अरुण कुमार पांडा, बरहामपुर विश्वविद्यालय, भांजा बिहार, ओडिशा, "इंपैक्ट ऑफ वर्किंग कैपीटल मैनेजमेंट ऑन प्रॉफिटिबिलिटी : एन इम्पीरिकल इनवेस्टीगेशन ऑन आंध्र प्रदेश पेपर मिल्स लिमिटेड"।

81. नरेंद्र ठाकुर, डीयू, दिल्ली, "शैडो एजुकेशन इन दिल्ली एंड इंडियाः ए स्टडी ऑफ कोचिंग इंडस्ट्री इन ए ग्लोबल सिटी एंड ग्लोबलाइज्ड इंडिया"।

82. राजेश कुमार, एसवी विश्वविद्यालय, तिरुपति, "अ स्टडी ऑफ रुरल हाउसिंग स्कीम्स इन अनंतपुर डिस्ट्रिक ऑफ आंध्र प्रदेश"।

83. सिल्विया याम्बेन, मणिपुर विश्वविद्यालय, मणिपुर, "बिल्डिंग स्टेट कैपिबिलिटीज, टू इंप्रूव पब्लिक सर्विसेस एंड गवर्नेंस इन मणिपुर"।

84. चंद्रिका पांडे, जेएनयू, नई दिल्ली, "प्रोसेस ऑफ नॉलेज सिस्टम बिल्डिंग ऑफ कम्युनिटीज एंड कम्युनिकेशन मीडियम (इन द कांटैक्स्ट ऑफ सेंट्रल इंडियन ट्राइब्स)"।

85. प्रदीप कुमार सिंह, बीएचयू, वाराणसी, "अ सर्वे ऑफ इंडियन डेवलपमेंट पॉलिसीः नीड फॉर गवर्नेंस"।

86. पॉल पुडुसेरी, असम डॉन बॉस्को विश्वविद्यालय, गुवाहाटी, असम, "रिकंस्ट्रक्शन ऑफ पेडेगॉजी फॉर हाई स्कूल टीचर्स ऑफ नार्थ ईस्ट इंडिया, विदइन द इमर्जिंग इनवायरनमेंट ऑफ आईसीटी, लीडिंग टू रिकान्सेप्टुएलाइजेशन"।

87. सिम्मी जोसेफ, जेएनयू, नई दिल्ली, "लैंग्वेज, मीनिंग एंड एग्जिसटेंसः अ सोशल एंड लिंग्विटिक स्टडी ऑफ बुद्धिज्म"।

88. इंद्रजीत सिंह, जेएनयू, नई दिल्ली, "पॉलिटिकिल पार्टीसिपेशन ऑफ एथनिक माइनोरिटीजः अ स्टडी ऑफ सिख्स एंड मुस्लिम्स इन कनाडा"।

89. ममता, डीएवी (पीजी) कॉलेज, बुलंदशहर, उत्तर प्रदेश, "भारतीय लोकतंत्र में सूचना के अधिकार का विश्लेषणात्मक अध्ययन (पश्चिम उत्तर प्रदेश के विशेष सन्दर्भ में)"।

90. एम उमा गौरी, तमिलनाडु कृषि विश्वविद्यालय, कोयंबटूर, "अ वैल्यू चेन एनालिसिस ऑफ मिलेट्स इन द वेस्टर्न जोन ऑफ तमिलनाडु"।

91. एस सुष्मिता, उस्मानिया यूनिवर्सिटी (ओयू), हैदराबाद, "ट्राइब्ल वूमैन इन तेलंगाना एंड आंध्र प्रदेशः अ कम्परेटिव स्टडी ऑफ द डोमिनेंट ट्राइब्स एंड प्रिमिटिव ट्राइब्स"।

92. आशीष रंजन, लखनऊ यूनिवर्सिटी (यूओएल), लखनऊ, "अ स्टडी ऑफ नॉलेज, एटीट्यूड, प्रैक्टिसेस (केएपी) अबाउट द इंस्टिट्यूशनल रिप्रोडक्टिव हेल्थ केयर सर्विसेज अमंग रुरल वूमैन ऑफ रिप्रोडक्टिव एज ग्रुप (अ स्टडी ऑफ रुरल एरियाज ऑफ डिस्ट्रिक लखनऊ)"।

93. सुब्रमण्यम, एस वी विश्वविद्यालय, तिरुपति, "रुरल हाउसिंग स्कीम्स इन आंध्र प्रदेश (अ स्टडी ऑफ रायलसीमा रीजन)"।

94. जादा जयेंद्र, आंध्र विश्वविद्यालय, विशाखापत्तनम, "प्राब्लम्स एंड प्रास्पेक्टस ऑफ फार्मर्स इन एग्रीकल्चर सेक्टर"।

95. मनु शर्मा, दून विश्वविद्यालय, देहरादून, उत्तराखंड, "इंपैक्ट ऑफ आईईसी कैम्पेन अंडर 'स्वच्छ भारत अभियान' ऑन अर्बन बेनेफिशएरिज इन उत्तराखंड"।

96. एम वेंकटसुल्लू, एस के विश्वविद्यालय, अनंतपुर, "गवर्नमेंटल रेस्पोंस टू फार्मर्स सुसाइडस इन रायलसीमा रीजन ऑफ आंध्र प्रदेशः अ स्टडी"।

97. मद्दू मंगम्मा, आंध्र प्रदेश विश्वविद्यालय, विशाखापत्तनम, आंध्र प्रदेश, "इंपैक्ट ऑफ इन्फार्मेशन टेक्नोलॉजी (IT) ऑन एकेडेमिक प्राइवेट इंजीनियरिंग लाइब्रेरी एंड इन्फार्मेशन सर्विसेज विद स्पेशल रेफरेंस टू विशाखापत्तनम डिस्ट्रिक, आंध्र प्रदेश"।

98. अब्बानापुरी यकैया, काकतीय विश्वविद्यालय, वारंगल, "इम्पावरमेंट ऑफ डिफरेंटली एबिल्ड पर्संस थ्रू एन्टरप्रेन्योरशिप एंड स्किल डेवलपमेंट इन तेलंगाना स्टेट"।

99. सोल्विन मैथ्यू, कालीकट विश्वविद्यालय, मलप्पुरम, केरल, "इंडो–पैसिफिक में न्यू मैरीटाइम जियोपॉलिटिक्सः डायनेमिक्स ऑफ इंडिया– चाइना– यूएस पावर बैलेंस एंड इंटरडिपेंडेंस"।

100. निशा देवी, डॉ यशवंत सिंह परमार बागवानी और वानिकी विश्वविद्यालय, नौनी, सोलन, हिमाचल प्रदेश, "आर्गेनिक एंड इनआर्गेनिक फार्मिंग इन हिमाचल प्रदेश : अ कम्परेटिव स्टडी"।

101. जे बालमुरुगन, गांधी ग्राम ग्रामीण विश्वविद्यालय, तमिलनाडु, "इंपैक्ट ऑफ टीएएचडीसीओ ट्रेनिंग प्रोग्राम ऑन द डेवलपमेंट ऑफ शेडयूल्ड कास्टस इन तमिलनाडु साउथ इंडिया"।

102. बुकारे मिलिंदराज गंगाधर राव, डॉ. बाबा साहेब अम्बेडकर मराठवाड़ा विश्वविद्यालय, औरंगाबाद, "डॉ बाबासाहेब अम्बेडकर की पत्रकारिता समाज परिवर्तन में योगदान"।

103. संजीव कुमार, दीन दयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय, गोरखपुर, उप्र, "एडाप्टिव कैपेसिटी एंड लाइवलीहुड कंडीशन ऑफ शेडयूल्ड ट्राइब्स इन फ्लड प्रोन एरिया ऑफ ईस्टर्न उत्तर प्रदेश तराई"।

104. अब्दुल रजाक, उस्मानिया यूनिवर्सिटी (ओयू), हैदराबाद, "बिजनेस इनक्यूबेशन एंड फोस्टरिंग स्टार्ट–अप इकोसिस्टम इन इंडिया–ए सिलेक्ट स्टडी ऑन गवर्नमेंट इनिशिएटिव ऑफ स्टार्ट–अप इंडिया एंड टी–हब स्कीम्स"।

105. पल्लवी यादव, विक्रम विश्वविद्यालय, उज्जैन, मध्य प्रदेश, "महात्मा गाँधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गॉरन्टी योजना का प्रभावी मूल्यांकन"।

106. नरेंद्र कुमार सांखला, राजस्थान यूनिवर्सिटी (यूओआर), जयपुर, "राजस्थान में आर्गेनिक खेती (एक भौगोलिक विश्लेषण)"।

107. टी ऐश्वर्या, ओयू, हैदराबाद, "बिल्डिंग क्वालिटी ऑफ लाइफ फॉर अर्बन पुअर बियोंड लाइवलीहुडस– ए स्टडी ऑफ सदर्न स्टेट्स ऑफ इंडिया"।

108. अशरफुल आलम, कलकत्ता विश्वविद्यालय, कोलकाता, "सस्टेनेबिल रिर्सोस मैनेजमेंट एंड सेल्फ रिलायंस ऑफ द शेडयूल्ड कास्ट पॉपुलेशन इन कूच बिहार, पश्चिम बंगाल"।

109. पवन कुमार, शंभू दयाल स्नातकोत्तर महाविद्यालय, गाजियाबाद, "भारत में जातिगत राजनीति के मध्य साम्प्रदायिक अन्तर्सम्बन्ध और महिलाओं (1990– 2014) के विशेष सन्दर्भ में।

110. दीपक भटनागर, एमएलएसयू, उदयपुर, "एसेसमेंट ऑफ इंपैक्ट ऑन सोशियो–इकोनॉमिक स्टेटस ऑफ चेंजिंग द प्रैक्टिस ऑफ ओपन डिफेकेशनः अ स्टडी ऑफ गिरवा ब्लॉक ऑफ उदयपुर"।

111. प्रवीण कुमार सिंह, लखनऊ यूनिवर्सिटी (यूओएल), लखनऊ, "इनफ्लूयेंस ऑफ सोशल नेटवर्किंग साइट्स ऑन द इंटरपर्सनल रिलेशनशिप्सः अ स्टडी ऑफ स्टूडेंट्स इन लखनऊ"।

112. महिमा चतुर्वेदी, यूओआर, जयपुर, "भारतीय रेलवे की प्रभावशीलता – उत्तर प्रदेश रेलवे के विशेष सन्दर्भ में जन अपेक्षाओं एवं प्रदत्त सेवाओं का तुलनात्मक अध्ययन"।

113. रिया तिवारी, पं. रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय, रायपुर, छत्तीसगढ़, "प्रिवेलेंस ऑफ मोटर एजूकेटिबिलिटी ड्यूरिंग अर्ली चाइल्डहुड पीरियड एंड कम्युनिटी – फिस्कल स्ट्राटा विद रेफरेंस टू ट्राइब्स ऑफ छत्तीसगढ स्टेट"।

114. प्रकाश वांकर साल्वे, डॉ बाबासाहेब आम्बेडकर मराठवाड़ा विश्वविद्यालय, औरंगाबाद, महाराष्ट्र, "एग्रीकल्चर क्राइसेस एंड फूड सिक्योरिटी इन महाराष्ट्र स्टेट विद स्पेशल रेफरेंस टू मराठवाड़ा रीजन"।

115. रेखा माली, एमएलएसयू, उदयपुर, "राजस्थान के जनजाति क्षेत्रों में बाल श्रमिक एवं उनके मानवाधिकार की स्थिति (डूंगरपुर जिले के विशेष सन्दर्भ में एक अनुभवमूलक अध्ययन)"।

116. अभिषेक कुमार, जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय, नई दिल्ली, "नेशनलिज्म एंड द इंडियन नेशनः डिबेट्स एंड इश्यूज"।

117. पिंटू कुमार माजी, सरसुना कॉलेज, कोलकाता, "इंपैक्ट ऑफ वैरियस फैक्टर्स ऑन सस्टेनेबिल लाइफस्टाइल एट द कॉलेज लेवल : ए न्यू फ्रेमवर्क"।

118. स्वप्निल मून, महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय, वर्धा, "अ स्टडी ऑफ द नायकी ट्राइब इन चंद्रपुर एंड नांदेड़ डिस्ट्रिक ऑफ महाराष्ट्र"।

119. पी सिवैया, एसवी विश्वविद्यालय, तिरुपति, "फोर्ट एंड फोर्टिफिकेशन इन कोस्टल आंध्र प्रदेश"।

120. फातिमा शनवाज़, एएमयू, अलीगढ़, "वर्क लाइफ बैलेंस एंड आर्गेनाइजेशनल आइडेंटीफिकेशन एज प्रिडिक्टर्स ऑफ साइकोलॉजिकल वैल बीइंग : अ कम्परेटिव स्टडी ऑफ पब्लिक एंड प्राइवेट स्कूल टीचर्स"।

121. पी आशा प्रियंका, तमिलनाडु कृषि विश्वविद्यालय, कोयंबटूर, "इंपैक्ट ऑफ प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना (पीएमएफबीवाई) ऑन राइस फार्मर्स इन तमिलनाडु"।

122. मोहम्मद नय्यर रहमान, एएमयू, अलीगढ़, "फॉरेन डायरेक्ट इन्वेस्टमेंट (एफडीआई) इनफ्लो एंड करेंट अकाउंट बैलेंस : आईडेंटीफाइंग स्ट्रक्चरल ब्रेक्स एंड कैजुएल्टि एविडेंस फ्रॉम इंडिया एंड द यूनाईटेड स्टेट ऑफ अमेरिका (यूएसए)"।

123. मुदस्सर असद, कश्मीर यूनिवर्सिटी (यूओके), श्रीनगर, "इंपैक्ट ऑफ एगरेरियन ट्रांसफार्मेशन ऑन रुरल लाइफ ऑफ पुलवामा डिस्ट्रिक ऑफ जम्मू और कश्मीर"।

124. मनीष कुमार शुक्ला, जेएनयू, नई दिल्ली, "विकास की अवधारणा : आदिवासी समाज और संस्कृति (हिंदी उपन्यासों के सन्दर्भ में)"।

125. अरशद हुसैन भट, कश्मीर केंद्रीय विश्वविद्यालय, कश्मीर, "पेस्टीसाइड यूज पैटर्न ऑफ हार्टीकल्चर क्रॉप्स इन कश्मीर विद स्पेशल रेफरेंस टू एप्पल"।

126. वी पारधा सारधी, उस्मानिया यूनिवर्सिटी (ओयू), हैदराबाद, "पंचायती राज, गुड गवर्नेंस, ब्यूरोक्रेसी एंड रुरल डेवलमेंट इन तेलंगाना स्टेटः पर्सपेक्टिव, चैलेंज एंड स्ट्रैटजीस"।

127. आयशा अफसाना, असम विश्वविद्यालय, सिलचर, "सोशल मीडिया एंड द यूथ इन बराक वैली ऑफ असमः ए सोशियोलॉजिकल स्टडी"।

128. के. वी. श्रीधर गौड़, एस के विश्वविद्यालय, अनंतपुरम, आंध्र प्रदेश, "सोशियो–इकोनॉमिक कंडीशन अमंग एडिगा कम्युनिटी : अ हिस्टोरिकल स्टडी इन रायलसीमा रीजन ऑफ आंध्र प्रदेश"।

129. सशिमात्सुंग, नागालैंड विश्वविद्यालय, नागालैंड, "क्रॉप डायवर्सिफिकेशन, फूड सिक्योरिटी एंड पावर्टी रिडक्शन इन मोकोकचुंग डिस्ट्रिक ऑफ नागालैंड स्टेट : रुरल हाउस होल्ड –लेवल एनालिसिस"।

130. नरेश कुमार रावत, यूओआर, जयपुर, "स्मार्ट सिटी और नगरीय विकास, जयपुर सहार के विशेष संदर्भ में"।

131. नीलोफर, एएमयू, अलीगढ़, "पॉलिटिकल एम्पॉवरमेंट एंड चेजिंग पैटर्न ऑफ लीडरशिप ऑफ दलित वूमैन इन पंचायतस इन उत्तर प्रदेश : अ एनालिटिकल स्टडी"।

132. रीना, एएमयू, अलीगढ़, "इंडियाज क्लाइमेट चेंज पॉलिसी सिंस क्योटो (1997)"।

133. सोनाली रमेश खिरसागर, डॉ. बाबा साहब मराठवाड़ा विश्वविद्यालय, औरंगाबाद, "एन एम्पीरिकल एनालिसिस ऑफ वूमैन एम्पलाइज वर्क लाइफ बैलेंस इन प्राइवेट सेक्टर बैंक्स ऑफ महाराष्ट्र स्टेट"।

134. सैयद मशियात हुसैन रिज़वी, यूओएल, लखनऊ, "डायनामिक्स ऑफ एक्सप्लायटेशन एंड सोशियो इकोनॉमिक ऑफ हैंडलूम वर्कर्स विद स्पेशल एमफैसिस ऑन वूमैन वर्कर्स ऑफ बाराबंकी, सेंट्रल उत्तर प्रदेश"।

135. दीक्षा चमोला, एसएनडीटी महिला विश्वविद्यालय, मुंबई, "पोरट्रेयल ऑफ वूमैन इन फिल्मस डायरेक्टिड बाय गुलजार"।

136. कल्याणी रथ, संबलपुर विश्वविद्यालय, ओडिशा, "इंपैक्ट ऑफ हेल्थ केयर प्रैक्टिस डयूरिंग एंटेनटाल एंड पोस्ट–मार्टम पीरियड ऑन नियोनटाल हेल्थः अ लांगीटयूडनल स्टडी अमंग द अर्बन स्लम ड्वैलर्स ऑफ ओडिशा"।

137. मनोज चतुर्वेदी, बीएचयू, वाराणसी, "आपातकाल और राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ"।

138. प्रियंका मंडल, विश्व भारती, शांति निकेतन, पश्चिम बंगाल, "रोल ऑफ वूमैन इन माडर्न संस्कृत लिटरेचर : पोस्ट इंडिपेंडेंट बंगाल सिनेरियो"।

139. नंदिनी गांगुली, कलकत्ता विश्वविद्यालय, पश्चिम बंगाल, "सोशिया–कल्चरल फैक्टर्स एसोसिएटिड विद मैटरनल केयर यूटिलिटेशनः अ स्टडी ऑन पार्टिकुलरली वल्नरेबल ट्राइब्ल पापुलेशन ऑफ वेस्ट बंगाल"।

140. दीपा शर्मा, राजस्थान यूनिवर्सिटी (यूओर), जयपुर, "भारत में पंथिक कट्टरवादिता एवं अलगाववाद (वास्तविक एवं विकल्प)"।

141. कुम्मारा नेट्टीकलप्पा, एस के विश्वविद्यालय, आंध्र प्रदेश, "सोशियो–इकोनॉमिक आस्पेक्टस ऑफ माइग्रेशन अमंग ट्राइब्ल वूमैन (अ स्टडी इन अनंतपुर डिस्ट्रिक इन रायलसीमा रीजन ऑफ आंध्र प्रदेश)"।

142. पी महादेश्वरैया, रायलसीमा विश्वविद्यालय, कुरनूल, आंध्र प्रदेश, "एन इवैल्यूटिव स्टडी ऑन वाटरशेड डेवलपमेंट प्रोग्राम एंड इट्स इंपैक्ट ऑन सोशियो–इकोनॉमिक डेवलपमेंट ऑफ सेलेक्टिड फार्मर्स इन ड्राट प्रोन एरियाज ऑफ रायलसीमा रीजन ऑफ आंध्र प्रदेश"।

143. लल्लियांजुआली छंगटे, एनईएचयू, शिलांग, "मिजो सोसाइटी एंड कल्चरः चेंज एंड कन्टीन्युटी"।

144. इंचरा पीएम गौड़ा, सह्याद्री कॉमर्स एंड मैनेजमेंट कॉलेज, विद्या नगर मत्तूर रोड, कर्नाटक, "मैनेजमेंट ऑफ नॉन–परफॉर्मिंग एसेट्स–एन एम्पिरिकल स्टडी ऑफ शेड्यूल्ड कमर्शियल बैंक्स इन इंडिया"।

145. सरिता मालवीय, बरकतुल्ला विश्वविद्यालय, भोपाल, "महिलाओं के विरुद्ध कार्यस्थल में होने वाले लैंगिक शोषण का विविध अध्ययन (मध्य प्रदेश के शैक्षिक संस्थानों के विशेष सन्दर्भ में)"।

146. ए आनंद कुमार, पांडिचेरी विश्वविद्यालय, पुडुचेरी, "ऑपरेशनाइजिंग इमोटिव कॉग्निशन स्ट्रैटजीस ऑन इनहासिंग मीनिंगफुल लर्निंग अमंग बी.एड स्टूडेंट–टीचर्स"।

147. शालिनी मिगलानी ड्यू, दिल्ली, "मीमांसा सम्मत मोक्ष की अवधरणा और सामयिक भारतीय समाज"।

148. रीना, ड्यू, दिल्ली, "मधुसूदन सरस्वती सम्मत अद्वैत वेदान्त का समाज पर प्रभाव : ऐतिहासिक सन्दर्भ में"।

149. माधुरी रामचंद्र इखर, महात्मा गांधी अन्तरराष्ट्रीय हिंदी विश्व विद्यालय, महाराष्ट्र, "डू वूमैन विद मोर ऑफ 'सोशल कैपिटल' आर मोर एम्पावर्ड'? – ए क्रॉस–सेक्शनल स्टडी फ्रॉम रूरल वर्धा, सेंट्रल इंडिया"।

150. बिपिन कुमार तिवारी, काशी हिन्दू विश्वविद्यालय, वाराणसी, "महिला सशक्तिकरण में स्वयं सहायता समूहों की भूमिका (आजमगढ़ जनपद पर आधारित एक समाज वैज्ञानिक अध्ययन)"।

151. संगीता वर्मा, जेएनयू, नई दिल्ली, "हिंदी में अस्मितावादी विमर्श की अभिव्यक्ति पर सोशल मीडिया के प्रभावों का अध्ययन (एक तुलनात्मक अध्ययन)"।

152. कैसर मंजूर, यूओके, कश्मीर, "क्लाइमेट रिफ्यूजीस एंड इंटरनेशनल सिक्योरिटीः एक्जामिनिंग द नेक्सस एंड इम्पीलिकेशंस फॉर साउथ एशिया"।

153. वैशाली कृष्णा, जेएनयू, नई दिल्ली, "मंगोलियाज रिलेशंस विद रशिया इन द पोस्ट–कोल्ड वॉर एराः अ स्टडी ऑफ पॉलिटिकिल एंड स्ट्रैटेजीस डायमेशंस"।

154. प्रभजोत कौर, पंजाब विश्वविद्यालय, चंडीगढ़, "इंटरनल ब्रांडिंग, ब्रांड सिटिजनशिप बिहैवियर, ब्रांड कमिटमेंट एंड इंटेंशन टू स्टे इन बिजनेस प्रोसेस आउटसोर्सिंग इंडस्ट्री, इंडिया"।

155. लावुरी रामबाबू, ओयू, हैदराबाद, "ग्रीन मार्केटिंगः कंज्यूमर इंटेशन एंड सैटिस्फैक्शन टू इको–फ्रेंडली एफएमसीजी प्रोडक्ट्स–ए स्टडी"।

156. आंचल शर्मा, सीएस आजाद कृषि और प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, कानपुर, "सस्टेनेबिल इंपैक्ट ऑफ स्वच्छ भारत अभियान इन इंडियन सोसाइटी"।

157. गंगमेई अखुआन, मणिपुर विश्वविद्यालय, कांचीपुर, इंफाल, "एडजस्टमेंट ऑफ ट्राइब्ल सोशियो– इकोनॉमिक टू नियोलिबरल इकोनमी : अ केस ऑफ अर्बन ट्राइब्ल कम्युनिटीज ऑफ मणिपुर"।

158. मीता दास, असम विश्वविद्यालय, सिलचर, "इंपैक्ट ऑफ टीवी (T.V.) प्रोग्राम्स ऑन कॉलेज गोइंग स्टूडेंटसः अ केस स्टडी ऑफ टू कॉलेजेस इन सिलचर टाउन ऑफ असम"।

159. पूजा सिंह, रानी दुर्गावती विश्वविद्यालय, जबलपुर, म. प्र., "इंटरप्रेन्योरशिप अमंगेस्ट ट्राइब्ल वूमैन इन मध्य प्रदेशः अ स्टडी ऑफ मांडला डिस्ट्रिक"।

160. कोमल राघव, जीवाजी विश्वविद्यालय, ग्वालियर, "एन एनालिटिकल स्टडी ऑफ एग्रीकल्चरल नॉन परफार्मिंग लोन्स इन एग्रीकल्चरल सेक्टर ऑफ पब्लिक एंड प्राइवेट सेक्टर बैंक्स"।

161. रंजना मॉल, बिहार विश्वविद्यालय, मुजफ्फरपुर, बिहार, "फैक्टर्स अफैक्टिंग द एडॉप्शन एंड सस्टेनेबिलिटी ऑफ

प्रधान मंत्री उज्ज्वला योजना इन मुजफ्फरपुर डिस्ट्रिकट ऑफ बिहार"।

162. अहेबम ऋषिकेश सिंह, मणिपुर विश्वविद्यालय, मणिपुर, "अ हिस्टोरिकल पर्सपेक्टिव ऑन थांग–ता इन मणिपुर"।

163. घुचा फिरदौस, एमआईडीएस, चेन्नई, "अर्बनाइजेशन एंड माइग्रेशन : रोल ऑफ पावर्टी इन दिस नेक्सस"।

164. प्रिया पांडे, बीएचयू, वाराणसी, "एनालिसिस ऑफ द मिड–डे मील स्कीम : द केस स्टडी ऑफ लखनऊ सिटी, उत्तर प्रदेश"।

165. राजा शेखर देवरपल्ली, आचार्य नागार्जुन विश्वविद्यालय, नागार्जुननगर–गुंटूर (ए पी), "अ स्टडी ऑन मेजरमेंट्स ऑफ स्टूडेंट सेटिसफेक्शन लेवलस रिगार्डिंग क्वालिटी एजूकेशन : अ कम्परेटिव एनालिसिस बिटवीन द पब्लिक एंड प्राइवेट यूनीवर्सिटीज इन आंध्र प्रदेश"।

166. बी वेंकटप्पा, एस के विश्वविद्यालय, अनंतपुर– (ए पी), "सस्टेनेबल डेवलपमेंट अमंग फार्मर्स थ्रू वाटरशेड प्रोग्राम्स इन आंध्र प्रदेश (विद स्पेशल रेफरेंस टू क्रॉनिकली डॉट प्रोन एरिया ऑफ रायलसीमा रीजनं)"।

167. एम. ओबलेसु, एसके विश्वविद्यालय, अनंतपुर, "एडमिनिस्ट्रेशन एंड इम्पलीमेंटेशन ऑफ पावर्टी एलिवेशन प्रोग्राम्स विद स्पेशल रेफरेंस टू महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी कार्यक्रम (एमजीएनआरईजीपी) इन रायलसीमा डिस्ट्रिक्ट ऑफ आंध्र प्रदेश।"

168. सुनील कुमार शर्मा, यूओआर, जयपुर (राजस्थान), "भारत में महात्मा गाँधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गॉरन्टी अधिनियम : सामाजिक विकास एवं निर्धनता उन्मूलन (जयपुर जिले के सन्दर्भ में विशेष अध्ययन)"।

169. रश्मिता रे, हिमाचल प्रदेश केंद्रीय विश्वविद्यालय, धर्मशाला, जिला–कांगड़ा, हिमाचल प्रदेश, "चैलेंजिस इन ओल्ड ऐज एंड केयर ऑफ द एल्डरली– अ सोशियोलॉजिकल स्टडी इन हिमाचल प्रदेश"।

वरिष्ठ/पोस्ट–डॉक्टोरल अध्येताओं द्वारा रिसर्च जर्नल्स में प्रकाशित शोध पत्रों/पेपर्स की सूची

विद्वानों द्वारा अधिक शोध भागीदारी को प्रेरित करने के लिए, आईसीएसएसआर अध्येताओं (फेलो) को अपने शोध के दौरान प्रतिष्ठित जर्नल्स/पत्रिकाओं में कम से कम दो शोध पत्र/लेख प्रस्तुत करने होते हैं, जो उनकी फेलोशिप के विषय से संबंधित हों। 2017–18 से जब इस प्रथा को शुरू किया गया था, 2020–21 तक, विभिन्न शोध पत्रिकाओं में सीनियर और पोस्ट–डॉक्टोरल फेलो द्वारा 439 शोध पत्र प्रकाशित किए गए हैं। इनमें से 47 शोध पत्र स्कोपस इंडेक्सेड जर्नल्स में, 61 यूजीसी केयर लिस्टेड रिसर्च जर्नल्स में, 215 इंटरनेशनल में और 94 नेशनल जर्नल्स में प्रकाशित हुए हैं। साथ ही संपादित पुस्तकों में 14 शोध पत्र प्रकाशित हो चुके हैं। इन प्रकाशनों का विवरण नीचे दिया गया हैः

'स्कोपस इंडेक्सड जर्नल्स" में प्रकाशित शोधपत्र

1. ए. अरुण कुमार, "एससीएल ऑफ नॉलेज इन इंडियन यूनिवर्सिटीज", *जर्नल ऑफ द नॉलेज इकोनामी, खंड* 11(3), (2020)।
2. आदिल मंजरू नंदा, "लैंडस्लाइड सस्पेक्टेबिलिटी एसेसमेंट ऑफ नेशनल हाईवे 1डी फ्रॉम सोनमर्ग टू कारगिल जम्मू एंड कश्मीर, इंडिया", *जिओजर्नल*, स्प्रिंगर नेचर (जून 2020)।
3. अब्दुल रज्जाक, "एन एम्पीरिकल स्टडीज ऑन स्ट्रैटेजिक अलायंस ऑफ मल्टीनेशनल कंपनीज इन द मॉडर्न ग्लोबल एरा – अ सलेक्ट केस स्टडी", *ऐकेडमी फॉर स्ट्रैटेजिक मैनेजमेंट जर्नल,* एलाइड बिजनेस ऐकेडमी, खंड 17, अंक : 4 (2018)।
4. अब्दुल रज्जाक , "क्रिटिकल इवेलुएशन ऑफ़ वैल्यू चैन एनालिसिस फॉर एसेसिंग कॉम्पिटीटिव एडवांटेज – अ स्टडी ऑन सेलेक्ट कंपनीज ऑफ ई–टेलिंग इंडस्ट्री", *ऐकेडमी ऑफ स्ट्रेटेजिक मैनेजमेंट जर्नल*, खंड 17, अंक : 6 (2018)।
5. अभिजीत गुहा, "अ फॉरगटन बुक बाए अ मार्जिनालाइज्ड एंथ्रोपॉलजिस्ट", *सोशल चेंज*, खंड 49, संख्याः 3 (2019)।
6. अभिजीत गुहा, "कॉलोनियल, हिंदू एंड नेशनलिस्ट एंथ्रोपॉलोजी इन इंडिया", *सोशियोलॉजिकल बुलेटिन*, खंड 68, संख्याः 2(2019)।
7. अभिजीत गुहा, "स्क्रूटनाइजिंग द हिंदू मेथड ऑफ ट्राईबल एब्जार्पशन", *इकोनॉमिक एंड पॉलीटिकल वीकली*, स्पेशल आर्टिकल, खंड 53, संख्याः 17 (अप्रैल 2018)।
8. आनंदिता सिन्हा , "रियांग वूमेनः डेवलपमेंट, ऑटोनॉमी एंड फर्टिलिटी", *जर्नल ऑफ़ ह्यूमन इकोलॉजी (दिल्ली इंडिया)*, खंड 72, पीपी 173–183 (2020)।

9. अरशद हुसैन बट, "हेल्थ कॉस्टस एंड इकोनॉमिक लॉस ड्यू टू एक्सेसिव पेस्टीसाइड यूज इन एप्पल ग्रोइंग रीजन ऑफ जम्मू एंड कश्मीर", *जर्नल आफ अप्लाइड हॉर्टिकल्चर*, खंड 22 (3), (2020)।

10. बी धना लक्ष्मी, "अपारचुनिटीज फॉर द फीमेल डोमेस्टिक वर्कर्स टू बीकम ऐंटरप्रोन्योर", द *इंटरनेशनल जर्नल ऑफ एनालिटिकल एंड एक्सपेरीमेंटल मॉडल एनालिसिस*, खंड 11, अंक 8 (अगस्त 2019)।

11. दीक्षा चमोला, "इंडिया ऑफ द 1970 एंड गुलजार कंस्ट्रक्शन ऑफ जेंडरः आंधी एज ए केस फॉर इंडियन वूमैन", *मीडिया वॉच*, खंड 10 (3) (2019)।

12. इंदु आर., "डिफरिंग पर्सपेक्टिव टू एजूकेशन फॉर सस्टेनेबल डेवलपमेंट– एक्सप्लोरिंग एप्लीकेबिलिटीज इन हायर एजूकेशन कांटेक्सट, खंड 57, संख्या 9 (2020)।

13. काकानी नागेश्वर राव, "सोशियोइकोनॉमिक इम्पलीकेशंस ऑफ कामर्शियल एक्वाकल्चर इन कोलेरू लेक, ईस्ट कोस्ट ऑफ इंडिया (अ माइक्रो लेवल एनालिसिस)", *पापुलेशन जिओग्रॉफी*, खंड 40 (1 और 2), पीपी 09–23 (जून–दिसंबर 2018)।

14. एम भुवना, "असेसमेंट ऑफ रुरल सिटीजंस सेटिसफेक्शन ऑन द सर्विस क्वालिटी ऑफ कॉमन सर्विस सेंटर्स (सीएससी) ऑफ ई–गवर्नेंस", *जर्नल ऑफ क्रिटिकल रिव्यू*, खंड 7, अंक 5 (2020)।

15. एम भुवना, "डिटरमिनेंटस ऑफ बिहेविरल इंटेशन टू एक्सेस ई–गवर्नेंस सर्विसेस बाय रुरल पीपुल विद द मीडिएटिंग इफैक्ट ऑफ इन्फार्मेशन एंड कम्युनिकेशन (आईसीटी) लिटरेसी", *जर्नल ऑफ एडवांस रिसर्च इन डायनेमिकल एंड कंट्रोल सिस्टम*, खंड 12, अंक–02 (2020)।

16. एम भुवना, "इम्पलीमेंटेशन ऑफ फजी लॉजिक एल्गारिदमस यूजिंग आर फॉर प्रिडक्टिंग द एक्चुअल यूसेज ऑफ ई–गवर्नेंस सर्विसेस बाय रुरल पीपुल", *मैटीरियल्स टुडे* : प्रोसीडिंग्स (दिसंबर 2020)।

17. एम भुवना, "न्यूरल नेटवर्क मशीन लर्निंग टेक्निक्स यूजिंग आर स्टूडियो फॉर प्रिडिक्टिंग द एटिट्यूड ऑफ रूरल पीपल फॉर एक्सेसिंग ई–गवर्नेंस सर्विसेज", *जर्नल ऑफ एडवांस रिसर्च इन डायनेमिकल एंड कंट्रोल सिस्टम्स*, खंड 12, अंक–02 (2020)।

18. एम भुवना, "रोल ऑफ इंफार्मेशन एंड कम्युनिकेशन टेक्नोलॉजी (आईसीटी) फॉर रुरल डेवलपमेंट थ्रू ई–गवर्नेंस इन्शीएटिव", *इंटरनेशनल जर्नल ऑफ साइकोलॉजी रिहैबिलिटेशन*, खंड 24, अंक 8 (अप्रैल 2020)।

19. एम भुवना, "रुरल सिटीजन सेटिसफेक्शन ऑन ई हेल्थ केयर सर्विसेस अंडर ई गवर्नेंस सर्विस डिलीवरी मॉडल डयूरिंग कोविड 19", *इंटरनेशनल जर्नल ऑफ मैनेजमेंट*, खंड 11, अंक 05 (मई 2020)।

20. एम. सेल्वाकुमार, "इम्प्लायमेंट एंड इंकम आपरचुनिटीज इन रिटेल बिजनेस थ्रू सेलिंग डेयरी प्रोडक्ट्स इन सेलम डिस्ट्रिक", *जर्नल ऑफ इंफार्मेशन एंड कम्प्युटेशनल साइंस*, खंड 10, अंक–2 (2020)।

21. एम. सेल्वाकुमार, "रॉ मिल्क परचेज एंड प्रेफरेंस ऑफ कमर्शियल कस्टमर्स इन सेलम डिस्ट्रिक्ट", *इंटरनेशनल जर्नल ऑफ रीसेंट टेक्नोलॉजी एंड इंजीनियरिंग (आईजेआरटीई)*, खंड 8, अंक 4 एस 2, (दिसंबर 2019)।

22. एम. सेल्वाकुमार, "प्रॉब्लम्स एंड प्रैक्टिसेस ऑफ माइक्रो–स्केल डेयरी एंटरप्रेन्योर्स इन सेलम डिस्ट्रिक, तमिलनाडु", *इंटरनेशनल जर्नल ऑफ साइंटिफिक एंड टेक्नोलॉजी रिसर्च*, खंड 8, अंक 12 (दिसंबर 2019)।

23. मीनाक्षी, जे आर, "जेरियाट्रिक डिप्रेशन अमंग द रिटायर्ड एल्डर्स इन मदुरै, तमिलनाडु, इंडिया", *इंडियन जर्नल ऑफ कम्युनिटी हेल्थ*, खंड 30, अंक 4 (दिसंबर 2018)।

24. मोइज़ मोहम्मद, "डिटरमिनेंटस फैक्टर्स ऑफ एनवायरमेंटल रिस्पांसीबिलिटी फॉर द पैसेंजर कार यूजर्स", *इंटरनेशनल जर्नल ऑफ इनोवेटिव टेक्नोलॉजी एंड एक्सप्लोरिंग इंजीनियरिंग*, खंड 9, अंक–1, (नवंबर 2019)।

25. मोइज़ मोहम्मद, "रिलेशनशिप ऑफ ऑथेंटिक लीडरशिप एंड आर्गेनाइजेशनल कल्चर विद आर्गेनाइजेशनल इनोवेशन इन फार्मास्यूटिकल इंडस्ट्री", *इंटरनेशनल जर्नल ऑफ़ इनोवेटिव टेक्नोलॉजी एंड इंजीनियरिंग*, खंड 8, अंक–2 एस 4 (जुलाई 2019)।

26. एन उषा रानी, "डेवलपमेंट ऑफ मीडिया इंडीकेटर्स– अ क्रिटिकल एनालिसिस ऑफ वायबिलिटी ऑफ मीडिया डायमेंशन इन मीजरिंग डेवलपमेंट", *इंटरनेशनल जर्नल ऑफ कम्युनिकेशन, पॉलिटिक्स एंड सोसायटी (कोमपोस)*, खंड 1 अंक 2 (2020)।

27. नागेश्वर राव, "पैलियोक्लाइमेट एंड रिलेटिव सी–लेवल हिस्ट्री ऑफ़ ईस्ट कोस्ट ऑफ़ इंडिया", *जर्नल ऑफ़ पेलियोलिम्नोलॉजी*, खंड 64 (2020)।

28. पाचा माल्याद्री, "अ स्टडी ऑन द एटीट्यूड ऑफ ट्राइब्ल वूमैन ऑन इम्प्लीमेंटेशन ऑफ इको–टूरिज्म फॉर डेवलपमेंट ऑफ ट्राइब्ल एरियाज इन तेलंगाना स्टेट", *जर्नल ऑफ शीआन* (Xi'an) *यूनिवर्सिटी ऑफ आर्किटेक्चर एंड टेक्नोलॉजी*, खंड 12, अंकः 2 (2020)।

29. पाचा माल्याद्रि, "एन एम्पीरिकल स्टडी ऑन ट्राइब्ल वूमैन एंड इन्क्लूसिव डेवलपमेंट इन नेल्लोर डिस्ट्रिक ऑफ आंध्र प्रदेश स्टेट", *जर्नल ऑफ शीआन यूनिवर्सिटी ऑफ आर्किटेक्चर एंड टेक्नोलॉजी*, खंड 12, अंक 3, (2020)।

30. पाचा माल्याद्रि, "इंकम जेनरेशन स्कीम्स फॉर सस्टेनेबिल डेवलपमेंट ऑफ ट्राइब्ल वूमैनं", *ह्यूमैनिटीज एंड सोशल साइंसेज रिव्यू*, खंड 8 (फरवरी 2020)।

31. पाचा माल्याद्री, "सोशियो इकोनॉमिक कंडीशंस ऑफ ट्राइब्ल वूमैन इन फॉरेस्ट एरिया विद प्रिडिक्टिव एनालिसिस थ्रू बाइनरी लॉजिस्टिक रिग्रेशन एनालिसिस", *जीआईएस बिजनेस*, खंड–15, अंक–1 (जनवरी 2020)।

32. प्रेम लाल जोशी, "डिटरमिनेंटस अफेक्टिंग इंटनरल ऑडिट इफेक्टिवनेस", *इमर्जिंग मार्केट्स जर्नल (ईएमजेए)*, खंड 10, संख्या 2 (2020)।

33. प्रेम लाल जोशी, "इंफ्लुएंसिंग फैक्टर्स फॉर इंटरनल ऑडिट इफैक्टिवनैस इन इंडियन कांटेक्सट", *एफ्रो एशियन जर्नल ऑफ फाइनेंस एंड अकाउंटिंग* (एएजेएफए) (सितंबर 2020)।

34. प्रियंका चावला, "अ स्टडी ऑन बैंक्स प्रोग्रेस अंडर एसएचजी लिंकेज प्रोग्राम", *जर्नल ऑफ करंट साइंस*, खंड–20, अंक 02 (फरवरी 2019)।

35. प्रियंका मंडल, "अ स्टडी ऑन टवेंटी सेंचुरी संस्कृत ड्रामाज बाय बंगाल ड्रामासिस्ट बेस्ड ऑन महाभारत", *क्रिटिकल रिव्यूज जर्नल*, खंड 7, अंक 8 (2020)।

36. रजनी सिंह, "एन एक्सपेरिमेंटल लर्निंग – इंटीग्रेटिड फ्रेमवर्क टू इंप्रूव प्राब्लम–साल्विंग स्किल्स ऑफ इंजीनियरिंग ग्रेजुएट्स", *हायर एजुकेशन, स्किल्स एंड वर्क्र–बेस्ड लर्निंग, साइंस डायरेक्ट, प्रोसिडिया मैन्यूफैक्चरिंग*, खंड 31 पीपी– 323 329 (2019)।

37. साल्वे संदीप गोरख, "अनुसूचित जाति के छात्रों के घर की प्रकृति का अध्ययन", *विद्या भारती इंटरनेशनल इंटरडिस्पलनरी रिसर्च जर्नल*, स्पेशल इश्यू–95 (अक्टूबर 2020)।

38. साल्वे संदीप गोरख, "उच्च शिक्षा लेते समय अनुसूचित जाति के छात्रों को आने वाली प्रवेश शुल्क की समस्या", *करेंट ग्लोबल रिव्यूवर*, खंड 1, अंक 25 (2020)।

39. स्मिता शर्मा, "एन असेसमेंट ऑफ एटीट्यूड टुवर्ड्स एनवायरनमेंटः ए स्टडी ऑफ फाइव–स्टार होटल्स इन राजस्थान", *इंटरनेशनल जर्नल फॉर एप्लाइड मैनेजमेंट साइंस*, खंड 12, संख्या–2 (2020)।

40. सुमना चौधरी, "इंपल्स बायिंग एंड पोस्ट–परचेज़ रिग्रेटः ए स्टडी ऑफ शॉपिंग बिहेवियर फॉर द परचेज़ ऑफ किराना प्रोडक्ट्स", *इंटरनेशनल जर्नल ऑफ़ मैनेजमेंट*, खंड 11, अंक 12, (दिसंबर 2020)।

41. सुमना चौधरी, "मॉडल्स ऑन इंपल्स बायिंग बिहेवियरः ए रिव्यू", *इंटरनेशनल जर्नल ऑफ मैनेजमेंट*, खंड 11, अंक 10 (अक्टूबर 2020)।

42. तुषार गुप्ता, "गाइडिंग प्रिंसिपल्स एंड प्रैक्टिसेस ऑफ पीस एजूकेशनल फॉलोड इन सेकेंडरी स्कूल्स ऑफ मिजोरम", इंटरनेशनल जर्नल ऑफ इवोल्यूशन एंड रिसर्च इन एजूकेशन, खंड 9, अंक 04, (दिसंबर 2020)।

43. तुषार गुप्ता, "ऑनलाइन टीचिंग–लर्निंग इन हायर एजूकेशन डयूरिंग लॉकडाउन पीरियड ऑफ कोविड–19 पेनडेमिक" *इंटरनेशनल जर्नल ऑफ एजूकेशनल रिसर्च ओपन*, खंड 01, अंक 01 (सितंबर 2020)।

44. तुषार गुप्ता, "प्राइमरी एजूकेशन इन मिजोरम डयूरिंग कोविड–19 पेनडेमिक", *जर्नल ऑफ क्रिटिकल रिव्यूज*, खंड 07, अंक 14 (जुलाई 2020)।

45. तुषार गुप्ता, "रिसर्च–बेस्ड टीचर एजुकेशन फ्रॉम स्टेक होल्डर्स पॉइंटः ए केस स्टडी", *यूनिवर्सल जर्नल ऑफ एजुकेशनल रिसर्च*, खंड 07, अंक 8 (जुलाई 2020)।

46. वाणी अर्चना, "डज ट्रेड लिबरलाइजेशन इंप्रूव पब्लिक हेल्थ? द इफैक्ट ऑफ फ्री ट्रेड एग्रीमेंटस एंड मल्टीलैटरलिज्म इन फार्मास्युटिकल सेक्टर इन इंडिया", *इंटरनेशनल जर्नल ऑफ हेल्थ साइंस*, सेज (SAGE) जर्नल्स (जनवरी 2020)।

47. वाणी अर्चना, "द पोटेंशियल इंपैक्ट ऑफ चाइना–इंडिया फ्री ट्रेड एग्रीमेंट ऑन चायनीज एंड इंडियन इंडस्ट्रीज,", *चायना इकोनॉमिक जर्नल*, खंड 12, अंक 3 (2019)।

यूजीसी सूचीबद्ध जर्नल्स में प्रकाशित शोध पत्र/पेपर्स

1. ए. मैथ्यू, "गवर्नेंस ऑफ यूनिवर्सिटीज इन महाराष्ट्रः ओवर सेंट्रलाइजेशन कर्बिंग यूनिवर्सिटी ऑटोनमी", *जर्नल ऑफ एजुकेशनल प्लानिंग एंड एडमिनिस्ट्रेशन*, खंड–32 (अप्रैल 2018)।
2. ए. आनंद कुमार, "इंग्रेडिएटंस ऑफ सेल्फ– डेवलपमेंटः न्यूरोसाइंस इंप्लीकेशंस इन एजूकेशनल प्रैक्टिस", *रिव्यू ऑफ रिसर्च*, खंड 8, अंकः 8 (मई 2019)।
3. अब्बानापुरी यकैह, "इम्पलीमेंटेशन ऑफ एमजीनरेगा इन तेलंगाना स्टेटः अ केस स्टडी ऑफ वारंगल डिस्ट्रिक" *तथापी*, खंड–19, अंकः 19 (मई 2019)।
4. अब्दुल हन्नान, "गवर्नेंस एंड सस्टेनेबिलिटी ऑफ इंडस्ट्रियल कोआपरेटिव (इंडको) टी (Tea) फैक्ट्रीस इन नीलगिरीज इन द पोस्ट–रिफार्म पीरियड", *हिल जियोग्राफर*, खंड 36 (2) (दिसंबर 2020)।
5. अलका जैन, "ईको एंड सस्टेनेबिलिटी बिजनेस ऑफ एंशिएंट जैन कम्युनिटी : विद स्पेशल रेफरेंस टू आवश्यक सूत्र", *आलोचना चक्र जर्नल*, खंड 9, अंकः 4 (अप्रैल 2020)।
6. अनिंदिता सिन्हा, "मैटरनल हेल्थकेयर यूटिलाइजेशन अमंग रुरल ट्राइब्सः अ स्टडी ऑफ द रीजनस ऑफ त्रिपुरा", *डेमोग्राफी इंडिया,* खंड 50 (1) पीपी 17–37 (जून 2021)।
7. अंशु शर्मा, "कंट्रोल ऑफ अनडिजायरेबल बिहैवियर ऑफ स्टूडेंट्स बाय एलीमेंट्री स्कूल टीचर्स थ्रू यूज ऑफ क्लास रुम बिहैवियर मैनेजिंग टेक्नीक्स", *परिशोध जर्नल*, खंड–9, अंक–3, (मार्च 2020)।
8. अश्विनी आनंद वैष्णव, "लर्निंग मीडिया रिर्सोसेज इन स्कूल लाइब्रेरीज ऑफ मराठावाड़ा", *लाइब्रेरी हेराल्ड;* खंड 58(4) (दिसंबर 2020)।
9. बी. विनय कुमार, "इनवायरमेंटल लॉज एंड पॉलिसीज इन इंडिया : चैलेंज एंड वे फारवर्ड", *संबोधि*, खंड 04 (15) (अक्टूबर–दिसंबर 2020)।
10. बी. अमरनाथ रेड्डी, "एक्सपोर्ट प्रमोशन एंड परफॉर्मेंस ऑफ हैंडीक्राफ्ट्स इन इंडिया", *इंटरनेशनल जर्नल ऑफ रिसर्च एंड एनालिटिकल रिव्यूज (आईजेआरएआर)*, खंड 6, अंक 2 (जून 2019)।
11. बी अमरनाथ रेड्डी, "फैक्टर्स ऑफ सेल्फ–इम्पावरमेंट थ्रू सेल्फ हेल्प ग्रुप्स : लर्निंग लेसनस फ्रॉम रुरल वूमैन इन कन्नूर डिस्ट्रिक, केरल", *जर्नल ऑफ शीआन* (Xi'an) *यूनिवर्सिटी ऑफ आर्किटेक्चर एंड टेक्नोलॉजी*, खंड 12, अंक 4 (अप्रैल 2020)।
12. बी. अमरनाथ रेड्डी, "ज्वाइंट लाइबिलिटीज ग्रुप (जेएलजी) एक्टिविटीज ऑफ 'कुदुम्बश्री' इन्शीएटिव : अ केस स्टडी बेस्ड ऑन रुरल एरियाज ऑफ केरल, इंडिया" सीएलआईओ एन एन्युल इंटरडिस्पिलनरी जर्नल ऑफ हिस्ट्री, खंड–6–अंक–6 (अप्रैल 2020)।
13. बी. अमरनाथ रेड्डी, "लीडिंग इन ए वीयूसीए वर्ल्डः रोल ऑफ लीडरशिप कॉम्पिटिशन्स एंड स्किल्स", *इंटरनेशनल जर्नल ऑफ रिसर्च एंड एनालिटिकल रिव्यूज*, विशेष अंक खंड 6 (2019)।
14. बी. अमरनाथ रेड्डी, "अपारचुनीटीज एंड चैलेंजेस टू ट्रेडर्स एंड एक्सपोर्टर्स फॉर मार्केटिंग ऑफ लेस प्रोडक्ट्स इन नरसापुरम, आंध्र प्रदेश", *जूनी ख्यात*, खंड–10 अंक–5 संख्या 6 (मई 2020)।
15. बी. अमरनाथ रेड्डी, "वर्क–लाइफ बैलेंस अमंग वूमैन एम्पालाईज इन सर्विस सेक्टर विद स्पेशल रेफरेंस टू मदनपल्ले रीजन, चित्तूर डिस्ट्रिक, आंध्र प्रदेश स्टेट", *एशिया पैसिफिक जर्नल ऑफ मल्टी–डिसिप्लिनरी रिसर्च*, खंडः 1, अंक 84 (अप्रैल 2018)।
16. बिंदिया नारंग, "रिप्रोडक्टिव हेल्थ कंसर्न ऑफ रुरल मेव (Meo)–मुस्लिम वूमैन फ्रॉम हरियाणा", *झारखंड जर्नल ऑफ डेवलपमेंट एंड मैनेजमेंट स्टडीज*, 16 (2) (जून 2018)।
17. चंदन श्रीवास्तव, "डिजिटल दुनिया और बच्चेः समकालीन परिदृश्य की सैद्धांतिक समझ", *भारतीय आधुनिक शिक्षा*, खंड 41 (01), (जुलाई 2020)।
18. चंद्रशेखर राय, "ड्रिंकिंग वॉटर एंड लीगल रिस्पेक्ट ऑफ वॉटर रिसोर्स इन इंडियाः राइट्स एंड ऑब्लिगेशन्स", *जर्नल ऑफ लीगल स्टडीज*, खंड 8(1), (जनवरी 2020)।
19. देविका, "प्रेजेंट सिनोरियो एंड फ्यूचर प्रास्पेक्ट्स ऑफ म्यूनिसिपल सॉलिड वेस्ट मैनेजमेंट इन जयपुर सिटी", *अलोचना चक्र जर्नल*, खंड 9, अंकः 5 (मई 2020)।
20. देविका, "स्वच्छ भारत अभियानः अवेयरनेस पर्सेप्शन एंड प्रैक्टिस अमंग अर्बन पॉपुलेशन ऑफ जयपुर सिटी", *उड़ीसा जर्नल ऑफ कॉमर्स*, खंड 41 समूह 1 (जनवरी–मार्च 2019)।

21. फरजाना शेहला, "रोल ऑफ ब्रेन एंड माइंड इन बिहेवियर एंड लर्निंग", *आईएएचआरडब्ल्यू इंटरनेशनल जर्नल ऑफ सोशल साइंसेज रिव्यूज*, खंड 7, संख्या 2 (2019)।
22. गीतांजलि सिंह, "इकोनॉमिक एफीसिएंसी मेजरमेंट ऑफ पावर सेक्टर रिफार्म इन हरियाणा यूजिंग डीईए", *द इंडियन इकोनॉमिक जर्नल*, खंड 68 (2) (2020)।
23. जी पी पांडे, "टीवी सीरियल्स एंड देयर इम्पैक्ट ऑन कॉलेज गोइंग स्टूडेंट्सः ए केस स्टडी ऑफ सिलचर, असम", *कम्युनिकेटर*, इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ मास कम्युनिकेशन, खंड 54 (3) (जुलाई–सितंबर 2019)।
24. गुडिवाडा वेंकट राव, "ए रिव्यू ऑफ स्किल रिक्वायरमेंट्स फॉर ह्यूमन रिसोर्स मैनेजमेंट इन न्यू एज डायनेमिक", *पुराकला*, खंड 31, अंकः 26 (मई 2020)।
25. इंचारा पीएम गौड़ा, "रिकवरी मैनेजमेंट –ए केस स्टडी", *इंडियन जर्नल ऑफ कॉमर्स*, खंड 72(2), (जून 2019)।
26. के. नरेश कुमार, "गल्फ माइग्रेशन एंड इम्प्लायमेंट : कॉजेज एंड कान्सीक्वेंसस", *इंटरनेशनल इन्वेंटिव मल्टीडिसिप्लनरी जर्नल*, खंड–6, अंक–4 (अप्रैल 2018)।
27. कु. तोम्बीसाना सिंह, "पॉलिटिकल पार्ट्रिसिपेशन ऑफ वूमैन इन मिजोरम", *जर्नल ऑफ सोशल साइंस*, खंड–16, अंक–1 (जुलाई–दिसंबर 2019)।
28. कृति भारती, "टेंडेंसीज ऑफ रिग्रेशन फिक्सेशन, रेजिग्नेशन एंड एग्रेशन अमंग द विक्टिम्स ऑफ चाइल्ड मैरिजेस", *वेस्लेयन* (Wesleyan) *जर्नल ऑफ रिसर्च*, खंड 13 (दिसंबर 2020)।
29. क्षीरसागर शिवाजी दादासो, "मीजोलिथिक कल्चर एंड ऑस्ट्रिच एग्स शैल्स ऑफ बोरी रिवर इन अक्कलकोट डिस्ट्रिक सोलापुर, महाराष्ट्र", *संशोधन पत्रिका, 27 अखिल महाराष्ट्र इतिहास परिषद*। (30 नवंबर–दिसंबर 2018)।
30. एम. सुंदर राव, "फैक्टर्स इन्फलूएंसिंग द सोशियो–इकोनॉमिक कंडीशंस ऑफ ट्राइब्ल वूमैन लिविंग इन द प्लेन एंड इंटीरियर सब प्लान एरियाज ऑफ विशाखापत्तनम डिस्ट्रिक इन आंध्र प्रदेश", *रिव्यू ऑफ रिसर्च*, खंड–6, अंक–4 (जनवरी– 2019)।
31. मो. इलियास खान, "सोशल वैलबीइंग इन रिलेशन टू एलिनेशन अमंग यूनिवर्सिटी स्टूडेंट्स", *शोध संचार बुलेटिन*, खंड 10 (39), (जुलाई–सितंबर 2020)।
32. मो. जफरुल्ला, "हसरत मोहानी की रे़ख़नी में हन्दस्तानी तहज़ीब का दर्न", *तहरीक–ए–अदब*, खंड 10।
33. एन. राज्यलक्ष्मी, "रोल ऑफ डेमोग्राफिक्स इन प्रो–एनवायरनमेंटल सर्च बिहेवियर", *उड़ीसा जर्नल ऑफ कॉमर्स*, खंड 41, अंक 3 (जुलाई–सितंबर 2020)।
34. एन. राज्यलक्ष्मी, "रोल ऑफ प्रो–एनवायरनमेंटल पोस्ट–परचेज बिहेवियर इन ग्रीन कंज्यूमर बिहेवियर", *विलक्षन – जर्नल ऑफ मैनेजमेंट*, एमराल्ड पब्लिशिंग लिमिटेड (जुलाई 2021)।
35. एन. उषा रानी, "क्वालिफिकेशन ऑफ मीडिया फ्रीडम एंड डेवलपमेंटः अ क्रिटिकल कमेंट्री", *जर्नल ऑफ मीडिया एंड कम्युनीकेशन*, खंड–3, अंकः 1 (2019)।
36. नागासुब्बाराव गोप, "ह्यूमन राइट्स वायलेशनः एन ओवरव्यू इन इंडिया", *जर्नल ऑफ द गुजरात रिसर्च सोसाइटी*, खंड 21, अंक 7 (नवंबर 2019)।
37. नंदिनी वशिष्ठ, "रिविजिटिंग तेभागा मूवमेंट इन बंगालः रेजिस्टेंस अगेंस्ट डोमिनेशन एंड ऑल्टरनेटिव आइडेंटिटीज", *इंडियन जर्नल ऑफ पब्लिक एडमिनिस्ट्रेशन*, खंड 65, अंक 4 (2019)।
38. नरेश कुमार साल्वी, "राजस्थान के बगड़ प्रदेश के निवासियों की आजीविका पर खनन के प्रभाव", *जिज्ञासा*, खंड–12, अंक–3 (अप्रैल 2019)।
39. नेहा जैन, "एनालाइजिंग वूमैन लेजिस्लेचर इन डेमोक्रेटिक सोसाइटीजः द नरेटिव ऑफ सोशल एंड साइकोलॉजीकल लिंकेजस", *स्टडीज इन इंडियन प्लेस नेम्स*, खंड–40, अंकः 76 (मार्च 2020)।
40. पाचा माल्याद्री, "अ स्टडी ऑन इंपैक्ट ऑफ पावर्टी एलिवेशन प्रोग्राम्स ऑन स्किल डेवलपमेंट ऑफ ट्राइब्ल वूमैन हाउसहोल्ड इन तेलंगाना स्टेट", *जर्नल ऑफ ग्लोबल रिर्सोस*, खंड–6, अंकः 01 (अगस्त 2019–जनवरी 2020)।
41. प्रकाश बी सालवी, "ए क्रिटिक ऑफ इंडिपेंडेंस एंड डी–कोलोनाइजेशन", *एजुकेशन एंड सोसाइटी*, खंड 42, अंकः 1 (अक्टूबर–दिसंबर 2018)।
42. प्रकाश बी सालवी, "एथिक्स एंड साइंटोलॉजी इन द कांटेक्सट ऑफ एजूकेशन", *शिक्षण अणि समाज*, भारतीय शिक्षा संस्थान, पुणे अंक–4 (जुलाई–सितंबर 2018)।
43. प्रतिमा कौशिक, "सेल्फ–रेगुलेशन लर्निंग स्ट्रैटेजीज एंड एकेडमिक परफॉर्मेंस इन स्टूडेंट विद लर्निंग डिफिकल्टी", *इंटरनेशनल जर्नल ऑफ बिहेवियरल साइंसेज*, खंड 14 (4), (दिसंबर 2020)।

44. राज्यलक्ष्मी नित्तला, "सर्विस क्वालिटी एंड कस्टमर सेटिसफेक्शन इन ऑनलाइन बैंकिंग", *इंटरनेशनल जर्नल ऑफ ऑनलाइन मार्केटिंग*, खंड–8, अंक–2 (अप्रैल–जून–2018)।

45. रश्मि, "फैमली इन्वालमेंट इन द डेवलपमेंट ऑफ सेकेंडरी स्कूल स्टूडेंट्सः एन एनालिसिस एंड कम्पेरीजन बिटवीन एओ एंड सेमा ट्राइब्स इन नागालैंड्स", *शोध सरिता*, खंड 4, अंकः 15 (जुलाई–सितंबर 2018)।

46. रश्मि, "स्टेट्स ऑफ सेकेंडरी एजूकेशन इन इंडियाः एन एनालिसिस", *शोध सरिता*, खंड 3, अंकः 13 (जनवरी–मार्च 2018)।

47. रीना बराल, "इंडस्ट्रीयल कॉन्फिलिक्ट इन स्वीडनः अ केस स्टडी ऑफ कार्लस्टेड", *जिज्ञासा*, खंड–12 (मई 2019)।

48. रीता गौतम, "जनजाति (ग्रामीण परिवेश की) महिलाओं की स्वास्थ्य स्थिति : उत्तर प्रदेश के लखीमपुर खीरी जिले पलिया ब्लॉक की थारू जनजाति के सन्दर्भ में", *आलोचना चक्र जर्नल*, खंड 9, अंकः 4 (अप्रैल 2020)।

49. एस एस पटागुंडी, "कर्नाटकः बीजेपी स्पेक्टैकुलर विक्ट्री ओवर द कांग्रेस एंड जे.डी. (एस)", *इंडियन जर्नल ऑफ पॉलिटिक्स एंड इंटरनेशनल रिलेशन*, सेज पब्लिकेशंस (2020)।

50. साल्वे संदीप गोरख, "अनुसूचित जाति के छात्रों के घर की प्रकृति का अध्ययन", *विद्या भारती (इंटरनेशनल इंटरडिसीप्लनरी रिसर्च जर्नल)*, विशेषांक– 95 (अक्टूबर 2020)।

51. शाहला तबस्सुम, "अ स्टडी ऑन द रोल ऑफ स्टेट टुवर्ड्स वूमैन एजूकेशन इन इंडिया : विद स्पेशल रेफरेंस टू मुस्लिम वूमैन", *शोध सरिता*, खंड, 6, अंक 24 (अक्टूबर–दिसंबर 2019)।

52. शाहला तबस्सुम, "हायर एजूकेशनल स्टेटस ऑफ मुस्लिम वूमैन इन इंडियाः गवर्नमेंट इंटरवेंशंस टुवर्ड्स देयर डेवलपमेंट", *शोध संचार बुलेटिन*, खंड 9 (अक्टूबर–दिसंबर 2019)।

53. शमीम सी सी, "ब्रिक्स एज स्टेपिंग स्टोन फॉर इंडियाज सर्विस ट्रेड सेक्टर", *थिंक इंडिया जर्नल*, खंड–22, अंक–10 (नवंबर 2019)।

54. शमीम सी सी, "द इवोल्यूशन ऑफ ब्रिक्स इन इंटरनेशनल पॉलिटिकल इकोनॉमी", *थिंक इंडिया जर्नल*, खंड–22, अंक–10 (नवंबर 2019)।

55. शिखा शर्मा, "डिजिटल कम्पीटेंस ऑफ टीचर एजुकेटर्स विद रेस्पेक्ट टू ओपन एजुकेशनल रिर्सोसेज", *जर्नल ऑफ गुजरात रिसर्च सोसाइटी*, खंड 21, अंक 15 (दिसंबर, 2019)।

56. सोनाली वालिया, "फैक्टर्स अफैक्टिंग द फर्टीलिटी ऑफ वुमीन ऑफ अलीपुर डिस्ट्रिक्ट ऑफ दिल्ली", *इंटरनेशनल रिव्यू ऑफ सोशल साइसेज एंड ह्यूमैनिटीज*, खंड 9, संख्या 7 (जुलाई 2019)।

57. सोनाली वालिया, "लिटरेसी एंड इट्स इंपैक्ट ऑन द फ्रेमवर्क ऑफ द सोसायटी अमंग्सट अलीपुर डिस्ट्रिक्ट ऑफ दिल्ली", *मुक्त शब्द जर्नल*, खंड 9, अंक 5 (मई 2020)।

58. वी एल सिरसत, "लोकेटिंग दलित रेजिस्टेंस इन फोकलोर ऑफ महाराष्ट्र", *अजंता पब्लिकेशंस*, खंड–8 (जनवरी–मार्च 2019)।

59. विजया भोले, "ट्रेंड एंड इंटेंसिटी ऑफ रेनफॉल इन ग्रेटर हैदराबाद", *हिल जियोग्राफर*, खंड 34ः अंक 2, (2018)।

60. विजयंती, "साम्प्रदायिकता के आइने में मुस्लिम समाज", *शोध संदर्श*, खंड 25 (सितंबर–दिसंबर 2019)।

61. विजयंती, "स्वतंत्रयोतर भारत में मुस्लिम समाज", *चिंतन*; खंड 9 (34) (अप्रैल–जून 2019)।

केंद्र प्रशासित डॉक्टोरल अध्येतावृत्तियाँ (2019–20 में पुरस्कृत) (जारी)

(सामान्य श्रेणी)

अर्थशास्त्र

1. नवनीत गुलेरिया, आईजीएनटीयू, अमरकंटक, म.प्र., "क्रिटिकल एवैल्यूशन ऑफ टैक्स रिफार्मस डयूरिंग 21वीं सेंचुरी : अ केस स्टडी ऑफ गुड्स एंड सर्विसेज टैक्स (GST)"।

2. मनीषा देवी, गुवाहाटी यूनिवर्सिटी (जीएयू), गुवाहाटी, असम, "डायनेमिक्स ऑफ ट्विन डेफिसिट्स इन इंडियाः एन एम्पिरिकल इन्वेस्टिगेशन"।

3. संप्रति दास, जीएयू, गुवाहाटी, असम, "इंडियाज सर्विस एक्सपोर्ट्स–लेड ग्रोथः एन इंक्वायरी इन इट्स सस्टेनेबिलिटी"।

4. वर्षा गुप्ता, जेएनयू, दिल्ली, "फीमेल लेबर फोर्स पार्टिसिपेशन इन इंडिया सिंस द अर्ली 1980 : एन एनालिसिस यूजिंग एनएसएस डेटा"।
5. जीशान अहमद, एएमयू, अलीगढ़, उप्र, "एनर्जी कंजप्शन, कार्बन एमिशन एंड इकोनॉमिक ग्रोथ इन इंडिया"।
6. गरिमा मिश्रा, लखनऊ विश्वविद्यालय, लखनऊ, उप्र, "चेंजिग पैटर्न ऑफ इंक्लूसिव डेवलपमेंट स्ट्रेटजीस इन इंडियाः अ स्टडी ऑफ रुरल उत्तर प्रदेश"।
7. विशाल, पंजाब यूनिवर्सिटी, चंडीगढ़, "एन एनालिसिस एंड फाइनेंसिंग ऑफ आउट–ऑफ–पॉकेट हेल्थ एक्सपेंडिचर ऑन एल्डरली पॉपुलेशनः ए केस स्टडी ऑफ हरियाणा"।
8. अनूप कुमार यादव, बीएचयू, वाराणसी, उप्र, "अ कम्परेटिव इकोनॉमिक स्टडी ऑफ आर्गेनिक एंड नॉन–आर्गेनिक फार्मिंग इन उत्तर प्रदेश"।
9. किरण, पीयू, पटियाला, पंजाब, "इंडिया–उत्तराखंड ट्रेड रिलेशंस : स्टेट्स एंड पोस्ट ब्रेक्स्टि पोटेंशियल"।
10. सृष्टि नेगी, एचएनबीजीयू, श्रीनगर, उत्तराखंड, "एमएसएमई एंड रीजनल इकोनामिक डेवलपमेंट : अ स्टडी ऑफ हिल एंड प्लेन डिस्ट्रिक्ट्स ऑफ उत्तराखंड स्टेट"।
11. सुजय फाटक, देवी अहिल्या विश्वविद्यालय, इंदौर, मप्र, "अ स्टडी ऑफ एजूकेशन एंड इकोनॉमिक ग्रोथ इन इंडियाः एन इंटर स्टेट एनालिसिस"।
12. वेंकटेश एम., तमिलनाडु एग्रीकल्वरल यूनिवर्सिटी (टीएनएयू), कोयंबटूर, टीएन, "डेवलपिंग सिमुलेशन मॉडल फॉर एसेसमेंट ऑफ डिमांड एंड सप्लाई ऑफ वाटर फॉर एग्रीकल्चर इन साउथ पेन्नार (तेंपेनैयारू) रिवर बेसिन ऑफ तमिलनाडु"।
13. रुचिता त्रिपाठी, बीएचयू, वाराणसी, उप्र "मीजरिंग इंपैक्ट ऑफ सोशल कैपिटल ऑन एग्रीकल्चरल लेबर प्रोडक्टीविटीः अ केस स्टडी ऑफ वाराणसी डिस्ट्रिक"।
14. शमा फिरदौस, विद्या सागर यूनिवर्सिटी (वीयू), मिदनापुर, पश्चिम बंगाल, "अ स्टडी ऑफ द स्टेट्स ऑफ इम्पावरमेंट ऑफ मुस्लिम वूमैन इन पश्चिम बंगाल"।
15. दिलप्रीत कौर ढिल्लों, गुरूनानकदेव यूनिवर्सिटी (जीएनडीयू), अमृतसर, पंजाब, "एनर्जी सेक्टर ऑफ इंडियाः ट्रेंडस, इफीशिएंसी, सिक्योरिटी एंड सस्टेनेबिलिटी"।
16. प्रिया शर्मा, जम्मू विश्वविद्यालय, जम्मू, "रुरल इम्पलोयमेंट डायवर्सिफिकेशन इन जम्मू डिस्ट्रिक ऑफ जम्मू और कश्मीर स्टेट"।
17. देवेंद्र सिंह, सीसीएस विश्वविद्यालय, मेरठ, उप्र, "द रोल ऑफ प्रधान मंत्री जनधन योजना इन वूमैन इम्पॉवरमेंट : अ केस स्टडी ऑफ मेरठ डिस्ट्रिक"।
18. चंचल जैन, एमएसयू, उदयपुर, राजस्थान, "इम्प्लायबिलिटी एंड स्किल डेवलपमेंट थ्रू वोकेशनल एजूकेशन इन उदयपुर डिस्ट्रिक"।
19. सिमरजीत कौर, पीयू, पटियाला, पंजाब, "माइक्रोफाइनेंस इंस्टीट्यूशंस एंड इनडेटेडनेसः ए केस स्टडी ऑफ रूरल पंजाब"।
20. इश्फाक हामिद, एसएमवीडीयू, कटरा, जम्मू, "फॉरेन डायरेक्ट इनवेस्टमेंट इनफ्लो एंड द माइक्रो इकोनॉमीः एन एमपीरिकल एनालिसिस ऑफ सम सलेक्ट एशियन इकोनॉमिज"।
21. सहेली दास, जेएनयू, दिल्ली, "एडाप्टिंग एग्रीकल्चर टू क्लाइमेट चेंजः डू फार्मर्स एबिलिटी एंड कम्युनिटी नेटवर्क मैटरं?"।
22. तौसीफ अहमद शान, एएमयू, अलीगढ़, उप्र, "ट्रेड ओपननेस , इंफलेशन एंड ग्रोथ इन सेलेक्ट एशियन कंट्रीज विद स्पेशल रेफरेंस टू इंडिया"।
23. ठाकुर देव पांडे, कुमाऊं यूनिवर्सिटी (केयूएमयू), नैनीताल, उत्तराखंड, "फाइनेंसियल इंक्लूजन ऑफ रुरल हाउसहोल्डस इन उत्तराखंडः एन इंटर–डिस्टिक स्टडी ऑफ कुमाऊं रीजन"।
24. मलिहा बटूल, जम्मू विश्वविद्यालय, जम्मू, "पैटर्न ऑफ एनर्जी कंजम्पशन अमंग रुरल एंड अर्बन हाउसहोल्डस ऑफ जम्मू और कश्मीरः अ कम्परेटिव स्टडी ऑफ डोडा एंड जम्मू डिस्ट्रिक"।
25. अदनान जावेद किचलू, जम्मू विश्वविद्यालय, जम्मू, "पब्लिक प्राइवेट पार्टनरशिप इन फिजिकल इंफ्रास्ट्रक्चर डेवलपमेंट इन इंडियाः अ स्टडी ऑफ रोड प्रोजेक्ट्स इन द नार्थ इंडियन स्टे्टस"।
26. अभिलाषा एमएल, मैसूर विश्वविद्यालय, मैसूर, कर्नाटक, "वूमैन लेबर इन इनफार्मल सेक्टरः एन इम्पीरिकल स्टडी इन मांड्या डिस्ट्रिक"।
27. राधिका, सीयूएस एंड टी, कोच्चि, केरल, "इंपैक्ट ऑफ क्लाइमेट चेंज ऑन कोस्टल वेटलैंड एग्रीकल्चर एंड एडाप्शन ऑफ कोस्टल कम्युनिटीज इन सेंट्रल केरल"।

28. निहारिका रावल, पंजाब यूनिवर्सिटी (पीयू), पटियाला, पंजाब, "पैटर्न एंड क्वालिटी ऑफ रुरल नॉन–फॉर्म इम्प्लायमेंट इन पंजाब"।

29. मदेला संतोष, उस्मानिया यूनिवर्सिटी (ओयू), हैदराबाद, तेलंगाना, "द डायनामिक रिलेशनशिप बिटबीन एजूकेशन एक्सपंडीचर एंड इकोनॉमिक ग्रोथ विद स्पेशल रेफरेंस टू इंडिया"।

30. रेफत मुश्ताक, मौलाना आजाद नेंशनल उर्दू यूनिवर्सिटी (MANU) हैदराबाद, तेलंगाना, "इंस्टीट्यूशनल क्वालिटी एंड टूरिज्म डिमांड इन इंडिया विद स्पेशल रेफरेंस टू जम्मू और कश्मीर स्टेट"।

31. सोनल एन डिसूजा, जेएनयू, दिल्ली, "पॉलिटिकल इकोनॉमी ऑफ डिस्पोजेशनः ए केस स्टडी ऑफ माइनिंग इन ओडिशा"।

32. थोकचोम ओमेना, मणिपुर विश्वविद्यालय, इंफाल, मणिपुर, "लाइवस्टोक इकोनमी इन मणिपुर : पोटेंशियल एंड चैलेंजिस"।

33. मिर्जा नजराना बेग, कश्मीर केंद्रीय विश्वविद्यालय, श्रीनगर, कश्मीर, "जेंडर डिफरेंसस इन हाउस होल्ड एजूकेशन एक्सपंडीचरः अ स्टडी ऑफ कश्मीर वैली"।

34. आकिब परवेज, हैदराबाद यूनिवर्सिटी (यूओएच), हैदराबाद, तेलंगाना, "एजूकेशनल परफार्मेंसस गैप्स विदइन इंडियन (यूनाइटेड आंध्र प्रदेश) चिल्ड्रेनः व्हाट, हाउ एंड वाय विद रेस्पेक्ट टू वैरियस कैरेक्टर्स"।

35. अंजलि सिंह, बीबीएयू, लखनऊ, उत्तर प्रदेश , "एन इकोनॉमिक एनालिसिस ऑफ इन्वेस्टमेंट एंड मार्केटिंग इफिशियंसी ऑफ जैगरी इंडस्ट्री इन उत्तर प्रदेश विद स्पेशल रेफरेंस टू अयोध्या डिस्ट्रिक"।

36. हरिशंकर के., टीएनएयू, कोयंबटूर, टीएन, "इंटरवेंशन फॉर इनहांसिंग फॉर्म इंकम इन सोरघम डेयरी बेस्ड फार्मिंग सिस्टम इन तमिलनाडुः ए सिस्टम डायनामिक्स मॉडलिंग एप्रोच"।

37. ब्रह्मचार्यमयुम पूजालक्ष्मी, मणिपुर विश्वविद्यालय, इंफाल, मणिपुर, "सोशियो–इकोनॉमिक कंडीशन ऑफ वूमैन वीवर्स इन मणिपुर : अ स्टडी ऑफ वैली डिस्ट्रिक"।

प्रबंधन

38. अयाताक्षी सरकार, टीआईएसएस (TISS), मुंबई, महाराष्ट्र, "एलीमेंट्स एंड द रोल ऑफ नॉन वायलेंस बिहैवियर एट द वर्कप्लेस"।

39. सुनीत प्रसाद, बिट्स, रांची, झारखंड, "अ स्टडी ऑफ कैपिटल स्ट्रक्चर ऑफ इंडियन मैन्यूफैक्चरिंग एसएमईः ऑटो कम्पोनेंट एंड कंज्यूमर गुड्स इंडस्ट्री"।

40. कीर्ति शर्मा, गुरूकुल कांगड़ी विश्वविद्यालय (जीकेवी), हरिद्वार, उत्तराखंड, "इन्फलूएंस ऑफ मोबाइल नेटवर्क सर्विस क्वालिटी ऑन एम–कॉमर्स एडॉप्शन"।

41. रेणु बाला, चौधरी देवी लाल विश्वविद्यालय, सिरसा, हरियाणा, "इम्प्लायबिलिटी स्किल्स ऑफ मैनेजमेंट स्टूडेंट्सः अ स्टडी ऑफ एकेडेमिक एंड इंडस्ट्री पर्सपेक्टिव"।

42. भुवनेश्वरी डी., पेरियार विश्वविद्यालय, सेलम, टीएन, "कन्सेप्लचुअल एंड इम्पीरिकल स्टडी ऑन मैनेजिंग वर्क लाइफ बैलेंस अमंग वूमैन पुलिस पर्सनल फॉर डेवलपिंग एन इंटीग्रल मॉडल विद रेफरेंस टू सलेम डिस्ट्रिक"।

43. दीक्षा आहूजा, जीकेवी, हरिद्वार, उत्तराखंड, "कॉर्पोरेट गवर्नेंस मॉडलः इनकॉर्पोरेटिंग वैदिक विजडम"।

44. अमृता मिश्रा, संबलपुर विश्वविद्यालय, संबलपुर, ओडिशा, "सस्टेनेबल एग्रीकल्चर ऑफ ट्राइब्ल फार्मर्सः एन एनालिसिस इन कोरापुट एंड मल्कानगिरी डिस्ट्रिक ऑफ ओडिशा"।

45. रेशमा एम. भारथिअर विश्वविद्यालय, कोयंबटूर, टीएन, "द मॉडरेटिंग रोल ऑफ इमोशनल इंटैलिजेंस ऑन द रिलेशनशिप विटवीन इंटरप्रेन्योरियल कॉम्पीटेंसीस एंड फर्म परफारेमेंस अमंग वूमैन इंटरप्रेन्योर्स इन साउथ इंडिया"।

46. रिया शाह, निरमा यूनिवर्सिटी, अहमदाबाद, गुजरात, "ए कम्पेरेटिव स्टडी ऑफ रिटर्न्स ऑफ वैल्यू स्टॉक्स एंड ग्रोथ स्टॉक्स"।

47. ऐमान फ़याज़, कश्मीर विश्वविद्यालय, श्रीनगर, कश्मीर, "सोशल इंटरप्रेन्योशिप इंटेशंस ऑफ यूथः एन एम्पीरकिल स्टडी ऑफ जम्मू एंड कश्मीर"।

48. आर स्वाति, उस्मानिया यूनिवर्सिटी (ओयू), हैदराबाद, तेलंगाना, "अ स्टडी ऑन वूमैन एम्पावरमेंट एंड वर्क लाइफ बैलेंस, पॉलिसी एंड प्रैक्टिसेस फॉर इम्प्लाइस इन टेक्नोलॉजी ड्रिवेन आर्गेनाइजेशंस विद स्पेशल रेफरेंस टू द सेलेक्टिड प्राइवेट एंड पब्लिक सेक्टर आर्गेनाइजेशंस इन तेलंगाना"।

49. के. नीरजा, गुलबर्गा विश्वविद्यालय, कलबुर्गी, कर्नाटक, "परफार्मेंस मैनेजमेंट सिस्टम : अ स्टडी ऑन सेलेक्ट

सीमेंट मैन्युफैक्चरिंग यूनिट इन हैदराबाद कर्नाटक रीजन"।

50. डिंपी सुहालका, एमएसयू, उदयपुर, राजस्थान, "इकोनॉमिक्स ऑफ टेम्पलः अ स्टडी ऑफ सेलेक्ट इंडियन टेम्पलस ऑफ मेवाड़ एंड मालवा रीजन"।

51. विजया लक्ष्मी ई, ओयू, हैदराबाद, तेलंगाना, "कॉम्पीटेंसी मैपिंग एंड इट्स इंपैक्ट ऑन आर्गेनाइजेशनल इफैक्टिवनेस"।

52. निशांत अग्रवाल, निरमा विश्वविद्यालय, अहमदाबाद, गुजरात, "द रोल ऑफ सप्लाई चेन एम्बीडेक्सटीरियटी इन अटेनिंग सप्लाई चेन रिजिलियंस डयूरिंग डिर्स्पशन"।

53. मोहन बेलपट्टर, सेंट्रल यूनिवर्सिटी ऑफ कर्नाटक (सी.यू.के.), कलबुर्गी, कर्नाटक, "परफार्मेंस, चैलेंजेस एंड स्ट्रेटजीस फॉर रिवाइवल ऑफ तूर दाल इंडस्ट्री इन कलबुर्गी डिस्ट्रिक"।

54. लीलाप्रियधरसिनी, अलगप्पा विश्वविद्यालय, कराईकुडी, टीएन, "सस्टेनेबल ह्यूमैनीटेरियन लॉजिस्टिक इन द डिजास्टर अफैक्टिड एरियाज ऑफ तमिलनाडुः अ साल्यूटरी एनालिसिस"।

55. उर्मी रमेशचंद्र खत्री, निरमा विश्वविद्यालय, अहमदाबाद, गुजरात, "रिविजिटिंग फामा फ्रेंच फैक्टर मॉडल एंड एम्पीरिकल टेस्टिंग ऑफ क्रॉस सेक्शनल डाटा ऑन इंडियन स्टॉक मार्केट"।

56. महक, पंजाब कृषि विश्वविद्यालय, लुधियाना, पंजाब, "अ स्टडी ऑफ मीजरमेंट एंड रिलेशनशिप बिटवीन फाइनेंसियल इंक्लूजन, फाइनेंसियल बिहैवियर एंड फाइनेंसियल सेटिसफेक्शन"।

57. आकांक्षा शर्मा, बीएचयू, वाराणसी, उप्र, "रोल ऑफ स्पिरीच्युल इंटेलीजेंस इन मैनेजिंग स्ट्रेसः अ स्टडी ऑन डिफेंस पर्सनल इन इंडिया"।

58. ई. आइरीन प्रीथा, मद्रास विश्वविद्यालय, चेन्नई, टीएन, "इम्पैक्ट्स ऑफ टूरिज्म डेवलपमेंट ऑन ट्राइबल कम्युनिटी इन येलागिरी हिल्स एट वेल्लोर डिस्ट्रिक्ट, तमिलनाडु"।

59. मानिनी नंदा, संबलपुर विश्वविद्यालय, संबलपुर, ओडिशा, "द यूज ऑफ इंफार्मेशन एंड कम्युनीकेशन टेक्नोलॉजी ऑन ह्यूमन रिर्सोस मैनेजमेंट प्रैक्टिसेस इन सेलेक्टिड मैन्यूफैक्चरिंग इंडस्ट्रीज ऑफ वेस्टर्न ओडिशा"।

60. कमलेश चंद्र जोशी, एचएनबीजीयू, श्रीनगर, उत्तराखंड, "सस्टेनेबल पिलग्रिमेज टूरिज्म इन केदार वैली : अ होलिस्टिक टूरिज्म डेवलपमेंट एप्रोच पोस्ट 2013 डिजास्टर"।

61. सरथ एस., टीएनएयू, कोयंबटूर, टीएन, "ए स्टडी ऑन कस्टमर्स एक्सपेक्टेषंस टुवर्ड्स एग्री–टूरिज्म इन तमिलनाडु"।

62. करिश्मा शर्मा, गोविंद गुरु जनजातीय विश्वविद्यालय, बांसवाड़ा, राजस्थान, "रोल ऑफ समग्र शिक्षा अभियान इन इनहैंसिंग द क्वालिटी ऑफ एजूकेशनः एन इम्पीरिकल स्टडी इन प्रतापगढ़ डिस्ट्रिक ऑफ राजस्थान"।

63. शीनम अय्यूब, जामिया हमदर्द, दिल्ली, "एक्सप्लोरिंग सस्टेनेबिलिटी इन कंज्यूमर बिहैवियर : एन इम्पीरिकल स्टडी"।

64. रीता सिंह, संबलपुर विश्वविद्यालय, संबलपुर, ओडिशा, "फोरेंसिक अकाउंटिंग इन इंडियाः एन एनालिटिकल स्टडी"।

65. अर्पित हुरिया, जी बी पंत कृषि और प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, पंतनगर, उत्तराखंड, "अ स्टडी ऑन स्टबल बर्निंग बिहैवियर ऑफ फार्मर्स इन नार्दर्न इंडिया"।

66. लिज़ा शूर, पंजाब कृषि विश्वविद्यालय, लुधियाना, पंजाब, "ऑनलाइन इंपल्स बायिंगः ए स्टडी ऑफ़ इट्स एक्स्टेंट, फैक्टर्स एंड कम्पेरिजन विद इन स्टोर इंपल्स बायिंग"।

वाणिज्य

67. प्रखर गुप्ता, लखनऊ विश्वविद्यालय, लखनऊ, उत्तर प्रदेश, "मैनेजमेंट ऑफ नॉन परफार्मिंग एसेट्स (NPAs) इन इंडियन बैंकिंग सेक्टर इन इंडियाः अ केस स्टडी ऑफ स्टेट बैंक ऑफ इंडिया"।

68. आकांक्षा सिंह फौजदार, डीईआई, आगरा, उप्र, "डायनेमिक्स ऑफ इंडियाज फिस्कल डेफिसिटः एन एनालिटिकल स्टडी ऑफ इश्यूज एंड मैनेजमेंट"।

69. नयना प्रभाष, केरल विश्वविद्यालय, तिरुवनंतपुरम, केरल, "इन्फ्रास्ट्रक्चर सपोर्ट सिस्टम्स एंड ईज ऑफ डूइंग बिजनेस इन केरल"। (वापस ले लिया)

70. श्रीकुट्टी केएस, कालीकट विश्वविद्यालय, मलप्पुरम, केरल, "स्ट्रेस मैनेजमेंट ऑफ मेंबर्स ऑफ लोकल गवर्नमेंट इंस्टीट्यूशंस इन केरल"।

71. पार्वती पीएस, केरल विश्वविद्यालय, तिरुवनंतपुरम, केरल, "सोशल रेस्पांसिबिलीटी ऑफ नॉन–कॉरपोरेट इंटरप्राइजेज इन केरलः एन एवोल्यूशन"।

72. शिखा गोयल, एमिटी यूनिवर्सिटी, नोएडा, उप्र, "एन इवैल्यूएशन ऑफ नॉन–परफॉर्मिंग एसेट्स इन अपर मिडिल इनकम, लोअर मिडिल इनकम एंड लो–इनकम कंट्रीज"।

73. शिवम अग्निहोत्री, दयालबाग एजुकेशन इंस्टीट्यूट (डीईआई), आगरा, उप्र, "एन एम्पीरिकल स्टडी ऑफ इंटीग्रेटिड रिपोर्टिंग डिस्क्लोजर प्रैक्टिसेस इन सेलेक्टिड इंडियन बैंक्स"।

74. जय सिंह, डीईआई, आगरा, उप्र, "इंस्टीटयूशनल एग्रीकल्चर फाइनेंस इन उत्तर प्रदेशः अ स्टडी ऑफ आगरा डिस्ट्रिक"।

75. मेघना डीएस, कुवेम्पु विश्वविद्यालय, शिवमोग्गा, कर्नाटक, "अ स्टडी ऑन पर्सनल फाइनेंसियल मैनेजमेंट प्रैक्टिसेस अमंग वर्कर्स ऑफ अनआर्गेनाइज्ड सेक्टर इन कर्नाटक"।

76. रऊफ अहमद खांडे, कश्मीर विश्वविद्यालय, श्रीनगर, कश्मीर, "असेसिंग द रोल ऑफ पॉलिटिकल स्किल्स ऑन रिलेशनशिप विटबीन पर्सनॉलिटी ट्रेट्स एंड लीडरशिप इफैक्टिवनेसः एन एम्पीरिकल स्टडी ऑफ पब्लिक सेक्टर अंडरटेकिंग"।

77. नूपुर, सी.यू.के., कलबुर्गी, कर्नाटक, "अलाइनिंग फाइनेंसियल प्रोडक्ट्स विद लाइफ साइकिल फाइनेंसियल नीड्स ऑफ वूमैन"।

78. आर्यश्री एम., महात्मा गांधी विश्वविद्यालय, कोट्टायम, केरल, "फाइनेंसियल कैपेबिलिटीज एंड बिहैविरल परफार्मेंस : ए स्टडी अमंग बीपीएल हाउसहोल्ड इन केरल"।

79. रितु पारीक, विद्यासागर यूनिवर्सिटी (वीयू), मिदनापुर, डब्ल्यूबी, "कॉर्पोरेट गवर्नेंस, परफार्मेंस एंड स्टेबिलिटी : अ स्टडी ऑन सेलेक्टिड इंडियन कंपनीज"।

80. शिवांगी जायसवाल, डीईआई, आगरा, उप्र, "इंडियन स्ट्रेटजी फॉर एचीविंग सस्टेनेबल डेपलपमेंट गोल्सः अ स्टडी विद रेफरेंस टू डीसेंट वर्क एंड इकोनॉमिक ग्रोथ"।

81. सुचिस्मिता घोष, वीयू, मिदनापुर, डब्ल्यूबी, "एन्वायरनमेंटल पाल्यूशन, फर्मस कैरेटरस्टिक्स एंड इनवायरनमेंटल सस्टेनेबिलिटी ऑफ सेलेक्टिड इंडियन कंपनीज"।

82. कल्लेम सैसुधीर रेड्डी, ओयू, हैदराबाद, तेलंगाना, "इंप्लीकेशंस ऑफ जीएसटी ऑन फार्मा इंडस्ट्रीज"।

83. रजनी, डीईआई, आगरा, उप्र, "एन एनालिटिकल स्टडी ऑफ मूवमेंट ऑफ स्टॉक ऑफ ऑटोमोबाइल इंडस्ट्री इन नेशनल स्टॉक एक्सचेंज सिंस 2000"।

84. कृति अग्रवाल, डीईआई, आगरा, उप्र, "वैल–बीइंग एंड पब्लिक एक्सपेंडीचर : अ स्टडी ऑफ इंडियन इकोनॉमी"।

85. तबिश ई. वारिस, एएमयू, अलीगढ़, उप्र, "एन अप्रेजल ऑफ ग्रीन–शू ऑप्शन इन सेलेक्ट इंडियन इंडस्ट्रीज"।

86. अर्चना यादव, राजस्थान विश्वविद्यालय, जयपुर, राजस्थान, "वूमैन इम्पावरमेंट इन पंचायती राज सिस्टमः अ केस स्टडी ऑफ जयपुर डिस्ट्रिक"।

87. अंशु कुमारी, जेएनयू, दिल्ली, "रशिया–इंडिया ट्रेड एंड इन्वेस्टमेंट स्ट्रेटजसी : हाइड्रोकार्बन्स एंड न्यूक्लियर एनर्जी, 2000–2018"।

88. प्रेक्षा दासानी, आंध्र विश्वविद्यालय, विशाखापत्तनम, आंध्र प्रदेश, "अ स्टडी ऑन बिहैवीरल फाइनेंस ऑन रिटेल इन्वेस्टर्स डिसीजन"।

समाज शास्त्र

89. खुशबू, बीबीएयू, लखनऊ, उप्र, "ग्लोबलाइजेशन एंड न्यू टूरिज्म : अ सोशियोलॉजिकल स्टडी ऑफ वैलनेस टूरिज्म विद स्पेशल फोकस ऑन योग"।

90. सुचिस्मिता मोहंती, रेवेंशॉव यूनिवर्सिटी (आरयू), कटक, ओडिशा, "वूमैन इन पॉलिटिक्सः अ स्टडी ऑफ फीमेल पीएफआई फंक्शनरीज इन द डिस्ट्रिक ऑफ कटक"।

91. आकांक्षा सिंह, एमजीकेवी, वाराणसी, उप्र, "हेल्थ स्टेटस ऑफ वूमेन इन रूरल एरियाजः ए सोशियोलॉजिकल स्टडी विद स्पेशल रेफरेंस टू वाराणसी डिस्ट्रिक"।

92. अमित कुमार तिवारी, सेंट्रल यूनिवर्सिटी ऑफ गुजरात (सीयूजी), गांधीनगर, गुजरात, "गांधी एंड नेशनलिज्मः ए स्टडी ऑफ ब्रिटिश इंडिया"।

93. स्वाति रथ, आरयू, कटक, ओडिशा, "चेंजिंग अप्रोचिज टू रिलीजन एंड द इंपैक्ट ऑफ गॉडमेन : ए स्टडी ऑफ सेलेक्ट कलस्टर्स"।

94. मनबेंद्र सरमा, एनईएचयू, शिलांग, मेघालय, "इंट्रोगेटिंग आइडेंटिटीः ए सोशियोलॉजिकल स्टडी ऑफ बोडो एथनिसिटी"।

95. अन्ना जकारियास, जेएनयू, दिल्ली, "नोस्टालजिया, लॉस एंड बिलॉगिंगः अ स्टडी ऑफ कल्चरल आइडेंडिटी अमंग केरल ज्यूस (Jews)"।

96. पुषम आजाद बाबू, जेएनयू, दिल्ली, "कलेक्टिव वायलेंस एंड द फॉरगिंग ऑफ कम्युनिटी बाउंड्रीजः अ स्टडी ऑफ द रिलेशनशिप बिटवीन पंगलस (Pangals) एंड मैइती ऑफ मणिपुर"।

97. प्रमा, डीयू, दिल्ली, "द फिशरमैन ऑफ द फॉरेस्टः ए सोशियो–एंथ्रोपोलॉजिकल स्टडी ऑफ द लैंडस्केप इन डेल्टाई सुंदरबन इन बंगाल"।

98. नेहा सिंह, एमजीकेवी, वाराणसी, उत्तर प्रदेश, "वाराणसी महानगर में महिला उत्पीड़न : एक समाजशास्त्रीय अध्ययन"।

99. अंकित धस्माना, पंजाब यूनिवर्सिटी, चंडीगढ़, "वर्क कंडीशन्स, प्रॉब्लम्स एंड कोपिंग स्ट्रैटेजीजः ए स्टडी ऑफ डोमेस्टिक वर्कर्स इन चंडीगढ़"।

100. कृष्णा त्रिपाठी, जेएनयू, दिल्ली, "इनोवेटिंग द एनर्जी स्टोरेज सिस्टमस फॉर एडॉप्शन ऑफ ई–मोबिलिटी इन दिल्लीः अ रिस्पांसिबल इनोवेशन पर्सपेक्टिव"।

101. सुजान भक्त, टीआईएसएस, मुंबई, महाराष्ट्र, "एजुकेशन ऑफ ट्राइब्स इन सोशियो–हिस्टोरिकल पर्सपेक्टिवः ए कम्पेरेटिव स्टडी ऑफ ओरांव्स एंड संथाल्स"।

102. आशीष कुमार, सेंट्रल यूनिवर्सिटी ऑफ हरियाणा (सीयूएच), महेंद्रगढ़, हरियाणा, "सोशियो–कल्चरल कंडीशन ऑफ एक्रास–रीजन ब्राइड्सः अ स्टडी ऑफ सेलेक्टिड विलेजेस इन झज्जर डिस्ट्रिक, हरियाणा"।

103. गुर्रम वी. स्निग्धा राज, ओयू, हैदराबाद, तेलंगाना, "वड्डेरसः जेनेसिस, सोशल हिस्ट्री एंड प्रेजेंट क्राइसिस"।

104. दसारी मंजुला, ओयू, हैदराबाद, तेलंगाना, "कास्ट डॉयनामिक्स इन हायर एजूकेशनः एजूकेशनल एस्पीरेशंस एंड एजूकेशनल अचीवमेंट"।

105. श्रेया उर्वशी, टीआईएसएस, मुंबई, महाराष्ट्र, "यूनिवर्सिटी इन अ डेमोक्रेसीः द डेवलमेंट ऑफ सोशियोलॉजी ऑफ इंडिया"।

106. नीतू झालोडिया, देवी अहिल्या विश्वविद्यालय, इंदौर, मध्य प्रदेश, "ग्रामीण क्षेत्र की खाती जाति मे लैंगिक भेदभाव का समाजशास्त्रीय अध्ययन : मध्यप्रदेश के सीहोर जिले के विशेष संदर्भ में"।

107. निधि श्रीवास्तव, बीएचयू, वाराणसी, उप्र, "सोशियोलॉजिकल स्टडी ऑन ऑनलाइन शॉपिंगः ट्रेसिंग चेंज इन बाइंग बिहैवियर एंड पैटर्न ऑफ कंजम्पशन इन वाराणसी"।

108. अर्जुन सी एस, जेएनयू, दिल्ली, "कास्ट डायनामिक्स एंड पॉलिटिकल प्रॉसेससः अ स्टडी ऑफ इझवा कम्युनिटी इन कंटेम्पोरेरी केरल"।

109. प्रीतम बिस्वाल, एनआईटी, राउरकेला, ओडिशा, "डेवलपिंग इम्प्लायबिलिटी स्किल्स अमंग द ट्राइब्ल यूथ्स इन माइनिंग–अफैक्टिड डिस्ट्रिक्टस ऑफ ओडिशा : अ फ्रेमवर्क ऑन कैपेसिटी बिल्डिंग सस्टेनेबल लाइवलीहुड"।

110. नक्का पद्मा, ओयू, हैदराबाद, तेलंगाना, "सोशल बिलीफ, हर्बलिज्म एंड ट्रेडिशनल हेल्थकेयर प्रैक्टिसेसः अ सोशियोलॉजिकल स्टडी ऑफ यादाद्री–भोंगरी डिस्ट्रिक इन तेलंगाना स्टेट"।

111. गुरहंस सिंह, जीएनडीयू, अमृतसर, पंजाब, "इमर्जिंग ट्रेंड्स इन इनोवेटिव एंटरप्रेन्योरशिप इन एग्रीकल्चरः ए सोशियोलॉजिकल स्टडी ऑफ पंजाब"।

112. मुदासिर कादिर, बीबीएयू, लखनऊ, उ.प्र., "मैन, मस्कुलिनिटी एंड वायलेंस अगेंस्ट वूमैनः अ सोशियोलॉजिकल स्टडी ऑफ सेलेक्टिड डिस्ट्रिकस ऑफ जम्मू एंड कश्मीर"।

113. प्रीति मिश्रा, बीएचयू, वाराणसी, उप्र, "इन्फ्लूऐंस एंड इफैक्ट ऑफ इलेक्ट्रॉनिक मीडिया ऑन एडलोसेंट विद पेरेंटिंग स्टाइल"।

114. संदीप कौर, पंजाब विश्वविद्यालय, चंडीगढ़, "इम्प्लायमेंट ऑफ पर्सनंस विद डिस्एबिलिटी इन पंजाब : अ सोशियो–लीगल स्टडी ऑफ बैरियर्स एंड अपार्चुनिटीज़"।

115. चांदनी, एमजीकेवी, वाराणसी, उत्तर प्रदेश, "मुसहर जाति में सामाजिक रूपान्तरण : एक समाजशास्त्रीय अध्ययन : बिहार राज्य के विशेष सन्दर्भ में"।

116. हिना कौसर, जामिया, दिल्ली, "आर्म्ड कॉनफ्लिक्ट एंड चिल्ड्रनः अ सोशियोलॉजीकल स्टडी ऑफ आरफनेज इन कश्मीर"।

117. रश्मि रैना, हेमवंतीनंदन बहुगुणा यूनिवर्सिआई (एचएनबीजीयू), श्रीनगर, उत्तराखंड, "सोशल नेटवर्किंग साइट्स एंड इट्स इम्पैक्ट ऑन मैरिटल रिलेशनस विद स्पेशल रेफरेंस टू जम्मू सिटी"।

118. दामिनी बलोरिया, लवली प्रोफेशनल यूनिवर्सिटी, फगवाड़ा, पंजाब, "अंडरस्टैंडिंग होमोसेक्सुअलिटी आफ्टर डिक्रिमिनलाइज्ड एक्टः ए सोशियोलॉजिकल प्रैग्नोसिस"।

119. लिपिका सरमा, विज्ञान और प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, बरिदुआ, मेघालय, "अ स्टडी ऑन वूमेन रिप्रोडक्टिव

राइट्स इन छार एरियाज ऑफ मोरीगांव डिस्ट्रिक, असम"।

सामाजिक मानवशास्त्र

120. मैत्रयी मित्रा, वीबीयूएस, शांतिनिकेतन, डब्ल्यूबी, "नॉलेज, एटीट्यूड एंड प्रैक्टिस टुवर्ड्स द मदर एंड चाइल्ड हेल्थ केयर डयूरिंग प्रेग्नेंसी अमंग द प्रेग्नेंट मदर्स ऑफ कोलकाता, पश्चिम बंगाल, इंडिया"।
121. पायल कालरा, पंजाब यूनिवर्सिटी, चंडीगढ़, "सआदत हसन मंटोः अनपैकिंग रिप्रेजेंटेशन एंड इकोज़ इन द कंटेम्परेरी कॉन्टेक्स्ट"।

सामाजिक कार्य

122. साकेत वत्स, सेंट्रल यूनिवर्सिटी ऑफ तमिलनाडु (सीयूटीएन), कोयम्बटूर, तमिलनाडु, "सब्सटेंस (ड्रग) एब्यूज इन बीपीओ इन इंडिया"।
123. अखिला के पी, सेंट्रल यूनिवर्सिटी ऑफ केरल, कासरगोड, केरल, "इफीकेसी ऑफ साइकोलॉजिकल इंटरवेंशन फॉर गर्ल सरवाइवर्स ऑफ सेक्सुअल एब्यूज"।
124. थदुरु सुरेंद्र, ओयू, हैदराबाद, तेलंगाना, "इंपैक्ट ऑफ इनोवेटिव टेक्नोलॉजीस इन एग्रीकल्चर एंड रुरल ट्रांसफार्मेशनः अ क्रिटिकल स्टडी"।
125. डिस्टॉन कुंजाचन, महात्मा गांधी विश्वविद्यालय, कोट्टायम, केरल, "द कंटेंट एंड कान्टैक्सट ऑफ फैमिली लाइफ एजुकेशन इन वाइकोम"।
126. नीति कुशवाहा, लखनऊ विश्वविद्यालय, लखनऊ, उप्र, "गुड टच एंड बैड टचः एन इंटरवेंशनल कम्परेटिव स्टडी टू असेस द लेवल ऑफ नॉलेज एंड अवेयरनेसः अमंग प्राइमरी स्कूल स्टूडेंटस ऑफ लखनऊ डिस्ट्रिक"।
127. राजकोमुरैय्या जी., ओयू, हैदराबाद, तेलंगाना, "द रोल ऑफ एनजीओज़ इन इम्पावरमेंट ऑफ वूमैनः अ स्टडी इन जयशंकर भूपालपल्ली डिस्ट्रिक, तेलंगाना"।
128. नरबत नारायण तात्याबा, टीआईएसएस, मुंबई, महाराष्ट्र, "अंडरस्टैंडिंग द रिलेशन बिच रिलेशन ऑफ ड्राई एंड लाइवलीहुड ऑफ पास्टोरल नोमेडिक ट्राइब्स : स्टडी ऑफ धांगर कम्युनिटी ऑफ मान ब्लॉक ऑफ सतारा डिस्ट्रिक्ट, महाराष्ट्र"।
129. गीता राजशेखर पत्तर, कन्नड़ विश्वविद्यालय, हम्पी, कर्नाटक, "एजूकेशनल प्राब्लम्स ऑफ मडिगा कम्युनिटी वूमैन इन रुरल एरिया विद रेफरेंस टू यादगिरी डिस्ट्रिक"।
130. कृष्णाखी चौधरी, मिजोरम यूनिवर्सिटी (एमयू), आइजोल, मिजोरम, "एग्रीकल्चरल इंटरप्रेन्योरशिप एंड रुरल डेवलपमेंट इन लोवर ब्रह्मपुत्र वैली, असम"।
131. दुंडप्पा वाई. बदलाक्कनवर, कर्नाटक विश्वविद्यालय, धारवाड़, कर्नाटक, "नॉलेज एंड एटीट्यूड अमंग सेकेंडरी स्कूल चिल्ड्रेन अबाउट वाटर एंड सेनीटेशनः अ स्टडी इन धारवाड़ डिस्ट्रिक"।
132. गरिमा सिंह, चंद्रशेखर आजाद कृषि और प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, कानपुर, उप्र, "बेनेफिट्स एंड कंस्ट्रेंटस फेस्ड वाय वूमैन इन प्रधानमंत्री मुद्रा योजना स्कीमः एन एम्पीरिकल स्टडी इन लखनऊ सिटी"।
133. अभिषेक कुमार राय, एमजीएएचवी , वर्धा, महाराष्ट्र, "स्वयंसेवी क्षेत्र के उभरते हस्तक्षेपिय मॉडल एवं उसकी संभावनाएं : विदर्भ के कृषि क्षेत्र का एक अध्ययन"।
134. जॉबी एम. अब्राहम, बीयू, कोयंबटूर, टीएन, "अ स्टडी ऑन द सोशल एक्सक्लूजन एक्सपीरियंसड बाय माइग्रेंट वर्कर्स इन केरल"।

सांस्कृतिक अध्ययन

135. माही एस. थावरथु, जेएनयू, दिल्ली, "द एफ्रो–एशियन रिप्रेजेंटेशन इन कंटेम्परारी आयरिश लिटरेचरः ए कम्पेरेटिव स्टडी ऑफ सेलेक्ट आयरिश एंड एफ्रो–एशियन राइटिंग्स ऑफ 21स्ट सेंचुरी आयरिश फिक्शन एंड नॉन–फिक्शन इन इंग्लिश"।
136. नेहा जैन, जेएनयू, दिल्ली, "टुवार्ड्स ए पोएटिक्स ऑफ प्रीकेरिटीः एनरासीनरेंस इन सेलेक्ट ट्रांसकल्चरल राइटिंग्स ऑफ फ्रांस एंड क्यूबेक (1992–2017)"।
137. देबाशीष डे, वीबीयूएस, शांतिनिकेतन, पं. बंगाल, "बोट बिल्डिंग ट्रेडिशन ऑफ माजुली आइलैंड, असमः हिस्टोरिकल एंड एंथ्रोआर्कियोलॉजिकल स्टडी"।
138. निमरा रिज़वी, जेएनयू, दिल्ली, "आट्रिकुलेटिंग पावर एंड कल्चर थ्रू ऑब्जेक्टस ऑफ वेल्यूः अवध एंड द वर्ल्ड सी. 1740–1857"।
139. सुधीश ए., जेएनयू, दिल्ली, "कॉन्फ़िगरिंग द वर्नाक्युलर आट्रवर्ल्ड : पैराडाईम्स, पॉलिटिक्स एंड इंस्टीटयूशनल नेटवर्क ऑफ केरल"।
140. सूर्या पी., केरल विश्वविद्यालय, तिरुवनंतपुरम, केरल, "एन आर्कियोलॉजीकल इनवेस्टीगेशन ऑफ मेगालिथिक कल्चर ऑफ मलप्पुरम डिस्ट्रिक, केरल"।

141. कैसर मोहम्मद, कश्मीर विश्वविद्यालय, श्रीनगर, कश्मीर, "सूफी तफासिर इन क्लासिकल टाइम्सः अ स्टडी ऑफ सहल तुतारी एंड इमाम कुशैरी"।

142. पारुल सिंह, जेएनयू, दिल्ली, "इकोलॉजी एट बेः एस्थेटिक इमेजिनिंग ऑफ कंटेम्पोरेरी दिल्ली"।

143. कृष्ण मोहन, एमजीएएचवी, वर्धा, महाराष्ट्र, "एनालिटिकल स्टडी ऑफ द टेक्स्ट एंड द परफार्मेंसेस ऑफ 'अभिज्ञान–शकुंतलम' एंड 'रोमियो और जूलियट' "।

144. संतोष कुमार मंडल, सीयूएचपी, कांगड़ा, हिमाचल प्रदेश, "भारतीय भाषाओं के उपन्यासों में भारत विभाजन की त्रासदी"।

145. नेहा सोमन, भारतीयार यूनिवर्सिटी (बीयू), कोयंबटूर, टीएन, "सर्ववाइवल, को–एक्जिसटेंस एंड ह्यूमैनीटेरियनिज्म : रिप्रेजेंटशन ऑफ रेस (Race) एंड इट्स इंप्लीकेशंस ऑन कल्चरल इवोल्यूशन इन द सेलेक्ट इज़राइली नेरेटिव"।

146. कन्नन एम, एमकेयू, मदुरै, टीएन, "ट्रेडिशनल एंड माडर्न वाटर मैनेजमेंट प्रैक्टिसेस इन फोक लाइफ"।

147. शेख जैस्मीन मोहम्मदसलीम, सेंट्रल यूनिवर्सिटी ऑफ गुजरात (सीयूजी), गांधीनगर, गुजरात, "पॉपुलर फिक्शन एंड इन्वेस्टिगेटिव स्पेसेसः सेलेक्टेड वर्क्स ऑफ आर्थर कॉनन डॉयल, अगाथा क्रिस्टी, इयान फ्लेमिंग और रॉबर्ट लुडलम"।

148. अंकिता दत्ता, सीयूजी, गांधीनगर, गुजरात, "ट्रांस–कल्चरलिटी एंड ट्रांस–मेडियलिटी ऑफ द एसियन नामा ट्रेडिशन विद स्पेशल रेफरेंस टू मेडिवल इंडिया"।

149. दीपना, जेएनयू, दिल्ली, "एनीमल सिंबोलिज्म एंड रेप्रेजेंटेशन इन अर्ली तमिलकम, तीसरी शताब्दी ईसा पूर्व – 9वीं शताब्दी सीई"।

150. सम्बनगौड्डा नरेगाल, कन्नड़ विश्वविद्यालय, हम्पी, कर्नाटक, "द कल्चरल स्टडी ऑफ द पूर्वांथिके आर्ट विद रेफरेंस टू हावरेई डिस्ट्रिक"।

151. डॉली पुरोहित, जेएनयू, दिल्ली, "मराठा एंड नेवल सुप्रीमेसी ऑन द वेस्टर्न कोस्टः ओशन, पॉवर एंड सोवरेनिटी इन द 17–18 सेंचुरी"।

सामाजिक–संस्कृत अध्ययन

152. अनसूया मोहराना, पांडिचेरी विश्वविद्यालय, पुडुचेरी, "अ क्रिटिकल एडीशन ऑफ तिलकटिका ऑफ जयराम ऑन काव्यप्रकाश"।

153. हिमानी, जेएनयू, दिल्ली, "ए डायलेक्टिकल स्टडी ऑन द वैष्णवाइट कमेंट्री ऑन ब्रह्मसूत्र विद स्पेशल रेफरेंस टू द सेकेंड पैरा ऑफ द सेकेंड अध्ययन"।

154. ज्योति प्रसाद गैरोला, श्री लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रीय संस्कृत विद्यापीठ, दिल्ली, "पूरनेषवगातदेव देविविग्रहणंवास्तुशास्त्रदृष्टया परिशीलनाम"।

155. अबिरलाल गंगोपाध्याय, हैदराबाद यूनिवर्सिटी (यूओएच), हैदराबाद, तेलंगाना, "थरप्यूटिक इफैक्ट ऑफ इंडियन क्लासिकल म्यूजिकः अ स्वर बेस्ड एप्रोच टू मेंटल हेल्थ"।

156. श्वेता सिंह, संपूर्णानंद संस्कृत विश्वविद्यालय, वाराणसी, उत्तर प्रदेश "पांडुकशाहस्त्रम स्यालङ्कार शाश्त्र दिशा समकिशातमक मध्यानम"।

157. विवेक ममगैन, एचएनबीजीयू, श्रीनगर, उत्तराखंड, "आधुनिक महाकाव्य श्री ग्वालदेव चरितम् महाकाव्य का शास्त्रीय पर्यालोचन"।

सामाजिक–दार्शनिक अध्ययन

158. शिबिन जोसेफ, जेएनयू, दिल्ली, "कॉन्टेक्स्ट–डिपेंडेंस ऑफ मेटाफोर क्रिएशन एंड इंटरप्रिटेशन इन जॉन सियरल एंड डोनाल्ड डेविडसन"।

सामाजिक भाषा विज्ञान (Social Linguistics)

159. सूर्यभान राय, जेएनयू, दिल्ली, "बीसवीं सदी के उत्तरार्द्ध का हिन्दी उपन्यास और पूर्वांचल का ग्रामीण जीवन : चुनिन्दा उपन्यासों के सन्दर्भ में"।

160. रमनदीप कौर, पीयू, पटियाला, पंजाब, "श्री गुरु ग्रन्थ साहिब में अनुस्यूत आचार – संहिता का विश्लेषण"।

161. शाहनवाज भट, कश्मीर विश्वविद्यालय, श्रीनगर, कश्मीर, "कश्मीरी थियेटर एंड लिंग्विस्टिक्स"।

162. धर्मेंद्र पटेल, एमजीएएचवी, वर्धा, महाराष्ट्र, "बुंदेली और हिंदी क्रिया पदबंधों का व्यतिरेकी अध्ययन"।

163. महादेव बालीराम करदे, बीएएमयू, औरंगाबाद, महाराष्ट्र, "हिंदी और मराठी कहानियों में स्त्री विमर्श : तुलनात्मक अध्ययन (2001 से 2010 तक की कहानियों कें विशेष संदर्भ में)"।

164. पठान असद खान, बीएएमयू, औरंगाबाद, महाराष्ट्र, "असगर वजाहत का नाट्य साहित्य : संवेदना और रंगशिल्प"।

165. प्रमीला पीके, सेंट्रल यूनिवर्सिटी ऑफ केरला (सी.यू.के.), कासरगोड, केरल, "अ कम्परेटिव स्टडी ऑफ द लेक्सिकोग्राफिक स्ट्रक्चर ऑफ द गुंडर्ट्स डिक्शनरी, सबदाथरावली और मलयालम लेक्सिकन"।

166. रूपाली, जेएनयू, दिल्ली, "द सेल्फ थ्रू ए ग्राफिक लेंसः द पर्सनल एंड द पॉलिटिकल इन कंटेम्परेरी ग्राफिक मेमोयर्स बाय वीमेन"।

167. युधिष्ठिर कुमार, सीसीएसयू, मेरठ, उत्तर प्रदेश, "कौरवी लोकगीतों में लोक जीवन"।

लैंगिक अध्ययन (Gender Studies)

168. पौशाली बसाक, टीआईएसएस, मुंबई, महाराष्ट्र, "इमेजिनिंग द डिफरेंट वे ऑफ लाइफः एक्सप्लोरिंग ऑटोनॉमी, फ्रेंडशिप, डिफरेंसेस, इफेक्ट इन फेमिनिस्ट कलेक्टिव एंड मूवमेंट्स इन इंडिया सिंस 1980"।

169. सोनम सिंह, जेएनयू, दिल्ली, "अर्ली वीर रासो पोएट्री एंड लाइफ ऑफ वीमेन इन स्पेशल कॉन्टेक्स्ट ऑफ खुम्मन रासो एंड पृथ्वीराज रासो"।

170. श्वेता शांडिल्य, जेएनयू, दिल्ली, "प्रॉस्टिटयूट्'स लाइफ इन हिंदी नॉवेल्स (2000–2015)"।

171. मोहम्मद इमरान, यूटीकेयू, भुवनेश्वर, ओडिशा, "डिटरमिनेंटस ऑफ ड्रॉप आउट अमंग मुस्लिम गर्ल्स इन सेकेंडरी एजूकेशनः अ स्टडी इन रुरल ओडिशा"।

172. मेनका राय, जेएनयू, दिल्ली, "रेप्रेजेंटेशन ऑफ वूमैन इन द महापुराण थ्रू द लेंस ऑफ फैमिली, कास्ट एंड क्लास, तीसरी से आठवीं शताब्दी सीई"।

173. कल्पना आर., अविनाशीलिंगम इंस्टीट्यूट फॉर होम साइंस एंड हायर एजुकेशन फॉर वूमेन, कोयम्बटूर, टीएन, "डोमस्टिक वायलेंस एंड वूमैन एम्पावरमेंट अमंग लो इंकम कम्युनिटीज इन कोयंबटूर सिटी"।

स्वास्थ्य अध्ययन (Health Studies)

174. स्नेहा स्मिता बोरा, जेएनयू, दिल्ली, "ट्रेडिशनल हीलिंग प्रैक्टिसेस एंड यूटीलाइजेशन ऑफ हेल्थ केयर सर्विसेजः अ स्टडी अमंग द मिशिंग्स ऑफ माजुली आइलैंड"।

175. नवीन कुमार, दिल्ली यूनिवर्सिटी (डीयू), दिल्ली, "आर्गन ट्रांसप्लाटेंशनः एन एनथ्रोपॉलीजिकल पर्सपेक्टिव"।

176. हसरत धंजाल, पंजाब विश्वविद्यालय, चंडीगढ़, "साइकोलॉजीकल कोरिलेट्स ऑफ हेल्थ रिलेटिड क्वालिटी ऑफ लाइफ अमंग एडलोसेंट विद बीटा थैलेसीमिया मेजर"।

177. अनुराग चौरसिया, डीएचएसजीयू, सागर, मप्र, "इंपैक्ट ऑफ नेचुरल डिजास्टर (फ्लड़) ऑन फेटल प्रोग्रामिंग एंड चाइल्ड ग्रोथ अमंग हिमालयन पापुलेशन ऑफ उत्तराखंड"।

178. सारा हक, लखनऊ विश्वविद्यालय, लखनऊ, उप्र, "द एंथ्रोपो थेरेपी एंड ट्रेडिशनल मेडिसिनः एन एंथ्रोपोलॉजिकल स्टडी अमंग द थारूस ऑफ उत्तर प्रदेश"।

179. निबेदिता रॉय, जेएनयू, दिल्ली, "लाइवड (Lived) एक्सपीरियंस ऑफ फीमेल सेक्स वर्कर्स इन सोनागाछी, कोलकाता : अ स्टडी ऑफ देयर वैल बीइंग"।

180. जी. सुभा श्री, सीयूके, कासरगोड, केरल, "सेल्फ एफिशिएंसी एंड इट्स रिलेशन विद कोपिंग स्टाइलः रोल ऑफ स्ट्रेस माइंडसेट"।

181. सभ्य जुनेजा, डीयू, दिल्ली, "मोबाइल बेस्ड आईसीटी एंड प्राइमरी हेल्थ सिस्टम ऑफ इंडियाः अ केस ऑफ रिमांड प्रोजेक्ट उत्तर प्रदेश"।

182. रश्मि सिंह, बीएचयू, वाराणसी, उप्र, "इफैक्टिव कम्युनीकेशन स्ट्रेटजीसः अ की टू फैसिलिटेट रिप्रोडक्टिव चाइल्ड हेल्थ केयर प्रोग्राम"।

राजनीति विज्ञान

183. सुजीत कुमार शर्मा, जेएनयू, दिल्ली, "कजाखस्तानस फॉरेन पॉलिसी एंड इट्स ऑन रिलेशंस विद इंडिया, 2002–2018"।

184. लजिथा टी. थम्पी, सीयूके, कासरगोड, केरल, "ट्रेडीशन एंड माडर्ननिटी इन केरलः द इंपैक्ट ऑफ सोशल रिफार्म मूवमेंट्स"।

185. श्रद्धा मिश्रा, लखनऊ विश्वविद्यालय, लखनऊ, उत्तर प्रदेश, "बहुसंस्कृतिवादः प्रोफेसर भीखू पारेख के राजनीतिक चिंतन के विशेष संदर्भ में"।

186. ताहिर राशिद भट, कश्मीर विश्वविद्यालय, श्रीनगर, कश्मीर, "एम्प्लॉयिंग सॉफ्ट–पावर स्ट्रैटेजीः ए स्टडी ऑफ पोस्ट–9/11 इंडियन पॉलिसी एंगेजमेंट इन अफगानिस्तान"।

187. नवीन सिंह, एएलयू, प्रयागराज, उत्तर प्रदेश, "हिंद महासागर में भारत अमेरिका संबंधः चीन के बढ़ते प्रभाव के विशेष संदर्भ में"।

188. कामिनी शर्मा, जेएनयू, दिल्ली, "कम्युनिटी, अर्बन पॉलिटिक्स एंड एक्सक्लूजनः ए स्टडी आफ त्रिलोकपुरी दिल्ली"।

189. आशीष कुमार शुक्ला, डीयू, दिल्ली, "पॉलिटिकल मोबिलाइज़ेशन बाय कल्चरल ऑर्गेनाइज़ेशनः ए स्टडी ऑफ़ चेंजिंग नेचर ऑफ़ इलेक्टोरल पॉलिटिक्स इन पोस्ट–इंडिपेंडेंस इंडिया"।

190. एलंगबम अशकिरन चानू, जेएनयू, दिल्ली, "ग्रुप अकमडेशन एंड फेडरलिज्मः अ केस स्टडी ऑफ ऑटोनॉमस डिस्ट्रिक काउंसिल्स इन मणिपुर ट्राइब्ल एरियाज (उखरूल एंड चुराचमदपुर डिस्ट्रिक)"।

191. अमन अग्रवाल, लखनऊ विश्वविद्यालय, लखनऊ, उत्तर प्रदेश, "हिन्दू राष्ट्रवादी विचारधारा एवं वी डी सावरकर का योगदान"।

192. गौरव कुमार मिश्रा, बीएचयू, वाराणसी, उप्र, "इंडिया'ज़ फॉरेन पॉलिसी टुवर्डस नेपाल अंडर एनडीए रिजीम"।

193. श्वेता श्रीवास्तव, जीबीपीएसएसआई, झूसी, उप्र, "कास्ट, रिलीजन एंड कंटेशियस मैरिजेसः अ स्टडी ऑफ इंटरकास्ट एंड इंटर रिलीजन मैरिजेस इन प्रयागराज डिस्ट्रिक"।

194. तरुशी पांडे, एएलयू, प्रयागराज, उत्तर प्रदेश, "रोल ऑफ इंडियन ज्यूडीशियरी इन प्रमोशन एंड प्रोटेक्शन ऑफ ह्यूमन राइटस इन द 21वीं सेंचुरी"।

195. कुंवर प्रांजल सिंह, डीयू, दिल्ली, "राजनीतिक इतिहासबोध तथा स्मृति : आज़मगढ़ तथा बलिया के विशेष सन्दर्भ में भारत छोड़ो आंदोलन का एक अध्ययन"।

196. वसीम अहमद, जामिया, दिल्ली, "इंडियाज सॉफ्ट–पावर डिप्लोमेसी विद स्पेशल रेफरेंस टू द जीसीसी कंट्रीज"।

197. प्रियंका नियोग, जेएनयू, दिल्ली, "चाइल्ड राइट्स प्रोटेक्शन इन इंडियाः अ स्टडी ऑफ टी प्लांटेशन इन असम, 1990–2020"।

198. राजेश कुमार रमन, एएलयू, प्रयागराज, उप्र, "21 वी सदी में पंचायती राज का विकास और प्रभाव : बिहार राज्य के विशेष शब्द सन्दर्भ में"।

199. सादिया हुसैन, जामिया, दिल्ली, "द इंपैक्ट ऑफ वूमैन रिप्रेजेंटेटिव ऑन पब्लिक पॉलिसीः अ स्टडी ऑफ इंडियन पार्लियामेंट (2009–2019)"।

200. सुनील कुमार वर्मा, एचएनबीजीयू, श्रीनगर, उत्तराखंड, "पब्लिक डिस्ट्रीब्यूशन सिस्टम एंड फूड सिक्योरिटी इन इंडियाः अ स्टडी विद स्पेशल रेफरेंस टू बहराइच डिस्ट्रिक ऑफ उत्तर प्रदेश"।

201. दृष्टि मुखर्जी, बीएचयू, वाराणसी, उप्र, "इंपैक्ट ऑफ माइग्रेशन ऑन एजूकेशन एंड वैल–वीइंग ऑफ चिल्ड्रेन ऑफ माइग्रेंट वर्कर्सः अ केस स्टडी ऑफ वाराणसी"।

202. बरनाली कलिता, कृष्णा कांता हांडीक राज्य मुक्त विश्वविद्यालय, गुवाहाटी, असम, "इम्पलीमेंटेशन ऑफ नेशनल रुरल लाइवलीहुड मिशन इन एलिवेटिंग पावर्टी इन असम : अ स्टडी"।

203. पूर्णामी, जेएनयू, दिल्ली, "पॉलिसी शिफ्ट इन स्कूल एजूकेशन सेक्टर इन केरलः अ स्टडी ऑफ अनइकोनॉमिक स्कूल्स सिंस 2000।

204. सुभद्रा महाराणा, आई.जी.एन.टी.यू., अमरकंटक, मप्र, "निओ– लिबरल इंडिया एंड जेंडर इक्वालिटीः अ स्टडी ऑफ मेट्रोपोलिटन एरियाज इन सेंट्रल इंडिया"।

लोक प्रशासन

205. प्रयाग, केरल विश्वविद्यालय, तिरुवनंतपुरम, केरल, "रोल ऑफ पुलिस इन डिजास्टर मैनेजमेंटः अ स्टडी ऑफ केरल"।

206. आफरीन गनी फरीदी, जेएनयू, दिल्ली, "कांस्टीट्यूटिंग इनफार्मलिटी ऑफ वर्क : अ कम्परेटिव स्टडी ऑफ सेलेक्ट हिमालयन ट्राइब्स"।

207. राजेंद्र कुमार, एचपीयू, शिमला, कांगड़ा, हिमाचल प्रदेश, "बिल्डिंग डिजास्टर रिजिलियंस इन ट्राइब्ल एरियाज इन हिमाचल प्रदेश"।

208. एम. श्रीशैलम, काकतीय विश्वविद्यालय, वारंगल, आंध्र प्रदेश, "इंपैक्ट ऑफ ट्रेनिंग एंड डेवलपमेंट प्रोग्राम्स ऑन इंडियन रेलवे : अ केस स्टडी"।

209. श्रुति विजयकृष्णन, सी.के.के., कासरगोड, केरल, "वूमेन पार्टीसिपेशन इन आईटी (IT) सेक्टरः अ स्टडी ऑफ केरल"।

210. ओरगंती येलैय्या, काकतीय विश्वविद्यालय, वारंगल, आंध्र प्रदेश, "सॉलिड वेस्ट मैनेजमेंट इन तेलंगाना स्टेटः अ स्टडी ऑन सेनेटरी वर्कर्स इन करीमनगर म्युनिसिपल कॉरपोरेशन"।

211. प्रसाद थोटापल्ली, ओयू, हैदराबाद, तेलंगाना, "डेपरिवेशन ऑफ राइट टू एजूकेशनः अ स्टडी ऑन गर्ल्स एजूकेशन इन तेलंगाना स्टेट विद स्पेशल रेफरेंस टू नालगोंडा डिस्ट्रिक"।

212. खुल्लकफम रुकैया, जेएनयू, दिल्ली, "डेमोक्रेटिक गवर्नेंस एंड डेवलपमेंट : अ स्टडी ऑफ पंचायती राज इंस्टीटयूशंस एंड ऑटोनॉमस डिस्ट्रिक काउंसिल इन मणिपुर"।

अन्तर्राष्ट्रीय अध्ययन

213. अभिशांक मिश्रा, जेएनयू, दिल्ली, "इंडिया एंड द एशिया पैसेफिकः अ थियेरेटिकल रिप्रेजेल ऑफ द स्ट्रेजिक एंड इकोनॉमिक आर्डर"।

214. ऋषि गुप्ता, जेएनयू, दिल्ली, "इवोल्यूशन ऑफ नेपालस सिक्योरिटी पॉलिसीः फैक्टर्स एंड चैलेंजेस, 1990–2016"।

215. त्रिबेदी चुटिया, जेएनयू, दिल्ली, "स्टेट डिस्कोर्स ऑन टेररिज्म इन रशिया एंड इंडियाः अ कम्परेटिव स्टडी, 2001–2018"।

216. पीयूष रंजन झा, जेएनयू, दिल्ली, "ट्रेड यूनियन्स एंड इट्स रोल इन पॉलिटिक्स एंड लेबर वेलफेयर इन मॉरीशस, 1968–2017"।

217. सोमनाथ साहू, जेएनयू, दिल्ली, "चाइनाज–तिब्बत पॉलिसी एंड इट्स इंपैक्ट ऑन इंडिया, 1979–2018"।

218. रोहित कुमार शर्मा, जेएनयू, दिल्ली, "यमन क्राइसिस सिंस 2011 : रोल ऑफ सऊदी अरब"।

219. थबीरा मेहर, जेएनयू, दिल्ली, "वूमैन सिक्योरिटी इन द कांटैक्स्ट ऑफ ग्लोबलाइजेशनः सेंट्रल एशियन एंड इंडियन एक्सपीरियंसेस, 1991–2017"।

220. सैयद कुमैल सज्जाद, एएमयू, अलीगढ़, उप्र, "इकोनॉमिक डाइवर्सिफिकेशन इन वेस्ट एशिया एंड इट्स इंपैक्ट ऑन इंडियाज ट्रेड"।

221. गार्गी साहू, जेएनयू, दिल्ली, "चेंजिग नेचर ऑफ वूमैनस मूवमेंट इन टयूनीशिया, 1987–2011"।

222. यासिर अली मिर्जा, जेएनयू, दिल्ली, "रोल ऑफ ईरान इन पोस्ट सद्दाम इराकः पॉलिटिकल एंड आइडियोलॉजिकल डायमेंशनस"।

223. लोकेश कुमार, डीयू, दिल्ली, "इंडियाज फॉरेन पॉलिसी टुवर्ड्स हॉर्न ऑफ अफ्रीकाः सिंस 1990"।

224. रेणु कुमारी, जेएनयू, दिल्ली, "यूनाईटेड नेशंस पीस ऑपरेशंस एंड प्रोटेक्शन ऑफ सिविलियंस : अ केस स्टडी ऑफ माली"।

225. अमरेश कुमार गौड़ा, जेएनयू, दिल्ली, "सेपरेशन ऑफ पावर्स एंड पॉलिटिकल इंस्टीट्यूशंस इन रशिया, 1993–2017"।

226. गीतांजलि बारिक, जेएनयू, दिल्ली, "इनवायरमेंटल डिग्रेडेशन एंड इट्स इंपैक्ट ऑन सोशियो–कल्चरल डेवलपमेंट इन साउथ कॉकेशस, 2000–2016"।

227. श्रीजीता विश्वास, जेएनयू, दिल्ली, "इवोल्यूशन ऑफ ह्यूमैनीटेरियन इंटरवेंशन इंडियाज पॉलिसीः अ स्टडी ऑफ नार्म लोकलाइजेशन"।

228. आशुतोष मुकुंद पांडे, सीयूजी, गांधीनगर, गुजरात, "इंपैक्ट ऑफ मीडिया ऑन फॉरेन पॉलिसी डिसीजन–मेकिंगः अ स्टडी ऑफ मास मीडिया इन इंडिया"।

229. नवनीत कुमार, जेएनयू, दिल्ली, "साउथ कोरियाज पब्लिक डिप्लोमेसी टुवर्ड्स इंडियाः कोरियन 'कल्चरल वेब' एज ए न्यू वेरिएबल"।

230. क्षिप्रा वासुदेव, जेएनयू, दिल्ली, "इंडिया–चाइना कम्पीटीशन इन द इंडियन ओशीयनः इम्पलीकेशंस फॉर कोस्टल कंट्रीज ऑफ अफ्रीका, 2000–2019"।

231. श्राबाना, जेएनयू, दिल्ली, "इंफ्रास्ट्रक्चर डिप्लोमेसी एज ए टूल फॉर रीजनल इंफलूएंस बाय चाइना एंड इंडिया : ए केस स्टडी ऑफ म्यांमार"।

232. आशा मैरी मैथ्यू, जेएनयू, दिल्ली, "हिस्पैनिक्स एंड एशियन–अमेरिकन्स इन द प्रेसिडेंशियल इलेक्टोरल पॉलिटिक्स ऑफ द सन–बेल्ट रीजन ऑफ द यूएस (2000–2012)"।

प्रवासी अध्ययन (Diaspora Studies)

233. अंशुमान राणा, सीयूजी, गांधीनगर, गुजरात, "कल्चरल कार्टोग्राफी ऑफ 'स्पिरीचुअल लैंडस्केप': अ केस स्टडी ऑफ लाइफ स्टाइल माइग्रेंट्स इन वाराणसी सिटी"।

234. सुमित कुमार, सीयूजी, गांधीनगर, गुजरात, "ब्रिटेन के हिंदी डायस्पोरा लेखन का अनुशीलन : कथा साहित्य के विशेष सन्दर्भ में"।

राष्ट्रीय सुरक्षा और सामरिक अध्ययन

235. विपिन कुमार, सीसीएसयू, मेरठ, उत्तर प्रदेश, " देश की आंतरिक सुरक्षा में सोशल मीडिया की भूमिका : जिला–मुजफ्फरनगर में हुई हिंसा, दंगा एवं आरक्षण आंदोलन का एक विश्लेषणात्मक अध्ययन"।

236. कोमल, सीयूजी, गांधीनगर, गुजरात, "अंडरस्टैंडिंग द डिस्कोर्स ऑन रेडिकलाइजेशनः एन एनालिसिस ऑफ इंडियाज काउंटर–टेररिज्म स्ट्रैटेजी"।

शिक्षा

237. जी. सतीश कुमार, एमकेयू, मदुरै, टीएन, "इफैक्ट ऑफ बैटल रोप ट्रेनिंग एंड रेजिस्टेंस बैंड एक्सरसाइज ऑन सेलेक्टिड फिजिकल फिजियोलॉजिकल एंड स्किल परफार्मेंस वेरिएबल्स अमंग स्कूल लेवल बैडमिंटन प्लेयर्स"।

238. शाइनी वशिष्ठ, जामिया, दिल्ली, "अ स्टडी ऑफ एजूकेशनल स्टेटस, गवर्नमेंट प्रोविजंस एंड एस्पिरेशंस ऑफ डि–नोटीफाइड कम्युनिटीज"।

239. गायत्री बेलराम, मैसूर विश्वविद्यालय, मैसूर, कर्नाटक, "इफैक्ट ऑफ डूडलिंग ऑन रिकॉल एबिलिटी अमंग स्टूडेंट्स"।

240. रोली गुप्ता, सीयूजी, गांधीनगर, गुजरात, "एन एनालिसिस ऑफ नीड्स एंड प्रॉब्लम्स ऑन वेरियस रिहैबिलिटेशन प्रोग्राम ऑफ गर्ल्स विद जुवेनाइल डिलिनक्वेंसी"।

241. पूजा सैनी, सीसीएस विश्वविद्यालय, मेरठ, उत्तर प्रदेश, "स्नातक स्तर पर आवासीय महाविद्यालयों में अध्ययनरत विद्यार्थियों के मानसिक स्वास्थ्य, धारण क्षमता, समायोजन स्तर एवं शैक्षिक उपलब्धि पर योग के प्रभाव का अध्ययन"।

242. ऋचा राणा, जेएनयू, दिल्ली, "कास्ट, क्लास एंड एचीवमेंट मोटिवेशनः अ स्टडी ऑफ चैलेंजस एंड कोपिंग स्ट्रैटजीस अमंग वूमैन रिसर्च स्कालर्स इन टू यूनिवर्सिटीज"।

243. मोहना भैसोरा, जेएनयू, दिल्ली, "रोल ऑफ सोशल आइडेंटिटी इन क्लासरूम इंटरेक्शन एंड स्टूडेंट एंगेजमेंटः ए स्टडी ऑफ मिडिल स्कूल चिल्ड्रेन इन डेल्ही"।

244. सुनील कुमार तोमर, सीसीएसयू, मेरठ, उत्तर प्रदेश, "बीएड की परीक्षा प्रणाली का प्रश्न पत्रों की गुणवत्ता एवं परीक्षक आन्तरिक प्रसरण के अंकन की वस्तुनिष्ठता के परिप्रेक्ष्य में विश्लेषणात्मक अध्ययन"।

245. रंजन कुमार सिंह, सीयूएसबी, गया, बिहार, "डेवलपमेंट ऑफ सेल्फ इंस्ट्रक्शनल मॉडयूल ऑन क्रिएटिव इनवायरमेंट अवेयरनेस फॉर सेकेंडरी स्कूल स्टूडेंट्स"।

246. कौंसर जबीन, एएमयू, अलीगढ़, उप्र, "इंपैक्ट ऑफ फ्रीजिंग, जॉब सेटिसफेक्शन एंड स्पिरिचुअल इंटेलीजेंस ऑन टीचिंग इफैक्टिवनेस ऑफ सेकेंडरी स्कूल टीचर्स"।

247. विपिन तेवतिया, सीसीएसयू, मेरठ, उत्तर प्रदेश, "दूरस्थ एवं परंपरागत शिक्षा संस्थानों में स्नातक स्तर के विद्यार्थियों की अध्ययन – आदतों, जीवन कौशल एवं शैक्षिक अभिवृत्ति का तुलनात्मक अध्ययन"।

248. कैथरीन राय, तेजपुर विश्वविद्यालय, तेजपुर, असम, "ए स्टडी ऑन ब्रेन हेमिस्फेरिक डोमिनेंस, मेटाकॉग्निटिव अवेयरनेस एंड परसेप्चुअल लर्निंग स्टाइल प्रेफरेंसेज ऑफ सीनियर सेकेंडरी स्कूल इन रिलेशन टू देअर एकेडेमिक अचीवमेंट इन बॉयोलॉजी"।

249. सुकन्या मेनन, जेएनयू, दिल्ली, "नेगोशिएशन ऑफ नॉलेज इन अ स्टोरी पेडागॉजीः एन एथ्नोग्राफिक स्टडी ऑफ पेडागोगिक रीकॉन्टेक्स्टुअलाइजेशन इन क्लासरूम"।

250. विमी वी. विजयन, कालीकट विश्वविद्यालय, मलप्पुरम, केरल, "इंटेलेक्चुअल गिफ्टेडनेस : एन एक्सप्लोरेटरी स्टडी ऑन कॉग्नीटिव एंड साइकोसोशल डोमेंस"।

251. एम. रानी किरण प्रिया, तमिलनाडु शिक्षक शिक्षा विश्वविद्यालय, चेन्नई, टीएन, "अ स्टडी ऑन सोशल मीडिया इंडयूस्ड एंग्जाइटी, स्ट्रेस एंड रिलेटिड साइकोलॉजिकल प्रॉब्लम्बस इंफलूऐंसिंग डिसीजन मेकिंग एबिलिटी एंड एकेडेमिक एचीवमेंट इन अंडर–ग्रेजुएट स्टूडेंट्स"।

252. आकृति सिंह, सीयूएचपी, कांगड़ा, हिमाचल प्रदेश, "अवेयरनेस एंड एटीटयूड ऑफ टीचर्स इन हायर एजूकेशन इंस्टीटयूशंस टुवर्ड्स ओपन एजूकेशनल रिर्सोसेज एंड देयर यूटीलाइजेशन इफैक्ट्स ऑन देयर प्रोफेशनल कॉम्पीटेंसी"।

253. ए प्रणवी, श्री पदमवती महिला विश्वविद्यालय, तिरुपति, आंध्र प्रदेश, "इफैक्ट ऑफ क्लोज्ड एंड ओपन कायनेटिक चेन वेट ट्रेनिंग एंड पॉलीमेट्रिक ट्रेनिंग इन कॉम्बीनेशन ऑन एक्सप्लोसिव स्ट्रेंग्थ, स्ट्राइड लेंथ, स्ट्राइड फ्रीक्वेंसी एंड एक्सेलेरेशन एबिलिटी ऑफ स्प्रिंटर्स इन रायलसीमा रीजन"।

254. अमित शंकर, सीयूएसबी, गया, बिहार, "इंपैक्ट ऑफ असिस्टिव टेक्नोलॉजी फॉर इम्पावरमेंट ऑफ पर्सन विद डिसएबिलिटी"।

255. खुर्शीद अहमद भट, सी.यू.के., कश्मीर, "एकेडेमिक एचीवमेंट इन रिलेशन टू एडजस्टमेंट, एकेडेमिक एंग्जाइटी एंड सेल्फ इफीकेसी ऑफ हायर सेकेंडरी स्कूल स्टूडेंट्स"।

256. उर्वशी जगोटा, पंजाब विश्वविद्यालय, चंडीगढ़, "इंक्लूसिव एजूकेशनः इंफ्रास्ट्रक्चर इन स्कूल्स, टीचर्स, प्रिपेयर्डनेस पर्सपेक्टिव एंड पीयर एक्सेप्टेंस"।

257. सुमित चौहान, सीयूएचपी, शिमला, हिमाचल प्रदेश, "इफेक्ट ऑफ स्माट्रफोन यूसेज एंड नोमोफोबिया ऑन मेंटल हेल्थ ऑफ प्रॉस्पेक्टिव टीचर्स"।

258. सूरज पांडे, एमजीएएचवी, वर्धा, महाराष्ट्र, "सामाजिक–सांस्कृतिक परिवर्तन के परिपेक्ष्य में ग्रामीण किशोरों के शैक्षिक–व्यवसायिक आकांक्षाओं एवं संलग्नताएं"।

सामाजिक मनोविज्ञान

259. अनुकंपा शर्मा, गुजरात फॉरेंसिक साइंसेज यूनिवर्सिटी, गांधीनगर, गुजरात, "इफेक्ट ऑफ कन्फैब्यूलेशन, मिसइनफॉर्मेशन एंड इमोशनल रिस्पांस इन मेमोरी कंसोलिडेशन प्रोसेस : ए फॉरेंसिक इलेक्ट्रोफिजियोलॉजिकल इन्वेस्टिगेशन"।

260. अनाविला लोचन, डीयू, दिल्ली, "चिल्ड्रन्स इंटरप्रिटिव रिप्रोडक्शन्स ऑफ़ द एडल्ट वर्ल्डः ए क्रिटिकल पर्सपेक्टिव"।

261. इशिता सिंह, थापर विश्वविद्यालय, पटियाला, पंजाब, "डिटर्मिनेंट्स ऑफ डार्क–ट्रायड एंड इट्स इम्पैक्ट ऑन चिल्ड्रन एकेडमिक एंड बिहेवियरल आउटकम्स"।

262. कावेरी गुप्ता, जामिया, दिल्ली, "एक्सप्लोरिंग द डायनामिक्स ऑफ लीडरशिप"।

263. शिवानी मिश्रा, एएलयू, प्रयागराज, उत्तर प्रदेश, "फैक्टर्स अफेक्टिंग डी–एस्केलेशन ऑफ इंटर–ग्रुप कांफ्लिक्ट"।

264. कुमार उज्ज्वल, डीयू, दिल्ली, "साइको–सोशल इंफ्लूऐंस एंड रेसपांस टू इंटर–ग्रुप बायस"।

265. आयन शर्मा, डीयू, दिल्ली, "साइकोलॉजीकल डिटरमिनेंट्स ऑफ पॉलिटिकल आईडियोलॉजीस"।

266. अखिलेश सिंह, सेंट्रल यूनिवर्सिटी ऑफ कर्नाटक, कलबुर्गी, कर्नाटक, "टेली–प्रेशर एंड ऑर्गनाइजेशनल इफेक्टिविटीः रोल ऑफ कल्चरल एंड सिचुएशनल डिटरमिनेंट्स"।

267. आकांक्षा पांडे, डीडीयूजीयू, गोरखपुर, उत्तर प्रदेश, "रिलेशनशिप ऑफ डिस्ट्रेस, साइकोलॉजिकल इम्युनिटी एंड कोपिंग विद प्रीमेंस्ट्रुअल सिंड्रोम एंड पॉलीसिस्टिक ओवरी सिंड्रोम"।

268. अपूर्व अधिकारी, जेएमआई, दिल्ली, "पोस्ट–ट्रॉमेटिक ग्रोथ अमंग द फीमेल विक्टिमस ऑफ सेक्सुअल वायलेंस"।

269. जायरा सेराज खान, एएमयू, अलीगढ़, उप्र, "ऑटोनोमिक नर्वस सिस्टम एज ए फंक्शन ऑफ इमोशन रेगुलेशन एंड सेल्फ–कॉन्शसनेस अमंग सिंगल वुमन"।

270. गोविंद सिंह, एएलयू, प्रयागराज, उप्र, "टाइम पर्सपेक्टिव एंड वैल–वीइंग ऑफ यूथ"।

271. शिल्पा सिबी, भारतीयार यूनिवर्सिटी (बीयू), कोयंबटूर, टीएन, "अपलिफ्टिंग द सोशल–चैलेंज्ड एडोलसेंट स्टूडेंट्सः इफेकेसी ऑफ मल्टीमॉडल थेरेपी ऑन डेलिनक्वेंसी प्रोननेस, मेटाकॉग्निशन, इमोशनल एंड सोशल कॉम्पिटिशन"।

272. नैला फिरदौस, एएमयू, अलीगढ़, उप्र, "पेरेंटिंग स्टाइल एज़ डिटरमिनेंट ऑफ़ इमोशनल इंटेलिजेंस एंड सेल्फ–एफ़िकेसी ऑफ एडोलसेंट्स"।

273. मिजाज के वी, जेएनयू, दिल्ली, "रिजिलियंस (Resilience) एज ए डेवलपमेंटल प्रोसेस इन द मैट्रीलीनियल कम्युनिटी इन केरल : अ फिनोमेनोलॉजीकल इंक्यावरी अमंगेस्ट मप्पिला वूमैन"।

274. बिजेता मिश्रा, एनआईटी, राउरकेला, ओडिशा, "इफैक्ट्स ऑफ सोशल आइसोलेशन ऑन साइकोलॉजीकल वैल–बीइंग ऑफ द एजेड : एन इंटरवेंशन स्टडी"।

275. एस उमामहेश्वरी, कर्नाटक विश्वविद्यालय, धारवाड़, कर्नाटक, "डायटेरी सेल्फ रेगुलेशन, एक्सरसाइज एडहियरेंस एंड लाइफ स्टाइल ऑफ डायबेटिक एंड नॉन डायबेटिक एडल्टस"।

276. अथुल्या एस. नायर, एमिटी यूनिवर्सिटी, गुड़गांव, हरियाणा, "मेंटल हेल्थ इन एडलोसेंट सर्वाइवर्स ऑफ चाइल्ड सेक्सुअल अब्यूजः एन एक्सपेरिमेंटल रिसर्च विद रेशनल इमोटिव बिहैविरल थेरेपी (आरईबीटी)"।

277. ऋषभ जायसवाल, डीडीयूजीयू, गोरखपुर, उत्तर प्रदेश, "इफेक्ट ऑफ स्टीरियोटाइप थ्रेट एंड सेल्फ एस्टीम ऑन रिट्रीवल फ्रॉम मेमोरी स्टोर्स"।

278. शमा रहमान, एएमयू, अलीगढ़, उत्तर प्रदेश, "इमोशनल मेच्योरिटी, सेल्फ–कॉन्सेप्ट एंड इंफीरियरिटी कॉम्प्लेक्स एज़ प्रेडिक्टर्स ऑफ साइकोलॉजिकल वेलबीइंगः ए स्टडी ऑफ विटिलिगो पेशेंट्स"।

279. स्वेधा शनमथी वी., बीयू, कोयंबटूर, टीएन, "एनहांसिंग प्रो–एनवायरनमेंटल बिहेवियर थ्रू माइंडफुलनेस, डिजिटल स्टोरी टेलिंग एंड प्रो–बिहेवियर मॉडलिंग अमंग एडोलेंसेंस फॉर एनवायर्नमेंटल सस्टेनेबिलिटीः एन एक्सपेरिमेंटल डिजाइन स्टडी"।

280. स्पूर्ति खुल्लर, धारवाड़, कर्नाटक, "इंपैक्ट ऑफ नोइस पॉल्यूशन इन टेक्सटाइल इंडस्ट्रीज एंड मेजर्स टू काम्बेट इट्स इफैक्ट्स ऑन हेल्थ ऑफ द वर्कर्स"।

सामाजिक भूगोल

281. इशिता मन्ना, जेएनयू, दिल्ली, "रिकंस्ट्रक्टिंग ग्लेशियल फेजस एंड पेलेसियो इनवायरनमेंट इन अ पार्ट ऑफ द अपर व्यास बेसिन, हिमाचल प्रदेश"।

282. प्रकाश, भारतीदासन यूनिवर्सिटी, तिरुचिरापल्ली, टीएन, "ए स्टडी ऑन अर्बन डायनेमिक्स ऑफ तिरुचिरापल्ली एंड इट्स सब–टियर टाउन्स एंड द इंप्लीकेशंस फॉर अर्बन प्लानिंग यूजिंग जियोस्पेशियल टेक्नोलॉजी"।

283. मोहम्मद दानिश, एएमयू, अलीगढ़, उप्र, "रोल ऑफ मनरेगा (महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी अधिनियम) इन एलिवेटिंग रुरल पावर्टी इन आजमगढ़ डिस्ट्रिक, उत्तर प्रदेश"।

284. अरबिंद रॉय, रायगंज विश्वविद्यालय, रायगंज, पश्चिम बंगाल, "सोशल वैल बीइंग ऑफ नामसूद्र कम्युनिटी इन दक्षिण दिनाजपुर डिस्ट्रिक, पश्चिम बंगाल : अ स्टडी इन सोशल जियोग्राफी"।

285. कुंदन कुंवर चौहान, एमएसयू, उदयपुर, राजस्थान, "सॉलिड वेस्ट मैनेजमेंट ऑफ उदयपुर सिटी"।

286. मोहिनी जादोन, देवी अहिल्या विश्वविद्यालय, इंदौर, मप्र, "अ स्टडी ऑफ सॉलिड वेस्ट मेंनेजमेंट ऑफ इंदौर सिटीः प्रेजेंट प्रैक्टिस एंड फ्यूचर चैलेंजिस विद स्पेशल रेफरेंस टू बॉयो–मेडीकल वेस्टं"।

287. राजीव कुमार, जेएनयू, दिल्ली, "इमिग्रेशन पॉलिसी एंड एम्प्लॉयमेंट कंडीशन इन यूनाइटेड अरब एमिरेट्सः ए केस स्टडी ऑफ इंडियन लेबर"।

288. राजी आर., एमकेयू, मदुरै, टीएन, "इंफ्लूएंस ऑफ ग्लोबल ड्राइवर्स ऑन रीजनल क्लाइमेटिक वेरियाबिलिटी विद इंफैसिस ऑन ड्रॉट कवर ओवर सदर्न एग्रो–क्लाइमेटिक जोन ऑफ तमिलनाडु : ए जीआईएस एप्रोच"।

289. मिर्जा रज़ी इमाम बेग, जेएमआई, दिल्ली, "क्लाइमेट चेंज एंड कोस्टल वैरियबिलिटी एसेसमेंट इन द कोस्टल आंध्रप्रदेश"।

290. अंकिता श्रीवास्तव, जेएनयू, दिल्ली, "नेशनल एंड सब नेशनल प्रोजेक्शंस ऑफ ऐजिंग इन इंडियाः ए प्राब्लमेटिक एप्रोच"।

291. कुंदन किशोर, बीएचयू, वाराणसी, उप्र, "अ स्टडी ऑफ साइलेंट डेमोग्राफिक कैरेक्टरस्टिक्स ऑन नालंदा डिस्ट्रिक, बिहार"।

292. सुरुचि कुमारी, जेएनयू, दिल्ली, "सोशियो–स्पाटियल डाइमेंशन ऑफ इंडस्ट्रियल टाउनशिप इन इंडियाः स्टडी ऑफ मानेसर एंड ग्रेटर नोएडा, 1990–2018"।

293. अपेक्षा अग्रवाल, एचएनबीजीयू, श्रीनगर, उत्तराखंड, "वल्नेरेबिलिटी एसेसमेंट ऑफ स्लम्स : अ स्टडी इन देहरादून सिटी ऑफ गढ़वाल रीजन"।

पर्यावरण अध्ययन

294. अनीसा रहमान, मद्रास विश्वविद्यालय, चेन्नई, टीएन, "अ स्टडी ऑन द इवोल्यूशन ऑफ लैंडस्लाइड सस्पेक्टीबिलिटी जोनेशन मैपिंग ऑफ गंगटोक ब्लॉक, पूर्वी सिक्किम, सिक्किम"।

295. अन्वेशा मोहंती, बिट्स (BITS), पिलानी, राजस्थान, "इंटीग्रेटिंग वूमैन नॉलेज इनटू इन्वायरमेंट गवर्नेंस"।

296. शरणा चट्टोपाध्याय, टीआईआईएसै (TISS), मुंबई, महाराष्ट्र, "अंडरस्टैंडिंग इकोसिस्टम सर्विसेज, रूरल लाइवलीहुड, एंड पॉलिसी इंप्लीकेशन्सः ए स्टडी ऑफ सुंदरवन डेल्टा रीजन ऑफ इंडिया"।

297. नाहिदा यूसुफ, कश्मीर विश्वविद्यालय, श्रीनगर, कश्मीर, "इंपैक्ट ऑफ वॉटर स्केयरसिटी ऑन रुरल डेवलपमेंट ऑफ नार्थ कश्मीर"।

298. जहांगीर कादर, जीएनडीयू, अमृतसर, पंजाब, "ऑक्यूपेशनल हेल्थ प्राब्लम्स अमंग डूर टू डोर सॉलिड वेस्ट हैंडलर्स इन अमृतसर सिटी, पंजाब"।

299. कीर्ति शर्मा, डॉ वाई. एस परमार बागवानी और वानिकी विश्वविद्यालय, सोलन, हिमाचल प्रदेश, "अप्रेजल ऑफ ग्राउंड वाटर क्वालिटी इन सेमी एरिड रीजन ऑफ साउथवेस्ट पंजाबः एन इंटीग्रेटिड हाइड्रो–जियोकेमिकल एंड हेल्थ रिस्क एसेसमेंट एप्रोच"।

विधिक अध्ययन

300. द्विवेदी रुचि, बीएचयू, वाराणसी, उत्तर प्रदेश, "इन्वेस्टमेंट आर्बिट्रेशनः इंटरनेशनल एंड नेशनल पर्सपेक्टिव"।

301. वंदिनी शर्मा, सिम्बायोसिस इंटरनेशनल, पुणे, महाराष्ट्र, "ए क्रिटिकल एनालिसिस ऑफ फेक पुलिस एनकाउंटर इन इंडिया विद स्पेशल रेफरेंस टू ह्यूमन राइट्स एंड रूल ऑफ लॉ"।

302. नीलम उपाध्याय, बीएचयू, वाराणसी, उप्र, "अर्ली चाइल्डहुड केयर एंड एजुकेशनः नेशनल एंड इंटरनेशनल पर्सपेक्टिव"।

303. सोविन्द्र कुमार त्यागी, स्वामी विवेकानंद सुभारती विश्वविद्यालय, मेरठ, उप्र, "द लॉ एंड द पॉलिसी आन द इश्यू ऑफ रेपः ए सोशियो–लीगल स्टडी इन प्रेजेंट पर्सपेक्टिव"।

304. हिमानी बिष्ट, एचएनबीजीयू, श्रीनगर, उत्तराखंड, "द इमर्जिंग मेनेस ऑफ रिवेंज पोर्नोग्राफीः लीगल पर्सपेक्टिव एंड चैलेंजेस"।

305. दिव्या द्विवेदी, डीआरएमएलएनएलयू, लखनऊ, उप्र, "डेटा प्राइवेसी एंड पब्लिक सर्विस डेलीवरी इन इंडिया : ए क्रिटिकल लीगल स्टडी"।

306. गुरपाल सिंह, पंजाबी यूनिवर्सिटी (पीयू), पटियाला, पंजाब, "लॉ रिलेटिंग टू द सेटलमेंट ऑफ इंटर कंट्री रिवर वाटर डिस्प्यूट्स इन साउथ एशियन कंट्रीज"।

307. प्रीति सिंह, डीआरएमएलएनएलयू, लखनऊ, उप्र, "इंटरफेस विटबीन कम्पीटीशन कमीशन ऑफ इंडिया (सीसीआई) एंड सेक्टर रेग्यूलेटर्स : ए क्रिटिकल एनालिसिस"।

308. मातम शिवलिंग मूर्ति, आंध्र विश्वविद्यालय, विशाखापत्तनम, आंध्र प्रदेश, "द इफीकेसी ऑफ पब्लिक हेल्थ–केयर सिस्टम्स इन द प्रोमोशन ऑफ राइट टू हेल्थ : अ केस स्टडी ऑफ विशाखापत्तनम"।

309. अंजू शर्मा, कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय, कुरुक्षेत्र, हरियाणा, "लॉ रिलेटिंग टू ह्यूमन ट्रैफिकिंग : नेशनल एंड इंटरनेशनल पर्सपेक्टिव"।

310. कोसरजू सुमन कृष्णा, आंध्र विश्वविद्यालय, विशाखापत्तनम, आंध्र प्रदेश, "एन एसेसमेंट ऑफ एग्रो इंश्यूरेंस पॉलिसी इनफोर्समेंट इन आंध्र प्रदेशः ए सोशियो–लीगल स्टडी विद स्पेशल रेफरेंस टू गुंटूर डिस्ट्रिक"।

आधुनिक सामाजिक इतिहास

311. रमनदीप कौर, पंजाबी यूनिवर्सिटी (पीयू), पटियाला, पंजाब, "वर्नाक्यूलर प्रेस इन ब्रिटिश पंजाब; ए केस स्टडी ऑफ खालसा एडवोकेट (1903–1947)"।

312. चंद्रकला राय, रानी दुर्गावती विश्वविद्यालय, जबलपुर, मध्य प्रदेश, "ऐतिहासिक नगरी काशी के प्रमुख घाटों का ऐतिहासिक और सांस्कृतिक महत्व"।

313. बिरेश चौधरी, डीयू, दिल्ली, "फ्रॉम नेशनलिस्ट फरवोर टू कम्युनल डिस्कोर्डः अ स्टडी ऑफ सोशल, पॉलिटिकल एंड कल्चरल ट्रांसफार्मेशन इन लाहौर 1913–1947"।

314. जमीरा युसूफ, कश्मीर विश्वविद्यालय, कश्मीर, "हिस्ट्री इन वर्नाक्यूलरः ए स्टडी ऑफ प्रोग्रेसिव कश्मीरी पोएट्री"।

315. निधि मिश्रा, जेएनयू, दिल्ली, "कास्ट वायलेंस इन सेंट्रल बिहार (1970–2000)"।

316. वनिता देवगोंडा पाटिल, शिवाजी विश्वविद्यालय, कोल्हापुर, महाराष्ट्र, "एग्रीकल्चरल पॉलिसीज ऑफ महाराष्ट्र गवर्नमेंट एंड सदर्न (Southern) महाराष्ट्र (1960–2010): अ क्रिटिकल स्टडी"।

317. प्रशांत कुमार सिंह, जेएनयू, दिल्ली, "अ सोशल हिस्ट्री ऑफ द इंडियन एकेडेमी ऑफ साइंसेजः फैलोज, डिसीप्लिन एंड रिसर्च प्रोग्रामस"।

318. माईबम नीलकांत सिंह, जेएनयू, दिल्ली, "इंटेरोगेटिंग मणिपुर्स पास्टः द आइडिया ऑफ मणिपुर इन द राइटिंग्स ऑफ एटम बापू, नौरिया फुलो और हिजाम इराबोट"।

319. मुनाज़ा फ़याज़, कश्मीर विश्वविद्यालय, श्रीनगर, कश्मीर, "राइज एंड डिक्लाइन ऑफ बुद्धिजम इन कश्मीर : एन आर्कियो–हिस्टोरीकल एप्रोच"।

320. सृष्टि मलिक, एचएनबीजीयू, श्रीनगर, उत्तराखंड, "द रोल ऑफ वूमैन इन इनवायरनमेंटल कंजरवेशन इन उत्तराखंड (1970–2015)"।

321. अनस अली, जेएनयू, दिल्ली, "गेम्स एंड फिजिकल कल्चरः ए सोशल हिस्ट्री ऑफ मॉडर्न स्पोर्ट्स इन कॉलोनियल एंड पोस्ट–कोलोनियल केरल, 1900–1970"।

322. शेख इस्माइल महबूब, बीएएमयू, औरंगाबाद, महाराष्ट्र, "अ हिस्टोरिकल रिव्यू ऑफ द सोशल एंड इकोनॉमिक कंडीशन इन द निजाम रूल विद स्पेशल रेफरेंस टू मराठवाड़ा, 1858 टू 1948"।

323. मुजफ्फर अहमद डार, जेएनयू, दिल्ली, "पापुलर रेजिस्टेंस टू अथॉरीटेरियन रुल : रोल ऑफ पॉलिटिकल लीडरशिप इन जम्मू (1930–1947)"।

324. अनीषा देसवाल, जेएनयू, दिल्ली, "वर्ल्ड वार्स, रिमेंबरेंस एंड स्ट्रेटजीस इन द एम्पायर : इंडिया एंड ब्रिटेन (1914–2018)"।

325. पुनीता कपूर, जेएनयू, दिल्ली, "विज़न ऑफ इंपीरियल, नेशनल एंड द ग्लोबल इन एआरएस एंड हेरिटेज इन इंडियाः एक्जीबिशन एंड म्यूजियम फ्रॉम 1851 टू 1960"।

326. प्रीति अय्यालुसामी, टीआईएसएस, मुंबई, महाराष्ट्र, "कोलोनियल स्टेट, वूमैनंस क्राइम एंड पनिशमेंट : 1862–1912"।

327. श्रीजीता बसाक, जेएनयू, दिल्ली, "अर्बन सर्वेंटस इन मुगल इंडियाः लेबर, स्टेटस, रिम्यूनरेशन "।

328. स्वाति गोयल, जेएनयू, दिल्ली, "द डेवलपमेंट ऑफ द रीजन ब्रज : भक्ति सेक्ट्स, पॉलिटिकल ग्रुप्स एंड द मर्चेंटस (16 टू मिड 18 सेंचुरी)"।

मीडिया अध्ययन

329. अनुपम कुमार राय, एमजीएएचवी, वर्धा, महाराष्ट्र, "हिंदी पत्रकारिता में राष्ट्रदर्शन : विमर्श एवं विवेचना"।

330. संदीप कुमार दुबे, एमजीएएचवी, वर्धा, महाराष्ट्र, "कला सिनेमा में जीवन का यथार्थ"।

331. रंजीत ई वी, इग्नू, दिल्ली, "मीडिया एंड हेल्थ अवेयरनेस इन अट्टापडी जनजातीय विकास खंड"।

332. अरुणा के सी, इग्नू, दिल्ली, "हेल्थ कम्युनिकेशन फॉर सोशल चेंजः अ केस स्टडी ऑन कम्युनिकेशन स्ट्रेटजी ऑफ आशा वर्कर्स"।

333. पूर्वा दशोरा, स्वामी केशवानंद राजस्थान कृषि विश्वविद्यालय, बीकानेर, राजस्थान, "यूटीलाइजेशन बिहैवियर ऑफ कृषि विज्ञान केंद्र साइंटिस्ट ऑफ राजस्थान ऑन इन्फार्मेशन कम्युनिकेशन टेक्नोलॉजी टूल"।

334. बसंती शाहू, आईजीएनटीयू, अमरकंटक, मध्य प्रदेश, "इंपैक्ट ऑफ कम्युनिकेशन टेक्नोलॉजी ऑन डि–नोटिफाइड ट्राइब्स : एन इथनोग्राफिक स्टडी इन नागौर डिस्ट्रिक ऑफ राजस्थान"।

335. चांदनी कुमारी, एमजीएएचवी, वर्धा, महाराष्ट्र, "बंगीय हिंदी पत्रकारिता में 'दैनिक विश्वमित्र' की भूमिका"।

336. चंद्रशील पांडे, एमजीकेवी, वाराणसी, उप्र, "पुराणों में संचार, एक अध्ययन : श्रीलिंग महापुराण, श्रीमत्स्ये महापुराण, श्री विष्णु महापुराण और श्री वामन पुराण पर आधारित विश्लेषण"।

337. अपराजिता पाठक, बीएचयू, वाराणसी, उप्र, "अ स्टडी ऑफ वूमैन हेल्थ इन स्टेट ऑफ बिहार : लुकिंग इन टू द नीड ऑफ कम्युनिकेशन"।

पुस्तकालय विज्ञान

338. सगेंद्र सिंह परमार, सीयूजी, गांधीनगर, गुजरात, "ओपन एजुकेशनल रिसोर्सेज इन इंडियन पब्लिक स्कूल : एन इन्वेस्टिगेटिव स्टडी"।

339. श्वेता गुप्ता, बीएचयू, वाराणसी, उप्र, "इंपैक्ट ऑफ ई लर्निंग एंड ऑनलाइन इनफार्मेशन रिसोर्सेज ऑन स्टूडेंट्स लर्निंग आउटकम, एकेडेमिक परफार्मेंस एंड क्रियटिविटी"।

अनुसूचित जाति श्रेणी (SC Category)

अर्थशास्त्र

340. सुमित, सेंट्रल यूनिवर्सिटी ऑफ कश्मीर, श्रीनगर, कश्मीर, "सोशल इंक्लूजन एंड इकोनॉमिक्स वैल बीइंग ऑफ एग्रीकल्चरल लेबरर्सः अ स्टडी ऑफ रुरल हरियाणा"।

341. दुर्गेश पुजारी, कर्नाटक विश्वविद्यालय, धारवाड़, कर्नाटक, "पब्लिक डेब्ट मैनेजमेंट एंड फिस्कल डिसीप्लीन इन इंडियाः एप्रोचेस, चैलेंजस एंड वेयस (Ways) फारवर्ड"।

342. जी. कोकिला, ए.एन.एन.ए.यू. (ANNAU), अन्नामलाई नगर, टीएन, "इकोनॉमिक इफीसिंएसी ऑफ सिस्टस ऑफ राइस इंटेंसीफिकेशन (एसआरआई) इन क्लाइमेट चेंज एडाप्शन इन डिफरेंट इरीगेशन सिस्टम इन तमिलनाडु"।

343. किशोर कुमार तकरी, एसयू, गंगटोक, सिक्किम, "इकोनॉमिक इवोल्यूशन ऑफ पब्लिक डिस्ट्रीब्यूशन सिस्टम इन कालाहांडी–बोलांगीर–कोरापुट (केबीके) डिस्ट्रिकस ऑफ ओडिशाः इम्पलीकेशंस फॉर फूड सिक्योरिटी"।

344. पुखरेम प्रियलक्ष्मी देवी, मणिपुर विश्वविद्यालय, इंफाल, मणिपुर, "पब्लिक एक्सपेंडीचर, इंफलेशन एंड ग्रोथः अ मैक्रो–इकोनोमेट्रिक मॉडल फॉर मणिपुर"।

345. प्रखर आनंद, एएलयू, प्रयागराज, उत्तर प्रदेश, "डायनेमिक्स ऑफ वल्नरेबिलिटी एंड लाइवलीहुड स्ट्रैटेजीजः एन एनालिटिकल स्टडी ऑफ अर्बन पुअर्स इन सेलेक्टेड डिस्ट्रिक्ट्स ऑफ उत्तर प्रदेश फ्रॉम 2000–2018"।

346. मुकेश कुमार, बीबीएयू, लखनऊ, उत्तर प्रदेश, "एग्रेरियन क्राइसिस एंड कैपिटल फॉर्मेशन इन इंडिया"।

प्रबंधन

347. कविता, चौधरी देवी लाल विश्वविद्यालय, सिरसा, हरियाणा, "रुरल इंटरप्रेन्योशिप इन हरियाणाः एन इम्पीरिकल एनालिसिस"।

348. कट्टा किरणमाई, महात्मा गांधी विश्वविद्यालय, नलगोंडा, तेलंगाना, "ऑक्यूपेशनल स्ट्रेस : इट्स इफैक्ट्स ऑन सिंगल वर्किंग पेरेंट्स"।

349. कमलजीत सिंह, पीयू, पटियाला, पंजाब, "एन इम्पीरिकल स्टडी ऑफ मीजरिंग परफार्मेंस ऑफ मैन्यूफैक्चरिंग एंड सर्विस सेक्टर इन इंडिया"।

350. प्रिंस वर्मा, एचएनबीजीयू, श्रीनगर, उत्तराखंड, "प्रो–पूअर टूरिज्म प्रोमोशन फॉर पावर्टी एलिवेशन इन उत्तराखंड स्टेटः इवैल्यूटिंग द नेचर एंड स्केल ऑफ लोकल कम्युनिटी पार्टीसिपेशन इन द इमर्जिंग टूरिज्म एरियाज"।

351. सुशीला, बीएचयू, वाराणसी, उप्र, "रोल ऑफ फाइनेंशियल सेल्फ एफीकेसी इन इन्वेसटमेंट डिसिजन मेकिंगः अ स्टडी ऑफ वर्किंग वूमैन"।

वाणिज्य

352. श्रीमंत, गुलबर्गा विश्वविद्यालय, कलबुर्गी, कर्नाटक, "ह्यूमन रिर्सोस मैनेजमेंट प्रैक्टिसेस इन सीमेंट इंडस्ट्री : अ केस स्टडी ऑफ कलबुर्गी सीमेंट प्राइवेट लिमिटेड छत्रशाला, कलबुर्गी जिला"।

353. सत्यमूर्ति डी., अन्नायू, अन्नामलाई नगर, तमिलनाडु, "वर्किंग परफार्मेंस ऑफ प्रधान मंत्री जन धन योजना एंड प्रधान मंत्री मुद्रा योजना इन तिरूवन्नामलाई डिस्ट्रिक : अ स्टडी विद स्पेशल रेफरेंस टू नेशनालाइज्ड कमर्शियल बैंक्स"।

354. बालाजी अर्जुन कांबले, एसआरटी एमयूएन नांदेड़, महाराष्ट्र, "द स्टडी ऑन द इंपैक्ट ऑफ प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना इन द डेवलपमेंट ऑफ एग्रीकल्चरल सेक्टर इन नांदेड डिसिट्रक"।

355. राजबीर कौर, पंजाब विश्वविद्यालय, चंडीगढ़, "अकाउंट कंजरवेटिज्म, कॉरपोरेट गवर्नेंस एंड फिल्म प्रोडक्शनः एन इम्पीरिकल स्टडी इन इंडियन कांटेक्स्ट"।

356. बोटिका मधु कुमार, ओयू, हैदराबाद, तेलंगाना, "थियोरेटिकल एंड प्रैक्टिकल ऑस्पेक्टस ऑफ एसेट लायबिलिटी मैंनेजमेंट इन कामर्शियल बैंकिंगः ए केस स्टडी ऑफ एचएसबीसी बैंक"।

समाज शास्त्र

357. अदिति, जेएनयू, दिल्ली, "दलित एंटरप्रेन्योरशिप : अ सोशियोलॉजिकल इंक्वारी इनटू इट्स राइज एंड ग्रोथ विद रेफरेंस टू एमएसएमई (MSMEs), 2008–2018"।

358. रंजन दास, असम यूनिवर्सिटी (एयू), सिलचर, असम, "वेटलैंड डिग्रेडेशन एंड इट्स इम्पैक्ट ऑन लाइफ एंड लाइवलीहुड ऑफ पीपलः ए स्टडी इन रिवर आइलैंड माजुली, असम"।

359. रवि हेबासुर, कर्नाटक विश्वविद्यालय, धारवाड़, कर्नाटक, "सोशल चेंज अमंग चालवाड़िज (Chalwadis) : अ स्टडी फ्रॉम सबअल्टर्न पर्सपेक्टिव"।

360. मधु बाला, एचएनबीजीयू, श्रीनगर, उत्तराखंड, "सोशियोलॉजी ऑफ जेंडरः अ स्टडी ऑफ वीमेन ऑफ कठुआ डिस्ट्रिक"।

361. के. पूवरसन, टीएएनयू, कोयंबटूर, तमिलनाडु, "इंकम रिस्क एंड कोपिंग स्ट्रेटजीस ऑफ स्मॉल एंड मार्जिनल फार्मर्स इन इरिगेटिड एग्रो इकोसिस्टम ऑफ तमिलनाडु"।

362. संदीप निमेश, सीसीएसयू, मेरठ, उत्तर प्रदेश, "बदलते हुए ग्रामीण परिदृश्य में अस्पृश्यता की दशा एवं दिशा : मेरठ जनपद के दो चयनित गाँवों का समाजशास्त्रीय अध्ययन"।

363. प्रतिभा भास्कर, बुंदेलखंड विश्वविद्यालय, झांसी, उ. प्र., "वैश्वीकरण का शहरी महिलाओं पर पड़ने वाले प्रभाव का समाजशास्त्रीय अध्ययन : झाँसी नगर के विशेष सन्दर्भ में"।

364. रजनीकांत, गुलबर्गा विश्वविद्यालय, कलबुर्गी, कर्नाटक, "ओल्ड एज होम्सः अ सोशियोलॉजिकल स्टडी ऑफ हैदराबाद–कर्नाटक रीजन"।

365. सविता गौतम, जेएनयू, दिल्ली, "दलित स्टूडेंट्स इन हायर एजूकेशनः अ कम्परेटिव स्टडी ऑफ टू सेंट्रल यूनीवर्सिटीज"।

366. इंदला लावण्या, ओयू, हैदराबाद, तेलंगाना, "फार्मर्स ऑफ तेलंगाना : वेलफेयर स्कीम्स, चेजिंग स्टेटस एंड डेवलपमेंट"।

सामाजिक मानविकी

367. संजीव कुमार, सीयूएचपी, कांगड़ा, हिमाचल प्रदेश, "घिर्थ (Ghirth) जाति की सामाजिक एवम् सांस्कृतिक विरासत का अध्ययन"।

सामाजिक कार्य

368. संतोष, गुलबर्गा विश्वविद्यालय, कलबुर्गी, कर्नाटक, "इंपैक्ट ऑफ सोशल सिक्यूरिटी मेजर्स ऑन कंस्ट्रक्शन वर्कर्स इन हैदराबाद कर्नाटक रीजन"।

369. शोभा रानी कोमू, ओयू, हैदराबाद, तेलंगाना, "रोल ऑफ एजूकेशन ऑन वूमैन एम्पावरमेंट इन रुरल तेलंगाना : अ केस स्टडी ऑफ नलगोंडा, तेलंगाना राज्य"।

सांस्कृतिक अध्ययन

370. श्रीरामन एस., जेएनयू, दिल्ली, "अ कम्परेटिव स्टडी ऑफ द मॉर्फोलाजी इन तोल्काप्पियम (तमिल) एंड आंध्र भाषा भूषणमु (तेलुगु)"।

371. अभिलाषा एच के, कन्नड़ विश्वविद्यालय, हम्पी, कर्नाटक, "अ रिसर्च ऑन नेटिव रूटस ऑफ बौद्ध विद स्पेशल रेफरेंस टू कर्नाटक"।

372. ललिता लहरी, आईजीएनटीयू, अमरकंटक, मध्य प्रदेश, "प्री–हिस्टोरिक इंवेस्टीगेशंस ऑफ सियोनाथ नदी बेसिन, छत्तीसगढ़"।

373. बनानी बर्मन, जेएनयू, दिल्ली, "वॉयसिंग द मार्जिनलः द लिंग्विस्टिक, लिटरेरी एंड सोशियो–कल्चरल एसेरशन ऑफ द राजबंगशी कम्युनिटी"।

374. रमेश जी, कन्नड़ विश्वविद्यालय, हम्पी, कर्नाटक, "फोक कल्चरल ट्रांजिशन ऑफ हरपनहल्ली"।

सामाजिक–संस्कृत अध्ययन

375. मेरिया हेतलबहेन हमीरभाई, क्रांतिगुरु श्यामजी कृष्ण वर्मा कच्छ विश्वविद्यालय, भुज, गुजरात, "अ स्टडी ऑफ कविता केन'स फिक्शन इन द लाइट ऑफ रस (RASA) थ्योरी"।

सामाजिक भाषा विज्ञान

376. दिनेश बाबूराव लाहड़े, बीएएमयू, औरंगाबाद, महाराष्ट्र, "ए स्टडी ऑफ एंटी–स्लेवरी सिस्टम इन द सेलेक्टेड नॉवेल्स ऑफ फ्रेड्रिक डगलस, हैरियट बीचर स्टोव और टोनी मॉरिसन"।

377. किरुथिगा, एमकेयू, मदुरै, टीएन, "अ सोशियोलिंग्विस्टिक स्टडी ऑफ मुल्लू कुरुम्बा ट्राइब्स इन नीलगिरी डिस्ट्रिक"।

लैंगिक अध्ययन (Gender Studies)

378. प्रियंका मसंत, सीयूजी, गांधीनगर, गुजरात, "वूमैन ट्रैफिकिंग इन इंडियाः अ स्टडी ऑफ ओडिशा एंड वेस्ट बंगाल"।

राजनीति विज्ञान

379. अलका, डीयू, दिल्ली, "दलित धार्मिक परिवर्तन के विभिन्न आयामः हरियाणा राज्य के विशेष संदर्भ में"।

380. अजय कुमार, डीयू , दिल्ली, " भारत में जाति व विकास के मध्य अंतः सबंध : उत्तर प्रदेश के ग्रामीण (औरैया) व शहरी (सोनभद्र) शिक्षित बहुसंख्यक जिले का तुलनात्मक अध्ययन "।

381. गजेंद्र, जेएनयू, दिल्ली, "बीआर आंबेडकर एंड दीनदयाल उपाध्याय'स एप्रोच टू सोशल जस्टिसः अ कम्परेटिव स्टडी"।

382. रंजीत कुमार, वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय, जौनपुर, उत्तर प्रदेश, "1991 के बाद भारत और अमेरिका के संबंधों का ट्रैक 2 कूटनीति के परिप्रेक्ष्य में अध्ययन"।

383. सुमित औजैनवाल, डीयू, दिल्ली, "नॉलेज ऑफ सैनिटेशन, साइंस एंड पॉलिटिक्स ऑफ सोशल रिलेशनः ए केस स्टडी ऑफ नॉर्दर्न वेस्टर्न रेलवे विद स्पेशल रेफरेंस ऑफ सफाई कर्मचारी"।

लोक प्रशासन

384. पी विनोदिनी, मद्रास विश्वविद्यालय, चेन्नई, टीएन, "सेक्सुअल एब्यूज ऑफ चिल्ड्रेन एंड पॉक्सो (POSCO) एक्ट, 2012ः एन एम्पीरिकल स्टडी विद रेफरेंस टू चेन्नई सिटी"।

अन्तर्राष्ट्रीय अध्ययन

385. रतन कुमार नायक, जेएनयू, दिल्ली, "फिलिस्तीनी स्टेटहुड एंड द यूरोपीय यूनियन, 1991–2017"।

386. सुनंदा सरकार, जेएनयू, दिल्ली, "मीडिया एंड द नेचर ऑफ पॉलिटिकल कम्युनिकेशन प्रोसेसेसः अ कम्परेटिव स्टडी ऑफ रशिया एंड कजाकिस्तान , 1991–2018"।

387. प्रबोध कुमार मलिक, जेएनयू, दिल्ली, "रिन्यूएबल एनर्जी एंड सस्टेनेबल डेवलपमेंट इन कजाकिस्तान, 2000–2018"।

शिक्षा

388. रश्मि दास, तेजपुर विश्वविद्यालय, तेजपुर, असम, "इवेल्यूएशन ऑफ स्कूल इंटर्नशिप प्रोग्राम ऑफ टीचर एजूकेशन इंस्टीट्यूशन इन असम"।

389. वंदना व्यास, जेएनयू, दिल्ली, "लाइफलांग लर्निंग अमंगेस्ट द एल्डरली ऑफ बैडेन–वुर्टेमबर्गः एन एथिनोग्राफिक स्टडी ऑफ एक्टिव एजिंग"।

390. थुपकुला लिंग मूर्ति, उस्मानिया यूनिवर्सिटी (ओयू), हैदराबाद, तेलंगाना, "योगा प्रैक्टिस विस–ए–विस (Vis-a-vis) हैप्पीनेस, मोटिवेशन एंड एकेडेमिक परफार्मेंस अमंग डिस्एडवांटेजड कम्युनिटी स्टूडेंट्सः एन एक्सप्लोरेटिव स्टडी"।

391. उदय वाई., मैसूर यूनिवर्सिटी (एमवाईयू), मैसूर, कर्नाटक, "इफेक्टिवनेस ऑफ जेंडर बेस्ड एप्रोच ऑन कम्युनिकेटिव कॉम्पीटेंस एंड क्रिएटिव राइटिंग स्किल्स इन इंग्लिश अमंग सेकेंडरी स्कूल स्टूडेंट्स"।

392. नंदिनी नंजप्पन, टीआईएसएस, मुंबई, महाराष्ट्र, "ट्रांसफोर्मेटिव एथिक्स ऑफ सोशल स्टडीज एजूकेशनः ए कंपरेटिव स्टडी ऑफ स्कूलिंग इन तमिलनाडु (इंडिया) एंड फिनलैंड"।

393. सुमन लता तिरुवा एचएनबीएचयू, श्रीनगर, उत्तराखंड, "कस्तूरबा गाँधी बालिका विद्यालय में अध्ययनरत उच्च प्राथमिक स्तर के विद्यार्थियों की शैक्षिक सम्प्राप्ति का शैक्षिक समायोजन, स्व–अवधारणा व संवेगात्मक बुद्धि के सन्दर्भ में अध्ययन"।

394. रेवती ए, पेरियार विश्वविद्यालय, सेलम, टीएन, "इफैक्ट ऑफ लर्निंग एंड सोशल मीडिया ऑन एचीवमेंट ऑफ हायर एजूकेशन स्टूडेंट्स इन तमिलनाडु"।

सामाजिक मनोविज्ञान

395. प्रभु, सीयूकेजी, कलबुर्गी, कर्नाटक, "आर्गेनाइजेशनल इफैक्टिवीनेस : रोल ऑफ वर्कप्लेस इनसिविलिटी, लीडरशिप एंड आर्गेनाइजेशनल जस्टिस"।

सामाजिक भूगोल

396. धर्मेंद्र कुमार भारती, वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय, जौनपुर, उत्तर प्रदेश, "अ स्टडी ऑफ एप्लाइड जिओमार्फोलॉजी ऑफ बांधवगढ़ तहसील (जनपद उमरिया एमपी)"।

397. थाटी सृजन दीप्ति, ओयू, हैदराबाद, तेलंगाना, "लैंड यूज/लैंड कवर एंड चेंज डिटेक्शन यूजिंग जीआईएस ऑन मेडक सिटी"।

398. रामप्पा चाव्वा, कर्नाटक विश्वविद्यालय, धारवाड़, कर्नाटक, "सॉलिड वेस्ट मैनेजमेंट एंड इट्स इंपैक्ट ऑन द अर्बन लाइफ इन गडाग–बेतावरी ट्विन सिटीजः ए स्पाटियल एनालिसिस"।

पर्यावरण अध्ययन

399. मायांगलंबम विक्टोरिया देवी, सीएयू, इंफाल, मणिपुर, "सोशल सिम्युलेशन ऑन एसिमिलेशन ऑफ क्लाइमेट स्मार्ट एग्रीकल्चरल प्रैक्टिसेस इन नार्थ ईस्टर्न हिल रीजन ऑफ इंडिया"।

विधिक अध्ययन (Legal Studies)

400. राम करण, एएलयू, प्रयागराज, उप्र, "अ क्रिटिकल स्टडी ऑफ लीगल कंट्रोल ऑफ मैन्युअल स्कैवेंजिंग विद स्पेशल रेफरेंस टू सेनेटरी मेजर्स इन इंडिया"।

आधुनिक सामाजिक इतिहास

401. वैशाली, दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली, "दि वाल्मीकिस इन डेल्ही (Delhi) एंड द हिस्टोरिकल ट्रांजिशन ऑफ देयर सोशियो–इकोनॉमिक पैटर्नस"।

402. रेशमा सिंह, वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय, जौनपुर, उत्तर प्रदेश, "बौद्ध साहित्य में प्रतिबिंबित महिला प्रस्थिति"।

403. विनीता, डीयू, दिल्ली, "फूड एंड फूड हैबिट्स इन ट्राइबल सोसाइटी ऑफ़ छोटानागपुर 1800–1950"।

मीडिया अध्ययन

404. ननीथा आर., बीयू, कोयंबटूर, टीएन, "आर्टिफिशियल इंटेलिजेंसः अपॉर्चुनिटीज, एक्सपीरियंस एंड डिसीजन–मेकिंग इन प्रिपेयरिग द विजुअली–चैलेंज्ड फॉर द न्यू सोशल–इकोनॉमिक डेवलपमेंटल स्फीयर"।

पुस्तकालय विज्ञान

405. प्रमोद, गुलबर्गा विश्वविद्यालय, कलबुर्गी, कर्नाटक, "यूज ऑफ ई–रिर्सोसेज एंड सर्विसेस इन इंडियन इंस्टीटयूट ऑफ टेक्नोलॉजी इन साउथ इंडिया : अ स्टडी"।

अनुसूचित जनजाति श्रेणी

अर्थशास्त्र

406. उमादेवी, कन्नड़ विश्वविद्यालय, हम्पी, कर्नाटक, "मैलन्यूट्रिशन ऑफ वूमैन एंड चिल्ड्रेनस : स्टडी ऑफ डेवलपमेंट प्रोग्रामस इन कोप्पल डिस्ट्रिक्ट"।

407. एस राधाकृष्णन, ए.एन.एन.ए.यू. (ANNAU), अन्नामलाई नगर, टीएन, "एन इकोनॉमिक एनालिसिस ऑन इंपैक्ट ऑफ एग्रो–प्रोसेसिंग इंडस्ट्रीज ऑन इन्हैंसिग फार्मर्स इंकम इन ट्राइबल एरियाज ऑफ तमिलनाडु"।

प्रबंधन

408. रघुवीर नेगी, अलगप्पा विश्वविद्यालय, कराईकुडी, तमिलनाडु, "प्रॉब्लम्स एंड प्रोस्पेक्टस ऑफ मोटर एंड पंप एक्सपोर्ट इन इंडिया : अ स्टडी विद स्पेशल रेफरेंस टू कोयंबटूर रीजन"।

409. साहेबगौड़ा बी, गुलबर्गा विश्वविद्यालय, कलबुर्गी, कर्नाटक, "कंज्यूमर बिहैवियर टुवर्डस हेल्थ केयर प्रोडक्ट्स : अ स्टडी ऑफ पतंजलि हेल्थ केयर प्रोडक्ट्स इन कलबुर्गी डिस्ट्रिक"।

410. ज्योत्सना मालोथ, ओयू, हैदराबाद, तेलंगाना, "अ स्टडी ऑफ द रिक्रूटमेंट एंड सेलेक्शन प्रोसेस"।

वणिज्य

411. प्रसन्ना डोंग, सिक्किम यूनिवर्सिटी (एसयू), गंगटोक, सिक्किम, "टैलेंट सप्लाई एंड स्किल गैप एनालिसिस ऑफ बिजनेस प्रोसेस मैनेजमेंट सेक्टरः ए स्टडी ऑफ नॉन–इंजीनियरिंग ग्रेजुएट्स इन सिक्किम"।

समाज शास्त्र

412. विनीतोली एच. झिमो, विज्ञान और प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, बरिदुआ, मेघालय, "रिफलेक्शन ऑफ सूमी नागा कल्चर ऑन वर्बल आर्ट"।

413. डिज़िसेटुओली मेथा, नागालैंड विश्वविद्यालय, लुमामी, नागालैंड, "इलीगल इमीग्रेंट्स इन नागालैंड एंड इट्स इंपैक्ट"।

414. गेलियांग्लुंग पनमेई, दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली, "निगोशिएटिंग इंडिजेनिटीः पॉलिटिक्स, आइडेंटिटी एंड कल्चर इन द एसेरशन फॉर ट्राइब रिकॉग्निशन"।

415. मिजिंग डेमरी, असम यूनिवर्सिटी (एयू), सिलचर, असम, "हेल्थ स्टेटस ऑफ बोडोज इन फॉरेस्ट विलेजेस ऑफ असम : अ स्टडी ऑफ मानस नेशनल पार्क"।

सामाजिक मानव विज्ञान (Social Anthropology)

416. होंजेम कोन्याक, जेएनयू, दिल्ली, "सोशल कोनसियसनेस एंड कल्चरल प्रोपर्टी : अ मेटीरियल कल्चर स्टडी ऑफ कोन्याक बाण सिंस नाइनटींथ सेंचुरी (19th)"।

417. कृष्ण कुमार पैकरा, पीआरएसयू, रायपुर, छत्तीसगढ़, "छत्तीसगढ़ में मैनपाट के शरणार्थी तिब्बती समुदाय का सामाजिक–सांस्कृतिक अनुशीलनः एक मानवशास्त्रीय अन्वेषण"।

418. श्रृंग दाओ लंगथासा, एयू, सिलचर, असम, "आर्कियोलॉजिकल एक्सकेवेशनस इन नार्थ ईस्ट इंडिया"।

सामाजिक कार्य

419. अजित कुमार, एनईएचयू (NEH University), शिलांग, मेघालय, "वर्तमान सदी की हिंदी आलोचना में पक्षधरता के विविध आयाम"।

सांस्कृतिक अध्ययन

420. यांग्की टैग्गू, एमजीएएचवी, वर्धा, महाराष्ट्र, "अवधी और आदी लोकगीतों का सांस्कृतिक अध्ययन"।

421. डिंगुपे लासुह, नागालैंड विश्वविद्यालय, लुमामी, नागालैंड, "डोमेस्टिक आर्किटेक्चर ऑफ द नागाज : अ स्टडी ऑन देयर टाइप्स , फंक्शंस एंड मीनिंग्स"।

लैंगिक अध्ययन

422. इरमा केरकेट्टा, टीआईएसएस, मुंबई, महाराष्ट्र, "जेंडर ट्रैफिकिंग एंड माइग्रेशन इंट्रीकेसी : एन इंक्वायरी ऑन कंसेट ओर कोअर्सन (Coercion) ऑफ इथनिक पापुलेस इन द रस्टिक जोंस ऑफ सिमडेगा, झारखंड, इननसिएटिड बाय द ग्रासरूटस"।

स्वास्थ्य अध्ययन

423. सशिरेनला मोलियर, नागालैंड विश्वविद्यालय, लुमामी, नागालैंड, "होप, रिलिजियसिटी, पर्सीव्ड सोशल सपोर्ट अमंग नागा कैंसर पेशेंट एंड देयर प्राइमरी केयरगिवर्स इन रिलेशन विद साइकोलॉजीकल डिस्ट्रेस"।

राजनीति विज्ञान

424. मांगलियन गंगटे, आईजीएनटीयू, कांगपोकपी, मणिपुर, "इलेक्टोरल पॉलिटिक्स इन मणिपुर विद स्पेशल रेफरेंस टू चंदेल डिस्ट्रिक्ट (2002–2017)"।

425. होइशिंग कोरेन, आईजीएनटीयू, कांगपोकपी, मणिपुर, "ट्रेडिशनल विलेज एडमिनिस्ट्रेशन ऑफ कोईरंग ट्राइब ऑफ मणिपुर"।

426. सुमित कुमार मिंज, संबलपुर विश्वविद्यालय, संबलपुर, ओडिशा, "चेंजिंग डायमेंशन ऑफ इंटरनेशनल सिक्युरिटी अमिडस्ट (Amidst) द क्राइसिस ऑफ इलीगल माइग्रेंट्स : अ केस स्टडी ऑफ रोहिंग्याज कानफिलिक्ट इन साउथ एशिया"।

अन्तर्राष्ट्रीय अध्ययन

427. रिलीज एकनी सी. खोंगरेई, जेएनयू, दिल्ली, "प्रोटेस्टेंटिज्म, द कॉन्स्टिट्यूशन एंड अमेरिकन्सः ए स्टडी ऑफ द इम्पोर्टेंस ऑफ द यूनाइटेड स्टेट्स इन द यूनाइटेड स्टेट्स सिंस (Since) 2001"।

राष्ट्रीय सुरक्षा और सामरिक अध्ययन

428. रिपी बागरा, जेएनयू, दिल्ली, "द इंडियन स्टेट, बार्डर एंड बोर्डरलैंड कम्युनिटीज इन अरुणाचल प्रदेश, 1962–2017"।

शिक्षा

429. आर डी अल्बर्ट पोवा, टीआईएसएस (TISS), मुंबई, महाराष्ट्र, "हायर एजूकेशन एंड द मार्निजनालाइज्ड : ट्रेजेक्टरीज़ एंड एक्सपीरियंसेस ऑफ द पौमई नागा यूथ"।

430. मुनमी बर्मन, एयू, सिलचर, असम, असम, "इंटरएक्टिव वीडियो–बेस्ड इंस्ट्रक्शन एंड इट्स इंटररिलेशनशिप विद सोशल स्किल्स एंड काग्नीटिव डेवलपमेंट ऑफ चिल्ड्रेन विद इंटेलेक्चुअल डिसऐबिलिटी"।

पर्यावरण अध्ययन

431. पी सी लालडिंगलियानी, एनईएचयू (NEHU), शिलांग, मेघालय, "इस्टीमेशन ऑफ रिडयूसिंग शुगर्स इन सेलेक्टिड हर्बेसियस बायोमास एंड प्रोडक्शन ऑफ बायोएथेनॉल"।

432. पिनशैलंग सिएमियोनग, एनईएचयू, शिलांग, मेघालय, "कार्बन स्टॉक एंड कार्बन सीक्वेस्ट्रेशन पोटेंशियल ऑफ 'नारपुह वाइल्डलाइफ सेंक्चुरी' इन मेघालय"।

433. सुजीत हनमंतराव पेडेवाद, एसआरटीएमयूएन, नांदेड़, महाराष्ट्र, "प्लेक्टोनिक डायवर्सिटी इवोल्यूशन ऑफ मनार वाटर रिजर्वोयर इन रिलेशन टू न्यूट्रीएंट साइकिल स्टडीज"।

विधिक अध्ययन (Legal Studies)

434. कुंजा रुक्मिणी, ओयू, हैदराबाद, तेलंगाना, "प्रोटेक्शन ऑफ ट्राइबल राइट्स इन तेलंगाना एजेंसी एरिया विद स्पेशल रेफरेंस टू भद्राद्री कोठागुडेम"।

435. एम. हरिचंद, ओयू, हैदराबाद, तेलंगाना, "द राइट ऑफ द चिल्ड्रेन टू फ्री एंड कम्पलसरी एजूकेशन एक्ट 2000: अ स्टडी ऑफ इट्स इम्पलीमेंटेशन इन एजेंसी एरियाज ऑफ तेलंगाना"।

आधुनिक सामाजिक इतिहास

436. विकास के. असुमी, आईआईटी, गुवाहाटी, असम, "बीइंग मॉडर्नः ट्रांजिशन इन द एवरीडे कल्चर ऑफ द सुमी नागा"।

पुस्तकालय विज्ञान

437. नाइनजिनेमावी, एनईएचयू, शिलांग, मेघालय, "डॉक्यूमेंटेशन ऑफ इंडीजीनियस नॉलेज ऑन हैंडीक्रॉफ्टस ऑफ द वैफीस ऑफ मणिपुर"।

2019–20 में स्वीकृत संस्थागत डॉक्टरेट फैलोशिप (जारी)

ए एन सिन्हा सामाजिक अध्ययन संस्थान (ANSISS), पटना

438. शकील अहमद, "सोशियो–इकोनॉमिक इनइक्वालिटी इन एक्सेस टू हेल्थकेयर सर्विसेज इन बिहार : एन इंटरसेक्शनल एप्रोच"।

439. मोहम्मद मुस्तफा अंसारी, "एन इकोनॉमिक एनालिसिस ऑफ कॉस्ट ऑफ कल्टीवेशन ऑफ सेलेक्टिड क्रॉप्स : अ स्टडी बेस्ड ऑन सेलेक्टिड फर्मस इन बिहार"।

440. खुशबू सिमरन, "लाइवलीहुड स्टेट्स ऑफ वूमेन इन एक्वाकल्चर : अ सोशियोलॉजिकल स्टडी ऑफ फिशिंग कम्युनिटी इन बिहार"।

441. सुकृति, "आउट माइग्रेशन फ्रॉम बिहार : चेंजिग पैटर्नस, इट्स डिटरमिनेंट्स एंड जेंडर डायमेंशंस"।

442. रवि कुमार, "एजूकेशनल स्टेट्स ऑफ दलित वूमैन इन बिहार : अ सोशियोलॉजिकल स्टडी"।

विकास अध्ययन केंद्र (CDS), तिरुवनंतपुरम

443. रहीस के ए (एससी), "एक्सपोर्ट एंड प्रोडक्टीविटी ऑफ एसएमई (SMEs): एविडेंस फ्रॉम द इंडियन मैन्यूफैक्चरिंग सेक्टर"।

आर्थिक और सामाजिक अध्ययन केंद्र (CESS), हैदराबाद

444. पुट्टराज (एससी), "रोल ऑफ माइक्रोफाइनेंस इन क्रिएटिंग इम्प्लायमेंट ऑपारचुनिटीज विद रेफरेंस ऑफ कलबुर्गी डिस्ट्रिक"।

445. लावण्या पी, "इकोनॉमिक वायबिलिटी ऑफ आर्गेनाइज्ड एंड अनआर्गेनाइज्ड डेयरी सेक्टर इन तेलंगाना स्टेट"।

446. सुनील नीराडी (एससी), "सोशल एक्सक्लूजन ऑफ डिनोटीफाइड, नोमेडिक एंड सेमी नोमेडिक ट्राइब्स इन तेलंगाना स्टेट : अ स्टडी ऑन डेमोक्रेटिक इंटीग्रेशन"।

447. लोकेश कुमार, "डेवलपमेंट एंड मैनेजमेंट ऑफ ग्राउंड वाटर रिर्सोसेस यूजिंग जियो स्पाटियल टेक्नोलॉजीस : अ केस स्टडी ऑफ हालिया रिवर सब–बेसिन इन तेलंगाना"।

बहु–अनुशासनात्मक विकास अनुसंधान केंद्र (CMDR), धारवाड़

448. चेतना वीरभद्रप्पा (एससी), "एक्सेसबिलिटी एंड यूटिलाइजेशन ऑफ मैटरनल हेल्थ केयर सर्विसेज इन रूरल कर्नाटका"।

449. नयना एफ पाटिल, "स्टोरेज एंड वेयरहाउसिंग ऑफ एग्रीकल्चरल प्रोडक्ट इन कर्नाटक : एक्सेसबिलिटी एंड यूटीलाइजेशन"।

450. अशोक पाटिल, "एंथ्रोपोलॉजिकल स्टडी ऑफ जुवेनाइल डिलिनक्वेंसीः ए केस स्टडी ऑफ जुवेनाइल डिलिकेंट्स इन कर्नाटक"।

451. कलाल एक्सटा, "चाइल्ड हेल्थ केयर सर्विसेज इन कर्नाटक : एक्सेसबिलिटी एंड यूटीलाइजेशन"।

ग्रामीण और औद्योगिक विकास अनुसंधान केंद्र (CRRID), चंडीगढ़

452. यादवीर सिंह, "इंडस्ट्रियल ग्रोथ एंड इंटर फर्म लिंकेजस इन टू (Two) ऑटो कम्पोनेंट सेंटर्स इन नार्थ इंडिया : इम्पलीकेशंस फॉर टेक्नोलॉजी एंड कॉम्पटीटीवनेस"।

453. दीप रतन सिंह खरा, "डायनामिक्स ऑफ ग्राउंडवाटर यूसेज इन पंजाब एग्रीकल्चर : इंस्टीटयूशंस, मार्केट्स, एंड मैंनेजमेंट"।

महिला विकास अध्ययन केंद्र (WDS), नई दिल्ली

454. सुश्री गरिमा (एससी), "विजुअल कल्चर एंड द इमर्जेंस ऑफ 'न्यू वुमन' इन कंटेम्परारी हिंदी फिल्म्सः एन एथ्नोग्राफिकल स्टडी ऑफ वूमेन स्पेक्टेटर्स"।

455. सुश्री जेरीपोथुला रजनी (एससी), "रोल ऑफ वूमेन इन इनवायरमेंटल सेनीटेशन एंड हायजीनः अ सोशियोलॉजीकल स्टडी ऑफ वारंगल डिस्ट्रिक्ट इन तेलंगाना"।

456. सुश्री ज़ियाना रज़ियानरेलियू पनमेई (एसटी), "वूमैन इन मैरिजः एन एनालिटिकल स्टडी ऑफ द लाइव्ड एक्सपीरियंसेस ऑफ द रोंगमेई विद रेस्पेक्ट टू डायवोर्स इन इंफाल मणिपुर"।

गुलाटी वित्त एवं कराधान संस्थान (GIFT), तिरुवनंतपुरम

457. लक्ष्मी प्रसाद, "अ स्टडी ऑन द फाइनेंसियल इंक्लूजन ऑफ मार्जिनालाइज्ड ग्रुप्स इन केरल"।

भारतीय दलित अध्ययन संस्थान (IDS), दिल्ली

458. सुश्री खानसेम्फी केके रालेंग (एसटी), "इम्प्लॉयमेंट एंड लाइवलीहुड ऑफ माइग्रेंट्स फ्रॉम नार्थ ईस्ट : अ स्टडी ऑफ दिल्ली मेट्रोपॉलिटन सिटी।

लोक उद्यम संस्थान (IPE), हैदराबाद

459. बी अरुण कुमार, "अ कंम्परेटिव स्टडी ऑफ परफोर्मेंस इवैल्यूएशन ऑफ नेशनल पेंशन सिस्टम एंड सेलेक्ट म्यूचुअल फंड रिटायरमेंट स्कीम्स"।

औद्योगिक विकास अध्ययन संस्थान (ISID), नई दिल्ली

460. मोहित कुमार गुप्ता, "इन्वेस्टमेंट, टैक्ससेशन एंड कॉरपोरेट गवर्नेंसः फैमिली ओनरशिप एंड कंट्रोल ऑफ बिजनेस ग्रुप्स इन इंडिया"।

461. सारिका शांताराम मून (एससी), "डिटरमिनेंट्स ऑफ जॉब परफार्मेंस एंड कैरियर ग्रोथ ऑफ वूमैन इम्प्लाई इन द 'न्यू इकोनमी' : अ स्टडी ऑफ इन्फारमेशन एंड कम्युनिकेशन टेक्नोलॉजी (आईसीटी) सेक्टर इन महाराष्ट्र।

462. स्मिता दीक्षित, "इंपैक्ट ऑफ मीडिया कंजरवेंस ऑन सोशियो–इकोनॉमिक लाइफस्टाइलः अ कम्परेटिव स्टडी बिटवीन मार्जिनालाइज्ड कम्युनिटीज इन प्रयागराज डिस्ट्रिक (यूपी) एंड अनंतपुर डिस्ट्रिक (एपी)"।

मद्रास इंस्टीटयूट ऑफ डेवलपमेंट स्टडीज (MIDS), चेन्नई

463. बृंदा जी कृष्णन, "इंटरेक्शन ऑफ इकोलॉजिकल चेंजस एंड एग्रो–वैल्यूज चेनंस : अ स्टडी ऑफ स्माल होल्डर्स लाइवलीहुडस इन स्पाइसेस वैल्यू चेनंस"।

आईसीएसएसआर में प्राप्त पीएच.डी. शोध प्रबंध (थीसिस)

केंद्र–प्रशासित डॉक्टरेट फैलोशिप पुरस्कार विजेताओं से प्राप्त शोध प्रबंध (थीसिस)

1. अनन्या पात्रा, एनआईटी, राउरकेला, ओडिशा, "रिप्रोडक्टिव हेल्थ चैलेंजिस एंड कोपिंग स्ट्रेटेजीस : अ स्टडी ऑफ फीमेल कंस्ट्रक्शन वर्कर्स इन इंडिया"।
2. वंदना, सीयूजी, गांधीनगर, गुजरात, "इमर्जिंग सिनेरियो इन फूड इंडस्ट्री इनोवेशनः अ केस ऑफ मिल्क एंड मिल्क प्रोडक्टस पैकेजिंग इन गुजरात"।
3. शिशिर शर्मा, सीयूएच, धर्मशाला, एचपी, "सोशल वर्क इंटरवेंशन विद कैंसर पेशेंट्सः ए डिस्क्रिप्शन स्टडी इन हिमाचल प्रदेश"।
4. गीता श्री रॉय, सिक्किम विश्वविद्यालय, गंगटोक, सिक्किम, "टोटल मैनेजमेंट स्ट्रेटीजीस ऑफ फार्मास्युटिकल इंडस्ट्री इन सिक्किम"।
5. टी. थंगादुरई, भारतीदासन विश्वविद्यालय, तिरुचिरापल्ली, तमिलनाडु, "प्लाइट ऑफ स्कैवेंजर्स इन तिरुचिरापल्ली कारपोरेशन, तमिलनाडु"।
6. जसलीन, पीएयू, लुधियाना, पंजाब, "परफार्मेंस एंड यूसेज ऑफ डाटा माइनिंग टेक्नीक फॉर प्रेडिक्टिव मॉडलिंगः अ स्टडी ऑफ सेलेक्टिड स्टॉक मार्केट"।
7. गौतम शर्मा, सीयूजी, गांधीनगर, गुजरात, "इनोवेशन एंड डिजाइनः शेपिंग ऑफ ग्रासरूट्स इनोवेशन इन इंडिया"।
8. जसदीप कौर, जीएनडीयू, अमृतसर, पंजाब, "कास्ट इन अर्बन कॉन्टेक्स्टः ए सोशियोलॉजिकल स्टडी ऑफ द वॉल्ड सिटी ऑफ अमृतसर"।
9. मनमोहन द्विवेदी, माता जीजा बाई गर्वनमेंट गर्ल्स पीजी कॉलेज, इंदौर, एमपी, "भारतीय राजनीति में सफाई कामगारों की स्थिति : आरक्षण के परिपेक्ष्य में"।
10. वीरपाल सिंह, पंजाबी विश्वविद्यालय, पटियाला, पंजाब, "इंटर स्टेट बाउंड्री एंड वाटर डिस्प्यूटस इन इंडियाः अ स्टडी ऑफ पंजाब एंड हरियाणा"।
11. नारायणपुरम ब्रह्मैया, एएनयू, गुंटूर, एपी, "एटीट्यूड ऑफ ईएसएल स्पीकर्स टुवर्ड्स द फिनोमिना ऑफ कोड स्विचिंग एंड कोड मिक्सिंग इन आंध्र प्रदेश"।
12. देवव्रत शर्मा, रेवेनशॉ (Ravenshaw) विश्वविद्यालय, कटक, ओडिशा, "इंपैक्ट ऑफ कॉरपोरेट गवर्नेंस फेसेट्स ऑन फाइनेंशियल परफार्मेंसः अ स्टडी ऑन पब्लिक एंड प्राइवेट सेक्टर बैंक्स इन इंडिया"।
13. सैयद सुहैल याकूब, एएमयू, अलीगढ़, उत्तर प्रदेश, "जेंडर इनइक्वालिटी इन एग्रीकल्चर एंड इट्स इंपैक्ट ऑन वूमैन डेवलपमेंट : अ केस स्टडी ऑन पब्लिक एंड प्राइवेट सेक्टर बैंकस इन इंडिया"।
14. उज्जवल कांति पॉल, एनआईटी, सिलचर, असम, "रोल ऑफ मार्केटिंग इन इकोनॉमिक ग्रोथ : अ केस स्टडी ऑफ पाइनएप्पल इन इंडियाज नार्थ–ईस्ट"।
15. नीतू वी वी, मद्रास विश्वविद्यालय, चेन्नई, तमिलनाडु, "अ जियोस्पाटियल स्टडी ऑफ हेल्थ रिस्क एसेसमेंट ऑफ वेक्टर –बोर्न डिसीजः अ केस स्टडी ऑफ एर्नाकुलम डिस्ट्रिक, केरल, इंडिया"।
16. अनीशा मोदी, टीआईएसएस, मुंबई, महाराष्ट्र, "डायनामिक्स ऑफ सब्सटेंस एंड कार्मिशयल एग्रीकल्चर पैटर्न इन राजस्थान"।

17. मोनिका बिन्नी, टीआईएसएस, मुंबई, महाराष्ट्र, "वायलेंस अगेंस्ट वूमैनः अ केस स्टडी अमंग द निशिंग ट्राइब ऑफ अरुणाचल प्रदेश"।
18. रंजिनी बसु, टीआईएसएस, मुंबई, महाराष्ट्र, "लैंड रिफार्मस इन वेस्ट बंगाल : अ स्टडी ऑफ इट्स मूवमेंट एंड इंम्पलीकेशन"।
19. ईशा नाज़, टीआईएसएस, मुंबई, महाराष्ट्र, "गवर्नेंस ऑफ वन पंचायतसः जेंडर एंड इंस्टीटयूशनल पर्सपेक्टिव फ्रॉम पौड़ी रीजन ऑफ उत्तराखंड"।
20. नवज्योति सिद्धू, गुरुकुल कांगड़ी विश्वविद्यालय (जीकेवी), हरिद्वार, उत्तराखंड, "हाथरत्नावली एवं हाथप्रदीपिका में वर्णित योग चिकित्सा तत्वों का तुलनात्मक अध्ययन"।
21. नूतन पंवार, माता जीजा बाई गवर्नमेंट गर्ल्स पीजी कॉलेज, इंदौर, एमपी, "एम.पी. के जनजाति बहुल जिलों में महिलाओं के यौनप्रवास में वृद्धि और सामाजिक–आर्थिक रूपांतरण"।
22. प्रसून शर्मा, डीईआई, आगरा, उत्तर प्रदेश, "डेवलपिंग एन एजूकेशनल प्रोग्राम बेस्ड ऑन द रेस्पांस टू इंटरवेंशन मॉडल फॉर स्टूडेंट्स विद लिमिटेड इंग्लिश प्रोफिसिएंसी"।
23. नेहा वाधवा, टीआईएसएस, मुंबई, महाराष्ट्र, "ईच टू इट्स ओनः ए स्टडी ऑफ एक्सपीरियंस ऑफ चाइल्डकेअर इन मिडिल–क्लास हाउसहोल्ड्स इन नई दिल्ली"।
24. गुरु प्रकाश सत्संगी, दयालबाग एजुकेश्नल इंस्टीट्यूट (डीईआई), आगरा, उत्तर प्रदेश, "भारत में निगमीय पर्यावरण प्रकटीकरण की नीतियों एवं अभ्यास का अध्ययन (पेट्रोलियम एवं विद्युत कंपनियों के विशेष सन्दर्भ में)"।
25. वंदना देवी, सीयूजी, गांधीनगर, गुजरात, "क्लाइमेट चेंज इंपैक्ट ऑन प्लांट डायवर्सिटी ऑफ ग्रेट हिमालयन नेशनल पार्क कंजरवेशन एरिया, कुल्लू, एचपी"।
26. मोनिका अग्रवाल, डीईआई, आगरा, उत्तर प्रदेश , "स्ट्रैस मैनेजमेंट इन बैंकिंग सेक्टरः अ कम्पेरेटिव स्टडी ऑफ सेलेक्टिड पब्लिक एंड प्राइवेट बैंक्स"।
27. कहकशां हाशमी, पं. रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय, रायपुर, सीजी, "वेलीडेशन ऑफ साइकोलॉजीकल कैपिटल इंटरवेंशन ऑन इंडियन सैंपल ऑफ सुपरवाइजर्स वर्किंग इन इंडस्ट्रियल आर्गेनाइजेशन"।
28. मायाकनन, भारतीदासन विश्वविद्यालय, तिरुचिरापल्ली, टीएन, "अ मेडिको–जियोग्रॉफिकल स्टडी ऑफ फ्लोराइड इंपैक्ट ऑन ह्यूमन हेल्थ इन धर्मपुरी डिस्ट्रिक, तमिलनाडु"।
29. नितिन वसंतराव गणोरकर, टीआईएसएस, मुंबई, महाराष्ट्र, "सोशियो इकोनॉमिक एंड लाइवलीहुड चैलेंजेस ऑफ कोरकू ट्राइब इन मेलाघाट ऑफ महाराष्ट्र"।
30. सुरेश सिंह, एचएनबीयू, देहरादून, उत्तराखंड, "रोल ऑफ पिलग्रिमेज टूरिज्म इन इकोनॉमिक डेवलपमेंट ऑफ जम्मू एंड कश्मीर"।
31. स्तुति हलदर, सीयूजी, गांधीनगर, गुजरात, "ग्रीन इंटरप्रेन्योरशिप इन द रेनेवेबल एनर्जी सेक्टरः अ केस स्टडी ऑफ गुजरात"।
32. अंजू श्योराण, राजस्थान यूनिवर्सिटी (यूओआर), जयपुर, राजस्थान, "परफार्मेंस एंड अप्रेजल ऑफ पावर डिस्ट्रिब्यूशन कंपनीज इन इंडियाः अ कम्परेटिव स्टडी ऑफ सेलेक्टिड पावर डिस्ट्रिब्यूशन कंपनीज इन राजस्थान एंड गुजरात स्टेट"।
33. शैरी चौधरी, एचएनबीयू, देहरादून, उत्तराखंड, "इवैल्युएशन ऑफ इकोटूरिज्म साइट्स इन गढ़वाल हिमालय यूजिंग जीआईएस एंड रिमोट सेंसिंग टेक्निक्सः प्रॉस्पेक्ट्स एंड प्लानिंग"।
34. कृति अग्रवाल, सेंट्रल यूनिवर्सिटी ऑफ़ कर्नाटक, कलबुर्गी, कर्नाटक, "एम्पलॉई एटिट्यूड टुवर्ड्स क्वालिटी सर्कल"।
35. राजेशबाबू रेड्डीपल्ली, एनसीईआरटी, मैसूर, कर्नाटक, "इफैक्टिवनेस ऑफ एक्सपेरिमेंटल लर्निंग एप्रोच ऑन लर्निंग अटेनमेंट, एटीटयूड टुवर्ड्स साइंस एंड साइंस प्रोसेस स्किल्स इन साइंसेज एट अपर प्राइमरी लेवल"।
36. सोहन लाल, हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय, महेंद्रगढ़, हरियाणा, "यूरोज़ोन क्राइसिस एंड इट्स इंपैक्ट ऑन इंडिया"।
37. स्वाति शर्मा, जम्मू विश्वविद्यालय, जम्मू, "अफोर्डेंस एंड टेक्नोलॉजी एक्सेप्टेंसः ए स्टडी ऑफ एचसीआई (HCI) इन ऑनलाइन शॉपिंग"।
38. मुकेश कुमार कुमावत, यूओआर, जयपुर, राजस्थान, "प्रॉब्लम्स एंड प्रोस्पेक्टस इन एडॉप्शन ऑफ इंटरनेशनल फाइनेंसिंग रिपोर्टिंग स्टैंडर्ड इन इंडिया"।

39. एस. मंगियारकरासी, पांडिचेरी विश्वविद्यालय, पुडुचेरी, "इंपैक्ट ऑफ ऑक्यूपेशनल स्ट्रैस एंड जेंडर डिस्पेरिटीज ऑन जॉब सेटेस्फिक्शन अमंग वूमैन पुलिस इन तमिलनाडु"।

40. दसारी अशोक कुमार, ओयू, हैदराबाद, तेलंगाना, "द रिलेशनशिप बिटवीन वर्कर्स पार्टिसिपेशन इन मैनेजमेंट एंड डिसीजन मेंकिंग प्रोसेस एट सिंगारेनी कोलियरीज कंपनी लिमिटेड : अ स्टडी"।

41. एम. महालक्ष्मी, पेरियार विश्वविद्यालय, सेलम, टीएन, "अ स्टडी ऑन रोल ऑफ चिल्ड्रेन इन फैमिली पर्चेस डिसीजन मेकिंग इन डयूरेबल गुड्स विद स्पेशल रेफरेंस टू सलेम डिस्ट्रिक"।

42. हरिप्रिया सरमा, गौहाटी विश्वविद्यालय, गुवाहाटी, असम, "सोशियो–कल्चरल चेंजस अमंग द राभास : अ स्टडी इन गोलपारा एंड साउथ कामरूप डिस्ट्रिक ऑफ असम"।

43. मानसी विनायक, जेएमआई, नई दिल्ली, "एन इंटरस्टेट प्रोसेस इवेल्यूशन स्टडी ऑफ इंदिरा आवास योजना 2005–2016"।

44. रचना मिश्रा, डीयू, दिल्ली, "अंडरटेकिंग रिजिलियंस इन ओरफनड एडोलेसेंट सीकिंग इंस्टीटयूशन केयर"।

45. आर सेल्वाकुमार, भारथिअर विश्वविद्यालय, कोयंबटूर, तमिलनाडु, "इन्क्लूसिव फाइनेंस इंपैक्ट ऑफ सेलेक्ट गवर्नमेंट स्कीम्स फॉर ट्राइबल पीपुल इन तमिलनाडु"।

46. महिंद्रा एन. वर्धलवार, गोखले राजनीति और अर्थशास्त्र संस्थान, पुणे, महाराष्ट्र, "अ स्टडी टू एसेस द इंपैक्ट ऑफ गवर्नमेंट वेलफेयर स्कीम्स एंड प्रोग्राम्स ऑन द डेवलपमेंट ऑफ ट्राइब्स इन गढ़चिरौली डिस्ट्रिकट"।

47. हर्षन टी पी, टीआईएसएस, मुंबई, महाराष्ट्र, "स्टडीज ऑन द डिफरेंशियल इंपैक्ट्स ऑफ नेचुरल डिजास्टर्स ऑन रूरल सोसायटी विद अ फोकस ऑन एग्रीकल्चर प्रोडक्शन"।

48. संयोगिता, सीसीएसयू, मेरठ, उत्तर प्रदेश, "वूमैन इंपावरमेंट आफ्टर 74थ (74th) अमेंडमेंटः अ सोशियोलॉजीकल स्टडी ऑफ वूमेन काउंसलर्स"।

49. रितेश कुमार जायसवाल, डीयू, दिल्ली, "एस्पेक्ट्स ऑफ इंडियन लेबर माइग्रेशन टू सीलोन, मलाया एंड बर्माः ए स्टडी ऑफ द कंगनी एंड मिस्त्री (Maistry) सिस्टम (C. 1880–1940)"।

50. विकास कुमार विक्की, एमजीएएचवी, वर्धा, महाराष्ट्र, "जनजातीय समाज पर सर्व शिक्षा अभियान का प्रभाव (विशेष संदर्भ छत्तीसगढ़ आदिवासी समाज)"।

51. इशिका अग्रवाल, डीईआई, आगरा, उत्तर प्रदेश, "एसेसिंग द रिलेशपशिप बिटवीन टोटल क्वालिटी मैनेजमेंट, मार्केट ओरियंटेशन एंड सर्विस सेक्टर परफार्मेंस विद रेफरेंस टू हॉस्पिटालिटी इंडस्ट्री"।

52. एम. कविनिला, टीएनएयू, मदुरै, टीएन, "एसेसमेंट ऑफ इंटरप्रेन्योशिप स्किल्स अमंग रूरल यूथ इन एग्रीकल्चरल सेक्टर"।

53. एन. पावनी, प्रो. जयशंकर तेलंगाना राज्य कृषि विश्वविद्यालय, हैदराबाद, तेलंगाना, "एडॉप्शन ऑफ चेरियाल पेंटिंग टेकनीक एंड मोटिफस फॉर एप्लीकेशन ऑन इंटीरियर फर्नीनिशिंग"।

54. मोहन सिंह सम्मल, कुमाऊं विश्वविद्यालय, नैनीताल, उत्तराखंड, "इंपैक्ट ऑफ क्लाइमेट चेंज ऑन एग्रीकल्चर, फूड सिक्योरिटी एंड रूरल हेल्थ इन बलिया कैचमेंट, कुमाऊं हिमालय"।

55. दीपांजलि गोस्वामी, झारखंड केंद्रीय विश्वविद्यालय, रांची, झारखंड, "रोल ऑफ सर्व शिक्षा अभियान इन एलीमेंट्री एजूकेशनः अ कम्पेरेटिव स्टडी ऑन परहैया ट्राइब इन टू डिस्ट्रिक ऑफ झारखंड"।

56. इंद्र कांत भारती, सीयूजी, गांधीनगर, गुजरात, "इफैक्ट्स ऑफ रेमीटेंस ऑन इंटरजेनरेशनल मोबिलिटी इन केस ऑफ एजूकेशन, ऑक्यूपेशन एंड सोशल कैपिटल"।

57. फहीमा खानम, जेएमआई, दिल्ली, "क्लाइमेट चेंज गवर्नेंसः ए स्टडी ऑफ इंडिया एंड साउथ अफ्रीका"।

58. अंकिता बाजपेयी, दून विश्वविद्यालय, देहरादून, उत्तराखंड, "मीजरिंग द इंपैक्ट ऑफ इंटरप्रीन्योरियल कॉम्पीटेंस इन द इमरजेंस ऑफ स्मॉल एंड मीडियम इंटरप्राइजेज"।

59. सोनम टोपगे भूटिया, सिक्किम विश्वविद्यालय, गंगटोक, सिक्किम, "फाइनेंसयिल इंक्लूजन इन सिक्किम : इन्शीएटिव एंड आउटरीच"।

60. आशीष कुमार उपाध्याय, मुंबई विश्वविद्यालय, मुंबई, महाराष्ट्र, "प्राइमरी एजूकेशन इन उत्तर प्रदेशः अ केस स्टडी ऑफ हंडिया तहसील ऑफ इलाहाबाद डिस्ट्रिक"।

61. तबस्सुम परवीन, जेएमआई, दिल्ली, "द इमर्जिंग डायनामिक्स ऑफ द पॉलिटिकल इकोनामी ऑफ यूएई एंड कतर सिंस 1990 : अ कम्परेटिव स्टडी"।

62. डी. बालाजी, एमकेयू, मदुरै, टीएन, "जिओ मेडिकल एनालिसिस ऑफ एपिडीमीओलाजीकल एंड एन्वायरमेंटल केरेक्टरस्टिक्स ऑफ वेक्टर बोर्न डिसीज इन मदुरै सिटी : अ स्पेशल रेफरेंस टू चिकनगुनिया"।

63. प्रीत कुमारी, डीईआई, आगरा, उत्तर प्रदेश , "रिलेशनशिप बिटवीन पर्सनॉलिटी ट्रेटस, एटीट्यूड एंड अवेयेरनेस टुवर्डस इनवायरनमेंटल बिहैवियर अमंग कॉलेज स्टूडेंट्स"।

64. इमरान, जामिया, दिल्ली, "इम्पलायमेंट जेनरेशन स्ट्रेटेजीस इन पोस्ट इंडिपेंडेंट ताजिकिस्तान : अ स्टडी"।

65. श्रुति सुधा मिश्रा, संबलपुर विश्वविद्यालय, संबलपुर, ओडिशा, "द रोल ऑफ हैंडलूम इंडस्ट्री इन डेवलपिंग रूरल इकोनॉमी : अ क्रास कल्चरल एनालिसिस"।

66. शिखा, सीसीएसयू, मेरठ, उत्तर प्रदेश , "अ स्टडी ऑन स्पिरिटचुआलिटी, एलिनेशन एंड वैलबीइंग अमंग एल्डरली इन रिलेशन टू सर्टेन सोशियो–इकोनॉमिक वेरिएबल्स"।

67. शिखा त्रिपाठी, बीबीएयू, लखनऊ, उत्तर प्रदेश , "इम्पैक्ट ऑफ कॉरपोरेट गवर्नेंस ऑन डिफॉल्ट रिस्क एंड अर्निंग्स रिस्पांस कोफिशिएंटः एन एक्सप्लोरेटरी स्टडी इन इंडियन कॉन्टेक्स्ट"।

68. पोन एसाकी संगीता ई, अन्ना विश्वविद्यालय, चेन्नई, टीएन, "अ स्टडी ऑन इन्वेस्टमेंट बिहैयवियर ऑफ वर्किंग वूमैन इन्वेस्टर्स इन द फाइनेंशियल मार्केट विद स्पेशल रेफरेंस टू परफार्मेंस ऑफ शेयर मार्केट इन थूथुकुडी डिस्ट्रिक"।

69. प्रिया सैनी, दून यूनिवर्सिटी, देहरादून, उत्तराखंड, "क्रॉस–कल्चरल नॉलेज एंड एडेप्टेबिलिटी ऑफ एक्सपेट्रिएट्स इन इंडिया"।

70. थेईमीपाई रालेंग, जेएनयू, दिल्ली, "जेंडर इक्वालिटी एंड आर्म्ड पॉलिटिक्सः अ केस स्टडी ऑफ नागा मूवमेंट फ्रॉम 1956 टिल प्रेजेंट कांटेक्सट"।

71. साधना देवी, इलाहाबाद विश्वविद्यालय, प्रयागराज, उत्तर प्रदेश, " प्रमुख महाकाव्यों में वर्णित नदियों का ऐतिहासिक और धार्मिक महत्व : एक विमर्श"।

72. नीलम, जेएनवीयू, जोधपुर, राजस्थान, "स्टडी ऑन मेंटल स्ट्रेस, फीलिंग ऑफ सिक्युरिटी एंड इनसिक्युरिटी एंड पर्सीव्ड लोनलीनेस अमंग ओल्ड एज पीपुल"।

73. टी. नागज्योति, एसवीयू, तिरुपति, एपी, "वर्किंग कैपिटल मैनेजमेंट इन स्टील अथॉरिटी ऑफ इंडिया लिमिटेड"।

74. वलीद मुताहर अब्दुलहदी अब्दुलगब्बर, बीएचयू, वाराणसी, उत्तर प्रदेश, "इंपैक्ट ऑफ कॉरपोरेट प्रैक्टिसेस ऑन फर्मस परफारमेंसः अ कम्परेटिव स्टडी विटवीन इंडिया एंड गल्फ कंट्रीज"।

75. पी टी शाहाना, जेएनयू, दिल्ली, "जापान क्वेस्ट फॉर 'नार्मलाइजेशन' : अ स्टडी ऑफ सिक्योरिटी पॉलिसी 1991–2016"।

76. सैमा बशीर, कश्मीर विश्वविद्यालय, श्रीनगर, जम्मू और कश्मीर, "पोस्ट कोलोनियल फेमिनिज्म : कांट्रीब्यूशन ऑफ इंडियन फेमेनिस्टस"।

77. विभा यादव, बीएचयू, वाराणसी, उत्तर प्रदेश, "सेंस ऑफ कोहेरेंस, बॉडी इमेज, सोशलाइजेशन, इमोशन रेगुलेशन एंड सोशल स्किल्स ऑफ एडोलसेंट्स विद ऑर्थोपेडिक डिसेबिलिटी"।

78. मीनाक्षी मीणा, केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, श्रीसदाशिवपरिसर, पुरी, ओडिशा, "योग सूत्रों पर भोजवृत्तिप्रदीपीओ समीक्षणात्मकं अध्ययन"।

79. हरदीप सिंह, पंजाबी विश्वविद्यालय, पटियाला, पंजाब, "रोल ऑफ सोहन सिंह जोश इन एंटी ब्रिटिश मूवमेंट (1920–1947)"।

80. के. अरिवलगन, भारतीदासन विश्वविद्यालय, तिरुचिरापल्ली, टीएन, "एम्पावरमेंट ऑफ डिफरेंटली एब्लिड पर्सन थ्रू सेल्फ एम्लायमेंट इन पेरम्बलुर डिस्ट्रिक"।

81. सेरा सोनम ओंगमो वांगडी, डीयू, दिल्ली, "मिथिकल एंड मिस्टिकल वर्ल्ड ऑफ तिब्बतंस"।

82. अनिल कुमार एस एच, कर्नाटक विश्वविद्यालय, धारवाड़, कर्नाटक, "रूरल सेनीटेशन इन कर्नाटक : अ कम्परेटिव स्टडी"।

83. सिंधु थॉमस, भारतीदासन विश्वविद्यालय, तिरुचिरापल्ली, टीएन, "क्रिश्चियन मेडिकल मिशनरीज एंड हेल्थ केयर इन त्रावणकोर स्टेट, 1838–1950"।

84. अत्री बरुआ, गुवाहाटी विश्वविद्यालय, गुवाहाटी, असम, "पॉलिटिक्स ऑफ रेजिसटेंसः अ स्टडी ऑफ कृषक मुक्ति संग्राम समिति, असम"।

85. हरसिमरन कौर बेदी, पंजाब विश्वविद्यालय, चंडीगढ़, "द कान्सेप्ट ऑफ मैरिज अंडर हिंदू लॉ एंड द इमर्जिंग वैरींग रिलेशनशिप डेट आर इन नेचर ऑफ मैरिजः अ सोशियो लीगल स्टडी"।

86. दिनेश गुप्ता, सिक्किम विश्वविद्यालय, गंगटोक, सिक्किम, "हर्डिंग एंड पैनिक बिहेवियर इन नेशनल स्टॉक एक्सचेंज ऑफ इंडिया : एन एम्पेरेकिल स्टडी"।

87. संध्या रुस्तम येवले, तिलक महाराष्ट्र विद्यापीठ, पुणे, महाराष्ट्र, "सोशल एंड कल्चरल कांट्रीव्यूशन ऑफ महानुभाव सेक्ट इन बीड डिस्ट्रिक"।

88. प्राची मधुमिता मोहंती, फकीर मोहन विश्वविद्यालय, बालासोर, ओडिशा, "इंडो–रशिया कोऑपरेशन इन साउथ–एशिया : मूव टुवर्डस अ मल्टी पोलर वर्ल्ड"।

89. आशीष कुमार शर्मा, यूओआर, जयपुर, राजस्थान, "राजस्थान में कृषि विकास में भूमि और जल प्रबंधन की समीक्षा (प्रतापगढ़ के सन्दर्भ में)"।

90. अर्चिका कटियार, जीवाजी विश्वविद्यालय, ग्वालियर, एमपी, "एंटीसीडेंट एंड मैनीफेस्टेशन ऑफ जॉब सेटेसफेक्शन : अ स्टडी ऑफ हॉस्पिटल"।

91. अधले प्रदीपकुमार महादेव, महात्मा फुले कृषि विद्यापीठ, राहुरी, महाराष्ट्र, "इंपैक्ट एनालिसिस ऑफ इन्वेस्टमेंट इन शुगरकेन रिसर्च इन महाराष्ट्र"।

92. निम्मी मारिया जोसेफ, भारथिअर विश्वविद्यालय, कोयंबटूर, टीएन, "एन इकोलॉजिकल मॉडल पर्सपेक्टिव ऑफ एनवायर्नमेंटल बैरियर्स टू आईसीटी यूज एंड द परसेव्ड क्वालिटी ऑफ द यूथ इन थेनम्मनल्लूर ग्राम पंचायत, कोयंबटूर"।

93. शाजिया माजिद, कश्मीर विश्वविद्यालय, श्रीनगर, कश्मीर, "अपोजीशन पॉलिटिक्स इन जम्मू एंड कश्मीर सिंस 1947"।

94. एमवी कार्तिगयिनी, जीआरआई, गांधीग्राम, टीएन, "इंपैक्ट ऑफ फाइनेंसियल लिटरेसी ऑन क्रेडिट यूटीलाइजेशन अमंग सेल्फ हेल्प ग्रुप मेंबर्स इन मदुरै डिस्ट्रिक"।

95. शरणप्पा एम. संघर्ष, गुलबर्गा विश्वविद्यालय, कलबुर्गी, कर्नाटक, "इंडो–रशियन रिलेशंस इन 21 सेंचुरी (2000–2014)"।

96. पूजा झा, बीएचयू, वाराणसी, उत्तर प्रदेश, "एनालिसिस ऑफ फाइनेंसियल लिटरेसी एंड फाइनेंस इंक्लूजन अमंग रूरल हाउसहोल्डसः अ केस स्टडी ऑफ दरभंगा डिस्ट्रिक इन बिहार"।

97. महेंद्र पांडुरंग पवार, डॉ. बाबासाहेब आम्बेडकर मराठवाड़ा विद्यापीठ, औरंगाबाद, महाराष्ट्र, "समाजिक शास्त्रे विद्याशाखे अंतर्गत राज्यशास्त्र विषयात पीएचडी पदकारिता सादर करण्यात आलेला"।

98. रेवणय्या, कर्नाटक केंद्रीय विश्वविद्यालय, कलबुर्गी, कर्नाटक, "फाइनेंशियल रिपोर्टिंग अंडर आईजीएएपी, आईएफआरएस एंड इंडएएस ऑफ सेलेक्ट कंपनीज इन इंडिया"।

99. साक्षी वर्मा, जीएनडीयू, अमृतसर, पंजाब, "सोशल एक्सचेंज एंड डेवलपमेंटः ए स्टडी ऑफ बॉर्डर बेल्ट ऑफ जम्मू डिस्ट्रिक्ट"।

100. पी. रामप्रसाद, एएनयू, गुंटूर, एपी, "प्राब्लम्स ऑफ हाउसलेस पापुलेशन इन विजयवाड़ाः अ सोशल वर्क पर्सेपेक्टिव"।

101. अश्विनी कुमार पाठक, दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय, गोरखपुर, उ.प्र., "शांति शिक्षा की अवधारणा, आवश्यकता एवं पाठ्यचर्चा का विकास"।

102. शैली चौधरी, मेरठ कॉलेज, मेरठ, उत्तर प्रदेश , "महिलाओं की ग्राम पंचायत में भूमिकाः परीक्षितगढ़ ब्लॉक, जिला मेरठ का एक समाजशास्त्रीय अध्ययन"।

103. नित्या ढींगरा, पंजाबी विश्वविद्यालय, पटियाला, पंजाब, "टीवी एडवरटिजमेंट एज सिम्बोलिक एंड सबलीमिनल कल्चरल टेक्स्ट : अ क्रिटिकल स्टडी"।

104. अजीना रोज, मनोन्मनियम सुंदरनार यूनिवर्सिटी (एमएसयू), तिरुनेलवेली, टीएन, "इनविजनिंग क्रिएटिव डेमोक्रेसी थ्रू डिजिटल इनीशियटिव : अ केस स्टडी ऑन डिस्कोर्स ऑफ रूरल डेवलपमेंट प्रोग्राम्स"।

105. श्रुति मीमांसा, एचएनबीयू, देहरादून, उत्तराखंड, "महाभारत में पर्यावरण संदर्भों की विवेचना"।

106. समीक्षा प्रियदर्शिनी साहू, उत्तर उड़ीसा विश्वविद्यालय, मयूरभंज, ओडिशा, "अ स्टडी ऑन सोशल सेक्टर डेवलपमेंट इन ओडिशा"।

107. हरचरण सिंह, पंजाबी विश्वविद्यालय, पटियाला, पंजाब, "फ्रस्टेशन अमंग प्रोफेशनल कॉलेज स्टूडेंट्स इन रिलेशन टू देयर लोकस ऑफ कंट्रोल, एंग्जाइटी एंड सोशल मैच्युरिटी"।

108. श्रीनिवास, ओयू, हैदराबाद, तेलंगाना, "फाइनेंसियल लिटरेसी एंड इन्वेस्टमेंट डिसीजंस ऑफ सॉफ्टवेयर इंजीनियर्स इन हैदराबाद"।

109. गीताली फूकन, सीयूजी, गांधीनगर, गुजरात, "आइडेंटिटी कॉन्फ्लिक्ट एंड इट्स इम्पैक्टः ए स्टडी ऑन आदिवासी कॉन्फ्लिक्ट इन असम"।

110. प्रतिभा मोहन, एनईएचयू (NEHU), तूरा, मेघालय, "फाइनेंसिंग एंड रिर्सोस यूज इफीशिएंसी ऑफ कम्पोजिट फिश कल्चर इन शिवसागर डिस्ट्रिक ऑफ असम"।

111. मोती लाल, इग्नू, दिल्ली, "फंकशनिंग ऑफ लोकल सेल्फ गवर्नमेंट इन छत्तीसगढ़ एंड मध्य प्रदेश इन द कांटेक्स्ट ऑफ लेफ्ट विंग एक्सट्रीमिज्म इन पोस्ट इंडिपेंडेंस इंडिया"।

112. प्रियंका कुमारी, डीईआई, आगरा, उत्तर प्रदेश, "दयालबाग़ एजुकेशनल इंस्टिट्यूट एवं एमएसएमई मंत्रालय द्वारा संचालित व्यावसायिक प्रशिक्षण कार्यक्रमों की प्रभावशीलता का प्रशिक्षणार्थियों के कौशलात्मक विकास, व्यावसायिक सफलता एवं आत्म–सम्प्रत्य के सन्दर्भ में एक तुलनात्मक अनुवर्ती अध्ययन"।

113. गैदीमलुंग फाओमी, पंजाब विश्वविद्यालय, चंडीगढ़, "पॉलिटिकल एंड सोशियो कल्चरल लाइफ ऑफ रोंगमेई ट्राइब्स इन मणिपुर"।

114. आर. जगन्नाथ, अन्नामलाई विश्वविद्यालय, अन्नामलाई नगर, तमिलनाडु, "द विटैलिटी ऑफ अल्टरुस्टिक गवर्नेंसः ए स्टडी विद स्पेशल रेफरेंस टू वेलफेयर पॉलिसीज ऑफ ट्रांसजेंडर कम्युनिटी"।

115. मालोथ नरेश नाइक, उस्मानिया विश्वविद्यालय, हैदराबाद, तेलंगाना, "इंपैक्ट ऑफ प्रोडक्ट पैकेजिंग स्ट्रैटीजिस ऑन कंज्यूमर पर्चेज बिहैवियरः अ स्टडी ऑन सेलेक्टिड एफएमसीजी प्रोडक्टस"।

116. महादेवप्पा वाई. बिंदल, कर्नाटक विश्वविद्यालय, "इम्पारवरेंट ऑफ इलेक्टिड रेप्रेजेंटेटिवस ऑफ शेडयूल्ड कास्टस एंड ट्राइब्स इन पंचायती राज इंस्टीटयूशंस : अ केस स्टडी ऑफ धारवाड़ डिस्ट्रिक"।

117. मावी नगैह लियान, इग्नू, दिल्ली, "वूमैन इम्पावरमेंट इन द नार्थ–ईस्ट : अ केस स्टडी आफ चुराचांदपुर डिस्ट्रिक, मणिपुर (1990–2014)"।

118. नेहा व्यास, एमएलएसयू, उदयपुर, राजस्थान, "चेंजिंग पैटर्नस ऑफ माइग्रेशन इन टीएसपी एरियाज ऑफ राजस्थान : चैलेंजिस एंड इश्यूज"।

119. गौरव कुमार शर्मा, यूओआर, जयपुर, राजस्थान, "भारत–अमेरिका सम्बन्ध : 21वीं सदी में उभरते आयाम एवं चुनौतियां"।

120. रिपुजीत, पंजाबी विश्वविद्यालय, पटियाला, पंजाब, "स्माल होल्डर्स, एजूकेशनल आउटकम्स एंड ऑक्यूपेशनल मोबिलिटी इन रूरल पंजाब"।

121. क्वीन डेका, गुवाहाटी विश्वविद्यालय, गुवाहाटी, असम, "पैरेटिंग स्ट्रैस एंग्जाइटी, डिप्रेशन एंड सोशल एडजस्टमेंट अमंग पेरेंटस आफ चिल्ड्रेन विद डिसएबिलिटी"।

122. बालाजी के सी, मद्रास विश्वविद्यालय, चेन्नई, टीएन, "इंफ्लूएंस ऑफ सेल्स लीडरशिप, सेल्स फोर्स एडाप्शन एंड सेल्स इनोवेटिवनेस ऑन सेल्स परफार्मेंस विद कस्टमर नॉलेज मैनेजमेंट एज ए मीडिएटर"।

123. पूजा कुमरा, पंजाबी विश्वविद्यालय, पटियाला, पंजाब, "इफैक्टिवनेस ऑफ स्मार्ट बोर्ड इंस्ट्रक्शनल मैथडोलॉजी ऑन एचीवमेंट ऑफ सेकेंडरी स्कूल स्टूडेंट्स इन मैथेमेटिक्स"।

124. लिपिका बर्मन, गुवाहाटी विश्वविद्यालय, गुवाहाटी, असम, "इमोशनल मैच्युरिटी एंड सोशल एडजस्टमेंट ऑफ इंस्टीटयूशनल चिल्ड्रेन अंडर नीड केयर एंड प्रोटेक्शन"।

125. मो. इफ्तिखार बेग, मिजोरम विश्वविद्यालय, आइजोल, मिजोरम, "कॉरपोरेट गवर्ननेंस प्रैक्टिसेस ऑफ ऑटोमोबाइल कंपनीज लिस्टेड इन एस एंड पी, बीएसई ऑटो एंड इट्स इंपैक्ट ऑन फर्मस परफार्मेंस"।

126. अर्पिता शर्मा, यूओएच, हैदराबाद, तेलंगाना, "रिकलेमिंग लैंड, लैंग्वेज एंड लीनिएजः वूमैन नैरेटिव ऑफ गोरखालैंड मूवमेंट (1986 और 2007)"।

127. वायल अमर रमेश, सीयूजी, गांधीनगर, गुजरात, "द रेड नैरेटिवः मार्जिन्स एंड रिप्रेजेंटेशन इन सेलेक्टेड पोस्ट–1990 नॉर्थ अमेरिकन नेटिव फिक्शन"।

128. प्रियंका त्यागी, कुमाऊं विश्वविद्यालय, नैनीताल, उत्तराखंड, "कम्युनिटी बेस्ड डिजास्टर रिस्क एजूकेशन (डीआरआर) प्लानिंग इन रूद्रप्रयाग डिस्ट्रिक, उत्तराखंड"।

129. राहुल भीमराव तायडे, डॉ. बाबासाहेब आम्बेडकर मराठवाड़ा विद्यापीठ, औरंगाबाद, महाराष्ट्र, "प्रोडक्शन एंड मार्केटिंग स्ट्रेटजीस ऑफ सेलेक्टिड फर्टीलाइजर एंड नॉन फर्टीलाइजर एग्रीकल्चरल प्रोडक्टस इन मराठवाड़ा रीजन : अ कम्परेटिव स्टडी"।

130. अमिता चौधरी, यूओआर, जयपुर, राजस्थान, "इंपैक्ट ऑफ इंटरनल कंट्रोल प्रैक्टिसेस ऑन परफारमेंस इन इंडियन बैंकिंग सेक्टर विद स्पेशल रेफरेंस टू पब्लिक सेक्टर बैंक"।

131. धीरेंद्र कुमार, इंदिरा गांधी कृषि विद्यालय, रायपुर, सीजी, "इंपैक्ट ऑफ क्लाइमेट चेंज ऑन एग्रीकल्चर एंड लाइवलीहुड वल्नरेबिलिटी ऑफ उत्तराखंड : एन इकोनॉमिक एनालिसिस"।

132. सुलिला अनार, जेएनयू, दिल्ली, "यूनीवर्सिटी ऑटोनामी एंड रेग्युलेटरी इंस्टीटयूशन ऑफ हायर एजूकेशन इन इंडिया : अ कम्परेटिव स्टडी "।

133. एम. वनिता, पेरियार विश्वविद्यालय, सलेम, टीएन, "चैलेंजेस ऑफ वूमैन वर्कर्स इन पावर लूम सेक्टर इन सलेम डिस्ट्रिक आफ तमिलनाडुः अ सोशियोलॉजीकल स्टडी"।

134. धर्मेन्द्र कुमार वीरोदय, जेएनयू, दिल्ली, "हिंदी दलित आत्मकथाओं में स्त्री प्रश्न"।

135. अनीश कुमार, बोध–भारतीय अध्ययन, बारला, मध्य प्रदेश सांची विश्वविद्यालय, "21 वीं सदी के आदिवासी कवियों की हिंदी कविताओं में चित्रित आदिवासी समाज एवं संस्कृति"।

136. बी श्रवणकुमार, एसवीयू, तिरुपति, एपी, "इंडो–चायना रिलेशंस फ्रॉम कानफिलिक्ट टू कोआपरेशन"।

137. मधुलिका सोनी, जय नारायण व्यास यूनिवर्सिटी (जेएनवीयू), जोधपुर, राजस्थान, "रोल ऑफ स्पेशल इकोनॉमिक जोंस (एसईजेड) इन इकोनामिक डेवलपमेंट ऑफ इंडिया"।

138. रमशीना सीए, यूओएच, हैदराबाद, तेलंगाना, "जेंडर एंड हायर एजूकेशनः मैपिंग द एक्सपीरियंस ऑफ मुस्लिम वूमैन इन केरल"।

139. धवरे मिलिंद सुरेश, जेएनयू, दिल्ली, "एथिकल इम्पेरटिव इन पॉलिटिक्स : ए स्टडी ऑफ द रोल ऑफ एथिक्स इन बीआर अंबेडकर्स पॉलिटिकल थॉट"।

140. अविजित महल, जेएनयू, दिल्ली, "लैंड डिग्रेडेशन प्रोसेसस इन सेलेक्ट मॉर्फो–क्लाइमेट रीजनः ए स्टडी फ्रॉम ट्रॉपिकल एंड एरिड इंडिया"।

141. फिरदौस अहमद काज़ी, बाबा गुलाम शाह बादशाह विश्वविद्यालय, राजौरी, कश्मीर, "फाइनेंसियल इंक्लूजन एंड इट्स इंपैक्ट ऑन रूरल हाउसहोल्डस : अ स्टडी ऑफ जम्मू कश्मीर डिवीजन आफ जेएंडके स्टेट विद स्पेशल रेफरेंस टू प्रधानमंत्री जन धन योजना"।

142. अनुसूया पाल, नार्थ बंगाल विश्वविद्यालय, दार्जिलिंग, असम, "डेवलपमेंट पॉलिसीज इन द सोशल सेक्टर एंड द स्टेट पार्टी लेड कोएलेशन गवर्नमेंटसः अ स्टडी ऑफ टू स्टेटस ऑफ ओडिशा एंड बिहार (2000–2010)"।

143. रणजीत जाना, इग्नू, दिल्ली, "क्लाइमेट रिलेटिड डिजास्टर वलनेरेबिलिटी एंड लाइवलीहुड सिक्योरिटी इन इंडियन सुंदरवन"।

144. वेदा वी एन, मुंबई विश्वविद्यालय, मुंबई, महाराष्ट्र, "रिसोर्स डिप्लोमेसी ऑफ इंडिया एंड चायना इन अफ्रीकाः इन्वेस्टीगेटिंग एनर्जी एंड फूड सिक्योरिटी"।

145. जी. जॉर्ज, जीआरआई, गांधीग्राम, टीएन, "इंपैक्ट एसेसमेंट ऑफ मैनुअल स्कैवेंजर्स रिहैबिलिटेशन एक्ट इन तमिलनाडु"।

146. कुवरपाल, यूओआर, जयपुर, राजस्थान, "स्टूडेंट पॉलीटिक्स इन राजस्थान यूनीवर्सिटीज"।

147. तबज़ीर यासीन, कश्मीर विश्वविद्यालय, श्रीनगर, कश्मीर, "मुस्लिम फेमेनिज्म : इमर्जेंस एंड ट्रेंड्स"।

148. श्रुति, बीएचयू, वाराणसी, उत्तर प्रदेश, "हेल्थकेयर कॉस्ट इन इंडियाः अ कम्परेटिव स्टडी ऑफ कम्युनिकेबल एंड नॉन कम्युनिकेबल डिसीज"।

149. शाजिया तबस्सुम, एएमयू, अलीगढ़, उत्तर प्रदेश, "एडाप्शन ऑफ सस्टेनेबल एग्रीकल्रल प्रैक्टिस अमंग फार्मिंग कम्युनिटीः एन एप्लीकेशन ऑफ रीजंड एक्शन एप्रोच एंड थियोरी ऑफ प्लानड बिहैवियर एज कान्सेप्युटयल फ्रेमवर्क"।

150. छाया रानी हजारिका, गौहाटी विश्वविद्यालय, गुवाहाटी, असम, "ओपियम एडिक्शन, फर्टीलिटी एंड इनफैंट मोरटालिटीः अ स्टडी अमंग द शिमोगास एंड वांचो ऑफ अरुणाचल प्रदेश"।

151. अमित शर्मा, एचपीयू, शिमला, एचपी, "इनोवेटिव मार्केटिंग स्ट्रेटजीस ऑफ एमएसमई इन हिमाचल प्रदेश : अ केस स्टडी"।

152. के. गुरुनाथ कुमार, ओयू, हैदराबाद, तेलंगाना, "इंपैक्ट ऑफ इकोनॉमिक रिफार्मस ऑन स्माल स्केल इंडस्ट्रीज इन आंध्र प्रदेश"।

153. अफाक हैदर, जामिया (JMI), दिल्ली, "सोशियो–पॉलिटिकल मूवमेंट्स एंड मास मीडियाः ए स्टडी ऑफ गया डिस्ट्रिक्ट इन बिहार (1990–2005)"।

154. सेराम गुणेश्वरी देवी, सीयूजी, गांधीनगर, गुजरात, "नैरेटिव ऑफ वायलेंसः ए स्टडी ऑफ द कंटेम्परेरी नॉवेल्स ऑफ नॉर्थ–ईस्ट इंडिया"।

155. खुशबू शर्मा, जेएनयू, दिल्ली, "अर्बन एक्सपेंशन एंड कान्सीक्वेंस : अ जिओ मॉर्फोलाजीकल पर्सपेक्टिव ऑफ पटना"।

156. सुरेश कुमार पात्रा, पांडिचेरी विश्वविद्यालय, पुडुचेरी, "एन एम्पीरिकल एनालिसिस ऑफ हाउसहोल्ड सेविंग इन इंडिया"।

157. एस. वेल्लीमलयन, जीआरआई, गांधीग्राम, टीएन, "एलायंस अमंग रूरल ऑर्गनाइजेशन फॉर डेवलपमेंटः ए स्टडी इन डिंडीगुल डिस्ट्रिक्ट, तमिलनाडु"।

158. ताजिंद्र कौर, एमएलएसयू, उदयपुर, राजस्थान, "इम्पलायमेंट ट्रेंडस एंड सोशल सिक्योरिटी ऑफ फीमेल्स इन पोस्ट रिफार्म पीरियडः अ कम्पेरेटिव स्टडी ऑफ आर्गेनाइज्ड एंड अनआर्गेनाइज्ड सेक्टर इन राजस्थान"।

159. मंगला ठाकुर, आरएसएस, पुरी, ओडिशा, " स्वातंत्र्यत् परं संस्कृतसाहित्यस्य विकासे हिमाचलप्रदेशस्य योगदानम्"।

160. हनमन्त्रय चंदप्पा, गुलबर्गा विश्वविद्यालय, कलबुर्गी, कर्नाटक, "प्रोफेशनल सेटिसफेक्शन अमंग सोशल वर्कर्स इन गवर्नमेंट एंड नॉन गवर्नमेंट आर्गेनाइजेशन इन कर्नाटक"।

161. अभिषेक कल्याणे, विक्रम विश्वविद्यालय, उज्जैन, मध्य प्रदेश, "एक अनुसूचित जाति की शिक्षा और स्वास्थ्य की सामाजिक स्थिति का एक समाजशास्त्रीय अध्ययन : उज्जैन जिले के विशेष संदर्भ में"।

162. निशा कुमारी, गोरखपुर विश्वविद्यालय, गोरखपुर, उत्तर प्रदेश, "इलनेस पर्सेप्शन, डिस्ट्रेस, कोपिंग स्ट्रेटजीस एंड साइकोलॉजीकल वैल बीइंग इन क्रोनीकली इल पेशेंट"।

163. अजहर हुसैन, सीयूजी, गांधीनगर, गुजरात, "पॉलिटिक्स ऑफ कल्चर एंड इमेजिनेशन ऑफ नेशनलिज्म इन इंडियन डायस्पोरा इन यूएसए"।

164. जिशा राजेंद्रन, एमिटी यूनिवर्सिटी, नोएडा, उत्तर प्रदेश, "अ स्टडी ऑफ इम्लीकेशंस ऑफ डिजिटल एंड थिएटर ट्रेनिंग इंटरवेंशन टुवर्डस सस्टेनेबल लाइवलीहुड ऑफ स्ट्रीट आर्टिस्ट्स इन दिल्ली एनसीआर"।

165. रामवृक्ष द्विवेदी, डीएचएसजीयू, सागर, एमपी, "स्थानीय स्वशासन में दलित महिला नेतृत्वः एक समाजशास्त्रीय अध्ययन (उत्तर प्रदेश के सुल्तानपुर के विशेष संदर्भ में)"।

166. एन उमरानी, जीआरआई, गांधीग्राम, टीएन, "अ स्टडी ऑफ सोशियो इकोनामिक स्टेटस ऑफ ट्राइबल्स फार्मर्स इन कोल्ली हिल्स, नमक्कल डिस्ट्रिक, तमिलनाडु"।

167. सुरेश एन हूगर, कर्नाटक विश्वविद्यालय, धारवाड़, कर्नाटक, "इंपैक्ट ऑफ सोशल सिक्युरिटी स्कीमस इन कर्नाटक : अ स्टडी ऑफ नेशनल सोशल असिसटेंस प्रोग्राम्स इन धारवाड़ एंड गडग"।

168. शुभम उनियाल, जेएनयू, दिल्ली, "अनुवाद उपकरण के रूप में निरुक्तः विशेष अध्ययन "।

169. मीनाक्षी भारद्वाज, यूओआर, जयपुर, राजस्थान, "एन इवैल्यूटिव एनालिसिस ऑफ प्रायोरिटी सेक्टर लेंडिग इन रीजनल रूरल बैंक्स : अ केस स्टडी ऑफ जयपुर थार ग्रामीण बैंक"।

170. अभिषेक मिश्रा, बीबीएयू, लखनऊ, उत्तर प्रदेश, "अ स्टडी ऑफ इंटरवेंशन फ्रॉम श्रीमदभगवद गीता फॉर लेवरेजिंग परफार्मेंस विद स्पेशल रेफरेंस टू ह्यमून कैपिटल एंड मैटीरियल रिर्सोस"।

171. शालिनी श्रीवास्तव, दून विश्वविद्यालय, देहरादून, उत्तराखंड, "रिलेशनशिप विटवीन सेल्फ इफीकेसी, वर्क एटीटयूड एंड जॉब परफार्मेंसः अ स्टडी ऑफ सेलेक्टिड प्राइवेट बैंक्स"।

172. पीयूष कुमार सिंह, सेंट्रल यूनिवर्सिअी ऑफ साउथ बिहार (सीयूएसबी), गया, बिहार, "ग्लोबलाइजेशन एंड सोशियो–कल्चरल चेंजः अ सोशियोलॉजीकल स्टडी ऑफ गोंड ट्राइब इन सोनभद्र डिस्ट्रिक, उत्तर प्रदेश"।

173. एकता जैन, जेएनयू, दिल्ली, "अ स्टडी ऑफ वूमैन इन कॉर्पोरेट सेक्टर एंड देयर वर्क–फैमिली लाइफ निगोसिएशंस"।

174. सलील चेम्बयिल, जामिया (JMI), दिल्ली, "नियो–लिबरलिज्म एंड इट्स इंपैक्ट ऑन सिक्यूरिटीः अ स्टडी ऑफ इंडियाज एक्सपीरियंस पोस्ट 1991"।

175. पूर्वा दशोरा, स्वामी केशवानंद राजस्थान कृषि विश्वविद्यालय, बीकानेर, राजस्थान, "यूटीलाइजेशन बिहैवियर ऑफ कृषि विज्ञान केंद्र साइंसटिस्टस ऑफ राजस्थान ऑन इनफॉर्मेशन कम्युनिकेशन टेक्नोलॉजी टूल्स"।

176. मोहम्मद इमरान पारे, जामिया (JMI), दिल्ली, "प्रेस, पावर एंड ट्रांजिशनः अ सोशल हिस्ट्री ऑफ जर्नलिज्म इन कश्मीर"।

177. एल. नरसिमलू, ओयू, हैदराबाद, तेलंगाना, "इंपैक्ट ऑफ इरीगेशन ऑन एग्रीकल्चरल प्रोडक्टीविटी : अ केस स्टडी ऑफ मेडक डिस्ट्रिक इन तेलंगाना स्टेट"।

178. प्रतीक, जेएनयू, दिल्ली, "मेडीवल बागड़ रीजनः अ स्टडी ऑफ सोशल–कल्चरल एंड इकोनामिक पैटर्न (1450–1750) एडी"।

179. विभा, जीकेवी, हरिद्वार, उत्तराखंड, "इंफ्लूएंस ऑफ पर्सनैलिटी ट्रैटस ऑन इन्वेस्टमेंट डिसीजन"।

180. तनिमा डे, जेएनयू, दिल्ली, "बंगाली लिटरेसी कल्चर इन द एटीन्थ सेंचुरी : ए व्यू फ्रॉम कछार एंड त्रिपुरा"।

181. सोनू विंसेंट, जेएनयू, दिल्ली, "वूमैन रिलीजियस इन सीरियन कैथोलिकलिज्म एंड द एक्सप्रेशंस ऑफ रिननसिएंट सेल्फ ऑफ केरल (1866–1985)"।

182. वसुंधरा भोजवैद, डीयू, दिल्ली, "ए सोशियोलॉजिकल स्टडी ऑफ द इमर्जेंस ऑफ ए क्लाइमेट चेंज एजेंटः द केस ऑफ ब्लैक कार्बन"।

183. ज्योतिप्रकाश पालेई, रेवेनशॉ (Ravenshaw) विश्वविद्यालय, कटक, ओडिशा, "भारत–मध्य एशिया संबंधः परिप्रेक्ष्य और संभावनाओं का एक अध्ययन (1995–2015)"।

184. अमन जे बोरकर, टीआईएसएस, मुंबई, महाराष्ट्र, "प्रोटेक्टिड एरियाज एंड लाइवलीहुड : एन इंस्टीटयूशनल एनालिसिस"।

185. गवई संदीप रामभाऊ, सीयूजी, गांधीनगर, गुजरात, "इंटरोगेटिंग डिफरेंसः माइग्रेशन, कल्चर एंड मार्जिनलिटी इन सेलेक्ट साउथ एशियन डायस्पोरिक फिक्शन"।

186. स्वातिलेख भट्टाचार्य, जेएनयू, दिल्ली, "अंडरस्टैंडिंग द नार्मलिटी ऑफ स्टेट वायलेंसः अ स्टडी ऑफ एसिमिलेशन, लीगलाइजेशन एंड रायटस इन इंडिया"।

187. कोरवी विनायकला, डीयू, दिल्ली, "दलित एंड न्यू मीडियाः री–राइटिंग कास्ट एंड जेंडर"।

188. प्रज्ञान दास, एनआईटी, राउरकेला, ओडिशा, "डिटरमिनेंटस ऑफ मर्जर एंड एक्यूजेशन सक्सेस एंड फेलियरः एविडेंस फ्रॉम इंडियन कॉरपोरेट सेक्टर"।

189. पूजा बगरोडिया, डीयू, दिल्ली, "काउंसिलिंग इन स्कूल्सः एक्जामिनिंग नीड्स, इश्यूज एंड पर्सपेक्टिवस विद इम्लीकेशंस फॉर काउंसलर्स ट्रेनिंग, वैलनेस एंड डेवलपमेंट"।

190. शिवलिंगम वी., ओयू, हैदराबाद, तेलंगाना, "परफार्मेंस ऑफ पब्लिक सेक्टर इंटरप्राइजेज इन इंडियाः ए मैक्रो लेवल एनालिसिस"।

191. सूरत प्रिया सेठी, डीईआई, आगरा, उत्तर प्रदेश, "काग्नीटिव एंड सोशियो इमोशनल प्रिडिक्टर्स ऑफ स्पिरिचुअल कॉंसियसनेस"।

192. नुथलापति उदयकिरन, विक्रम सिंहपुरी विश्वविद्यालय, कवाली, एपी, "रोल ऑफ आंध्र प्रगति ग्रामीण विकास इन सस्टेनेबल रूरल डेवलपमेंटः अ केस स्टडी ऑन नेल्लोर डिस्ट्रिक"।

193. भीमन्ना शरणप्पा, गुलबर्गा विश्वविद्यालय, कलबुर्गी, कर्नाटक, "प्राब्लम्स एंड प्रोस्पेक्टस ऑफ डेयरी मिल्क इंडस्ट्री इन बीदर डिस्ट्रिक ऑफ कर्नाटक"।

194. जयंत कुमार, लखनऊ विश्वविद्यालय, लखनऊ, उत्तर प्रदेश, "रोल एंड फंक्शनिंग ऑफ माइक्रो फाइनेंस इंस्टीटयूशंस एंड सेल्फ हेल्प ग्रुप्स इन बुंदेलखंड रीजन ऑफ उत्तर प्रदेश"।

195. सपना तिवारी, लखनऊ विश्वविद्यालय, लखनऊ, उत्तर प्रदेश, "एक्सप्लोरेशन इन इंडीजीनियस कास्मो रिलीजन बिलीफस अमंग टोडा ट्राइब्स ऑफ नीलगिरी हिल्स, तमिलनाडु"।

196. इम्तियाज अहमद डार, जेएमआई, दिल्ली, "सेकेंडरी ट्रॉमेटिक स्ट्रेस एंड विकरियस पोस्ट–ट्रॉमेटिक ग्रोथ अमंग हेल्थकेयर प्रोफेशनल्सः रोल ऑफ एम्पैथी एंड रुमिनेशन"।

197. एम. राजेंद्रन, पेरियार विश्वविद्यालय, सलेम, टीएन, "एन इकोनामिकक एनालिसिस ऑफ मैटरनिटी एंड चाइल्ड हेल्थ केयर प्रैक्टिसेस इन सलेम डिस्ट्रिक ऑफ तमिलनाडु"।

198. चंद्रशेखर त्रिपुरा, कुमाऊं विश्वविद्यालय, नैनीताल, उत्तराखंड, "सोशियो–कल्चरल डायनेमिक्स एंड लाइवलीहुड स्ट्रैटेजीज ऑफ त्रिपुरा ट्राइब ऑफ लॉन्गट्राई वैली, त्रिपुरा"।

199. बंसोडे जी एस, जेएनयू, दिल्ली, "लैंग्वेज कांटैक्ट इन सोलापुरः इंटरेक्शन ऑफ सम इंडो–आर्यन एंड द्राविडीयन लैंग्वेज इन द एरिया"।

200. राजीव रंजन सिन्हा, जेएनयू, दिल्ली, "रोल ऑफ नाटो इन यूरोपीयन सिक्योरिटीः द 2010 न्यू स्ट्रैटेजिक कान्सेप्ट"।

201. अजीत कुमार, जेएनयू, दिल्ली, "डिसाइफरिंग क्रिश्चियन दलितस सोशियो–इकोनॉमिक स्टेटस इन केरल"।

202. कनिका रखड़ा, जेएनयू, दिल्ली, "अंडरस्टैंडिग द रोल ऑफ प्रेस्टीज इन द इंडियन एंड ईरानियन न्यूक्लियर प्रोग्राम"।

203. अप्पासाहेब सी. पाटिल, कर्नाटक विश्वविद्यालय, धारवाड़, कर्नाटक, "अल्ट्रूयूजिम, सेंसेटिव, पर्सनॉलिटी, वैल्यूज एंड माइकल एंजेलो फिनोमेना ऑफ कपल्स इन रिलेशन टू देयर कम्पेशिनेट लव"।

204. क्षेत्रमयुम नोमिता देवी, जेएनयू, दिल्ली, "एजूकेशन एंड सोशियो–इकोनॉमिक मोबिलिटी : अ स्टडी ऑफ लोइस इन मणिपुर"।

205. अभिलाषा शर्मा, एमएलएसयू, उदयपुर, राजस्थान, "इफैक्टिवनेस ऑफ रेलवेज इन इंडियाः इम्पैरिकल एडमिनिस्ट्रेटिव स्टडी ऑफ अजमेर डिवीजन"।

206. भरत कुमार चिलकुरी, यूओएच, हैदराबाद, तेलंगाना, "सस्टेनेबल ह्यूमन रिर्सोस मैनेजमेंट एज ए स्ट्रेटजीः अ स्टडी इन इंडियन आईटी कांटेक्स्ट"।

207. संगीता शर्मा, यूओआर, राजस्थान, "इंपैक्ट ऑफ सोशल नेटवर्किंग साइट्स ऑन सेल्फ कान्सेप्ट सोशल मैच्युरिटी एंड इंटेलेक्ट मैच्युरिटी ऑफ सीनियर सेकेंडरी स्कूल स्टूडेंट्स"।

208. एस राजेश कन्ना, भारतीदासन विश्वविद्यालय, तिरुचिरापल्ली, टीएन, "इंस्टीट्यूशनल असिसटेंस टू दलित इंटरप्रेन्योर्स इन तिरुनेलवेली डिस्ट्रिक"।

209. कायलविज़ी पी., एमकेयू, मदुरै, टीएन, "अलागारकोविलः हिस्ट्री आर्ट एंड कल्चर"।

210. थेजा प्रभाकर, पांडिचेरी विश्वविद्यालय, पुडुचेरी, "द रिलेशनशिप बिटवीन सेक्सुअल एटीट्यूडस, स्पीरिचुअल एडीटयूड्स एंड पर्सनालिटी अमंग मेडिकल एंड नॉन–मेडिकल स्टूडेंट्स"।

211. नसीब सिंह, केंद्रीय विश्वविद्यालय हरियाणा, महेंद्रगढ़, हरियाणा, "रोल ऑफ फाइनेंशियल डेवलपमेंट इन ट्रेड ऑफ मैन्युफैक्चरिंग गुड्स ऑफ ब्रिक्स (BRICS) कंट्रीज"।

212. काशिफ इकबाल सिद्दीकी, जेएमआई, दिल्ली, "मॉडलिंग रिलेशनशिप विटबीन फाइनेंसियल एंड सोशल इंक्लूजन"।

213. अनुपमा शर्मा, पंजाब विश्वविद्यालय, चंडीगढ़, "आरटीआई एक्ट एज एन एम्पावरिंग मैकेनिज्मः इट्स स्कोप, यूसेज एंड इंपैक्ट इन हिमाचल प्रदेश"।

214. प्रशांत कुमार पांडे, जेएनयू, दिल्ली, "वॉन विंकेलमैन बिस अर्चेनहोल्ट्ज़–डाई इटालियन बिल्डर इन डेर ड्यूशचेन रीसेलिटरटर ज़िवसचेन 1755 और 1785"।

215. अशोक कुमार मौर्य, सीयूजी, गांधीनगर, गुजरात, "द एक्सटर्नलाटिज ऑफ ग्राउंडवाटर एक्सप्लायटेशन इन एग्रीकल्चरः अ केस स्टडी ऑफ नार्थ गुजरात"।

216. अंकिता सिंह, डीईआई, आगरा, उत्तर प्रदेश, "इंपैक्ट ऑफ फाइनेंसियल फैक्टर्स ऑन स्टॉक मार्केटः एम्पीरिकल एविडेंस फ्रॉम इंडिया, यूएस एंड यूके"।

217. आशीष एक्सएएक्सए, टीआईएसएस (TISS), मुंबई, महाराष्ट्र, "ट्राइब्स एंड अर्बन डेवलपमेंटः अ कम्परेटिव स्टडी ऑफ ग्रेटर रांची एंड न्यू शिलांग टाउनशिप"।

218. आरती कुमारी, जेएनयू, दिल्ली, "मैटर्नल हेल्थ कल्चर ऑफ संथाल वूमैन : अ सोशियोलॉजीकल स्टडी ऑफ सेलेक्टिड विलेजिज ऑफ दुमका डिस्ट्रिक, झारखंड"।

219. लक्ष्मी पेरियास्वामी वाडिवू, मुंबई विश्वविद्यालय, मुंबई, महाराष्ट्र, "एन एंथ्रोपोलोजिकल स्टडी ऑफ सुदलाई मदनः अ विलेज डीटी इन सदर्न डिस्ट्रिक्स ऑफ तमिलनाडु"।

220. तानिया दत्ता, डब्ल्यूबीएसयू, कोलकाता, पश्चिम बंगाल, "केयर गिविंग फॉर द एल्डरली इन द बैकड्रॉप ऑफ रैपिड सोशियो–डेमोग्राफिक चेंज इन कोलकाता"।

221. सविता अहलावत, पंजाब विश्वविद्यालय, चंडीगढ़, "स्पाटियल पैटर्न ऑफ फूड सिक्योरिटी इन कंडी बेल्ट ऑफ पंजाब एंड हरियाणा"।

222. एस धीरन, श्री कृष्णदेवाराय यूनिवर्सिटी (एसकेयू), अनंतपुरमू, एपी, "रूरल मार्केटिंग स्ट्रैटजीस फॉर प्रमोटिंग कंज्यूमर प्रोडक्ट्सः अ स्टडी विद रेफरेंस टू सेलेक्ट प्रोडक्टस इन रायलसीमा रीजन ऑफ आंध्र प्रदेश"।

223. सुमन लता तिरुवा, एचएनबीयू, श्रीनगर, गढ़वाल, "कस्तूरबा गाँधी बालिका विद्यालय में अध्ययनरत उच्च प्राथमिक स्तर के विद्यार्थियों की शैक्षिक सम्प्राप्ति का शैक्षिक समायोजन, स्व–अवधारणा व संवेगात्मक बुद्धि के सन्दर्भ में अध्ययन"।

224. चंदप्पा राजप्पा कंबर, कन्नड़ विश्वविद्यालय, हम्पी, कर्नाटक, "सोशियो इकोनॉमिक स्टडी ऑफ स्ट्रीट चिल्ड्रेन (विद स्पेशल रेफरेंस टू यादगिरी डिस्ट्रिक)"।

225. बी झांसी प्रियदर्शिनी, ओयू, हैदराबाद, तेलंगाना, "इररेशनल विलीफ, लोकस ऑफ कंट्रोल, क्वालिटी ऑफ वर्क लाइफ अमंग नर्सेस वर्किंग इन गवर्नमेंट एंड कॉरपोरेट हास्पिटल्स"।

226. मधुसूदन दास, केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, श्रीसदाशिवपरिसर, पुरी, ओडिशा, "पुराणेषु योगसंदर्भाणाम विमर्श"।

227. के. पद्मिनी, अविनाशीलिंगम इंस्टीट्यूट फॉर होम साइंस एंड हायर एजुकेशन फॉर विमेन, कोयंबटूर, टीएन, "इफीकेसी ऑफ अ सॉफ्टवेयर 'न्यूट्रा ग्लाइक्स' ऑन न्यूट्रासेयूटीकल रेसीपी इनकॉरपोरेटिड विद सेलेक्टिड मेडिसिनल प्लांट्स फॉर डायबेटिक मेलिटिस"।

228. सूफिया रहमान, जामिया, दिल्ली, "क्लाइमेट वैरियाबिलिटी एंड फ्लड हेजार्ड इन भगीरथी सब बेसिन ऑफ वेस्ट बंगालः ए जियोस्पाटियल एप्रोच"।

229. दिव्या कालिया, जेएमआई, दिल्ली, "रोल ऑफ टारगेट सूटेबिलिटी एंड लेक ऑफ केपेबिल गार्डियनशिप इन साइबर विक्टिमाइजेशन"।

230. के कलाईचंद्रन, भारतीदासन विश्वविद्यालय, तिरुचिरापल्ली, टीएन, "एन एनालिसिस ऑफ मनरेगा इन तमिलनाडु विद स्पेशल रेफरेंस टू थिरुवेराम्बुर ब्लॉक ऑफ तिरुचिरापल्ली डिस्ट्रिक्ट"।

231. मायांगलंबम विक्टोरिया देवी, सीएयू, इंफाल, मेघालय, "सोशल सिमुलेशन ऑन एसिमिलेशन ऑफ क्लाइमेट स्मार्ट एग्रीकल्चरल प्रेक्टिसेस इन नार्थ ईस्टर्न हिल रीजन ऑफ इंडिया"।

232. श्रीरामुलु गोसिकोंडा, यूओएच, हैदराबाद, तेलंगाना, "मैपिंग द प्राइवेट स्कूल च्वाइस इन तेलंगाना टाउन : अ सोशियोलॉजिकल एनालिसिस"।

233. अभिलाषा आर, कर्नाटक राज्य अक्कमहादेवी महिला विश्वविद्यालय, विजयपुरा, कर्नाटक, "मीडिया इंटरवेंशन इन एटीटयूडनल एंड बिहैवियर चेंज ऑफ रूरल वूमैन टुवर्ड्स सैनीटेशनः अ केस स्टडी ऑफ कर्नाटक"।

234. रंजन कुमार नायक, यूओएच, हैदराबाद, तेलंगाना, "द परफार्मेंस ऑफ कोआपरेटिव बैंक्स इन ओडिशा : अ केस स्टडी ऑफ बालासोर भद्रक सेंट्रल कोआपरेटिव बैंक"।

235. जंगले अमृता सखाराम, महात्मा फूले कृषि विद्यापीठ (एमपीकेवी), राहुरी, महाराष्ट्र, "टोटल फैक्टर प्रोडक्टीविटी ग्रोथ एंड रिटर्न फ्रॉम रिसर्च इन्वेस्टमेंट ऑन मेजर फ्रूट क्रॉप्स इन कोंकण रीजन ऑफ महाराष्ट्र"।

236. अनवर–उल–हक मंसूरी, एमएलएसयू, उदयपुर, राजस्थान, "इंपैक्ट ऑफ सैंडस्टोन माइनिंग ऑन सोशियो इकोनॉमिक डेवलपमेंट एंड एनवायरनमेंट इन बिजोलिया तहसील"।

237. पिंकू मुक्तियार, तेजपुर विश्वविद्यालय, तेजपुर, असम, "अ स्टडी ऑफ द इंटरस्टेट रूरल आउट माइग्रेशन अमंग द नेपाली कम्युनिटी ऑफ असम : अ केस स्टडी इन शोणितपुर डिस्ट्रिक"।

238. पी. वी. लावण्या, टीआईएसएस (TISS), मुंबई, महाराष्ट्र, "लाइफ एक्सपीरियंस ऑफ एल्डरली वूमैंस कैपेबिलिटिज : ए फिनोमेनोलॉजीकल स्टडी इन चेन्नई"।

239. सैयद नजमा जमील, कश्मीर विश्वविद्यालय, श्रीनगर, कश्मीर, "इंफ्लूएंस ऑफ आरफनेज ऑन आरफंसः अ स्टडी ऑफ पोस्ट आरफनेज बिहैवियर सिंड्रोम"।

240. आर कल्पना, अविनाशीलिंगम इंस्टीट्यूट फॉर होम साइंस एंड हायर एजुकेशन फॉर विमेन, कोयंबटूर, टीएन, "डोमस्टिक वायलेंस एंड वूमैन एम्पावरमेंट अमंग लो इंकम कम्युनिटीज इन कोयंबटूर सिटी"।

241. विमल कुमार कश्यप, जेएनयू, दिल्ली, "रीजनल रेस्पांस टू पायरेसी इन मलक्का स्ट्रेट, 1997–2012"।

242. तानिया फारूक, कश्मीर विश्वविद्यालय, श्रीनगर, कश्मीर, "जेंडर एंड डिसएबिलिटी : अ स्टडी ऑन रिप्रोडक्टिव एंड हेल्थ एक्सपीरियंस ऑफ वूमैन इन कश्मीर"।

243. मनप्रीत कौर, पंजाबी विश्वविद्यालय, पटियाला, पंजाब, "स्ट्रक्चर, ग्रोथ एंड प्रोस्पेक्टस ऑफ फूड प्रोसेसिंग इंडस्ट्रीज इन पंजाब"।

244. डोरोथी दत्ता, तेजपुर विश्वविद्यालय, तेजपुर, असम, "एडॉप्शन ऑफ इंक्रीमेंटल सर्विस इनोवेशंस इन डिजिटल प्लेटफॉर्म"।

245. नवप्रीत, पंजाबी विश्वविद्यालय, पटियाला, पंजाब, "क्रॉस बार्डर पावर ट्रेड बिटवीन इंडिया एंड सार्क (SAARC) कंट्रीज"।

246. मारिया लालमुआंकिमी, मिजोरम विश्वविद्यालय, आइजोल, मिजोरम, "सोशल मीडिया एंड पॉलिटिक्सः ए स्टडी ऑन यूज ऑफ सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स बाय पॉलिटिकल लीडर्स इन मिजोरम"।

247. अविनाश कुमार, सीयूएसबी, गया, बिहार, "एनालिसिस ऑफ प्रेजेंट प्राब्लम्स इन इंडियाज इंटरनेशनल इन्वेस्टमेंट एग्रीमेंटस एंड इट्स राइट टू रेग्युलेट फॉरेन इन्वेस्टमेंट"।

248. एसआर अरुमाई समरपना, मद्रास विश्वविद्यालय, चेन्नई, टीएन, "एच आर प्रैक्टिस एंड एम्पलाय इंगेजमेंट टुवर्डस इम्प्लायर ब्रांड अमंग एम्पलाई ऑफ लेदर मैन्युफैक्चरिंग सेक्टर पांडिचेरी"।

249. तगम डाबी, राजीव गांधी विश्वविद्यालय, दोईमुख, अरुणाचल प्रदेश, "कॉमन प्रॉपर्टी फॉरेस्ट रिर्सोसेज एंड

रूरल लिवलीहुड स्ट्रेटजीसः अ स्टडी ऑफ अरुणाचल प्रदेश"।

250. बिनीश कादरी, सेंट्रल यूनिवर्सिटी ऑफ कश्मीर, गांदरबल कश्मीर, "एन इकोनामिक एनालिसिस ऑफ सेफरेन इकोनामी इन जम्मू एंड कश्मीर"।

251. बिलाल अहमद खान, कश्मीर विश्वविद्यालय, श्रीनगर, कश्मीर, "इंपैक्ट ऑफ चिल्ड्रेन विद डाउन सिंड्रोम ऑन देयर पेरेंटसः एसेसिंग सोशल वर्क रेस्पांस"।

252. हरसिमर कौर, पंजाबी विश्वविद्यालय, पटियाला, पंजाब, "अ स्टडी ऑफ सोशल एक्सेंप्टेबिलिटी, एजुकेशन, स्किल बेस्ड ट्रेनिंग एंड रिहैबिलिटेशन ऑफ ट्रांसजेंडर कम्युनिटी इन पंजाब"।

253. एस जयलक्ष्मी, एमकेयू, मदुरै, टीएन, "प्रोडक्शन, एक्सपोर्ट एंड मार्केटिंग ऑफ कॉफी इन इंडियाः एन इकोनामिक एनालिसिस"।

254. राहुल एन., जेएनयू, दिल्ली, "इंटरसेक्शन्स ऑफ कास्ट, क्लास एंड जेंडरः ए सोशियो–लीगल स्टडी ऑफ सुमंगली बोंडेड लैबर इन तमिलनाडु"।

255. आशिमा गुप्ता, इग्नू, दिल्ली, "सोशल एक्सक्लूजन एंड डेपरीवेशन ऑफ चिल्ड्रेन इन रूरल इंडिया"।

256. कमर आलम, एएमयू, अलीगढ़, उत्तर प्रदेश, "इंटरनेशनल ट्रेड इन हेल्थ प्रोडक्टस एंड सर्विसेज विद स्पेशल रेफरेंस टू इंडिया सिंस 2001"।

257. बिजॉय एम एस राज, केरल विश्वविद्यालय, तिरुवनंतपुरम, केरल, "इम्प्लीमेंटेशन ऑफ लेबर लॉज इन द आईटी सेक्टर एज सेज विद स्पेशल रेफरेंस टू आईटी इम्प्लाई इन टेक्नोपार्क"।

258. रवि बैरू, ओयू, हैदराबाद, तेलंगाना, "ग्रोथ एंड इंस्टैबिलिटी ऑफ सेलेक्टिड एग्रीकल्चरल प्रोडक्शन इन तेलंगाना रीजन ऑफ आंध्र प्रदेश"।

259. अंबरया बाबूराव, गुलबर्गा विश्वविद्यालय, कलबुर्गी, कर्नाटक, "इंफारमेशन लिटरेसी प्रोग्राम्स इन कॉलेज लाइब्रेरीज ऑफ हैदराबाद, कर्नाटक रीजन"।

260. इंगल योगेश नामदेव, सावित्रीबाई फुले पुणे विश्वविद्यालय, पुणे, महाराष्ट्र, "एनालिटिकल स्टडी ऑफ एफडीआई एंड इट्स इंपैक्ट ऑन इंडियन इकोनमी इन लास्ट डेकेड 2012–2012"।

261. मंदिरा भगवती, डिब्रूगढ़ विश्वविद्यालय, डिब्रूगढ़, असम, "रिलीजियस यूनीवर्स ऑफ द ं दिबांगिया देवरिज इन रूरल कांटैक्टस ऑफ अपर असम"।

262. करण सचदेवा, डॉ. बीआर अम्बेडकर विश्वविद्यालय, दिल्ली, "अंडरस्टैंडिंग द आर्गेनाइजेशन ऑफ ऑनलाइन रिटेल इन इंडियाः एक्सप्लोरिंग न्यू ट्रेंडस एंड चैलेंजिस"।

263. शारदा जोशी, एमएलएसयू, उदयपुर, राजस्थान, "रूरल अर्बन इंटरेक्शन एंड इंफ्रास्ट्रक्चर डेवलपमेंटः ए जियोग्राफिक एनालिसिस ऑफ सब–अर्बन ऑफ उदयपुर सिटी"।

264. शिवानी सतीजा, टीआईएसएस (TISS), मुंबई, महाराष्ट्र, "रीथिंकिंग बॉडी पॉज़िटिविटी ऑनलाइनः एन एनालिसिस ऑफ़ फोर इंडियन वेब स्पेस"।

265. सुमित, सेंट्रल यूनिवर्सिटी ऑफ कश्मीर, गांदरबल, कश्मीर, "सोशल इंक्लूजन एंड इकोनॉमिक वैलबीइंग ऑफ एग्रीकल्चरल लेबरर्स : अ स्टडी ऑफ रूरल हरियाणा"।

266. चिन्ना सुरेश, एसवीयू, तिरुपति, एपी, "इफैक्टिवनेस ऑफ कोआपरेटिव लर्निंग स्ट्रेटेजीस इन फैसीलिटेटिंग स्कालिस्टीक एचीवमेंट, प्राब्लम्स साल्विंग एंड क्रिटिकल थिंकिंग एबिलिटीज अमंग 11 स्टैंडर्ड (जूनियर इंटरमीडिएट) स्टूडेंट्स इन कुर्नूल डिस्ट्रिक"।

267. दीपिका सांख्यन, पीएयू, चंडीगढ़, पंजाब, "इमर्जिंग ट्रेंडस इन चाइल्ड सेक्स रेशियो इन हिमाचल प्रदेश : अ जियोग्राफिकल स्टडी"।

268. अखिलेश कुमार उपाध्याय, सीयूजी, गांधीनगर, गुजरात, "माइग्रेशन एंड कल्चरल आइडेंटिटीः ए केस स्टडी ऑफ सिद्दी ट्राइब इन गुजरात"।

269. आयशा रहमान, एएमयू, अलीगढ़, उत्तर प्रदेश, "लीडरशिप एंड कल्चरल ट्रांसफोरमेशनः अ स्टडी ऑफ सेलेक्टिड इंडियन यूनीवर्सिटीज"।

270. दुर्गा लाल रेगर, महर्षि दयानंद सरस्वती यूनिवर्सिटी (एमडीएसयू), अजमेर, राजस्थान, "द रोल ऑफ काउ रिर्सोसेज इन द रूरल डेवलपमेंट ऑफ भीलवाड़ा डिस्ट्रिक ऑफ राजस्थान"।

संस्थागत डॉक्टोरल फैलोशिप पुरस्कार विजेताओं से प्राप्त शोध प्रबंध (थीसिस)

विकास अध्ययन केंद्र, तिरुवनंतपुरम

271. एलिस सेबेस्टियन, "जेंडर, एजूकेशन एंड एम्प्लायमेंटः डिसीजन मेंकिंग प्रोसेस एंड लेबर मार्केट आउटकम्स अमंग हायर एजूकेटिड वूमैन इन केरल"।

272. वलथीस्वरन सी., इंटरनेशनल रेमीटेंस एंड इट्स इंपैक्ट ऑन ह्यूमन कैपिटल इन्वेस्टमेंटस इन तमिलनाडु"।

273. जेनेट फरीदा जैकब, "हायर एजूकेशन एंड इन्क्लूसिव डेवलपमेंटः द इंडियन एक्सपीरियंस"।

बहु–अनुशासनात्मक विकास अनुसंधान केंद्र, धारवाड़

274. स्मिता भास्कर, "एनर्जी यूज पैटर्न इन हाउसहोल्ड सेक्टरः अ कम्परेटिव स्टडी ऑफ रूरल एंड अर्बन एरियाज"।

महिला विकास अध्ययन केंद्र, दिल्ली

275. मनोज कुमार गुप्ता, "पंचायती राज सिस्टम : वूमेन लीडरशिप एंड गवर्नेंस विद रेफरेंस टू ग्राम पंचायतस ऑफ देवीपाटन डिविजन ऑफ उत्तर प्रदेश"।

गिरि इंस्टिट्यूट ऑफ़ डेवलपमेंट स्टडीज़, लखनऊ

276. जय लक्ष्मी, "एक्सक्लूजन ऑफ दलित वूमैन एंड कॉमन प्रापर्टी रिर्सोसेसः एन इंटरसेक्शनल एनालिसिस"।

भारतीय शिक्षा संस्थान, पुणे

277. जाह्नवी आनंद अत्रे, "शिक्षणहक्क कायद्यांतर्गत पंचबीस टक्के आरक्षित जागांवरील प्रवेशप्रक्रियेची अंमलबजावणी, सद्य : स्थिति व दृष्टिकोण"।

278. स्वाति प्रकाश खंडारे, "महात्मा फुले यांच्या शैक्षणिक तत्वज्ञांचा चिकित्सक अभ्यास"।

279. नीता वैभव महावन, "स्टडी ऑफ मेंटल हेल्थ एंड एजूकेशनल नीड्स ऑफ जुवेनाइल्स इन अर्बन महाराष्ट्र"।

मध्य प्रदेश सामाजिक विज्ञान अनुसंधान संस्थान, उज्जैन

280. करुणेंद्र कुमार, "मनरेगा के क्रियान्वयन के पश्चात ग्रामीण शक्ति संरचना में आए सामाजिक व राजनीतिक परिवर्तन : उत्तर प्रदेश के जालौन जिले के विशेष संदर्भ में एक अध्ययन"।

नबकृष्ण चौधरी विकास अध्ययन केंद्र, भुवनेश्वर

281. रजनीकांत जेना, "इंपैक्ट ऑफ इंद्रावती ईरीगेशन प्रोजेक्ट ऑन सोशियो इकोनॉमिक डेवलपमेंट आफ कालाहांडी डिस्ट्रिक"।

सरदार पटेल आर्थिक और सामाजिक अनुसंधान संस्थान, अहमदाबाद

282. पटेल पूजाबेन कनुभाई, "रोल ऑफ इन्फोरमेशन टेक्नोलॉजी इन रूरल डेवलपमेंट विद स्पेशल रेफरेंस टू गुजरात"।

2020–21 के दौरान डॉक्टोरल अध्येताओं द्वारा प्रकाशित शोधपत्र/पेपर्स

डॉक्टोरल फैलोशिप पुरस्कार विजेताओं द्वारा स्कोपस–अनुक्रमित पत्रिकाओं में प्रकाशित पत्र/पेपर्स

1. ए. अरुलमोझी, "एन ऑल्टरनेटिव क्रॉप डायवर्सिफिकेशन एप्रोच टू रूरल हाउसहोल्डस इन कोस्टल एरियाज ऑफ कुड्डालोर डिस्ट्रिक", *इंटरनेशनल जर्नल ऑफ एनालिटिकल एंड एक्सपेरिमेंटल मॉडल*, खंड 11, संख्या 10 (सितंबर 2019)।
2. ए. अरुलमोझी, "एन अल्टरनेटिव लाइवलिहुड स्ट्रेटजी ऑफ रूरल हाउसहोल्डस इन कोस्टल रीजन ऑफ कुड्डालोर", *जर्नल ऑफ इंटरडिसिप्लिनरी साइकिल रिसर्च*, खंड 11, संख्या 10 (अक्टूबर 2019)।
3. आशीष खाखा, "ट्राइब्स एंड अर्बनाइजेशन इन नार्थ ईस्ट इंडिया : इश्यू एंड चैलेंजेस", *इकोनामिक एंड पॉलिटिकल वीकली*, खंड 55, संख्या 38 (सितंबर 2019)।
4. अजीना रोज, "क्रिएटिव डेमोक्रेसी एंड मीडिया डिस्कोर्सः ए क्रिटिकल एनालिसिस", *जीआईएस बिजनेस*, खंड 15, संख्या 4 (अप्रैल 2020)।
5. अमरेश कुमार गौड़ा, "रूस की सुपर प्रेसिडेंशियल सिस्टमः ए केस स्टडी ऑफ एग्जीक्यूटिव बनाम लेजिस्लेचर", *जर्नल जियान यूनिवर्सिटी ऑफ आर्किटेक्चर एंड टेक्नोलॉजी*, चीन , खंड 12, संख्या 10 (सितंबर–अक्टूबर 2020)।

6. अंजू एम, "कामा वरशिप ऑफ नार्दर्न केरल : इन अ वूमैन सेंटर्ड रिचुअलिस्टिक पर्सपेक्टिव", *अदल्या जर्नल*, खंड 8, संख्या 11 (नवंबर 2019)।

7. अंजू एम, "द वूमेन इन द कॉन्सेप्ट ऑफ ओटामुलाचीः ए स्टडी ऑफ कोडुंगल्लूर श्री कुरुम्बा बगवती कल्ट इन चिलप्पथिकारम पर्सपेक्टिव", *इंटरनेशनल जर्नल ऑफ रिसर्च कल्चर सोसाइटी*, खंड 2, संख्या 5 (मई 2018)।

8. अंजू शर्मा, "एजूकेशनल इनइक्वालिटी इन हरियाणा : अ स्टडी ऑफ जेंडर डिफरेंसेस इन लर्निंग", *जर्नल ऑफ सोशियोलॉजी एंड सोशल एंथ्रोपोलॉजी*, खंड 10, संख्या 39 (जनवरी–सितंबर 2020)।

9. अनूप कुमार यादव, "बेंचमार्किंग द परफोर्मेंस ऑफ आर्गेनिक फॉर्मिंग इन इंडिया", *जर्नल ऑफ पब्लिक अफेयर्स*, खंड 1, संख्या 6 (जून 2020)।

10. अनूप कुमार यादव, "नेक्सस अमंग CO_2 इमिशन, रेमिटेंस एंड फाइनेंसियल डेवलपमेंटः अ एनएआरडीएल एप्रोच फॉर इंडिया", *एनवायरनमेंटल साइंस एंड पॉल्यूशन रिसर्च, (स्प्रिंगर नेचर)*, खंड 1, संख्या 8 (अगस्त 2020)।

11. आशुतोष, "टाइम एंड वेटिंगः द फुलक्रम ऑफ़ फ़िलिस्तीनी आइडेंटिटी", *अरब स्टडीज़ क्वार्टरली प्लूटो जर्नल*, खंड 41, संख्या 4 (अप्रैल 2019)।

12. बंसोडे गणपत साधु, "सस्टेनिंग इन द इकोलॉजी ऑफ़ एन्डेंजरमेंटः पारधी, ए ट्राइबल लैंग्वेज ऑफ़ महाराष्ट्र", *इंटरनेशनल जर्नल ऑफ़ कम्युनिकेशन*, खंड 28, संख्या 1–2 (जनवरी–दिसंबर 2018)।

13. भास्वती बोरगोहेन, "द न्यू लैंड सेटलमेंट एक्ट इन अरुणाचल प्रदेश", *इकोनॉमिक एंड पॉलिटिकल वीकली*, खंड 54, संख्या 23 (जून 2019)।

14. बिप्लब सरकार, "एसेसिंग सस्टेनेबिलिटी ऑफ वाटर फॉर इरिगेशन यूजिंग मेजर फिजिकल पैरामीटर्स एंड आयन केमिस्ट्रीः अ स्टडी ऑफ चुरनी रिवर, इंडिया", *अरबियन जर्नल ऑफ जियोसाइंस (स्प्रिंगर नेचर)*, खंड 12, संख्या 20 (2019)।

15. बिप्लब सरकार, "जल प्रदूषण के चालक और मैक्रो–वर्टेब्रेट्स (फिश कम्युनिटी स्ट्रक्चर) के विशेष संदर्भ के साथ इसके पारिस्थितिक तनाव का मूल्यांकनः चुन्नी नदी, भारत का एक मामला", *एनवायरमेंटल इंजीनियरिंग असेसमेंट (स्प्रिंगर नेचर)*, खंड 192, संख्या 1 (2020)।

16. सी. साथियाप्रिया, "साइंटोमेट्रिक स्टडी ऑन इम्यूनोलॉजी एट नेशनल लेवल थ्रू वेब ऑफ साइंस डाटा बेस", *लाइब्रेरी, फिलास्फी एंड प्रैक्टिस, ई–जर्नल*, (मार्च 2019)।

17. डी. बालाजी, "आइडेंटिफिकेशन ऑफ डेंगू रिस्क जोनः अ जियो–मेडिकल स्टडी ऑन मदुरै सिटी", *जियोजर्नल (स्प्रिंगर नीदरलैंड)*, खंड 84, संख्या 4 (अगस्त 2019)।

18. डी. बालाजी, "अ जियो स्पाटियल एनालिसस ऑफ डेंगू केसेस इन मदुरै सिटी, तमिलनाडु, इंडिया", *जियोजर्नल (स्प्रिंगर नीदरलैंड)*, खंड 85, संख्या 4, (अगस्त 2020)।

19. डी. बालाजी, "जियो–स्पाटियल वेरिएशन ऑफ़ डेंगू रिस्क ज़ोन इन मदुरै सिटी यूज़िंग ऑटोकोरिलेशन टेक्निक्स", *जियोजर्नल (स्प्रिंगर नीदरलैंड्स)*, खंड 86, संख्या 3, (2020)।

20. डी. बालाजी, "अर्बन डिजीज इकोलॉजी एंड इट्स स्पैटियल वेरिएशन ऑफ चिकनगुनिया इन मदुरै सिटी, तमिलनाडु, इंडियाः ए जियो–मेडिकल स्टडी", *जियो जर्नल (स्प्रिंगर नीदरलैंड्स)*, खंड 85 संख्या 2।

21. डी. भुवनेश्वरी, "सस्टेनेबल परफार्मेंस ऑफ बैंकिग सेक्टर्स थ्रू कॉरपोरेट गवर्ननेंस विद रेफरेंस टू सलेम रीजन", *इंटरनेशनल जर्नल ऑफ साइंटिफिक एंड टेक्नोलॉजी रिसर्च*, खंड 9, संख्या 4 (अप्रैल 2020)।

22. डी. भुवनेश्वरी, "वर्क लाइफ बैलेंस अमंग पुलिस वूमैन इन सलेम सिटी, तमिलनाडु", *इंटरनेशनल जर्नल ऑफ़ रीसेंट टेक्नोलॉजी एंड इंजीनियरिंग*, खंड 8, संख्या 4 एस 2 (दिसंबर 2019)।

23. दामिनी बलोरिया, "इंटरसेक्स एंड ट्रांसजेंडरः एडवरसरी टू एडवोकेसी", *सस्टेनेबल ह्यूमनस्फीयर*, खंड 16, संख्या 2 (मई 2020)।

24. दामिनी छाबड़ा, "इफीकेसी ऑफ निफ्टी इंडेक्स ऑप्शन थ्रू बीएसएम मॉडल", *इंटरनेशनल जर्नल ऑफ रीसेंट टेक्नोलॉजी एंड इंजीनियरिंग*, खंडः 8, संख्या 3 (अक्टूबर 2019)।

25. जे. सुरेशकुमार और एम. मोहनराज, "फैक्टर्स इंफ्लूएनसिंग कंज्यूमर्स टू बाय आर्गेनिक फूड प्रोडक्ट्स : एन एम्पीरिकल इंवेस्टीगेशन", *इंटरनेशनल जर्नल ऑफ एनालिटिकिल एंड एक्सपेरिमेंटल मॉडल एनालिसिस*, खंड 11, संख्या नौ (सितंबर 2019)।

26. जे. सुरेशकुमार और एम. मोहनराज, "अ स्टडी ऑन बायिंग विहैवियर टुवर्ड्स मोबाइल फोंस इन ऑनलाइन शॉपिंग, इरोड डिस्ट्रिक्ट", *द इंटरनेशनल जर्नल ऑफ*

एनालिटिकल एंड इंजीनियरिंग, खंड 11, संख्या नौ (नवंबर 2018)।

27. जे. सुरेशकुमार और एम. मोहनराज, "कस्टमर प्रीफेरेंस टुवर्ड्स ऑन लाइन शार्पिंग ऑफ आर्गेनिक फूड प्रोडक्टस इन कोयंबटूर डिस्ट्रिक", *इंटरनेशनल जर्नल ऑफ रीसेंट टेक्नोलॉजी एंड इंजीनियरिंग*, खंड 3, संख्या 3 (दिसंबर 2019)।

28. जगदीश, "एम्पीरिकल एनालिसिस ऑफ द इंपैक्ट ऑफ क्लाइमेट चेंज इन एग्रीकल्चर इन कर्नाटक", *जर्नल ऑफ फूड, एग्रीकल्चर एंड एन्वायरमेंट*, खंड 18, संख्या 3 और 4 (सितंबर 2020)।

29. जंगखोहो हैंगशिंग, "टूवर्ड्स इंडिजिनस लाइब्रेरियनशिपः इंडियन पर्सपेक्टिव", *लाइब्रेरी फिलॉसफी एंड प्रैक्टिस, ई–जर्नल*, (जुलाई 2019)।

30. करिश्मा शर्मा, "गवर्नमेंट इन्शीएटिवस फॉर कांटीन्यूयिंग स्कूल एजूकेशन डयूरिंग लॉकडाउन : अ स्टडी ऑफ गवर्नमेंट स्कूल्स इन प्रतापगढ़ डिस्ट्रिक ऑफ राजस्थान", *इंटरनेशनल जर्नल ऑफ फ्यूचर जेनरेशन कम्युनिकेशन एंड नेटवर्किंग*, खंड 13, संख्या 4 (2020)।

31. एम. राठी मीणा, "इंपैक्ट ऑफ डिजिटल डिस्परशन ऑन ह्यूमन कैपिटल ऑफ बैंकिंग सेक्टर्स", *इंटरनेशनल जर्नल ऑफ रीसेंट टेक्नोलॉजी एंड इंजीनियरिंग*, खंड 11, संख्या 8 (अगस्त 2019)।

32. एम. राठी मीणा, "फॉरेन डायरेक्ट डिस्परशन इन इंश्योरेंस सेक्टर : अ की फॉर बेटर इंश्यूरेंस पीनिट्रेशन", *इंटरनेशनल जर्नल ऑफ रीसेंट टेक्नोलॉजी एंड इंजीनियरिंग*, खंड 8, संख्या 3 एस (अक्टूबर 2019)।

33. एम. राठी मीणा, "ह्यूमन कैपिटल एनालिटिक्सः ए गेम चेंजर फॉर एचआर प्रोफेशनल्स", *इंटरनेशनल जर्नल ऑफ रीसेंट टेक्नोलॉजी एंड इंजीनियरिंग*, खंड 8, संख्या 211 (सितंबर 2020)।

34. मानस उपाध्याय, "दलित इन द एरा ऑफ ग्लोबलाइजेशन", *मैन इन इंडिया, एन इंटरनेशनल जर्नल ऑफ एंथ्रोपोलॉजी*, खंड 9, संख्या 2, (जुलाई 2017)।

35. मायाकनन ए, "आइडेंटीफिकेशन ऑफ फ्लोराइड एंडेमिक एरियाज इन धर्मपुरी डिस्ट्रिक, तमिलनाडु", *अदल्या जर्नल*, खंड 8, संख्या 10 (अक्टूबर 2019)।

36. मायाकनन ए, "इंपैक्ट ऑफ फ्लोराइड ऑन हयूमन हेल्थ : अ केस स्टडी इन धर्मपुरी डिस्ट्रिक, तमिलनाडु", *इंटरनेशनल जर्नल ऑफ एनालिटिकल एंड एक्सपेरिमेंटल मॉडल एनालिसिस*, खंड 11, संख्या 10 (अक्टूबर 2019)।

37. मेघना डी एस, "फाइनेंसियल लिटरेसी एंड वैलबीइंग ऑफ इनफॉर्मल वर्कर्स इन शिवमोग्गा सिटी : अ एम्पीरिकल स्टडी", *टेस्ट इंजीनियरिंग एंड मैनेजमेंट*, खंड 82 (जनवरी–फरवरी 2020)।

38. मेघना डी एस, "फाइनेंशियल लिटरेसी एंड पर्सनल फाइनेंशियल मैनेजमेंटः ए रिव्यू ऑफ 21st सेंचुरी वर्क्स", *जर्नल ऑफ क्रिटिकल रिव्यूज*, खंड 7 (जुलाई 2020)।

39. मिर्जा रज़ी इमाम बेग, "एनालिसिस ऑफ शोरलाइन चेंज इन विशाखापत्तनम कोस्टल ट्रैक्ट ऑफ आंध्र प्रदेश, इंडिया : एन एप्लीकेशन ऑफ डिजिटल शोरलाइन एनालिसिस सिस्टम (डीएसएएस)", *एनल्स ऑफ जीआईएस*, खंड 26, संख्या 4 (अप्रैल 2020)।

40. मिर्जा रज़ी इमाम बेग, "कोस्टल वल्नेरेबिलिटी मैपिंग बाय इंटीग्रेटिंग जियो स्पाटियल टेकनीक एंड एनालिटिकल हायरकी प्रोसेस (एएचपी) एलांग विद विशाखापट्टनम कोस्टल ट्रैक्ट, आंध्रप्रदेश, इंडिया", *जर्नल ऑफ द इंडियन सोसाइटी ऑफ रिमोट सेंसिंग*, स्प्रिंगर पॉलिसीज, खंड 49, संख्या। 2 (फरवरी 2021)।

41. मोहम्मद हाशिम, "मिसिंग बेसिक्सः ए स्टडी ऑन सैनिटेशन एंड वूमेन हेल्थ इन अर्बन स्लम इन लखनऊ, इंडिया", *जियो–जर्नल*, खंड 1, संख्या 1 (जुलाई 2019)।

42. नैला फिरदौस, "पेरेंटिग स्टाइल ऑन सेल्फ इफिकेसी ऑफ एडलोसेंट", *जर्नल ऑफ इनफारमेशन साइंस*, खंड 11, संख्या 3 (मार्च 2021)।

43. नेहा सोमन, "स्पेस, प्लेस एंड कॉन्शियसनेसः एक्सप्लोरेशन ऑन ज्यूइश आइडेंटिटी इन अमोस ओज लाइफ नैरेटिवः ए टेल ऑफ लव एंड डार्कनेस", *ब्रिटिश जर्नल ऑफ मिडिल ईस्टर्न स्टडीज*, संख्या 5 (अक्टूबर 2020)।

44. नेहा सोमन, "हेजेमनी, एक्सक्लूजन एंड इक्वीलोकल आइडेंटिज ऑन इज़राइल्स अरब माइनॉरिटी इन सैयद कशुआज़ डांसिंग अरब", *रूपकथा जर्नल ऑफ़ इंटरडिसिप्लिनरी स्टडीज़ इन ह्यूमैनिटीज़*, खंड 12 (जून 2020)।

45. पांडुरंगनगौड़ा होनाली, "द इम्प्लायी एटीट्यूड टुवर्ड्स ई–लर्निंग इन बैंकिग सेक्टर", *रेस्टोरेंट बिजनेस*, खंड 118, संख्या 10 (अक्टूबर 2019)।

46. पांडुरंगनगौड़ा होनाली, "कस्टमर रिटेंशन मैनेजमेंट इन बैंकिंग सेक्टर : एन एम्पीरिकल स्टडी", *रेस्टोरेंट बिजनेस*, खंड 118, संख्या 12 (दिसंबर 2018)।

47. प्रसन्ना डोंग, "ए ड्रिल डाउन एप्रोच टुवर्ड्स टैलेंट सप्लाई सिनेरियो इन सिक्किम", *प्रबंधनः इंडियन जर्नल*

ऑफ मैनेजमेंट, खंड 5, संख्या 3 (अगस्त–सितंबर 2020)।

48. प्रीतम बिस्वाल, "सोशियो–इकोनॉमिक कंडीशन, वेलफेयर स्कीम्स एंड ऑक्यूपेशनल स्ट्रक्चर ऑफ पट्टाचित्र आर्टिजन इन ओडिशा, इंडिया", *क्रिएटिव इंडस्ट्रीज जर्नल*, खंड 14 संख्या 2 (जून 2020)।

49. प्रीतम बिस्वाल, "अ पॉलिसी फ्रेमवर्क फॉर द क्रिएटिव पट्टचित्र आर्टिजन एट द क्रॉसरोड ऑफ फाइनेंसियल एंड चेजिंग ट्रेंडस", *क्रिएटिव स्टीडीज*, खंड 12, संख्या 1 (2020)।

50. राजी आर, "एसेसिंग फ्लोराइड इंटेसिटी ऑफ ग्राउंड वाटर इन डिंडीगुल डिस्ट्रिक, तमिलनाडु", *इंडियन जर्नल ऑफ इकोलॉजी*, खंड 46, संख्या 2 (2019)।

51. राजी आर, "एसेसिंग ग्राउंड वाटर क्वालिटी फॉर द सूटेबिलिटी ऑफ इरिगेशन इन डिंडीगुल, तमिलनाडु", *इंडियन जर्नल ऑफ इकोलॉजी*, खंड 41, संख्या 1 (जनवरी 2020)।

52. रंजन दास, "वेटलैंड डिग्रेडेशन एंड इट्स इम्पैक्ट ऑन लाइफ एंड लाइवलीहुड ऑफ पीपल इन द माजुली रिवर आइलैंड, असम", *इकोलॉजी, एनवायरमेंट एंड कंजरवेशन*, खंड 26, संख्या 3 (नवंबर 2020)।

53. रेणु बाला, "इम्प्लायबिलिटी स्किल्स ऑफ मैनेजमेंट स्टूडेंट्सः अ स्टडी ऑफ बैंकर्स व्यूपाइंट", *साइकोलॉजी एंड एजूकेशन*, खंड 9, संख्या 6 (दिसंबर 2020)।

54. रितु पारीक, "कॉर्पोरेट सस्टेनेबिलिटी एंड इट्स रिलेशनशिप विद फाइनेंशियल परफॉर्मेंसः सिलेक्टेड रिव्यू एंड फाइंडिंग्स", *बिजनेस स्पेक्ट्रम*, खंड 2, संख्या 10 (जुलाई–दिसंबर 2020)।

55. एस लीला प्रिय धरसिनी, "इंटरनेट ऑफ थिंग्सः बेनिफिट्स एंड चैलेंजेस ऑफ लॉजिस्टिक्स सर्विस प्रोवाइडर्स इन इंडिया", *इंटरनेशनल जर्नल ऑफ साइंटिफिक एंड टेक्नोलॉजी रिसर्च*, खंड 9, संख्या 2 (फरवरी 2020)।

56. सविता, "नोमेडिक ट्राइब्स ऑफ इंडियाः एन एनालिसिस ऑफ कल्चरल लाइफस्टाइल", *जर्नल ऑफ इंफॉर्मेशन एंड कम्प्यूटेशनल साइंस*, खंड 11, संख्या 2 (फरवरी 2021)।

57. सायन दास, "हेल्थ इंपलीकेशंस ऑफ डाइवर्स विजन्स ऑफ अर्बन स्पेसस : ब्रिजिंग द फॉर्मल–इंफार्मल डिवाइड", *फ्रंटियर्स इन पब्लिक हेल्थ*, खंड 7, संख्या 9 (सितंबर 2018)।

58. शिल्पा बीएस, "पर्सेप्शन एंड यूसेज ऑफ पब्लिक हेल्थ इनफारमेशन सोर्स एंड सर्विसेस अमंग द अर्बन कम्युनिटी यूजर्स ऑफ पब्लिक लाइब्रेरीजः अ केस स्टडी ऑफ भद्रावती", *लाइब्रेरी फिलॉस्फी एंड प्रैक्टिसस, ई–जर्नल*, संख्या 2550 (मार्च 2019)।

59. शिल्पा बीएस, "मैपिंग ऑफ साइंटिफिक आर्टिकल्स ऑन ल्यूकेमियाः अ साइंटोमेट्रिक स्टडी", *लाइब्रेरी फिलॉसफी एंड प्रैक्टिस, ई–जर्नल*, संख्या 2419 (मई 2019)।

60. शिल्पा देवी, "अवेलेबिलिटी ऑफ ड्रिकिंग वाटर सोर्स इन सुकेती रिवर बेसिन, हिमाचल प्रदेशः अ जियोग्राफिकल एनालिसिस", *श्रृंखलाः एक शोधपरक वैचारिक पत्रिका*, खंड 6, संख्या 9 (मई 2019)।

61. स्तुति हलदर, "टुवर्ड्स अ कान्सेप्टुअल अंडरस्टैंडिंग ऑफ सस्टेनेबिलिटी–ड्रिवेन इंटरप्रेन्योरशिप", *कॉर्पोरेट सोशल रेस्पांसिबिलिटी एंड इन्वायरनमेंट मैनेजमेंट*, (मार्च 2020)।

62. टी. प्रियंका, "एफडीआई इन इंडियन नॉन लाइफ इंश्योरेंस सेक्टरः बूस्ट मार्केट पोटेंशियल", *इंटरनेशनल जर्नल ऑफ रीसेंट टेक्नोलॉजी एंड इंजीनियरिंग*, खंड 8, संख्या 2 एस 10 (मई 2019)।

63. तृष्णा भुई, "ट्रेंड ऑफ पब्लिक लाइब्रेरी रिसर्च इन इंडिया", *लाइब्रेरी फिलास्फी एंड प्रैक्टिस*, ई–जर्नल, 1826 (जून 2018)।

64. तृष्णा भुई, "एन इवेल्यूटिव स्टडी ऑन कोर्स एंड करिकुलम स्ट्रक्चर ऑफ लाइब्रेरी एंड इनफारमेशन साइंसेस इन विद्यासागर यूनीवर्सिटी, पश्चिम बंगाल, इंडिया", *पुस्तकालय दर्शन और अभ्यास*, ई–जर्नल, 1928 (जुलाई 2018)।

65. तृष्णा भुई, "पब्लिकेशंस बाए फैक्लटी मेंबर्स ऑफ ह्यूमैनिटीज एंड सोशल साइंसेस डिपार्टमेंटंस ऑफ आईआईटी खड़गपुर ए बिबलियो मेट्रीक सटडी", *पुस्तकालय और सूचना प्रौद्योगिकी डेसीडॉक जर्नल*, खंड 38, संख्या 6 (नवंबर 2018)।

66. तृष्णा भुई, "मैपिंग ऑफ रिसर्च प्रोडक्टविटी इन यूनिवर्सिटी ऑफ पेट्रोलियम एंड एनर्जी स्टडीज : अ साइंटोमेट्रिक एप्रोच", *लाइब्रेरी, फिलोसफी एंड प्रैक्टिस, ई–जर्नल*, 1972 (दिसंबर 2018)।

67. तृष्णा भुई, "बिबिलिओमेट्रिक मैपिंग ऑफ एलआईएस रिसर्च इन इंडिया : ए स्टडी सीन थ्रू द मिरर ऑफ

इंडियन साइटेशन इंडेक्स", *लाइब्रेरी, फिलोसफी एंड प्रैक्टिस, ई–जर्नल*, 2349 (मई 2019)।

68. वी. आर्यनाथू, "इंफारमेशन, कम्युनिकेशन एंड टेक्नोलॉजी फॉर अनलॉकिंग आपरचुनिटीज इन कोविड–19 लॉकडाउन सर्कमस्टांसेज", *इंटरनेशनल जर्नल ऑफ साइकोलॉजिकल रिहैबिलिटेशन*, खंड 24, संख्या 7 (2018)।

69. वानी सुहैल अहमद, "चेजिंग लैंड यूज लैंड कवर पैटर्नस एंड ग्रोइंग ह्यूमन पॉपुलेशन इन वूलर कैचमेंट ऑफ कश्मीर", *हिमालयाज जियोजर्नल, स्प्रिंगर*, (जनवरी 2020)।

70. वाई शेल्टन पीटर, "एन इकोनामिक एनालिसिस ऑन द डोमेस्टिक कंसर्न ऑफ द फिश एक्सपोर्ट मार्केट इन इंडिया", *प्लांट आर्काइव्स*, खंड 20, संख्या 1, (नवंबर 2020)।

डॉक्टोरल फेलोशिप पुरस्कार विजेताओं के यूजीसी केयर लिस्टेड जर्नल्स में प्रकाशित पत्र/पेपर्स

1. अरुलमोझी, "अ स्टडी ऑन द इंपैक्ट ऑफ क्लाइमेट चेंज ऑन हेल्थ कंडीशन ऑफ द पीपुल लिविंग इन कोस्टल रीजन ऑफ कुड्डालोर", *थिंक इंडिया जर्नल*, खंड 22, संख्या 3 (जुलाई–सितंबर 2019)

2. वेंस सिरिल, "कंस्ट्रक्शन ऑफ क्लासरूम मैनेजमेंट स्केल (सीएमएस) फॉर हाईस्कूल टीचर्स", *रिसर्च एंड रिफ़्लेक्शन ऑन एजूकेशन*, खंड 16, संख्या 4 (अक्टूबर–दिसंबर 2018)

3. आशीष खाखा, "आदिवासी, द फिफ्थ शेडयूल एंड अर्बन डेवलपमेंट : अ स्टडी ऑफ ग्रेटर रांची", *एक्सप्लोरेशनः इंडियन सोशियोलॉजिकल सोसाइटी का ई–जर्नल*, खंड 3, संख्या 2 (अक्टूबर 2019)

4. आशीष खाखा, "अर्बनाइजेशन ऑफ अ ट्राइबल सिटी : कंटेस्टेशन ऑफ द न्यू शिलांग टाउनशिप", *एक्सप्लोरेशनः इंडियन सोशियोलॉजिकल सोसाइटी का ई–जर्नल*, खंड 2, संख्या 2 (अक्टूबर 2018)

5. अभिजीत सांत्रा, "म्युनिसिपिल सॉलिड वेस्ट मैनेजमेंट सिस्टम इन अगरतला सिटी, त्रिपुरा इंडिया", *हिल ज्योग्राफर*, खंड 30, संख्या 2 (2018)

6. अभिषेक मिश्रा, "डिराइविंग लीडरशिप इंटरवेंशनंस फ्रॉम भगवद गीता : इश्यू एंड चैलेंजेस", *थिंक इंडिया जर्नल*, खंड 22, संख्या 14 (दिसंबर 2019)

7. अजीना रोज़, "क्रिटिकल एनालिसिस ऑफ़ रूरल डेवलपमेंट एज़ ए क्रिएटिव वे ऑफ़ लिविंग", *स्टडीज़ इन इंडियन प्लेस नेम्स*, खंड 40, संख्या 71 (मार्च 2020)

8. अखिला के पी, "साइकोसोशल एडजस्टमेंट (पीएसए) टूल फॉर सर्वाइवर्स ऑफ सेक्सुअल एब्यूज", *स्टडीज इन इंडियन प्लेस नेम्स*, खंड 40, संख्या 70 (मार्च 2020)

9. अखिला के पी, "इंपैक्ट ऑफ पैंनेडेमिक ऑन चाइल्ड प्रोटेक्शन : अ रेस्पांस टू कोविड 19", *वेस्लेयन जर्नल ऑफ रिसर्च*, खंड 13, संख्या 14 (सितंबर 2020)

10. अमन अग्रवाल, "अद्वितीय समाजसेवी सावरकर", *शोध संचार बुलेटिन*, खंड 10, संख्या 40 (अक्टूबर–दिसंबर 2020)

11. अमित शर्मा, "मार्केटिंग स्ट्रेटेजीस ऑफ एमएसएमईः अ स्टडी ऑफ हिमाचल प्रदेश", *तथापी*, खंड 19, संख्या 9 (मई 2020)

12. अंजलि पाठक, "स्टेटस ऑफ पब्लिक सेक्टर इम्प्लायमेंट इन पंजाब", *शोध सरिता*, खंड 4, संख्या 15 (जुलाई–सितंबर 2018)

13. अंजू श्योराण, "स्ट्रेटेजिक मैनेजमेंट इश्यूज एंड अपॉरचुनिटी इन पॉवर डिस्ट्रिब्यूशन सेक्टर", *थिंक इंडिया जर्नल*, खंड 22, संख्या 15 (फरवरी 2020)

14. अंशिका शर्मा, "इमोशनल लेबर एंड ऑर्गनाइज़ेशनल सिटिजनशिप बिहेवियरः एलुसिडेटिंग द टाई–अप एंड इट्स इंटरसिडिंग एलायज़", *न्यू होराइजन्स*, खंड 80, संख्या 1 (जुलाई–सितंबर 2019)

15. अनुसूया नैन, "रेलेवेंस ऑफ गांधीयन इथिकल वैल्यूज इन कंटेपोरेरी इंडियन पॉलिटिक्स", *इंडियन जर्नल ऑफ पॉलिटिकल साइंस*, खंड 80, संख्या 2 (अप्रैल–जून 2019)

16. अनुसूया नैन, "लाइफ एंड वर्क ऑफ पंडित दीन दयाल उपाध्याय", *इंडियन जर्नल ऑफ पॉलिटिकल साइंस*, खंड 80, संख्या 2 (अप्रैल–जून 2019)

17. अप्पासाहेब सी. पाटिल, "अल्ट्रुइज्म एंड सेसेंटिविटी ऑफ कपल्स टू देयर कंपैशनेट लव", *इंडियन जर्नल ऑफ साइकोलॉजी*, खंड 6, संख्या 2 (जून 2020)

18. अर्पित हुरिया, "एक्सटेंट ऑफ डिस्कांटीन्यूंस ऑफ एग्रीकल्चरल इनोवेशंस बाय फार्मर्स इन द तराई रीजन ऑफ उत्तराखंड", *रिसर्च जर्नल ऑफ एग्रीकल्चरल साइंस*, खंड 10, संख्या 4 (फरवरी 2019)
19. अश्विनी कुमार पाठक, "वर्तमान शैक्षिक परिदृश्य में शांति शिक्षा की पाठचर्या", *दृष्टिकोण*, खंड 12, संख्या 1 (जनवरी 2020)
20. अश्विनी कुमार पाठक, "शांति शिक्षा और इसके विविध पक्षों में निहित घटक तत्व", *शोध सरिता*, खंड 7, संख्या 25 (जनवरी–मार्च 2020)
21. बालाजी केसी, "सेल्स पीपुल इनोवेशंस ऑन कस्टमर नॉलेज, मैनेजमेंट फॉर इंक्रीजिंग सेल्स परफार्मेंस इन आर्गेनिक फूड प्रोडक्ट्स", *ऑवर हेरिटेज*, खंड 68, संख्या 1 (जनवरी–2020)
22. बालाजी केसी, "इंपैक्ट ऑफ सेल्स फोर्स एडाप्शन ऑन द सेल्स परफार्मेंस : न्यू प्रोडक्ट डेवलपमेंट", *परिशोध जर्नल*, खंड नौ, संख्या तीन (मार्च 2020)
23. बिस्वजीत परिदा, "ट्राइबल एजूकेशन इन इंडिया विद स्पेशल रेफरेंस टू मानकीडिया ऑफ ओडिशाः प्रॉब्लम्स एंड प्रोस्पेक्ट्स", *ऑवर हेरीटेज*, खंड 68 (फरवरी 2020)
24. दामिनी बलोरिया, "अंडरस्टैंडिंग होमोसेक्सुआलिटीज थ्रू हिंदी सिनेमा", *शोध सरिता*, खंड 6, संख्या 23 (जुलाई से सितंबर 2019)
25. दवे पूजाबेन भारतकुमार, "डिस्पोरिक डिस्प्लेसमेंट एंड द पॉलिटिक्स ऑफ रेसः अ स्टडी ऑफ मिसिसिपी मसाला", *शोध सरिता*, खंड 6, संख्या 23 (जुलाई–सितंबर 2019)
26. फोजिया जान, "शिरिकिंग इंडियन डॉयसपोरा इन ईरान : अ फॉरेन पॉलिसी कंसर्न फॉर इंडिया", *द इंडियन जर्नल ऑफ पॉलिटिकल साइंस*, खंड .79, संख्या 4 (अक्टूबर–दिसंबर 2018)
27. जिन खान खौल, "इन्फ्लूएंस ऑफ मदर्स, ओबेस्टी, हाइपरटेंशन एंड मार्बिडिटी ऑन इनफैंट एंड चाइल्ड मोरटालिटी अमंग द जू ऑफ मणिपुर, नार्थ ईस्ट इंडिया", *एन्ट्रोकॉम जर्नल ऑफ एंथ्रोपोलॉजी*, खंड 15, संख्या 1 (जुलाई 2019)
28. हरसिमर कौर, "अ स्टडी ऑफ स्यूसाइडल बिहैवियर अमंग ट्रांसजेंडर पीपुल इन रिलेशन टू देयर मेंटल हेल्थ इन पंजाब", *स्टडीज इन इंडियन नेम्स प्लेसस*, खंड 40, संख्या 23 (फरवरी 2020)
29. हिमानी बिष्ट, "रिवेंज पोर्नोग्राफीः ए न्यू फॉर्म ऑफ साइबर क्राइम अगेंस्ट वूमेन", *शोध संचार बुलेटिन*, खंड 10, संख्या 40 (अक्टूबर से दिसंबर 2020)
30. इमरान अहमद, "डिटरमिनेंट्स एट्रीब्यूट्स ऑफ पर्सीव्ड रिस्कस फ्रॉम ऑनलाइन शॉपिंग : अ स्टडी ऑफ दिल्ली एंड एनसीआर", *थिंक इंडिया जर्नल*, खंड 22, संख्या 4 (अक्टूबर–दिसंबर 2019)
31. जगदीश, "इम्पीरिकल एनालिसिस ऑफ द इंपैक्ट ऑफ क्लाइमेट चेंज ऑन एग्रीकल्चर इन कर्नाटक", *जर्नल ऑफ फूड*, एग्रीकल्चर एंड एन्वायरनमेंट, खंड 18, संख्या 3 और 4 (सितंबर 2020)
32. जगजीत कौर, "बुक रिव्यू ऑफ न्यू टेक्नोलॉजी एंड एजूकेशनः कंटेपोरेरी इश्यूज इन एजूकेशन स्टडीज बाए एंथनी एडवर्ड्स", *इंडियन जर्नल ऑफ एजुकेशनल टेक्नोलॉजी*, खंड 1, संख्या 1 (जनवरी 2020)
33. ज्योति प्रसाद गैरोला, "शिव तथा शिव परिवार : एक विमर्श", *वास्तुशास्त्रविमर्श*, खंड 7, संख्या 1 (जुलाई 2018)
34. के. नीरजा, "स्टडी ऑफ परफारमेंस मैनेजमेंट सिस्टम इन द सीमेंट इंडस्ट्री", *स्टडीज इन इंडियन नेम्स प्लेसस*, खंड 40, संख्या 27 (फरवरी 2020)
35. के. नीरजा, "स्टडी ऑफ परफारमेंस मैनेजमेंट सिस्टम इन द ओरिएंट सीमेंट लिमिटेड, चित्तपुर", *संबोधि*, खंड 43, संख्या 4 (1) (अक्टूबर से दिसंबर 2020)
36. कमलेश चंद्र जोशी, "रिलीजियस टूरिज्म प्लानिंग एंड प्रोमोशन इन द हायर रीचेज ऑफ उत्तराखंड हिमालय : अ केस स्टडी ऑफ केदारनाथ, पोस्ट 2013 डिजास्टर", *थिंक इंडिया जर्नल*, खंड 22, संख्या 10 (नवंबर 2019)
37. कृष्णाखी चौधरी, "एग्रीकल्चरल इंटरप्रोन्योरशिप इन लोअर ब्रह्मपुत्र वैली, असम", *ग्लोबल एंटरप्रेन्योरशिप रिसर्च जर्नल*, खंड 59, संख्या 9 (2019)
38. एम. राठी मीणा, "ई–लर्निंगः ए डिजिटल टूल फॉर ब्रिजिंग एम्प्लॉयबिलिटी स्किल गैप इन इंडियन बैंकिंग सेक्टर", *आलोचना चक्र जर्नल*, खंड 9, संख्या 5 (मई 2018)
39. एम. राठी मीणा, "टूरिज्म सेक्टरः ए ड्राइविंग फोर्स ऑफ जॉब क्रिएशन इन इंडिया", *अवर हेरिटेज*, खंड 68, संख्या 1 (जनवरी 2020)
40. एम रेशमा, "इन्वस्टीगेटिंग द रोल ऑफ ऑपरचुनिटी कॉम्पीटेंस एंड इमोशनल इंटेलीजेंस इन एडिंग द फर्म

परफार्मेंस ऑफ वूमैन इंटरप्रेन्योर्स", *संबोधि*, खंड 2, संख्या 9 (अक्टूबर–दिसंबर 2020)

41. मलिहा बटूल, "रेजिडेंशियल एनर्जी कंजप्शन इन अर्बन एरियाज ऑफ यूटी ऑफ जेएंडके (J&K): अ कम्परेटिव स्टडी ऑफ डोडा एंड जम्मू", *कला जर्नल ऑफ इंडियन आर्ट हिस्ट्री कांग्रेस*, खंड 2, संख्या 5 (नवंबर 2020)
42. मोइरंगथेम बिजॉय सिंह, "थ्रो शटल लूम वीविंगः ए ट्रेडिशनल ऑक्यूपेशन ऑफ मेतेई वूमेन इन इम्फाल वैली", *इंटरनेशनल रिव्यू ऑफ सोशल साइंस एंड ह्यूमैनिटीज*, खंड 9, संख्या 7 (जुलाई 2019)
43. एन. पेरियामायण, "अ स्टडी ऑफ अनटैप्ड रिन्यूएबल एनर्जी रिर्सोस इन तमिलनाडु", *थिंक इंडिया जर्नल*, खंड 22, संख्या 14 (दिसंबर 2019)
44. नागराज एम., "डेथ एंग्जायटी एंड साइकोलॉजिकल वेलबीइंग ऑफ इंस्टीटयूशनलाइज्ड एल्डरलीः रिलेशनशिप, एसोसिएशन एंड इन्फ्लुएंस ऑफ डेमोग्राफी", *इंडियन जर्नल ऑफ जेरोन्टोलॉजी*, खंड 33, संख्या 3 (2019)
45. नवज्योति सिद्धू, "श्रीमद भगवद्‌गीता एज ए स्ट्रेस मैनेजमेंट गाइड", *वैदिक वाग ज्योति*, खंड 6, संख्या 11 (जुलाई–दिसंबर 2018)
46. नीति कुशवाहा, "दि डिलेमा ऑफ गुड टच एंड बैड टच इन विजुअली इम्पैयर्ड", *शोध सरिता जर्नल*, खंड 7, संख्या 26 (अप्रैल–जून 2020)
47. नीति कुशवाहा, "वायलेंस अगेंस्ट एल्डरली वूमेन", *आलोचना चक्र जर्नल*, खंड 9, संख्या 9 (सितंबर 2020)
48. नीति कुशवाहा, "पापुलेशन, मोबिलिटी एंड माइग्रेशन", *आलोचना चक्र जर्नल*, खंड 9, संख्या 5 (मई 2020)
49. नेहा सोमन, "एथनिक डेमोक्रेसी एंड द केस ऑफ़ इज़राइलः ए पैरेलल रीडिंग ऑफ़ सैयद कशुआज़ः लेट इट बी मॉर्निंग एंड सैमी स्मूहाज़ एथनिक डेमोक्रेसी", *आईएएफओआर जर्नल ऑफ़ आर्ट्स एंड ह्यूमैनिटीज़*, जापान, खंड 19 (जून 2020)
50. निट्टीमोल एंटनी, "डिटरमिनेंट्स ऑफ लांगिविटी ऑफ वूमेन माइक्रो एंटरप्राइजेज : अ स्टडी ऑफ कुदुम्बश्री यूनिट्स इन कासरगोड डिस्ट्रिक, केरल", *स्टीडीज इन इंडियन नेम्स प्लेसस*, खंड 40, संख्या 23 (फरवरी 2020)
51. नूपुर, "इनेबिलिंग वूमेन डिजिटल फाइनेंसियल इंक्लूजन इन इंडिया : अ स्टडी ऑफ करेंट स्टेट्स एंड इमर्जिंग फाइंडिंग्स", *शोध सरिता*, खंड 7, संख्या 27 (जुलाई–सितंबर 2020)
52. पार्वती पी एस, "द ऐसीडेंसी ऑफ टेक्नोलॉजी इन कॉरपोरेट सोशल रेस्पांसिबिलिटी", *ऑवर हेरिटेज*, खंड 78, संख्या 16 (जनवरी 2020)
53. प्रदीप पी एन, "मैथेडोलॉजीकल चैलेंजस इन इंप्लीमेंटेशन ऑफ सोशल इनक्यूबेटर्स इन केरल : अ केस स्टडी", *जर्नल ऑफ सोशल वर्क एजुकेशन, रिसर्च एंड एक्शन*, खंड 5, संख्या 3 (जुलाई 2020)
54. प्रदीप पी एन, "कैटालाइजिंग विजनरीज फ्रॉम द मार्जिन्सः ए सोशल एंटरप्रेन्योरियल सेटिंग फॉर सोशल वर्क प्रैक्टिस इन केरल", *जर्नल ऑफ सोशल वर्क एजुकेशन, रिसर्च एंड एक्शन*, खंड 2, संख्या 2 (मई–अगस्त 2020)
55. प्रमा मुखोपाध्याय, "लीविंग होम कमिंग होमः द अनसर्टेन लाइव्स ऑफ द सुंदरबन माइग्रेंट्स ड्यूरिंग द ग्लोबल पैंडेमिक", *सोसाइटी एंड कल्चर इन साउथ एशियाः ए सेज जर्नल*, खंड 17, संख्या 1 (जनवरी 2021)
56. प्रेक्षा दासानी, "इंपैक्ट ऑफ एज ऑन पोर्टफोलियो साइज एंड स्कीम केटेगरी सेलेक्शन बाय द इंडियन म्यूचुअल फंड इनवेस्टर्स", *ऑवर हेरीटेज*, खंड 68, संख्या 62 (फरवरी 2020)
57. प्रीतम बिस्वाल, "नीड फॉर इनहांसिंग स्किल्स अमंग फिशिंग कम्युनिटीजः अ स्टडी ऑन लाइवलीहुड एंड पोस्ट डिजास्टर रिजिलिएंस इन फ्लड प्रोन एरियाज", *स्टडीज इन इंडियन प्लेस नेम्स*, खंड 40, संख्या 10 (फरवरी 2020)
58. रचना राय, "भारत के बाह्य प्रवासन एवं बुद्ध देखभाल व्यवस्था की समकालीन प्रवृतियां", *शोध पत्रिका दृष्टिकोण*, खंड 5 (सितंबर–अक्तूबर 2019)
59. रजनीकांत चंद्रप्पा, "हेल्थ प्राब्लम्स फेस्ड बॉय एल्डरली पीपुलः अ सोशियोलॉजीकल स्टडी", *माडर्न थमिज़ रिसर्च, आर्ट्, एंड ह्यूमैनीटीज*, खंड 1, संख्या 3 (अक्टूबर 2020)
60. रजनीकांत चंद्रप्पा, "सोशल चैलेंजेस ऑफ एल्डरली केयरं", *थर्ड कान्सेप्ट*, खंड 4, संख्या 3 (अक्टूबर 2020)
61. राम वृक्ष द्विवेदी, "स्वतंत्रयोत्तर भारत में ग्रामीण दलित महिला की परिषदः एक समाजशास्त्रीय विश्लेषण", *चिंतन परम्परा*, खंड 2, संख्या 21 (जुलाई–दिसंबर 2019)

62. रेणु बाला, "पर्सेप्शन ऑफ स्टूडेंट्स टुवर्ड्स इम्पलायबिलिटी स्किल्स", *शोध सरिता*, खंड 7, संख्या 28 (अक्टूबर–दिसंबर 2020)
63. रेवती एस, "अ स्टडी ऑन इनवायरमेंटल, पब्लिक हेल्थ एंड सेफ्टी इश्यूज", *स्टीडीज इन इंडियन नेम्स प्लेसस*, खंड 40, संख्या 1 (जनवरी 2020)
64. रेवती एस, "ऑक्यूपेशनल हेल्थ हेजार्डस एंड सेफ्टी इन केमिकल इंडस्ट्री : अ रिव्यू", *ऑवर हेरिटेज*, खंड 68, संख्या 1 (जनवरी 2020)
65. ऋषि गुप्ता, "नेपाल–चीन रिलेशंसः इंप्लीकेशंस फॉर इंडिया", *थर्ड कॉन्सेप्ट*, खंड 34, संख्या 403 (सितंबर 2020)
66. एस धीरन, "रूरल मार्केटिंग स्ट्रेटीजस फॉर प्रोमोटिंग कंज्यूमर प्रोडक्ट्सः अ स्टडी विद रेफरेंस टू सेलेक्ट प्रोडक्ट्स इन रायलसीमा रीजन ऑफ आंध्र प्रदेश (अनंतपुरम् डिस्ट्रिक)", *डोगो रंगसांग रिसर्च जर्नल*, खंड 10, संख्या 8 (अगस्त 2020)
67. एस लीला प्रियदर्शिन, "अ प्रिलिमनरी रिव्यू ऑफ द कल्चर हेरिटेज एंड इमर्जिंग पिलिग्रेमेज टूरिज्म इन तमिलनाडु", *जर्नल ऑफ टूरिज्म, हॉस्पिटालिटी एंड कल्नरी आर्ट्स*, खंड 11, संख्या 2 (नवंबर 2019)
68. एस लीला प्रियदर्शिनी, "इंपैक्ट ऑफ सोशल मीडिया ऑन ई–टूरिज्मः अ क्रिटिकल एनालिसिस ऑफ डिटरमिनेंट्स ऑफ डिसीजन मेकिंग", *जर्नल ऑफ टूरिज्म*, हॉस्पिटालिटी एंड कल्नरी आर्टस, खंड 12 (फरवरी 2020)
69. साहेबगौड़ा बी, "अ स्टडी ऑन कंज्यूमर बिहैवियर प्रिफेरेंस टुवर्ड्स पतंजलि प्रोडक्ट्स विद स्पेशल रेफरेंस टू कलबुर्गी सिटी", *स्टीडीज इन इंडियन प्लेस नेम्स*, खंड 40, संख्या 27 (फरवरी 2020)
70. साहेबगौड़ा बी, "जीएसटी एंड इट्स इंपैक्ट ऑफ बायिंग एटीट्यूडस ऑफ एफएमसीजी इन कालबुर्गी सिटी", *ऑवर हेरिटेज*, खंड 1, विशेष अंक संख्या 59 (फरवरी 2020)
71. साक्षी वर्मा, "बॉर्डर एंड इट्स इफेक्ट्स ऑन विलेज इंस्टीट्यूशंसः ए सोशियोलॉजिकल स्टडी ऑफ जम्मू डिस्ट्रिक्ट", *जर्नल ऑफ द गुजरात रिसर्च सोसाइटी*, खंड 21, संख्या 3 (अक्टूबर 2019)
72. संध्या रुस्तम येवले, "हिस्ट्री ऑफ आर्ट एंड आर्किटेक्चर ऑफ सारंगपानी टेंपल एट कुंभकोणम", *थिंक इंडिया जर्नल*, खंड 22 (नवंबर 2019)
73. शाइनी वशिष्ठ, "एजूकेशनल स्टेटस ऑफ डिनोटिफाईड कम्युनिटीजः अथॉरिटीकल पर्सपेक्टिव", *मुक्त शब्द जर्नल*, खंड 9, संख्या 8 (जुलाई 2020)
74. शिशिर शर्मा, "एनालाइजिंग द रेलेवेंस ऑफ सोशल वर्क इंटरवेंशंस इन ऑन्कोलॉजी सर्विसेजः अ केस स्टडी", *ऑवर हेरीटेज*, खंड 68, संख्या 1 (जनवरी 2020)
75. शिवानी सेठ, "यूनाइटेड नेशंस एंड ह्यूमन राइट्स", *थर्ड कान्सेप्ट*, (जनवरी 2020)
76. शिवानी सेठ, "यूएन पीसकीपिंग ऑपरेशंस इन मिडिल एंड नादर्न अफ्रीका", *थर्ड कान्सेप्ट*, (अगस्त 2019)
77. श्रद्धा मिश्रा, "बहुसांस्कृतिक समाज की चुनौतियां", *शोध सरिता*, खंड 7, संख्या 27 (जुलाई–सितम्बर 2020)
78. श्रद्धा मिश्रा, "मानव वेदना की चुनौती", *शोध संचार बुलेटिन*, खंड.10, संख्या 39 (जुलाई–सितम्बर 2020)
79. श्वेता श्रीवास्तव, "कंटेशियस मैरिजस : अ स्टडी ऑन इंटर कास्ट मैरिज ऑफ मार्जिनालाइज्ड कम्युनिटी इन प्रयागराज डिस्ट्रिक", *तथापी*, खंड 19, संख्या 8 (अप्रैल 2020)
80. सिंधु थॉमस, "लंदन मिशनरी सोसाइटी एंड द प्रोग्रेस ऑफ हेल्थ केयर इन कोलोनियल त्रावणकोर", *हिस्ट्री रिसर्च जर्नल*, खंड 5, संख्या 5 (सितंबर–अक्टूबर 2019)
81. सिंधु थॉमस, "इंस्टीट्यूशनलिज्म ऑफ वेस्टर्न मेडिसिन इन कॉलोनियल केरल", *हिस्ट्री रिसर्च जर्नल*, खंड 2, संख्या 4 (सितंबर–अक्टूबर 2019)
82. सिंधु थॉमस, "प्रोफेशनलाइजेशन ऑफ नर्सिंग केयर इन कॉलोनियल इंडिया", *थिंक इंडिया जर्नल*, खंड 22, संख्या 3 (जुलाई–सितंबर 2019)
83. सोनम, "एन एनालिसिस ऑफ फाइनेंशियल लिटरेसी अमंग यूनिवर्सिटी स्टूडेंट्स : इम्पीरिकल एविडेंस फ्रॉम नार्थ इंडिया", *स्टडीज इन इंडियन प्लेसस नेम्स*, खंड 40 (मार्च 2019)
84. सोनम, "एग्रीकल्चर सेक्टरः ए सस्टेनेंस ऑफ इमर्जिंग इकोनॉमिक्स इन पोस्ट कोविड–19", *न्यू होराइजन्स*, खंड 18 (2020)
85. सौमिता मजूमदार, "द बेगर्स ऑन द स्ट्रीट्स ऑफ़ लेट कॉलोनियल कलकत्ताः 1900–1940", *प्रोसीडिंग्स ऑफ़ द इंडियन हिस्ट्री कांग्रेस*, इंडियन हिस्ट्री कांग्रेस, (2019)

86. सुहैल पी, "अ कम्पेरेजिन बिटवीन द पर्सेप्शन ऑफ इंडियन एंड फॉरेन हेल्थ केयर कंज्यूमर्स ऑफ आयुर्वेद", *ऑवर हेरिटेज*, खंड 67, संख्या 2 (जुलाई–दिसंबर 2019)

87. सुनील कुमार वर्मा, "स्टडी ऑन ह्यूमन माइग्रेशन एंड इट्स इम्पैक्ट ऑन एजुकेशन एंड सोसाइटी इन इंडिया", *आलोचना चक्र जर्नल*, खंड 9, संख्या 6 (जून 2020)

88. सुनील कुमार वर्मा, "इंपैक्ट ऑफ कोविड–19 ऑन प्राइमरी, सेकेंडरी एंड हायर एजूकेशन इन इंडिया", *तथापी*, खंड 19, संख्या 1 (जुलाई 2020)

89. सुशीला, "फैक्टर्स अफैक्टिंग फाइनेंशियल लिटरेसी : अ स्टडी ऑफ यंगस्टर्स", *संबोधि*, खंड 43, संख्या 3 (जुलाई–सितंबर 2020)

90. तरुण गोगोई, "नॉर्थ ईस्ट डेमोक्रेटिक अलायंस (एनईडीए) एंड पॉलिटिकल चेंज इन नॉर्थ ईस्ट इंडिया", *डायलॉग क्वाटरली*, खंड 20, संख्या 4 (अप्रैल–जून 2019)

91. वंदना, "द इंफ्लूएंस ऑफ पैकेजिंग एंड टेक्नोलॉजी ऑन शेल्फ लाइफ ऑफ मिल्क एंड मिल्क प्रोडक्ट्स : एन ओवरव्यू", *थिंक इंडिया जर्नल*, खंड 22 (नवंबर 2018)

92. वंदना, "सप्लाई चेन मैनेजमेंटः अ केस ऑफ डेयरी इंडस्ट्री इन गुजरात", *ऑवर हेरिटेज*, खंड 67 (दिसंबर 2019)

93. विद्या भास्कर, "इम्पलीमेंटेशन ऑफ जननी सुरक्षा योजना इन मोदी रीजीमः अ केस स्टडी ऑफ ट्राइबल वूमेन इन झाबुआ डिस्ट्रिक ऑफ मध्य प्रदेश", *थिंक इंडिया जर्नल*, खंड 2, संख्या 11 (नवंबर 2019)

94. विपुल गुप्ता, "मर्जर ऑफ कॉर्पोरेट सोशल रिस्पॉन्सिबिलिटी एंड कॉरपोरेट गवर्नेंस : अ पर्सपेक्टिव फ्रॉम इंडियन पब्लिक सेक्टर बैंक्स", *स्टडीज इन इंडियन प्लेस नेम्स*, खंड 40, संख्या 3 (फरवरी 2018)

95. वलीद मातहर अब्दुलहदी अब्दुलगब्बर, "रिलेशनशिप विटबीन कॉरपोरेट गवर्नेंस मैकेनिज्म एंड मार्केट–बेस्ड मेजरमेंट इन इंडियन एंड गल्फ कोऑपरेशन काउंसिल (जीसीसी) लिस्टेड फर्म्स", *द इंडियन जर्नल ऑफ कॉमर्स*, खंड 72, संख्या 3 और 4, (जुलाई–दिसंबर 2019)

परिशिष्ट–5

भारत में राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलनों/संगोष्ठियों के आयोजन के लिए प्रदत्त वित्तीय सहायता

कोविड–19 महामारी तथा संसाधनों की कमी के कारण केवल राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय वेबिनार के लिए वित्तीय सहायता दी गयी। हालांकि, महामारी के कारण पिछले वर्ष यानी वर्ष 2019–20 में जिन राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय अधिवेशनों/ संगोष्ठियों, जिनके लिए पूर्व मे अनुदान दिया गया था, का आयोजन नहीं किया जा सका, उन्हें पुनर्निर्धारित किया जा रहा है, जिनकी सूचना निम्नवत हैः

अंतर्राष्ट्रीय वेबिनार (2020–21)

(सामान्य श्रेणी)

अर्थशास्त्र

1. मौशुमी सिंघा महापात्रा, आईपीई, हैदराबाद, 16–18 दिसंबर 2021, हैदराबाद, "बिहेवियरल फाइनेंस"। (₹ 50,000)

सामाजिक मनोविज्ञान

2. मधुरिमा प्रधान, लखनऊ यूनिवर्सिटी (एल.यू.), लखनऊ, 31 अक्तूबर–01 नवंबर, 2021, लखनऊ, "पॉज़िटिव साइकोलोजी इंटरवेंशंस फॉर प्रोमोटिंग ससटेनेबल हैप्पीनेस इन सोसाइटी"। (₹ 50,000)

राष्ट्रीय वेबिनार (2020–21)

(सामान्य श्रेणी)

वाणिज्य एवं प्रबंधन

1. एकता, सेंट ज़ेवियर कालिज, राजस्थान, 11–12 फरवरी 2021, जयपुर, "डाइमेंशंस ऑफ ए पैनडेमिकः द कोविड–19 क्राइसिस"। (₹ 30,000)
2. ए. सेनगोटायन, कान्नु आर्ट्स एंड साईंस कालेज, तमिलनाडु, 14–18 जून, 2021, इरोड, "एग्रीकल्चर मार्केटिंग एंड एग्री–बिज़नेसः इनोवेशन, रिफॉर्म्स एंड डिजिटलाईज़ेशन स्ट्रैटेजीज़"। (₹ 30,000)

शिक्षा

3. वी. श्रीकांत, आईपीई, हैदराबाद, 25–26 मार्च 2021, हैदराबाद, "सोशल साईंसेज़ रिसर्च, टीचिंग एंड लर्निंग एक्सपीरियेंसेज़ ड्यूरिंग कोविड 19 पैनडेमिक"। (₹ 35,000)
4. रेवंती एलंकी, सीईएसएस, हैदराबाद, 28–29 अप्रैल, 2021 हैदराबाद, "नेशनल एजुकेशन पॉलिसी 2020ः स्टेट लेवल इम्प्लीमेंटेशन–स्ट्रैटेजीज़, प्रोसेस, इश्यूज़ एंड चैलेंजेज़ इन हायर एजुकेशन"। (₹ 35,000)
5. एलेना फिलिप, सेंट एसोसियस कॉलिज, मध्य प्रदेश, 15–16 जनवरी 2021, जबलपुर, "न्यू एजुकेशनल पॉलिसी 2020ः सोशिओ–इकोनोमिक एंड पोलिटिकल इम्प्लिकेशंस"। (₹ 30,000)
6. सुधीर चलासनी, एनआरआईआईटी, आंध्र प्रदेश, 2–3 जुलाई 2021, पोथ्वरप्पाडु, "ए स्टडी ऑन ब्लेंडिंग रिमोट टीचिंग एंड लर्निंग स्ट्रैटेजीज़ अमंग अर्बन एंड रूरल कॉलेजेज़ इन द स्टेट ऑफ आंध्र प्रदेशः ए सोल्यूशन टू कोविड–19 क्राइसेज़"। (₹ 30,000)

कानून/अंतर्राष्ट्रीय कानून

7. आर. पोन्नूरम, पीएमटी, तमिलनाडु, 29 अप्रैल 2021 को उसिलमपट्टी, "लीगल स्ट्रैटेजीज़ टू प्रिवेंट एंड चैलेंजेज़ टू कंट्रोल ऑफ साइबर वायलेंस अगेन्स्ट विमेन एंड गर्ल्स". (₹ 30,000)

राजनीति विज्ञान एवं लोक प्रशासन

8. जामिनी बुरगोहैन, एस.बी. देवराह कॉलिज, असम, 11–12 जून 2021, उलुबारी, गुवाहाटी, "इंडियन डाइवर्सिटीः ईट्स चैलेंजेज़ एंड प्रोस्पेक्टस"। (₹ 30,000)

समाजशास्त्र और सामाजिक मानव–विज्ञान

9. सुनीता रेड्डी, जेएनयू, नई दिल्ली, 20–21 मई 2021,

नई दिल्ली, "सेफ स्पेसेज़ फॉर चिल्ड्रेनः रिविज़िटिंग चाइल्ड प्रोटेक्शन सिस्टम इन इंडिया"। (₹ 35,000)

सामाजिक भूगोल और जनसंख्या अध्ययन

10. अनुपमा दुबे, आईपीई, हैदराबाद, 24 अगस्त 2020, हैदराबाद, "इश्यूज़ एंड चैलेंजेज़ ऑफ माइग्रेंट्स एंड इन्फार्मल वर्कर्सः सिनैरिओ ड्यूरिंग पैनडेमिक"। (₹ 35,000)
11. सी. रामुलु, एसजीजीडीपीजीसी, आंध्र प्रदेश, 10–12 फरवरी, पाइलर, "सस्टेनेबल डेवलपमेंट ऑफ लाइवलिहुड अमंग शेड्यूलेड ट्राइब्स (STs) इन इंडिया विद स्पेशल फोकस ऑन पर्टिकुलरली वल्नरेबल ट्राइबल ग्रुप्स (पीवीटीजी): इश्यूज़ एंड चैलेंजेज़"। (₹ 30,000)
12. मधु गुप्ता, पीजीआईएमईआर, चंडीगढ़, 19 मार्च 2021, चंडीगढ़, "राइज़िंग इनइक्वालिटी ऑफ अवोएडेबल मोरटैलिटी एंड मोरबीडीटी – नीड ऑफ ए बैलेन्सिंग एक्सरसाइज़"। (₹ 35,000)

सामाजिक भाषा विज्ञान/सामाजिक– सांस्कृतिक अध्ययन

13. विजयकुमार श्रीरंग बंदल, आरबीएएएससीसी, महाराष्ट्र, 15 जनवरी 2021, बीड, महाराष्ट्र, "इम्पैक्ट ऑफ कल्चर एंड मीडिया ऑन गवर्नमेंट पॉलिसी"। (₹ 30,000)
14. पूनम रानी, एचवीएमपीजीसी, उत्तराखंड, 24–25 अप्रैल 2021, हरिद्वार, "विमेन इन 21st सेंचुरी इंडियन लिटरेचरः कंटेम्प्ररी इश्यूज़ एंड पर्सपेक्टिव"। (₹ 30,000)

सामाजिक मनोविज्ञान/मनोविज्ञान

15. शैलजा शर्मा, बीएलजेएससी, हरियाणा, 27–28 मार्च 2021, तोशाम, "सोशियो–इकोलॉजिकल पर्सपेक्टिव इन साइकोलोजिकल वेल–बीइंग"। (₹ 25,000)
16. डी. सरवन प्रिया, पीएसीईटी, तमिलनाडु, 19–23 अप्रैल 2021, पोल्लाची, "मेंटल हेल्थ एंड साइको–सोशल आस्पेक्ट्स ऑफ कोरोना वायरस आउटब्रेक इन इंडियाः ए साइकोलॉजिकल पर्सपेक्टिव ऑन द बेनीफिट ऑफ कॉलेज स्टूडेंट्स"। (₹ 30,000)

अनुसूचित जाति श्रेणी

शिक्षा

17. वेमुला मुद्दू, मिजोरम यूनिवर्सिटी, मिज़ोरम, 22–23 मार्च 2021, आइज़ोल, "डिजिटल ट्रान्स्फॉरमेशन इन एजुकेशन ड्यूरिंग कोविड–19 : प्रोस्पेक्ट्स एंड चैलेंजेज"। (₹ 30,000)

अन्य

18. मना चरणदा, कालिंदी कालेज, नई दिल्ली, 10–11, जून 2021, नई दिल्ली, "सोशियो–इकोनोमिक–पोलिटिकल इम्प्लिकेशन्स ऑफ कोविड–19 ऑन विमेन इन इंडिया"। (₹ 30,000)

अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी (2019–20)

अंतर्राष्ट्रीय संबंध

1. पाओखोलाल हाओकिप, पांडिचेरी यूनि., पुडुचेरी, 31 अप्रैल 2021, पांडिचेरी, "इंडियन डायसपोरा इन द वेस्ट इंडियन ओशियन रीजनः हिस्टॉरिकल एंड कंटेंपरेरी रेलेवेंस इन द चेंजिंग ग्लोबल वर्ल्ड ऑर्डर"। (₹ 2,50,000)

समाजशास्त्र और सामाजिक मानव विज्ञान

2. शिबनाथ देव राजीव गांधी नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ यूथ डेवलप्मेंट, तमिलनाडु, 20–21 मार्च 2020, श्रीपेरंबदूर, "अंडरस्टैंडिंग यूथ : चैलेंजेज़ एंड प्रोस्पेक्ट्स"। (₹ 4,00,000)
3. सुधांशु शेखर, बीएनएमयू, बिहार, 19–20 मार्च 2021 बिहार, "संस्कृत राष्ट्रवाद के आयाम"। (₹ 3,00,000)
4. अतुल बारावकर, एसपीआईपीएसआर, महाराष्ट्र, 27 मार्च 2021, पुणे, "टोबैको एंड ट्यूबरक्लोसिस (टीबी)"। (₹ 2,00,000)

राष्ट्रीय संगोष्ठी (2019–20)

(सामान्य श्रेणी)

वाणिज्य एवं प्रबंधन

1. एरोकियम कुलंदाई, सेंट जोसफ कॉलेज, तमिलनाडु, 27–28 अगस्त 2020, तिरुचिरापल्ली, "द लेबर कोड्स : इम्प्लीकेशन्स एंड चैलेंजेज़ फॉर इंडस्ट्रीज़ एंड ऑर्गेनाइज़ेशंस इन इंडिया"। (₹ 2,00,000)
2. मधु लाल एम, महात्मा गांधी यूनिवर्सिटी (एम.जी.यू.), केरल, 21– 22 अप्रैल 2021, कोट्टयम, "आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस एंड रोबोटिक्स इन बिज़नेस ऑर्गेनाइज़ेशंसः ए न्यू एरा फॉर सस्टेनेबल ग्रोथ एंड प्रॉफिटेबिलिटी"। (₹ 2,00,000)

3. मनाली एम. लोन्धे, एस.के. सोमैया कॉलेज ऑफ आर्ट्स, साईंस एंड कॉमर्स (एसकेएसएएससी), महाराष्ट्र, 24–25 मई 2021, मुंबई, "अकैडेमिया–इंडस्ट्री इंटरफेस एंड कोलैबरेशन्स इन ए ग्लोबलाइज्ड वर्ल्ड"। (₹ 2,50,000)

4. तुरागा वी.राव, एजीएसजीएससीएएस, आंध्र प्रदेश, 1–2 दिसंबर, 2019, कृष्णा, "एंटरप्रेन्योरशिप–प्रेजेंट सिनेरियो"। (₹ 75,000)

अर्थशास्त्र

5. कल्पना वीरेंद्र सिंह, जीएमएसपीजीसी, मध्य प्रदेश, 20–21 मार्च 2020, उज्जैन, "इंडिया फ्रॉम एनर्जी डेफिशिएंट टू सस्टेनेबल रिन्यूएबल एनर्जी स्टेटः ए पैराडाइम शिफ्ट इन पॉलिसी प्लानिंग"। (₹ 2,00,000)

6. पवन कुमार पांडे, आरआरपीजीसी, उत्तर प्रदेश, 24–25 मार्च 2020, अमेठी, "इनोवेशन एंड एंटरप्रेन्योरियल फ्रेमवर्क फॉर ग्रोथ ऑफ इंडियन इकोनामी इन दि एरा ऑफ डिजिटलाइज़ेशन कॉम्पिटीटिवनेस"। (₹ 1,00,000)

7. तिरुचेल्वम सी. एजीएसी, तमिलनाडु, 27–28 मार्च 2020, कराईकुडी, "इकोनामिक स्लो–डाउन एंड रिमेडियल मेज़रस इन इंडिया"। (₹ 1,50,000)

8. विनोद के. मिश्रा, जीएससी, मध्य प्रदेश, 6–7 नवंबर, 2020, जबलपुर, "मध्य प्रदेश के आर्थिक विकास की जीवनधारा नर्मदा"। (₹ 1,00,000)

9. रूद्रगौड़ा आर. बिरादर, केकेयू, कर्नाटक, 28–29 मई, धारवाड़, "इंडियन पब्लिक फाइनेंस एंड पॉलिसी : एचीवमेंट्स, चैलेंजेज़ एंड वे फॉरवार्ड"। (₹ 2,50,000)

शिक्षा

10. बी. इलांगो, इंडो–फ्रेंच एजुकेशनल ट्रस्ट कॉलिज ऑफ इंजियरिंग, तमिलनाडु, 21 मार्च 2020, विल्लुपुरम, "अवेयरनेस ऑफ स्वयं (SWAYAM) कोर्सेज"। (₹ 80,000)

11. जी. सरोजा, बीआरएओयू, तेलंगाना, 29–30 अप्रैल, 2021, हैदराबाद, "चेंजिंग कंटूर्स ऑफ रिसर्च इन एलआईएस इन दी इंफॉर्मेशन एज"। (₹ 35,000)

12. एस. सोमासुंदरम, एमएसटीटीसी–बी–एड, तमिलनाडु, 27–28 मई 2021, रामनाथपुरम, "माइंडफुलनेस इन एजुकेशन (एमई) – 2020"। (₹ 75,000)

राष्ट्रीय सुरक्षा एवं सामरिक अध्ययन

13. मंगेश जी. आचार्य, एएमजेवीएम, महाराष्ट्र, 10–11 दिसंबर 2021, नागपुर में, "टेररिज़्म : चैलेंजेज़ एंड इश्यूज"। (₹ 2,00,000)

राजनीतिक विज्ञान एवं लोक प्रशासन

14. गणेशन एस., जेएसी, तमिलनाडु, 11–12 जुलाई 2019, शिवकाशी, "वॉटर मैनेजमेंट एंड फूड सिक्योरिटी"। (₹ 1,50,000)

15. नीरज कुमार, महाराजा अग्रसेन कॉलिज, नई दिल्ली, 23–24 अप्रैल 2021, नई दिल्ली, "पर्सपेक्टिव ऑफ इंडियन डेमोक्रेसी : वन नेशन वन इलेक्शन"। (₹ 35,000)

16. दीपन दास, आरजीबीसी, असम, मई 2021, गुवाहाटी, "विमेन ऑफ नॉर्थ ईस्ट इंडिया : इश्यूज एंड प्रोस्पेक्ट्स ऑफ एंपावरमेंट"। (₹ 2,00,000)

सामाजिक भूगोल एवं जनसंख्या अध्ययन

17. मनु गौतम, एमपीआईएसएसआर, मध्य प्रदेश, 26–28 मार्च 2020, उज्जैन, "एनवायरमेंटल इश्यूज़ एंड प्रेजेंट सोसाइटीः चैलेंजेज़ एंड पॉसिबिलिटीज़ फॉर इट्स प्रिज़र्वेशन एंड रेस्टोरेशन"। (₹ 2,00,000)

सामाजिक मनोविज्ञान/मनोविज्ञान

18. पल्लवी पंगालुरी, केएलईएफ, आंध्र प्रदेश, 26–28 मार्च 2020, गुंटूर, "इंडिस्पोजिशन्स अमंग अडोल्सेंट्सः ओवरकमिंग चैलेंजेज़ थ्रू इंटरवेंशंस"। (₹ 1,50,000)

19. के.पी. नाचीमुथू, पीएसजीसीएएस, तमिलनाडु, 18–19 दिसंबर 2020, कोयंबटूर, "ह्यूमन बिहेवियर एंड एनवायरमेंटल सस्टेनेबिलिटी"। (₹ 75,000)

सामाजिक भाषा विज्ञान/सामाजिक– सांस्कृतिक अध्ययन

20. सुपर्णा भट्टाचार्य, सीजीसी, पश्चिम बंगाल, 7–8 अप्रैल 2020, कोलकाता, "वर्ल्ड ऑफ कॉमिक्स : इट्स आर्ट एस्थेटिक्स एंड फ्यूचर"। (₹ 2,00,000)

अनुसूचित जाति श्रेणी

21. दिनेशा पीटी, मैसूर यूनिवर्सिटी, कर्नाटक, मैसूर, अप्रैल 2021, मैसूर, "सस्टेनेबल एंड इंक्लूसिव अर्बन डेवलपमेंट इन इंडिया"। (₹ 1,25,000)

परिशिष्ट–6

प्रशिक्षण और क्षमता निर्माण कार्यक्रम

कोविड–19 महामारी तथा संसाधनों की कमी के कारण केवल ऑनलाइन अनुसंधान कार्यप्रणाली कोर्स (आरएमसी) एवं क्षमता निर्माण कार्यक्रम (सीबीपी) आधारित अनुदान दिये गए। हालांकि, महामारी के कारण पिछले वर्ष यानी वर्ष 2019–20 में जो आरएमसी और सीबीपी प्रदान नहीं किए जा सके थे, उन्हें पुनर्निर्धारित किया जा रहा है, जिनकी जानकारी निम्नवत है:

अनुसंधान क्रियाविधि कोर्स (आर.एम.सी.) रिसर्च मेथोडोलोजी कोर्स (आर.एम.सी.)

(सामान्य श्रेणी)

1. किरण देसाई, सेंटर फॉर सोशल स्टडीज़ (CSS), वीर नर्मद साउथ गुजरात विश्वविद्यालय परिसर, सूरत। (₹ 97,000)
2. शोभिता राजगोपाल, इंस्टीट्यूट ऑफ डेवलपमेंट स्टडीज़ (IDS), जयपुर। (₹ 97,000)
3. एल. वेंकटाचलम, मद्रास इंस्टीट्यूट ऑफ डेवलपमेंट स्टडीज़ (MIDS), चेन्नई (₹ 97,000)
4. एन. थमाराइसेल्वन, डिपार्टमेंट ऑफ मैनेजमेंट स्टडीज़, एनआईटी, तिरूचिरापल्ली, तमिलनाडु। (₹ 97,000)
5. मेरी ई. जॉन, सेंटर फॉर विमेन्स डेवलपमेंट स्टडीज़ (CWDS), नई दिल्ली। (₹ 97,000)
6. पद्म सारंगपाणि, सेंटर फॉर एजुकेशन, इनोवेशन एंड एक्शन रिसर्च (सीईआईएसी), टीआईएसएस (TISS), मुंबई। (₹ 97,000)
7. शिवा कन्नौजिया, डॉ. बी. आर. अंबेडकर केन्द्रीय पुस्तकालय, जेएनयू, नई दिल्ली। (₹ 97,000)
8. वी. शोभलता उडापुडी, गुजरात नेशनल लॉ यूनिवर्सिटी, गांधीनगर, गुजरात। (₹ 97,000)
9. रश्मि पंत, डिपार्टमेंट ऑफ एजुकेशन, उत्तराखंड ओपेन यूनिवर्सिटी, हलद्वानी, उत्तराखंड। (₹ 97,000)

क्षमता निर्माण कार्यक्रम (सी.बी.पी.) केपेसिटी बिल्डिंग प्रोग्राम (सी.बी.पी.)

(सामान्य श्रेणी)

1. सत्यकाम जोशी, सेंटर फॉर सोशल स्टडीज़ (CSS), वीर नर्मद साउथ गुजरात यूनिवर्सिटी कैंपस, सूरत। (₹ 1,15,800)
2. थियागु रंगनाथन, सेंटर फॉर डेवलपमेंट स्टडीज़ (CDS), तिरूअनंतपुरम, केरल। (₹ 1,15,800)
3. एस. मेकाला, मानविकी एवं सामाजिक विज्ञान विभाग, एनआईटी, तिरूचिरापल्ली, तमिलनाडु। (₹ 1,15,800)
4. एस. एस. जसवल, हिमाचल प्रदेश नेशनल लॉ यूनिवर्सिटी, शिमला। (₹ 1,15,800)

(अनुसूचित जाति श्रेणी)

5. जैनेन्द्र कुमार वर्मा, अर्थशास्त्र अध्ययन विभाग, केन्द्रीय विश्वविद्यालय, पंजाब। (₹ 1,15,800)

(अनुसूचित जनजाति श्रेणी)

6. केडिलेज़ो किखी, समाज विज्ञान विभाग, तेज़पुर विश्वविद्यालय, असम। (₹ 1,15,800)

प्रशिक्षण एवं क्षमता निर्माण कार्यक्रम (2019–20)

अनुसंधान कार्य प्रणाली कोर्स (आरएमसी)

(सामान्य श्रेणी)

1. रचिता गुलाटी, मानविकी एवं सामाजिक विज्ञान विभाग, भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, रुड़की, उत्तराखंड। (₹ 5,45,000)
2. सबीहा हुसैन, सरोजिनी नायडू सेंटर फॉर विमेनस स्टडीज़, जामिया मिलिया इस्लामिया, नई दिल्ली। (₹ 5,50,000)

क्षमता निर्माण कार्यक्रम (सीबीपी)

(सामान्य श्रेणी)

1. एस. पी. सिंह, मानविकी एवं सामाजिक विज्ञान विभाग, भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, रुड़की, उत्तराखंड। (₹ 8,00,000)
2. एम. धनाभक्यम, वाणिज्य विभाग, भरतियार विश्वविद्यालय, कोयम्बटूर, तमिनाडु। (₹ 8,00,000)
3. सौरभ, स्कूल ऑफ बिज़नेस, श्री माता वैष्णो देवी विश्वविद्यालय, कटरा, जम्मू एवं कश्मीर। (₹ 8,00,000)

परिशिष्ट–7

प्रकाशन के लिए अनुदान

डॉक्टोरल/पोस्ट–डॉक्टोरल थीसिस/अनुसंधान परियोजनाएं/फ़ेलोशिप रिपोर्ट/पुस्तकें/मोनोग्राफ

1. अश्वनी के. मोहापात्रा, सुरेंद्र एस. घोंक्रोकता, आशीष वी.भावे, दीपिका सिंह (एडीटर), "रिविज़िटिंग हिल–वैली कनेक्शन इन नॉर्थईस्ट इंडिया", मेसर्स मैकमिलन पब्लिशर्स, नई दिल्ली।
2. पंकज अरोड़ा, सरोज शर्मा, युक्ति शर्मा (एडीटर), "सिनरजाइज़िंग एजुकेशनल कंसर्न्स एंड सोशल नीड्स", मेसर्स मैकमिलन पब्लिशर्स, नई दिल्ली।
3. शीला भार्गव, "कॉरपोरेट कल्चर एंड वर्क एथिक्स इन इंडियन प्रिंट मीडिया इंडस्ट्री" के.डबल्यू. पब्लिशर्स, नई दिल्ली।
4. प्रकाश सिंह, "प्रयागराज कुंभ" मेसर्स मैकमिलन पब्लिशर्स, नई दिल्ली।
5. मोंदिरा दत्ता, "डिज़ास्टर एंड ह्यूमन ट्रैफिकिंग", मेसर्स स्प्रिंगर नेचर, नई दिल्ली।
6. सुरिंदर अग्रवाल, "अर्बन डायनमिक्स एंड राइज़ ऑफ नॉन–कम्युनिकेबल डिज़ीज़ेज़ इन इंडिया", मेसर्स रूट्लेज, नई दिल्ली (प्रेस में)।
7. अदिति चैटर्जी, "लैंडस्केप एंड द बंगाली डायस्पोरा", मेसर्स रूटलेज, नई दिल्ली (प्रेस में)।
8. एस. सुदर्शन राव, "नॉलेज मैनेजमेंट इन एकेडमिक लाइब्रेरीज़ इन इंडियाः ए स्टडी ऑफ टूल्स एंड टेक्निक्स यूज़्ड इन इनफॉरमेशन क्रिएशन, स्टोरेज एंड एक्सचेंज", मेसर्स मोतीलाल बनारसीदास पब्लिकेशन्स, नई दिल्ली (प्रेस में)।
9. बी. बी. कुमार, "अंडरस्टैंडिंग इंडिया एंड इट्स प्रॉबलम्स", मेसर्स मैकमिलन पब्लिशर्स, नई दिल्ली, (प्रेस में)।
10. बी. बी. कुमार, "इंडियन थिंकर्स", मेसर्स मैकमिलन पब्लिशर्स, नई दिल्ली, (प्रेस में)।
11. बी. बी. कुमार, "लॉर्ड शिवा इन इंडिया एंड अब्रोड", मेसर्स मोतीलाल बनारसीदास पब्लिकेशन्स, नई दिल्ली (प्रेस में)।
12. अभिषेक टंडन, "कंज्यूमर बीहेवीयर इन डिजिटल मार्केट्स", मेसर्स मैकमिलन पब्लिशर्स, नई दिल्ली (प्रेस में)।
13. सजल बसु, "सब–रीजनलिज़्म एथनिक मूवमेंट्स, पॉलिटिक्स इन वेस्ट बंगाल", मेसर्स मैकमिलन पब्लिशर्स, नई दिल्ली (प्रेस में)।
14. के. एन. जोशी, "इंपैक्ट ऑफ चेंजिंग अर्बन लैंड यूज़ ऑन वॉटर क्राइसेज़ एंड इट्स मैनेजमेंट फॉर सस्टेनेबल डेवलपमेंट", मेसर्स मोतीलाल बनारसीदास पब्लिकेशंस, नई दिल्ली, (प्रेस में)।
15. जया गोयल, "अकाउंटेबिलिटी एंड पब्लिक सर्विसेज़ इन इंडियाः डूम्ड बाइ डिज़ाइन", मेसर्स मोतीलाल बनारसीदास पब्लिकेशंस, नई दिल्ली (प्रेस में)।

शोध पत्रिकाओं के प्रकाशन हेतु सामाजिक विज्ञान संस्थाओं को तदर्थ वार्षिक अनुदान (2020–21)

क्रमांक	शोध पत्रिका (जर्नल) का शीर्षक	शोध पत्रिका (जर्नल) निकालने वाले संस्थान/संगठन/कॉलेज/विभाग का नाम	अनुशंसित अनुदान (₹)
1.	इंडियन जरनल ऑफ ताई स्टडीज (एस.टी.)	ताई अध्ययन एवम् अनुसंधान संस्थान, मोरनहाट, असम।	1,25,000/–
2.	मैन एंड सोसायटीः ए जरनल ऑफ नार्थ–ईस्ट स्टडीज (एस.टी.)	भा.सा.वि.अ.प. उत्तर–पूर्वी क्षेत्रीय केंद्र, शिलांग, मेघालय।	1,50,000/–
3.	ट्रांजेक्शन्स	भारतीय भूगोलविदों का संस्थान, पुणे विश्वविद्यालय, पुणे। (इंस्टीट्यूट ऑफ इंडियन जियोग्राफर्स)	1,75,000/–
4.	पूर्वदेवा (एस.सी.)	मध्य प्रदेश दलित साहित्य अकादमी, उज्जैन (म.प्र.)।	1,00,000/–
5.	हिल जिओग्राफर	पूर्वोत्तर पहाड़ी क्षेत्र की भौगोलिक समिति, शिलांग। (जियोग्राफिकल सोसाईटी ऑफ नार्थ–ईस्टर्न हिल रीज़न)	1,20,000/–
6.	मध्य प्रदेश जरनल ऑफ सोशल साइंसेस	म.प्र. सामाजिक विज्ञान अनुसंधान संस्थान, उज्जैन (म.प्र.)।	1,00,000/–
7.	रिव्यू ऑफ एग्रेरियन स्टडीज	कृषि अध्ययन संस्थान, कोलकाता । (फाउंडेशन फॉर एग्रेरियन स्टडीज़)	1,30,000/–
8.	राजस्थान जरनल ऑफ सोशियोलॉजी	राजस्थान समाजशास्त्र संघ, राजस्थान।	50,000/–
9.	इंडियन लिंग्विस्टिक्स	भारतीय भाषा विज्ञान संस्था, पुणे।	1,50,000/–
10.	इंडियन जरनल ऑफ एग्रीकल्चरल इकॉनामिक्स	भारतीय कृषि अर्थशास्त्र संस्थान, मुंबई। (इंडियन सोसायटी ऑफ एग्रीकल्चरल इकॉनोमिक्स)	2,50,000/–
11.	जरनल ऑफ द इंडियन एंथ्रोपॉलॉजिकल सोसायटी	भारतीय नृवंशविज्ञान संस्थान, कोलकाता। (दि इंडियन एंथ्रोपॉलॉजिकल सोसायटी)	90,000/–
12.	पापुलेशन जियोग्राफी	भारतीय जनसंख्या भूगोलवेत्ता संघ, पंजाब। विश्वविद्यालय, चंड़ीगढ़	70,000/–
13.	जरनल ऑफ इंस्टीट्यूट ऑफ पब्लिक एंटरप्रायसेस	सार्वजनिक उद्यम संस्थान (आई.पी.ई.), हैदराबाद।	80,000/–
14.	आई.पी.ई. जरनल ऑफ मेनेजमेंट	सार्वजनिक उद्यम संस्थान (आई.पी.ई.), हैदराबाद।	70,000/–
15.	जरनल ऑफ गर्वनेंस एंड पब्लिक पॉलिसी	सार्वजनिक उद्यम संस्थान (आई.पी.ई.), हैदराबाद।	80,000/–
16.	अर्थ बीक्षण	बंगिया अर्थनीति परिषद्, कोलकाता।	60,000/–
17.	रीजनल सिंमबायोसिस	क्षेत्रीय विकास अध्ययन संस्थान, कानपुर।	60,000/–
18.	पंचायत प्रहरी	ग्राम्य गौरव संस्थान, जयपुर।	60,000/–

जारी...

जारी...

क्रमांक	शोध पत्रिका (जर्नल) का शीर्षक	शोध पत्रिका (जर्नल) निकालने वाले संस्थान/संगठन/कॉलेज/विभाग का नाम	अनुशंसित अनुदान (₹)
19.	इंडियन जरनल ऑफ एग्रीकल्चरल मार्केटिंग	भारतीय कृषि विपणन समिति, बोरलॉग गेस्ट हाउस के पास, पी.टी.एस.ए.यू. परिसर, राजेंद्रनगर, हैदराबाद।	70,000/–
20.	वार्ता	भारतीय आर्थिक शोध संस्थान, द्वारा आर्थिक विकास संस्थान, इलाहाबाद (उ.प्र.) ।	50,000/–
21.	झारखंड जरनल ऑफ सोशल डेवलपमेंट	झारखंड विकास मंच, रांची, झारखंड।	80,000/–
22.	इंडियन जरनल ऑफ जेरेंटोलॉजी	भारतीय जराविज्ञान संस्थान, जयपुर। (इंडियन जेरेंटोलॉजी एसोसिएशन)	70,000/–
23.	जर्नल ऑफ इकॉनोमिक पॉलिसी एंड रिसर्च	सार्वजनिक उद्यम संस्थान (आई.पी.ई.), हैदराबाद।	70,000/–
24.	जरनल ऑफ इकॉनामिक्स एंड सोशल डेवलपमेंट	आर्थिक एवं सामाजिक विकास संस्थान, 63, न्यू एजी कॉलोनी, कादरू, रांची, झारखंड ।	60,000/–
25.	आई.ए.एस.एस.आई. क्वाटरली: कंट्रीब्यूशन्स टू इंडियन सोशल साइंस	भारतीय सामाजिक विज्ञान संस्थान संघ, दिल्ली।	1,50,000/–
26.	द जियोग्राफिकल ऑब्जर्वर	मेरठ कॉलेज, मेरठ (उ.प्र.)।	45,000/–
27.	पीसवर्क्स	शांति एवम् विकास केंद्र, बी.एच.यू., वाराणसी, उत्तर प्रदेश ।	70,000/–
28.	डायलॉग (अंग्रेजी त्रैमासिक)	आस्था भारती, 27/201, ईस्ट एंड अपार्टमेंट, मयूर विहार फेज–1 एक्सटेंशन, दिल्ली ।	80,000/–
29.	राज–यशती	राजस्थान राजनीति शास्त्र संस्थान, 6, शिवाजी नगर, जयपुर।	1,00,000/–
30.	चिंतन–सृजन (हिंदी त्रैमासिक)	आस्था भारती, 27/201, ईस्ट एंड अपार्टमेंट, मयूर विहार फेज–1 एक्सटेंशन, दिल्ली।	1,00,000/–
31.	चेतनता	कौंडनीय साहित्य सेवा समिति (रजिस्टर्ड) एम.ओ. पतिनगर, पी.ओ. कादीपुर, जिला–सुल्तानपुर, उ.प्र.।	50,000/–
32.	वन्यजाति (एस.टी.)	भारतीय आदिम जाति सेवक संघ, दिल्ली।	80,000/–
33.	समस्मृति	संभ्रम एकेडमी ऑफ मैनेजमेंट स्टडीज, एम.एस. पाल्या, जलाहिल्ली ईस्ट, बेंगलुरू।	30,000/–

सामाजिक विज्ञान संस्थानों को उनके विकास एवं अनुरक्षण हेतु तदर्थ वार्षिक अनुदान (2020–21)

क्रमांक	संस्थान/समिति का नाम	संस्थान/समिति का पता	स्वीकृत राशि (₹)
1.	भारतीय कृषि विपणन समिति	पी.जे.टी.एस. कृषि विश्वविद्यालय परिसर, राजेंद्रनगर, हैदराबाद–500030।	1,00,000/–
2.	मध्य प्रदेश दलित साहित्य अकादमी (एस.सी.)	बाणभट्ट मार्ग, केंद्रीय विद्यालय के सामने, उज्जैन (म.प्र.)।	1,00,000/–
3.	भारत ग्रामीण अध्ययन और परिशोधन अकादमी (AGRASRI)	प्लॉट नंबर 11, श्री वेंकट साई निलयन, थुम्मालागुंटा, एसवी विश्वविद्यालय, पोस्ट आफिस तिरूपति–517502 आंध्र प्रदेश ।	1,50,000/–
4.	भारतीय भाषा विज्ञान समिति	भारतीय भाषा विज्ञान समिति, द्वारा भाषा विज्ञान विभाग, डेक्कन कॉलेज पी.जी. एंड आर.आई., पुणे 411006।	2,00,000/–
5.	भारतीय पारिस्थितिकी अर्थशास्त्र समिति (INSEE)	द्वारा आर्थिक विकास संस्थान, दिल्ली विश्वविद्यालय एनक्लेव, उत्तरी परिसर, दिल्ली 110007।	1,00,000/–
6.	रामभाउ महलगी प्रबोधिनी	17, चंचल स्मृति, मुंबई	3,00,000/–
7.	अंतर्राष्ट्रीय सहयोग परिषद्	अंतर–राष्ट्रीय सहयोग परिषद्, प्रवासी भवन दीन दयाल उपाध्याय मार्ग, नई दिल्ली।	3,50,000/–

परिशिष्ट–8

राष्ट्रीय सामाजिक विज्ञान प्रलेखन केंद्र (नैसडॉक) द्वारा संकलित ग्रंथ सूचियाँ (बिबलियोग्राफी)

1. रमर पी., ए स्टडी ऑन परफॉर्मेंस अप्रेज़ल ऑफ कॉमर्शियल बैंक इन तिरुवरूर डिस्ट्रिक्ट।
2. रेणुका के, एब्सेंटीज़्म इन हेल्थकेयर इंडस्ट्री।
3. प्रखर आनंद, डायनमिक्स ऑफ वल्नरेबिलिटी एंड लाइवलिहुड स्ट्रैटेजीज़ एन एनालिटिकल स्टडी ऑफ अर्बन पुअर इन सेलेक्टेड डिस्ट्रिक्ट्स ऑफ उत्तर प्रदेश।
4. दीपा चेरुकुन्नत, डेवलपिंग एजुकेशनल रिसोर्सेज़ फॉर ट्रेनिंग स्कूल स्टूडेंट्स ऑन मेंटल हाइजीन प्रैक्टिसेज़।
5. डिंपल जायसवाल, इम्पैक्ट ऑफ डिफरेंट एजुकेशनल स्टैन्डर्ड्स एंड पैटर्न्स ऑफ सेकेंडरी इंस्टीट्यूशन्स ओवर द एजुकेशन एंड क्वालिटी ऑफ लाइफ ऑफ यूथ।
6. केशव लाल गुप्ता, ए स्टडी ऑफ एजुकेशनल प्रॉब्लम्स, जॉब सैटिस्फैक्शन एंड सेल्फ–कॉन्सेप्ट ऑफ टीचर्स वर्किंग इन सेकेंडरी स्कूल्स।
7. उज्वल कुमार, बिजनेस जर्नलिज़्मः ए क्रिटिकल स्टडी ऑफ बजट कवरेज।
8. प्रियंका देवन, कंस्ट्रक्शन टूल टू मेज़र पेरेन्ट–चाइल्ड इमोशनल कम्युनिकेशन इन मिडल चाइल्डहुड।
9. राधा प्रिया, इफेक्टिव्नेस ऑफ हैण्ड्स–ऑन एक्टिविटीज़ ऑन एचीवमेंट, सेल्फ–एफ़िकेसी एंड एंगेजमेंट इन साइंस अमंग मिडल स्कूल स्टूडेंट्स।
10. नितिन के मोरे, ए स्टडी ऑफ एफ़िकेसी ऑफ मॉडल एग्रीकल्चरल प्रोड्यूस एंड लाइवस्टॉक मार्केटिंग (प्रमोशन एंड फैसिलिटेशन) एक्ट, 2017 विद रेस्पेक्ट ऑफ ई–ट्रेडिंग ऑफ एग्रीकल्चरल प्रोड्यूस।
11. अपर्णा दत्ता, ट्राईबल एग्रीकल्चर।

सामाजिक विज्ञान के वर्तमान रुझानों पर ग्रंथ सूची

1. कृषि एवं अर्थव्यवस्था पर ग्रंथ सूची।
2. भारतीय परंपरागत औषधिः आयुष पर ग्रंथ सूची।
3. कोविड–19 के विशेष संदर्भ में जलवायु परिवर्तन पर ग्रंथ सूची।
4. कोविड–19 पर ग्रंथ सूची।
5. कोविड–19 एवं आर्थिक संकट तथा आर्थिक सुधार पर ग्रंथ सूची।
6. भारत में सांस्कृतिक अध्ययन पर ग्रंथ सूची।
7. लैंगिक अध्ययन पर ग्रंथ सूची।
8. भारत में सरकारी पहलों पर ग्रंथ सूची।
9. भारत में स्वास्थ्य संबंधी बुनियादी ढांचों पर ग्रंथ सूची।
10. भारत–अमेरिका संबंधों पर ग्रंथ सूची।
11. भारत में औद्योगिकीकरण पर ग्रंथ सूची।
12. भारत में नवोन्मेषी उद्भवन पर ग्रंथ सूची।
13. कोविड–19 के दौरान पुस्तकालय सेवाओं पर ग्रंथ सूची।
14. डिजिटल युग में साक्षरताः भारत पर ग्रंथ सूची।
15. राष्ट्रीय शिक्षा नीति पर ग्रंथ सूची।
16. कोविड–19 के दौरान सोशल मीडिया की भूमिका पर ग्रंथ सूची।
17. सतत विकास के लक्ष्य और भारत पर ग्रंथ सूची।
18. भारत में बेरोजगारी पर ग्रंथ सूची।
19. शहरी एवं ग्रामीण कायाकल्प।

परिशिष्ट–9

भा.सा.वि.अ.प. के क्षेत्रीय केंद्रों की प्रमुख गतिविधियाँ

पूर्वी क्षेत्रीय केंद्र (ईआरसी), कोलकाता

संगोष्ठियाँ / सम्मेलन / कार्यशालाएं

केंद्र द्वारा निम्नलिखित संगोष्ठियों / सम्मेलनों / कार्यशालाओं के आयोजन के लिए वित्तीय सहायता प्रदान की गईः

1. वेब आधारित अधिवेशन, "एडजस्टिंग टू द न्यू नॉरमलः विमेंस पर्सपेक्टिव", सेंटर फॉर विमेन स्टडीज़, उत्तर बंगाल विश्वविद्यालय, पश्चिम बंगाल, हीरालाल मजुमदार मेमोरियल कॉलेज फॉर विमेन, कोलकाता, पश्चिम बंगाल के सहयोग से, 21–22 जुलाई 2020। (₹ 50,000)
2. "इम्पैक्ट ऑफ कोविड–19 ऑन दी इन्फॉरमल एंड माइग्रेंट वर्कर्स ऑफ इंडिया" पर वेबिनार, अर्थशास्त्र एवं वाणिज्य विभाग, नब बालीगंज महाविद्यालय, कोलकाता 20 सितंबर 2020। (₹ 23,000)
3. "चाइल्डहुड एंड इंटरसेक्शनैलिटी इन दी इंडियन कॉन्टेक्स्ट" पर तीन दिवसीय राष्ट्र स्तरीय ई–अधिवेशन, समाजविज्ञान एवं अंग्रेज़ी विभाग, हीरलाल मजुमदार मेमोरियल महिला महाविद्यालय, कोलकाता, 12–14 सितंबर, 2020। (₹ 60,000)
4. भूगोल, पत्रकारिता एवं जनसंचार तथा दर्शन शास्त्र विभाग, बेहला कॉलेज, कोलकाता, द्वारा "साइनो–इंडियन कनफ्लिक्टः एसकलेशन एंड ट्रबल्ड ट्रांज़ीशन–पर्सपेक्टिव्स, इश्यूज एंड स्ट्रैटेजीज़" पर तीन दिवसीय वेबिनार, सितंबर 25–27 2020। (₹ 50,000)
5. शिक्षा विभाग, बामनपुकुर हुमायूं कबीर महाविद्यालय, नॉर्थ 24 परगना, द्वारा "लर्निंग एनवायरमेंट फॉर द 21स्ट सेंचुरीः इश्यूज़ एंड चैलेंजेज़" पर वेबिनार 26–27 सितंबर। (₹ 45,000)
6. "द शिफ्ट इन टीचिंग लर्निंग पैराडाइम पोस्ट कोविड–19 सिनेरिओ" पर शिक्षा विभाग, अलीपुरदुआर महिला महाविद्यालय, अलीपुरदुआर, पश्चिम बंगाल, 26 सितंबर 2020। (₹ 45,000)
7. "प्रोफेशनल एथिक्स एंड ह्यूमन वैल्यूज़" पर वेबिनार, दर्शनशास्त्र विभाग, कोलकाता, 3–4 अक्टूबर 2020। (₹ 45,000)
8. "इन सर्च ऑफ जेंडर आईडेंटिटीज़ः रिलोकेटिंग विमेन इन थ्योरी एंड प्रैक्टिस" पर वेबिनार, जेंडर रिसोर्स सेंटर, रामाकृष्ण शारदा मिशन विवेकानंद विद्याभवन, कोलकाता, 14 दिसंबर 2020। (₹ 30,000)
9. "कल्चर ऑफ फ़ीयर इन वर्ल्ड पॉलिटिक्सः ओरिजिन एंड रैमीफिकेशंस" पर वेबिनार, राजनीति विज्ञान विभाग, सूर्य सेन महाविद्यालय, सिलीगुड़ी 23–24 फरवरी 2021। (₹ 50,000)
10. "डिकोडिंग द शैडो पैनडेमिकः ए वर्चुअल सेमिनार ऑन अंडरस्टैंडिंग द कॉम्प्लेक्स इशू ऑफ जेंडर वायलेंस एमीड्स्ट लॉकडउन" पर वेबिनार, समाजशास्त्र विभाग, प्रशांत चंद्र महालनोबिस महाविद्यालय, कोलकाता, 13 फरवरी 2021। (₹ 70,000)
11. "सोसाइटी डिज़ास्टर एंड रेज़िलियंसः लेसन्स फ्रॉम लिटरेचर" पर वेबिनार, अंग्रेजी विभाग, सूर्य सेन महाविद्यालय, सिलीगुड़ी, 8 फरवरी 2021। (₹ 50,000)
12. "इंडियन रिलेशन्स विद श्रीलंका एंड द मालदीव" पर वेबिनार, कोलकाता सोसायटी फॉर एशियन स्टडीज़, 28–29 मार्च 2021। (₹ 50,000)
13. "जेंडर सेन्सिटाइज़ेशन एंड अवेयरनेस" पर 7 दिवसीय इंटरडिसीप्लिनरी कार्यशाला, हीरालाल मजुमदार मेमोरियल कॉलेज फॉर विमेन, दक्षिणेश्वर, कोलकाता, 8–14 मार्च 2021। (₹ 90,000)
14. आईसीएसएसआर–ईआरसी द्वारा आयोजित वेबिनार "द फिसकल रेस्पोन्स टू कोविड–19 क्राइसिस इन

इंडियाः ए पैनल डिस्कशन ऑन मैक्रोइकोनॉमिक, पब्लिक फाइनेंस एंड डेवलपमेंट इम्पैक्ट्स" 28 मई 2020।

15. "कोविड–19 एंड इट्स इकोनामिक इंप्लीकेशंस", पर सोसायटी फॉर इकोनोमिक रिसर्च इन बेंगाली (एसईआरबी), के सहयोग से ईआरसी द्वारा आयोजित वेबिनार, 13 मई 2020।

अनुसंधान परियोजनाएं (पूर्ण)

1. "स्टडी ऑन द प्रेजेंट स्टेटस ऑफ़ द पीपल ऑफ अर्स्टव्हाईल बांग्लादेशी एन्क्लेव्स एंड माइग्रेटेड पीपल फ्रॉम अर्स्टव्हाईल इंडियन एन्क्लेव्स एज़ कॉन्सेक्वेंस ऑफ एक्सचेंज ऑफ एन्क्लेव्स बाइ मीन्स ऑफ लैंड बाउंड्री एग्रीमेंट 2015" देवर्षि भट्टाचार्य, वाणिज्य विभाग, सेवा नारायण रामेश्वर फतेपुरिया कॉलेज, मुर्शिदाबाद, पश्चिम बंगाल। (₹ 1,30,500)
2. "ए स्टडी ऑन एटीट्यूड ऑफ टिपिकली डेवलपिंग स्टूडेंट्स टुवर्ड्स देयर पियर्स विद डिसेबिलिटी इन दी अलीपुरदुआर डिस्ट्रिक्ट ऑफ वेस्ट बंगाल", ऋत्विका लस्कर, शिक्षा विभाग, अलीपुरदुआर महिला महाविद्यालय। (₹ 1,44,000)
3ए "डिसेप्शन एंड इट्स डिटेक्शन विद पार्टिकुलर एंड जनरल टारगेट्स" प्रियदर्शी बनर्जी, आर्थिक अनुसंधान इकाई, इंडियन स्टैटिस्टिकल इंस्टीट्यूट कोलकाता। (₹ 1,35,000)

अनुसंधान परियोजनाएं (जारी)

1. "इंट्रोडक्शन ऑफ डिजिटल क्लासरूम्स : ए सर्वे ऑफ़ कॉलेजेज़ इन द डिस्ट्रिक्ट्स ऑफ अलीपुरदुआरः एंड कूचबिहार", अविशेक विश्वास, विद्यासागर महाविद्यालय तथा अमिताभ रॉय, अलीपुरदुआर महिला महाविद्यालय। (₹ 1,20,000)
2. "पार्टीशन, रिफ्यूजीज़ एंड अर्बनाइज़ेशनः ए केस स्टडी ऑफ साउथ बंगाल (1947–1970), प्रणब बर्मन, इतिहास विभाग, भट्टर महाविद्यालय, दंतन, पश्चिम मेदिनीपुर। (₹ 1,50,000)
3. "एसेसिंग सोशियो–पोलिटिकल इम्प्लीकेशंस ऑफ रिप्रोडक्टिव हेल्थ एंड राइट्स फॉर विमेन एंड एडोलसेंट गर्ल स्टूडेंट्स ऑफ बिहार", विनय कुमार दास, राजनीति विज्ञान विभाग, जेएमडीपीएल महिला महाविद्यालय, मधुबनी, बिहार। (₹ 1,00,000)
4. "वर्नाकुलर रिकॉर्ड्स ऑफ यंग बंगाल", रोसिनका चौधुरी, निदेशक, सेंटर फॉर स्टडीज़ इन सोशल साइंसेज़, कोलकाता। (₹ 1,00,000)

प्रकाशन

1. भूगोल विभाग, लोरेटो कॉलेज, कोलकाता द्वारा 24– 25 फरवरी 2017 के दौरान आयोजित, "लैंडस्केप ऑन दि एजः रिस्क्स, रेज़िलियंस एंड रेस्टोरेशन", नामक राष्ट्रीय संगोष्ठी में प्रस्तुत, चयनित लेखों पर आधारित संपादित खंड। (₹ 50,000)
2. कौशिक गुप्ता, सोसायटी फॉर इकोनामिक रिसर्च इन बंगाली (एसईआरबी), "नव्य संरक्षणबाद अर्थ विश्लेषण प्रबंध संकलन 2019" नामक बांग्ला निबंधों पर आधारित पुस्तक के प्रकाशन के लिए। (₹ 38,000)

पुस्तकालय

इस अवधि के दौरान 15 जर्नलों को रिन्यू किया गया। लगभग 10000 पुस्तकें 'अशोक मित्र संकलन' के अंतर्गत प्राप्त की गईं। इसके अतिरिक्त 10 समाचार पत्रों की सदस्यता ली गई, तथा 5500 पृष्ठों में, फोटोकॉपी आधारित पठन सामग्री भी प्रदान की गई।

उत्तर क्षेत्रीय केंद्र, दिल्ली

प्रशिक्षण कार्यक्रम

1. "अनुसंधान अध्येताओं के लिए समाज विज्ञान/संचार अध्ययन में अनुसंधान क्रियाविधि पाठ्यक्रम (RMC)", डॉ. दुर्गेश त्रिपाठी, यूनिवर्सिटी स्कूल ऑफ मास कम्युनिकेशन, जी.जी.एस. इंद्रप्रस्थ विश्वविद्यालय, नई दिल्ली 3–13 फरवरी 2021। (₹ 97,000)
2. "छात्रों के लिए अनुसंधान क्रियाविधि पाठ्यक्रम (RMC)", प्रो. मधु नयाल, मनोविज्ञान विभाग, कुमाऊं विश्वविद्यालय, एस.एस.जे. कैम्पस, अल्मोड़ा, उत्तराखंड, 1 – 11 मार्च 2021। (₹ 97,000)

अनुसंधान परियोजनाएं (पूर्ण)

1. श्री प्रकाश सिंह, "कुंभ मेला–ए स्टडी", नोएडा, यू.पी.। (₹ 5,40,000)
2. कृष्ण मोहन शर्मा, "एजुकेशन, इकोनोमी, एन्वॉयरन्मेंट, इज़ी मनी ऑर टूरिज्मः ए स्टडी ऑफ फैक्टर्स अफेक्टिंग इन नॉर्थ ईस्ट एंड इट्स कम्पैरिज़न विद ट्राईबल पापुलेशन ऑफ सेंट्रल इंडिया"। (₹ 2,50,000)

अनुसंधान परियोजनाएं (जारी)

1. अभिनव कुमार, सेंटर फॉर पॉलिसी रिसर्च एंड गवर्नेंस, नई दिल्ली, "एम्पीरिकल स्टडी ऑफ़ इंपैक्ट ऑफ कोविड–19 ऑन एजुकेशन सेक्टर इन इंडियाः एग्ज़ामीनिंग द रोल ऑफ टेक्नोलॉजिकल इंटरवेंशंस"। (₹ 5,70,000)
2. रामानंद, सेंटर फॉर पॉलिसी रिसर्च एंड गवर्नेंस, नई दिल्ली, "गांधियन ग्राम स्वराजः कम्बैटिंग मेकैनिज़्म टू इकोनोमिक चैलेंजेज़ ऑफ कोविड–19"। (₹ 7,00,000)
3. ए. राम पांडेय, गलगोटिया विश्वविद्यालय, ग्रेटर नोएडा, "स्टडी ऑफ ऑडिएंस रिसेप्शन, मोटिवेशन एंड ईफेकटिवनेस ऑफ स्वयम (SWAYAM) बेस्ड मीडिया कोर्सेज़"। (₹ 4,00,000)
4. नरेश यादव, बनसूर पीजी कॉलेज, राजस्थान "ए स्टडी ऑन स्टिग्मा एंड विक्टिमाइज़ेशन ऑफ इंकार्सिरेटेड विमेनः एज़ दे रिटर्न टू देयर कम्युनिटीज़"। (₹ 8,00,000)
5. स्वाति धीर, इंटरनेशनल मैनेजमेंट इंस्टीट्यूट, नई दिल्ली "इम्पैक्ट ऑफ वर्कप्लेस स्पिरिचुएलिटी ऑन इम्प्लॉइज़ एंड ऑर्गेनाइज़ेशन ऑफ इंडियन सर्विस सेक्टरः मॉडरेटिंग रोल ऑफ ऑर्गेनाइज़ेशनल कल्चर एंड ऑर्गेनाइज़ेशनल पॉलिटिक्स"। (₹ 2,00,000)
6. सतीश कुमार, "कुंभ, प्रयागराज 2019 – एनालिसिस ऑफ अर्बन प्लैनिंग (सैनिटेशन एंड हेल्थ एमेनिटीज़ विद स्पेशल रेफरेंस टू स्वच्छ एंड सुरक्षित)"। (₹ 1,70,000)
7. संगीता मोहन शर्मा, "मर्डर ऑन हाईवेज़ एज़ ए रिज़ल्ट ऑफ रैश ड्राइविंग – एन अनरैवेल्ड स्टोरी ऑफ अर्बन एंड रुरल इंडिया"। (₹ 7,00,000)

उत्तर–पूर्वी क्षेत्रीय केंद्र (एनईआरसी) शिलाँग

संगोष्ठियाँ/सम्मेलन/कार्यशालाएँ

वर्ष के दौरान, केंद्र द्वारा निम्नलिखित संगोष्ठियों/ सम्मेलनों/ कार्यशालाओं के लिए वित्तीय सहायता प्रदान की गई:

1. "टी ट्राइब कम्युनिटीः द कौनटूर्स एंड कंटिन्यूअम ऑफ देयर एक्सक्लूजन" पर राष्ट्रीय सम्मेलन, ब्रज सुंदर मिश्रा, स्कूल ऑफ सोशल साइंसेज़, असम काजीरंगा विश्वविद्यालय, असम, 27–28 अगस्त"। (₹ 50,000)
2. "ह्यूमन सिक्योरिटी पैराडाइम इन नॉर्थ–ईस्ट इंडियाः चैलेंजेज़ एंड रेस्पोंसेज़" पर राष्ट्रीय सम्मेलन, प्रोफ़ेसर एन. लोकेंद्र सिंह, राष्ट्रीय सुरक्षा अध्ययन विभाग, मणिपुर विश्वविद्यालय, इम्फाल; 20–21 अप्रैल 2020। (₹ 50,000)
3. "चिल्ड्रंस लिटरेचरः एड्रेसिंग द रोल ऑफ फ़ोकटेल्स" पर राष्ट्रीय सम्मेलन, रेबेका देब बर्मा, अंग्रेजी विभाग, महाराजा बीर बिक्रम विश्वविद्यालय, त्रिपुरा, सितंबर 2020। (₹ 40,000)
4. "मैन्यूस्क्रिप्टोलॉजी एंड टेक्चुअल क्रिटिसिज़म" पर प्रारंभिक कार्यशाला, मानसी शर्मा, संस्कृत विभाग, मनोहारी देवी कानोई बालिका महाविद्यालय, डिब्रूगढ़ असम 1–7 फरवरी 2020। (₹ 80,000)
5. "मैनेजमेंट इश्यूज़ इन लाइब्रेरीज़ ऑफ 21स्ट सेंचुरीः चैलेंजेज़ एंड ऑपारचुनिटीज़" पर राष्ट्रीय सम्मेलन, ए.एस. चंदेल. तीस्ता–इंडस सेंट्रल लाइब्रेरी, सिक्किम विश्वविद्यालय, गंगटोक, 14–15 मार्च 2020। (₹ 50,000)
6. "गवर्नेन्स एंड डेवलपमेंटः इश्यूज़ एंड चैलेंजेज़" पर अंतरराष्ट्रीय ऑनलाइन कार्यशाला, सेंटर फॉर एथनिक स्टडीज़ एंड रिसर्च, गुवाहाटी, असम, 22–28 अगस्त 2020। (₹ 50,000)
7. "ट्राईबल फिलासफी एंड लिटरेचर ऑफ नॉर्थ–ईस्ट इंडिया" पर वेबिनार, भरत प्रसाद त्रिपाठी, हिंदी विभाग, नॉर्थ ईस्टर्न –हिल यूनिवर्सिटी, शिलाँग, 2–3 अक्टूबर 2020। (₹ 30,000)
8. "इवोल्यूशन ऑफ मिज़ो हिस्ट्री, कल्चर एंड आईडेंटिटी" पर राष्ट्रीय संगोष्ठी, बेंजामिन राल्टे, मिज़ो हिस्ट्री एसोसिएशन, गवर्नमेंट टी. रोमाना कॉलेज, आइज़ोल, 25–26 फरवरी 2021। (₹ 50,000)
9. "मैपिंग ट्राईबल हिस्ट्रीज़" पर राष्ट्रीय व्याख्यान श्रृंखला, लनूकुमला आओ, डॉन बॉस्को महाविद्यालय, कोहिमा, 18 अक्टूबर – 19 दिसंबर, 2020। (₹ 30,000)
10. "रिसर्च मेथ्डोलॉजी एंड क्वांटिटेटिव टेक्निक्स इन सोशल साइंसेज़ एंड ह्यूमैनिटीज़" पर 10 दिवसीय राष्ट्रीय कार्यशाला, निरंजन रॉय, अर्थशास्त्र विभाग तथा सेंटर फॉर स्टडीज़ इन ह्यूमन डेवलपमेंट, असम विश्वविद्यालय, सिलचर 8–17 जनवरी 2021। (₹ 40,000)
11. "रिसर्च मेथ्डोलॉजी एंड ट्रेनिंग प्रोग्राम इन सोशल साइंस रिसर्च" पर सात–दिवसीय कार्यशाला, गिरिन फूकन,

इंस्टीट्यूट ऑफ ताई स्टडीज़ एंड रिसर्च, मोरनहाट, असम, 3–9 अप्रैल 2021। (₹ 60,000)

12. "डांस एंड कम्युनिटीः टुवर्ड्स ए होलिस्टिक पैराडाइम" पर अंतरराष्ट्रीय वेबिनार, सांस्कृतिक अध्ययन विभाग, तेज़पुर (केंद्रीय) विश्वविद्यालय, असम, 6 मार्च 2021। (₹ 25,000)
13. "नेशनल एजुकेशन पॉलिसी एंड चैलेंजेज़ टू नॉर्थ–ईस्ट इंडिया" पर राष्ट्रीय संगोष्ठी, सनी जोसेफ, शिक्षा विभाग, सेंट जोसेफ विश्वविद्यालय, दिमापुर, नागालैंड, 26–27 मार्च 2021। (₹ 50,000)
14. "इम्पैक्ट ऑफ़ इंटरनेशनल ट्रेड ऑन पोस्ट कोविड–19" पर राष्ट्रीय संगोष्ठी, एस. राजाराम, वाणिज्य विभाग, सेंट जोसेफ विश्वविद्यालय, दिमापुर, नागालैंड, 19–20 मार्च 2021। (₹ 40,000)
15. "डायरेक्शंस एंड ओपर्चुनिटीज़ फॉर इम्प्लीमेंटिंग नेशनल एजुकेशन पॉलिसी 2020 इन नॉर्थ–ईस्ट" पर राष्ट्रीय संगोष्ठी, कन्दारपा सैकिया, जैव अभियांत्रिकी एवं प्रौद्योगिकी विभाग, गुवाहाटी विश्वविद्यालय, गुवाहाटी, 27–28 फरवरी 2021। (₹ 50,000)
16. "मैपिंग कनटूर्स ऑफ ज्योग्राफी इन 21स्ट सेंचुरीः चैलेंजेज़ अहेड" पर वेबिनार, बी.एस. मिपुण, भूगोल विभाग, नेहू (NEHU), शिलाँग, 23–24 मार्च 2021। (₹ 50,000)

केंद्र द्वारा इस वर्ष निम्नलिखित संगोष्ठियाँ/सम्मेलन/कार्यशालाएं आयोजित की गईं:

1. "इमर्जिंग चाइनीज़ रोल इन इंटरनेशनल अफेयर्स" पर अंतरराष्ट्रीय वेबिनार, आईसीएसएसआर–एनईआरसी तथा कलिंगा इंस्टिट्यूट ऑफ इंडो–पैसिफिक स्टडीज़ (केआईआईपीएस) द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित, ओडीशा, 5 सितंबर 2020। (₹ 50,000)
2. "डेवलपमेंट ऑफ नॉर्थ–ईस्टर्न इंडियन रीजनः इंडो–जापान कोलैबरेशन फॉर कनेक्टिविटी, कॉमर्स, केपैसिटी बिल्डिंग, कल्चर एंड कंज़र्वेशन" पर वेबिनार (ऑनलाइन तथा ऑफलाइन सहभागिता), आईसीएसएसआर–एनईआरसी तथा एशियन कोन्फ़्लुएन्स, शिलोंग, जापान दूतावास, भारत तथा नेहू (NEHU), शिलाँग के संयुक्त तत्त्वावधान में, 5 मार्च 2021। (₹ 26,592)

डॉक्टरेट के लिए आकस्मिक अनुदान

इस अवधि के दौरान छह अध्येताओं को आकस्मिक अनुदान प्रदान किया गया।

अनुसंधान परियोजनाएं (जारी)

1. "सोशल एंड कल्चरल डाइमेंशन ऑफ़ हेल्थ ऑफ ट्राइबल टी प्लांटेशन वर्कर्स इन त्रिपुरा", सुरोजीत सेनगुप्ता, एम. बी.बी. महाविद्यालय, अगरतला। (₹ 1,00,000)
2. "सोशियो–कल्चरल पर्सपेक्टिव ऑफ गोलपरिया फोक सोंग्स इन असमः एन अनडॉक्युमेंटेड पार्ट ऑफ इंडियन सिविलाइज़ेशन", सोमनाथ भट्टाचार्य, मानव विज्ञान विभाग, असम विश्वविद्यालय, दिफू, करबी अंगलॉन्ग, असम। (₹ 80,000)
3. "बंगाली राइट्स एंड रिचुअल्स ऑफ बराक वैलीः ए स्पेशल स्टडी ऑन ब्रत परवन", कालीपद दास, बांग्ला विभाग, राधामाधब महाविद्यालय, सिलचर। (₹ 80,000)
4. "ए स्टडी ऑफ जॉब इंवॉल्वमेंट एंड जॉब सेटिस्फेक्शन ऑफ स्कूल टीचर्स इन हिल एरियाज़ ऑफ मणिपुर", तेनखोगिन हाओकिप, शिक्षा विभाग, एन. जी. कॉलेज, इम्फाल। (₹ 80,000)
5. "ए स्टडी ऑन सोशल अवेयरनेस ऑफ ट्राईबल विमेन इन रिलेशन टू एजुकेशन एंड ऑक्यूपेशनल स्टेटस", उत्पल कलिता, शिक्षा विभाग, राधा गोविंद बरुआ महाविद्यालय, असम। (₹ 1,50,000)
6. "स्ट्रेस एंड कोपिंग विद ऑनलाइन एजुकेशन ड्यूरिंग द कोविड–19 पैनडेमिकः ए क्वालिटेटिव स्टडी ऑफ द पोस्ट ग्रैजुएट स्टूडेंट्स ऑफ नॉर्थ–ईस्टर्न हिल यूनिवर्सिटी (नेहू), रिहुंगलंग रिंबई", शिक्षा विभाग, नॉर्थ–ईस्टर्न हिल यूनिवर्सिटी, शिलाँग। (₹ 1,00,000)
7. "लिंग्विस्टिक मैपिंग ऑफ द रीजनल डायलेक्टस ऑफ खासी", सारालिन, ए. लिंगदोह एवं बरिका खाईरेम, भाषा विज्ञान विभाग, नॉर्थ–ईस्टर्न हिल यूनिवर्सिटी, शिलाँग। (₹ 1,50,000)

प्रकाशन

1. जर्नल "मैन एंड सोसायटी –ए जर्नल ऑफ नॉर्थ–ईस्टर्न स्टडीज़", खंड 17, ग्रीष्म 2020।

2. "न्यूज़ ऑन नॉर्थ–ईस्ट", मासिक समाचार पत्र क्लिपिंग्स, अप्रैल खंड 18, 2020 – नवंबर, खंड 18, 2020।

पुस्तकालय

वर्ष 2020–21 के दौरान, 11 पुस्तकें उपहार स्वरूप प्राप्त हुईं, 11 पत्रिकाओं की सदस्यता प्राप्त की गई, 12 पत्रिकाएं विनिमय के आधार पर प्राप्त हुईं और 11 समाचार पत्रों की सदस्यता ली गयी।

उत्तर पश्चिमी क्षेत्रीय केंद्र (एनडब्ल्यूआरसी), चंडीगढ़

अनुसंधान परियोजनाएं (जारी)

1. "डेमोक्रेसी इन इमर्जिंग न्यू पब्लिक्स इन नॉर्थ–वेस्ट स्टेट्स ऑफ इंडिया – पंजाब, हरियाणा, हिमाचल प्रदेश एंड जम्मू", सुरिंदर के. शुक्ला, राजनीति विज्ञान विभाग, पंजाब यूनिवर्सिटी,, चंडीगढ़, आईसीएसएसआर, नई दिल्ली। (₹ 3,77,325)

प्रशिक्षण कार्यक्रम

1. "रिसर्च मेथ्डोलॉजी इन सोशल साइंसेज़ फॉर रिसर्च स्कॉलर्स/फैकल्टी मेंबर्स" विषय पर ऑनलाइन प्रशिक्षण कार्यक्रम 27–31 मार्च 2021।
2. "रिसर्च मेथ्डोलॉजी इन सोशल साइंसेज़ फॉर एससी/एसटी रिसर्च स्कॉलर्स/फैकेल्टी मेंबर्स" विषय पर प्रशिक्षण कार्यक्रम, आईसीएसएसआर कॉम्प्लेक्स में स्थित आईसीएसएसआर उत्तर–पश्चिमी क्षेत्रीय केंद्र, पंजाब विश्वविद्यालय, चंडीगढ़. 10–22 फरवरी 2020।

व्याख्यान

1. "ट्रांसफॉरमेशनल लीडरशिप" विषय पर प्रो. करमजीत सिंह, कुलपति, जगत गुरु नानक देव पंजाब राज्य मुक्त विश्वविद्यालय, पटियाला, द्वारा ऑनलाइन व्याख्यान, 27 मार्च 2021।
2. "न्यू एजुकेशन पॉलिसी – द रोड अहेड", विषय पर प्रो. आर.पी. तिवारी, कुलपति, पंजाब केंद्रीय विश्वविद्यालय, भटिंडा, द्वारा ऑनलाइन व्याख्यान, 31 मार्च 2021।

पुस्तकालय

पुस्तकालय द्वारा पंजाब विश्वविद्यालय के अनुसंधान अध्येताओं, संकाय सदस्यों और भारत के उत्तर–पश्चिमी क्षेत्र के सामाजिक वैज्ञानिकों की जरूरतों की पूर्ति की जाती है। पुस्तकालय में देश भर के विभिन्न सामाजिक विज्ञान संस्थानों से प्राप्त, सामाजिक विज्ञान के क्षेत्र की 4605 पुस्तकों और 3364 सजिल्द प्रकाशनों के खंडों का संग्रह है। पुस्तकालय में क्षेत्रीय केंद्र द्वारा प्रायोजित 560 संगोष्ठी पत्र हैं, जिनमें से 12 संगोष्ठी पत्र वर्ष 2020–21 में प्राप्त हुए। इसके अलावा, केंद्र को पूरे भारत के अन्य शोध संस्थानों से 12 अनियत, शोध और कार्य पत्र प्राप्त हुए। पुस्तकालय में 124 समाचार पत्रों की क्लिपिंग्स का संग्रह है। पुस्तकालय के पास वर्तमान में 43 सामाजिक विज्ञान पत्रिकाओं की सदस्यता है, जिनमें से 17 विदेशी प्रकाशन, और 26 भारतीय पत्रिकाएं हैं। कुछ पत्रिकाएं केवल ई–एक्सेस के रूप में हैं जबकि कुछ प्रिंट और ई–एक्सेस के रूप में हैं। सामाजिक विज्ञान अध्येता इन पत्रिकाओं को विश्वविद्यालय परिसर में वाई–फाई/इंटरनेट कनेक्शन के माध्यम से प्राप्त कर सकते हैं। क्षेत्र में पंजाबी भाषा में अनुसंधान को बढ़ावा देने के लिए पुस्तकालय द्वारा पंजाबी भाषा में प्रासंगिक पत्रिकाओं की सदस्यता भी ली गयी है। पुस्तकालय में आने वाले सामाजिक विज्ञान अनुसंधान अध्येताओं/संकाय सदस्यों को पुस्तकालय द्वारा संदर्भ सेवाएं प्रदान की जाती हैं।

दक्षिणी क्षेत्रीय केंद्र, हैदराबाद

संगोष्ठियाँ/कार्यशालाएं/सम्मेलन

केंद्र द्वारा वर्ष के दौरान निम्नलिखित संगोष्ठियों/कार्यशालाओं/अधिवेशनों के लिए वित्तीय सहायता प्रदान की गईः

1. "कोविड–19ः इम्पैक्ट ऑन इंडियन इकोनोमी विद स्पेशल रेफरेंस टू तेलंगाना" विषय पर दो दिवसीय राष्ट्रीय सम्मेलन, के. अंजी रेड्डी, अर्थशास्त्र विभाग, महात्मा गांधी विश्वविद्यालय, नालगोंडा, तेलंगाना, 27 व 28 मार्च 2021। (₹ 60,000)
2. "डेमोक्रेसी एंड नेशनलिज़्मः इश्यूज़ एंड चैलेंजेज़" विषय पर एक दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी, रवि सबावत, राजनीति विज्ञान विभाग, उस्मानिया विश्वविद्यालय, हैदराबाद, तेलंगाना, 27–28 फरवरी, 2021। (₹ 30,000)
3. "कोविड–19 ग्लोबल टरब्युलेन्सः इंडियाज़ प्रिपेयरडनेस" विषय पर दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी टी. चेन्ना केसावुलु, वाणिज्य विभाग, धर्म अप्पा राव महाविद्यालय, नूज़विद, कृष्णा जिला, आंध्र प्रदेश, 29–30 अप्रैल 2021। (₹ 40,000)

4. "नेशनल इंटिग्रेशनः ट्रेंड्स, प्रोस्पेक्टस एंड चैलेंजेज़" पर दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी, एस. सुचित्रा वर्मा, राजनीति विज्ञान एवं लोक प्रशासन विभाग, अन्नामलाई विश्वविद्यालय, अन्नामलाई नगर, तमिलनाडु, 24–25, अप्रैल 2020। (₹ 60,000)

5. "एनहांसिंग द क्वालिटी ऑफ हायर एजुकेशन इन इंडिया–चैलेंजेज़ एंड प्रोस्पेक्ट्स" विषय पर राष्ट्रीय संगोष्ठी, पी. भीमराज, अर्थशास्त्र विभाग, गवर्नमेंट आर्ट्स कॉलेज फॉर मेन, कृष्णागिरी, तमिलनाड, 20–21 दिसंबर 2020। (₹ 60,000)

6. "नेशनल एजुकेशन पॉलिसी 2020ः इम्पैक्ट एंड इंप्लीकेशंस" विषय पर एक दिवसीय वेबिनार, रवि कुमार जस्ती, वाणिज्य विभाग, यूनिवर्सिटी कॉलेज ऑफ कॉमर्स एंड बिजनेस मैनेजमेंट, उस्मानिया विश्वविद्यालय, हैदराबाद, तेलंगाना 21 अगस्त 2020। (₹ 5,000)

7. "साउथ एशिया इन ट्रांसज़ीशनः पर्सपेक्टिव ऑन जिओ–पॉलिटिक्स" विषय पर दो दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय वर्चुअल अधिवेशन, वी. श्रीलता, राजनीति विज्ञान विभाग, उस्मानिया विश्वविद्यालय, यूनिवर्सिटी कॉलेज फॉर विमेन, कोटि, हैदराबाद, तेलंगाना, 2–3 दिसंबर 2020। (₹ 38000)

8. "इंटेलेक्चुअल प्रॉपर्टी राइट्स" विषय पर दो दिवसीय ऑनलाइन संगोष्ठी, माधवी लता, व्यवसाय प्रबंधन विभाग, सरोजिनी नायडु वनिता महाविद्यालय, कॉलेज फॉर विमेन, हैदराबाद तेलंगाना, 3–4 मार्च 2001। (₹ 16,500)

9. "वॉटर मैनेजमेंट लॉज़ः लाइफ लाइवलिहुड एंड एनवायरनमेंट" विषय पर दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी, कावेरी सुधा, विधि विभाग, दामोदरम संजीवय्या राष्ट्रिय विधि विश्वविद्यालय, विशाखापट्टनम, आंध्र प्रदेश 8–9 अगस्त 2020। (₹ 38,000)

10. "ग्लोबल बायोडायवर्सिटी एंड सस्टेनेबल डेवलपमेंट" विषय पर दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी, डी. जनागम अर्थशास्त्र विभाग, पेरियार विश्वविद्यालय, सलेम, तमिलनाड, 2–3 अप्रैल 2020। (₹ 38,000)

11. "इमर्जिंग ट्रेंड्स इन ग्रीन मार्केटिंगः स्ट्रैटेजीज़, टूल्स फॉर सस्टेनेबल ब्रांडिंग" विषय पर एक दिवसीय राज्य स्तरीय कार्यशाला, वी. सुकुमार, प्रबंधन विभाग, नवरासम आर्ट्स एंड साइंस कॉलेज फॉर विमेन, अराचलुर, ज़िला इरोड, तमिलनाडु, 24 अप्रैल 2020। (₹ 22,500)

12. "इंडस्ट्री 4.0ः रीसेंट पर्सपेक्टिव्स एंड फ्यूचर ट्रेंड्स" विषय पर दो दिवसीय राष्ट्रीय सम्मेलन, कार्तिकेयन प्रबंधन विभाग, कोंगू इंजीनियरिंग कॉलेज, पेरुंदुरई, इरोड, तमिलनाडु, 8–9 जनवरी 2021। (₹ 38,000)

प्रशिक्षण कार्यक्रम

केंद्र द्वारा निम्नलिखित प्रशिक्षण कार्यक्रमों के आयोजन के लिए वित्तीय सहायता प्रदान की गईः

1. तीन दिवसीय राज्य स्तरीय "फैकेल्टी डेवलपमेंट प्रोग्राम ऑन बिज़नेस एनालिटिक्स एंड रिसर्च", टी. धनलक्ष्मी, व्यवसाय प्रशासन विभाग, अय्या नादर जानकी अम्मल महाविद्यालय, शिवकाशी तमिलनाडु, 13–15 मई 2020। (₹ 80,000)

2. "नेशनल एजुकेशन पॉलिसीः इम्प्लीमेंटेशन स्ट्रैटेजीज़–ए रोड अहेड" विषय पर छह दिवसीय ऑनलाइन एफडीपी, टी. मृणालिनी, शिक्षा विभाग, यूनिवर्सिटी कॉलेज ऑफ एजुकेशन, उस्मानिया विश्वविद्यालय, हैदराबाद 7–12 सितंबर 2020। (₹ 33,700)

3. "आईसीटी (ICT) टूल्स फॉर इफेक्टिव टीचिंग–लर्निंग" विषय पर एक दिवसीय ऑनलाइन एफडीपी, रामबाबू गोपीसेट्टी, बी. ओ. एस, वाणिज्य विभाग, तेलंगाना विश्वविद्यालय, निज़ामाबाद, तेलंगाना 11–17 अक्टूबर 2020। (₹ 10,000)

4. "द रोल ऑफ ए टीचर इन नेशन बिल्डिंग" विषय पर सात दिवसीय ऑनलाइन राष्ट्रीय एफडीपी, सुचेता पटानकर, वाणिज्य विभाग, केशव मेमोरियल इंस्टीट्यूट ऑफ कॉमर्स एंड साइंसेज़, हैदराबाद, तेलंगाना, 3–9 अगस्त 2020। (₹ 15,000)

5. "रिसर्च मेथडोलॉजी" विषय पर दस दिवसीय ऑनलाइन फैकेल्टी डेवलपमेंट प्रोग्राम, रेणुका सागर, निदेशक–सह–प्रोफेसर, व्यवसाय प्रबंधन विभाग, आरबीवीआरआर महिला महाविद्यालय नारायणगुड़ा, हैदराबाद, तेलंगाना, 28 दिसंबर 2020–6 जनवरी 2021। (₹ 20,000)

केंद्र द्वारा विभिन्न विश्वविद्यालयों के सहयोग से निम्नलिखित अनुसंधान क्रियाविधि कोर्स आयोजित किए गएः

1. सात दिवसीय राष्ट्रीय ऑनलाइन कोर्स "रिसर्च मेथडोलॉजी कोर्स फॉर पीएचडी स्कॉलर्स इन सोशल साइंसेज़", वी. उषाकिरण, आईसीएसएसआर–एसआरसी, हैदराबाद, 24–30 अगस्त 2020। (₹ 68,250)

2. "एकेडमिक राइटिंग इन सोशल साइंसेज़ फॉर पोस्ट–डॉक्टोरल फेलोशिप होल्डर्स एंड यंग फैकेल्टी इन सोशल साइंसेज़", पर तीन दिवसीय ऑनलाइन कार्यशाला, वी. उषाकिरण, आईसीएसएसआर–एसआरसी, हैदराबाद, 12– 14 अक्टूबर 2020। (₹ 23,740)
3. सात–दिवसीय अंतरराष्ट्रीय ऑनलाइन "रिसर्च मेथडोलॉजी कोर्स वर्कशॉप", वी. उषाकिरण, आईसीएसएसआर–एसआरसी, हैदराबाद – अजिल्यु न्यूमई, सेंटर फॉर द स्टडी ऑफ सोशल एक्सक्लूज़न एंड इंक्लूसिव पॉलिसी, हैदराबाद विश्वविद्यालय के सहयोग से, 8–14 मार्च 2021। (₹ 32,000)
4. सात दिवसीय ऑनलाइन "रिसर्च मेथडोलॉजी कोर्स फॉर पीएचडी स्कॉलर्स इन सोशल साइंसेज़", एम. सुमंती, वाणिज्य विभाग, भरतियार विश्वविद्यालय, कोयंबटूर के सहयोग से, वी. उषाकिरण, आईसीएसएसआर–एसआरसी, हैदराबाद। 18–25 फरवरी 2021। (₹ 69,300)

पुस्तकालय

केंद्र के पुस्तकालय में पुस्तकों और संदर्भ सामग्री का अच्छा संग्रह है। पुस्तकालय में राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय दोनों प्रकार की पत्रिकाएं आती हैं। इनमें आईसीएसएसआर, नई दिल्ली, और अन्य संस्थानों से उपहार के रूप में प्राप्त पत्रिकाएं शामिल हैं। पुस्तकालय के संग्रह में मुख्यतः सामाजिक विज्ञान के विभिन्न विषयों, शोध क्रिया, नारी अध्ययन की पुस्तकें, संदर्भ पुस्तकें आदि शामिल हैं। तेलुगु और उर्दू भाषाओं में महत्वपूर्ण पुस्तकें भी प्राप्त की जाती हैं। हैदराबाद के बाहर से आने वाले शोध अध्येताओं और स्थानीय अध्येताओं द्वारा पुस्तकालय सुविधाओं का उपयोग किया जाता है। पुस्तकालय के डेटाबेस को ओपेक (ऑनलाइन पब्लिक एक्सेस कैटलॉग) की सहायता से सुलभ बनाया गया है, इसके साथ ही, अन्य क्षेत्रीय केंद्रों और भारत में आईसीएसएसआर द्वारा वित्त–पोषित अनुसंधान संस्थानों के साथ नेटवर्क सुविधा का प्रस्ताव भी है। केंद्र को आईसीएसएसआर (एनएएसएसडीओसी), नई दिल्ली और आईसीएसएसआर के अन्य क्षेत्रीय केंद्रों से पुस्तकें और प्रकाशन (सहायतार्थ) प्राप्त हुए हैं। संदर्भ सामग्री के रूप में पुस्तकालय में सामाजिक विज्ञान विश्वकोश, तिथि पत्र, संदर्भ संसाधन जैसे कि गजट, रिपोर्ट, सार और अनुक्रमणिका, ग्रंथ सूची, एनएएसएसडीओसी बुलेटिन और चुनिंदा ग्रंथ सूची हैं। केंद्र को विभिन्न सरकारी विभागों से बजट आदि पर सरकारी दस्तावेज प्राप्त होते रहे हैं। केंद्र क्षेत्र के समाचार पत्रों का नियमित सदस्य है और इनकी जिल्द कराकर अध्येताओं को उनके दीर्घकालीन उपयोग के लिए प्रेरित करता रहा है।

पुस्तकालय के पास 25 पत्रिकाओं और 20 समाचार पत्रों की नियमित सदस्यता है। पुस्तकालय में 7857 पुस्तकों का संग्रह, 390 थीसिस/शोध प्रबंध/रिपोर्ट, विभिन्न प्रकाशनों के 2971 सजिल्द खंड, समाचार पत्रों के 6117 सजिल्द खंड तथा 3229 सरकारी प्रकाशन हैं।

पश्चिमी क्षेत्रीय केंद्र, मुंबई

संगोष्ठियाँ/कार्यशालाएं/अधिवेशन

वर्ष के दौरान केंद्र द्वारा निम्नलिखित संगोष्ठियों/अधिवेशनों/कार्यशालाओं के लिए वित्तीय सहायता प्रदान की गईः

1. "आर्टिफिशियल इंटेलिजेंसः बून और बेन?" विषय पर राष्ट्रीय संगोष्ठी, लैनसी लोबो, सेंटर फॉर कल्चर एंड डेवलपमेंट, वडोदरा, 21 मार्च 2021। (₹ 20,000)
2. "रिसर्च मेथडोलॉजीः एप्लीकेशन इन सोशल साइंसेज़" विषय पर कार्यशाला, एनाना, प्रबोधिनीज़ इंस्टिट्यूट ऑफ़ साइकोलॉजी, पुणे, महाराष्ट्र, 2–6 फरवरी 2021। (₹ 35,000)
3. "बेसिक्स ऑफ रिसर्च मेथडोलॉजी" विषय पर कार्यशाला, वाणिज्य विभाग, मुंबई विश्वविद्यालय के सहयोग से, आईसीएसएसआर पश्चिमी क्षेत्रीय केंद्र, मुंबई, 8–13 जून 2020।
4. "बेसिक्स ऑफ रिसर्च मेथडोलॉजी" विषय पर ऑनलाइन कार्यशाला, निर्मला मेमोरियल फाऊंडेशन, कॉलेज ऑफ़ आर्ट्स एंड कॉमर्स, मुंबई विश्वविद्यालय के सहयोग से, आईसीएसएसआर पश्चिमी क्षेत्रीय केंद्र, मुंबई 26 अक्टूबर–2 नवंबर 2020।
5. एडवांस्ड रिसर्च मेथडॉलोजी विषय पर ऑनलाइन कार्यशाला, वाणिज्य विभाग के सहयोग से आईसीएसएसआर पश्चिमी क्षेत्रीय केंद्र, मुंबई, मुंबई विश्वविद्यालय, 14–19 दिसंबर 2020।

अध्ययन अनुदान/अध्येतावृत्तियाँ के लिए अनुदान

वर्ष के दौरान केंद्र से संबद्धित आईसीएसएसआर अनुमोदित/स्वीकृत "क्रिटिकल डिटर्मिननेंट्स ऑफ इंटरनल ऑडिट

इफेक्टिवेनेस इन इंडियन लिस्टेड कंपनीज़" नामक परियोजना पर कार्यरत एक अध्येता और एक वरिष्ठ फेलो को अध्ययन अनुदान प्रदान किया गया। केंद्र के एक अध्येता द्वारा आईसीएसएसआर स्वीकृत लघु अनुसंधान परियोजना "कुंभ मेला के परिवर्तनशील स्वरूप – एक मर्मग्राही अध्ययन" पर कार्य किया जा रहा है। अध्येता परियोजना अनुदान के भुगतान के लिए केंद्र से संबद्धित है।

अनुसंधान परियोजनाएं

1. "ए केस स्टडी ऑफ द प्रॉब्लम्स एंड सॉल्यूशंस ऑफ हिस्टॉरिकल साइट्स एंड टूरिस्ट प्लेसेज़ इन लातूर डिस्ट्रिक्ट", ओम लिंगादे, शिवजागृति कॉलेज नालेगांव, लातूर। (₹ 85,000)
2. "ए स्टडी ऑफ इफेक्टिवनेस ऑफ ऑनलाइन लर्निंगः स्टूडेंट्स मोटिवेशन, रिसेप्टिव एंड परसेप्शन", नतिका पोद्दार, सेंट फ्रांसिस इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट एंड रिसर्च, मुंबई। (₹ 50,000)

पुस्तकों के लिए अनुदान

1. डॉ. डी.पी. रावेरकर, प्राचार्य, सुंदरराव मोरे आर्ट्स, कॉमर्स एंड साइंस कॉलेज, पोलादपुर रायगढ़, महाविद्यालय। (₹ 25,000)
2. डॉ. एस.डी. वाघमारे, प्राचार्य, शिवजागृति सीनियर कॉलेज, नालेगांव, लातूर। (₹ 25,000)
3. डॉक्टर के.एम. कोतवाल, प्राचार्य, मनोहर हरि खापाने कॉलेज, राजापुर, रत्नागिरी जिला। (₹ 25,000)

जर्नल के लिए अनुदान

1. पी.एस. खोबरेकर, निदेशक, इतिहास संशोधन मंडल, दादर, मराठी त्रैमासिक जर्नल, "भारतीय इतिहास आणि संस्कृति", वर्ष 2020– 21 के लिए। (₹ 25,000)
2. बी. शेलाट, निदेशक, गुजरात रिसर्च सोसायटी, अहमदाबाद, गुजरात रिसर्च सोसायटी जर्नल, वर्ष 2020–21 के लिए। (₹ 25,000)

परिशिष्ट–10

भा.सा.वि.अ.प. अनुसंधान संस्थानों की प्रमुख गतिविधियां

ए. एन. सिन्हा सामाजिक अध्ययन संस्थान, पटना

ए.एन. सिन्हा इंस्टीट्यूट ऑफ सोशल स्टडीज़ (एएनएसआईएसएस), पटना

अनुसंधान परियोजनाएं (पूर्ण)

1. बी. एन. प्रसाद, "सोशिओ – इकनोमिक इम्पैक्ट स्टडी ऑफ प्रपोज़्ड लैंड ऐक्विजिशन फॉर कन्स्ट्रक्शन ऑफ इस्लामपुर बाईपास रोड (इस्लामपुर, कोरवान, इचाहोस, बरडीह एंड धमौली मौजा अंडर इस्लामपुर ब्लॉक) इन नालंदा डिस्ट्रिक्ट", बिहार सरकार।

2. बी. एन. प्रसाद, "सोशिओ – इकनोमिक इम्पैक्ट स्टडी ऑफ प्रपोज़्ड लैंड ऐक्विजिशन फॉर कन्स्ट्रक्शन ऑफ अप्रोच रोड फॉर एचएलआरसीसी ब्रिज (3 X 18.00 मीटर) ओवर जलवार पैमार रिवर बिटवीन बड़ीमाथ (परबलपुर) टू देवरिआ (थर्ड किलोमीटर) वाया मुर्गावा–रामगंज–मेजर रोड (संचारी मौजा अंडर परबलपुर ब्लॉक) इन नालंदा डिस्ट्रिक्ट", बिहार सरकार।

3. बी. एन. प्रसाद, "सोशिओ – इकनोमिक इम्पैक्ट स्टडी ऑफ प्रपोज़्ड लैंड ऐक्विजिशन फॉर कॉन्सट्रक्शन ऑफ अप्रोच रोड फॉर बयारिवर – ब्रिज एट झमाटिया घाट, अंडर चीफ मिनिस्टर स्कीम (रानी मौजा अंडर बछवारा ब्लॉक) इन बेगूसराय डिस्ट्रिक्ट", बिहार सरकार।

4. बी. एन. प्रसाद, "सोशिओ – इकनोमिक इम्पैक्ट स्टडी ऑफ प्रपोज़्ड लैंड ऐक्विजिशन फॉर कॉन्सट्रक्शन ऑफ अप्रोच रोड फॉर बालन रिवर – ब्रिज इन जोकिअ पंचायत अंडर चीफ मिनिस्टर स्कीम (वीरपुर मौजा अंडर वीरपुर ब्लॉक ऑफ बेगूसराय डिस्ट्रिक्ट) इन बेगूसराय डिस्ट्रिक्ट", बिहार सरकार।

5. बी. एन. प्रसाद, "सोशिओ – इकनोमिक इम्पैक्ट स्टडी ऑफ प्रपोज़्ड लैंड ऐक्विजिशन फॉर कॉन्सट्रक्शन ऑफ अप्रोच रोड बिटवीन तनरी पकरी फॉर बालन रिवर – ब्रिज इन जोकिआ पंचायत अंडर चीफ मिनिस्टर स्कीम (तेलन मौजा अंडर वीरपुर ब्लॉक) इन बेगूसराय डिस्ट्रिक्ट", बिहार सरकार।

6. बी. एन. प्रसाद, "सोशिओ – इकनोमिक इम्पैक्ट स्टडी ऑफ प्रपोज़्ड लैंड ऐक्विजिशन फॉर कॉन्सट्रक्शन ऑफ ब्रिज ऑन सौंटी रिवर इन परोरा विलेज अंडर चीफ मिनिस्टर स्कीम (मुगलसराय मौजा अंडर साहेबपुर कमल ब्लॉक) इन बेगूसराय डिस्ट्रिक्ट", बिहार सरकार।

7. बी. एन. प्रसाद, "सोशिओ – इकनोमिक इम्पैक्ट स्टडी ऑफ प्रपोज़्ड लैंड ऐक्विजिशन फॉर कॉन्सट्रक्शन ऑफ ब्रिज एंड अप्रोच रोड ऑन बूढी गंडक रिवर ऐट परिहार घाट अंडर चीफ मिनिस्टर स्कीम (मोहनपुर मौजा अंडर डंडारी ब्लॉक) इन बेगूसराय डिस्ट्रिक्ट", बिहार सरकार।

8. बी. एन. प्रसाद, "सोशिओ – इकनोमिक इम्पैक्ट स्टडी ऑफ प्रपोज़्ड लैंड ऐक्विजिशन फॉर कॉन्सट्रक्शन ऑफ ब्रिज एंड अप्रोच रोड ऑन बूढी गंडक रिवर ऐट ऐस्फा घाट अंडर चीफ मिनिस्टर स्कीम (नीमा मौजा अंडर बेगूसराय ब्लॉक) इन बेगूसराय डिस्ट्रिक्ट", बिहार सरकार।

9. बी. एन. प्रसाद, "सोशिओ – इकनोमिक इम्पैक्ट स्टडी ऑफ प्रपोज़्ड लैंड ऐक्विजिशन अंडर द प्रोजेक्ट फॉर कन्स्ट्रक्शन ऑफ एलिवेटेड कॉरिडोर अलोंग ईस्टर्न साइड ऑफ पटना – गया रेलवे लाइन फ्रॉम मीठापुर टू रामगोविंद सिंह माहुली हौल्ट (परसा, रहीमपुर, सिपारा मौजा अंडर फुलवारी ब्लॉक) इन पटना डिस्ट्रिक्ट", बिहार सरकार।

10. बी. एन. प्रसाद, "सोशिओ –इकनोमिक इम्पैक्ट स्टडी ऑफ प्रपोज़्ड लैंड ऐक्विजिशन अंडर द प्रोजेक्ट फॉर कन्स्ट्रक्शन कोर्रा – रानीपुर रोड (कोर्रा मौजा अंडर पालीगंज ब्लॉक) इन पटना डिस्ट्रिक्ट", बिहार सरकार।

11. रेनू चौधरी, "लिकर प्रोहिबिशन एंड इट्स इम्पैक्ट ऑन टॉडी टैपर्स : एन एथ्नोग्राफिक स्टडी ऑफ पासी कम्युनिटी इन बिहार", आईसीएसएसआर, नई दिल्ली।

12. राजीव कमल कुमार, "कोनकरेंट मॉनिटरिंग ऑफ लोहिया स्वच्छ बिहर अभियान (एलएसबीए) इन सलेक्ट डिस्ट्रिक्स ऑफ बिहार", फंडेड बाय यूनीसेफ, बिहार।

13. राजीव कमल कुमार, "कॉम्पेंडियम ऑफ ट्रेडिशनल मेडिसिनल प्रैक्टिसेज विद स्पेशल रेफ्रेन्स टू संथाल मुंडा एंड उराँव", डॉ रामदयाल मुंडा ट्राइबल वेलफेयर रिसर्च इंस्टिट्यूट (टीआरआई)।

14. राजीव कमल कुमार, "कोनकरेंट मॉनिटरिंग ऑफ एनएफएसए फूड सिक्योरिटी एक्ट 2013 (फेज–I)", डिपार्टमेंट ऑफ फूड एंड कंस्यूमर प्रोटेक्शन, भारत सरकार।

15. विद्यार्थी विकास, "सोशल इम्पैक्ट असेसमेंट (एसआईए) स्टडी ऑफ लैंड ऐक्वजिशन फॉर पुलिस सेंटर इन मधुबनी डिस्ट्रिक्ट (अंडर सेक्शन 4 एंड 5 ऑफ लैंड ऐक्वजिशन एक्ट 2013)", बिहार सरकार।

16. विद्यार्थी विकास, "सोशल इम्पैक्ट असेसमेंट ऑफ लैंड ऐक्वजिशन फॉर परियोजना गंगा पथ निर्माण परियोजना (दीघा टूदी दारगंज) एट मौजा नसीरपुर, ताजपुर एंड सबलपुर इन पटना डिस्ट्रिक्ट", बिहार सरकार।

17. कौशल किशोर, "सोशल इम्पैक्ट असेसमेंट ऑफ लैंड ऐक्वजिशन फॉर स्टोन वॉलिंग बोल्डर क्रिएटिंग ऑफ एचएल आरसीसी ब्रिज कम अप्रोच रोड एट बलुआ घाट ऑफ महिषी सर्किल इन सहरसा ड्रिस्ट्रिक्ट अंडर 'बिहार राइट टू फेयर कंपनसेशन एंड ट्रांसपेरेंसी इन लैंड ऐक्वजिशन, रिहैबिलिटेशन एंड रीसेटलमेंट रूल्स, 2014", बिहार सरकार।

18. कौशल किशोर, "संवैधानिक स्थिति बनाम सामाजिक परिस्थितिः थारू जनजाति की समस्याएं एवं संभावनाएं", आईसीएसएसआर, नई दिल्ली।

18. संध्या रानी महापात्रो, "ओवरकमिंग चैलेंजेस ऑफ न्यूबॉर्न केयर इन बिहार : एक्सप्लोरिंग बैरियर्स टू क्वालिटी ऑफ केयर", यूनीसेफ (UNICEF), बिहार।

अनुसंधान परियोजनाएं (जारी)

1. बी. एन. प्रसाद, "सोशिओ –इकनोमिक इम्पैक्ट स्टडी ऑफ प्रपोज़्ड लैंड ऐक्वजिशन फॉर वाइड्निंग एंड स्ट्रेंथनिंग वर्क्स ऑफ सरे–नोआवन रोड (जंगीपुर, सरे, सक्रावन, कोणंद, चकदीन, ओईयब, उगावन एंड नौवां मौज अंडर आस्थावान ब्लॉक) इन नालंदा डिस्ट्रिक्ट", बिहार सरकार।
2. बी. एन. प्रसाद, "सोशिओ – इकनोमिक इम्पैक्ट स्टडी ऑफ प्रपोज़्ड लैंड ऐक्वजिशन फॉर कन्स्ट्रक्शन ऑफ फोर लेन अप्रोच रोड फॉर अगुवानी घाट गंगा ब्रिज प्रोजेक्ट एनएच 80 ऑफ 108 किलोमीटर + 700 टू नियरेस्ट पॉइंट ऑफ मिर्जाचौकी – मुंगेर बाईपास (रसीदपुर मौजा अंडर सुल्तानगंज ब्लॉक) इन भागलपुर डिस्ट्रिक्ट", बिहार सरकार।
3. एच. अंसारी, "सोशल इम्पैक्ट असेसमेंट प्रोजेक्ट ऑन लैंड ऐक्वजिशन फॉर कन्स्ट्रक्शन ऑफ हथुआ–भटनी न्यू ब्रॉड गेज रेल लाइन एट विलेज जगदीशपुर (थाना नम्बर 640)", बिहार सरकार।
4. राजीव कमल कुमार, "कोनकरेंट मॉनिटरिंग ऑफ एनएफएसए फूड सिक्योरिटी एक्ट 2013 (फेज–II, 2020–23– राउंड–I, जैन टू जून 2021)", खाद्य एवं उपभोक्ता संरक्षण विभाग, भारत सरकार।
5. राजीव कमल कुमार, "एसआईए स्टडी ऑफ लैंड ऐक्वजिशन फॉर कन्स्ट्रक्शन ऑफ गंगा पथ (दीघा टू दीदारगंज) प्रोजेक्ट इन मौजा हाजीपुर/राघोपुर/सुकुमारपुर चादर नम्बर–05 एंड चादर नम्बर–08 (थाना नम्बर–341) ऑफ वैशाली डिस्ट्रिक्ट", बिहार सरकार।
6. विद्यार्थी विकास, "सोशल इम्पैक्ट असेसमेंट (एसआईए) ऑफ लैंड ऐक्वजिशन फॉर परियोजना गंगा पथ निर्माण एट मौजा मैनपुरा, राजपुर एंड पटना सिटी इन पटना डिस्ट्रिक्ट", बिहार सरकार।
7. अविरल पांडेय, "द इवैल्यूएशन स्टडी ऑन रेनफैड एरिया डिवेलप्मेंट (आरएडी) प्रोग्राम अंडर नेशनल मिशन फॉर सस्टेनेबल एग्रीकल्चर इन बिहार", बिहार सरकार।
8. कौशल किशोर, "सोशल इम्पैक्ट असेसमेंट ऑफ लैंड ऐक्वजिशन फॉर 'हाई लेवल आरसीसी ब्रिज विद अप्रोच रोड ऑन छंछ् घाट विशुनपुर धुसमारी अंडर खगड़िया ब्लॉक इन खगड़िया डिस्ट्रिक्ट' अंडर 'बिहार राइट टू फेयर कंपनसेशन एंड ट्रांसपेरेंसी इन लैंड ऐक्वजिशन, रिहैबिलिटेशन एंड रीसेटलमेंट रूल्स, 2014'", बिहार सरकार।
9. अरविंद मीरा गुंटुपल्ली एंड संध्या महापात्रो, "फूड इंसेक्यूरिटी एंड डाइटरी डाइवर्सिटी अमंग लो – इनकम माइग्रेंट वर्कर्स अफेक्टेड बाय कोविड–19 इन इंडिया", एबरडीन यूनिवर्सिटी, यूके।

सम्मेलन / सेमिनार / व्याख्यान

संस्थान ने वर्ष 2020–21 के दौरान दो व्याख्यान और नौ कार्यशाला / प्रशिक्षण आयोजित किए।

प्रकाशन

पुस्तकें

1. सुनील रे, नीतू चौधरी और राजीव के कुमार (2020 संपादित), 'कोहसिव डवलपमेंट : एन आलटर्नेटिव पराडीम", रूटलेज टेलर और फ्रांसिस समूह।
2. पाठक, पी, सिंह, वाई, महापात्रो, एस.आर, त्रिपाठी, एन एंड जी, जे (2020), "असेसिंग सोशियो इकोनोमिक वलनरेबिलिटिस रिलेटड टू कोविड–19 रिस्क इन इंडिया : ऐ स्टेट लेवल एनालिसिस, डिसास्टर मेडिसिन एंड पब्लिक हेल्थ परीपेयर्डनेस", कैम्ब्रिज कोर प्रकाशन।

शोध पत्र और पत्रिकाओं में लेख / पुस्तकों में अध्याय

संस्थान के संकाय ने वर्ष 2020–21 के दौरान विभिन्न पत्रिकाओं में सात शोध पत्र / लेख और प्रकाशित पुस्तक में एक अध्याय प्रकाशित किया।

शोध रिपोर्ट / मोनोग्राफ / वर्किंग पेपर्स

1. कुमार, राजीव के. और अभिजीत घोष (2020, "बिहार में स्वच्छता की स्थिति : लोहिया स्वच्छ बिहार अभियान / एसबीएम (जी), की समवर्ती निगरानी", एएनएसआईएसएस मोनोग्राफ 02।
2. पांडे, अविरल (2020), "बिहार में असमानताः एक जिला–स्तरीय विश्लेषण", जेडबीडब्लू लाइबनिज सूचना केंद्र अर्थशास्त्र, कील, हैम्बर्ग।

पुस्तकालय

पुस्तकालय "उपयोगकर्ता उन्मुख सेवाएं" प्रदान करता है जैसे संदर्भ सेवाएं, ई–जर्नल, दस्तावेज वितरण सेवाएं (डीडीएस), संस्थान की समाचार सेवाएं (आईएनएस), संगोष्ठी अलर्ट, ग्रंथ सूची सेवा, हालिया रिपोर्टों की वर्तमान जागरूकता सेवाएं (सीएएस) और प्रकाशन और ई–लाइब्रेरी सेवाएं। एएनएसआइएसएस ई–लाइब्रेरी के लिए वेबसाइट पर एक लिंक भी है। एएनएसआईएसएस पुस्तकालय की सामाजिक अध्ययन के अधिकांश डेटाबेस तक पहुँच है। पुस्तकालय की नई पुस्तकें और रिपोर्ट ई–ग्रंथालय 4.0 द्वारा संचालित हैं। पुस्तकालय नैसडॉक–आईसीएसएसआर से ई–संसाधनों तक मुफ्त पहुंच की सुविधा प्रदान करता है। फैकल्टी के सदस्य के साथ–साथ डॉक्टरेट और पोस्ट–डॉक्टोरल फेलो स्टेटिक आईपी एड्रेस पर सब्स्क्राइब्ड ई–जर्नल के अलावा विभिन्न डेटाबेस से पूर्ण टेक्स्ट जर्नल टाइटल तक पहुंच सकते हैं। डेटाबेस में ऑनलाइन ईपीडब्ल्यू, इकोनलिट (ईबीएससीओ), जेउसटीओआर, इंडियास्टेट और प्रोवेस हैं। पुस्तकालय समाचा पत्रों के अलावा कुछ महत्वपूर्ण राष्ट्रीय साप्ताहिक की सदस्यता लेता है। वर्तमान में पुस्तकालय में 33,566 पुस्तकें हैं। इसके अलावा, पत्रिकाओं और रिपोर्टों की 33,180 बाउंड वॉल्यूमस हैं। 2020–21 के दौरान, पुस्तकालय ने 95 पुस्तकें, 48 रिपोर्ट और साथ ही भारतीय और विदेशी पत्रिकाओं की बाउंड वॉल्यूम्य जोड़ीं।

पुस्तकालय में लोक नायक जयप्रकाश नारायण (जेपी) का व्यक्तिगत संग्रह है जो उनकी ओर से एक उपहार है। संग्रह में लगभग 3,000 पुस्तकें और विषयों की विस्तृत श्रृंखला शामिल है। ऐसे सभी दस्तावेजों को अलग खंड के तहत रखा गया है जिसे "जे पी संग्रह" कहते हैं। संस्थान के पुस्तकालय को यूएनसीटीएडी और यूनेस्को जैसे अंतर्राष्ट्रीय संगठनों द्वारा भारत में एक निक्षेपागार पुस्तकालय के रूप में नामित किया गया है। लॉकडाउन की अवधि के दौरान, पुस्तकालय ने नैसडॉक के सहयोग से, संकाय सदस्यों, डॉक्टरेट फेलो और प्री–पीएचडी पाठ्यक्रम के छात्रों के लिए उनके घर पर यूजर आईडी और पासवर्ड के माध्यम से पत्रिकाओं और डेटाबेस की ऑनलाइन एक्सेस सुविधा प्रदान की।

संस्थान, पुस्तकालय और सूचना विज्ञान के मास्टर डिग्री छात्रों के लिए "तीन महीने का पुस्तकालय इंटर्नशिप कार्यक्रम" चला रहा है। संस्थान ने कार्यक्रम 2020–21 के लिये प्री–पीएचडी के नए नामांकित छात्रों के लिए 17.03.2021 को एक दिवसीय पुस्तकालय अभिविन्यास कार्यक्रम भी आयोजित किया था।

ए.एन. सिन्हा सामाजिक अध्ययन संस्थान, पटना
ए.एन. सिन्हा इंस्टीट्यूट ऑफ सोशल स्टडीज़ (एएनएसआईएसएस), पटना

वित्त निधि (अन–ऑडिटेड) 2020–21

(₹ लाख में)

आय	राशि	व्यय	राशि
भासाविअप अनुदान		वेतन	494.00
गैर–योजना (ओ एच–36)	174.07	गैर–योजना	
योजना (ओ एच–31)	10.00	योजना	
राज्य सरकार अनुदान	260.00	स्थापना / प्रशासनिक व्यय	26.86
		गैर–योजना	
		योजना	
स्वयं के स्रोतों से आय (परियोजनाएं, फैलोशिप, परामर्श सेवाएं आदि)	76.79	परियोजनाएं	
		फैलोशिप	
		कार्यशालाएं / प्रशिक्षण कार्यक्रम अन्य विविध खर्च	
कोई अन्य स्रोत		विविध खर्च	
कुल	**520.86**	**कुल**	**520.86**

विकास अध्ययन केंद्र, थिरुवनंतपुरम
सेंटर फॉर डेवलपमेंट स्टडीज़ (सीडीएस), थिरुवनंतपुरम

अनुसंधान परियोजनाएं (पूर्ण)

1. के. एन. हरिलाल, "इंटरनेशनल ट्रेड इन हेल्थ सर्विसेज इन आयुर्वेदा", डायरेक्टरेट जनरल ऑफ कमर्शियल इंटेलिजेंस एंड स्टेटिस्टिक्स, (डी जी सी आई & एस) कोलकाता द्वारा प्रायोजित।
2. विनोज अब्राहम, "कोर्स फॉर द मास्टर स्टूडेंट्स ऑफ नार्वेजियन यूनिवर्सिटी ऑफ लाइफ साइंस", नार्वेजियन यूनिवर्सिटी ऑफ लाइफ साइंस, नॉर्वे द्वारा प्रायोजित।
3. सुनील मणि, "अस्सेस्स कैपेसिटी गैप्स परटेनिंग टू एग्रो – बायोडायवर्सिटी एंड आयडेंटिफाई ओप्पोर्चूनिटीज टू मिटिगेट इम्पैटस ऑफ करंट प्रैक्टिसेज ऑफ एग्रीकल्चर एंड अलाइड सेक्टर्स ऑन एग्रो–बायोडायवर्सिटी कन्सर्वेश्न, मैनेजमेंट एंड यूज", यूएनएफएओ (UNFAO) द्वारा प्रायोजित।
4. एस. इरुदया राजन, "केरला माइग्रेशन सर्वे 2018", न्यूयॉर्क यूनिवर्सिटी, अबू धाबी द्वारा प्रायोजित।
5. जे. देविका, "राइटिंग जेंडर रोंगस (Wrongs): ए स्टडी ऑफ लॉ एनफोर्समेंट रेस्पॉन्सेस टू ऑनलाइन वायलेंस अगेंस्ट वीमेन", आईटी फॉर चेंज इंडिया द्वारा प्रायोजित।
6. एस. इरुदया राजन, "माइग्रेशन एंड फ्लड्स इन केरला, इंडिया", वर्ल्ड बैंक द्वारा प्रायोजित।
7. एस. इरुदया राजन, "हेल्थ एंड सोशिओ –इकनोमिक इफेक्ट्स ऑफ टेम्परेरी लेबर माइग्रेशन स्टडी", जॉन हॉपकिंस यूनिवर्सिटी, यूएसए द्वारा प्रायोजित।
8. एस. इरुदया राजन, "लोकेटिंग माइग्रेशन इन इमैजिंड फ्यूचरस", न्यूयॉर्क यूनिवर्सिटी, अबू धाबी द्वारा प्रायोजित।
9. जे. देविका, "वर्कशॉप ऑन एक्सप्लोरिंग सोवेरीगनीटी एंड करिज्माः इंगेजमेंट्स, कॉंटेस्टेशन्स एंड फेबुलेशन्स फ्रॉम द ग्लोबल साउथ", यूनिवर्सिटी ऑफ टोरंटो, कनाडा द्वारा प्रायोजित।

अनुसंधान परियोजनाएं (जारी)

1. एस. इरुदया राजन, "शुड वी प्रोवाइड इन्सेन्टिव्स फॉर इन्वेस्टमेंट यूज ऑफ रेमिटेंस? ए रैंडमायज़्ड कंट्रोल्ड एक्सपेरिमेंट ऑफ इंडिया", यूएई एक्सचेंज सेंटर एलएलसी, अबू धाबी, यूएई द्वारा प्रायोजित।

2. उदय शंकर मिश्रा, "इम्पैक्ट ऑफ डिमांड साइड फाइनेंसिंग इंस्ट्रूमेंट्स ऑन द कॉन्टीनम ऑफ केयर फॉर मैटरनल एंड चाइल्ड हेल्थ इन इंडिया एंड बांग्लादेश", डिपार्टमेंट ऑफ बायोटेक्नोलॉजी, मिनिस्ट्री ऑफ साइंस – टेक्नोलॉजी, गवर्नमेंट ऑफ इंडिया, द्वारा प्रायोजित।

3. सुनील मणि, "केट चेन प्रोजेक्ट", ई. यू. द्वारा प्रायोजित।

सम्मेलन / सेमिनार / व्याख्यान

1. संस्थान ने 50वें स्थापना दिवस व्याख्यान श्रृंखला के तहत एक राष्ट्रीय सम्मेलन, तीन प्रशिक्षण कार्यक्रम 16 व्याख्यान सहित 29 सम्मेलन और सेमिनार / वेबिनार और चार सार्वजनिक व्याख्यान आयोजित किए।

अनुसंधान संबद्धता और पीएच. डी. / एम. फिल.

वर्ष 2020–21 में पीएच.डी. कार्यक्रम के लिए 15 शोधार्थियों को एवं एम.ए. कार्यक्रम के लिए 25 छात्रों को प्रवेश दिया गया। वर्ष के दौरान, डॉक्टरेट अनुसंधान करने वाले छात्रों की कुल संख्या 39 थी। एक शोधार्थी को पीएच.डी. डिग्री प्रदान की गयी। वर्ष के दौरान दो शोधार्थियों को अनुसंधान संबद्धता प्रदान की गई है, हालांकि वे महामारी की स्थिति के कारण शामिल होने में असमर्थ थे।

प्रकाशन

पुस्तकें

1. देविका, जे. 2021, *"निरंतर प्रतिपक्षम* (सिलेक्टेड एस्सेज इन मलयालम)", कोट्टायमः डी सी बुक्स, [मलयालम]।
2. इरुदया राजन, एस. एंड यूएस मिश्रा, 2020, *"सीनियर सिटिजन्स ऑफ इंडिया* – इमर्जिंग चैलेंजेस एंड कंसर्नस", स्प्रिंगर।
3. इरुदया राजन, एस एंड ए. मेहदी, 2020, *"हेल्थ ऑफ द नेशनः पर्सपेक्टिव्स फॉर अ न्यू इंडिया"*, ऑक्सफोर्ड यूनिवर्सिटी प्रेस।
4. इरुदया राजन, एस, 2020, *"इंडिया माइग्रेशन रिपोर्ट 2020 : केरला मॉडल ऑफ माइग्रेशन सर्वेस "*, रूटलेज।
5. इरुदया राजन, एस, 2020, *"साउथ एशिया माइग्रेशन रिपोर्ट 2020 : एक्सप्लोइटेशन, एंट्रेप्रेन्योरशिप एंड इंगेजमेंट"*, रूटलेज।
6. इरुदया राजन, एस एंड देबब्रता बराल, 2020, *"डेवलपमेंट, एनवायरनमेंट एंड माइग्रेशन : लेसंस फॉर सस्टेनेबिलिटी"*, रूटलेज।
7. इरुदया राजन, एस एंड गिनु जचरीअ उम्मेन, 2020, *"एशियनाईजेशन ऑफ माइग्रेंट वर्कर्स इन द गल्फ कन्ट्रीज "*, स्प्रिंगर।
8. मणि सुनील, 2020, *"केरला एंड द वर्ल्ड इकॉनमी"*, (संपा.) त्रिवेंद्रमः सेंटर फॉर डेवलपमेंट स्टडीज़।
9. उम्मेन, एम.ए, 2020, *"ओरमापाडिकल"*, डीसी बुक्स।

जर्नल्स में प्रकाशित शोध पत्र और लेख / पुस्तकों में अध्याय

संस्थान ने विभिन्न पत्रिकाओं में 70 शोध पत्र / लेख और पुस्तकों में 27 अध्याय प्रकाशित किए।

शोध रिपोर्ट / मोनोग्राफ / वर्किंग पेपर्स

1. अब्राहम, विनोज सीरीज 6ः "राइट्स बेस्ड एप्रोच टू डेवलपमेंट : द केस ऑफ लेबर एंड एम्प्लॉयमेंट इन केरला एंड इंडिया (राइट्स–बेस्ड पालिसी इन द वेक ऑफ द पैनडेमिक इन केरला)"।
2. देविका जे., "इंट्रोडक्शनः राइट्स –बेस्ड पालिसी इन द वेक ऑफ द पैनडेमिक इन केरला"
3. देविका जे., सीरीज 2ः "रिथिंकिंग डेवलपमेंट सिविल सोसाइटी इन केरला । (राइट्स –बेस्ड पालिसी इन द वेक ऑफ द पैनडेमिक इन केरला)"।
4. जॉनसन, लिबी टी., हृषिकेश ठाकुर एंड आकृति गुप्ता, 2020, "वीमेन एंगेजिंग इन मार्किट फ्रॉम पोसिशन्स ऑफ स्ट्रेंग्थ : एन एक्सप्लोरेटरी अंडरस्टैंडिंग ऑफ कुदुम्बश्री वीमेन'स फूड सर्विस इंटरप्राइजेज"। आरयूएलएसजी लेटरल स्टडीज सीरीज ऑन कुदुम्बश्री नंबर 9, दिसंबर।
5. कोडोथ, प्रवीणा, सीरीज 3, "फेलियरस ऑफ सिटिजनशिप अंडर द लॉकडाउनः द केस ऑफ माइग्रेंट लेबर"। (राइट्स–बेस्ड पालिसी इन द वेक ऑफ द पैनन्डेमिक इन केरला)।
6. कुरियन, जॉन, सीरीज 4, "अ राइट्स बेस्ड एप्रोच टू डेवलपमेंटः केरला'स मरीन फिशिंग कम्युनिटीज"। (राइट्स – बेस्ड पालिसी इन द वेक ऑफ द पैनडेमिक इन केरला)।
7. पीताम्बर, विहान, सीरीज 5, "केरला'स ट्रांसजेंडर पालिसी डयूरिंग द पान्डेमिक"। (राइट्स – बेस्ड पालिसी इन द वेक ऑफ द पैनडेमिक इन केरला)।

8. सुरेश, लावण्या एंड एम. सुचित्रा, 2021, "सुसाइडल रेजिस्टेंसः अंडरस्टैंडिंग द ओपोजीशन अगेंस्ट द वेस्टर्न घाट्स कन्जर्वेटिव इन करुणापुरम, इडुक्की, केरला", इकोलॉजिकल चैलेंजेस एंड लोकल सेल्फ – गवर्नमेंट रेस्पॉन्सेस नंबर 2। सीडीएस मोनोग्राफ सीरीज।

9. सजीव, टी. वी. सीरीज 1: "द ह्यूमन–नेचर एंगेजमेंट एंड डेवलपमेंट एज डेमोक्रेसी (राइट्स – बेस्ड पालिसी इन द वेक ऑफ द पैनडेमिक इन केरला)"।

10. थरनागमा, शारिका एंड जे. देविका, 2020, "जेंडर, कास्ट, स्पेशिएलिटी एंड लोकल डेवलपमेंट इन केरलाः ए डायलाग", आरयूएलएसजी लेटरल स्टडीज सीरीज ऑन कुदुम्बश्री नंबर 8, नवंबर।

11. सुनील मणि, 2020, "द क्वालिटी एंड प्रोडक्टिविटी ऑफ रबर बोर्ड", रबर बोर्ड, मिनिस्ट्री ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री, गवर्नमेंट ऑफ इंडिया।

12. चक्रवर्ती, अरित्रि, 2020, "इनफार्मेशन सीकिंग बॉय एग्रीकल्चरल हाउसहोल्ड्स इन इंडियाः डेटर्मिनेन्ट्स ऑफ एक्सेस एंड चॉइस ऑफ सोरसिज", सीडीएस वर्किंग पेपर नंबर 499, सितम्बर।

13. चौधरी, सुदीप, 2020, "एवोलूशन ऑफ द फार्मास्यूटिकल इंडस्ट्री इन बांग्लादेश, 1982 टू 2020", सीडीएस वर्किंग पेपर नंबर 495, जुलाई।

14. चटर्जी, तीर्थ एंड तिआगु रंगनाथन, 2020, "डिड रिजर्वेशन इन हायर एजुकेशन चेंज द प्रॉस्पेक्ट्स फॉर ओबीसीस इन गैटिंग बेटर जॉब्स? ए स्टडी यूसिंग पीरिओडिक लेबर फोर्स सर्वे (पीएलएफएस) इन इंडिया", सीडीएस वर्किंग पेपर नंबर 500, अक्टूबर।

15. चिदम्बरं जी. अईयर, 2012, "मोबाइल फोन मैन्युफैक्चरिंग इन इंडियाः ए स्टडी ऑफ फ्यू करेक्टरिस्टिक्स", सी डी एस वर्किंग पेपर नंबर 502, फरवरी।

16. दास, उपासक, अमर्त्य पॉल एंड मोहित शर्मा, 2020, "यूसिंग इनफार्मेशन एंड टेक्नोलॉजी टू इम्प्रूव एफ्फीकेसी ऑफ वेलफेयर प्रोग्राम्सः एविडेंस फ्रॉम ए फील्ड एक्सपेरिमेंट इन इंडिया", सी डी एस वर्किंग पेपर नंबर 497, अगस्त।

17. हंसदाह, सुषमा एंड अभिलाष टी, 2020, "शेडूल्ड ट्राइब्स (ST) एंड स्कूल एजुकेशनः एनेलिसिस ऑफ ए हाउसहोल्ड सर्वे इन मयूरभंज डिस्ट्रिक्ट ऑफ ओडिशा", सीडीएस वर्किंग पेपर नंबर 501, दिसंबर।

18. मणि, सुनील, 2020, "इंडिया'स क्वेस्ट फॉर टेक्नोलॉजिकल सेल्फ – रिलायंस एनेलिसिस ऑफ हर रिकॉर्ड विद रेस्पेक्ट टू पेटेंट्स इन द पोस्ट टीआरआईपीएस (TRIPS) फेज, सीडीएस वर्किंग पेपर नंबर 496, अगस्त।

19. रंगनाथन, थिआगु एंड अविना मेंडोंसा, 2020, "रिलेटिव एजुकेशनल स्टेटस एंड वीमेन'स ऑटोनोमीः एविडेंस फ्रॉम इंडिया", सीडीएस वर्किंग पेपर नंबर 494, मई।

20. साहा, रीमोन, 2020, "पैटर्न्स एंड डेटर्मिनेन्ट्स ऑफ स्टेट एक्सपैनडिचर ऑन ह्यूमन प्रायोरिटी सेक्टर्स इन इंडिया", सीडीएस वर्किंग पेपर नंबर 498, अगस्त।

21. अब्राहम, विनोज एंड मितेश माधवन, 2020, "द पैंडेमिक एंड द प्लांटेशन्सः परफॉरमेंस ऑफ द प्लांटेशन्स डयूरिंग द कोविड 19 पैंडेमिक", कमेंटरी ऑन इंडिया 'स इकॉनमी एंड सोसाइटी सीरीज नंबर 17, जुलाई।

22. चक्रवर्ती, अरित्री, बिनोद कुमार बेहेरा एंड तीर्था चटर्जी, 2020, "एग्रीकल्चरल फार्म एक्ट्स –2020", कमेंटरी ऑन इंडिया'स इकॉनमी एंड सोसाइटी सीरीज नंबर 18, दिसंबर।

23. जैन, श्रद्धा, थिआगु रंगनाथन, अमर्त्य पॉल एंड रितिका जैन, 2020, "ह्यूमन डेवलपमेंट रिपोर्ट 2019 – ए रिव्यु", कमेंटरी ऑन इंडिया'स इकॉनमी एंड सोसाइटी सीरीज नंबर 14, जून।

24. कोप्पुला, पपाइह, अमित नंदन एंड इंद्रजीत कुमार, 2020, "नेशनल फाइनेंसियल इंक्लूजन स्ट्रेटेजी (2019–2024): ए रिव्यु", कमेंटरी ऑन इंडिया'स इकॉनमी एंड सोसाइटी सीरीज नम्बर 16, अगस्त।

25. मणि, सुनील, 2020, "इंडिया'स रोल इन फ्रूगल इन्नोवेशंस इन हेल्थ – रिलेटिड टेक्नोलॉजी टू डील विद कोविड – 19 ऑपर्टूनिटी एंड कंस्ट्रेंट्स", कमेंटरी ऑन इंडिया'स इकॉनमी एंड सोसाइटी सीरीज नंबर 13।

26. मणि, सुनील, अलोक शील, आर. नागराज, सुखपाल सिंह, प. एस. विजयशंकर, एस. इरुदया राजन, पी. एल. बीना, एम. परमेस्वरन एंड चिदम्बरं जी. अइय्यर 2020, "द स्टिमुलस पैकेज इन फाइव इंस्टॉलमेंट्सः डस इट मेक द इकॉनमी मोर सेल्फ – रीलाऐंट?" कमेंटरी ऑन इंडिया'स इकॉनमी एंड सोसाइटी सीरीज नंबर 15। जून।

27. मोहन, आर., 2021, "रिपोर्ट ऑफ द 15 फाइनेंस कमीशन 2021–22 टू 2025–26: व्हाट इट मीन्स फॉर द स्टेट्स",

कमेंटरी ऑन इंडिया'स इकॉनमी एंड सोसाइटी सीरीज नंबर 20, मार्च।

28. नागराज, आर., थिआगु रंगनाथन, उदय एस. मिश्रा, विनोज अब्राहम, एम. परमेस्वरन, तीर्था चौटर्जी, सुनील मणि, रितिका जैन, हृषिकेश मल्लिक एंड चिदम्बरं जी. ऐय्यर 2021, "कमेंटरी ऑन इंडिया'स इकॉनमी एंड सोसाइटी", सीरीज नंबर 19, फरवरी।

पुस्तक समीक्षाएं

1. मणि, सुनील, 2020, रिव्यु ऑफ ब्लॉकचेन चिकन फार्म वांग, सीयाओवे (2020), ब्लॉकचेन चिकन फार्म एंड अदर स्टोरीज ऑफ टेक्नोलॉजी इन चाइना'स कंट्रीसाइड, एफएसजी ऑरिजिनल्स एक्स लॉजिक, किंडल, "रिव्यु ऑफ अग्रेरियन स्टडीज", वॉल्यूम 10, नंबर 2 (जुलाई–दिसंबर, 2020)।

पुस्तकालय

रिपोर्ट किए गए वर्ष के दौरान के.एन. राज पुस्तकालय ने संचलन सेवाएं, आरक्षण सेवा, जर्नल सामग्री पृष्ठ चेतावनी सेवा, ग्रंथ सूची सेवा, साहित्य खोज, सूचना का चयनात्मक प्रसार (एसडीआई), पुस्तकालय ब्लॉग और सोशल मीडिया आधारित सूचना सेवा, नई अतिरिक्त सूची और प्रदर्शन, फोटोकॉपी सुविधा, दस्तावेज और डेटा प्रदान किया। डेलनेट के माध्यम से वितरण, और अंतर–पुस्तकालय ऋण सुविधा भी उपलब्ध करवाई गयी।

के. एन. राज पुस्तकालय पूरी तरह से कम्प्यूटरीकृत है और उपयोगकर्ताओं की सुविधा के लिए पुस्तकालय कैटलॉग ख्ओपीएसी, ऑनलाइन उपलब्ध कराया गया है। डिजिटल सामग्री को अभिग्रहण/संरक्षित करने और उन्हें विद्वानों और संकाय के लिए सुलभ बनाने के लिए सूचना भंडार (डिजिटल लाइब्रेरी) स्थापित किया गया है। ईपीडब्लू रिसर्च फाउंडेशन द्वारा "इंडिया टाइम सीरीज (आइटीएस) डेटाबेस" उपलब्ध करवाया गया है। वर्तमान में आईटीएस में निम्नलिखित 23 मॉड्यूल शामिल हैं (1) कृषि सांख्यिकी, (2) भारत में कृषि मजदूरी, (3) उद्योगों का वार्षिक सर्वेक्षण, (4) बैंकिंग सांख्यिकी, (5) संयुक्त सरकारी वित्त, (6) भारत के राज्यों का घरेलू उत्पाद, (7) आर्थिक जनगणना, (8) शैक्षिक सांख्यिकी, (9) रोजगार सांख्यिकी, (10) बाहरी क्षेत्र, (11) भारत सरकार के वित्त, (12) राज्य सरकारों के वित्त, (13) वित्तीय बाजार, (14) स्वास्थ्य सांख्यिकी, (15) औद्योगिक उत्पादन श्रृंखला, (16) बीमा सांख्यिकी, (17) खनिज सांख्यिकी, (18) मौद्रिक सांख्यिकी, (19) भारत के राष्ट्रीय लेखा सांख्यिकी, (20) विद्युत क्षेत्र, (21) मूल्य सूचकांक, (22) खानों के आंकड़े, (23) ग्रामीण भारत में मजदूरी दर। बड़ी और मध्यम भारतीय फर्मों का (प्राओएसआइक्यू) प्रोवेस्स आइक्यू डेटाबेस, आइसीएसएसआर/नैसडॉक कंसोर्टिया के माध्यम से प्रदान किया जाता है। इसमें 1989 के बाद से लेकर आज तक का, 20,000 से अधिक फर्मों के वित्तीय प्रदर्शन पर डेटा और जानकारी शामिल है। डेटाबेस में भारत में हो रहीं, अधिकांश संगठित औद्योगिक गतिविधियों को शामिल किया गया है। यूएन कॉमट्रेड में करीब 200 देशों या क्षेत्रों के सांख्यिकीय अधिकारियों द्वारा रिपोर्ट किए गए विस्तृत आयात और निर्यात आंकड़े शामिल हैं। यह 1962 से लेकर सबसे हाल के वर्ष तक के वार्षिक व्यापार डेटा से संबंधित है। संयुक्त राष्ट्र कॉमट्रेड को एक बिलियन से अधिक रिकॉर्ड के साथ उपलब्ध, सबसे व्यापक व्यापार डेटाबेस माना जाता है।

के. एन. राज पुस्तकालय में जर्नल्ज/पत्रिकाओं के 18197 बाउंड वॉल्यूम हैं। इसमें इकोनॉमिक जर्नल (1891 से आगे के), और इकोनॉमिक एंड पॉलिटिकल वीकली जैसे (1966 से आगे के) कई मूल्यवान प्रकाशन शामिल हैं। केएन राज लाइब्रेरी ने 78 प्रिंट जर्नल (भारतीय – 26, अंतर्राष्ट्रीय – 52) और 12 समाचार पत्रों की सदस्यता ली। इसे उपहार के रूप में 40 पत्रिकाएं/जर्नल्स (भारतीय – 35, अंतर्राष्ट्रीय – 5) प्रिंट प्रारूप में प्राप्त हुईं। केएन राज लाइब्रेरी ई–जर्नल्स संग्रह ऑक्सफोर्ड ऑनलाइन – सोशल साइंस कलेक्शन (86 जर्नल्स), विले ऑनलाइन (22 जर्नल्स), प्रोजेक्टम्यूज – सोशल साइंस कलेक्शन (113 जर्नल्स), साइंस डायरेक्ट – इकोनॉमिक्स, इकोनोमेट्रिक्स और फाइनेंस (एसडी – ईईएफ जर्नल (106 जर्नल्स), की भी सदस्यता लेती है। ई–पत्रिकाओं के संग्रह "ईकोनलिट" (599 जर्नल्स) और "जेएसटीओआर" (2400 जर्नल्स) की सदस्यता को आईसीएसएसआर/नैसडॉक कंसोर्टिया के माध्यम से नवीनीकृत किया गया था। वर्ष के दौरान संग्रह में 438 पुस्तकें, 109 ई–पुस्तकें और 3 सीडी–रोम/डीवीडी जोड़ी गईं।

विकास अध्ययन केंद्र, थिरुवनंतपुरम
सेंटर फॉर डेवलपमेंट स्टडीज़ (सीडीएस), थिरुवनंतपुरम
वित्त निधि (अन–ऑडिटेड) 2020–21

(₹ लाख में)

आय	राशि	व्यय	राशि
भा.सा.वि.अ.प. अनुदान		वेतन	
गैर–योजना (ओ एच–36)	275.00	गैर–योजना	741.87
योजना (ओ एच–31)	10.00	योजना	–
राज्य सरकार अनुदान		स्थापना / प्रशासनिक व्यय	
गैर–योजना	325.27	गैर–योजना	21.88
योजना	207.00	योजना	211.48
स्वयं के स्रोतों से आय (परियोजनाएं, फैलोशिप, परामर्श सेवा आदि)	85.93	परियोजनाएं फैलोशिप कार्यशालाएं / प्रशिक्षण कार्यक्रम अन्य विविध खर्च	85.93
कोई अन्य स्रोत	157.96	विविध खर्च	–
कुल	**1061.16**	**कुल**	**1061.16**

आर्थिक और सामाजिक अध्ययन केंद्र, हैदराबाद
सेंटर फॉर इकोनॉमिक एंड सोशल स्टडीज़, (सीईएसएस), हैदराबाद

अनुसंधान परियोजनाएं (पूर्ण)

1. रेवती ई., "लिसनिंग टू यंग लाईवस ऐट वर्क: ए रैपिड फोन सर्वे देट विल एनेबल द डिलीवरी ऑफ स्पेसिफिक शार्ट–टर्म आउटपुट्स टू बेस्ट इन्फॉर्म कोविड–19 इम्पैक्ट", डीएफआइडी द्वारा यूनिवर्सिटी ऑफ ऑक्सफोर्ड।
2. रेवती ई., "एग्रीकल्चर इन ट्राइबल एरियाज : ए स्टडी ऑफ तेलंगाना स्टेट", आईसीएसएसआर।
3. तपस कुमार सारंगी, "एग्रीकल्चर इन ट्राइबल एरियाज : ए स्टडी ऑफ ओडिशा स्टेट", आईसीएसएसआर।
4. बाबू के. एस., "इम्प्लीमेंटेशन ऑफ शेडूल्ड ट्राइब्स (ST) एंड अदर ट्रेडिशनल फारेस्ट ड्वेलर्स (रेकॉग्नीशन ऑफ फारेस्ट राइट्स) एक्ट इन आंध्र प्रदेश: ए सिचुऐशन अनैलिसिस", ट्राइबल वेलफेयर डिपार्टमेंट, गवर्नमेंट ऑफ आंध्र प्रदेश।
5. स्वर्ण, एस. वेपा, "गैप्स इन द वेल–बीइंग ऑफ शेडूल्ड ट्राइब्स (ST) इन आंध्र प्रदेश", ट्राइबल वेलफेयर डिपार्टमेंट, गवर्नमेंट ऑफ आंध्र प्रदेश।
6. शिवा रेड्डी, "लिटरेसी एंड एजुकेशन लेवल्स ऑफ शेडूल्ड ट्राइब्स (ST) इन ट्राइबल प्लान एरिया ऑफ आंध्र प्रदेश", ट्राइबल वेलफेयर डिपार्टमेंट, गवर्नमेंट ऑफ आंध्र प्रदेश।
7. के. हनुमनथा रॉव, "बजटरी अनैलिसिस ऑफ ट्राइबल सब प्लान फंड्स – ए क्विक स्टडी", ट्राइबल वेलफेयर डिपार्टमेंट, गवर्नमेंट ऑफ आंध्र प्रदेश।
8. सुब्रह्मण्यम वी., नायडू जे. एम., "एथनोग्राफी ऑफ एजेंसी ट्राइब्स इन आंध्र प्रदेश", ट्राइबल वेलफेयर डिपार्टमेंट, गवर्नमेंट ऑफ आंध्र प्रदेश।
9. ब्रजराज मिश्रा, "कन्वर्जेन्स ऑफ एग्रीकल्चरल डेवलपमेंट प्रोग्राम्स विद आर ओए एफ आर एक्ट (ROFR) इन आंध्र प्रदेश: लाइवलीहुड एनालिसिस", ट्राइबल वेलफेयर डिपार्टमेंट, गवर्नमेंट ऑफ आंध्र प्रदेश।
10. मल्लिकार्जुन नाइक वी., "बिबलियोग्राफी एंड डेटा बैंक ऑन ट्राइबल कम्युनिटीज इन आंध्र प्रदेश", ट्राइबल वेलफेयर डिपार्टमेंट, गवर्नमेंट ऑफ आंध्र प्रदेश।

11. वेंकटा नारायणा एम., "एक्सपेंडिचर ऑन एजुकेशन", तेलंगाना स्टेट कौंसिल फॉर हायर एजुकेशन, गवर्नमेंट ऑफ तेलंगाना।
12. चंद्रशेखर के., "रेमेडियल टीचिंग ओर डेवलपमेंटल टीचिंगः अ रिव्यु", तेलंगाना स्टेट कॉउन्सिल फॉर हायर एजुकेशन, गवर्नमेंट ऑफ तेलंगाना।
13. रेवती ई., "इम्पैक्ट ऑफ कोविड–19 ऑन स्कूल एजुकेशन विद स्पेशल फोकस ऑन एससी (SC) स्टूडेंट्स : फाइंडिंग्स ऑफ अ रैपिड फोन सर्वे", एससी वेलफेयर डिपार्टमेंट, गवर्नमेंट ऑफ तेलंगाना।
14. लक्ष्मण राव, "इवैल्यूएशन ऑफ द शेड्यूलड ट्राइब्स स्पेशल डेवलपमेंट फण्ड (एसटीएसडीएफ) ऑफ तेलंगाना स्टेट", एससी वेलफेयर डिपार्टमेंट, गवर्नमेंट ऑफ तेलंगाना।
15. प्रदीप कांबले, "एन असेसमेंट ऑफ द इम्पैक्ट ऑफ कोविड–19–इन्डूस्ड लॉकडाउन ऑन इनफॉर्मल वर्कर्स इन तेलंगाना स्टेटः अ रैपिड फोन सर्वे", एससी वेलफेयर डिपार्टमेंट, गवर्नमेंट ऑफ तेलंगाना।
16. एम. श्रीनिवास रेड्डी, "क्लाइमेट चेंज एंड कॉनट्रेक्चुअल टर्मस ऑफ टेनेन्सीः अ स्टडी इन आंध्र प्रदेश एंड तेलंगाना", आईसीएसएसआर अंडर इम्प्रेस (IMPRESS) स्कीम।
17. रेवती ई., "इंटरअपटेड एजुकेशन इन इंडिया (एपी एंड तेलंगाना): सपोर्ट फॉर स्टूडेंट्स डयूरिंग कोविड–19 स्कूल क्लोसर", एचिदना गिविंग।
18. रेवती ई., "इम्पैक्ट ऑफ शी (SHE) टीम इन तेलंगाना स्टेटः अ क्विक असेसमेंट", वीमेन एंड चाइल्ड वेलफेयर डिपार्टमेंट, गवर्नमेंट ऑफ तेलंगाना।
19. गोपीनाथ रेड्डी एम., "एक्सप्लोरिंग सोशल एंड पोलिटिकल एक्सक्लूशन एंड इंक्लूजन ऑफ मार्जिनअलायस्ड कम्युनिटीज इन द ग्रासरूट्स पोलिटिकल इंस्टीटूशन्सः अ स्टडी ऑफ टू (Two) डीकेडस ऑफ डिसेंट्रलाइस्ड रूरल इंस्टीटूशन्स इन थ्री इंडियन स्टेट्स (आंध्र प्रदेश, तेलंगाना एंड ओडिशा)"।
20. रेवती ई., "इम्पैक्ट इवैल्यूएशन ऑफ फार्मर प्रोडूसर कम्पनीज इन तेलंगाना" एन ए बी ए आर डी (NABARD), तेलंगाना।

अनुसंधान परियोजनाएं (जारी)

1. निरंजन राव सी., "सीड इंडस्ट्री इन तेलंगाना", तेलंगाना विकास श्रृंखला के हिस्से के रूप में। तेलंगाना सरकार।
2. जीना टी एस, "इम्प्रूविंग द परफॉरमेंस ऑफ इनलैंड फिशरीस इन तेलंगानाः एन एनक्वाएरी इनटू द प्रोब्लेम्स एंड प्रॉस्पेक्ट्स", तेलंगाना विकास श्रृंखला, के हिस्से के रूप में, तेलंगाना सरकार।
3. अलीवेलु कस्तूरी, "मैपिंग द पोटेनशीयलिटीज ऑफ फूड प्रोसेसिंग इंडस्ट्रीजः केस ऑफ मेगा फूड पार्क्स इन तेलंगाना", तेलंगाना विकास श्रृंखला,के हिस्से के रूप में, तेलंगाना सरकार।
4. चंद्रशेखर के., "पोलीहॉउसिंग फार्मिंग एज एग्रीकल्चरल एंटरप्रन्योरशिप इन पेरी – अर्बन एरियाज ऑफ हैदराबाद सिटी", तेलंगाना विकास श्रृंखला के हिस्से के रूप में, तेलंगाना सरकार।
5. श्रीनिवासुलु वाय., "रिथुबंधु स्कीम एंड इट्स इम्पैक्ट ऑन स्माल एंड मार्जिनल फार्मर्स इन तेलंगाना स्टेट", तेलंगाना विकास श्रृंखला के हिस्से के रूप में तेलंगाना सरकार।
6. श्रीनिवास रेड्डी एम., "ग्राउंडवाटर डेवलपमेंट, डिग्रडेशन एंड मैनेजमेंट इश्यूज एंड चैलेंजेस इन तेलंगाना एंड वे फॉरवर्ड", तेलंगाना विकास श्रृंखला के हिस्से के रूप में, तेलंगाना सरकार।
7. अपर्णा पी, "स्टैटस ऑफ एग्रीकल्चर क्रेडिट इन अर्बन एरियाज ऑफ तेलंगाना", तेलंगाना विकास श्रृंखला के हिस्से के रूप में, तेलंगाना सरकार।
8. विद्या सी. टी., "एक्सप्लोरिंग इंटरनेशनल एक्सपोर्ट डेस्टिनेशन फॉर राइस इन तेलंगाना", तेलंगाना विकास श्रृंखला के हिस्से के रूप में, तेलंगाना सरकार।
9. दयाकर पेड्डी, "क्रॉप डायवर्सिफिकेशन इन तेलंगाना – प्रोब्लेम्स, प्रॉस्पेक्ट्स एंड पालिसी", तेलंगाना विकास श्रृंखला के हिस्से के रूप में, तेलंगाना सरकार।
10. रामचंद्रिआह सी., "स्मार्ट सिटी प्रोजेक्ट्स एंड अर्बन गवर्नेंस", तेलंगाना विकास श्रृंखला के हिस्से के रूप में, तेलंगाना सरकार।
11. कृष्णा रॉव सी. एच., "क्विक असेसमेंट ऑफ इंक्लूजन एंड एक्सक्लूशन एरर्ज ऑफ 'आसरा' पेंशन स्कीम इन हैदराबाद सिटी", तेलंगाना विकास श्रृंखला के हिस्से के रूप में, तेलंगाना सरकार।

12. अलीवेलु कस्तूरी, "स्किल डेवलपमेंट इन इंडियाः अ क्रिटिकल रिव्यु ऑफ नेशनल पॉलीसी एंड इनिशीएटिवज", टीएससीएचई (TSCHE), तेलंगाना सरकार।

13. कृष्णा रॉव, च., "प्रोफाइलिंग स्किल डेवलपमेंट इनिशीएटिव्स इन तेलंगाना", टीएससीएचई, तेलंगाना सरकार।

14. चंद्रशेखर के., "असेसमेंट ऑफ रिमेडियल असिस्टेंस प्रोग्राम्स अक्रॉस हायर एजुकेशन इंस्टीटूशन्स इन तेलंगाना", टीएससीएचई, तेलंगाना सरकार।

15. सुधावनि नरेश, "इम्पैक्ट इवैल्यूएशन ऑफ आंबेडकर ओवरसीज विद्या निधि (एओवीएन) स्कीम ऑफ तेलंगाना गवर्नमेंट", एससी (SC) वेलफेयर डिपार्टमेंट, तेलंगाना सरकार।

16. हरिनाथ सिल्वेरु, "स्टडी ऑन परफॉरमेंस एंड प्लेसमेंट स्टैटस ऑफ शेड्यूलड कास्ट (SC) स्टूडेंट्स ऑफ प्रोफेशनल कॉलेजेस इन तेलंगाना स्टेट", एससी वेलफेयर डिपार्टमेंट, तेलंगाना सरकार।

17. लक्ष्मण रॉव, "इवैल्यूएशन ऑफ सेंट्रली स्पॉन्सर्ड स्कीम्स इम्प्लीमेंटेड बॉय ट्राइबल वेलफेयर डिपार्टमेंट ऑफ गवर्नमेंट ऑफ तेलंगाना," एससी (SC) वेलफेयर डिपार्टमेंट, तेलंगाना सरकार।

18. रेवती ई., "एन असेसमेंट ऑफ मिलेट बेस्ड एग्रो–बायोडायवर्सिटी सिस्टम्स एनरिचड विद अ मिक्स ऑफ मॉडर्न एंड ट्रेडिशनल इकोलॉजिकल पैकेजेस", डेक्कन डेवलपमेंट सोसाइटी।

19. जीना टी. एस., "ड्राइड फिश मैटर्स : मैपिंग द सोशल इकॉनमी ऑफ ड्राइड फिश इन साउथ एंड साउथ–ईस्ट एशिया फॉर इन्हैंस्ड वेलबीइंग एंड न्यूट्रिशन"।

20. सुरेश रेड्डी बी., "अ स्टडी ऑन कार्बन सेक्वेस्ट्रेशन इन तेलंगाना स्टेट"।

21. विद्या, सी. टी., "ग्लोबल वैल्यू चेन्स इन द अपैरल (Apparel) सेक्टर इन इंडियाः इन–डेप्थ स्टडी ऑफ सर्विसेज– मैन्युफैक्चरिंग लिंकेज, एम्प्लॉयमेंट एंड ट्रेड बैरियर्स", आईसीएसएसआर की इम्प्रेस (IMPRESS) स्कीम (2019–2021) के अंतर्गत।

22. विद्या, सी. टी., "पैटर्न्स ऑफ ट्रेड, स्पेशलाइजेशन एंड ट्रेड वैल्यू फार्मेशन इन सर्विसेजः अ कम्पेरेटिव स्टडी ऑफ इंडिया एंड चाइना", आई सी एस एस आर की इम्प्रेस स्कीम (2019–2021) के अंतर्गत।

23. रेवती ई., "प्रिपरेशन ऑफ तेलंगाना स्टेट गजेटियर 2020–21", तेलंगाना सरकार।

सम्मेलन / सेमिनार / व्याख्यान

संस्थान ने वर्ष 2020–21 के दौरान पांच व्याख्यान आयोजित किए।

अनुसंधान संबद्धता और पीएच.डी. / एम.फिल.

मार्च 2020 में महामारी की स्थिति और उसके बाद के लॉकडाउन को देखते हुए, पीएच.डी के लिए दूसरे सेमेस्टर की कक्षाएं / बैच (2019–20) अप्रैल की शुरुआत से अगस्त, 2020 के मध्य तक वर्चुअल मोड में आयोजित किए गए थे। दूसरे सेमेस्टर की परीक्षा दिसंबर 2020 में आयोजित की गई थी और परिणाम मार्च 2021 में घोषित किए गए थे। शैक्षणिक वर्ष 2020–21 के लिए विकास अध्ययन कार्यक्रम में पीएच.डी. में प्रवेश के लिए अधिसूचना 7 जून 2020 को जारी की गई। अर्थशास्त्र, राजनीति विज्ञान, समाजशास्त्र, भूगोल और विकास सांख्यिकी के विषयों में पीएच.डी में प्रवेश के लिए आठ उम्मीदवारों का चयन किया गया है। प्रथम सेमेस्टर की कक्षाएं नवंबर, 2020 में शुरू हुईं। छात्रों को शोध की बारीकियों को समझने में सक्षम बनाने के लिए प्रख्यात शिक्षाविदों द्वारा हर महीने विशेष व्याख्यान आयोजित किए जाते हैं। छात्रों को प्रस्तुतियाँ देने के लिए प्रोत्साहित किया जाता है और उन्होंने अर्थव्यवस्था पर कोविड 19 के प्रभाव और केंद्रीय बजट 2021 पर भी प्रस्तुतिकरण दिया।

प्रकाशन

पुस्तकें

1. ई. रेवती, इश्यूज एंड चैलेंजेस ऑफ इंक्लूसिव डेवलपमेंटः एस्सेज इन ऑनर ऑफ प्रोफेसर आर. राधाकृष्ण, (Ed) मारिया सलेथ, एस. गालब एंड ई. रेवती, स्प्रिंगर 2020।

2. ई. रेवती, इकोनॉमिक्स एंड टेक्नोलॉजी ऑफ सोयाबीन क्रॉप इन सेंट्रल इंडिया, ऐकेडेमिक पब्लिशर्स (विद बी० सुरेश रेड्डी) (प्रेस में)। नई दिल्ली, 2021।

3. श्रीनिवास रेड्डी, एम, क्लाइमेट – ड्राउट रेसिलिएंस इन एक्सट्रीम इन्वायरॉन्मेंट, स्प्रिंगर नेचर स्विट्जरलैंड एजी, बासेल, 2020, (विद वी.आर. रेड्डी एंड वाय.वी.एम. रेड्डी)।

4. चौधरी बाला रामुलु, मार्जिनलाईज़्ड कम्यूनिटीज़ एंड डिसेंट्रलाईसड इंस्टीटूशन्स इन इंडियाः एन एक्सक्लूशन एंड इंक्लूजन पर्सपेक्टिव, रूटलेज, यूके, 2021।

शोध पत्र और जर्नल्स में प्रकाशित लेख/पुस्तकों में अध्याय

संकाय ने वर्ष 2020–21 के दौरान विभिन्न पत्रिकाओं में 16 शोध पत्र/लेख और पुस्तकों में पांच अध्याय प्रकाशित किए।

शोध रिपोर्ट/मोनोग्राफ/वर्किंग पेपर्स

1. सी एच हनुमंता रॉव, 'राइजिंग इनइक्वालिटीज़ इन इंडियाः की रोल ऑफ सोशिओ –पोलिटिकल फैक्टर्स', रिसर्च पेपर, सीईएसएस (CESS), फरवरी 2021।
2. आर. राधाकृष्ण, 'ग्रोथ, वेल – बीइंग एंड इंस्टीटूशन्स इन इंडियाः अ हिस्टोरिकल पर्सपेक्टिव', डिस्कशन पेपर नंबर 1, सीईएसएस (CESS), नवंबर 2020।
3. विद्या, सी. टी. एंड एफ. तघीजादे–हेसरी, 'डज इंफ्रास्ट्रक्चर फैसिलिटेट ट्रेड कनेक्टिविटी? एविडेंस फ्रॉम एएसईएएन.एडीबीआई', वर्किंग पेपर 1179. टोक्योः एशीयन डेवलपमेंट बैंक इंस्टिट्यूट, 2020।
4. कुमार, आर., चक्रधर, जे., बलचीन, एन., 'अनपैकिंग द पॉसिबल एलिमेंट्स ऑफ अ फ्यूचर डिजिटल ट्रेड एग्रीमेंट ऑन डिजिटआईजेशन एंड इकोनॉमिक ग्रोथः इनसाइट्स फ्रॉम पैनल डाटा एनालिसिस', – ऑनलाइन रिपॉजिटरी ऑर्गनाइसड बॉय ईएससीएपी (ESCAP) एस पार्ट ऑफ अ यूनाइटेड नेशंस इनिशिएटिव ऑन मॉडल प्रोविशंस फॉर ट्रेड इन टाइम्स ऑफ क्राइसिस एंड पैनडेमिक इन रीजनल एंड अदर ट्रेड एग्रीमेंट्स, इन कोलैबोरेशन विद ARTNeT, डब्लूटीओ (WTO), सीयूटीएस (CUTS)।

पुस्तक समीक्षाएं

1. रेवती. ई, 'लेजिटिमेशन इन ए वर्ल्ड एट रिस्कः द केस ऑफ जेनेटिकली मॉडिफाइड क्रॉप्स इन इंडिया', एशियन जर्नल ऑफ सोशल साइंस, 48(1–2), 163–166, (2020)।

पुस्तकालय

पुस्तकालय ने तेलंगाना राज्य के सबसे समृद्ध पुस्तकालयों में से एक होने का गौरव प्राप्त किया है, विशेष रूप से अर्थशास्त्र और इससे संबंधित क्षेत्रों में। पुस्तकालय अपने उपयोगकर्ताओं को एक सुखद पढ़ने के माहौल में पुस्तकों, पत्रिकाओं, समाचार पत्रों, सीडी–रोम, सरकारी रिपोर्ट, ई–जर्नल, ई–डेटाबेस जैसे प्रिंट और इलेक्ट्रॉनिक संसाधनों तक पहुंच प्रदान करता है। पुस्तकालय में विश्व बैंक के प्रकाशनों का एक समृद्ध संग्रह भी है, जो राज्य में विश्व बैंक की एकमात्र डिपॉजिटरी लाइब्रेरी है। राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय डेटाबेस के अलावा पुस्तकालय का कुल संग्रह 50,000 से अधिक खंड का है जिसमें 3450 जर्नल बैक वॉल्यूम, भारत में विभिन्न संस्थानों के विभिन्न प्रकार के दस्तावेज, थीसिस, केंद्र और राज्य सरकारों की सांख्यिकीय रिपोर्ट, वार्षिक रिपोर्ट, संदर्भ पुस्तकें, पाठ्य पुस्तकें, प्रिंट जर्नल सदस्यता शामिल हैं। पुस्तकालय अपने उपयोगकर्ताओं को गुणवत्तापूर्ण सेवाएं प्रदान करने के लिए कोहा (KOHA) – पुस्तकालय प्रबंधन सॉफ्टवेयर के साथ पूरी तरह से स्वचालित है। वित्तीय वर्ष 2020–2021 में नए जोड़े गए / सब्सक्राइब किए गए संसाधनों में पुस्तकों के 312 खंड, प्रिंट जर्नल के 100 शीर्षक और जे एस टी ओ आर (JSTOR), एबस्को – ईकोनलिट (EBSCO-EconLit), ई पी डब्लू (EPW), रिसर्च फाउंडेशन इंडिया टाइम सीरीज और इंडिया स्टेट सहित डेटाबेस शामिल हैं।

पुस्तकालय दस्तावेज वितरण सेवा, वर्तमान सामग्री, प्रिंट पत्रिकाओं के लेख डेटाबेस, ऑनलाइन साहित्य खोज सेवाओं, सम्मेलन अलर्ट, रिप्रोग्राफिक सेवा, इंटर लाइब्रेरी ऋण, वर्तमान जागरूकता सेवा, सूचना के चयनात्मक प्रसार जैसी सेवाओं के माध्यम से अपने उपयोगकर्ता के ज्ञान को अद्यतन करने का प्रयास कर रहा है। कोविड–19 के परीक्षण के समय के दौरान, पुस्तकालय ने एक सुरक्षित वातावरण के माध्यम से अपने संसाधनों तक दूरस्थ पहुँच प्रदान की और साथ ही पुस्तकालय के कर्मचारियों ने अपने सभी उपयोगकर्ताओं को जब भी फोन और ऑनलाइन की आवश्यकता होती है, उनका समर्थन किया।

आर्थिक और सामाजिक अध्ययन केंद्र, हैदराबाद
सेंटर फॉर इकोनॉमिक एंड सोशल स्टडीज़, (सीईएसएस), हैदराबाद
वित्त निधि (अन–ऑडिटेड) 2020–21

(₹ लाख में)

आय	राशि	व्यय	राशि
वेतन और रख–रखाव अनुदान		वेतन और रखरखाव अनुदान	
भा.सा.वि.अ.प. अनुदान		वेतन	
वेतन अनुदान (ओ एच–36)	215.00	भा.सा.वि.अ.प. स्वीकृत पद	478.84
रख–रखाव अनुदान (ओ एच–31)	10.00	बीओजी द्वारा स्वीकृत अन्य पद	56.93
राज्य सरकार अनुदान			
योजना	100.00	स्थापना / प्रशासनिक व्यय	112.26
केंद्र के अपने संसाधन			
पीएच.डी. शुल्क / आवास का रखरखाव / एसबी (SB) खाते पर ब्याज आदि	20.47		
सीडीएफ / आरडीएफ और कॉर्पस फंड से अंशदान	302.26		
प्रायोजित परियोजनाएं	619.22	प्रायोजित परियोजनाएं	455.77
प्रायोजित फैलोशिप	16.80	प्रायोजित फैलोशिप	29.18
प्रायोजित सेमिनार / कार्यशालाएं / प्रशिक्षण कार्यक्रम	5.54	प्रायोजित सेमिनार / कार्यशालाएं / प्रशिक्षण कार्यक्रम	6.64
		व्यय से अधिक आय	149.67
कुल	**1289.29**	**कुल**	**1289.29**

व्यय से अधिक आय के कारणः

1) वेतन / रखरखाव / योजना के तहत रु. 0.30 लाख का अधिक व्यय अनुदान मुख्य रूप से राज्य सरकार से पर्याप्त अनुदान प्राप्त न होने के कारण है, हालांकि पर्याप्त धन केंद्र के अपने संसाधनों से पूरा किया गया था और अपरिहार्य अनुसंधान और रखरखाव लागत में वृद्धि के कारण भी।
2) प्रायोजित परियोजना के तहत रु. 163.45 लाख की अव्ययित राशि चालू परियोजनाओं के लिए अग्रिम रूप से जारी किए गए अनुदानों और इस वर्ष के दौरान प्रायोजकों से देय राशि की प्राप्ति के कारण है।
3) फेलोशिप के तहत 12.38 लाख रुपये की अधिक खर्च राशि पिछले वित्तीय वर्ष के विद्वानों की निरंतरता के कारण है, जिसके लिए राशि वर्तमान शैक्षणिक वर्ष के लिए आईसीएसएसआर से अग्रिम रूप से प्राप्त हुई थी।
4) प्रायोजित सेमिनारों और कार्यशालाओं के तहत 1.10 लाख रुपये की अधिक राशि प्रायोजकों से देय राशि के कारण है।

बहु–अनुशासनात्मक विकास अनुसंधान केंद्र, धारवाड़
सेंटर फॉर मल्टी–डिस्पिलिनरी डेवलेपमेंट रिसर्च (सीएमडीआर), धारवाड़

अनुसंधान परियोजनाएं (पूर्ण)

1. एस. वी. हानगोड़ीमथ, "हंगर एंड मैलन्यूट्रीशन इन कर्नाटक", कर्नाटक सरकार (सीएमडीआर)।
2. एस. वी. हानगोड़ीमथ, "वर्कर्स इन कंस्ट्रक्शन सेक्टर इन कर्नाटक", कर्नाटक सरकार (सीएमडीआर)।
3. एस. वी. हानगोड़ीमथ, "एचडीआई ऑफ दलित्स एंड ट्राइब्स इन इंडिया: द डिस्टेंस – ट्रवेलेड एंड टू बी ट्रवेलेड", डॉ. डी. एम. नंजुंडाप्पा चेयर, सीएमडीआर।
4. एस. वी. हानगोड़ीमथ, "रीजनल इम्बैलेंसेस इन एमएसएमई स इन कर्नाटक: अ स्पेशल फोकस ऑन स्माल स्केल इंडस्ट्रीज (द स्टडी इस पब्लिश्ड इन जर्नल ऑफ साइंटिफिक कंप्यूटिंग)", डॉ. डी. एम. नंजुंडाप्पा चेयर, सी एम डी आर।
5. एन. सिवाणा, नायक एन. एस. नारायणा बिल्लवा एंड हुंगुंड वी. टी., "मेकिंग ऑफ मॉडल ग्राम पंचायत: सिचुएशन अनालिसिस ऑफ सांसद आदर्श ग्राम योजना (एसएजीवाई) इन कर्नाटक", कर्नाटक सरकार (जीओके)।

अनुसंधान परियोजनाएं (जारी)

1. नयनतारा एस. नायक, नारायण बिल्लवा एंड वी. टी. हुंगुंड, "ट्रांसफॉर्मिंग इनटू पीपल – ड्रिवेन ग्राम पंचायत: एक्शन इंटरवेंशन इन मुगड ग्राम पंचायत (2016–2022)", अब्दुल नजीर सब पंचायत राज चेयर, सी एम डी आर।
2. नयनतारा एस. नायक, एमिली कुंपळ, नारायण बिल्लवा, आईस आरक्यूमेन और जैक्री बर्ट, "कन्वर्शन फ्रॉम इंटरमिटेंट टू कंटीन्यूअस वाटर सप्लाई (24 x 7) थ्रू पब्लिक – प्राइवेट पार्टनरशिप (पीपीपी): इंवेस्टिगेटिंग गवर्नेंस एंड ससटेन इश्यूज इन कर्नाटक, इंडिया", नेशनल अकेडमी ऑफ साइंस/यूएसएआईडी (USAID), वाशिंगटन डीसी, यूएसए।
3. ए. आर. कुलकर्णी, "स्टैटस एंड मैनेजमेंट ऑफ ग्रेजिंग लैंड्स इन कर्नाटका", आईसीएसएसआर, नई दिल्ली।
4. एन. सिवांना, एस. वी. हानगोड़ीमथ एंड नारायणा बिल्लवा, "डेवोलुशन एंड परफॉरमेंस इंडेक्स रिपोर्ट फॉर पंचायत राज इंस्टीटूशन्स ऑफ कर्नाटक", डिपार्टमेंट ऑफ रूरल डेवलपमेंट एंड पंचायत राज, कर्नाटक सरकार।
5. नारायणा बिल्लवा, रामकृष्ण पी. एंड शारदा प्रसाद, "डेवोलुशन असेसमेंट ऑफ आइईसी/बीसीसी एक्टिविटीज इम्प्लीमेंटेड अंडर एसबीएम ग्रामीण इन कर्नाटक", एथेना इन्फोनोमिक्स, चेन्नई एंड रूरल ड्रिंकिंग वाटर एंड सैनिटेशन डिपार्टमेंट (आरडीडब्लू–एसडी), कर्नाटक सरकार।
6. नयनतारा नायक एंड नारायणा बिल्लवा, "वाटर एक्सेस एंड हैंडवॉशिंग डूरिंग लॉकडाउन एंड इफेक्ट्स ऑन कोविड–19", यूनिवर्सिटी ऑफ मैसाचूसेट्स, एमहर्स्ट, एंड नार्थ कैरोलिना यूनिवर्सिटी, एनसी, यूएसए।
7. जय प्रभाकर एस. सी. एंड वी. टी. हुंगुंड, "अननोन टू नोन: एन एथ्नोग्राफिक स्टडी ऑफ कपाला (Kapala) कम्युनिटी इन कोडागु डिस्ट्रिक्ट ऑफ कर्नाटक", सीएमडीआर, धारवाड़।
8. जय प्रभाकर एस. सी. एंड वी. टी. हुंगुंड, "प्रॉब्लम ऑफ स्कूल ड्राप–आउट्स अमंग शेडूल्ड कास्ट (SC) गर्ल्स इन रूरल सेटिंग्स ऑफ कर्नाटक", डिपार्टमेंट ऑफ हायर एजुकेशन, कर्नाटक सरकार।
9. जय प्रभाकर एस. सी. एंड वी. टी. हुंगुंड, "स्टैटस ऑफ ट्राइबल डेवलपमेंट, अ सेलेक्ट स्टडी: कर्नाटक एक्सपीरियंस", डिपार्टमेंट ऑफ हायर एजुकेशन, कर्नाटक सरकार।
10. टी. ब्रह्मानंदम, "इवैल्यूएशन ऑफ स्टडी ऑन परफॉरमेंस ऑफ डॉ. बाबू जगजीवन राम लैदर इंडस्ट्री डेवलपमेंट कारपोरेशन लिमिटेड (एलआईडीकेएआर) (गवर्नमेंट ऑफ कर्नाटक)", लैदर इंडस्ट्री डेवलपमेंट कारपोरेशन लिमिटेड (एलआईडीकेएआर) (गवर्नमेंट ऑफ कर्नाटक) ।

सम्मेलन/सेमिनार/व्याख्यान

संस्थान ने वर्ष 2020–21 के दौरान तीन व्याख्यान और एक पैनल चर्चा का आयोजन किया।

अनुसंधान संबद्धता और पीएच.डी./एम.फिल.

वर्ष के दौरान एक शोधार्थी ने पीएच.डी. थीसिस पूर्ण की और 33 शोधार्थी अपने डॉक्टरेट शोध कार्य को पूरा करने के लिए प्रयासरत थे।

प्रकाशन

जर्नल्स में प्रकाशित शोध पत्र और लेख/पुस्तकों में अध्याय

संकाय ने वर्ष 2020–21 के दौरान विभिन्न पत्रिकाओं में नौ शोध पत्र/लेख और प्रकाशित पुस्तकों में एक अध्याय प्रकाशित किया।

शोध रिपोर्ट/मोनोग्राफ/वर्किंग पेपर्स

1. दासगुप्ता प्रियंका एंड मुखर्जी सुब्रता, "इन्सिडेन्स एंड कोरिलेट्स ऑफ डिस्ट्रेस्सेड फाइनेंसिंग फॉर इन पेशेंट केयर बॉय हाउसहोल्ड्स इन इंडियाः एविडेंस फ्रॉम नेशनल सैंपल सर्वे 71 राउंड डाटा", सीएमडीआर मोनोग्राफ नंबर 106।
2. पतागुंडि एस. एस., "फॉरेन पालिसी अनॉलिसिस एंड डिसिशन मकिंग इश्यूज", सीएमडीआर मोनोग्राफ नंबर 107।
3. देओधर सतीश वाई., "प्री–कौटिल्यन पीरियड : क्रूसिबल ऑफ प्रोटो–इकोनोमिक आइडियाज़ एंड प्रैक्टिसेज़", सीएमडीआर मोनोग्राफ नंबर 108।

पुस्तकालय

पुस्तकालय पाठकों को संदर्भ सेवाओं, ग्रंथ सूची सेवाओं, वर्तमान जागरूकता सेवाओं, समाचार पत्रों की कतरनों और फोटोकॉपी सेवाओं सहित विभिन्न सेवाएं प्रदान कर रहा है। पुस्तकालय पूरी तरह से लिब्सिस (LIBYS) के साथ कम्प्यूटरीकृत है और अपने पाठकों के लिए ऑनलाइन पब्लिक एक्सेस कैटलॉग (OPAC) प्रदान करता है। इसमें सामाजिक विज्ञान के क्षेत्र से संबंधित 1423 पिछले खंड और पत्रिकाएं हैं। पुस्तकालय में 40 राष्ट्रीय और 16 अंतर्राष्ट्रीय पत्रिकाओं सहित 56 पत्रिकाओं की सदस्यता है। पुस्तकालय जे एस टी ओ आर (JSTOR), ईकोनलिट (EconoLit), ई पी डब्लू, सेज ऑनलाइन और आर्थिक आउटलुक, प्रोवेस, ई पी डब्लू आर एफ, इंडियास्टैट.कौम, भारत के जिलों सहित सांख्यिकीय ऑनलाइन स्रोतों सहित ऑनलाइन पत्रिकाओं की सदस्यता लेता है। वर्ष के दौरान, 87 दस्तावेज जोड़े गए, जिनमें खरीदी गई किताबें, दान की गई किताबें, रिपोर्ट, वर्किंग पेपर, बैकवॉल्यूम, सीडी और थीसिस शामिल हैं।

बहु–अनुशासनात्मक विकास अनुसंधान केंद्र, धारवाड़
सेंटर फॉर मल्टी–डिसिप्लिनरी डेवलेपमेंट रिसर्च (सीएमडीआर), धारवाड़
वित्त निधि (अन–ऑडिटेड) 2020–21

(₹ लाख में)

आय	राशि	व्यय	राशि
प्रारंभिक जमा		वेतन	
ओ एच 31 अनुदान	56.01	ओ एच 36 (100%)	189.28
ओ एच 36 अनुदान	–6.40	ओ एच 31	65.04
भा.सा.वि.अ.प. अनुदान		स्थापना/प्रशासनिक व्यय	
ओ एच 31 अनुदान	10.00	ओ एच 36	
ओ एच 36 अनुदान	72.23	ओ एच 31	47.58
राज्य सरकार अनुदान		परियोजनाएं, फैलोशिप, परामर्श सेवाएं,	78.20
योजना	200.00	विविध रसीदें आदि	
गैर–योजना	–		
		विविध व्यय	0.43
स्वयं के स्रोतों से आय	101.94		
परियोजनाएं, अध्येतावृत्तियां, परामर्श सेवाएं, विविध रसीदें आदि		अप्रयुक्त परियोजना और अनुरक्षण अनुदान को अगले वर्ष के लिए अग्रेषित किया गया	53.25
कोई अन्य स्रोत	–		
कुल	**433.78**	**कुल**	**433.78**

नीति अनुसंधान केंद्र, नई दिल्ली
सेंटर फॉर पॉलिसि रिसर्च (सीपीआर), नई दिल्ली
अनुसंधान परियोजनाएं (पूर्ण)

1. मुखोपाध्याय, पार्था, "स्टडी अर्बन रिसर्च नेटवर्क इन इंडिया टू सरफेस द टैसिट नॉलेज ऑन अर्बन इन्फोर्मलिटी", द फोर्ड फाउंडेशन।
2. दुबास, नवरोज के., "फ्रेमिंग अ स्ट्रेटेजिक अप्रोच टू इंडिया'स एयर क्वालिटी", टाटा ट्रस्ट।
3. दासगुप्ता, शुभागतो, "डेवलपिंग बेसलाइन फॉर अर्बन इनफॉर्मल सेट्लमेंट्स इन व्यू ऑफ कोविड 19 इन ओडिशा", (UNICEF)।
4. दासगुप्ता, शुभागतो, "स्केलिंग सिटी इंस्टीटूशन फॉर इंडिया : इंक्लूसिव सैनिटेशन", द बिल एंड मेलिंडा गेट्स फाउंडेशन।
5. दासगुप्ता, शुभागतो, "पैंडेमिक एंड अर्बन प्लानिंग– अनैलिसिस ऑफ एविडेंस एंड पालिसी", एफसीडीओ (FCEO)।

अनुसंधान परियोजनाएं (जारी)

1. नायक मुक्ता, "ईकोसिसटम ऑफ एन्गेजमेन्ट : डिजिटल प्लेटफार्म एंड वीमेन'स वर्क इन श्री लंका एंड इंडिया", एलआईआरएनई एशिया (LIRNE Asia)।
2. सिंह प्रियदर्शिनी, "राइज प्रोग्राम, पोलिटिकल इकॉनमी वर्कस्ट्रीम", ट्रस्टीज ऑफ द यूनिवर्सिटी ऑफ पेंन्सिल्वेनिआ।
3. अय्यर यामिनी, "क्रिएट एंड सपोर्ट अ प्लेटफार्म फॉर इन्फोर्मड डायलाग अमंग सिविल सोसाइटी, एकेडेमिया एंड अदर्स ऑन इंडिया'स एग्रीकल्चरल पॉलीसी एंड रिलेटिड स्टेट कैपेसिटी टू सस्टेन एंड इंक्रीस फार्मर इंकम्ज", फोर्ड फाउंडेशन।
4. वाही नमिता, "रिसर्च एंड इंस्टीटूशनल सपोर्ट फॉर एक्सिस्टिंग वर्क ऑफ द लैंड राइट्स इनिशिएटिव एंड सपोर्टिंग न्यू रिसर्च ऑन वीमेन'स राइट टू प्रॉपर्टी", सेंटर फॉर एथिक्स इन एक्शन , यूनिवर्सिटी ऑफ न्यू इंग्लैंड।
5. वाही नमिता, "थीओराइजिंग कनफ्लिक्ट एंड कांटेस्टेशन इन प्लूरल लैंड राइट्स रेजाइमस," चर मिचेलसन इन्स्टिटूट (सीएमआइ)।
6. कृष्णामूर्ति मेखला ऐल., "स्ट्रेंग्थेनिंग द केपेबिलिटी ऑफ द स्टेट इन इंडिया टू बैटर डिलीवर ऑन इट्स गोल्स विद रेस्पेक्ट टू हेल्थ, न्युट्रिशन, सैनिटेशन, फाईनैनशीयल सर्विसेज फॉर द पुअर, एजुकेशन एंड जेंडर इक्वेलीटी", बिल – मेलिंडा गेट्स फाउंडेशन।
7. वाही नमिता, "रिसर्च एंड इंस्टीट्यूशन सपोर्ट फॉर एक्सिस्टिंग वर्क ऑफ लैंड राइट्स इनिशिएटिव एंड टू कम्पलीट अ रिसर्च पेपर", स्टैनफोर्ड लॉ स्कूल।
8. मेनन मंजू एवं कोहली कांची, "नमति एनवायर्नमेंटल जस्टिस प्रोग्राम", नमति (NAMATI) इन्नोवेशंस इन लीगल एम्पावरमेंट।
9. मेनन मंजू एवं कोहली कांची, "कॉन्ट्रैक्ट फॉर टेक्निकल सपोर्ट टू डेवलॅप नॉलेज एंड कैपेसिटी बिल्डिंग ऑन लीगल रेमेडीज फॉर लैंड एनवायरनमेंट एंड फारेस्ट वायलेशंज", ऑक्सफेम इंडिया।
10. मेनन मंजू एवं कोहली काँची, "सोशिओ–इकोलॉजिकल इम्पैटस ऑफ पॉलिसी एंड लीगल फ्रेमवर्क्स फॉर माइनिंग एंड अलाइड इंफ्रास्ट्रक्चर डेवलपमेंट इन इंडिया", एसईडी (SED) फण्ड।
11. कपूर अवनि, "कोर ग्रांट फॉर एकाउंटेबिलिटी इनिशिएटिव प्रोजेक्ट", द विलियम एंड फ्लोरा हूलेट फाउंडेशन।
12. कपूर अवनि, "स्टडी विद प्लानिंग डिपार्टमेंट एंड मेघालय बेसिन डेवलपमेंट अथॉरिटी", मेघालय सरकार।
13. दुबाश नवरोज के. "पॉवरिंग थ्रू अ ट्रांजीशन", द चिल्ड्रन'स इन्वेस्टमेंट फण्ड फाउंडेशन।
14. दुबाश नवरोज के., "इनिशिएटिव ऑन क्लाइमेट, एनर्जी एंड एनवायरनमेंट", द विलियम एंड फ्लोरा हूलेट फाउंडेशन।
15. दुबाश नवरोज के. "इंटेग्रेटिंग क्लाइमेट चेंज एंड डेवलपमेंटः बिल्डिंग क्लाइमेट इंस्टीटूशन्स एंड इम्प्रूविंग एयर क्वालिटी", मैक आर्थर फाउंडेशन।
16. दुबाश नवरोज के., "क्लाइमेट, एनर्जी एंड एनवायरनमेंट इनिशिएटिव", ओक (Oak) फाउंडेशन।

सम्मेलन / सेमिनार / व्याख्यान

संस्थान ने वर्ष 2020–21 के दौरान सात व्याख्यान, 50 वेबिनार / पैनल चर्चा और 13 कार्यशालाओं / प्रशिक्षण कार्यक्रमों का आयोजन किया।

प्रकाशन

पुस्तकें

1. "बियोंड द कोल् रश", बॉय जेम्स गुडमैन, लिंडा कोन्नोर, देवलीना घोष, कॉंची कोहली, जोनाथन पॉल मार्शल, मंजू मेनन, कट्ज़ा म्यूलर, टॉम मॉर्टन, रेबेका पेअर्स, एंड स्टुअर्ट रोजवार्ने, कैंब्रिज यूनिवर्सिटी प्रेस, 2020।
2. "टर्मेरिक नेशन : अ पैसेज थ्रू इंडिया'स टेस्ट्स", शैलश्री शंकर, स्पीकिंग टाइगर, 2020।

शोध पत्र और पत्रिकाओं में लेख/पुस्तकों में अध्याय

संकाय ने वर्ष 2020–21 के दौरान विभिन्न पत्रिकाओं में 36 शोध पत्र/लेख और प्रकाशित पुस्तकों में चार अध्याय प्रकाशित किए।

शोध रिपोर्ट/मोनोग्राफ/वर्किंग पेपर्स

1. "प्रॉपर्टी एंड सोवेरेंटी : क्रिएटिंग, डिस्ट्रोइंग, एंड रिसर्रेक्टिंग प्रॉपर्टी राइट्स इन ब्रिटिश इंडिया (1600–1800)", सेंटर फॉर पॉलिसी रिसर्च, 31 दिसंबर 2020, नमिता वाही।
2. "इवैल्यूएटिंग रीसेंट प्रोपोजल्स टू रिफार्म द पॉवर सेक्टर इन इंडिया", सेंटर फॉर पॉलिसी रिसर्च, 18 नवंबर 2020, दीपक सैनन एंड संजय मित्रा।
3. "हंगर, कोविड–19 एंड द इंडियन एडमिनिस्ट्रेटिव स्टेट", 8 अक्टूबर 2020, अरकजा सिंह।
4. "क्वांटिफ्यिंग हेटेरोजेनिटी इन एसएआरएस–सीओवी–22 (SARS-COV-22) ट्रांसमिशन ड्योरिंग द लॉकडाउन इन इंडिया", मेड आरएक्सआईवी, 15 सितम्बर 2020, निमलां अरिणामिनपेथी, जिष्णु दास, टाइलर मक्कॉर्मिक, पार्था मुखोपाध्याय, एंड नीलांजन सिरकार।
5. "स्टडी ऑफ स्टेट फायनैन्सेज 2020–21 (प्रोविशनल)", 10 मई 2020, अवनि कपूर, शरद पांडेय, यू. रंजन, एंड वास्तव इरवा।
6. "कैन द रेवेन्यू डिपार्टमेंट रीमेन अर्बन एग्नॉस्टिक इन इंडिया?", 23 अप्रैल 2020, अपर्णा दास, अनिंदिता मुखर्जी, एंड बैसाखी सरकार धर।
7. "मैपिंग स्टेट इंटरवेंशंस टुवर्ड्स वीमेन एंड चाइल्ड प्रोटेक्शन इन महाराष्ट्र", सेंटर फॉर पॉलिसी रिसर्च, 26 मार्च 2021, बाय एकाउंटेबिलिटी इनिशिएटिव।
8. "रीफॉर्म : लेसंस फॉर अर्बन गवर्नेंस फ्यूचर फ्रॉम द पैनडेमिक", 20 मार्च 2021, स्केलिंग सिटी इंस्टीटूशन्स फॉर इंडिया (एससीआई–एफआई)।
9. "एक्सपीरिएंसेस ऑफ फ्रंटलाइन वर्कर्स इन राजस्थान एंड हिमाचल प्रदेश ड्यूरिंग द कोविड–19 पैनडेमिक", सेंटर फॉर पॉलिसी रिसर्च, 16 मार्च 2021, एकाउंटेबिलिटी इनिशिएटिव।
10. "ओडिशा रूरल सैनिटेशन पॉलिसी", 24 फरवरी 2021, स्केलिंग सिटी इंस्टीटूशन्स फॉर इंडिया (एससीआई–एफआइ)।
11. "महात्मा गाँधी नेशनल रूरल एम्प्लॉयमेंट गारंटी स्कीम", सेंटर फॉर पॉलिसी रिसर्च, 16 फरवरी 2021, अवनि कपूर, वास्तव इरावा, मेघना पॉल, संजना मल्होत्रा।
12. "जल जीवन मिशन", सेंटर फॉर पॉलिसी रिसर्च, 16 फरवरी 2021, वास्तव इरावा, संजना मल्होत्रा, अवनि कपूर।
13. "फूड सब्सिडी एंड द नेशनल फूड सिक्योरिटी एक्ट", सेंटर फॉर पॉलिसी रिसर्च, 16 फरवरी 2021, जेनी सूसान जॉन, मोहम्मद हमजा फारूकी, अवनि कपूर।
14. "नेशनल हेल्थ मिशन", सेंटर फॉर पॉलिसी रिसर्च, 16 फरवरी 2021, अवनि कपूर, संजना मल्होत्रा, ऋत्विक शुक्ला।
15. "पोषण अभियान", सेंटर फॉर पॉलिसी रिसर्च, 16 फरवरी 2021, मेघना पॉल, अवनि कपूर।
16. "समग्र शिक्षा", सेंटर फॉर पॉलिसी रिसर्च, 16 फरवरी 2021, मृदुस्मिता बोर्दोलोई, अवनि कपूर।
17. "इंटीग्रेटेड चाइल्ड डेवलपमेंट सर्विसेज", सेंटर फॉर पॉलिसी रिसर्च, 16 फरवरी 2021, अवनि कपूर, ऋत्विक शुक्ला, शरद पांडेय।
18. "आयुष्मान भारत", सेंटर फॉर पॉलिसी रिसर्च, 16 फरवरी 2021, ऋत्विक शुकला, अवनि कपूर।
19. "मिड–डे मील स्कीम", सेंटर फॉर पॉलिसी रिसर्च, 16 फरवरी 2021, अवनि कपूर, शरद पांडेय।
20. "प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि", सेंटर फॉर पॉलिसी रिसर्च, 16 फरवरी 2021, अवनि कपूर, मृदुस्मिता बोर्दोलोई, उदित रंजन।

21. "द पैनडेमिक एंड पब्लिक एडमिनिस्ट्रेशन : अ सर्वे ऑफ इंडियन एडमिनिस्ट्रेटिव सर्विस (आईएएस) ऑफिसर्स", सेंटर फॉर पॉलिसी रिसर्च, 4 फरवरी 2021, मेखला कृष्णामूर्ति, दीपक सनन, करनामदकला राहुल शर्मा, आदित्य उन्नीकृष्णन।
22. "रिसर्च इन द कोविड–19 कॉन्टेक्स्ट : अडाप्टिव मेथड्स एंड एथिकल कन्सिडरेशंस", वीमेन, वर्क एंड द गिग इकॉनमी रिसर्च कंसोर्टियम (डब्लूडब्लूजीई), 25 जनवरी 2021, मुक्ता नाइक।
23. "द इम्पैक्ट ऑफ द कोविड–19 पैनडेमिक ऑन पब्लिक स्कूल एजुकेशन", सेंटर फॉर पॉलिसी रिसर्च, 20 जनवरी 2021, एकाउंटेबिलिटी इनिशिएटिव।
24. "रूरल सैनिटेशन प्रैक्टिसेज : अ रैपिड असेसमेंट स्टडी फॉर ओडिशा", सेंटर फॉर पॉलिसी रिसर्च, 5 जनवरी 2021, अनिंदिता मुखर्जी, अंजू द्विवेदी, नेहा अग्रवाल।
25. "अ हिडन कोस्ट : द पान्डेमिक'स इम्पैक्ट ऑन न्यूट्रिशन, सेंटर फॉर पॉलिसी रिसर्च", 30 दिसंबर 2020, एकाउंटेबिलिटी इनिशिएटिव।
26. "अ कम्प्रेहैन्सिव ओवरव्यू : डीफाइनिंग एंड मेजरिंग इन्फोर्मलिटी इन इंडिया'स लेबर मार्किट", सेंटर फॉर पॉलिसी रिसर्च, 30 दिसंबर 2020, एकाउंटेबिलिटी इनिशिएटिव।
27. "रूरल सैनिटेशन फैक्टशीट : ढेंकानाल", ओडिशा, सेंटर फॉर पॉलिसी रिसर्च, 15 दिसंबर 2020, आस्था जैन, अनिंदिता मुखर्जी, नेहा अग्रवाल।
28. "अनलॉकिंग बैरियर्स टू इंक्लूसिव (डब्लू ए एस एच) : लर्निंग्स फ्रॉम स्लेम्स इन भुबनेश्वर", सेंटर फॉर पॉलिसी रिसर्च, 26 नवंबर 2020, तृप्ति सिंह, अंजू द्विवेदी।
29. "मैपिंग स्टेट इन्टरवेंशन्स टुवर्ड्स वीमेन एंड चाइल्ड प्रोटेक्शन इन महाराष्ट्र", सेंटर फॉर पॉलिसी रिसर्च, 25 नवंबर 2020, एकाउंटेबिलिटी इनिशिएटिव।
30. "सोशल सिक्योरिटी फॉर इनफॉर्मल वर्कर्स इन इंडिया", सेंटर फॉर पॉलिसी रिसर्च, 25 नवंबर 2020, मृदुस्मिता बोर्दोलोई, मोहम्मद हमजा फारूकी, शरद पांडेय।
31. "स्टेट एजुकेशन फायनैनसिस : अ डीप–डाइव इनटू स्कूल एजुकेशन फायनैनसिस इन 8 स्टेट्स", 25 नवंबर 2020, मृदुस्मिता बोर्दोलोई, शरद पांडेय, वास्तव इरवा, रूचि जुन्नरकर।
32. "इम्प्रूविंग हाउसिंग फॉर अर्बन पुअरःलर्निंग्स फ्रॉम बीएलसी इम्प्लीमेंटेशन इन ओडिशा", 22 नवंबर 2020, अपर्णा दास (जीआईजेड इंडिया), अनिंदिता मुखर्जी, बैसाखी सरकार धर, डॉ सुदेष्णा चटर्जी, आरुषि गुप्ता , आस्था जैन।
33. "इम्प्रूविंग हाउसिंग फॉर अर्बन पुअर : लर्निंग्स फ्रॉम बीएलसी इम्प्लीमेंटेशन इन केरला", जीआइजेंड इंडिया, 20 नवंबर 2020, अपर्णा दास, अनिंदिता मुखर्जी, बैसाखी सरकार धर, डॉ. सुदेष्णा चटर्जी, आरुषि गुप्ता, आस्था जैन।
34. "टुवर्ड्स अ स्वस्थ एंड स्वच्छ रूरल धेनकनालः इंस्टीटूशनलाईजिंग फीकल स्लज मैनेजमेंट फॉर अचीविंग ओडीएफ प्लस", सेंटर फॉर पॉलिसी रिसर्च, 15 नवंबर 2020, नेहा अग्रवाल, अनिंदिता मुखर्जी, अंजू द्विवेदी।
35. "आइईसी/बीसीसी स्ट्रेटेजी फॉर एफएसएम इन रूरल धेनकनाल", सेंटर फॉर पॉलिसी रिसर्च, 15 नवंबर 2020, बाय पूजा गुप्ता, अंजू द्विवेदी।
36. "स्टैण्डर्ड ऑपरेटिंग प्रोसीजर (एसओपी) फॉर स्लम अपग्रेडेशन एंड डीलिस्टिंग इन ओडिशा", सेंटर फॉर पॉलिसी रिसर्च, 28 सितम्बर 2020, स्केलिंग सिटी इंस्टीटूशन्स फॉर इंडिया (एससीआई–एफआई)।
37. "इंडिया एज द इंजन ऑफ रिकवरी फॉर साउथ एशियाः अ मल्टी–सेक्टोरल प्लान फॉर इंडिया'स कोविड–19 डिप्लोमेसी इन द रीजन", सेंटर फॉर पॉलिसी रिसर्च, 19 अगस्त 2020, श्याम सरन, गौतम मुखोपाधय, निम्मी कुरियन, संदीप भारद्वाज।
38. "प्रोजेक्ट निर्मलः इम्प्लीमेंटिंग डिसेंट्रलाईसड सोल्यूशन्स फॉर सैनीटाईजेशन इन स्माल टाउनस", सेंटर फॉर पॉलिसी रिसर्च, 10 अगस्त 2020, अंजू द्विवेदी, शिखा शुकला छाबरा, शुभगतो दासगुप्ता।
39. "कम्युनिटी इंगेजमेंट प्रोसेसेस फॉर प्लानिंग एंड इम्प्लीमेंटिंग सैनिटेशन/एफएसएसएम इन्टरवेंशन्स", सेंटर फॉर पॉलिसी रिसर्च, 10 अगस्त 2020, अंजू द्विवेदी, शिखा शुकला छाबरा, शुभगतो दासगुप्ता।
40. "क्रिएटिंग डिमांड, एनश्योरिंग यूसेज एंड ऐडीकुएट मेंटेनेंस ऑफ अर्बन सैनिटेशन इंफ्रास्ट्रक्चर थ्रू कम्युनिकेशन इनपुट्स", सेंटर फॉर पॉलिसी रिसर्च, 10 अगस्त 2020, बाय अंजू द्विवेदी, शिखा शुकला छाबरा, शुभगतो दासगुप्ता।

41. "फीक़ल स्लज ट्रीटमेंट फैसिलिटीज – लैंड एंड एनवायर्नमेंटल क्लेअरन्सेस रिसर्च", सेंटर फॉर पॉलिसी रिसर्च, 10 अगस्त 2020, अंजू द्विवेदी, शिखा शुकला छाबरा।

42. "द ड्राफ्ट ईआइए नोटिफिकेशन, 2020 : रीड्यूसड रेगुलेशंस एंड इंक्रीसड एक्सेम्प्शंस पार्ट I – II", 31 जुलाई 2020, देबायन गुप्ता, सम्पदा नायक, कुश तनवानी, विद्या विश्वनाथन।

43. "क्रैम्ड इन ओर शट आउट? इम्प्लिकेशन्स ऑफ दिल्ली'स होमलेस शेल्टर सिस्टमश्स फ्लोर स्पेस कंस्ट्रेंट्स –विद अटेंशन टू द पोटेंशियल पब्लिक हेल्थ रिस्क्स ऑफ ओवरक्राउडेड शेल्टर्स ड्यूरिंग कोविड–19", सेंटर फॉर पॉलिसी रिसर्च, 27 जुलाई 2020, आश्विन पारुलकर।

44. "पॉवरिंग थ्रू द पैनडेमिक", सेंटर फॉर पॉलिसी रिसर्च, 23 जुलाई 2020, अश्विनी के. स्वैन।

45. "फाइनेंसिंग न्यूट्रिशन इन इंडिया : कोस्ट इम्प्लिकेशन्स ऑफ द न्यूट्रिशन पॉलिसी लैंडस्केप 2019–20", सेंटर फॉर पॉलिसी रिसर्च, 14 जुलाई 2020, अवनि कपूर, ऋत्विक शुकला, मनन ठक्कर, पूर्णिमा मेनन।

46. "परसुइन्ग अ क्लीन एयर एजेंडा इन इंडिया ड्यूरिंग द कोविड क्राइसिस", सेंटर फॉर पॉलिसी रिसर्च, 6 जुलाई 2020, संतोष हरीश, शिबानी घोष।

47. "रीयूस एंड रीसाइकिलिंग ऑफ फीक़ल स्लज– डिराइब्ड बायोसॉलिड्स इन एग्रीकल्चर", सेंटर फॉर पॉलिसी रिसर्च, 28 मई 2020, नेहा अग्रवाल, अंबरीश करुणानिती, अंजू द्विवेदी।

48. "इनविजिबल सैनिटेशन वर्कर्स / कोविड 19 लॉकडाउनः वॉइसेस फ्रॉम 10 सिटीज", सेंटर फॉर पॉलिसी रिसर्च, 24 अप्रैल 2020, शुभागतो दासगुप्ता, तृप्ति सिंह, अंजू द्विवेदी।

पुस्तकालय

सीपीआर पुस्तकालय में कुछ पुरानी पुस्तकों की छंटाई के बाद कुल 10961 पुस्तकों का संग्रह है। पुस्तकालय ने 41 पत्रिकाओं की सदस्यता ली और 60 पत्रिकाओं को निःशुल्क प्राप्त किया। ये सीपीआर में विद्वानों के लिए चिंता के प्रमुख नीतिगत क्षेत्रों को कवर करते हैं। इनके अतिरिक्त 18 दैनिक समाचार पत्र पुस्तकालय में प्राप्त हो रहे हैं। [13 समाचार पत्र हार्डकॉपी के रूप में प्राप्त हुए और शेष 5 समाचार पत्र केवल डिजिटल संस्करण के रूप में प्राप्त हुए] केंद्र के पुस्तकालय में 153 पुस्तकें जोड़ी गईं। अधिग्रहण मुख्य रूप से नीति विज्ञान, आर्थिक नीति, शहरीकरण, राजनीति विज्ञान, भविष्य विज्ञान, सामाजिक संकेतक, विदेश नीति, रक्षा और केंद्र के अनुसंधान कार्यक्रमों के लिए प्रासंगिकता के अन्य क्षेत्रों जैसे विषयों की पुस्तकों से संबंधित है।

सीपीआर पुस्तकालय दिल्ली में विभिन्न शैक्षणिक और अन्य शोध संस्थानों के 25 पुस्तकालयों की सेवाओं पर निर्भर करता है जो पारस्परिकता के सिद्धांत पर केंद्र के उपयोग के लिए अपनी पुस्तकों और पत्रिकाओं को उधार देने के लिए पर्याप्त उदार रहे हैं। पुस्तकालय विकासशील पुस्तकालय नेटवर्क (डेलनेट), नई दिल्ली का सदस्य बना रहा।

नीति अनुसंधान केंद्र, नई दिल्ली
सेंटर फॉर पॉलिसि रिसर्च (सीपीआर), नई दिल्ली

वित्त निधि (अन–ऑडिटेड) 2020–21

(₹ लाख में)

आय	राशि	व्यय	राशि
भा.सा.वि.अ.प. अनुदान		वेतन	
गैर–योजना (ओ एच–36)	67.00	गैर–योजना	312.23
योजना (ओ एच–31)	10.00	योजना	
राज्य सरकार अनुदान		स्थापना/प्रशासनिक व्यय	
गैर–योजना		गैर–योजना	
योजना		योजना	113.85
स्वयं के स्रोतों से आय (परियोजनाएं, फैलोशिप, परामर्श आदि)	269.07	परियोजनाएं फैलोशिप कार्यशालाएं/प्रशिक्षण कार्यक्रम अन्य विविध खर्च	1.97
कोई अन्य स्रोत	106.36	विविध खर्च	0.27
		आधिक्य	24.11
कुल	**452.43**	**कुल**	**452.43**

ग्रामीण एवं औद्योगिक विकास अनुसंधान केंद्र, चंडीगढ़
सेंटर फॉर रिसर्च इन रूरल एंड इंडस्ट्रियल डेवलेपमेंट (सीआरआरआईडी), चंडीगढ़

अनुसंधान परियोजनाएं (पूर्ण)

1. अग्रवाल राजेश कुमार, ″प्रीवेलेन्स ऑफ हाइपरटेंशन एंड डायबिटीज अमंग द मिडल–एज्ड इन पंजाबः अ स्टडी बेस्ड ऑन सोशिओ–इकनॉमिक बैकग्राउंड″, मिनिस्ट्री ऑफ हेल्थ एंड फैमिली वेलफेयर, नई दिल्ली।
2. अग्रवाल राजेश कुमार, ″प्रीवेलेन्स ऑफ हिस्टरेक्टॉमी इन पंजाबः एन एम्पिरिकल एनालिसिस ऑफ रीसेंट लेवल्स एंड पैटनर्स″, मिनिस्ट्री ऑफ हेल्थ एंड फैमिली वेलफेयर, नई दिल्ली।
3. बंसल सुनील, ″एन्डलाइन सर्वे ऑफ नॉलेज, एटीटयूट एंड प्रैक्टिसेज (केएपी) ऑफ सिटीजन्स इन यूनियन टेरिटॉरी ऑफ चंडीगढ़″, चीफ इलेक्टोरल ऑफिसर, चंडीगढ़।
4. दुग्गल बिंदु ″इश्यूज एंड प्रोब्लम्स ऑफ एल्डर्लीः अ स्टडी ऑफ चंडीगढ़″, आइ सी एस एस आर, नई दिल्ली।
5. गौर नीतू, ″सर्वाइवल ऑफ सरवाईविंगः अ स्टडी ऑन विडोस ऑफ फार्मर्स सुसाइड विक्टिम्स इन पंजाब″, आइ सी एस एस आर, नई दिल्ली।
6. घुमन रंजीत सिंह, ″इकनॉमिक इम्प्लीकेशन ऑफ ट्रेड कर्बस बिटवीन इंडिया एंड पाकिस्तान थ्रू वाह्गा (Wahga) बॉर्डर″, सी आर आर आई डी, चंडीगढ़।
7. कुमार विकाश, ″आईडेंटीफायिंग द मोस्ट रेम्युनरेटिव क्रॉप–कॉम्बिनेशंस रीजनस इन हरियाणाः अ स्पेशीयल–टेम्पोरल एनालिसिस″, नेशनल बैंक फॉर एग्रीकल्चर एंड रूरल डेवलपमेंट (NABARD), मुंबई।
8. नंदा अश्विनी कुमार, ″कॉन्करेंट इवैल्यूएशन ऑफ होम बेस्ड न्यू–बोर्न केयर (एचबीएनसी) एंड होम बेस्ड यंग केयर (एचबीवाईसी) स्कीम्स इन पंजाब : एन असेसमेंट ऑफ फंक्शनिंग एंड एफिशिएंसी″, मिनिस्ट्री ऑफ हेल्थ एंड फैमिली वेलफेयर, नई दिल्ली।

9. नंदा अश्विनी कुमार, "हेल्थ एंड वैलनेस सेंटर्स इन हरयाणाः एन असेसमेंट ऑफ फंक्शनिंग एंड एफिशिएंसी", मिनिस्ट्री ऑफ हेल्थ एंड फैमिली वेलफेयर, नई दिल्ली।

10. समरा जे. एस., "यूज ऑफ रीन्यूएबल एनर्जी फॉर एग्रीकल्चर एक्टिविटीज इन पंजाब", नेशनल बैंक फॉर एग्रीकल्चर एंड रूरल डेवलपमेंट, मुंबई।

11. संधीर पूनम, "स्टेटस ऑफ वूमेन इनफर्टिलिटी इन रिप्रोडक्टिव हेल्थ प्रोग्राम ऑफ इंडिया", मिनिस्ट्री ऑफ हेल्थ एंड फैमिली वेलफेयर, नई दिल्ली।

12. शर्मा पवन, "पापुलेशन प्रोजेक्शन्स फॉर मिलियन प्लस सिटीज ऑफ इंडियाः 2050", मिनिस्ट्री ऑफ हेल्थ एंड फैमिली वेलफेयर, नई दिल्ली।

13. सिंह जतिंदर, "कंस्ट्रेंट्स एंड प्रॉस्पेक्ट्स ऑफ इंडस्ट्रियल डेवलपमेंटः अ स्टडी ऑफ टू इंडस्ट्रियल डिस्ट्रिक्स ऑफ पंजाब", प्लैनिंग डिपार्टमेंट, पंजाब सरकार।

14. सिंह जतिंदर, "व्हॉट एल्स इंडस्ट्रियल डेवलपमेंटः अ स्टडी ऑफ मेजर इंडस्ट्रियल क्लस्टर्स इन पंजाब", आइ सी एस एस आर, नई दिल्ली।

15. सिंह कुलवंत, "डॉक्यूमेंटेशन ऑफ गुड प्रैक्टिसेज इन सक्षम योजना इन हरियाणा", यूनाइटेड नेशंस डेवलपमेंट प्रोग्राम (यूएनडीपी), नई दिल्ली।

16. सिंह कुलवंत, "लॉस ऑफ प्रोडूसर्स ऑफ पेरिशेबल एग्रीकल्चरल प्रोड्यूस", सी आर आर आई डी (CRRID, चंडीगढ़।

17. सिंह कुलवंत, "स्टेट एग्रीकल्चरल इंफ्रास्ट्रक्चर डेवलपमेंट प्रोग्राम (एसएआइडीपी) अंडर राष्ट्रीय कृषि विकास योजना (आरकेवीवाई–रफ्तार) फॉर हरियाणा", मिनिस्ट्री ऑफ एग्रीकल्चर–फार्मर्स वेलफेयर, हरयाणा।

18. सिंह सुखविंदर, "एनएलएम (NLM) मॉनिटरिंग ऑफ रूरल डेवलपमेंट स्कीम्स एंड प्रोग्राम ड्योरिंग 2020–21 इन, द नार्थ डिस्ट्रिक्ट, एंड ईस्ट डिस्ट्रिक्ट सिक्किम स्टेट, मिनिस्ट्री ऑफ रूरल डेवलपमेंट, नई दिल्ली।

19. सिंह सुखविंदर, "टाइम एंड मोशन स्टडीज अंडर महात्मा गाँधी एनआरईजीएस (2020–21) फॉर हरियाणा स्टेट", रूरल डेवलपमेंट डिपार्टमेंट, हरियाणा।

20. सिंह सुखविंदर, "स्टडी ऑफ अस्सेस्सिंग एंड एन्हांसिंग द इम्पैक्ट ऑफ लाइवस्टॉक इंटरवेंशन ऑन जेंडर एंड इक्विटी स्टेट", प्लैनिंग डिपार्टमेंट, पंजाब सरकार।

21. टेओतिया मनोज कुमार, "म्युनिसिपल सॉलिड वेस्ट मैनेजमेंट प्रॉब्लम्स इन द स्टेट ऑफ पंजाब", प्लैनिंग डिपार्टमेंट, पंजाब सरकार।

22. वर्मा सतीश, "रूरल क्रेडिट एंड फाईनैनशीयल पेनेट्रेशन इन हरियाणा", रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया, मुंबई।

अनुसंधान परियोजनाएं (जारी)

1. दुग्गल बिंदु, "सोशिओ–इकनॉमिक कोंसिक्यएंनसेज ऑफ इंक्रीसिंग डीसीज बर्डन विद द प्राईवटाईजेशन ऑफ हेल्थ केयर विद अ जेंडर पर्सपेक्टिव", प्लैनिंग डिपार्टमेंट, पंजाब सरकार।
2. कौर गुरिंदर, "सोशिओ–कल्चरल डायनामिक ऑफ चाइल्ड इम्यूनाइजेशनः पर्सपेक्टिव्स फ्रॉम मुस्लिम्स ऑफ पंजाब", आइ सी एस एस आर, नई दिल्ली।
3. कौर गुरिंदर, "ट्रेड्ज इन मेटरनल मोर्टेलिटी इन पंजाब, 2015–2020", प्लैनिंग डिपार्टमेंट, पंजाब सरकार।
4. समरा जे. एस., "कपेसिटी बिल्डिंग एंड अवेयरनेस जेनेरेशन ओर कॉमबेटिंग एनवायर्नमेंटल पॉलयूशन बाय बायोमास बर्निंग एंड इम्प्रूविंग लाइवलीहुड्ज बाय प्रमोटिंग सर्कुलेटरी रूरल इकॉनमी", स्पॉन्सर्ड बाय महिंद्रा – महिंद्रा, मुंबई।
5. साम्रा जे. ऐस., "सर्वे ऑन क्रॉप रेसिड्यू मैनेजमेंट लैंडस्केप स्टडी ऑन राइस–व्हीट सिस्टम इन पंजाब एंड हरियाणा", एफएओ, रोम।
6. सिंह जतिंदर, "जेंडर रेस्पॉन्सिव बजट इन एजुकेशनः अ स्टडी ऑफ पंजाब", प्लानिंग डिपार्टमेंट, पंजाब सरकार।
7. सिंह जतिंदर, "इंटीग्रेटेड चाइल्ड डेवलपमेंट सर्विसेज स्कीम (आईसीडीएस): करंट स्टेटस एंड पाथ अनकवर्ड", प्लानिंग डिपार्टमेंट, पंजाब सरकार।
8. सिंह सुखविंदर, "ट्रेनिंग ऑफ इलेक्टेड रिप्रेजेन्टेटिव एंड फंक्शनेरीज ऑफ जिला परिषद् एंड पंचायत समिति इन पंजाब", एस आइ आर डी, पंजाब।
9. टेओटीया मनोज कुमार, "म्युनिसिपल डिजिटाईजेशन एंड ई–गवर्नेंस ईनीशिएटीवज इन पंजाब अंडर एएमआरयूटीः एन ईवैलयूऐटिव स्टडी ऑफ सिलेक्टेड टाऊँस", प्लानिंग डिपार्टमेंट, पंजाब सरकार।

सम्मेलन / सेमिनार / व्याख्यान

संस्थान ने वर्ष के दौरान दो पैनल चर्चा और एक अंतर्राष्ट्रीय वेबिनार, 42 ऑनलाइन प्रशिक्षण कार्यक्रम और छह ऑफलाइन प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किए।

अनुसंधान संबद्धता और पीएच.डी. / एम.फिल.

सीआरआरआईडी, पंजाब विश्वविद्यालय, चंडीगढ़ से अर्थशास्त्र एवम् समाजशास्त्र में पीएच.डी. कार्यक्रम के लिए मान्यताप्राप्त अनुसंधान केंद्र के रूप में संबंद्धित है। अब तक अर्थशास्त्र में कुल 35 और समाजशास्त्र में 4 छात्रों का नामांकन हो चुका है।

प्रकाशन

पुस्तकें

1. "फिलॉसॉफी ऑफ गुरु नानकः सर्चिंग पीस, हॉर्मोनी एंड हैप्पीनेस", एडिटेड बाय सूचा सिंह गिल। चंडीगढ़ः सीआरआरआईडी, 2021।
2. "टुवर्ड्स पीस, हॉर्मोनी एंड हैप्पीनेसः ट्रांजिशन टू ट्रांसफॉर्मेशन", एडिटेड बाय रंजीत सिंह घुमण, चंडीगढ़, सी आर आर आई डी, 2021।

शोध पत्र और पत्रिकाओं में लेख / पुस्तकों में अध्याय

संकाय ने वर्ष 2020–21 के दौरान विभिन्न पत्रिकाओं में 16 शोध पत्र / लेख और प्रकाशित पुस्तकों में तीन अध्याय प्रकाशित किए।

शोध रिपोर्ट / मोनोग्राफ / वर्किंग पेपर्स

1. "रिपोर्ट ऑन फार्मर प्रडयूसर ऑर्गेनाइजेसन्स एंड एग्री–मार्किटींगः एस्कपिरियंसिस इन सेलेक्टेड स्टेट्स, रेलेवेंस एंड देयर पर्फोरमेंस इन पंजाब", वर्मा सतीश, नाबार्ड, प्रधान कार्यालय, मुंबई अप्रैल 2020।

पुस्तकालय

मार्च 2021 तक पुस्तकालय में 29,000 पुस्तकें हैं। 2020–21 के दौरान संग्रह में 45 पुस्तकों तथा रिपोर्टों को जोड़ा गया। पुस्तकालय अपने उपयोगकर्ताओं को संदर्भ सेवा, सीआरआरआईडी पुस्तकालय में नए परिवर्धन की सूची, अंतर–पुस्तकालय ऋण–सेवा, वाई–फाई सेवा, सीडी–रोम सुविधाएं और रिप्रोग्राफिक सुविधाएं प्रदान करता है। पुस्तकालय में उपलब्ध सॉफ्टवेयर सेवाएं एलएसईज हैं, जो फैकल्टी के डेटा विश्लेषण के लिए लिबसिस और एसपीएसएस सॉफ्टवेयर की एक शाखा है। पुस्तकालय में 2100 पत्रिकाओं के पिछले खंड हैं। पुस्तकालय को भारतीय और विदेशी दोनों तरह की 80 पत्रिकाएँ प्राप्त होती हैं। इसके अलावा, यह 15 जर्नल एक्सचेंज पर और 15 पूरक आधार पर प्राप्त करता है। आईसीएसएसआर ने फैकल्टी के उपयोग के लिए निम्नलिखित ऑनलाइन डेटाबेस जैसे जेएसटीओआर, इंडियास्टेट डेटाबेस, पूर्ण पाठ के साथ एकॉनलाइट (ई बी एस सी ओ) तक पहुंच प्रदान की है।

ग्रामीण एवं औद्योगिक विकास अनुसंधान केंद्र, चंडीगढ़
सेंटर फॉर रिसर्च इन रूरल एंड इंडस्ट्रियल डेवलेपमेंट (सीआरआरआईडी), चंडीगढ़

वित्त निधि (अन–ऑडिटेड) 2020–21

(₹ लाख में)

आय	राशि	व्यय	राशि
भा.सा.वि.अ.प. अनुदान		वेतन	
गैर–योजना (ओएच–36)	94.00	गैर–योजना	434.81
योजना (ओएच–31)	–	योजना	
राज्य सरकार (पंजाब सरकार)		स्थापना / प्रशासनिक व्यय	7.10
वित्त वर्ष 2019–20 के लिए अनुदान वित्त वर्ष 2020–21 में प्राप्त वेतन अनुदान (ओएच–36)	78.50	योजना	19.30
ओएच-31 (F.Y. 2019–20) वित्त वर्ष 2020–21 में प्राप्त हुआ	50.00	परियोजनाएं फैलोशिप कार्यशालाएं / प्रशिक्षण कार्यक्रम अन्य विविध खर्च	6.27 – – 0.43
ओएच-36 वित्तीय वर्ष 2020–21 के लिए वेतन अनुदान	76.42	विविध खर्च	15.57
स्वयं के स्रोतों से आय (परियोजनाएं, फैलोशिप, परामर्श सेवाएं आदि)	23.50	आकस्मिक व्यय	0.72
कोई अन्य स्रोत (कॉर्पस फंड से ब्याज)	30.88		
प्राप्य अनुदान की प्रत्याशा में स्वयं के स्रोत ओवरड्राफ्ट (ओडी) से मिलते हैं	130.90		
कुल	**484.20**	**कुल**	**484.20**

सामाजिक अध्ययन केन्द्र (सीएसएस), सूरत
सेंटर फॉर सोशल स्टडीज़ (सीएसएस), सूरत

अनुसधान परियोजनाएं (पूर्ण)

1. साहू, गगन बिहारी, "नॉलेज गैप इन एक्जिसटिंग रिसर्च इन इंडियाज़ वूमेन बीड़ी रोलर्स एंड अल्टरनेटिव लाइव्लीहुड ऑप्शन्स", ए.एफ. डेवलेपमेंट केयर, नई दिल्ली।
2. जोशी, सत्यकाम, "ट्राइब्स इन गुजरातः इंटेरोगेटिंग सोशल चेंज एंड डेवलेपमेंट", भारतीय सामाजिक विज्ञान अनुसंधान परिषद (भासाविअप), नई दिल्ली।

अनुसंधान परियोजनाएं (जारी)

1. साहू, गगन बिहारी, "एन एक्सप्लोरेशन इनटू न्यूट्रीशनल स्टेट्स ऑफ ट्राइबल कम्युनिटीज़ इन गुजरात", भासाविअप, नई दिल्ली।
2. साहू, गगन बिहारी, "अ स्टडी ऑफ फूड सिक्योरिटी ऑफ द ट्राइबल्स इन गुजरात", भासाविअप, नई दिल्ली।

संगोष्ठियां / सम्मेलन / व्याख्यान

संस्थान द्वारा वर्ष 2020–21 के दौरान दो व्याख्यानों का आयोजन किया गया।

अनुसंधान संबंद्धता एवं डॉक्टरेट / एम.फिल

इस वर्ष के दौरान, तीन अध्येता संस्थान के ऐसे प्राध्यापकों की देखरेख में अपना डॉक्टरेट अनुसंधान कार्य जारी रखे हुए हैं, जिन्हें विभिन्न विश्वविद्यालयों के अनुसंधान पर्यवेक्षकों के रुप में मान्यता प्राप्त है। संस्थान में एक अनुसंधान शोधार्थी भासाविअप से अपनी उत्तर–डॉक्टरल अध्येतावृत्ति के कार्य में सलंग्न है।

प्रकाशन

पुस्तकें

1. झा, सदन, पाठक देव नाथ, दास अमीय कुमार, सं. 2021, "नेबरहुडस इन अर्बन इंडियाः इन बिटवीन होम एंड द सिटी"। नई दिल्ली एवं लंदनः ब्लूम्सबरी।
2. जोशी, सत्यकाम, 2021, "ट्राइब्स इन गुजरातः इंटेरोगेटिंग सोशल चेंज एंड डेवलेपमेंट", सूरतः सीएसएस।

जर्नल्स में प्रकाशित अनुसंधान लेख/पुस्तकों में अध्याय

वर्ष 2020–21 के दौरान विभाग द्वारा विभिन्न पत्रिकाओं में छः अनुसंधान आलेख एवं लेख तथा प्रकाशित पुस्तकों में दो अध्याय प्रकाशित किये गए।

अनुसंधान रिपोर्टें/वर्किंग पेपर्स

1. जोशी, सत्यकाम, 2020, "ट्राइब्स इन गुजरातः डेवलेपमेंट, "चेंज एंड मार्जिनलाईजेशन" सीएसएस कार्यकारी आलेख सीरिज, सूरतः सामाजिक अध्ययन केन्द्र (CSS)।
2. देसाई, किरण, 2020, "सर्चिंग फॉर स्पेस इन ग्लोबलाईजेशन रिजीमः फ्रिंज सेक्टर लाइव्लीहुड अर्नर्स इन अर्बन इकोनॉमी – द केस ऑफ सूरत सिटी ऑफ गुजरातः पार्ट–1–सम थियोरिटीकल इश्यूज़ एंड प्रोफाईल ऑफ एफएसईज़ (FSEs)", सीएसएस कार्यकारी आलेख सीरीज़, सूरतः सामाजिक अध्ययन केन्द्र (CSS)।
3. साहू, गगन बिहारी एवं सतपथी साची, 2021, "मोरोस स्लाईट ऑफ लाइव्लीहुडः अ स्टडी ऑफ वूमेन बीड़ी रोलर्स ऑफ इंडिया", सीएसएस कार्यकारी आलेख सीरीज़, सूरतः सामाजिक अध्ययन केन्द्र (CSS)।
4. झा, सदन एवं चौधरी, दिनेश, 2021, "एजुकेशन एंड एसपाईरेशन्सः अ स्टडी ऑफ सेलेक्टेड आदिवासी कम्युनिटीज़ ऑफ साउथ गुजरात", सीएसएस कार्यकारी आलेख सीरीज़, सूरतः सामाजिक अध्ययन केन्द्र (CSS)।

पुस्तक समीक्षा

1. झा, सदन, 2020, द्वारा अंजली गेरा रॉय की पुस्तक "मेमोरीज़ एंड पोस्ट मेमोरीज ऑफ द पार्टीशन ऑफ इंडिया", लंदनः राउटलेज, 2020, की समीक्षा की गई। ये समीक्षा एएसआईएटीआईसीः एन इंटरनेशनल जर्नल ऑफ एशियन लिटरेचर्स, कल्चर्स एंड इंग्लिशेज, 14(1), जून 2020–312–316, में प्रकाशित हुई।

पुस्तकालय

सीएसएस के पुस्तकालय द्वारा संदर्भ–ग्रंथसूची सहायता, फोटोकॉपी, वर्तमान जागरुकता एवं संदर्भ सेवाएं प्रदान की जाती हैं। पुस्तकालय द्वारा सोल, जे–स्टोर जैसे सॉफ्टवेयर एवं डिजीटल सेवाओं का उपयोग किया जाता है। पुस्तकालय में कुल 34,303 पुस्तकें एवं पत्र–पत्रिकाओं के पुराने संस्करण हैं। वर्ष 2020–21 के दौरान पुस्तकालय ने 202 पुस्तकों एवं जिल्द संस्करणों का संग्रहण किया। पुस्तकालय द्वारा तीन भाषाओं की 78 राष्ट्रीय पत्रिकाओं (52 अंग्रेजी, 22 गुजराती, एवं 2 हिंदी व मराठी) की सदस्यता ली गई है। इसके अतिरिक्त सीएसएस आदान–प्रदान के तौर पर 10 एवं अनुदान स्तर पर 8 पत्रिकाएं प्राप्त करता है।

सामाजिक अध्ययन केन्द्र (सीएसएस), सूरत
सेंटर फॉर सोशल स्टडीज़ (सीएसएस), सूरत

वित्त–निधि (अन–ऑडिटेड) 2020–21

(₹ लाख में)

आय	**राशि**	**व्यय**	**राशि**
भा.सा.वि.अ.प. अनुदान		वेतन	
गैर–योजना (ओएच–36)	78.00	गैर–योजना	185.20
योजना (ओएच–31)	50.00	योजना	13.61
राज्य सरकार अनुदान	–	प्रतिष्ठान / प्रशासनिक व्यय	
अनियोजित (ओएच–36)	22.00	गैर–योजना	–
नियोजित (ओएच–31)	0.00	योजना	40.77
स्वयं के स्त्रोतों से आय (परियोजनाएं, अध्येतावृत्तियां, परामर्श सेवाएं आदि)	–	परियोजनाएं	5.33
अन्य स्त्रोत		अध्येतावृत्तियां	2.15
अनियोजित	6.52	कार्यशालाएं / प्रशिक्षण कार्यक्रम	12.38
नियोजित	0.12	अन्य मिश्रित आय	–
परियोजनाएं	4.82	मिश्रित व्यय	–
अध्येतावृत्तियां	1.98		
कार्यशालाएं / प्रशिक्षण कार्यक्रम	6.00		
अन्य मिश्रित आय	–		
घाटा	90.00		
कुल	**259.44**	**कुल**	**259.44**

सामाजिक विज्ञान अध्ययन केन्द्र, कोलकाता
सेंटर फॉर स्टडीज़ इन सोशल साइंसिस (सीएसएसएस), कोलकाता

अनुसंधान परियोजनाएं (जारी)

1. चौधरी, रोसिंका, "डिकोलोनाईजेशन द डिसीप्लीन्स एंड द यूनिवर्सिटी", एंड्रयू डब्ल्यू, मेलॉन फाउंडेशन, पांच–वर्षीय अनुदान जिसमें विश्व के पांच संस्थान शामिल हैं और ये 2019 में शुरु हुआ।
2. देशपांडे, प्राची, "कैटेलॉग एंड शोकेस एज़ अ परमानेंट म्यूज़ियम एक्जीबिट ऑफ हितेश रंजन सान्याल्स फोटोग्राफ्स एंड रिसर्च मटैरियल्स ऑन द बेंगॉल टेम्पल आर्किटेक्चर, एट द जादूनाथ भवन म्यूज़ियम एंड रिसोर्स सेंटर", भासाविअप–ईआरसी।
3. भट्टाचार्य, अभीजीत एवं घोष, राजर्षि, "अर्ली मॉर्डन टेक्सट्स एंड मॉर्डन लेगेसीज़: डिजीटाईजेशन ऑफ मैन्यूस्क्रिप्ट्स, बुक्स एंड न्यूजपेपर्स इन सदर्न वैस्ट बेंगॉल", ब्रिटिश पुस्तकालय का लुप्तप्राय पुरालेख कार्यक्रम।
4. भट्टाचार्य, अभीजीत एवं घोष, राजर्षि, "प्री–मार्डन विजन्स एंड मॉर्डन फ्रेम्सः डिजीटाईजेशन एंड कंजरवेशन ऑफ मैन्यूस्क्रिप्ट्स एंड बुक्स इन बर्धमान एंड नदिया डिस्ट्रीक्ट्स", ब्रिटिश पुस्तकालय का लुप्तप्राय पुरालेख कार्यक्रम।

संगोष्ठियां / सम्मेलन / व्याख्यान

वर्ष 2020–21 में दौरान संस्थान द्वारा नौ सम्मेलनों, तीन संगोष्ठियों एवं एक व्याख्यान का आयोजन किया गया।

अनुसंधान संबंद्धता एवं डॉक्टरेट/एम.फिल

वर्तमान में केन्द्र के डॉक्टरेट कार्यक्रम में 60 शोधार्थियों ने भाग लिया है जिसमें से 6 को यूजीसी की वरिष्ठ अनुसंधान अध्येतावृत्ति मिल रही है। इस वर्ष के दौरान केन्द्र के 13 शोधार्थियों द्वारा अपने संगोष्ठी प्रस्तुतिकरण की पूर्व–प्रस्तुति एवं 4 शोधार्थियों द्वारा अपना प्रबंध लेख पूर्ण कर जमा कर दिया गया हैं। एम फिल कार्यक्रम में 17 शोधार्थियों द्वारा शोध निबंध जमा कर दिये गए हैं।

प्रकाशन

पुस्तकें

1. चौधरी, रोसिंका द्वारा "जॉर्ज ओरवेल, बर्मिज़ डेज़", ऑक्सफोर्डः ऑक्सफोर्ड वर्ल्ड क्लासिक्स, 2021, का संपादन एवं प्रस्तुतिकरण किया गया।

जर्नल्स में प्रकाशित अनुसंधान आलेख/पुस्तकों में अध्याय

वर्ष 2020–21 के दौरान संस्थान के प्राध्यापकों द्वारा विभिन्न पत्रिकाओं में 10 अनुसंधान आलेख/लेख तथा प्रकाशित पुस्तकों में 4 अध्याय प्रकाशित किये गए।

अनुसंधान रिपोर्टें

1. इस्लाम, मैदुल, "मुस्लिम माइन्योरिटीज़ एंड यूपीए रीजीमः यूज़फुल इनसाइट्स एंड इनएडिक्वेट एक्सप्लेनेशन", "द स्ट्रगल फॉर इक्वैलिटीः इंडियाज़ मुस्लिम्स एंड रीथिंकिंग द यूपीए एक्सपीरियेंस", द्वारा हीवोन किम (नई दिल्लीः कैम्ब्रिज यूनिवर्सिटी प्रैस, 2019) की समीक्षा, इकोनोमिक एंड पॉलिटीकल वीकली (EPW), सं. 55, क्र.39 (26 सितंबर 2020), पेज 28–29।
2. इस्लाम, मैदुल, "इस्माइजेशन एंड इस्माइलिज्म इन मॉर्डन साउथ एशियाः कम्युनिटी एंड आईडेंटिटी इन द ऐज ऑफ रिलीजीयस इंटरनेशनल्स", द्वारा सोमेन मुखर्जी (दिल्लीः कैम्ब्रिज यूनिवर्सिटी प्रैस, 2017) की समीक्षा, साउथ एशियन हिस्ट्री एंड कल्चर, सं.11, क्र. 2 (अप्रैल 2020) पेज 235–237।

पुस्तकालय

पुस्तकालय द्वारा अध्येताओं को पठन सेवाएं एवं संस्थानिक स्त्रोतों की आईपी स्तर पर सुविधा दी जाती है। ये अनुदानित सेवाएं संस्थान के सदस्यों तक सीमित हैं। शोधार्थियों को संदर्भ सेवाएं, संदर्भ ग्रंथ सूची एवं विशिष्ट रुप से निर्मित सूचना सेवाएं, डेटाबेस अन्वेषण, निर्देशपरक सेवाएं, प्रतिलिपिकरण सेवाएं आदि दी जाती हैं। पुस्तकालय की सभी पुस्तकों का विवरण ऑनलाइन कैटेलॉग में उपलब्ध है। कार्यकारी समय में पुस्तकालय ओपेक (OPAC) उपलब्ध है। पुस्तकालय में पुस्तकों के आदान–प्रदान का प्रबंधन कोहा (KOHA) द्वारा किया जाता है जो पुस्तकालय को वास्तविक समय प्रबंधन का अवसर देता है। परंतु इसके साथ ही आदान–प्रदान की सुविधा हेतु ये विवरण पुस्तिका में भी रखा जाता है।

पुस्तकालय द्वारा शुरुआत से लेकर अभी तक के सभी पूर्व पत्रिका संस्करणों को संग्रहित करके रखा गया है और छूटे हुए संस्करणों को प्राप्त करने के लिए पुस्तकालय सदैव प्रयासरत रहता है। पुस्तकालय ई–स्त्रोंतो जैसे जेस्टोर (JSTOR), एब्सको (EBSCO) इकोनलिट, प्रौएस आईक्यू (PROWESSIQ), एवं इंडिया स्टैट के लिए पूर्ण रुप से भासाविअप–नैसडॉक समूह पर निर्भर रहता है, जिसके लिए भासाविअप नैसडॉक का आभारी है। भासाविअप/नैसडॉक (NASSDOC) रिमोटैक्सेज प्लैटफॉर्म ने महामारी के दौर में सदस्यों को सेवा देने में पुस्तकालय की बहुत सहायता की है, वित्तीय वर्ष 2020–21 के दौरान पुस्तकालय द्वारा सिर्फ 14 पत्रिकाओं के टाइटिल्स को पुनः लिया गया है।

सामाजिक विज्ञान अध्ययन केन्द्र, कोलकाता
सेंटर फॉर स्टडीज़ इन सोशल साइंसिस (सीएसएसएस), कोलकाता
वित्त निधि (अन–ऑडिटेड) 2020–21

(₹ लाख में)

आय	राशि	व्यय	राशि
भा.सा.वि.अ.प. अनुदान		वेतन	
गैर–योजना (ओएच–36)	195.97	गैर–योजना	476.75
योजना (ओएच–31)	10.00	योजना	
राज्य सरकार अनुदान		प्रतिष्ठान / प्रशासनिक व्यय	
गैर–योजना	195.97	गैर–योजना	
योजना	5.80	योजना	23.78
अन्य स्त्रोतों से आय (परियोजनाएं, अध्येतावृत्तियां, परामर्श सेवाएं आदि)	21.90	परियोजनाएं, अध्येतावृत्तियां, कार्यशालाएं / प्रशिक्षण कार्यक्रम अन्य मिश्रित व्यय	
अन्य स्त्रोत	6.23	मिश्रित व्यय	
घाटा '	64.66		
कुल	**500.53**	**कुल**	**500.53**

विकासशील समाज अध्ययन केन्द्र, नई दिल्ली सेंटर फॉर द स्टडी ऑफ डेवलेपिंग सोसाईटीज़ (सीएसडीएस), नई दिल्ली

अनुसंधान परियोजनाएं (पूर्ण)

1. पीटर आर डिसूजा, संजीर आलम एवं हिलाल अहमद, ”कंपेनियन ऑन इंडियन डेमोक्रेसीः रिलायंस, फ्रैजीलिटी एंड एंबीवैलेंस“, सीएसडीएस द्वारा प्रायोजित।
2. अभय कुमार दुबे, हिलाल अहमद एवं सत्येंद्र कुमार, ”इंग्लिश इन इंडियाः अ स्टडी ऑफ पॉवर, कल्चर एंड नॉलेज“, भासाविअप, नई दिल्ली द्वारा प्रायोजित।
3. हिलाल अहमद, ”द स्टेट ऑफ ऑफिशियल मेमोरीः पॉलिटिक्स ऑफ साइट्स एंड रिचुअल्स ऐट नेशनल वार मेमोरियल“, आईइए, नैन्ट्स फ्रांस द्वारा प्रायोजित।
4. संजय कुमार, ”इंडियन यूथः लाइव्लीहुड ऑपर्च्युनिटीज़, एसपायरेशन एंड विजन ऑफ द फ्यूचर“, कोनरैड एडेनॉर स्टिफटंग, नई दिल्ली द्वारा प्रायोजित।
5. संजय कुमार, ”स्टेट ऑफ डेमोक्रेसी इन साउथ इन एशिया राउंड III“, ताइवान विश्वविद्यालय, ताइवान द्वारा प्रायोजित।
6. संजय कुमार, ”द कोविड रुरल रिपोर्ट“, गोअन (Goan) कनेक्शन, नई दिल्ली द्वारा प्रायोजित।
7. संजय कुमार, ”बिहार असेम्बली इलेक्शन्स 2020–प्रोस्ट पोल स्टडी“, प्रभात खबर, रांची द्वारा प्रायोजित।
8. संजय कुमार, ”बिहार असेम्बली इलेक्शन्स 2020–प्रोस्ट पोल स्टडी“, इंडियन एक्सप्रेस, नई दिल्ली द्वारा प्रायोजित।
9. अनन्या वाजपेयी, ”इश्यूः माइन्योरिटीज़ एंड पॉप्यूलिज्म, अरुपः जर्नल ऑफ आर्ट्स एंड आइडियाज़“, रजा फाउंडेशन, नई दिल्ली द्वारा प्रायोजित।

अनुसंधान परियोजनाएं (जारी)

1. हिलाल अहमद, ”सियासी मुसलमान हिन्दुस्तानीः इस्लाम का राजनीतिक अफसाना“, पेंग्विन–इंडिया द्वारा प्रायोजित।
2. हिलाल अहमद, ”आजाद मुस्लिम्सः पॉलिटीकल इस्लाम इन न्यू इंडिया“, पैंग्विन–इंडिया द्वारा प्रायोजित।
3. हिलाल अहमद, आर के मिश्रा एवं जे किरणमयी, ”रीथिंकिंग मुस्लिम पर्सनल लॉः इश्यूज़, डिबेट्स एंड

रिफॉर्म्स", सार्वजनिक उद्यम संस्थान (आईपीई), हैदराबाद द्वारा प्रायोजित।

4. हिलाल अहमद, "पॉलिटीकल पार्टीसिपेशन एंड इलेक्टोरल बिहेवियर ऑफ मुस्लिम्स इन इंडिया सिंस इंडीपेंडेंसः एन ओवरव्यू", पॉलिसी पर्सपेक्टिव्ज फाउंडेशन, नई दिल्ली द्वारा प्रायोजित।
5. हिलाल अहमद, "मैपिंग मुस्लिम लीडरशिप इन इंडिया", हेनरी लूस फाउंडेशन, न्यूयॉर्क द्वारा प्रायोजित।
6. हिलाल अहमद, "सुदीप्त कविराज भारतीय राजनीति की बौद्धिक कहानी", सीएसडीएस द्वारा प्रायोजित।
7. संजीर अहमद, "पॉलिटिक्स एंड डेवलेपमेंट इन इंडियाः अ माइक्रो लेवल स्टडी ऑफ हू गेट्स व्हाट, व्हेन एंड हाउ", एनयूपीआई, ओस्लो, नॉर्वे द्वारा प्रायोजित।
8. प्रार्थमा बनर्जी, "फैब्यूलस हिस्ट्रीज़ः ईडीयम्स ऑफ सोशल एंड पॉलिटीकल क्रिटीसिज्म इन प्री–कोलोनियल इंडिया", सीएसडीएस द्वारा प्रायोजित।
9. प्रार्थमा बनर्जी, "द हिस्ट्री ऑफ रिलीजन एज़ पॉलिटीकल क्रिटिकः अंबेडकर एंड हिज कंटेम्पोररीज़", आईसीएएस – एमपी जर्मनी–भारत सहयोग, नई दिल्ली द्वारा प्रायोजित।
10. प्रभात कुमार, "रिपब्लिकन पास्ट एंड सोशलिस्ट फ्यूचर्स", आईसीएएस–एमपी जर्मनी–भारत सहयोग, नई दिल्ली द्वारा प्रायोजित।
11. संजय कुमार, "स्टेटस ऑफ पोलिसिंग इन इंडिया रिपोर्ट 2020 पोलिसिंग इन डिस्टर्ब्ड एरियाज़", कॉमन कॉज, नई दिल्ली द्वारा प्रायोजित।
12. संजय कुमार, "जॉब प्रेफरेंसेज एंड कैरियर एसपायरेशन्स ऑफ इंडियन यूथ", कोनरैड एडेनॉर स्टिफटंग, नई दिल्ली द्वारा प्रायोजित।
13. संजय कुमार, "एक्जामिनिंग पेड एंड अनपेड वर्क इन अर्बन होम्स", भारतीय मानव उपनिवेश संस्थान (IJHS), बैंगलुरु।
14. संजय कुमार, "असम, केरल, तमिलनाडु एंड वैस्ट बेंगॉल पोस्ट–पोल स्टडी 2021", सीएसडीएस द्वारा प्रायोजित।
15. आनंद के, कुमारास्वामी एवं राकेश पांडे, "फिलॉसोफिकल एसथेटिक्स एंड द क्रिटिक ऑफ मॉडर्न सिविलाईजेशन", सीएसडीएस द्वारा प्रायोजित।
16. रविकांत, "प्रिंट एज़ रेजिसटेंस, प्रोसक्रिप्शन एज़ कंट्रोल (हिंदी–उर्दू लिटरेचर बैन्ड (Banned) बाय कोलोनियल रिजीम, 1850–1947)" सीएसडीएस द्वारा प्रायोजित।
17. अवधेन्द्र शरण, "जर्म्स एंड पार्टिकल्सः अ हिस्ट्री ऑफ इंडियाज़ डोमेस्टिक एनवायरमेंट्स", सीएसडीएस द्वारा प्रायोजित।
18. रवि सुंदरम, "कैप्चर ऑलः अ सोनिक इन्वेस्टीगेशन", ऑस्ट्रेलिया परिषद द्वारा प्रायोजित।
19. अनन्या वाजपेयी, "भृतहरीः द थ्री हंडरेड्स (ट्रांसलेशन ऑफ दीज़ पोयम्स फ्रॉम संस्कृत टू इंग्लिश)" सीएसडीएस द्वारा प्रायोजित।
20. रवि वासुदेवन, रवि सुंदरम एवं श्रीरुपा रॉय (गोटिंगन यूनिवर्सिटी), "ऑबजेक्ट्स, मीडिया प्रैक्टीसेज़, एस्थेटिक्स एंड पॉलिटिक्सः मटैरियल हिस्ट्रीज़ एंड कल्चरल इमेजिनैरीज, इंडिया 1920 टू 1970", आईसीएएस–एमपी जर्मनी–भारत सहयोग, नई दिल्ली द्वारा प्रायोजित।
21. प्रियदर्शिनी विजयश्री, "जातिज़ ऑफस्प्रिंगः ट्रांस–स्ट्रक्चरल किनशिप मॉडेल एंड द ओरिजिन मिथ्स", सीएसडीएस द्वारा प्रायोजित।

सम्मेलन / संगोष्ठियां / व्याख्यान

वर्ष 2020–21 के दौरान संस्थान द्वारा चार संगोष्ठियों, दो व्याख्यानों एवं तीन कार्यशालाओं का आयोजन किया गया।

प्रकाशन

पुस्तकें

1. बनर्जी, प्रार्थमा, 2020 एवं 2021, "एलीमेंटरी एसपेक्ट्स ऑफ द पॉलिटीकलः हिस्ट्रीज फ्रॉम द गलोबल साउथ", ड्यूक यूनिवर्सिटी प्रैस एंड ओरियेंट ब्लैक स्वान (Orient Black Swain), नई दिल्ली।
2. मायाराम, शैल, 2020 (सं.), "मॉडर्निटी, इट्स पैथोलॉजीज़ एंड रीनचौंटमेंट्स", ओरियेंट ब्लैक स्वान, नई दिल्ली।
3. निगम, आदित्य, 2020, "डिकोलोनाईजिंग थ्योरीः थिंकिंग अक्रॉस ट्रैडिशन्स", ब्लूम्सबरी (Bloombury) इंडिया।
4. शरण, अवधेंद्र, 2020, "डस्ट एंड स्मोकः एयर पोल्यूशन एंड कोलोनियल अर्बनिज्म, इंडिया, सी 1860–सी 1940", ओरियेंट ब्लैक स्वान, नई दिल्ली।
5. वायपेयी अनन्या, 2020, (सं. वोल्कर कौल के साथ), "माइन्योरिटीज़ एंड पॉपुलिज्मः क्रिटीकल पर्सपेक्टिव फ्रॉम साउथ एशिया एंड योरोप", स्प्रिंगर, एन एल।

जर्नल्स में प्रकाशित अनुसंधान आलेख/पुस्तकों में अध्याय

संस्थान के प्राध्यापकों द्वारा वर्ष 2020–21 के दौरान 22 अनुसंधान आलेख / विभिन्न पत्रिकाओं में लेख प्रकाशित किए गए, साथ ही प्रकाशित पुस्तकों में 12 अध्याय भी प्रकाशित किए गए।

पुस्तकालय

पुस्तकालय को सीएसडीएस के पूर्व निदेशक स्वर्गीय सुरेश शर्मा के परिवार द्वारा सामाजिक विज्ञान एवं मानविकी की 5,000 पुस्तकें दान की गईं। स्वर्गीय श्री भगत वत्स, पत्रकार एवं विदेश नीति विशेषज्ञ के परिवार द्वारा संस्थान के पुस्तकालय को 7000 पुस्तकों का दान प्राप्त हुआ। कवियित्री एवं साहित्य अकादमी पुरस्कृत डॉ. अनामिका द्वारा पुस्तकालय को 2000 पुस्तकें दान की गईं।

विकासशील समाज अध्ययन केन्द्र, नई दिल्ली
सेंटर फॉर द स्टडी ऑफ डेवलेपिंग सोसाईटीज़ (सीएसडीएस), नई दिल्ली
वित्त निधि (अन–ऑडिटेड) 2020–21

(₹ लाख में)

आय	राशि	व्यय	राशि
भा.सा.वि.अ.प. अनुदान		वेतन	
गैर–योजना (ओएच–36)	457.09	गैर–योजना	638.25
योजना (ओएच–31)	10.00	योजना	
राज्य सरकार अनुदान	–	प्रतिष्ठान / प्रशासनिक व्यय	60.17
गैर–योजना	–	गैर–योजना	
योजना	–	योजना	
स्वयं के स्त्रोतों से आय (परियोजनाएं, अध्येतावृत्तियां, परामर्श इत्यादि)	289.74 –	परियोजनाएं/अध्येतावृत्तियां कार्यशालाएं/प्रशिक्षण कार्यक्रम अन्य मिश्रित व्यय	143.23
घाटा	84.82	मिश्रित व्यय	
कुल	**841.65**	**कुल**	**841.65**

महिला विकास अध्ययन केन्द्र, नई दिल्ली
सेंटर फॉर वुमन्स डेवलपमेंट स्टडीज़ (सीडब्ल्यूडीएस), नई दिल्ली

अनुसंधान परियोजनाएं (पूर्ण)

1. बिजोया रॉय, "मैटरनिटी केयर प्रोवीजन, मेडीकल डोमीनेंस एंड हैल्थकेयर मार्केट इन इंडिया", भासाविअप के सहयोग से।
2. बिजोया रॉय, "हैल्थकेयर प्रोवाईडर्स एंड द कोविड–19 क्राइसिसः मैपिंग स्पेसिफिक एक्सपीरियेंज़ एंड ग्राउंड रीयेलिटीज़ इन इंडिया", – रोजा लक्जमबर्ग स्टिफटंग–साउथ एशिया के सहयोग से।
3. मैरी ई जोन, "हिस्टोरिकल ओवरव्यू ऑन अर्ली एंड चाइल्ड मैरिज", यूएनएफपीए द्वारा अधीकृत।
4. नीथा एन, "लॉज (Laws) ऑफ सोशल रिप्रोडक्शन", किंग्स कॉलेज, लंदन के सहयोग से।
5. सीमा काजी, "द जेंडर ऑफ डेमोक्रेसीः अ साउथ एशियन कंपेरिजन", भासाविअप–इंप्रेस (IMPRESS)।
6. वंदना, "शैड्यूल्ड कास्ट (SC) गर्ल्स एंड एक्सेस टू हायर एजुकेशनः एक्सप्लोरिंग देयर एक्सपीरियेंसेज इन द नेचुरल साईंसेज", भासाविअप–इंप्रेस।
7. सावित्री रे, "स्टडी ऑन द इंप्लीमेंटेशन ऑफ द राजीव गाँधी नेशनल क्रेच (Creche) स्कीम फॉर द चिल्ड्रेन

ऑफ वर्किंग मदर्स एंड इंपेक्ट ऑन वूमेन इन द लेबर मार्केट इन इंडिया", आईएलओ (ILO)।

8. अंशु सिंह, "स्कूल मैनेजमेंट कमीटीजः मेकिंग ऑफ द एजुकेशन पॉलिसी इन दिल्ली", सीडब्ल्यूडीएस–भासाविअप।

9. डिंपल ट्रेसा अब्राह्म, "वूमेन नेगोशिएटिंग स्पेस एंड वर्कः अ स्टडी ऑन क्वासी–लिव–इन डोमेस्टिक वर्कर्स इन ल्यूटेन्स (Lutyens) दिल्ली", सीडब्ल्यूडीएस–भासाविअप के सहयोग से।

अनुसंधान परियोजनाएं (जारी)

1. 'एन्जेन्डरिंग चेंजः एक्सप्लोरिंग द इंटरलिंकेजेज बिटवीन मैरिज, डिसएबिलिटी, सेक्सुएलिटी एंड नॉलेज बिल्डिंग इन इंडिया फ्रॉम अ वूमेन्स स्टडीज पर्सपेक्टिव'– (फोर्ड फाउंडेशन द्वारा प्रायोजित) – 4 उप–परियोजनाएंः
   - मैरी ई जॉन, "एनालायजिंग अर्ली एंड चाइल्ड मैरीज इन इंडियाः द इंटरलॉकिंग मार्केट्स ऑफ एजुकेशन, मैरिज एंड वर्क"।
   - रेणु अधलखा, "इंटरसेक्शनल एनालिसिस ऑन डिसएबिलिटी एंड सैक्सुएलिटी"।
   - संघमित्रा जाना चटर्जी, "नॉलेज गेटवे ऑन वूमेन्स स्डडीज़ इन साउथ एशिया एंड क्रिएटिंग अ डिजीटल आर्काइव ऑफ ग्रे लिटरेचर ऑन वूमेन्स स्टडीज़"।
   - इंद्राणी मजूमदार एंड इंदु अग्निहोत्री, "बिल्डिंग कैपेसिटीज़ ऑफ वूमेन्स स्टडीज़ सेंटर्स इन रीजनल कॉनटेक्सट्स"।

2. इंदु अग्निहोत्री, "फ्रॉम मेमोरी टू हिस्ट्री", सीडब्ल्यूडीएस–भासाविअप द्वारा प्रायोजित।

3. रेणु अधलखा, "मेंटोरिंग प्रोग्राम ऑन 'राइट्स एंड एवीडेंस बेस्ड नॉलेज क्रियेशन' इन सेक्सचुअल एंड रीप्रोडक्टिव हैल्थ मैटर्स", साउथ एशिया हब।

4. वंदना, "मदर्स नेगोशिएटिंग फॉर डॉटर्स (हायर) एजुकेशनः स्टडिंग द इंटरसेक्शन ऑफ कास्ट, क्लास एंड जेंडर इन द बालमीकी कम्युनिटी", सीडब्ल्यूडीएस–भासाविअप के सहयोग से।

5. गायत्री पांडा, "एजुकेशन इज द रेसीपी फॉर ऑल एलमेंट्सः लुकिंग इनटू द एवरीडे एजुकेशनल प्रैक्टीसेज़ एट होम एंड स्कूल", सीडब्ल्यूडीएस–भासाविअप के सहयोग से।

6. नयनतारा सिंह, "जीआरसी क्लोजर एंड इफेक्ट्स ऑन वूमेनः एन एक्सप्लोरेटरी स्टडी इन दिल्ली", सीडब्ल्यूडीएस–भासाविअप के सहयोग से।

सम्मेलन / संगोष्ठियां / व्याख्यान

वर्ष 2020–21 के दौरान संस्थान द्वारा एक संगोष्ठी, 11 व्याख्यान एवं दो कार्यशालाओं का आयोजन किया गया।

अनुसंधान संबंद्धता एवं डॉक्टरेट / एम.फिल

इस वर्ष के दौरान एक डॉक्टरेट एवं नौ एम.फिल शोधार्थियों ने महिला एवं लिंग (Gender) अध्ययन में एयूडी–सीडब्ल्यूडीएस के एम.फिल / डॉक्टरेट कार्यक्रम के अंतर्गत अपनी डिग्री पूर्ण की।

प्रकाशन

पुस्तकें

1. मैरी ई जॉन, "वूमेन इन द वर्ल्ड्स ऑफ लेबरः इंटरडिसीप्लीनरी एंड इंटरसेक्शनल पर्सपेक्टिव्ज" (नई दिल्लीः ओरिएंट ब्लैकस्वान, 2021) मीना गोपाल के साथ सह–संपादन।

2. मैरी ई जॉन, "अ क्वेश्चन ऑफ साइलेंस? द सेक्सुअल इकोनोमीज़ ऑफ मॉडर्न इंडिया', नया ई–संस्करण एवं नया टेक्सट (Text), 2021, जानकी नायर के साथ सह–संपादन।

3. '"विधवा प्रश्न और बाल विवाह", चांद पत्रिका की सामग्री के आधार पर, सीडब्ल्यूडीएस, 2020।

4. '"स्त्री शिक्षा का प्रकाशन चांद पत्रिका की सामग्री के आधार पर"', सीडब्ल्यूडीएस, 2021।

जर्नल्स में अनुसंधान आलेख / पुस्तकों में अध्याय

वर्ष 2020–21 के दौरान संस्थान के प्राध्यापकों द्वारा 13 अनुसंधान आलेख / विभिन्न पत्रिकाओं में लेख एवं प्रकाशित पुस्तकों में नौ अध्यायों का प्रकाशन किया गया।

अनुसंधान रिपोर्टें / मोनोग्राफ / वर्किंग पेपर्स

1. बिजोया रॉय, "कम्युनिटी हैल्थ वर्कर्सः जेंडर, वर्क एंड रिम्यूनरेशनः अ स्टडी ऑफ साउथ एशिया", ओकेजनल पेपर नं. 66, सीडब्ल्यूडीएस, नई दिल्ली।

2. बिजोया रॉय, "मैटरनिटी केयर प्रोवीजन, मेडीकल डोमीनेंस एंड हैल्थकेयर मार्केट इन इंडिया", सीडब्ल्यूडीएस, 2021, (मोनोग्राफ)

3. बिजोया रॉय, "हैल्थकेयर प्रोवाईडर्स एंड द कोविड–19 क्राइसिसः मैपिंग स्पेसिफिक एक्सपीरियेंसेज़ एंड ग्राउंड रीयेलिटीज़ इन इंडिया", सीडब्ल्यूडीएस (आरएलएस साउथ एशिया) (मिमेओ) (Mimeo)

पुस्तकालय

'वीना मजूमदार मेमोरियल लाइब्रेरी' (वीएमएमएल, सीडब्ल्यूडीएस पुस्तकालय) जिसका नाम स्वर्गीय प्रोफेसर वीना मजूमदार के नाम पर रखा गया है, सीडब्ल्यूडीएस का एक अभिन्न एवं प्रभावी अंग है, जिसमें 1980 से ही महिला एवं लिंग (Gender) अध्ययन से संबंधित अनुसंधान सामाग्री का एक विशाल संग्रह है। यहां उपलब्ध सुविधाओं में संदर्भ एवं निर्देशपरक सेवाएं, पठन कक्ष सेवाएं, डेटाबेस अन्वेषण सुविधा, वेब–संदर्भ ग्रंथ सूचियां, दस्तावेज प्रदान सेवाएं, अंतः पुस्तकालय ऋण सुविधा, फोटोकॉपी/प्रतिलिपि सुविधाएं आदि शामिल हैं। पुस्तकालय में उपलब्ध डिजीटाईजेशन/ सॉफ्टवेयर सुविधाएं इस प्रकार हैः आईडीआर (इंस्टीट्यूशनल डिजीटल रिपोजिटरी)। इस सहयोग को 'नेशनल मिशन ऑन एजुकेशन थ्रू आईसीटी (NMEICT)' के तहत विकसित किया गया है जो शिक्षा मंत्रालय का एक प्रयास है।

कुल 4000 + ई–दस्तावेजों को डी–स्पेस के अंतर्गत विभिन्न श्रेणियों में डिजीटाईज़्ड एवं एकीकृत किया गया है, जैसे संस्थानिक संग्रह, व्यक्तिगत संग्रह, सम्मेलन दस्तावेज संग्रह, मिश्रित संग्रह एवं काल अनुरुप लेख आदि। अभी तक कुल 1,42,500 पृष्ठ पीडीएफ इमेज एवं टेक्सट के रुप में डिजीटाईज़ किये जा चुके हैं। 'फ्रॉम मेमोरीज टू हिस्ट्री' नामक एक मौखिक इतिहास श्रृंखला की भी शुरुआत की गई है, जिसमें महिला समस्याओं के विषय से संबंधित विशेषज्ञों को उनके लंबें जुड़ाव और अनुभव को साक्षात्कार के माध्यम से साझा करने के लिए बुलाया जाता है और उसे पुस्तकालय में संग्रहीत किया गया जाता है। अभी तक लगभग 12175 क्लिपिंग्स को डिजीटाईज़ किया जा चुका है जो 1984 से अब तक के काल की हैं और इंटरनेट पर उपलब्ध हैं। साउथ एशिया में लिंग समस्याएं विषय पर एक इलेक्ट्रोनिक सूचीः वीएमएमएल द्वारा सन 2000 से बोल (बीओएल) का परिमितिकरण किया जा रहा है। वर्तमान में इसमें 40 देशों के 1150 सदस्य हैं। पुस्तकालय निम्न ऑनलाइन डेटाबेस की सुविधा देता है, जिन्हें भासाविअप द्वारा प्रायोजित किया जाता है – 1 जेएसटीओआर, 2 पत्र /पत्रिकाओं के पूर्व संस्करणों का संग्रह आदि।

पुस्तकालय में राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय मिलाकर कुल 726 पत्र/पत्रिकाएं हैं तथा पत्रिकाओं एवं दैनंदिनियों के 1145 पूर्व संस्करण हैं। पुस्तकालय द्वारा 36 भारतीय पत्रिकाओं की सदस्यता ली गई एवं पुस्तकालय को 40 पत्रिकाएं/ दैनंदिनी (भारतीय/अंतर्राष्ट्रीय) उपहार स्वरुप प्राप्त हुईं साथ ही 6 पत्रिकाएं आईजेजीएस के लिए आदान–प्रदान के स्तर पर प्राप्त हुईं। इस वर्ष के दौरान पत्रिकाओं एवं अखबारों के कुल 1,308 लेख संग्रहित किये गये। अखबारों के संपूर्ण लेख को डाउनलोड एवं डिजीटाईज़ करके ई–संग्रह में जोड़ा गया। वर्तमान में कोहा (कैटेलॉग) डेटाबेस में 1311182 रिकॉर्ड हैं जिसमें पत्रिकाओं एवं अखबारों के 38,700 संपूर्ण लेख हैं जो सिर्फ इंटरनेट पर उपलब्ध हैं।

महिला विकास अध्ययन केन्द्र, नई दिल्ली
सेंटर फॉर वुमन्स डेवलपमेंट स्टडीज़ (सीडब्ल्यूडीएस), नई दिल्ली
वित्त–निधि (अन–ऑडिटेड) 2020–21

(₹ लाख में)

आय	**राशि**	**व्यय**	**राशि**
भा.सा.वि.अ.प. अनुदान		वेतनः	
गैर–योजना (ओएच–36)	351.00	गैर–योजना (ओएच–36)	444.37
योजना (ओएच–31)	10.00		
राज्य सरकार अनुदान		प्रतिष्ठान / प्रशासनिक व्ययः	
गैर–योजना	–	गैर–योजना	–
योजना	–	योजना	
		प्रतिष्ठान / प्रशासनिक व्यय	44.13
स्वयं के स्त्रोतों से आय (परियोजनाएं, अध्येतावृत्तियां, परामर्श सेवाएं आदि)		विकास गतिविधियां (आंतरिक) अनुसंधान	
		प्रकाशन / पुस्तकालय	27.08
परियोजनाएं	153.91	अनु.जा. / जनजाति कार्यक्रम	3.79
अध्येतावृत्तियां	5.90	अन्य	2.25
कार्यशालाएं / प्रशिक्षण कार्यक्रम	–	गैर–आवर्ती व्यय	–
वेतन घटक परियोजना	32.28	परियोजनाएं (आवर्ती)	114.25
परियोजना प्रभार	11.72	अध्येतावृत्तियां	17.45
अन्य मिश्रित प्राप्ति	1.58	कार्यशालाएं / प्रशिक्षण कार्यक्रम	–
		मिश्रित व्यय	1.14
अन्य स्त्रोत (ब्याज)	93.00	निश्चित (Earmaked) निधि	4.93
कुल	**659.39**	**कुल**	**659.39**

सामाजिक विकास परिषद्, हैदराबाद
काउंसिल ऑफ सोशल डेवलपमेंट (सीएसडी), हैदराबाद

अनुसंधान परियोजनाएं (पूर्ण)

1. सत्यम सुंकरी, "एक्शन प्लान फॉर एसपायरेशनल डिस्ट्रिक्ट्स इन तेलंगाना", डॉ. मारी चन्ना रेड्डी मानव संसाधन विकास संस्थान, तेलंगाना, तेलंगाना सरकार, हैदराबाद।
2. रेड्डेप्पा एल, "इंटरिम रिपोर्ट ऑन ट्रैनिंग फॉर ऑलः इंटेसिव ट्रैनिंग प्रोग्राम फॉर ट्राइबल वेलफेयर कंडक्टेड बाय एमसीआरएचआरडीआई (MCRHRDI) एज पार्ट ऑफ कॉनकरंट इवेल्यूएशन ऑफ ट्रैनिंग प्रोग्राम्स", डॉ. मारी चन्ना रेड्डी मानव संसाधन विकास संस्थान (MCRHRDI), तेलंगाना, तेलंगाना सरकार, हैदराबाद।
3. रेड्डेप्पा एल, "इंपेक्ट ऑफ एमजीएनआरईजीएस (MGNREGS) ऑन रुरल एंप्लायमेंट एंड माइग्रेशनः अ स्टडी इन आंध्र प्रदेश", पंचायती राज एवं ग्रामीण विकास विभाग, आंध्र प्रदेश सरकार।
4. जोस सन्नी, "एसेसिंग मल्टी–डायमेंशनल पॉवर्टी इन इंडिया फॉर द सस्टैनेबल डेवलपमेंट गोल्सः अडॉप्टेशन एंड यूज ऑफ द कॉन्सेन्सुअल अप्रौच इन साउथ इंडिया", कार्डिफ यूनिवर्सिटी, यूके।

अनुसंधान परियोजनाएं (जारी)

1. कन्नाबिरन कल्पना, "तेलंगाना सोशल डेवलेपमेंट रिपोर्ट 2020 : रिपोर्ट ऑन एजुकेशन एंड हैल्थ", तेलंगाना सरकार एवं महिला अस्मिता संसाधन केन्द्र, सिकंदराबाद, तेलंगाना।
2. सत्यम सुंकरी, "डायनैमिक्स ऑफ पैरेंटल चॉइस ऑफ स्कूलिंग इन रुरल एरियाज़: अ स्टडी इन तेलंगाना", भासाविअप, नई दिल्ली।
3. मिश्रा सुजीत कुमार, "स्टैटिसटिकल कॉम्पेनडियम ऑन द स्टैटस ऑफ एजुकेशन इन तेलंगाना", मुख्य परियोजना।
4. विनयन सौम्या एवं ललिथा एन, (गुजरात अनुसंधान विकास संस्थान, अहमदाबाद), "कोविड–19 इंड्यूस्ड वलनरैबिलिटीज़ एंड कोपिंग स्ट्रैटेजीज़ ऑफ स्मॉल प्रोड्यूसर्सः टू (Two) केस स्टडीज़ फ्रॉम गुजरात एंड तेलंगाना", भासाविअप, नई दिल्ली।
5. मिश्रा सुजीत कुमार, "सस्टैनेबल डेवलेपमेंट गोल्स (SDGs)–स्टेटस रिपोर्ट ऑन चाइल्ड रिलेटेड इंडीकेटर्स इन तेलंगाना स्टेट", डॉ. मारी चन्ना रेड्डी मानव संसाधन विकास संस्थान, तेलंगाना, तेलंगाना सरकार, हैदराबाद।
6. जोस सनी, "वूमेन्स एंप्लॉयमेंट, इंटरस्टेट वैरीएशन्स एंड टाइम–यूजः अ कंपेरेटिव स्टडी ऑफ बिहार एंड तेलंगाना", अजीम प्रेमजी विश्वविद्यालय, बैंगलुरु।

सम्मेलन/संगोष्ठी/व्याख्यान

संस्थान द्वारा वर्ष 2020–21 में 14 व्याख्यान एवं एक प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया।

प्रकाशन

पुस्तकें

1. कन्नाबिरन कल्पना, 2021, "माइग्रेशन, वर्कर्स एंड फंडामेंटल फ्रीडम्सः पैंडेमिक वलनैरेबिलिटीज एंड स्टेट्स ऑफ एक्सेप्शन इन इंडिया (EDs)", आशा हंस, कल्पना कन्नाबिरन, मनोरंजन मोहन्ती एवं पुष्पेंद्र, राउटलेज (Routledge)।
2. कन्नाबिरन, कन्नाबिरन एवं बालाकृष्णन स्वेथा, 2021, "जेंडर रीजीम एंड द पॉलिटिक्स ऑफ प्राईवेसीः अ फेमिनिस्ट री–रीडिंग ऑफ पुत्तुस्वामी व. यूनियन ऑफ इंडिया", नई दिल्ली, जुबान।
3. कन्नाबिरन कल्पना, 2021, "डिस्कोर्सेज ऑन करप्शनः इंटरडिसीप्लीनरी एंड इंटरकल्चरल पर्सपेक्टिव्ज, कल्पना कन्नाबिरन, बेटिना होल्सटिन, फ्लोरिअन हॉफमैन द्वारा सह–संपादन, नई दिल्लीः सेज (Sage) प्रकाशन (आईसीएएस–एमपी के तहत)
4. मिश्रा सुजीत कुमार एवं सिवा प्रसाद आर, 2021, "डिसप्लेसमेंट, इम्पॉवरिशमेंट एंड एक्सक्लूजनः पॉलिटिकल इकोनोमी ऑफ डेवलपमेंट इन इंडिया", यूके, राउटलेज।

जर्नल्स में अनुसंधान आलेख/पुस्तकों में अध्याय

वर्ष 2020–21 में संस्थान के प्राध्यापकों द्वारा 11 अनुसंधान आलेख/ लेख विभिन्न पत्रिकाओं में प्रकाशित किए गए तथा प्रकाशित पुस्तकों में 10 अध्यायों का प्रकाशन भी हुआ।

पुस्तकालय

संस्थान के पुस्तकालय के विशिष्ट संग्रह में 14,487 पुस्तकें/ दस्तावेज हैं जिसमें पुस्तकें, रिपोर्टें, संदर्भ लेख, विश्वकोष, संघ सूची, संदर्भ ग्रंथ सूची, मानचित्रावली आदि सम्मिलित हैं। पुस्तकालय में विभागीय सदस्यों एवं आगंतुकों के लिए ऑनलाइन सूची, एसडीआई, सीएएस आदि सेवाएं उपलब्ध हैं। साथ ही पुस्तकालय में ई–संसाधनों जैसे टायलर एवं फ्रांसिस ई–पुस्तकें, दक्षिण एशियाई पुरालेख, ईबीएससीओ, जेएसटीओआर, इंडिया स्टेट आदि की सेवा भी उपलब्ध रहती है। प्रतिलिपि सेवा भी पुस्तकालय में उपलब्ध है।

सामाजिक विकास परिषद्, हैदराबाद
काउंसिल ऑफ सोशल डेवलेपमेंट (सीएसडी), हैदराबाद
वित्त निधि (अन–ऑडिटेड) 2020–21

(₹ लाख में)

आय	राशि	व्यय	राशि
भा.सा.वि.अ.प. अनुदान		वेतन	
बी/डी (B/D) शेष	16.89		
गैर–योजना (ओएच–36)	49.00	गैर–योजना (ओएच–36)	136.35
योजना (ओएच–31)	10.00	योजना	27.94
राज्य सरकार अनुदान		प्रतिष्ठान/प्रशासनिक व्यय	
		गैर–योजना (ओएच–36)	
गैर–योजना (ओएच–36)	56.40	योजना	
योजना (ओएच–31)	43.60	अनुसंधान कार्यक्रम	
		बौद्धिक गतिविधियां	1.33
		अन्य प्रतिष्ठान/प्रशासनिक व्यय	29.61
(परियोजनाओं, अध्येतावृत्तियों, आरबीआई व्यवसायिक पद, आदि) से आय	110.43	परियोजनाएं, अध्येतावृत्तियां, आरबीआई व्यवसायिक पद, आदि	85.97
अन्य कोई स्त्रोत		पुस्तकालय निधि हस्तांतरण	–
गैर–योजना	18.70	स्थिर संपत्ति हस्तांतरण	1.99
योजना	8.52	आरबीआई पद समग्र निधि हस्तांतरण	10.27
अनुसंधान समग्र निधि		सीएसडी अनुसंधान समग्र निधिहस्तांतरण	3.24
		भा.सा.वि.अ.प. ओएच–36 को प्रत्यर्पणीय अनुदान	4.65
अनुदान प्राप्ति योग्यः अनुसंधान कार्यक्रम/ अध्येतावृत्तियां आदि	–	सी/एफ परियोजना अनुदान	12.19
कुल	**313.54**	**कुल**	**313.54**

गिरी विकास अध्ययन संस्थान, लखनऊ गिरी इंस्टीट्यूट ऑफ डेवलेपमेंट स्टडीज़ (जीआईडीएस), लखनऊ

अनुसंधान परियोजनाएं (पूर्ण)

1. सेनापति सी, "सोशल इंपेक्ट एसेसमेंट फॉर गोरखपुर लिंक एक्सप्रेसवे", एक्सप्रेसवे इंडस्ट्रीयल डेवलेपमेंट अथॉरिटी (यूपीएआईडीए), उत्तर प्रदेश सरकार, के लिए अंबेडकर नगर जिले के कलेक्ट्रेट द्वारा प्रायोजित।
2. वर्मा सी एस, "सोशल इंपेक्ट एसेसमेंट ऑफ फार्मर्स ऑफ विलेजेज़ इन डिस्ट्रिक्ट गोरखपुर", लैंड एक्वैजीशन बाय गोरखपुर इंडस्ट्रियल डेवलेपमेंट अथॉरिटी (जीआईडीए) फॉर द पब्लिक/इंडस्ट्रियल डेवलेपमेंट/रेजीडेंशियल परपज़।
3. त्रिवेदी प्रशांत के, "इवेल्यूएशन स्टडी ऑफ फार्मर प्रोड्यूसर ऑर्गेनाईजेशन (एफपीओ) इन उत्तर प्रदेश", नाबार्ड (NABARD)।

4. बाजपेई बी के, "स्टडी टू एसेस द इंट्रा–हाउसहोल्ड वैरीएशन्स इन कंजम्पशन", एजुकेशनल एंड इकोनोमिक अटैनमेंट्स इन डिफरेंट कैटेगरीज़ ऑफ हाउसहोल्ड्स, अर्थशास्त्र एवं सांख्यिकी निदेशालय (डीईएस), लखनऊ द्वारा प्रायोजित।
5. बाजपेई बी के, "प्रिपरेशन ऑफ इनपुट–आउटपुट ट्रांजेक्शन टेबल फॉर यू पी", अर्थशास्त्र एवं सांख्यिकी निदेशालय (डीईएस), लखनऊ द्वारा प्रायोजित।
6. रॉय अनिमेष एवं मौर्य एन के, "स्टडी टू एस्टीमेट रेंट ऑफ ड्वेलिंग्स–– रुरल एंड अर्बन इन यू पी", अर्थशास्त्र एवं सांख्यिकी निदेशालय (डीईएस), लखनऊ द्वारा प्रायोजित।
7. राव के एस, "स्टडी टू एस्टीमेट द सब–स्टेट लेवल एस्टीमेट्स ऑफ सोश्यो–इकोनोमिक इंडीकेटर्स ऑफ उत्तर प्रदेश", अर्थशास्त्र एवं सांख्यिकी निदेशालय (डीईएस), उत्तर प्रदेश सरकार।
8. कुमार नोमिता पी एवं बालियान कविता, "बेंचमार्क सर्वे फॉर एरिया एंड प्रॉडक्शन एस्टीमेट ऑफ होर्टीकल्चरल क्रोप्स", अर्थशास्त्र एवं सांख्यिकी निदेशालय (डीईएस), लखनऊ द्वारा प्रायोजित।
9. सेनापति सी, "स्टडी ऑन इंटर–स्टेट ट्रैड–टू आईडेन्टीफाई एंड एस्टीमेट वेल्यू ऑफ कॉमोडिटीज़ बीईंग इंपोर्टेड/एक्सपोर्टेड टू/फ्रॉम यू.पी.", अर्थशास्त्र एवं सांख्यिकी निदेशालय (डीईएस), लखनऊ द्वारा प्रायोजित।
10. राव के एस, "सर्वे ऑफ चाइल्ड लेबर इन लखनऊ डिस्ट्रिक्ट ऑफ उत्तर प्रदेश", एनसीएलपी, उत्तर प्रदेश।
11. कुमार नोमिता पी, "प्रोग्राम फीडबैक ऑन स्कीम फॉर अडॉलसेंट (Adolescent) गर्ल्स (एसएजी) इंप्लीमेंटेशन इन द स्टेट ऑफ उत्तर प्रदेश", अ पार्टनरशिप प्रपोजल यूएनआईसीईएफ (UNICEF), लखनऊ।
12. कुमार नोमिता पी, "एंप्लॉयमेंट वलनरैबिलिटीज फेस्ड बाय वूमेन इन अर्बन अनऑर्गेनाइज्ड लेबर मार्केट इन उत्तर प्रदेश", भासाविअप, नई दिल्ली।
13. सिंह शिल्प शिखा, "सोशल इंपेक्ट एसेसमेंट फॉर इंडस्ट्रियल डिफेंस कोरीडोर प्रोजेक्ट इन डिस्ट्रिक्ट झांसी", झांसी जिला कलेक्ट्रैट (UPEIDA)
14. बालियान कविता, "परफोरमेंस ऑफ एग्रीकल्चर इन ईस्टर्न उत्तर प्रदेशः इमर्जिंग ट्रैंड्स एंड कॉन्सट्रैन्ट्स", इंप्रैस (IMPRESS) भासाविअप, नई दिल्ली।
15. रॉय अनिमेष एवं अली मंजूर, "मार्जिनलाईजेशन एंड एक्सक्लूजन ऑफ द शैड्यूल्ड ट्राइब्स (ST) इन उत्तर प्रदेश", जीआईडीएस (GIDS) (अनु.जा./ज.जा. विकास अनुदान)।
16. रॉय अनिमेष, "सोशल इंपेक्ट एसेसमेंट ऑफ लैंड एक्वैजीशन फॉर द डिफेंस इंड्सट्रियल कोरीडोर प्रोजेक्ट बाय द यूपीइआईडीएः अ स्टडी ऑफ द अफेक्टेड फार्मर्स इन कानपुर नगर डिस्ट्रिक्ट", कलेक्ट्रैट, कानपुर नगर जिला, यूपीइआईडीए।

अनुसंधान परियोजनाएं (जारी)

1. सेनापति चित्तरंजन, "ग्लोबल गवर्नेंस एंड मार्जीनल कम्युनिटीज़ इन इंडिया", जीआईडीएस (GIDS) अनु. जा./ज.जा. विकास निधि के अंतर्गत।
2. सेनापति चितरंजन, "इकोनोमिक इंटीग्रेशन एंड पीस प्रोसपेक्ट इन साउथ एंड सेंट्रल एशियाः इंप्लीकेशन टू इंडियाज़ एक्सटरनल सिक्योरिटी", भारतीय विश्व अफेयर परिषद' (ICWA), नई दिल्ली।
3. वर्मा सी.एस, "इवेल्यूएशन एंड वेरीफिकेशन ऑफ 'समग्र शिक्षा प्रोग्राम' इन 12 डिस्ट्रिक्ट्स ऑफ उत्तर प्रदेश", सभी जिलों के जिला मजिस्ट्रैट, यूपी सरकार।
4. त्रिवेदी प्रशांत के, "रुरल ट्रांसफोर्मेशन इन उत्तर प्रदेश – अ लोंगीट्यूडनल स्टडी ऑफ सेलेक्टेड विलेजेज़", भासाविअप, नई दिल्ली।
5. त्रिवेदी प्रशांत के, "प्रिपरेशन ऑफ एजुकेशन कॉंपेन्डियम ऑफ उत्तराखंड", उत्तराखंड सरकार।
6. अख्तर खालिदा, "इंप्रेस रिसर्च स्टडी ऑन रोल ऑफ फाइनेंशियल एड इन द सोशल–इकोनोमिक्स एमपॉवरमेंट ऑफ मदरसा स्टूडेंट्स इन उत्तर प्रदेश", भारत, भासाविअप, नई दिल्ली।
7. मिश्रा विपिन कुमार, "कन्वेंशनल एंड क्रॉस–बार्डर ह्यूमन ट्रैफिकिंग इन द एडजॉइनिंग डिस्ट्रिक्ट ऑफ इंडो–नेपाल बॉर्डर एंड इंप्लीकेशन ऑफ स्टेकहोल्डर्स रिस्पांस", भासाविअप, नई दिल्ली।

सम्मेलन/संगोष्ठी/व्याख्यान

संस्थान द्वारा वर्ष 2020–21 के दौरान दो संगोष्ठियों का आयोजन किया गया।

अनुसंधान संबंद्धता एवं एम.फिल/डॉक्टरेट

वर्ष 2019–20 के दौरान 1 डॉक्टरेट की डिग्री दी गई एवं 2 शोधार्थियों ने अपने शोध प्रबंध जमा किए।

जर्नल्स में प्रकाशित अनुसंधान आलेख/पुस्तकों में अध्याय

वर्ष 2020–21 के दौरान संस्थान के विभाग द्वारा 20 अनुसंधान अनुसंधान आलेख/लेख पत्रिकाओं में प्रकाशित किए गये एवं प्रकाशित पुस्तकों में चार अध्याय भी प्रकाशित हुए।

कार्यकारी आलेख (वर्किंग पेपर्स)

1. कुमार पी नोमिता, "एंप्लॉयमेंट वलनरैबिलिटी टू एडवर्स वर्किंग कंडीशन्सः एवीडेंस फ्रॉम फॉर्मल एंटरप्राईजेज इन उत्तर प्रदेश", जीआईडीएस (GIDS) कार्यकारी आलेख 221, अगस्त 2020।
2. कुमार पी नोमिता, "ट्रैंड्स इन एमएसपी (MSP) एंड रिटर्न्स ऑन कल्टीवेशन ऑफ व्हीट एंड पैडी इन उत्तर प्रदेश", जीआईडीएस (GIDS) कार्यकारी आलेख 222।
3. कुमार पी नोमिता, "वैनिंग पार्टीसिपेशन ऑफ वूमेन इन उत्तर प्रदेशेस लेबर मार्केटः सम प्रोक्सीमेट डिटरमिनेंट्स", जीआईडीएस कार्यकारी आलेख 223।

पुस्तक समीक्षा

सिंह शिल्प शिखा (2021), पुस्तक समीक्षा, 'सोशल जस्टिस थ्रू इनक्लूज़नः द कॉन्सीक्वैनसेज़ ऑफ इलेक्टोरल कोटाज इन इंडिया', फ्रांसेस्का आर जेनसेनियस द्वारा, *कॉमनवेल्थ एंड कंपेरेटिव पॉलिटिक्स, सं. 59(2)*।

पुस्तकालय

जीआईडीएस (GIDS) पुस्तकालय द्वारा विभिन्न वर्तमान जागरुकता सेवाएं प्रदान की जाती हैं जैसे प्रलेखन सेवाएं (सूचीकरण, सारकरण), नवीन अधिग्रहण सूची, पुस्तक समीक्षा, माँग स्वरुप विषय ग्रंथ सूची, प्रतिलिपिकरण, इल्क्ट्रोनिक डेटाबेस/ऑनलाइन संसाधन–जेएसटीओआर, इबीएससीओ, पीआरओडब्ल्यूइएसएस, एवं उ.प्र. सरकार प्रकाशन, सेज पत्रिकाएं ऑनलाइन, ईपीडब्ल्यू पुरालेख सेवाएं, डेलनेट सेवाएं, सीडब्ल्यूडीएस की सीएएस सेवाएं, संस्थान के डिजीटाइज्ड प्रकाशन, संदर्भ सेवाएं एवं अंतः–पुस्तकालय ऋण सेवाएं।

पुस्तकालय द्वारा अपने अंतः प्रबंधन के लिए लिब्सिस (एलआईबीएसवायएस) सॉफ्टवेयर का उपयोग किया जाता है, जिसमें ओपेक (ओपीएसी), संचलन, प्रलेखन, सूचना संग्रहण एवं पुनः प्राप्ति, माँग के अनुसार विषय ग्रंथ सूची, ऑनलाइन सूचना उपायोजन एवं विस्तार आदि सम्मिलित हैं। पुस्तकालय के संग्रह में पत्रिकाओं व दैनंदिनी के 7252 पूर्व संस्करण हैं। पुस्तकालय द्वारा 108 राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय पत्रिकाओं की सदस्यता ली गई है। इस वर्ष पुस्तकालय के संग्रह में 35 नवीन पुस्तकों, 30 संस्थान रिपोर्टों, 7 विनिबंध लेखों एवं 5 शासकीय रिपोर्टों की बढ़ोतरी हुई है।

गिरी विकास अध्ययन संस्थान, लखनऊ
गिरी इंस्टीट्यूट ऑफ डेवलेपमेंट स्टडीज़ (जीआईडीएस), लखनऊ
वित्त निधि (अन–आडिटेड) 2020–21

(₹ लाख में)

आय	राशि	व्यय	राशि
भा.सा.वि.अ.प. से अनुदान			
ओएच– 36	118.00	वेतन (ओएच – 36)	277.80
ओएच – 31*	10.00		
		सामान्य व्यय (ओएच–31)	69.80
उ.प्र.सरकार से अनुदान			
ओएच – 36	118.00	परियोजनाएं / अध्येतावृत्तियां / कार्यशालाएं / प्रशिक्षण कार्यक्रम / अन्य मिश्रित व्यय	84.30
ओएच – 31* / **	35.00		
स्वयं के स्त्रोतों से आय	4.01		
परियोजनाओं से प्राप्ति / अध्येतावृत्तियां / प्रशिक्षण कार्यक्रम ***	84.30		
प्राप्ति से बढ़ा हुआ व्यय	62.59		
कुल	**431.90**	**कुल**	**431.90**

* गत वर्ष ओएच–31 के अंतर्गत संस्थान को भासाविअप एवं उ.प्र. सरकार से 10 लाख रु. का अनुदान प्राप्त हुआ।

** संस्थान को फरवरी 2021 में ओएच–31 के अंतर्गत उ.प्र.सरकार से गत वर्ष के शेष अनुदान के रुप में 25 लाख रु. की प्राप्ति हुई।

*** परियोजनाओं / अध्येतावृत्तियों से हुई प्राप्ति को उनके व्यय के बराबर ही दिखाया गया है।

गुजरात विकास अनुसंधान संस्थान, अहमदाबाद गुजरात इंस्टीट्यूट ऑफ डेवलेपमेंट रिसर्च (जीआईडीआर), अहमदाबाद

अनुसंधान परियोजनाएं (पूर्ण)

1. पार्थसारथी आर, "पब्लिकेशन ऑफ बेसलाइन सर्वे एंड वलनरैबिलिटी एसेसमेंट स्टडी ऑफ थ्री आईडेन्टीफाईड रीजन्स ऑफ कच्छ डिस्ट्रिक्ट", जीईआर (GEER) फाउंडेशन, गाँधीनगर द्वारा प्रायोजित।
2. पार्थसारथी आर, "मेगा (MEGA) सेंटर फॉर मैनेजमेंट एंड कोओर्डिनेशन ऑफ आर एंड आर वर्क एंड एजेन्सीज", मेट्रो–लिंक एक्सप्रेस फॉर गाँधीनगर एवं अहमदाबाद (एमईजीए) कंपनी लिमिटेड, गाँधीनगर।
3. दास केशब, "इंडियन फार्मास्युटिकल इंडस्ट्री इन ट्रांजीशनः इश्यूज़ इन सप्लाई ऑफ एंड एक्सेस टू जेनेरिक एआरवीज (ARVs)", फ्रेंच नेशनल एजेंसी फॉर रिसर्च ऑन एड्स एंड वायरल हैपेटाइटिस (एएनआरएस), पेरिस, फ्रांस द्वारा प्रायोजित।
4. दास केशब, "ब्रौड–बेसिंग रुरल सैनीटेशनः इश्यूज़ एंड स्ट्रैटेजीज़ इन इनक्लूजिव इनोवेशन इन इंडिया एंड साउथ अफ्रीका", भारतीय सामाजिक विज्ञान अनुसंधान परिषद (ICSSR), नई दिल्ली द्वारा प्रायोजित।
5. नायर तारा, "शेयर–क्रोपिंग, अरेंजमेंट इन एग्रीकल्चर इन नॉर्थ गुजरातः एन एनालिसिस", आजिविका ब्यूरो, उदयपुर द्वारा प्रायोजित।
6. नायर तारा, "वन डिकेड ऑफ महात्मा गाँधी नरेगाः पार्टीसिपेटरी एसेसमेंट एंड वे फॉरवर्ड", राष्ट्रीय ग्रामीण विकास एवं पंचायती राज संस्थान, हैदराबाद द्वारा प्रायोजित।
7. नायर तारा, "डॉक्यूमेंटेशन ऑफ सक्सेजफुल वॉटर कंजर्वेशन इनीशिएटिव्ज अंडर एमजीएनआरईजीएस (मनरेगा) फॉर प्राइम मिनिस्टर्स वॉटर कॉनक्लेवः गुजरात

एंड राजस्थान", राष्ट्रीय ग्रामीण विकास एवं पंचायती राज संस्थान (NIRDPR), हैदराबाद द्वारा प्रायोजित।

8. पाठक झरना, "इवेल्यूएशन ऑफ इफेक्टिवनेस ऑफ मैनेजिंग द नेचुरल रिसोर्सेज एंड कॉमन्स थ्रू प्रकृति कार्यशाला", इकोलोजीकल सिक्योरिटीज़ फाउंडेशन, आनंद, गुजरात द्वारा प्रायोजित।

9. पाठक झरना, "इवेल्यूएशन ऑफ गंगा स्वरुपा आर्थिक सहाय योजनाः अ स्टडी ऑफ विडोज (Windows) इन गुजरात", जेंडर रिसोर्स सेंटर, गुजरात सरकार, गाँधीनगर द्वारा प्रायोजित।

10. घटक अमृता, "वेल्यू ऑफ स्टैटिसटिकल लाइफ एंड कॉम्पनसैटिंग वेज डिफ्रैंशियल्स इन मैन्यूफैक्चरिंग सेक्टर इन गुजरात", गुजरात विकास अनुसंधान संस्थान, (GIDR) अहमदाबाद द्वारा प्रायोजित।

अनुसंधान परियोजनाएं (जारी)

1. नायर तारा, "मैपिंग द सोशल इकोनोमी ऑफ ड्राईड फिश इन साउथ एंड साउथ–ईस्ट एशिया फॉर एनहैंस्ड वैल–बीईंग एंड न्यूट्रीशन", मानीतोबा यूनिवर्सिटी, सोशल साईंसेज़ एंड ह्यूमैनिटीज़ रिसर्च काउंसिल ऑफ कनाडा द्वारा प्रायोजित।

2. पार्थसारथी आर, "प्रिपरेशन ऑफ डीपीआर्स (DPRs) फॉर प्रपोज़्ड प्रोजेक्ट्स इन केरल एंड पुदुचेरी अंडर एनहैंसिंग कोस्टल एंड ओशन रिसोर्सेज़ एफीशिएंसी (ENCORE) प्रोग्राम", राष्ट्रीय धारणीय तट प्रबंधन केन्द्र, चेन्नई द्वारा प्रायोजित।

3. मिश्रा रुद्र नारायण, "इंपेक्ट ऑफ डिमांड साइड फाइनेंसिंग इन्सट्रूमेंट्स ऑन द कॉन्टीनम ऑफ केयर फॉर मैटरनल एंड चाइल्ड हैल्थ इन इंडिया एंड बांग्लादेश", विकास अध्ययन केन्द्र (सीडीएस) त्रिवेंद्रम द्वारा प्रायोजित।

4. पटनायक इतिश्री, "इंपेक्ट ऑफ फार्मर्स स्युसाइड ऑन फार्म एंड सर्वाईवरः द जेंडर पर्सपेक्टिव", ऑस्ट्रेलियन नेशनल यूनिवर्सिटी, कैनबरा द्वारा प्रायोजित।

5. बंदी मधुसूदन, "ट्राइबल, फॉरेस्ट राइट्स एंड हैरीटेज कंजर्वेशंनः अ स्टडी ऑफ वैस्टर्न घाट्स इन कर्नाटका", भारतीय सामाजिक विज्ञान अनुसंधान परिषद (ICSSR), नई दिल्ली।

6. पाठक झरना, "सोश्यो लीगल सपोर्ट फॉर विक्टिम ऑफ डोमेस्टिक वायोलेंस इन गुजरात", भारतीय सामाजिक विज्ञान अनुसंधान परिषद, नई दिल्ली।

सम्मेलन / संगोष्ठियां / व्याख्यान

संस्थान द्वारा वर्ष 2020–21 के दौरान 5 व्याख्यान एवं एक दस दिवसीय अनुसंधान प्रणाली कोर्स (Research Methodology) का आयोजन किया गया।

अनुसंधान संबद्धता एवं एम.फिल / डॉक्टरेट

संस्थान द्वारा अर्थशास्त्र में डॉक्टरेट की डिग्री प्रदान की जाती है, जो महाराजा कृष्णकुमार सिंह जी भावनगर विश्वविद्यालय, भावनगर गुजरात से मान्यता प्राप्त है। इस वर्ष के दौरान दो (2) डॉक्टरेट शोधार्थियों ने संस्थान में अपने शोध को जारी रखा है।

प्रकाशन

पुस्तकें

1. गोस्वामी अर्चना, पार्थसारथी आर, राजपुरोहित श्वेता, कांबोज आर डी, "क्लाइमेट वलनरैबिलिटीज़ ऑफ द नेचुरल रिसोर्स डिपेंडेंट कम्युनिटीज़ ऑफ रुरल कच्छ, गुजरात", जीईईआर फाउंडेशन, गाँधीनगर एवं गुजरात विकास अनुसंधान संस्थान, अहमदाबाद, 2021।

2. बंसल नीरु एवं पार्थसारथी आर, "आर एसडीजीज़ (SDGs) अ मिथ? इंडस्ट्रियल डेवलेपमेंट एंड वॉटर पोल्यूशन इन इंडिया", राउटलेज (Routledge), न्यूयॉर्क, 2021।

3. दास केशब, मिश्रा भवानी शंकर प्रसाद एवं दास माधबनंदा, (ईडीज़) (Eds.), "द डिजीटाईजेशन कॉनन्ड्रम इन इंडियाः एप्लीकेशन्स, एक्सेस एंड एबरेशन्स", स्प्रिंगर, सिंगापुर, 2020।

जर्नल्स में प्रकाशित अनुसंधान आलेख / पुस्तकों में अध्याय

वर्ष 2020–21 के दौरान, संस्थान के संकाय द्वारा 20 अनुसंधान आलेख / विभिन्न पत्रिकाओं में लेख, प्रकाशित किये गए, साथ ही प्रकाशित पुस्तकों में 4 अध्याय भी प्रकाशित हुए।

अनुसंधान रिपोर्टें

1. पार्थसारथी आर, "क्लाईमेट वलनरैबिलिटीज़ ऑफ द नेचुरल रिसोर्स डिपेंडेंट कम्युनिटीज़ ऑफ रुरल कच्छ, गुजरात" विषय पर रिपोर्ट GEER फाउंडेशन, गाँधीनगर को जनवरी 2021 में प्रस्तुत की गईं, ।

2. पार्थसारथी आर, "रिपोर्ट ऑफ डीपीआर्स फॉर द प्रपोज़्ड प्रोजेक्ट्स इन पुदुचेरी अंडर एनहैंसिंग कोस्टल एंड ओशन रिसोर्सेज़ एफीशिएंसी (ईएनसीओआरई) प्रोग्राम" पर रिपोर्ट राष्ट्रीय धारणीय तट प्रबंधन केन्द्र, चेन्नई को जून 2020 में प्रस्तुत की गई।

3. आर पार्थसारथी, अमित गुप्ता, अर्चना गोस्वामी, हलक पटेल, "द प्रोग्रेस ऑफ लैंड एक्वैजीशन, रीसैटलमेंट एंड रीहैबीलिटेशन अहमदाबाद मेट्रो रेल प्रोजेक्ट", पर रिपोर्ट गुजरात मेट्रो रेल कॉरपोरेशन लिमिटेड (जीएमआरसीएल), गाँधीनगर को मार्च 2021 में प्रस्तुत की गई।

4. पार्थसारथी आर, "फाइनल कॉन्सोलिडेटेड रिपोर्ट ऑफ मेगा (एमईजीए) सेंटर, जीआईडीआर पर रिपोर्ट, गुजरात मेट्रो रेल कॉरपोरेशन लिमिटेड (जीएमआईसीएल)", गाँधीनगर को मार्च 2021 में प्रस्तुत की गई।

5. पार्थसारथी आर, "मंथली रिपोर्ट्स ऑफ मेगा (एमजीए) सेंटर, जीआईडीआर (अप्रैल 2020 से मार्च 2021)" पर रिपोर्ट गुजरात मेट्रो रेल कॉरपोरेशन लिमिटेड (जीएमआरसीएल), गाँधीनगर को प्रस्तुत की गई।

6. पार्थसारथी आर, "क्वाटरली रिपोर्ट्स ऑफ मेगा (एमईजीए) सेंटर, (अप्रैल – जून 2020, जुलाई – सितंबर 2020, अक्तूबर – दिसंबर 2020, जनवरी – मार्च 2021)" पर रिपोर्ट गुजरात मेट्रो रेल कॉरपोरेशन लिमिटेड (जीएमआरसीएल), गाँधीनगर को प्रस्तुत की गई।

7. पार्थसारथी आर, "ऑडियो विजुअल बेसलाईन डेटा सबमिटेड टू गुजरात मेट्रो रेल कॉरपोरेशन लिमिटेड (जीएमआरसीएल)", गाँधीनगर, दिसंबर 2021।

8. पार्थसारथी आर, "केस स्टडीज़ ऑन लैंड एक्वैजीशन ऑफ थलतेज स्टेशन, साबरमती स्टेशन एंड द ऐपैरल पार्क", पर रिपोर्ट गुजरात मेट्रो रेल कॉरपोरेशन लिमिटेड (जीएमआरसीएल), गाँधीनगर अप्रैल–2020 से दिसंबर–2021 में प्रस्तुत की गई।

9. दास अमरेंद्र, केशब दास एवं मिताली चिनारा (मुख्य लेखक), "कोविड–19 एंड द इकोनोमी ऑफ ओडिशाः चैलेंजेज़ एंड द वे फॉरवर्ड", उड़ीसा अर्थशास्त्र समिति, भुवनेश्वर, 2020।

10. ललीथा एन, बंदी मधुसूदन, "जियोग्राफिकल इंडीकेशन्स प्रोटेक्टेड एग्रीकल्चरल प्रॉडक्ट्स फ्रॉम सेलेक्ट स्टेट्स ऑफ इंडियाः एन इनक्वायरी इनटू द इकोनोमिक, इंस्टीट्यूशनल एंड लाइव्लीहुड एसपेक्ट्स", पर रिपोर्ट भारतीय सामाजिक विज्ञान अनुसंधान परिषद, नई दिल्ली को दिसंबर 2020 को प्रस्तुत की गई (सौम्या विनयन, सामाजिक विकास परिषद के साथ)।

11. घटक अमृता, पटनायक इतिश्री एवं पाठक झरना, "इवेल्यूएशन ऑफ गंगा स्वरुपा आर्थिक सहाय योजनाः अ स्टडी ऑफ विडो इन गुजरात", पर रिपोर्ट को जेंडर रिसोर्स केंद्र, गुजरात सरकार को मार्च 2021 को प्रस्तुत की गई।

पुस्तकालय

पुस्तकालय द्वारा निम्न सेवाएं दी जाती हैं– प्रकाशन–पुनःप्राप्ति सेवाएं, संदर्भ सेवाएं, समाचार–पत्र कटिंग्स, प्रतिलिपिकरण, अंतः–पुस्तकालय ऋण, इंटरनेट से जुड़ी सेवाएं, डेटाबेस/लेख अन्वेषण, ऑनलाइन पब्लिक एक्सेस कैटेलॉग (ओपेक), स्कैनिंग सुविधा, करंट अवेयरनेस सर्वित (सीएएस), नूतन आगमन सूची (ई–मेल से)। पुस्तकालय के सभी कार्यकलाप ग्राहक उपयोगी पुस्तकालय प्रबंधन सॉफ्टवेयर कोहा (केओएचए) एवं सीडीएस/आईएसआईएस के सहयोग से पूर्ण रुप से स्वतः चलते हैं। पुस्तकालय के कंप्यूटर में ओपेक के माध्यम से पुस्तकालय में संग्रहित सभी संदर्भ ग्रंथ सूची देखी जा सकती हैं। पुस्तकालय के संग्रहण के अतिरिक्त ओपेक की सहायता से विभिन्न भारतीय एवं अंतर्राष्ट्रीय पत्रिकाएं भी उपलब्ध हैं। वर्तमान में पुस्तकालय में 3695 जिल्द संस्करण एवं 22,622 पुस्तकें हैं जिनका चुनाव पठन और संदर्भ के लिए किया गया है जिसमें संदर्भ सामग्री, रिपोर्ट्स, पुस्तकें एवं माइक्रो सामग्री शामिल हैं। उपलब्ध विषयों में शहरी विकास, उद्योग, रोज़गार एवं श्रम अध्ययन, प्रकृति विज्ञान एवं पर्यावरण, वानिकी, स्वास्थ्य एवं सामाजिक कल्याण, महिला अध्ययन, जनसंख्या अध्ययन, सामाजिक वर्ग, सरंचना, वित्त, बैंकिंग, भूमि एवं कृषि अध्ययन, जल एवं प्राकृतिक संसाधन, अर्थशास्त्र, आर्थिक विकास एवं योजना आदि हैं।

पुस्तकालय में सूक्ष्म सामग्री का अच्छा संग्रहण है जिसमें प्रतिष्ठित राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय संस्थानों के कार्यकारी आलेख, अनियमित आलेख, एवं अनुसंधान रिपोर्ट्स शामिल है। इस वर्ष के दौरान 53 राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय पत्र–पत्रिकाओं की सदस्यता ली गई और साथ ही पुस्तकालय के संग्रह में 28 पुस्तकों को जोड़ा गया।

गुजरात विकास अनुसंधान संस्थान, अहमदाबाद
गुजरात इंस्टीट्यूट ऑफ डेवलेपमेंट रिसर्च (जीआईडीआर), अहमदाबाद
वित्त निधि (अन–ऑडिटेड) 2020–21

(₹ लाख में)

आय	राशि	व्यय	राशि
भा.सा.वि.अ.प. अनुदानः		वेतन	
गैर–योजना (ओएच–36)	92.15	गैर–योजना	215.59
योजना (ओएच–31)	10.00	योजना	57.26
राज्य सरकार अनुदानः	19.00	प्रतिष्ठान / प्रशासनिक व्यय	
गैर–योजना	–	गैर–योजना	
योजना	–	योजना	29.62
अन्य स्त्रोतों से आय (परियोजनाएँ, अध्येतावृतियां, परामर्श सेवाएं आदि)	194.02	परियोजनाएं, अध्येतावृत्तियां कार्यशालाएं / प्रशिक्षण कार्यक्रम अन्य मिश्रित व्यय	150.17
अन्य स्त्रोत	137.47		
कुल	**452.64**	**कुल**	**452.64**

भारतीय शिक्षा संस्थान, पूना
इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ एजुकेशन (आईआईई), पूणे

अनुसंधान परीयोजनाएं (पूर्ण)

1. जल मुर्जबान, "रिचुएलिटी एंड रैशनैलिटी इन द अंबेडकराईट मूवमेंट इन महाराष्ट्र", भासाविअप, नई दिल्ली द्वारा प्रायोजित।
2. जल मुर्जबान एवं बवाने ज्योति, "स्कूल एजुकेशन रिस्पांस टू कोविड–19 इन इंडिया एंड वे फॉरवर्ड", यूनेस्को (UNESCO) द्वारा प्रायोजित।
3. देहाद्रय रुशाली, "कॉरपोरेल पनिशमेंटः वायोलेशन ऑफ राइट टू एजुकेशन एक्ट इन मध्य प्रदेश", अजीम प्रेमजी फाउंडेशन द्वारा प्रायोजित।

अनुसंधान परियोजनाएं (जारी)

1. जल मुर्जबान एवं बवाने ज्योति, "रिस्पांस टू एजुकेशनल डिसरप्शन सर्वे (आरईडीएस)", यूनेस्को द्वारा प्रायोजित।
2. जल मुर्जबान एवं बवाने ज्योति, "एथीकल कम्युनिटैरिएनिज़्मः स्टडी ऑफ कोविड–19 इन पूणे", भासाविअप द्वारा प्रायोजित।
3. सीईएस निदेशक एवं प्राध्यापक, "कॉलेज स्टूडेंट्स एसपायरेशन्स टूवर्ड्स हायर एजुकेशन", भारतीय शिक्षा संस्थान द्वारा प्रायोजित।

अनुसंधान संबंद्धता एवं एम.फिल / डॉक्टरेट

भारतीय शिक्षा संस्थान केन्द्र द्वारा शिक्षा अध्ययन के लिए दी जाने वाली की एम.फिल एवं डॉक्टरेट कार्यक्रम सावित्रीबाई फुले विश्वविद्यालय पूना से मान्यता प्राप्त है। इस वर्ष के दौरान 4 शोधार्थियों को डॉक्टरेट की डिग्री दी गई, छह (6) विद्यार्थियों ने अपने शोध प्रबंध जमा किए एवं वर्तमान में केन्द्र में 12 विद्यार्थी डॉक्टरेट पाने के लिए शोध कर रहे हैं। तीन शोधार्थियों को एम.फिल की डिग्री प्रदान की गई, चार विद्यार्थियों ने अपने एम.फिल शोध प्रबंध जमा किए। एक पोस्ट–डॉक्टरल एवं 1 वरिष्ठ अध्येता वर्तमान में संस्थान से जुड़े हुए हैं।

प्रकाशन

पुस्तकें

1. मुर्जबान जल, "द लेगैसी ऑफ कार्ल मार्क्स", (दिल्लीः आकार प्रकाशन, 2020)

2. मनोज कार, "सस्टैनेबिलिटी ऑफ रुरल हैल्थ केयर एंड एनजीओज इन इंडिया", कल्पाज प्रकाशन (नई दिल्लीः ज्ञान बुक्स, 2021)

जर्नल्स में प्रकाशित अनुसंधान आलेख/पुस्तकों में अध्याय

वर्ष 2020–21 के दौरान संस्थान के विभाग द्वारा 27 अनुसंधान आलेख/पत्रिकाओं में लेख प्रकाशित किए गए तथा प्रकाशित पुस्तकों में 2 अध्याय भी प्रकाशित हुए।

पुस्तकालय

भारतीय शिक्षा संस्थान का पुस्तकालय शिक्षा क्षेत्र के बेहतरीन पुस्तकालयों में से एक है। पुस्तकालय द्वारा उपयोगकर्ताओं को संदर्भ सेवाएं, प्रतिलिपिकरण सेवाएं, इंटरनेट अन्वेषण सेवाएं, संदर्भ ग्रंथ सूची सेवाएं एवं संचालन सेवाएं प्रदान की जाती हैं। पुस्तकालय उपभोक्ताओं को दैनिक, मासिक एवं वार्षिक सदस्यता की सुविधा प्रदान करता है। पुस्तकालय के पास 2011 जनगणना का डेटा सीडी रुप में उपलब्ध है। जब भी उपयोगकर्ताओं द्वारा माँग की जाती है, पुस्तकालय इन सीडी का डेटा उन्हें उपलब्ध कराता है। इस शैक्षिक वर्ष के दौरान पुस्तकालय द्वारा 35 नई पुस्तकें खरीदी गई हैं। पुस्तकालय में कुल 30,727 पुस्तकों का संग्रह है। पुस्तकों के अतिरिक्त पुस्तकालय में पत्रिकाओं के पूर्व संस्करण भी उपलब्ध हैं। पुस्तकालय द्वारा 20 पत्रिकाओं की सदस्यता ली जाती है, साथ ही इसको कुछ पत्र–पत्रिकाएं उपहार स्वरुप भी प्राप्त होती हैं। इस पुस्तकालय को पूना एवं उसके आस पास के शैक्षिक संस्थानों के प्राध्यापको, छात्रों एवं शोधार्थियों द्वारा उपयोग में लाया जाता है। साथ ही इसको सरकारी उपक्रमों एवं एनजीओज में काम करने वाले लोग भी उपयोग करते हैं।

भारतीय शिक्षा संस्थान, पूना
इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ एजुकेशन (आईआईई), पूणे
वित्त निधि (अन–ऑडिटेड) 2020–21

(₹ लाख में)

आय	राशि	व्यय	राशि
अनुदान प्राप्ति		वेतन	
भा.सा.वि.अ.प. नई दिल्ली से		गैर–योजना	111.92
गैर–योजना (ओएच–36)	89.00	योजना	–
योजना (ओएच–31)	–		
महाराष्ट्र सरकार से अनुदान	–	प्रशासनिक व्यय	
गैर–योजना		योजना	
योजना		पुस्तकालय व्यय	0.06
अन्य स्त्रोतों से आय			
एम.फिल एवं पीएच.डी कोर्स फीस	1.77	एम.फिल एवं पीएच.डी कोर्स व्यय	0.53
सम्मेलन, संगोष्ठी एवं अन्य प्राप्तियां	1.00	अनुसंधान संगोष्ठी एवं कार्यशाला व्यय	–
अध्येतावृत्ति प्राप्ति	2.90	अध्येतावृत्ति भुगतान	3.40
आईआईई ट्रस्ट योगदान	29.41	आकस्मिक व्यय (प्रशासनिक व्यय)	8.17
अन्य स्त्रोत	–		
कुल	**124.08**	**कुल**	**124.08**

विकास अध्ययन संस्थान, जयपुर

इंस्टीट्यूट ऑफ डेवलेपमेंट स्टडीज़ (आईडीएस), जयपुर

अनुसंधान परियोजनाएं (पूर्ण)

1. राजगोपाल शोभिता, "परसेप्शन सर्वे ऑन अंडरस्टैंडिंग बैरियर्स एंड इनेबर्ल्स टू गर्ल्स सेकंडरी एजुकेशन इन राजस्थान पोस्ट कोविड–19", डेवलेपमेंट सोल्यूशन्स, नई दिल्ली, आईपीई ग्लोबल, नई दिल्ली के सहयोग से।
2. मोहनकुमार एस, "क्रोनिज़्म इन लोकल गवर्मेंट्सः अ केस स्टडी ऑफ पल्लीचल ग्राम पंचायत इन केरला", विकास अध्ययन केन्द्र (IDS), थिरुवनंथपुरम, केरल।
3. मोहनकुमार एस, "इंपेक्ट इवेल्यूएशन स्टडी (एंड लाइन) अंडर राजस्थान रुरल लाइव्लीहुड", राजस्थान सरकार।

अनुसंधान परियोजनाएं (जारी)

1. राजगोपाल शोभिता, "स्ट्रैटेजिक पॉलिसी अडॉप्टेशन्स टू मिटिगेट द इफेक्ट ऑफ कोविड–19 ऑन मैटरनल एंड चाइल्ड हैल्थ सर्विसेज इन राजस्थान", आईपीई ग्लोबल, नई दिल्ली।
2. एस. मोहनकुमार, "फार्म प्रॉडक्शन एंड कॉम्पीटैटिवनेस अंडर लिब्रलाईज्ड मार्केट रीजीमः एन इंडक्टिव एनालिसिस इन द कॉन्टेक्सट ऑफ एग्रैरियन क्राइसिस इन इंडिया", भारतीय सामाजिक विज्ञान अनुसंधान परिषद, नई दिल्ली।

सम्मेलन/संगोष्ठियां/व्याख्यान

वर्ष 2020–21 के दौरान संस्थान द्वारा चार वेबिनार एवं एक कार्यशाला का आयोजन किया गया।

अनुसंधान संबद्धता एवं डॉक्टरेट/एम.फिल

संस्थान द्वारा अर्थशास्त्र में पीएच.डी की डिग्री प्रदान की जाती है जो राजस्थान केन्द्रीय विश्वविद्यालय से मान्यता प्राप्त है। वर्ष 2020–21 में 1 शोधार्थी को पीएच.डी की डिग्री प्रदान की गई, एक शोधार्थी ने अपना शोध प्रबंध जमा किया तथा 4 शोधार्थी वर्तमान में संस्थान में शोध कर रहे हैं।

प्रकाशन

पुस्तकें

1. झा जे, एन, घटक, पी मिनी, एस रोजगोपाल एवं एस मुरलीधरन, "ओपन एंड डिस्टैंस लर्निंग इन सेकंडरी स्कूल एजुकेशन इन इंडियाः पॉटेंशियल एंड लिमिटेशन्स", राउटलेज, 2020।

जर्नल्स में प्रकाशित अनुसंधान आलेख/पुस्तकों में अध्याय

वर्ष 2020–21 में संस्थान के विभाग द्वारा 6 अनुसंधान आलेख/ विभिन्न पत्रिकाओं में लेख प्रकाशित किए गए, साथ ही प्रकाशित पुस्तक में 1 अध्याय प्रकाशित हुआ।

अनुसंधान रिपोर्टें/मोनोग्राफ/वर्किंग पेपर्स

1. राजगोपाल एस., (2020), "कोविड–19 नेवीगेटिंग डिजीटल लर्निंग इन गवर्मेंट स्कूल्स इन राजस्थानः वॉयसेज फ्रॉम द फील्ड", आईडीएसजे (IDSJ) कार्यकारी आलेख क्र. 179, जयपुर।
2. राजगोपाल एस. (2020)," अंडरस्टैंडिंग बैरियर्स एंड एनाबेलर्स टू गर्ल्स सेकंडरी एजुकेशन इन राजस्थान पोस्ट कोविड–19", पॉलिसी ब्रीफ, नवंबर 2020, आईडीएसजे एवं डेवलेपमेंट सोल्यूशन्स, नई दिल्ली।
3. मोहनकुमार एस., (2021), "क्रोनिज्म इन लोकल गवर्मेंट्सः अ केस स्टडी ऑफ पल्लीचल ग्राम पंचायत इन केरला", रिपोर्ट विकास अध्ययन केन्द्र को प्रस्तुत, थिरुवनंथपुरम, केरल।
4. मोहनकुमार एस., (2020)," डिप्राईवेशन एंड इनइक्वैलिटी अमंग एससीज़ (SCs) एंड एसटीज़ (STs) इन राजस्थान", आईडीएसजे कार्यकारी आलेख क्रं. 180, दिसंबर 2020।
5. महामलिक एम., जी बी साहू, एम राउल एवं रणजीत कुमार, (2020), "अर्निंग गैप्स इन इंडियन इन्फॉर्मल मैन्यूफैक्चरिंग सेक्टर्स", कार्यकारी आलेख, सामाजिक अध्ययन केन्द्र, सूरत।
6. जैन वरिंदर. (2020), "वलनरैबिलिटी एक्सपोजर इन इनफॉर्मल मैन्यूफैक्चरिंग सेक्टरः अ रिफलेक्शन ऑन कंसेप्चुअल एंड एनालिटिकल इश्यूज़" एमपीआरए आलेख क्र. 103158, म्यूनिख व्यक्तिगत त्मच्म्ब' पुरालेख, जर्मनी।
7. जैन वरिंदर. (2020), "एनडैंजर्ड फ्रीडम टू डीसेंट लाइफ अमिस्ट (amidst) इकोनोमिक इनसिक्योरिटीः प्लाइट ऑफ वर्कर हाउसहोल्ड्स इन जालंधरस स्पोर्ट्स गुड्स इंडस्ट्री", एमपीआरए आलेख क्रं. 104066, म्यूनिख व्यक्तिगत त्मच्म्ब' पुरालेख, जर्मनी।
8. जैन वरिंदर. (2020), "मेकिंग पंजाब्स अर्बन इनफॉर्मल सेक्टर मोर रेसीलिएंट (Resilient) व्हाइल सिक्योरिंग

लाइव्लीहुड ड्यूरिंग पोस्ट–कोविड–19 टाइम्स", सीडीईआईएस पॉलिसी ब्रीफ क्र. 5, विकास अर्थशास्त्र एवं नवाचार अध्ययन केन्द्र, पंजाबी विश्वविद्यालय, पटियाला।

पुस्तक समीक्षा

1. महामलिक मोतीलाल, (2020), "ओपेन एंड डिस्टेंस लर्निंग इन सेकंडरी एजुकेशन इन इंडिया", (संपादन– जोत्सना झा एवं et al), मध्य प्रदेश सामाजिक विज्ञान पत्रिका, 25(1), दिसंबर, पेज 94–106, आईएसएसएन. 0973–855 एक्स।

2. जैन वरिंदर (2020), "एग्रीकल्चर इनोवेशन सिस्टम्स इन एशियाः टूवर्ड्स इनक्लूसिव रुरल डेवलेपमेंट", संपादन–लखविंदर सिंह एवं अनीता गिल, लंदन एवं न्यूयोर्क राउटलेज (टेलर एंड फ्रांसिस ग्रुप)

पुस्तकालय

पुस्तकालय 1. संदर्भ सेवाओं, 2. ग्रंथ सूची सेवाओं, 3. प्रतिलिपिकरण सेवाओं, 4. अंतःपुस्तकालय ऋण सेवाओं व नवीन आगमन सूची सेवाओं की सुविधा देता है। आईडीएस प्राध्यापकों एवं अनुसंधान कर्मचारियों के अतिरिक्त इस पुस्तकालय की सेवाएं भारत एवं विदेश के विभिन्न संस्थानों/विश्वविद्यालयों के शोधार्थियों व विद्यार्थियों तथा विभिन्न सरकारी विभागों के कर्मचारियों के लिए भी उपलब्ध हैं। आईडीएस पुस्तकालय द्वारा विंडोज के लिए सीडीएस/आईएसआईएस सॉफ्टवेयर का इस्तेमाल किया जाता है जिसे यूनेस्को द्वारा अतिशीघ्र संग्रहण, शीघ्र संचालन एवं सूचना पुनःप्राप्ति तंत्र को मजबूत बनाने के लिए विकसित किया गया है। इसके द्वारा किसी विशिष्ट संस्करण/शीर्षक को तुरंत खोज निकालने में भी सुविधा होती है जो किसी विशेष लेखक, शीर्षक, विषय, संकेत शब्द या पंजीकरण क्रमांक से संबंध रखता हो। मार्च 2021 तक शीघ्र पुनःप्राप्ति/अन्वेषणात्मक स्वरुप के रुप में विभिन्न शैक्षिक पत्रिकाओं में प्रकाशित लेखों की पुस्तकालय द्वारा बनाई गई डेटाबेस सूची 46,334 के रिकॉर्ड तक जा पहुँची थी। वर्तमान में आईडीएस पुस्तकालय ने विभिन्न संस्थानों के 46,334 लेख, 22,315 पुस्तकें एवं 11,764 अनुसंधान सामाग्री के संग्रह का कंप्यूटरीकरण किया है। पुस्तकालय में भासाविअप के सहायता संघ के सहयोग से मुख्य ऑनलाइंन संसाधनों जैसे जेएसटीओआर, इंडियास्टेट एवं एकॉनलाईट आदि की उपलब्धता रहती है। पुस्तकालय में ईपीडब्ल्यू (पूर्ण टेक्स्ट) व ईपीडब्ल्यू रिसर्च फाउंडेशन इंडिया टाइम सीरिज डेटा (ईपीडब्ल्यूआरएफआईटीएस) उपलब्ध है। साथ ही पुस्तकालय में विभिन्न जनगणना डेटा एवं अंतर्राष्ट्रीय डेटाबेस सीडीज में उपलब्ध हैं।पुस्तकालय में ऐसी 216सीडी हैं।

आईडीएस पुस्तकालय में पत्रिकाओं के 6710 पूर्व संस्करण उपलब्ध हैं। पुस्तकालय द्वारा 30 विदेशी पत्रिकाओं एवं 72 भारतीय पत्रिकाओं की सदस्यता जारी रखी गई है। साथ ही पुस्तकालय द्वारा 8 अंग्रेजी एवं 6 हिंदी अखबारों की सदस्यता ली जाती है जिससे शोधार्थियों की नीतियों एवं विकास समस्याओं के प्रति जागरुकता बनी रहे। पुस्तकालय ने 31 पुस्तकें, 61 अनुसंधान सामग्रियाँ, 717 सूचीबद्ध लेख, 216 डेटा सीडी एवं 92 पुस्तकें जोड़ी हैं।

विकास अध्ययन संस्थान, जयपुर
इंस्टीट्यूट ऑफ डेवलेपमेंट स्टडीज़ (आईडीएस), जयपुर
वित्त निधि (अन–ऑडिटेड) 2020–21

(₹ लाख में)

आय	राशि	व्यय	राशि
भा.सा.वि.अ.प. अनुदान		वेतन	
गैर–योजना (ओएच–36)	10.00	गैर–योजना (ओएच–36)	284.55
योजना (ओएच–31)	–	योजना (ओएच–31)	–
राज्य सरकार अनुदान		प्रतिष्ठान/ प्रशासनिक व्यय	–
गैर–योजना (ओएच–36)	40.00	गैर–योजना (ओएच–36)	
योजना (ओएच–31)	–	योजना (ओएच–31)	22.37
अन्य स्त्रोतों से आय (परियोजनाएं, अध्येतावृत्तियां, परामर्श सेवाएं आदि)	19.12	परियोजनाएं, अध्येतावृत्तियां, कार्यशालाएं/प्रशिक्षण कार्यक्रम, अन्य मिश्रित व्यय	–
अन्य कोई स्त्रोत (ब्याज, किराया आदि)	8.77	मिश्रित व्यय	–
*आय से ज्यादा व्यय की बढ़त	229.03		
कुल	**306.92**	**कुल**	**306.92**

* वेतन एवं कार्यालय के रख–रखाव पर होने वाले खर्च आवश्यक खर्चों में आते हैं, जिसकी निश्चित लागत होती है जिसे कम नहीं किया जा सकता। आईडीएसजे की आय के सीमित स्त्रोत हैं जैसे 1. भासाविअप से अनुदान 2. राजस्थान सरकार से अनुदान, 3. स्वयं के स्त्रोतों से आय। राजस्थान सरकार पिछले 10 वर्षों से 40 लाख रु. का निश्चित अनुदान दे रही है। इस समय के दौरान आईडीएसजी में विभागीय सदस्यों की संख्या अनुमोदित 16 सदस्यों की जगह 4 थी, जिसमें से दो वरिष्ठ विभागीय सदस्य पिछले कुछ वर्षों से निदेशक एवं सचिव के पद पर आसीन हैं। कुछ हद तक, अनुसंधान परियोजनाओं, कार्यशालाओं और संगोष्ठियों के द्वारा स्वयं की आय अर्जित करने में सीमित होने का कारण आईडीएसजे में विभागीय सदस्यों की कमी भी है। आय से ज्यादा व्यय (229.92 लाख) होने का कारण दिए गए विवरण द्वारा समझा जा सकता है।

आर्थिक विकास संस्थान, (आईईजी), नई दिल्ली
इंस्टीट्यूट ऑफ इकोनोमिक ग्रोथ (आईईजी), नई दिल्ली

अनुसंधान परियोजनाएं (पूर्ण)

1. संगीता चक्रवर्ती एवं ब्रिजेश झा, "फ्यूचर मार्केट फॉर एग्रीकल्चर कॉमोडिटीज़ इन इंडिया", कृषि एवं कृषक कल्याण मंत्रालय (MoAgr. & FW) द्वारा प्रायोजित, भारत सरकार।
2. संगीता चक्रवर्ती, गुरप्रीत ग्रोवर एवं सान्या अग्रवाल, "एसोसिएशन ऑफ सोश्यो–इकोनोमिक एंड डेमोग्राफिक फैक्टर्स विद कोविड–19 रिलेटेड हैल्थ आउटकम्स इन सार्क नेशन्स", स्वतः नेतृत्व।
3. सी.एस.सी शेखर, "मार्केट इंपरफेकशन्स एंड फार्म प्रोफिटैबिलिटी", कृषि एवं कृषक कल्याण मंत्रालय (एमओए एंड एफडब्ल्यू) द्वारा प्रायोजित, भारत सरकार।
4. सौदामिनी दास, "इंपेक्ट इवेल्यूएशन ऑफ क्लाईमेट चेंज अडॉप्टैशन्स प्रोजेक्ट्स अंडरटेकन बाय नाबार्ड अंडर अडॉप्टेशन फंड एंड नेशनल अडॉप्टेशन फंड फॉर क्लाईमेट चेंज", नाबार्ड द्वारा प्रायोजित।
5. सौदामिनी दास, "सोश्यो–इकोनोमिक एनालिसिस ऑफ बराक मेघना बेसिन इंडिया", आईयूसीएन एशिया पैसिफिक कार्यालय द्वारा प्रायोजित।
6. सौदामिनी दास, "कोविड लॉकडाउन एंड कोपिंग बाय इनफॉर्मल सेक्टर वर्कर्स (पार्ट 1)", नाबार्ड द्वारा प्रायोजित।

7. चंद्र एस आर नुथालपति, "रिक्वायरमेंट एंड एवैलेबिलिटी ऑफ कोल्ड चैन फॉर फ्रूट्स एंड वेजीटेबल्स इन द कंट्री", कृषि एवं कृषक कल्याण मंत्रालय (एमओए एंड एफडब्ल्यू) द्वारा प्रायोजित।

8. नीलाब्जा घोष, एम राजेश्वर, अलका सिंह एवं याशिका रानी, "फोरकास्टिंग एग्रीकल्चरल आउटपुट यूंजिंग स्पेस, एग्रो–मेटेरोलॉजी एंड लैंड बेस्ड ऑब्जर्वेशन (FASAL)/ रीयल टाईम इन्फोर्मेशन सिस्टम ऑफ एग्रीकल्चर सेक्टर (RTISA)", कृषि एवं कृषक कल्याण मंत्रालय (एंमओए एंड एफडब्ल्यू), भारत सरकार द्वारा प्रायोजित।

9. नीलाब्जा घोष, एम राजेश्वर, सतरुपा चक्रवर्ती एवं याशिका रानी, "को–ऑर्डिनेटेड होर्टीकल्चर एसेसमेंट एंड मैनेजमेंट यूजिंग जियो–इन्फोर्मेटिक्स (चमन–सीएचएएमएएन)", महालनोबीस नेशनल क्रॉप फोरकास्ट सेंटर (एमएनसीएफसी) एमओए एंड एफडब्ल्यू द्वारा प्रायोजित, 2019 से (6 फसलों (प्याज, टमाटर, आलू, मिर्ची, जीरा एवं धनिया) के लिए 2021 का पूर्वानुमान जमा किया गया।)

10. नीलाब्जा घोष, एम राजेश्वर, याशिका रानी, "इकोनोमेट्रिक क्रॉप यील्ड मॉडलिंग विद सैटेलाईट रिमोट सेंसिंग अंडर स्पेस यूटीलाईजेशन फॉर फूड सिक्योरिटी एंड एग्रीकल्चरल एसेसमेंट एंड मॉनिटरिंग (SUFALAM) प्रोग्राम", स्पेस एप्लीकेशन्स सेंटर (एसएसी) द्वारा प्रायोजित, भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) एसएसी, 2029, (गन्ने, कपास एवं चने के लिए पूर्वानुमान पर रिपोर्ट जमा की गई।)

11. विलियम जो, "इंपेक्ट ऑफ कोविड–19 लॉकडाउन पीरियड ऑन यूटिलाईजेशन ऑफ हैल्थ सर्विसेज कवरेज एंड यूटिलाईजेशनः एवीडेंस फ्रॉम एचएमआईएस", स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय (एमओएचएफडब्ल्यू), भारत सरकार, द्वारा प्रायोजित।

12. विलियम जो, "क्वालिटी ऑफ मैटरनल एंड निओनेटल केयर सर्विसेज इन पब्लिक हैल्थ फैसिलिटीजः अ स्टडी ऑफ सेलेक्टेड डिस्ट्रिक्ट्स ऑफ उत्तर प्रदेश", स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय (एमओएचएफडब्ल्यू), भारत सरकार द्वारा प्रायोजित।

13. विलियम जो, "ट्विन बर्थ्स, डिलेवरी केयर एंड चाइल्ड मोर्टैलिटी इन इंडियाः ट्रैंड एंड पैटर्न्सः एविडेंस फ्रॉम नेशनल फैमिली हैल्थ सर्वेज, 1992–2016", स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय (एमओएचएफडब्ल्यू), भारत सरकार द्वारा प्रायोजित।

14. विलियम जो, "होम बेस्ड केयर फॉर यंग चाइल्ड (एचबीवायसी) प्रोग्रामः अ स्टडी ऑन प्रिपेयर्डनेस ऑफ आशा (ASHA) इन हरिद्वार, उत्तराखंड", स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय (एमओएचएफडब्ल्यू), भारत सरकार द्वारा प्रायोजित।

15. विलियम जो, "एक्टीविटीज़, इनसेन्टिव्ज एंड टाइम एलोकेशन पैटर्न्स ऑफ 'आशा' वर्कर्सः अ स्टडी ऑफ सेलेक्टेड डिस्ट्रिक्ट्स इन उत्तर प्रदेश", स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय (एमओएचएफडब्ल्यू), भारत सरकार द्वारा प्रायोजित।

16. विलियम जो, "नॉलेज प्रॉडक्टस बेस्ड ऑन प्रोजेक्ट स्पॉटलाइट, पालघर, महाराष्ट्र", टाटा ट्रस्ट्स द्वारा प्रायोजित।

17. विलियम जो, "इवेल्यूएशन ऑफ प्रोजेक्ट मेकिंग इट हैप्पन, राजस्थान", टाटा ट्रस्ट्स द्वारा प्रायोजित।

18. विलियम जो, "काम्प्रीहैन्सिव नेशनल न्यूट्रीशन सर्वे (सीएनएनएस) – नॉलेज प्रॉडक्ट्स डेवलेपमेंट", यूनिसेफ द्वारा प्रायोजित।

19. इंद्राणी गुप्ता, "कॉस्टिंग ऑफ हैल्थ एंड वेलनेस सेंटर्सः अ केस स्टडी ऑफ गुजरात", एक्सेस (ACCESS) हैल्थ इंटरनेशनल द्वारा प्रायोजित।

20. इंद्राणी गुप्ता, "इंपेक्ट इवेल्यूएशन ऑफ आर्ट (ART) प्रोग्राम अंडर एनएसीपी", एनएसीपी (नाको) द्वारा प्रायोजित।

21. ओइंड्रिला दे, "इंपेक्ट ऑफ नरेगा (NREGA) ऑन स्मॉल स्केल इंडस्ट्री एंड इट्स क्लस्टर्स", इंप्रेस–भासाविअप द्वारा प्रायोजित।

22. सुरेश शर्मा एंड विलियम जो, "डिलेवरी ऑफ मेटरनल एंड चाइल्ड हैल्थ केयर सर्विसेज़ ड्यूरिंग कोविड–19 पैंडेमिकः अ स्टडी ऑफ राजस्थान", स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय (एमओएचएफडब्ल्यू), भारत सरकार द्वारा प्रायोजित।

23. सुरेश शर्मा, "नेशनल फैमिली हैल्थ सर्वे–5 (एनएफएचएस–5) एनसीटी दिल्ली", स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय (एमओएचएफडब्ल्यू), भारत सरकार द्वारा प्रायोजित।

24. सुरेश शर्मा, "नेशनल स्कीम ऑफ इनसेन्टिव टू गर्ल्स फॉर सेकंडरी एजुकेशन", मानव संसाधन विकास मंत्रालय (एमएचआरडी), भारत सरकार द्वारा प्रायोजित।

25. सुरेश शर्मा, "नेशनल मीन्स–कम–मेरिट स्कॉलरशिप स्कीम", मानव संसाधन विकास मंत्रालय (एमएचआरडी), भारत सरकार द्वारा प्रायोजित।
26. सुरेश शर्मा, "रोल ऑफ हैल्थ एंड वैलनेस सेंटर्स इन रिड्यूसिंग द बर्डन ऑफ नॉन–कम्युनिकेबल डिजीजेज़: अ कंपेरिटिव स्टडी बिटवीन उत्तराखंड एंड उत्तर प्रदेश", स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय (एमओएचएफडब्ल्यू), भारत सरकार द्वारा प्रायोजित।
27. सुरेश शर्मा, "इफेक्टिव यूटिलाईजेशन ऑफ अनमोल (एएनएमओएल) एंड इट्स इंपेक्ट ऑन पब्लिक हैल्थ सिस्टम इन द स्टेट ऑफ हिमाचल प्रदेश", स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय (एमओएचएफडब्ल्यू), भारत सरकार द्वारा प्रायोजित।
28. सुरेश शर्मा, "ट्रैन्ड्स इन हॉस्पीटल : इन–पैशेंट मोर्टेलिटी एंड एडमिशन्स वोल्यूम इन इंडिया", स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय (एमओएचएफडब्ल्यू), भारत सरकार द्वारा प्रायोजित।
29. सुरेश शर्मा, "एफीशिएंसी एसेसमेंट ऑफ मैटरनल हैल्थ सर्विसेज इन एसपायरेशनल डिस्ट्रिक्ट्स ऑफ द ईएजी स्टेट्स इन इंडियाः अ डेटा एनवलपमेंट एनालिसिस अप्रौच 5. इन्सीडेन्स ऑफ एडवर्स इवेन्ट्स ड्यूरिंग मेडीकल एंड सर्जीकल हॉसपीटलाईजेशन इन इंडियाः प्रोफाइलिंग क्वालिटी एश्योरेंस इन पब्लिक हैल्थ केयर", स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय (एमओएचएफडब्ल्यू), भारत सरकार द्वारा प्रायोजित।
30. सुरेश शर्मा, "अनकवरिंग डिकैडल ट्रैन्ड एंड स्पैटियल पैटर्न ऑफ वैक्सीन एक्सेस, यूटिलाईजेशन एंड वेस्टेज इन इंडियाः एवीडेंसेज फ्रॉम हैल्थ मैनेजमेंट इनफॉर्मेशन सिस्टम", स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय (एमओएचएफडब्ल्यू), भारत सरकार द्वारा प्रायोजित।
31. सुरेश शर्मा, "न्यूट्रीशनल स्टेट्स एंड प्रिवेलैंस ऑफ एनीमिया अमांग आउट–ऑफ–स्कूल अडॉलसेंट गर्ल्स इन इंडिया", स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय (एमओएचएफडब्ल्यू), भारत सरकार द्वारा प्रायोजित।
32. सुरेश शर्मा, "डिटरमिनेंट्स एंड पैटर्न्स ऑफ एनीमिया अमांग वूमेन विद फीटस ऑन लेवल्स ऑफ हीमोग्लोबिन डेफीशिएंसी", स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय (एमओएचएफडब्ल्यू), भारत सरकार द्वारा प्रायोजित।
33. सुरेश शर्मा, "कंप्रैहैन्सिव लैक्टेशन मैनेजमेंट सेंटर्स इन इंडियाः द नरिशमेंट एलिक्जियर फॉर द वलनरैबल निओनेट्स", स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय (एमओएचएफडब्ल्यू), भारत सरकार द्वारा प्रायोजित।
34. सुरेश शर्मा, "इंपेक्ट ऑफ कायाकल्प प्रोग्राम इन राजस्थान", स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय (एमओएचएफडब्ल्यू), भारत सरकार द्वारा प्रायोजित।
35. सुरेश शर्मा, "स्युसाइड रेट्स इन इंडिया एंड इट्स इंप्लीकेशन्स फॉर नेशनल हैल्थ प्रोग्राम (एनएमएचपी)", स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय (एमओएचएफडब्ल्यू), भारत सरकार द्वारा प्रायोजित।
36. सुरेश शर्मा, "इवेल्यूएशन ऑफ हैल्थ मैनेजमेंट इन्फोर्मेशन सिस्टम डेटा क्वालिटी इन उत्तराखंड", स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय (एमओएचएफडब्ल्यू), भारत सरकार द्वारा प्रायोजित।
37. सुरेश शर्मा, "इवेल्यूएशन ऑफ हैल्थ मैनेजमेंट इन्फोर्मेशन सिस्टम डेटा क्वालिटी इन देहली स्टेट", स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय (एमओएचएफडब्ल्यू), भारत सरकार द्वारा प्रायोजित।
38. वीना नारेगल, एनीगेरी, डेजी कुमारी एवं अरुप मित्रा, "सोशल पॉलिसी एनालिसिस बियोंड डेवलेपमेंट डिसकोर्स"।
39. वीना नारेगल, "लैंग्वेज, मार्जिनेलाईजेशन एंड द ट्राइबल क्वेश्चन", स्वयं द्वारा।

अनुसंधान परियोजनाएं (जारी)

1. संगीता चक्रवर्ती, "वोलेटिलिटी इन इंडियन स्टॉक मार्केट", स्वतः शुरु।
2. सौदामिनी दास, "इफेक्ट्स ऑफ हीट ऑन द इनकम्स ऑफ वर्कर्स इन द इनफोर्मल सेक्टर, इंपेक्ट ऑफ कोविड–19 लॉकडाउन एंड पोस्ट लॉकडाउन रिकवरी ऑफ अर्बन इनफोर्मल सेक्टर", द्वारा प्रायोजित।
3. सौदामिनी दास, "इंपेक्ट ऑफ कोविड–19 लॉकडाउन एंड पोस्ट लॉकडाउन रिकवरी ऑफ अर्बन इनफोर्मल सेक्टर (पार्ट 2)", एनवायरमेंट फॉर डेवलेपमेंट (ईआईडी) इनीशिएटिव, गोथबुर्ग यूनिवर्सिटी, जुलाई 2020 में शुरु एवं पूर्वानुमानित समाप्ति जुलाई 2021।
4. नीलाब्जा घोष, एम राजेश्वर, अलका सिंह एंड याशिका रानी, "फोरकास्टिंग एग्रीकल्चरल आउटपुट यूजिंग स्पेस, एग्रो–मेटेरोलॉजी एंड लैंड बेस्ड ऑब्जर्वेशन (FASAL)/ रीयल टाइम इन्फोर्मेशन सिस्टम ऑफ एग्रीकल्चरल

(RTISA)", कृषि एवं कृषक कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा प्रायोजित।

5. नीलाब्जा घोष, एम राजेश्वर, सतरुपा चक्रवर्ती एवं याशिका रानी, "कोओर्डिनेटेड होर्टीकल्चर एसेसमेंट एंड मैनेजमेंट यूजिंग जियो इन्फोर्मेटिक्स (चमन–सीएचएएमएएन)", कृषि एवं कृषक कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार के अंतर्गत, महालानोबीस नेशनल क्रॉप फोरकास्ट सेंटर (एमएनएफसी) द्वारा प्रायोजित।

6. नीलाब्जा घोष, एम राजेश्वर एवं याशिका रानी, "इकोनोमेट्रिक क्रॉप यील्ड मॉडलिंग विद सैटेलाइट रिमोट सेंसिंग अंडर स्पेस यूटिलाईजेशन फॉर फूड–सिक्योरिटी एंड एग्रीकल्चरल एसेसमेंट एंड मॉनिटरिंग (एसयूएफएएलएएम) प्रोग्राम", स्पेस एप्लीकेशन्स सेंटर (एसएसी), भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संस्थान (इसरो) एसएसी द्वारा प्रायोजित।

7. नीलाब्जा घोष एवं फसल चमन (FASAL CHAMAN) टीम, "लैंड यूज चैंजेज फ्रॉम एग्रीकल्चर टू अर्बन लैंडस्केप", स्वतः शुरु।

8. ब्रजेश झा, "पॉलिसी फॉर प्राईस सपोर्ट फॉर पल्सेज एंड ऑयल सीड्स इन इंडिया", कृषि एवं कृषक कल्याण मंत्रालय, (एमओए एवं एफडब्ल्यू) द्वारा प्रायोजित।

9. विलियम जो, अरविंद गुटुपल्ली, जे मेकडिआरमिड, कुणाल केशरी एवं संध्या महापात्रा, "फूड सिक्योरिटी एंड डायटेरी डायवर्सिटी अमांग लो–इन्कम माईग्रैंट वर्कर्स अफेक्टेड बाय कोविड–19", अबरदीन यूनिवर्सिटी द्वारा प्रायोजित।

10. विलियम जो, "प्रोवीजन एंड प्रमोशन ऑफ स्पेसिंग मेथड्स अंडर फैमिली प्लानिंग प्रोग्राम इन बिहार", कैटलाईजिंग चेंज इंडिया केन्द्र द्वारा प्रायोजित।

11. विलियम जो, "इवेल्यूएशन ऑफ वूमेन साइंटिस्ट्स स्कीम", विज्ञान एवं तकनीकी विभाग द्वारा प्रायोजित।

12. विलियम जो, "कोनकरंट मोनिटरिंग एंड टैक्नीकल सपोर्ट फॉर एनीमिया मुक्त भारत प्रोग्राम", इंडिया, यूनिसेफ द्वारा प्रायोजित।

13. अरुप मित्रा, "मोबिलिटी स्टडी", 2020 में शुरु।

14. अरुप मित्रा, "इंटर–सेक्टर वेज डिफरेंसेज़", 2020 में शुरु।

15. वीना नारेगल, "नॉलेज एंड पॉलिटिकल लेजीटिमेसीः कंपेरेटिव एशियन फ्रेमवर्क्स सी 1880–1950", पॉलिटिकल–थीमेटिक मॉड्यूल 1 के आईसीएएस–मेटामोर्फोसिस द्वारा प्रायोजित।

16. वीना नारेगल, "इकोनोमिक शटडाउन, हैल्थ क्राइसिस एंड एसकैलेशन ऑफ सोशल वलनरैबिलिटीः इंप्लीकेशन्स फॉर द फॉर्मल–इनफोर्मल डिवाईड इन पोस्ट–कोविड इंडिया", स्वतः शुरु।

17. वीना नारेगल, "इंटरनल माईग्रेशन, लेबर मार्केट ड्यूएलिज्म एंड पॉलिसी कॉन्टेक्सट्स इन पोस्ट–कोविड इंडिया"। स्वतः शुरु।

18. चंद्र शेखर राव नुथालपत्ती, "स्टार्टअप्स विद इनोवेशन्सः इंपेक्ट्स ऑन ग्रोथ, एंप्लॉयमेंट एंड वेलफेयर", भासाविअप, नई दिल्ली द्वारा प्रायोजित।

19. चंद्र शेखर राव नुथालपत्ती, "इनोवेशन्स इन फूड वेल्यू चेन्स एंड डायनेमिक्स ऑफ पार्टिसिपेशन एंड वेलफेयर इफेक्ट्स", नाबार्ड, मुंबई द्वारा प्रायोजित।

20. बसंत कुमार प्रधान, "कार्बन प्राइसिंग एंड टैक्नोलॉजीकल प्रोग्रेस इन अचीविंग इंडियाज़ एनडीसी टारगेट", स्वतः शुरु।

21. बसंत कुमार प्रधान, "अ सीजीई एनालिसिस ऑफ अल्टरनेटिव इकोनोमिक रिकवरी सिनेरियोज फॉर इंडिया", स्वतः शुरु।

22. बसंत कुमार प्रधान, "अचीविंग द एसडीजीज़ इन ओडिसाः चैलेंजेज एंड ऑपर्च्युनिटीज़", स्वतः शुरु।

23. सुरेश शर्मा एवं संपूर्ण पीआरसी स्टाफ, "एनएचएम देहली, मध्य प्रदेश, नागालैंड, लद्दाख, राजस्थान एंड उत्तर प्रदेश स्टेट्स प्रोग्राम इंप्लीमेंटेशन प्लान्स (पीआईपीज) – 2021–22 मोनिटरिंग एंड इवेल्यूएशन फॉर डिस्ट्रिक्ट्स", स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय, (एमओएचएफडब्ल्यू), भारत सरकार द्वारा प्रायोजित।

24. सुरेश शर्मा, "इवेल्यूएशन ऑफ डिस्ट्रिक्ट्स हॉस्पीटल्स यूजिंग डेटा एनवलपमेंट एनालिसिसः एन एसपायरेशनल डिस्ट्रिक्ट्स बेस्ड स्टडी", स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय, (एमओएचएफडब्ल्यू), भारत सरकार द्वारा प्रायोजित।

25. सुरेश शर्मा, "एन इवेल्यूएशन ऑफ बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ प्रोग्राम (बीबीबीपी) एंड गर्ल चाइल्ड डिस्क्रिमिनेशन इन इंडिया", स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय, (एमओएचएफडब्ल्यू), भारत सरकार द्वारा प्रायोजित।

26. सुरेश शर्मा, "एन इकोनोमेट्रिक एनालिसिस ऑफ हैल्थकेयर यूटीलाईजेशन अमांग ऑक्टोजेनेरिअन्स इन इंडिया", स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय, (एमओएचएफडब्ल्यू) , भारत सरकार द्वारा प्रायोजित।
27. सुरेश शर्मा, "अ रेट्रोस्पेक्टिव स्टडी ऑफ द सर्वाईवल आउटकम्स ऑफ लो बर्थ वेट निओनेट्सः एवीडेंसेज़ फ्रॉम एसएनसीयू एडमीशन्स इन राजस्थान", स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय, (एमओएचएफडब्ल्यू), भारत सरकार द्वारा प्रायोजित।
28. सुरेश शर्मा, "रोल ऑफ आंगनवाडी वर्कर्स एंड द चैलेंजेज़ फेस्ड इन इंटीग्रेटेड चाइल्ड डेवलेपमेंट सर्विसेज़ः स्टडी बेस्ड ऑन एसपायरेशनल डिस्ट्रिक्ट्स इन राजस्थान", स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय, (एमओएचएफडब्ल्यू), भारत सरकार द्वारा प्रायोजित।
29. स्वाति शर्मा, "ब्रेकिंग द ग्लास सीलिंग फॉर वूमेन इन मैन्यूफेक्चरिंग सेक्टरः वर्कप्लेस टाइज़ पर्सपेक्टिव", आईडब्ल्यूडब्ल्यूएजीई– आईएफएमआर द्वारा प्रायोजित।
30. अजीत मिश्रा, "फ्यूचर डैम्स (डीएएमएस)", मैनचेस्टर यूनिवर्सिटी के सहयोग से, यूकेईआरआई द्वारा प्रायोजित।

सम्मेलन/संगोष्ठियां/व्याख्यान

संस्थान द्वारा वर्ष 2020–21 के दौरान 2 कार्यशालाओं, 33 संगोष्ठियों, 8 पैनल चर्चाओं, 3 व्याख्यानों एवं 5 प्रशिक्षण कार्यक्रमों का आयोजन किया गया।

अनुसंधान संबद्धता एवं डॉक्टरेट/एम फिल

इस वर्ष के दौरान, तीन अंतर्राष्ट्रीय, दो राष्ट्रीय शोधार्थी, नौ पॉस्ट डॉक्टरल अध्येता एवं चार भासाविअप के डॉक्टरल अध्येता, संस्थान के साथ संबद्ध रहे। प्रस्तावित वर्ष में 1 शोधार्थी को डॉक्टरेट उपाधि दी गई एवं भासाविअप के 4 अध्येताओं के अतिरिक्त 1 शोधार्थी संस्थान से डॉक्टरेट उपाधि के लिए शोध कर रहा है।

प्रकाशन

पुस्तकें

1. अरूप मित्रा, "अर्बन हैडवे एंड अपवर्ड मोबीलिटी इन इंडिया", कैम्ब्रिज यूनिवर्सिटी प्रैस, 2021।
2. संजय सहगल, वसीम अहमद, पीयूष पांडे एवं साक्षी सैनी, "इकोनोमिक एंड फाइनेंशियल इंटीग्रेशन इन साउथ एशियाः अ कंटेम्पोररी पर्सपेक्टिव", राउटलेज, टेलर एंड फ्रांसिस ग्रुप, अक्तूबर 2020।

जर्नल्स में प्रकाशित अनुसंधान आलेख/पुस्तकों में अध्याय

वर्ष 2020–21 के दौरान संस्थान के विभाग द्वारा 44 अनुसंधान आलेख/पत्रिकाओं में लेख प्रकाशित किये गए एवं साथ ही प्रकाशित पुस्तकों में 14 अध्याय भी प्रकाशित हुए।

अनुसंधान रिपोर्टें

1. संगीता चक्रवर्ती एवं ब्रजेश झा, "फ्यूचर मार्केट फॉर एग्रीकल्चर कोमोडीटीज इन इंडिया", कृषि एवं कृषक कल्याण मंत्रालय (एमओए एंड एफडब्ल्यू), भारत सरकार की परियोजना।
2. सी एस सी सेखर, "मार्केट इंपरफेक्शन्स एंड फार्म प्रोफिटैबिलिटी", ड्राफ्ट रिपोर्ट कृषि एवं कृषक कल्याण मंत्रालय (एमओए एंड एफडब्ल्यू), ड्राफ्ट रिपोर्ट भारत सरकार को सौंप दी गई है।
3. नीलाब्जा घोष, एम राजेश्वर, अलका सिंह एवं याशिका रानी, "फोरकास्टिंग एग्रीकल्चरल आउटपुट यूजिंग स्पेस एग्रो–मेटेरोलॉजी एंड लैंड बेस्ड ऑब्जर्वेशन (FASAL)/ रीयल टाइम इन्फोर्मेशन सिस्टम ऑफ एग्रीकल्चर सेक्टर (RTISA)", रिपोर्ट कृषि एवं कृषक कल्याण मंत्रालय (एमओए एंड एफडब्ल्यू), भारत सरकार को सौंपी गई। (खरीफ पूर्वनुमान एवं मासिक रबी पूर्वानुमान 2020–21)
4. नीलाब्जा घोष, एम राजेश्वर, सतरुपा चक्रवर्ती एवं याशिका रानी, "कोऑर्डिनेटेड होर्टीकल्चर एसेसमेंट एंड मैनेजमेंट यूजिंग जियो–इन्फोर्मेटिक्स (चमन)", 2020–21 के लिए 6 फसलों (प्याज, टमाटर, आलू, मिर्ची, जीरा एवं धनिया) की पूर्वानुमान रिपोर्ट कृषि एवं कृषक कल्याण मंत्रालय (एमओए एंड एफडब्ल्यू), भारत सरकार को सौंपी गई।
5. नीलाब्जा घोष, एम राजेश्वर, याशिका रानी, "इकोनोमेट्रिक क्रॉप यील्ड मॉडलिंग विद सैटेलाइट रिमोट सेंसिंग अंडर स्पेस यूटीलाईजेशन फॉर फूड सिक्योरिटी एंड एग्रीकल्चरल एसेसमेंट एंड मोनीटरिंग (सुफलम) प्रोग्राम", गन्ने, कपास एवं चने के लिए मूल्य पूर्वानुमान रिपोर्ट स्पेस एप्लीकेशन सेंटर (एसएसी), भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संस्थान (इसरो) एसएसी, को सौंपी गई।

6. प्रवाकर साहू, "कोविड–19 चौलेंजेज फॉर द इंडियन इकोनोमीः ट्रेड एंड फॉरेन पॉलिसी इश्यूज़", 2020, में रिपोर्ट पॉलिसी रिस्पांस टू मिनीमाइज़ द फालआउट ऑफ कोविड–19 ऑन ट्रेड एंड एमएसएमईज, पेज 161–165।

वर्किंग पेपर्स (कार्यकारी आलेख)

1. साहू प्रवाकर एवं अश्विनी, "कोविड–19 एंड इंडियन इकोनोमीः इंपेक्ट ऑन ग्रोथ, मैन्यूफैक्चरिंग ट्रैड एंड एमएसएमई सेक्टर", कार्यकारी आलेख (Working Papers) क्र. 390/2020।

2. मिश्रा अजीत एवं सैमुअल एंड्रेयू, "डज इट मैटर्स हू एक्सटोर्ट्स ? एक्सटोर्शन बाय कॉम्पीटेंट एंड अनकॉम्पीटेंट एनफोरसर्स", कार्यकारी आलेख क्रं 391/2020।

3. दाश मिनाती, "अवर प्लेस इन द फ्यूचरः एन एक्सप्लोरेशन ऑफ चालाकी अमांग यंग मैन डिस्पोज़्ड बाय अ माइनिंग प्रोजेक्ट", कार्यकारी आलेख क्रं 392/2020।

4. दयाल विक्रम एवं मुरुगेसन आनंद, "डिमिस्टीफाईंग कैजुअल इनफरेंसः इनग्रेडिएंट्स ऑफ रेसीपी", कार्यकारी आलेख क्र. 393/2020।

5. चेट्टी वी के एवं प्रधान बसंत के, "द रोल ऑफ इन्कम डिस्ट्रीब्यूशन इन फाइनेंसिंग ह्यूमन कैपीटल इन्वेस्टमेंट", कार्यकारी आलेख क्र. 394/2020।

6. शर्मा सुरेश एवं सिंह अंकिता, "इम्पोर्टेंस ऑफ स्कॉलरशिप स्कीम इन हायर एजुकेशन फॉर स्टूडेन्ट्स फ्रॉम द डिप्राईव्ड सेक्शन्स", कार्यकारी आलेख क्र. 395/2020।

7. प्रधान बसंत के, चौधुरी चेतना एवं सलूजा एम आर, "कंस्ट्रक्टिंग एन इनपुट–आउटपुट टेबल फॉर ओड़िसा फॉर 2013–14", कार्यकारी आलेख क्र. 396/2020।

8. बोरात्ती विजयकुमार एम एवं नारेगल वीना, "रीथिंकिंग लिंग्विस्टिक यूनीफिकेशन, स्पैनिंग पॉलिटिकल हेटरोजेनिटीः कर्नाटका एकीकरण अक्रॉस ब्रिटिश इंडिया एंड प्रिंसली कर्नाटका", कार्यकारी आलेख क्र. 397/2020।

9. देवदेवन मनु एवं नारेगल वीना, "द यूनीफिकेशन मूवमेंट इन कर्नाटकाः ट्विन लॉजिक्स ऑफ कल्चरल एंड इकोनोमिक कॉन्सोलीडेशन", कार्यकारी आलेख क्र. 398/2020।

10. सहाय समराज एवं पांडा मनोज, "डिटरमिनेंट्स ऑफ इकोनोमिक ग्रोथ अक्रॉस स्टेट्स इन इंडिया", कार्यकारी आलेख क्र. 399/2020।

11. चौधुरी सामिक एवं गुप्ता इंद्राणी, "फिस्कल स्पेस एंड एक्सपेंडीचर प्रायोरिटीज पोस्ट–14थ फाईनेंस कमीशनः अ स्टडी ऑफ फाइव इंडियन स्टेट्स", कार्यकारी आलेख क्र. 400/2020।

12. मित्रा अरुप, "सर्विस सेक्टर इन इंडियाः डज़ इट कॉन्ट्रीब्यूट टू पोपुलेशन मूवमेंट एंड पॉवर्टी रिडक्शन?" कार्यकारी आलेख क्र. 401/2020।

13. दासगुप्ता ज्योत्सना एवं साहा अनुराधा, "द ग्लासेज आर टिंटेडः सेल्फ–कॉन्फीडेंस एंड पॉवर्टी ट्रैप", कार्यकारी आलेख क्र. 402/2020।

14. गर्ग संध्या एवं गुप्ता समर्थ, "फाइनेंशियल एक्सेस ऑफ अनबैंक्ड विलेजेज़ इन इंडिया फ्रॉम 1951–2019 – अ स्पैटियल अप्रोच", कार्यकारी आलेख क्र. 403/2020।

15. मैती दिब्येन्दु एवं सिंह प्रकाश, "फाइनेंस एंड इनोवेशनः कंट्री–लेवल एवीडेंस ऑन रोल ऑफ फर्म साइज एंड कॉम्पीटीशन", कार्यकारी आलेख क्र. 404/2020।

16. मित्र अरुप एवं सिंह जितेंदर, "कोविड–19 पैंडेमिक एंड लाइव्लीहुड लॉसः वेरीयेशन्स इन अनएंप्लॉयमेंट आउटकम्स एंड लेसन्स फॉर फ्यूचर", कार्यकारी आलेख क्र. 405/2020।

17. कुमार अभिषेक एवं जो विलियम, "कॉस्ट–बेनेफिट एनालिसिस ऑफ न्यूट्रीशन इंटरवेन्शन्स इन इंडियाज़ पॉलिसी फ्रेमवर्क", कार्यकारी आलेख क्र. 406/2020।

18. ब्राउन ट्रैंट, "वोकेशनल ट्रेनिंग, एक्सटेन्शन एंड द चेंजिंग लैंडस्केप ऑफ एग्रीकल्चरल एजुकेशन इन इंडिया", कार्यकारी आलेख क्र. 407/2020।

19. झा ब्रजेश, "फार्मर्स स्ट्रैस, इन्कम एंड द रोल ऑफ नॉन–फार्म बिजनेस", कार्यकारी आलेख क्र.408/2020।

20. दास सौदामिनी एवं मिश्रा अजीत, "कोविड लॉकडाउन, हाउ पीपुल मैनेज़्ड एंड इंपेक्ट ऑफ वेलफेयर स्कीम्स ऑन इन्फॉर्मल सेक्टर वर्कर्सः एवीडेंस फ्रॉम दिल्ली स्लम्स", कार्यकारी आलेख क्र. 409/2020।

21. मित्रा अरुप एवं शर्मा चंदन, "एंप्लॉयमेंट एंड टीएफपी इंपेक्ट ऑफ टैक्नोलॉजीज़ इन द डेवलेपिंग वर्ल्डः डोमेस्टिक वर्सेज इंपोर्टेड एक्सपर्टीज़", कार्यकारी आलेख क्र. 410/2020।

22. बिश्नोई अश्विनी एवं साहू प्रवाकर, "बेल्ट एंड रोड इनीशिएटिव्ज़ः डेवलेपमेंट्स, इकोनोमिक एंड स्ट्रैटेजिक इंप्लीकेशन्स", कार्यकारी आलेख क्र. 411/2020।

23. शर्मा सुरेश एवं शर्मा वंदना, "एफीशिएंसी एसेसमेंट ऑफ मैटरनल हैल्थ सर्विसेज़ इन द एसपायरेशनल डिस्ट्रिक्ट्स ऑफ ईएजी स्टेट्स इन इंडियाः अ डेटा एनवेलपमेंट एनालिसिस अप्रोच", कार्यकारी आलेख क्र. 412/2020।
24. चेट्टी वी के, एवं प्रधान बसंत के, "हौरॉड–डोमर फोर्मूला फॉर टू सेक्टर ग्रोथ मॉडल्स", कार्यकारी आलेख क्र. 413/2020 ।
25. कुमार नीरज एवं मित्रा अरुप, "व्हाट कॉजेज पूअर चाइल्ड हैल्थ इन इंडिया? रिफलेक्शन्स फ्रॉम एनएफएचएस–5", कार्यकारी आलेख क्र. 414ध्2020।
26. गुप्ता इंद्राणी, त्रिवेदी मयूर, जानी विशाल, बर्मन आकांक्षा, रंजन अवंतिका एवं शर्मा मानस, "कॉस्टिंग ऑफ हैल्थ एंड वेलनेस सेंटर्सः अ केस स्टडी ऑफ गुजरात", कार्यकारी आलेख क्र. 415ध्2020।
27. मित्रा अरुप, श्रीवास्तव पुनीत कुमार एवं सिंह गुरु प्रकाश, "लाइव्लीहुड वोलैटिलिटी इन द अर्बन लेबर मार्केटः रिफलेक्शन्स फ्रॉम इंडियाज़ पीएलएफएस डेटा (2017–18)", कार्यकारी आलेख क्र. 416/2020।
28. नुथालपत्ती चंद्रा एस आर, "हैज ओपन इनोवेशन टेकन रूट इन इंडिया? एवीडेंस फ्रॉम स्टार्टअप्स वर्किंग इन फूड वेल्यू चेन्स", कार्यकारी आलेख क्र. 417/2020।
29. पांडा मनोज, कुमार अभिषेक एवं जो विलियम, "ग्रोथ मैटर्स? रीविजिटिंग द एनिग्मा ऑफ चाइल्ड अंडरन्यूट्रीशन इन इंडिया", कार्यकारी आलेख क्र. 418/2020।
30. गुप्ता इंद्राणी, चौधरी सामिक, रंजन अवंतिका एवं सौन दिवस सिंह, "प्रायोरिटीज इन बजटरी एलोकेशन्स फॉर हैल्थ ड्यूरिंग द फोर्टिन्थ फाईनेंस कमीशनः एवीडेंस फ्रॉम फाइव स्टेट्स", कार्यकारी आलेख क्र. 419/2020।
31. शेखर सी एस सी, "प्राईस ओर इन्कम सपोर्ट टू फार्मर्स? पॉलिसी ऑपशन्स एंड इंप्लीकेशन्स", कार्यकारी आलेख क्र. 420/2020।
32. कमिलम अंशुमान एवं केसवानी मेहरा मीता, "एक्सप्लोरिंग द कनवरजेंस पजल इन इंडिया : कंबाइनिंग नियोक्लासिकल एंड एंडोजीनस मॉडल्स टू अंडरस्टैंड ग्रोथ एक्सपीरियेंस ऑफ इंडियन स्टेट्स", कार्यकारी आलेख क्र. 421/2021।
33. नारेगल वीना एवं कुमारी डेजी, "पॉलिसी एनालिसिस बियोंड डेवलेपमेंट इकोनोमिक्सः क्वेश्चन्स फॉर लेबर पॉलिसी एनालिसिस", कार्यकारी आलेख 422/2021।
34. कुमारी डेजी एवं नारेगल वीना, "रीविजिटिंग रिपोर्ट्स ऑफ द फर्स्ट नेशनल लेबर कमीशन एंड द सेकंड नेशनल लेबर कमीशनः लेबर पॉलिसी एनालिसिस – पार्ट 2", कार्यकारी आलेख क्र. 423/2021।
35. आदित्य भट्टाचार्य एवं ओइन्द्रिला दे, "इंडियाज़ कार्टेल पैनल्टी प्रैक्टिसेज, ऑप्टीमल रेस्टीट्यूशन एंड डेटरेंस", कार्यकारी आलेख क्र. 424/2021।
36. अरुप मित्रा, गुरु प्रकाश सिंह एवं पुनीत कुमार श्रीवास्तव, "हाउ अनस्टेबल द सोर्सेज ऑफ लाइव्लीहुड आर? एनालिसिस बेस्ड ऑन पीरियोडिक लेबर फोर्स सर्वे डेटा (2017–18)", साउथ एशियन यूनिवर्सिटी द्वारा प्रकाशित, कार्यकारी आलेख क्र. एसएयूएफई–डब्ल्यूपी–2020–008।
37. अरुप मित्रा एवं सब्यसाची त्रिपाठी, "डज सिटी साईज मैटर फॉर माईग्रेशन एंड पॉवर्टीः अ स्टडी ऑफ मिलियन–प्लस सिटीज इन इंडिया", साउथ एशियन यूनिवर्सिटी द्वारा प्रकाशित, कार्यकारी आलेख क्र. एसएयूएफई–डब्ल्यूपी–2020–005।

पुस्तकालय

आईईजी पुस्तकालय में सामाजिक विज्ञान से संबंधित ऐसी पुस्तकों एवं प्रलेखों का एक विशिष्ट संग्रह है, जिनमें विकास एवं योजना पर विशेष बल दिया गया है। यह मुख्य रुप से विभागीय अनुसंधान एवं प्रशिक्षण की आवश्यकताएं पूर्ण करता है। साथ ही पुस्तकालय में सूक्ष्म प्रलेख, क्रमणिकाएं एवं शासकीय प्रकाशन का भी संग्रह है जिन्हें अनुसंधान संस्थानों, व्यवसायिक संस्थानों, अंतर्राष्ट्रीय संगठनों एवं उनकी सहयोगी समितियों, विश्वविद्यालयों तथा केन्द्रीय व राज्य सरकारों के विभाग एवं उनके अनुसंधान एवं परीक्षक इकाईयों से लाया गया है।

वर्तमान में (31 मार्च, 2021 तक) पुस्तकालय के पास 1,48,195 प्राप्त किये हुए प्रलेख/दस्तावेज हैं जिनमें पुस्तकें, विनिबंध (Monography), कार्यशाला आलेख, सम्मेलन कार्यवाहियां शामिल हैं, साथ ही पुस्तकालय में सामाजिक विज्ञानों की लगभग 3,500 सांख्यिकीय क्रमणिकाएं हैं जिनमें भारत तथा अन्य देशों की सांख्यिकीय सूचनाएं है। साथ ही यहां विभिन्न कंपनियों एवं सरकारी विभागों व अन्य संगठनों के संस्थानिक अनुसंधानों की रिपोर्ट्स, कार्यकारी आलेख (Working Papers) व वार्षिक रिपोर्टें भी हैं। इसके अतिरिक्त पुस्तकालय में 1,250 शीर्षकों की पत्रिकाओं के 23,000 पूर्व संस्करण हैं। पुस्तकालय को 187 पत्रिकाएं प्राप्त होती हैं जिसमें से वह 67 पत्रिकाओं

की सदस्यता लेता है, 28 पत्रिकाएं आदान–प्रदान के अंतर्गत प्राप्त होती हैं तथा 92 पत्रिकाएं अनुदान स्वरुप। पुस्तकालय भारत तथा विदेशों में अपने समकक्ष संस्थानों के साथ आईईजी अनुसंधान परिणामों एवं प्रकाशनों (कॉन्ट्रीब्यूशन टू इंडियन सोश्योलॉजी, पत्रिका समेत) का आदान–प्रदान भी करता है।

पुस्तकालय में 1872 से लेकर अब तक की संपूर्ण जनगणना रिपोर्टें हैं। 1872 से 1951 तक का डेटा सूक्ष्मिका (माइक्रोफिश) रुप में है तथा 1951 से 2011 तक का हार्ड कॉपी के रुप में। 1991, 2001 एवं 2011 की जनगणना सीडी में भी उपलब्ध है। यहां प्राचीन पुरालेखों एवं प्रलेखों का भी अनोखा संग्रह है जिसे यूनेस्को संग्रह के एक भाग के रुप में प्राप्त किया गया है। आईईजी पुस्तकालय में एएसआई, एनएसएस, वर्ल्ड बैंक, आईएमएफ, एडीबी आदि के भी विशेष डेटासेट व सीडी का अच्छा संग्रह है। 31 मार्च, 2021 तक इसका कुल सीडी–रोम संग्रह 1,396 था।

आईईजी पुस्तकालय में डिजीटाइज़्ड, आईईजी कार्यकारी आलेख, आईईजी परिचर्चा आलेख आदि हैं। ये सभी आईईजी अनुसंधान आलेख (फुल टेक्स्ट) आईईजी इंटरनेट पर उपलब्ध हैं। पुस्तकालय ने अपना एक डेटा केन्द्र भी बनाया है।

वर्तमान में आईईजी पुस्तकालय दिल्ली विश्वविद्यालय के लैन (एलएएन) सिस्टम से जुड़ा है। साथ ही वह डेलनेट (डीईएलएनईटी) का सदस्य है। जिससे विभिन्न ऑनलाईन संसाधनों, पत्र–पत्रिकाओं और डेटाबेस जैसे टेलर एंड फ्रांसिस, ऑक्सफोर्ड यूनिवर्सिटी प्रैस, कैंम्ब्रिज यूनिवर्सिटी प्रैस, सेज ऑनलाइन, जेस्टोर (जेएसटीओआर), साइंस डायरेक्ट आदि का लाभ मिलता है। पुस्तकालय को भासाविअप से भी कुछ डेटाबेस मिलता है जैसे प्रोएस (सीएमआईई), जेस्टोर (जेएसटीओआर), एब्सको (ईबीएससीओ), इंडियासेट आदि। आईईजी पुस्तकालय कुछ डेटाबेस की सदस्यता भी लेता है जैसे डिस्ट्रिक्ट मेट्रिक्स, ईपीडब्ल्यू रिसर्च फाउंडेशन आदि।

आईईजी पुस्तकालय नें अपने विभागीय सदस्यों तथा शोधार्थियों के लिए कुछ ग्राहक अनुकूलन एवं प्रशिक्षण कार्यक्रम भी आयोजित किये। वर्ष 2020–21 के दौरान, संस्थान द्वारा अपने शोध विद्यार्थियों तथा कर्मचारियों के लिए एब्सको (ईबीएससीओ) डेटाबेस के उपयोग का ऑनलाईन प्रक्षिशण कार्यक्रम आयोजित किया गया। इन सबके अतिरिक्त आईईजी पुस्तकालय दिल्ली विश्वविद्यालय व अन्य संगठनों आदि के विद्यार्थियों को पुस्तकालय वं सूचना विज्ञान के लघु कालिक प्रशिक्षण कोर्स भी उपलब्ध कराता है।

आर्थिक विकास संस्थान, (आईईजी), नई दिल्ली
इंस्टीट्यूट ऑफ इकोनोमिक ग्रोथ (आईईजी), नई दिल्ली
वित्त निधि (अन–ऑडिटेड) 2020–21

(₹ लाख में)

आय	राशि	व्यय	राशि
भा.सा.वि.अ.प. अनुदान		**वेतन**	
गैर–योजना (ओएच–36)	327.42	गैर–योजना	456.63
योजना (ओएच–31)	10.00	योजना	2.09
राज्य सरकार अनुदान		प्रतिष्ठान / प्रशासनिक व्यय	
गैर–योजना	–	गैर–योजना	–
योजना	–	योजना	7.91
स्वयं के स्त्रोतों से आय (परियोजनाएं, परामर्श सेवाएं आदि)	129.21	अन्य मिश्रित व्यय	–
अन्य स्त्रोत	–	मिश्रित व्यय	
कुल	**466.63**	**कुल**	**466.63**

सार्वजनिक उद्यम संस्थान (आईपीई), हैदराबाद

इंस्टीट्यूट ऑफ पब्लिक एंटरप्राइज़ (आईपीई), हैदराबाद

अनुसंधान परियोजनाएं (पूर्ण)

1. ए. पवन कुमार, "इंपैक्ट ऑफ कॉरपोरेट गवर्नेंस ऑन द वैल्यू क्रीएशन इन स्टॉक मार्केट्सः ए केस ऑफ सीपीएसई इन इंडिया", इम्प्रेस (IMPRESS): आईसीएसएसआर।
2. एस. श्रीनिवास मूर्ति, "बैंक क्रेडिट, माइक्रो एंड फाइनैंशल इंक्लूशनः द प्रोग्रेस, चैलेंजेज एंड वे फॉर्वार्ड", आईसीएसएसआर।
3. वी. श्रीकांत, "व्हिसल ब्लोइंग पॉलिसी डिस्क्लोज़र एज़ ए कॉरपोरेट गवर्नेंस मैकेनिज़्म इन इंडियन लिस्टेड फर्म्स", आईसीएसएसआर।

अनुसंधान परियोजनाएं (जारी)

1. संदीप कुमार कुजुर, "लेबर डिस्प्लेसमेंट पोटेंशल ऑफ टेक्नोलॉजी एडप्शनः फर्म लेवल एविडेंस फ्रॉम इंडियन मैन्युफैक्चरिंग इंडस्ट्री", आईसीएसएसआर।
2. उषा नोरी, "एक्स्पोर्ट कॉम्पीटिटिवनेस ऑफ इंडियन एसएमई (SMEs) एंड द राइज ऑफ ग्लोबल वैल्यू चेन्सः ए स्टडी ऑफ मैन्युफैक्चरिंग एंड आईटी (IT) सेक्टर्स", इम्प्रेस (IMPRESS) : आईसीएसएसआर।
3. चौ. लक्ष्मी कुमारी, "ए स्टडी ऑन सोशियो– इकोनामिक फैक्टर्स इंफ्लूएंसिंग सस्टेनेबलिटी ऑफ ओपन डेफेकेशन फ्री विलिज़ेज इन इंडिया", इम्प्रेस (IMPRESS): आईसीएसएसआर।
4. एम.एल.एन. राव, "ए स्टडी ऑन लीन एग्रीकल्चरल सप्लाई चेन फॉर हाई वैल्यूड प्रोडक्ट्स", इम्प्रेस (IMPRESS): आईसीएसएसआर।
5. आनंद अकुंद, "ए स्टडी ऑन सोशली रेस्पॉन्सिबल सप्लाई चेन्स फॉर प्रोटेक्शन ऑफ ह्यूमन राइट्स", राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग (NHRC)।
6. एम. कार्तिक,"प्रीवेलेंस ऑफ गर्ल चाइल्ड लेबर इन द इंडियन टेक्सटाइल एंड गार्मेंट इंडस्ट्री", राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग।
7. राजेश गंगाखेडकर, "इवैल्यूएशन ऑफ उजाला (UJALA) प्रोग्राम– ए फोकस ऑन रेज़िडेंशल इलेक्ट्रिसिटी कंज्यूमर्स ऑफ सलेक्ट रीजन्स ऑफ हैदराबाद एंड रंगारेड्डी डिस्ट्रिक्ट्स", इंप्रेस (IMPRESS): आईसीएसएसआर।

सम्मेलन / सेमिनार / व्याख्यान

संस्थान ने वर्ष 2019–20 के दौरान तीन सम्मेलनों और 24 सेमिनारों / व्याख्यानों और 13 कार्यशालाओं / प्रशिक्षण कार्यक्रमों का आयोजन किया था।

अनुसंधान संबद्धता और पीएच.डी. / एम.फिल.

वर्ष के दौरान, पांच शोध छात्रों को पीएच.डी. की डिग्री दी गई, दो ने अपना थीसिस जमा किया और 22 शोध छात्र शोध कार्य कर रहे थे।

प्रकाशन

पुस्तकें

1. आर. के. मिश्रा, श्रीकांत विल्लीवलम, और शुलग्ना सरकार (2020), "मैनेजमेंट रिसर्च इन इंडिया", Academic Foundation प्रेस, नई दिल्ली।
2. मिश्रा, आर. के., सरकार, एस., और किरणमई, जे. (2020), "सीएसआर (CSR) इन हैज़र्डस सेक्टरः द इंडियन सिनेरियो", Academic Foundation प्रेस, नई दिल्ली।
3. मिश्रा, आर. के. और किरणमई, जे. (2020), "ड्यूटीज़ ऑफ डायरेक्टर्सः इंडियन एंड इंटरनेशनल पर्सपेक्टिव", Academic Foundation प्रेस, नई दिल्ली।
4. मिश्रा, आर. के., सी. लक्ष्मी कुमारी और किरणमई, जे. (2020), "ओपन डेफेकेशन फ्री इंडियाः ए केस ऑफ कृष्णा डिस्ट्रिक्ट इन आंध्र प्रदेश", Academic Foundation प्रेस, नई दिल्ली।
5. मिश्रा, आर.के., माथुर, एस. के. (2020),"पर्फोमेंस, बिज़नेस मॉडल्स, स्ट्रैटेजिज एंड इनोवेशन मैनेजमेंट फॉर ग्रोथ एंड प्रॉफिटैबिलिटीः ए स्टडी ऑफ स्टेट लेवल पब्लिक इंटरप्राइज़स इन असम", Academic Foundation प्रेस, नई दिल्ली।
6. सिन्जू शंकर और के. रमेश (2020), "एथिक्स इन ह्यूमन रिसोर्स मैनेजमेंट", डिस्कवरी पब्लिशिंग हाउस प्रा. लिमि.
7. ऊषा नोरी, पी.एस.जानकी कृष्णा और मसचेंदर गौड़ (2020),"ऑटोमेशन ऑफ पब्लिक डिस्ट्रीब्यूशन सिस्टम इन तेलंगाना", Academic Foundation प्रेस, नई दिल्ली।
8. अनुपमा दूबे, आर. के. मिश्रा, आर.बी. सिंह (2020), "सस्टेनेबल क्लाइमेट एक्शन एंड वाटर मैनेजमेंट", Academic Foundation प्रेस, नई दिल्ली।

शोध पत्र और पत्रिकाओं में लेख

वर्ष 2020–21 के दौरान संस्थान के संकाय ने अलग– अलग पत्रिकाओं में 35 शोधपत्र/लेख प्रकाशित किए।

अनुसंधान रिपोर्ट/मोनोग्राफ्स/कार्य पत्र

1. आर. के. मिश्रा, के. त्रिविक्रम और शाहीन (2020), "कोविड–19: द पैनडेमिक लेसंस बिटवीन लाइव्स एंड लाइवलीहुडः द इंडियन सिनेरियो"।

पुस्तकालय/लाइब्रेरी

कम्प्यूटरीकृत पुस्तकालय पिछले कुछ वर्षों में बहुत समृद्ध बनाया गया है और इसमें 55,089 से अधिक पुस्तकों का संग्रह है। इनमें प्रबंधन और सूचना प्रौद्योगिकी के विभिन्न क्षेत्रों से संबंधित पुस्तकें, रिपोर्ट और पत्रिकाओं के पूर्व संस्करण भी है। इसने 200 से अधिक अंतर्राष्ट्रीय/राष्ट्रीय दैनिक समाचार पत्रों और पत्रिकाओं की हार्ड कॉपी की और 14 राष्ट्रीय/क्षेत्रीय अखबारों की सदस्या ली हुई है और यहां वर्किंग पेपर्स का समृद्ध संग्रह भी है। साथ ही 106 डॉक्टोरल थीसिस और 3500 छात्रों की प्रोजेक्ट रिपोर्ट, 200 ऑडियो/वीडियो सीडी आदि भी हैं। वर्ष 2020–2021 के दौरान कुल 1013 टाइटल और शामिल किए गए।

पुस्तकालय विद्वतापूर्ण और उद्योग–प्रासंगिक सामग्री वाले विभिन्न डेटाबेसों की सदस्यता के माध्यम से सर्वोत्तम बिजनेस और प्रबंधन संबंधी डिजिटल संसाधनों तक पहुँच भी प्रदान करता है। यह आईपीई के अकादमिक केंद्र के मध्य में है और इसे आईपीई समुदाय की सूचना संबंधी जरूरतों को पूरा करने के लिए डिज़ाइन किया गया है। साथ ही यह बिजनेस और प्रबंधन में होने वाले नवीनतम विकास संबंधी समाचार प्राप्त करने का भी स्रोत है। आईपीई पुस्तकालय ऑनलाइन डेटाबेस प्रदान करता है। इनमें शामिल हैं– ईबीएससीओः इकोनलिट एंड बिजनेस सोर्स एलीट, जेएसटीओआर, प्रोक्वेस्ट–एबीआई इंफो ग्लोबल, प्रोवेस आईक्यू– सीएमआईई प्रोवेस, ब्लूमबर्ग डेटाबेस, इंडियास्टैट, ईपीडब्ल्यूआरएफआईटी, प्राइम डेटाबेस, आईएनएफएलआईबीएनईटी एन–लिस्ट, डीईएलएनईटी, आईसीएसएसआर डेटा सर्विसः सोशल साइंस डेटा रिपोज़िटरी एनडीएलः नेशनल डिजिटल लाइब्रेरी और स्वयं–एनपीटीईएल लोकल चैप्टर।

पुस्तकालय के संग्रह में भारत के नियंत्रक और महालेखा परीक्षक {सीएजी}; उद्योग मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा जारी सार्वजनिक उपक्रमों का वार्षिक सर्वेक्षण; और स्टेट ब्यूरो ऑफ पब्लिक इंटरप्राइज़ेज द्वारा जारी मूल्यांकन रिपोर्ट भी है। पुस्तकालय एक ऐसा माहौल प्रदान करता है जो छात्रों, शोधकर्ताओं और शिक्षकों को उनके शोध प्रशिक्षण और परामर्श गतिविधियों के लिए उत्कृष्ट सुविधाओं के साथ धन अर्जित करने के लिए अनुकूल है। यह उद्यम के प्रबंधकों, उद्योग के पेशेवरों, सरकार और नीति निर्माताओं की जरूरतों को भी पूरा करता है। गुणवत्तापूर्ण अनुसंधान हेतु पुस्तकालय में कॉरपोरेट गवर्नेंस, टेक्नोलॉजी, गवर्नेंस, कॉरपोरेट सोशल रिस्पॉन्सिबिलिटी, प्राइवटाइज़ेशन आदि विषयों के लिए विशेष स्थान हैं। आईपीई के पुस्तकालय में उपलब्ध सेवा हैः रेफरेंस सर्विसेस, बिबलियोग्राफिक सर्विसेस, इंटरनेट इंफॉर्मेशन बेस्ड सर्विस, वेबओपीएसी, ई– जर्नल्स फुल टेक्स्ट; प्रशिक्षण कार्यक्रमों के लिए पठन सामग्री सेवा, रिप्रोग्राफिक सर्विस, ई–मेल्स सर्विसेस, अखबार पत्र कतरन सेवाएं। एलएमएस–न्यूजेनलिब और इंस्टीट्यूशनल रिपोजिटरी डीस्पेस के लिए लाइब्रेरी सॉफ्टवेयर पैकेज।

सार्वजनिक उद्यम संस्थान (आईपीई), हैदराबाद
इंस्टीट्यूट ऑफ पब्लिक एंटरप्राइज़ (आईपीई), हैदराबाद

वित्त निधि (अन–ऑडिटेड) 2020–21

(₹ लाख में)

आय	राशि	व्यय	राशि
भा.सा.वि.अ.प. अनुदान		वेतन और भत्ता	1635.70
गैर–योजना (ओएच–36)	70.00	गैर–योजना	
योजना (ओएच–31)	10.00	योजना	
राज्य सरकार अनुदान		संस्थान/ प्रशासनिक व्यय	583.20
गैर–योजना	–	गैर–योजना	
योजना	–	योजना	
स्वयं के स्रोतों से आय (परियोजनाएं, फेलोशिप्स, कंसल्टेंसी, एमडीपी, एल टी प्रोग्राम आदि)	4414.00	परियोजनाएं फेलोशिप कार्यशालाएं/प्रशिक्षण कार्यक्रम एल टी प्रोग्राम्स अन्य विविध खर्चे	808.60
कोई अन्य स्रोत	87.85	विविध खर्चे (प्रतिभूत ऋण पर ब्याज)	204.60
आय से अधिक व्यय	12.00	अचल संपत्तियों पर मूल्यह्रास	400.50
		ग्रेच्युटी, ईएल, इंफ्रास्ट्रक्चर और अन्य फंड में हस्तांतरण	961.25
कुल	**4593.85**	**कुल**	**4593.85**

सामाजिक एवम् आर्थिक परिवर्तन संस्थान (आईएसईसी), बेंगलुरु
इंस्टीट्यूट फॉर सोशल एंड इकोनोमिक चेंज (आईएसईसी), बेंगलुरु

अनुसंधान परियोजनाएं (पूर्ण)

1. कुमार प्रमोद, "आउटलुक ऑन एग्रीकल्चर", कृषि मंत्रालय, भारत सरकार।
2. कुमार प्रमोद, मंजुनाथ ए वी और शरीफ, मोहिन (यूएएस–बी),"इवैलूएशन ऑफ ग्लोबल फूड चेन्स कन्सर्निंग सस्टेनेबिलिटीः डेवलपमेंट ऑफ ए मेथोडोलॉजी एंड केस स्टडीज़ ऑफ इंडियन प्रोडक्ट्स विद स्विस टार्गेट मार्केट", आईसीएसएसआर, नई दिल्ली।
3. राजशेखर डी और मंजुला आर, "स्वच्छ भारत मिशन इन कर्नाटकः स्टेटस, इश्यूज़ एंड प्रॉस्पेक्ट्स", रूरल ड्रिंकिंग वाटर एंड सैनिटेशन, कर्नाटक सरकार।
4. नौटियाल सुनील, "इंटीग्रेटिंग एयर एंड स्पेस–बोर्न स्पेक्ट्रोस्कोपी एंड लेज़र स्कैनिंग टू एक्सेस स्ट्रक्चरल एंड फंक्शनल कैरेक्टरिस्टिक्स ऑफ क्रॉप्स एंड फील्ड मार्जिन वेजीटेशन", जैव–प्रौद्योगिकी विभाग, भारत सरकार।
5. गायत्री के, "स्केलिंग अप अप्रेन्टिसशिप प्रोग्राम इन कर्नाटकः पॉलिसी एंड स्ट्रैटेजी सजेशंस", केवीएसटीडीसी, कर्नाटक सरकार।
6. लक्ष्मण सी एम, "फंक्शनिंग ऑफ एनसीडी क्लिनिक्सः ए कम्पैरेटिव स्टडी इन सलेक्टेड टू डिस्ट्रिक्ट्स ऑफ कर्नाटक", स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार।
7. स्यामल टी एस और सुबैया लेखा, "असेस्टमेंट ऑफ होम बेस्ड न्यू बॉर्न केयर (एचबीएनसी) इन सलेक्टेड डिस्ट्रिक्ट्स ऑफ कर्नाटक", स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार।

8. स्यामल टी एस, "पीआईपी मॉनिटरिंग इन 10 डिस्ट्रिक्ट्स ऑफ कर्नाटक, 5 डिस्ट्रिक्ट्स ऑफ अरुणाचल प्रदेश, 11 डिस्ट्रिक्ट्स ऑफ मेघालय, 2 डिस्ट्रिक्ट्स ऑफ पुडुचेरी, 2 डिस्ट्रिक्ट्स ऑफ सिक्किम और 5 डिस्ट्रिक्ट्स ऑफ मणिपुर", स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार।
9. रॉय चौधरी, सुप्रिया, "इंडियाज़ चेंजिंग सिटिस्पेसः वर्क, माइग्रेषन एंड लाइव्लीहुड्स", आईसीएसएसआर, नई दिल्ली।
10. यादव मनोहर, "कुडुबाई कम्युनिटी इन कर्नाटकः एन एंथोग्राफिक स्टडी", कर्नाटक ट्राइबल रिसर्च इंस्टीट्यूट।
11. मारुथि आई, "असेसमेंट ऑफ रेश्यो ऑफ डिफरेंट प्रोडक्ट्स/फॉर्म्स ऑफ स्पाइसीज़ (Spices) बींग मार्केटेड– स्टडी बेस्ड ऑन जिंजर एंड टरमरिक–कर्नाटक", कृषि मंत्रालय, भारत सरकार।
12. बालासुब्रमणियन एम, "इकोसिस्टम सर्विसेस एंड ह्यूमन वेलबींगः एप्लीकेशन ऑफ सेन्स (Sen's) केपैबिलिटी अप्रोच", आईएसईसी परियोजना।
13. नौटियाल सुनील और बालासुब्रमणियन एम, "डॉक्यूमेंटेशन ऑफ पीपुल्स बायो– डायवर्सिटी रजिस्टर्स (पीबीआर) इन फाइव डिस्ट्रिक्ट्स ऑफ कर्नाटक", कर्नाटक बायो–डायवर्सिटी बोर्ड, कर्नाटक सरकार।
14. माधेस्वरन एस और वाणी बी पी, "डिसाइफरिंग कास्ट डिस्क्रिमिनेषन इन इंडियन अर्बन लेबर मार्केटः एस्टिमेटिंग वेज एंड इम्प्लॉयमेंट डिस्क्रिमिनेशन", आईसीएसएसआर, नई दिल्ली।
15. माधेस्वरन एस और वाणी बी पी, "डॉक्यूमेंटेशन एंड इवैलूएशन ऑफ द एसवीईईपी (SVEEP) इंटरवेंशन इन कर्नाटक", चुनाव आयोग, मुख्य चुनाव अधिकारी, कर्नाटक।
16. बैराग इंद्रजी, मानसी एस और कम्बारा, चन्नाम्मा, "प्रोमोटिंग लीडरशिप स्किल्स अमंग द चिल्ड्रेन इन गवर्मेंट स्कूल्सः इंपैक्ट ऑफ यंग इंस्ट्रक्टर लीडर्स प्रोग्राम, अगस्त्य फाउंडेशन", अगस्त्य इंटरनेषनल फाउंडेशन
17. लक्ष्मण सी एम, "इफेक्ट्स ऑफ अर्बन ग्रोथ ऑन रिसोर्स डीग्रेडेशन एंड इट्स इंपैक्ट ऑन इन्वायरन्मेंटः इश्यूज़ एंड चैलेंज़ेज इन इंडिया", स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार।
18. स्यामल टी एस, "एडोलसेंट मैरेजेज इन इंडियाः ट्रेंड्स एंड पैटर्न्स", स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार।
19. राजशेखर डी और मंजुला आर, "लॉकडाउन डिस्ट्रेस एंड गवर्नमेंट रिस्पान्सः ए स्टडी इन रुरल कर्नाटक", ऑक्सफोर्ड यूनिवर्सिटी और लंदन स्कूल ऑफ इकोनॉमिक्स।
20. राजीव, मीनाक्षी और वाणी बी पी, "इंटरेस्ट सबवेंशन इन एग्रीकल्चर क्रेडिटः डज़ इट सर्व द पर्पस?", भारतीय रिजर्व बैंक।
21. कुमार वी अनिल और त्रिपाठी, अम्बुज कुमार, "मैपिंग सिविल सोसायटी मूवमेंट्स इंटर–सेक्शनलिटीः दलित, वुमेन्स एंड इन्वायरमेंटल मूवमेंट्स इन कन्टेम्पोरेरी कर्नाटक", आईएसईसी परियोजना।
22. लक्ष्मण सी एम,"द प्रीवलेंस ऑफ ट्यूबरकुलोसिसः ए कम्पैरेटिव स्टडी अक्रॉस स्टेट्स इन इंडिया", स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार।
23. स्यामल टी एस, "चिल्ड्रेन्स माइग्रेशन एंड हेल्थ ऑफ देयर ओल्डर पैरेन्ट्स इन इंडिया", स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार।
24. सुबैया लेखा, "कॉन्ट्रासेप्टिव यूज़ अमंग यंग वुमेन इन इंडिया", स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार।
25. सुबैया लेखा, "फैक्टर्स असोसिएटेड विद हाइपरटेंषन एंड डायबिटीज़ अमंग वुमेन इन इंडिया", स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार।

अनुसंधान परियोजनाएं (जारी)

1. कुमार प्रमोद, मंजुनाथ ए वी और रामप्पा के बी, "इंपैक्ट इवैलूशन स्टडी ऑफ राष्ट्रीय कृषि विकास योजना (आरकेवीवाई) इन इंडिया", कृषि एवं सहयोग विभाग, भारत सरकार।
2. मंजुनाथ ए वी और चंद्रकांत एम जी, "ऑल्टरनेट अरेंजमेंट्स ऑफ फार्म लैंड इन इंडिया–एन एनालिसिस ऑफ इंस्टीट्यूशंस एंड गवर्नेंस", आईसीएआर–नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ एग्रीकल्चरल इकोनॉमिक्स एंड पॉलिसी रिसर्च (एनआईएपी), नई दिल्ली।
3. बालासुब्रमणियन एम, "एन इकोनॉमिक वैल्यू ऑफ फॉरेस्ट रिसोर्सेसः ए केस स्टडी ऑफ नाइन डिस्ट्रिक्ट इन कर्नाटक", आईसीएसएसआर, नई दिल्ली।

4. जॉर्ज, सोबिन और स्यामल टी एस, "ट्यूबरकुलोसिस एंड द सोशल कंस्ट्रकशन ऑफ वुमेन्स एम्प्लॉयबिलिटीः ए स्टडी ऑफ वुमेन विद हिस्ट्री/सिम्पटम्स ऑफ ट्यूबरकुलोसिस इन बैंगलोर सिटी", भारतीय चिकित्सा अनुसंधान परिषद (आईसीएमआर), नई दिल्ली।

5. कुमार प्रमोद, "सीड मिनी– किट्स ऑफ पल्सेस एंड अदर क्रॉप्स– इट्स रेलिवेंस एंड एप्लीकेशन/डिस्ट्रीब्यूशन इफिशियंसी– कर्नाटक", कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार।

6. कुमार प्रमोद और रामप्पा के बी, "स्टडी ऑफ फंक्शनिंग ऑफ डीबीटी एट रिटेल प्वाइंट्स–ऑल इंडिया", कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार।

7. नौटियाल सुनील, "एक्सप्लोरिंग वाइल्ड एडिबल्स ऑफ द माले महादेश्वर बेट्टा (एमएम हिल्स) एंड देयर पोटेंशल फॉर द सोशियो– इकोनॉमिक डेवलपमेंट ऑफ लोकल पीपल", विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग, भारत सरकार।

8. नौटियाल सुनील और रॉय निरंजन, "क्लाइमेट चेंज, डायनमिक्स ऑफ शिफ्टिंग एग्रीकल्चर एंड लाइव्लीहुड वल्नेरबिलिटी इन द नॉर्थ ईस्टर्न रीजन ऑफ इंडिया", असम विश्वविद्यालय, सिलचर और सीईईएनआर, आईएसईसी के सहयोग के साथ इंडियन काउंसिल ऑफ सोशल साइंस रिसर्च (आईसीएसएसआर), नई दिल्ली।

9. रामप्पा के बी, प्रमोद कुमार और मारूथी आई, "एग्रीकल्चरल इंडीकेटर्स", कृषि मंत्रालय, भारत सरकार।

10. कुमार प्रमोद, "इंफॉर्मेशन, मार्केट क्रिएशन एंड एग्रीकल्चरल ग्रोथ", यूनिवर्सिटी ऑफ ग्लासगो, यूके।

11. कुमार प्रमोर, मारुथी आई और रामप्पा के बी, "विलेज स्टडी इन कर्नाटक", कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार।

12. मारुथी आई, "असेस्टमेंट ऑफ फीड एंड फॉडर इन ऑल स्टेट्स/यूटी (UTs)–कर्नाटक", कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार।

13. मारुथी आई, "असेस्टमेंट ऑफ फीड एंड फॉडर इन ऑल स्टेट्स/यूटी (UTs)–ऑल इंडिया", कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार।

14. कुमार प्रमोद, "मेजरिंग प्रोग्रेस एंड एनालाइजिंग कंट्री–लेड ट्रांसफॉर्मेशन (MPACT)/ आरटीआई", बिल एंड मिलिंडा गेट्स फाउंडेशन (बीएमजीएफ) कृषि विकास टीम के तहत रिसर्च ट्राएंगल इंस्टीट्यूट (आरटीआई इंटर–नेशनल)।

15. राजशेखर डी और मंजुला आर, "इंप्रूविंग इंस्टीट्यूशंस फॉर प्रो–पूअर ग्रोथ"।

16. राजशेखर डी और मंजुला आर, "इंक्रीजिंग एनरॉलमेंट एंड सेविंग्स इन ए लॉन्ग–टर्म पेंशन सेविंग्स प्रोडक्ट", यूएसएआईडी (USAID)।

17. राजशेखर डी और मंजुला आर,"फाइनैंशल इंक्लूशन एंड ओल्ड एज इनकम सिक्योरिटी थ्रू कॉन्ट्रीब्यूटरी पेंशन स्कीम्स फॉर अनऑर्गेनाइज्ड वर्कर्स", स्मॉल इंडस्ट्रीज़ डेवलपमेंट बैंक ऑफ इंडिया (SIDBI)।

18. राजशेखर डी और मंजुला आर, "डीसेंट्रलाइजेशन एंड डिलीवरी ऑफ पब्लिक सर्विसेस", ऑक्सफोर्ड यूनिवर्सिटी प्रेस और लंदन स्कूल ऑफ इकोनॉमिक्स (न्यू स्टडी प्रोपोज्ड एज़ पार्ट ऑफ ऑक्सफोर्ड– एलएसई प्रोजेक्ट)

19. राजशेखर डी और मंजुला आर, "वुमेन लीडरशिप, गवर्नेंस एंड एलोकेशन ऑफ पब्लिक गुड्स इन कर्नाटक", सूडा (Tsuda) यूनिवर्सिटी, जापान।

20. बालासुब्रमणियन एम, "हाई– रेजलूशन जीनोम बेस्ड ट्रैसिंग ऑफ एंटी– माइक्रोबियल रेसिस्टेंट इस्चेरिचिया कोलाई (Coli) इन द पोर्क प्रोडक्शन चेन टू आइडेंटिफाई द क्रिटिकल कंट्रोल प्वाइंट्सः ए वन हेल्थ सिस्टम्स स्टडी", बिल एंड मिलिंडा गेट्स फाउंडेशन, डिपार्टमेंट ऑफ बायोटेक्नोलॉजी (डीबीटी)।

21. नौटियाल सुनील, "क्लाइमेट स्मार्ट लाइव्लीहुड एंड सोशल– इकोलॉजिकल डेवलपमेंट ऑफ बायोडायवर्सिटी हॉटस्पॉट्स ऑफ इंडिया", टीआईएफएसी (TIFAC)।

22. मंजुनाथ ए वी, "इंस्टीट्यूशनल एंड इकोनॉमिक एनालिसिस ऑफ ह्यूमन–वाइल्डलाइफ कॉन्फ्लिक्ट मिटिगेशन इन द इंडियन कॉफी प्लांटेशन", आईसीआईएमओडी–एसएएनडीईई (SANDEE) प्रोजेक्ट।

23. बालासुब्रमणियन एम, "वल्नेरेबिलिटी ऑफ डायवर्स कम्युनिटीज़ टू क्लाइमेट चेंज इन डिफरेंट डिस्ट्रिक्ट्स ऑफ कर्नाटक", ईएमपीआरआई (EMPRI), कर्नाटक सरकार।

24. नौटियाल सुनील, "क्लाइमेट रिसाइलेंट एग्रीकल्चर एंड सोशियो– इकोलॉजिकल सस्टेनेबिलिटीः ए केस स्टडी", एनआईडीएम, गृह मंत्रालय, भारत सरकार।

25. नौटियाल सुनील, "कार्बन फुटप्रिंट एंड चेंजिंग लाइफस्टाइल्स ऑफ इंडियन हाउसहोल्ड्स", जीआईजेड (GIZ), इंटर–नेशनल कोऑपरेशन, जीआईजेड ऑफिस (इंडिया), नई दिल्ली।

26. राजीव, मीनाक्षी, "फूड डिस्ट्रीब्यूशन इन इमर्जिंग मार्केट्सः द केस ऑफ इंडियन सीफूड (ट्रेडर्स इन फूड वैल्यू चेन)", नॉरवेइयन (Norwegian) रिसर्च काउंसिल थ्रो"एनयूपीआई।

27. माधेस्वरन एस, वाणी बी पी और चंद्रकांत एम जी, "एस्टीमेटिंग द पोटेंशल वैल्यू ऑफ इको–टूरिज्म एंड अदर कल्चरल सर्विसेस ऑफ फॉरेस्ट इकोसिस्टम्स इन उत्तराखंड", उत्तराखंड वन विकास निगम, उत्तराखंड सरकार।

28. राजीव, मीनाक्षी, "फाइनैंशल फ्लोज़ इन द रूरल–अर्बन इंटरफेस ऑफ बेंगलुरु–एक्सेस टू क्रेडिट एंड इट्स इंपैक्ट्स", इंटरनेशनल सेंटर फॉर डेवलपमेंट एंड डीसेंट वर्क, जर्मनी।

29. माधेस्वरन एस और वाणी बी पी, "मनरेगा (MGNREGA) इवैलूएशनः वर्कर्स पर्सपेक्टिव एंड इश्यूज़ इन इम्प्लीमेंटेशन", आरडीपीआर, कर्नाटक सरकार।

30. राजीव, मीनाक्षी, "पेरी–अर्बन रीजन्स ऑफ बैंगलोरः चेंजिंग स्ट्रक्टर ऑफ इकोनॉमिक, सोशल एंड फाइनैंशल पैराडिग्म्स", इंटरनेशनल सेंटर फॉर डेवलपमेंट एंड डीसेंट वर्क, कैसल यूनिवर्सिटी, जर्मनी।

31. राज कृष्णा, "डेवलपिंग एविडेंस बेस्ड सस्टेनेबल डेवलपमेंट इंडिकेटर्सः ए स्टडी ऑफ सस्टेनेबल टूरिज्म इन कोडागू डिस्ट्रिक्ट", पर्यटन विभाग, कर्नाटक सरकार।

32. राज कृष्णा, "सस्टेनेबल साइंटिफिक फ्रेमवर्क फॉर कलेक्शन ऑफ टूरिज्म स्टैटिस्टिक्स इन कर्नाटक", पर्यटन विभाग, कर्नाटक सरकार।

33. मालिनी एल तांत्री, "गवर्नेंस अप्रोच फॉर न्यूट्रिशन सिक्योरिटीः ए केस स्टडी ऑफ गोवा", आईजीसी, गोवा।

34. राजीव, मीनाक्षी, "पैनडेमिक एंड द क्रेडिट बेस्ड स्टिमुलस पैकेज फॉर द एमएसएमई सेक्टरः ए स्टडी ऑफ सलेक्टेड पेरी–अर्बन रीजन्स ऑफ बैंगलोर", डीएएडी फंडिंग थ्रो कैसल यूनिवर्सिटी, जर्मनी।

35. कुसन्ना एम, माधवेस्वरन एस और वाणी बी पी, "सोशियो–इकोनॉमिक स्टेटस ऑफ शेड्यूल्ड कास्ट्स लेदर आर्टिसन्स इन कर्नाटकः एन असेस्मेंट", एलआईडीकेएआर (डॉ. बाबू जगजीवन राम लेदर इंडस्ट्रीज़ कॉरपोरेशन लिमि., कर्नाटक सरकार।

36. राजीव, मीनाक्षी, "हाउ इफेक्टिव आर ट्रेनिंग प्रोग्राम्स इन प्रोवाइडिंग सस्टेनेबल लाइव्लीहुड ऑप्शंस फॉर वुमेनः ए स्टडी ऑफ डीएवाई– एनयूएलएम प्रोग्राम इन कर्नाटक", डीएवाई–एनयूएलएम के तहत कर्नाटक सरकार।

37. तांत्री मालिनी एल, "डूइंग बिजनेस एंड ट्रेड फैसिलिटेशनः ए स्टडी ऑफ सलेक्टेड एग्रीकल्चरल एक्सपोर्ट जोन्स इन इंडिया", आईसीएसएसआर, नई दिल्ली।

38. राज कृष्णा, "इकोसिस्टम फंक्शनिंग एंड सर्विसेस ऑफ हिमालय टेम्परेट फॉरेस्ट अंडर एंथ्रोपोजेनिक चेंजः ए प्लांट फंक्शनल ट्रेट बेस्ड इकोनॉमिक वैल्यूएशन ऑफ इकोसिस्टम सर्विसेस इन हिमालयन फॉरेस्ट्स", जी.बी. पंत नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ हिमालयन एन्वायर्नमेंट एंड सस्टेनेबल डेवलपमेंट (जीबीपीएनआईएचईएसडी), उत्तराखंड।

39. माधेस्वरन एस और कुसन्ना एम, "इवैल्यूएशन ऑफ रिहैबिलिटेशन प्रोग्राम फॉर द फैमिलिज़ ऑफ द डीसीज़्ड मैनुअल स्कैवेंजर्स इन कर्नाटकः मिथ्स एंड रिएलिटीज़", कर्नाटक स्टेट सफाई कर्मचारी कमिशन, कर्नाटक सरकार, बैंगलोर।

40. माधेस्वरन एस और वाणी बी पी, "एंडलाइन सर्वे फॉर नौलेज एटीट्यूड एंड प्रैक्टिस ऑफ सिटिजन्स", चुनाव आयोग, मुख्य चुनाव अधिकारी, कर्नाटक।

41. माधेस्वरन एस और वाणी बी पी, "इंपैक्ट ऑफ पीडब्ल्यूडी इंटरवेंशंस इन मोटिवेटिंग पीडब्ल्यूडी (PWD) वोटर्स फॉर रजिस्ट्रेशन एंड क्रिएटिंग अवेयरनेस इन द इलेक्शन प्रॉसेस इन कर्नाटक", चुनाव आयोग, मुख्य चुनाव अधिकारी, कर्नाटक।

42. गायत्री के और शाह खलील, "अंडरस्टैंडिंग स्टेट सिविल सर्विस एनविरन्स (Environs) इन ए कम्पैरेटिव पर्सपेक्टिव", कर्नाटक एडमिनिस्ट्रेटिव सर्विस ऑफिसर्स एसोसिएशन।

43. बैराज्ञ इंद्रजीत और मानसी एस, "रोल ऑफ स्किल डेवलपमेंट फॉर प्रोमोशन ऑफ रूरल नॉन–फार्म सेल्फ एम्प्लॉयमेंट इन इंडिया", आईसीएसएसआर–आईएमपीआरईएसएस (IMPRESS) स्कीम।

44. बैराज्ञ इंद्रजीत और मानसी एस, "कोपिंग विद द कोविड–19 पैनडेमिकः इनसाइट्स इनटू द प्राइमरी एजुकेशन सेक्टर इन इंडिया", आईएसईसी (ISEC) प्रोजेक्ट।
45. कुमार वी अनिल, "अर्बन गवर्नेंस एंड लोकल डेमोक्रेसी इन तमिलनाडु एंड केरला", आईएसईसी प्रोजेक्ट।
46. कुमार वी अनिल, "जर्गेन हैबेरमास और क्रिटिक ऑफ आइडियोलॉजी", आईएसईसी प्रोजेक्ट।
47. कम्बारा चन्नम्मा, "इनैबलिंग एन्वायर्नमेंट फॉर वुमेन एम्प्लॉइज़ः ए स्टडी ऑफ सलेक्टेड सेक्टर्स इन बेंगलुरु", आईएसईसी प्रोजेक्ट।
48. कम्बारा चन्नम्मा, तांत्रि, मालिनि एल और मानसी, एस, "सिचुएशनल एनालिसिस ऑफ एजुकेशन एंड न्यूट्रिशन स्टेटस ऑफ चिल्ड्रेन ऑफ माइग्रेंट वर्कर्स इन बेंगलुरु", डब्ल्यूएफपी (WFP) ट्रस्ट फॉर इंडिया, नई दिल्ली।
49. श्रीधर कला एस, "अर्बन प्राइमेसी इन कर्नाटकः इंफ्रास्ट्रक्चर, पॉलिसी और डिसपर्सल ऑफ जॉब्स", कर्नाटक अर्बन इंफ्रास्ट्रक्चर डेवलपमेंट एंड फाइनेंस कॉर्पोरेशन (केयूआईडीएफसी), कर्नाटक सरकार।
50. मनसी एस, कम्बारा चन्नम्मा और तांत्री मालिनि एल, "इवैल्यूएशन स्टडी ऑन इंपैक्ट ऑफ आई–आरटीसी और आरटीसी वैलेट– लैंड रिकॉर्ड (आरटीसी) थ्रू इंटरनेट– ए स्टडी ऑफ ई–गवर्नेंस इनिशिएटिव इन कर्नाटक", भूमि मॉनीटरिंग सेल, डिपार्टमेंट ऑफ सर्वे सेटेलमेंट एंड लैंड रिकॉर्ड्स, कर्नाटक सरकार।
51. मनसी एस, कम्बारा चन्नम्मा, "प्रोमोटिंग ग्रीन बिल्डिंग्स टू कॉम्बैट क्लाइमेट चेंजः ए स्टडी ऑफ बेंगलुरु", एन्वायर्नमेंट पॉलिसी एंड रिसर्च इंस्टीटयूट (ईएमपीआरआई), कर्नाटक सरकार।
52. जॉर्ज सोबिन, "इंफॉर्म्ड च्वाइसेस एंड अफोर्डेबिलिटीः लिंकेजेज़ ऑफ डॉक्टर– पेशेंट इंटरैक्शन, प्रेस्क्रिप्शन प्रैक्टिस एंड मेडिकल एक्सपेंडिचर इन कैंसर केयर इन कर्नाटक", आईसीएसएसआर, नई दिल्ली (इंप्रेस इनिशिएटिव)।
53. जॉर्ज सोबिन, "इनक्लूसिव सीटीज़ थ्रू इक्विटेबल एक्सेस टू अर्बन मोबिलिटी इंफ्रास्ट्रक्चर्स फॉर इंडिया एंड बांग्लादेश", नीदरलैंड्स ऑर्गेनाइजेशन फॉर साइंटिफिक रिसर्च (एनओडब्ल्यू / NOW), द हेग।
54. रेईमिंगम मारचांग, "लाइव्लीहुड अनसर्टेनिटीः चैलेंजेज एंड स्ट्रैटेजिज अमंग रिवर्स नॉर्थ– ईस्ट माइग्रेंट्स ड्यूरिंग कोविड–19 पैनडेमिक", आईएसईसी प्रोजेक्ट।
55. जॉर्ज सोबिन, "डिज़ायरेबिलिटी ऑफ ए पब्लिक हेल्थ केअर इन द स्टेट्स ऑफ इंडिया", ठाकुर फैमली फाउंडेशन, इंक. द यूएस।
56. स्यामल टी एस, सुबैया लेखा और वाणी बी पी, "वैलिडेशन ऑफ ड्रायड ब्लड स्पॉट्स", हार्वर्ड टी. एच. चान, स्कूल ऑफ पब्लिक हेल्थ।
57. सुबैया लेखा और स्यामल टी एस, "नेशनल क्वालिटी अश्योरेंस स्टैंडर्डस सर्टिफिकेशन ऑफ पब्लिक हेल्थ फैसिलिटीज़ इन कर्नाटकः इनैबलर्स एंड बैरियर्स", आईएसईसी प्रोजेक्ट।
58. मारुथि आई, "थर्ड पार्टी इवैल्यूएशन (टीपीई) ऑफ प्लानिंग, मैनेजमेंट एंड पॉलिसी फॉर्मूलेशंस (पीएम एंड पीएफ) स्कीम", डीईएस, कृषि, सहयोग और किसान कल्याण विभाग, कृषि मंत्रालय, नई दिल्ली।
59. नौटियाल सुनील, "प्रोस्पेक्ट्स फॉर एनहांसिंग सर्कुलर इकोनॉमी; स्ट्रैटेजिज फॉर पॉलिसी इंक्लूशन एंड ग्रीन फाइनेंसः ए केस स्टडी इन पेरी– अर्बन लैंडस्केप ऑफ इंडिया", एनआईडीएम, भारत सरकार।
60. सुबैया लेखा, स्यामल टी एस और वाणी बी पी, "कंजर्वेशंस ऑन एजिंग इन इंडिया–एन ऑनलाइन इवेंट", पार्टनरशिप फंड, यूनाइटेड किंग्डम।

सम्मेलन / सेमिनार / व्याखायान

संस्थान ने वर्ष 2020–21 के दौरान के 13 व्याख्यान / वेबिनार, एक पैनल चर्चा और एक कार्यशाला / प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किए।

प्रकाशन

पुस्तकें

1. गायत्री के, एन सिवन्ना और एम देवेन्द्र बाबू– "डीसेंट्रलाइज्ड गवर्नेंस एंड प्लानिंग इन इंडिया"। नई दिल्लीः स्टेडियम प्रेस, 2020।
2. जॉर्ज सोबिन, मनोहर यादव और आनंद इन्बनाथन– "चेंज एंड मोबिलिटी इन कंटेंपोरेरी इंडियाः थिंकिंग एम एन श्रीनिवास टूडे"। लंदन एंड न्यूयॉर्कः रुटलेज़, अक्टूबर 2019।

3. मानसी एस और के वी राजू– "कोपिंग मैकेनिज़्म फॉर क्लाइमेट चेंज इन पेरीअर्बन एरियाज़"। न्यूज़ीलैंडः स्पिंगर, 2019।

4. नाडकरनी एम वी– "सोशियो– इकोनॉमिक चेंज एंड द ब्रॉड–बेसिंग प्रॉसेस इन इंडिया"। रुटलेज़ इंटरनेशनल, अक्टूबर 2019।

5. नौटियाल सुनील, रॉय एन, रॉय चौधरी एस, अग्रवाल एस के और बक्सी एस– "सोशियो– इकोनॉमिक एंड इको– बायोलॉजिकल डायमेंशन इन रिसोर्स यूज़ एंड कंजर्वेशनः स्ट्रैटेजिज फॉर सस्टेनेबिलिटी"। स्विट्जरलैंडः स्प्रिंगर इंटरनेशनल पब्लिशिंग, फरवरी 2020।

6. राजशेखर डी, एम देवेन्द्र बाबू और आर मंजुला– "डीसेंट्रलाइजेशन, कोऑपरेटिव्स एंड रुरल डेवलपमेंट"। रावत पब्लिकेशंस, 2020।

7. राजीव, मीनाक्षी और बी पी वाणी– "इंटरेस्ट सब्वेंशन फॉर शॉर्ट टर्म क्रॉप लोन्स इन कर्नाटक"। भारतीय रिजर्व बैंक, 2019।

8. श्रीधर कला सीताराम, रंजीत गाडगिल और छवि ढींगरा– "पेविंग द वे फॉर बेटर गवर्नेंस इन अर्बन ट्रांसपोर्ट– द ट्रांसपोर्ट गवर्नेंस इनिशिएटिव"। स्प्रिंगर, जनवरी, 2020।

9. श्रीधर कला सीताराम, कैरेन सेटू, डैरेन रॉबिन्सन, हासन वीरजी, ज़ोल्टन कोवैक्स, जॉन झाइ, नेहा सैमी, क्रिस्टोफर पेट्टिट– एडिटेड जर्नल (विशेष अंक): "अर्बन ट्रांजिशंस कॉन्फ्रेंस"। प्रोसेडिया इंजीनियरिंग (एल्सेवियर)।

शोध पत्र और पत्रिकाओं में लेख/पुस्तकों में अध्याय

वर्ष 2020–21 के दौरान संस्थान के संकाय ने विभिन्न पत्रिकाओं और प्रकाशित पुस्तकों में 69 शोध पत्रों/लेखों/अध्यायों का प्रकाशन किया।

कार्य पत्र (वर्किंग पेपर्स)

1. सुप्रिया भंडारकर, "हार्मोनाइज़ेशन ऑफ इंटेलेक्चुअल प्रॉपर्टी राइट्स अक्रॉस द ग्लोबः इंपैक्ट ऑन इंडियाज़ फार्मास्युटिकल एक्सपोर्ट्स", कार्य पत्र सं. 479।

2. महिमा उपाध्याय और डी राजशेखर, "डीसेंट्रलाइज़ेशन एंड पिपुल्स पार्टिसिपेशन इन एजुकेशनल गवर्नेंसः ए रिव्यू ऑफ इंटरनेशनल एक्सपीरिएंसेस", कार्य पत्र सं. 480।

3. नताशा कालरा और एस मानसी, "इनिशिएटिव्स इन सॉलिड वेस्ट मैनेजमेंटः ए केस स्टडी ऑफ द सिटी ऑफ बेंगलुरु", कार्य पत्र सं. 481।

4. प्रशांत कुमार चौधरी, "एग्रेरियन चेंज इन बिहारः ए स्टडी ऑफ टू विलेज", कार्य पत्र सं. 482।

5. संजीव कुमार, एस माधेस्वरन और बी पी वाणी, "इंफॉर्मेशन एसिमेट्री, एक्सक्लूशन एंड इंक्लूशन एरर्स एंड एलीट कैप्चर ऑफ मनरेगाः क्रिटिकल एग्जामिनेशन ऑफ आईईसी स्ट्रैटेजिज इन कर्नाटक एंड वे फॉर्वार्ड", कार्य पत्र सं. 483।

6. अज़हर खान चिकमंगलूर अकबर, "पॉलिटिकल रेजाइम्स एंड रिलीजियस माइनॉरिटीज़ इन कर्नाटकः 2008–2018", कार्य पत्र सं. 484।

7. विजयलक्ष्मी एस और कृष्णा राज, "इकोनॉमिक एस्टिमेशन ऑफ हेल्थ एंड प्रोडक्टिविटी इंपैक्ट्स ऑफ ट्रैफिक कंजेशनः ए केस ऑफ बेंगलुरु सिटी", कार्य पत्र सं. 485।

8. सरदार बाबर हुसैन, "इकोनॉमिक डेवलपमेंट इन द प्रिंस्ली स्टेट ऑफ जम्मू एंड कश्मीर (1846–1947)", कार्य पत्र सं. 486।

9. महिमा उपाध्यायः "लोकल गवर्नमेंट एंड डीसेंट्रलाइज्ड नेचुरल रिसोर्स मैनेजमेंट", कार्य पत्र सं. 487।

10. ऐंस टेरेसा वर्गीज़, "एग्रेरियन डिस्ट्रेस एंड फार्मर स्युसाइड्स इन केरला", कार्य पत्र सं. 488।

11. मीनाक्षी परीदा और एस माधेस्वरन, "ओनरशिप ऑफ फर्म्स एंड देयर इंप्लीकेशन फॉर प्रोडक्टिविटीः एन इंपीरिकल इंवेस्टिगेशन इन टू इंडियन माइनिंग इंडस्ट्री", कार्य पत्र सं. 489।

12. कार्तिक वी और एस माधेस्वरन, "डिटरमिनेंट्स ऑफ एग्रीकल्चरल क्रेडिट इन रुरल इंडिया बाई सोशल ग्रुप", कार्य पत्र सं. 490।

13. गीता साहू, "नॉलेज एंड प्रैक्टिस ऑफ एथ्नो– मेडिसिन बाई जौनसारिस इन जौनसार– बावार (Bawar) रीजन ऑफ उत्तराखंड", कार्य पत्र सं. 491।

14. संजीव कुमार, एस माधेस्वरन और बी पी वाणी, "मनरेगा क्वालिटी मॉनीटरिंग एंड मल्टीप्लायर माला फॉर द रिचर स्टेट्स एंड रीजन्सः एविडेंस ऑन इलीट कैप्चर ऑफ असेट्स इन कर्नाटक एंड वेज़ फॉर्वार्ड", कार्य पत्र सं. 492।

15. संजीव कुमार, एस माधेस्वरन और बी पी वाणी, "इंटरेट्स एंड पार्टिसिपेशन ऑफ इलीट्स इन मनरेगाः लेसंस फ्रॉम इलीट कैप्चर इन कर्नाटक", कार्य पत्र सं. 493।

16. उज्जवल गुप्ता, "वैल्यूज़ कंसर्निंग चिल्ड्रेन एंड फर्टिलिटी बीहेवियरः मेथड, रेस्पॉन्डेंट्स एंड प्रीलिमिनरी इनसाइट्स फ्रॉम द फील्ड इन झारखंड, इंडिया", कार्य पत्र सं. 494।

17. बेजो जैकब राजू और एस मानसी, "प्रीपरेडनेस टू मानसून डीजिजेज इन कुट्टानाड(केरला)", कार्य पत्र सं. 495।

18. स्नेहा बिस्वास और सुनील नौटियाल, "लाइव्लीहुड एंड सोशल कैपिटल इन वल्नरेबल इकोसिस्टम्सः ए केस स्टडी फ्रॉम इंडियन सुंदरबन्स", कार्य पत्र सं. 496।

19. एस मानसी और हर्षिता भट्ट,"इको– इनोवेशंस इन वेस्ट मैनेजमेंट– ए रिव्यू ऑफ हाई प्वाइंट केसेस", कार्य पत्र सं. 497।

20. प्रियंका सहारया और कृष्णा राज,"द इंपैक्ट ऑफ सिविल एविएशन ग्रोथ ऑन Co_2 इमिशंस इन इंडियाः एविडेंस फ्रॉम ए टाइम सीरीज़ एनालिसिस", कार्य पत्र सं. 498।

21. अनामिका दास और सी एम लक्ष्मण, "द इंप्लीमेंटेषन ऑफ डोमेस्टिक वायलेंस एक्ट इन इंडियाः ए स्टेट– लेवल एनालिसिस", कार्य पत्र सं. 499।

22. कृष्णा राज, "डेवलपमेंट पैराडॉक्स एंड इकोनॉमिक डेवलपमेंट ऑफ एससी एंड एसटी सिंस इंडियाज़ इंडिपेंडेंस : विद स्पेशल रेफरेंस टू कर्नाटक", कार्य पत्र सं. 500।

23. प्रशांत कुमार चौधरी, "इमर्जिंग एग्रेरियन सिस्टम एंड इट्स इंपैक्ट ऑन कास्ट रिलेशंस एंड लोकल पॉलिटिक्सः ए स्टडी इन द स्टेट ऑफ बिहार", कार्य पत्र सं. 501।

24. काव्य श्री के और कृष्णा राज, "फैक्टर्स इंफ्लूएंसिंग अर्बन रेज़िडेंशल वाटर कंजम्पशन इन बेंगलुरु", कार्य पत्र सं. 502।

25. इंद्रजीत बैराझ, एस मानसी और रौशन थॉमस, "कोविड–19 पैनडेमिक एंड प्राइमरी एजुकेशन इन इंडियाः डज़ इट कॉज़ मोर इनइक्वैलिटी बिटवीन पब्लिक एंड प्राइवेट स्कूल्स?", कार्य पत्र सं. 503।

26. संजीव कुमार और एस माधेस्वरन, "सोशल कैपिटल एंड टैप्पिंग कम्युनिटी– बेस्ड ऑर्गेनाइजेशंस कंवर्जेंस पोटेंशल विद मनरेगाः ए माइक्रो स्टडी इन कर्नाटक", कार्य पत्र सं. 504।

27. काव्या श्री के और कृष्णा राज, "बेंचमार्किंग ऑफ बैंगलोर वाटर सप्लाई एंड सीवरेज बोर्ड (बीडब्ल्यूएसएसबी)", कार्य पत्र सं. 505।

28. रमनजिनि और के गायत्री,"इज़ पब्लिक एजुकेशन एक्सपेंडीचर प्रो–साइक्लिकल इन इंडिया?", कार्य पत्र सं. 506।

29. प्रेम शंकर मिश्रा और हिमांशु चौरसिया,"न्यूट्रिशन स्टेटस एंड सोशियो– इकोनॉमिक इनइक्वालिटी अमंग चिल्ड्रेन (0–59 मंथ्स) अक्रॉस डिफरेंट जीयोग्राफिकल रीजन्स ऑफ उत्तर प्रदेश, इंडिया", कार्य पत्र सं. 507।

30. सुप्रीया भंडारकर और मीनाक्षी राजीव, "डिटरमिनेंट्स ऑफ फॉरेन डायरेक्ट इन्वेस्टमेंट (FDI) इन द इंडियन फार्मास्युटिकल इंडस्ट्री विद स्पेशल रेफरेंस टू इंटेलेक्चुअल प्रॉपर्टी राइट्सः एविडेंस फ्रॉम ए टाइम– सीरीज़ एनालिसिस (1990–2019)", कार्य पत्र सं. 508।

31. मालिनि एल तांत्रि, "पॉलिसी एंड पर्फार्मेंस ऑफ एग्रीकल्चरल एक्सपोर्ट्स इन इंडिया", कार्य पत्र सं. 509।

32. सोबिन जॉर्ज, अरुण बालचंद्रन और अनुश्री के एन, "द अबिसमल स्टेट ऑफ ड्रग कोस्ट कॉन्टेनमेंट मेजर्स इन इंडियाः एविडेंस फ्रॉम एक्सपेंडीचर ऑन कैंसर मेडिसिन", कार्य पत्र सं. 510।

33. सरदार बाबर हुसैन, "पीस–बिल्डिंग एंड इकोनॉमिक डेवलपमेंट थ्रू डीसेंट्रलाइज़ेशनः द प्री–बाईफर्केशन जम्मू एंड कश्मीर एक्सपीरिएंस", कार्य पत्र सं. 511।

34. मालिनि एल तांत्रि और संयुक्ता नायर, "द पॉलिसी एंड पर्फार्मेंस ऑफ इंडस्ट्रीयल सेक्टर इन कर्नाटक", कार्य पत्र सं. 512।

35. बैराझ इंद्रजीत, "रीटर्न्स टू एजुकेशन इन सेल्फ– एम्प्लॉयमेंट इन इंडियाः ए कंपैरिजन अक्रॉस डिफरेंट सेलेक्शन मॉडल्स", डब्ल्यूआईडीईआर कार्य पत्र 2020/5। हेलसिंकिः यूएनयू– डब्ल्यूआईडीईआर, 2020।

पॉलिसी ब्रीफ्स (नीति का संक्षिप्त विवरण)

1. एन नागराज, "वेदर माइक्रो–इरिगेशन इज़ ए पैनेसीआ फॉर ग्राउंड वाटर सकारसिटी एंड सस्टेनेबल यूज़ इन इंडियन एग्रीकल्चर? पॉलिसी इंपरेटिव्स"ए आईएसईसी पॉलिसी ब्रीफ नं. 32।

2. मालिनि एल तांत्रि और संयुक्ता नायर, "रिवाइवल ऑफ इंडस्ट्रियल सेक्टर इन कर्नाटक ड्यूरिंग कोविड–19– ए डूइंग बिज़नेस अप्रोच", आईएसईसी पॉलिसी ब्रीफ नं. 33. बेंगलुरु।
3. एन नागराज, "की इश्यूज़ फेसिंग द इरिगेशन सेक्टर इन कर्नाटकः सम (Some) पॉलिसी इंटरवेंशंस", आईएसईसी पॉलिसी ब्रीफ नं. 34।
4. मालिनि एल तांत्रि और वरदुर्गा भट्ट, "कोविड–19, ट्रेड एंड इंडिया पॉलिसी इश्यू इन लीवरेजिंग द अपॉर्चुनिटीज़", आईएसईसी पॉलिसी ब्रीफ नं. 35।
5. एन नागराज,"इन्वेस्टमेंट ऑन ग्राउंडवाटर कंजर्विंग टेक्नोलॉजिज एंड इट्स इंप्लीकेशंस फॉर पॉलिसी इन सेमी एरिड रीजन्स ऑफ कर्नाटक", आईएसईसी पॉलिसी ब्रीफ नं. 36।
6. एम बालासुब्रमणियन, एम मंजुनाथ, ओ के रमादेवी, के एच विनय कुमार, आर के सिंह और रीतु कक्कड़, "क्लाइमेट चेंज इंपैक्ट्स ऑन वल्नेरेबल कम्युनिटीज़ इन कर्नाटक", आईएसईसी पॉलिसी ब्रीफ नं. 39।
7. एम बालासुब्रमणियन, "इकोसिस्टम सर्विसेस वैल्यूएशन एंड इंटिग्रेशन इंटू द पॉलिसी एट द लोकल लेवल इन कर्नाटक", आईएसईसी पॉलिसी ब्रीफ नं. 39।

पुस्तकालय

डॉ. वी. के .आर. वी. राव पुस्तकालय सामाजिक विज्ञान के क्षेत्र में भारत के प्रमुख शोध पुस्तकालयों में से एक है। वर्ष 1972 में स्थापना के बाद से यह पुस्तकालय संस्थान का अभिन्न अंग रहा है, जो संस्थान के शिक्षकों, शोधार्थियों, पीएच.डी. कर रहे छात्रों के साथ– साथ देश भर के नीति निर्माताओं, प्रशासकों, परामर्शदाताओं, छात्रों को योग्य एवं समय पर सहायता प्रदान करता है। पुस्तकालय अपने उपयोगकर्ताओं को रीसर्च डेटा सर्विस, लेंडिंग सर्विस, रेफरेंस सर्विस, करेंट अफेरयर्स सर्विसेस यानि नए संस्करण, करेंट जर्नल लिस्ट, करेंट कंटेंट्स और लेखों की मासिक अनुक्रमणिका जैसी सेवाएं प्रदान करता है। आईआईएससी, आईएसआई बैंगलोर, आईआईएम बैंगलोर और डेलनेट (डीईएलएनईटी) जैसे सुस्थापित पुस्तकालयों के साथ उपयोगकर्ताओं को इंटर–लाइब्रेरी ऋण सेवाएं भी दी जाती हैं।

डॉ. वी. के. आर. वी. राव लाइब्रेरी, इंस्टीट्यूट फॉर सोशल एंड इकोनॉमिक चेंज, बैंगलोर पूर्ण रूप से कंप्यूटरीकृत पुस्तकालय है और इसमें लिबसिस (एलआईबीएसवाईएस) सॉफ्टवेर का उपयोग किया जाता है। उपलब्ध प्रमुख डेटाबेस हैं– जेएसटीओआर, ईकॉनलिट फुलटेक्स्ट; इंडियास्टैट. कॉम; ईपीडब्ल्यूआरएफ आईटीएस; सीएमआईई प्रोवेस; आईएमएफ डेटाबेसेस और वर्ल्ड बैंक डेटा। पुस्तकालय का डिजिटलीकरण कार्यक्रम जोर–शोर से चल रहा है और डिजिटलीकृत दस्तावेजों की संख्या 14,000 से अधिक हो गई है। डिजिटल लाइब्रेरी को पुस्तकालय में स्थित डीस्पेस डिजिटल लाइब्रेरी सर्वर में होस्ट किया गया है और यह वैश्विक सामाजिक विज्ञान अनुसंधान समुदाय के लिए उपलब्ध है।

पुस्तकालय का संग्रह 1,40,336 पहुँच गया है जिसमें 48,590 किताबें, 49,705 रिपोर्ट्स, 22,709 बाउण्ड वॉल्यूम्स और 19,332 अन्य दस्तावेज हैं। कई महत्वपूर्ण पत्रिकाओं के पुराने अंकों को भी उनके पहले अंक से नवीनतम अंक के साथ रखा गया है। वर्तमान सदस्यता में 265 पत्रिकाएं शामिल हैं जिनमें 141 विदेशी और 124 भारतीय पत्रिकाएं शामिल हैं। वर्ष 2020–21 के दौरान, 79 किताबों, 93 रिपोर्टों और 9 अन्य दस्तावेजों के साथ कुल 181 दस्तावेजों को पुस्तकालय के संग्रह में शामिल किया गया है।

सामाजिक एवम् आर्थिक परिवर्तन संस्थान (आईएसईसी), बेंगलुरु
इंस्टीट्यूट फॉर सोशल एंड इकोनोमिक चेंज (आईएसईसी), बेंगलुरु

वित्त निधि (अन–ऑडिटेड) 2020–21

(₹ लाख में)

आय	राशि	व्यय		राशि
भा.सा.वि.अ.प. अनुदान		पिछले वर्ष का अधिक व्यय अनुदान		171.60
		वेतनः		
		गैर–योजना		729.36
		योजना		–
गैर–योजना (ओएच–36)	338.00	प्रतिष्ठान / प्रशासनिक व्यय		
योजना (ओएच–31)	10.00	गैर–योजना		95.30
राज्य सरकार अनुदान		योजना		119.29
गैर–योजना	455.73	परियोजना		0.42
योजना स्वयं के स्रोतों से आमदनी	50.00	फेलोशिप्स कार्यशालाएं / प्रशिक्षण		–
(परियोजानाएं, फेलोशिप्स, कंसल्टेंसी आदि)	162.27	कार्यक्रम		–
		विविध व्यय		25.41
अन्य स्रोत (बचत खाता पर ब्याज)	0.57			
अनुदान से अधिक व्यय	124.81			
गैर–योजना				
योजना				
कुल	**1141.38**		**कुल**	**1141.38**

औद्योगिक विकास अध्ययन संस्थान, नई दिल्ली
इंस्टीट्यूट फॉर स्टडीज़ इन इंडस्ट्रीयल डवलपमेंट (आईएसआईडी), नई दिल्ली

शोध परियोजनाएं (पूर्ण)

1. अखिलेश कुमार शर्मा, प्रद्युम्न सिंह रावत, एम आर मूर्ति, संगीता घोष और मिताली गुप्ता, ”अंडरस्टैंडिग क्रिटिकलिटी ऑफ फ्लो ऑफ फंडस फॉर रोबस्ट ग्रोथ ऑफ एमएसएमई (MSMEs)”, सार्वजनिक क्षेत्र के बैंक (पीएसबी)।
2. एम आर मूर्ति और टी पी भट, ”इंडस्ट्रियल ट्रेड एडं इन्वेस्टमेंट पॉलिसी : पाथवेज टू इंडियाज़ इंडस्ट्रीलाइजेशन”, आईसीएसएसआर।
3. बीना सरस्वती, ”चेंजिंग बिजनेस ग्रुप स्ट्रेटजीस इन इंडियाः एन इंक्वारी फ्रॉम द लेंस ऑफ मर्जर्स एडं एक्वीजेशन”, आईसीएसएसआर।
4. स्मिता फ्रांसिस, ”ग्लोबल वैल्यू चेन एंगेजमेंट एंड इंडस्ट्रियल रिस्ट्रक्चरिंगः ए स्टडी ऑफ द इंडियन इलेक्ट्रॉनिक्स इंडस्ट्री”, आईसीएसएसआर।

शोध परियोजनाएं (जारी)

1. अंजलि टंडन, "मीजरिंग द चेंजस इन फैक्टर प्रपोरशन विस–ए–विस फैक्टर एंडॉवमेंट्स (Endowments) ऑफ इंडियन इकोनमी–अ इंटर–टेम्पोरल स्टडी", आईसीएसएसआर।
2. संतोश कुमार दास, "परफार्मेंस ऑफ इंडियाज बैंकिंग सेक्टर : अ क्रिटिकल फोकस ऑन नॉन–परफार्मिंग एडवांसेस (एनपीए) (NPAs)", आईसीएसएसआर।
3. सूर्य तिवारी, "स्पाटियल डॉयनामिक्स ऑफ मैन्युफैक्चरिंग लैंडस्केप इन इंडिया –अ डिस्ट्रिक लेवल कम्परेटिव एनालिसिस ऑफ प्री एडं पोस्ट रिफार्म कांटेक्स्ट", आईसीएसएसआर।

सम्मेलन / सेमिनार / व्याख्यान

संस्थान ने वर्ष 2020–21 के दौरान दो वेबिनार और तीन कार्यशालाओं / प्रशिक्षण कार्यक्रमों का आयोजन किया।

शोध संबद्धता एवं पीएच.डी. / एम.फिल.

रिपोर्टाधीन वर्ष के समय, संस्थान के संकाय की संयुक्त देखरेख में सात शोधार्थी पीएच.डी. कर रहे थे।

प्रकाशन

शोध पत्र एवं पत्रिकाओं में आलेख

संस्थान के संकाय ने वर्ष 2020–21 की समयावधि में विभिन्न जर्नलों में 25 शोध पत्र / लेख और प्रकाशित पुस्तकों में आठ अध्याय प्रकाषित किए।

शोध रिपोर्ट / कार्य पत्र / नीति संक्षिप्त (Policy Briefs)

1. अंजलि टंडन, "मेकिंग एफटीए (FTAs) मोर इंक्लूसिव – अ केस फॉर प्रोमोटिंग एसएमईज (SMEs) इन इंडिया", पेपर फॉर पॉलिसी हेकाथॉन ऑन मॉडल प्रोविजंस फॉर ट्रेड इन टाइम्स ऑफ क्राइसिस एडं पेनडेमिक कंडक्ट बाय द यूनाईटेड नेशंस ईएससीएपी (ESCAP), 1 सितंबर, 2020 ।
2. अंजलि टंडन, "इज़ डोमेस्टिक वैल्यू एडिशन ए सोर्स ऑफ़ एक्सपोर्ट सोफिस्टिकेशनः ए केस स्टडी ऑफ़ इंडिया", आईएसआईडी (ISID) वर्किंग पेपर 223, अप्रैल 2020।
3. संजय कुमार मलिक, "फॉरेन डायरेक्ट इन्वेस्टमेंट एडं इनोवेशन एक्टिविटज इन इंडियन मैन्युफैक्चरिंग इंडस्ट्रीज", आईएसआईडी वर्किंग पेपर 224, अप्रैल 2020।
4. आर रिजेश, "लिबरलाइजेशन, स्ट्रक्चरल चेंज एंड प्रोडक्टिविटी ग्रोथ इन इंडियन ऑर्गेनाइज्ड मैन्युफैक्चरिंग सेक्टर", आईएसआईडी वर्किंग पेपर 225, मई 2020।
5. के एस चलपति राव और बिस्वजीत धर, "इनबाउंड एम एडं एज इन इंडियाः इश्यूज एंड चैलेंजेज", आईएसआईडी वर्किंग पेपर 226, जुलाई 2020।
6. स्मिता फ्रांसिस, "इंपैक्ट ऑफ प्रीफेरेंशियल ट्रेड लिबरलाइजेशन ऑन इंडियाज मैन्युफैक्चरिंग सेक्टर ट्रेड परफार्मेंस : एन एनालिसिस ऑफ इंडियाज मेजर ट्रेड एग्रीमेंटस", आईएसआईडी वर्किंग पेपर 227, अगस्त 2020।
7. एच रामचंद्रन और प्रियंका तिवारी, "स्पाटियल डिस्ट्रीब्यूशन ऑफ वर्कर्स इन मैन्युफैक्चरिंग इंडिया – 1991 एडं 2011", आईएसआईडी वर्किंग पेपर 228, सितंबर 2020।
8. रेजी के जोसेफ, "आटडवर्ड एफडीआई एज अ स्ट्रेटजी फॉर टेक्नोलॉजी कैच–अप : अ केस स्टडी ऑफ टू इंडियन ऑटोमोटिव फर्म ", आईएसआईडी वर्किंग पेपर 229, सितंबर 2020।
9. रमा अरुण कुमार और बिस्वजीत धर, "ट्रेड लिबरलाइजेशन एडं एक्सपोर्ट कंपटीटिवनेस ऑफ इंडियन मैन्युफैक्चरिंग इंडस्ट्रीज", आईएसआईडी वर्किंग पेपर 230, अक्टूबर 2020।
10. स्वाति वर्मा, "टेक्नोलॉजी ट्रांसफर थ्रू एफडीआई इन इंडिया : मोड, एक्सटेंट एडं प्रोस्पेक्ट्स", आईएसआईडी वर्किंग पेपर 231, अक्टूबर 2020।
11. केएस चलपति राव, एम आर मूर्ति, और के वी के रंगनाथन, "अ कम्परेटिव स्टडी ऑफ लॉर्ज डोमेस्टिक एडं एफडीआई नॉन–गवर्नमेंट, नॉन–फाइनेंसियल कंपनीज इन इंडिया", आईएसआईडी वर्किंग पेपर 232, नवंबर 2020।
12. स्मिता फ्रांसिस, "इंडियाज पार्टीसिपेशन इन इलेक्ट्रॉनिक्स इंडस्ट्री वेल्यू चेसं : अ न्यू एनालिटिकल फ्रेमवर्क एडं अ केस स्टडी एनालिसिस", आईएसआईडी वर्किंग पेपर 233, दिसंबर 2020।
13. जयश्री जेठवानी, "डिकंस्ट्रक्टिंग न्यू लेबर कोड्सः इंप्लीकेशंस ऑन द न्यूज मीडिया वर्कफोर्स", आईएसआईडी वर्किंग पेपर 234, जनवरी 2021।

14. रेजी के. जोसेफ (2020), "रिडयूसिंग इंपोर्ट डिपेंडेंस ऑन एपीआई (APIs)", आईएसआईडी पॉलिसी ब्रीफ संख्या 5, मई 2020।

पुस्तक समीक्षाएं

अखिलेश कुमार शर्मा (2020), "बुक रिव्यू", *जर्नल ऑफ एशियन इकोनॉमिक इंटीग्रेशन, वॉल्यूम 2, संख्या 1, अप्रैल, पीपी 122–125*। नाओको नेमोटो और नाओयुकी योशिनो (सं.), एशियन डेवलपमेंट बैंक इंस्टीट्यूट, 2019।

पुस्तकालय

पुस्तकालय अपने उपयोगकर्ताओं को विभिन्न प्रकार की सेवाएं प्रदान करता है। इनमें संदर्भ प्रश्न, रेफ़रल सेवाए, रेप्रोग्राफिक सेवाएं, दस्तावेज़ वितरण सेवाएं और अंतर–पुस्तकालय ऋण शामिल हैं। इसने संस्थान के प्रकाशनों के आदान–प्रदान और अंतर–पुस्तकालय ऋण व्यवस्था के लिए कई राष्ट्रीय संगठनों के साथ संपर्क स्थापित किया है। पुस्तकालय द्वारा नियमित रूप से नए संग्रह के लिए आसान और त्वरित पहुंच की सुविधा के लिए, एक समसामयिक जागरूकता सेवा प्रदान की जाती है ताकि उपयोगकर्ताओं को पुस्तकालय के नए अधिग्रहण, यानी नई पुस्तकों/रिपोर्टों के बारे में सूचित किया जा सके। पुस्तकालय डेलनेट का एक सक्रिय सदस्य है और अंतर–पुस्तकालय ऋण, संदर्भ प्राप्त करने, दस्तावेज़ वितरण सेवाओं और दस्तावेजों की उपलब्धता का पता लगाने के लिए नेटवर्क की सुविधाओं का अत्यधिक उपयोग कर रहा है।

पुस्तकालय का डिजिटल दस्तावेज़ अनुभाग आसान संदर्भ और साझा करने के लिए इलेक्ट्रॉनिक रूप में प्रासंगिक दस्तावेजों को प्राप्त करने और संग्रहीत करने में एक पूरक भूमिका निभाता है। वर्तमान में, लगभग 650 दस्तावेजों का संग्रह ग्रीनस्टोन पर होस्ट किया गया है और परिसर नेटवर्क के भीतर उपलब्ध है। हाल ही में, कोहा का उपयोग करके पुस्तकालय स्वचालन को सक्षम किया गया है। जर्नल्स / आवर्ती पत्रिकाओं के पिछले संस्करणों का कुल संग्रह 3,306 है और पुस्तकालय में कुल होल्डिंग 31 मार्च, 2021 तक 16,545 थी। पुस्तकालय वर्तमान में अकादमिक जर्नल्स / आवर्ती पत्रिकाओं और अन्य पत्रिकाओं सहित कुल 140 प्रकाषनों की सदस्यता धारित करता है, और 14 अंग्रेजी दैनिक समाचार पत्र मंगाता है। पुस्तकालय में सीएमआईई – प्रोवेस आईक्यू, सीएमआईई – इकोनॉमिक आउटलुक, सीएमआईई – स्टेट्स ऑफ इंडिया और सीएमआईई–कैपेक्स डीएक्स, ईपीडब्ल्यूआरएफ इंडिया – टाइम सीरीज ऑनलाइन डेटाबेस और इंडियास्टेट का ई–डेटाबेस हैं।

पुस्तकालय में फुल टेक्स्ट ई–जर्नल्स की सदस्यता है जिसमें ईकॉनलिट और जेस्टोर शामिल हैं। इसके अतिरिक्त, पुस्तकालय सेज इंडिया से इकतालीस पूर्ण पाठ ई–पत्रिकाओं की सदस्यता लेता है और एक ईपीडब्ल्यूआरएफ (EPWRF) से, और, लॉगिन और पासवर्ड के माध्यम से इनके पूर्ण पाठ लेखों तक पहुंच रखता है। इनके अलावा, पुस्तकालय आईएमएफ ई–लाइब्रेरी के आंकड़ों की सदस्यता लेना जारी रखे हुए है। वर्ष 2020–21 में, पुस्तकालय में पुस्तकों, रिपोर्टों, बाउंड वॉल्यूम, सीडी/डीवीडी सहित कुल 254 संसाधित दस्तावेज़ जोड़े गए हैं।

औद्योगिक विकास अध्ययन संस्थान, नई दिल्ली
इंस्टीट्यूट फॉर स्टडीज़ इन इंडस्ट्रीयल डवलपमेंट (आईएसआईडी), नई दिल्ली

वित्त निधि (अन–ऑडिटेड) 2020–21

(₹ लाख में)

आय	राशि	व्यय	राशि
आईसीएसएसआर		वेतन और भत्ते	773.55
वेतन (ओएच–36)	237.00	स्थापना /प्रशासनिक व्यय	279.14
विकास (ओएच–31)	10.00	शोध कार्यक्रम/ परियोजनाएं/ अध्येतावृत्तियां, कार्यशालाएं/ प्रशिक्षण कार्यक्रम आदि।	55.73
राज्य सरकार अनुदान	–	अन्य	
योजना		ऋणों और अग्रिमों की चुकौती (Repayment)	106.48
गैर योजना			
अन्य स्रोतों से आय		कैपिटल फंड और रिजर्व फंड और अन्य में स्थानांतरण	295.14
कॉर्पस फंड और अन्य ब्याज से आय	34.98		
शोध कार्यक्रम/परियोजनाएं/फैलोशिप/संगोष्ठी/ सम्मेलन और डेटाबेस उपयोग, आदि।	66.08		
स्वयं के स्रोतों से आय	1,161.98		
कुल	**1,510.04**	**कुल**	**1,510.04**

मध्य प्रदेश सामाजिक विज्ञान अनुसंधान संस्थान, उज्जैन, म.प्र.
एम.पी. इंस्टीट्यूट ऑफ सोशल साइंस रिसर्च, एमपीआईएसएसआर), उज्जैन, एम.पी.

अनुसंधान परियोजनाएं (पूर्ण)

1. मनु गौतम,"फूड सिक्योरिटी ऑफ द मार्जिनलाइज्ड एंड इंप्लीमेंटेशन ऑफ नेशनल फूड सिक्योरिटी एक्ट इन द स्टेट ऑफ मध्य प्रदेश", प्रायोजक, एम.पी. इंस्टीट्यूट ऑफ सोशल साइंस रिसर्च, उज्जैन।
2. मनु गौतम, "सार्वजनिक वितरण प्रणाली का क्रियान्वयनः उज्जैन जिले के विशेष संदर्भ में एक मूल्यांकन अध्ययन", प्रायोजक जिला प्रशासन, उज्जैन।
3. सन्दीप जोशी, "चाइल्डलाइन प्रोजेक्ट", प्रायोजक महिला एवं बाल विकास मंत्रालय, भारत सरकार, नई दिल्ली।

अनुसंधान परियोजनाएं (जारी)

1. यतीन्द्र सिंह सिसोदिया, "पंचालयती राज इंस्टीट्यूशंस अंडर पीईएसए इन फिफ्थ शिड्यूल्ड एरियाज़ इन टू डीकेड्सः एन असेस्मेंट इन ट्राइबल रीजन्स ऑफ मध्य प्रदेश, राजस्थान एंड गुजरात", प्रायोजक आईएमपीआरईएसएस–आईसीएसएसआर, नई दिल्ली।
2. तापस कुमार दलपति, "लाइव्लीहुड ट्रांजिशन एंड मार्जिनलाइज़ेशनः ए स्टडी ऑफ सहरिया ट्राइब इन मध्य प्रदेश", प्रायोजक आईसीएसएसआर, नई दिल्ली।
3. मनु गौतम, "एग्रेरियन क्राइसिस एंड फार्मर्स अनरेस्ट इन मध्य प्रदेशः ए स्टडी विद स्पेशल रेफरेंस टू मालवा रीजन", प्रायोजक आईएमपीआरईएसएस – आईसीएसएसआर, नई दिल्ली।
4. सन्दीप जोशी, "बाल श्रम की स्थिति, कारण, संस्थाओं की भूमिका व समस्याओं का विश्लेषणात्मक अध्ययन",

प्रायोजक मध्यप्रदेश सामाजिक विज्ञान शोध संस्थान, उज्जैन।

5. आशीष भट्ट, "ग्राम पंचायतों की स्थानीय करारोपण क्षमता एवं व्यवहार्यताः उज्जैन जिले के विशेष संदर्भ में एक मूल्यांकन अध्ययन"प्रायोजक मध्यप्रदेश सामाजिक विज्ञान शोध संस्थान, उज्जैन।

सम्मेलन/सेमिनार/व्याख्यान

संस्थान ने वर्ष 2020–21 के दौरान तीन राष्ट्रीय वेबिनारों और पांच कार्यशालाओं/प्रशिक्षण कार्यक्रमों का आयोजन किया।

अनुसंधान संबद्धता और पीएच.डी./एम.फिल.

एमपीआईएसएसआर विक्रम विश्वविद्यालय, उज्जैन का मान्यताप्राप्त अनुसंधान केंद्र हैं जो राजनीति विज्ञान, अर्थशास्त्र, भूगोल और समाजशास्त्र में पीएच.डी. कराता है। संस्थान सामाजिक विज्ञान से संबंधित सामयिक मुद्दों पर सालाना तीन आईसीएसएसआर संस्थागत डॉक्टरेट फेलोशिप देता है। आईसीएसएसआर फेलोशिप के तहत शामिल हुए छात्रों के अलावा, एमपीआईएसएसआर ओपन कैटेगरी के तहत आने वाले छात्रों और विभिन्न यूजीसी फेलोशिप के तहत आने वाले छात्रों का भी मार्गदर्शन करता है और उन्हें शोध सुविधाएं प्रदान करता है। वर्तमान में राजनीति विज्ञान, अर्थशास्त्र, वाणिज्य और समाजशास्त्र में 23 शोध छात्र पीएच.डी. कर रहे हैं। वर्ष 2020–21 के दौरान पांच छात्रों को पीएच.डी. की डिग्री दी गई और एमपीआईएसएसआर उज्जैन के दो छात्रों ने अपना डॉक्टोरल थेसिस जमा किया। इस वर्ष के दौरान दो छात्रों ने प्रायोजक आईसीएसएसआर, नई दिल्ली की मदद से अपना पोस्ट डॉक्टोरल थीसिस जमा किया है।

प्रकाशन

पुस्तकें

1. यतीन्द्र सिंह सिसोदिया और तापस कुमार दलपति, "स्ट्रैटेजिज फॉर ह्यूमन डेवलपमेंट एंड पीपुल्स पार्टिसिपेशनः चैलेंजेज एंड प्रोस्पेक्ट्स इन रुरल इंडिया", (2020), प्राइमस बुक्स, नई दिल्ली।

शोध पत्र और पत्रिकाओं में लेख/पुस्तकों में अध्याय

संस्थान के संकाय ने वर्ष 2020–21 के दौरान विभिन्न पत्रिकाओं में चार शोध पत्रों/लेखों और प्रकाशित पुस्तक में एक अध्याय प्रकाशित कराया।

शोध रिपोर्ट/मोनोग्राफ

1. यतीन्द्र सिंह सिसोदिया और तापस कुमाल दलपति, "इन्क्लूशन ऑफ वुमेन एमिडस्ट कोविड–19 आउटब्रेक्सः एक्सेसिंग इंप्लीमेंटेशन ऑफ एमजीएनआरईजीएस इन मध्य प्रदेश", शोध रिपोर्ट, एमपीआईएसएसआर– यूनिसेफ, 2020।

पुस्तकालय

एमपीआईएसएसआर पुस्तकालय में सामाजिक विज्ञान से संबंधित पुस्तकों, पत्रिकाओं, पाक्षिक पत्रिकाओं, वार्षिक रिपोर्टों, समाचार पत्रों, कार्य पत्रों और मोनोग्राफ का अच्छा संकलन हैं। पुस्तकालय अपने उपयोगकर्ताओं को निम्नलिखित सेवाएं प्रदान करता है (1) करेंट अवेयरनेस सर्विस (2) सूचना का चयनात्मक प्रसार (3) पत्रिकाओं/पाक्षिक पत्रिकाओं की वर्तमान सूची (4) रिप्रोग्राफिक सेवाएं और (5) परिसंचरण सेवा। पुस्तकालय में 17230 किताबें और 3000 बाउन्ड वॉल्यूम वाली पत्रिकाएं हैं। पुस्तकालय संस्थान के शोध आउटपुट और प्रकाशनों का आदान–प्रदान करता है। इसमें इसकी पत्रिकाएं जैसे मध्य प्रदेश जर्नल ऑफ सोशल साइंसेस और मध्य प्रदेश सामाजिक विज्ञान अनुसंधान जर्नल का प्रकाशन आईसीएसएसआर के वित्तीय सहयोग और भारत के अन्य सामाजिक विज्ञान संस्थानों के सहयोग से किया जाता है। एमपीआईएसएसआर पुस्तकालय ने विभिन्न ऑनलाइन डेटाबेस की सदस्यता ली है जैसे कि जेएसटीओआर, ईसीओएनएलआईएसटी, ईबीएससीओ और इंडिया स्टैट।

वर्ष 2020–21 के दौरान, वर्तमान संग्रह में व्यापक रूप से सामाजिक विज्ञान से संबंधित विभिन्न विषयों पर 1504 नई किताबों को शामिल किया गया है। इसके अलावा, संस्थान को इस अवधि के दौरान आदान–प्रदान/सदस्यता के आधार पर 198 पत्र–पत्रिकाओं और पाक्षिक पत्रिकाएं प्राप्त हुई हैं।

मध्य प्रदेश सामाजिक विज्ञान अनुसंधान संस्थान, उज्जैन, म.प्र.
एम.पी. इंस्टीट्यूट ऑफ सोशल साइंस रिसर्च, एमपीआईएसएसआर), उज्जैन, एम.पी.
वित्त निधि (अन–ऑडिटेड) 2020–21

(₹ लाख में)

आय	राशि	व्यय	राशि
रोकड़ जमा	29.32		
भा.सा.वि.अ.प. अनुदान		वेतन	121.41
गैर–योजना (ओएच–36)	76.83	गैर–योजना	
		योजना	
योजना (ओएच– 31)	10.00	संस्थान के स्वयं के स्रोत	
एम.पी. सरकार अनुदान		प्रतिष्ठान/प्रशासनिक व्यय	14.31
गैर–योजना	31.82	गैर–योजना	
योजना		योजना	
संस्थान के स्वयं के स्रोत से पूरी की गई वेतन की कमी अन्य आमदनी	13.99	शोध संवर्धन एक्स. (सेमिनार/ विविध व्यय	16.77
		अगले वर्ष के लिए सी/एफ	9.47
कुल	**161.96**	**कुल**	**161.96**

मद्रास विकास अध्ययन संस्थान, चेन्नई
मद्रास इंस्टीट्यूट ऑफ डेवलपमेंट स्टडीज़, (एमआईडीएस), चेन्नई

अनुसंधान परियोजनाएं (पूर्ण)

1. कृपा अनंतपुर, "रुरल लाइव्लीहुड प्रोग्राम्सः लेसंस फ्रॉम द पास्ट एज़ ए गाइड टू द फ्यूचर– ए क्वालिटेटिव स्टडी इन तमिलनाडु", द वर्ल्ड बैंक, नई दिल्ली।
2. एल. वेंकटचलम और डॉ. उमानाथ, "स्ट्रक्चरल ट्रांसफॉर्मेशन, रिजनल डिसपायरेटी और इंस्टीट्यूशनल रिफॉर्म्स इन एग्रीकल्चर", भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद (आईसीएआर)।
3. एल वेंकटचलम, कृपा और के. जाफर, "तमिलनाडु कोविड–19 पल्स सर्वे 1, 2 एंड 3", नियोजन, विकास एवं विशेष पहल विभाग, तमिलनाडु राज्य सरकार।
4. कैरेन कोएल्हो, "एविडेंस टुआर्ड्स अफोर्डेबल हाउसिंग पॉलिसीज़ः द केस ऑफ चेन्नई", तमिलनाडु स्टेट लैंड यूज़ रिसर्च बोर्ड।
5. के. जाफर, "मैपिंग वल्नेरेबलिटी एंड सोशल प्रोटेक्शन इन तमिलनाडुः एन एनालिसिस ऑफ ई–माटी डेटाबेस एंड फील्ड स्टडी", यूनिसेफ, चेन्नई।
6. अजीत मेनन और एम. विजयभास्कर, "टुवार्ड्स अ रिलेशनल अप्रोच टू एजेंसी फॉर मैपिंग पाथवेज़ इन्टू एंड आउट ऑफ पोवर्टी", इकोनॉमिक एंड सोशल रिसर्च काउंसिल (यूनाइटेड किंग्डम)।
7. अमिता भिड़े और कैरेन कोएल्हो, "बाउंड्री स्पैनिंग एंड इंटरमीडिएशन फॉर अर्बन रीजेनेरेशनः कॉम्परेटिव केस स्टडीज़ फ्रॉम 3 इंडियन सीटीज़", आईसीएसएसआर, नई दिल्ली।

अनुसंधान परियोजनाएं (जारी)

1. अजीत मेनन, "रप्चर, जेंडर्ड अडप्टेशन और द सोशल इकोनॉमी ऑफ इंडियन ओशियन फिशरीज़", सोशल साइंस रिसर्च काउंसिल (एसएसआरसी), यू.एस.।
2. अजीत मेनन, "कोस्टल ट्रांसफॉर्मेशंस एंड फिशर वेलबीइंग– सिंथेसाइज्ड पर्सेप्टिव्स फ्रॉम इंडिया एंड यूरोप", ईयू– आईसीएसएसआर।

3. अजीत मेनन और एम. विजयभास्कर, "टूवाड्र्स ए रिलेशनल अप्रोच टू एजेंसी फॉक मैपिंग पाथवेज़ इंटू एंड आउट ऑफ पोवर्टी", द यूके इकोनॉमिक एंड सोशल रिसर्च काउंसिल एंड द डिपार्टमेंट फॉर इंटरनेशनल डेवलपमेंट।
4. कृपा अनंतपुर, एल. वेंकटचलम और के. जाफर, "तमिलनाडु कोविड पल्स सर्वे", तमिलनाडु सरकार।
5. कृपा अनंतपुर, के. जाफर और एल. वेंकटचलम,"तमिलनाडु हाउस पैनल सर्वे प्रोजेक्ट", नियोजन, विकास एवं विशेष पहल विभाग, तमिलनाडु राज्य सरकार।
6. एल. वेंकटचलम, "इकोनॉमिक वैल्यूएशन ऑफ इकोसिस्टम सर्विसेस ऑफ 80 प्रायोरिटाइज्ड वेटलैंड्स", राज्य विकास एवं नीति परिषद, तमिलनाडु सरकार।
7. ए.आर. वेंकटचलपति, "दलित्स एंड द मेकिंग ऑफ द पब्लिक स्फेयर इन कोलोनियल तमिलनाडुः ए डॉक्यूमेंटेशन ऑफ तमिलियन", 1907–1947, एमआईडीएस।
8. एनास्टासिया पिलियावस्की और ए. आर. वेंकटचलपति, "इंडियाज़ पॉलिटिक्स इन इट्स वर्नाकुलर्स", यूरोपीय यूनियन।
9. एम. विजयभास्कर, "चैलेंजेज इन स्कूल–टू–वर्क ट्रांजिशन अमंग अडोलसेंट्स एंड यूथ इन तमिलनाडु– एन एक्सप्लोरेटरी स्टडी", यूनिसेफ।
10. एम. विजयभास्कर, "बिकमिंग ए यंग फार्मरः यंग पीपुल पाथवेज़ इंटू एग्रीकल्चर", एसएसआरसी, कनाडा।

सम्मेलन/सेमिनार/व्याख्यान

वर्ष 2020–21 के दौरान संस्थान ने एक सेमिनार, एक कार्यशाला और एक पुस्तक विमोचन कार्यक्रम का आयोजन किया।

अनुसंधान संबद्धता और पीएच.डी./एम.फिल.

संस्थान पीएच.डी., कार्यक्रम कराता है और विदेशी छात्रों को उनके शोध कार्य के लिए संबद्ध कार्यक्रम करने का अवसर भी देता है। वर्ष 2020–21 के दौरान, एक आईसीएसएसआर संस्थागत डॉक्टोरल फेलोशिप समेत चार शोध छात्रों ने पीएच.डी. प्रोग्राम के लिए पंजीकरण करवाया और आईसीएसएसआर के दो वरिष्ठ फेलो संस्थान से जुड़े। वर्ष 2020–21 के दौरान एमआईडीएस से चार अंतर्राष्ट्रीय सहयोगी भी जुड़े।

प्रकाशन

पुस्तकें

1. गिरि, ए. के. (2021)। रुट्स, रूट्स एंड ए न्यू अवेकनिंगः बियॉन्ड वन एंड मेनी एंड ऑल्टरनेटिव प्लैनेटरी फ्यूचर्स। संपादक– पलग्रावे मैकमिलन।
2. गिरि, ए.के. (2021)। क्रॉस– फर्टिलाइजिंग रूट्स एंड रूट्सः आईडेंटिटीज़, सोशल क्रिएटिविटी, कल्चरल रीजनरेशन एंड प्लैनेटरी रियलाइजेशंस। संपादक– पलग्रावे मैकमिलन।
3. सिवासुब्रमणियन के. (2021)। तमिलागाथिथिल नीरप्पासनम (इरिगेशन इन तमिलनाडु)। पुनर्मुद्रण। बोधिवनम पब्लिकेशंस।

शोध पत्र और पत्रिकाओं में लेख/पुस्तकों में अध्याय

वर्ष 2020–21 के दौरान संस्थान के संकाय ने 21 शोध पत्रों/पत्रिकाओं में लेखों और पुस्तकों में 16 अध्यायों का प्रकाशन किया।

शोध रिपोर्ट/मोनोग्राफ्स/वर्किंग पेपर्स

1. कृषानु प्रधान, "ग्रोथ– मैक्सिमाइज़िंग फिस्कल रूल टार्गेट्स इन इंडिया", एमआईडीएस कार्य पत्र सं. 238; अप्रैल 2020।
2. कलाईयारासन ए., "स्ट्रक्चरल चेंज इन तमिलनाडु, 1980– 2012ः लिमिट्स ऑफ सबनेशनल डेवलपमेंट", एमआईडीएस कार्य पत्र सं. 239; सितंबर 2020।
3. सुजाता पटेल, "सोशल थ्योरी टुडेः यूरोसेंट्रिज्म एंड डीकोलोनियल थ्योरी", एमआईडीएस कार्य पत्र सं. 240; दिसंबर 2020।
4. शेषाद्री बनर्जी, "प्री–एंड पोस्ट–कोविड–19 मैक्रोइकोनॉमिक सीनेरियोज़ फॉर इंडिया", जून 2020।
5. एल. वेंकटचलम, "रिफॉर्म्स इन द एग्रीकल्चर सेक्टर ड्यूरिंग द पोस्ट– कोविड–19 एरा", जून 2020।
6. एम. विजयभास्कर, एमआईडीएस, चेन्नई, "सस्टेनिंग इंडस्ट्रियल क्लस्टर्स इन तमिलनाडु फॉर इम्प्लॉयमेंट जेनरेशनः सम पॉलिसी लेसंस फ्रॉम तिरुपुर", जून 2020।
7. आर. वेंकटचलपति, "द तमिल बुक– पब्लिशिंग इंडस्ट्री एंड द इंपैक्ट ऑफ कोविड–19 पैनडेमिकः ए नोट", जून 2020।

8. के. सिवासुब्रमणियन, "इरिगेशन इन तमिलनाडुः प्री एंड पोस्ट– कोविड–19 एराज़", जून 2020।
9. कैरेन कोएल्हो; एंड ए. श्रीवातसन, सीईपीटी यूनिवर्सिटी, अहमदाबाद, "अफोर्डेबल हाउसिंग इन चेन्नई एंड सम नोट्स ऑन पोस्ट– पैनडेमिक प्रॉस्पेक्ट्स", जून 2020।
10. एस. आनंदी एंड ई. दीपा; "प्रोटेक्टिंग लाइव्लीहुड, हेल्थ एंड डीसेंसी ऑफ वर्कः पेड डोमेस्टिक वर्कर्स इन द टाइम ऑफ कोविड–19", जून 2020
11. के. जाफर एंड कलाईयारासन ए., "कोविड–19 एंड माइग्रेशनः द एक्सपिरिएंस ऑफ तमिलनाडु", जून 2020।
12. पी.जी.बाबू एंड चंदन कुमार, आईजीआईडीआर, मुंबई; "इंफ्रास्ट्रक्चर, डेवलपमेंट पोस्ट कोविड–19ः पीपीपी कॉन्ट्रैक्ट्स एंड डिजाइन इश्यूज़", जून 2020।
13. कृपा अनंतपुर; "रोल ऑफ पंचायती राज इंस्टीट्यूशंस इन डीलिंग विद कोविड–19 क्राइसिस", जुलाई 2020।
14. पी. जी. बाबु, विकास कुमार, अजीम प्रेमजी यूनिवर्सिटी, बेंगलुरु और पूनम सिंह, एनआईआईई, मुंबई, "एम्प्लॉयमेंट एंड कोविड–19ः ट्रेंड्स एंड इश्यूज़ इन तमिलनाडु", जुलाई 2020।
15. गायत्री बालगोपाल, स्वतंत्र शोधकर्ता, चेन्नई और एम. विजयभास्कर, "कोविड–19 पैनडेमिक एंड सोशल प्रोटेक्शन इन तमिलनाडुः नीड टू स्ट्रेन्थेन ए लाइफ–साइकल अप्रोच", जुलाई 2020।
16. सी. वीरमणि, आईजीआईडीआर, मुंबई और पी.जी.बाबू; "वाई असेम्ब्ली इन तमिलनाडुः आईडियाज़ फ्रॉम ग्लोबल ट्रेड ट्रेंड्स", जुलाई 2020।
17. कृषानु प्रधान, "मेशर्स टू रिवाइव टूरिज्म सेक्टर इन तमिलनाडु आफ्टर कोविड–19 पैनडेमिक", जुलाई 2020।
18. पी. जी. बाबू, ए. गणेश–कुमार और चंदन कुमार, "रिफॉर्म्स आउट ऑफ ऑर्डिनेंसेसः एग्रीकल्चर मार्केट्स", जुलाई 2020।
19. उमानाथ मलाईरासन, "फूड सिक्योरिटी इन कोविड–19 एरा", जुलाई 2020।
20. पी. दुराईरासु और एल. वेंकटचलम, "एन्वायरमेंटल रिफॉर्म्स इन तमिलनाडु आफ्टर कोविड–19", जुलाई 2020।
21. अजीत मेनन और मार्टीन बैविंक, "कोविड–19 और तमिलनाडुज़ मैरीन फिशरीज़ सेक्टर", अगस्त 2020।

पुस्तक समीक्षा

1. कोएल्हो, के. (2020)। 1–800– वर्ल्ड। रीव्यू ऑफ डेवलपमेंट एंड चेंज, 25 (2), 275–278।
2. वेंकटचलम एल. (2020)। प्लूरालिस्टिक इकोनॉमिक्स एंड इट्स हिस्ट्री। रीव्यू ऑफ डेवलपमेंट एंड चेंज, 25 (2)।

पुस्तकालय

एमआईडीएस पुस्तकालय अपने ज्ञान संसाधनों और नवीन सूचना सेवाओं के संग्रह के साथ संस्थान में छात्रों और शिक्षकों को और जहां संभव हो वहां आम जनता को उनकी बौद्धिक गतिविधियों को पूरा करने के लिए महत्वपूर्ण सेवाएं प्रदान करता है। पुस्तकालय में 61,402 से अधिक मुद्रित दस्तावेज हैं और इसके पास 108 पत्रिकाओं की सदस्यता है।

एमआईडीएस पुस्तकालय मुद्रित सदस्यता के रूप में लगभग 105 अकादमिक पत्रिकाओं की सदस्यता रखता है। इनमें से करीब 56 पत्रिकाएं अब ऑनलाइन उपलब्ध हैं और पुस्तकालय के सदस्य सभी दिन कैंपस में इन पत्रिकाओं को एक्सेस कर सकते हैं। इसके अलावा, आईसीएसएसआर ने हमें सह–व्यवस्था आधार पर सालाना जे–एसटीओआर, ईसीओएनएलआईटी और प्रोवेस आईक्यू का एक्सेस दिया है। एमआईडीएस पुस्तकालय ने नियमित आधार पर इलेक्ट्रॉनिक डेटाबेस जैसे भारत की जनगणना, एनएसएसओ, एएसआई आदि को खरीदता है। ये डेटाबेस सीडी–रोम/ डीवीडी के रूप में उपलब्ध हैं। पुस्तकालय के पास सीएमआईई और ईपीडब्ल्यूआरएफ टाइम सीरीज़ डेटाबेस से इकोनॉमिक आउटलुक की ऑनलाइन एक्सेस सदस्यता भी है। इसके अलावा, आईसीएसएसआर सालाना हमें इंडियास्टैट डॉट कॉम की सदस्यता लेने में सहयोग करता है। पुस्तकालय अपने उपयोगकर्ताओं को संस्थान के अभिलेखागार, सार्वजनिक डोमेन और अन्य पुस्तकालयों से इलेक्ट्रॉनिक प्रारूप में दस्तावेजों, रिपोर्ट्स, पत्रिकाओं आदि को उपलब्ध कराता है।

पुस्तकालय में बैठ कर पढ़ने वालों को यह पुस्तकालय रेफरेंस सर्विसेस प्रदान करता है। पुस्तकालय हमारे संकाय सदस्यों और छात्रों को अन्य शैक्षणिक पुस्तकालयों के अनुरोध पर दस्तावेज वितरण सेवाएं प्रदान करने की व्यवस्था करता है। पुस्तकालय में उसके सदस्यों और अन्य उपयोगकर्ताओं के लिए फोटोकॉपी कराने की सुविधा भी है। पुस्तकालय में आने वाली नई पुस्तकों/रिपोर्टों के बारे में नियमित रूप से अपडेट की गई जानकारी छात्रों और शिक्षकों को समय– समय पर उपलब्ध कराई जाती है। पुस्तकालय अपने शिक्षकों और छात्रों को उनके विशेष विषयों से संबंधित बिबलियोग्राफी

विवरण भी प्रदान करता है। एमआईडीएस पुस्तकालय ब्रिटिश काउंसिल लाइब्रेरी और लन्ना यूनिवर्सिटी सेंट्रल लाइब्रेरी का सदस्य है। इस सुविधा के साथ पुस्तकालय संस्थान में शिक्षकों और शोध छात्रों के लिए अंतर–पुस्तकालय ऋण सुविधा की व्यवस्था करता है।

एमआईडीएस पुस्तकालय अपने इन–हाउस कार्यों के लिए लिबसिस सॉफ्टवेयर का उपयोग कर रहा है। जे–एसटीओआर, ईसीओएनएलआईटी, सीएमआईई– इकोनॉमिक आउटलुक, प्रोवेस आईक्यू, ईपीडब्ल्यूआरएफआईटी, और इंडिया स्टैट डेटाबेस पुस्तकालय में उपलब्ध हैं ताकि छात्रों और शिक्षकों के ज्ञान आधार को समृद्ध बनाया जा सके। पुस्तकालय हमारे अकादमिक उपयोग के लिए सीडी– रोम/ डीवीडी के रूप में डेटाबेस रखता है। संग्रह में शामिल है भारत की जनसंख्या, डीएलएचएस, एनएसएसओ (मुख्य रूप से उपभोक्ता व्यय, रोजगार और बेरोजगारी, घरेलू संपत्तियां, रुग्णता और स्वास्थ्य देखभाल आदि)। एमआईडीएस पुस्तकालय में 158 पुस्तकों के संग्रह को शामिल किया गया है। वर्तमान में एमआईडीएस पुस्तकालय के पास 55 अंतर्राष्ट्रीय पत्रिकाओं और 50 भारतीय पत्रिकाओं की सदस्यता है। वर्ष 2020–21 में पुस्तकालय में 158 नई किताबों को शामिल किया गया।

मद्रास विकास अध्ययन संस्थान, चेन्नई

मद्रास इंस्टीट्यूट ऑफ डेवलपमेंट स्टडीज़ (एमआईडीएस), चेन्नई

वित्त विधि (अन–ऑडिटेड) 2020–21

(₹ लाख में)

आय	राशि	व्यय	राशि
भा.सा.वि.अ.प. अनुदान		गैर–योजना (ओएच 36)	
गैर–योजना (ओएच 36)– वेतन	187.69	वेतन (ओएच– 36) (संलग्न कथन के अनुसार)	441.30
योजना (ओएच–31) सामान्य	10.00	वित्त वर्ष 2019–2020 के लिए 2020–21 के अनुदान से ओएच– 36– ओएच–36 के नहीं खर्च किए गए शेष के लिए अनुदान में कमी	23.04
वित्त वर्ष 2020–21 के लिए नियोजिक और गैर–योजना दोनों के लिए राज्य सरकार अनुदान	128.75	योजना (ओएच– 31)	
राज्य सरकार से एरियर अनुदान 2019–20	134.25	सामान्य प्रतिष्ठान/प्रशासनिक व्यय	103 .00
स्वयं के स्रोत से आमदनी (परियाजनाएं, फेलोशिप, कंसल्टेंसी आदि)	41.71	परियोजनाएं	
और किसी अन्य स्रोतों (90 प्रतिशत अनुदान पर 10 प्रतिशत संस्थान की आय)		फेलोशिप	1.30
		कार्यशाला/प्रशिक्षण कार्यक्रम	
		अन्य विविध व्यय	
प्राप्त अनुदान से अधिक व्यय	64.94		
कुल	**567.34**		**567.34**

नवकृष्ण चौधरी विकास अध्ययन केंद्र, भुवनेश्वर

नवकृष्ण चौधरी सेंटर फॉर डेवलपमेंट स्टडीज़ (एनसीडीएस), भुवनेश्वर

अनुसंधान परियोजनाएं (पूर्ण)

1. मेहर शिबलाल,"इंप्लीमेंटेशन ऑफ मनरेगा टू प्रोवाइड लाइव्लीहुड सिक्योरिटी एंड अरेस्ट डिस्ट्रेस माइग्रेशन इन ड्रॉट अफेक्टेड डिस्ट्रिक्ट्स ऑफ ओडिशा", प्रायोजक पीआर एंड डीडब्ल्यू डिपार्टमेंट, ओडीशा सरकार।
2. मेहर, शिबलाल, "टेक्निकल क्वालिटी एंड एग्रो–इकोनॉमिक असेस्मेंट ऑफ वाटर कंजर्वेशन एंड रेजुवनेशन ऑफ वाटर बॉडीज़ अंडर मनरेगा इन ओडीशा", प्रायोजक पीआर एंड डीडब्ल्यू डिपार्टमेंट, ओडीशा सरकार।
3. मेहर, शिबलाल, "सर्वे ऑफ अपडेशन ऑफ फैमली जीनीआलजी ऑफ उत्कल– ई कोल माइन्स ऑफ नाल्को", अंगुल, प्रायोजक नाल्को, भुवनेश्वर।
4. मिश्रा, रश्मि, "इवैल्यूएशन स्टडी ऑन बीजू कंधमाल ओ" गजपति योजना (बीकेजीवाई) इन द स्टेट ऑफ ओडीशा", प्रायोजक प्लानिंग एंड कंवर्जेंस डिपार्टमेंट, ओडीशा सरकार।
5. मिश्रा, रश्मि, "ऑल इंडिया सर्वे ऑन हायर एजुकेशन (एआईएसएचई, 2019–20)", प्रायोजक उच्च शिक्षा विभाग, मानव संसाधन विकास मंत्रालय, भारत सरकार।
6. मिश्रा, स्रीजित, दास, चिंता रंजन और पात्रा, बिस्वास, "बेसलाइन सर्वे रिपोर्ट ऑन स्पेशल प्रोग्राम फॉर द प्रोमोशन ऑफ इंटीग्रेटेड फार्मिंग इन ट्राइबल एरियाज़ ऑफ ओडीशा (मलकानगिरी डिस्ट्रिक्ट)", प्रायोजक कृषि विभाग, ओडीशा सरकार।
7. मिश्रा, स्रीजित, दास, चिंता रंजन और पात्रा, बिस्वास, "बेसलाइन सर्वे रिपोर्ट एंड ए स्टेट रिपोर्ट ऑन "स्पेशल प्रोग्राम फॉर द प्रोमोशन ऑफ मिलेट्स इन ट्राइबल एरियाज़ ऑफ ओडीशा (ओडिशा मिलेट्स मिशन)", रिपोर्टों को एनसीडीएस के आधिकारिक साइट पर अपलोड और पब्लिश किया जा चुका है।
8. रमेश प्रसाद मोहंती, "इंटरैक्टिव स्पेस फॉर लर्निंग", प्रायोजक एनसीडीएस।

अनुसंधान परियोजनाएं (जारी)

1. शिबलाल मेहर, "सोशियो इकोनॉमिक सर्वे इन अफेक्टेड विलेजेज ऑफ नैनी कोल ब्लॉक इन छेन्दिपाड़ा तहसील, अंगुल डिस्ट्रिक्ट", प्रायोजक सिंगारेनी कोलियरीज़ कंपनी लिमि.।
2. शिबलाल मेहर, "सोशियो इकोनॉमिक सर्वे ऑफ बैतरणी वेस्ट कोल माइन ऑफ ओडिशा माइनिंग कॉरपोरेशन लिमि.", प्रायोजक ओडीशा माइनिंग कॉरपोरेशन लिमि.।
3. शिबलाल मेहर, "सोशियो इकोनॉमिक सर्वे ऑफ बीजापति, बादतेलेनपली एंड गर्जन विलेज़ेज ऑफ लोअर सुकटेल इरिगेशन प्रोजेक्ट इन बालंगिर डिस्ट्रिक्ट", प्रायोजक लोअर सुकटेल इरिगेशन प्रोजेक्ट, बालंगिर।
4. रश्मि मिश्रा, "डिजिटल जेंडर एटलस फॉर हायर एजुकेशन इन द स्टेट ऑफ ओडिशा", फेज–II, प्रायोजक उच्च शिक्षा विभाग, ओडिशा सरकार
5. रश्मि मिश्रा, "ऑल इंडिया सर्वे ऑन हायर एजुकेशन (एआईएसएचई, 2020–21)", प्रायोजक उच्च शिक्षा विभाग, मानव संसाधन विकास मंत्रालय, भारत सरकार।
6. रश्मि मिश्रा, "सोशियो– इकोनॉमिक स्टडी ऑन सेवायत फैमलीज़ ऑफ श्री जगन्नाथ टेम्पल, पुरी", श्री जगन्नाथ टेम्पल एडमिनिस्ट्रेशन, पुरी।
7. चिता रंजन दास और बिस्वाबास पात्रा, "द इंपैक्ट ऑफ ऑनलाइन ट्रांसफर ऑफ फंड टू द केंदु लीफ प्लकर्स/बाइंडर्स एंड अदर स्टाफ इन देयर सोशियो– इकोनॉमिक डेवलपमेंट", प्रायोजक पीसीसीएफ, ओडीशा।
8. चिता रंजन दास और बिस्वाबास पात्रा, "द इंपैक्ट ऑन डीरेग्युलेशन ऑफ केंदु लीफ वर्किंग इन मलकानगिरि, नवरंगपुर एंड भवानीपाटन (केएल) डिविजन, बेस्ड ऑन फॉरेस्ट राइट्स एक्ट, 2006", प्रायोजक पीसीसीएफ, ओडीशा।
9. चिता रंजन दास और बिस्वाबास पात्रा, "स्पेशल प्रोग्राम फॉर प्रोमोशन ऑफ मिलेट्स इन ट्राइबल–कम–माइनिंग एरियाज़ ऑफ क्योंझर, ओडीशा अंडर डीएमएफ", प्रायोजक डीएमएफ, क्योंझर।
10. चिता रंजन दास और बिस्वाबास पात्रा, "स्पेशल प्रोग्राम फॉर प्रोमोशन ऑफ मिलेट्स इन ट्राइबल–कम–माइनिंग एरियाज़ ऑफ सुंदरगढ़, ओडीशा अंडर डीएमएफ", प्रायोजक डीएमएफ, सुंदरगढ़।
11. चिता रंजन दास और बिस्वाबास पात्रा, "स्पेशल प्रोग्राम फॉर प्रोमोशन ऑफ मिलेट्स इन ट्राइबल–कम–माइनिंग एरियाज़ ऑफ अंगुल, ओडीशा अंडर डीएमएफ", प्रायोजक डीएमएफ, अंगुल।

12. चिता रंजन दास और बिस्वाबास पात्रा, "स्पेशल प्रोग्राम फॉर प्रोमोशन ऑफ मिलेट्स इन ट्राइबल एरियाज़ ऑफ ओडीशा", प्रायोजक कृषि विभाग, ओडिशा सरकार।
13. बिस्वाबास पात्रा और चिता रंजन दास, "स्पेशल प्रोग्राम फॉर प्रोमोशन ऑफ इंटीग्रेटेड फार्मिंग इन ट्राइबल एरियाज़ ऑफ ओडिशा (मलकानगिरी डिस्ट्रिक्ट)", प्रायोजक कृषि विभाग, ओडिशा सरकार।
14. रमेश प्रसाद मोहंती, "प्रॉब्लेम्स एंड सोशल एडजस्टमेंट प्रॉसेस ऑफ सेरब्रल पाल्सी चिल्ड्रेन एट हाउसहोल्ड लेवल", प्रायोजक एनसीडीएस।
15. बिस्वाबास पात्रा, "कॉस्ट ऑफ कल्टीवेशन ऑफ डिफरेंट क्रॉप्स एंड वेजिटेबल्स इन मलकानगिरी डिस्ट्रिक्ट (ए कॉम्पोनेन्ट ऑफ इंटिग्रेटेड फार्मिंग)" प्रायोजक कृषि विभाग, ओडिशा सरकार।

सम्मेलन/सेमिनार/व्याख्यान

संस्थान ने वर्ष 2020–21 के दौरान एक व्याख्यान और एक पैनल चर्चा का आयोजन किया।

प्रकाशन

किताबें

मोहंती, रमेश प्रसाद (2021)। पर्फॉर्मिंग आर्ट कल्चर इन ओडिशाः विज़न मिशन एंड कॉन्ट्रीब्यूशंस ऑफ डॉ साची दास, आईएसबीएन– 978–93–88863–41–4, पेन इन बुक्स पब्लिकेशंस, भुवनेश्वर, मार्च।

शोध पत्र और पत्रिकाओं में लेख/पुस्तकों में अध्याय

वर्ष 2020–21 के दौरान संस्थान के संकाय ने विभिन्न पत्रिकाओं में 7 शोध पत्रों/लेखों और प्रकाशित किताबों में तीन अध्यायों का प्रकाशन किया।

शोध पत्र/मोनोग्राफ्स/कार्य पत्र

1. मेहर शिबलाल (2020)। डायनमिक कैजुअल रिलेशनशिप बिटवीन गवर्नमेंट एक्सपेंडीचर एंड रेवेन्यू इन ओडिशाः ए ट्राईवैरिएट एनालिसिस। एनसीडीएस कार्य पत्र सं. 78, भुवनेश्वर, मई।
2. मेहर शिबलाल (2020)। कोविड–19 एंड माइग्रेंट वर्कर्सः चैलेंजेज एंड ऑपर्चुनीटीज़ फॉर ओडिशा। एनसीडीएस कार्य पत्र सं. 79, भुवनेश्वर, जून।
3. मेहर शिबलाल (2020)। इफिशिएंसी ऑफ इलेक्ट्रिसिटी डिस्ट्रीब्यूशनः ए माइक्रो लेवल डेटा एन्वेलपमेंट एनालिसिस इन ओडिशा। एनसीडीएस कार्य पत्र सं. 80, भुवनेश्वर, अगस्त।
4. मिश्रा, स्रीजित; पटनायक, भास्वति और रथ, नवनीता। (2020)। कोविड– 19ः एफएक्यू ऑन सेरोलॉजिकल एंटीबॉटी टेस्ट फॉर सार्स कोव–2 इन भुवनेश्वर, ओडिशा, इंडिया, एनसीडीएस पॉलिसी ब्रीफ 17 और 17 ए (ओडिया संस्करण), भुवनेश्वर, 20 अप्रैल।
5. मिश्रा, स्रीजित; ओएम दमानी एंड वेंकटेस्वरन, जावेन्द्रन। (2020)। कोविड– 19ः रिटर्न ऑफ माइग्रेंट वर्कर्स एंड अदर्स आफ्टर इज़िंग ऑफ लॉकडाइन रेस्ट्रिक्शंस, एनसीडीएस पॉलिसी ब्रीफ 18 और 18 ए (ओडिया संस्करण), भुवनेश्वर, 27 अप्रैल।
6. मिश्रा, स्रीजित; प्रधान, मदन मोहन और दत्ता अम्बरीश। (2020)। कोविड– 19ः 1/5, मलेरिया कंट्रोल इन इंडिया अगेन्स्ट द बैकड्रॉप ऑफ कोविड–19 पैनडेमिक, एनसीडीएस पॉलिसी ब्रीफ 19 और 19 ए (ओडिया संस्करण), भुवनेश्वर, 15 मई।
7. ई. फैलॉन , एस मैकऑलिफ और रे, एस. (2020)। कॉम्बैटिंग कोविड– 19)ः ए 10– प्वाइंट समरी ऑन डायट, न्यूट्रीशन एंड द रोल ऑफ माइक्रोन्यूट्रीएंट्स। एनसीडीएस पॉलिसी ब्रीफ 20, 25 मई (ओडिया संस्करण)।
8. मिश्रा, स्रीजित; पटनायक, भास्वति और रथ, नवनीता। (2020)। कोविड– 19ः डूज़ एंड डॉन्ट्स फॉर मीडिया। एनसीडीएस पॉलिसी ब्रीफ 21, 16 जून।
9. मिश्रा, स्रीजित (2020)। लाइफ एंड लाइव्लीहुड आर प्रीरिक्वीसाइट्स फॉर एन इंक्लूसिव पोस्ट– पैनडेमिक इकोनॉमी। एनसीडीएस पॉलिसी ब्रीफ 22, 16 जून।
10. मिश्रा, स्रीजित; पटनायक, भास्वति और रथ, नवनीता। (2020)। कोविड– 19ः डूज़ एंड डॉन्ट्स फॉर मीडिया। एनसीडीएस पॉलिसी ब्रीफ 21 ए (ओडिया संस्करण), 26 जून।
11. ज्यां द्रेज़ (2020)। डीसेंट्रलाइज़्ड अर्बन एम्प्लॉयमेंट एंड ट्रेनिंग (डीयूईटी) स्कीमः ए प्रोपोजल। एनसीडीएस पॉलिसी ब्रीफ 23, 23 ए (हिन्दी संस्करण), 29 अगस्त और एनसीडीएस पॉलिसी ब्रीफ 23 बी (ओडिया संस्करण), 1 सितंबर।

पुस्तकालय

सेंटर के कैंपस में अलग भवन में अच्छा पुस्तकालय है। इस पुस्तकालय में मुद्रित पुस्तकों के 19218 संस्करण, 72 सदस्यता वाली मुद्रित पत्रिकाएं और सामाजिक विज्ञान में 30 वर्षों से भी अधिक वर्षों के सामयिक पत्रिकाओं के संस्करण रखे हैं। इनके अलावा, पीएच.डी. थेसिस, एम. फिल डिसर्टेशन, विभिन्न प्रकार की रिपोर्टें भी पुस्तकालय में उपलब्ध हैं। पुस्तकालय में वातानुकूलित अध्ययन कक्ष, कम्प्यूटर के साथ ई–लाइब्रेरी, इंटरनेट एक्सेस प्वाइंट्स और वाई–फाई कनेक्टिविटी, फोटोकॉपी और प्रिंट करने की सुविधा है। पुस्तकालय स्वचालन कार्य को राष्ट्रीय सूचना विज्ञान केंद्र द्वारा विकसित ई–ग्रंथालय सॉफ्टवेर के माध्यम से प्रबंधित किया गया है। पुस्तकाल भारत सरकार और ओडिशा सरकार के विभिन्न प्रकाशनों समेत कई संस्थानों के संस्थागत प्रकाशित ग्रंथ (किताबें, पत्रिकाएं आदि) प्राप्त करता है। अब पुस्तकालय आईसीएसएसआर/एनएएसएसडीओसी के ई–रिसोर्स कंसोर्टियम का भागीदार है और इनके ई–रिसोर्स को एक्सेस कर सकता है। पुस्तकालय ओडिशा यूनिवर्सिटी कंसोर्टियम का भी हिस्सा है और प्रोक्वेस्ट द्वारा प्रदत्त ई–रिसोर्सेस को एक्सेस कर सकता है। सर्विसेस में शामिल है ओपन एक्सेस सिस्टम, सर्कुलेशन सर्विस–इश्यू/रिटर्न ऑफ बुक्स, रिप्रोग्राफी सर्विस– प्रिंट और फोटोकॉपी, रीडिंग रूम सर्विस– वातानुकूलित अध्ययन माहौल, ई–लाइब्रेरी सर्विस–कंप्यूटर, इंटरनेट, वाई–फाई, ई–रिसोर्सेस, रीमोट– एक्सेस, करेंट अवेयरनेस सर्विस, न्यूज़ क्लिपिंग सर्विस, चुनींदा सूचनाओं का प्रसार, डॉक्यूमेंट डिलीवरी सर्विस, रेफरेंस सर्विस, डिजिटलाइज़ेशन/सॉफ्टवेर सर्विसेस उपलब्ध है, पुस्तकालय स्वचालन हेतु ई–ग्रंथालय 3.0, डिजिटल लाइब्रेरी एवं संस्थागत रिपोजिटरी के लिए डी– स्पेस (प्रक्रियाधीन हैं), जेएसटीओआर, ईबीएससीओ, प्रोक्वेस्ट, इंडियास्टैट, प्रोवेस आईक्यू, सेज ऑनलाइन जर्नल्स और ईपीडब्ल्यू आर्काइव्स (1949से अब तक का डिजिटल संस्करण) समेत फुल टेक्स्ट डेटाबेस का ई– रिसोर्सेस एक्सेस। पुस्तकालय में बीते 30 वर्षों की पत्र–पत्रिकाओं के संस्करणों को हार्ड बाइंडिंग में सहेज कर रखा गया है हालांकि कुछ पत्रिकाओं के पुराने अंक, 1976 के बाद से उपलब्ध हैं। पुस्तकालय ने 72 राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय पत्रिकाओं की सदस्यता ली हुई है। वर्ष 2020–21 के दौरान पुस्तकालय को 32 किताबें उपहार में मिलीं हैं।

नवकृष्ण चौधरी विकास अध्ययन केंद्र, भुवनेश्वर
नवकृष्ण चौधरी सेंटर फॉर डेवलपमेंट स्टडीज़ (एनसीडीएस), भुवनेश्वर
वित्त निधि (अन–ऑडिटेड) 2020–21

(₹ लाख में)

आय	राशि	व्यय	राशि
भा.सा.वि.अ.प. अनुदान		वेतन	
गैर–योजना (ओएच–36)	81.13	गैर–योजना	253.76
योजना (ओएच–31)	10.00	योजना	–
राज्य सरकार अनुदान		प्रतिष्ठान/प्रशासनिक व्यय	
गैर–योजना	520.00	गैर–योजना	–
योजना	–	योजना	45.41
स्वयं के स्रोत से आमदनी (परियोजनाएं, फेलोशिप, कंसल्टेंसी आदि)	933.92	परियोजनाएं फेलोशिप कार्यशालाएं/प्रशिक्षण कार्यक्रम अन्य विविध व्यय	98.22
कोई अन्य स्रोत	38.12	विविध व्यय	
		व्यय से अधिक आय⁰	1185.78
कुल	**1583.17**	**कुल**	**1583.17**

* कुल आय और व्यय में किसी भी प्रकार की भिन्नता का कारण बताकर उचित उचित ठहराया जाना चाहिए।

* इस वित्त वर्ष में पूरी नहीं होने वाली बाहरी परियोजनाओं के लिए मिले अनुदानों के कारण व्यय से अधिक हुई आमदनी, ताकि अप्रयुक्त अनुदानों को अगले वित्त वर्षों में प्रयोग किया जा सके।

ओमियो कुमार दास सामाजिक परिवर्तन और विकास संस्थान, गुवाहाटी

ओमियो कुमार दास इंस्टीट्यूट ऑफ सोशल चेंज एंड डेवलपमेंट (ओकेडीआईएससीडी), गुवाहाटी

अनुसंधान परियोजनाएं (पूर्ण)

1. बरुआ, जॉयदीप; दास, कल्याण, चौधरी, सास्वति, "इकॉनमी ऑफ असम इन द बैकड्रॉप ऑफ कोविड–19 पैनडेमिक", राज्य नवाचार और परिवर्तन आयोग, असम सरकार और ओकेडीआईएससीडी, गुवाहाटी।
2. सरमा, भूपेन, "वर्क एंड वेलबीइंग इन रूरल असम", ओकेडीआईएससीडी, गुवाहाटी।
3. डेका, अरुणिमा, "एथनिक आईडेंटिटि, रिजनलिज्म एंड कोलिएशन पॉलिटिक्स इन इंडियाज़ नॉर्थ ईस्ट", आईसीएसएसआर, नई दिल्ली।
4. दास, कल्याण, "लाइव्लीहुड इन द कॉन्टेक्स्ट ऑफ रिसोर्सेस एंड रेग्युलेशंस इन नॉर्थ ईस्ट इंडियाः डज़ आउटमाइग्रेशन फॉर वर्क एन्श्योर्स इकोनॉमिक फ्रीडम?", ओकेडीआईएससीडी, गुवाहाटी।
5. भौमिक, इंद्रनील, "कॉज़ेज एंड कॉन्सिक्वेंसेस ऑफ आउटमाइग्रेशन इन द नॉर्थईस्ट रीजन ऑफ इंडिया", ओकेडीआईएससीडी, गुवाहाटी।
6. बोरठाकुर, मोनजित और सरमा, अक्षय ज्योति, "इवैल्यूएशन ऑफ सीएसआर एंड एस इनिशिएटिव्स ऑफ एनईईपीसीओ लिमि., 2018–19", एनईईपीसीओ, शिलॉन्ग।

अनुसंधान परियोजनाएं (जारी)

1. सरमा, भूपेन, "डिस्कवरी ऑफ असमः हिस्ट्री ऑफ सेटेल्मेंट इन असम", असम सरकार।
2. चैधरी, सास्वति, "एस्टिमेशन ऑफ ग्रॉस फिक्स्ड कैपिटल फॉर्मेशन इन असम", डायरेक्टोरेट ऑफ इकोनॉमिक्स एंड स्टैटिस्टटिक्स, असम।
3. सरमा, अक्षय ज्योति, "डॉक्यूमेंटेशन, मॉनीटरिंग एंड इवैल्यूएशन ऑफ सीएसआर एंड एस इनिशिएटिव्स ऑफ एनईईपीसीओ लिमि, 2019–20", एनईईपीसीओ लिमिटेड, शिलॉन्ग।
4. दिपोंगपू, "इंडिया– साउथईस्ट एशिया रिलेशंस एंड द न्यू सिल्क रोडः ए स्टडी ऑफ द इंपैक्ट फॉर नॉर्थ ईस्ट इंडिया (पोस्ट– डॉक्टोरल फेलोशिप), आईसीएसएसआर, नई दिल्ली।
5. चाइमिंग, रिकिल, "लाइफ, लाइव्लीहुड एंड एक्सक्लूशनः द चार ड्वेलर्स इन द ब्रह्मपुत्रा वैली ऑफ असम," आसीएसएसआर, नई दिल्ली।
6. सरमा, भूपेन, "ए स्टडी ऑन एनआरसी एंड सिटिजनशिप (अमेंडमेंट) एक्ट, 2016", इन–हाउस स्टडी।
7. बरुआ, जॉयजीप, "इमर्जिंग एग्रेरियन रिलेशंस इन नॉर्थ ईस्ट इंडिया", इन– हाउस स्टडी।
8. सूत्रधार, राजीब, "पॉलिटिकल इकोनॉमी ऑफ कैश क्रॉप इन नॉर्थ ईस्टः ए वैल्यू चेन अप्रोच", इन– हाउस स्टडी।
9. चौधरी, सास्वति, "डिस्ट्रेस्ड सिचुएशंस एंड इनडेब्टनेस ऑफ रूरल हाउसहोल्ड इन असम एंड त्रिपुरा", इन–हाउस स्टडी।
10. चक्रवर्ती, गोर्की, "सिचुएटिंग द एथनिक कम्युनिटीज़ इन द पॉलिसी डिस्क्लोशरः ए स्टडी ऑफ द मिज़ोरम– म्यांमार बॉर्डरलैंड्स", इन–हाउस स्टडी।
11. सरमा, अक्षय ज्योति, "डज़ इंफॉर्मैलिटी मैटर? अंडरस्टैंडिंग इंटरैक्शंस अलॉन्ग एंड अक्रॉस द इंडो– म्यांमार बॉर्डर्स", इन–हाउस स्टडी।
12. बोरठाकुर, मोनजित, "अंडरस्टैंडिंग द ह्यूमन– नेचर इंटरैक्शनः पॉलिटिकल इकोलॉजी ऑफ वेटलैंड कंजर्वेशन इन असम", इन–हाउस स्टडी।
13. डेका, अरुणिमा, "इंकाउंटरिंग डेवलपमेंटः लोकेटिंग चेंजिंग जेंडर रिलेशंस इन इंडियाज़ नॉर्थ ईस्ट", इन–हाउस स्टडी।
14. सरमा, भूपेन, "इंटेग्रेसनिस्ट– ट्रांस्फॉर्मेटिव एजेंडा ऑफ द नेशन स्टेट एंड द नॉर्थ ईस्ट इंडिया", इन–हाउस स्टडी।
15. घोशाल, अनंदिता, "एक्सपीरिएंसेस एंड एक्सपेरिमेंट्स ओवर रिफ्यूजी–हुडः ए स्टडी ऑन कैम्प्स– कोलोनीज़ एंड स्पाटियल चेंज इन नॉर्थ ईस्ट इंडिया", इन–हाउस स्टडी।
16. लालफकजुला, जोसेफ के, "रिविज़िटिंग 'ख्वाखाम': द एप्लीकेशन एंड इंप्लीकेषन ऑफ विलेज री–सेटेल्मेंट इन मिज़ोरम", इन–हाउस स्टडी।

17. सैतलुंगा, बेंजामिन एल, "क्वालिटी ऑफ लाइफ एंड लाइव्लीहुड ऑप्शंस ऑफ लैंडलेस हाउसहोल्ड्स इन मिज़ोरम", इन–हाउस स्टडी।
18. सांता, के, "इवोलूशन ऑफ डेमोक्रेसी एंड पॉलिटिकल इंटीग्रेषन ऑफ सिक्किम विद द इंडियन यूनियन", इन–हाउस स्टडी।
19. सेन, सुबीर कुमार, "द इफिकेसी ऑफ रोड ट्रांसपोर्टेशन नेटवर्क इन नॉर्थ ईस्ट इंडियाः एन अग्रेसिव स्टडी", इन–हाउस स्टडी।

सम्मेलन/सेमिनार/व्याख्यान

संस्थान ने वर्ष 2020–21 के दौरान एक समेनिरा और चार कार्यशालाओं का आयोजन किया।

अनुसंधान संबद्धता और पीएच.डी./एम.फिल.

संस्थान का पीएच.डी. कार्यक्रम डिब्रूगढ़ विश्वविद्यालय, असम से संबद्ध है। वर्तमान में संस्थान में 10 छात्र पीएच.डी. शोध कर रहे हैं।

प्रकाशन

शोध पत्र और पत्रिकाओं में लेख/पुस्तकों में अध्याय

वर्ष 2020–21 के दौरान संस्थान के संकाय ने सात शोध पत्रों/विभिन्न पत्रिकाओं में लेखों और प्रकाशित पुस्तकों में तीन अध्याय का प्रकाशन किया।

शोध रिपोर्ट/मोनोग्राफ्स/वर्किंग पेपर्स

1. चौधरी, सास्वति, "थ्री डीकेड्स ऑफ लुक ईस्ट/एक्ट ईस्ट पॉलिसीः वेयर डज़ नॉर्थईस्ट इंडिया स्टैंड", (सह–लेखक अतुल सरमा के साथ), सीएसईए, गुवाहाटी विश्वविद्यालय, ओकेज़नल पेपर नं. 3, सेंटर फॉर साउथ ईस्ट एशिया स्टडीज़, गुवाहाटी विश्वविद्यालय द्वारा प्रकाशित, जून 2020।
2. "इकोनॉमी ऑफ असम इन द बैकड्रॉप ऑफ कोविड–19 पैनडेमिक", ए रिपोर्ट प्रीपेयर्ड बाई ओकेडीआईएससीडी, गुवाहाटी इन कोलैबोरेशन विद स्टेट इनोवेशन एंड ट्रांसफॉर्मेशन आयोग, असम सरकार।
3. "वर्क एंड वेल– बीइंग इन रुरल असम", ए रिसर्च रिपोर्ट प्रीपेयर्ड बाई ओकेडीआईएससीडी, गुवाहाटी।
4. "इवैल्यूएशन ऑफ सीएसआर एंड एस इनिशिएटिव्स ऑफ एनईईपीसीओ लिमि, 2018–19", ए स्टडी रिपोर्ट प्रीपेयर्ड बाई ओकेडीआईएससीडी, गुवाहाटी।

पुस्तक समीक्षा

1. सरमा, भूपेन, ग्लोबल गवर्नेंस एंड इंडियाज़ नॉर्थ– ईस्ट लॉजिस्टिक्स, इंफ्रास्ट्रक्चर एंड सोसायटी, सोशल चेंज एंड डेवलपमेंट, संस्करण. XVII, सं. 1।
2. डेका, अरुणिमा, एग्रेरियन रिलेशंस इन त्रिपुरा, सोशल चेंज एंड डेवलपमेंट, संस्करण. XVII, सं. 2।

पुस्तकालय

संस्थान का पुस्तकालय पाठकों को निम्नलिखित सेवाएं देता हैः (क) वेब सर्विसेस; (ख) फोटोकॉपी; (ग) अभिलेखार्र सेवाएं; (घ) रेट बुक सर्विसेस; (ड) डेटा बेस एक्सेसः जेएसटीओआर, ईपीडब्ल्यू, इंडियास्टैट। डिजिटलीकरण/ सॉफ्टवेर सर्विसेस में शामिल है (क) इन–हाउस लाइब्रेरी प्रबंधन हेतु सोल 2.0 और केओएचए; (ख) डिजिटल आर्काइव के लिए डीस्पेस। वर्तमान में पुस्तकालय में 3750 पिछले संस्करण उपलब्ध हैं। पुस्तकालय ने कुल 40 पत्रिकाओं (राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय) की सदस्यता ली हुई है। वर्ष 2020–21 के दौरान पुस्तकालय में कुल 258 किताबें और लाईं गईं।

ओमियो कुमार दास सामाजिक परिवर्तन और विकास संस्थान, गुवाहाटी
ओमियो कुमार दास इंस्टीट्यूट ऑफ सोशल चेंज एंड डेवलपमेंट (ओकेडीआईएससीडी), गुवाहाटी

वित्त विधि (अन–ऑडिटेड) 2020–21

(₹ लाख में)

आय	राशि	व्यय	राशि
भा.सा.वि.अ.प. अनुदान		वेतन	218.45
(ओएच–36)	80.33	प्रतिष्ठान/ प्रशासनिक व्यय	17.98
(ओएच –31)	10.00	परियोजनाएं	21.07
राज्य सरकार अनुदान		बैठक और सेमिनार	0.56
वेतन	167.40	कार्यशाला/प्रशिक्षण कार्यक्रम	1.65
अवैतनिक	142.50	अचल संपत्तियां	8.62
अन्य एजेंसियों से मिलने वाले परियोजना अनुदान	55.38	फंड शेष*	214.20
अपने/अन्य स्रोतों से आमदनी	26.92		
कुल	**482.53**	**कुल**	**482.53**

* वित्त वर्ष की अंतिम तिमाही में प्राप्त होने वाले अनुदानों के अंश के कारण उपर अव्ययित शेष दिख रहा है।

सरदार पटेल आर्थिक और सामाजिक अनुसंधान संस्थान, अहमदाबाद
सरदार पटेल इंस्टीट्यूट ऑफ इकोनॉमिक एंड सोशल रिसर्च (एसपीआईईएसआर), अहमदाबाद

अनुसंधान परियोजनाएं (पूर्ण)

1. जैन, हंसा, "डिजिटल कनेक्टिविटी एंड रुरल डेवलपमेंटः इंप्लीकेशंस फॉर सोशियो–इकोनॉमिक डिसपायरिटीज़", इंडियन काउंसिल ऑफ सोशल साइंस रिसर्च (आईसीएसएसआर)।
2. दवे फोरम, "नेशनल लेवल मॉनीटरिंग ऑफ रुरल डेवलपमेंट प्रोग्राम्स– 2020–21 (राजस्थान)", ग्रामीण विकास मंत्रालय, भारत सरकार।
3. दवे फोरम, "इफेक्टिवनेस ऑफ सेल्फहेल्प ग्रुप्स ऑन रूरल इम्पावरमेंट– द केस स्टडी ऑफ गुजरात एंड मध्य– प्रदेश", इंपैक्टफुल पॉलिसी रिसर्च इन सोशल साइंस (आईएमपीआरईएसएस), इंडियन काउंसिल ऑफ सोशल साइंस रिसर्च (आईसीएसएसआर)
4. गोसावी नचिकेत, "री–विज़िटिंग पैसेंजर ट्रांसपोर्ट इन मेट्रोपोलिटन सीटीज़ ऑफ इंडियाः हाऊ फार डू पीपल कम्यूट?" इंडियन काउंसिल ऑफ सोशल साइंस रिसर्च (आईसीएसएसआर, नई दिल्ली)।

सम्मेलन/सेमिनार/व्याख्यान

संस्थान ने वर्ष 2020–21 के दौरान एक वेबिनार और एक कार्यशाला का आयोजन किया।

अनुसंधान संबद्धता और पीएच.डी./एम.फिल.

वर्ष के दौरान एक छात्र को पीएच.डी. की डिग्री दी गई और तीन छात्र संस्थान के शिक्षण के अधीन डॉक्टोरल शोध कार्य कर रहे थे, इन्हें अलग–अलग विश्वविद्यालयों में शोध पर्यवेक्षक की मान्यता मिली।

प्रकाशन

शोध पत्र और पत्रिकाओं में लेख/पुस्तकों में अध्याय

संस्थान के संकाय ने वर्ष 2020–21 के दौरान विभिन्न पत्रिकाओं में 13 शोध पत्रों/लेखों और प्रकाशित पुस्तक में एक अध्याय का प्रकाशन किया।

पुस्तकालय

पुस्तकालय विभिन्न प्रकार की सेवाएं प्रदान करता है जैसे मांगे जाने पर विषय ग्रंथ सूची शोधार्थियों को उनके संबंधित विषयों के साथ– साथ पुस्तकालय के संग्रह से कंटेंट आधारित उपयुक्त ई–रिसोर्स तक पहुँचने में मदद। इसके अलावा, पुस्तकालय द्वारा दी जाने वाली अन्य सेवाएं हैं यूज़र

ओरिएंटेशन, रेफरेंस सर्विसेस, करेंट अवेयरनेस सर्विसेस, फोटोकॉपी और प्रिंटिंग सर्विस, रिसोर्स शेयरिंग और इंटर–लाइब्रेरी लोन। यूज़र–फ्रेंडली लाइब्रेरी मैनेजमेंट सॉफ्टवेयर सोल 2.0 का उपयोग कर पुस्तकालय को पूर्ण स्वचालित बनाया गया है और पुस्तकालय होल्डिंग्स की ग्रंथ सूची का विवरण ऑनलाइन पब्लिक एक्सेस कैटलॉग (ओपीएसी) के माध्यम से देखा जा सकता है। पुस्तकालय ने अपनी ग्रंथ सूची रिकॉर्ड को आईएनएफएलआईबीएनईटी द्वारा विकसित "इंडकैटः ऑनलाइन यूनियन कैटलॉग ऑफ इंडियन यूनिवर्सीटीज़" में अपलोड किया है जिसे कभी भी और किसी भी समय एक्सेस किया जा सकता है। इसने अपने इन–हाउस पत्रिका "अनवेशक" के लिए इंस्टीट्यूशनल रिपोज़िटरी (आईआर) भी बनाया है। इसमें इसकी शुरुआत के बाद के प्रकाशित शोध पत्र भी हैं। एच के पुस्तकालय ऑनलाइन डेटाबेसेस, ई–जर्नल्स, ई–बुक्स आदि जैसे कई महत्वपूर्ण ई–रिसोर्सेस का एक्सेस देता है। इसे संस्थान के इंट्रानेट के माध्यम से एक्सेस किया जा सकता है।

पुस्तकालय आईसीएसएसआर कंसोर्टियम के माध्यम से निम्नलिखित ई–रिसोर्सेस तक पहुँचता हैः जेएसटीओआर, फुल टेक्स्ट के साथ ईसीओएनएलआईटी (ईबीएससीओहोस्ट), इंडियास्टैट डॉट कॉम। पुस्तकालय में पुस्तकों के जिल्द लगे संस्करण का भी अच्छा संग्रह है। इनमें ज्यादातर वैज्ञानिक पत्रिकाएं हैं। वर्ष 2020–21 के दौरान कुल 176 बाउंड वॉल्यूम को शामिल किया गया। पुस्तकालय ने 20 राष्ट्रीय पत्रिकाओं की सदस्यता ली हुई है और आदान–प्रदान आधार पर 70 से अधिक पत्रिकाएं प्राप्त करता है। इसने 6 दैनिक समाचारपत्रों की भी सदस्यता ली हुई है।

सरदार पटेल आर्थिक और सामाजिक अनुसंधान संस्थान, अहमदाबाद
सरदार पटेल इंस्टीट्यूट ऑफ इकोनॉमिक एंड सोशल रिसर्च (एसपीआईईएसआर), अहमदाबाद
वित्त निधि (अन–ऑडिटेड) 2020–21

(₹ लाख में)

आय	**राशि**	**व्यय**	**राशि**
भा.सा.वि.अ.प. अनुदान		वेतन	177.34
गैर–योजना (ओएच–36)	72.80	गैर–योजना	–
योजना (ओएच–31)	10.00	योजना	–
राज्य सरकार अनुदान	52.50	प्रतिष्ठान / प्रशासनिक व्यय	40.96
गैर–योजना	–	गैर–योजना	–
योजना	–	योजना	–
स्वयं के स्रोतों से आमदनी (परियोजनाएं, फेलोशिप, कंसल्टेंसी आदि)	11.68	परियोजनाएं फेलोशिप कार्यशालाएं / प्रशिक्षण कार्यक्रम अन्य विविध व्यय	20.36
कोई अन्य स्रोत	64.22	विविध व्यय	–
आय से अधिक व्यय	27.46		
कुल	**238.66**	**कुल**	**238.66**

परिशिष्ट–11

इंप्रेस योजना के अंतर्गत स्वीकृत अनुसंधान परियोजनाएँ

अनुसंधान परियोजनाएँ

प्राप्त अंतिम रिपोर्ट

1. सेल्वा भास्कर एस, सास्त्र डीम्ड विश्वविद्यालय, तमिलनाडु, "डिजीटल इंडिया लेड रुरल ट्रांसफोर्मेशन इन तमिलनाडु – द रोल ऑफ डिजीटल लिटरेसी एंड इन्क्लूज़न"।
2. संजय शर्मा, दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली (एनसीटी), "द रोल ऑफ नेशनल कैडेट कोर्प्स इन द वैरिड कॉम्प्लेक्सीटीज ऑफ नॉर्थ ईस्ट रीज़न"।
3. बरानी जी, भारथिआर विश्वविद्यालय, कोयंबटूर, तमिलनाडु, "अ स्टडी ऑन द एफिशिएंसी ऑफ एग्रीकल्चरल प्रैक्टीसेज़ ऑफ ऑर्गेनिक ग्रेप ग्रोअर्स इन सेलेक्टेड डिस्ट्रीक्ट्स ऑफ तमिलनाडु"।
4. नागाराजू थोटा, बिड़ला विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी संस्थान, पिलानी, हैदराबाद कैम्पस, तेलंगाना, "इंपेक्ट ऑफ द एक्स–ग्रेशिया फॉर फारमर्स स्युसाइड ऑन द सरवाइविंग फैमिली मेम्बर ऑफ द डिसीज्ड फारमर्स इन तेलंगाना"।
5. रीतेश पटेल, निरमा विश्वविद्यालय, अहमदाबाद, गुजरात, "एसेसिंग द इंपेक्ट ऑफ माइक्रोफाइनेंस सर्विसेज ऑन एमपॉवरमेंट ऑफ फीमेल लिविंग इन रुरल एरिया ऑफ नार्थ गुजरात"।
6. प्रकाश के सी, भारतीय रोपण प्रबंध संस्थान, कर्नाटक, "इंपेक्ट ऑफ एग्री–क्लीनिक्स एंड एग्री–बिजनेस सेंटर्स स्कीम इन एग्री– ऑन्ट्रॉप्रॉन्योरशिप डेवेलपमेंट इन नॉर्थ ईस्टर्न रीजन"।
7. बिच्छल मोतीलाल आनंद, हैदराबाद विश्वविद्यालय, हैदराबाद, तेलंगाना, "मेजरमेंट एंड इवेल्यूएशन ऑफ सेंट्रल बैंक क्रेडीबिलिटी : अ क्रॉस कंट्री स्टडी"।
8. मोहित गोस्वामी, भारतीय प्रबंध संस्थान, रायपुर, छत्तीसगढ़, "एसेसिंग इंडियाज़ लोकस एंड एवोल्विंग पॉलिसी इंटरवेंशन्स : मेक इन इंडिया एंड इंडस्ट्री 4.0"।
9. निगमा के, सास्त्र विश्वविद्यालय, तमिलनाडु, "ईज ऑफ डूइंग बिजनेस फॉर एमएसएमईज इन तमिलनाडु – ऑन्ट्रॉप्रॉन्योरियल अवेयरनेस, एक्ज़ीस्टिंग प्रोसेज़ एंड परसीव्ड गैप इन पॉलिसी फ्रैमिंग एंड इम्पलीमेंटेशन"।
10. ओइनिला दे, आर्थिक प्रगति संस्थान, दिल्ली (एनसीटी), "इंपेक्ट ऑफ एन.आर.ई.जी.ए. (नरेगा) ऑन स्माल स्केल इंडस्ट्री एंड इट्स क्लस्टर्स"।
11. तारिक मसूद, अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय, उत्तर प्रदेश, "इंडिया–वेस्ट एशिया ऑयल ट्रेड एंड इट्स इम्पलीकेशन्स फॉर इंडियन इकोनोमी ड्यूरिंग लिब्रलाईजेशन पीरियड"।
12. रचना श्रीवास्तव, वसंत कन्या महाविद्यालय, उत्तर प्रदेश, "स्टेट–क्राफ्ट मंडल थ्योरी एंड सिक्स फोल्ड पॉलिसी इन कौटिल्य अर्थशास्त्र – द कॉन्टेम्पररी रेलेवेन्स"।
13. आरिफ बिलाह दार, श्री माता वैष्णो देवी विश्वविद्यालय, जम्मू, जम्मू एवं कश्मीर, – "इंडियाज़ फाइनेंशियल इन्क्लूजन : डिटरमिनेन्ट्स एंड इम्पेडीमेन्ट्स"।
14. गौरीशंकर एस हीरमथ, भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, खड़गपुर, पश्चिम बंगाल, "क्रेडिट कॉन्सट्रेन्ट्स, फॉरेन करेन्सी बोरोइंग एंड एक्सपोर्ट ग्रोथ – अ फर्म लेवल एंड मेक्रोइकोनोमिक एनालिसिस"।
15. नटराजन एम, अलगप्पा विश्वविद्यालय, कराईकुडी, तमिलनाडु, "एडवान्समेंट ऑफ इन्टीग्रेटेड इन्सट्रक्शनल स्ट्रैटेजी इन ऑगमेन्टिंग द एबिलिटी ऑफ गवरमेंट ट्राइबल रेजीडेन्शियल मिडिल स्कूल टीचर्स इन इंग्लिश लैंग्वेज"।

16. मो. आसिफ खान, अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय, उत्तर प्रदेश, "को–इंटीग्रेशन एंड कैजुअल लिंकेज बिटवीन स्टॉक प्राइसेज एंड फॉरेन एक्सचेंज रेट : एन एम्पायरिकल एनालिसिस ऑफ इंडिया"।

17. मुनिराजू एम मुनियप्पा, तमकुर विश्वविद्यालय, कर्नाटक, "कॉम्पीटेन्सी रिक्वायरमेन्ट्स, ऑपरच्युनिटीज़ एवेलेबल एंड कॉन्सट्रेन्ट्स फेस्ड बाय द आंट्रॉप्रिनियर्स ऑफ शैड्यूल्ड कास्ट कम्युनिटीज़ इन रुरल कर्नाटका"।

18. सुजाता खांदई, एसीसीएफ, एमिटी विश्वविद्यालय, उत्तर प्रदेश, "द जी.आई. टैग इम्परेटिव : टुवर्ड्स सस्टैनेबिलिटी एंड रेजिंग इन्कम लेवल ऑफ वीवर्स"।

19. कौस्तुभ कांति रे, केआईआईटी, उड़ीसा, "सर्विस क्वालिटी डायमेंशन्स : एन असेसमेंट ऑफ गवरमेंट स्पॉंसर्ड सोशल प्रोग्राम्स"।

20. अनिल अहिरे, क्रांतिवीर वसंतराव नारायणराव नाईक शिक्षण प्रसारक संस्था कला एवं वाणिज्य महाविद्यालय, डिंडोरी, महाराष्ट्र, "कॉपरेटिव लर्निंग स्ट्रैटेजी एंड अचिवमेंट इन इंग्लिश : अ स्टडी एट द सेकंडरी स्कूल्स इन सेलेक्टेड ट्राइबल एरियाज़ ऑफ नासिक डिस्ट्रिक्ट"।

21. मैत्रेयी रॉय, विलियम कैरी विश्वविद्यालय, शिलॉंग, मेघालय, "इंपेक्ट ऑफ क्लाइमेट चेंज ऑन फार्मिंग एंड फूड प्रोडक्शन इन सेलेक्टेड विलेजेज़ ऑफ री भोई डिस्ट्रिक्ट मेघालय"।

22. अम्बीगई राजेनन, मणिपाल उच्च शिक्षा अकादमी, कर्नाटक, "इन्वेस्टीगेटिंग द पॉलिसी स्ट्रैटेजी टू स्ट्रैन्थेन द रोल ऑफ वूमेन इन सोशल मीडिया–अ स्टडी ऑन डिजीटल इनक्लूजन"।

23. तन्मय साहा, कल्याणी विश्वविद्यालय, कल्याणी, पश्चिम बंगाल, "इंपेक्ट ऑफ प्रैक्टीसिंग द इन्डीजीनियस गेम ऑन हैल्थ एंड वैलनेस ऑफ स्कूल चिल्ड्रेन"।

24. श्रीजीत सेठ, श्री सत्य साई महिला महाविद्यालय, भोपाल, मध्य प्रदेश, "क्वेश्चन अवर, (अ स्टडी ऑफ लोकसभा क्वेश्चन अवर– टिल सिक्सटीन्थ लोकसभा)"।

25. श्यामलाल जी एस, महात्मा गाँधी महाविद्यालय, केरल, "क्लाईमेट चेंज एंड जीआईएस बेस्ड एग्रीकल्चर मैपिंग इन केरल"।

26. रुआ पी प्रधान, भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, खड़गपुर, पश्चिम बंगाल, "रोल ऑफ मोबाइल टेलीफोनी एज़ अ टूल टू एनहैंस फाइनेंशियल इनक्लूजन एंड इकोनोमिक ग्रोथ : द स्टडी ऑफ इंडियन स्टेट्स"।

27. उत्कर्ष गोयल, भारतीय सूचना प्रौद्योगिकी संस्थान, प्रयागराज, उत्तर प्रदेश, "रियलआईज़ेशन ऑफ प्रधानमंत्री जन धन योजना (पीएमजेडीवाय) ऑब्जेक्टिव टुवर्ड्स फाइनेंशियल इनक्लूजन : अ रिव्यू ऑफ पूर्वांचल यू पी रीजन"।

28. अमित चतुर्वेदी, हिमाचल प्रदेश राष्ट्रीय विधि विश्वविद्यालय, हिमाचल प्रदेश, "वोल्यून्टरी रिलीजियस ग्रुप्स एंड एनवायरमेंट प्रिजरवेशन – अ केस स्टडी ऑफ पद्मश्री बलबीर सिंह सीचवाल्स रिवर कन्जर्वेशन मूवमेंट इन पंजाब"।

29. अनु गुप्ता, बिड़ला विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी संस्थान, पिलानी, "राजस्थान, क्राइम एनालिसिस एंड स्टडी फॉर सेफ सिटीज विद एम्फासिस ऑन वूमेन सेफ्टी यूजिंग टैक्नोलोजी एंड सोसाइटल पार्टिसिपेशन"।

30. प्रियंका शाह, गुजरात प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, अहमदाबाद, गुजरात, "अ स्टडी ऑन अर्बन ट्रांसपोर्टेशन एंड कन्जेशन ऑफ अहमदाबाद विद फोकस ऑन बिहेवियरल पैटर्न ऑफ कॉम्युटर्स विद रिसपेक्ट टू पब्लिक ट्रांसपोर्टेशन"।

31. अशोक कुमार कैथल, लखनऊ विश्वविद्यालय, उत्तर प्रदेश, "एन एनालिसिस ऑफ स्वच्छ भारत अभियान विद स्पेशल रेफेरेंस टू द लखनऊ डिस्ट्रिक्ट ऑफ उत्तर प्रदेश"।

32. विद्या वी, तमिलनाडु केन्द्रीय विश्वविद्यालय, थिरुवरुर, तमिलनाडु, "द इंपेक्ट ऑफ नेचुरल डिसास्टर ऑन द मेन्टल हैल्थ ऑफ रेस्क्यू वर्कर्स"।

33. मोहन दास, विजयनगर श्री कृष्णदेव राय विश्वविद्यालय, बेल्लारी, कर्नाटक, "ओपेन डिफेकेशन प्रैक्टिसेज़ अमॉंग द हाउसहोल्ड्स ऑफ अर्बन एंड रुरल स्लम्स ऑफ हैदराबाद कर्नाटक रीजन : अ क्रॉस–सेक्शनल स्टडी एंड पॉलिसी इंप्लीकेशन"।

34. प्रीति, विश्वविद्यालय महारानी महाविद्यालय, राजस्थान विश्वविद्यालय, जयपुर, राजस्थान, "द अदर्स : प्रोबिंग इन्टू द लिटररी अदरनेस ऑफ रीयल ट्रांसजेंडर केस–स्टडी ऑफ इंडिया"।

35. मोरारजी ए, अलगप्पा विश्वविद्यालय, अलगप्पा नगर, कराईकुडी, तमिलनाडु, "एनफोर्समेंट ऑफ ट्रैड मार्क एंड पैटेंट प्रैक्टिसेज इन वेल्यू एडैड एग्रो प्रॉडक्ट्स इन तमिलनाडु"।

36. वर्तिका नंदा, लेडी श्रीराम महिला महाविद्यालय (दिल्ली विवि) दिल्ली (एनसीटी), "स्टडी ऑफ द कंडीशन ऑफ वूमेन इनमेट्स एंड देयर चिल्ड्रेन इन इंडियन प्रिजन्स एंड देयर कम्युनिकेशन नीड्स विद स्पेशल रेफरेंस टू उत्तर प्रदेश"।

37. मोहम्मद रियाज़, आलिया विश्वविद्यालय, कोलकाता, पश्चिम बंगाल, "स्टेक ऑफ इंडियाज़ सॉफ्ट पॉवर : केस स्टडी ऑफ अफगानिस्तान"।

38. परगट सिंह जाथोल, प्रारंभ शिक्षक शिक्षण विद्यालय, झज्जर, हरियाणा, "हरियाणा में अल्पसंख्यक समुदाय की महिलाओं की शैक्षिक उपलब्धि एवं व्यवसायों का अध्ययन"।

39. संजीव कुमार, लखनऊ विश्वविद्यालय, लखनऊ, उत्तर प्रदेश, "स्टेट्स ऑफ एग्रीकल्चरल रिस्क एंड इंश्योरेंस इन उत्तर प्रदेश : एवीडेंस फ्रॉम बुंदेलखंड रीजन"।

40. पवन कुमार अवधानम, सार्वजनिक उद्यम संस्थान, तेलंगाना, "इंपेक्ट ऑफ कॉरपोरेट गवर्नेंस ऑन द वेल्यू क्रिएशन इन स्टॉक मार्केट्स : अ केस ऑफ सीपीएसईज इन इंडिया"।

41. अब्दुल अजीज एन पी, अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय, उत्तर प्रदेश, "डिजीटल एंड फाइनेंशियल लिटरेसी फॉर रुरल इंडिया : अ स्टडी विद स्पेशल रेफरेंस टू अलीगढ़ डिस्ट्रीक्ट"।

42. अदीदुर रहमान, हाजी अनफर अली महाविद्यालय, असम, "रिफ्यूजी रीसेटलमेंट पॉलिसी एंड सिटीज़नशिप इश्यू ऑफ द हजोंग ट्राइब ऑफ चौंगलाँग डिस्ट्रीक्ट ऑफ अरूणाचल प्रदेश"।

43. मनीष कुमार मिश्रा, केएम अग्रवाल कला, वाणिज्य एवं विज्ञान महाविद्यालय, महाराष्ट्र, "मालेगाँव सिनेमा : अस्तित्व का संघर्ष और सिनेमामयी रोमांस"।

44. एन लथा रविकुमार, वीएलबी जानकीमल कला एवं विज्ञान महाविद्यालय, "तमिलनाडु, – चैलेंजेज़ एंड प्रोसपेक्ट्स ऑफ गारमेंट इंडस्ट्री इन तिरुपुर"।

45. ज्योति पांडे, रांची विश्वविद्यालय, झारखंड, "प्राइस स्प्रैड ऑफ सिग्नीफिकेंट नॉन–टिंबर फोरेस्ट प्रोड्यूस ऑफ झारखंड – नेमली महुआ, टैमारिंड, लाक एंड चिरोंजी"।

46. गोपालसामी सेल्वादुराई, अलगप्पा विश्वविद्यालय, अलगप्पा नगर, कराईकुडी, तमिलनाडु, "इंडियाज ट्रैड परफोरमेंस विद ब्रिक्स (बीआरआईसीएस) कंट्रीज़ इन टैक्सटाइल्स"।

47. दसन अमुथा, सैंट मैरीज महाविद्यालय, (स्वायत्त), तमिलनाडु, "पब्लिक टॉयलेट मैनेजमेंट इन थूथुकुडी कॉरपोरेशन"।

48. दसन अमुथा, भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, खड़गपुर, पश्चिम बंगाल, "एसेसमेंट ऑफ डिसपेरीटी ऑफ एग्रीकल्चरल क्रेडिट एंड इट्स इंपेक्ट ऑन फार्म प्रोडक्शन इन इंडिया"।

49. इंदर शेखर यादव, शासकीय महाविद्यालय, नाट्टाकोम, कोट्टायम, केरल, "एम्प्लॉयबिलिटी ऑफ रुरल ग्रैजुएट्स : अ स्टडी ऑन स्किल्स गैप अमांग कॉमर्स ग्रैजुएट्स इन केरला"।

50. दीपक वायल, सावित्रीबाई फुले पूना विश्वविद्यालय, महाराष्ट्र, "रुरल ट्रांसफोरमेशन थ्रू एग्रोप्रॉन्यरशिप डेवलेपमेंट"।

51. बीनो जॉय, शेख–उल–आलम (आरए) मेमोरियल डिग्री महाविद्यालय, बडगाम, कश्मीर, जम्मू एंड कश्मीर, "इंपेक्ट एसेसमेंट ऑफ मनरेगा (एमजीएनआरइजीए) इन जम्मू एंड कश्मीर – अ केस स्टडी ऑफ कश्मीर"।

52. दीपक वायल, अलगप्पा विश्वविद्यालय, तमिलनाडु, "सोश्यो–इकोनोमिक चैंजेज़ इन रुरल तमिलनाडुः अ स्टडी ऑन डिसपेरीटीज इन रुरल नॉन–फार्म एम्प्लॉयमेंट"।

53. फयाज़ अहमद भाट, कश्मीर विश्वविद्यालय, श्रीनगर, जम्मू एंड कश्मीर, "रुरल ट्रांसफोरमेशन थ्रू सस्टैनेबल कम्युनिटी टूरिज्म : चैलेंजेज़ एंड ऑपरच्यूनिटीज़"।

54. के रमेश कुमार, कलिंगा इंस्टीट्यूट ऑफ इंडस्ट्रियल टैक्नोलॉजी (केआईआईटी), भुवनेश्वर, उड़ीसा, "इंटरवेंशन ऑफ यूज ऑफ टैक्नोलॉजी इन गवर्मेंट स्पॉन्सर्ड आईसीडीएसः अ केस स्टडी ऑफ खोरडा डिस्ट्रीक्ट"।

55. इरफान राशिद, कश्मीर विश्वविद्यालय, श्रीनगर, जम्मू एंड कश्मीर, "मेन्टल हैल्थ एंड एकेडेमिक अचीवमेंट ऑफ मिलीटेन्सी इफेक्टेड सेकन्डरी स्कूल स्टूडेन्ट्स ऑफ कश्मीर"।

56. मंजूषा पांडे, अखिल भारतीय चिकित्सा विज्ञान संस्थान, दिल्ली (एनसीटी), "बैरियर्स एंड फैसिलिटैटर्स ऑफ एडिक्शन ट्रीटमेंट : अ क्वालिटैटिव स्टडी"।

57. शब्बीर अहमद भाट, हैदराबाद विश्वविद्यालय, हैदराबाद, तेलांगाना, "ई–गवर्नेंस थ्रू आधारः क्रिएटिंग एन इनेबलिंग इकोसिस्टम"।

58. सिद्धार्थ सरकार, बिड़ला विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी संस्थान, पिलानी, तेलांगाना, "डज़ फाइनेंशियल अवेयरनेस लीड टू बैटर फाइनेंशियल इन्क्लूजन आउटकम्स? एन इन्वेस्टीगेशन"।

59. एस सुधाकर बासु, बिलासपुर विश्वविद्यालय, छत्तीसगढ़, "इंपेक्ट ऑफ सीआरईडीए (क्रेडा) पॉलिसीज़ ऑन सोश्यो–इकोनोमिक डेवलपमेंट ऑफ रुरल एंड रिमोट एरियाज ऑफ छत्तीसगढ़ स्टेट"।

60. दुर्गेश चन्ना पाठक, भारथियार विश्वविद्यालय, कोयंबटूर, तमिलनाडु, "इंट्रोडक्शन ऑफ स्मार्ट कार्ड सिस्टम फॉर टीएएसएमएसी (तासमाक) शॉप्स टू लिमिट एंड कंट्रोल द कन्जंपशन ऑफ अल्कोहल अक्रॉस द स्टेट ऑफ तमिलनाडु"।

61. सुमोना भट्टाचार्य, विश्वेश्वरैया राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान, नागपुर, महाराष्ट्र, "एस्टीमेशन ऑफ फिस्कल मल्टीप्लायर्स फॉर इंडिया"।

62. विमला ए, "रीविजिटिंग रीज़नल डिसपैरिटीज़ इन पोस्ट रिफोर्म्स पीरियड : डिस्ट्रिक्ट लेवल एनालिसिस ऑफ इंडिया बाय 2020"।

63. बिभूति रंजन मिश्रा, महिला विकास अध्ययन केन्द्र (सीडब्ल्यूडीएस), दिल्ली (एनसीटी), "शैड्यूल कास्ट गर्ल्स एंड एक्सेस टू हायर एजुकेशन : एक्सप्लोरिंग देयर एक्सपीरिएंस इन नेचुरल साइंसेज़"।

64. रिपुदमन सिंह, जस्टिस के एस हेगड़े प्रबंध संस्थान, कर्नाटक, "इज मैंडेटेरी कॉरपोरेट सोशल रिस्पांसिबिलिटी पॉलिसी अ सक्सेज़? एन इवेल्यूएशन ऑफ इंडियन एक्सपीरिएंस"।

65. वंदना वंदना, दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली (एनसीटी), "डबलिंग फार्मर्स इनकम : स्ट्रैटेजी एंड प्रोसपेक्ट्स इन पंजाब"।

66. सुधीर एम, गांधी मेमोरियल नेशनल (पी.जी.) कॉलेज, हरियाणा, "रोल ऑफ संस्कृत शास्त्र इन गुड गवर्नेंस"।

67. निर्मला सिंह, काशी हिन्दू विश्वविद्यालय, वाराणसी, उत्तर प्रदेश, "रोल ऑफ वोकेशनल ट्रेनिंग इन डेवलपिंग इनकम जनरेटिंग स्किल्स एंड सेल्फ रिलायंस अमंग अडोलसेंट गर्ल्स ऑफ वाराणसी स्लम"।

68. राजेना मलिक, इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ प्लांटेशन मैनेजमेंट, कर्नाटक, "आर्टिफिशल इंटेलिजेंस (एआई) इन इंडियन एग्रीकल्चर फॉर फूड सिक्योरिटीः वैल्यू चेन एनालिसिस"।

69. पुष्पा कुमारी, राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान, जमशेदपुर, झारखंड, "आईडेंटिफिकेश ऑफ फैक्टर्स फॉर सक्सेसफुल इंप्लीमेंटेशन ऑफ अमूल लाइक कोऑपरेटिव्स फॉर फॉरेस्ट प्रोड्यूस"।

70. गणेश कुमार सी, राजागिरी कॉलेज ऑफ सोशल साइंसेस, केरला, "फार्मर इंगेजमेंट्स इन फेयर–ट्रेड प्रैक्टिसेसः ऑपर्चुनिटीज़ एंड चैलेंजेज फॉर सस्टेनेबल लाइव्लीहुड्स"।

71. अकांक्षा शुक्ला, संबलपुर विश्वविद्यालय, संबलपुर, ओडिशा, "मार्केटेबलिटी ऑफ रीजनली सर्प्लस एग्रीकल्चरल प्रोडक्ट्सः ए क्रिटकल एनालिसिस टू प्रोवाइड इंटिग्रेटेड स्ट्रैटेजिज"।

72. जोसेफ एम. के., सेंटर फॉर इकोनॉमिक एंड सोशल स्टडीज़, तेलंगाना, "क्लाइमेट चेंज एंड कॉन्ट्रैक्चुअल टर्म्स ऑफ टेनेंसीः ए स्टडी इन आंध्र प्रदेश एंड तेलंगाना"।

73. सरोज कुमार साहू, गिरी इंस्टीट्यूट ऑफ डेवलपमेंट स्टडीज़, लखनऊ, उत्तर प्रदेश, "पर्फार्मेंस ऑफ एग्रीकल्चर इन ईस्टर्न उत्तर प्रदेश– इमर्जिंग ट्रेंड्स एंड कॉन्स्ट्रेन्स"।

74. श्रीनिवास रेड्डी मंडल, शेर–ए–कश्मीर यूनिवर्सिटी ऑफ एग्रीकल्चरल साइंस एंड टेक्नोलॉजी ऑफ जम्मू, जम्मू, जम्मू और कश्मीर, "इकोनॉमिक्स ऑफ इंटिग्रेटेड फार्मिंग सिस्टम्स अंडर डायवर्स एग्रो– क्लाइमेटिक सिचुएशंस इन जम्मू एंड कश्मीर स्टेट"।

75. कविता बालियान, लाल बहादुर शास्त्री गर्ल्स कॉलेज ऑफ मैनेजमेंट, उत्तर प्रदेश, "रुरल डेवलपमेंट इन ईस्टर्न उत्तर प्रदेश थ्रू एक्सप्लोरिंग मार्केट ऑफ मिल्क प्रोडक्शन (ए स्टडी बेस्ड ऑन बलिया एंड गाज़ि‍पुर डिस्ट्रिक्ट"।

76. पवन कुमार शर्मा, गुरु नानक कॉलेज (स्वायत्त), तमिलनाडु, "ऐक्सेसबिलिटी ऑफ रूरल बैंकिंग क्रेडिट एंड फार्मर्स लाइवलीहुड इन तमिलनाडु"।

77. नीलेश कुमार राय, शहीद भगत सिंह कॉलेज, दिल्ली (एनसीटी), "सस्टेनेबल रूरल टूरिज़्मः एन एप्रोच फॉर ट्रांसफॉर्मिंग रूरल इंडिया–ए केस स्टडी ऑफ हिमाचल प्रदेश"।

78. मुरुगन के, उजवल ग्रामीण महाविद्यालय, महाराष्ट्र, "रिजनल डिस्ट्रीब्यूशन ऑफ एग्रो सर्विस सेंटर्स एंड इट्स रोल इन डेवलपमेंट प्लानिंग ऑफ लातूर डिस्ट्रिक्ट"।

79. सुनील कुमाल, सिंबायोसिस इंटरनेशनल (डीम्ड यूनिवर्सिटी), महाराष्ट्र, "लॉ, जेंडर एंड डिजास्टरः ए केस स्टडी ऑफ ड्रॉट इन बुंदेलखंड"।

80. सदानंद गोन, पंडित दीनदयाल पेट्रोलियम यूनिवर्सिटी, गांधीनगर, गुजरात, "एनालाइजिंग इंपैक्ट ऑफ ऑटोमेशन ऑन एम्प्लॉएमेंटः असेसमेंट एंड पॉलिसी फॉर आईटी–बीपीएम सेक्टर"।
81. मनिका खमतान, राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान, अगरतला, त्रिपुरा, "स्किल डेवलपमेंट इन त्रिपुराः एनालिसिस ऑन प्रॉब्लेम्स, चैलेंजेज एंड अपॉर्चुनिटीज़"।
82. नौशीन निज़ामी, हेमवती नंदन बहुगुणा गढ़वाल यूनिवर्सिटी, श्रीनगर, गढ़वाल, उत्तराखंड, "फाइनैंशल इंक्लूजन, अमंग हाउसहोल्ड्स एंड इट्स रोल इन अटेनिंग इन्क्लूसिव ग्रोथ इन हिली एरियाज़ ऑफ उत्तराखंडः ए स्टडी ऑफ पौड़ी, चमोली"।
83. अनिर्बन दत्ता, पंडित दीनदयाल पेट्रोलियम यूनिवर्सिटी, गांधीनगर, गुजरात, "एन एक्सप्लोरेटरी स्टडी ऑन एम्प्लॉयबिलिटी ऑफ ट्रांसजेंडर्स इन गुजरात"।
84. प्रशांत कानदारी, कृष्णा यूनिवर्सिटी, मछलीपट्टनम, आंध्रप्रदेश, " प्रॉब्लेम्स एंड प्रॉस्पेक्ट्स ऑफ कलमकारी यूनिट्स इन मछलीपट्टनम, ए स्टडी विद रेफरेंस टू सलेक्टेड विलेजेज़ प्रैक्टिसिंग कलमकारी आर्ट इन मछलीपट्टनम, कृष्णापट्टनम"।
85. नीता सिन्हा, पंजाब यूनिवर्सिटी, पटियाला, पंजाब, "बिल्डिंग एम्प्लॉयमेंट स्किल्स बाई एनालाइजिंग डेस्टिनेशन इमेज ऑफ पंजाब"।
86. श्रावणी मंडल, श्री रामदेवबाबा कॉलेज ऑफ इंजीनियरिंग एंड मैनेजमेंट, महाराष्ट्र, "पर्फार्मेंस इवैल्युएशन ऑफ प्रधान मंत्री मुद्रा योजना (पीएमएमवाई)– एन इम्पिरिकल स्टडी ऑफ बेनीफिशियरीज़ ऑफ नागपुर डिस्ट्रिक्ट"।
87. शैल राज, केआईआईटी, ओडिशा, "स्ट्रेंथनिंग सोसायटल रोल्स इन डेवलपिंग एंड इंप्लीमेंटिंग एन इफेक्टिव एल्कोहॉल पॉलिसी इन इंडियाः ए केस स्टडी"।
88. विक्रम के. जोशी, मौलाना आज़ाद नेशनल उर्दू यूनिर्सिटी, हैदराबाद, तेलंगाना, "इंपैक्ट ऑफ ऑर्गेनाइजेशन क्लाइमेट ऑन ऑक्यूपेशनल स्ट्रेस ऑफ पुलिस पर्सनेल इन हैदराबाद सिटीः एन इम्पीरिकल स्टडी"।
89. दीपांजलि मिश्रा, इंस्टीट्यूट फॉर सोशल एंड इकोनॉमिक चेंज (आईएसईसी), कर्नाटक, "डूइंग बिजनेस एंड ट्रेड फैसिलिटेशनः ए स्टडी ऑफ सेलेक्टेड एग्रीकल्चरल एक्सपोर्ट जोन्स (एईजेड) इन इंडिया"।
90. कमरुद्दीन शेख, विद्यासागर यूनिवर्सिटी, मिदनापुर, पश्चिम बंगाल, "एनालिसिस ऑफ इफिशियंसी एंड टोटल फैक्टर प्रोडक्टिविटी ग्रोथ ऑफ इंडियन फार्मास्युटिकल इंडस्ट्री विद स्पेशल रेफरेंस टू वेस्ट बंगाल"।
91. मालिनी तंत्री, यूनिवर्सिटी कॉलेज फॉर वुमेन, उस्मानिया विश्वविद्यालय, हैदराबाद, तेलंगाना, "इंपैक्ट असेस्मेंट ऑफ सर्विस क्वालिटी फॉर बिजनेस इंक्यूबेशन विद मेडिएटिंग इफेक्ट ऑफ गर्वनमेंट पॉलिसीज़ इन इंडिया"।
92. चानिमा चक्रवर्ती, केवीपीएस किसान आर्ट्स, कॉमर्स एंड साइंस कॉलेज, परोला, महाराष्ट्र, "प्रॉब्लेम्स एंड प्रोजेक्ट्स ऑफ फूड सिक्योरिटी अमंग ट्राइबल पॉपुलेशन इन सतपुड़ा रीजन ऑफ जलगांव डिस्ट्रिक्ट (एम.एस.)"।
93. नाज़िया सुल्तान, सेंट्रल यूनिवर्सिटी ऑफ तमिलनाडु, तिरुवरुर तमिलनाडु, "एक्सेस एंड बैरियर्स टू मेंटल हेल्थ केयरः ए सिचुएशनल एनालिसिस ऑफ द फैमलीज़ ऑफ पर्संस विद मेंटल इलनेस इन तिरुवरूर डिस्ट्रिक्ट, तमिलनाडु"।
94. प्रकाश पाटिल, पं. रविशंकर शुक्ला यूनिवर्सिटी, रायपुर, छत्तीसगढ़, "छत्तीसगढ़ की मलिन बस्तियों के परिवारों की ऊर्जा उपभोग की स्थिति का अध्ययन (रायपुर शहर के विशेष संदर्भ में)"।
95. चित्रा के पी, सेंट्रल यूनिवर्सिटी ऑफ तमिलनाडु, तिरुवरूर, तमिलनाडु, "कम्युनिटी– बेस्ड पार्टिसिपेटरी रिसर्च ऑन द साइको–सोशल इंपैक्ट, प्रॉब्लेम्स एंड रियलिटी रेस्पॉन्सेस टू डिज़ास्टर्सः स्टडी ऑन द एक्सपीरियंस ऑफ वुमेन"।
96. अर्चना सेठी, भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, पटना, बिहार, "डिजाइनिंग डिजास्टर प्रीपारेडनेस ट्रेनिंग मॉड्यूल्स यूज़िंग इंडिजिनस नॉलेज एंड इंक्रीजिंग कम्युनिटी अवेयरनेस थ्रू कॉन्टेक्चुअलाइज्ड टेक्नीक्स इन बिहार"।
97. शिवकामी नागराजन, अटल बिहारी वाजपेयी इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ इंफॉर्मेशन टेक्नोलॉजी एंड मैनेजमेंट, ग्वालियर, मध्यप्रदेश, "ऐक्सेसबिलिटी एंड एडप्टेबिलिटी ऑफ आयुष्मान भारत प्रोग्राम फॉर सोशल सिक्योरिटी ऑफ एल्डर्ली इन सेंट्रल इंडिया"।
98. श्वेता सिन्हा, श्री केरला वर्मा कॉलेज, केरला, "द इंडियन फैमली सिस्टम एट द क्रॉसरोड्सः द पॉलिटिक्स एंड चेंजिंग ट्रेंड्स इन सलेक्ट मलयालम फिल्म्स"।
99. गौरव अग्रवाल, राजीव गांधी यूनिवर्सिटी, ईटानगर, अरुणाचल प्रदेश, "इंफॉर्मेशन नीड्स ऑफ द फ्रंटियर कम्युनीटीज़ इन इंडो– चाइना बॉर्डर एंड देयर इंफॉर्मेशन

सीकिंग पैटर्न्सः ए स्टडी ऑफ तवांग इन अरुणाचल प्रदेश"।

100. लेफ्ट. चित्रा पी एस, रंगाचाची कॉलेज पी.ओ. माजुली, असम, "इंफ्लूएंस ऑफ वैष्णविज़्म अमंड द मिसिंग ऑफ माजुलीः ए केस स्टडी"।

101. नवाज़ खान, वसंत कन्या महाविद्यालय, उत्तर प्रदेश, "ऐक्सेसिंग मैरिटल एटीट्यूड ऑफ अनमैरिड एडोल्सेंट्स फॉर वेरियस डोमेन्स (मैरेज, को–रेज़िजेंस एंड फैमली फॉर्मेशन)"।

102. इनानील पेगु, पीएसजीआर कृष्णाम्मल कॉलेज फॉर वुमेन, तमिलनाडु, "तमिल स्पीच ईनेबल्ड मोबाइल इंटरफेस फॉर लर्निंग डिसेबल्ड चिल्ड्रेन"।

103. अंशु शुक्ला, कलिंगा इंट्सीट्यूट ऑफ इंडस्ट्रियल टेक्नोलॉजी केआईआईटी, ओडिशा, "डिजिटल डायवर्सिटीः ए स्टडी ऑन डिजिटल कंजम्पशन एंड डिजिटल एस्केपिज़्म"।

104. करपागवल्ली एस, अलगप्पा यूनिवर्सिटी, कराईकुड़ी, तमिलनाडु, "प्रीवलेंस ऑफ स्क्रीन एडिक्शन अमंग कॉलेज स्टूडेंट्स इन शिवगंगा डिस्ट्रिक्ट– ए जेंडर एनालिसिस स्टडी"।

105. आर एन सुबुद्धि, राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान, हमीरपुर, हिमाचल प्रदेश, "इंफॉर्मेशन टेक्नोलॉजी स्ट्रेस एंड प्रोडक्टिविटीः ए केस स्टडी"।

106. मणिमेकलाई के, राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान, वारंगल, तेलंगाना, "द रोल ऑफ सोशल मीडिया इन रूरल डेवलपमेंट– ए स्टडी इन तेलंगाना स्टेट"।

107. विवेक तिवारी, एमएटीएस यूनिवर्सिटी, रायपुर, छत्तीसगढ़, "इंपैक्ट ऑफ सोशल नेटवर्किंग साइट्स ऑन एम्प्लॉई प्रोडक्टिविटी– ए स्टडी अमंग यंग प्रोफेशनल्स इन रायपुर सिटी इन सर्विस सेक्टर इन रायपुर सिटी"।

108. रमा देवी वंगापंडु, भारती विद्यापीठ्स इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट स्टडीज़ एंड रिसर्च, महाराष्ट्र, "द इंफ्लूएंस ऑफ इंटरनेट एक्सपोज़र ऑन चिल्ड्रेन्स डेवलपमेंट, बिहेवियर एंड लर्निंग"।

109. उमेश गुप्ता, दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली (एनसीटी), "भारतीय लोकतंत्र में सोशल मीडिया का प्रभावः गैर हिन्दी भाषी राज्यों के विशेष संदर्भ में"।

110. मनीषा शुक्ला, गांधी मेमोरियल नेशनल (पी.जी.) कॉलेज, हरियाणा, "ए स्टडी ऑफ वेल्फेयर स्कीम्स फॉर वुमेन एम्पावरमेंट इन हरियाणा"।

111. संजय सिंह बघेल, सेंटर फॉर वुमेन्स डेवलपमेंट स्टडीज़, दिल्ली (एनसीटी), "द जेंडर ऑफ डेमोक्रेसीः ए साउथ एशियन कम्पैरिज़न"।

112. तृप्ति शर्मा, मद्रास क्रिश्चियन कॉलेज, तमिलनाडु, "इंपैक्ट ऑफ पेरी–अर्बन डेवलपमेंटः विद स्पेशल रेफरेंस टू स्पेशल इकोनॉमिक जोन्स (एसईजेड) इन कांचीपुरम डिस्ट्रिक्ट ऑफ तमिलनाडु"।

113. सीमा काज़ी, नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ फूड टेक्नोलॉजी आंत्रप्रेन्योरशिप एंड मैनेजमेंट, हरियाणा, "डिजायनिंग आंत्रप्रेन्योरियल पॉलिसी फ्रेमवर्क फॉर स्मार्ट इको–सोशल विलेजेज डेवलपमेंट"।

114. सुदर्शन एस, मणिपाल एकेडमी ऑफ हायर एजुकेशन, कर्नाटक, "एम्प्लॉइंग पीपुल विद डिज़ेबिलिटी (पीडब्ल्यूडी) इंटू हॉस्पिटैलिटी वर्कफोर्क्स टू मिटिगेट द इश्यूज़ एंड चैलेंजेज ऑफ एम्प्लॉई एट्रिशन"।

115. त्रिभुवन नाथ, नगालैंड विश्वविद्यालय, नगालैंड, "एन इवैल्यूएशन ऑफ नेशनल रूरल लाइव्लीहुड मिशन ऑन सस्टेनेबल लाइव्लीहुड एंड वुमेन एम्पावरमेंट इन नगालैंड"।

रिसर्च जर्नल्स में प्रकाशित पेपर्स

अंतर्राष्ट्रीय

1. विकास निमेश, देबोजीत शर्मा, वी महेन्द्र रेड्डी एवं अर्कोपाल गोस्वामी, "इंप्लीकेशन वायबिलिटी एसेसमेंट ऑफ शिफ्ट टू इलेक्ट्रिक वेहीकल्स फॉर प्रेजेंट पॉवर जेनरेशन सीनेरियो ऑफ इंडिया", *एनर्जी*, वोल्यूम 195, 15 मार्च 2020।
2. रुद्र प्रधान एवं प्रज्ञान पी साहू, "आर देयर लिंक्स बिटवीन फाइनेंशियल इनक्लूजन, मोबाइल टेलीफोनी एंड इकोनोमिक ग्रोथ? एवीडेंस फ्रॉम इंडियन स्टेट्स", *एप्लाइड इकोनोमिक लैटर्स*, वोल्यूम 28, इश्यू 4, पेज 310–314, 2021।
3. पी कार्थिकेयन, टी धीपा, टी अन्नदल एवं एन प्रकाश, "एम्प्लोयबिलिटी स्किल्स ऑफ रुरल एससी, एसटी यूथ इन इंडिया : अ लिटरेचर रिव्यू", *गेग्रैग एंड ऑर्गेनिसैट रिव्यू*, वोल्यूम 33, इश्यू 2, 2020, पेज 2582–2591।
4. सिद्धार्थ सरकार, अंकुश ठाकुर, ईशा सूद एवं पियाली मंडल, "बैरियर्स एंड फैसिलिटैटर्स ऑफ एडिक्शन ट्रीटमेंट : अ क्वालिटैटिव स्टडी", *इंटरनेशनल जर्नल ऑफ मेन्टल हैल्थ एंड एडिक्शन*, 20 अगस्त 2020।

5. विद्याकला के एवं के निथ्याकला, "कोपिंग स्ट्रैटेजीज़ अडॉप्टेड बाय वूमेन इन लीडरशिप पोजीशन टू ओवरकम देयर बैरियर्स", *द इंटरनेशनल जर्नल ऑफ एनालिटीकल एंड एक्सपेरीमेंटल मॉडल एनालिसिस*, वोल्यूम 12, इश्यू 9, सितम्बर 2020, पेज 60–65।

6. सुब्रमण्यम टी, "अ क्रिटीकल रिव्यू ऑन द इंपेक्ट ऑफ नॉन–परफोरमिंग एसेट्स इन इंडियन बैंकिंग मैनेजमेंट सिस्टम", *जर्नल ऑफ सीबोल्ड रिपोर्ट*, वोल्यूम 25, इश्यू 10, 2020, पेज 285–291।

7. मारिया जोसेफिन अरोकिया मैरी, सुबेन्दु पांडा, हरी हरण आर, एवं शिखा बैनर्जी, "एसेसिंग प्री–सर्विस टीचर्स नोलेज टुवर्ड्स एग्रोनोमी स्किल्स एंड इरीगेशन सिस्टम, अ स्टडी फॉर सेल्फ सस्टेनैबिलिटी", *जर्नल ऑफ जी आन शीयू यूनिवर्सिटी*, नेचुरल साइंस एडीशन, वोल्यूम 16, इश्यू 11, पेज 44–51।

8. ऋचा चौधरी एवं चंदन कुमार, "डिटरमिनेंट्स ऑफ डिफ्यूज़न ऑफ एनवायरमेंटल सस्टेनैबिलिटी इनोवेशन्स इन हॉस्पीटल्स ऑफ बिहार स्टेट इन इंडिया", *जर्नल ऑफ ग्लोबल रिस्पॉन्सिबिलिटी*, वोल्यूम 12, नं.1, पेज 76–99, 2021।

9. राजेन्द्र जोलेकर, राहुल एस टोडमल, विजय एस भगत, संतोष ए भाइलुम, महेन्द्र एस कोरादे एवं सुमित दास, "हाइड्रो केमीकल कैरेक्टराईजेशन एंड जियोस्पेशियल एनालिसिस ऑफ ग्राउंड वाटर फॉर ड्रिंकिंग एंड एग्रीकल्चरल यूजेज़ इन नाशिक डिस्ट्रिक्ट इन महाराष्ट्र, इंडिया", *एनवायरमेंट, डेवेलेपमेंट एंड सस्टेनैबिलिटी*, 23, पेज 4433–4452, (2021)।

10. मनोरंजन मिश्रा, देसुल सुदर्शन, सेल्सो ऑगस्टो गुईमैरेकस सैंटोज़, शैलेंद्र कुमार मिश्रा, दीपिका कार, कबिता बराल, एवं नमिता पटनायक, "एन ओवरव्यू ऑफ रिसर्च ऑन नेचुरल रिसोर्सेज़ एंड इंडीजीनियस कम्युनिटीज : अ बिबिलोमैट्रिक एनालिसिस बेस्ड ऑन स्कोपस डेटाबेस (1979–2020)", *एनवायरमेंटल मोनिटोरिंग एसेसमेंट*, 193, 59(2021), पेज 1–14।

11. कृष्णाचेट्टी रविचंद्रम, "पीएसीएस एंड एसडीजीज़ : अ स्टडी इन तमिलनाडु, इंडिया", *इंटरनेशनल जर्नल को–ऑपरेटिव अकाउंटिंग एंड मैनेजमेंट*, 2020, वोल्यूम 3, इश्यू 2, पेज 97–118।

राष्ट्रीय

1. कंवलजीत कौर एवं अमनजोत कौर, "कैंसर प्रिवेलैंस : अ स्टडी ऑफ कॉटन बैल्ट ऑफ पंजाब स्टेट", *स्टडीज इन इंडियन प्लेस नेम्स*, वोल्यूम 40, इश्यू 40, मार्च 2020, पेज 180–188।

2. कंवलजीत कौर एवं अमनजोत कौर, "हैल्दी होम्स एंड हैल्दी कम्युनिटीज़ : अ स्टडी ऑफ कैंसर पैशेन्ट्स इन भटिंडा (पंजाब)", *स्टडीज़ इंडियन प्लेस नेम्स*, वोल्यूम 40, ईश्यू 1, जनवरी 2020, पेज 1482–1494।

3. जैलप डीन एस, "इश्यूज़ एंड चैलेंजेज़ ऑफ एमएसएमई इन इंडिया", *इंडियन सोशल साइंस जर्नल*, वोल्यूम 5, नं. 2, (अक्तूबर–नवंबर 2019), पेज 1–3।

4. अंजली टंडन, "रीविजिटिंग फैक्टर प्रपोर्शन्स इन द इंडियन इकोनोमी : अ स्टडी ऑफ ट्रैडेबल सेक्टर्स", *इकोनोमिक एंड पॉलिटिकल वीकली*, जनवरी 18 2020, वोल्यूम 55, नं. 3, पेज 47–54।

5. अंजली टंडन, "एक्सेसिंग फैक्टर प्रपोर्शन्स इन ट्रैडेबल सेक्टर्स ऑफ द इंडियन इकोनोमी", *इंस्टीट्यूट फॉर स्टडीज इन इन्डस्ट्रीयल डेवेलेपमेंट*, आईएसआईडी वर्किंग पेपर–212, पेज 1–13।

6. बीनो जॉय, "एम्प्लॉयबिलिटी स्किल्स ऑफ कॉमर्स ग्रेजुएट्स एमप्लोइज़ परसेप्शन", *मिरर*, वोल्यूम 9, इश्यू 1, जून 2019, पेज 26–31।

7. मुनिराजू एम मुनियप्पा एवं सरवना के, "चैलेंजेज़ फेस्ड बाय शैड्यूल्ड कास्ट आंट्रोप्रेन्योर्स : विद स्पेशल रेफरेंस टू कर्नाटक", *अदालया जर्नल*, वोल्यूम 8, इश्यू 10, अक्तूबर 2019।

8. एम रियाज़, "कैन इलेक्शन्स सॉल्व अफगानिस्तान्स प्रॉब्लम्स? ओर विल इट फर्दर वर्सन द सिचुएशन" *एसीकेयू*, 27 सितम्बर 2019।

9. एम रियाज़, "विल अफगानिस्तान्स फ्रैंड इंडिया बी लेफ्ट एज द बिगेस्ट लूजर इन द ऑनगोइंग तालिबान टॉक?" अप्रैल 2019।

10. कैथरीन निर्मला, "स्टडी ऑन एम्प्लॉयबिलिटी स्किल्स ऑफ ग्रेजुएट एंड पोस्ट–ग्रेजुएट स्टूडेन्ट्स विद स्पेशल रेफरेंस टू मैंगलुरु", *अजंता*, वोल्यूम 9, इश्यू 3, जुलाई–सितम्बर 2020, पेज 88–102।

11. रमेश कुमार के, आर सतीशकुमार एवं एस मुथ्थुसामी, "रुरल एम्प्लॉयबिलिटी एंड डिसपैरीटीज़ इन तमिलनाडु :

अ क्वान्टीटैटिव एनालिसिस", *जर्नल ऑफ इंटर–डिसीप्लीनरी सायकल रिसर्च*, वोल्यूम 12, इश्यू 4, अप्रैल 2020, पेज 111–119।

12. रमेश कुमार के, आर सतीशकुमार एवं एस मुथ्थुसामी, "चैंजिंग ऑफ रुरल लेबर मार्केट स्ट्रक्चर इन तमिलनाडु : अ स्टडी ऑन डिसपैरीटीज़ इन रुरल नॉन–फार्म एम्प्लॉयमेंट", *साइंस, टैक्नोलॉजी एंड डेवलेपमेंट*, वोल्यूम 9, इश्यू 4, अप्रैल 2020, पेज 11–18।

13. सुरेशा के पी, "सोश्यो–इकोनोमिक स्टेटस ऑफ वूमेन वर्कर्स इन अनऑर्गेनाइज्ड सेक्टर : इश्यूज़ एंड चैलेंजेज", *रिसर्च रिव्यू इंटरनेशनल जर्नल ऑफ मल्टीडिसीप्लीनरी*, वोल्यूम 5, इश्यू 1, जनवरी 2020, पेज 72–76।

14. सुरेशा के पी, "करंट इश्यू ऑफ वूमेन एम्प्लॉयमेंट पैटर्न इन इंडिया", *डायमेंशन्स ऑफ एजुकेशन*, 7 मार्च 2020, पेज 31–34।

15. सुरेशा के पी, "पोस्ट कोविड–19 एंड इट्स इंपेक्ट ऑन स्लोडाउन ऑफ इंडियाज़ इकोनोमिक ग्रोथ : एन ओवरव्यू", *डायमेंशन्स ऑफ एजुकेशन*, वोल्यूम 10, इश्यू 1, पेज 30–35।

16. सुरेशा के पी, "वूमेन एम्प्लॉयमेंट इन अनऑर्गेनाइज्ड सेक्टर इन इंडिया : एन इंपीरीकल एनालिसिस", *सदर्न इकोनोमिस्ट*, वोल्यूम 58, इश्यू 22, 15 मार्च 2020, पेज 9–13।

17. डॉ. मैत्रेयी रॉय, "इंपेक्ट ऑफ क्लाइमेट चेंज ऑन सोश्यो–इकोनोमिक स्टेटस ऑफ फार्मर्स ऑफ री भोई डिस्ट्रिक्ट", मेघालय, *इंटरनेशनल जर्नल ऑफ साइंटिफिक रिसर्च*, वोल्यूम 9, इश्यू 7, जुलाई 2020, पेज 1–4।

18. सुजीथ कुमार परायिल, "न्यू मीडिया : सब्जेक्ट, मीडिया लिटरेसी एंड एजुकेशनल टैक्नोलॉजीज़", *इंडियन जर्नल ऑफ एजुकेशनल टैक्नोलॉजी*, वोल्यूम 2, इश्यू 1, जनवरी 2020, पेज 106–120।

19. प्रवीन पॉल जे एवं एम सीलम बरासन, "द डायमेंशन्स ऑफ फाइनेंशियल इनक्लूजन ऑफ अन्डरप्रिविलेज्ड सेक्शन्स ऑफ द सोसायटी इन इंडिया : अ रिव्यू", *जर्नल ऑन मैनेजमेंट स्टडीज*, वोल्यूम 6, इश्यू 2, पेज 1238–1243।

20. अनुपमा सिहाग, "युवाओं की चुनाव और राजनीति में भागीदारी", *युवा शक्ति एवं राष्ट्र निर्माण, चीफ एजु. डॉ. राजपाल सिंह, अवनी प्रकाशन*, 2020, पेज 234–244।

21. अनुपमा सिहाग एवं राकेश कुमार, "रुरल–अर्बन वोटिंग बिहेवियर इन असेम्बली इलेक्शन्स ऑफ हरियाणा", *स्टडीज़ इन इंडियन प्लेस नेम्स*, वोल्यूम 40, इश्यू 71, मार्च 2020, पेज 1953–1959।

22. अनुपमा सिहाग, "इलेक्शन प्रोसेस : चैलेंजज़ एंड रिफॉर्म्स", *पुराकला*, वोल्यूम 31, इश्यू 4, अप्रैल 2020, पेज 2094–2102।

23. शमशीर सिंह, "ब्लैंडेड लर्निंग : एन इनोवेटिव पेडागोगी इन टीचिंग एंड लर्निंग प्रोसेस", *जूनी ख्यात*, वोल्यूम 10, इश्यू 6, 12 जून 2020, पेज 126–140।

24. शिवकुमार आर, "सोशल मीडिया इन एजुकेशन, जर्नल ऑफ कन्टेम्पररी एजुकेशनल" *रिसर्च एंड इनोवेशन्स*, वोल्यूम 9, इश्यू 5, सितम्बर 2019, पेज 70–78।

25. शिवकुमार आर, "इफेक्ट ऑफ सोशल मीडिया ऑन एकेडेमिक परफॉर्मेंस ऑफ द स्टूडेन्ट्स", द *ऑनलाइन जर्नल ऑफ डिस्टेन्स एजुकेशन एंड ई–लर्निंग*, अप्रैल 2020, वोल्यूम 8, नं. 2, पेज 90–97।

26. तृप्ति शर्मा, "वूमेन एमपॉवरमेंट एंड वेलफेयर : पैराडाइम शिफ्ट इन द आइडियाज़ ऑफ गवर्नेंस", *रिसर्च रिव्यू इंटरनेशनल जर्नल ऑफ मल्टीडिसीप्लीनरी*, वोल्यूम 5, इश्यू 7, जुलाई 2020, पेज 18–22।

27. तृप्ति शर्मा, "महिला सशक्तिकरण एवं लैंगिक समानता : राष्ट्र निर्माण का आधार", *युवा शक्ति एवं राष्ट्र निर्माण, चीफ एजु. डॉ. राजपाल सिंह*, अवनी प्रकाशन, 2020, पेज 261–281।

28. श्रीकृष्णा महाजन, "आर गवर्मेंट स्कीम्स प्रोमोटिंग वूमेन आंट्राप्रेनियरशिप?", *इंटरनेशनल जर्नल ऑफ मैनेजमेंट एंड ह्यूमैनिटीज़ (आईजेएमएच)*, वोल्यूम 4, इश्यू 3, नवंबर 2019, पेज 7–14।

29. संजय कुमार, "बिटिया छट्ठी में के – स्त्री अस्मिता का स्वर", *मिजोरम यूनिवर्सिटी जर्नल ऑफ ह्यूमैनिटीज़ एंड सोशल साइंसेज़*, वोल्यूम 6, इश्यू 1, जून 2020, पेज 10–31।

30. दामोदर जेना एवं निबल दिबिअत, "क्लाइमेट चेंज पैटर्न्स इन टू डिस्ट्रिक्ट्स ऑफ उड़ीसा : अ ट्रैंड एनालिसिस", *इंटरनेशनल जर्नल ऑफ एडवान्स्ड साइंस एंड टैक्नोलॉजी*, वोल्यूम 29, नं. 3 (2020), पेज 11498–11512।

31. दामोदर जेना एवं निबल दिबिअत, "फार्मर्स परसेप्शन ऑन क्लाइमेट चेंज एंड इट्स मैजरमेंट, डिसास्टर

एडवान्सेज़", वोल्यूम 13, इश्यू 9, सितम्बर 2020, पेज 59–66।

32. विद्याकला एवं डॉ. के नित्थ्याकला, "अ कन्सेप्चुअल स्टडी ऑन कॅरियर स्ट्रैटेजीज़ अडोप्टेड बाय वूमेन लीडर्स टू ओवरकम देयर बैरियर्स", *ऑट ऑट रिसर्च जर्नल*, वोल्यूम 11, इश्यू 8, अगस्त 2020, पेज 231–237।

33. सीथालक्ष्मी, एस एवं एम श्रीदेवी, "अ स्टडी टू एसेस नोलेज, एटीट्यूड, एंड प्रैक्टिसेज रिलेटेड टू मेन्सट्रुअल हायजीन मैनेजमेंट अमांग स्कूल गोइंग अडोलसेंट गर्ल्स इन सिथायनकोट्टाई एंड सीथारेवु गवर्मेंट हायर सेकन्डरी स्कूल्स", डिंडीगुल डिस्ट्रिक्ट, *इंटरनेशनल जर्नल ऑफ ह्यूमैनिटीज़ एंड सोशल साइंस इनवेन्शन (आईजेएचएसएसआई)*, वोल्यूम 9, इश्यू 9, सी.3, सितम्बर 2020, पेज 1–7।

34. सीथालक्ष्मी, एस एवं एम श्रीदेवी, "एसेसमेंट ऑफ एमएचएम प्रैक्टिसेज अमांग स्कूल गोइंग अडोलसेंट गर्ल्स ड्यूरिंग कोविड–19 लॉकडाउन इन सीथायनकोट्टाई विलेज, डिंडीगुल डिस्ट्रीक्ट, तमिलनाडु", *इंटरनेशनल जर्नल ऑफ ह्यूमैनिटीज़ एंड सोशल साइंस इनवेन्शन (आईजेएचएसएसआई)*, वोल्यूम 10, इश्यू 2, सी.2, पेज 33–38।

35. रेवथी, पी, सुमथी एवं आर मुथ्थुकुमार, "क्रॉप इंश्योरेंस स्कीम्स एंड कॉमपन्सेशन टू फार्मर्स फॉर वाइल्डलाइफ क्रॉप डैमेज इन कोयम्बटूर फोरेस्ट डिवीजन", *इंटरनेशनल जर्नल ऑफ मैनेजमेंट साइंस एंड टैक्नोलॉजी (आईआरजेएमएसटी)*, वोल्यूम 11, इश्यू 10, 2020, पेज 35–44।

36. सलेहा जमाल एवं उज्मा अजमल, "एनवायरमेंटल इंपेक्ट्स ऑफ स्लाटर हाउसेज विद स्पेशल रेफेरेंस टू इंडिया : अ रिव्यू", *जर्नल ऑफ द गुजरात रिसर्च सोसायटी*, वोल्यूम 21, इश्यू 14, दिसम्बर 2019, पेज 2212–2222।

37. एस विजयलक्ष्मी एवं अस्वथी एम, "अ स्टडी ऑन लर्निंग डिसएबिलिटी टूल्स", *एईजीएईयूएम जर्नल*, 2020, वोल्यूम 8, इश्यू 3, पेज 214–220।

38. प्रगट सिंह जाठोल, "हरियाणा में विश्वविद्यालय स्तर पर बालिका शिक्षा प्रोत्साहन हेतु प्रयास", *जर्नल ऑप पीपुल एंड सोसायटी हरियाणा*, वोल्यूम 9, नं.2, अक्तूबर 2019।

39. अर्चना सेठी, प्रगति कृष्णन एवं रविंद्र ब्रह्मे, "रायपुर शहर की मलिन बस्तियों के परिवारों की स्थिति एवं गरीबी का अध्ययन", *इंटरनेशनल जर्नल ऑफ एडवान्सेज़ इन सोशल साइंसेज़*, वोल्यूम 8, इश्यू 3, जुलाई–सितम्बर 2020, पेज 61–68।

40. अर्चना सेठी, प्रगति कृष्णन एवं रविंद्र ब्रह्मे, "छत्तीसगढ़ राज्य के रायपुर शहर की मलिन बस्तियों में रसोई ईंधन का उपयोग", *शोध समागम*, जुलाई–सितम्बर 2020, पेज 833–840।

41. रानी वी जी एवं एस श्रीविध्या, "ऑनलाइन एजुकेशन लेवेरेज इन इंडियन हायर एजुकेशन बिफोर कोविड–19", *एईजीएईयूएम जर्नल*, वोल्यूम 8, इश्यू 7, 2020, पेज 789–796।

42. राजेश्वरी कालीदास, "आयुष्मान भारत : अ ट्रांसफोर्मेटिव इनीशिएटिव ऑफ इंडियाज हैल्थ केयर डेलीवरी सिस्टम", *इंटरनेशनल जर्नल ऑफ साइंस, इंजीनियरिंग एंड मैंनेजमेंट*, वोल्यूम 5, सितम्बर 2020, पेज 28–33।

43. तारा देवी, "इमर्जिंग पैटर्न्स ऑफ वूमेन इन पंचायती राज इंस्टीट्यूशन्स इन पंजाब", *जेईटीआईईआर*, वोल्यूम 7, इश्यू 8, अगस्त 2020, पेज 2034–2040।

44. आदिनाथ गदे, "कल्चरल लाइफ ऑफ पारधी कम्युनिटी इन सोलापुर डिस्ट्रिक्ट", *इंटरनेशनल जर्नल ऑफ क्रिएटिव रिसर्च थौट्स (आईजेसीआरटी)*, वोल्यूम 8, इश्यू 12, दिसम्बर 2020, पेज 1233–1235।

45. विजयकुमार ए एन, "कोकोनट फार्मर्स कलेक्टिव्ज़ इन एनहैंसिंग फार्मर्स इनकम", *आरवीआईएम जर्नल ऑफ मैनेजमेंट रिसर्च*, वोल्यूम 12, इश्यू 1, जनवरी–जून 2020, पेज 5–14 (पे.1058/16)।

46. सुजीथ कुमार परायिल, "मीडिया एंड विजुअल सब्जेक्टीविटी : सेंसेज एंड मीडिएशन", *इंडियन जर्नल ऑफ एजुकेशनल टैक्नोलॉजी*, वोल्यूम 2, इश्यू 2, जुलाई 2020, पेज 121–138।

47. त्रिभुवन नाथ, "डिजाइनिंग पॉलिसी फ्रेमवर्क फॉर स्मार्ट आंट्रॉप्रेन्योरशिप एंड सेल्फ रिलायंट स्मार्ट विलेज इकोनोमी : आंट्रॉप्रेन्योरियल फनल फ्रेमवर्क", *वीएएमएनआईसीओएम*, अप्रैल–सितम्बर 2020, पेज 47–60।

48. कौस्तुभ कांति रे, "मेथेडोलॉजी फॉर सर्विस क्वालिटी एसेसमेंट ऑफ सोशल प्रोग्राम्स : अ फ्रेमवर्क", *परिकल्पना–केआईआईटी जर्नल ऑफ मैनेजमेंट*, वोल्यूम 16, दिसंबर 2020।

49. कौस्तुभ कांति रे एवं चंद्रभानु दास, "लिटरेचर रिव्यू ऑन इफेक्टिवनेस ऑफ सोशल सिक्योरिटी स्कीम्स : अ मेटा–एनालिसिस अप्रोच", *जर्नल ऑफ क्रिटीकल रिव्यूज़,* वोल्यूम 7, इश्यू 19, 2020।

50. संजीव कुमार, "इमर्जिंग ट्रैंड्स इन ग्रोथ एंड रिस्क ऑफ एग्रीकल्चर सेक्टर इन बुंदेलखंड रीजन ऑफ उत्तर प्रदेश", *शोध संचार बुलेटिन,* वोल्यूम 10, इश्यू 39, जुलाई–सितंबर 2020, पेज 20–26।

51. बीनो जॉय, "डिटरमिनेंट्स ऑफ एम्प्लायबिलिटी–अ स्टडी ऑन इंडिविजुअल फैक्टर्स ऑफ कॉमर्स ग्रेजुएट्स इन केरल स्टेट", *पुराकला,* वोल्यूम 31, इश्यू 4, अप्रैल 2020, पेज 766–780।

52. अशोक कुमार कैथल एवं जयंत कुमार, "सॉलिड वेस्ट मैनेजमेंट इन लखनऊ डिस्ट्रिक्ट ऑफ उत्तर प्रदेश : इश्यूज एंड चैलेंजेज़", *शोध सरिता,* वोल्यूम 6, इश्यू 24(2), अक्तूबर–दिसंबर 2019, पेज 146–152।

53. ऋतु धवन, "प्रोग्रेसिव एडवर्टिज़मेंट्स एंड इट्स इफेक्ट्स ऑन बिजनेस : स्केल डेवेलेपमेंट एंड रिफाइनमेंट", *शोध सरिता,* वोल्यूम 7, इश्यू 28, अक्तूबर–दिसंबर 2020, पेज 275–282।

54. ऋतु धवन, "परसेप्शन ऑफ यंग जेनरेशन टूवर्ड्स रोल पोर्ट्रेयल ऑफ वूमेन इन एडवर्टिजमेंट्स", *पीआईएमटी जर्नल ऑफ रिसर्च,* वोल्यूम 13, इश्यू 1(ए), अक्तूबर–दिसंबर 2020, पेज 48–51।

55. कृष्णाचेट्टी रविचंद्रन एवं एस सौम्या, "पीएसीएस एंड आत्मनिर्भर भारत : रेलेवेंस, स्ट्रैटेजीज़ एंड पॉलिसी इम्प्लीकेशन्स", *एनसीएचएफ बुलैटिन/स्पेशल इश्यू,* वोल्यूम 33, इश्यू 5 व 6, नवंबर–दिसंबर 2020, पेज 7–12।

56. कृष्णाचेट्टी रविचंद्रन एवं एस सौम्या, "एग्रेरियन डिस्ट्रैस एंड गवर्नेंस सिस्टम इन पीएसीसीएस इन तमिलनाडु", *जर्नल ऑफ इंटरडिसीप्लीनरी सायकल रिसर्च,* वोल्यूम 12, इश्यू 1, जनवरी 2020, पेज 1–11।

57. डॉ. आर्ज्यालोपा मिश्रा, अमर्त्य श्रेया एवं अनुज शुक्ला, "प्रमोशन ऑफ मेन्टल हैल्थ एंड वैल बीइंग इन इंडियन प्रिजन्स", *इंटरनेशनल जर्नल ऑफ कम्युनिटी मेडीसिन्स एंड पब्लिक हैल्थ,* जनवरी 2021, वोल्यूम 8, इश्यू 1, पेज 482–488।

58. ऋतु धवन, "जेन्डर स्टीरियोटायप्स इन एडवर्टाइजिंग : अ लिटरेचर रिव्यू", *पीआईएमटी जर्नल ऑफ रिसर्च,* वोल्यूम 13, इश्यू 1(ए), अक्तूबर–दिसंबर 2020, पेज 48–51।

अनुसंधान परियोजनाएं (जारी)

1. बरानी जी, भारथिआर विश्वविद्यालय, कोयंबटूर, तमिलनाडु, "अ स्टडी ऑन द एफीशिएंसी ऑफ एग्रीकल्चरल प्रैक्टिसेज़ ऑफ ऑर्गेनिक ग्रेप ग्रोअर्स इन सेलेक्टेड डिस्ट्रिक्ट्स ऑफ तमिलनाडु"। (₹ 4,50,000)
2. दीपक भगत, नॉर्थ ईस्टर्न हिल विश्वविद्यालय, शिलांग, मेघालय, "मैपिंग द वलनरेबिलिटी ऑफ इन्डीजीनियस हिल पिपुल ऑफ मेघालया टू फूड इन्सिक्योरिटी"। (₹ 10,00,000)
3. जयचंद्रन जी, मदुरै कामराज विश्वविद्यालय, मदुरै, तमिलनाडु, "चैलेंजेज़ इन इमप्लीमेंटिंग एसपीएस मैजर्स एंड प्रमोशन ऑफ ट्रैड इन तमिलनाडु"। (₹ 7,00,000)
4. नागराजू थोटा, बिडला विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी संस्थान, पिलानी, हैदराबाद कैम्पस, तेलंगाना, "इंपेक्ट ऑफ एक्स ग्रेशिया फॉर फार्मर्स स्युसाइड ऑन द सरवाइविंग फैमिली मेम्बर्स ऑफ द डिसीज्ड फार्मर्स इन तेलंगाना"। (₹ 4,00,000)
5. रीतेश पटेल, निरमा विश्वविद्यालय, अहमदाबाद, गुजरात, "एसेसिंग द इंपेक्ट ऑफ माइक्रोफाइनेंस सर्विसेज ऑन एमपॉवरमेंट ऑफ फीमेल लिविंग इन रुरल एरिया ऑफ नार्थ गुजरात"। (₹ 4,50,000)
6. सार्थक गौरव, भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, मुंबई, महाराष्ट्र, "रिस्क एंड वलनरेबिलिटी ऑफ एग्रीकल्चरल हाउसहोल्ड्स इन विदर्भ, महाराष्ट्र : अ लोंगीट्यूडनल स्टडी"। (₹ 7,50,000)
7. सुधिन दलवे, श्री नेमीचंद जैन ब्रह्मचर्य आश्रम केकेएचए कला, एसएमजीएल वाणिज्य एवं एसपीएच जैन विज्ञान, महाराष्ट्र, "हाई टैक एग्रो कल्टीवेशन एंड प्रोसेसिंग ऑफ मेडीसिनल प्लांट्स : अ पायलट प्रोजेक्ट फॉर सोश्यो–इकोनोमिक अपलिफ्टमेंट ऑफ ट्राइबल्स ऑफ नासिक डिस्ट्रिक्ट"। (₹ 12,00,000)
8. विजय कुमार ए एन, भारतीय रोपण प्रबंध संस्थान, कर्नाटक, "फाइनेंशियल परफोरमेंस ऑफ कोकोनट एफपीओज इन कर्नाटक"। (₹ 8,00,000)
9. बिंधी वासीनी पांडे, दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली, "एसेसिंग ह्यूमन अडाप्टैबिलिटी फॉर बिल्डिंग पॉलिसी फ्रेमवर्क अगेनस्ट क्लाइमेट वेरियेबिलिटी इन हाई एल्टीट्यूड बेसिन्स ऑफ लेह, इंडिया"। (₹ 15,00,000)

10. सुपर्णा, असम विश्वविद्यालय, सिलचर, असम, "एग्रीकल्चरल ट्रांसफोर्मेशन इन नॉर्थ ईस्ट इंडिया सिंस इंडिपेन्डेन्स"। (₹ 9,00,000)
11. मनु गौतम, मध्य प्रदेश सामाजिक विज्ञान अनुसंधान संस्थान, मध्य प्रदेश, "एग्रेरियन क्राइसिस एंड फार्मर्स अनरेस्ट इन मध्य प्रदेश : अ स्टडी विद स्पेशल रेफरेंस टू मालवा रीजन"। (₹ 9,00,000)
12. राजीव कुमार पांडा, भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, राउरकेला, उड़ीसा, "इनवेस्टीगेशन इंस्टीट्यूशनल एंड टैक्नीकल फैक्टर्स इन्फ्लूएंसिंग वेजीटेबल फार्मर्स मार्केटिंग चैनल चॉइसेज़ इन उड़ीसा"। (₹ 12,00,000)
13. मैत्रेयी रॉय, विलियम कैरी विश्वविद्यालय, शिलांग, मेघालय, "इंपेक्ट ऑफ क्लाइमेट चेंज ऑन फार्मिंग एंड फूड प्रॉडक्शन इन सेलेक्टेड विलेजेज़ ऑफ री भोई डिस्ट्रिक्ट मेघालय"। (₹ 5,00,000)
14. अतुल बारेकर, नॉर्थ महाराष्ट्र विश्वविद्यालय, जलगाँव, महाराष्ट्र, "इन्डीजीनियस प्रैक्टिसेज़ एंड इट्स एप्लीकेशन फॉर सस्टेनैबल लाइव्लीहुड ऑफ ट्राइबल कम्युनिटीज़ : अ स्टडी फॉर नॉर्थ महाराष्ट्र रीज़न"। (₹ 10,00,000)
15. बी आर ठाकुर, हिमाचल प्रदेश विश्वविद्यालय, शिमला, हिमाचल प्रदेश, "इंपेक्ट ऑफ प्रधानमंत्री ग्रामीण सड़क योजना ऑन रुरल डेवेलपमेंट इन चूराह तहसील, डिस्ट्रिक्ट चंबा, हिमाचल प्रदेश"। (₹ 10,00,000)
16. आकांक्षा शुक्ला, भारतीय ग्रामीण विकास एवं पंचायती राज संस्थान, तेलंगाना, "एन इवेल्यूएशन स्टडी ऑन द परफोरमेंस ऑफ नेशनल फूड सिक्योरिटी एक्ट अमांग रुरल हाउसहोल्ड्स इन द बैकवर्ड डिस्ट्रिक्ट्स ऑफ महाराष्ट्र एंड तेलंगाना स्टेट"। (₹ 22,00,000)
17. कृष्णाचेट्टी रविचंद्रन, गांधीग्राम ग्रामीण संस्थान, तमिलनाडु, "एग्रेरियन डिस्ट्रैस एंड को–ऑपरेटिव्ज इन तमिलनाडु : अ स्टडी ऑफ फंक्शनिंग ऑफ प्राइमरी एग्रीकल्चरल को–ऑपरेटिव्ज क्रेडिट सोसायटीज़"। (₹ 9,00,000)
18. मनेश चौबे, सिक्किम विश्वविद्यालय, गंगटोक, सिक्किम, "इकनोमिक्स एंड एफीशिएंसी ऑफ ऑर्गेनिक फार्मिंग इन सिक्किम"। (₹ 8,00,000)
19. मृत्युंजय स्वैन, खल्लीकोट विश्वविद्यालय, बहरामपुर, उड़ीसा, "रोल ऑफ एग्री–आंट्राप्रोन्योरशिप एंड एग्री–टूरिज्म इन रुरल ट्रांसफोर्मेशन इन ट्राइबल एरियाज़ उड़ीसा, इंडिया : प्रोसपेक्ट्स एंड कांसट्रैन्ट्स"। (₹ 8,00,000)
20. परमेश्वर होनराव, श्री संत दामाजी राव महाविद्यालय, मंगलवेधा डिस्ट्रिक्ट, सोलापुर, महाराष्ट्र, "एग्रेरियन डिस्ट्रैस, सबसिसटैन्स स्ट्रैटेजीज़ एंड रैमीफिकेशन्स ऑफ लोन वेवर एंड पॉलिसी ऑप्शन्स टू स्माल एंड मार्जिनल फार्मर्स इन महाराष्ट्र"। (₹ 300000)
21. रविचंद्रन श्रिनिवासम, अन्नामलाई विश्वविद्यालय, अन्नामलाई नगर, तमिलनाडु, "डबलिंग द फार्मर्स इन्कम थ्रू प्रोटेक्टेड कल्टीवेशन टैक्नोलॉजी–एन इकोनोमिक इवेल्यूएशन स्टडी इन तमिलनाडु"। (₹ 8,00,000)
22. श्यामलाल जी एस, महात्मा गाँधी महाविद्यालय, केरल, "क्लाइमेट चेंज एंड जीआईएस बेस्ड एग्रीकल्चर मैपिंग इन केरल"। (₹ 6,00,000)
23. तामीझारासी दुराई, आरएनएस प्रौद्योगिकी संस्थान, कर्नाटक, "लेवेरेजिंग पॉलिसी मैजर्स टू स्ट्रैन्थेन द रोल ऑफ रुरल वूमेन इन फार्म मैनेजमेंट एंड लैंड ऑपरेशन प्रैक्टिसेज़ ऑफ वूमेन फार्मर्स इन साउथ इंडिया"। (₹ 6,00,000)
24. संजीव कुमार, लखनऊ विश्वविद्यालय, लखनऊ, उत्तर प्रदेश, "स्टेटस ऑफ एग्रीकल्चरल रिस्क एंड इंश्योरेंस इन उत्तर प्रदेश : एवीडेंसेज़ फ्रॉम बुंदेलखंड रीजन"। (₹ 4,80,000)
25. मारिया जोसेफिन अरोकिया मैरी, इंदिरा गाँधी राष्ट्रीय जनजाति विश्वविद्यालय, अमरकंटक, मध्य प्रदेश, "एग्रोनोमी बेस्ड स्किल ट्रैनिंग फॉर स्टूडेंट टीचर्स–इज़ इट एन ऑब्लीगेटरी पॉलिसी फॉर एन एटीट्यूडनल चैंजेज़ टूवर्ड्स सेल्फ ससटेनैबिलिटी?" (₹ 6,00,000)
26. वाजिदा बानो, मैंगलोर विश्वविद्यालय, मैंगलोर, कर्नाटक, "फूड सिक्योरिटी इन इंडिया : अ केस स्टडी इन कोस्टल डिस्ट्रिक्ट ऑफ कर्नाटक"। (₹ 6,00,000)
27. इंदर शेखर यादव, भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, खड़गपुर, पश्चिम बंगाल, "एसेसमेंट ऑफ डिसपेरीटी ऑफ एग्रीकल्चरल क्रेडिट एंड इट्स इंपेक्ट ऑन फार्म प्रोडक्शन इन इंडिया"। (₹ 4,50,000)
28. दीपक वायल, सावित्रीबाई फुले पूना विश्वविद्यालय, महाराष्ट्र, "रुरल ट्रांसफोर्मेशन थ्रू एग्रोप्रेन्योरशिप डेवलपमेंट"। (₹ 4,00,000)
29. लोकेन्द्र सिंह कोट, शासकीय चिकित्सा महाविद्यालय, रतलाम, मध्य प्रदेश, "एग्रीकल्चरल एक्सीडेंट्स एंड इट्स सोश्यो–इकोनोमिक एंड डेमोग्राफिक इम्पलीकेशन– अ स्टडी विद स्पेशल रेफरेंस टू रतलाम डिस्ट्रिक्ट"। (₹ 10,00,000)

30. फयाज़ अहमद भाट, शेख–उल–अलम मेमोरियल डिग्री कॉलेज, बडगाम, कश्मीर, जम्मू एवं कश्मीर, "इंपेक्ट एसेसमेंट ऑफ मनरेगा (एमजीएनआरईजीए) इन जम्मू एंड कश्मीर–अ केस स्टडी ऑफ कश्मीर"। (₹ 4,00,000)

31. महादेव देशमुख, शिवाजी विश्वविद्यालय, कोल्हापुर, महाराष्ट्र, "एन एनालिसिस ऑफ सस्टैनैबल लाइव्लीहुड सिक्योरिटी इन वेस्टर्न महाराष्ट्र"। (₹ 10,00,000)

32. बिष्नु मोहन दास, भीमराव अंबेडकर महाविद्यालय, दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली, "अ मल्टी फेसेटेड अप्रोच टू अंडरस्टैन्ड जेन्डर डिसक्रिमिनेशन इन एक्सेस टू फाइनेंस? एवीडेंस फ्रॉम अ सर्वे ऑफ सेलेक्ट इंडियन एमएसएमईज"। (₹ 6,00,000)

33. निर्मल सिंह, दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली, "डबलिंग फार्मर्स इनकम : स्ट्रैटेजी एंड प्रोसपेक्ट्स इन पंजाब"। (₹ 5,00,000)

34. गणेशकुमार सी, भारतीय रोपण प्रबंध संस्थान, कर्नाटक, "आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस इन इंडियन एग्रीकल्चर फॉर फूड सिक्योरिटी : वेल्यू चैन एनालिसिस"। (₹ 3,00,000)

35. हंस राम मीणा, आईसीएआर – राष्ट्रीय डेयरी अनुसंधान संस्थान, करनाल, हरियाणा, "मिटिगेशन ऑफ स्टबल बर्निंग थ्रू कस्टम हायरिंग सेंटर्स फॉर एग्रीकल्चरल मशीनरी इन ट्रांस–गैन्जेटिक रीज़न्स"। (₹ 10,00,000)

36. आकांक्षा शुक्ला, भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, जमशेदपुर, झारखंड, "आइडेन्टीफिकेशन ऑफ फैक्टर्स फॉर सक्सेजफुल इम्प्लीमेंटेशन ऑफ अमूल लाइक को–ऑपरेटिव्ज फॉर फोरेस्ट प्रोड्यूस"। (₹ 4,50,000)

37. आसिफ मोहम्मद, आईसीएआर – राष्ट्रीय डेयरी अनुसंधान संस्थान, करनाल, हरियाणा, "फोर्म्यूलेटिंग कोपिंग अप स्ट्रैटेजीज़ फॉर एक्सट्रीम वैदर इवेन्ट्स इन सुन्दरबन्स रीजन थ्रू लाइवस्टॉक बेस्ड इन्टीग्रेटेड फार्मिंग सिस्टम : अ सोसिइटल पर्सपेक्टिव"। (₹ 7,50,000)

38. जोसेफ एम के, राजागिरी सामाजिक विज्ञान महाविद्यालय, केरल, "फार्मर एन्गेजमेंट्स इन फेयर ट्रैड प्रैक्टिसेज : ऑपर्च्युनिटीज़ एंड चैलेंजेज़ फॉर ससटैनेबल लाइव्लीहुड"। (₹ 4,50,000)

39. ज़हूर अहमद पाररे, साउथ कैम्पस, कश्मीर विश्वविद्यालय, जम्मू एवं कश्मीर, "इंपेक्ट ऑफ सेंट्रली स्पांसर्ड माइक्रो फाइनेंस स्कीम्स ऑन रुरल डेवलेपमेंट इन जम्मू एंड कश्मीर"। (₹ 3,00,000)

40. सरोज कुमार साहू, संबलपुर विश्वविद्यालय, संबलपुर, उड़ीसा, "मार्केटैबिलिटी ऑफ रीजनली सरप्लस एग्रीकल्चरल प्रोडक्ट्स : अ क्रिटीकल एनालिसिस टू प्रोवाइड इन्टीग्रेटेड स्ट्रैटेजीज़"। (₹ 4,00,000)

41. सुब्रमण्या स्वामी वी, सास्त्र मानित विश्वविद्यालय, तमिलनाडु, "डिज़ाईन एंड डेवलेपमेंट ऑफ डिसीजन–मेकिंग टूल फॉर क्रॉप सेलेक्शन इन प्रीसिज़न एग्रीकल्चर"। (₹ 8,00,000)

42. रोली कंचन, महाराजा सयाजीराव बड़ौदा विश्वविद्यालय, वडोदरा, गुजरात, "अ जियोस्पैटियल इवेल्यूएशन ऑफ एग्रीकल्चरल लैंड सूटेबिलिटी इन साउथ गुजरात, इंडिया"। (₹ 8,50,000)

43. राहुल कांबले, सरदार पटेल महाविद्यालय, महाराष्ट्र, "ससटैनेबल अडाप्टेशन स्ट्रैटेजीज़ फॉर क्लाइमेट स्मार्ट एग्रीकल्चर विद एम्फैसिस ऑन मार्जिनलाइज्ड फार्मर्स"। (₹ 6,00,000)

44. श्रीनिवासा रेड्डी मंडला, आर्थिक एवं सामाजिक अध्ययन केन्द्र, तेलंगाना, "क्लाइमेट चेंज एंड क्रांट्रैक्चुअल टर्म्स ऑफ टेनैसी : अ स्टडी इन आंध्र प्रदेश एंड तेलंगाना"। (₹ 5,00,000)

45. एस पी सिंह, भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, रुड़की, उत्तराखंड, "एग्रीकल्चर ससटैनेबिलिटी एंड इकोनोमिक एफीशिएंसी अंडर कॉन्वेंशनल एंड अल्टरनेटिव फार्मिंग सिस्टम्स इन द गंगा रिवर बेसिन"। (₹ 8,00,000)

46. चिन्मय मलिक, पश्चिम बंगाल प्रदेश विश्वविद्यालय, बारासात, कोलकाता, पश्चिम बंगाल, "हैजार्ड वलनरैबिलिटी एंड द पोलीटिकल इकोनोमी ऑफ लाइव्लीहुड ट्रांसफोर्मेशन : इनसाइट्स फ्रॉम द इंडियन सुंदरबन"। (₹ 8,00,000)

47. निजामुद्दीन खान, अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय, अलीगढ़, उत्तर प्रदेश, "एसेसमेंट ऑफ पोटेन्शियल ऑफ डेयरी फार्मिंग एंड इट्स एलाइड एक्टीविटीज़ फॉर सोश्यो–इकोनोमिक डेवलपमेंट ऑफ फार्मर्स इन देवीपट्टन रीजन ऑफ उत्तर प्रदेश"। (₹ 10,00,000)

48. चित्रा पारायिल, क्षेत्रीय कृषि अनुसंधान केन्द्र, केरल कृषि विश्वविद्यालय, केरल, "एक्सपोर्ट मार्केट पोटेन्शियल एंड एक्रेडिएशन सिस्टम्स फॉर ऑर्गेनिक राइस इन केरल"। (₹ 5,00,000)

49. आशिष मकवाना, एसएमसी डेयरी विज्ञान महाविद्यालय एवं कृषि विश्वविद्यालय, गुजरात, "कंपेरेटिव एनालिसिस

ऑफ डेयरी बिजनेस मॉडेल्स एक्ज़ीसटिंग इन गुजरात : स्टडी ऑफ सेलेक्टेड डिस्ट्रिक्ट्स एंड एक्सप्लोरिंग पॉसिबिलिटी ऑफ इम्पलीमेंटिंग न्यू माडल्स"। (₹ 5,50,000)

50. राजेश आचार्य, राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान, कर्नाटक, कर्नाटक, "एसेसिंग द इंपेक्ट ऑफ प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना ऑन स्मॉल होल्डर फार्मर्स"। (₹ 4,00,000)

51. देबश्री दे, महाराजा शिरीष चंद्र महाविद्यालय, पश्चिम बंगाल, "द पॉलिसी ऑफ एक्वाजीशन एंड ट्राइबल डेवलेपमेंट इन रुरल झारखंड एंड उड़ीसा ड्यूरिंग द निओ–लिबरल रीजीम"। (₹ 2,00,000)

52. गोमथी के के, गोबी कला एवं विज्ञान महाविद्यालय, तमिलनाडु, "इंपेक्ट ऑफ ऑर्गेनिक फार्मिंग इन एलिविएशन ऑफ रुरल पॉवर्टी : अ स्टडी इन इरोड डिस्ट्रिक्ट ऑफ तमिलनाडु"। (₹ 2,50,000)

53. कविता बालियान, गिरी विकास अध्ययन संस्थान, लखनऊ, उत्तर प्रदेश, "परफोरमेंस ऑफ एग्रीकल्चर इन ईस्टर्न उत्तर प्रदेश – इमर्जिंग ट्रैंड्स एंड कॉन्सट्रैन्ट्स"। (₹ 6,00,000)

54. विजय गायकवाड़, दहीवादी महाविद्यालय, दहीवादी, महाराष्ट्र, "इंपेक्ट ऑफ रेनवाटर हार्वेस्टिंग स्ट्रक्चर्स ऑन आर्टिफिशयल ग्राउंड वाटर रीचार्ज इन ड्राउट प्रोन एरिया ऑफ सतारा डिस्ट्रिक्ट इन महाराष्ट्र"। (₹ 3,50,000)

55. पवन कुमार शर्मा, शेर–ए–कश्मीर कृषि विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी जम्मू विश्वविद्यालय, जम्मू, जम्मू एवं कश्मीर, "इकोनोमिक्स ऑफ इन्टीग्रेटेड फार्मिंग सिस्टम्स अंडर डाइवर्स एग्रो–क्लाइमेटिक सिचुएशन्स इन जम्मू एवं कश्मीर स्टेट"। (₹ 10,33,333)

56. मुदस्सर हसन भाट, ललित नारायण मिथिला विश्वविद्यालय, दरभंगा, बिहार, "डायनेमिक्स ऑफ एग्रीकल्चर डायवर्सिफिकेशन, इन्फ्रास्ट्रक्चर डेवलेपमेंट एंड फूड सिक्योरिटी : अ केस स्टडी ऑफ दरभंगा डिस्ट्रिक्ट ऑफ बिहार"। (₹ 4,00,000)

57. किरण शर्मा, एमिटी विश्वविद्यालय, उत्तर प्रदेश, उत्तर प्रदेश, "इंपेक्ट असेसमेंट ऑफ पॉवर्टी एंड फूड सिक्योरिटी स्कीम्स फॉर ट्राइबल ग्रुप्स इन झारखंड : अ केस स्टडी ऑफ पलामू डिस्ट्रिक्ट"। (₹ 7,00,000)

58. नीलेश कुमार राय, लाल बहादुर शास्त्री प्रबंध कन्या महाविद्यालय, उत्तर प्रदेश, "रुरल डेवलेपमेंट इन ईस्टर्न उत्तर प्रदेश थ्रू एक्सप्लोरिंग मार्केट ऑफ मिल्क प्रोडक्शन"। (₹ 3,00,000)

59. सरवनाकुमार वेंकटाचेल्लम, तमिलनाडु कृषि विश्वविद्यालय, कोयंबटूर, तमिलनाडु, "फ्रंटियर एग्रीकल्चरल टैक्नोलॉजीज़ फॉर क्लाइमेट चेंज अडॉप्टेशन एंड मिटीगेशन : पॉलिसी ऑप्शन्स फॉर इनोवेशन्स एंड टैक्नोलॉजी डिफ्यूज़न"। (₹ 10,00,000)

60. शोभारानी हनुमन्ना, कुवेम्पु विश्वविद्यालय, शंकरघाटा, शिमोगा, कर्नाटक, "अ स्टडी ऑन प्रॉब्लम्स एंड प्रोसपेक्ट्स ऑफ कॉन्ट्रैक्ट फार्मिंग"। (₹ 9,00,000)

61. आनंदन पुचेपारदउ, पंडित जवाहरलाल नेहरु कृषि एवं अनुसंधान संस्थान महाविद्यालय, कराईकल, पुदुचेरी, "सोश्यो–इकोनोमिक एनालिसिस ऑफ एग्रेरियन क्राइसिस इन द कोस्टल बेल्ट ऑफ कावेरी डेल्टा इन तमिलनाडु एंड पुदुचेरी"। (₹ 10,00,000)

62. प्रीति डिसूजा, मैंगलोर विश्वविद्यालय, मैंगलोर, कर्नाटक, "एग्रीबिजनेस एंड वूमेन : अ स्ट्राइड एन रुट फॉर रुरल एम्लीफिकेशन– अ स्टडी ऑफ सेलेक्टेड डिस्ट्रिक्ट्स इन द स्टेट ऑफ कर्नाटक"। (₹ 8,00,000)

63. बिमल देब नाथ, नॉर्थ ईस्टर्न हिल विश्वविद्यालय, तूरा कैम्पस, मेघालय, "एप्लीकेशन ऑफ बिग डेटा इन एग्रीकल्चर डेवलेपमेंट इन रुरल एरियाज : अ स्टडी ऑन थ्री रुरल डिस्ट्रिक्ट्स ऑफ गारो हिल्स, मेघालय"। (₹ 7,00,000)

64. मौलिक कुमार प्रजापति, एसएमसी डेयरी विज्ञान महाविद्यालय, आनंद कृषि विश्वविद्यालय, गुजरात, "टू इवेल्यूएट वेरियस सोश्यो–इकोनोमिक अपलिफ्टमेंट स्कीम्स प्रोवाइडेड टू मेम्बर फार्मर्स बाय गुजरात डेयरी को–ऑपरेटिव्ज"। (₹ 7,00,000)

65. मुरुगन के, गुरु नानक महाविद्यालय, तमिलनाडु, "एक्सेसेबिलिटी ऑफ रुरल बैंकिंग क्रेडिट एंड फार्मर्स लाइव्लीहुड इन तमिलनाडु"। (₹ 3,00,000)

66. सीमा राठी, महर्षि दयानंद विश्वविद्यालय, रोहतक, हरियाणा, "फार्मर्स अवेयरनेस एंड परसेप्शन ऑन वेरियस क्रॉप इंश्योरेंस स्कीम्स इन हरियाणा"। (₹ 8,00,000)

67. होनाप्पा भराडी, कर्नाटक विश्वविद्यालय, धारवाड़, कर्नाटक, "प्रमोटिंग इनकम सिक्योरिटी ऑफ फार्मर्स : एन इवेल्यूएशन ऑफ क्रॉप इंश्योरेंस स्कीम्स इन कर्नाटक स्टेट"। (₹ 11,29,067)

68. दामोदर जेना, केआईआईटी, मानित विश्वविद्यालय, उड़ीसा, "क्लाइमेट चेंज इफेक्ट्स ऑन लाइव्लीहुड एंड अडाप्टेशन स्ट्रैटेजीज़ : एन एम्पीरिकल इनक्वेस्ट विद स्पेशल रेफेरेंस टू मार्जिनल एंड स्माल फार्मर्स इन उड़ीसा"। (₹ 14,90,000)

69. सुचित्रा परदेशी, पीडियाज़ रामकृष्णा मोरे ए सी एस महाविद्यालय, महाराष्ट्र, "इंपेक्ट ऑफ फ्लड्स ऑन स्ट्रीम बिहेवियर, एग्रीकल्चरल लैंड यूज एंड इट्स रीपरकशन्स इन अपर कृष्णा बेसिन, महाराष्ट्र"। (₹ 15,00,000)

70. बिनीता तिवारी, राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान, राउरकेला, उड़ीसा, "स्मार्ट वर्कफोर्स : टैलेंट डेवलेपमेंट इनीशिएटिव्ज फॉर नोलेज वर्कर्स इन द प्रपोज़्ड स्मार्ट सिटीज़ ऑफ इंडिया"। (₹ 8,00,000)

71. श्रीलता पटनायक, कलिंगा उद्योग तकनीक संस्थान, भुबनेश्वर, उड़ीसा, नेचुरल डिसास्टर एंड वलनरैबिलिटी : "अ एम्पीरिकल स्टडी इन ड्राउट प्रोन रीज़न ऑफ वेस्टर्न उड़ीसा"। (₹ 6,00,000)

72. सुनील कुमार, शहीद भगत सिंह महाविद्यालय, दिल्ली, "सस्टैनेबल रुरल टूरिज़्म : एन अप्रोच फॉर ट्रांसफोर्मिंग रुरल इंडीया–अ केस स्टडी ऑफ हिमाचल प्रदेश"। (₹ 5,00,000)

73. रंजन साहू, जी एस वाणिज्य एवं अर्थशास्त्र महाविद्यालय, नागपुर, महाराष्ट्र, "अ स्टडी ऑफ इनोवेटिव मैजर्स फॉर सस्टैनेबल एग्रीकल्चर एंड रुरल डेवलेपमेंट इन इंडिया"। (₹ 3,00,000)

74. कविता वडराले, शिवाजी विश्वविद्यालय, कोल्हापुर, महाराष्ट्र, "एन इवेल्यूएशन ऑफ फॉर्मल एंड इनफार्मल रुरल फाइनेंस इन वेस्टर्न महाराष्ट्र"। (₹ 6,00,000)

75. सिनिथा, पन्नामपल्ली मेमोरियल शासकीय महाविद्यालय, चालक्कुडी, केरल, "इकोनोमिक सस्टैनेबिलिटी एंड वायाबिलिटी ऑफ इंटीग्रेटेड फार्मिंग इन केरला इकोनोमी"। (₹ 5,00,000)

76. बीनो पॉल, टाटा सामाजिक विज्ञान संस्थान, महाराष्ट्र, "इंपेक्ट ऑफ एग्रीकल्चरल इंटरवेन्शन्स ऑन फार्मर्स वेल–बीइंग : एवीडेंसेज़ फ्रॉम सेमी–एरिड रीजन्स ऑफ रुरल इंडिया"। (₹ 15,00,000)

77. सदानंद गोन, उज्जवल ग्रामीण महाविद्यालय, तालुका घोंसी, जिला जालकोट , लातूर, महाराष्ट्र, "रीजनल डिस्ट्रीब्यूशन ऑफ एग्रो सर्विस सेंटर्स एंड इट्स रोल इन डेवलेपमेंट प्लानिंग ऑफ लातूर डिस्ट्रिक्ट"। (₹ 4,92,000)

78. गुम्मादी श्रीदेवी, हैदराबाद विश्वविद्यालय, हैदराबाद, तेलंगाना, "एक्सेस एंड एप्रोप्रिएशन ऑफ द कॉमन्स : अ स्टडी ऑफ विलेज कॉमन्स इन पंजाब एंड तेलंगाना"। (₹ 15,00,000)

79. स्वागता रॉय, अमृता विश्व विद्यापीठम, केरल, "क्लाइमेट चेंज इंपेक्ट एंड सेल्फ हैल्प अडाप्टेशन स्ट्रैटेजीज इन द सुंदरबन रीजन ऑफ वेस्ट बेंगाल"। (₹ 4,00,000)

80. जय किशन चंदेल, प्रबंध अध्ययन संस्थान, कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय, हरियाणा, "प्रोटेक्टिंग एग्रीकल्चर सेक्टर थ्रू इंश्योरेंस : अ स्टडी विद रेफेरेंस टू हरियाणा"। (₹ 10,00,000)

81. नीलकंठ पाणिग्राही, गुरु घासीदास विश्वविद्यालय, बिलासपुर, छत्तीसगढ़, "स्टेटस ऑफ लैंड ओनरशिप एंड एमपॉवरमेंट ऑफ बैगा ट्राइबल वूमेन ऑफ छत्तीसगढ़ : एन एम्पीरिकल स्टडी"। (₹ 10,00,000)

82. अप्पावु अलिआस बालामुरुगन, ई जी एस पिल्लै इंजीनियरिंग महाविद्यालय, तमिलनाडु, "ऑटोमैटेड ग्रीन स्मार्ट फार्मिंग डिवाइस यूजिंग आईओटी एंड बिग डेटा एनालिटिक्स फॉर प्रीसिजन इरीगेशन"। (₹ 7,00,000)

83. मानशी गोगोई, असम कृषि विश्वविद्यालय, जोराहाट, असम, "एक्सप्लोरिंग एग्री बिजनेस ऑपॉर्च्युनिटीज़ इन इन्डीजीनियस फ्रूट्स ऑफ असम"। (₹ 5,00,000)

84. संजय पाटिल, मात्स्योदरी शिक्षण संस्था, अंकुश राव टोपे महाविद्यालय, जालना, महाराष्ट्र, "ऑर्गेनिक फार्मिंग–प्रॉब्लेम्स एंड प्रोसपेक्ट्स : अ केस स्टडी ऑफ औरंगाबाद डिस्ट्रिक्ट"। (₹ 3,00,000)

85. संजय सालुंके, बाबासाहेब अंबेडकर मराठवाडा विश्वविद्यालय, औरंगाबाद, महाराष्ट्र, "एजुकेशनल स्टेटस ऑफ गोंड ट्राइब इन महाराष्ट्रा"। (₹ 7,00,000)

86. मनिका कामथान, सिमबॉयसिस इंटरनेशनल, महाराष्ट्र, "लॉ, जेन्डर एंड डिसास्टर्स : अ केस स्टडी इन बुंदेलखंड"। (₹ 5,25,000)

87. छत्रपाल सिंह, आ रजे महाविद्यालय रायपुर अलीगढ़, उत्तर प्रदेश, "एनालिसिस ऑफ सप्लाई चेन ऑफ मेजर फ्रूट्स एंड वेजीटेबल्स एंड पॉसिबिलिटी इन वेल्यू एडीशन ऑफ यू पी"। (₹ 5,00,000)

88. योगनंदन जी, पेरियार विश्वविद्यालय, सलेम, तमिलनाडु, "एन एमपायरिकल स्टडी ऑफ मार्केटिंग चैलेंजेज़ एंड ऑपॉर्च्युनिटीज इन फ्लॉवर फार्मिंग इन सलेम डिस्ट्रिक्ट ऑफ तमिलनाडु, इंडिया"। (₹ 5,00,000)

89. चिदानंद पाटिल, पंजाब केन्द्रीय विश्वविद्यालय, भटिंडा, पंजाब, "परफोरमेंस ऑफ रेग्युलेटेड एपीएमसीज इन हरियाणा अंडर न्यू एग्रीकल्चरल मार्केटिंग रिफॉर्म्स रेजीम"। (₹ 5,00,000)

90. प्रवीण पांडुरंग चव्हान, छत्रपति शाहु व्यापार शिक्षा एवं अनुसंधान संस्थान, कोल्हापुर, महाराष्ट्र, "एसेसमेंट ऑफ द इफेक्टिवनेस एंड इंपेक्ट ऑफ जलयुक्त शिवार अभियान : एन एनालिटिकल स्टडी ऑफ महाराष्ट्रा"। (₹ 5,00,000)

91. गीतिलक्ष्मी मोहपात्रा, बिड़ला विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी संस्थान, पिलानी, राजस्थान, "मैजरिंग द वलनरैबिलिटी ऑफ एग्रीकल्चरल हाउसहोल्ड्स टू क्लाइमेट चेंज इन एरिड एंड सेमी–एरिड रीजन्स ऑफ राजस्थान – अ कैपेसिटी टू अडॉप्ट पर्सपेक्टिव"। (₹ 6,00,000)

92. संदीप कुमार, पंजाब केन्द्रीय विश्वविद्यालय, भटिंडा, पंजाब, "एन इवेल्यूएशन ऑफ इफेक्टिवनेस ऑफ प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना फॉर हरियाणा एंड पंजाब : द वे फॉरवर्ड फॉर डायवर्सीफिकेशन"। (₹ 7,00,000)

93. गिरधारी लाल मीणा, राजस्थान विश्वविद्यालय, जयपुर, राजस्थान, "इंपेक्ट एनालिसिस ऑफ मनरेगा (एमजीएनआरईजीए) ऑन एग्रीकल्चर इन जयपुर डिस्ट्रिक्ट ऑफ राजस्थान"। (₹ 4,21,600)

94. रेसमी आर, श्री शंकरा विद्यपीठम महाविद्यालय, केरल, "अ स्टडी ऑफ आंट्रॉप्रोन्यरशिप एज एन इकोनोमिक फोर्स इन रुरल डेवलेपमेंट"। (₹ 3,50,000)

95. नरेश सिंगला, पंजाब केन्द्रीय विश्वविद्यालय, भटिंडा, पंजाब, "रीस्ट्रक्चरिंग इन एग्री–फूड मार्केट्स इन इंडिया : इंपेक्ट्स ऑन प्राइमरी प्रोड्यूसर्स एंड वर्कर्स"। (₹ 10,00,000)

96. किशोर गोस्वामी, भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, खड़गपुर, पश्चिम बंगाल, "इकोनोमिक वायबिलिटी, वेल्यू चेन एनालिसिस एंड माइक्रो–आंट्रॉप्रेन्यूरियल डेवलेपमेंट फॉर सेलेक्टेड क्रॉप वेरायटीज़ विद मेडीसिनल वेल्यूज़ इन नॉर्थ ईस्ट इंडिया"। (20,00,000)

97. पी रेवथी, एन जी पी कला एवं विज्ञान महाविद्यालय (स्वायत्त), तमिलनाडु, "वाइल्ड लाइफ डैमेज, क्रॉप इंश्योरेंस/कॉम्पनसैशन्स फॉर फार्मर्स इन कोयंबटूर डिवीजन"। (₹ 3,00,000)

98. श्रीनिवास सासधर पोन्नालुरु, विजयनगर श्रीकृष्णदेवराया विश्वविद्यालय, बेल्लारी, कर्नाटक, "क्वान्टीटेटिव एसेसमेंट ऑफ सोश्यो–इकोनोमिक इंपेक्ट्स ऑफ क्लाइमेट चेंज ऑन फार्मर्स"। (₹ 4,00,000)

99. सुनील कुमार सी वी, सार्वजनिक उद्यम संस्थान, तेलंगाना, "अ स्टडी ऑन लीन एग्रीकल्चरल सप्लाई चेन फॉर हाई वेल्यूड प्रॉडक्ट्स"। (₹ 9,00,000)

100. राजेश कुमार अभय, दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली, "एग्रीकल्चरल डेवलेपमेंट, लैंड डीग्रैडेशन एंड रुरल सस्टैनेबिलिटी इन बॉर्डर एरियाज़ ऑफ उत्तर प्रदेश : अ केस स्टडी ऑफ सिद्धार्थनगर डिस्ट्रिक्ट"। (₹ 8,50,000)

101. त्रिभुवन नाथ, राष्ट्रीय खाद्य तकनीक उद्यमिता एवं प्रबंध संस्थान, हरियाणा, "डिज़ाइनिंग आंट्रॉप्रेन्योरियल पॉलिसी फ्रेमवर्क फॉर स्मार्ट इको–सोशल विलेजेज़ डेवलेपमेंट"। (₹ 5,00,000)

102. पीयूष कुमार सिंह, भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, खड़गपुर, पश्चिम बंगाल, "डेवलेपमेंट ऑफ अ डिजीटल प्लैटफॉर्म फॉर एफीशिएंट यूज ऑफ एग्रीकल्चरल रिसोर्सेज़ बाय फार्मर्स"। (₹ 6,00,000)

103. उमा साह, आईसीएआर– भारतीय दलहन अनुसंधान संस्थान, कानपुर 208024, उत्तर प्रदेश, "वेल्यू चेन एनालिसिस ऑफ पल्स क्रॉप्स इन बुंदेलखंड रीजन ऑफ उत्तर प्रदेश स्टेट"। (₹ 10,00,000)

104. रेवथी बी, मनोमण्यम सुंदरानार विश्वविद्यालय, तिरुनेलवेली, तमिलनाडु, "आईसीटी रेवेल्यूशन टू रीवाइटालाईज़ रुरल वूमेन एग्रीकल्चरिस्ट्स इन तमिलनाडु"। (₹ 800,000)

105. सुमंत कुमार, एलाइंस विश्वविद्यालय, कर्नाटक, "फार्मर स्युसाइड इन इंडिया : अ केस स्टडी ऑफ कर्नाटक"। (₹ 4,50,000)

106. रुचिका सिंह, दीन दयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय, गोरखपुर, उत्तर प्रदेश, "नेशनल फूड सिक्योरिटी एक्ट 2013 – एन एप्रैज़ल ऑफ पब्लिक डिस्ट्रीब्यूशन सिस्टम"। (₹ 8,00,000)

107. सेल्वाबासकर एस, सास्त्र मानित विश्वविद्यालय, तमिलनाडु,"'डिजीटल इंडिया' लेड रुरल ट्रांसफोर्मेशन इन तमिलनाडु–द रोल ऑफ डिजीटल लिटरेसी एंड इनक्लूज़न"। (₹ 4,01,000)

108. फोरम दवे, सरदार पटेल अर्थशास्त्रीय एवं सामाजिक अनुसंधान संस्थान, गुजरात, "इफेक्टिवनेस ऑफ सेल्फ हैल्प ग्रुप्स ऑन रुरल एमपॉवरमेंट–द केस स्टडी ऑफ गुजरात एंड मध्य प्रदेश"। (₹ 8,50,000)

109. सुनील कुमार पधी, फकीर मोहन विश्वविद्यालय, बालासोर, उड़ीसा, "इंपेक्ट ऑफ मनरेगा (एमजीएनआरईजीएस) ऑन लाइव्लीहुड ऑफ ट्राइबल लेबर इन मौरभंजा डिस्ट्रिक्ट ऑफ उड़ीसा"। (₹ 6,00,000)

110. प्रकाश के सी, भारतीय रोपण प्रबंध संस्थान, कर्नाटक, "इंपेक्ट ऑफ एग्री–क्लीनिक्स एंड एग्री–बिजनेस सेंटर्स स्कीम इन एग्री–आंट्रॉप्रेन्योरशिप डेवलेपमेंट इन नॉर्थ ईस्टर्न रीजन"। (₹ 4,75,650)

111. रमेश बी, राजागिरी सामाजिक विज्ञान महाविद्यालय, केरल, "स्किल डेवलेपमेंट प्रोग्राम फॉर इंडीपेन्डेंट माइक्रो–आंट्रॉप्रेन्योरियल क्लस्टर्स"। (₹ 20,00,000)

112. विजय अरोरा, अर्थशास्त्र एवं सामाजिक विज्ञान अनुसंधान केन्द्र, तेलंगाना, "इकोनोमिक एंड सोशल कॉस्ट ऑफ गल्फ माइग्रेशन : अ स्टडी ऑफ तेलंगाना एंड आंध्र प्रदेश"। (₹ 15,00,000)

113. अनुजा, जवाहर लाल नेहरु विश्वविद्यालय, दिल्ली, "डज़ रिजर्वेशन एंश्योर एमपॉवरमेंट? वूमेन इनक्लूजन इन पंचायत्स ऑफ बिहार"। (₹ 11,00,000)

114. भास्वती दास, जवाहर लाल नेहरु विश्वविद्यालय, दिल्ली, "डेमोग्राफिक एंड सोश्यो–कल्चरल कॉन्सीक्वेन्सेज़ ऑफ मेल आउट माइग्रेशन फ्रॉम रुरल वेस्ट बंगाल"। (₹ 18,74,250)

115. चंदन कुमार साहू, राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान, राउरकेला, उड़ीसा, "रुरल ट्रांसफोर्मेशन थ्रू कस्टमाइज़्ड ट्रैनिंग, कैपेसिटी बिल्डिंग एंड सस्टैनेबल लाइव्लीहुड : अ स्टडी ऑन ट्राइबल यूथ्स ऑफ उड़ीसा"। (₹ 15,00,000)

116. दारापुरेड्डी सूर्यचंद्रराव, कृष्णा विश्वविद्यालय, मछलीपट्टनम, आंध्र प्रदेश, "सोश्यो–इकोनोमिक इफेक्ट्स ऑफ लैंड पूलिंग स्कीम ऑन एग्रीकल्चरल कम्युनिटी इन आंध्र प्रदेश – विद रेफरेंस टू सेलेक्ट डेवलेपमेंट प्रोजेक्ट्स"। (₹ 12,00,000)

117. देबर्षि मुखर्जी, त्रिपुरा विश्वविद्यालय, अगरतला, त्रिपुरा, "इंपेक्ट ऑफ महात्मा गाँधी नरेगा ऑन डेवलेपमेंट ऑफ रुरल लाइव्लीहुड इन त्रिपुरा"। (₹ 10,00,000)

118. मधुमती पशुपति, राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान, वारांगल, तेलंगाना, "टैक्नोलॉजी बेस्ड स्ट्रैटेजी इंटरवेन्शन टू एनहैंस कम्युनिकेशन स्किल्स ऑफ आर्ट्स एंड साइंस कॉलेज स्टूडेन्ट्स फ्रॉम रुरल तेलंगाना"। (₹ 10,00,000)

119. महन्तेश कुरी, रानी चौन्नमा विश्वविद्यालय, बेलगावी, कर्नाटक, "एनहैंसमेंट ऑफ एम्प्लायबिलिटी स्किल्स ऑफ पोस्ट ग्रेजुएट मैनेजमेंट स्टूडेन्ट्स ऑफ सेलेक्टेड डिस्ट्रिक्ट्स ऑफ नॉर्थ कर्नाटक"। (₹ 10,00,000)

120. मनीष झा, राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान, जमशेदपुर, झारखंड, "अ स्टडी ऑन द रोल ऑफ सोशल कैपीटल इन द इम्प्लीमेंटेशन एंड इफेक्टिवनेस ऑफ नेशनल रुरल लाइव्लीहुड मिशन"। (₹ 7,00,000)

121. मुनीराजू एम मुनियप्पा, तुमकुर विश्वविद्यालय, तुमकुर, कर्नाटक, "कॉम्पीटेन्सी रिक्वायरमेंट्स, ऑपर्च्युनिटीज़ एवैलेबल एंड कॉन्सट्रैन्ट्स फेस्ड बाय द आंट्रॉप्रेन्योर्स ऑफ शैड्यूल्ड कास्ट कम्युनिटीज़ इन रुरल कर्नाटक"। (₹ 5,00,000)

122. परीमला फातिमा परिमला, अलगप्पा विश्वविद्यालय, अलगप्पा नगर, कराईकुडी, तमिलनाडु, "डेवलेपिंग सेल्फ कॉन्फीडेंस ऑफ अंडर ग्रेजुएट मुस्लिम रुरल वूमेन स्टूडेंट्स थ्रू सॉफ्ट–स्किल ट्रैनिंग प्रोग्राम"। (₹ 14,25,450)

123. रुपाश्री बराल, भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, चैन्नई, तमिलनाडु, "अनरैवलिंग द प्रॉब्लम्स एंड सपोर्टिव फैक्टर्स एंड देयर इंपेक्ट ऑन द डेवलेपमेंट ऑफ रुरल वूमेन आंट्रॉप्रेन्योअर्स – अ स्टेट लेवल कंपरेटिव स्टडी"। (₹ 15,17,400)

124. सुजाता खांदई, एसीसीएफ, एमिटी विश्वविद्यालय, उत्तर प्रदेश, "द 'जीआई' टैग इंपरेटिव : टूवर्ड्स सस्टैनेबिलिटी एंड रैजिंग इन्कम लेवल ऑफ वीवर्स"। (₹ 4,00,000)

125. विपिन नेगी, केशव महाविद्यालय, दिल्ली विश्वविद्यालय, "द मैन्यूफैक्चरिंग सेक्टर्स एम्प्लायमेंट : रोल ऑफ फैक्टर एन्डॉवमेंट्स एंड फैक्टर मार्केट इम्परफैक्शन्स"। (₹ 7,00,000)

126. पुष्कर दुबे, पं. सुंदरलाल शर्मा विश्वविद्यालय, बिलासपुर, छत्तीसगढ़, "अ स्टडी ऑन कैरेक्टरस्टिक्स, एटीट्यूड एंड इंटेन्शन ऑफ इंजीनियरिंग अंडरग्रेजुएट्स टूवर्ड्स आंट्रॉप्रेन्योरशिप इन छत्तीसगढ़"। (₹ 4,99,000)

127. मंजीत शर्मा, पंजाब विश्वविद्यालय, चंडीगढ़, पंजाब, "रुरल ट्रांसफोर्मेशन इन पंजाब : चैंजिंग नेचर ऑफ एम्प्लॉयमेंट एंड स्किल डेवलेपमेंट"। (₹ 15,00,000)

128. अब्दुल अजीज एन पी, अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय, अलीगढ़, उत्तर प्रदेश, "डिजीटल एंड फाइनेंशियल लिट्रेसी फॉर रुरल इंडिया : अ स्टडी विद स्पेशल रेफेरेंस टू अलीगढ़ डिस्ट्रिक्ट"। (₹ 5,00,000)

129. एन लथा रविकुमार, वीएलबी जानकीमल कला एवं विज्ञान महाविद्यालय, तमिलनाडु, "चैलेंजेज़ एंड प्रॉसपेक्ट्स ऑफ गारमेंट इंडस्ट्री इन तिरुपुर"। (₹ 4,14,000)

130. ज्योति पांडे, रांची विश्वविद्यालय, झारखंड, "प्राइस स्प्रैड ऑफ सिग्नीफिकेंट नॉन–टिम्बर फॉरेस्ट प्रोड्यूस ऑफ झारखंड– नेमली महुआ, टैमरिंड, लैक एंड चिरोंजी"। (₹ 4,50,000)

131. बाबू रेंगाराज, केरल यात्रा एवं पर्यटन अध्ययन संस्थान, थायकौड, थिरुवनंथपुरम, केरल, "कम्युनिटी स्किल एनहैंसमेंट प्रोग्राम फॉर शैड्यूल्ड कास्ट्स एंड शैड्यूल्ड ट्राइब्ज़ कम्युनिटी मेम्बर्स इन इकोटूरिज्म डेस्टीनेशन्स इन केरला"। (₹ 10,00,000)

132. बीनो जॉय, शासकीय महाविद्यालय, नाट्टकोम, कोट्टायम, केरल, "एम्प्लॉयबिलिटी ऑफ रुरल ग्रेजुएट्स : अ स्टडी ऑन स्किल्स गैप अमांग कॉमर्स ग्रेजुएट्स इन केरला"। (₹ 5,00,000)

133. के पी बालाकृष्णन, एनआईएफटी निटवियर फैशन महाविद्यालय, तमिलनाडु, "एन एमपायरिकल स्टडी ऑन ऑक्यूपेशनल एंड एम्प्लॉयबिलिटी स्किल अप ग्रेजुएशन अंडर प्रधानमंत्री कौशल विकास योजना (पीएमकेवीवाय)"। (₹ 6,00,000)

134. एस जैलप डीन, पीएसजी कला एवं विज्ञान महाविद्यालय, तमिलनाडु, "क्रिएटिंग जॉब ऑपर्च्युनिटीज़ फॉर यूथ थ्रू द प्रमोशन ऑफ टैक्सटाइल एमएसएमई इन कोयंबटूर"। (₹ 3,00,000)

135. के रमेश कुमार, अलगप्पा विश्वविद्यालय, तमिलनाडु, "सोश्यो–इकोनोमिक चैंजेज़ इन रुरल तमिलनाडु : अ स्टडी ऑन डिसपैरीटीज़ इन रुरल नॉन–फार्म एम्प्लॉयमेंट"। (₹ 4,00,000)

136. मीनाकेतन बेहरा, जवाहर लाल नेहरु विश्वविद्यालय, दिल्ली, "लाइव्लीहुड पैटर्न, स्किल लेवल्स एंड पोटेंशियल इन्कम जेनरेटिंग ऑपर्च्युनिटीज़ फॉर ट्राइबल अपलिफटमेंट : अ स्टडी ऑन पीवीटीजीज़ ऑफ उड़ीसा"। (₹ 7,00,000)

137. नारायण बसेर, पं. दीनदयाल पेट्रोलियम विश्वविद्यालय, गाँधी नगर, गुजरात, "मल्टी डायमेंशनल असेसमेंट ऑफ रुरल ट्रांसफोर्मेशन इन सेलेक्टेड डिस्ट्रिक्ट्स ऑफ गुजरात"। (₹ 10,00,000)

138. यवना रानी सुदर्शन, सीएमएस बिजनेस स्कूल, जैन विश्वविद्यालय, बैंगलुरु, "ट्राइबल एजुकेशन एंड टैक्नोलॉजी अडॉप्टेशन इन कर्नाटक एंड तमिलनाडु – एन एम्पीरिकल स्टडी ऑन कम्युनिटी डेवलेपमेंट"। (₹ 6,00,000)

139. इरफाना राशिद, कश्मीर विश्वविद्यालय, श्रीनगर, जम्मू एवं कश्मीर, "रुरल ट्रांसफोर्मेशन थ्रू सस्टैनेबल कम्युनिटी टूरिज्म : चैलेंजज़ एंड ऑपर्च्युनिटीज़"। (₹ 4,00,000)

140. शीला क्रिस्टोफर, होली क्रॉस कॉलेज, तिरुचिरापल्ली, तमिलनाडु, "डेवलपिंग स्किल्स फॉर एम्प्लॉयबिलिटी एंड आंट्रॉप्रेन्योरशिप ऑफ रुरल मदर्स ऑफ चिल्ड्रेन विद स्पेशल नीड्स : एन इंटीग्रेटेड फैमिली सेंटर्ड 'ई' प्रोग्राम"। (₹ 11,00,000)

141. ससीकला, आचार्य स्नातक अध्ययन संस्थान, कर्नाटक, "स्ट्रैटेजिक इन्वेस्टीगेशन एंड इफेक्टिव इम्पलीमेंटेशन ऑन सोश्यो–इकोनोमिक एमपॉवरमेंट ऑफ हैंडलूम–पॉवरलूम वीवर्स इन तिरुवन्नामलाई डिस्ट्रिक्ट, तमिलनाडु"। (₹ 10,00,000)

142. पुष्पा कुमारी, बनारस हिंदू विश्वविद्यालय, बनारस उत्तर प्रदेश, "रोल ऑफ वोकेशनल ट्रैनिंग इन डेवलेपिंग इन्कम जेनरेटिंग स्किल्स एंड सेल्फ रिलायंस अमांग एडोलसेंट गर्ल्स ऑफ वाराणसी स्लम"। (₹ 3,00,000)

143. सी जे सोनोवाल, टाटा सामाजिक विज्ञान संस्थान, महाराष्ट्र, "प्रॉब्लम्स एंड प्रॉसपेक्ट्स ऑफ रुरल ट्रांसफोर्मेशन अमांग द ट्राइब्स ऑफ असम"। (₹ 7,00,000)

144. मोहम्मद नसीम खान, अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय, अलीगढ़, उत्तर प्रदेश, "पार्टिसिपेशन ऑफ वूमेन इन पंचायती राज इंस्टीट्यूशन्स : अ केस स्टडी ऑफ अलीगढ़ डिस्ट्रिक्ट ऑफ उत्तर प्रदेश"। (₹ 6,00,000)

145. परमासिवान चैल्लई, पेरियार ई वी आर महाविद्यालय, तिरुचिरापल्ली, तमिलनाडु, "आंट्रॉप्रेन्योरियल कॉम्पीटेन्स एंड एक्टीविटीज़ एंगेज्ड बाय प्रिजनर्स इन तमिलनाडु–एन इवेल्यूएशन स्टडी"। (₹ 4,00,000)

146. यतीन्द्र सिंह सिसोदिया, मध्य प्रदेश सामाजिक विज्ञान अनुसंधान संस्थान, मध्य प्रदेश, "पंचायती राज इंस्टीट्यूशन्स अंडर पीईएसए (PESA) इन फिफ्थ शैड्यूल्ड एरियाज़ इन टू डिकेड्स : एन एसेसमेंट इन ट्राई"। (₹ 10,00,000)

147. दिगान्ता कुमार दास, लखीमपुर वाणिज्य महाविद्यालय, असम, "द रोल ऑफ नेशनल लाइव्लीहुड मिशन फॉर सोश्यो–इकोनोमिक डेवलेपमेंट ऑफ एससी कम्युनीटीज़ : अ स्टडी विद स्पेशल रेफेरेंस टू लखीमपुर, धेमाजी एंड मजुली डिस्ट्रिक्ट ऑफ असम"। (₹ 6,00,000)

148. अरुण फ्रेड, नेसामोनी मेमोरियल क्रिश्चियन कॉलेज, तमिलनाडु, "अ स्टडी ऑन द इफेक्टिवनेस ऑफ स्किल डेवलेपमेंट ऑन द रुरल ट्रांसफोर्मेशन विद रिस्पेक्ट टू साउथ तमिलनाडु"। (₹ 4,00,000)

149. चित्रा, श्री रामकृष्णा कला एवं विज्ञान महिला महाविद्यालय, तमिलनाडु, "एम्पलॉयबिलिटी स्किल गैप टू मीट इंडस्ट्री 4.0 रिक्वायरमेंट्स : एन एमपायरिकल स्टडी"। (₹ 10,00,000)

150. नौशीन निज़ामी, पं. दीनदयाल उपाध्याय पेट्रोलियम विश्वविद्यालय, गाँधी नगर, गुजरात, "एनालायजिंग इंपेक्ट ऑफ ऑटोमेशन ऑन एम्प्लॉयमेंटः एसेसमेंट एंड पॉलिसी फॉर आईटी–बीपीएम सेक्टर"। (₹ 4,50,000)

151. ज्योथी पोलेपेद्दी, हैदराबाद विश्वविद्यालय, हैदराबाद, तेलंगाना, "लिटरेसी एंड एमपॉवरमेंट इन रुरल वूमेन : अ लोंगीट्यूडनल इवेल्यूएशन ऑफ टारगेटेड लिटरेसी प्रोग्राम्स इन सेलेक्टेड डिस्ट्रिक्ट्स ऑफ साउथ इंडिया"। (₹ 8,00,000)

152. आशा एलिजाबेथ थॉमस, सैंट पॉल्स कॉलेज, कलामस्सरी, केरल, "फैक्टर्स अफेक्टिंग द एजुकेशनल अटैनमेंट्स ऑफ ट्राइबल स्टूडेंट्स ऑफ केरलाः एन इंटर कम्युनिटी स्टडी"। (₹ 5,00,000)

153. अनिर्बान दत्ता, राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान, अगरतला, त्रिपुरा, "स्किल डेवलेपमेंट इन त्रिपुराः एनालिसिस ऑन प्रॉब्लम्स, चैलेंजेज़ एंड ऑपर्च्युनिटीज़"। (₹ 4,50,000)

154. निशा पांडे, मुंबई विश्वविद्यालय, मुंबई, महाराष्ट्र, "स्किल प्रमोशन एंड सस्टैनेबल डेवलेपमेंटः वूमन्स रोल इन रुरल ट्रांसफोर्मेशन"। (₹ 6,00,000)

155. तारक नाथ साहू, विद्यासागर विश्वविद्यालय, मिदनापुर, पश्चिम बंगाल, "इफेक्टिवनेस ऑफ प्रधानमंत्री मुद्रा योजना इन एम्प्लॉयमेंट जेनरेशन एंड लाइव्लीहुड ट्रांसफोर्मेशन ऑफ ट्राइबल वूमेन आंट्रॉप्रेन्योर्स इन वेस्ट बंगाल"। (₹ 5,00,000)

156. पार्वती दलुआ, कमला नेहरु महाविद्यालय, दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली, "जेन्डर, मोबीलिटी एंड इनफॉर्मल आंट्रॉप्रेन्योरशिप इन कंटेपररी हैन्डीक्राफ्ट इंडस्ट्रीज़ : अ कंपेरिटिव स्टडी ऑफ वूमेन आंट्रॉप्रेन्योर्स ऑफ उड़ीसा एंड देहली। (₹ 7,00,000)

157. सत्याप्रिया राउत, हैदराबाद विश्वविद्यालय, हैदराबाद, तेलंगाना, "डीसेन्ट्रलाइज्ड गवर्नेंस थ्रू पीपुल्स प्लानिंगः अ स्टडी ऑफ इम्प्लीमेंटेशन ऑफ ग्राम पंचायत डेवलेपमेंट प्लान"। (₹ 22,00,000)

158. गणेश साहू, मोतीलाल नेहरु राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान, प्रयागराज, उत्तर प्रदेश, "डेवलेपिंग अ मॉडल फॉर इफेक्टिव अडॉप्शन ऑफ सोलर एनर्जी सिस्टम इन इंडिया"। (₹ 12,00,000)

159. अर्चना थुलसीधरन, भारतीय रोपण प्रबंध संस्थान, कर्नाटक, "इफेक्टिव इम्प्लीमेंटेशन ऑफ प्लांटेशन एक्ट 1951 थ्रू जेन्डर इंटेलीजेंट पॉलिसीज : अ स्टडी फ्रॉम द टी प्लांटेशन्स ऑफ असम"। (₹ 4,00,000)

160. प्रशांत कांदरी, हेमवती नंदन बहुगुणा गढ़वाल विश्वविद्यालय, श्रीनगर, गढ़वाल, उत्तराखंड, "फाइनेंशियल इनक्लूज़िवनेस अमांग रुरल हाउसहोल्ड्स एंड इट्स रोल इन अटैनिंग इनक्लूज़िव ग्रोथ इन हिली एरियाज़ ऑफ उत्तराखंड : अ स्टडी ऑफ पौढ़ी, चमौली"। (₹ 3,40,000)

161. मुजम्मिल मुश्ताक, अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय, अलीगढ़, उत्तर प्रदेश, "एम्प्लॉयबिलिटी एंड स्किल्स नीडेड बाय एलआईएस प्रोफेशनल्स इन इंडियाः अ फ्रेमवर्क फॉर डिज़ायनिंग एलआईएस करीकुलम, पेडागोगी एंड स्पेशल ट्रैनिंग कोर्सेज"। (₹ 5,00,000)

162. नीता सिन्हा, पं. दीनदयाल पेट्रोलियम विश्वविद्यालय, गाँधी नगर, गुजरात, "एन एक्सप्लोरेटरी स्टडी ऑन एम्प्लॉयबिलिटी ऑफ ट्रांसजेन्डर्स इन गुजरात"। (₹ 7,50,000)

163. नित्तला मलाटी, दिल्ली उच्च अध्ययन संस्थान, दिल्ली, "स्ट्रक्चरल मॉडल फॉर स्किल डेवलेपमेंट एंड वूमेन एम्पॉवरमेंट थ्रू वोकेशनल एजुकेशन इन नेशनल कैपीटल रीजन, इंडिया"। (₹ 3,00,000)

164. मल्हार कोल्हाटकर, वीएमवी वाणिज्य, जेएमटी कला एवं जेजेपी विज्ञान महाविद्यालय, महाराष्ट्र, "सोश्यो–इकोनोमिक डेवलेपमेंट थ्रू नरेगा (एनआरईजीए) स्कीम फॉर द अपलिफ्टमेंट ऑफ द रुरल एरिया"। (₹ 2,45,000)

165. स्रावनी मड्डाला, कृष्णा विश्वविद्यालय, मच्छलीपट्टनम, आंध्र प्रदेश, "प्रॉब्लम्स एंड प्रॉसपेक्ट्स ऑफ कलमकारी यूनिट्स इन मच्छलीपट्टनम : अ स्टडी विद रेफेरेंस टू

सेलेक्टेड विलेजेज़ प्रैक्टिसिंग कलमकारी आर्ट इन मच्छलीपट्टनम," । (₹ 4,00,000)

166. साक्थिवेल मुरुगन, धनराज बैद जैन महाविद्यालय, तमिलनाडु, "अ स्टडी ऑन सॉफ्ट स्किल ट्रैनिंग एंड इट्स इंपेक्ट ऑन एम्प्लॉयबिलिटी ऑफ कॉलेज स्टूडेंट्स इन कॉरपोरेट सेक्टर इन तमिलनाडु" । (₹ 5,00,000)

167. साहिल राज, पंजाब विश्वविद्यालय, पटियाला, पंजाब, "बिल्डिंग एम्प्लॉयमेंट स्किल्स बाय एनालायजिंग डेस्टीनेशन इमेज ऑफ पंजाब" । (₹ 8,50,000)

168. बिमल किशोर साहू, भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, खड़गपुर, पश्चिम बंगाल, "क्वालिटी ऑफ वर्क इन लेबर मार्केट" । (₹ 12,00,000)

169. सुब्बुराज श्रीवासाराघवन, भारथीदासन विश्वविद्यालय, तिरुचिरापल्ली, तमिलनाडु, "डेवलेपमेंट ऑफ आईसीटी एनेबल्ड स्किल्स फॉर एम्प्लॉयबिलिटी एंड आंट्रॉप्रैन्योरशिप अमांग रुरल वूमेन इन तमिलनाडु बाय एस्टैब्लिशिंग एन इनफोर्मेशन सिस्टम" । (₹ 8,00,000)

170. पद्मावती उनदाले, एमआईटी कला, वाणिज्य एवं विज्ञान महाविद्यालय, महाराष्ट्र, "अ स्टडी ऑफ एम्प्लॉयबिलिटी स्किल्स अमांग रुरल यूथ्स विद स्पेशल रेफरेंस टू पूणे डिस्ट्रिक्ट ऑफ महाराष्ट्र" । (₹ 2,50,000)

171. पी कार्थिकेयन, कोंगू इंजीनियरिंग महाविद्यालय, तमिलनाडु, "एसेसमेंट ऑन एम्प्लॉयबिलिटी स्किल्स ऑफ एससी, एसटी रुरल यूथ इन वेस्टर्न डिस्ट्रिक्ट्स ऑफ तमिलनाडु" । (₹ 12,00,000)

172. मनोज शर्मा, राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान, हमीरपुर, हिमाचल प्रदेश, "ब्रिजिंग द माउंटैनियस डिवाईड थ्रू डिजीटल एस्ट्यूटनेस एंड कैपेसिटी बिल्डिंग ऑफ रुरल वूमेन ऑफ हिमाचल प्रदेश" । (₹ 7,00,000)

173. भारत महादेव यादव, बालासाहेब सावंत कोंकण कृषि विद्यापीठ, (भूतपूर्व में कोंकण कृषि विद्यापीठ) रत्नागिरी, महाराष्ट्र, "रीहैबिलीटेशन ऑफ मरीन फिशर्स थ्रू अल्टरनेटिव लाइव्लीहुड ऑपश्न्स" । (₹ 7,00,000)

174. सेंथिलकुमारन पिरमान्यागम, मनीपाल उच्च शिक्षा अकादमी, कर्नाटक, "एम्प्लॉयिंग पीपुल विद डिसएबिलिटी इनटू हॉस्पिटैलिटी वर्कफोर्स टू मिटीगेट द इश्यूज़ एंड चैलेंजज़ ऑफ एंप्लॉई अट्रीशन" । (₹ 2,00,000)

175. बिनायक चौधुरी, प्लानिंग एंड आर्किटेक्चर स्कूल, भोपाल, मध्य प्रदेश, "स्पैशियो–टेंपोरल एंड सोश्यो–इकोनोमिक रुरल ट्रांसफोर्मेशन इन मध्य प्रदेश : एन इंटर–डिस्ट्रिक्ट इकोनोमेट्रिक एनालिसिस" । (₹ 75,00,000)

176. गिरीबाबू एम, नागालैंड विश्वविद्यालय, नागालैंड, "एन इवेल्यूएशन ऑफ नेशनल रुरल लाइव्लीहुड मिशन ऑन सस्टैनेबल लाइव्लीहुड एंड वूमेन एमपॉवरमेंट इन नागालैंड" । (₹ 3,75,000)

177. कैथरीन निर्मला, सैंट एग्नेस कॉलेज, कर्नाटक, "एन एनालिसिस ऑफ एम्प्लॉयबिलिटी स्किल्स ऑफ पोस्ट ग्रेजुएट स्टूडेंट्स एंड देयर इंपेक्ट ऑन जॉब प्रॉसपेक्ट्स" । (₹ 3,00,000)

178. गणेश चव्हाण, श्रीमति नाथीबाई दामोदर ठाकरेसे महिला विश्वविद्यालय, मुंबई, महाराष्ट्र, "डेवलेपमेंट ऑफ नॉलेज, स्किल्स एंड कॉम्पीटेन्सी अमांग डेयरी फार्म वर्कर्स थ्रू ब्लेंडेड मोड ट्रैनिंग प्रोग्राम एंड इट्स एफीकेसी" । (₹ 7,00,000)

179. इंद्रजीत बैराग्या, सामाजिक एंड आर्थिक परिवर्तन संस्थान, कर्नाटक, "रोल ऑफ स्किल डेवलेपमेंट फॉर प्रोमोशन ऑफ रुरल नॉन–फार्म सेल्फ एम्प्लॉयमेंट इन इंडिया" । (₹ 8,00,000)

180. के एस रजनी, राष्ट्रीय औद्योगिक अभियांत्रिकी संस्थान, महाराष्ट्र, "इंपेक्ट ऑफ स्किल डेवलेपमेंट प्रोग्राम्स ऑन बोरोअर एंड इंस्टीट्यूशनल परफोरमेंस इन इंडियन माइक्रोफाइनेंस इंस्टीटूयूशन्स" । (₹ 4,00,000)

181. पवनंथी वेम्बूलु, मदुरै कामराज विश्वविद्यालय, मदुरै, तमिलनाडु, "डिसास्टर्स रिस्क गवर्नेंस इन इंडियाः अ लॉगिट्यूडनल स्टडी ऑफ नेचुरल डिसास्टर्स इन तमिलनाडु, 2005–2015 " । (₹ 6,77,250)

182. प्रह्लाद कुमार बैरवा, मोतीलाल नेहरु महाविद्यालय, दिल्ली, "ऑपरेशन्स एंड इंप्रैशन्स ऑफ द स्वच्छ भारत मिशन इन राजस्थान एंड बिहारः अ स्टेप टूवर्ड्स सोशल रेवोल्यूशन" । (₹ 8,00,000)

183. मोनिका सिंघानिया, प्रबंध अध्ययन फैकल्टी, दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली, "इकोनोमिक–सोशल–गवर्नेंस डिसक्लोजर्स : कंपैरेटिव सस्टैनेबिलिटी एनालिसिस ऑफ डेवलेप्ड एंड डेवलेपिंग कंट्रीज़" । (₹ 12,00,000)

184. गौड़ा वीरराजू, एजी एंड एसजी सिद्धार्थ कला एवं विज्ञान महाविद्यालय, आंध्र प्रदेश, "अ स्टडी ऑफ एनवायरमेंटल एंड सोश्यो–इकोनोमिक इम्प्लीकेशन्स ऑन द गवर्नेंस ऑफ एक्वाकल्चर" । (₹ 10,00,000)

185. रजनीश कुमार गुप्ता, केन्द्रीय गुजरात विश्वविद्यालय, गाँधीनगर, गुजरात, "माइग्रैंट एंड डायसपोरिक कम्युनिटीज़ इन द एजेंडा ऑफ ग्लोबल गवर्नेंस : ऑपर्च्युनिटीज एंड चैलेंजेज़ फॉर इंडिया"। (₹ 8,00,000)

186. आलोक कुमार मिश्रा, हैदराबाद विश्वविद्यालय, हैदराबाद, तेलंगाना, "अ सिस्टेमेटिक अप्रोच ऑन इंपेक्ट स्टडी एंड पॉलिसी रिफाइनमेंट फॉर आयुष्मान भारत"। (₹ 7,00,000)

187. स्वर्णमयी त्रिपाठी, उत्कल विश्वविद्यालय, भुवनेश्वर, उड़ीसा, हैरीटेज, "डिसास्टर एंड सस्टैनेबल लाइव्लीहुडः एक्सप्लोरिंग इनोवेटिव पॉलिसी ऑप्शन्स"। (₹ 6,00,000)

188. उत्कर्ष गोयल, भारतीय सूचना प्रौद्योगिकी संस्थान, प्रयागराज, उत्तर प्रदेश, "रीयलाईजेशन ऑफ प्रधानमंत्री जन धन योजना ऑब्जेक्टिव्ज टूवर्ड्स फाइनेंशियल इनक्लूजनः अ रिव्यू ऑफ पूर्वांचल यू पी रीजन"। (₹ 4,00,000)

189. पवन कुमार अवधानम, सार्वजनिक उद्यम संस्थान, तेलंगाना, "इंपेक्ट ऑफ कॉरपोरेट गवर्नेंस ऑन द वेल्यू क्रिएशन इन स्टॉक मार्केट्स : अ केस ऑफ सीपीएसई इन इंडिया"। (₹ 3,00,000)

190. मंजूषा पांडे, कलिंगा औद्योगिक प्रौद्योगिकी संस्थान, भुबनेश्वर, उड़ीसा, "इंटरवेंशन ऑफ यूज़ ऑफ टैक्नोलॉजी इन गवर्मेंट स्पांसर्ड आईसीडीएस : अ केस स्टडी ऑफ खोरदा डिस्ट्रिक्ट"। (₹ 4,00,000)

191. एस सुधाकर बाबू, हैदराबाद विश्वविद्यालय, हैदराबाद, तेलंगाना, "ई–गवर्नेंस थ्रू आधारः क्रिएटिंग एन एनाबलिंग इकोसिस्टम"। (₹ 5,00,000)

192. दुर्गेश चंद्र पाठक, बिड़ला विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी संस्थान, पिलानी, हैदराबाद कैम्पस, तेलंगाना, "डज़ फानेंशियल अवेयरनेस लीड टू बैटर फाइनेंशियल इनक्लूज़न आउटकम्स' एन इन्वेस्टीगेशन"। (₹ 4,50,000)

193. राजोर्षि सेनगुप्ता, बिट्स पिलानी, केके बिड़ला गोआ कैम्पस गोआ, "इंपेक्ट ऑफ 'मेक इन इंडिया' एंड न्यू आईपीआर पॉलिसी ऑन इनोवेशन ऑफ एमएनसीज़ एंड इंडियन एमएसएमईज़ इन मेडीकल डिवाईस सेक्टर"। (₹ 6,00,000)

194. सुमोना भट्टाचार्य, बिलासपुर विश्वविद्यालय, छत्तीसगढ़, "इंपेक्ट ऑफ क्रेडा (सीआरईडीए) पॉलिसीज ऑन सोश्यो–इकोनोमिक डेवलपमेंट ऑफ रुरल एंड रिमोट एरियाज़ ऑफ छत्तीसगढ़ स्टेट"। (₹ 4,00,000)

195. विमला ए, भारथीआर विश्वविद्यालय, कोयंबटूर, तमिलनाडु, "इंट्रोडक्शन ऑफ स्मार्ट कार्ड सिस्टम फॉर टैसमैक (टीएएसएमएसी) शॉप्स टू लिमिट एंड कंट्रोल द कंजम्पशन ऑफ एल्कोहल अक्रॉस द स्टेट ऑफ तमिलनाडु"। (₹ 4,00,000)

196. सुधीर एम, जस्टिस के एस हेगड़े प्रबंध संस्थान, कर्नाटक, "इज मेन्डैटरी कॉरपोरेट रिस्पांसीबिलिटी पॉलिसी अ स्क्सेज ? एन इवेल्यूएशन ऑफ इंडियन एक्सपीरिएंस"। (₹ 3,00,000)

197. आरती जायसवाल, प्लानिंग एंड आर्किटेक्चर स्कूल, भोपाल, मध्य प्रदेश, "एनहैंसिंग प्रोवीजन ऑफ रेंटल हाउसिंग थ्रू पब्लिक प्राईवेट पार्टनरशिप फॉर इंडियन सिटीज"। (₹ 7,00,000)

198. राजेंद्र मलिक, गाँधी मेमोरियल राष्ट्रीय महाविद्यालय, हरियाणा, "रोल ऑफ संस्कृत शास्त्राज़ इन गुड गवर्नस"। (₹ 5,00,000)

199. धीरेंद्र मणि शुक्ला, भारतीय प्रबंध संस्थान, उदयपुर, राजस्थान, "इंटर–फर्म, कॉलेबोरेशन नेटवर्क्स : इंप्लीकेशन्स फॉर फर्म इनोवेशन"। (₹ 6,00,000)

200. शालिनी गर्ग, गुरु गोविंद सिंह इंद्रप्रस्थ विश्वविद्यालय, दिल्ली, "असिस्टिव टैक्नोलॉजी, असिस्टिव टैक्नोलॉजी सर्विसेज़ फ्रेमवर्क एंड आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस एप्लीकेशन्स फॉर पीपुल विद डिसैबिलिटीज़ : अ क्रॉस नेशनल स्टडी"। (₹ 12,00,000)

201. फाथिमा जैसीना, फारुख ट्रैनिंग कॉलेज, फारुख कॉलेज (पी.ओ.), केरल, "रीडिफाइनिंग टीन–ब्रैन एपिस्टेमोलॉजी–इंटीग्रेटिंग न्यू डायमेंशन्स ऑफ कॉग्नैटिव सायकोलॉजी एंड रिसर्च आउटपुट्स इंप्लीकेशन फॉर अडॉलसेंट्स डेवलेपमेंट"। (₹ 1,00,000)

202. रचिता गुलाटी, भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, रुड़की, उत्तराखंड, "इंपेक्ट इवेल्यूएशन ऑफ गवर्नेंस कम्पलाइन्स ऑन द परफोर्मेंस एंड स्टेबिलिटी ऑफ इंडियन बैंक्स"। (₹ 8,00,000)

203. ज्ञानरंजन स्वैन, रैवेनशॉ विश्वविद्यालय, कटक, उड़ीसा, "गवर्नेंस एंड मैनेजमेंट ऑफ रिलीजियस टूरिज़्म इन इंडियाः अ कंपेरिटिव स्टडी ऑफ जगन्नाथ टेंपल ऑफ उड़ीसा, तिरुपति टेंपल ऑफ आंध्र प्रदेश, सबरीमाला टेंपल ऑफ केरल एंड वैष्णोदेवी टेंपल ऑफ जम्मू एंड कश्मीर"। (₹ 10,00,000)

204. मनोज वर्मा, मिजोरम विश्वविद्यालय, एजवाल, मिजोरम, "कंटेंट एनालिसिस एंड डिज़ाईन ट्रैंड्स ऑफ वेबसाइट्स ऑफ इंडियन काउंसिल ऑफ सोशल साइंस रिसर्च इंस्टीटच्यूट्स ऑफ इंडियाः एन इवेल्यूएशन"। (₹ 5,00,000)

205. अरविंद कुमार, लेडी श्री राम महिला महाविद्यालय, दिल्ली, "द स्टडी ऑफ कॉरपोरेट सोशल रिस्पांसीबिलिटी प्रैक्टिसेज ऑफ सेलेक्ट कंपनीज़ इन इंडिया : स्पेशल रेफरेंस टू नॉर्थ ईस्टर्न रीजन"। (₹ 10,00,000)

206. वी कविदा, पोंडीचेरी विश्वविद्यालय, पुदुचेरी, पुदुचेरी, "ऑपेन इनोवेशन इन ट्रिप्स (टीआरआईपीएस) कॉम्प्लीमेंट इंटेलेक्चुअल प्रॉपर्टी रिजीम : ऑब्सटैकल्स एंड ऑपर्च्युनिटीज फॉर मैन्युफैक्चरिंग एसएमईज इन इंडिया"। (₹ 8,00,000)

207. ज्योतिष प्रकाश, पश्चिम बंगाल प्रदेश विश्वविद्यालय, पश्चिम बंगाल, "गुड फॉरेस्ट गवर्नेंस, इनक्लूज़िव डेवलेपमेंट एंड फोरेस्ट डिपेन्डेंट कम्युनिटीज़ : अ स्टडी इन साउथ एंड नॉर्थ बंगाल फोरेस्ट डिवीजन्स ऑफ वैस्ट बंगाल"। (₹ 6,00,000)

208. अरिंदम रॉय, बर्दवान विश्वविद्यालय, बर्दवान पश्चिम बंगाल, "क्रिटीकैलिटी ऑफ सोश्यो–कल्चरल फैक्टर्स इन पब्लिक पॉलिसी मेकिंगः अ स्टडी ऑफ रिप्रोडक्टिव हैल्थ इन रुरल वैस्ट बंगाल"। (₹ 6,50,000)

209. ज्ञान रंजन पांडा, राजस्थान केन्द्रीय विश्वविद्यालय, जयपुर, राजस्थान, "लेजिसलेटिव पॉलिसी–मेकिंग ऑन क्लाइमेट जस्टिस इन इंडियाः द स्टडी ऑफ पार्लियामेंटरी बिजनेस, प्रैक्टिसेज़ एंड ओवरसाइट्स थर्टिन्थ लोक सभा"। (₹ 6,00,000)

210. अनुपम दे, राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान, दुर्गापुर, पश्चिम बंगाल, "द सोशल इंपेक्ट ऑफ कॉरपोरेट सोशल रिस्पांसीबिलिटीज ऑफ द मेजर पब्लिक सेक्टर अंडरटेकिंग्स इन इंडिया : अ केस स्टडी ऑफ वैस्ट बंगाल"। (₹ 9,00,000)

211. विक्रम के जोशी, श्री रामदेव बाबा इंजीनियरिंग एवं प्रबंध महाविद्यालय, महाराष्ट्र, "परफोरमेंस इवेल्यूएशन ऑफ प्रधानमंत्री मुद्रा योजना–एन एम्पीरिकल स्टडी ऑफ बेनेफिशियरीज़ ऑफ नागपुर डिस्ट्रिक्ट"। (₹ 5,00,000)

212. राजेश मोदी, सरदार पटेल विश्वविद्यालय, वल्लभ विद्यासागर, गुजरात, "वूमेन एमपॉवरमेंट थ्रू पंचायती राज इंस्टीटच्यूशन्सः अ स्टडी ऑफ रोल एंड रिस्पांसीबिलिटी ऑफ वूमेन हैड्स ऑफ विलेज पंचायत्स इन गुजरात"। (₹ 9,00,000)

213. सुभेन्दु सेखर पधी, शासकीय महाविद्यालय, कोरापुट, उड़ीसा, "वर्किंग ऑफ पेसा (PESA)ः गवर्नेंस गैप्स एंड स्कोप फॉर पॉलिसी इंटरवेंशन"। (₹ 5,00,000)

214. बिमल पुथुवयी, राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान, कालीकट, केरल, "सोश्योटोप मैपिंग एज़ टूल फॉर पॉलिसी फ्रेमवर्क इन एन अर्बन कल्चरल लैंडस्कैप"। (₹ 8,00,000)

215. दीपांजली मिश्रा, केआईआईटी, उड़ीसा, "स्ट्रैन्थनिंग सोसाइटल रोल्स इन डेवलेपिंग एंड इम्पलीमेंटिंग एन इफेक्टिव एल्कोहल पॉलिसी इन इंडिया : अ केस स्टडी"। (₹ 3,50,000)

216. समापिका मोहपात्रा, दक्षिण बिहार केन्द्रीय विश्वविद्यालय, बिहार, "इफेक्ट्स ऑफ शराब बंदी, ऑन वूमेन्स सोश्यो–इकोनोमिक कंडीशन्स इन रुरल बिहार"। (₹ 7,00,000)

217. नारायण चंद्र नायक, भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, खड़गपुर, पश्चिम बंगाल, "इवेल्यूएटिंग इफेक्टिवनेस ऑफ द चैनल्स ऑफ फाइनेंशियल इनक्लूज़नः अ स्टडी ऑफ रुरल ओडिसा"। (₹ 8,00,000)

218. जी एस संध्या नायर, श्री विवेकानंद महाविद्यालय, केरल, "अ स्टडी ऑन द इफेक्ट ऑफ ग्रीन प्रोटोकॉल इनीशिएटिव्ज़ ऑन लो इंपेक्ट टूरिज़्म एंड सस्टैनेबल डेस्टीनेशन मैनेजमेंट"। (₹ 4,50,000)

219. राधिका एस, वीएलबी जानकीमल कला एवं विज्ञान महाविद्यालय, "तमिलनाडु, अवेयरनेस ऑन अटल पेंशन योजना अमांग द एम्प्लाइज़ ऑफ अनऑर्गेनाइज्ड सेक्टर इन कोयंबटूर सिटी"। (₹ 4,00,000)

220. इंद्राणी शर्मा, कॉटन विश्वविद्यालय, "असम, फोरेस्ट्स एंड फोरेस्ट ड्वेलर्स इन असमः सर्चिंग फॉर अ सस्टैनेबल रिलेशनशिप"। (₹ 8,00,000)

221. रेशमा गिल्स, केन्द्रीय समुद्री मत्स्य अनुसंधान संस्थान, केरल, "नॉलेज वेल्यू चेन्स फॉर सस्टैनेबल मरीन फिशरीज़ मैनेजमेंटः अ डायग्नोस्टिक ऐसे इन एन इको–पॉलिटी स्पाइरल सिस्टम ऑफ गवर्नेंस"। (₹ 15,69,750)

222. अनिल सरोदे, मूली जैथ महाविद्यालय, जलगाँव, महाराष्ट्र, "इंपेक्ट एसेसमेंट ऑफ डिजीटल इंडिया इनीशिएटिव फॉर ई–गवर्नेंस, फाइनेंशियल इनक्लूजन एंड डिजीटल

एमपॉवरमेंट ऑफ सिटीजन्स : अ स्टडी ऑफ महाराष्ट्र"। (₹ 8,00,000)

223. मोहम्मद तारिक, अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय, अलीगढ़, उत्तर प्रदेश, "रोल ऑफ प्रधान मंत्री जन धन योजना इन पॉवर्टी एलीवेशन : अ केस स्टडी ऑफ सेलेक्ट डिस्ट्रिक्ट्स"। (₹ 7,00,000)

224. चंद्रैया गोपानी, इलाहाबाद विश्वविद्यालय, इलाहाबाद, उत्तर प्रदेश, "जस्टिस फॉर नोमेडिक कम्युनिटीज़ अमांग शैड्यूल्ड कास्ट्स : अ स्टडी ऑफ नोमेडिक शैड्यूल्ड कास्ट्स एमपॉवरमेंट इन तेलंगाना"। (₹ 10,00,000)

225. सुनीता सिंह, दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली, "द इंपेक्ट ऑफ राष्ट्रीय माध्यमिक शिक्षा अभियान इन सेकंडरी स्कूल्स ऑफ ईस्टर्न उत्तर प्रदेश विद रेफरेंस टू स्पेशल फोकस ग्रुप्स"। (₹ 6,00,000)

226. ज्योति निसवादे, मातृसेवा संघ सामाजिक कार्य सस्थान, महाराष्ट्र, "विडोज़, सोशल सिक्योरिटी, इश्यूज़ ऑफ एनटाइटलमेंट एंड एक्सेसैबिलिटी ऑफ गर्वमेंटल प्रोग्राम्स : अ स्टडी ऑफ विडोज इन रुरल इंडिया"। (₹ 6,00,000)

227. स्मिता सालुंके, अकबर पीरभोए वाणिज्य एवं अर्थशास्त्र महाविद्यालय, मौलाना शौकत अली रोड, मुंबई, महाराष्ट्र, "वर्क एफिशिएंसी मैक्सीमाइजेशन बाय लेडी पोलिस पर्सनल – अ केस स्टडी ऑफ साउथ मुंबई"। (₹ 4,00,000)

228. समीर सरकार, गुवाहाटी विश्वविद्यालय, गुवाहाटी, असम, "अ स्टडी ऑन द इफेक्टिवनेस ऑफ ई–गवर्नेंस इन गवर्मेंट टू सिटीजन सर्विस डेलीवरी मैकेनिज़्म इन असमः स्पेशल रेफरेंस टू ई–डिस्ट्रिक्ट मिशन मोड"। (₹ 3,00,000)

229. कमरुद्दीन शेख, मौलाना आजाद राष्ट्रीय ऊर्दू विश्वविद्यालय, हैदराबाद, तेलंगाना, "इंपेक्ट ऑफ ऑर्गेनाइजेशन क्लाइमेट ऑन ऑक्यूपेशनल स्ट्रैस ऑफ पोलिस पर्सनल इन हैदराबाद सिटी : एन एमपायरिकल स्टडी"। (₹ 3,00,000)

230. चित्रा डी, वीएलबी जानकीमल कला एवं विज्ञान महाविद्यालय, तमिलनाडु, "इंपेक्ट ऑफ 'स्वच्छ स्वस्थ सर्वत्र' ऑन द विलेजर्स इन कोयंबटूर डिस्ट्रिक्ट – अ सर्वे"। (₹ 4,00,000)

231. सीताराम कुम्भार, दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली, "सी–बोर्न डिसास्टर रिस्क रिडक्शन, गवर्नेंस एंड मैनेजमेंट इन ओडिसा : अ कंपेरेटिव स्टडी ऑफ पॉलिसी एंड इनोवेशन"। (₹ 4,00,000)

232. शांथिनी देवी मौनास्वामी, एन जी पी कला एवं विज्ञान स्वायत्त महाविद्यालय, तमिलनाडु, "ई–गवर्नेंस टूवर्ड्स गुड गवर्नेंस – एन एनालिसिस ऑफ सेलेक्टेड विलेज पंचायत ब्लॉक्स इन कोयंबटूर डिस्ट्रिक्ट"। (₹ 4,34,000)

233. बिद्युत बिकाश बैश्य, प्रागज्योतिष महाविद्यालय, असम, "हैल्थ केयर सर्विस डेलीवरीज़ थ्रू ईएसआई स्कीम इन नॉर्थ ईस्ट इंडिया : अ कंपेरेटिव एसेसमेंट"। (₹ 5,00,000)

234. सुनील कुमार अंबराम्मल, राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान, गोवा, गोवा, "हारनेसिंग टैक्नोलॉजिकल इनोवेशन्स फॉर सस्टैनेबल डेवलेपमेंट : द रोल ऑफ इंटेलेक्चुअल प्रॉपर्टी राइट्स"। (₹ 5,00,000)

235. स्कायलैब साहू, मिरांडा हाउस, दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली, "अंडरस्टैंडिंग द इफेक्टिवनेस ऑफ द रोल ऑफ द स्टेट इन टैकलिंग डिक्रीजिंग सेक्स रेशियो : अ स्टडी ऑफ द स्टेट हरियाणा"। (₹ 7,00,000)

236. वकार अमीन, कश्मीर विश्वविद्यालय, श्रीनगर, जम्मू एवं कश्मीर, "अंडरस्टैंडिंग द नीड फॉर फॉर्म्यूलेशन ऑफ अ रीसेटलमैंट एंड रीहैबिलेटैशन पॉलिसी इन जे एंड के"। (₹ 9,00,000)

237. अनुपमा सिहाग, गाँधी मेमोरियल राष्ट्रीय महाविद्यालय, हरियाणा, "सायकोलॉजिकल कोरिलेट्स ऑफ पॉलिटिकल बिहेवियर"। (₹ 4,00,000)

238. राजेंद्र कुमार पांडे, चौधरी चरण सिंह विश्वविद्यालय, मेरठ, उत्तर प्रदेश, "पॉलिटिकल इकोनोमी ऑफ डिसास्टर मैनेजमेंट इन इंडिया : अ स्टडी ऑफ फ्लड मैनेजमेंट इन जोरहाट एंड डिब्रूगढ़ डिस्ट्रिक्ट्स ऑफ असम"। (₹ 8,00,000)

239. स्राबंती चौधरी, नेताजी सुभाष मुक्त विश्वविद्यालय, कोलकाता, पश्चिम बंगाल, "अंडरस्टैंडिंग सोशल एमपॉवरमेंट अमांग द यंग वूमेन इन मालदा डिस्ट्रिक्ट ऑफ बेंगॉल विद स्पेशल रेफरेंस टू बेटी बचाओ एंड बेटी पढ़ाओ प्रोग्राम"। (₹ 3,00,000)

240. राजीव कुमार, जननायक चंद्रशेखर विश्वविद्यालय, बलिया, उत्तर प्रदेश, "इनोवेशन, नॉलेज एंड गवर्नेंस इन पब्लिक पॉलिसी : अ स्टडी ऑफ शैड्यूल्ड ट्राइब्स इन उत्तर प्रदेश"। (₹ 6,00,000)

241. वागेश्वरी देसवाल, दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली, "एग्रेरियन इश्यूज़ एंड प्लाइट ऑफ फार्मर्स"। (₹ 9,00,000)

242. सुरेन्द्र सिंह, आत्मा राम सनातन धर्म महाविद्यालय, दिल्ली, "अ स्टडी ऑफ अर्बन गवर्नेंस अराउंड द वर्ल्ड :

एक्ज़ामिन द ग्राउंड रीयेलिटीज़ एंड सजेशन्स फॉर इफेक्टिव एंड इनोवेटिव पब्लिक पॉलिसी इन इंडिया"। (₹ 6,00,000)

243. सुधीर सिंह, भारतीय विश्वविद्यालय संगठन, दिल्ली, "कॉन्सेप्ट ऑफ कौटिल्याज़ गवर्नेंसः एक्ज़ामिनेशन ऑफ हिंदू पॉलिटीकल थॉट इन कनटेम्परारी कॉन्टेक्स्ट"। (₹ 4,00,000)

244. अंजली टंडन, औद्योगिक विकास अध्ययन संस्थान, दिल्ली, "मैजरिंग द चैंजेज़ इन फैक्टर प्रपोर्शन्स विस–अ–विस फैक्टर एनडॉवमेंट ऑफ द इंडियन इकोनोमी – एन इंटर–टेम्पोरल स्टडी"। (₹ 8,75,000)

245. अन्वेषा आदित्य, भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, खड़गपुर, पश्चिम बंगाल, "इन्फोर्मेशन टैक्नोलॉजी, सर्विस ट्रैड एंड इकोनोमिक ग्रोथ : न्यू एवीडेंसेज़ फ्रॉम द इमर्जिंग इकोनोमीज़"। (₹ 15,00,000)

246. अमलान घोष, राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान, दुर्गापुर, पश्चिम बंगाल, "अंडरस्टैंडिंग द ओल्ड एज़ फाइनेंशियल स्ट्रैस एंड रिटायरमेंट प्लानिंग ऑफ वर्कर्स इन द अनऑर्गेनाइज़्ड सेक्टर इन इंडिया"। (₹ 8,00,000)

247. आशुतोष वशिष्ठ, श्री माता वैष्णो देवी विश्वविद्यालय, जम्मू, जम्मू एवं कश्मीर, "एन एम्पीरिकल स्टडी ऑफ बैंक क्रेडिट रिस्क मैनेजमेंट यूजिंग बिग डेटा एनालिटिक्स"। (₹ 15,00,000)

248. बिच्छल मोतीलाल आनंद, हैदराबाद विश्वविद्यालय, हैदराबाद, तेलंगाना, "मैजरमेंट एंड इवेल्यूएशन ऑफ सेंट्रल बैंक क्रेडीबिलिटी : अ क्रॉस कंट्री स्टडी"। (₹ 4,02,000)

249. आर वारा प्रसाद, गेट्स प्रौद्योगिकी संस्थान, आंध्र प्रदेश, "सेल्फ एम्प्लॉयड वूमेन इन द इनफोर्मल इकोनोमी : स्ट्रीट वेन्डर्स इन आंध्र प्रदेश"। (₹ 8,00,000)

250. उम्मेद सिंह, राजस्थान विश्वविद्यालय, जयपुर, राजस्थान, "अ स्टडी ऑफ रीजनल डायवर्जेंस इन ग्रोथ ऑफ राजस्थान : अ डिस्ट्रिक्ट लेवल एनालिसिस"। (₹ 7,50,000)

251. मोहित गोस्वामी, भारतीय प्रबंध संस्थान रायपुर, छत्तीसगढ़, "एसेससिंग इंडियाज़ लोकस एंड इवोल्विंग पॉलिसी इंटरवेन्शन्स : मेक इन इंडिया एंड इंडस्ट्री 4.0"। (₹ 4,99,000)

252. निगमा के, सास्त्र मानित विश्वविद्यालय, तमिलनाडु, "ईज़ ऑफ डूईंग बिजनेस फॉर एमएसएमईज इन तमिलनाडु – आंट्रॉप्रैन्योरियल अवेयरनेस, एक्जिसटिंग प्रोसेस एंड परसीव्ड गैप इन पॉलिसी फ्रेमिंग एंड इम्प्लीमेंटेशन"। (₹ 4,50,000)

253. ओइंड्रिला दे, अर्थशास्त्र विकास संस्थान, दिल्ली, "इंपेक्ट ऑफ (एआरईजीए) ऑन स्मॉल स्केल इंडस्ट्री एंड इट्स क्लसटर्स"। (₹ 5,00,000)

254. पेथापेरुमल गनपथी अरुल, पोंडीचेरी विश्वविद्यालय, पुदुचेरी, पुदुचेरी, "जीएसटी इफेक्ट्स ऑन इंडियाज़ फॉरेन ट्रैड – एक्सपोर्टर्स, एंड इम्पोर्टर्स पर्सपेक्टिव्ज़ फॉर इफेक्टिव पॉलिसी फॉर्म्यूलेशन"। (₹ 8,50,000)

255. तारिक मसूद, अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय, अलीगढ़, "उत्तर प्रदेश, इंडिया–वैस्ट एशिया ऑयल ट्रैड एंड इट्स इम्प्लीकेशन्स फॉर इंडियन इकोनोमी ड्यूरिंग लिब्रलाइजेशन पीरियड"। (₹ 4,50,000)

256. गौरीशंकर एस हीरेमथ, भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, खड़गपुर, पश्चिम बंगाल, "क्रेडिट कॉन्सट्रैन्ट्स, फॉरेन करेंसी बोरोइंग एंड एक्सपोर्ट ग्रोथ – अ फर्म लेवल एंड मेक्रोइकोनोमिक एनालिसिस"। (₹ 4,99,000)

257. मो. आसिफ खान, अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय, अलीगढ़, उत्तर प्रदेश, "को–इंटीग्रेशन एंड केजुअल लिंकेज बिटवीन स्टॉक प्राइसेज एंड फॉरेन एक्सचेंज रेट : एन एम्पीरिकल एनालिसिस ऑफ इंडिया"। (₹ 10,00,000)

258. प्रवीण पॉल जे, मेपको शैलेंक इंजीनियरिंग महाविद्यालय, तमिलनाडु, "अ स्ट्रैटेजिक मॉडल क्रिएशन फॉर सस्टैनेबल फाइनेंशियल इनक्लूजन थ्रू इनफ्लूएंसर्स फॉर अंडर प्रीवीलेज्ड सेक्शन्स ऑफ द सोसायटी"। (₹ 8,40,000)

259. मिनी थॉमस पी, बिड़ला विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी संस्थान, पिलानी, हैदराबाद कैम्पस, तेलंगाना, "फाइनेंशियल इनक्लूजन थ्रू अर्बन को–ऑपरेटिव बैंक्स : एन एक्सप्लोरेटरी स्टडी ऑफ तेलंगाना स्टेट"। (₹ 5,60,000)

260. हरी नागराजन, भारतीय प्रबंध संस्थान, अहमदाबाद गुजरात, "फाइनेंशियल इनक्लूज़न एंड इकोनोमिक डेवलपमेंट : डू इंस्टीट्यूशन्स मैटर?" (₹ 30,00,000)

261. रोली मिश्रा, लखनऊ विश्वविद्यालय, लखनऊ, उत्तर प्रदेश, "अंडरस्टैंडिंग बैकवर्डनेस ऑफ ईस्टर्न उत्तर प्रदेश एंड रोल ऑफ ओडीओपी स्कीम : अ स्टडी ऑफ एसपीरेशनल डिस्ट्रिक्ट्स"। (₹ 13,00,000)

262. श्रीकृष्ण महाजन, शिवाजी विश्वविद्यालय, कोल्हापुर, महाराष्ट्र, "एन इवेल्यूएशन ऑफ प्रधानमंत्री जन धन योजना एंड रोडमैप अहैड"। (₹ 8,50,000)

263. ऊषा नोरी, सार्वजनिक उद्यम संस्थान, तेलंगाना, "एक्सपोर्ट कॉम्पीटैटिवनेस ऑफ इंडियन एसएमईज एंड द राईज ऑफ ग्लोबल वेल्यू चेन्स : अ स्टडी ऑफ मैन्यूफैक्चरिंग एंड आईटी सेक्टर्स"। (₹ 7,50,000)

264. जीवन ज्योति, जम्मू विश्वविद्यालय, जम्मू तवी, जम्मू एवं कश्मीर, "रीविजिटिंग वूमेन आंट्रॉप्रैन्योरशिप फॉर इनक्लूजिव ग्रोथ : अ स्टडी ऑफ जम्मू एंड कश्मीर स्टेट"। (₹ 8,50,000)

265. रुद्र पी प्रधान, भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, खड़गपुर, पश्चिम बंगाल, "रोल ऑफ मोबाइल टेलीफोनी एज़ अ टूल टू एनहैंस फाइनेंशियल इनक्लूज़न एंड इकोनोमिक ग्रोथ : द स्टडी ऑफ इंडियन स्टेट्स"। (₹ 5,00,000)

266. रुहीला हसन, इस्लामिक विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, पुलवामा, जम्मू एवं कश्मीर, "चैलेंजेज़ एंड प्रॉसपेक्ट्स ऑफ हैंडीक्राफ्ट इंडस्ट्री इन कश्मीर"। (₹ 8,50,000)

267. समरेश बर्धन, भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, रोपड़, पंजाब, "ग्रोथ एंड कनवरजेंस इन इंडियन स्टेट्स : इम्प्लीकेशन्स फॉर क्रेडिट स्पिल–ओवर्स एंड सोशल बैंकिंग"। (₹ 8,00,000)

268. सुब्रमण्यम टी, एआईएमएस, उच्च शिक्षा संस्थान, कर्नाटक, "द इंपेक्ट ऑफ एनपीएज ऑन द परफोरमेंस एंड एफीशिएंसी ऑफ इंडियन कमर्शियल बैंक्स – अ क्वान्टीटैटिव अप्रोच"। (₹ 1,44,500)

269. गोपालसामी सेल्वादुरई, अलगप्पा विश्वविद्यालय, अलगप्पा नगर, कराईकुडी, तमिलनाडु, "इंडियाज़ ट्रैड परफोरमेंस विद ब्रिक्स (बीआरआईसीएस) कंट्रीज़ इन टैक्सटाइल्स"। (₹ 2,50,000)

270. सुरेश के पी, कर्नाटक प्रदेश महिला विश्वविद्यालय, बीजापुर, कर्नाटक, "सोश्यो–इकोनोमिक कंडीशन्स ऑफ वूमेन इंडस्ट्रीयल वर्कर्स इन नॉर्थ कर्नाटका"। (₹ 10,00,000)

271. प्रवाकर साहू, आर्थिक विकास संस्थान, दिल्ली, दिल्ली, "व्हाट लेड टू द स्लोडाउन एंड हाउ टू एक्सीलरेट इन्वेस्टमेंट इन इंडिया? (₹ 8,00,000)

272. बिभूति रंजन मिश्रा, विश्वेश्वरैया राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान, नागपुर, महाराष्ट्र, "एस्टीमेशन ऑफ फिस्कल मल्टीप्लायर्स फॉर इंडिया"। (₹ 3,50,000)

273. हेमलता मंगलानी, राजस्थान केन्द्रीय विश्वविद्यालय, जयपुर, राजस्थान, "एमपॉवरिंग ट्राइबल वूमेन थ्रू माइक्रोफाइनेंस : एन इंपेक्ट स्टडी ऑफ सेल्फ–हैल्प ग्रुप्स बेस्ड इंटरवेंशन्स इन सदर्न रीजन ऑफ राजस्थान"। (₹ 7,00,000)

274. रिपुदमन सिंह, "रीविजिटिंग रीजनल डिसपैरिटीज़ इन पोस्ट रिफॉर्म्स पीरियड : डिस्ट्रिक्ट लेवल एनालिसिस ऑफ इंडिया बाय 2020"। (₹ 5,00,000)

275. सुदीप्ता सरकार, कल्याणी विश्वविद्यालय, कल्याणी, पश्चिम बंगाल, "एन एसेसमेंट ऑफ स्टेटस ऑफ फाइनेंशियल इनक्लूजन अमांग ट्राइबल हाउसहोल्ड्स इन सेलेक्टेड बैकवर्ड डिस्ट्रिक्ट्स ऑफ वैस्ट बैंगॉल एंड ओडिसा"। (₹ 6,00,000)

276. देबोत्पल गोस्वामी, दक्षिण कामरुप महाविद्यालय, असम, "अ स्टडी ऑफ सब–रीजनल कनेक्टीविटी, ट्रैड एंड ग्रोथ प्रॉसपेक्ट्स फॉर नॉर्थ इंडिया (अंडर द लुक ईस्ट पॉलिसी)"। (₹ 6,50,000)

277. संतोष कुमार दास, औद्योगिक विकास अध्ययन संस्थान, दिल्ली, "परफोरमेंस ऑफ इंडियाज़ बैंकिंग सेक्टरः अ क्रिटिकल फोकस ऑन नॉन–परफोरमिंग एडवान्सेज़"। (₹ 10,75,000)

278. मालिनी तांत्री, सामाजिक एवं आर्थिक परिवर्तन संस्थान, कर्नाटक, "डूइंग बिजनेस एंड ट्रैड फैसीलिटेशन : अ स्टडी ऑफ सेलेक्टेड एग्रीकल्चरल एक्सपोर्ट जोन्स इन इंडिया"। (₹ 5,00,000)

279. राघवेंदर राजू, श्री सत्य साईं उच्च शिक्षा संस्थान, आंध्र प्रदेश, "अ स्ट्रक्चरल मॉडल ऑफ द करंट अकाउंट ऑफ इंडियाज़ बैलेंस ऑफ पेमेंट्स अंडर द न्यू इकोनोमिक पॉलिसी रिजीम"। (₹ 3,00,000)

280. रुचि शर्मा, जी जी डी एस डी महाविद्यालय, चंडीगढ़, "डेवलपमेंट ऑफ कमर्शियल बैंक्स इन इंडिया : अ स्टडी ऑफ इंटर–स्टेट डिसपैरिटी"। (₹ 5,00,000)

281. मिथन जगदीश शर्मा, डिब्रूगढ़ विश्वविद्यालय, डिब्रूगढ़, असम, "इवेल्यूएशन एंड बैंचमार्किंग ऑफ स्टैटिसटिकल एंड आर्टिफिशियल न्यूरल नेटवर्क मॉडल्स इन प्रिडिक्टिंग प्रौबेबिलिटी ऑफ डिफॉल्ट ऑन लोन पोर्टफोलियोज़ ऑफ पब्लिक"। (₹ 10,00,000)

282. चंद्रिमा चक्रबोर्ती, विद्यासागर विश्वविद्यालय, मिदनापुर, पश्चिम बंगाल, "एनालिसिस ऑफ एफीशिएंसी एंड टोटल फैक्टर प्रॉडक्टीविटी ग्रोथ ऑफ इंडियन फार्मास्युटीकल इंडस्ट्री विद स्पेशल रेफेरेंस टू वैस्ट बंगाल"। (₹ 3,00,000)

283. बिस्वजीत प्रसाद छाटोई, खल्लीकोट विश्वविद्यालय, बेहरामपुर, उड़ीसा, "एन इंपेक्ट एसेसमेंट ऑफ फाइनेंशियल लिटरेसी ऑन फाइनेंशियल इनक्लूजन : स्पेशल रेफरेंस टू खुर्दा एंड गंजम डिस्ट्रिक्ट्स ऑफ ओडिसा"। (₹ 7,50,000)

284. प्रीति शर्मा, महर्षि दयानंद विश्वविद्यालय, रोहतक, हरियाणा, "इंटेलेक्चुअल कैपीटल – अ लिंचपिन फॉर सस्टैनेबल ग्रोथ ऑफ इंडियन स्माल एंड मीडियम एन्टरप्राईजेज़"। (₹ 8,00,000)

285. कृष्णा प्रसन्ना, भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, चैन्नई, तमिलनाडु, "नॉन–परफोर्मिंग एसेट्स : लिंकेजेज़ विद फर्म लेवल क्रेडिट क्वालिटी एंड फाइनेंशियल फ्रैजिलीटी"। (₹ 8,50,000)

286. अशोक सार, केआईआईटी, उड़ीसा, "इंपेक्ट ऑफ डायनेमिक कैपेबिलिटी ऑन स्क्सेज ऑफ आंट्रॅप्रेन्योरर्स : अ स्टडी ऑफ स्माल एंड मीडियम मैन्यूफैक्चर्स इन ओडिसा"। (₹ 7,50,000)

287. अरुण कुमार गिरी, बिड़ला विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी संस्थान, पिलानी राजस्थान, "लिंकिंग एनर्जी पॉवर्टी विद ह्यूमन डेवलेपमेंट : ए केस स्टडी ऑफ टू डिस्ट्रिक्ट्स ऑफ राजस्थान"। (₹ 7,50,000)

288. सुजीत मेत्रे, अंबेडकर प्रबंध अध्ययन एवं अनुसंधान संस्थान, महाराष्ट्र, "इवेल्यूएटिंग पॉलिसी डिलेमा फॉर फाइनेंशियल एजुकेशन, फाइनेंशियल इनक्लूज़न एंड फाइनेंशियल वेल–बीईंग विद रेफरेंस टू अडॉप्टेड विलेजज इन नागपुर डिवीजन"। (₹ 2,25,000)

289. रुही मित्तल, रुकमणी, देवी उच्च शिक्षा संस्थान, दिल्ली, "डिजीटाइजेशन एनैबलिंग देहली एमएसएमईज टू स्केल अप फॉर इनक्लूजिव ग्रोथ"। (₹ 6,00,000)

290. नाजिया सुल्ताना, विश्वविद्यालय महिला महाविद्यालय, उस्मानिया विश्वविद्यालय, हैदराबाद, तेलंगाना, "इंपेक्ट एसेसमेंट ऑफ सर्विस क्वालिटी फॉर बिजनेस इनक्यूबेशन विद मीडिएटिंग इफेक्ट ऑफ गवर्मेंट पॉलिसीज इन इंडिया"। (₹ 4,00,000)

291. शीना सुरेश, राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान, कर्नाटक, कर्नाटक, "ब्रैंड इंडियाः द फ्यूचरिस्टिक मेडीकल टूरिज़्म हब – अ मेक इन इंडिया इनीशिएटिव"। (₹ 8,00,000)

292. आरथी जयराज, अविनाशीलिंगम महिला उच्च शिक्षा एवं गृह विज्ञान संस्थान, तमिलनाडु, "इंस्टीट्यूटिंग वूमेन स्टार्टअप्स प्रमोटिंग इनक्यूबेटर्स इन एकेडिमिक इंस्टीट्यूशन थ्रू लेवरेजिंग सीएसआर कॉन्ट्रीब्यूशन इन सेलेक्टेड डिस्ट्रिक्ट्स अराउंड कोयंबटूर"। (₹ 8,00,000)

293. वेणुगोपालन टी, दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली, "सस्टैनेबल टूरिज़्म डेवलेपमेंट इन इंडिया – अ केस स्टडी ऑफ उत्तर प्रदेश हैरीटेज टूरिज़्म"। (₹ 7,00,000)

294. विद्या सी टी, आर्थिक एवं सामाजिक अध्ययन केन्द्र, तेलंगाना, "ग्लोबल वेल्यू चेन्स इन द एपैरल सेक्टर इन इंडिया : इन–डेप्थ स्टडी ऑफ सर्विसेज–मैन्यूफैक्चरिंग लिंकेज, एम्प्लॉयमेंट एंड ट्रैड बैरियर्स"। (₹ 12,00,000)

295. नरेन्द्र कुमार बिश्नोई, गुरु जंबेश्वर विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, हिसार, हरियाणा, "इकोनोमिक इंपेक्ट ऑफ हाईवे प्रोजेक्टस इन इंडिया"। (₹ 10,00,000)

296. माधव गोविंद, जवाहर लाल नेहरु विश्वविद्यालय, दिल्ली, "वेस्ट डिस्पोज़ल बिहेवियर ऑफ पीपुल एंड रीसायक्लिंग ऑफ अर्बन सॉलिड वेस्ट इन इंडिया : एक्सप्लोरिंग द पॉलिसी इम्प्लीकेशन्स फॉर हैल्थ एंड एनवायरमेंट"। (₹ 15,00,000)

297. रेखा पांडे, हैदराबाद विश्वविद्यालय, हैदराबाद, तेलंगाना, वूमेन, "एजिंग एंड हैल्थ – अ फ्रेमवर्क फॉर एक्शन एंड पॉलिसी फार्म्यूलेशन्स"। (₹ 14,17,500)

298. मृदुला शर्मा, मेरठ महाविद्यालय, मेरठ, उत्तर प्रदेश, "क्वालिटी ऑफ लाइफ इंडेक्स इन यंग चिल्ड्रेन लिविंग इन गंगा बेसिन : अ प्रॉसपेक्टिव ऑब्जर्वेशनल स्टडी"। (₹ 10,00,000)

299. आर रमा प्रभा, पीएसजी कला एवं विज्ञान महाविद्यालय, तमिलनाडु, "नॉन–क्लीनिकल फैक्टर्स ऑफ हिस्ट्रैक्टोमी अमांग बदुगा वूमेन इन नीलगिरी डिस्ट्रिक्ट, तमिलनाडु"। (₹ 10,00,000)

300. निशांत सक्सेना, भारतीय चिकित्सा अनुसंधान काउंसिल – राष्ट्रीय जनजातीय स्वास्थ्य अनुसंधान संस्थान, जबलपुर, मध्य प्रदेश, "रीवाइटलाइजिंग एथनो–मेडीसिन अमांग बैगा ऑफ एम पी – एन एक्सप्लोरेटरी रिसर्च"। (₹ 10,00,000)

301. तनमोय साहा, कल्याणी विश्वविद्यालय, कल्याणी, पश्चिम बंगाल, "इंपेक्ट ऑफ प्रैक्टीसिंग इंडीजीनियस गेम ऑन हैल्थ एंड वैलनेस ऑफ स्कूल चिल्ड्रैन"। (₹ 4,99,000)

302. कंवलजीत कौर, श्री गुरु गोबिंद सिंह महाविद्यालय, चंडीगढ़, "इवेल्यूएशन ऑफ हैल्थकेयर इंफ्रास्ट्रक्चरल फैसीलिटिज़ फॉर कैंसर पैशेन्ट्स ऑफ कॉटन बेल्ट ऑफ पंजाब"। (₹ 8,00,000)

303. अभीजीत दीगलवार, बिड़ला विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी संस्थान, पिलानी, राजस्थान, "एम्पीरिकल इन्वेस्टीगेशन एंड एनालिसिस ऑफ फैक्टर्स फॉर सस्टैनेबल ग्रोथ ऑफ इलेक्ट्रिक वेहीकल्स मैन्यूफैक्चरिंग इन इंडिया"। (₹ 14,00,000)

304. मोहम्मद तुफैल, शायकीय डिग्री महाविद्यालय, राजौरी, जम्मू एंड कश्मीर, "इंपेक्ट ऑफ क्लाइमेटिक चेंज ऑन द ट्रांसह्यूमैनेक इकोनोमी ऑफ द गुज्जर एंड बकरवाल ट्राइब्स एंड फ्यूचर कोपिंग स्ट्रैटेजीज़ : अ केस स्टडी ऑफ जम्मू एंड कश्मीर"। (₹ 10,00,000)

305. अनिंद्य मिश्रा, भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, रुड़की, उत्तराखंड, "इंपेक्ट ऑफ सोशल एनवायरमेंट ऑन लाइफ स्टायल डिजीजेज़ अमांग वूमेन : अ स्टडी ऑफ उत्तराखंड"। (₹ 9,00,000)

306. आशीष बाल्दी, महाराजा रंजीत सिंह प्रौद्योगिकी प्रदेश विश्वविद्यालय, पंजाब, "आइडेन्टीफिकेशन ऑफ स्क्रीनिंग बैरियर्स फॉर एसेसमेंट ऑफ ब्रेस्ट कैंसर इन मालवा रीजन ऑफ पंजाब"। (₹ 10,00,000)

307. जयंतीलाल दामोर, हेमचंद्र आचार्य उत्तरी गुजरात विश्वविद्यालय, पाटन, गुजरात, "एसेसिंग द हैल्थकेयर सीकिंग बिहेवियर ऑफ वूमेन : अ स्टडी ऑफ ट्राइबल मैलन्यूट्रीशन एट गुजरात"। (₹ 9,00,000)

308. पेरियासामी सैमी, क्रिस्टु जयंती महाविद्यालय, कर्नाटक, "एस्टीमेटिंग इकोनोमिक वेल्यू ऑफ एनवायरमेंटल डीग्रैडेशन थ्रू रिवील्ड प्रेफरेंस मेथड : अ केस स्टडी ऑफ सागो इंडस्ट्रियल पॉल्यूशन इन तमिलनाडु"। (₹ 6,00,000)

309. आर्कोपाल गोस्वामी, भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, खड़गपुर, पश्चिम बंगाल, "एसेसमेंट ऑफ एमीशन्स फ्रॉम थर्मल पॉवर प्लांट्स ड्यू टू एनर्जी डिमांड फ्रॉम इलेक्ट्रिक वेहीकल्स : पॉलिसी रिकमन्डेशन्स फॉर रिन्यूएबल एनर्जी इंटीग्रेशन"। (₹ 9,00,000)

310. अशोक कुमार कैथल, लखनऊ विश्वविद्यालय, लखनऊ, उत्तर प्रदेश, "एन एनालिसिस ऑफ स्वच्छ भारत अभियान विद स्पेशल रेफरेंस टू द लखनऊ डिस्ट्रिक्ट ऑफ उत्तर प्रदेश"। (₹ 4,00,000)

311. गौरी मोडवाल, नई दिल्ली प्रबंध संस्थान, दिल्ली, "क्लीन इंडिया इनीशिएटिव : नीड, प्रौसेज एंड प्रॉसपेक्ट्स फॉर अर्बन क्लीनलीनेस"। (₹ 10,00,000)

312. के गंगाधरन, कन्नूर विश्वविद्यालय, कन्नूर, केरल, "मोरबीडिटी पैटर्न, हैल्थ सिक्योरिटी एंड हैल्थ सर्विस यूटिलाइजेशन ऑफ एल्डरली ट्राइबल पॉप्यूलेशन इन केरल : एक्सप्लोरिंग स्ट्रैटेजी फॉर इनक्लूजिव हैल्थकेयर"। (₹ 9,00,000)

313. नारायण सुबैया हरी मूर्थी, इंदिरा गाँधी राष्ट्रीय जनजातीय विश्वविद्यालय, अमरकंटक, मध्य प्रदेश, "प्रिवेलैंस ऑफ नेगलेक्टेड ट्रॉपीकल डिजीजेज़ ऑन द हैल्थ एंड हायजीन ऑफ ट्राइब्स इन अमरकंटक रीजन"। (₹ 5,00,000)

314. ऋतु लेहल, पंजाबी विश्वविद्यालय, पटियाला, पंजाब, "एनहैंसिंग रीप्रॉडक्टिव हैल्थ ऑफ रुरल वूमेन थ्रू अवेयरनेस प्रोग्राम्स"। (₹ 10,00,000)

315. तुलिका त्रिपाठी, गुजरात केन्द्रीय विश्वविद्यालय, गाँधीनगर, गुजरात, "होम एंड कम्युनिटी बेस्ड लाँग टर्म केयर फॉर एल्डरली एंड फैमिली केयरगिवर्स इन इंडिया"। (₹ 10,00,000)

316. विथ्या वी, तमिलनाडु केन्द्रीय विश्वविद्यालय, तिरुवरुर, तमिलनाडु, "द इंपेक्ट ऑफ नेचुरल डिसास्टर ऑन द मेंटल हैल्थ ऑफ रेस्क्यू वर्कर्स"। (₹ 4,29,975)

317. मोहन दास, विजयनगर श्री कृष्णदेवराय विश्वविद्यालय, बेल्लारी, कर्नाटक, "ऑपेन डिफेकेशन प्रैकिटसेज़ अमांग द हाउसहोल्ड्स ऑफ अर्बन एंड रुरल स्लम्स ऑफ हैदराबाद कर्नाटक रीजन : अ क्रॉस–सेक्शनल स्टडी एंड पॉलिसी इम्प्लीकेशन्स"। (₹ 5,00,000)

318. दसन अमुथा, सैंट मैरी महाविद्यालय, तमिलनाडु, "पब्लिक टॉयलेट मैनेजमेंट इन थूथ्थुकुडी कॉरपोरेशन"। (₹ 4,20,000)

319. सोबिन जॉर्ज, सामाजिक एवं आर्थिक परिवर्तन संस्थान, कर्नाटक, "इन्फोर्म्ड चॉयसेज़ एंड एफोर्डेबिलिटी : लिंकेजेज़ ऑफ डॉक्टर–पेशेंट इंटरेक्शन, प्रिसक्रिप्शन प्रैक्टिस एंड मेडीकल एक्सपैंडीचर इन कैंसर केयर इन कर्नाटक"। (₹ 8,00,000)

320. निखिल रंजन मंडल, प्लानिंग एंड आर्किटेक्चर विद्यालय, भोपाल, मध्य प्रदेश, "रीविजिटिंग द फ्रैमवर्क्स फॉर परफोरमेंस एसेसमेंट ऑफ सर्विस डिलेवरी फॉर अर्बन सैनीटेशन इन इंडिया"। (₹ 10,00,000)

321. श्रीमथी एस माय्या, मनीपाल उच्च शिक्षा अकादमी, कर्नाटक, "एकेडेमिक स्ट्रैस, डिप्रेशन एंड एंक्जायटी अमांग ग्रेड 11 एंड 12 लर्नर्स ऑफ कोस्टल कर्नाटका : अ क्रॉस–सेक्शनल स्टडी"। (₹ 10,00,000)

322. सिद्धार्थ सरकार, अखिल भारतीय चिकित्सा विज्ञान संस्थान (एम्स), दिल्ली, "बैरियर्स एंड फैसीलिटैटर्स ऑफ एडीक्शन ट्रीटमेंट : अ क्वालिटैटिव स्टडी"। (₹ 4,00,000)

323. बिंदिया एम वर्घीज, राजागिरी सामाजिक विज्ञान महाविद्यालय, केरल, "इंटीग्रेटिंग सोशल एंड हैल्थ केयर फॉर इंप्रूव्ड मैनेजमेंट ऑफ क्रौनिक फिजीकल एंड सायकोलॉजीकल हैल्थ कंडीशन्स इन इंडिया : टेस्टिंग अ टैक्नोलॉजी इनफ्यूज्ड हैल्थ इंटरवेंशन स्ट्रैटेजी"। (₹ 15,00,000)

324. एस सीथालक्ष्मी, ए सुब्बुरेड्डी, गाँधीग्राम "ग्रामीण स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण संस्थान ट्रस्ट, तमिलनाडु, एक्सेस टू स्किल ट्रैनिंग एंड इट्स इंपेक्ट ऑन मेन्सट्रुअल हायजीन मैनेजमेंट"। (₹ 10,00,000)

325. संघामित्रा अल्लकुराज, भारथीआर विश्वविद्यालय, कोयंबटूर, तमिलनाडु, "एम्प्लॉयमेंट स्टेटस, हैल्थ सीकिंग बिहेवियर एंड हैल्थ केयर कॉस्ट ऑफ ट्रांसजेंडर कम्युनिटी इन कोयंबटूर सिटी, तमिलनाडु"। (₹ 8,00,000)

326. लक्ष्मी कुमारी चिंतालापुदी, सार्वजनिक उद्यम संस्थान, तेलंगाना, "अ स्टडी ऑन सोश्यो–इकोनोमिक फैक्टर्स इन्फ्लूएंसिंग सस्टैनेबिलिटी ऑफ ऑपेन डिफेकेशन फ्री विलेजेज़ इन इंडिया"। (₹ 11,00,000)

327. प्रकाश एस, श्री कालीश्वरी महाविद्यालय, तमिलनाडु, "इवेल्यूएशन ऑफ इको–फ्रेंडली एंटीफाउलिंग मेटाबोलाइट्स फ्रॉम एंडोफायटिक एक्टीनॉमेसीट्स एसोसिएटेड विद सीवीड एंड सीग्रास स्पीशीज़"। (₹ 7,00,000)

328. सायमा फरहाद, कश्मीर विश्वविद्यालय, श्रीनगर, जम्मू एवं कश्मीर, "हैल्थ केयर फॉर एल्डरली पॉप्यूलेशन इन जम्मू एंड कश्मीरः ईश्यूज़, एक्सेसेबिलिटी एंड अफोर्डैबिलिटी"। (₹ 12,00,000)

329. अरुल राज, राजाह सरफोजी शासकीय महाविद्यालय, थंजावुर, तमिलनाडु, "स्वच्छ भारत मिशन मीडिएटिंग इफेक्ट्स ऑन रिड्यूसिंग रुरल हैल्थ प्रॉब्लम्स इन तमिलनाडु"। (₹ 8,00,000)

330. एम प्रभु, राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान, कालीकट, केरल, "इनीशिएटिव्ज़ टू रिजॉल्व सोश्यो–इकोनोमिक ईश्यूज़ ऑफ द मार्जिनलाइज्ड ट्रांसजेन्डर कम्युनिटी थ्रू फजी कॉगनीटिव मैप (एफसीएम) अप्रोच इन एंड अराउंड कोझिकोड"। (₹ 10,00,000)

331. कल्याणी सुंदर कुमार, मद्रास क्रिश्चियन महाविद्यालय, तमिलनाडु, "अ मिक्स्ड मैथेडोलॉजी स्टडी ऑन ऑपेन एयर डिफेकेशन : टू एस्टीमेट द हैल्थ इफेक्ट्स अमांग वूमेन रिसाइडिंग इन रुरल एरियाज़ ऑफ कांचीपुरम डिस्ट्रिक्ट, तमिलनाडु"। (₹ 10,00,000)

332. प्रवेश तमांग, प्रेसीडेंसी विश्वविद्यालय, पश्चिम बंगाल, "इकोनोमिक वेल्यूएशन एंड बेनेफिट्स ट्रांसफर ऑफ रिस्टोरिंग द तीस्ता रिवराइन इकोसिस्टम"। (₹ 6,99,850)

333. विनय वी पानीकर, राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान, कालीकट, केरल, "एसेसमेंट ऑफ ऑक्यूपेशनल हैजार्ड्स फॉर वर्कर वेल–बीइंग अंडर क्लीन इंडिया इनीशिएटिव"। (₹ 7,35,000)

334. मानस रंजन बेहरा, कलिंगा औद्योगिक प्रौद्योगिकी संस्थान, मानित विश्वविद्यालय, उड़ीसा, "रिलेशनशिप बिटवीन हाउसहोल्ड्स सैनीटेशन एंड वूमेन्स एक्सपीरिएंस ऑफ मेन्सट्रुअल हायजीन अंडर स्वच्छ भारत मिशन इन ओडिसा"। (₹ 10,00,000)

335. सोमनाथ भट्टाचार्जी, असम विश्वविद्यालय, सिलचर, असम, "नेचुरल रिसोर्सेज़ एंड इन्डीजीनियस नॉलेज एज़ एन अल्टरनेटिव सोर्स ऑफ ट्राइबल मेडीसिन इन असम"। (₹ 8,00,000)

336. एस गांधीमथी, अविनाशीलिंगम गृह विज्ञान एवं महिला उच्च शिक्षा संस्थान, तमिलनाडु, "इंपेक्ट ऑफ वॉटर पॉल्यूशन ऑन वेलफेयर लॉस ऑफ फार्म हाउसहोल्ड्स इन तिरुपुर डिस्ट्रिक्ट"। (₹ 8,00,000)

337. स्रीनिवासन कन्नन, स्री चित्रा तिरुमल चिकित्सा विज्ञान एवं प्रोद्योगिकी संस्थान, थिरुवनंथपुरम, केरल, सोशल, "इकोनोमिक एंड हैल्थ इंपेक्ट ऑफ इंटस्ट्रियल पॉल्यूशन इन डिंडीगुल डिस्ट्रिक्ट, तमिलनाडु"। (₹ 15,00,000)

338. राजेश्वरी कालीदास, मदर टेरेसा वूमेन्स विश्वविद्यालय, कोडाईकनाल, "तमिलनाडु, वर्क एनवायरमेंट्स विद रिसपेक्ट टू फीमेल नर्स–फ्रेंडली पब्लिक हॉस्पीटल्स इन तमिलनाडु"। (₹ 10,00,000)

339. हरविंदर कौर सिद्धु, देश भगत विश्वविद्यालय, पंजाब, "कंपेरेटिव एनालिसिस ऑफ द इंपेक्ट ऑफ स्टबल बर्निंग ऑन हैल्थ इन अर्बन एंड रुरल एरिया इन सेलेक्टेड एरिया ऑफ पंजाब"। (₹ 12,00,000)

340. प्रतिभा, शिवाजी विश्वविद्यालय, कोल्हापुर, महाराष्ट्र, "अ कंपेरेटिव स्टडी ऑफ रिप्रोडक्टिव हैल्थ प्रॉब्लम्स एंड राइट्स ऑफ अर्बन एंड रुरल वूमेन इन वेस्टर्न महाराष्ट्र"। (₹ 5,00,000)

341. अदानी अझोनी, राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान, कर्नाटक, कर्नाटक, "सेइबोक्का : सोश्यो–इकोनोमिक एंड इंस्टीट्यूशनल बैरियर्स एंड ऑपर्च्युनिटीज़ फॉर क्लाइमेट चेंज अडॉप्टेशन इन नॉर्थईस्ट इंडिया"। (₹ 8,00,000)

342. ऋचा चौधुरी, भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, पटना, बिहार, "द डिफ्यूज़न ऑफ एनवायरमेंटल सस्टैनेबिलिटी इनोवेशन्स इन हॉसपीटल्स ऑफ पटना रीजन इन बिहार स्टेट ऑफ इंडिया"। (₹ 15,00,000)

343. राजेन्द्र जोलकर, कु. वी एन नाईक शिक्षा प्रसारक संस्था कला, वाणिज्य एवं विज्ञान महाविद्यालय, नाशिक, महाराष्ट्र, "एसेसमेंट ऑफ ग्राउंडवॉटर क्वालिटी फॉर ह्यूमन हैल्थ एंड एग्रीकल्चर ऑफ नाशिक डिस्ट्रिक्ट यूजिंग मल्टीवेरीयेट स्टैटिसटिकल टैक्नीक्स एंड जीआईएस"। (₹ 8,00,000)

344. ए लटी सासंग गुइटे, पंजाब केन्द्रीय विद्यालय, भटिंडा, पंजाब, "एवैलेबिलिटी एंड एक्सेसिबिलिटी ऑफ हैल्थ केयर फैसीलिटी विद स्पेशल रेफेरेंस टू द हिल डिस्ट्रिक्ट्स ऑफ मणिपुर"। (₹ 15,00,000)

345. गीतांजली दाश, फकीर मोहन विश्वविद्यालय, बालासोर, उड़ीसा, "ट्राईबल वूमेन, क्लाइमेट चेंज एंड सोशल इक्विटी इन सेलेक्टेड डिस्ट्रिक्ट्स इन ओडिसा, इंडिया"। (₹ 12,00,000)

346. सुभाष कर्नाडे, छत्रपति शिवाजी महाविद्यालय, सतारा, महाराष्ट्र, "जियोस्पैशियल स्टडी ऑफ लैंडस्लाइड पॉटेंशियल विलेजेज़ इन डिस्ट्रिक्ट ऑफ महाराष्ट्र"। (₹ 10,00,000)

347. सिंधु जोसेफ, गोविंद पाइ मेमोरियल शासकीय महाविद्यालय, मंजेश्वरम, कासरगोड, केरल, "इक्विटैबल हैल्थ केयर एक्सेस टू द एल्डरली इन रुरल केरल : एन इन्वेसटीगेशन ऑफ हैल्थ केयर बैरियर्स एंड रिलेशनशिप डायमेंशन्स"। (₹ 4,00,000)

348. जेवियर सुसाईराज, सैक्रेड हार्ट महाविद्यालय, तमिलनाडु, "इकोनोमिक वेल्यूएशन ऑफ हैल्थ इंपेक्ट ऑफ टैनरी वॉटर पॉल्यूशन इन इंडिया : एन एप्लीकेशन ऑफ कॉस्ट ऑफ इलनेस अप्रोच"। (₹ 4,00,000)

349. निर्बान मन्ना, भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, धनबाद, झारखंड, "थियेटर एंड डांस मूवमेंट थैरेपी एज़ रिहैबिलिटैटिव टूल्स फॉर पीपुल विद मेन्टल रिटार्डेशन : एन एम्पीरिकल स्टडी"। (₹ 6,00,000)

350. बिद्युत ज्योति भट्टाचार्जी, बारपेटा रोड हाउली महाविद्यालय, "असम, एन एमपायरिकल स्टडी ऑन एक्सेस ऑफ हैल्थ केयर एंड हैल्थ इंश्योरेंस बाय द रुरल पॉप्युलेस ऑफ असम"। (₹ 6,00,000)

351. मोहम्मद यूनुस भाट, पेट्रोलियम एवं एनर्जी अध्ययन विश्वविद्यालय, देहरादून, उत्तराखंड, "इकोनोमिक वेल्यूएशन ऑफ हिमालयन बायोडायवर्सिटी : अ केस स्टडी ऑफ सेलेक्टेड वेटलैंड्स एंड नेशनल पार्क्स ऑफ नॉर्दर्न इंडिया"। (₹ 10,60,000)

352. प्रकाश पाटिल, केवीपीएस किसान कला, वाणिज्य एवं विज्ञान महाविद्यालय, परोला, महाराष्ट्र, "प्रॉब्लम्स एंड प्रॉसपेक्ट्स ऑफ फूड सिक्योरिटी अमांग ट्राइबल पॉप्यूलेशन इन सतपुड़ा रीजन ऑफ जलगाँव डिस्ट्रिक्ट"। (₹ 4,00,000)

353. चित्रा के पी, तमिलनाडु केन्द्रीय विश्वविद्यालय, तिरुवरुर, तमिलनाडु, "एक्सेस एंड बैरियर्स टू मेन्टल हैल्थ केयर : अ सिचुएशनल एनालिसिस ऑफ द फैमिलीज़ ऑफ पर्सन्स विद मेन्टल इलनेस इन थिरुवरुर डिस्ट्रिक्ट, तमिलनाडु"। (₹ 4,00,000)

354. वी सुजाथा, जवाहरलाल नेहरु विश्वविद्यालय, दिल्ली, "सोशल इनइक्वैलिटी एंड मेडीसिन : एक्सेस एंड यूटीलाइजेशन ऑफ मेडीसिनल सब्सटैन्सेज़ बाय सोशल एंड इकोनोमिक स्ट्रैटा इन सेंट्रल इंडिया"। (₹ 12,00,000)

355. नलिना बाथरन, भारथिआर विश्वविद्यालय, कोयंबटूर, तमिलनाडु, "एल्डरली फाल : डेवलेपिंग एन इंटरवेन्शन मॉडल एज़ अ प्रिवेंटिव स्ट्रैटेजी टू प्रमोट हैल्दी एजिंग"। (₹ 10,00,000)

356. सुमन सिगरोहा, भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, मंडी, हिमाचल प्रदेश, "अ स्टडी ऑफ द इंटरसेक्शन्स ऑफ ओरल हिस्ट्री एंड रिलीजन फॉर सस्टैनेबल डेवलेपमेंट इन द फ्रैजाइल हिमालयाज़ लोकेटेड इन हिमाचल प्रदेश"। (₹ 5,00,000)

357. धनपाल जनागम, पेरियार विश्वविद्यालय, सलेम, तमिलनाडु, "बायो–डायवर्सिटी ऑफ हर्बल प्लांट्स एंड इन्डीजीनियस नॉलेज ऑफ ट्राइबल्स इन कोल्ली हिल्स ऑफ तमिलनाडु"। (₹ 8,00,000)

358. सरजू पटेल, महाराजा सयाजीराव बड़ौदा विश्वविद्यालय, वडोदरा, गुजरात, "डिजाईनिंग फूड स्टाल्स ऑपरेटिंग ऑन सोलर एनर्जी फॉर एनर्जी कन्जरवेशन एंड रिडक्शन इन पॉल्यूशन"। (₹ 10,00,000)

359. नवरीत, पंजाब विश्वविद्यालय, चंडीगढ़, "प्रमोटिंग एंड फैसीलिटैटिंग यूजेज़ ऑफ सोलर एनर्जी अंडर नेशनल सोलर मिशन इन इंडिया : एन इवेल्यूएटिव स्टडी ऑफ पंजाब, हरियाणा, हिमाचल प्रदेश"। (₹ 10,00,000)

360. सलेहा जमाल, अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय, उत्तर प्रदेश, "एनवायरमेंटल एंड हैल्थ कॉन्सीक्वेन्सेज़ ऑफ स्लॉटर हाउसेज़ : एवीडेंस ऑन क्लाइमेट चेंज इन सेलेक्टेड कोस्टल कम्युनिटीज़ ऑफ महाराष्ट्र"। (₹ 10,00,000)

361. प्रकाश राव, सिम्बॉयसिस इंटरनेशनल, महाराष्ट्र, "लिंकिंग कम्युनिटी परसेप्शन्स, लाइव्लीहुड्स रेजीलियेंस एंड साइंटिफिक एवीडेंस ऑन क्लाइमेट चेंज इन सेलेक्टेड कोस्टल कम्युनिटीज़ ऑफ महाराष्ट्र"। (₹ 10,00,000)

362. अर्चना सेठी, पं. रविशंकर शुक्ला विश्वविद्यालय, रायपुर, छत्तीसगढ़, "छत्तीसगढ़ की मलिन बस्तियों के परिवारों की ऊर्जा उपभोग की स्थिति का अध्ययन"। (₹ 2,50,000)

363. मीना शंकर, श्रीमति नाथीबाई दामोदर ठाकरेसे महिला विश्वविद्यालय, मुंबई, महाराष्ट्र, "स्ट्रैस एंड मेंटल–फिजीकल वेल बीईंग ऑफ वर्किंग वूमेन : एक्सेप्टैबिलिटी एंड अफोर्डेबिलिटी"। (₹ 8,00,000)

364. बी सुरेश लाल, ककाटिया विश्वविद्यालय, तेलंगाना, "द नंदनी मेकैनिज्म टू प्रिवेंट द इकोनोमिक एंड हैल्थ डैमेजेज़ फ्रॉम इनएडिक्वेट सैनीटेशन : इनवेस्टीगेटिंग बेस्ट एक्सपीरियेंस इन रुरल / ट्राइबल एरियाज़ ऑफ साउथ इंडिया"। (₹ 10,00,000)

365. सिवकामी नागराजन, तमिलनाडु केन्द्रीय विश्वविद्यालय, तिरुवरुर, तमिलनाडु, "कम्युनिटी–बेस्ड पार्टीसिपेटरी रिसर्च ऑन द सायको–सोशल इंपेक्ट, प्रॉब्लम्स एंड रियेलिटी रिस्पांसेज टू डिसास्टर्स : स्टडी ऑन द एक्सपीरिएंसेज़ ऑफ वूमेन"। (₹ 5,00,000)

366. खुशविंदर कौर गिल, पंजाब विश्वविद्यालय, चंडीगढ़, पंजाब, "डेवलेपमेंट ऑफ इकोफ्रैंडली माइक्रो एनकैप्स्यूलैटेड फिनिश फॉर कॉटन एंड वूल यूजिंग सेलेक्टेड प्लांट सोर्सेज़"। (₹ 10,00,000)

367. कविथा एच, सिद्दागंगा प्रौद्योगिकी संस्थान, कर्नाटक, "एफीशिएंट यूटीलाइजेशन ऑफ यूज्ड / वेस्ट फ्लॉवर बाय कन्वर्टिंग इट टू यूजफुल प्रॉडक्ट्स एंड दस कंज़रविंग नेचर"। (₹ 12,00,000)

368. मनोकामना राम, बनारस हिंदू विश्वविद्यालय, बनारस, उत्तर प्रदेश, "हैल्थ इनइक्वैलिटिज़ अमांग इंडियन स्टेट्स विद स्पेशल रेफरेंस टू ईस्टर्न उत्तर प्रदेश"। (₹ 10,00,000)

369. वंदना रॉव, अंबेडकर प्रबंध अध्ययन एवं अनुसंधान संस्थान, महाराष्ट्र, "ब्रिजिंग द गैप फॉर बैटर हैल्थ सस्टैनेबिलिटी थ्रू सॉलिड वेस्ट मैनेजमेंट"। (₹ 5,00,000)

370. सरोज कुमार राउतरे, केआईआईटी, उड़ीसा, "सोश्यो–इकोनोमिक एंड हैल्थ इन्टरवेंशन्स फॉर द ग्रेइंग पॉप्यूलेशनः एन इंपेक्ट एसेसमेंट इन द स्टेट ऑफ ओडिसा"। (₹ 7,00,000)

371. मनोज कुमार जेना, जवाहर लाल नेहरु विश्वविद्यालय, दिल्ली, "क्लाइमेट चेंज, एनवायरमेंटल डीग्रेडेशन एंड इट्स इंपेक्ट ऑन ह्यूमन हैल्थः अ स्टडी ऑफ सेलेक्टेड हाउसहोल्ड्स इन देहली एनसीआर"। (₹ 9,00,000)

372. वंदना गुप्ता, पंजाब विश्वविद्यालय, चंडीगढ़, चंडीगढ़, "ब्रैस्ट फीडिंगः अ स्टेप टूवर्ड्स हैल्दी एंड प्रॉडक्टिव लाइफ"। (₹ 3,00,000)

373. फरीदा अहमद, इलाहाबाद विश्वविद्यालय, इलाहाबाद, उत्तर प्रदेश, "डेवलेपिंग कम्युनिकेशन प्लान फॉर टू डिस्ट्रिक्ट्स अंडर स्वच्छ भारत मिशन इन उत्तर प्रदेश"। (₹ 9,00,000)

374. मम्मन जोसेफ सी, तमिलनाडु केन्द्रीय विश्वविद्यालय, तिरुवरुर, तमिलनाडु, "गेटकीपर्स एटीट्यूड, स्किल एंड नॉलेज अबाउट सायकोलॉजीकल केयर फॉर द डिसास्टर अफेक्टेड"। (₹ 9,00,000)

375. नंदिनी घोष, विकास अध्ययन संस्थान, पश्चिम बंगाल, "इनक्लूज़न ऑफ पर्सन्स विद डिसएबिलिटीज़ इन द प्राइमरी हैल्थ केयर सिस्टम"। (₹ 13,80,000)

376. मुहम्मद यूसुफ गनाई, कश्मीर अध्ययन संस्थान, कश्मीर विश्वविद्यालय, जम्मू एवं कश्मीर, "सस्टैनेबल लाइव्लीहुड एंड कंजरवेशन प्रैक्टिसेज़ अमांग लेक ड्वेलर्सः अ स्टडी ऑफ डल लेक"। (₹ 9,00,000)

377. नज़ीर अहमद कोटे, शासकीय डिग्री महिला महाविद्यालय, अनंतनाग, जम्मू एवं कश्मीर, "हैल्थ सीकिंग बिहेवियर पैटर्न्स इन जम्मू एंड कश्मीर : अ कंपेरेटिव स्टडी ऑफ रुरल एंड अर्बन हाउसहोल्ड्स इन जम्मू एंड कश्मीर"। (₹ 10,00,000)

378. आर निर्मला, गोवा विश्वविद्यालय, गोवा, गोवा, "रिलेशनशिप बिटवीन ग्रीन एचआरएम प्रैक्टिसेज़ ऑफ इंडस्ट्री एंड एनवायरमेंटल परफोरमेंस, सस्टैनेबिलिटी एंड एमप्लॉई हैल्थ"। (₹ 9,00,000)

379. कारीकलन, राष्ट्रीय क्षयरोग अनुसंधान संस्थान, तमिलनाडु, "मैजरिंग सोश्यो–इकोनोमिक रिस्क–बेनेफिट्स एंड हैल्थ रिलेटेड क्वालिटी ऑफ लाइफ चेंजेज़ एसोसिएटेड विद ट्यूबरक्युलोसिस डिजीज़ डिसक्लोजर"। (₹ 20,00,000)

380. हरी के चौधरी, भारतीय सूचना प्रौद्योगिकी संस्थान, गुवाहाटी, असम, "डिटरमिनेंट्स ऑफ वूमेन्स एक्सेपटैन्स ऑफ सर्वाइकल कैंसर स्क्रीनिंग प्रोग्राम : अ केस स्टडी ऑफ कामरुप डिस्ट्रिक्ट ऑफ असम"। (₹ 4,96,650)

381. रमना ठाकुर, भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, मंडी, हिमाचल प्रदेश, "डू हैल्थ पॉलिसीज़ रिक्वायर टू एड्रैस जेंडर रिलेटेड यूनिक नीड्स टू कंट्रोल नॉन–कम्युनिकेबल डिजीजेज़ इन इंडिया? एन इन्वेस्टीगेशन इन पंजाब"। (₹ 10,00,000)

382. स्वेता सिन्हा, भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, पटना, बिहार, "डिज़ाइनिंग डिसास्टर प्रिपेयर्डनेस ट्रैनिंग मॉड्यूल्स यूज़िंग इन्डीजीनियस नॉलेज एंड इन्क्रीजिंग कम्युनिटी अवेयरनेस थ्रू कॉन्टेक्स्टयूएलाइज टैक्नीक्स इन बिहार"। (₹ 5,00,000)

383. शाह मोहम्मद खान, अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय, अलीगढ़, उत्तर प्रदेश, "परसीव्ड मेंटल हैल्थ प्रॉब्लम्स, ऑर्गेनाईजेशनल क्लाइमेट एंड जॉब सैटिसफैक्शन अमांग वर्किंग वूमेन : अ सायकोलॉजीकल स्टडी ऑफ वर्किंग वूमेन इन देहली एनसीआर"। (₹ 10,00,000)

384. शौकत अहमद मीर, बाबा घुलाम शाह बादशाह विश्वविद्यालय, जम्मू, जम्मू एंड कश्मीर, "इकोनोमिक वेल्यूएशन ऑफ हाई ऑल्टीट्यूड वेटलैंड्स ऑफ पीर पंजाल"। (₹ 8,00,000)

385. कनमनी टी आर, राष्ट्रीय मानसिक स्वास्थ्य एवं तंत्रिका विज्ञान संस्थान, "यूटीलाइजेशन ऑफ हैल्थ केयर स्कीम्स अमांग फैमीलीज़ ऑफ अर्बन स्लम्स इन बैंगलुरु सिटी"। (₹ 10,00,000)

386. सिबानंद सेनापति, चंद्रगुप्त प्रबंध संस्थान, पटना, बिहार, "कोपिंग विद क्लाइमेट चेंज एंड ह्यूमन डेवलपमेंट चैलेंजेज : अ स्टडी ऑन बिहार"। (₹ 4,00,000)

387. सास्वत मिश्रा, भारतीय प्रशासनिक कर्मचारी महाविद्यालय, तेलंगाना, "नेचुरल रिसोर्स मैनेजमेंट अंडर मनरेगा (एमजीएनआरईजीए) इन क्लाइमेट वलनरैबल रीजन्स ऑफ ओडिसा, इंडिया"। (₹ 7,00,000)

388. गौरव अग्रवाल, अटल बिहारी वाजपेयी राष्ट्रीय सूचना प्रौद्योगिकी एवं प्रबंध संस्थान, ग्वालियर, मध्य प्रदेश, "एक्सेसीबिलिटी एंड अडॉप्टैबिलिटी ऑफ आयुष्मान भारत प्रोग्राम फॉर सोशल सिक्योरिटी ऑफ एल्डरली इन सेंट्रल इंडिया"। (₹ 4,00,000)

389. अनीष के आर, राजागिरी सामाजिक विज्ञान महाविद्यालय, केरल, "एक्सेज टू हैल्थ एंड वेल–बीइंग ऑफ माइग्रैंट वर्कर्स इन केरलः एन इनक्वायरी इनटू पॉलिसी इम्प्लीकेशन्स फॉर अचीविंग द 2030 एजेंडा ऑफ एसडीजीज़"। (₹ 10,00,000)

390. तपन कुमार बिहारी, जवाहर लाल नेहरु विश्वविद्यालय, दिल्ली, "इंपेक्ट एसेसमेंट ऑफ स्वच्छ भारत मिशन ऑन द हैल्थ प्रोफाइल ऑफ रुरल वूमेन : कंपेरेटिव स्टडी ऑफ हिमाचल प्रदेश एंड ओडिसा"। (₹ 12,00,000)

391. राजेश दास, बर्दवान विश्वविद्यालय, बर्दवान, पश्चिम बंगाल, "हैल्थ अवेयरनेस अमांग शैड्यूल कास्ट कम्युनिटी इन रुरल बेंगॉल : एन एनालिसिस ऑफ टेलीविजन कवरेज"। (₹ 8,00,000)

392. प्रेरणा दीवान, राम लाल आनंद महाविद्यालय, दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली, "कम्युनिकेटिंग द साइंस बिहाइंड द फेनोमेनन ऑफ एन्टीबायोटिक रेजिसटेंस टू प्रमोट सोशल अवेयरनेस"। (₹ 5,00,000)

393. सौम्या सौम्या, इंदिरा गाँधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय, दिल्ली, "इंपेक्ट ऑफ स्वच्छ भारत अभियान ऑन रुरल हैल्थ एंड हायजीन प्रैक्टिसेज : अ स्टडी ऑफ उत्तर प्रदेश एंड बिहार"। (₹ 20,00,000)

394. तापस पाल, रायगंज विश्वविद्यालय, पश्चिम बंगाल, "एन एप्रैजल ऑन वूमेन एंड चिल्ड्रैन्स हैल्थ सिक्योरिटी एंड सेल्फ एस्टीम ड्यू टू द इम्प्लीमेंटेशन ऑफ 'स्वच्छ भारत' इन द फोर ईस्टर्न स्टेट्स ऑफ इंडिया"। (₹ 10,00,000)

395. मोहम्मद सलीम जहांगीर, कश्मीर विश्वविद्यालय, श्रीनगर, जम्मू एंड कश्मीर, "सोश्यो–इकोनोमिक एंड कल्चरल, डायमेंशन्स ऑफ सेक्सचुअल एंड रिप्रॉडक्टिव हैल्थ ऑफ अडॉलसेंट गर्ल्स इन सेलेक्टेड रुरल एरियाज़ ऑफ जम्मू एंड कश्मीर"। (₹ 10,00,000)

396. वेलयुधन ए, भारथिआर विश्वविद्यालय, कोयंबटूर, तमिलनाडु, "एफीकेसी ऑफ सपोर्टिव एंड बेन्सन रिलेक्सेशन थैरेपी ऑन कॉगनैटिव, बिहेवियरल, इमोशनल एंड सोशल वेल–बीइंग अमांग पीसीओडी वूमेन"। (₹ 4,00,000)

397. कृनालकुमार कामानी, आनंद कृषि विश्वविद्यालय, आनंद, गुजरात, "इवेल्यूएशन ऑफ हैल्थ प्रमोटिंग स्कीम्स जॉइंट्ली ऑफर्ड बाय गवर्मेंट एंड डेयरी को–ऑपरेटिव्ज़ ऑफ गुजरात"। (₹ 10,00,000)

398. के राजशेखरन नायर, सांथीगिरी अनुसंधान संस्था, केरल, "इनफेक्शियस / इमर्जिंग डिजीजेज़ एंड हैल्थ सर्विसेज प्रिपेयर्डनेस इन द कॉन्टेक्स्ट ऑफ क्लाइमेट चेंज : अ स्टडी इन थ्री फीजियोग्राफिक जोन्स इन केरल"। (₹ 12,00,000)

399. वी अमलान स्टैनली, अंतर्राष्ट्रीय जैव प्रौद्योगिकी एवं आविषविज्ञान संस्थान, तमिलनाडु, "जियोग्राफीकल इन्फोर्मेशन ऑफ हाइड्रोफ्लूरोसिस इन तमिलनाडु, इट्स प्रिवलेंस, आडिन्टेफिकेशन ऑफ इट्स सोर्सेज़, एंड डिस्सेमीनेशन ऑफ प्रिवेंटिव मेजर्स"। (₹ 7,00,000)

400. थंगाराजथी एस, भारथीआर विश्वविद्यालय, कोयंबटूर, तमिलनाडु, "डेवलेपमेंट एंड वेलीडेशन ऑफ इंटरएक्टिव मल्टीमीडिया पैकेज ऑन डिसास्टर मैनेजमेंट लर्निंग एक्टीविटीज़ फॉर स्कूल स्टूडेंट्स"। (₹ 5,00,000)

401. निमेश भोजक, हेमचंद्रआचार्य उत्तर गुजरात विश्वविद्यालय, पाटन, गुजरात, "हैल्थकेयर फाइनेंसिंग सिस्टम बिहेवियर मॉडल : अ सिस्टैमेटिक रिव्यू ऑफ इट्स कॉन्ट्रीब्यूटिंग फैक्टर्स"। (₹ 7,00,000)

402. मधन शंकर एस आर, रथिनम कला एवं विज्ञान महाविद्यालय, "एन एनालिसिस ऑफ नॉलेज, एटीट्यूड एंड प्रैक्टिस प्रिवेलिंग अमांग द ट्राइबल वूमेन इन नीलगिरी डिस्ट्रिक्ट ऑन पोलीसिस्टिक ओवेरियन सिंड्रोम"। (₹ 10,00,000)

403. कमलजीत संधू, दयालबाग शैक्षिक संस्थान, उत्तर प्रदेश, "सायको–सायकोलॉजीकल कोरिलेट्स ऑफ स्युसाइडल आईडिएशन इन जेल इनमेट्स ऑफ यू पी : एन इन्टरवेंशन स्टडी"। (₹ 10,00,000)

404. बिजॉयलक्ष्मी सरमाह, उत्तर–पूर्वी क्षेत्रीय विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी संस्थान, अरुणाचल प्रदेश, "एन एसेसमेंट ऑफ हैल्थ केयर वेस्ट मैनेजमेंट प्रैक्टिसेज़ इन हैल्थ केयर यूनिट्स ऑफ अरुणाचल प्रदेश"। (₹ 10,00,000)

405. सुनीता दीक्षित, वसंत कन्या महाविद्यालय, उत्तर प्रदेश, "अर्गोनोमिक इन्टरवेंशन फॉर ऑक्यूपेशनल हैल्थ हैजर्ड्स फैस्ड बाय हैंडलूम वीवर्स इन वाराणासी"। (₹ 4,50,000)

406. स्रीदेवी, मदर टेरेसा स्वास्थ्य विज्ञान एवं अनुसंधान स्नातकोत्तर संस्थान, "पोंडीचेरी विश्वविद्यालय, पुदुचेरी, इफेक्टिवनेस ऑफ द कोपिंग एनहैंसमेंट प्रोग्राम ऑन द मदर्स ऑफ द स्पेशल चिल्ड्रैन"। (₹ 4,50,000)

407. वेणु प्रसाद एच डी, जन संसाधन प्रबंध एवं विकास केन्द्र, केरल, "इफेक्ट्स ऑफ फ्लडिंग ऑन सोशल एंड सायकोलॉजीकल वेल–बीइंग ऑफ इन्डीविजुअल्स"। (₹ 8,00,000)

408. नीरु मलिक, देव समाज शैक्षिक महाविद्यालय, चंडीगढ़, "रोल ऑफ डायबेटिक योगा प्रोटोकॉल इन बायोकेमीकल एंड मौलीक्यूलर प्रोफाइल ऑफ प्री–डायबेटिक पॉप्यूलेशन"। (₹ 10,00,000)

409. प्रभा भोला, भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, खड़गपुर, पश्चिम बंगाल, "एक्सप्लोरिंग फ्यूचर ऑफ रिन्यूएबल एनर्जी एंड इट्स इम्प्लीकेशन इन रिडक्शन ऑफ कार्बन फुटप्रिंट इन इंडिया"। (₹ 10,00,000)

410. अरुण खारत, जवाहरलाल नेहरु विश्वविद्यालय, दिल्ली, "स्टडीज ऑन आइडेन्टीफाइंग द फाइनेंशियली फीजियेबल पॉलिसीज टू रिड्यूस द स्प्रैड ऑफ एन्टीबायोटिक रेजिसटेंस इन एनवायरमेंट"। (₹ 17,00,000)

411. इंद्राणी रॉय चौधुरी, जवाहर लाल नेहरु विश्वविद्यालय, दिल्ली, "हिमालयन इकोलॉजी, चैलेंजेज़ एंड थ्रैट्स ऑफ सस्टैनेबल पैस्टरैलिज्म : पॉलिसीज़ फॉर सस्टैनेबल लाइव्लीहुड ऑफ द गद्दी ट्राइब इन हिमाचल प्रदेश"। (₹ 15,00,000)

412. अनीथा वी, केरल विश्वविद्यालय, केरल, "हाउसहोल्ड्स ड्रिंकिंग वॉटर एंड सैनीटेशन इन अर्बन केरल"। (₹ 9,00,000)

413. गुरिंदर कौर, ग्रामीण एवं औद्योगिक विकास अनुसंधान केन्द्र, चंडीगढ़, "सोश्यो–इकोनोमिक डायनेमिक्स ऑफ चाइल्ड इम्यूनाइजेशनः पर्सपेक्टिव फ्रॉम मुस्लिम्स ऑफ पंजाब"। (₹ 8,00,000)

414. सोमासुंदरम रामासामी, कोन्गु इंजीनियरिंग महाविद्यालय, तमिलनाडु, "अ स्टडी ऑन वर्क प्लेस एनवायरमेंटल पैरामीटर्स एंड ऑक्यूपेशनल हैल्थ प्रॉब्लम्स अमांग वूमेन कंस्ट्रक्शन वर्कर्स इन वैस्टर्न तमिलनाडु"। (₹ 4,00,000)

415. मधु पाराशर, देव समाज महिला महाविद्यालय, चंडीगढ़, "अ स्टडी ऑन ऑक्यूपेशनल रेसपीरेटरी, मसलोस्केलेटल, रीप्रॉडक्टिव एंड अदर एडवर्स सिम्पटम्स एंड डिजीजेज़ अमांग कॉस्मेटोलॉजिस्ट्स इन पंजाब, इंडिया"। (₹ 4,00,000)

416. सुनीता रेड्डी, जवाहर लाल नेहरु विश्वविद्यालय, दिल्ली, "डिमांड फॉर डिजायर्ड बैबीज एंड सप्लाई ऑफ सरोगेट, स्पर्म्स एंड एग्ज : अ मल्टी–साइटेड स्टडी ऑफ गैमेट बैंक्स इन इंडिया एंड इट्स पॉलिसी इम्पलीकेशन्स"। (₹ 16,00,000)

417. मनीष जोशी, उत्तर महाराष्ट्र विश्वविद्यालय, जलगाँव, महाराष्ट्र, "मॉनीटर एंड मैनेज द इफेक्ट ऑफ स्ट्रैस ऑन एकेडेमिक परफोरमेंस ऑफ स्टूडेन्ट्स इन हायर एजुकेशन इंस्टीट्यूशन्स यूजिंग डेटा एनालिटिक्स"। (₹ 8,00,000)

418. माधुरी पारिख, निरमा विश्वविद्यालय, अहमदाबाद, गुजरात, "अ स्टडी ऑन पब्लिक पार्टीसिपेशन इन एनवायरमेंटल डिसीजन–मेकिंग प्रोसेस इन गुजरात विद स्पेशल रेफरेंस टू एनवायरमेंटल इंपेक्ट एसेसमेंट प्रोसेस"। (₹ 10,00,000)

419. शन्मुगा नंदावदीवेल जे, श्री रामकृष्ण कला एवं विज्ञान महाविद्यालय, तमिलनाडु, "हैल्थ इंश्योरेंस इन रुरल इंडिया"। (₹ 3,00,000)

420. आशीष जोशी, पंडित दीनदयाल पेट्रोलियम विश्वविद्यालय, गाँधी नगर, गुजरात, "एमप्लॉइज हैप्पीनेस एंड वेल–बीइंग एट वर्कप्लेस इन एमएसएमईज इन गुजरात स्टेट"। (₹ 10,00,000)

421. संजय कुमार मंडल, कल्याणी विश्वविद्यालय, कल्याणी, पश्चिम बंगाल, "स्टडी ऑन ट्रैडीशनल नॉलेज ऑफ फोक क्राफ्ट्स एंड पॉलिसी मेकिंग सोश्यो–कल्चरल एंड इकोनोमिक डेवलेपमेंट ऑफ आर्टीसन कम्युनिटीज़ इन वैस्ट बंगाल"। (₹ 9,00,000)

422. नवनीत अरोरा, पंजाब विश्वविद्यालय, चंडीगढ़, चंडीगढ़, "ऑबसेशन ऑफ चिल्ड्रेन विद डिजी स्क्रीन्स : अ स्टडी इनटू सोशल एंड हैल्थ इफेक्ट्स ऑफ इलेक्ट्रॉनिक मीडिया"। (₹ 10,00,000)

423. अजय सोल्खे, कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय, कुरुक्षेत्र, हरीयाणा, "इन्सट्रूमैंटेलिटी ऑफ गवर्मेंट्स फाइनेंशियल असिसटेंस स्कीम्स फॉर एजुकेशन इन अचीविंग इनक्लूजिवनेस एंड डेवलेपमेंट ऑफ शैड्यूल्ड कास्ट स्टूडेन्ट्स"। (₹ 10,00,000)

424. भगत ओइनम, जवाहरलाल नेहरु विश्वविद्यालय, दिल्ली, "मिस्टीसिज्म एंड स्प्रीचुएलिटी इन द एथनिक रिलीजन्स ऑफ नॉर्थ ईस्ट इंडिया"। (₹ 18,00,000)

425. पापिया राज, भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, पटना, बिहार, "हैल्थ टैक्नोलॉजीज़ फॉर जेंडर एमपॉवरमेंट इन बिहार"। (₹ 7,00,000)

426. पार्थ सरकार, असम विश्वविद्यालय, सिलचर, असम, "इन्फोर्मेशन एंड कम्युनिकेशन टैक्नोलॉजी एंड रुरल डेवलेपमेंट : अ स्टडी ऑफ टी गार्डन कम्युनिटीज़ ऑफ बराक वैली इन सदर्न असम"। (₹ 8,40,000)

427. अमरेश, एमिटी विश्वविद्यालय, उत्तर प्रदेश, उत्तर प्रदेश, "डेवलेपमेंट ऑफ क्लाउड बेस्ड आर्काइवल सिस्टम फॉर प्रिजर्विंग द इन्डीजीनियस नॉलेज ऑफ द इंडियन ट्राइब्स"। (₹ 7,00,000)

428. वर्तिका नंदा, लेडी श्रीराम महिला महाविद्यालय, दिल्ली, "स्टडी ऑफ द कंडीशन ऑफ वूमेन इनमेट्स एंड देयर चिल्ड्रैन इन इंडियन प्रिजन्स एंड देयर कम्युनिकेशन नीड्स विद स्पेशल रेफरेंस टू उत्तर प्रदेश"। (₹ 4,90,040)

429. गीतांजली पांडा, फकीर मोहन विश्वविद्यालय, बालासोर, उड़ीसा, "जेंडर, माइनिंग एंड वलनरैबिलिटी : अ स्टडी ऑफ केंओझार डिस्ट्रिक्ट, ओडिसा"। (₹ 8,00,000)

430. जॉनसन नीलमेगम, अलगप्पा विश्वविद्यालय, अलगप्पा नगर, कराईकुडी, "तमिलनाडु, एक्सपेक्टेशन ऑफ व्यूअर्स, सोसाइटल इंपेक्ट अबाउट तमिल न्यूज इन टेलीविजन चैनल्स ऑफ तमिलनाडु"। (₹ 6,00,000)

431. मोहम्मद रियाज़, आलिआ विश्वविद्यालय, कोलकाता, पश्चिम बंगाल, "स्टेक ऑफ इंडियाज़ सॉफ्ट पॉवर : केस स्टडी ऑफ अफगानिस्तान"। (₹ 4,98,790)

432. ओंकार गौडा ककाडे, कर्नाटक राज्य महिला विश्वविद्यालय, बीजापुर, कर्नाटक, "जेंडर, मैस्क्यूलैनिटी एंड एडवर्टाइजमेंट्स इन मीडिया – अ क्रिटीकल स्टडी"। (₹ 10,00,000)

433. परगट सिंह जाठोल, प्रारंभ शिक्षक शिक्षण विद्यालय, झज्जर, हरियाणा, "हरियाणा में अल्पसंख्यक समुदाय की महिलाओं की शैक्षिक उपलब्धि एवं व्यवसायों का अध्ययन"। (₹ 4,70,000)

434. पूनम अग्रवाल, शासकीय स्नातकोत्तर कन्या महाविद्यालय, सेक्टर–42, चंडीगढ़, "फाइनेंशियल लिटरसी एंड डिसीजन मेकिंग अमांग वर्किंग वूमेन : एन एक्सप्लोरेटरी स्टडी ऑफ पंजाब एंड हिमाचल प्रदेश"। (₹ 10,80,000)

435. रविंद्र चिंचोलकर, सोलापुर विश्वविद्यालय, सोलापुर, महाराष्ट्र, "चैंजिंग मीडिया, चौंजिंग कल्चर, चैंजिंग सोसाइटी : टूवर्ड्स पार्टीसेपेटरी डेवलेपमेंट"। (₹ 8,00,000)

436. ऋतु धवन, खालसा महिला महाविद्यालय, पंजाब, "पोर्ट्रेयल ऑफ वूमेन इन एडवर्डटाइजमेंट्स : अ सोश्यो–कल्चरल अप्रोच"। (₹ 11,00,000)

437. सौम्या रे, भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, गुवाहाटी, असम, "वूमेन्स लाइव्ज विदिन लीगल प्ल्यूरलिज्म : अ केस स्टडी इन असम"। (₹ 8,00,000)

438. सीमा गुप्ता, एमिटी विश्वविद्यालय, उत्तर प्रदेश, उत्तर प्रदेश, "एमप्लॉयमेंट जेनरेशन थ्रू वूमेन आंट्रॉप्रेन्योरशिप : अ प्रैक्टीकल अप्रोच"। (₹ 8,00,000)

439. जीनत खान, मराठवाड़ा शिक्षा महाविद्यालय, औरंगाबाद, महाराष्ट्र, "स्टडी ऑफ सोशल मीडिया एडीक्शन एंड इट्स इफेक्ट ऑन ईटिंग डिसऑर्डर प्रॉब्लम, एंड मेन्टल हैल्थ इन अडॉलसेंट्स"। (₹ 11,00,000)

440. नमिता निंबालकर, मुंबई विश्वविद्यालय, मुंबई, महाराष्ट्र, "अ स्टडी ऑफ बिलीफ सिस्टम्स, एनवायरमेंटल प्रैक्टिसेज़ ऑफ सहयाद्रि जोन ट्राइब्स विद स्पेशल रेफरेंस टू वारलीज एंड ढोर कोलीज़"। (₹ 16,00,000)

441. मनीष कुमार मिश्रा, के एम अग्रवाल कला, वाणिज्य एवं विज्ञान महाविद्यालय, महाराष्ट्र, "मालेगाँव सिनेमा : अस्तित्व का संघर्ष और सिनेमामयी रोमांस"। (₹ 4,00,000)

442. अभिक मुखर्जी, भारतीय अभियांत्रिकी विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी संस्थान, शिबपुर, पश्चिम बंगाल, "समराइजिंग कनटेन्ट स्ट्रीम्स ऑन ऑनलाइन सोशल मीडिया ड्यूरिंग इमरजेंसी इवेंट्स"। (₹ 13,00,000)

443. नरेश यादव, बांसुर स्नातकोत्तर महाविद्यालय, अलवर, राजस्थान, "अ केस स्टडी ऑन स्टिग्मा एंड विक्टिमाइजेशन ऑफ इनकार्सरेटेड वूमेन : एज दे रिटर्न टू देयर कम्युनिटीज़"। (₹ 8,00,000)

444. संजय कुमार, मीज़ोरम विश्वविद्यालय, एज़वाल, मीजोरम, "भोजपुरी सिनेमा में महिलाओं का प्रतिनिधित्व"। (₹ 7,00,000)

445. अनिल कुमार बिस्वास, बर्दवान विश्वविद्यालय, बर्दवान, पश्चिम बंगाल, "इंपेक्ट ऑफ राइट टू एजुकेशन एक्ट ऑन ट्राइबल पीपुल इन टी गार्डन्स ऑफ वैस्टर्न दुअर्स रीजन : अ स्टडी ऑफ सेलेक्टेड टी गार्डन्स फ्रॉम जलपाईगुढ़ी एंड अलीपुरद्वार डिस्ट्रीक्ट ऑफ वैस्ट बंगाल"। (₹ 7,00,000)

446. तरसीम शर्मा, डीएवी महाविद्यालय, अबोहर, पंजाब, "फाइव माइन्योरिटी कम्युनिटीज़ ऑफ बॉर्डर एरिया ऑफ पंजाब : सोश्यो–इकोनोमिक एंड कल्चरल स्टडी"। (₹ 8,00,000)

447. जिनु कोशी, मद्रास विश्वविद्यालय, चैन्नई, तमिलनाडु, "रॉक आर्ट फ्रॉम उप्पलपदु चेन्नाकपल्लै कॉम्पलेक्स, करनूल डिस्ट्रिक्ट, आंध्र प्रदेश"। (₹ 14,90,000)

448. वंशी कृष्ण रेड्डी वेमीरेड्डी, भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, तिरुपति, आंध्र प्रदेश, "फोक मीडिया एंड आईडेंटिटी कंस्ट्रक्शन : प्रोडक्शन एंड डिस्सेमीनेशन इन सेकंड फैज तेलंगाना मूवमेंट"। (₹ 7,00,000)

449. लै. चिथ्रा पी एस, स्री केरल वर्मा महाविद्यालय, केरल, "द इंडियन फैमिली सिस्टम एट द क्रॉस रोड्स : द पॉलिटिक्स एंड चैंजिंग ट्रैंड्स इन सेलेक्ट मलयालम फिल्म्स"। (₹ 4,00,000)

450. महालिंगम अलगु, मदुरै कामराज विश्वविद्यालय, मदुरै, तमिलनाडु, "सोशल कस्टम्स, फेस्टीवल्स, एंड एंटरटैनमेंट थ्रू द टैम्पल आर्ट ड्यूरिंग द विजयनगर नायक पीरियड इन तमिलनाडु"। (₹ 5,50,000)

451. राजीव रंजन प्रसाद, राजीव गाँधी विश्वविद्यालय, ईटानगर, अरुणाचल प्रदेश, "अरुणाचली लोक–साहित्य और मीडिया : अंतःसंबंध एवं अंतःक्रिया"। (₹ 5,00,000)

452. आशीष पांडे, भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, मुंबई, महाराष्ट्र, "वेल–बीईंग, वेल्यू ओरिएंटेशन एंड एसपाइरेशन्स अमांग स्टूडेन्ट्स इन इंडिया : एन एक्सप्लोरेशन"। (₹ 7,50,000)

453. ब्रह्म प्रकाश सिंह, जवाहर लाल नेहरु विश्वविद्यालय, दिल्ली, "द म्यूजिकल मेडीटेशन : कॉम्पीटेटिव एंड कॉलेबोरेटिव लाइव्ज ऑफ पॉप्यूलर म्यूजिक इन नॉर्थ इंडिया"। (₹ 15,00,000)

454. सुमन धाका, राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान, राउरकेला, उड़ीसा, "सोशल आईसोलेशन एंड कॉग्नीशन : इंटरवेंशन्स टू रिड्यूस सोशल आइसोलेशन एंड लोनलीनेस अमांग्स्ट द एल्डरली"। (₹ 8,00,000)

455. मेघना छाबड़ा, मानव रचना विश्वविद्यालय, हरियाणा, "एंटीसिडेंट्स लीडिंग टू कैपेसिटी बिल्डिंग ऑफ वूमेन आंट्रॉप्रेन्योर्स : अ स्टडी विद रेफेरेंस टू वूमेन आंट्रॉप्रेन्योर्स फ्रॉम देहली एनसीआर"। (₹ 10,00,000)

456. नवाज खान, राजीव गाँधी विश्वविद्यालय, ईटानगर, अरुणाचल प्रदेश, "इन्फोर्मेशन नीड्स ऑफ द फ्रंटियर कम्युनिटीज़ इन इंडो–चाइना बॉर्डर एंड देयर इन्फोर्मेशन सीकिंग पैटर्न्स : अ स्टडी ऑफ तवांग इन अरुणाचल प्रदेश"। (₹ 4,90,000)

457. कार्थिहय सेल्वी वी, अय्या नादर जानकी अम्मल महाविद्यालय, "इंपेक्ट ऑफ एजुकेशन ऑन सोश्यो–इकोनोमिक कंडीशन्स एंड एमपॉवरमेंट ऑफ ट्राइबल वूमेन इन तमिलनाडु"। (₹ 9,00,000)

458. कप्तान सिंह, आर्मी कैडेट महाविद्यालय, भारतीय सेना अकादमी, उत्तराखंड, "हीरोइज्म एंड द नैरेटिव्ज़ ऑफ ड्रग्ज़, वायोलैंस एंड कंज्यूमैरिज्म : अ स्टडी ऑफ पंजाबी पॉप म्यूजिक एंड सिनेमा एंड इट्स इंपेक्ट ऑन कल्चर एंड सोसायटी"। (₹ 4,25,000)

459. आसिफ जाहरी, जवाहल लाल नेहरु विश्वविद्यालय, दिल्ली, "गीता के ऊर्दू तरजीम : रिवायत और ताजीयती मुताल्ला"। (₹ 10,00,000)

460. सुप्रिया पाठक, महात्मा गाँधी अंतर्राष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय, वर्धा, महाराष्ट्र, "मीडिया इमेजेज़ एंड लिव्ड रियेलिटीज़ : द केस ऑफ वूमेन ऑन पेरीफेरी"। (₹ 10,00,000)

461. तरुण मेने, राजीव गाँधी विश्वविद्यालय, ईटानगर, अरुणाचल प्रदेश, "अ स्टडी ऑफ ट्रैडीशनल नॉलेज ऑफ द इदु मिश्मी शमन्स ऑफ द ईस्टर्न हिमालयाज़ ऑफ इंडिया"। (₹ 5,00,000)

462. पूर्णपुष्पाकला एस सूर्यामूर्थि जी, सत्याबामा विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी संस्थान, तमिलनाडु, "डेवलेपमेंट ऑफ नॉन–डिस्ट्रक्टिव डिजीटल टैक्नोलॉजी फॉर रिस्टोरेशन एंड आर्काइविंग ऑफ तंजौर पैन्टिंग्स एंड म्यूरल्स"। (₹ 8,00,000)

463. रिधिमा तिवारी, भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, धारवाड़, कर्नाटक, "वूमेन इन द इन्टेलेक्चुअल एंड हिस्टोरिकल ट्रैडीशन्स ऑफ नॉर्थ कर्नाटका : अ डिजीटल आर्काइव"। (₹ 10,00,000)

464. रमेश चंद्र मलिक, उत्कल विश्वविद्यालय, भुबनेश्वर, उड़ीसा, "सिचुएटिंग कल्चर एंड सोसायटी इन मीडिएवल ओडिसा : अ स्टडी ऑफ द सरल महाभारत"। (₹ 7,00,000)

465. इंद्रनील पेगु, रंगाचाची महाविद्यालय पी ओ मजौली, असम, "इन्फ्लुएंस ऑफ वैष्णविज़्म अमांग द मिसिंग्स ऑफ मजौली : अ केस स्टडी"। (₹ 4,00,000)

466. अवंतिका सिंह, राजस्थान केन्द्रीय विश्वविद्यालय, जयपुर, राजस्थान, "एसेसिंग इकोनोमिक एंड सोशल इंपेक्ट ऑफ सेल्फ हैल्प ग्रुप मूवमेंट इन राजस्थान"। (₹ 10,00,000)

467. उर्मीश्री बेदमट्टा, रैवनशॉ विश्वविद्यालय, कटक, उड़ीसा, "इंटेलेक्चुअल हिस्टरीज़ ऑफ भक्ति : कंसेप्ट्स, इन्सटीटयूशन्स एंड प्रैक्टीसेज इन ओडिसा, 1500–2000"। (₹ 7,00,000)

468. दीप नारायण पांडे, जवाहरलाल नेहरु विश्वविद्यालय, दिल्ली, "जम्मू कश्मीर के धार्मिक पर्यटन का सामाजिक–भौगोलिक अध्ययन : वैष्णो देवी के विशेष संदर्भ में"। (₹ 4,80,000)

469. माहेश्वरी काचपुर, रानी चन्नमा विश्वविद्यालय, बेलगावी, कर्नाटक, "वर्क–लाइफ बैलेंस इश्यूज़ ऑफ वूमेन पोलिस कॉन्सटैबल्स इन कर्नाटक स्टेट"। (₹ 4,90,000)

470. छवि गर्ग, पंजाब केन्द्रीय विश्वविद्यालय, भटिन्डा, पंजाब, "इफेक्ट्स ऑफ इंटरनेट–एनैबल्ड मोबाइल फोन ऑन यूथ : अ स्टडी ऑफ भटिन्डा डिस्ट्रिक्ट"। (₹ 4,00,000)

471. मनोज कुमार लोधा, राजस्थान विश्वविद्यालय, जयपुर, राजस्थान, "सोश्यो–इकोनोमिक चैंजेज एंड लाइव्लीहुड पैटर्न्स ऑफ ट्राईबल्स इन ट्राइबल सब प्लान एरिया ऑफ राजस्थान"। (₹ 9,00,000)

472. ऑरबिंदो महतो, त्रिपुरा विश्वविद्यालय, त्रिपुरा, "सिविलाइजेशन हिस्ट्री ऑफ त्रिपुरा : अ सोश्यो–कल्चरल ट्रांसीशनल एनालिसिस"। (₹ 8,00,000)

473. अंशु शुक्ला, वसंत कन्या महाविद्यालय, उत्तर प्रदेश, "एसेसिंग मैरीटल एटीट्यूड ऑफ अनमैरिड अडॉलसेंट्स फॉर वेरियस डोमेन (मैरिज, को–रेजीडेंस एंड फैमिली फॉर्मेशन)"। (₹ 5,00,000)

474. शाहीन सुल्ताना, पोंडीचेरी विश्वविद्यालय, पुदुचेरी, पुदुचेरी, "अ स्टडी ऑफ द स्टूडेन्ट वेलफेयर सर्विसेज प्रिवेलैंट इन हायर एजुकेशनल इंस्टीट्यूशन्स इन यूनियन टैरीटरी ऑफ पुडुचेरी"। (₹ 7,00,000)

475. देव नाथ पाठक, दक्षिण एशिया विश्वविद्यालय, नई दिल्ली, दिल्ली, "परफोर्मेटिव ट्रैडीशन ऑफ बहुरुपियाज़ एंड भांड्स इन कंटेपररी इंडिया : सैविंग द सरवाइविंग इन्डीजीनियस नॉलेज सिस्टम"। (₹ 8,00,000)

476. सिल्की कुशवाह, नई दिल्ली प्रबंध संस्थान, दिल्ली, "वूमेन एमपॉवरमेंट थ्रू आंट्रॉप्रेन्योरशिप सपोर्ट : एन एसेसमेंट ऑफ 'स्टैंड अप इंडिया लोन स्कीम' फॉर वूमेन"। (₹ 6,50,000)

477. मिनी थॉमस, श्री शंकराचार्य संस्कृत विश्वविद्यालय, कलाडी, केरल, "कुदुंबी कम्युनिटी ऑफ पोन्नुरुनी पंचायत इन केरल – ऑनगोइंग पेस विद मॉडर्निटी"। (₹ 4,00,000)

478. संजीव कुमार, रायगंज विश्वविद्यालय, पश्चिम बंगाल, "ब्रिहोर ट्राइब इन इंडियाः द फेसिंग चैलेंजेज़ ऑफ वलनरैबिलिटी"। (₹ 4,50,000)

479. असिस दे, महिषादल राज महाविद्यालय, पश्चिम बंगाल, "डायसपोरा एंड द हिस्ट्रीसिटी ऑफ चेंज इन इंडियन फैमिली : अ स्टडी ऑफ ट्रांसफोर्मिंग फैमिली–टाइज एंड किनशिप इन सेलेक्ट इंडियन एंग्लोफोन लिटरेचर"। (₹ 7,50,000)

480. प्रभा शंकर द्विवेदी, भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, तिरुपति, आंध्र प्रदेश, "पाणिनियन स्कूल ऑफ ग्रामर : अ सीट ऑफ मॉडर्न लिंगविस्टिक्स एंड स्ट्रक्चरैलिस्ट पोएटिक्स"। (₹ 6,00,000)

481. सुनील सोंधी, इंदिरा गाँधी राष्ट्रीय कला केन्द्र, "कल्चर एंड कम्युनिकेशन इन इंडिया : कंटेम्परारी रेलेवेंस ऑफ क्लासिकल इंडियन टेक्सट्स"। (₹ 10,00,000)

482. आज्ञाराम पांडे, गालगोटियाज विश्वविद्यालय, उत्तर प्रदेश, "स्टडी ऑफ ऑडिएंस रिसेप्शन, मोटीवेशन एंड इफेक्टिवनेस ऑफ स्वयम (एसडब्ल्यूएवायएएम) बेस्ड मीडिया कोर्सेज"। (₹ 4,00,000)

483. उमेश देशमुख, श्री व्यंकटेश कला, वाणिज्य एवं विज्ञान महाविद्यालय, देउलगाँव राजा, जिला बुलदाना, महाराष्ट्र, "इन्फोर्मेशन टैक्नोलॉजी : स्किल कैंपेन फॉर रुरल कम्युनिटीज़"। (₹ 3,50,000)

484. तरुशिखा सर्वेश, अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय, अलीगढ़, उत्तर प्रदेश, "सोशल एक्सक्लूजन, एंड मीडिया कवरेज ऑफ वूमेन्स ईश्यू इन टरमॉईल जोन्स : अ स्टडी ऑफ डिस्ट्रिक्ट कुलगाम, जे एंड के"। (₹ 12,00,000)

485. रैशेल एम सायलस, अविनाशलिंगम गृह विज्ञान एवं महिला उच्च शिक्षा संस्थान, तमिलनाडु, "एसेसमेंट ऑफ सोशल इमोशनल लर्निंग स्किल्स अमांग सेकंड ईयर अंडर ग्रेजुएट वूमेन स्टूडेन्ट्स इन कोयंबटूर थ्रू सेलेक्ट पंचतंत्रा टेल्स"। (₹ 6,00,000)

486. सीमा शर्मा, मेरठ महाविद्यालय, मेरठ, उत्तर प्रदेश, "हिंदी भाषा के समृद्धिकरण में क्षेत्रीय बोलियों की भूमिका"। (₹ 15,00,000)

487. तारिका संधू, पंजाबी विश्वविद्यालय, पटियाला, पंजाब, "ट्रांसफोर्मिंग मीडिया इंड्यूस्ड सेल्फ–ऑब्जेक्टीफिकेशन इन अडॉलसैंट गर्ल्स : एफीकेसी ऑफ जौहरी विंडो इंटरवेंशन"। (₹ 9,20,000)

488. स्वाति सोनी, जयपुरिया प्रबंध संस्थान, जयपुर, राजस्थान, "फ्रॉम मीडिएशन टू मीडिएटाइजेशन ऑफ कल्चर एंड सोसायटी : एन अर्जेंट पॉलिसी प्रायोरिटी"। (₹ 8,00,000)

489. सचिन गदेकर, एईएस तुल्जाराम चतुरचांद कला, विज्ञान एवं वाणिज्य महाविद्यालय, बारामती, पूना, महाराष्ट्र, "सोश्यो–कल्चरल रेप्रेजेंटेशन इन द सेलेक्टेड प्लेज ऑफ पोस्ट–इंडीपेन्डेंस इंडियन वूमेन ड्रामैटिस्ट्स इन इंग्लिश"। (₹ 3,00,000)

490. धनंजय सिंह, जवाहर लाल नेहरु विश्वविद्यालय, दिल्ली, वर्ड, "इमेज एंड जेस्चर : डिस्कोर्स ऑफ कंटेम्परारी मीडिया इन द इंटरप्रिटिव फ्रैमवर्क ऑफ इंडियन इंटेलेक्चुअल ट्रैडीशन"। (₹ 10,00,000)

491. अवधेश कुमार यादव, शासकीय महाविद्यालय, नाहन, जिला सिरमौर, हिमाचल प्रदेश, "हिमाचल प्रदेश की सांस्कृतिक विरासत पर उपग्रहीय टेलीविजन चैनलों का प्रभाव"। (₹ 4,72,500)

492. नीलम राठी, शासकीय स्नातकोत्तर कन्या महाविद्यालय, सेक्टर–11, चंडीगढ़, "केयरिंग फॉर द केयरगिवर : हाउ चैंजेज इन द हाउसहोल्ड्स कॉम्पोजीशन आर अफेक्टिंग एल्डर केयरगिवर्स?" (₹ 8,00,000)

493. विद्या काला, पीएसजीआर कृष्णाम्मल महिला महाविद्यालय, तमिलनाडु, "अ स्टडी ऑन लीडरशिप स्टायल्स एंड स्ट्रैटेजीज़ अडॉप्टेड बाय वूमेन टू ओवरकम द बैरियर्स इन लीडरशिप पोजीशन – विद स्पेसिफिक रेफरेंस टू तमिलनाडु"। (₹ 7,50,000)

494. मनोज कुमार सिल, लखीमपुर वाणिज्य महाविद्यालय, असम, "असम के कोन्याक नागा जनजाति के समाज और संस्कृति का विवरणात्मक अध्ययन"। (₹ 4,00,000)

495. सथ्या बामा बी एस, थ्यागराजार अभियांत्रिकी महाविद्यालय, तमिलनाडु, "डेवलेपमेंट ऑफ ऑब्जेक्ट बेस्ड री–आईडेन्टीफिकेशन ऑफ रिलीजियस आइडॉल्स / आर्ट्स / स्कल्पचर्स"। (₹ 12,00,000)

496. अदिनाथ गदे, डी आर माने महाविद्यालय, कागल, जिला कोल्हापुर, महाराष्ट्र, महाराष्ट्र, "सोश्यो–इकोनोमिक डेवलेपमेंट एंड एमपॉवरमेंट ऑफ पारधी डिनोटिफाइड नोमेडिक ट्राइब्स इन सोलापुर डिस्ट्रिक्ट : अ जियोग्राफिकल स्टडी"। (₹ 7,50,000)

497. रविशंकर ए, इरोड सेनगुंथर अभियांत्रिकी महाविद्यालय, तमिलनाडु, "अ क्रिटिकल एनालिसिस ऑन जेंडर बेस्ड

वायोलेंस इन रुरल डिस्ट्रिक्ट ऑफ तमिलनाडु"। (₹ 5,00,000)

498. अरुलचेलवन श्रीराम, अन्ना विश्वविद्यालय, चैन्नई, तमिलनाडु, "कैरेक्टर एजुकेशन इंटरवेंशन थ्रू न्यू मीडिया फॉर बिहैवियरल चेंज अमांग स्कूल स्टूडेन्ट्स"। (₹ 4,00,000)

499. अक्षय रथ, राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान, राउरकेला, उड़ीसा, "रीस्टोरिंग द सैक्रेड इन पब्लिक स्फेअर्स"। (₹ 6,00,000)

500. राघवेंद्र मिश्रा, इंदिरा गाँधी राष्ट्रीय जनजातीय विश्वविद्यालय, अमरकंटक, मध्य प्रदेश, "मास मीडिया इन्फ्लूएंस ऑन टॉबेको यूजर्स ऑफ ट्राइबल एरियाज़ : एन एनालिसिस ऑप सेलेक्ट विलेजेज़ ऑफ डिस्ट्रिक्ट अनूपपुर ऑफ मध्य प्रदेश"। (₹ 8,00,000)

501. सुनील बाबू सी टी, दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली, "लैंड, लैंग्वेज एंड आईडेंटीटी : एन एंथ्रोपोलॉजीकल हिस्ट्री ऑफ मैप्पिलाज़"। (₹ 4,00,000)

502. मनीष अरोरा, बनारस हिंदू विश्वविद्यालय, बनारस, उत्तर प्रदेश, "रीडिजाईनिंग द एडवर्डटाइजिंग मेथड्स इन डिजीटल मीडिया टू कर्ब एनवायरमेंटल डिटीरियोरेशन"। (₹ 15,00,000)

503. सत्य प्रकाश पॉल, राजीव गाँधी विश्वविद्यालय, ईटानगर, अरुणाचल प्रदेश, "पूर्वोत्तर भारत की जनजातियों का इतिहास–दर्शन, संस्कृति एवं साहित्य : अरुणाचल प्रदेश के विशेष संदर्भ में"। (₹ 9,00,000)

504. संथा कुमारी, थापर अभियांत्रिकी एवं प्रौद्योगिकी संस्थान, पंजाब, "फैक्टर्स इनफ्लूएंसिंग रेजीलियेंस इन चिल्ड्रैन : द मीडिएटिंग रोल ऑफ प्रौटेक्टिव एंड कॉम्पैनसेटरी फैक्टर्स इन कोपिंग विद एडवर्सिटीज़"। (₹ 8,00,000)

505. अनीष गुप्ता, भीम राव अंबेडकर महाविद्यालय, दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली, "इंडस्ट्रियलाइजेशन एंड सोशल अनरेस्ट : अ केस स्टडी ऑफ तमिलनाडु"। (₹ 25,00,000)

506. आरिफ बिलाल दार, श्री माता वैष्णो देवी विश्वविद्यालय, जम्मू, जम्मू एवं कश्मीर, "इंडियाज़ फाइनेंशियल इनक्लूजन : डिटरमिनेंट्स एंड इम्पेडीमेंट्स"। (₹ 2,70,000)

507. मनोरंजन मिश्रा, खल्लीकोट विश्वविद्यालय, बेहरामपुर, उड़ीसा, "मेंटल मॉडल मैपिंग ऑफ नेचुरल हैबीटेट डिप्लेशन ड्यू टू एक्सेसिव माइनिंग एंड इंटस्ट्रियलाइजेशन : एनालायजिंग द पब्लिक एंड एक्सपर्ट परसेप्शन ऑफ ट्राइबल कल्चर इन ओडिसा"। (₹ 10,00,000)

508. प्रणव कुमार, जवाहर लाल नेहरु विश्वविद्यालय, दिल्ली, "इंडियाज़ काउंटर रैडीकलाईजेशन पॉलिसी एक्सप्लोरेशन एन अल्टरनेटिव अप्रोच"। (₹ 25,00,000)

509. पुष्पेंदर यादव, मौलाना आजाद राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान, भोपाल, मध्य प्रदेश, "गर्ल चाइल्ड सेक्सुअल अब्यूज़ इन मध्य प्रदेश : एन एनालिसिस ऑफ एक्जीस्टिंग लॉज़ एंड करेक्टिव मैजर्स"। (₹ 10,00,000)

510. प्रीति, विश्वविद्यालय महारानी महाविद्यालय, राजस्थान विश्वविद्यालय, जयपुर, राजस्थान, "द अदर्स : प्रोबिंग इनटू द लिटररी 'अदरनेस' ऑफ रीयल ट्रांसजेंडर केस–स्टडीज़ ऑफ इंडिया"। (₹ 4,77,500)

511. इरफान अहमद सोफी, बाबा गुलाम शाह बादशाह विश्वविद्यालय, जम्मू, जम्मू एवं कश्मीर, "व्हाट रोल डज द एम्प्लॉयमेंट प्रोटेक्शन लेजीसलेशन प्ले इन द वेज डिटरमिनेशन अंडर सेगमेन्टेड लैबर मार्केट्स? अ स्टेट लेवल एनालिसिस"। (₹ 10,00,000)

512. मोरारजी ए, अलगप्पा विश्वविद्यालय, अलगप्पा नगर, कराईकुडी, तमिलनाडु, "एनफोर्समेंट ऑफ द ट्रेड मार्क एंड पैटेंट्स प्रैक्टिसेज इन वेल्यू ऐडेड एग्रो प्रोडक्ट्स इन तमिलनाडु"। (₹ 4,50,000)

513. संजय कुमार, राजस्थान केन्द्रीय विश्वविद्यालय, जयपुर, राजस्थान, "अ कांप्रेहैन्सिव स्टडी ऑफ इम्पलीमेंटेशन ऑफ भामाशाह योजना इन द स्टेट ऑफ राजस्थान : एन एमपायरिकल एनालिसिस"। (₹ 7,00,000)

514. सोनम जोल्डन, लद्दाख विश्वविद्यालय, "ट्रेड एंड कल्चरल टाईज ऑफ लद्दाख : अ स्टडी ऑन द लिंकेज बिटवीन सेंट्रल एशिया एंड साउथ एशिया"। (₹ 8,00,000)

515. मनोज कुमार दाश, खल्लीकोट विश्वविद्यालय, बेहरामपुर, उड़ीसा, "अ स्टडी ऑन एक्सप्लोरेशन ऑफ आईसीटी टूल्स फॉर द सस्टैनेबिलिटी ऑफ सोश्यो–इकोनोमिक डेवलेपमेंट ऑफ फिशिंग कम्युनिटी ऑफ ओडिसा स्टेट"। (₹ 5,00,000)

516. प्रसांथ कुमार आर, राष्ट्रीय खाद्य प्रौद्योगिकी उद्यमिता एवं प्रबंध संस्थान, हरियाणा, "सोशल आंट्रॉप्रेन्योरशिप–इंपेक्ट एसेसमेंट"। (₹ 10,00,000)

517. के एम बहरूल इस्लाम, भारतीय प्रबंध संस्थान, काशीपुर, उत्तराखंड, "विच–हंट वायोलेंस अगेंस्ट वूमेन इन इंडिया : अ स्टडी इन सोश्यो–लीगल पॉलिसी रिकमेंडेशन्स एंड रिस्पॉंस"। (₹ 10,00,000)

518. अनीष वी पिल्लै, कोचीन विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, कोच्ची, केरल, "बायोलॉजीकल डायवर्सिटी एक्ट, 2002 एंड इट्स इंप्लीमेंटेशन–विद स्पेशल रेफरेंस टू बायोडायवर्सिटी मैनेजमेंट कमिटी"। (₹ 4,00,000)

519. जैखलॉंग, जवाहर लाल नेहरु विश्वविद्यालय, दिल्ली, "सलाफी – जिहादिस्ट थ्रैट्स इन द इंडियन सब कॉन्टीनेंट : करंट एंड फ्यूचर चैलेंजेज़ इन इंडियाज़ पॉलिसी मैकिंग"। (₹ 8,00,000)

520. शान्ति मैरी, शासकीय कला महाविद्यालय, तिरुप्पुर, तमिलनाडु, "सस्टैनेबल टूरिज्म – एन अप्रौच टूवर्ड्स बिल्डिंग डेस्टीनेशन कॉम्पीटैटिवनेस फॉर इकोनोमिक डेवलेपमेंट इन तमिलनाडु एंड केरला"। (₹ 5,00,000)

521. लोपामुद्रा सेनगुप्ता, बंगबासी महाविद्यालय, पश्चिम बंगाल, "कल्चरल हैरीटेज एंड सस्टैनेबल डेवलेपमेंट"। (₹ 7,00,000)

522. सुवालाल जंगु, मीजोरम विश्वविद्यालय, एज़वाल, मीजोरम, "कलादान मल्टी–मॉडल ट्रांजिट ट्रांसपोर्ट : अ स्टडी ऑफ इट्स मल्टी–इंप्लीकेशन फॉर इंडियाज़ नॉर्थईस्ट एंड साउथईस्ट एशिया"। (₹ 3,00,000)

523. दीप्ति रेखा मोहापात्रा, संबलपुर विश्वविद्यालय, संबलपुर, उड़ीसा, "अ क्रिटीकल एसेसमेंट ऑफ द एफीकेसी ऑफ द पॉस्को एक्ट, 2012 ओडिसा"। (₹ 9,00,000)

524. सामंता साहू, राजीव गाँधी विश्वविद्यालय, ईटानगर, अरुणाचल प्रदेश, "कॉन्टेसटेशन्स अलांग द महानदी : द मेकिंग एंड अनमेकिंग ऑफ अ रिवर वॉटर कॉन्फ्लीक्ट एंड इट्स इंप्लीकेशन्स फॉर फेडेरल रिलेशन्स इन इंडिया–अ स्टडी"। (₹ 8,00,000)

525. कविता अरोरा, दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली, "एस्सीमिलेशन ऑफ बांग्लादेशेज़ एनक्लेव्ज़ इन इंडिया : एसेसिंग द सोश्यो–इकोनोमिक कंडीशन्स ऑफ रीहैबिलैटेड पीपुल इन कूचबेहार डिस्ट्रिक्ट, पश्चिम बंगाल"। (₹ 8,00,000)

526. रवि इंदर सिंह, पंजाब विश्वविद्यालय, चंडीगढ़, चंडीगढ़, "इलेक्ट्रोनिक पेमेन्ट्स सिस्टम : एन एमपायरिकल इन्वेस्टीगेशन ऑफ यूजर्स एक्सेपटैन्स एंड सैटिसफैक्शन इन द स्टेट्स ऑफ पंजाब, हरियाणा एंड हिमाचल"। (₹ 3,00,000)

527. मुजाहिद सिद्दकी, डॉ. अंबेडकर प्रबंध अध्ययन एवं अनुसंधान संस्थान, महाराष्ट्र, "ऑटोनोमी ऑफ यूनिवर्सिटीज़ इन इंडिया – अ कॉम्प्रीहैन्सिव पॉलिसी रिव्यू एंड प्रोपोजीशन फॉर रेग्यूलेटरी रिफॉर्म्स"। (₹ 3,00,000)

528. प्रमिला डिसूजा, मुलुंड वाणिज्य महाविद्यालय, महाराष्ट्र, "स्टडी ऑन अब्यूज ऑफ एल्डरली पीपुल इन महाराष्ट्र"। (₹ 8,00,000)

529. आर्ज्यालोपा मिश्रा, राष्ट्रीय विधि विश्वविद्यालय, कटक, उड़ीसा, "पैटर्न्स ऑफ प्रिजन एडजस्टमेंट्स एंड सायकोलॉजीकल इंटरवेन्शन फॉर करेक्शन फैसीलिटिज़ इन प्रिजन्स ऑफ ओडिसा"। (₹ 5,00,000)

530. श्रेया चैटर्जी, कलिंगा औद्योगिक प्रौद्योगिकी संस्थान, भुबनेश्वर, ओडिसा, "एक्सप्लोरिंग द लिमिटैशन्स ऑफ मेडीकल नेगलीजेन्स लॉ विद स्पेशल रेफरेंस टू ओडिसा"। (₹ 5,00,000)

531. रियाज अहमद मंगोली, रानी चैनम्मा विश्वविद्यालय, बेलगावी, कर्नाटक, "क्रिटिकल इवेल्यूएशन ऑफ पब्लिक परसेप्शन ऑन डिक्रिमिनलाईजेशन ऑफ एडल्टरी क्राइम इन इंडिया : अ केस स्टडी ऑफ कर्नाटक"। (₹ 5,00,000)

532. प्रवीण पाटिल, शाहजी विधि महाविद्यालय, महाराष्ट्र, "अ क्रिटिकल एनालिसिस ऑफ ग्रीवेंस रीड्रैसल मैकेनिज्म एंड मोनीटरिंग अंडर द नेशनल फूड सिक्योरिटी एक्ट, 2013, विद रेफरेंस टू वैस्टर्न महाराष्ट्र"। (₹ 4,00,000)

533. शशिकला गुरपुर, सिमबायोसिस अंतर्राष्ट्रीय, महाराष्ट्र "लॉ, डिसास्टर एंड टैफिकिंग : ट्रेसिंग द इंटर लिंकेजेज़"। (₹ 8,50,000)

534. सोमन एन एस, तमिलनाडु राष्ट्रीय विधि विद्यालय, तमिलनाडु, "नीड फॉर अ नेशनल लेजिसलेशन ऑन रिफ्यूजीज़ – कॉन्टैक्सट्च्युलाईजिंग द लैक्यून इन द लीगल रीजिम इन लाईट ऑफ रोहिंग्या रिफ्यूजी क्राइसिस"। (₹ 4,00,000)

535. प्रेरणा मल्होत्रा, राम लाल आनंद महाविद्यालय, दिल्ली, "अ स्टडी ऑफ द सोश्यो–इकोनोमिक एंड कल्चरल इंपेक्ट ऑफ द लेफ्ट–विंग एक्सट्रीमिज़्म (एलडब्ल्यूई) इन बस्तर, छत्तीसगढ़"। (₹ 8,00,000)

536. विजय कुमार कौल, दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली, "इंडियाज़ रोल इन इंडियन ओशन रीजन : स्टीम्यूलैटिंग ग्रोथ एंड स्ट्रैन्थनिंग स्ट्रैटेजिक इंटरेस्ट्स"। (₹ 15,00,000)

537. कनीमोझी सेल्वी सी एस, कोन्गू अभियांत्रिकी महाविद्यालय, तमिलनाडु, "स्टडी, डिज़ाईन एंड डेवलेपमेंट ऑफ मशीन लर्निंग बेस्ड डायग्नोस्टिक एंड थैरेप्यूटिक एप्लीकेशन फॉर कम्युनिकेटिव डिसऑर्डर्स"। (₹ 12,45,000)

538. संतोष कुमार एस, एम एस रामैया प्रौद्योगिकी संस्थान, कर्नाटक, "इंडस्ट्री–इंस्टीट्यूट कॉलेबोरेशन फॉर ट्रांसफोर्मिंग मैनेजमेंट एजुकेशन"। (₹ 9,00,000)

539. नटराजन एम, अलगप्पा विश्वविद्यालय, अलगप्पा नगर, कराईकुडी, तमिलनाडु, "एडवान्समेंट ऑफ इंटीग्रेटेड इन्सट्रक्शनल स्ट्रैटेजी इन ऑगमेन्टिंग द एबीलिटी ऑफ गवर्मेंट ट्राइबल रेजीडेंशियल मिडिल स्कूल टीचर्स इन इंग्लिश लैंग्वेज"। (₹ 4,62,500)

540. अनिल अहीर, क्रांतिवीर वसंतराव नारायणराव नाईक शिक्षण प्रसारक संस्था कला एवं वाणिज्य महाविद्यालय, डिंडोरी, महाराष्ट्र, "को–ऑपरेटिव लर्निंग स्ट्रैटेजीज़ एंड अचीवमैंट इन ईंग्लिश – अ स्टडी एट द सेकंडरी स्कूल्स इन सेलेक्टेड ट्राइबल एरियाज ऑफ नासिक डिस्ट्रिक्ट"। (₹ 3,49,375)

541. क्राइस्टबेल पी जे, केरल विश्वविद्यालय. थिरुवनंथपुरम, केरल, "लिंकेजेज़ बिटवीन स्टेम एजुकेशन एंड स्टेम एंप्लॉयमेंट : एन इनक्वायरी इनटू आईडेन्टीफाईंग स्किल गैप्स एंड पॉलिसी डिस्टॉर्शन्स"। (₹ 9,00,000)

542. विनोद शानवाल, गौतम बुद्ध विश्वविद्यालय, ग्रेटर नॉएडा, गौतम बुद्ध नगर, उत्तर प्रदेश, "एन एनालिटिकल स्टडी टू एसेस द इफेक्ट्स ऑफ एयर क्वालिटी ऑन द बिहेवियर ऑफ स्कूल चिल्ड्रैनन इन देहली एनसीआर"। (₹ 10,00,000)

543. कोरामती पेडा सुब्बा राव, आंध्रा विश्वविद्यालय, विशाखापट्टनम, आंध्र प्रदेश, "एजुकेशन ऑफ द चिल्ड्रेन ऑफ फिशरमैन इन द कोस्टल डिस्ट्रिक्ट्स ऑफ आंध्र प्रदेश – एन एथनोग्राफिक स्टडी"। (₹ 10,00,000)

544. प्रभु शंकर एस, शिक्षा उच्च अध्ययन संस्थान, तमिलनाडु, "प्रैक्टिकल ओरिएंटेड टीचिंग ऑफ मैथेमेटिक्स इन एनहैंसिंग कन्सेप्चुअल अंडरस्टैंडिंग एंड प्रॉब्लम– सॉल्विंग एबिलिटी अमांग स्टूडेन्ट्स स्टडिंग एट हाई स्कूल लेवल"। (₹ 4,25,000)

545. जयश्री महेश, बिड़ला विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी संस्थान, पिलानी, राजस्थान, "डिज़ाइनिंग अ फ्यूचरिस्टिक लर्निंग फ्रेमवर्क फॉर पोस्ट मिलेनियल जेनरेशन स्टूडेन्ट्स ऑफ हायर एजुकेशन इंस्टीट्यूशन्स इन इंडिया"। (₹ 8,90,000)

546. खालिदा अख्तर, गिरी विकास अध्ययन संस्थान, लखनऊ, उत्तर प्रदेश, "रोल ऑफ फाइनेंशियल एड इन द सोश्यो–इकोनोमिक एमपॉवरमेंट ऑफ मदरसा स्टूडेन्ट्स इन उत्तर प्रदेश, इंडिया"। (₹ 10,00,000)

547. पूर्वी पुजारी, मुंबई विश्वविद्यालय, मुंबई, महाराष्ट्र, "ईश्यू इन डिज़ाइनिंग एंड सस्टैनेबिलिटी ऑफ मूक (एमओओसी) – लर्निंग एनालिटिकल मॉडल"। (₹ 10,00,000)

548. सीमा पी उथमान, मानसिक सवास्थ्य एवं तंत्रिका विज्ञान संस्थान, केरल, "प्रिवलैंस ऑफ स्कॉलेस्टिक बैकवर्डनेस अमांग अपर प्राइमरी स्टूडेन्ट्स इन कालीकट डिस्ट्रिक्ट इन केरल"। (₹ 9,00,000)

549. यश दौल्तानी, भारतीय अटल बिहारी वाजपेई सूचना प्रौद्योगिकी एवं प्रबंध संस्थान, ग्वालियर, मध्य प्रदेश, "एसेसिंग द यूजर सैटिस्फैक्शन ऑफ एनपीटीईएल एंड एक्सट्रिकेटिंग पॉलिसी इम्पलीकेशन्स फॉर ई–लर्निंग इन इंडिया"। (₹ 8,00,000)

550. समीर बाबू एम, केरल विश्वविद्यालय, थिरुवनंतपुरम, केरल, "डिसीसिव फैक्टर्स ऑफ कॉलेज सक्सेज इन द मिडेस्ट ऑफ क्वालिटी इंटरवेन्शन ऑफ रुसा (आरयूएसए)"। (₹ 10,00,000)

551. अमरजीत सिंह मलिक, मेरठ महाविद्यालय, मेरठ, उत्तर प्रदेश, "प्रोफेशनल ओरिएंटेशन ऑफ टीचर्स : अ कंपेरिटिव स्टडी इन सेंट्रल, स्टेट एंड प्राईवेट यूनिवर्सिटीज़"। (₹ 10,00,000)

552. शब्बीर अहमद भाट, कश्मीर विश्वविद्यालय, श्रीनगर, जम्मू एवं कश्मीर, "मेंटल हैल्थ एंड एकेडेमिक अचीवमेंट ऑफ मिलिटेंसी इफेक्टेड सेकंडरी स्कूल स्टूडेन्ट्स ऑफ कश्मीर"। (₹ 4,50,000)

553. सुधीर चंद्र दास, बनारस हिंदू विश्वविद्यालय, वाराणसी, उत्तर प्रदेश, "लिंकिंग ऑर्गेनाईजेशन कल्चर विद परफोरमेंस थ्रू परसीव्ड फेयरनेस इन इंडियन हायर एजुकेशन इंस्टीट्यूशन्स : परस्युइंग वर्ल्ड क्लास इंस्टीट्यूशन्स"।

554. के संबाथरनी कांडास्वामी, अविनाशलिंगम गृह विज्ञान एवं महिला उच्च शिक्षा संस्थान. तमिलनाडु, "इंपार्टिंग सेल्फ प्रोटेक्शन स्किल्स थ्रू एन इनोवेटिव, इंटीग्रेटेड एंड इंटरवेन्शन पैकेज फॉर चिल्ड्रैन विद स्पेशल नीड्स"। (₹ 7,50,000)

555. राजेश जैन, निरमा विश्वविद्यालय, अहमदाबाद, गुजरात, "रिसर्च एम्बीएंस एंड रिसर्च प्रॉडक्टिविटी : अ स्टडी ऑफ हायर एजुकेशन इंस्टीट्यूशन इन इंडिया, साउथ अफ्रीका एंड यूएसए"। (₹ 11,00,000)

556. हनीत गाँधी, दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली, "डेवलेपमेंट ऑफ मैथेमेटीकल टेम्परामेंट इन लार्ज–साईज्ड क्लासरुम्स : अ फीड–फॉरवर्ड फॉर पॉलिसी मेकर्स"। (₹ 8,00,000)

557. जैसन ए मंजली, भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, गाँधीनगर, गुजरात, "क्यूरिओसिटी टू एड लर्निंग एंड मोटीवेशन इन स्कूल्स"। (₹ 6,00,000)

558. सेंथिल नाथन, भारथीदसन विश्वविद्यालय, तिरुचिरापल्ली, तमिलनाडु, "डिजीटल लिटरैसी एंड टैक्नो–पेडागॉगीकल प्रैक्टीसेज ऑफ हायर एजुकेशन टीचर्स ऑफ तमिलनाडु"। (₹ 10,00,000)

559. तनु शुक्ला, बिड़ला विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी संस्थान, पिलानी, राजस्थान, "एन एमपायरिकल स्टडी ऑन अकाउंटैबिलिटी एंड लर्निंग आउटकम्स इन पब्लिक स्कूल सिस्टम्स इन राजस्थान"। (₹ 10,00,000)

560. वंदना वंदना, महिला विकास अध्ययन केन्द्र, दिल्ली, "शैड्यूल कास्ट गर्ल्स एंड एक्सेस टू हायर एजुकेशन : एक्सप्लोरिंग देयर एक्सपीरियेंसेज इन नेचुरल साईंसेज़"। (₹ 3,50,000)

561. उमा एस सिंह, दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली, "आईडेंटीफाईंग ग्लोबल पैरामीटर्स फॉर क्वालिटी एजुकेशन : अ कंपेरेटिव स्टडी ऑन पब्लिक एंड प्राईवेट यूनिवर्सिटीज़ इन इंडिया"। (₹ 11,80,000)

562. मीना हरीहरन, हैदराबाद विश्वविद्यालय, हैदराबाद, तेलंगाना, "इन्डीजीनियस इंटरवेंशन्स फॉर स्कूल चिल्ड्रैन : इंपेक्ट ऑन एकेडेमिक परफोरमेंस एंड हैल्थ"। (₹ 15,00,000)

563. विक्रम मीना, इंदिरा गाँधी राष्ट्रीय जनजातीय विश्वविद्यालय, अमरकंटक, मध्य प्रदेश, "प्रमोटिंग द इंपोर्टेंस ऑफ हायर एजुकेशन एंड कर्बिंग ड्रॉपआउट्स : ब्रिजिंग द गैप थ्रू एन एक्शन रिसर्च"। (₹ 5,00,000)

564. जनार्दन नायडू गंटा, शासकीय पुरुष डिग्री महाविद्यालय, आंध्र प्रदेश, "रोल ऑफ असिस्टिव टैक्नोलॉजी इन एजुकेशन एंड एम्प्लॉयमेंट ऑफ विजुअली इंपेयर्ड : अ स्टडी ऑफ आंध्र प्रदेश"। (₹ 16,00,000)

565. आशीष हट्टंगड़ी, अल्केश दिनेश मोडी वित्त एवं प्रबंध अध्ययन संस्थान, महाराष्ट्र, "एसेसिंग द इफेक्टिवनेस ऑफ स्वयम"। (₹ 3,87,000)

566. नबा कुमार मंडल, बर्दवान विश्वविद्यालय, बर्दवान, पश्चिम बंगाल, "इंटरफेरेंस ऑफ वेहीकल नोईज़ इन टीचिंग–लर्निंग प्रोसेस एंड डेवलेपमेंट ऑफ स्ट्रैटेजीज़ फॉर ऐबेटमेंट ऑफ क्लासरुम्स नोईज़"। (₹ 9,00,000)

567. नल्लामली उदया भास्कर, आदिकवि नन्नाया विश्वविद्यालय, राजाहमुंदरी, पूर्व गोदावरी, आंध्र प्रदेश, "इवेल्यूएशन ऑफ सर्विस क्वालिटी इन सेकंडरी एजुकेशन – अ स्टडी ऑफ सेलेक्ट स्कूल्स विद रेफरेंस टू साउथ इंडिया"। (₹ 4,00,000)

568. दिनेश कुमार सिंह, लखनऊ विश्वविद्यालय, लखनऊ, उत्तर प्रदेश, "हायर एजुकेशन इन उत्तर प्रदेश : ट्रेंड्स एंड डिफाईज़"। (₹ 4,00,000)

569. शिरीष पाल सिंह, महात्मा गाँधी अंतर्राष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय, वर्धा, महाराष्ट्र, "टीचर्स प्रिपरेशन थ्रू ब्लेंडेड लर्निंगः अ पेडागोगीकल रिजुवेनेशन"। (₹ 13,00,000)

570. बिनॉय जोसेफ, राजगिरी राजागिरी सामाजिक विज्ञान महाविद्यालय, केरल, "सिचुएशनल एनालिसिस ऑफ अडॉप्टिव पेरेंट्स ऑन अडॉप्टेड चिल्ड्रैन एंड अडॉलसेंट्स : स्पेशल रेफरेंस टू केरल"। (₹ 8,00,000)

571. अरुणकुमार एस, सास्त्र मानित विश्वविद्यालय, तमिलनाडु, "इंटीग्रेटिंग फ्लिप्ड क्लासरुम विद ब्लूम्स मोडीफाईड टैक्सोनोमी मॉडल एज़ अ न्यू पैराडाइम फॉर मैनेजमेंट एजुकेशन : एन एक्सप्लोरेटरी स्टडी"। (₹ 4,00,000)

572. रवनीत कौर, माता सुंदरी महाविद्यालय, दिल्ली, "बच्चों का दैनंदिनी ज्ञान और विद्यालयी शिक्षा की पारस्परिकता"। (₹ 12,00,000)

573. चंद्र प्रभा पांडे, दक्षिण बिहार केन्द्रीय विश्वविद्यालय, बिहार, "एजुकेशन फॉर सिटीजनशिप : एन एनालिसिस ऑफ पॉलिसी एंड इट्स इंप्लीकेशन्स"। (₹ 8,00,000)

574. युक्ति शर्मा, दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली, "क्रिएटीविटी एंड एसोसिएटेड स्किल्स अक्रॉस स्कूल करीक्युलम : अ परस्युट टूवर्ड्स इनफोर्मिंग पॉलिसी"। (₹ 8,00,000)

575. मोहम्मद नजीम, अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय, अलीगढ़, उत्तर प्रदेश, "एक्सेस टू लाइब्रेरीज़ फॉर पर्सन्स विद डिसएबीलिटीज़ : एन इंवेस्टीगेशन इनटू द लाईब्रेरी फैसीलिटीज़ एंड सर्विसेज़ इन इंडिया"। (₹ 4,00,000)

576. सौम्या टी, उस्मानिया विश्वविद्यालय, हैदराबाद, तेलंगाना, "एसेसमेंट ऑफ सायकोलॉजीकल प्रोफाईल, एडीक्शन ट्रैंड्स, स्युसाइडल एंड क्रिमिनल टेंडेंसी अमांग अडॉलसैंट्स एंड यंग एडल्ट्स ऑफ मेजर सिटीज़ इन इंडिया"। (₹ 4,50,000)

577. संजय शर्मा, हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय, सागर, मध्य प्रदेश, "रीविजिटिंग द आइडिया ऑफ नेशनैलेटी, प्राईड एंड पैट्रियोटिज़्म इन इंडियन एजुकेशनल पॉलिसीज़ एंड करीक्युलर प्रैक्टीसेज इन स्कूल एजुकेशन"। (₹ 4,99,000)

578. फराह कय्यूम, कश्मीर विश्वविद्यालय, श्रीनगर, जम्मू एवं कश्मीर, "क्वालिटी डिसक्वाइट्स इन हायर एजुकेशन : अ केस स्टडी ऑफ यूनिवर्सिटी ऑफ कश्मीर"। (₹ 300000)

579. विजयलक्ष्मी एस, श्री रामकृष्णा कला एवं विज्ञान महिला महाविद्यालय, तमिलनाडु, "लर्निंग मैनेजमेंट टूल फॉर लर्निंग डिसएबीलिटी स्टूडेन्ट (डीआई)"। (₹ 10,00,000)

580. वी विजयलक्ष्मी, भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, चैन्नई, तमिलनाडु, "डेवलेपमेंट एंड इंट्रोडक्शन ऑफ अ न्यू कोर्स करीक्युलम बेस्ड ऑन यूनिवर्सल ह्यूमन वेल्यूज़ : एन एक्सपैरीमेंटल स्टडी इन हायर एजुकेशन इन साउथ इंडिया"। (₹ 4,50,000)

581. अनीसा शफी, कश्मीर विश्वविद्यालय, श्रीनगर, जम्मू एवं कश्मीर, "स्टेटस ऑफ वूमेन इन हायर एजुकेशन अमांग वीक एंड अंडर–प्रीवीलैज्ड कम्युनिटीज़ ऑफ जम्मू एंड कश्मीर"। (₹ 5,00,000)

582. रेशमा कुमारी तिवारी, तेजपुर विश्वविद्यालय, असम, "फोरेंसिक अकाउंटिंग एजुकेशन इन इंडिया : प्रॉसपेक्ट्स एंड प्रॉब्लेम्स"। (₹ 10,00,000)

583. करपागावल्ली एस, पीएसजीआर कृष्णाम्मल महिला महाविद्यालय, तमिलनाडु, "तमिल स्पीच एनैबल्ड मोबाईल इंटरफेस फॉर लर्निंग डिसैबल्ड चिल्ड्रैन"। (₹ 4,00,000)

584. अदित गुप्ता, मायर शिक्षा महाविद्यालय, जम्मू एवं कश्मीर, "रोल ऑफ डिजीटल मीडिया इन बिल्डिंग वर्ल्ड क्लास इंस्टीट्यूशन्स विद स्पेशल रेफरेंस टू टीचिंग–लर्निंग : अ सर्वे"। (₹ 7,00,000)

585. राजीब एस पी, राजागिरी सामाजिक विज्ञान महाविद्यालय, केरल, "स्कूल बेस्ड मल्टी कॉम्पोनेंट इंटरवेंशन स्टडी ऑन सब्सटेन्स अब्यूज़ अमांग द हायर सेकेंडरी स्कूल स्टूडेन्ट्स इन केरला"। (₹ 9,00,000)

586. तयूम सरोह, राजीव गाँधी विश्वविद्यालय, ईटानगर, अरुणाचल प्रदेश, "इंपेक्ट ऑफ प्राईवेटाइजेशन ऑफ हायर एजुकेशन इन अरुणाचल प्रदेश : अ क्रिटीकल स्टडी"। (₹ 7,00,000)

587. सागर वाडकर, वैकुंठ मेहता राष्ट्रीय सहकारीता प्रबंध संस्थान, महाराष्ट्र, "एसेसमेंट ऑफ कोर कॉम्पीटेन्सीज़ ऑफ एग्रीबिजनेसज़ प्रोफेशनल्स इन इंडिया : अ स्टडी टू डेवलेप अ स्ट्रैटेजी फॉर एग्रीबिजनेसेज डेवलेपमेंट"। (₹ 10,00,000)

588. सुशील सुशील, भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, दिल्ली, दिल्ली, "एसेसमेंट ऑफ इंडियन हायर एजुकेशन इंस्टीट्यूशन्स इन एनआईआरएफ रैंकिंग : अ कंपेरेटिव एनालिसिस"। (₹ 10,00,000)

589. मनोज पंत, भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, दिल्ली, दिल्ली, "एसेसिंग द लॉजिस्टिक्स कॉस्ट, कांपीटैटिवनेस एंड द इंपेक्ट ऑफ जीरो लिक्विड डिस्चार्ज नॉर्म ऑन द लाइव्लीहुड पैटर्न्स एंड हैल्थ कंडीशन्स"। (₹ 12,00,000)

590. सिद्धार्थ सरकार, आनंद चंद्र वाणिज्य महाविद्यालय, पश्चिम बंगाल, "यूज ऑफ सोशल नेटवर्किंग टैक्नोलॉजी इन सेक्स ट्रैफिकिंग : द एवीडेंस फ्रॉम नॉर्थ ईस्ट स्टेट्स"। (₹ 12,00,000)

591. श्रीजीथ ए, राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान, कर्नाटक, कर्नाटक, "गवर्निंग एक्सट्रीम एंड एक्सप्लोइटेशन सोशल मीडिया एनवायरमेंट फॉर पीडब्ल्यूडी रीहैबिलिटेशन। (₹ 8,86,200)

592. आसिम खान, इंद्रप्रस्थ सूचना प्रौद्योगिकी संस्थान, दिल्ली, दिल्ली, "नेटवर्किंग फॉर चेंज : अडरस्टैंडिंग द रोल ऑफ सोशल मीडिया एंड यूथ इन एनवायरमेंटल पॉलिसी इन अर्बन इंडिया"। (₹ 10,00,000)

593. सुजीथ कुमार परायिल, जवाहर लाल नेहरु विश्वविद्यालय, दिल्ली, "न्यू मीडिया विजुअल कल्चर : एथिक्स, राइट्स, एंड फोर्म्यूलेशन ऑफ न्यू विजुअल मीडिया पॉलिसी"। (₹ 10,00,000)

594. अंबीगई राजेन्द्रन, मनीपाल उच्चर शिक्षा अकादमी, कर्नाटक, "इन्वेस्टीगेटिंग द पॉलिसी स्ट्रैटेजीज़ टू स्ट्रैन्थेन द रोल ऑफ वूमेन इन सोशल मीडिया–अ स्टडी ऑन डिजीटल इन्क्लूजन"। (₹ 4,00,000)

595. रश्मि सिंह, महात्मा गाँधी काशी विद्यापीठ, वाराणसी, उत्तर प्रदेश, "स्मार्ट फोन यूजेज़, इमोशनल इटेलीजेंस, परसीव्ड लोनलीनेस एंड लाइफ स्टायल्स ऑफ इंडियन अडॉलसेंट्स"। (₹ 10,00,000)

596. कीर्ति गुप्ता, प्रबंध एवं उद्यमिता विकास संस्थान, पूणे, महाराष्ट्र, "टैक्नोलॉजी एडिक्शन अमांग चिल्ड्रैन एंड यूथ – अ स्टडी ऑफ रिलेटेड बिहेवियेरल इंपेक्ट"। (₹ 5,50,000)

597. नौशाद अली पी एम, अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय, अलीगढ़, उत्तर प्रदेश, "इंपेक्ट ऑफ एकेडेमिक नेटवर्किंग साइट्स ऑन रिसर्च वर्क ऑफ सोशल साइंटिस्ट्स"। (₹ 10,00,000)

598. निरंकुश दत्ता, बिड़ला विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी संस्थान, पिलानी, राजस्थान, "यूज़ ऑफ सोशल मीडिया एज ड्राइवर फॉर इनोवेशन इन हायर एजुकेशन इन इंडिया"। (₹ 10,00,000)

599. सिवाकुमार आर, अन्नामलाई विश्वविद्यालय, अन्नामलाई नगर, तमिलनाडु, "यूज ऑफ सोशल मीडिया एंड इट्स इफेक्ट्स ऑन स्टूडेन्ट्स"। (₹ 7,50,000)

600. थानिगैवेलान शन्मुगम, अन्नामलाई विश्वविद्यालय, अन्नामलाई नगर, तमिलनाडु, "द रोल ऑफ सोशल मीडिया इन हायर एजुकेशन बाय एथीकल अप्रौचेज़ टू द एडवानटेजेज़ एंड नैसेसिटीज़ ऑफ सोशल नेटवर्किंग इन इंडिया"। (₹ 14,00,000)

601. आर एन सुबुद्धि, केआईआईटी, उड़ीसा, "डिजीटल डायवर्सिटी : अ स्टडी ऑन डिजीटल कंजम्पशन एंड डीजीटल एस्केपिज़्म"। (₹ 8,50,000)

602. मनीमेक्कलाई के, अलगप्पा विश्वविद्यालय, अलगप्पा नगर, कराईकुडी, तमिलनाडु, "प्रिवैलेंस ऑफ स्क्रीन एडीक्शन अमांग कॉलेज स्टूडेंट्स इन सिवगंगा डिस्ट्रिक्ट–अ जेंडर एनालिसिस स्टडी"। (₹ 6,00,000)

603. श्रद्धा कुंभोजकर, सावित्रीबाई फुले पूना विश्वविद्यालय, महाराष्ट्र, "डिजीटल ह्यूमैनिटीज़ : स्टडी ऑफ अ डायलॉग बिटवीन टैक्नोलॉजी, पॉलिसी एंड नॉलेज क्रिएशन"। (₹ 9,00,000)

604. आर अकिला रामासामी, जेप्पिआर अभियांत्रिकी महाविद्यालय (एमबीए), तमिलनाडु, "सायबर क्राइम इन सोशल मीडिया नेटवर्क अगेन्स्ट वूमेन एंड इट्स इंपेक्ट ऑन देयर सोशल, इकोनोमिक एमपॉवरमेंट विद स्पेशल रेफरेंस टू तमिलनाडु रीजन्स"। (₹ 4,00,000)

605. विक्टोरिया नाओमी, अविनाशलिंगम गृह विज्ञान एवं महिला उच्च शिक्षा संस्थान, तमिलनाडु, "डेवलपमेंट ऑफ एक्सेसिबल वेबसाइट फॉर पर्सन्स विद डिसएबीलिटीज़"। (₹ 8,00,000)

606. कोमल, जम्मू विश्वविद्यालय, जम्मू तवी, जम्मू एवं कश्मीर, ""इंवेस्टीगेटिंग द रिलेशनशिप अमांग यूनिवर्सिटी स्टूडेन्ट्स' सोशल मीडिया मल्टीटास्किंग, एकेडेमिक परफोरमेंस एंड परसीव्ड एंप्लॉयबिलिटी प्रॉसपेक्ट्स"। (₹ 8,50,000)

607. फ्रांसिस बार्कले, तमिलनाडु केन्द्रीय विश्वविद्यालय, तिरुवरुर, तमिलनाडु, एथिक्स, "ऑटोनोमी, प्राईवेसी एंड रेग्युलेशन : बैलेंसिंग द सोशल मीडिया स्फैयर्स ऑफ पॉलिटिकल इनफ्लूएंस"। (₹ 8,00,000)

608. शमशीर सिंह ढिल्लों, पंजाब केन्द्रीय विश्वविद्यालय, भटिन्डा, पंजाब, "इफेक्ट ऑफ ब्लैंडेड लर्निंग ऑन पेडागॉगी, अचीवमेंट मोटीवेशन एंड एकैडेमिक अचीवमैंट ऑफ क्लास 7th साइंस स्टूडेन्ट्स"। (₹ 6,00,000)

609. विवेक तिवारी, राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान, हमीरपुर, हिमाचल प्रदेश, "इन्फोर्मेशन टैक्नोलॉजी स्ट्रैस एंड प्रॉडक्टिविटी : अ केस स्टडी"। (₹ 5,00,000)

610. विमल किशोर, झारखंड केन्द्रीय विश्वविद्यालय, रांची, झारखंड, "स्टूडेन्ट्स इनवॉल्वमेंट एंड एटीट्यूड टूवर्ड्स लर्निंग विद सोशल नेटवर्किंग साइट्स"। (₹ 6,50,000)

611. नतीशा साकिब, कश्मीर विश्वविद्यालय, श्रीनगर, जम्मू एवं कश्मीर, "डेवलपमेंट एंड वैलीडेशन ऑफ द सोशल मीडिया एडीक्शन स्केल फॉर इंडियन एमर्जिंग मार्केट"। (6,00,000)

612. रमा देवी वांगपांडु, राष्ट्रीय टैक्नोलॉजी संस्थान, वारांगल, तेलंगाना, "द रोल ऑफ सोशल मीडिया इन रुरल डेवलपमेंट – अ स्टडी इन तेलंगाना स्टेट"। (₹ 4,90,000)

613. उमेश गुप्ता, मैट्स विश्वविद्यालय, रायपुर, छत्तीसगढ़, "इंपेक्ट ऑफ सोशल नेटवर्किंग साइट्स ऑन एम्पलॉई प्रॉडक्टीविटी – अ स्टडी अमांग यंग प्रौफेशनल्स इन रायपुर सिटी इन सर्विस सेक्टर इन रायपुर सिटी"। (₹ 4,10,000)

614. गौरव दीक्षित, भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, रुड़की, उत्तराखंड, "अ स्टडी ऑन ट्रस्ट, सोशल इनफ्लूएंस एंड इमोशन इन सोशल मीडिया कांटेक्स्ट : यूजिंग ईईजी एज़ अ ब्रैन इमेजिंग टूल"। (₹ 12,00,000)

615. मनीषा शुक्ला, भारती विद्यापीठ प्रबंध अध्ययन एवं अनुसंधान संस्थान, महाराष्ट्र, "द इनफ्लूएंस ऑफ इंटरनेट एक्सपोजर ऑन चिल्ड्रैन्स डेवलपमेंट, बिहेवियर एंड लर्निंग"। (₹ 5,00,000)

616. एस पार्थसारथी, पं. जवाहर लाल नेहरु कृषि एवं अनुसंधान महाविद्यालय संस्थान, कराईकल, पुदुचेरी, "अ स्टडी ऑन द इंपेक्ट ऑफ सोशल एंड डिजीटल मीडिया इनीशिएटिव्ज अमांग फार्मर्स ऑफ यू टी ऑफ पुदुचेरी"। (₹ 9,00,000)

617. उपेंदर गुंडाला, राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान, राउरकेला, उड़ीसा, "द सायकोलॉजी ऑफ डिस्ट्रैक्शन : सोशल मीडिया एंड लैंग्वेज यूज इन टैक्नीकल एजुकेशन इन इंडिया"। (₹ 5,50,000)

618. रंजय वर्धन, शासकीय स्नातकोत्तर कन्या महाविद्यालय, सेक्टर–42, चंडीगढ़, "सोशल मीडिया, वूमेन एमपॉवरमेंट एंड रीशेपिंग फैमिनिज्म : अ केस स्टडी"। (₹ 8,00,000)

619. पुष्पेश कुमार, हैदराबाद विश्वविद्यालय, तेलंगाना, "डेवलेपमेंट एंड इवेल्यूएशन ऑफ एन ई–हैल्थ इंटरवेंशन टू प्रमोट एचआईवी प्रिवेंशन बिहेवियर एंड मेन्टल हैल्थ ऑफ ट्रांसजेंडर वूमेन इन इंडिया"। (₹ 21,50,000)

620. मासूम रजा, अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय, अलीगढ़, उत्तर प्रदेश, "एप्लीकेशन ऑफ वेब 2.0 टैक्नोलॉजी इन यूनिवर्सिटी लाईब्रेरी वेबसाइट्स ऑफ इंडियाः इंपेक्ट एसेसमेंट स्टडी"। (₹ 8,00,000)

621. शिवानी अरोरा, शहीद भगत सिंह महाविद्यालय, दिल्ली, "सोशल मीडिया–डेवलेपिंग एथिक्स एंड प्रोटोकॉल्स"। (₹ 8,00,000)

622. तनुश्री अंचन, कर्नाटक विश्वविद्यालय, धारवाड़, कर्नाटक, "एन एसेसमेंट ऑफ प्राईवेसी इन्फ्रिन्जमेंट इन सोशल नेटवर्किंग साइट्स एंड ऑनलाइन एप्लीकेशन्स"। (₹ 7,00,000)

623. रानी वीजी, श्री रामकृष्णा कला एवं विज्ञान महिला महाविद्यालय, तमिलनाडु, "इंपेक्ट एंड इफेक्टिवनेस ऑफ द डिजीटल टीचिंग एंड ई–लर्निंग प्रोसेस इन हायर एजुकेशन अमांग फैकल्टी एंड स्टूडेंट्स : एन एमपायरिकल स्टडी"। (₹ 6,00,000)

624. अजय कुमार साहू, हैदराबाद विश्वविद्यालय, तेलंगाना, "साउथ एशियन यूथ इन द डायसपोरा : ट्रांसनेशनेलिज़्म, सोशल मीडिया एंड आईडेन्टीटीज़"। (₹ 7,00,000)

625. नीना कोहली, अलाहाबाद विश्वविद्यालय, अलाहाबाद, उत्तर प्रदेश, "कैरेक्टर वर्च्युज़ एंड वैल–बीईंग ऑफ यूथ : रोल ऑफ सोशल नेटवर्किंग साइट्स"। (₹ 9,00,000)

626. बगवानदास एम, एसआरएम विज्ञान एवं प्रौद्योगिक संस्थान, तमिलनाडु, "मैपिंग ऑफ इन्फोर्मेशन शेयरिंग बिहेवियर ऑफ ट्रांसजेंडर इन चैन्नई सिटी, इंडिया : सोशल नेटवर्क एनालिसिस"। (₹ 8,00,000)

627. सुधर्मा हरीदासन, अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय, अलीगढ़, उत्तर प्रदेश, "रोल ऑफ लाईब्रेरीज इन स्ट्रेन्थैनिंग द इन्फोर्मेशन इकोसिस्टम फॉर बिल्डिंग एन इकोलॉजीकली सस्टेनेबल इन्फोर्मेशन सोसायटी एंड द इंपेक्ट ऑफ यूज ऑफ इन्फोर्मेशन कम्युनिकेशन टैक्नोलॉजीज़ : एन एक्सप्लेनेटरी स्टडी ऑफ एकैडेमिक लाईब्रेरीज इन देहली एंड उत्तर प्रदेश"। (₹ 7,00,000)

628. विजयकुमार वेलुसामी, श्री रामकृष्णा कला एवं विज्ञान महाविद्यालय, तमिलनाडु, "इंटेलीजेंट चौट–बोट मोबाईल ऐप डेवलेपमेंट फॉर डिटेक्शन एंड प्रिवेंशन ऑफ सायबर–बुलिंग इन सोशल मीडिया नेटवर्क्स"। (₹ 10,00,000)

629. संजय शर्मा, दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली, "द रोल ऑफ नेशनल कैडेट कॉर्प्स इन द वैरीड कॉम्पलैक्सीटीज़ ऑफ नार्थ ईस्ट रीजन"। (₹ 4,99,000)

630. अयंगबाम श्यामकिशोर, मीजोरम विश्वविद्यालय, मिजोरम, "कंडक्ट ऑफ इलेक्शन इन मिजोरम 2008–18"। (₹ 7,00,000)

631. रचना श्रीवास्तव, वसंत कन्या महाविद्यालय, उत्तर प्रदेश, "स्टेट–क्राफ्ट, मंडल थ्योरी एंड सिक्स–फोल्ड पॉलिसी इन कौटिल्याज़ अर्थशास्त्राः द कंटेपररी रेलेवेंस"। (₹ 4,20,000)

632. आलोक कुमार पांडे, हैदराबाद विश्वविद्यालय, हैदराबाद, तेलंगाना, "पॉलिटिकल डायनैस्टीज़ अमांग शैड्यूल्ड ट्राईब्स इन इंडिया : इमर्जेंस एंड पर्सिसटेंस इन सेलेक्ट स्टेट्स"। (₹ 9,00,000)

633. बिस्वनाथ चक्रबोर्ती, रबिन्द्र भारती विश्वविद्यालय, कोलकाता, पश्चिम बंगाल, "ऑपोजीशन स्पेस इन वैस्ट बेंगॉल पॉलिटिक्स : अ डायग्नोस्टिक स्टडी"। (₹ 6,00,000)

634. राजेश अरुचौमी, क्राइस्ट, कर्नाटक, "अ स्टडी ऑन चौंजिंग डायनेमिक्स ऑफ पॉलिटिक्स इन तमिलनाडु – न्यू वेव ऑफ रीजनैलिज्म : प्रॉब्लेम्स एंड पॉसीबिलिटीज"। (₹ 7,00,000)

635. स्राबन्ती मुखर्जी, भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, खड़गपुर, पश्चिम बंगाल, "अ स्टडी ऑन द वोटिंग डिसीजन मेकिंग एट द बेस ऑफ द पिरामिड"। (₹ 8,00,000)

636. वनिथा जे, मद्रास विश्वविद्यालय, चैन्नई, तमिलनाडु, "अ स्टडी ऑन एवैलेबिलिटी एंड एक्सेसिबिलिटी ऑफ गवर्मेंट वेलफेयर मैजर्स फॉर द ट्रांसजेंडर कम्युनिटी इन तमिलनाडु"। (₹ 8,00,000)

637. खाम खां सुआन हॉजिंग, हैदराबाद विश्वविद्यालय, हैदराबाद, तेलंगाना, "एसीमैट्रिक ऑटोनोमी एंड द पॉलिटिक्स ऑफ एकोमोडेशन इन नॉर्थईस्ट इंडिया"। (₹ 9,50,000)

638. मोमेन्ला आमेर, नागालैंड विश्वविद्यालय, नागालैंड, "पॉलिटिकल पार्टीसिपेशन इन नागालैंड : द जेंडर डिबेट"। (₹ 8,00,000)

639. श्रीजी सेठ, श्री सत्य साईं महिला महाविद्यालय, भोपाल, मध्य प्रदेश, "क्वेश्चन आवर"। (₹ 360002.5)

640. एजाज वानी, कश्मीर विश्वविद्यालय, श्रीनगर, जम्मू एवं कश्मीर, "कॉनफ्लीक्ट, पंचायत राज इंस्टीट्यूशन्स एंड गवर्नेंस : अ स्टडी इन परफोरमेंस, प्रॉब्लेम्स एंड प्रॉसपेक्ट्स ऑफ पंचायत्स इन कश्मीर"। (₹ 7,00,000)

641. अदीदुर रहमान, हाजी अन्फर अली महाविद्यालय, असम, "रिफ्यूजी रीसेटलमेंट पॉलिसी एंड सिटीजनशिप ईश्यू ऑफ द हाजोंग ट्राइब ऑफ चैंगलॉग डिस्ट्रिक्ट ऑफ अरूणाचल प्रदेश"। (₹ 5,00,000)

642. बलराज कौर सिद्धू, भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, खड़गपुर, पश्चिम बंगाल, "सायबर गवर्नेंस एंड नेशनल सिक्योरिटी : पॉलिसी, लीगल एंड इंस्टीट्यूशनल फ्रेमवर्क्स"। (₹ 3,00,000)

643. तारा देवी, एस जी जी एस खालसा महाविद्यालय, माहिलपुर, पंजाब, "वूमेन पार्टीसिपेशन इन पंचायती राज इंस्टीट्यूशन्स : अ केस स्टडी ऑफ डिस्ट्रिक्ट होशियारपुर"। (₹ 8,00,000)

644. संजय सिंह बघेल, दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली, "भारतीय लोकतंत्र में सोशल मीडिया का प्रभाव : गैर हिंदी भाषी राज्यों के विशेष संदर्भ में"। (₹ 6,00,000)

645. अजरा आबिदी, जामिया मिलिया इस्लामिया विश्वविद्यालय, दिल्ली, "स्टेट, एजुकेशन एंड डेमोक्रेसी : अ केस स्टडी ऑफ वैली ऑफ कश्मीर"। (₹ 9,00,000)

646. तृप्ति शर्मा, गाँधी मेमोरियल राष्ट्रीय महाविद्यालय, हरियाणा, "अ स्टडी ऑफ वेलफेयर स्कीम्स फॉर वूमेन एमपॉवरमेंट इन हरियाणा"। (₹ 4,75,000)

647. सी विनोदन, महात्मा गाँधी विश्वविद्यालय, कोट्टायम, केरल, "राइज ऑफ चाइना एंड द न्यू सिल्क रोड प्रोजेक्ट : इंप्लीकेशन्स फॉर इंडियाज़ नेशनल सिक्योरिटी"। (₹ 3,00,000)

648. हेमलता बोरकर वासनिक, पं. रविशंकर शुक्ला विश्वविद्यालय, रायपुर, छत्तीसगढ़, "जनजातियों पर नक्सलवाद के प्रभाव का समाजशास्त्रीय विश्लेषण"। (₹ 5,00,000)

649. सीमा काजी, महिला विकास अध्ययन केन्द्र, दिल्ली, "द जेंडर ऑफ डेमोक्रेसी : अ साउथ एशियन कंपेरीजन"। (₹ 3,00,000)

650. प्रभात कुमार मिश्रा, असम विश्वविद्यालय, सिलचर, असम, "भाषा सरंक्षण एवं संवर्धन में भारत सरकार की भाषा नीति की भूमिका और प्रासंगिकता : अष्टम अनुसूची और मैथिली भाषा के विशेष संदर्भ में"। (₹ 8,00,000)

651. इक्बालुर रहमान, अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय, अलीगढ़, उत्तर प्रदेश, "कश्मीर टरमोईल एंड इट्स इंपेक्ट ऑन गुज्जर बकरवाल ट्राइब : अ केस स्टडी ऑफ राजौरी पूंच्छ डिस्ट्रिक्ट"। (₹ 8,00,000)

652. रत्नाकर लक्षेते, देगलूर महाविद्यालय, देगलूर, महाराष्ट्र, "एक राष्ट्र एक चुनाव की सामाजिक– आर्थिक एवं राजनीतिक उपलब्धियों एवं चुनौतियों का अध्ययन"। (₹ 9,00,000)

653. मोनिका कन्नन, सोफिया गर्ल्स महाविद्यालय, राजस्थान, "इंपेक्ट ऑफ जियोग्राफिकल स्पेस एंड अर्बन ट्रांसफोर्मेशन ऑन वूमेन इन सोसायटी : अ स्टडी ऑफ अजमेर सिटी"। (₹ 9,00,000)

654. अजय मिश्रा, भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, खड़गपुर, पश्चिम बंगाल, "स्मार्ट सिटी इनीशिएटिव्ज इन इंडिया : चैलेंजेज एंड नीडेड पॉलिसी रिफोर्म्स"। (₹ 18,00,000)

655. उदय सांलुखे, एस पी मंडालीज प्रिं. एल एन वेलिंगकर प्रबंध, विकास एवं अनुसंधान संस्थान, महाराष्ट्र, "रुरल–अर्बन माईग्रेशन एंड इट्स इंप्लीकेशन : स्टडी इन थ्री स्टेट्स ऑफ इंडिया"। (₹ 15,00,000)

656. राजेश्वरी कृष्णागोपाल, पीएसजी कला एवं विज्ञान महाविद्यालय, तमिलनाडु, "वॉकेबिलिटी इन अर्बन पेडेस्ट्रियन एनवायरमेंट विद रेफरेंस टू कोयंबटूर"। (₹ 8,00,000)

657. कौस्तुभ कांति रे, केआईआईटी, उड़ीसा, "सर्विस क्वालिटी डायमेंशन्स : एन एसेसमेंट ऑफ गवर्मेंट स्पांसर्ड सोशल प्रोग्राम्स"। (₹ 5,00,000)

658. अमित चतुर्वेदी, हिमाचल प्रदेश राष्ट्रीय विधि विश्वविद्यालय, हिमाचल प्रदेश, "वोल्यून्टरी रिलीजियस

ग्रुप्स एंड एनवायरमेंट प्रिजर्वेशन – अ केस स्टडी ऑफ पद्म श्री बलबीर सिंह सीचवाल्स रिवर कंजरवेशन मूवमेंट इन पंजाब"। (₹ 4,35,000)

659. अंजना भाग्यनाथन, राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान, कालीकट, केरल, "एटीट्यूड्स टूवर्ड्स द एनवायरमेंट : स्टडी इन केरल, पोस्ट 2018 फ्लड्स"। (₹ 6,00,000)

660. अनु गुप्ता, बिड़ला विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी संस्थान, पिलानी, राजस्थान, "क्राइम एनालिसिस एंड स्टडी फॉर सेफ सिटीज़ विद एंफासिस ऑन वूमेन सेफ्टी यूजिंग टैक्नोलॉजी एंड सोसाइटल पार्टीसिपेशन"। (₹ 5,00,000)

661. अरिंदम बिस्वास, भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, रुड़की, उत्तराखंड, "इन्वेस्टीगेटिंग सोशल रेजीलिएंस ऑफ इन्वोल्यूंट्री माइग्रेंट्स, इन्टरनली डिसप्लेस्ड ड्यू टू नेचुरल कैलैमाइटीज़ इन इंडिया"। (₹ 13,00,000)

662. अर्पिता मित्रा, कलिंगा औद्योगिक प्रौद्योगिकी संस्थान, उड़ीसा, "पोलीसिंग स्मार्ट सिटीः चैलेंजेज एंड प्रायोरिटीज टूवर्ड्स अर्बन ट्रांसफोर्मेशन ऑफ कोलकाता एंड भुबनेश्वर"। (₹ 7,00,000)

663. मो. जुल्फीकार अली, आलिया विश्वविद्यालय, कोलकाता, पश्चिम बंगाल, "अर्बन ग्रीन स्पेसेज़, ह्यूमन हैल्थ एंड वैल–बीईंग इन केएमसी, वैस्ट–बेंगॉल : एसेसमेंट ऑफ एक्सेसीबिलिटी टूवर्ड पॉलिसी फोर्म्यूलेशन विस–अ–विस सिटी प्लानिंग"। (₹ 9,50,000)

664. प्रियंका शाह, गुजरात टैक्नोलॉजीकल विश्वविद्यालय, अहमदाबाद, "गुजरात, अ स्टडी ऑन अर्बन ट्रांसपोर्टेशन एंड कंजेशन ऑफ अहमदाबाद विद फोकस ऑन बिहेवियरल पैटर्न ऑफ कम्युटर्स विद रिसपेक्ट टू पब्लिक ट्रांसपोर्टेशन"। (₹ 2,35,000)

665. आशा मेहता, मानव विकास संस्थान, दिल्ली, "अर्बन ट्रांसपोर्ट एंड लेबर सप्लाई डायनेमिक्स ऑफ वूमेन : अ टू–जेनरेशनल स्टडी ऑफ वूमेन इन देहली"। (₹ 8,00,000)

666. राहुल ए सिरोही, भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, तिरुपति, आंध्र प्रदेश, "एक्सेसिंग हाउसहोल्ड्स प्रेफरेंस फॉर एनर्जी एफीशिएंट एप्लाईसेज़ इन बैंगलुरु सिटी, इंडिया : इंटरनैलिटीज़, एक्सटरनैलिटीज़ एंड सोशल नॉर्म्स"। (₹ 11,00,000)

667. रीतांजली माझी, राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान, कर्नाटक, कर्नाटक, "एक्सप्लोरिंग एफिशिएंट सोल्यूशन्स फॉर मैनेजमेंट ऑफ हाउसहोल्ड्स वेस्ट : अ मल्टी–स्टेकहोल्डर अप्रोच"। (₹ 12,00,000)

668. सुदर्शन एस, मद्रास क्रिश्चियन महाविद्यालय, तमिलनाडु, "इंपेक्ट ऑफ पेरी–अर्बन डेवलेपमेंट : विद स्पेशल रेफरेंस टू स्पेशल इकोनोमिक जोन्स इन कांचीपुरम डिस्ट्रिक्ट ऑफ तमिलनाडु"। (₹ 4,00,000)

669. माया उन्दे, बी पी एच ई सोसायटी अहमदनगर महाविद्यालय, अहमदनगर, महाराष्ट्र, "इंपेक्ट ऑफ अर्बन ट्रांसफोर्मेशन ऑन रिवर्स इन अहमदनगर डिस्ट्रिक्ट, महाराष्ट्र"। (₹ 8,00,000)

670. के कनक राजू, तमिलनाडु केन्द्रीय विश्वविद्यालय, तिरुवरुर, तमिलनाडु, "इंपेक्ट ऑफ अर्बन गवर्नेंस ऑन अर्बन ट्रांसफोर्मेशन इन सेलेक्टेड सिटीज़ ऑफ आंध्र प्रदेश एंड तमिलनाडु"। (₹ 4,00,000)

671. एन पद्मावथी, जेप्पिआर अभियांत्रिकी (एमबीए) महाविद्यालय, तमिलनाडु, "अ स्टडी ऑन द रोल ऑफ ड्राइवर्स बिहेवियर इन रोड ट्रैफिक एक्सीडेंट विद स्पेशल रेफरेंस टू अर्बन चैन्नई"। (₹ 4,90,000)

672. विश्व राज शर्मा, दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली, "एप्रैजेल ऑफ अर्बन ग्रोथ डायनैमिक्स एंड पॉल्यूशन यूजिंग जीआईएस टैक्नीक्स अलांग रिवर यमुना"। (₹ 10,00,000)

673. आशीष सहजपाल, पंजाब विश्वविद्यालय, चंडीगढ़, चंडीगढ़, "द स्ट्रीट वेन्डर्स एक्ट 2014 – अ स्टडी ऑफ इंप्लीमेंटेशन गैप्स एंड लेवल ऑफ अवेयरनेस अमांगस्ट स्ट्रीट वेन्डर्स इन लुधियाना सिटी"। (₹ 6,00,000)

674. अंकिताबेन, गुजरात विश्वविद्यालय, अहमदाबाद, गुजरात, "अ स्टडी ऑन सैनीटेशन फैसीलिटीज़ इन अर्बन स्लम एरिया ऑफ म्युनिसीपल कॉर्पोरेशन्स इन गुजरात"। (₹ 400,000)

675. सिबाब्रत दास, रैवेनशॉ विश्वविद्यालय, कटक, उड़ीसा, "अर्बन ट्रांसपोर्टेशन एंड वैल–बीईंग : अ स्टडी ऑफ स्लम ड्वैलर्स ऑफ भुबनेश्वर स्मार्ट सिटी"। (₹ 8,00,000)

676. मनीष कुमार झा, टाटा सामाजिक विज्ञान संस्थान, महाराष्ट्र, "माइग्रेंट वर्कर्स एंड अर्बनाईजेशन इन पॉलिटीकली सेन्सीटिव एरियाज : अ स्टडी ऑफ कश्मीर एंड मणिपुर"। (₹ 10,00,000)

677. बी एस वासुदेव राव, आंध्र प्रदेश विश्वविद्यालय, विशाखापट्टनम, आंध्र प्रदेश, "अर्बन ट्रांसफोर्मेशन : सोशल रिस्पांसीबिलिटी ऑफ पीपुल फॉर कैपीटल डेवलेपमेंट विद रेफरेंस टू द अमरावती – द पीपुल्स कैपीटल ऑफ आंध्र प्रदेश"। (₹ 5,00,000)

678. मौशुमी दत्ता, नगिनदास खांडवाला महाविद्यालय, महाराष्ट्र, "स्टडी ऑफ रोड ट्रैफिक कंजेशन इन ग्रैटर मुंबई : स्पैशियो–सोशल डायमेंशन एंड जियो–स्पैशियल एप्रैजल एंड सोल्यूशन्स"। (₹ 12,00,000)

679. हरीओम बंसल, बिड़ला विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी संस्थान, पिलानी, राजस्थान, "मॉडलिंग द ड्राईवर्स एंड बैरियर्स ऑफ इलेक्ट्रिक व्हीकल पेनेट्रैशन इन इमर्जिंग इकोनोमी : अ स्टडी ऑफ इंडियन मार्केट"। (₹ 5,00,000)

680. आनंद वाडवेकर, प्लानिंग एवं आर्किटेक्चर विद्यालय, भोपाल, मध्य प्रदेश, "मैपिंग द सोश्यो–स्पैशियल डिवाईड इन अ सिटी – अ टूल फॉर इन्फोर्म्ड डिसीजन मेकिंग इन अर्बन ट्रांसफोर्मेशन"। (₹ 5,50,000)

681. नंदकुमार सावंत, पार्वतीबाई चौगले कला एवं विज्ञान महाविद्यालय (स्वायत्त), गोवा, "रीविलिंग द विजिबल कल्चरल लैंडस्कैप एंड हैरीटेज : एमालगेमेशन ऑफ गोवाज़ अर्बन ट्रांसफोर्मेशन एंड आइडेन्टिटी"। (₹ 8,00,000)

682. रतुल दास, राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान, अगरतला, त्रिपुरा, "डेवलेपिंग अ मेथेडोलॉजी फॉर सेल्फ–क्लींजिंग ऑफ अर्बन स्टॉर्म वॉटर डैनेज सिस्टम : अ साइंटिफिक अप्रौच फॉर ग्रीनिंग स्मार्ट सिटी"। (₹ 4,00,000)

683. कनिष्का सरकार, जाधवपुर विश्वविद्यालय, पश्चिम बंगाल, "अ केस स्टडी ऑन ट्रैंड्स ऑफ सोशल मोबीलिटी इन न्यू जेनरेशन्स इन कोलकाता मेट्रोपोलिटन सिटी"। (₹ 5,00,000)

684. अपर्णा फड़के, मुंबई विश्वविद्यालय, मुंबई, महाराष्ट्र, "ट्रांसफोर्मेटिव अर्बन रीजन्स : गवर्निंग एक्सेसीबिलिटी, लिवैबिलिटी एंड सस्टैनेबिलिटी इन द मेगासिटी रीजन्स"। (₹ 10,00,000)

685. क्षयना प्रवा सामल, कलिंगा औद्योगिक प्रौद्योगिकी संस्थान, भुबनेश्वर, उड़ीसा, "सोशल डिटरमाइनर्स ऑफ वॉटर इनइक्विटी – अ सिस्टैमेटिक इनवेस्टीगेशन एट भुबनेश्वर"। (₹ 8,50,000)

686. प्रदीप कुमार सरकार, कलिंगा औद्योगिक प्रौद्योगिकी संस्थान, भुबनेश्वर, उड़ीसा, "एन एसेसमेंट ऑफ सेंट्रल एंड स्टेट वॉटर लॉज टू एड्रैस वॉटर मैनेजमेंट प्रॉब्लम्स ऑफ मिड साइज़ सिटीज़ : अ केस स्टडी एट भुबनेश्वर"। (₹ 5,00,000)

687. संतोष भाइलुम, कु. वी एन नाईक शिक्षण प्रसारक संस्थाज़ कला, वाणिज्य एवं विज्ञान महाविद्यालय नासिक, महाराष्ट्र, "अर्बन ग्रोथ ऑफ पूणे, पिंपरी–चिंचवाड एंड नासिक सिटी इन महाराष्ट्र एन एसेसमेंट थ्रू जियोस्पैशियल टैक्नीक्स"। (₹ 9,00,000)

688. मोना मेहता, भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, गाँधीनगर, गुजरात, "ट्रांसफोर्मिंग पेरी–अर्बन स्पेसेज इनटू एक्जेमप्लरी लिव–वर्क नेटवर्क्स"। (₹ 8,00,000)

689. मनीषा सेठी, जामिया मिलिया इस्लामिया विश्वविद्यालय, दिल्ली, "रिलीजन एंड अर्बन प्लानिंग : अ स्टडी ऑफ नेशनल कैपीटल रीजन ऑफ देहली एंड हैदराबाद मेट्रोपोलीटन रीजन"। (₹ 15,00,000)

690. कोंथोउजाम ज्ञानेंद्र सिंह, राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान, मिजोरम, मिजोरम, "प्रेफेरेंस ऑवर मल्टी–मॉडल मोबीलिटी ऑपशन्स ऑफ अर्बन ड्वेलर्स : अ केस ऑफ एजवाल सिटी इन मिजोरम"। (₹ 10,00,000)

691. मिलाप पूनिया, जवाहरलाल नेहरु विश्वविद्यालय, दिल्ली, "सोश्यो–इकोलॉजीकल पर्सपेक्टिव फॉर अर्बन ग्रोथ एंड वॉटर रिसोर्स सस्टैनेबिलिटी : अ केस स्टडी ऑफ जयपुर"। (₹ 20,00,000)

692. तेजवीर सिंह, एस एम जे एन (पी जी) महाविद्यालय, हरीद्वार, उत्तराखंड, "अर्बन ट्रांसफोर्मेशन, एथीकल आईडियोलॉजी एंड सिविक एंगेजमेंट"। (₹ 9,00,000)

693. शुभा, शासकीय प्रथम स्तर महाविद्यालय, विजयनगर, बैंगलोर, कर्नाटक, "लाइफस्टायल डिजीजेज़ इन रुरल वूमेन ड्यू टू अर्बनाईजेशन – अ केस स्टडी इन बैंगलोर रुरल"। (₹ 7,50,000)

694. रीता सिन्हा, बर्दवान विश्वविद्यालय, बर्दवान, पश्चिम बंगाल, "समकालीन कथा–साहित्य में परिवर्तित शहरी चेतना का समाजशास्त्रीय मूल्यांकन"। (₹ 4,00,000)

लघुरूप

ए.सी.	आर्यभट्ट कॉलेज, दिल्ली
ए.सी.सी.	कला एवं वाणिज्य कॉलेज
ए.जी.टी.सी.	आचार्यलाल गिरधरलाल शिक्षक कॉलेज
एम्स	अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान
ए.आई.एल.एच.	एसोसिएशन ऑफ इंडियन लेबर हिस्टोरियन्स, दिल्ली
ए.आई.टी.एस.	अन्नामचार्य इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी एंड साइंसेज
ए.एल.आई.यू.	अलीया यूनिवर्सिटी, कोलकाता
ए.एल.यू.	इलाहाबाद यूनिवर्सिटी, इलाहाबाद
ए.एम.यू.	अलीगढ़ मुस्लिम यूनिवर्सिटी
ए.एन.एन.ए.यू.	अन्नामलाई यूनिवर्सिटी, चिदंबरम
ए.एन.यू.	आदिकवि नन्नया यूनिवर्सिटी
ए.आर.एस.डी.सी.	आत्म राम सनातन धर्म कॉलेज
ए.यू.	असम विश्वविद्यालय, सिलचर
ए.वी.वी.वी.एम.एस.पी.सी.	ए.वी.वी.वी.एम. श्री पुष्पम कॉलेज
बी.बी.ए.यू.	डॉ. बाबासाहेब भीमराव अम्बेडकर विश्वविद्यालय, लखनऊ
बी.बी.सी.	बी. बरुआ कॉलेज, गुवाहाटी
बी.सी.सी.	बोरदोलोनी केंद्रीय कॉलेज
बी.जी.एस.बी.यू.	बाबा गुलाम शाह बादशाह यूनिवर्सिटी
बी.एच.यू.	बनारस हिन्दू यूनिवर्सिटी
बी.आई.टी.एस.	बिड़ला इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी एंड साइंस, गोवा
बी.पी.जी.सी.	बापू पी.जी. कॉलेज
सी.ए.यू.	सेंट्रल एग्रीकल्चरल यूनिवर्सिटी, इम्फाल
सी.सी.एस.यू.	चौधरी चरण सिंह यूनिवर्सिटी, मेरठ
सी.ई.एस.एस.	सेंटर फॉर इकोनॉमिक एंड सोशल स्टडीज
सी.जी.एस.	सेंटर फॉर जीरओन्टोलॉजिकल स्टडीज
सी.एच.एस.	कॉलेज ऑफ होम साइंस
सी.एल.एम.	चमन लाल महाविद्यालय
सी.आर.आर.आई.डी.	सेंटर फॉर रिसर्च इन रूरल एंड इंडस्ट्रियल डवलपमेंट

सी.एस.डी.	काउंसिल फॉर सोशल डेवलपमेंट
सी.एस.डब्ल्यू.	कॉलेज ऑफ सोशल वर्क
सी.यू.	कलकत्ता यूनिवर्सिटी, कोलकाता
सी.यू.जी.	गुजरात केंद्रीय विश्वविद्यालय, गांधीनगर
सी.यू.जे.	झारखंड केंद्रीय विश्वविद्याय, रांची
सी.यू.एच.	हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय
सी.यू.के.	केरल केंद्रीय विश्वविद्यालय
सी.यू.के.(के.यू.)	कश्मीर केंद्रीय विश्वविद्यालय, श्रीनगर
सी.यू.पी.	पंजाब केंद्रीय विश्वविद्यालय
सी.यू.एस. एंड टी.	कोचीन यूनिवर्सिटी ऑफ साइंस एंड टेक्नोलॉजी, कोचीन
सी.यू.टी.एन.	तमिलनाडु केंद्रीय विश्वविद्यालय
डी.ए.सी.	देवंगा आट्र्स कॉलेज
डी.बी.आर.ए.सी.	डॉ. भीमराव अम्बेडकर कॉलेज
डी.बी.आर.ए.जी.जी.पी.जी.सी.	डॉ. भीमराव अम्बेडकर गवर्नमेंट गर्ल्स पी.जी. कॉलेज
डी.डी.यू.जी.यू.	डी.डी.यू. गोरखपुर विश्वविद्यालय
डी.एच.एस.जी.यू.	डॉ. हरि सिंह गौड़ विश्वविद्यालय
डी.के.सी.	दक्षिणी कामरूप कॉलेज
डी.एल.आर.सी.	दून लाइब्रेरी एवं रिसर्च सेंटर, देहरादून
डी.एन.जी.पी.ए.एस.सी.	डॉ. एन.जी.पी. आट्र्स एंड साइंस कॉलेज
डी.एन.एम.	धनजी नाना महाविद्यालय
डी.आर.एम.एल.एन.एल.यू.	डॉ. राममनोहर लोहिया नेशनल लॉ यूनिवर्सिटी
डी.एस.ई.	दिल्ली स्कूल ऑफ इकोनॉमिक्स
डी.एस.पी.एस. एंड आर.	दिल्ली स्कूल ऑफ प्रोफेशनल स्टडीज एवं रिसर्च, दिल्ली
डी.यू.	दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली
ई.सी.सी.	ईविंग क्रिश्चियन कॉलेज
जी.ए.एम.सी.	गोपीचंद आर्य महिला कॉलेज
जी.ए.यू.	गोहाटी यूनिवर्सिटी, असम
जी.बी.पी.एस.एस.आई.	जी.बी. पंत सोशल साइंस इंस्टीट्यूट
जी.बी.यू.	गौतम बुद्ध यूनिवर्सिटी, नोएडा
जी.डी.बी.जी.सी.	गवर्नमेंट डी.बी. गर्ल्स कॉलेज
जी.डी.सी.	गवर्नमेंट डीग्री कॉलेज
जी.एफ.जी.सी.डब्ल्यू.	गवर्नमेंट फर्स्ट ग्रेड कॉलेज ऑफ वुमेन
जी.जी.वी.	गुरू घासीदास विश्वविद्यालय, बिलासपुर, छत्तीसगढ़
जी.आई.डी.आर.	गुजरात इंस्टीट्यूट ऑफ डेवलपमेंट रिसर्च, अहमदाबाद
जी.एन.डी.यू.	गुरु नानक देव विश्वविद्यालय

जी.एन.यू.डी.सी.	गुरु नानक देव यूनिवर्सिटी कॉलेज
जी.ओ.यू.	गोवा यूनिवर्सिटी, गोवा
जी.यू.आई.एन.ई.आई.एस.	गोहाटी यूनिवर्सिटी इंस्टीट्यूट ऑफ नार्थ ईस्ट इंडिया स्टडीज
आई.ए.एस.एस.	इंडियन एकेडमी ऑफ सोशल साइंस, इलाहाबाद
आई.डी.एस.	इंस्टीट्यूट ऑफ डेवलपमेंट स्टडीज
आई.जी.एन.टी.यू.	इंदिरा गांधी राष्ट्रीय ट्राइबल यूनिवर्सिटी, अमरकंटक
आई.आई.ई.	इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ एजूकेशन
आई.आई.आई.टी.	भारतीय सूचना प्रौद्योगिकी संस्थान
आई.आई.एल.ई.	इंडियन लेबर इकोनॉमिक्स इंस्टीट्यूट, दिल्ली
आई.आई.एम.	इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट, अहमदाबाद
आई.आई.टी.	भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान
आई.पी.ई.	इंस्टीट्यूट ऑफ पब्लिक इंटरप्राइजेज, हैदराबाद
आई.एस.ए.एम.	इंडियन सोसाइटी ऑफ एग्रीकल्चरल मार्केटिंग
आई.एस.डी.सी.	ईश्वर सरन डिग्री कॉलेज
आई.एस.ई.सी.	इंस्टीट्यूट फॉर सोशल एंड इकोनॉमिक चेंज, बेंगलोर
आई.एस.आई.	भारतीय सांख्यिकी संस्थान
आई.एस.आई.डी.	इंस्टीट्यूट फॉर स्टडीज इन इंडस्ट्रीयल डेवलपमेंट
आई.टी.एम.यू.	आई.टी.एम. यूनिवर्सिटी, ग्वालियर
आई.टी.पी.	इंस्टीट्यूट ऑफ टाउन प्लानर, दिल्ली
जे.ए.आई.आर.	जाधवपुर एसोसिएशन ऑफ इंटरनेशनल रिलेशंस
जे.एम.आई.	जामिया मिलिया इस्लामिया
जे.एन.सी.	जवाहरलाल नेहरू कॉलेज
जे.एन.यू.	जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय, दिल्ली
जे.एन.वी.यू.	जय नारायण व्यास यूनिवर्सिटी
जे.पी.आई.पी.	ज्ञान प्रबोधिनी इंस्टीट्यूट ऑफ साइकोलॉजी
जे.एस.एच.पी.जी.सी.	जे.एस. हिंदू पी.जी. कॉलेज
जे.एस.एस.आई.ई.आर.	जे.एस.एस. इंस्टीट्यूट ऑफ इकोनॉमिक रिसर्च
के.ए.यू.	कल्याणी यूनिसर्विटी, नाडिया, पश्चिम बंगाल
के.सी.डब्ल्यू.	खालसा कॉलेज ऑफ वुमेन
के.ई.आर.यू.	केरल यूनिवर्सिटी, तिरुवनंतपुरम
के.आर.के.जी.डी.सी.	के.आर.के. गवर्नमेंट डिग्री कॉलेज
के.यू.एम.यू.	कुमाऊं यूनिवर्सिटी, नैनीताल
एल.एस.आर.	लेडी श्री राम कॉलेज फॉर वुमेन
एम.ए.सी.	महाराजा अग्रसेन कॉलेज
एम.ए.एन.यू.यू.	मौलाना आजाद राष्ट्रीय उर्दू विश्वविद्यालय, हैदराबाद

एम.ए.यू.	मद्रास यूनिवर्सिटी, चेन्नई
एम.बी.एस.पी.जी.सी.	महाराजा बलवंत सिंह पी.जी. कॉलेज
एम.सी.	मेरठ कॉलेज, मेरठ
एम.सी.एम.डी.ए.वी.सी.डब्ल्यू.	एम.सी.एम. डी.ए.वी. कॉलेज फॉर वुमेन
एम.जी.सी.	महिषादल गर्ल्स कॉलेज
एम.जी.के.सी.जी.	माता गंगा खालसा कॉलेज फॉर गर्ल्स
एम.जी.के.वी.	महात्मा गांधी काशी विद्यापीठ
एम.के.यू.	मदुरै कामराज विश्वविद्यालय
एम.पी.डी.एस.ए.	मध्य प्रदेश दलित साहित्य अकादमी
एम.पी.आई.एस.एस.आर.	एम.पी. सोशल साइंस रिसर्च इंस्टीट्यूट
एम.पी.एल.सी.	माणिकचंद पाहाडे लॉ कॉलेज
एम.एस.यू.	मोहनलाल सुखाड़िया यूनिवर्सिटी, उदयपुर
एम.टी.डब्ल्यू.यू.	मदर टेरेसा महिला यूनिवर्सिटी
एम.यू.	मिजोरम यूनिवर्सिटी, आइजोल
एम.यू.यू.	मुंबई यूनिवर्सिटी, मुंबई
एम.वी.एस.जी.ए.एस.सी.	एम.वी.एस. गवर्नमेंट आर्ट्स एंड साइंस कॉलेज
एम.वाई.यू.	मैसूर यूनिवर्सिटी, मैसूर
एन.बी.सी.सी.	नंदलाल बोरगोहेन सिटी कॉलेज
एन.सी.सी.डी.एस.	नबकृष्ण चौधरी सेंटर फॉर डेवलपमेंट स्टडीज
एन.ई.एच.यू.	नॉर्थ ईस्टर्न हिल यूनिवर्सिटी, शिलांग
एन.ई.एस.आर.सी.	एन.ई.एस. रत्नम कॉलेज, मुंबई
एन.आई.ए.एस.	नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ एडवांस्ड स्टडीज
एन.आई.एच.	नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ हाइड्रोलॉजी, रूड़की
एन.आई.एम.एच.ए.एन.एस.	नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ मेंटल हेल्थ एंड न्यूरोसाइंसेज
एन.आई.आर.	नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ राउरकेला
एन.ओ.यू.	नॉर्थ ओडिशा यूनिवर्सिटी
एन.एस.पी.ए.सी.	एन.एस. पटेल आर्ट्स कॉलेज
पी.डी.सी.	पशिम धमाजी कॉलेज
पी.डी.डी.यू.जी.ए.सी.सी.	पं. दीन दयाल उपाध्याय गवर्नमेंट आर्ट्स एंड कॉमर्स, सागर
पी.डी.डब्ल्यू.सी.	पी.डी. वुमेंस कॉलेज
पी.ई.एस.आर.एस.एन.सी.ए.एस.	पी.ई.एस. रवि सीताराम नाइक कॉलेज ऑफ आर्ट्स एवं साइंस
पी.जी.डी.सी.	पिथुबर गर्ल्स डिग्री कॉलेज
पी.जी.आई.एम.ई.आर.	पोस्ट ग्रेजुएट इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल एजुकेशन एवं रिसर्च
पी.एच.एफ.आई.	पब्लिक हेल्थ फाउंडेशन ऑफ इंडिया
पी.आर.एस.यू.	पं. रविशंकर शुक्ला यूनिवर्सिटी

पी.एस.एस.ओ.पी.यू.	पं. सुंदरलाल शर्मा (ओपन) यूनिवर्सिटी
पी.यू.	पंजाबी यूनिवर्सिटी, पटियाला
पी.वी.के.एन.जी.सी.	पी.वी.के.एन. गवर्नमेंट कॉलेज
आर.सी.यू.	रानी चेन्नमा यूनिवर्सिटी
आर.एम.एल.ए.यू.	डॉ. राम मनोहर लोहिया अवध यूनिवर्सिटी, फैजाबाद
आर.एम.पी.	रामभाऊ म्हालगी प्रबोधिनी
आर.एम.वी.सी.सी.	रामकृष्ण मिशन विवेकानंद शताब्दी कॉलेज
आर.पी.एस.डी.सी.	राव पहलाद सिंह डिग्री कॉलेज
आर.आर.एम.	राजे रामराव महाविद्यालय
आर.एस.जी.सी.	राजा सर्फोजी गवर्नमेंट कॉलेज
आर.यू.	रावेनशॉ यूनिवर्सिटी, कटक
एस.ए.सी.सी.	सार्वजनिक आर्ट्स एंड कामर्स कॉलेज
एस.ए.एस.सी.एम.ए.एच.एस.सी.	श्रीमती ए.एस. चौधरी महिला आर्ट्स होम साइंस कॉलेज
एस.बी.एस.सी.	शहीद भगत सिंह कॉलेज, दिल्ली
एस.के.बी.यू.	सिद्धो कान्हो बिरसा यूनिवर्सिटी
एस.एल.सी.	श्याम लाल कॉलेज, दिल्ली
एस.एम.वी.डी.यू.	श्री माता वैष्णो देवी यूनिवर्सिटी, कटड़ा
एस.ओ.ए.यू.	शिक्षा 'ओ' अनुसंधान यूनिवर्सिटी, भुवनेश्वर
एस.पी.पी.सी.	स्वाहिद प्रोली फुक्कन कॉलेज, शिवसागर
एस.एस.डी.एम.	श्री संत दामाजी महाविद्यालय
एस.यू.	सिक्किम यूनिवर्सिटी, गंगटोक
एस.वी.यू.	श्री वेंकटेश्वर यूनिवर्सिटी, तिरुपति
टी.एच.बी.सी.	टायगबीर हेम बरूआ कॉलेज
टी.आई.ई.एस.	द इंडियन इकोनॉमेट्रिक सोसाइटी
टी.आई.एस.एस.	टाटा इंस्टीट्यूट ऑफ सोशल साइंसेज, मुंबई
टी.एम.वी.	तिलक महाराष्ट्र विद्यापीठ
टी.टी.जी.सी.	टीचर्स ट्रेनिंग गोविंदम कॉलेज
टी.टी.एन.सी.	तेलही तुवरम नाथ कॉलेज
यू.टी.के.यू.	उत्कल यूनिवर्सिटी, भुवनेश्वर
वी.आई.पी.एस.	विवेकानंद इंस्टीट्यूट फॉर प्रोफेशनल स्टडीज
वी.एल.बी.जे.सी.ए.एस.	वी.एल.बी. जानकीमल कॉलेज ऑफ आर्ट्स एवं साइंस
वी.यू.	विद्यासागर विश्वविद्यालय
वी.वी.पी.जी.सी.	वी.वी. पोस्ट ग्रेजुएट कॉलेज फॉर वुमेन
डब्ल्यू.सी.सी.	महिला क्रिश्चियन कॉलेज
डब्ल्यू.आर.सी., आई.सी.एस.एस.आर.	वेस्टर्न रीजनल सेंटर, आई.सी.एस.एस.आर., मुंबई
जेड.एच.सी.	ज़ाकिर हुसैन कॉलेज, दिल्ली

वार्षिक लेखे

भारतीय सामाजिक विज्ञान अनुसंधान परिषद्, नई दिल्ली के 31 मार्च, 2021 को समाप्त वर्ष के लिए लेखों के संबंध में भारत के नियंत्रक एवं महालेखापरीक्षक की पृथक् लेखा परीक्षा प्रतिवेदन (रिपोर्ट)

हमने, नियंत्रक और महालेखापरीक्षक (कर्त्तव्य, शक्तियां तथा सेवा शर्तें) अधिनियम, 1971 की धारा 20 (1) के अंतर्गत भारतीय सामाजिक विज्ञान अनुसंधान परिषद् (आई.सी.एस.एस.आर.) के 31 मार्च, 2021 की स्थिति के अनुसार संलग्न तुलन पत्र और आय और व्यय लेखे और उस तारीख को समाप्त वर्ष के संबंध में प्राप्ति और अदायगी लेखे की, लेखा परीक्षा की है। लेखा परीक्षा का कार्य 2020–21 की अवधि के लिए सौंपा गया है। इन वित्तीय विवरणों में भारतीय सामाजिक विज्ञान अनुसंधान परिषद् (आई.सी.एस.एस.आर.) के छह क्षेत्रीय केंद्रों के लेखे शामिल हैं। इनमें से दो क्षेत्रीय केंद्रों की लेखा परीक्षा की गई तथा टिप्पणी रिपोर्ट में सम्मिलित की गई है। इन वित्तीय विवरणों का उत्तरदायित्व परिषद् के प्रबंधन का है। लेखा परीक्षक के रूप में इन वित्तीय विवरणों के संबंध में अपनी राय व्यक्त करने का उत्तरदायित्व हमारा है।

2. इस पृथक लेखा परीक्षा रिपोर्ट में, केवल सर्वोत्तम लेखाकरण प्रथाओं का लेखाकरण मानकों और प्रकटन मानदंडों आदि के साथ वर्गीकरण अनुरूपता के संबंध में, लेखाकरण व्यवहार के संबंध में भारत के नियंत्रक और महालेखा परीक्षक (सीएजी) की टिप्पणियां दी गई हैं। कानून, नियमों और विनियमों (औचित्य और नियमितता) और कार्यकुशलता–सह–निष्पादन पहलुओं आदि के अनुपालन के संबंध में वित्तीय लेन–देन लेखा परीक्षा टिप्पणियों के बारे में, यदि कोई है, पृथक रूप से निरीक्षण रिपोर्ट/सीएजी की लेखा परीक्षा रिपोर्टों में उल्लिखित किया गया है।

3. हमारी यह लेखा परीक्षा भारत में सामान्य रूप से स्वीकृत लेखा परीक्षा मानकों के अनुसार है। इन मानकों के अंतर्गत यह अपेक्षित है कि हम लेखा परीक्षा की योजना और उसके निष्पादन से इस बात का समुचित आश्वासन प्राप्त करे कि क्या वित्तीय विवरण किसी भी तरह की गलतबयानी से मुक्त है। लेखा परीक्षा में वित्तीय विवरणों में राशि और प्रकटनों का समर्थन करने वाले साक्ष्यों का परीक्षण के आधार पर जांच करना सम्मिलित है। लेखा परीक्षा के अंतर्गत, प्रयुक्त लेखा सिद्धांतों और प्रबंधन द्वारा लगाये गये महत्वपूर्ण अनुमानों का आकलन करना और साथ ही वित्तीय विवरणों के समग्र प्रस्तुतिकरण का भी आकलन करना सम्मिलित है। हमारा विश्वास है कि हमारी लेखा परीक्षा हमारी राय का एक उचित आधार प्रस्तुत करती है।

4. अपनी लेखा परीक्षा के आधार पर हम रिपोर्ट करते हैं किः

i) हमने वे सभी सूचनाएं और स्पष्टीकरण प्राप्त कर लिए हैं, जो कि हमारी सर्वोत्तम जानकारी और विश्वास के अनुसार हमारी लेखा परीक्षा के प्रयोजन के लिए आवश्यक हैं।

ii) रिपोर्ट में टिप्पणी के अधीन तुलनपत्र, आय एवं व्यय लेखे और प्राप्ति एवं अदायगी लेखे का उल्लेख भारत सरकार, शिक्षा मंत्रालय द्वारा निर्धारित फार्मेट में तैयार किया गया है।

iii) हमारी राय में, हमारी जांच से ज्ञात होता है कि भारतीय सामाजिक विज्ञान अनुसंधान परिषद् द्वारा रिपोर्ट में यथा वर्णित बहियों के अलावा, उचित लेखा बहियां व अन्य संगत रिकॉर्ड रखे गए हैं।

iv) हम यह भी रिपोर्ट करते हैं कि:–

क. तुलन पत्र

क. 1 परिसंपत्तियां

क.1.1 ऋण, अग्रिम एवं जमा–(अनुसूची–8) - 73.78 लाख रुपये

i) उपरोक्त में आई.सी.एस.एस.आर. मुख्यालय के 5.44 लाख रुपये सहित 6.44 लाख रुपये का प्रीपेड खर्च (हाउस कीपिंग सामग्री) शामिल है। जबकि रिकॉर्ड के अनुसार प्रीपेड खर्च रु. 1.54 लाख है। इसके परिणामस्वरूप ऋण, अग्रिम एवं जमा में आधिम्य तथा व्यय में 3.90 लाख रुपये की कमी आई।

ii) इसके अलावा 19.39 लाख रुपये की स्टेशनरी, डाक और हाउसकीपिंग सामग्री का अंतिम शेष ऋण, अग्रिम और जमा के तहत दिखाया गया है, जबकि इसे चालू परिसंपत्ति–स्टॉक के तहत दर्शाया जाना चाहिए। इसके परिणामस्वरूप ऋण, अग्रिम एवं जमा में आधिम्य तथा चालू परिसंपत्ति में 19.39 लाख रुपये की कमी आई।

ख. सहायता अनुदान

आई.सी.एस.एस.आर. के पास पिछले वर्ष की खर्च नहीं हुई 9.68 करोड़ रुपये (पूंजीः 2.90 करोड़ रुपये एवं राजस्वः 6.78 करोड़ रुपये) की राशि शेष थी। वर्ष 2020–21 के दौरान आई.सी.एस.एस.आर. को कुल 109.90 करोड़ रुपये का अनुदान भारत सरकार, शिक्षा मंत्रालय, उच्च शिक्षा विभाग से प्राप्त हुआ। आंतरिक उपार्जन एवं अन्य प्राप्तियों के 5.95 करोड़ रुपये प्राप्त हुए हैं। 125.53 करोड़ रुपये की कुल निधियों में से आई.सी.एस.एस.आर. द्वारा 104.38 करोड़ रुपये प्रयोग में लाए गए तथा 21.15 करोड़ रुपये (पूंजीः 2.27 करोड़ रुपये एवं राजस्वः 18.88 करोड़ रुपये) की राशि शेष रह गई।

ग. प्रबंधन पत्र

जिन कमियों को लेखा परीक्षा रिपोर्ट में शामिल नहीं किया गया, उन्हें उपचारात्मक/सुधारात्मक कार्रवाई करने के लिए अलग से प्रबंधन पत्र के माध्यम से सदस्य सचिव, भारतीय सामाजिक विज्ञान अनुसंधान परिषद के ध्यान में लाया गया।

v. पूर्ववर्ती पैराग्राफों में हमारी टिप्पणियों के अध्याधीन हम रिपोर्ट करते हैं कि इस रिपोर्ट में जिस तुलनपत्र और आय व व्यय खाते/प्राप्ति और अदायगी खाते का उल्लेख किया गया है वे लेखा बहियों से मेल खाते हैं।

vi. हमारी राय, हमारी अधिकतम जानकारी और हमें दिए गए स्पष्टीकरणों के अनुसार लेखों के संबंध में लेखाकरण नीतियों और लेखों से संबंध टिप्पणियों के साथ पठित उपर्युक्त वित्तीय विवरण और ऊपर बताए गए महत्वपूर्ण मामलों में और इस लेखा परीक्षा रिपोर्ट के साथ नत्थी संलग्नक में वर्णित अन्य मामलों में अध्याधीन, भारत में सामान्यतः स्वीकृत लेखांकन सिद्धांतों के अनुरूप सच्ची और निष्पक्ष स्थिति प्रस्तुत करते हैं:–

क. जहां तक भारतीय सामाजिक विज्ञान अनुसंधान परिषद् की 31 मार्च, 2021 की स्थिति के अनुसार मामलों के तुलनपत्र से इसका संबंध है और

ख. जहां तक उस तारीख को समाप्त वर्ष के संबंध में घाटे के आय और व्यय लेखे का संबंध है।

कृते भारत के नियंत्रक एवं महालेखापरीक्षक की ओर से

24.12.2021

लेखा परीक्षा महानिदेशक
(गृह, शिक्षा एवं कौशल विकास)

स्थानः नई दिल्ली
दिनांक : 24.12.2021

संलग्नक

1. आंतरिक लेखा परीक्षा पर्याप्तता :

- भारतीय सामाजिक विज्ञान अनुसंधान परिषद् का एक आंतरिक लेखा परीक्षा प्रकोष्ठ है। मुख्यालय में सभी फाइलों की अंतिम भुगतान से पहले आंतरिक लेखा प्रकोष्ठ द्वारा पूर्व चैकिंग की जाती है।
- क्षेत्रीय केंद्रों की आंतरिक लेखा परीक्षा भा.सा.वि.अ.प. मुख्यालय द्वारा की जाती है एवं वर्ष 2005–06 तक ही की गई है।

2. आंतरिक नियंत्रण तंत्र की पर्याप्तता :

निम्नलिखित मुद्दों को ध्यान में रखते हुए आंतरिक नियंत्रण प्रणाली को मजबूत करने की आवश्यकता है :–

- बाहरी लेखा परीक्षा टिप्पणियों पर प्रबंधन की प्रतिक्रिया प्रभावी नहीं है क्योंकि 35 पैरा बकाया है।
- नौ खातों के बैक पुनर्मिलन विवरण से पता चला कि निम्नलिखित राशि का मिलान लंबे समय से नहीं किया गया है:

(राशि रुपये में)

चैक जारी किए परन्तु भुगतान के लिए प्रस्तुत नहीं किए गए	चैक जमा किए गए परन्तु बैंक द्वारा क्रेडिट नहीं किए गए	बैंक द्वारा राशि डेबिट की गई किन्तु रोकड बही में दर्ज नहीं की गई	बैंक द्वारा राशि क्रेडिट की गई किन्तु रोकड बही में दर्ज नहीं की गई
47,49,052	76,42,679	42,95,255	2,79,71,896

यह देखा गया है कि कुछ राशियों का मिलान करना है जो 2007 से लंबित थे। इन राशियों के मिलान के लिए जल्द से जल्द कार्रवाई की जानी चाहिए।

3. अचल परिसंपत्तियों के भौतिक सत्यापन की प्रणाली

- भा.सा.वि.अ.प. (मुख्यालय एवं क्षेत्रीय कार्यालय) की अचल परिसंपत्तियों का भौतिक सत्यापन 2020–21 तक किया जा चुका है।
- पुस्तकें एवं प्रकाशनों का भौतिक सत्यापन 2018-19 तक हो चुका है।

4. वस्तुसूची के भौतिक सत्यापन की प्रणाली

- भा.सा.वि.अ.प. मुख्यालय एवं क्षेत्रीय केंद्र की उपभोज्य और गैर–उप भोज्य वस्तुओं का भौतिक सत्यापन 2020–21 तक हो चुका है।

5. सांविधिक देय राशियों के भुगतान की नियमितता

- 31.03.2021 को सांविधिक देय राशि के संबंध में छः माह से अधिक समय से कोई भुगतान बकाया नहीं था।

भारतीय सामाजिक विज्ञान अनुसंधान परिषद्, नई दिल्ली
समेकित वार्षिक लेखे 2020–21
31 मार्च, 2021 की स्थिति के अनुसार तुलन–पत्र

(राशि रुपये में)

निधियों के स्रोत	**अनुसूची**	**चालू वर्ष**	**गत वर्ष**
समग्र/पूंजीगत निधि	1	(–) 1486584139	137769686
निर्दिष्ट/उद्दिष्ट/अक्षय निधियां	2	179505412	181510113
चालू देनदारियां तथा प्रावधान	3	1875400444	148221695
जोड़		**568321717**	**467501494**
निधियों का अनुप्रयोग	**अनुसूची**	**चालू वर्ष**	**गत वर्ष**
अचल परिसंपत्तियां	4		
मूर्त परिसंपत्तियां		131578320	128334806
अमूर्त परिसंपत्तियां		0	0
चल रहे पूंजीगत कार्य		29074835	29074835
उद्दिष्ट/अक्षय निधियों से निवेश	5		
दीर्घावधि		0	0
लघु अवधि		176776050	181510113
निवेश – अन्य	6	0	0
चालू परिसंपत्तियां	7	223514562	123009323
ऋण, अग्रिम एवं जमा	8	7377950	5572417
जोड़		**568321717**	**467501494**

महत्वपूर्ण लेखाकरण नीतियां 23
आकस्मिक देयताएं एवं लेखाओं पर टिप्पणियां 24

(नरेश सैनी)
उ.मु.वि.अ./वि.स. तथा मु.ले.अ.
भा.सा.वि.अ.प

(वी. के. मल्होत्रा)
सदस्य–सचिव
भा.सा.वि.अ.प

भारतीय सामाजिक विज्ञान अनुसंधान परिषद्, नई दिल्ली
समेकित वार्षिक लेखे 2020–21
31 मार्च, 2021 को समाप्त अवधि/ वर्ष के लिए आय और व्यय लेखा

(राशि रुपये में)

विवरण	अनुसूची	चालू वर्ष	गत वर्ष
आय			
अकादमिक प्राप्तियां	9	0	0
अनुदान / सब्सिडियां	10	1037510209	1408380836
निवेश से आय	11	0	105594
ब्याज जमा	12	7522057	17495109
अन्य आय	13	55532850	59317962
पूर्व अवधि आय/समायोजन	14	0	1927983
जोड़ (क)		**1100565116**	**1487227484**
व्यय			
कर्मचारियों को भुगतान और लाभ (स्थापना व्यय)	15	2230178613	677390238
अकादमिक व्यय	16	0	0
प्रशासनिक और सामान्य व्यय	17	18661755	25689177
परिवहन व्यय	18	471021	495137
मरम्मत और अनुरक्षण	19	17556204	19385279
वित्तीय लागत	20	0	0
अन्य व्यय	21	392541417	699470293
पूर्व अवधि व्यय/समायोजन	22	0	300000
मूल्यह्रास	4	4713676	18568018
जोड़ (ख)		**2664122686**	**1441298142**
व्यय से अधिक आय होने पर शेष (क–ख)		**–1563557570**	**45929342**
नामित फंड से/में अंतरण		0	0
भवन निधि		0	0
अन्य (विनिर्दिष्ट करें) वापसी योग्य ब्याज		–7522057	–17600703
शेष के आधिक्य/(कमी) होने के कारण पूंजीगत निधि में लाया गया		**–1571079627**	**28328639**

महत्वपूर्ण लेखाकरण नीतियां 23

प्रासंगिक देनदारियां एवं लेखाओं पर टिप्पणियां 24

(नरेश सैनी)
उ.मु.वि.अ./वि.स. तथा मु.ले.अ.
भा.सा.वि.अ.प

(वी. के. मल्होत्रा)
सदस्य–सचिव
भा.सा.वि.अ.प

भारतीय सामाजिक विज्ञान अनुसंधान परिषद्, नई दिल्ली
समेकित वार्षिक लेखे 2020–21
31 मार्च, 2021 की स्थिति के अनुसार तुलन–पत्र

अनुसूची 1–समग्र/पूंजीगत निधि (राशि रुपये में)

विवरण	भा.सा.वि.अ.प.	
	चालू वर्ष	गत वर्ष
क) पूंजीगत निधि–सामान्य		
वर्ष के प्रारंभ में शेष	134614230	197724866
जोड़ेः समग्र/पूंजीगत निधि में अंशदान	0	0
जोड़े : एमएचआरडी से प्राप्त अनुदान जिसका उपयोग पूंजीगत व्यय हेतु किया गया	6292226	4617210
घटाएं : बट्टे खाते में डाला गया	0	–827424
जोड़े : उद्दिष्ट निधियों से खरीदी गई परिसंपत्तियां	11000	1020350
जोड़े : सुधार/समायोजन	–59485618	–96249411
जोड़ : (क)	**81431838**	**106285591**
ख) पूंजीगत निधि– उपहार स्वरूप पुस्तकें	0	0
वर्ष के प्रारंभ में शेष	473411	423351
जोड़े : वर्ष के दौरान प्राप्त	26180	50060
जोड़े /घटाएं : सुधार एवं समायोजन	0	0
जोड़ : (ख)	**499591**	**473411**
ग) पूंजीगत निधि–समूल्य प्रकाशन	0	0
वर्ष के प्रारंभ में शेष	2682045	2771879
वर्ष के दौरान अभिवृद्धि	0	0
घटाएंः वर्ष के दौरान कटौतियां	–117986	–89834
जोड़ : (ग)	**2564059**	**2682045**
जोड़ : (क) + (ख) + (ग)	**84495488**	**109441047**
जोड़े : व्यय से अधिक आय जो आय एवं व्यय लेखे से अंतरित किया गया	0	28328639
जोड़	**84495488**	**137769686**
(कटौती) आय एवं व्यय लेखे से अंतरित कमी	1571079627	0
वर्ष के अंत में शेष	**–1486584139**	**137769686**

उ.मु.वि.अ./वि.स. तथा मु.ले.अ.
भा.सा.वि.अ.प

सदस्य–सचिव
भा.सा.वि.अ.प

भारतीय सामाजिक विज्ञान अनुसंधान परिषद्, नई दिल्ली

समेकित वार्षिक लेखे 2020–21

31 मार्च, 2021 की स्थिति के अनुसार तुलन–पत्र

अनुसूची – 2 निर्दिष्ट/उद्दिष्ट/अक्षय निधियां

(राशि रुपये में)

	निधि–वार विवरण												जोड़	
	उद्दिष्ट निधियां											अक्षय निधि		
विवरण	भवन निधि	उपदान निधि	पेंशन निधि	परियोजना/सेमिनार आईसीएसएसआर नई दिल्ली	इम्प्रेस (IMPRESS) आईसीएसएसआर	आईसीएसएसआर–(आईडीपीएडी) पांचवा चरण	आईसीएसएसआर अतिथि गृह	सेमिनार/कार्यशालाओं/परियोजनाओं के लिए अन्य स्रोत से प्राप्त अनुदान	आईसीएसएसआर–आईडीआरसी	आईसीएसएसआर–ईएसआरसी इक्विप निधि	आरएससी आईएसआर–आईसीएसएसआर	साराभाई स्मारक ट्रस्ट	चालू वर्ष	गत वर्ष
क														
अ) अथ शेष	852028	1088337	1593925	1224361	58360160	16011	109566722	625967	3870480	3726447	367904	217771	181510113	189413058
ब) वर्ष के दौरान अभिवृद्धियां	0	0	0	2412445	120000000	0	27085709	888490	0	0	0	0	150386644	203379553
स) निवेश की गई निधियों से आय	24550	32172	0	0	0	0	1080564	0	0	0	0	0	1137286	1099118
द) निवेशों/अग्रिमों पर प्रोद्भूत ब्याज	0	0	40000	0	0	0	296879	0	0	0	0	0	336879	2797110
य) बचत बैंक खाते पर ब्याज	8184	0	40793	0	2705301	0	1395202	16440	468840	175278	15593	6621	4832252	14056232
र) अन्य अभिवृद्धियां (विनिर्दिष्ट करें)	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0
(i) व्यय की प्रतिपूर्ति	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	20593
(ii) विविध	0	0	0	0	2671584	0	25037	0	0	463002	924101	0	4083724	0
जोड़ (क)	**884762**	**1120509**	**1674718**	**3636806**	**183737045**	**16011**	**139450113**	**1530897**	**4339320**	**4364727**	**1307598**	**224392**	**342286898**	**410765664**

जारी...

अनुसूची–2 (जारी...)

	निधि–वार विवरण												जोड़	
	उद्दिष्ट निधियां											अक्षय निधि		
विवरण	भवन निधि	उपदान निधि	पेंशन निधि	परियोजना/ सेमिनार आईसी एसएस आर नई दिल्ली	इम्प्रेस (IMPRESS) आईसी एसएसआर	आईसी एसएस आर– (आईडीपी एडी) पांचवा चरण	आईसी एसएस आर अतिथि गृह	सेमिनार/ कार्यशालाओं/ परियोजनाओं के लिए अन्य स्रोत से प्राप्त अनुदान	आईसी एसएस आर–आई डीआरसी	आईसीएस एसआर– ईएसआरसी इक्विप निधि	आरएससी आईएसआर– आईसीएसएस आर	साराभाई स्मारक ट्रस्ट	चालू वर्ष	गत वर्ष
ख														
निधियों के उद्देश्य हेतु उपयोग/व्यय														
i) पूंजीगत व्यय	0	0	0	0	0	0	11000	0	0	0	0	0	11000	1115051
ii) राजस्व व्यय	0	560604	0	2736217	124724255	0	33414102	810434	806	18	10006	0	162256442	219930511
iii) अन्य	18033	0	0	0	0	16011	0	480000	0	0	0	0	514044	8209989
जोड़ः (ख)	**18033**	**560604**	**0**	**2736217**	**124724255**	**16011**	**33425102**	**1290434**	**806**	**18**	**10006**	**0**	**162781486**	**229255551**
वर्ष के अंत में अंत शेष (क–ख)	**866729**	**559905**	**1674718**	**900589**	**59012790**	**0**	**106025011**	**240463**	**4338514**	**4364709**	**1297592**	**224392**	**179505412**	**181510113**
द्वारा प्रतिनिधित्व														
नकद एवं बैंक शेष	204296	6484	910718	900589	59012790	0	73716997	240463	4338514	4364709	1297592	224392	145217544	156488150
निवेश	657097	550000	500000	0	0	0	29851409	0	0	0	0	0	31558506	21244415
प्रोद्भूत ब्याज परन्तु देय नहीं	5336	3421	264000	0	0	0	2456605	0	0	0	0	0	2729362	3777548
अन्य	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0
कार्य प्रगति पर है	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0
जोड़	**866729**	**559905**	**1674718**	**900589**	**59012790**	**0**	**106025011**	**240463**	**4338514**	**4364709**	**1297592**	**224392**	**179505412**	**181510113**

उ.मु.वि.अ./वि.स. तथा मु.ले.अ.
भा.सा.वि.अ.प

सदस्य–सचिव
भा.सा.वि.अ.प

भारतीय सामाजिक विज्ञान अनुसंधान परिषद्, नई दिल्ली
समेकित वार्षिक लेखे 2020–21
31 मार्च, 2021 की स्थिति के अनुसार तुलन–पत्र

अनुसूची – 2 (क) अक्षय निधियां

"उद्दिष्ट/अक्षय निधियों" अनुसूची के 'अक्षय निधियां' कॉलम के आंकड़ों के समर्थन में उप अनुसूची का नमूना फार्मेट

(राशि रुपये में)

क्रम सं.	अक्षय निधि का नाम	अथ शेष		वर्ष के दौरान अभिवृद्धि		जोड़		वर्ष के दौरान उद्देश्य पर किया गया व्यय	अंत शेष		जोड़ (10+11)
		अक्षय निधि	संचित ब्याज	अक्षय निधि	ब्याज	अक्षय निधि (3+5)	संचित ब्याज (4+6)		अक्षय निधि	ब्याज	
1.	साराभाई मेमोरियल ट्रस्ट	50000	167771	0	6621	50000	174392	0	50000	174392	224392
	जोड़	**50000**	**167771**	**0**	**6621**	**50000**	**174392**	**0**	**50000**	**174392**	**224392**

1 तुलन–पत्र के भाग के रूप में उद्दिष्ट निधियों की अनुसूची 2 के कॉलम 'अक्षय निधियां' के 'अथ शेष' के आंकड़े कॉलम 3 एवं 4 का जोड़ होंगे।

2 कॉलम 9 का जोड़ सामान्यतया कॉलम 8 के जोड़ से कम होगा क्योंकि अक्षय निधियों (पीठों के लिए अक्षय निधियों को छोड़कर) के उद्देश्य पर व्यय के लिए केवल ब्याज का प्रयोग किया जाना है।

3 अनुसूची में प्रायः नामे शेष नहीं होना चाहिए। यदि असाधारण मामले में किसी अक्षय निधि के प्रति नामे शेष है तो नामे शेष, अनुसूची–8 ऋण, अग्रिम एवं जमा में तुलन–पत्र की परिसंपत्ति की तरफ 'प्राप्य' के रूप में दर्शाए जाने चाहिए।

उ.मु.वि.अ./वि.स. तथा मु.ले.अ.
भा.सा.वि.अ.प

सदस्य–सचिव
भा.सा.वि.अ.प

भारतीय सामाजिक विज्ञान अनुसंधान परिषद्, नई दिल्ली
समेकित वार्षिक लेखे 2020–21
31 मार्च, 2021 की स्थिति के अनुसार तुलन–पत्र

अनुसूची 3–चालू देनदारियां तथा प्रावधान (राशि रुपये में)

	चालू वर्ष जोड़	गत वर्ष जोड़
क. चालू देनदारियां		
1. कर्मचारी वर्ग से जमा	0	0
2. छात्रों से जमा	0	0
3. विविध ऋणदाता	0	0
क) सामान एवं सेवाओं के लिए	4713234	3916531
ख) अन्य	301	301
ग) ठेकेदारों से रोका गया सेवा कर (देनदारियां)	1279694	1279694
4. जमा–अन्य (ईएमडी, प्रतिभूति जमा सहित)	1216204	1216290
5. सांविधिक देनदारियां (जीपीएफ, टीडीएस, डब्ल्यूसी कर, सीपीएफ, जीआईएस, एनपीएस) :	0	0
क) अतिदेय	0	0
ख) अन्य–एनएसडीएल मुंबई को देय	0	45042
6. अन्य चालू देनदारियां	0	0
क) वेतन (मार्च 2020)	12923658	26383359
ख) प्रायोजित परियोजनाओं के लिए प्राप्तियां	0	0
ग) प्रायोजित फैलोशिप एवं छात्रवृत्ति के लिए प्राप्तियां	0	0
घ) अप्रयुक्त अनुदान	211526106	96830923
ङ) अग्रिम अनुदान	0	0
च) अन्य निधियां	886616	896616
छ) अन्य देय देनदारियां–भारत सरकार को देय अर्जित ब्याज (प्राप्त प्रोदभूत ब्याज सहित)	7522057	17652939
जोड़ (क)	**240067870**	**148221695**
ख. प्रावधान		
1. कराधान के लिए	0	0
2. ग्रेच्युटी	53999122	0
3. अधिवर्षिता पेंशन	1549560036	0
4. संचित छुट्टी नकदीकरण	31773416	0
5. ट्रेड वारंटी/दावे	0	0
6. अन्य (विनिर्दिष्ट करें)	0	0
जोड़ (ख)	1635332574	0
जोड़ (क+ख)	**1875400444**	**148221695**

नोट : अप्रयुक्त अनुदान 6 (घ) में अगले वर्ष के लिए अग्रिम रूप से प्राप्त अनुदान शामिल होंगे।

उ.मु.वि.अ./वि.स. तथा मु.ले.अ.
भा.सा.वि.अ.प

सदस्य–सचिव
भा.सा.वि.अ.प

भारतीय सामाजिक विज्ञान अनुसंधान परिषद्, नई दिल्ली
समेकित वार्षिक लेखे 2020–21
31 मार्च, 2021 की स्थिति के अनुसार तुलन–पत्र

अनुसूची – 3 (क) प्रायोजित परियोजनाएं

(राशि रुपये में)

क्रम सं.	परियोजना का नाम	अथ शेष		वर्ष के दौरान प्राप्तियां / वसूलिया	जोड़	वर्ष के दौरान व्यय	अंत शेष	
		जमा	नामे				जमा	नामे
1.		0		0	0	0	0	0
2.		0		0	0	0	0	0
3.		0	0	0	0	0	0	0
4.		0	0	0	0	0	0	0
	जोड़	**0**	**0**	**0**	**0**	**0**	**0**	**0**

टिप्पणी

1 परियोजनाएं एजेंसी–वार तथा प्रत्येक एजेंसी के लिए उपजोड़ के साथ सूचीबद्ध की जाएं।

2 कॉलम 8 (जमा) का जोड़ तुलन–पत्र (अनुसूची 3) की देनदारियों की तरफ उपर्युक्त शीर्ष के अंतर्गत दर्शाया जाएगा।

3 कॉलम 9 (नामे) का जोड़ तुलन–पत्र की परिसंपत्ति की तरफ अनुसूची–8 ऋण, अग्रिम एवं जमा में प्राप्य के रूप में दर्शाया जाएगा।

उ.मु.वि.अ. / वि.स. तथा मु.ले.अ.
भा.सा.वि.अ.प.

सदस्य–सचिव
भा.सा.वि.अ.प.

भारतीय सामाजिक विज्ञान अनुसंधान परिषद्, नई दिल्ली
समेकित वार्षिक लेखे 2020–21
31 मार्च, 2021 की स्थिति के अनुसार तुलन–पत्र

अनुसूची – 3 (ख) प्रायोजित फैलोशिप एवं छात्रवृत्ति

(राशि रुपये में)

क्र. सं.	प्रायोजक का नाम	01.04.2019 की स्थिति के अनुसार अथ शेष		वर्ष के दौरान लेनदेन		31.03.2020 की स्थिति के अनुसार अंत शेष	
		जमा	नामे	जमा	नामे	जमा	नामे
1.	विश्वविद्यालय अनुदान आयोग	0	0	0	0	0	0
2.	मंत्रालय ———————————	0	0	0	0	0	0
3.	अन्य (व्यक्तिक रूप से विनिर्दिष्ट करें)	0	0	0	0	0	0
		0	0	0	0	0	0
		0	0	0	0	0	0
	जोड़	**0**	**0**	**0**	**0**	**0**	**0**

टिप्पणी

1. कॉलम 7 (जमा) का जोड़ तुलन पत्र (अनुसूची 3) की देनदारियों के उपर्युक्त शीर्ष के अंतर्गत दर्शाया जाएगा।
2. कॉलम 8 (नामे) का जोड़ तुलन–पत्र की परिसंपत्ति की तरफ अनुसूची–8 ऋण, अग्रिम एवं जमा में प्राप्य के रूप में दर्शाया जाएगा।

उ.मु.वि.अ./वि.स. तथा मु.ले.अ.
भा.सा.वि.अ.प.

सदस्य–सचिव
भा.सा.वि.अ.प.

भारतीय सामाजिक विज्ञान अनुसंधान परिषद्, नई दिल्ली
समेकित वार्षिक लेखे 2020–21
31 मार्च, 2021 की स्थिति के अनुसार तुलन–पत्र

अनुसूची –3 (ग) भारत सरकार एवं राज्य सरकारों से प्राप्त अप्रयुक्त अनुदान (राशि रुपये में)

	चालू वर्ष	गत वर्ष
क. ओएच 31 भारत सरकार– मानव संसाधन विकास मंत्रालय		
आगे ले जाया गया शेष	21041117	9286113
जोड़ेः वर्ष के दौरान प्राप्तियां		
i) एमएचआरडी से प्राप्त अनुदान	573746000	777720000
ii) क्षेत्रीय केंद्रों से प्राप्त रिफंड (धनवापसी)	0	0
iii) आंतरिक प्रोदभवन के प्रति प्राप्ति	59304618	61177138
iv) अन्य प्राप्तियां (गत वर्ष)	0	26111552
जोड़ (क)	**654091735**	**874294803**
धनवापसी/समायोजित	0	0
शेष	654091735	874294803
घटाएंः राजस्व व्यय के लिए प्रयुक्त	526837376	853253686
घटाएंः पूंजीगत व्यय के लिए प्रयुक्त	0	0
जोड़ (ख)	**526837376**	**853253686**
आगे ले जाई गई अप्रयुक्त राशि (क–ख)	**127254359**	**21041117**

(राशि रुपये में)

	चालू वर्ष	गत वर्ष
ख. ओएच 35 भारत सरकार–मानव संसाधन विकास मंत्रालय		
आगे ले जाया गया शेष	29028111	25890321
जोड़ेः वर्ष के दौरान प्राप्तियां	0	0
i) एमएचआरडी से प्राप्त अनुदान	0	7755000
ii) क्षेत्रीय केंद्रों से प्राप्त रिफंड (धनवापसी)	0	0
iii) आंतरिक प्रोदभवन के प्रति प्राप्ति	0	0
iv) अन्य प्राप्तियां (गत वर्ष)	0	0
जोड़ (ग)	**29028111**	**33645321**
धनवापसी/समायोजित	0	0
शेष	29028111	33645321
घटाएंः राजस्व व्यय के लिए प्रयुक्त	0	0
घटाएंः पूंजीगत व्यय के लिए प्रयुक्त	6292226	4617210
जोड़ (घ)	6292226	4617210
आगे ले जाई गई अप्रयुक्त राशि (ग–घ)	22735885	29028111

जारी...

भारतीय सामाजिक विज्ञान अनुसंधान परिषद्, नई दिल्ली
समेकित वार्षिक लेखे 2020–21
31 मार्च, 2021 की स्थिति के अनुसार तुलन–पत्र

अनुसूची– 3 (ग) भारत सरकार एवं राज्य सरकारों से प्राप्त अप्रयुक्त अनुदान **(राशि रुपये में)**

ग. ओएच 36 अनुदानः भारत सरकार–मानव संसाधन विकास मंत्रालय	**चालू वर्ष**	**गत वर्ष**
आगे ले जाया गया शेष	46761695	42969116
वर्ष के दौरान प्राप्तियां		0
i) एमएचआरडी से प्राप्त अनुदान	525266000	545100000
ii) क्षेत्रीय केंद्रों से प्राप्त रिफंड (धनवापसी)	0	6504429
iii) आंतरिक प्रोदभवन के प्रति प्राप्ति	181000	7151800
iv) अन्य प्राप्तियां (गत वर्ष)	0	163500
जोड़ (ङ)	**572208695**	**601888845**
धनवापसी / समायोजित	0	0
शेष	572208695	601888845
घटाएंः राजस्व व्यय के लिए प्रयुक्त	510672833	555127150
घटाएंः पूंजीगत व्यय के लिए प्रयुक्त	0	0
अन्य अदायगियां	0	0
जोड़ (च)	**510672833**	**555127150**
आगे ले जाई गई अप्रयुक्त राशि (ङ–च)	**61535862**	**46761695**
***कुल जोड़ (क+ख+ग)**	**211526106**	**96830923**

टिप्पणी :

1. अप्रयुक्त अनुदान में पूंजीगत लेखा के अग्रिम शामिल है।
2. अप्रयुक्त अनुदान अगले वर्ष के लिए अग्रिम में प्राप्त अनुदान शामिल है।
3. अप्रयुक्त अनुदान पूंजीगत लेखा में बैंक एवं अग्रिम के साथ बैंक शेष, लघु अवधि–जमा के रूप में परिसंपत्तियों की तरफ दर्शाएं जाते हैं।

उ.मु.वि.अ./वि.स. तथा मु.ले.अ.
भा.सा.वि.अ.प.

सदस्य–सचिव
भा.सा.वि.अ.प.

भारतीय सामाजिक विज्ञान अनुसंधान परिषद्, नई दिल्ली
समेकित वार्षिक लेखे 2020–21
31 मार्च, 2021 की स्थिति के अनुसार तुलन–पत्र

अनुसूची 4– (अचल परिसंपत्तियों) :– ओएच–35

(राशि रुपये में)

क्र. सं.	लेखा शीर्ष	वर्ष	अचल परिसंपत्ति की मदों का मूल्य					प्रभारित मूल्यह्रास					निवल ब्लॉक	
	अचल परिसंपत्ति		वर्ष के प्रारंभ में	वर्ष के दौरान परिवर्धन	कटौतियां (अर्थात् वर्ष के दौरान बट्टे खाते)	सुधार/समायोजन	वर्ष के अंत में	वर्ष के प्रारंभ में	वर्ष के लिए	वर्ष के दौरान कटौतियां (अर्थात् बट्टे खाते डाली गई)	सुधार/समायोजन	वर्ष के अंत तक कुल जोड़	चालू वर्ष के अंत तक मूल्य	गत वर्ष के अंत तक मूल्य
i)	भवन (2%)	2019.20	198527653	0	0	0	198527653	86974671	11155298	0	0	98129969	100397684	111552982
		2020.21	198527653	0	0	0	198527653	98129969	2007953	0	0	100137922	98389731	100397684
ii)	यंत्र एवं	2019.20	31854403	3101332	3850749	0	31104986	19517972	2159075	3217450	0	18459597	12645389	12336431
	मशीनरी (5%)	2020.21	31104986	2467248	0	1627784	35200018	18459597	837022	0	0	19296619	15903399	12645389
iii)	वाहन–मिनी	2019.20	1197292	0	0	0	1197292	1128505	20636	0	0	1149141	48151	68787
	बस (10%)	2020.21	1197292	0	0	0	1197292	1149141	4815	0	0	1153956	43336	48151
iv)	वाहन–कार	2019.20	3101525	835356	462567	0	3474314	1271911	386630	383927	0	1274614	2199700	1829614
	(10%)	2020.21	3474314	50011	0	0	3524325	1274614	224971	0	0	1499585	2024740	2199700
v)	फर्नीचर व	2019.20	24353837	704452	575298	0	24482991	13665111	1095134	459813	0	14300432	10182559	10688726
	जुड़नारें (7.5%)	2020.21	24482991	1348395	0	0	25831386	14300432	864821	0	0	15165253	10666133	10182559
vi)	कम्प्यूटर व	2019.20	28436636	317550	0	0	28754186	26407928	1312488	0	0	27720416	1033770	2028708
	पैरिफैरेल (20%)	2020.21	28754186	1382094	0	0	30136280	27720416	483174	0	0	28203590	1932690	1033770
vii)	पुस्तकालय की	2019.20	72814629	678870	0	–1144672	72348827	68544371	2382704	0	–343402	70583673	1765154	4270258
	पुस्तकें (10%)	2020.21	72348827	1055478	0	0	73404305	70583673	282062	0	0	70865735	2538570	1765154

जारी...

अनुसूची–4 (जारी...)

क्र. सं.	लेखा शीर्ष	वर्ष	अचल परिसंपत्ति की मदों का मूल्य					प्रभारित मूल्यह्रास					निवल ब्लॉक	
	अचल परिसंपत्ति		वर्ष के प्रारंभ में	वर्ष के दौरान परिवर्धन	कटौतियां (अर्थात् वर्ष के दौरान बट्टे खाते)	सुधार/ समायोजन	वर्ष के अंत में	वर्ष के प्रारंभ में	वर्ष के लिए	वर्ष के दौरान कटौतियां (अर्थात् बट्टे खाते डाली गई)	सुधार/ समायोजन	वर्ष के अंत तक कुल जोड़	चालू वर्ष के अंत तक मूल्य	गत वर्ष के अंत तक मूल्य
viii)	उपहार स्वरूप प्राप्त पुस्तकें (10%)	2019.20	1765006	50060	0	0	1815066	1696614	56053	0	0	1752667	62399	68392
		2020.21	1815066	26180	0	0	1841246	1752667	8858	0	0	1761525	79721	62399
ix)	कम मूल्य की परिसंपत्तियां 100%	2019.20	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0
		2020.21	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0
	जोड़ (क)	**2019.20**	**362050981**	**5687620**	**4888614**	**–1144672**	**361705315**	**219207083**	**18568018**	**4061190**	**–343402**	**233370509**	**128334806**	**142843898**
		2020.21	**361705315**	**6329406**	**0**	**1627784**	**369662505**	**233370509**	**4713676**	**0**	**0**	**238084185**	**131578320**	**128334806**
	कार्य प्रगति पर (ख)	2019.20	28980134	0	0	94701	29074835	0	0	0	0	0	29074835	28980134
		2020.21	29074835	0	0	0	29074835	0	0	0	0	0	29074835	29074835
	कुल जोड़ (क+ख)	**2019.20**	**391031115**	**5687620**	**4888614**	**–1049971**	**390780150**	**219207083**	**18568018**	**4061190**	**–343402**	**233370509**	**157409641**	**171824032**
		2020.21	**390780150**	**6329406**	**0**	**1627784**	**398737340**	**233370509**	**4713676**	**0**	**0**	**238084185**	**160653155**	**157409641**

उ.मु.वि.अ./वि.स. तथा मु.ले.अ.
भा.सा.वि.अ.प.

सदस्य–सचिव
भा.सा.वि.अ.प.

भारतीय सामाजिक विज्ञान अनुसंधान परिषद्, नई दिल्ली
समेकित वार्षिक लेखे 2020–21
31 मार्च, 2021 की स्थिति के अनुसार तुलन–पत्र

अनुसूची – 5 उद्दिष्ट/अक्षय निधियों से निवेश (राशि रुपये में)

	चालू वर्ष	गत वर्ष
1. केन्द्र सरकार की प्रतिभूतियों में	3000000	4524000
2. राज्य सरकार की प्रतिभूतियों में	0	0
3. अन्य अनुमोदित प्रतिभूतियां	0	3665000
4. शेयर	0	0
5. डिबेंचर एवं बॉन्ड	0	0
6. बैंक में सावधि जमा	28558506	16832963
7. अन्य (विनिर्दिष्ट किया जाए) फ्लेक्सी सेविंग बैंक शेष	145217544	156488150
8. कार्य प्रगति पर	0	0
जोड़	**176776050**	**181510113**

उ.मु.वि.अ./वि.स. तथा मु.ले.अ.
भा.सा.वि.अ.प.

सदस्य–सचिव
भा.सा.वि.अ.प.

भारतीय सामाजिक विज्ञान अनुसंधान परिषद्, नई दिल्ली
समेकित वार्षिक लेखे 2020–21
31 मार्च, 2021 की स्थिति के अनुसार तुलन–पत्र

अनुसूची–5 (क) : उद्दिष्ट/अक्षय निधियों से निवेश (निधि–वार) **(राशि रुपये में)**

क्र.सं.	निधियां	चालू वर्ष	गत वर्ष
1	भवन निधि	861393	852028
2	ग्रेच्यूटी निधि	556484	1088337
3	पेंशन निधि	1410718	1593925
4	परियोजना/सेमिनार आईसीएसएसआर नई दिल्ली	900589	1224361
5	इम्प्रेस (आईएमपीआरईएसएस) योजना	59012790	58360160
6	आईसीएसएसआर–आईडीपीएडी 5वां चरण	0	16011
7	आईसीएसएसआर गेस्ट हाउस	103568406	109566722
8	सेमिनार/कार्यशाला/परियोजनाओं के लिए अन्य स्रोत से प्राप्त अनुदान	240463	625967
9	आईसीएसएसआर–आईडीआरसी	4338514	3870480
10	आईसीएसएसआर–ईएसआरसी इक्विप निधि	4364709	3726447
11	आरएससीआईएसआर–आईसीएसएसआर	1297592	367904
12	साराभाई स्मारक ट्रस्ट	224392	217771
	जोड़	**176776050**	**181510113**

टिप्पणी : इस उप अनुसूची का जोड़ अनुसूची 5 के जोड़ के अनुरूप होगा।

उ.मु.वि.अ./वि.स. तथा मु.ले.अ.
भा.सा.वि.अ.प.

सदस्य–सचिव
भा.सा.वि.अ.प.

भारतीय सामाजिक विज्ञान अनुसंधान परिषद्, नई दिल्ली
समेकित वार्षिक लेखे 2020–21
31 मार्च, 2020 की स्थिति के अनुसार तुलन–पत्र

अनुसूची – 6– निवेश–अन्य (राशि रुपये में)

	चालू वर्ष	गत वर्ष
1. केन्द्र सरकार की प्रतिभूतियों में	0	0
2. राज्य सरकार की प्रतिभूतियों में	0	0
3. अन्य अनुमोदित प्रतिभूतियां	0	0
4. शेयर	0	0
5. डिबेंचर एवं बॉन्ड	0	0
6. अन्य (विनिर्दिष्ट किया जाए)	0	0
जोड़	**0**	**0**

उ.मु.वि.अ./वि.स. तथा मु.ले.अ.
भा.सा.वि.अ.प.

सदस्य–सचिव
भा.सा.वि.अ.प.

भारतीय सामाजिक विज्ञान अनुसंधान परिषद्, नई दिल्ली
समेकित वार्षिक लेखे 2020–21
31 मार्च, 2021 की स्थिति के अनुसार तुलन–पत्र

अनुसूची –7– चालू परिसंपत्तियां (राशि रुपये में)

	चालू वर्ष	गत वर्ष
1. स्टॉक :		
क) भंडारण एवं स्पेयर	0	0
ख) खुले औजार	0	0
ग) प्रकाशन	2564059	2682045
घ) प्रयोगशाला रसायन, उपभोज्य वस्तु एवं ग्लास वेयर	0	0
ङ) भवन सामग्री	0	0
च) विद्युत सामग्री	0	0
छ) लेखन सामग्री	0	0
ज) जल आपूर्ति सामग्री	3787	3787
2. विविध देनदार :	0	0
क) 6 महीने से अधिक अवधि के बकाया ऋण	1896753	1896753
ख) अन्य	1800	3942876
3. नकद एवं बैंक शेष :	0	0
नकदी (कैश इन हैंड)	3532	24347
क) अनुसूचित बैंकों के साथ :	0	0
i) चालू खाते में	0	0
ii) सावधि जमा खाते में	0	0
iii) बचत खाते में	219044631	113474515
ख) गैर–अनुसूचित बैंकों के साथ :	0	0
i) सावधि जमा खाते में	0	0
ii) बचत खाते में (ट्रांजिट में जारी)	0	985000
4. पोस्ट ऑफिस–बचत खाता	0	0
जोड़	**223514562**	**123009323**

टिप्पणी : अनुलग्नक 'क' बैंक खाते का विवरण दर्शाता है।

उ.मु.वि.अ./वि.स. तथा मु.ले.अ.
भा.सा.वि.अ.प.

सदस्य–सचिव
भा.सा.वि.अ.प.

भारतीय सामाजिक विज्ञान अनुसंधान परिषद्, नई दिल्ली
समेकित वार्षिक लेखे 2020–21
31 मार्च, 2021 की स्थिति के अनुसार तुलन–पत्र

अनुसूची 7 का अनुलग्नक 'क'
बचत बैंक खाता

(राशि रुपये में)

क्र. सं.	मुख्यालय/क्षेत्रीय केंद्र	बैंक का नाम	खाता सं.	चालू वर्ष	गत वर्ष
1	मुख्यालय भा.सा.वि.अ.प., नई दिल्ली	कैनरा बैंक भा.सा.वि.अ.प., नई दिल्ली	8474101050001	199,961,056	87,564,186
2	मुख्यालय भा.सा.वि.अ.प., नई दिल्ली	कैनरा बैंक भा.सा.वि.अ.प., नई दिल्ली	8474101050825	290,100	237,113
3	मुख्यालय भा.सा.वि.अ.प., नई दिल्ली	कैनरा बैंक भा.सा.वि.अ.प., नई दिल्ली	8474101050826	5,638,382	4,161,290
4	डब्ल्यूआरसी भा.सा.वि.अ.प., मुंबई	इलाहाबाद बैंक, मुंबई	200595041	1,200,239	2,272,579
5	एनईआरसी भा.सा.वि.अ.प., शिलांग	भारतीय स्टेट बैंक, शिलांग	30788221168	3,210,300	2,878,908
6	ईआरसी भा.सा.वि.अ.प., कोलकाता	भारतीय स्टेट बैंक, कोलकाता	11000016054	2,009,110	2,745,780
7	एसआरसी भा.सा.वि.अ.प., हैदराबाद	भारतीय स्टेट बैंक, हैदराबाद	52198260681	165,972	6,716,914
			39768487048	2,030,437	–
8	एनडब्ल्यूआरसी भा.सा.वि.अ.प., चंडीगढ़	कैनरा बैंक, चंडीगढ़	2845101000543	2,729,311	5,302,345
9	एनआरसी, नई दिल्ली	कैनरा बैंक भा.सा.वि.अ.प., नई दिल्ली	847410150286	1,809,724	1,595,400
			जोड़	**219,044,631**	**113,474,515**

उ.मु.वि.अ./वि.स. तथा मु.ले.अ.
भा.सा.वि.अ.प.

सदस्य–सचिव
भा.सा.वि.अ.प.

भारतीय सामाजिक विज्ञान अनुसंधान परिषद्, नई दिल्ली
समेकित वार्षिक लेखे 2020–21
31 मार्च, 2021 की स्थिति के अनुसार तुलन–पत्र

अनुसूची – 8– ऋण, अग्रिम एवं जमा (राशि रुपये में)

	चालू वर्ष	गत वर्ष
1. कर्मचारियों को अग्रिम : (गैर ब्याज वाला)		
क) वेतन	10000	10000
ख) त्यौहार	78000	0
ग) चिकित्सा अग्रिम	0	0
घ) एलटीसी अग्रिम		
ङ) अन्य अग्रिम	0	0
2. कर्मचारियों को दीर्घ अवधि अग्रिम : (ब्याज वाला)		
क) वाहन ऋण	0	0
ख) गृह ऋण	150000	409000
ग) अन्य (विनिर्दिष्ट करें)	529270	529270
3. अग्रिम या किसी अन्य प्रकार से नकद या वस्तु के रूप में प्राप्त वसूली योग्य राशि :		
क) पूंजीगत लेखे पर	0	0
ख) आपूर्तिकर्ता को	207051	1834951
ग) अन्य–प्रेषण धन	80000	83690
4. प्री पेड व्यय	**0**	**0**
क) बीमा		
ख) अन्य व्यय	0	0
i) लेखन सामग्री	1418769	1035520
ii) डाक व्यय	158714	203785
iii) गृह प्रबंधन सामग्री	644339	211742
	3276143	**4317958**

भारतीय सामाजिक विज्ञान अनुसंधान परिषद्, नई दिल्ली
समेकित वार्षिक लेखे 2020–21
31 मार्च, 2021 की स्थिति के अनुसार तुलन–पत्र

अनुसूची – 8– ऋण, अग्रिम एवं जमा (राशि रुपये में)

	चालू वर्ष	गत वर्ष
5. जमा		
क) टेलीफोन	8000	8000
ख) पट्टा किराया	8246	8246
ग) विद्युत	8990	8990
घ) एआईसीटीई, यदि लागू हो	0	0
ङ) अन्य (विनिर्दिष्ट करें) मैसर्स इंद्रप्रस्थ गैस लिमिटेड	288608	288608
च) अन्य (विनिर्दिष्ट करें) अन्य विभागों/स्थानीय निकायों में जमा	899615	899615
6. प्रोद्भूत आय :	0	0
क) उद्दिष्ट/अक्षय निधियों से निवेश पर	2729362	0
ख) निवेश पर–अन्य	0	0
ग) ऋण एवं अग्रिम पर	0	0
ङ) अन्य (न वसूली गई देय आय सहित)	0	0
7. अन्य–यूजीसी/प्रायोजित परियोजनाओं से प्राप्य चालू परिसंपत्तियां	0	0
क) प्रायोजित परियोजनाओं में नामे शेष	41000	41000
ख) प्रायोजित फैलोशिप एवं छात्रवृत्ति में नामे शेष	0	0
ग) प्राप्य अनुदान	0	0
घ) अन्य प्राप्य	0	0
8. प्राप्य दावे (प्राप्य रॉयल्टी)	117986	0
जोड़	**4101807**	**1254459**
कुल जोड़	**7377950**	**5572417**

टिप्पणी : यदि कर्मचारियों को भवन निर्माण, कम्प्यूटर एवं वाहन अग्रिम देने के लिए परिक्रामी निधि सृजित की गई हैं तो अग्रिम, उद्दिष्ट/अक्षय निधियों के भाग के रूप में दर्शाए जाएंगे। इन ब्याज वाले अग्रिमों के अधिशेष को इस अनुसूची में नहीं दर्शाया जाएगा।

उ.मु.वि.अ./वि.स. तथा मु.ले.अ.
भा.सा.वि.अ.प.

सदस्य–सचिव
भा.सा.वि.अ.प.

भारतीय सामाजिक विज्ञान अनुसंधान परिषद्, नई दिल्ली
समेकित वार्षिक लेखे 2020–21
वित्तीय वर्ष 2020–21 के लिए आय एवं व्यय लेखा

अनुसूची – 9– अकादमिक प्राप्तियां **(राशि रुपये में)**

	चालू वर्ष	गत वर्ष
छात्रों से शुल्क		
1. ट्यूशन शुल्क	0	0
2. प्रवेश शुल्क	0	0
3. नामांकन शुल्क	0	0
4. पुस्तकालय प्रवेश शुल्क	0	0
5. प्रयोगशाला शुल्क	0	0
6. कला और शिल्प शुल्क	0	0
7. पंजीकरण शुल्क	0	0
8. पाठ्यक्रम शुल्क	0	0
जोड़ (क)	**0**	**0**
परीक्षा		
1. प्रवेश परीक्षा शुल्क	0	0
2. वार्षिक परीक्षा शुल्क	0	0
3. अंक सूची, प्रमाण पत्र शुल्क	0	0
4. प्रवेश (एंटरेंस) परीक्षा शुल्क	0	0
जोड़ (ख)	**0**	**0**

भारतीय सामाजिक विज्ञान अनुसंधान परिषद्, नई दिल्ली
समेकित वार्षिक लेखे 2020–21
वित्तीय वर्ष 2020–21 के लिए आय एवं व्यय लेखे

अनुसूची – 9– अकादमिक प्राप्तियां (राशि रुपये में)

	चालू वर्ष	गत वर्ष
अन्य शुल्क		
1. पहचान पत्र शुल्क	0	0
2. जुर्माना / विविध शुल्क	0	0
3. चिकित्सा शुल्क	0	0
4. परिवहन शुल्क	0	0
5. छात्रावास शुल्क	0	0
जोड़ (ग)	**0**	**0**
प्रकाशनों की बिक्री		
1. प्रवेश फार्मों की बिक्री	0	0
2. पाठ्यक्रम विवरण की बिक्री एवं प्रश्नपत्र आदि	0	0
3. प्रवेश फार्मों सहित प्रोसपेक्टस की बिक्री	0	0
जोड़ (घ)	**0**	**0**
अन्य अकादमिक प्राप्तियां		
1. कार्यशाला, कार्यक्रम के लिए पंजीकरण शुल्क	0	0
2. पंजीकरण शुल्क (अकादमिक स्टाफ कॉलेज)	0	0
जोड़ (ङ)	0	0
कुल जोड़ (क+ख+ग+घ+ङ)	**0**	**0**

टिप्पणी : यदि शुल्क यथा प्रवेश शुल्क, अभिदान आदि सामग्री है तथा पूंजीगत प्राप्तियों की प्रकृति का है तो ऐसी राशि को पूंजीगत निधि के रूप में माना जाना चाहिए। अन्यथा ऐसा शुल्क इस अनुसूची में उपयुक्त रूप से समाहित किया जाएगा।

उ.मु.वि.अ. / वि.स. तथा मु.ले.अ.
भा.सा.वि.अ.प.

सदस्य–सचिव
भा.सा.वि.अ.प.

भारतीय सामाजिक विज्ञान अनुसंधान परिषद्, नई दिल्ली
समेकित वार्षिक लेखे 2020–21
वित्तीय वर्ष 2020–21 के लिए आय एवं व्यय लेखे

अनुसूची – 10– अनुदान/सब्सिडी (प्राप्त अप्रतिसंहरणीय अनुदान) (राशि रुपये में)

विवरण	ओएच -31	ओएच -35	ओएच -36	चालू वर्ष जोड़	गत वर्ष जोड़
आगे लाया गया शेष	**21041117**	**29028111**	**46761695**	**96830923**	**78145550**
जोड़ें: वर्ष के दौरान प्राप्तियां					
i) एमएचआरडी से प्राप्त अनुदान	573746000	0	525266000	1099012000	1330575000
ii) क्षेत्रीय केंद्रों से प्राप्त वापसी	0	0	0	0	6504429
iii) आंतरिक प्रोदभवन के प्रति प्राप्ति	59304618	0	181000	59485618	68328938
iv) अन्य प्राप्तियां (गत वर्ष)	0	0	0	0	26275052
जोड़	**654091735**	**29028111**	**572208695**	**1255328541**	**1509828969**
घटाएं: वापसी	0	0	0	0	0
शेष	**654091735**	**29028111**	**572208695**	**1255328541**	**1509828969**
घटाएं: पूंजीगत व्यय के लिए उपयोग (क)	0	6292226	0	6292226	4617210
शेष	**654091735**	**22735885**	**572208695**	**1249036315**	**1505211759**
घटाएं: राजस्व व्यय के लिए उपयोग (ख)	526837376	0	510672833	1037510209	1408380836
आगे ले जाया गया शेष (ग)	**127254359**	**22735885**	**61535862**	**211526106**	**96830923**

क. इसे वर्ष के दौरान अचल परिसंपत्तियों की अभिवृद्धि और पूंजीगत निधि की अभिवृद्धि के रूप में दर्शाया जाता है।

ख. आय एवं व्यय लेखा में आय के रूप में दर्शाया जाता है।

ग. (i) तुलन पत्र में चालू देनदारियों के अंतर्गत दर्शाई गई राशि अगले वर्ष अथ शेष बन जाएगी।

(ii) परिसंपत्तियों की तरफ बैंक शेष, निवेश एवं अग्रिमों द्वारा दर्शाया गया।

उ.मु.वि.अ./वि.स. तथा मु.ले.अ.
भा.सा.वि.अ.प.

सदस्य–सचिव
भा.सा.वि.अ.प.

भारतीय सामाजिक विज्ञान अनुसंधान परिषद्, नई दिल्ली
समेकित वार्षिक लेखे 2020–21
वित्तीय वर्ष 2020–21 के लिए आय एवं व्यय लेखा

अनुसूची – 11– निवेश से आय **(राशि रुपये में)**

विवरण	उद्दिष्ट/अक्षय निधि		अन्य निवेश	
	चालू वर्ष	गत वर्ष	चालू वर्ष	गत वर्ष
1. ब्याज	0	0	0	0
क) सरकारी प्रतिभूति पर	46560	0	0	0
ख) अन्य बॉन्ड/डिबेंचर	0	0	0	0
2. सावधि जमा राशि पर ब्याज	1090726	1099118	0	105594
सावधि जमा/कर्मचारियों को ब्याज वाले अग्रिमों में उपार्जित परन्तु अदेय आय	336879	2797110	0	0
4. बचत बैंक खाते पर ब्याज	4832252	14056232	0	0
5. अन्य (विनिर्दिष्ट करें)	0	0	0	0
जोड़	**6306417**	**17952460**	**0**	**105594**
उद्दिष्ट/अक्षय निधि को अंतरण	6306417	17952460	0	0
शेष	**0**	**0**	**0**	**105594**

टिप्पणी : भवन निर्माण अग्रिम निधि, वाहन अग्रिम निधि एवं कम्प्यूटर अग्रिम निधि से सावधि जमा पर प्रोदभूत ब्याज परन्तु देय नहीं तथा कर्मचारियों का ब्याज वाला अग्रिम यहां (मद सं. 3) शामिल किया जाएगा, केवल वहां जहां ऐसे अग्रिमों के लिए परिक्रामी निधि (ईएमएफ) स्थापित किए गए हैं।

उ.मु.वि.अ./वि.स. तथा मु.ले.अ.
भा.सा.वि.अ.प.

सदस्य–सचिव
भा.सा.वि.अ.प.

भारतीय सामाजिक विज्ञान अनुसंधान परिषद्, नई दिल्ली
समेकित वार्षिक लेखे 2020–21
वित्तीय वर्ष 2020–21 के लिए आय एवं व्यय लेखा

अनुसूची – 12– अर्जित ब्याज (राशि रुपये में)

विवरण	चालू वर्ष	गत वर्ष
क) अर्जित ब्याज		
1. अनुसूचित बैंकों के बचत खाते पर	7371054	17296555
2. ऋणों पर		
क) कर्मचारी/स्टाफ	151003	198554
ख) अन्य	0	0
3. देनदारों और अन्य प्राप्तियों पर	0	0
जोड़	**7522057**	**17495109**
विवरण	**चालू वर्ष**	**गत वर्ष**
ख) जोड़े/घटाएं : वर्ष के दौरान किया गया समायोजन/सुधार		
i. जोड़ : वर्ष के दौरान प्राप्य आय	0	0
ii) जोड़े/घटाएं : वर्ष के दौरान किया गया समायोजन/सुधार	0	0
iii) घटाएं : गत वर्ष के दौरान प्राप्त आय	0	0
वर्ष के अंत में निवल आय (क+ख)	**7522057**	**17495109**

टिप्पणी :

1. उद्दिष्ट/अक्षय निधियों के बैंक खाते के संबंध में मद 1 में दर्शित राशि अनुसूची 11 (प्रथम भाग) एवं अनुसूची 2 के साथ व्यवहृत की जाएगी।
2. मद 2(क) केवल तभी लागू है जब ऐसे अग्रिमों के लिए परिक्रामी निधियां नहीं बनाई गई हों।

उ.मु.वि.अ./वि.स. तथा मु.ले.अ.
भा.सा.वि.अ.प.

सदस्य–सचिव
भा.सा.वि.अ.प.

भारतीय सामाजिक विज्ञान अनुसंधान परिषद्, नई दिल्ली
समेकित वार्षिक लेखे 2020–21
वित्तीय वर्ष 2020–21 के लिए आय एवं व्यय लेखा

अनुसूची – 13–अन्य आय

विविध आय में शामिल सामग्री की मदों को अलग से दिखाया जाए **(राशि रुपये में)**

विवरण	चालू वर्ष	गत वर्ष
क. भूमि एवं भवनों से आय	0	0
1. छात्रावास के कमरे का किराया	320041	263935
2. लाइसेंस शुल्क	0	0
3. कॉन्फ्रेंस हॉल/गेस्ट हाउस एनेक्सी/सम्मेलन केंद्र आदि का किराया प्रभार	7500	233150
4. वसूल किए गए विद्युत प्रभार	0	0
5. वसूल किए गए जल प्रभार	0	0
जोड़	**327541**	**497085**
ख. संस्थान के प्रकाशनों की बिक्री	**0**	**1512**
ग. कार्यक्रमों के आयोजनों से आय	0	0
1. वार्षिक समारोह/खेल कार्निवल से सकल प्राप्तियां	0	0
घटाएंः वार्षिक समारोह/खेल कार्निवल पर किए गए प्रत्यक्ष व्यय	0	0
2. उत्सवों से सकल प्राप्तियां	0	0
घटाएंः उत्सवों पर किए गए प्रत्यक्ष व्यय	0	0
3. शैक्षिक दौरे के लिए सकल प्राप्तियां	0	0
घटाएंः दौरे पर किए गए प्रत्यक्ष व्यय	0	0
4. अन्य (विनिर्दिष्ट एवं अलग से दर्शाया जाए)	0	25400
जोड़	**0**	**25400**
घ. अन्य		
1. परामर्शी सेवाओं से आय	0	0
2. आरटीआई शुल्क	. 250	960
3. रॉयल्टी से आय	11405	101012
4. आवेदन पत्र की बिक्री (भर्ती)	0	885
5. विविध प्राप्तियां (निविदा फाम की बिक्री, वेस्ट पेपर, बस किराया आदि)	121091	114063
6. बिक्री/परिसंपत्तियों के निपटान पर लाभ	0	0
क) स्वः परिसंपत्तियां	0	0
ख) निशुल्क प्राप्त परिसंपत्तियां	0	0
7. संस्थानों, कल्याण निकायों तथा अंतरराष्ट्रीय संगठनों से अनुदान/दान	0	0
8. अन्य (विनिर्दिष्ट करें)	0	0
i) ग्रंथ सूची की फोटोकॉपी, संकलन	48960	152134
ii) अनुपयुक्त अप्रचलित स्टोरों की बिक्री	0	511113
iii) लेखा परीक्षा वसूली	2700508	947825
iv) विविध आय	52195109	56965973
जोड़	**55077323**	**58793965**
कुल जोड़ (क + ख + ग + घ)	**55404864**	**59317962**

जारी...

अनुसूची–13 (जारी...)

विवरण	चालू वर्ष	गत वर्ष
ख) जोड़े/घटाएं : वर्ष के दौरान किया गया समायोजन/सुधार		
i. जोड़ : वर्ष के दौरान प्राप्य आय	117986	0
ii) जोड़े/घटाएं : वर्ष के दौरान किया गया समायोजन/सुधार	10000	0
iii) घटाएं : गत वर्ष के दौरान प्राप्त आय	0	0
वर्ष के अंत में निवल आय (क + ख + ग + घ)	**55532850**	**59317962**

उ.मु.वि.अ./वि.स. तथा मु.ले.अ.
भा.सा.वि.अ.प.

सदस्य–सचिव
भा.सा.वि.अ.प.

भारतीय सामाजिक विज्ञान अनुसंधान परिषद्, नई दिल्ली
समेकित वार्षिक लेखे 2020–21
वित्तीय वर्ष 2020–21 के लिए आय एवं व्यय लेखा

अनुसूची – 14– पूर्व अवधि आय **(राशि रुपये में)**

विवरण	चालू वर्ष	गत वर्ष
1. अकादमिक प्राप्तियां	0	0
2. निवेश से आय	0	0
3. अर्जित ब्याज	0	0
4. अन्य आय	0	0
(क) जल एवं विद्युत प्रभार	0	19,27,983
जोड़	**0**	**0**

उ.मु.वि.अ./वि.स. तथा मु.ले.अ.
भा.सा.वि.अ.प.

सदस्य–सचिव
भा.सा.वि.अ.प.

भारतीय सामाजिक विज्ञान अनुसंधान परिषद्, नई दिल्ली
समेकित वार्षिक लेखे 2020–21
वित्तीय वर्ष 2020–21 के लिए आय एवं व्यय लेखा
अनुसूची–15–कर्मचारी भुगतान एवं लाभ (स्थापना व्यय)

(राशि रुपये में)

क) कर्मचारी भुगतान एवं लाभ	चालू वर्ष			गत वर्ष		
	ओएच -31	ओएच -36	जोड़	ओएच -31	ओएच -36	जोड़
क) वेतन एवं मजदूरी	0	493151044	493151044	0	524672453	524672453
ख) भत्ते एवं बोनस	0	511197	511197	0	1284272	1284272
ग) भविष्य निधि में अंशदान (सीपीएफ)	903941	0	903941	995220	0	995220
घ) अन्य निधि में अंशदान (विनिर्दिष्ट करें) एनपीएस	1485416	0	1485416	1599578	0	1599578
ङ) कर्मचारी कल्याण व्यय	0	0	0	0	0	0
च) सेवानिवृत्ति एवं सेवांत हितलाभ	0	0	0	0	0	0
(i) पेंशन संराशीकरण सहित पेंशन	94993935	0	94993935	104476166	0	104476166
(ii) डिपोजिट लिंक्ड बीमा	60000	0	60000	0	0	0
(iii) उपदान (ग्रेच्यूटी)	0	7605852	7605852	0	14611191	14611191
(iv) छुट्टी नकदीकरण	0	5714566	5714566	0	8320174	8320174
छ) छुट्टी यात्रा रियायत सुविधा (एलटीसी)	0	660584	660584	0	236494	236494
ज) चिकित्सा सुविधा	0	1734575	1734575	0	2534399	2534399
झ) संतान शिक्षा भत्ता	0	742508	742508	0	1349310	1349310
ण) मानदेय/समयोपरि भत्ता	0	70000	70000	0	93576	93576
प) अन्य (i) छुट्टी वेतन एवं पेंशन अंशदान	0	442259	442259	0	1775806	1775806
फ) अन्य (विनिर्दिष्ट करें)		0				
ii) कर्मचारी को यात्रा भत्ता (टीए)	0	40248	40248	0	249475	249475
ii) ब्याज की कमी जीपीएफ/सीपीएफ	189615	0	189615	335257	0	335257
iii) विविध	0	0	0	0	0	0
जोड़ (क)	**97632907**	**510672833**	**608305740**	**107406221**	**555127150**	**662533371**

जारी...

भारतीय सामाजिक विज्ञान अनुसंधान परिषद्, नई दिल्ली
समेकित वार्षिक लेखे 2020–21
वित्तीय वर्ष 2020–21 के लिए आय एवं व्यय लेखा

अनुसूची–15–कर्मचारी भुगतान एवं लाभ (स्थापना व्यय)

(राशि रुपये में)

ख) जोड़ें/घटाएं : वर्ष के दौरान किए गए समायोजन/ सुधार	चालू वर्ष			गत वर्ष		
	ओएच -31	ओएच -36	जोड़	ओएच -31	ओएच -36	जोड़
i) जोड़ें : वर्ष के लिए बकाया राशि	6101874	6821784	12923658	17801361	8581998	26383359
ii) जोड़ें/घटाएं: गत वर्ष के अग्रिम के समायोजन/प्री पेड खर्चे के लिए व्यय	0	0	0	0	0	0
iii) घटाएं: गत वर्ष के लिए भुगतान राशि	17801361	8581998	26383359	4994889	6531603	11526492
iv) घटाएं: प्री–पेड व्यय (अर्थात् बाद के वर्ष के लिए भुगतान की गई राशि)	0	0	0	0	0	0
v) सेवानिवृत्ति एवं सेवांत हितलाभ	1549560036	85772538	1635332574	0	0	0
वर्ष के अंत में निवल मूल्य : (क+ख)	**1635493456**	**594685157**	**2230178613**	**120212693**	**557177545**	**677390238**

उ.मु.वि.अ./वि.स. तथा मु.ले.अ.
भा.सा.वि.अ.प.

सदस्य–सचिव
भा.सा.वि.अ.प.

भारतीय सामाजिक विज्ञान अनुसंधान परिषद्, नई दिल्ली
समेकित वार्षिक लेखे 2020–21
वित्तीय वर्ष 2020–21 के लिए आय एवं व्यय लेखा

अनुसूची–15 क– कर्मचारी सेवानिवृत्ति एवं सेवांत हित–लाभ **(राशि रुपये में)**

	पेंशन	उपदान	छुट्टी नकदीकरण	जोड़
1.4.2020 को अथ शेष	–	–	–	–
अभिवृद्धि : अन्य संगठनों से प्राप्त अंशदान का पूंजीगत मूल्य	–	–	–	–
जोड़ (क)	–	–	–	–
घटाएंः वर्ष के दौरान वास्तविक भुगतान (ख)	–	–	–	–
31.03.2020 को उपलब्ध शेष ग(क–ख)	–	–	–	–
बीमांकिक मूल्यांकन के अनुसार 31.03.2021 को अपेक्षित प्रावधान (घ)	1,549,560,036	53,999,122	31,773,416	1,635,332,574
क. चालू वर्ष में किए गए प्रावधान (घ–ग)	1,549,560,036	53,999,122	31,773,416	1,635,332,574
ख. नई पेंशन योजना में अंशदान				
ग. सेवानिवृत्त कर्मचारियों को चिकित्सा प्रतिपूर्ति				
घ. सेवानिवृत्ति पर गृहनगर की यात्रा				
ङ डिपोजिट लिंक्ड बीमा भुगतान				
जोड़ (क+ख+ग+घ+ङ)	**1,549,560,036**	**53,999,122**	**31,773,416**	**1,635,332,574**

टिप्पणी :

1. इस उप अनुसूची के जोड़ (क+ख+ग+घ+ङ) को अनुसूची 15 में सेवानिवृत्ति एवं सेवांत हितलाभ दर्शाया जाएगा।
2. मद ख, ग,घ एवं ङ की गणना प्रोदभूत आधार पर की जाएगी एवं 31/3 को भुगतान के लिए अधिमानतः परन्तु बकाया बिलों को शामिल किया जाएगा।

उ.मु.वि.अ./वि.स. तथा मु.ले.अ.
भा.सा.वि.अ.प.

सदस्य–सचिव
भा.सा.वि.अ.प.

भारतीय सामाजिक विज्ञान अनुसंधान परिषद्, नई दिल्ली
समेकित वार्षिक लेखे 2020–21
वित्तीय वर्ष 2020–21 के लिए आय एवं व्यय लेखा

अनुसूची–16–अकादमिक व्यय (राशि रुपये में)

क) अकादमिक व्यय	चालू वर्ष			गत वर्ष		
	ओएच -31	ओएच -36	जोड़	ओएच -31	ओएच -36	जोड़
क) प्रयोगशाला व्यय	0	0	0	0	0	0
ख) सम्मेलन में फील्ड कार्य/भागीदारी	0	0	0	0	0	0
ग) सेमिनार/कार्यशाला पर व्यय	0	0	0	0	0	0
घ) विजिटिंग फैकल्टी को भुगतान	0	0	0	0	0	0
ङ) परीक्षा	0	0	0	0	0	0
च) छात्र कल्याण व्यय	0	0	0	0	0	0
छ) प्रवेश व्यय	0	0	0	0	0	0
ज) दीक्षांत समारोह व्यय	0	0	0	0	0	0
झ) प्रकाशन	0	0	0	0	0	0
ण) वृतिका/माध्यम–सह–मेरिट छात्रवृत्तियां	0	0	0	0	0	0
प) अभिदान व्यय	0	0	0	0	0	0
फ) अन्य (विनिर्दिष्ट करें)	0	0	0	0	0	0
जोड़ (क)	**0**	**0**	**0**	**0**	**0**	**0**
ख) जोड़ें/घटाएं : वर्ष के दौरान किए गए समायोजन/सुधार						
i. जोड़ें : वर्ष के लिए बकाया राशि	0	0	0	0	0	0
ii) जोड़ें/घटाएं: गत वर्ष के अग्रिम के समायोजन/प्री पेड खर्चे के लिए व्यय	0	0	0	0	0	0
iii) घटाएं: गत वर्ष के लिए भुगतान की गई राशि	0	0	0	0	0	0
iv) घटाएं: प्री–पेड व्यय (अर्थात् बाद के वर्ष के लिए भुगतान की गई राशि)	0	0	0	0	0	0
वर्ष के अंत में निवल मूल्य : (क+ख)	**0**	**0**	**0**	**0**	**0**	**0**

उ.मु.वि.अ./वि.स. तथा मु.ले.अ.
भा.सा.वि.अ.प.

सदस्य–सचिव
भा.सा.वि.अ.प.

भारतीय सामाजिक विज्ञान अनुसंधान परिषद्, नई दिल्ली
समेकित वार्षिक लेखे 2020–21
वित्तीय वर्ष 2020–21 के लिए आय एवं व्यय लेखा

अनुसूची–17–प्रशासन एवं सामान्य व्यय (राशि रुपये में)

क) प्रशासन एवं सामान्य व्यय	चालू वर्ष			गत वर्ष		
	ओएच -31	ओएच -36	जोड़	ओएच -31	ओएच -36	जोड़
क1. अवसंरचना						
क) जल एवं विद्युत प्रभार	7215804	0	7215804	10569845	0	10569845
ख) जल प्रभार	0	0	0	0	0	0
ग) बीमा	24834	0	24834	24388	0	24388
घ) किराया, दर एवं संपत्ति कर सहित कर	1054409	0	1054409	1028679	0	1028679
क2. संचार						
ङ) पोस्टेज और टेलीग्राम	155941	0	155941	538753	0	538753
च) टेलीफोन, फैक्स एवं इंटरनेट प्रभार	613717	0	613717	901068	0	901068
क3. अन्य						
छ) मुद्रण एवं लेखन सामग्री (खपत)	1183004	0	1183004	2003252	0	2003252
ट) यात्रा एवं वाहन व्यय	162167	0	162167	854969	0	854969
ठ) आतिथ्य	231468	0	231468	57028	0	57028
ड) लेखा परीक्षक पारिश्रमिक	280870	0	280870	221630	0	221630
ण) व्यावसायिक प्रभार	4542094	0	4542094	5094225	0	5094225
च) विज्ञापन एवं प्रचार	293194	0	293194	217115	0	217115
छ) पत्रिका एवं जर्नल	97586	0	97586	153931	0	153931
ज) अन्य (विनिर्दिष्ट करें)	0	0	0	0	0	0
i) मूल्य रहित प्रकाशन	404984	0	404984	567564	0	567564
ii) सदस्यता शुल्क	285560	0	285560	164068	0	164068
iii) बैंक प्रभार	6216	0	6216	206432	0	206432
iv) अन्य आकस्मिकता	2997600	0	2997600	3836170	0	3836170
जोड़ (क)	**19549448**	**0**	**19549448**	**26439117**	**0**	**26439117**
ख) जोड़ें/घटाएं : वर्ष के दौरान किए गए समायोजन/सुधार						
i. जोड़ें : वर्ष के लिए बकाया राशि	1373670	0	1373670	1923185	0	1923185
ii) जोड़ें/घटाएंः गत वर्ष के अग्रिम के समायोजन/प्री पेड खर्चे के लिए व्यय	1239305	0	1239305	.731497	0	.731497
iii) घटाएं : गत वर्ष के लिए भुगतान की गई राशि	1923185	0	1923185	702323	0	702323
iv) घटाएं : प्री–पेड व्यय (अर्थात् बाद के वर्षों के लिए भुगतान की गई राशि)	1577483	0	1577483	1239305	0	1239305
वर्ष के अंत में निवल मूल्य : (क+ख)	**18661755**	**0**	**18661755**	**25689177**	**0**	**25689177**

उ.मु.वि.अ./वि.स. तथा मु.ले.अ.
भा.सा.वि.अ.प.

सदस्य–सचिव
भा.सा.वि.अ.प.

भारतीय सामाजिक विज्ञान अनुसंधान परिषद्, नई दिल्ली
समेकित वार्षिक लेखे 2020–21
वित्तीय वर्ष 2020–21 के लिए आय एवं व्यय लेखा

अनुसूची–18–परिवहन व्यय (राशि रुपये में)

क) परिवहन व्यय	चालू वर्ष			गत वर्ष		
	ओएच -31	ओएच -36	जोड़	ओएच -31	ओएच -36	जोड़
1. वाहन (संस्थान के स्वामित्व वाले)						
क) परिचालन व्यय	415427	0	415427	418267	0	418267
ख) मरम्मत एवं अनुरक्षण	75597	0	75597	57375	0	57375
ग) बीमा व्यय	0	0	0	0	0	0
2. किराए / लीज पर लिए गए वाहन	0	0	0	0	0	0
क) किराया / लीज व्यय	0	0	0	0	0	0
3. वाहन (टैक्सी) भाड़ा व्यय	0	0	0	10162	0	10162
जोड़ (क)	**491024**	**0**	**491024**	**485804**	**0**	**485804**
ख) जोड़ें / घटाएं : वर्ष के दौरान किए गए समायोजन / सुधार						
i. जोड़ें : वर्ष के लिए बकाया राशि	29724	0	29724	49727	0	49727
ii) जोड़ें / घटाएं : गत वर्ष के अग्रिम के समायोजन / प्री पेड खर्चे के लिए व्यय	0	0	0	0	0	0
iii) घटाएं: गत वर्ष के लिए भुगतान की गई राशि	49727	0	49727	40394	0	40394
iv) घटाएं: प्री–पेड व्यय (अर्थात् बाद के वर्ष के लिए भुगतान की गई राशि)	0	0	0	0	0	0
वर्ष के अंत में निवल मूल्य :	**471021**	**0**	**471021**	**495137**	**0**	**495137**

उ.मु.वि.अ. / वि.स. तथा मु.ले.अ.
भा.सा.वि.अ.प.

सदस्य–सचिव
भा.सा.वि.अ.प.

भारतीय सामाजिक विज्ञान अनुसंधान परिषद्, नई दिल्ली
समेकित वार्षिक लेखे 2020–21
वित्तीय वर्ष 2020–21 के लिए आय एवं व्यय लेखा

अनुसूची–19–मरम्मत एवं अनुरक्षण (राशि रुपये में)

मद	चालू वर्ष			गत वर्ष		
	ओएच -31	ओएच -36	जोड़	ओएच -31	ओएच -36	जोड़
क) मरम्मत एवं अनुरक्षण						
क) भवन	5409644	0	5409644	5271987	0	5271987
ख) फर्नीचर एवं जुड़नारें	324375	0	324375	440620	0	440620
ग) संयंत्र एवं मशीनरी	39235	0	39235	518261	0	518261
घ) कार्यालय उपस्कर	35824	0	35824	41441	0	41441
ङ) कम्प्यूटर	787722	0	787722	725860	0	725860
च) प्रयोगशाला एवं वैज्ञानिक उपस्कर	0	0	0	0	0	0
छ) दृश्य–श्रव्य उपस्कर	0	0	0	0	0	0
ज) सफाई सामग्री एवं सेवा	1943425	0	1943425	4763233	0	4763233
झ) पुस्तक जिल्दसाजी प्रभार	0	0	0	19946	0	19946
ट) बागवानी	1409414	0	1409414	1305794	0	1305794
ठ) संपदा अनुरक्षण	6008183	0	6008183	6692086	0	6692086
ड) अन्य (विनिर्दिष्ट करें)	0	0	0	44771	0	44771
जोड़ (क)	**15957822**	**0**	**15957822**	**19823999**	**0**	**19823999**
ख) जोड़ें/घटाएं : वर्ष के दौरान किए गए समायोजन/सुधार						
i) जोड़ें : वर्ष के लिए बकाया राशि	3215340	0	3215340	1184361	0	1184361
ii) जोड़ें/घटाएंः गत वर्ष के अग्रिम के समायोजन/प्री पेड खर्चे के लिए व्यय	211742	0	211742	286820	0	286820
iii) घटाएं : गत वर्ष के लिए भुगतान की गई राशि	1184361	0	1184361	1698159	0	1698159
iv) घटाएं : प्री–पेड व्यय (अर्थात् बाद के वर्ष के लिए भुगतान की गई राशि)	644339	0	644339	211742	0	211742
वर्ष के अंत में निवल मूल्य :	**17556204**	**0**	**17556204**	**19385279**	**0**	**19385279**

उ.मु.वि.अ./वि.स. तथा मु.ले.अ.
भा.सा.वि.अ.प.

सदस्य–सचिव
भा.सा.वि.अ.प.

भारतीय सामाजिक विज्ञान अनुसंधान परिषद्, नई दिल्ली
समेकित वार्षिक लेखे 2020–21
वित्तीय वर्ष 2020–21 के लिए आय एवं व्यय लेखा

अनुसूची–20–वित्त लागत

(राशि रुपये में)

क) वित्त लागत	**चालू वर्ष**			**गत वर्ष**		
	ओएच -31	**ओएच -36**	**जोड़**	**ओएच -31**	**ओएच -36**	**जोड़**
क) बैंक प्रभार	0	0	0	0	0	0
ख) अन्य (विनिर्दिष्ट करें)	0	0	0	0	0	0
जोड़ (क)	**0**	**0**	**0**	**0**	**0**	**0**
ख) जोड़ें / घटाएं : वर्ष के दौरान किए गए समायोजन / सुधार						
i) जोड़ें : वर्ष के लिए बकाया राशि	0	0	0	0	0	0
ii) जोड़ें / घटाएंः गत वर्ष के अग्रिम के समायोजन / प्री पेड खर्चे के लिए व्यय	0	0	0	0	0	0
iii) घटाएंः गत वर्ष के लिए भुगतान की गई राशि	0	0	0	0	0	0
iv) घटाएंः प्री–पेड व्यय (अर्थात् बाद के वर्षों के लिए भुगतान की गई राशि)	0	0	0	0	0	0
वर्ष के अंत में निवल मूल्यः (क+ख)	**0**	**0**	**0**	**0**	**0**	**0**

टिप्पणी :– यदि राशि मैटिरियल नहीं है, तो शीर्ष बैंक प्रभारों को हटाया जा सकता है और इन्हें अनुसूची 17 में प्रशासन व्यय के रूप में शामिल किया जा सकता है।

उ.मु.वि.अ. / वि.स. तथा मु.ले.अ.
भा.सा.वि.अ.प.

सदस्य–सचिव
भा.सा.वि.अ.प.

भारतीय सामाजिक विज्ञान अनुसंधान परिषद्, नई दिल्ली
समेकित वार्षिक लेखे 2020–21
वित्तीय वर्ष 2020–21 के लिए आय एवं व्यय लेखा

अनुसूची–21–अन्य व्यय (राशि रुपये में)

क) अन्य व्यय	चालू वर्ष				गत वर्ष			
	ओएच -31	ओएच -35	ओएच -36	जोड़	ओएच -31	ओएच -35	ओएच -36	जोड़
क) अशोध्य एवं संदिग्ध ऋण/अग्रिम के लिए प्रावधान	0	0	0	0	0	0	0	0
ख) बट्टे खाते डाले गए अप्रतिसंहरणीय शेष	0	0	0	0	0	0	0	0
ग) अन्य संस्थानों/संगठनों को अनुदान/सब्सिडी								
i) क्षेत्रीय केन्द्र	0	0	0	0	0	0	0	0
ii) अनुसंधान संस्थान	20306361	0	0	20306361	113267731	0	0	113267731
iii) अन्य संस्थान	372599814	0	0	372599814	585830814	0	0	585830814
घ) अन्य (विनिर्दिष्ट करें)	0	0	0	0	0	0	0	0
जोड़ (क)	**392906175**	**0**	**0**	**392906175**	**699098545**	**0**	**0**	**699098545**
ख) जोड़ें/घटाएं : वर्ष के दौरान किए गए समायोजन/सुधार								
i) जोड़ें : वर्ष के लिए बकाया राशि	94500	0	0	94500	459258	0	0	459258
ii) जोड़ें/घटाएंः गत वर्ष के अग्रिम के समायोजन/प्री पेड खर्चे के लिए व्यय	0	0	0	0	0	0	0	0
iii) घटाएंः गत वर्ष के लिए भुगतान की गई राशि	459258	0	0	459258	87510	0	0	87510
iv) घटाएंः प्री–पेड व्यय (अर्थात् बाद के वर्ष के लिए भुगतान की गई राशि)	0	0	0	0	0	0	0	0
वर्ष के अंत में निवल मूल्य : (क+ख)	**392541417**	**0**	**0**	**392541417**	**699470293**	**0**	**0**	**699470293**

टिप्पणी :– अन्य व्यय को बट्टे खाते डालने, प्रावधान, विविध व्यय, निवेशों की बिक्री पर हानि, अचल परिसंपत्ति की हानि तथा अचल परिसंपत्तियों आदि की बिक्री पर हानि के रूप में वर्गीकृत तथा तदनुसार प्रकटन किया जाएगा।

उ.मु.वि.अ./वि.स. तथा मु.ले.अ.
भा.सा.वि.अ.प.

सदस्य–सचिव
भा.सा.वि.अ.प.

भारतीय सामाजिक विज्ञान अनुसंधान परिषद्, नई दिल्ली
समेकित वार्षिक लेखे 2020–21
वित्तीय वर्ष 2020–21 के लिए आय एवं व्यय लेखा

अनुसूची–22– पूर्व अवधि व्यय (राशि रुपये में)

क) पूर्व अवधि व्यय	चालू वर्ष			गत वर्ष		
	ओएच -31	ओएच -36	जोड़	ओएच -31	ओएच -36	जोड़
1. स्थापना व्यय	0	0	0	0	0	0
2. अकादमिक व्यय	0	0	0	0	0	0
3. प्रशासनिक व्यय	300000	0	300000	0	0	0
4. परिवहन व्यय	0	0	0	0	0	0
5. मरम्मत एवं अनुरक्षण	0	0	0	0	0	0
6. अन्य व्यय	0	0	0	0	0	0
जोड़ (क)	**300000**	**0**	**300000**	**0**	**0**	**0**
ख) जोड़ें/घटाएं : वर्ष के दौरान किए गए समायोजन/सुधार						
i) जोड़ें : वर्ष के लिए बकाया राशि	0	0	0	300000	0	300000
ii) जोड़ें/घटाएंः गत वर्ष के अग्रिम के समायोजन/प्री पेड खर्चे के लिए व्यय	0	0	0	0	0	0
iii) घटाएं : गत वर्ष के लिए भुगतान की गई राशि	300000	0	300000	0	0	0
iv) घटाएंः प्री–पेड व्यय (अर्थात् बाद के वर्ष के लिए भुगतान की गई राशि)	0	0	0	0	0	0
वर्ष के अंत में निवल मूल्य : (क+ख)	**0**	**0**	**0**	**300000**	**0**	**300000**

उ.मु.वि.अ./वि.स. तथा मु.ले.अ.
भा.सा.वि.अ.प.

सदस्य–सचिव
भा.सा.वि.अ.प.

भारतीय सामाजिक विज्ञान अनुसंधान परिषद्, नई दिल्ली
महत्वपूर्ण लेखाकरण नीतियां –

अनुसूची–23

1. लेखाकरण परंपरा

1.1 वित्तीय विवरण ऐतिहासिक लागत परंपरा के आधार पर, जब तक कि अन्यथा उल्लेख न किया गया हो और लेखाकरण की प्रोद्भूत प्राप्ति के आधार पर तैयार किए गए हैं।

2. माल सूची मूल्यांकन

2.1 प्रकाशनों का मूल्यांकन उनकी लागत अथवा वसूली योग्य कीमत, जो भी कम हो, पर किया गया है।

3. अचल परिसंपत्तियां

3.1 अचल परिसंपत्तियों का उल्लेख अर्जन की लागत पर किया गया है जिसमें आवक भाड़ा, ड्यूटी और कर तथा प्रासंगिक व प्रत्यक्ष व्यय भी सम्मिलित है। निर्माण वाली परियोजनाओं के संबंध में पूर्व प्रचालन व्यय (विशिष्ट परियोजना की पूर्णता से पहले परियोजना के लिए ऋण पर ब्याज सहित) पूंजीकृत परिसंपत्तियों के मूल्य का भाग है।

3.2 उपहार/दान स्वरूप प्राप्त परिसंपत्तियां, यदि कोई है, का मूल्य, घोषित मूल्य, जहां उपलब्ध हैं, लगाया जाता है; यदि उपलब्ध नहीं है वहां मूल्य का अनुमान परिसंपत्ति की प्रत्यक्ष स्थिति के संदर्भ में वर्तमान बाजार मूल्य का समायोजित करके लगाया जाता है। इन्हें पूंजीगत निधि में जमा करके संस्थानों की अचल परिसंपत्तियों का मिलाकर स्थापित किया जाता है। संबंधित परिसंपत्तियों पर लागू दरों पर मूल्यह्रास प्रभारित किया जाता है।

3.3 उपहार स्वरूप प्राप्त पुस्तकों का मूल्य पुस्तक पर मुद्रित बिक्री मूल्य पर लगाया जाता है। जहां बिक्री मूल्य मुद्रित नहीं होता है, वहां मूल्य 'शून्य' मान लिया जाता है।

4. अचल परिसंपत्तियों पर मूल्यह्रास

4.1 मूल्यह्रास, मानव संसाधन विकास मंत्रालय और अब शिक्षा मंत्रालय द्वारा केंद्रीय उच्चतर शिक्षा संस्थानों के लिए विनिर्दिष्ट वित्तीय विवरण के प्रोफॉर्मा में निर्धारित दरों पर स्ट्रेट लाइन पद्धति के अनुसार प्रभारित किया जाता है।

4.2 वित्तीय वर्ष 2019–20 तक अचल परिसंपत्तियों पर मूल्यह्रास आयकर विभाग अधिनियम द्वारा निर्धारित दरों पर रिट्न डाउन वेल्यू पद्धति के अनुसार प्रभारित किया जाता था। मूल्यह्रास की पद्धति को वर्ष 2020–21 से बदल कर स्ट्रेट लाइन पद्धति कर दिया गया है और अब शिक्षा मंत्रालय द्वारा विनिर्दिष्ट वित्तीय विवरण के प्रोफॉर्मा में निर्धारित दरों पर मूल्यह्रास प्रभारित किया जाता है।

4.3 मूल्यह्रास, वर्ष के दौरान परिवर्धनों पर पूरे वर्ष के लिए लगाया जाता है।

5. बिक्री के संबंध में लेखाकरण

5.1 बिक्री की गणना बिक्री प्राप्तियों और छूट/बट्टे के निवल स्वरूप में की जाती है।

6. राजस्व मान्यता

आय और व्यय की निम्नलिखित मदों को नकद आधार पर हिसाब में लिया जाता है :

(क) आय

(i) केंद्रीय/राज्य सरकार व उनकी एजेंसियों/बैंकों/अन्य के विरूद्ध दावे, जो प्रथमदृष्ट्या विवादग्रस्त है–कोई विवाद नहीं है।

(ii) परिषद् द्वारा प्राप्ति–योग्य रायल्टीः भा.सा.वि.अ.प. द्वारा किसी एक समान नीति का पालन नहीं किया जाता है. रायल्टी की प्रतिशतता प्रत्येक प्रकाशक और प्रकाशन के संबंध में भिन्न–भिन्न है।

ख. व्यय

(i) केंद्रीय/राज्य सरकार के सभी विवादास्पद कर/उपकर : कोई विवाद नहीं है।

(ii) परिषद् द्वारा देय रायल्टियां : परिषद् द्वारा कोई रायल्टी देय नहीं है।

7. अंशदान/सदस्यता शुल्क

7.1 पुस्तकों/पत्रिकाओं और ऑनलाइन डाटाबेस हेतु एक वर्ष के लिए अदा किया गया अंशदान/सदस्यता शुल्क को अदायगी वाले वर्ष में खर्च के रूप में समझा जाएगा।

8. सरकारी अनुदान/सब्सिडियां

8.1 सरकारी अनुदान की गणना वसूली आधार पर की जाती है। तथापि, जहां वित्तीय वर्ष से संबंधित अनुदान के लिए मंजूरी 31 मार्च से पहले प्राप्त होती है तथा अनुदान वास्तव में अगले वित्तीय वर्ष में प्राप्त होता है, वहां अनुदान की गणना प्रोद्भूत आधार पर की जाती है तथा इसके बराबर राशि को अनुदाता से वसूली योग्य दर्शाया जाता है।

8.2 पूंजीगत व्यय (प्रोद्भूत आधार पर) के रूप में प्रयोग की गई राशि की सीमा तक सरकारी अनुदान पूंजीगत निधि में अंतरित किए जाते हैं।

8.3 राजस्व व्यय (प्रोद्भूत आधार पर) को पूरा करने के लिए सरकारी अनुदानों को वर्ष की आय के रूप में

इस सीमा तक प्रयोग में लाया जाता है जिसमें वे प्राप्त होते हैं।

8.4 अप्रयुक्त अनुदानों (ऐसे अनुदानों से अग्रिम के रूप में किए गए भुगतान सहित) को आगे ले जाया जाता है तथा तुलन पत्र में देनदारियों के रूप में प्रदर्शित किया जाता है।

8.5 सरकारी अनुदानों/गैर–सरकारी अनुदानों को अनुदान के उपयोग/प्रयोजन के आधार पर राजस्व/पूंजीगत अनुदानों के रूप में समझा जाता है।

9. विदेशी मुद्रा लेन–देन

9.1 विदेशी मुद्रा में किए गए लेन–देन को उस तारीख को प्रचलित विनिमय दर पर हिसाब में लिया जाता है।

10. सेवानिवृत्ति लाभ

सेवानिवृत्ति लाभ अर्थात पेंशन, ग्रेच्युटी, लीव एनकैशमेंट को बीमांकिक मूल्यांकन के आधार पर प्रदान किया जाता है। संस्थान में आमेलित कर लिए गए कर्मचारियों के पूर्व नियोक्ताओं से प्राप्त पेंशन और ग्रेच्युटी के पूंजीगत मूल्य को संबंधित प्रावधान खातों में जमा कर दिया जाता है। प्रतिनियुक्ति पर कर्मचारियों के संबंध में प्राप्त पेंशन अंशदान को भी पेंशन खाते के प्रावधान में जमा कर दिया जाता है। पेंशन, ग्रेच्युटी और लीव एनकैशमेंट के वास्तविक सेवानिवृत्ति के भुगतान को संबंधित प्रावधानों में नामे किया जाता है। सेवानिवृत्ति के अन्य लाभ अर्थात डिपोजिट लिंक्ड बीमा, नई पेंशन स्कीम में अंशदान, सेवानिवृत्त कर्मियों को चिकित्सा प्रतिपूर्ति और सेवानिवृत्ति पर गृह नगर की यात्रा की गणना प्रोदभूत आधार (वर्ष के अंत में वास्तविक भुगतान जमा बकाया बिल) पर की जाती है।

11. उद्दिष्ट/अक्षय निधियां

11.1 दीर्घकालीन निधियों को विशिष्ट प्रयोजनों के लिए उद्दिष्ट किया जाता है। प्रत्येक निधि का अलग बैंक खाता होता है। इन वृहत शेषों को सरकारी प्रतिभूतियों, डिबेंचरों तथा बांडों एवं बैंकों की सावधि जमा में निवेश किया जाता है। उद्दिष्ट निधियों में से सृजित परिसंपत्ति, जहां संस्थान का स्वामित्व होता है, को पूंजीगत निधि के बराबर राशि जमा करके संस्थान की परिसंपत्तियों में मिला दिया जाता है। संबंधित निधियों की शेष राशि को आगे ले जाया जाता है तथा बैंक में शेष, निवेश एवं प्रोद्भूत ब्याज के रूप में परिसंपत्तियों में दर्शाया जाता है।

11.2 अनुदानदाताओं द्वारा विनिर्दिष्ट अक्षय निधियां वे निधियां होती हैं जो पीठों तथा मेडल एवं पुरस्कारों की स्थापना हेतु विभिन्न वैयक्तिक अंशदाताओं, ट्रस्टों एवं अन्य संगठनों से प्राप्त होती हैं, जबकि प्रत्येक अक्षय निधि का अपना निवेश होता है, सभी अक्षय निधियों का एक बचत बैंक खाता होता है क्योंकि उनका अनिवेशित शेष नगण्य होता है।

11.3 प्रत्येक अक्षय निधि के निवेश से प्राप्त आय को निधि में जोड़ा जाता है। आबंटित बैंक के बचत खाते से प्राप्त ब्याज को सभी अक्षय निधियों को, प्रत्येक निधि में वर्ष के अंत शेष की राशियों के अनुपात में दिया जाता है. मेडल एवं पुरस्कारों पर व्यय को संबंधित अक्षय निधियों के निवेश पर अर्जित ब्याज से पूरा किया जाता है तथा शेष को आगे ले जाया जाता है। तथापि, पीठों के संबंध में अक्षय निधि के कोरपस को भी प्रयोग में लाया जाता है।

11.4 अधिशेष को भारतीय रिजर्व बैंक बॉन्ड तथा सावधि निक्षेपों में निवेश तथा सभी अक्षय निधियों के लिए साझा बचत खाते के शेष और निवेशों पर प्रोद्भूत ब्याज के रूप में प्रदर्शित किया जाता है।

12. क्षेत्रीय केंद्रों की स्थिति

सभी क्षेत्रीय केंद्रों के खातों को परिषद के खातों में शामिल किया गया है।

13. आयकर

संस्थान की आय को आयकर अधिनियम की धारा 10(23 सी) के अंतर्गत आयकर से छूट प्राप्त है। अतः लेखा में कर के लिए कोई प्रावधान नहीं किया गया है।

उ.मु.वि.अ./वि.स. तथा मु.ले.अ.
भा.सा.वि.अ.प.

सदस्य–सचिव
भा.सा.वि.अ.प.

भारतीय सामाजिक विज्ञान अनुसंधान परिषद्, नई दिल्ली

अनुसूची–24

आकस्मिक देनदारियों तथा लेखों के संबंध में टिप्पणियां

1 आकस्मिक देनदारियांः संस्था के विरूद्ध दावे, जिन्हें ऋण के रूप में स्वीकार नहीं किया गया शून्य रुपए (गत वर्ष – शून्य रुपये)

2 चालू परिसंपत्तियां, ऋण और अग्रिमः प्रबंधन के मतानुसार, चालू परिसंपत्तियों, ऋणों और अग्रिमों का मूल्य सामान्य कामकाज के दौरान वसूली पर होता है, जो कम से कम तुलन–पत्र में दर्शाई गई कुल राशि के बराबर होता है.

3 जहां भी आवश्यक हुआ, गत वर्ष के संबंध में तदनुरूपी आंकड़ों को पुनः वर्गीकृत/पुनः व्यवस्थित किया गया है।

4 अंतिम लेखों के आंकड़ों को निकटतम रुपए में पूर्णांकित किया गया है।

5 अनुसूची 1 से 24 संलग्न है और 31/03/2021 को तुलन–पत्र तथा इस तारीख को समाप्त वर्ष के लिए आय और व्यय लेखे का अभिन्न अंग है।

उ.मु.वि.अ./वि.स. तथा मु.ले.अ.
भा.सा.वि.अ.प.

सदस्य–सचिव
भा.सा.वि.अ.प.

भारतीय सामाजिक विज्ञान अनुसंधान परिषद्, नई दिल्ली
समेकित वार्षिक लेखे 2020–21
वित्तीय वर्ष 2020–21 के लिए प्राप्तिं एवं अदायगी लेखा

(राशि रुपये में)

प्राप्तियां	चालू वर्ष	गत वर्ष	अदायगियां	चालू वर्ष	गत वर्ष
I. अथ शेष	0	0	I. व्यय	0	0
क) नकद शेष	24347	13719	क) स्थापना व्यय	608305740	662533371
ख) बैंक शेष	0	0	ख) अकादमिक व्यय	0	0
i) सरकारी अनुदान	113474515	152229008	ग) प्रशासनिक व्यय	19549448	26439117
ii) उद्दिष्ट/अक्षय निधियां	181510113	189413058	घ) परिवहन व्यय	491024	485804
ग) ट्रांजिट में जारी	985000	0	ङ) मरम्मत एवं अनुरक्षण	15957822	19823999
I. प्राप्त अनुदान	0	0	च) पूर्व अवधि व्यय	300000	0
क) एमएचआरडी (जीओआई ओएच 31)	573746000	777720000			
ख) एमएचआरडी (जीओआई ओएच 35)	0	7755000	II. उद्दिष्ट/अक्षय निधियों के लिए अदायगी	162781486	229255551
ग) एमएचआरडी (जीओआई ओएच 36)	525266000	545100000	III. प्रायोजित परियोजनाओं/स्कीमों के लिए अदायगी	0	0
घ) क्षेत्रीय केंद्रों से अनुदान की वापसी	0	6504429	IV. प्रायोजित फैलोशिप एवं छात्रवृत्ति के लिए प्राप्तियां	0	0
III. अकादमिक प्राप्तियां	0	0	V. किए गए निवेश एवं जमा	0	0
IV. उद्दिष्ट/अक्षय निधियों के लिए प्राप्तियां	160776785	221352606	क) उद्दिष्ट/अक्षय निधियों से	0	0
V. प्रायोजित परियोजनाओं/स्कीमों के लिए प्राप्तियां	0	0	ख) स्वयं की निधियों से (निवेश–अन्य)	0	0
VI. प्रायोजित फैलोशिप एवं छात्रवृत्ति के लिए प्राप्तियां	0	0	VI. अनुसूचित बैंकों में सावधि जमा	0	0
VII. निम्नलिखित से निवेश पर आय	0	0	VII. अचल परिसंपत्तियों एवं चल रहे पूंजीगत कार्य पर व्यय	0	0
क) उद्दिष्ट/अक्षय निधियां	0	0	क) अचल परिसंपत्तियां	6292226	4617210
ख) अन्य निवेश	0	157830	ख) चल रहे पूंजीगत कार्य	0	0

जारी...

जारी...

प्राप्तियां	चालू वर्ष	गत वर्ष	अदायगियां	चालू वर्ष	गत वर्ष
VIII. निम्नलिखित पर प्राप्त ब्याज	0	0	VIII. सांविधिक अदायगियों सहित अन्य अदायगियां	0	0
क) बैंक जमा	0	0	i) सेवा कर–वापसी	0	0
ख) ऋण एवं अग्रिम	151003	198554	ii) प्रेषण	45042	3690
ग) बचत बैंक खाता	7371054	17296555	iii) प्रतिभूतियां/ईएमडी वापसी	99174	37000
IX. भुनाया गया निवेश	0	0	iv) ठेकेदारों को	0	0
X. अनुसूचित बैंकों में भुनाया गया सावधि जमा	0	8830986		0	0
XI. अन्य आय (पूर्व अवधि आय सहित)	55404864	59317962	IX. अनुदानों/ब्याज की वापसी	17652939	47822125
XII. जमा एवं अग्रिम	0	0	X. जमा एवं अग्रिम	130000	60114
i) ऋण एवं अग्रिमों की वसूली	311000	151800	XI. अन्य अदायगियां	392906175	699098545
ii) ठेकेदारों से प्रतिभूति जमा	99088	56746	XII. अंत शेष	0	0
iii) ठेकेदारों से प्राप्त/रोका गया सेवा कर	0	0	क) धनशेष (कैश इन हैंड)	3532	24347
iv) कोई अन्य प्राप्तिं	116	0	ख) बैंक शेष	0	0
	0	0	i) सरकारी अनुदान	219044631	113474515
XIII. सांविधिक प्राप्तियों सहित विविध प्राप्तियां	3941076	27206	ii) उद्दिष्ट/अक्षय निधियां	179505412	181510113
XIV. कोई अन्य प्राप्तियां– प्रेषण	3690	45042	ग) ट्रांजिट में जारी	0	985000
जोड़	**1623064651**	**1986170501**	**जोड़**	**1623064651**	**1986170501**

उ.मु.वि.अ./वि.स. तथा मु.ले.अ.
भा.सा.वि.अ.प.

सदस्य–सचिव
भा.सा.वि.अ.प.

भारतीय सामाजिक विज्ञान अनुसंधान परिषद्, नई दिल्ली
समेकित वार्षिक लेखे 2020–21
31 मार्च, 2021 की स्थिति के अनुसार तुलन–पत्र
भविष्य निधि खाता

(राशि रु. में)

राशि	देनदारियां	राशि	राशि	संपत्तियां	राशि
गत		चालू	गत		चालू
	सामान्य भविष्य निधि	–	8,982,734	निवेश	4,953,482
81,464,374	अथ शेष	85,697,560	5,015,533	31/03/2021 को प्रोद्भूत ब्याज	163,298
15,507,060	जोड़ः वर्ष में अंशदान	14,014,040	–	मार्च .... का अंशदान	–
–		–	–	सामान्य भविष्य निधि	–
–		–	–	अंशदायी भविष्य निधि	–
–	जोड़ें/घटाएं–संशोधन/ समायोजन	–	–	सीपीएफ के कारण यूसी	–
6,427,111	जोड़ें : ब्याज जमा	5,798,661	–	एनपीएस–II	–
–17,700,985	घटाएंः अग्रिम/निकासी	–26,215,667	–		–
85,697,560	अंत शेष	79,294,594	–	निवेश पर ब्याज से वसूला गया कर, आयकर विभाग से लंबित वापसी	–
	कर्मचारी अंशदान (सीपीएफ)		–		–
6,439,054	अथ शेष	5,137,631	–		–
–	घटाएंः मार्च के लिए अंशदान	–	–	बैंक में नकदी	–
866,443	जोड़ेंः वर्ष में अंशदान	777,667	104,812,917	बैंक	105,648,275
–	जोड़ेंः मार्च के लिए अंशदान	–	–		–
508,056	जोड़ेंः ब्याज जमा	376,385	–		–
–2,720,585	घटाएंः अग्रिम/निकासी	–2,357,931	–		–

जारी...

जारी...

(राशि रु. में)

राशि	देनदारियां	राशि	राशि	संपत्तियां	राशि
गत		चालू	गत		चालू
44,663	जोड़ें/घटाएं–संशोधन/समायोजन	–			
5,137,631	अंत शेष	3,933,752	–		–
	आईसीएसएसआर अंशदान (सीपीएफ)		–		–
5,237,073	अथ शेष	3,895,972	–		–
		–			
363,862	जोड़ें: वर्ष के दौरान अंशदान	273,639			
381,286	जोड़ें: ब्याज जमा	264,157			
–2,180,700	घटाएं: अग्रिम/निकासी	–829,774			
94,451	जोड़े/घटाएं –संशोधन/समायोजन	–			
3,895,972	अंत शेष	3,603,994			
	आरक्षित ब्याज				
20,660,558	अथ शेष	24,080,021			
3,558,577	जोड़े: व्यय से अधिक आय	–147,306			
–139,114	जोड़ें/घटाएं –संशोधन/समायोजन	–			
24,080,021	अंत शेष	23,932,715			
118,811,184	**जोड़**	**110,765,055**	**118,811,184**	**जोड़**	**110,765,055**

उ.मु.वि.अ./वि.स. तथा मु.ले.अ.
भा.सा.वि.अ.प.

सदस्य–सचिव
भा.सा.वि.अ.प.

भारतीय सामाजिक विज्ञान अनुसंधान परिषद्, नई दिल्ली
समेकित वार्षिक लेखे 2020–21
31 मार्च, 2021 को समाप्त वर्ष के लिए आय और व्यय लेखा
भविष्य निधि खाता

(राशि रुपये में)

राशि 31/मार्च/20	व्यय	राशि 31/मार्च/21	राशि 31/मार्च/20	आय	राशि 31/मार्च/21
	में जमा ब्याज :		9644683	निवेश से प्राप्त ब्याज	10954517
6427111	जीपीएफ खाता	5798661	3245125	जोड़ें: वर्ष 2020–21 के दौरान प्रोद्भूत ब्याज	64996
508056	सीपीएफ खाता कर्मचारी अंशदान	376385	0	जोड़ें: ब्याज पर वसूल कर–प्राप्त होने वाली वापसी	0
381286	सीपीएफ खाता नियोक्ता अंशदान	264157	335257	विविध प्राप्तियां (ब्याज की कमी)	189615
0	बैंक प्रभार	0	–2350035	वर्ष 2020–21 के दौरान पूर्व अवधि के लिए ब्याज कम प्राप्त हुआ	–4917231
3558577	व्यय से अधिक आय	0	0	आय से अधिक व्यय	147306
10875030	**जोड़**	**6439203**	**10875030**	**जोड़**	**6439203**

उ.मु.वि.अ./वि.स. तथा मु.ले.अ.
भा.सा.वि.अ.प.

सदस्य–सचिव
भा.सा.वि.अ.प.

भारतीय सामाजिक विज्ञान अनुसंधान परिषद्, नई दिल्ली
समेकित वार्षिक लेखे 2020–21
वित्तीय वर्ष 2020–2021 के लिए प्राप्ति एवं अदायगी लेखा
भविष्य निधि खाता

(राशि रुपये में)

प्राप्तियां	राशि	भुगतान	राशि
1/4/2020 को अथ शेष		जीपीएफ अग्रिम/निकासी	26215667
बैंक	104812917	सीपीएफ अग्रिम/निकासी	3187705
प्राप्त सामान्य भविष्य निधि अंशदान	14014040	वर्ष के दौरान निवेश	4953482
प्राप्त सीपीएफ अंशदान	777667	अन्य प्रभार (बैंक प्रभार)	0
सीपीएफ परिषद का अंशदान	273639	**31–03–2021 को अंत शेष**	
भुनाया गया निवेश	8982734	बैंक	105648275
प्राप्त ब्याज			
i) बचत बैंक/निवेश ब्याज	10954517		
ii) जीपीएफ/सीपीएफ ब्याज की कमी	189615		
विविध प्राप्तियां	0		
जोड़	**140005129**	**जोड़**	**140005129**

उ.मु.वि.अ./वि.स. तथा मु.ले.अ.
भा.सा.वि.अ.प.

सदस्य–सचिव
भा.सा.वि.अ.प.

भारतीय सामाजिक विज्ञान अनुसंधान परिषद्, नई दिल्ली
समेकित वार्षिक लेखे 2020–21
31 मार्च, 2021 की स्थिति के अनुसार तुलन–पत्र
एनपीएस टायर – 1 खाता

(राशि रुपये में)

राशि	देनदारियां	राशि	राशि	संपत्तियां	राशि
	एनपीएस टियर – I खाता			**एनपीएस टियर – I खाता**	
	अथ शेष			2020–21 के लिए देय अभिदान और अंशदान	
	घटाएंः मार्च .. के लिए अंशदान			निवेश	
				प्रोद्भूत ब्याज परन्तु देय नहीं है	
	जोड़ेंः सब+यू अंशदान			बैंक में शेष	
	जोड़ेंः ब्याज जमा				
	घटाएंः एनएसडीएल को अंतरित				
	जोड़ेंः मार्च... के लिए सब+यूसी				
	व्यय से अधिक आय				
	1.4.20...... को शेष राशि				
	जोड़ें : वर्ष के दौरान				
	कुल			**कुल**	

उ.मु.वि.अ./वि.स. तथा मु.ले.अ.
भा.सा.वि.अ.प.

सदस्य–सचिव
भा.सा.वि.अ.प.

भारतीय सामाजिक विज्ञान अनुसंधान परिषद्, नई दिल्ली
समेकित वार्षिक लेखे 2020–21
वित्तीय वर्ष 2020–2021 के लिए आय और व्यय लेखा
एनपीएस टायर – 1 खाता

(राशि रुपये में)

राशि	व्यय	राशि	राशि	आय	राशि
	अंशधारक के खातों में ब्याज जमा	0	0	निवेश पर अर्जित ब्याज	
	बैंक प्रभार				
				घटाएं: ब्याज प्रोद्भूत 31/03/......	
	व्यय से अधिक आय			प्रोद्भूत ब्याज परन्तु देय नहीं है	
	जोड़			**जोड़**	

उ.मु.वि.अ./वि.स. तथा मु.ले.अ.
भा.सा.वि.अ.प.

सदस्य–सचिव
भा.सा.वि.अ.प.

भारतीय सामाजिक विज्ञान अनुसंधान परिषद्, नई दिल्ली
समेकित वार्षिक लेखे 2020–21
वित्तीय वर्ष 2020–21 के लिए प्राप्ति एवं अदायगी लेखा
एनसीपीएस टायर–1 खाता

(राशि रुपये में)

प्राप्तियां	राशि	भुगतान	राशि
1/4/2020 को अथ शेष	45042	निवेश	0
एनपीएस टियर–1 खाता		निकासी/एनएसडीएल को वापसी	4971281
स्वः अंशदान	2810521		
आईसीएसएसआर अंशदान	2115718		
		31/03/2021 को अंत शेष	0
निवेश पर प्राप्त ब्याज	0		
बैंक बचत खाते पर ब्याज	0		
भुनाया गया निवेश	0		
जोड़	**4971281**	**जोड़**	**4971281**

उ.मु.वि.अ./वि.स. तथा मु.ले.अ.
भा.सा.वि.अ.प.

सदस्य–सचिव
भा.सा.वि.अ.प.